

مقارنة بالصور بين المخطوط السينائي والعهد الجديد



الاختلافات الهامة بين المخطوطة السينائية والعهد الجديد

431

اختلاف هام

تأليف

أحمد الشامي



1438-2017

Α ΕΝΑΡΧΗ ΗΝ Ο ΛΟΓΟΣ
 ΚΑΙ Ο ΛΟΓΟΣ ΗΝ
 ΠΡΟΣ ΤΟΝ ΘΕΟΝ ΚΑΙ
 ΘΕΟΣ ΗΝ Ο ΛΟΓΟΣ ΟΙ
 ΤΟΣ ΗΝ ΕΝΑΡΧΗ
 Η ΠΡΟΣ ΤΟΝ ΘΕΟΝ Η
 ΤΑ ΜΑΚΥΤΟΙ ΕΤΕΝ
 ΤΟ ΚΑΙ ΧΩΡΙΣ ΑΥΤΗ
 ΕΤΕΝ ΕΤΟΥΣ ΕΝ
 ΟΓΕΙ ΤΟΝ ΕΝ ΕΝΑ
 ΤΩ ΖΩΗΣ ΕΣΤΗΝ
 ΚΑΙ ΖΩΗ Η ΗΝ Τ
 ΦΩΣ ΤΩΝ ΑΝΘΡ
 ΠΩΝ ΚΑΙ ΤΟΥΣ
 ΟΥΣ ΗΣΚΟΤΗ ΑΦΑ
 ΝΕΙ ΚΑΙ ΗΣΚΟΤΗ
 Α ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ Τ
 Α ΔΕΝ
 Β ΕΤΕΝ ΕΤΟ ΑΝΘΡΩ
 ΠΟΣ ΑΙ ΕΣΤΑ Μ
 ΝΟΣ Η ΑΡΑ ΟΥ ΗΝ
 ΝΟΜΑ ΑΥΤΩ ΙΩ
 ΑΝΝΗΣ ΟΥΤΟΣ
 ΗΛΘΟΝ ΕΙΣ ΜΑΡΤ
 ΥΡΙΑΝ ΗΝ Α ΜΑΡΤΥ
 ΡΗ ΟΙ ΗΣΤΟΥΣ
 ΤΟΣ ΗΝ ΑΙ ΑΝΤΕ

ΑΥΤΟΙΣ ΕΣΟΥΣΙΑΝ
 ΤΕ ΚΝΑ ΟΥΤΕΝ Ε
 ΤΟΙΣ ΗΣΤΟΥΣ
 ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΜΑΛΗ
 ΟΙ ΟΥΚ ΕΣΑΙΜΑ
 ΟΥΔΕ ΕΚΘΕΛΙΜΑ
 ΤΟΣ ΣΑΡΚΟΣ ΟΥΔΕ
 ΘΕΛΙΜΑΙΟΣ ΑΝΑ
 ΑΛΛΕ ΚΟΥΣ ΕΝΗ
 Ε ΗΣΑΝ ΚΑΙ Ο ΛΟΓ
 ΟΣ ΑΡΣΕΤΕΝ ΕΤΟ ΚΑΙ
 ΕΣΚΗΝΩΣΕΝ ΕΝ
 ΜΙΝ ΚΑΙ ΘΕΛΕΣΑ
 ΜΕΘΑ Η ΗΝ ΔΟΞΑ
 ΑΥΤΟΥ ΑΛΩΣΑΝΘ
 ΜΟΝΟΓΕΝΟΥΣΙΑ
 ΤΑ ΠΑΤΡΟΣ Η ΗΡ
 ΧΑΡΙΤΟΣ ΚΑΙ ΑΛΗΘ
 ΙΩ ΑΝΝΗΣ ΜΑΡΤΥ
 ΡΗ ΠΕΡΙ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ
 ΙΣΤΑ ΕΝ ΟΥΤΟΣ ΗΝ
 ΠΟΝΘΟΙ ΗΣ Ο ΜΟΥΣ
 ΧΟΜΕΝΟΣ ΟΣ ΕΜ
 ΠΡΟΣ ΟΣ Η ΜΟΥΣ
 ΤΟΝ ΕΝ ΟΣ Η ΠΡΟΦ
 ΜΟΥ ΗΝ ΟΣ Η ΚΕΤ
 Η Η ΠΡΩΜΑΙΟΣ ΑΥ

ΣΕΝ ΚΑΙ ΟΥΚ ΗΡΗ
 ΣΑΙ ΤΟΥΣ Η ΤΟΥΣ
 ΜΙΟΧΣ ΚΑΙ ΕΝ Η
 ΤΗΣ ΑΝ Η ΤΑ ΜΗ
 Η ΛΙΑΣ ΕΙΣ ΕΙΣ
 ΚΕΙ Η ΠΡΟΦΗΤΗ
 ΣΥΚΑΙ ΑΙΣ ΚΡΗΤ
 ΕΙΠΟΝ ΟΥΝ ΑΥΤΩ
 ΠΟΣ ΕΝ ΑΔΑΠΟΚ
 ΣΙΝ ΑΩΜΕΝ ΤΟΙ
 ΠΕΜΨΑΣΙΝ ΗΜΑ
 ΤΙ ΛΕΙΣΙ ΕΡΕΙΣ
 ΤΟΥ ΕΦΗΕΤΩ Φ
 ΝΗ ΚΟΥΝ ΤΟΣ ΕΝ
 ΤΗ ΕΡΗΜΩ ΕΥΟ
 ΝΑΤΕ ΠΗΝ Ο ΛΟΝ
 ΚΑΘΩΣ ΕΝ ΕΝ Η
 ΙΑΣΟΙ ΠΡΟΦΗΤΗ
 ΚΑΙ ΑΙ ΕΣΤΑ ΜΕ
 ΝΟΝ ΗΣΑΝ ΕΚ ΤΩ
 ΦΑΡΙΣΑΙΩΝ ΚΑΙ
 ΠΟΝΑΥΤΩ ΤΟΥΝ
 ΒΑΠΗ ΖΕΙΣ ΕΙΣ
 ΚΕΙΟΧΣ ΟΥΔΕ Η
 ΑΣΟΥΔΟΙ ΠΡΟΦ
 ΗΣ
 ΚΑΙ ΕΚΡΗΤΟΝ ΑΥΤΟ
 ΤΟΣ ΗΝ ΟΥΣ

ΙΑ ΟΥΤΟ
 Δ ΕΤΩ
 ΜΟΥ
 ΟΣ ΕΙ
 ΓΕΤΟ
 ΤΟΣ
 ΚΑΙ
 ΑΙΝ
 ΤΩ
 ΟΝ
 ΚΑΙ
 ΜΑΡ
 ΑΝ
 ΑΜΑ
 ΠΕΡ
 ΒΑΙ
 ΡΑΝ
 ΕΠΑ
 ΟΥΚ
 ΑΛΛ
 ΚΑΙ
 ΥΔ
 ΕΠ
 ΑΙ
 ΝΟ
 ΠΑ
 ΣΤΗ
 ΕΝ



الاختلافات الهامة بين المخطوطة السينائية والعهد الجديد

431 اختلاف هام

1438ھ - 2017م

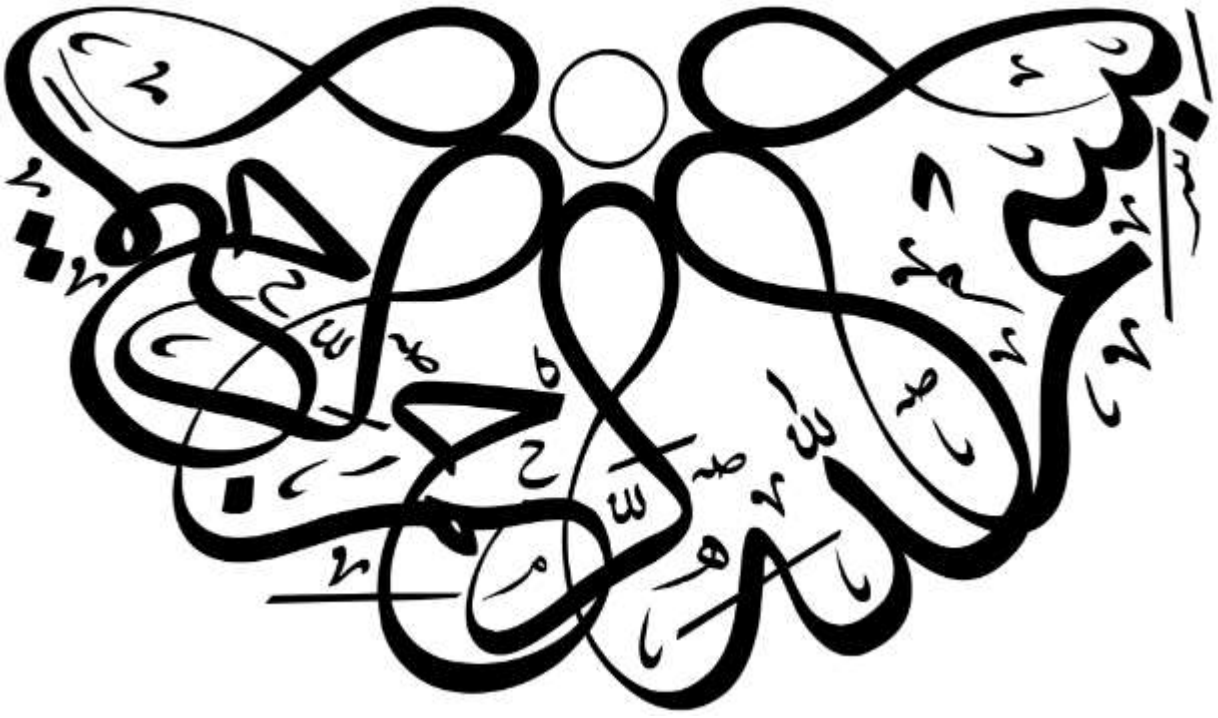
الاختلافات الهامة بين الخطوط السينائية والعمد الجديد

431
الخطوط
السينائية
والعمد الجديد

قائل
الخطوط

الخطوط
السينائية
والعمد الجديد

1438هـ - 2017م



جدول المحتويات

21	المقدمة
30	الفصل الاول : قيمة المخطوطة
33	الفصل الثاني: إشكالية المصححين
33	• تعريف التصحيح:
33	• القراءة قبل التصحيح هي الصحيحة والمعتمدة :
33	• مصححي السينائية:
36	رمز الناسخ الأصلي للسينائية و رمز المصححين:
37	جدول ملخص برموز مصححي السينائية عند مختلف العلماء:
37	الاختصارات المقدسة " NOMINA SACRA " :-
38	الفصل الثالث: جدول ملخص بالنتائج
40	الفصل الرابع: تفصيل الاختلافات
40	سفر الراعي لهرماس
42	رسالة برنابا
44	إنجيل متى
45	العنوان
46	متى 1-10
47	متى 1-25
48	متى 2-18
49	متى 5-19
51	متى 5-22
53	متى 5-44
54	متى 5-47
55	متى 6-1
56	متى 6-4
57	متى 6-6
59	متى 6-13
61	متى 6-18
62	متى 6-25
63	متى 7-27
64	متى 8-13
66	متى 8-28

68.....	متى 8-9
69.....	متى 8-9
70.....	متى 14-9
72.....	متى 12-10
73.....	متى 25-10
74.....	متى 19-11
75.....	متى 12: 47-46
78.....	متى 13: 35
79.....	متى 13: 55
80.....	متى 15: 5
81.....	متى 15: 8
82.....	متى 15: 19-18
84.....	متى 16: 3-2
86.....	متى 17: 21
87.....	متى 8: 11
88.....	متى 19: 17-16
90.....	متى 19: 29
91.....	متى 20: 16
92.....	متى 20: 23-22
95.....	متى 23: 4
96.....	متى 23: 14
98.....	متى 23: 19
99.....	متى 24: 36
100.....	متى 25: 13
101.....	متى 26: 28
102.....	متى 26: 59
103.....	متى 27: 35
105.....	متى 27: 49
107.....	متى 27: 56
108.....	متى 28: 6
109.....	متى 28: 9
111.....	إنجيل مرقص
112.....	العنوان
113.....	مرقص 1-1

115.....	مرقص3-1:2
116.....	مرقص2-1
117.....	مرقص14-1
118.....	مرقص2-2
119.....	مرقص16-2
121.....	مرقص17-2
122.....	مرقص5-3
124.....	مرقص8-3
126.....	مرقص15-3
127.....	مرقص16-3
128.....	مرقص15-4
130.....	مرقص1-5
132.....	مرقص41-5
133.....	مرقص11-6
134.....	مرقص11-6
136.....	مرقص20-6
137.....	مرقص22-6
138.....	مرقص36-6
139.....	مرقص51-6
140.....	مرقص2-7
141.....	مرقص4-7
143.....	مرقص5-7
146.....	مرقص8-7
148.....	مرقص16-7
149.....	مرقص35-7
150.....	مرقص17-8
152.....	مرقص26-8
153.....	مرقص23-9
154.....	مرقص24-9
155.....	مرقص29-9
157.....	مرقص31-9
159.....	مرقص38-9
160.....	مرقص44-9
162.....	مرقص46-9
164.....	مرقص49-9

165.....	مرقص 6-10
167.....	مرقص 7-10
168.....	مرقص 19-10
170.....	مرقص 21-10
172.....	مرقص 24-10
174.....	مرقص 29-10
176.....	مرقص 34-10
177.....	مرقص 40-10
178.....	مرقص 8-11
179.....	مرقص 26-11
181.....	مرقص 4-12
182.....	مرقص 23-12
184.....	مرقص 33-12
186.....	مرقص 11-13
188.....	مرقص 14-13
189.....	مرقص 19-14
190.....	مرقص 24-14
191.....	مرقص 27-14
192.....	مرقص 30-14
193.....	مرقص 68-14
194.....	مرقص 72-14
196.....	مرقص 28-15
197.....	مرقص 39-15
198.....	مرقص 20-9 : 16
200.....	إنجيل لوقا
201.....	العنوان
202.....	لوقا 1-28
203.....	لوقا 1-29
204.....	لوقا 1-41
205.....	لوقا 2-2
207.....	لوقا 2-22
208.....	لوقا 2-33
209.....	لوقا 2-37
211.....	لوقا 2-38

212.....	لوقا 2-40
213.....	لوقا 2-43
214.....	لوقا 3-33
217.....	لوقا 4-4
218.....	لوقا 4-5
219.....	لوقا 4-8
220.....	لوقا 4-18
222.....	لوقا 4-44
223.....	لوقا 5-17
224.....	لوقا 5-38
225.....	لوقا 6-1
226.....	لوقا 6-10
227.....	لوقا 7-11
228.....	لوقا 8-26
230.....	لوقا 8-37
231.....	لوقا 8-54
232.....	لوقا 9-10
234.....	لوقا 9-35
235.....	لوقا 9-54
236.....	لوقا 9: 55-56
238.....	لوقا 10-42
240.....	لوقا 11-2
241.....	لوقا 11-4
243.....	لوقا 11-23
244.....	لوقا 11-44
245.....	لوقا 11-53
247.....	لوقا 11-54
248.....	لوقا 13-35
249.....	لوقا 15-16
250.....	لوقا 16-9
251.....	لوقا 17-9
252.....	لوقا 17-36
254.....	لوقا 19-45
255.....	لوقا 20-23
256.....	لوقا 20-30

257.....	لوقا 22-64
258.....	لوقا 22-68
259.....	لوقا 23-23
260.....	لوقا 23-42
261.....	لوقا 23-45
262.....	لوقا 24-1
263.....	لوقا 24-13
264.....	لوقا 24-42
265.....	لوقا 24-46
266.....	لوقا 24-51
268.....	إنجيل يوحنا
269.....	العنوان
270.....	يو 1-18
271.....	يوحنا 1-28
275.....	يو 1-34
277.....	يو 2-3
278.....	يو 2-12
279.....	يو 3-13
280.....	يو 3-15
281.....	يو 3: 31-32
284.....	يو 4-1
285.....	يو 4-9
286.....	يو 4-42
287.....	يو 5-2
289.....	يو 3: 4-5
291.....	يو 5-16
292.....	يو 6-11
293.....	يو 6-42
294.....	يو 6-47
295.....	يو 6-69
296.....	يو 7-8
297.....	يو 7: 53-8: 11
302.....	يو 8-16
304.....	يو 8-35

305.....	يو8-57
307.....	يو8-59
308.....	يو9-4
309.....	يو9-35
310.....	يو9: 38-39
313.....	يو10-18
315.....	يو10-34
317.....	يو13-2
318.....	يو13-32
321.....	يو14-4
322.....	يو16-15
325.....	يو17-8
327.....	يو17-11
329.....	يو20-23
331.....	يو21-23

أعمال الرسـل

334.....	
335.....	أع1-14
336.....	أع1-15
337.....	أع2-5
338.....	أع2-30
339.....	أع2-43
340.....	أع3-6
341.....	أع4-25
343.....	أع5-16
344.....	أع6-7
345.....	أع6-13
346.....	أع7-37
347.....	أع7-46
348.....	أع8-37
349.....	أع9: 5-6
351.....	أع9-10
352.....	أع9-25
353.....	أع10-6
354.....	أع10-12

355.....	أع10-30
356.....	أع10-32
357.....	أع10-48
358.....	أع11-12
359.....	أع12-25
360.....	أع13-33
361.....	أع13-42
362.....	أع13-45
363.....	أع15:17-18
364.....	أع15-23
366.....	أع15-24
367.....	أع15-34
368.....	أع16-7
369.....	أع17-5
370.....	أع17-26
371.....	أع18-17
372.....	أع18-21
374.....	أع18-25
375.....	أع19-33
376.....	أع19-37
377.....	أع20-15
380.....	أع20-28
382.....	أع21-8
383.....	أع21-20
384.....	أع22-9
385.....	أع23-9
387.....	أع23-12
388.....	أع24:6,7,8
390.....	أع24-26
391.....	أع27-5
394.....	أع28-16
395.....	أع28-25
397.....	أع28-29
399.....	رسالة رومية

400.....	رو 1-29
401.....	رو 2-2
402.....	رو 3-22
404.....	رو 4-19
405.....	رو 5-1
406.....	رو 6-12
407.....	رو 8-1
408.....	رو 8-2
409.....	رو 8-26
412.....	رو 9-32
414.....	رو 10-15
415.....	رو 11-6
417.....	رو 14-6
419.....	رو 14-9
420.....	رو 14-10
421.....	رو 14-21
423.....	رو 15-7
424.....	رو 15-24
425.....	رو 15-29
428.....	رو 16-5
430.....	رو 16-24

432..... **مجله جغرافیائی و تاریخی** ۱۱

433.....	کور (1) 1-2
434.....	کور (1) 4-2
435.....	کور (1) 3-3
436.....	کور (1) 7-5
439.....	کور (1) 20-6
440.....	کور (1) 5-7
443.....	کور (1) 7: 33-34
445.....	کور (1) 7: 39
446.....	کور (1) 9: 22
448.....	کور (1) 10: 9
449.....	کور (1) 10: 19
450.....	کور (1) 10: 28

451.....	كور(1) 28 :10
452.....	كور(1) 2 :11
453.....	كور(1) 24 :11
455.....	كور(1) 29 :11
458.....	كور(1) 38 :14
460.....	كور(1) 47 :15
462.....	كور(1) 51 :15
464.....	كور(1) 54 :15
467.....	رسالة كورنثوس الثانية
468.....	كور(2) 12 :1
470.....	كور(2) 14 :4
471.....	كور(2) 17 :5
472.....	كور(2) 16 :6
475.....	كور(2) 3 :11
477.....	كور(2) 7 :12
480.....	كور(2) 9 :12
482.....	كور(2) 11 :12
483.....	رسالة غلاطية
484.....	غلاطية2-12
485.....	غلاطية3-1
486.....	غلاطية3-1
487.....	غلاطية3-17
488.....	غلاطية4-7
489.....	غلاطية5-21
490.....	رسالة أفسس
491.....	1-1
493.....	10-1
495.....	15-1
497.....	9-3
498.....	14-3
500.....	21-3
501.....	9-4
503.....	21-5
504.....	30-5

506.....	9-6
507.....	رسالة فيلبي
508.....	فيلبي 3-16
509.....	فيلبي 4-3
511.....	فيلبي 4-13
512.....	رسالة كولوسي
513.....	كولوسي 1-12
514.....	كولوسي 1-14
515.....	كولوسي 1-23
518.....	كولوسي 2-2
520.....	كولوسي 2-11
522.....	كولوسي 2-18
524.....	كولوسي 3-13
525.....	رسالة تسالونيكي الأولى
526.....	تسا (1) 5-1
527.....	تسا (1) 7-2
528.....	تسا (1) 2-3
529.....	تسا (1) 1-4
531.....	تسا (1) 27-5
532.....	تسالونيكي الثانية
533.....	تسا (2) 4-2
534.....	تيموثاوس الأولى
535.....	تي (1) 1-1
536.....	تي (1) 7-2
537.....	تي (1) 16-3
539.....	تي (1) 12-4
540.....	تي (1) 4-5
542.....	تي (6) 16-5
543.....	تي (1) 21-5
544.....	تي (1) 5-6
546.....	تي (1) 17-6
548.....	تي (1) 22-6
549.....	تيموثاوس الثانية

550.....	تي (2) 1-11
552.....	تي (2) 2-18
553.....	تي (2) 3-15
554.....	تي (2) 3-16
555.....	تي (2) 4-22
557.....	رسالة تيطوس
558.....	تيط 4-1
559.....	تيط 4-1
560.....	رسالة فلبيم —ون
561.....	فلبيم 2-1
562.....	فلبيم 12-1
564.....	رسالة العبرانانيين
565.....	عب 3-1
567.....	عب 8-1
568.....	عب 12-1
569.....	عب 21-7
571.....	عب 12-8
573.....	عب 1-10
575.....	عب 30-10
577.....	عب 13-11
579.....	عب 18-12
580.....	عب 20-12
581.....	رسالة يعقوب
582.....	يع 12-3
584.....	بطرس الأولى
585.....	بط (1) 1-1
587.....	بط (1) 1-22
588.....	بط (1) 1-23
589.....	بط (1) 2-2
590.....	بط (1) 2-5
591.....	بط (1) 3-8
593.....	بط (1) 4-14
595.....	بط (1) 4-16

596	بطرس الثانية
597	بط (2) 1-10
598	بط (2) 2-4
599	بط (2) 2-15
600	بط (2) 2-17
601	بط (2) 3-8
602	بط (2) 3-10
604	يوحنا الأولى
605	يو (1) 2-7
606	يو (1) 2-28
607	يو (1) 8-7:5
609	يو (1) 13:5
611	يوحنا الثانية
612	يو (2) 4:1
613	يوحنا الثالثة
613	رسالة يهوذا
614	يهو 1-1
615	يهو 4-1
618	يهو 12-1
621	يهو 14-1
622	يهو 25-1
623	يهو 25-1
624	رؤيا يوحنا
625	رؤ 11-1
626	رؤ 17-1
628	رؤ 2-5
629	رؤ 2-13
630	رؤ 2-15
631	رؤ 2-20
632	رؤ 2-21
634	رؤ 2-22
635	رؤ 3-2
636	رؤ 4-8

638.....	رؤ 3-5
639.....	رؤ 4-5
640.....	رؤ 13-5
642.....	رؤ 17-6
643.....	رؤ 8-5 :7
646.....	رؤ 7 :7
647.....	رؤ 10 :7
648.....	رؤ 13 :8
649.....	رؤ 2 :9
651.....	رؤ 5 :10
652.....	رؤ 6 :10
653.....	رؤ 11 :10
654.....	رؤ 17 :11
655.....	رؤ 17 :12
656.....	رؤ 4 :14
658.....	رؤ 13 :14
661.....	رؤ 20 :14
662.....	رؤ 7 :16
663.....	رؤ 13 :16
665.....	رؤ 14 :16
667.....	رؤ 13 :19
668.....	رؤ 17 :19
669.....	رؤ 5 :20
670.....	رؤ 2 :21
671.....	رؤ 24 :21
672.....	رؤ 1 :22
673.....	رؤ 6 :22
674.....	رؤ 14 :22
675.....	الفصل الخامس أهداف التحريف- وشهادات بالتحريف

المقدمة

الحمد لله حق حمده, والصلاة والسلام على محمد نبيه وعبد, وعلى آله وصحابه من بعده. وبعد, فإن المخطوطة السينائية تعد أقدم نسخة شبه كاملة للكتاب المقدس, وهي واحدة من أهم وأفضل المخطوطات المتوفرة للعهد الجديد, ويرجع تاريخها إلى القرن الرابع الميلادي. اكتشفت على يد العالم قسطنطين تشندورف في القرن التاسع عشر في دير سانت كاترين بمصر.

ونظرا للأهمية العالية لهذه المخطوطة فإن أغلب النسخ النقدية للعهد الجديد تعتمد في نصها على السينائية في أغلب القراءات المتنازع عليها.

والباحث في نص المخطوطة سيجد كم كبير الاختلافات الهامة بين نص المخطوطة السينائية وبين نص العهد الجديد المتوفر حاليا بين أيدي المسيحيين. ونظرا لأن الكثيرين من المهتمين بموضوع (عصمة نص الكتاب المقدس) يحبون الاطلاع على هذه الاختلافات وأيضا نظرا لظهور بعض الدعوات الغربية التي تقول بأن نص المخطوط مطابق تماما للعهد الجديد الحالي فإنني أخذت على عاتقي عبء استخراج أهم الاختلافات بين المخطوطة وبين النص الحالي.

واعتمدت في هذا الأمر على عدة مصادر منها :

- الجهاز النقدي لنسخة اتحاد جمعيات الكتاب المقدس الشهيرة UBS 5th :

Aland, B., Aland, K., Karavidopoulos, J., Martini, C. M., & Metzger, B. (Eds.). (2014). *The Greek New Testament: Apparatus* (Fifth Revised Edition). Deutsche Bibelgesellschaft; American Bible Society; United Bible Societies.

- الجهاز النقدي لنسخة نستل ألاند الشهيرة NA28 :

Nestle, E., & Nestle, E. (2012). *Nestle-Aland: NTG Apparatus Criticus*. (B. Aland, K. Aland, J. Karavidopoulos, C. M. Martini, & B. M. Metzger, Eds.). Stuttgart: Deutsche Bibelgesellschaft.

- الجهاز النقدي لمركز الدراسات النصية للعهد الجديد CNTTS :

H. Milton Haggard Center for New Testament Textual Studies. (2010). *The Center for New Testament Textual Studies: NT Critical Apparatus*. New Orleans Baptist Theological Seminary.

- الجهاز النقدي الشهير للعالم تشندورف :

Tischendorf [TI8] Eighth edition 1869-1872 in Three volumes. Constantin von Tischendorf (1815-1874) *Editio octava critica maior*

- الجهاز النقدي الهام للعالم هرمان فون سون : Hermann Frieherr von Soden (1852-1914) *Die Schriften des Neuen Testaments in ihrer ältesten erreichbaren Textgestalt hergestellt auf Grund ihrer Textgeschichte*

Hermann Frieherr von Soden (1852-1914) *Die Schriften des Neuen Testaments in ihrer ältesten erreichbaren Textgestalt hergestellt auf Grund ihrer Textgeschichte*

- الجهاز النقدي للعالم جريجوري :

Die griechischen Handschriften des Neuen Testaments(1901).

- الجهاز النقدي لويلبور بيكرنج و CSPMT :

BYZANTINE GREEK NEW TESTAMENT K_r/FAMILY 35 TEXTFORM COMPILED AND ARRANGED BY THE CENTER FOR THE STUDY AND PRESERVATION OF THE MAJORITY TEXT(2014).

- الجهاز النقدي لمايكل هولمز SBL :

The Greek New Testament., SBL Edition, Edited by Michael W. Holmes

وغيرها من الأجهزة النقدية.

وبخصوص التعليقات النقدية فقدت اعتمدت على عدة مصادر منها:

- التعليقات النقدية لبروس متزجر:

Metzger, B. M., United Bible Societies. (1994). *A textual commentary on the Greek New Testament, second edition a companion volume to the United Bible Societies' Greek New Testament (4th rev. ed.)*. London; New York: United Bible Societies.

- التعليقات النقدية لفليب كومفرت:

New TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY., Commentary on the variant readings of the ancient New Testament manuscripts and how they relate to the major English translations., by PHILIP W. COMFORT(2008).

- التعليقات النقدية لنسخة النت بايبل الشهيرة:

The NET Bible, Version 1.0 – Copyright © 1996-2006 Biblical Studies Press, L.L.C.

- التعليقات النقدية لبروس تيري :

A Student's Guide to New Testament Textual Variants

- التعليقات النقدية لفيلند فيلكر TCG:

An Online Textual Commentary on the Greek Gospels

وغيرها من التعليقات والبرولوجومينا النقدية.

كما اعتمدت في صورة المخطوطة وتفرغ نصها على عدة مصادر منها :

- الموقع الرسمي للمخطوطة:

<http://codexsinaiticus.org/en/>

- مركز دراسة مخطوطات الكتاب المقدس الشهير لدانيال ولاس CSNTM :

http://www.csntm.org/manuscript/View/GA_01

- برنامج بايبل وركس الشهير 10 Bible Works (BW)

- تفرغ نص السينائية بواسطة ديفيد باركر وأمي ميشرال وتي براون:

International Greek New Testament Project (IGNTP). (2012). *Codex Sinaiticus: Septuagint and New Testament*. Cambridge, UK: The Codex Sinaiticus Project Board.

CODEX SINAITICUS, A Transcription of the Septuagint and the New Testament, CREATED BY, The Codex Sinaiticus Project, SPONSOR The Institute for Textual Scholarship and Electronic Editing University of Birmingham, FUNDED BY The Arts and Humanities Research Council, TRANSCRIPTION D.C. Parker, Amy Myshrall, T.A.E. Brown With Members of the Institut für neutestamentliche Textforschung, Münster

• تفريغ نص السينائية لهنري أندرسون:

CODEX SINAITICUS: The New Testament in English., Translated from the Sinaitic Manuscript Discovered by Constantine Tischendorf at Mt. Sinai by H. T. Anderson And begun in 1861 ., Edited by Jackson Snyder, Roy Shurtleff Miller., Copyright ©2004 Jackson H.

وغيرها من المصادر.

وبخصوص طريقة عرض الاختلافات فقد وضعت جداول تشتمل على :

- 1- النص باللغة العربية من النسخة الشائعة اليوم (الفانديك)
- 2- النص باللغة اليونانية كما هو بالمخطوطة السينائية
- 3- ترجمة نص السينائية باللغة العربية
- 4- وجه الاختلاف
- 5- تعليق على الاختلاف

ثم ألحقت بعد كل جدول صورة النص في المخطوطة مع توضيحات.

وبخصوص التعليقات فإنني افترضت فيها أن قراءة السينائية هي الصحيحة وأن قراءة النص الشائع الحالي هي الخاطئة , وهذا الافتراض ليس قطعياً , فلا يوجد أحد بمقدوره أن يعرف القراءة الصحيحة على سبيل اليقين , وهذه أهم مشكلة تواجه نص العهد الجديد, ويمكنني تلخيص مشكلة نص العهد الجديد في أربعة نقاط :

- 1- الأصل مفقود
- 2- المخطوطات مختلفة فيما بينها اختلافات شديدة
- 3- العلماء مختلفون فيما بينهم في قواعد الترجيح النقدية وكذلك مختلفون في تطبيقها
- 4- لا توجد قاعدة واحدة يقينية يمكن استعمالها لمعرفة القراءة الصحيحة من الخطأ

وبالتالي فليس بمقدور أحد سوى الترجيح اعتماداً على التخمين والاحتمال وسأقدم مثالا واحدا لذلك :

نسخة اليوبي إس UBS 5th وهي النسخة النقدية الأشهر تضع حروفا (A-B-C-D) بجوار كل قراءة اختارتها اللجنة , وهدفها تقييم درجة اليقين من القراءات المختارة وهي كالتالي:

- 1- الرمز A: اللجنة متأكدة من صحة الاختيار
- 2- الرمز B: اللجنة غالبا متأكدة من صحة الاختيار
- 3- الرمز C اللجنة وجدت صعوبة في تحديد القراءة الصحيحة
- 4- الرمز D: اللجنة وجدت صعوبة كبيرة في اتخاذ القرار

(The letter A indicates that the text is certain.)

The letter B indicates that the text is almost certain.

The letter C indicates that the committee had difficulty in deciding which variant to place in the text.

The letter D indicates that the committee had great difficulty in arriving at a decision.)¹

وكانت نسب القراءات التي أخذت التقديرات من A إلي D في نسخة UBS3 وفقا لجي إدوراد² كالتالي :

A-Ratings: 8.7%

B-Ratings: 32.3%

C-Ratings: 48.6%

D-Ratings: 10.4%

هنا نلاحظ أن نصف القراءات أخذت تقدير C وهو التقدير الذي يعني أن اللجنة وجدت صعوبة في تحديد القراءة الصحيحة

إنما افترضت هذا الافتراض- صحة قراءة السينائية في مقابل النص الشائع- لعدة أسباب:-

1- أن السينائية من أهم مخطوطات النص السكندري الذي هو أفضل العائلات المخطوطية وفقا لرأي الأغلبية العظمى من علماء النقد النصي كما هو معروف, علي سبيل المثال نأخذ شهادة لبارت إيرمان, ومايكل هولمز, وجوردن في, وغونتر زانتر :

" هناك كم من الأدلة المعتبرة التي تثبت الاجتهاد الشديد عند النساخ السكندريين من أجل المحافظة على النص الأصلي من التحريفات المنتشرة في كل مكان, كما أكد هذا **غونتر زانتر**, لهذا فالمخطوطات السكندرية لها الأفضلية"

"There is a considerable body of evidence to suggest that this general scholarly competence in restoring ancient texts made its impact upon Christian scribes in Alexandria, who worked with unusual assiduity to preserve the sacred traditions of the NT from the corrupting influences evidenced elsewhere throughout the Christian world.²⁶ As a result, among the several thousand NT MSS that survive, those that can be linked to the Alexandrian tradition are by and large considered superior witnesses to the texts of the autographs.

26 See esp. Günther Zuntz, The Text of the Epistles; A Disquisition Upon the Corpus Paulinum (London: Oxford University, 1953) 271-76." ³

2- أن علماء النقد النصي والنسخ النقدية أختاروا القراءة الموجودة في السينائية كالقراءة الأصح في أغلب المشكلات النصية , علي سبيل المثال فإنه من بين أول 150 مشكلة نصية في نسخة ال UBS 5th المعيارية فإن اللجنة اختارت القراءة التي تمثلها السينائية في 90 حالة بما يساوي تقريبا 65% من الإشكالات

¹ The Greek New Testament, fourth revision edition, Stuttgart: Deutsche Bibelgesellschaft, 1994, p.3

² E. J. Edwards, "On Using the Textual Apparatus of the UBS Greek New Testament," in The Bible Translator, 28, p.122

³ THE TEXT OF THE FOURTH GOSPEL IN THE WRITINGS OF ORIGEN., Volume One., Bart D. Ehrman., Gordon D. Fee., Michael W. Holmes., Atlanta, Georgia., chapter1., pg. 11

3- أقدمية السينائية تجعل قراءتها هي المفضلة وفقا لقاعدة الأقدم هو الأصح

والصواب والذي لا مرية فيه هو أنه لا يمكن معرفة القراءة الأصح على سبيل القطع , فالإشكال قائم وسيبقى قائما كما صرح بهذا الكثير من العلماء , وسأستعرض القليل من أقوال العلماء في هذه النقطة:

- **بول ماس** : لا يوجد أمل لعلاج التلوث

There is no cure for contamination. „Gegen die Kontamination ist noch kein Kraut gewachsen“. (Paul Maas, Textkritik)⁴

- **دانيال ولاس** : يقول ردا علي بارت إيرمان :-

(انا لم أقل أبدا أننا متأكدين بشكل كامل من كلمات نص العهد الجديد, لذلك أنا أتفق معه في أننا لا نملك أي طريقة للتأكد)

“I have never said in our debates that we are absolutely certain of the wording of the text of the New Testament. So, I would agree with him that “we really don’t have any way to know for sure.”!⁵

- **روبرت جرانت**:-

يقول بخصوص استعادة النص الأصلي :“إنها مهمة تشبه المستحيل , ولذلك يجب استعمال عبارة رينولد نيبور القائلة إنها الاحتمالية المستحيلة.”

“To achieve this goal is well-nigh impossible. Therefore we must be content with what Reinhold Niebuhr and others have called, in other contexts, an “impossible possibility,”⁶

ويقول :“نحن في زمن لا يمكن فيه استعادة النص الأصلي إلا بالصدفة إذا حالفنا الحظ واكتشفنا شيئا من التربة المصرية ”

“We now live in a time when it is generally recognized that the original text of the Bible cannot be recovered, unless by some lucky chance a New Testament autograph might come from the sands of Egypt.”⁷

- **روبين سوانسون** :-

" الهدف الثابت المبكر – النص الأصلي- هو وهم وخيال ومستحيل وذلك لسببين :

الأول أن ما نملكه قبل القرن الرابع من مخطوطات هو قصاصات والثاني أن الأحكام غير دقيقة وغير حيادية وتتأثر بالأجندات العقائدية والخلفيات اللاهوتية , والخبرة ."

⁴ Institut für neutestamentliche Textforschung , Institute for New Testament Textual Research Münster Colloquium on the Textual History of the Greek New Testament , 3-6 August 2008 , Introductory Presentation by Gerd Mink,pg31

⁵ Daniel B. Wallace, The Bart Ehrman Blog and the Reliability of the New Testament Text,

<https://danielbwallace.com/2012/05/01/the-bart-ehrman-blog-and-the-reliability-of-the-new-testament-text/>

⁶ Robert Grant, A Historical Introduction to the New Testament, New York: Harper & Row, 1963, p.51

⁷ Robert Grant, “The Bible of Theophilus of Antioch,” in Journal of Biblical Literature, Vol.66, No. 2 (Jun., 1947), p.173 [italics mine].

"the old fixed goal is a delusion, fictional, mythical, and impossible. (1) we possess only fragments of copies of the autographs from any period earlier than 350 A.D., none of which may preserve "the original pure text" and (2) any "final judgment" between readings "can only be subjective," inasmuch as "each of us comes to the task with our own agenda conditioned by our background, training, and theological bent."⁸

- بارت إيرمان :-

" علي مدار تاريخ انتقال النص لا يوجد أحد قرأ النص في صورته الأصلية ."

"What is remarkable is that throughout this history, virtually no one has read them in their original form,"⁹

- كنيث كلارك :-

يقول عن بردية 75 من القرن الثالث :-

" هذه المخطوطة ترسم الحالة الهلامية المائعة للنص في بدايات القرن الثالث .. وهذه الحرية التي كان يمارسها النساخ تجعلنا لا نتوقع أن يكون النص الإنجيلي كان أكثر ثباتا واستقرارا من التقليد الشفهي سوي بقدر ضئيل وأن سعينا في سبيل استعادة النص الأصلي هو سراب " "this papyrus vividly portrays a fluid state of the text at about A. D. 200.. such a scribal freedom suggests that Gospel text was little more stable than the oral tradition, and that we may be pursuing the retreating mirage of the "original text"¹⁰.

- موزيس سيلفا :

"لا يوجد نص نقدي يمكن وصفه بأنه (النص النهائي للعهد الجديد), فالنقد النصي هو مجال غير كامل النتائج وتاريخ انتقال النص معقد

و علق معترضا علي وصف البعض لنص نسخة NA26 ونسخة UBS 3 بأنه النص القياسي , ورفض هذه التسمية للمبررات التالية

- 1- هذا الوصف لهذه النسخ مرفوض لأنه يمكن أن يفهم منه أنه " النص النهائي "
- 2- يصعب علينا القول بأن النقد النصي قد حقق نتائج كاملة في كل الاتجاهات
- 3- تاريخ انتقال نص العهد الجديد معقد وقد ظهر هذا جليا مع اكتشاف المخطوطات
- 4- هذا الوصف يعيد للأذهان وصف " النص المستلم " مرة أخرى
- 5- يمكن فقط استعمال عبارة " قياسي " في وصف هاتين النسختين من باب أنهما أكثر النسخ قبولا

"Because of the widespread popularity of UBSGNTJ (now UBSGNT") and NA26 (now NA27), two very different editions that nevertheless share the same text, some additional comments of a general nature are warranted. One controversial question has to do with the description of the text as STANDARD by some writers. Not a few scholars have objected to such a description, either because they dispute the value

⁸ Reuben J. Swanson, ed., New Testament Greek Manuscripts: Variant Readings Arranged in Horizontal Lines against Codex Vaticanus: Romans, Wheaton, IL: Tyndale House; and Pasadena, CA: William Carey International University Press, 2001, p.xxvi

⁹ Bart Ehrman, "The Use and Significance of Patristic Evidence for NT Textual Criticism," in Barbara Aland and Joël Delobel eds., New Testament Textual Criticism, Exegesis and Early Church History: a Discussion of Methods, Kampen, The Netherlands: Kok Pharos Pub. House, 1994, p.127

¹⁰ Kenneth W. Clark, "The Theological Relevance of Textual Variation in Current Criticism of the Greek New Testament," in Journal of Biblical Literature, Vol. 85, No. 1 (Mar., 1966), p.15

of the edition or because they fear the consequences of adopting a new "textus receptus." One must sympathize with this sentiment, especially if the term standard is understood in the sense of "definitive": we can hardly afford to encourage the view that the work of NT textual criticism is for all practical purposes complete. If anything, the papyrological discoveries and the research of the last several decades have made us more aware of the complexities of the textual history of the Greek NT. Nonetheless, the term may be used simply to indicate that the text in question has received widespread acceptance."¹¹

وغيرها الكثير.

وبناء عليه فإن الأقدم سيكون هو الأصح بالنسبة لغيره وليس الأصح على الإطلاق, كما أن هذا الأصح ليس بالضرورة هو المطابق للأصل فالاصل مفقود , إنما هو الأصح فيما بين يدينا..

• طريقة احتساب الاختلافات:

وكانت النتائج هي أن لدينا ما يقرب يزيد عن 400 اختلاف هام (تحديدا 431) بين المخطوطة السينائية وبين النص الشائع المستلم الحالي والاختلاف هنا يطلق على المشكلة الواحدة والتي قد يكون فيها أكثر من نص محذوف, فمثلا : قصة المرأة الزانية هي مقطع مكون من 12 نص (يوحنا 7: 52 إلي 8-11) هذا المقطع بالكامل غير موجود في السينائية , ولكنني اعتبرته اختلافا واحدا, وليس 12 اختلاف.

ومثال آخر: رسالة برنابا هي سفر كامل موجود في السينائية وليس موجود في العهد الجديد الحالي ويحتوي على 194 نص من النوع الطويل , ورغم هذا تم احتسابه اختلافا واحدا وليس 194 اختلاف.. وهكذا.

ومثال آخر: سفر الراعي لهرماس هذا سفر كامل موجود بالسينائية وليس موجودا في العهد الجديد الحالي ويحتوي على 2231 نص, ورغم هذا تم احتسابه اختلافا واحدا.

وهكذا فإن طريقة الاحتساب تتم باعتبار أن الإشكالية الواحدة = اختلافا واحدا , سواء كانت هذه الإشكالية حرفا هاما أو كلمة هامة أو مقطع من عدة كلمات أو نص كامل أو فقرة كاملة من عدة نصوص أو سفر بأكمله.

وبناء عليه فلو اعتبرنا أن كل حالة اختلاف تمثل نصا واحدا يصبح إجمالي عدد النصوص التي تعاني من مشكلات هامة في العهد الجديد = 5% ولو اعتبرنا أن كل حالة اختلاف يجب تقسيمها بحيث يصبح مثلا لدينا في حالة سفر الراعي 2231 نص مضافا وليس إضافة واحدة ولدينا في قصة المرأة الزانية 12 نص محذوف وليس مشكلة واحدة فإن النسبة المئوية سنقترب من 35% من العهد الجديد

.....وأخيرا فإن كثرة الاختلافات الهامة بين المخطوط السينائي والعهد الجديد الحالي كفيلا تكشف حالة المخطوطات المبكرة ونوعية النص الذي فيها ومدى مطابقته للنص الحالي , والسينائية خير ممثل لمخطوطات القرون الأربعة الأولى.

والله أسأل أن ينفع بهذا العمل, وأن يجعل ثوابه في ميزان حسناتي وميزان والدي وأساتذتي ومن أعان على نشره

¹¹ THE TEXT OF THE NEW TESTAMENT IN CONTEMPORARY RESEARCH., CHAPTER 18 MODERN CRITICAL EDITIONS AND APPARATUSES OF THE GREEK NEW TESTAMENT Moises Silva., PG 290

والله ولي التوفيق

أحمد رجب الشامي

<http://shamy2016.blogspot.com.eg/>

Drahmed_shamy@yahoo.com

Shamyshamy3040@gmail.com

<https://www.facebook.com/profile.php?id=100005082721641>

الفصل الاول : قيمة المخطوطة

- اسم المخطوطة ورمزها ورقمها وتاريخها :

Codex Sinaiticus Σιναϊτικός Κώδικας المخطوطة السينائية

الرمز : (Ⲁ) الرقم : (01) التاريخ : القرن الرابع

- سأستعرض أولاً شهادات من آباء الكنيسة القبطية ثم بعد ذلك أذكر شهادات علماء النقد النصي المتخصصون :

(1) البابا شنودة الثالث:

(يوجد كذلك في متاحف نسخ للإنجيل ترجع إلى القرن الرابع تماماً كالإنجيل الذي في أيدينا الآن . ونقصد لها : النسخة السنائية ، والنسخة الفاتيكانية ، والنسخة الافرامية ، والنسخة الاسكندرية . وكل منها تحوي كل كتب العهد الجديد التي في أيدينا ، بنفس النص بلا تغيير . وهي مأخوذة طبعاً عن نسخ أقدم منها . ويستطيع أي إنسان أن يرى تلك النسخ القديمة ، ويرى أنها نفس إنجيلنا الحالي")¹².

(2) القمص عبد المسيح بسيط أبو الخير :

" الكتاب المقدس يتحدى نقاده و القائلين بتحريفه , صفحة 172 " : وذلك إلى جانب المخطوطات التي تضم العهد الجديد كاملاً وعلى رأسها المخطوطات الإسكندرية والسينائية والفاتيكانية والتي ترجع إلى النصف الأول من القرن الرابع (325 - 35م) والتي يجمع العلماء على إنها تمثل النص الأصلي كما يجمعون على سلامتها وصحتها وقد توصل العلماء نتيجة لدراساتهم الدقيقة والمتأنية إلى قاعدة جوهرية هي انه " كلما كانت المخطوطة أقدم كانت أدق وأصح " ¹³

هاتان الشهاداتتان تشتملان على عدة أمور:

- 1- التأكيد على الأهمية القصوى للسينائية
- 2- الإشارة إلى تاريخها المبكر نسبياً
- 3- التصريح بأن النص الذي بها مطابق للنص الحالي

والإشكال يمكن في النقطة الثالثة , فنجد أن البابا شنودة يدعي أن بها نفس النص الحالي بلا تغيير! , ويؤكد على احتوائها على نفس الإنجيل الحالي , ونجد القمص عبد المسيح يدعي شيئاً غريباً وهو إجماع علماء النقد النصي على أن السينائية تمثل النص الأصلي ويجمعون على صحتها!

وأنا أقول: سيبدو جلياً بعد مطالعة الكتاب مدى صدق البابا شنودة في دعواه , وهل فعلاً السينائية تمثل النص الحالي "أنها نفس إنجيلنا الحالي" كما قال البابا أم لا, وأقول لجانب القمص الموقر: لو كانت السينائية تمثل النص الأصلي فالنص الذي بين أيديكم مزور لأنه يختلف عن السينائية كثيراً.

¹² سنوات مع أسئلة الناس , الجزء الثالث عشر , أسئلة خاصة بالكتاب المقدس , ص 105.

¹³ الكتاب المقدس يتحدى نقاده و القائلين بتحريفه , صفحة 172.

والدارسون يعلمون بأن علماء النقد النصي أكدوا على ضرورة عدم اعطاء أي مجموعة من المخطوطات صكا بالصحة المطلقة في جميع المشكلات النصية , وهاهي النسخ النقدية التي تعتمد على مخطوطات النص السكندري بالأساس والذي تنتمي إليه المخطوطة السينائية نجدها تخالف السينائية في عدد ليس بالقليل من المشكلات النصية.
ف نجد مثلا أن هارلود جرينلي يؤكد على ضرورة التنوع النصي لصحة القراءة لأنه لا توجد عائلة يمكن الوثوق بها مائة بالمائة فيقول:

"any reading supported by one text-type exclusively is suspect since "no ms. Or text-type is perfectly trustworthy."

• ثانيا شهادات من المتخصصين :

- **الموقع الرسمي للمخطوطة السينائية:**

" المخطوطة السينائية هي واحدة من أكثر المخطوطات اليونانية أهمية للعهد القديم والجديد"

"Codex Sinaiticus is one of the most important witnesses to the Greek text of the Septuagint (the Old Testament in the version that was adopted by early Greek-speaking Christians) and the Christian New Testament."¹⁴

" أهمية المخطوطة السينائية لإعادة تكوين النص الأصلي للعهد الجديد ومعرفة تاريخ الكتاب المقدس هي هائلة"

"The significance of Codex Sinaiticus for the reconstruction of the Christian Bible's original text, the history of the Bible and the history of Western book-making is immense."¹⁵

- **إلدون إيب** بعد كلامه عن اكتشاف البرديات المبكرة والهامة قال: " لا يوجد شيء من هذه الاكتشافات قد أزاح السينائية والفاثيكانية عن مكانها البارز"

"none of these new discoveries had dislodged codices Vaticanus and Sinaiticus from their preeminent place in the whole structure".¹⁶

- **ويلبور بيكرنج** : "المخطوطتان السينائية والفاثيكانية كلتاها من مصر, والنظرة العامة لهما هي أنهما أفضل مخطوطات العهد الجديد, ويشار لهما على أنهما الأقدم والأفضل"

"We must return to codices B and \aleph , both of the 4th century and both from Egypt (presumably, see Farmer, p. 37), being generally regarded as the two most important MSS of the New Testament (frequently referred to as the "oldest and best")".¹⁷

- **كرت ألاند وباربارا ألاند:**

" نحن نعتقد أن (1) قراءات السينائية والفاثيكانية يجب قبولها كالقراءات الصحيحة إلي أن يظهر دليل داخلي قوي يناقض ذلك وأن (2) لا يمكن رفض اي قراءة من قراءات السينائية والفاثيكانية هكذا بإطلاق"

¹⁴ <http://codexsinaiticus.org/en/codex/significance.aspx>

¹⁵ <http://codexsinaiticus.org/en/codex/>

¹⁶ THE TEXT OF THE NEW TESTAMENT IN CONTEMPORARY RESEARCH ESSAYS ON THE STATUS QUAECTIONIS FDITED BY BART D. EHRMAN and MICHAEL W. HOLMES,Chapter1 the papyrus manuscripts., by Eldon Jay Epp.,pg 14

¹⁷ THE IDENTITY OF THE NEW TESTAMENT TEXT IV., Wilbur N. Pickering, THM PhD Copyright . 2014,pg205.

(it is our belief that (1)the readings of $\aleph B$ should be accepted as the true readings until strong internal evidence is found to the contrary, and (2) that no readings of $\aleph B$ can be safely rejected absolutely).¹⁸

- فريدريك كينيون :

" هي واحدة من أقدم المخطوطات على الإطلاق, وواحدة من أكثر المخطوطات أهمية"

"one of the latest found of all the flock, yet one of the most important, and therefore (since the letters of the Latin and Greek alphabets had been already appropriated for other manuscripts) designated by its discoverer by the first letter of the Hebrew alphabet, Aleph".¹⁹

- ديفيد باركر :

قام بتأليف كتاب سماه (المخطوطة السينائية: قصة أقدم كتاب مقدس في العالم)

Codex Sinaiticus: The Story of the World's Oldest Bible., David C. Parker

و عند مطالعة الاختلافات بين المخطوطات في النسخ النقدية الهامة نجد أن العلماء يختارون القراءة المدعومة بالسينائية في أغلب المشكلات النصية فمثلا نسخة UBS5th النقدية الشهيرة نجد أنه في أول 140 مشكلة نصية مذكورة في النسخة اختارت اللجنة القراءة المدعومة بالسينائية في 90 مشكلة وخالفتها في 50 مشكلة , أي انها رجحت قراءة السينائية في 65% من المشكلات وهذه النسبة تزداد في نسخ نقدية أخرى بشكل أكبر مثل نسخة ويست كوت وهورت ونسخة تشندورف.

وبالإجمال فقيمة السينائية عند علماء النقد النصي عالية للغاية ويمكن تلخيص الأدلة على ذلك في النقاط التالية:

- (1) وجودها الدائم في قائمة المخطوطات التي يستعملونها في الترجيح فليس كل مخطوطة يمكن أن يكون لها قيمة في الترجيح بين المشكلات
- (2) اختيار العلماء للقراءة التي تدعمها السينائية في الأغلبية العظمى من المشكلات النصية
- (3) تفضيل أغلب العلماء للنص السكندري على باقي العائلات المخطوطية (العائلة البيزنطية- العائلة القيصريية- العائلة الغربية), وهو التفضيل الذي وصفه روبرت والتز بأنه " شبه إجماع كوني", والسينائية هي والفاثيكانية أهم مخطوطات تلك العائلة.

¹⁸ The Text of the New Testament: An Introduction to the Critical Editions and to the Theory and Practice of Modern Textual Criticisms., Kurt Aland, Barbara Aland.,pg.18

¹⁹ Our Bible and the Ancient Manuscripts., Frederic G. Kenyon,pg.128.

الفصل الثاني: إشكالية المصححين

مصطلح المصحح هو مصطلح يبدو أنه جيد من الوهلة الأولى, فالمصحح في عرفنا جميعا هو شخص يقوم بشئ جيد, يقوم بإصلاح الأخطاء, لكن المصحح عند النقاد النصيين في المخطوطات لا يقصد به ذلك, إنما المصحح هو: ناسخ متأخر زمنيا وقعت المخطوطة في يديه فقام بتغيير بعض النصوص التي بالمخطوطة لتوافق النص كما هو منتشر في منطقتة الجغرافية.

تعرضت السينائية لهذا النوع من التغيير بشدة, فقد قام 9 مصححون (مغيرون) متأخرون زمنيا بتغيير النصوص من شكلها الاصيلي الذي كتبه النساخ الأصليون للمخطوطة وكتبوا بدلا منها النص بالصورة المنتشرة في كنيستهم في منطقتهم الجغرافية

ويعتبر علماء النقد النصي أن القراءة الأصلية للمخطوطة السينائية هي القراءة قبل التغيير (التصحيح), لهذا فإنني في هذا الكتاب سأعتمد على القراءة كما كتبها النساخ الأصليون, وعند وجود أي تصحيح (تغيير) سأبينه مدعوما بتوضيح العلماء لحال القراءة قبل وبعد التصحيح

• تعريف التصحيح:

يقول روبرت والتز في موسوعة النقد النصي:

"التصحيح يكون بإزالة قراءة مبكرة جيدة ووضع قراءة متأخرة سيئة بدلا منها"

"If a manuscript's symbol is followed by an asterisk (e.g. 1739*), it means that this was the reading written by the original scribe of the manuscript, which some later owner altered. The "corrected" reading (we put "corrected" in quotes because such corrections often replace a good early reading with a bad late one) is noted with a superscript c (e.g. 1739c)"²⁰

• القراءة قبل التصحيح هي الصحيحة والمعتمدة:

يقول روبرت والتز في موسوعة النقد النصي:

" إذا وجدنا أن قراءة معنية هي بمثابة تصحيح متعمد لقراءة سابقة, فإن هذه القراءة السابقة التي دفعت الناسخ للقيام بالتصحيح هي الصحيحة"

If one reading appears to be an intentional correction, the reading which invited such a correction is best.

Alternately, That reading which is most likely to have suffered change by copyists is best²¹

• مصححي السينائية:

- الموقع الرسمي للمخطوطة السينائية:

يخبرنا الموقع عن وجود ظاهرة التصحيح, وعن عدد المصححين, وعن الزمن الذي جرت فيه عمليات التصحيح فيقول:

²⁰ The Encyclopedia of New Testament Textual Criticism by Robert B. Waltz Inspired by Rich Elliott Pg 12

²¹ The Encyclopedia of New Testament Textual Criticism by Robert B. Waltz Inspired by Rich Elliott Last Preliminary Edition,pg99

(يشار إلي المصححين بالرمز =c correctors , وهم أشخاص راجعوا المخطوطة بين القرن الخامس والسابع, وهم ينقسمون إلى

أربعة مجموعات رئيسية : c^a و c^b والتي تنقسم إلى c^{b1} - c^{b2} - c^{b3} , c^c , c^*)

"This consists principally of the 'c' group, correctors who revised the manuscript rather extensively between the fifth and seventh centuries. They are grouped into four sub-series, namely C^a, c^b , which is further divided between c^{b1} c^{b2} c^{b3} c^b is used when the correction cannot be more accurately assigned cc cc^* , WORKS only in Revelation".²²

- يقول بروس متزجر:

- عدد مصححي السينائية =9
- يبدأ المصححون بالمصحح (κ^a) من زمن النساخ الأصليين وينتهي المصححون بمصحح من القرن الثاني عشر
- تشندورف استخراج 14800 حالة تصحيح في المخطوطة
- أغلب التصحيحات حدثت بواسطة مصححين من القرن السابع ويأخذون رموز $\kappa^{c.b}$ or $\kappa^{c.a}$

(it is not surprising that a good many correctors (apparently as many as nine) have been at work on the manuscript, some contemporary (or identical) with the original scribes (κ^a), and others as late as the twelfth century. Tischendorf's edition of the manuscript enumerates some 14,800 places where some alteration has been made to the text. By far the most extensive of the corrections are those made by a group of scholars in the seventh century (denoted by the sigla $\kappa^{c.a}$ or $\kappa^{c.b}$ -the latter representing at least three scribes).²³

- تقول موسوعة النقد النصي:

- المصحح الأول κ^a :-
- من القرن الرابع قريب من زمن المؤلف
- هورت اعتبر تصحيحه له قيمة الأصل
- تشندورف اعتبره احد النساخ الاربعة الاصيلين وهو D
- تصحيحاته بعضها في جهة النص البيزنطي
- المصحح الثاني κ^b :-
- ❖ من أواخر الخامس وبداية السادس
- ❖ أجري تصحيحات علي الفصول الأولى من إنجيل متي بهدف جعلها تشبه النص البيزنطي
- المصحح الثالث κ^c :-
- ❖ خمسة مصححين من القرن السابع
- ❖ $\kappa^{c.a}$: قام بأغلب التصحيحات لتحويل النص إلي نص بيزنطي

²² http://codexsinaiticus.org/en/project/transcription_detailed.aspx

²³ MANUSCRIPTS OF THE GREEK BIBLE., An Introduction to Greek Palaeography., BY BRUCE M. METZGER., George L. Collord Professor of New Testament Language and Literature.,Princeton Theological Seminary.,Pg78

- ❖ ℵ^{c.b} : 3 مصححين قاموا بإكمال عمل المصحح a
- ❖ ℵ^{c.c} & ℵ^{c.c*} : من أواخر السابع , قاموا بتصحيحات علي سفر الرؤيا
- ❖ ℵ^{c.Pamph} : قام بتصحيحات علي سفر الملوك الأول وإستير وادعي ان معه مخطوطة لبامفيلوكس

○ المصحح الرابع ℵ^e :-

- ❖ من القرن الثاني عشر
- ❖ قام ب 3 تصحيحات

(ℵ^a is contemporary with the scribe, or nearly (i.e. fourth century). This corrector made a relatively slight number of changes, not all of them in the direction of the Byzantine text (e.g. this corrector apparently marked Luke 22:43–44 for deletion). Hort, e.g., thought the readings of this scribe to be of value nearly equal to the original readings of the text. Tischendorf believed this copyist was one of the original copyists of the manuscript, specifically, the scribe D who wrote a few random leaves of the New Testament (probably to correct pages he felt incurably flawed.

ℵ^b dates probably from the fifth/sixth century. This corrector made many changes in the first few chapters of Matthew (generally bringing it closer to the Byzantine text), but did very little other work.

ℵ^c actually refers to a large group of scribes (perhaps five) who worked in the seventh century and made the large majority of the corrections in the manuscript. Often they cannot be reliably distinguished. The most important (and probably the first) of these is known as ℵ^{c.a}, who did a great deal to conform the manuscript to the Byzantine text (and not infrequently undid the work of ℵ^a). The next phase of corrections, labelled ℵ^{c.b}, may perhaps have been the work of three scribes, who added a few more Byzantine readings. In addition, the symbols ℵ^{c.Pamph} is sometimes used to refer to a scribe who worked primarily if not exclusively on the Old Testament (his corrections, in fact, seem to be confined to 1 Kingdoms-Esther), who recorded that he was working from a Pamphilian manuscript, while ℵ^{c.c} and ℵ^{c.c*} refer to two minor correctors from late in the seventh century; many of their changes are in the Apocalypse. We

may ignore ℵ^d; this symbol is not generally used.

ℵ^e refers to the last known corrector, who made a few alterations (Tischendorf reportedly lists only three) in the twelfth century.)²⁴

²⁴ The Encyclopedia of New Testament Textual Criticism by Robert B. Waltz Inspired by Rich Elliott, Pg 215-216.

رمز الناسخ الأصلي للسنيائية و رمز المصححين:

عند وجود قراءة في المخطوطة تعرضت للتغييرات – التصحيحات- فإن القراءة الأصلية كما كتبها المؤلف الأصلي يعطيها العلماء رمز \aleph^* . ويعطون للقراءة المتأخرة كما صححها المصححون المتأخرون رمز \aleph^1 أو \aleph^2 حسب الزمن الذي حدث فيه التصحيح.²⁵

وهناك رموز أخرى يعطيها علماء آخرون للمصححين

- تعليق جهاز CNTTS النقدي :

علامة النجمة (*) بجوار رمز المخطوطة يعني أن القراءة مكتوبة بواسطة الناسخ الأصلي
علامة (C) بجوار رمز المخطوط تعني أن القراءة مكتوبة بواسطة مصحح

* Indicates the reading of the original hand of a manuscript (03*)

c Indicates a corrector's reading in the manuscript (03c)²⁶

- تعليق نسخة نستل ألاند النقدية الشهيرة:

- 1- علامة النجمة (*) تشير للقراءة الأصلية
- 2- علامة (C) تشير للقراءة التي كتبها مصححون متأخرون, وأحيانا تصحيح تم بواسطة الناسخ الأصلي
- 3- الأرقام (1,2,3) تشير إلى المصحح رقم 1, ورقم 2, ورقم 3
- 4- علامة (\aleph^1) تشير للمصححين من القرن الرابع إلى السادس , والعلامات \aleph^{1a}/\aleph^{1b} تشير إلى مختلف المصححين داخل الحقبة الزمنية الواحدة
- 5- علامة (\aleph^2) تشير إلى مصحح من القرن السابع
- 6- علامة (\aleph^3) تشير لمصحح من القرن الثاني عشر

* identifies the original reading when a correction has been made.

c identifies a correction made by a later hand, but sometimes also by the first hand.

1.2.3 identifies a correction made by the first, second, or third corrector.

If used with the majuscules \aleph , B, C and D (05 and 06) superscript signs identify groups of correctors.

²⁵ NEWTESTAMENT TEXT & TRANSLATION COMMENTARY., By PHILIP W. COMFORT., INTRODUCTION., pg. xxxi

²⁶ H. Milton Haggard Center for New Testament Textual Studies. (2010). *The Center for New Testament Textual Studies: NT Critical Apparatus*. New Orleans Baptist Theological Seminary.

Ⲛ (01): Ⲛ¹ (4th–6th cent.); Ⲛ^{1a}/Ⲛ^{1b} (for differences within the group Ⲛ¹); Ⲛ² (from circa 7th cent.); Ⲛ^{2a}/Ⲛ^{2b} (with differences within the group Ⲛ²); Ⲛ³ (12th cent.); Ⲛ^c (not assigned to a group)²⁷




جدول ملخص برموز مصححي السينائية عند مختلف العلماء:

عمله	زمن المصحح	رمز فليب كومفرت	رمز ألاند	رمز تشندروف
بعض التصحيحات البيزنطية والغير بيزنطية	ق 4	Ⲛ ¹	Ⲛ ¹	Ⲛ ^a
تصحيحات بيزنطية علي الفصول الأولى من متي	ق 5-6	---	Ⲛ ¹	Ⲛ ^b
أغلب التصحيحات البيزنطية	ق 7	Ⲛ ²	Ⲛ ²	Ⲛ ^{c.a}
3 مصححين قاموا بإكمال التصحيحات البيزنطية	ق 7	----	Ⲛ ²	Ⲛ ^{c.b}
تصحيحات علي سفر الرؤيا	آخر ق 7	----	Ⲛ ²	Ⲛ ^{c.c*} Ⲛ ^{c.c}
3 تصحيحات	ق 12	---	Ⲛ ^c	Ⲛ ^e

الاختصارات المقدسة "NOMINA SACRA" :-

²⁷ Nestle, E., & Nestle, E. (2012). *Nestle-Aland: NTG Apparatus Criticus*. (B. Aland, K. Aland, J. Karavidopoulos, C. M. Martini, & B. M. Metzger, Eds.) (28. revidierte Auflage, pp. 58–59). Stuttgart: Deutsche Bibelgesellschaft.

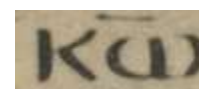
بعض الكلمات ذات المغزي العقائدي والروحي عند المسيحيين كان النساخ يعاملونها بطريقة خاصة أثناء كتابتها, فكانوا يقومون باختصار الاسم بعدة أشكال فمثلا يكتبون أول وآخر حرف منه فقط ثم يضعون فوقهما شرطة عرضية :

الكلمة بالعربية	الكلمة باليونانية (بالأحرف الصغيرة)	الكلمة باليونانية (بالأحرف الكبيرة)	صورة للاختصار المقدس للكلمة من المخطوط السينائي	طريقة الاختصار
مخلص	σωτήρος	ΣΩΤΗΡΟΣ		كتبوا أول حرف والحرف الأوسط وآخر حرف ثم كتبوا فوقها خط عرضي
الله	θεοῦ	ΘΕΟΥ		كتبوا أول حرف وآخر حرف ثم وضعوا فوقها خطاً عرضياً
يسوع المسيح	Ἰησοῦ Χριστοῦ	ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ		

وهناك أمثلة أخرى مثل :

(ĀNŌN̄)

تكتب (الإنسان)



تكتب (الرب)

وغيرها

الفصل الثالث: جدول ملخص بالنتائج

النسبة المئوية للمشكلات في كل سفر	عدد الاشكالات	السفر
%4,4	48	منى
%9,4	64	مرقص
%4,7	54	لوقا
%4,3	38	يوحنا
%5	51	أعمال الرسل
%4,8	21	رومية
%4,8	20	كورنثوس الأولى
%2	8	كورنثوس الثانية
%4	6	غلاطية
%6,4	10	أفسس
%2,9	3	فيلبي
%7,3	7	كولوسي
%5,6	5	تسالونيكى الأولى
%2,1	1	تسالونيكى الثانية
%8,8	10	تيموثاوس الأولى
%6	5	تيموثاوس الثانية
%4,3	2	تيطوس
%8	2	فليمون
%3,3	10	العبرانيين
%0,9	1	يعقوب
%7.6	8	بطرس الأولى
%9,8	6	بطرس الثانية
%3,8	4	يوحنا الأولى
%7,7	1	يوحنا الثانية
---	---	يوحنا الثالثة
%2,4	6	يهوذا
%9,4	38	رؤيا يوحنا
%100	1	سفر الراعي
%100	1	رسالة برنابا
%5,5	431	الإجمالي

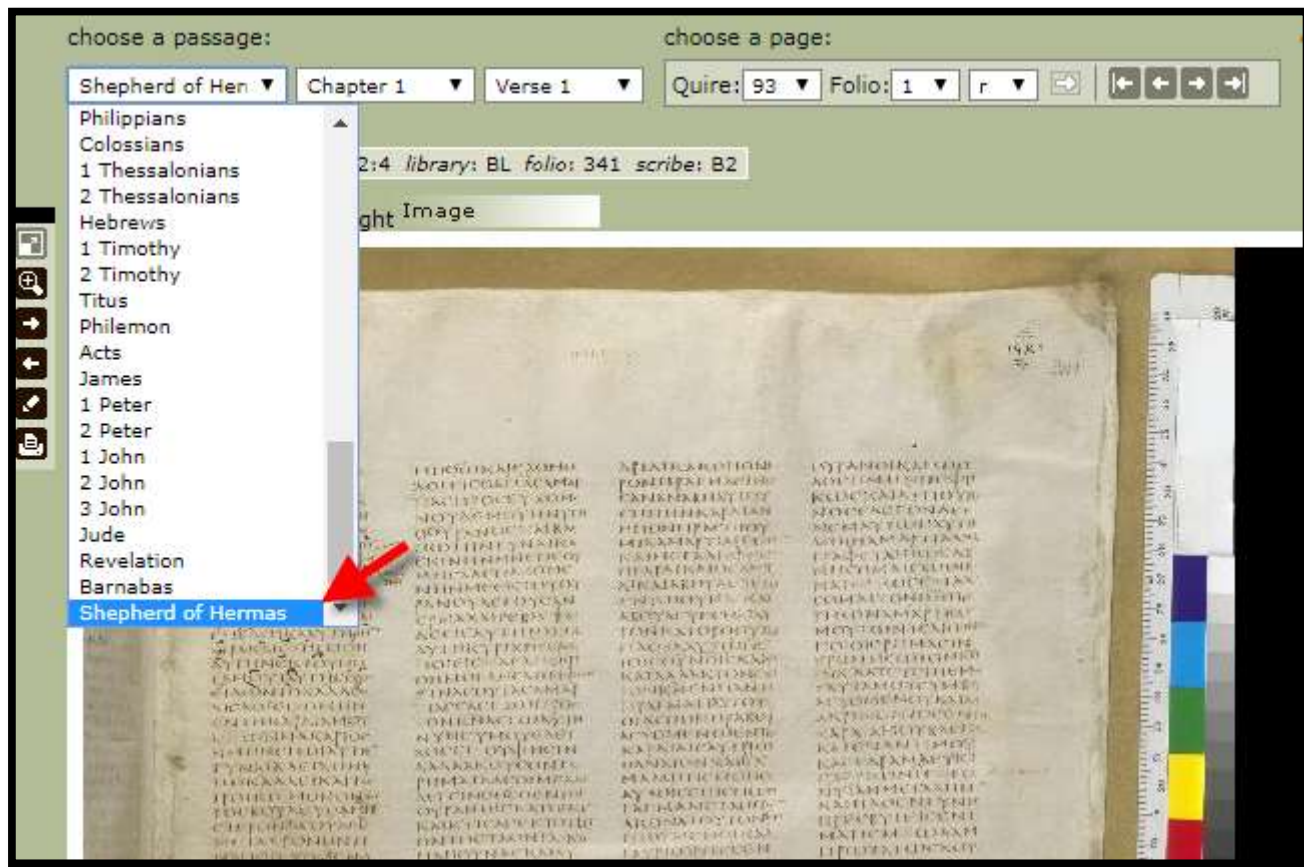
الفصل الرابع: تفصيل الاختلافات

سفر الراعي لهرماس

هذا السفر موجود في آخر المخطوطة السينائية ويحتوي على 2231 نص بما يفوق عدد النصوص في إنجيل لوقا ويوحنا مجتمعين, وهو غير موجود في الكتاب المقدس الحالي.

يمكن الاطلاع علي السفر في المخطوطة السينائية من خلال فهرس المخطوطة في الموقع الرسمي:

<http://codexsinaiticus.org/en/manuscript.aspx?book=61>



كما يمكن قراءة نص السفر باللغة الإنجليزية من كتاب "تفريغ نص المخطوطة السينائية بالإنجليزية لهنري أندرسون":

CODEX SINAITICUS: The New Testament in English Translated from the Sinaitic Manuscript.,Discovered by Constantine Tischendorf at Mt. Sinai by H. T. Anderson And begun in 1861.,Edited by Jackson Snyder,Roy Shurtleff Miller, Copyright ©2004 Jackson H.

<https://archive.org/details/newtestamenttranooande>

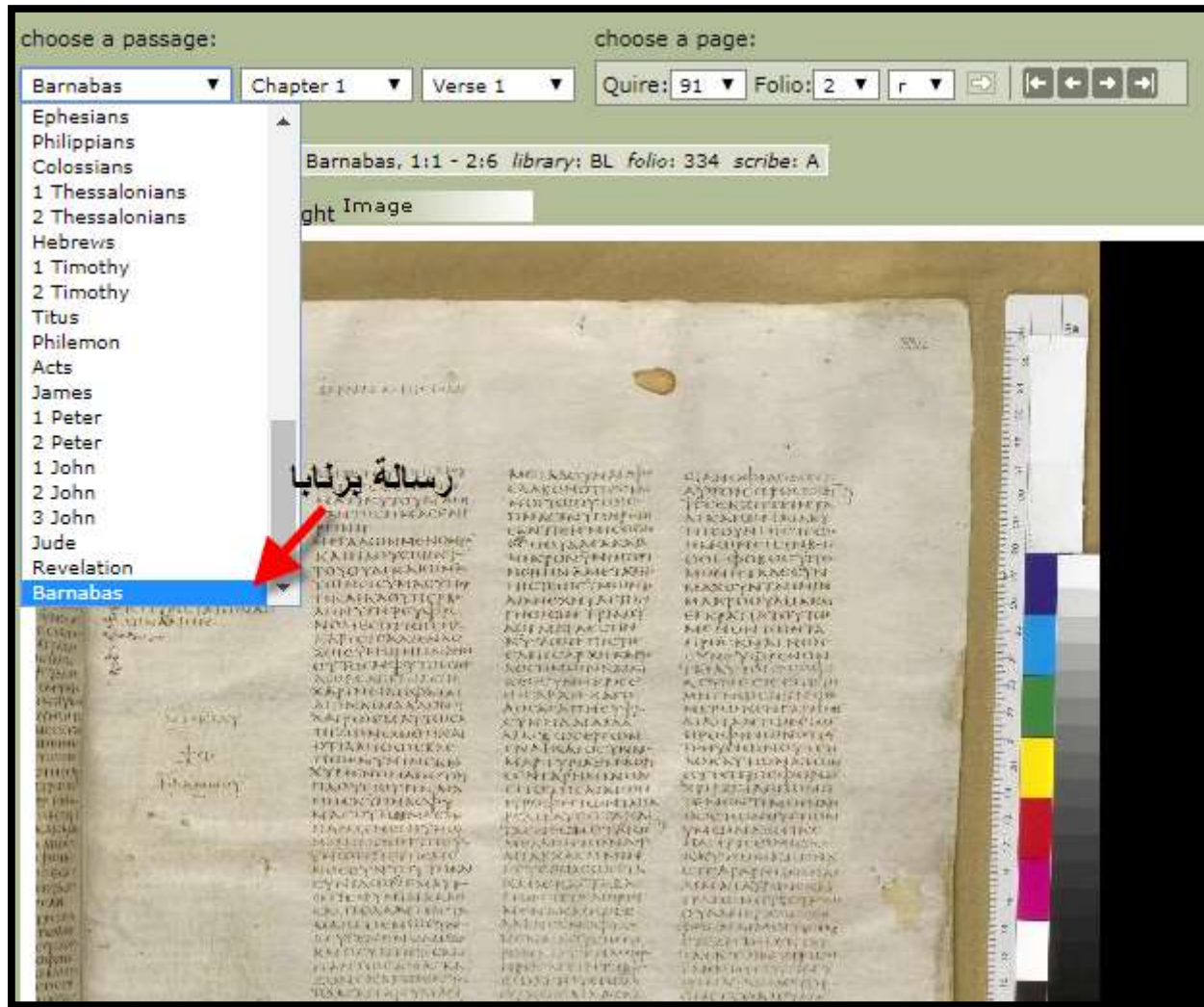
أول صفحة من سفر
الراعي

1981
349

<p> 009E XCEMEΠEHPX KENMEPOAMHTHNI EIEIΩMHNKEIX HOXAEETHKYTH XEIEIHOPIOXMH KXHTIAXMHNYTH XIAPXOYCEXEXE MEIAXTONONTINA ΛΟΥΟΜΕΝΗΝCIC TONHOYAEONTO TIKETIN EYXONKA EHEXOKAXYTH XAKKAE THXION KYTHNEK TOYHO TAMOYIAYTHC EITADHTOYKXΛA XEΛOΓEIZOMHN ENTHKXAXAMOY XEPOIMAKKAPIOE HMINETHOIAUTH TYNXIKAEIXONK TONKXAXEIKAITO TPOHTO MONONHTO TOEPOYAEYXMH ETEPONAEYXEO METAXTONONHTI </p>	<p> TPOOYKME ZOMO XOΓEICΘAHTXAMM TIXCTIPOCEYXOM NOYAE MOYHNTHTH OYTPANOCXIKM HCTHTHTYNAIKK EKINHTHTICTHOY MHCEXETAZOME NHNMCEK TOYTOY PANOYXET OYCAN ETMAXXIPEBETX ACEICKYTHXET KYTHKYTHXET HOIEIC XEAXEIKI OHTMOI AXCHM EITAXCOYIAXAMM TIXCEXET ZONPOE TONKXAEIOWYTH NYNCOYMOYCEIET XOCET OYFHEN XAXXKOYCONIX THMXTALACOIMEXM XEΓEINOΘEOENIOI OYTPANOICEKXTOIKE KXIKTICECEKTOYTH ONTOETAXONHTXKV </p>	<p> APXAKXIOHTON TONHPAXHMEIN EXANXAKHXITOT EHTHTHKXPAKH HTIONHTXETHOY MIKAMKPTTIAIETE KXHTETAXHTHTI OIXPAIKAIOCXHTI XIKXIXKOYACEIOW ENXPOYNAIKM XEOYXEYECOAXY TONKXIOPOOYTH HXOEXXUTOPHE TONCOYHOICEKAP KXTXAXAKTONEI TONKXENHTANHTI HPAXHMEIXITOT OIXEHTONHPXBOY XEYOMENOTEHTI KXAXIXEAYTHOY OANXION XAIEK MXXOTHEMONE KYKOICEHTICHOY TAPXAMETAXHTI XIONXTOYTONHTI TPOYMEHOIKX </p>	<p> OYTPANOIKXITOO XOCHEMHTHTICE KOCXAXYHTOYTH HOCEXETONACE MEMAXYTOYXHTI MOHTAMAPHTAMA TPAΦEIXHTOCEAT KHTCOMXICEOHTI NAXETICECEITAX COMXITONONHTI TITONXAMXHTHOY MOYTONTEICION TIOIOICEHTIMXEN ETOTHEOTONKX INXAXTEYCHHTI TXYTAMOYCOYME XEYOMENOCXIAI AKTHTONTOCEHTI KXAXAMOYXETI KXTEBANTTMOY KXCEXAXHDEYKHTI CEHTICONTICEHTI KYTANMEITAXHTI KXHTXOCENTYNTI HTECEYTEICEHTI MXTHEMCOXAM </p>
---	---	--	--

رسالة برنابا

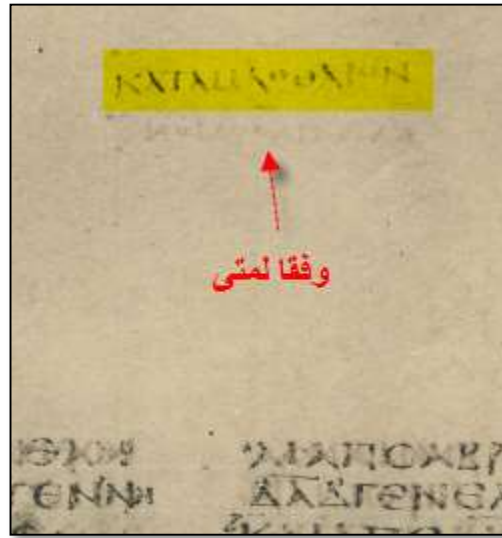
هذه الرسالة موجودة في آخر المخطوطة ويحتوي على 194 نص , وليست موجودة في الكتاب المقدس الحالي , ويمكن الاطلاع على ذلك أيضا من فهرس الموقع الرسمي للمخطوطة:



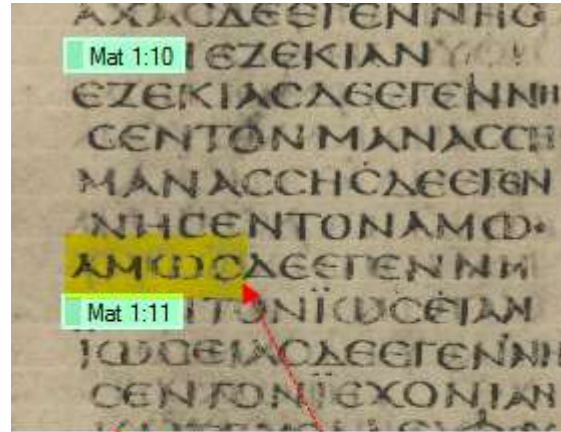
وأیضا يمكن الاطلاع على نص الرسالة كاملا من كتاب هنري اندرسون

انجيل متى

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية</u> : أضافت (الإنجيل) <u>السينائية</u> : اللفظة غير موجودة	الإنجيل وفقا لمتى	وفقا لمتى	According to Matthew	Katà Mathaïon	العنوان	1
أضاف النساخ لفظة (الإنجيل) لتوضيح هوية السفر مما يصب في صالح قانونيته (دعم قانونية السفر)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: (أمون Ἀμὼν) السينائية: (أموس Ἀμωσ)	• أَوْحَزَقِيَّا وَلَدَ مَنَسَّى. وَمَنَسَّى وَلَدَ أَمُونُ. وَأَمُونُ وَلَدَ يُوْشِيَّا	وحزقيا ولد منسى. ومنسى ولد أموس . و أموس ولد يوشيا..	Hezekiah begot Manasseh Manasseh begot Amos: Amos begot Josiah	Ἐζεκιας δε εγεννησεν τον Μανασση Μανασσης δε εγεννησεν τον Αμωσ Αμωσ δε εγεννησεν τον Ιωσηαν	متى 1-10	2
قام النساخ بتغيير اللفظة من (أموس) إلى (أمون) لأنهم لاحظوا أن المؤلف قد أخطأ في اسمه حيث أن الاسم الصحيح كما في أخبار الأيام الأول (3-14) (علام المشكلات)					التعليق	



~~أمون~~
 AMON
 amOn
 AMON

أموس
 AMωσ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت (البكر) τὸν (πρωτότοκον)	ولكنه ما عرفها حتى ولدت ابنها فسماه يسوع	and knew her not till she had brought forth a son; and he called his name Jesus.	M-01A Matthew 1:25 και ουκ εγινωσκεν αυτην εως ου ετεκεν υιον και εκαλεσεν το ονομα αυτου ἸΝ	متى 1-25	3
	السينائية: غير موجودة					
<p>أضاف النساخ لفظة (البكر) من أجل اعطاء هذه الصفة ليسوع حتى يصلح استعماله بعد ذلك كرمز بديل للذبايح في العهد القديم والتي كان شرطا فيها البكورية مما يساعد في شقين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - تحويل نصوص العهد القديم المتعلقة بالذبايح إلى نبوءات عن يسوع - إلغاء العهد القديم من خلال إلغاء طقوس الذبح , حيث أن الذبيحة البكر الجديدة قد حلت محلها <p>(إلحاق النبوءات بيسوع) (إلغاء العهد القديم)</p>						التعليق

Mat 1:25

ودعا

ابنها

Mat 2:1

المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوطة

1:25 ΚΑΙ ΟΥΚ ΕΓΙΝΩΣΚΕΝ ΑΥΤΗΝ ΕΩΣ ΟΥ ΕΤΕΚΕΝ
kai ouk eginosken autēn heOs hou eteken
AND NOT KNEW her TILL OF-WHICH she BROUGHT-FORTH
he-knew which

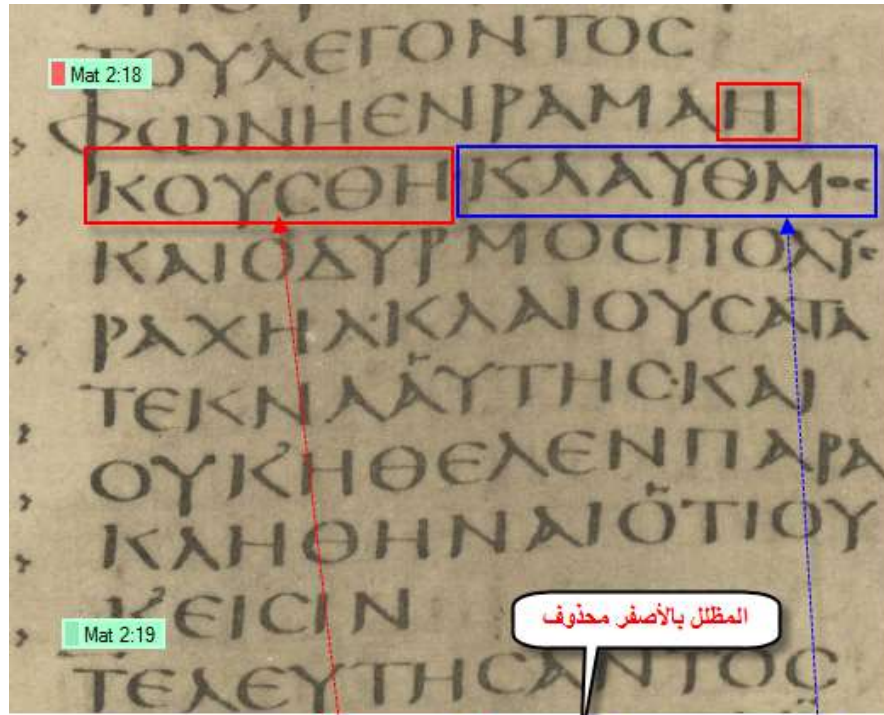
ابنها

البكر

ودعا

ΤΟΝ ΥΙΟΝ ΑΥΤΗΣ ΤΟΝ ΠΡΩΤΟΤΟΚΟΝ ΚΑΙ ΕΚΑΛΕΣΕΝ
ton huion autēs ton prōtotokon kai ekalesēn
THE SON OF-her THE BEFORE-most-BROUGHT-FORTH AND he-CALLS
firstborn

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (عويل ἠρῆνος) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٨: "صَوَّتْ سَمِعَ فِي الرَّامَةِ، نَوْحٌ وَبُكَاءٌ وَ عَوِيلٌ كَثِيرٌ. رَاحِلُ تَبْكِي عَلَى أَوْلَادِهَا وَلَا تُرِيدُ أَنْ تَتَعَزَّى، لِأَنَّهُمْ لَيْسُوا بِمَوْجُودِينَ".	((صراخ سمع في الرامة، بكاء ونحيب كثير، راحيل تبكي على أولادها ولا تريد أن تتعزى، لأنهم زالوا عن الوجود))	A voice was heard in Ramah, wailing and great mourning: Rachel weeping for her children; and she would not be comforted because they are no more.	M-01A Matthew 2:18 Φωνη εν Ραμα ηκουσθη κλαυθμος και οδυρμος πολυς Ραχηλ κλαιουσα τα τεκνα αυτης και ουκ ηθελεν παρακληθηναι οτι ουκ εισιν	متى 2-18	4
أضاف النساخ لفظة (عويل) من أجل مطابقة الاقتباس هنا مع نظيره في إرميا 31-15 كما هو موجود في السبعينية, حيث لاحظ النساخ أن النص في السبعينية توجد به هذه الإضافة (مطابقة الاقتباسات ببعضها)					التعليق	



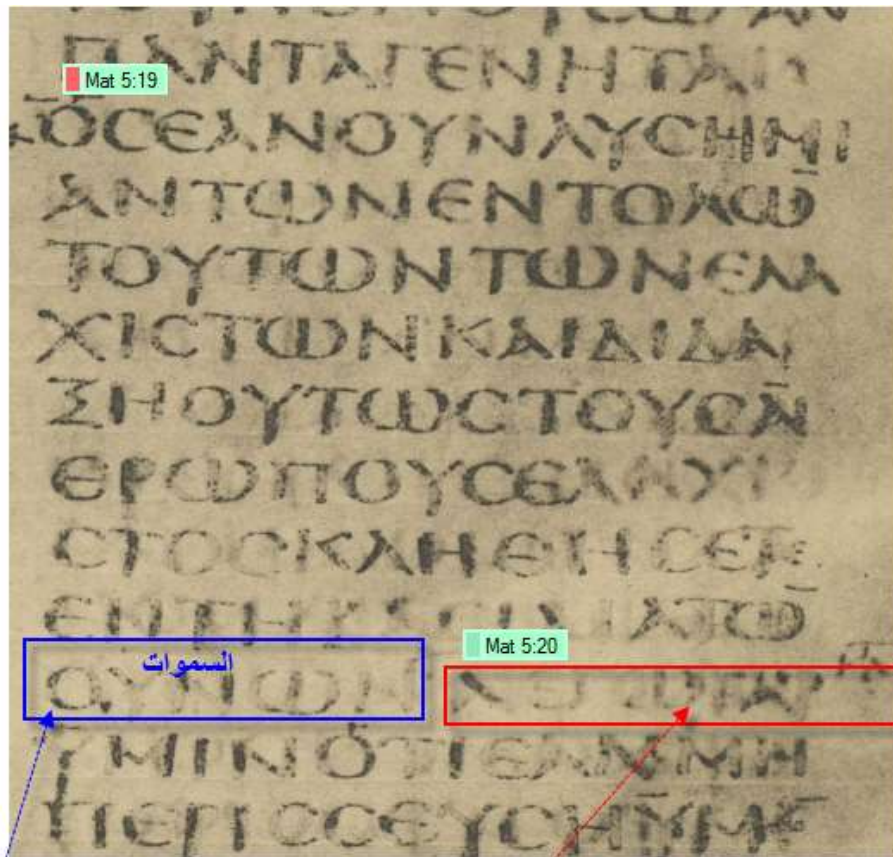
2:18	ΦΩΝΗ	ΕΝ	ΡΑΜΑ	ΗΚΟΥΣΘΗ	ἠΡΗΝΟΣ	ΚΑΙ	ΚΛΑΥΘΜΟΣ	ΚΑΙ
	phOnE	en	rama	EkOUSTH	thrEnos	kai	klauthmos	kai
	SOUND	IN	RAMA	IS-HEARD	DIRGE	AND	LAMENTING	AND
				wailing			lamentation	

ΟΔΥΡΜΟΣ	ΠΟΛΥΣ	ΡΑΧΗΛ	ΚΛΑΙΟΥΣΑ	ΤΑ	ΤΕΚΝΑ	ΑΥΤΗΣ	ΚΑΙ
odurmos	polus	rachEl	klaiousa	ta	tekna	autEs	kai
PAIN-GUSH	much	RACHEL	LAMENTING	THE	offsprings	OF-her	AND
anguish					children		

ΟΥΚ	ΗΘΕΛΕΝ	ΠΑΡΑΚΛΗΘΗΝΑΙ	ΟΤΙ	ΟΥΚ	ΕΙΣΙΝ
ouk	Ethelen	parakiEthEnai	hoti	ouk	eisin
NOT	WILLED	TO-BE-BESIDE-CALLED	that	NOT	THEY-ARE
	she-would	to-be-console			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: أضافت عبارة: (وَأَمَّا مَنْ عَمِلَ وَعَلَّمَ، فَهَذَا يُدْعَى عَظِيمًا فِي مَلَكُوتِ السَّمَاوَاتِ ὁς δ' ἂν ποιήσῃ καὶ διδάξῃ οὗτος μέγας κληθήσεται ἐν τῇ βασιλείᾳ τῶν οὐρανῶν) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٩ فَمَنْ نَقَضَ إِحْدَى هَذِهِ الْوَصَايَا الصُّغْرَى وَعَلَّمَ النَّاسَ هَكَذَا، يُدْعَى أَصْغَرَ فِي مَلَكُوتِ السَّمَاوَاتِ. وَأَمَّا مَنْ عَمِلَ وَعَلَّمَ، فَهَذَا يُدْعَى عَظِيمًا فِي مَلَكُوتِ السَّمَاوَاتِ</p>	<p>فمن خالف وصية من أصغر هذه الوصايا وعلم الناس أن يعملوا مثله، عد صغيرا في ملكوت السموات</p>	<p>Whoever therefore shall make void one of the least of these commandments, and shall teach men so, shall be called least in the kingdom of the heavens;</p>	<p>M-01A Matthew 5:19 Ὅς εἰν οὐν λυση μιαν τῶν εντολῶν τούτων των ελαχιστων και διδάξη οὕτως τους αἰθρωπους ελαχιστος κληθησετε εν τη βασιλια τῶν ΟΥΝΩΝ</p>	متى 5-19	5
<p>أضاف النساخ عبارة (وَأَمَّا مَنْ عَمِلَ وَعَلَّمَ، فَهَذَا يُدْعَى عَظِيمًا فِي مَلَكُوتِ السَّمَاوَاتِ) من أجل سد الفراغ الذي رآه في النص. فالمؤلف تكلم عن عقاب من نقض الوصايا لكنه تغافل مكافأة من عمل بالوصايا، فكانت الإضافة ضرورية لإيجاد نوع من التقاطع (إكمال النقص)</p>					التعليق	

Mat 5:19



السّموات

Mat 5:20

قَاتِي أَقُول

5:19

OC	ΕΑΝ	ΟΥΝ	ΛΥΧΗ	ΜΙΑΝ	ΤΩΝ	ΕΝΤΟΛΩΝ	ΤΟΥΤΩΝ	ΤΩΝ	ΕΛΑΧΙΣΤΩΝ	ΚΑΙ
hos	ean	oun	lusE	mian	tOn	entolOn	toutOn	tOn	elachistOn	kai
WHO	IF-EVER	THEN	SHOULD-BE-LOOSING	ONE	OF-THE	directions	these	THE	INFERIOR-most	AND
			should-be-annulling			precepts			least	

ΔΙΔΑΣΗ

ΔΙΔΑΣΗ	ΟΥΤΩΣ	ΤΟΥΣ	ΑΝΘΡΩΠΟΥΣ	ΕΛΑΧΙΣΤΟΣ	ΚΛΗΘΗΣΕΤΑΙ	ΕΝ	ΤΗ	ΒΑΣΙΛΕΙΑ	ΤΩΝ
didaxE	houtOs	tous	anthrOpous	elachistos	klEthEsetai	en	tE	basileia	tOn
SHOULD-BE-TEACHING	thus	THE	humans	INFERIOR-most	SHALL-BE-BEING-CALLED	IN	THE	KINGdom	OF-THE
				least-one	he-shall-be-being-called				

السّموات

ΟΥΡΑΝΩΝ	OC	Δ	ΑΝ	ΠΟΙΗΣΗ	ΚΑΙ	ΔΙΔΑΣΗ	ΟΥΤΟΣ	ΜΕΓΑΣ	ΚΛΗΘΗΣΕΤΑΙ	ΕΝ	ΤΗ
ouranOn	hos	d	an	poiEsE	kai	didaxE	houtos	meGas	klEthEsetai	en	tE
heavens	WHO	YET	EVER	SHOULD-BE-DOING	AND	SHOULD-BE-TEACHING	this-one	GREAT	SHALL-BE-BEING-CALLED	IN	THE
							this-one				

ΒΑΣΙΛΕΙΑ ΤΩΝ ΟΥΡΑΝΩΝ

ΒΑΣΙΛΕΙΑ	ΤΩΝ	ΟΥΡΑΝΩΝ
basileia	tOn	ouranOn
KINGdom	OF-THE	heavens

المظلل بالأصفر محذوف

5:20

ΛΕΓΩ	ΓΑΡ	ΥΜΙΝ	ΟΤΙ	ΕΑΝ	ΜΗ	ΠΕΡΙΣΣΕΥΧΗ	Η	ΔΙΚΑΙΟΣΥΝΗ	ΥΜΩΝ	ΠΛΕΙΟΝ	ΤΩΝ
legO	gar	humin	hoti	ean	mE	perisseusE	hE	dikaiousunE	humOn	pleion	tOn
I-AM-saying	for	to-YOU(P)	that	IF-EVER	NO	SHOULD-BE-exceedING	THE	JUSTice	OF-YOU(P)	MORE	OF-THE
		to-ye						righteousness			

قَاتِي أَقُول

Matthew 5:22

WH NU

πᾶς ὁ ὀργιζόμενος τῷ ἀδελφῷ αὐτοῦ
"everyone being angry with his brother without cause"
ⲡ⁶⁴⁻⁶⁷ Ⲭ⁶ B 1424^{ms} Origen MSS according to Apollinarius
الناسخ الأصلي

variant/TR

πας ο οργιζομενους τω αδελφω αυτου εικη
"everyone being angry with his brother without cause"
Ⲭ² D L W Θ 0233 f^{1,13} 33 Maj Diatessaron it syr cop MSS according to Origen, Apollinarius
Jerome
KJV NKJV RSVmg NRSVmg ESVmg NASBmg NIVmg TNIVmg NEBmg NLTmg
NETmg

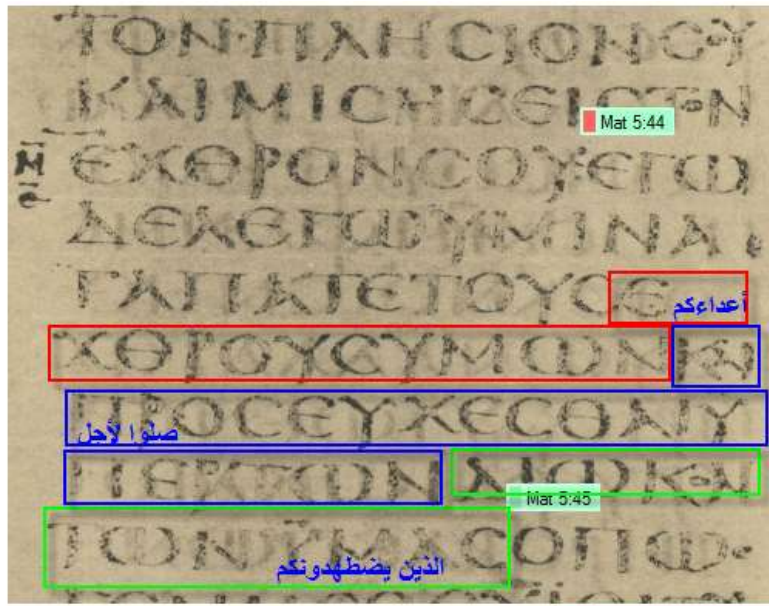
قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا

NEW TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY

Commentary on the variant
readings of the ancient
New Testament manuscripts
and how they relate to the
major English translations

PHILIP W. COMFORT

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<p>النسخة العربية : تضيف هذا المقطع (باركوا لأعنيكم. أحسنوا إلى مبغضيكم، صلوا لأجل الذي يسيئون إليكم" εὐλογεῖτε τοὺς καταρωμένους ὑμᾶς καλῶς ποιεῖτε τοῖς μισοῦσιν ὑμᾶς, καὶ προσεύχεσθε ὑπὲρ τῶν ἐπηραζόντων ὑμᾶς)</p> <p>السينائية: غير موجود بالكامل</p>	<p>٤٤ وَأَمَّا أَنَا فَأَقُولُ لَكُمْ: أَحِبُّوا أَعْدَاءَكُمْ. بَارِكُوا لأَعْنِيكُمْ. أَحْسِنُوا إِلَى مُبْغِضِيكُمْ، وَصَلُّوا لِأَجْلِ الَّذِينَ يُسِيئُونَ إِلَيْكُمْ وَيَطْرُدُونَكُمْ،</p>	<p>But I say to you. Love your enemies, and pray for them that persecute you;</p>	<p>M-01A Matthew 5:44 εγω δε λεγω υμιν Αγαπατε τους εχθρους υμων και προσευχεσθαι υπερ των διωκοντων υμας</p>	متى 5-44	7
	<p>أضاف النساخ هذه المقاطع من أجل وضع نصوص المحبة في الكتاب (زراعة نصوص المحبة)</p>					التعليق



5:44										
ΕΓΩ	ΔΕ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ	ΑΓΑΠΑΤΕ	ΤΟΥΣ	ΕΧΘΡΟΥΣ	ΥΜΩΝ	ΕΥΛΟΓΕΙΤΕ	ΤΟΥΣ	ΚΑΤΑΡΩΜΕΝΟΥΣ
egO	de	legO	humin	agapate	tous	echthrous	humOn	eulogeite	tous	katarOmenous
I	AND	AM-saying	to-YOU(P)	BE-YE-LOVING	THE	enemies	OF-YOU(P)	BE-blessING	THE	ones-DOWN-EXECRATING
			to-ye	be-ye-loving!		of-ye	be-ye-blessing!			ones-cursing
ΥΜΑΣ	ΚΑΛΩΣ	ΠΟΙΕΙΤΕ	ΤΟΥΣ	ΜΙΣΟΥΝΤΑΣ	ΥΜΑΣ	ΚΑΙ	ΠΡΟΣΕΥΧΕΣΘΕ	ΥΠΕΡ	ΤΩΝ	
humas	kalOs	poieite	tous	misountas	humas	kai	proseuchesthe	huper	tOn	
YOU(P)	IDEALLY	BE-DOING	THE	ones-HATING	YOU(P)	AND	BE-YE-praying	OVER	THE	
		be-ye-doing!		ones-hating		be-ye-praying!		for-the-sake-of		
ΕΠΗΡΕΑΖΟΝΤΩΝ	ΥΜΑΣ	ΚΑΙ	ΔΙΩΚΟΝΤΩΝ	ΥΜΑΣ						
epEreazontOn	humas	kai	diOkontOn	humas						
ones-traducing	YOU(P)	AND	ones-CHASING	YOU(P)						
ones-traducing			ones-persecuting	ye						

أعداءكم
أحسِنُوا إِلَى مُبْغِضِيكُمْ
وَصَلُّوا لِأَجْلِ الَّذِينَ يَضْطْهِدُونَكُمْ
بَارِكُوا لِأَعْنِيكُمْ
المزملل بالأصفر غير موجود في المخطوطة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	٤٧ وَإِنْ سَلَّمْتُمْ عَلَى إِخْوَتِكُمْ فَقَطُّ، فَأَيَّ فَضْلٍ تَصْنَعُونَ؟ أَلَيْسَ الْعَشَّارُونَ أَيْضًا يَفْعَلُونَ هَكَذَا؟	وإن كنتم لا تسلمون إلا على إخوانكم، فماذا عملتم أكثر من غيركم؟ أما يعمل الوثنيون هذا؟	And if you salute your brethren only, what do you more? Do not even the heathen the same?	M-01A Matthew 5:47 Καὶ εἰν ἀσπασθηθε τοὺς ἀδελφοὺς ὑμῶν μόνον τι περισσὸν ποιεῖται Οὐχὶ καὶ οἱ ἐθνικοὶ τὸ αὐτὸ ποιοῦσιν	متى 5-47	8
	النسخة العربية: تكتب: العشارون τελῶναι السينائية: تكتب بدلا منها: الوثنيون εθνικοὶ					
سبب وجود هذه اللفظة (العشارون) في النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية هو خطأ بصري وقع فيه النساخ اليونانيون حيث أن نفس اللفظة (العشارون) موجودة في النص الذي قبلها مباشرة (46-5) , فوقعت عين النساخ عليها , ويسمى هذا النوع من الأخطاء Dittography , لكن خطورة هذا الافتراض أن هذه القراءة موجودة في 90% من المخطوطات اليونانية , فانتشار خطأ عفوي في الأغلبية الساحقة من المخطوطات يثبت ضعف الكتاب , فالكتاب الذي لا يحمي أغلب مخطوطاته من توطن الأخطاء العفوية فلن يحميها من التغييرات العمدية (عندما يكون الخطأ العفوي أخطر من التغيير المتعمد)					التعليق	

Mat 5:47

ΚΑΙ ΕΑΝ ΑΣΠΑΣΘΕ ΤΟΥΣ ΑΔΕΛΦΟΥΣ ΥΜΩΝ ΜΟΝΟΝ ΤΙ ΠΕΡΙΣΣΟΝ ΠΟΙΕΙΤΕ ΟΥΧΙ ΚΑΙ ΟΙ ΤΕΛΩΝΑΙ

Mat 5:48

ΟΙ ΤΕΛΩΝΑΙ ΟΥΤΩΣ ΠΟΙΟΥΣΙΝ

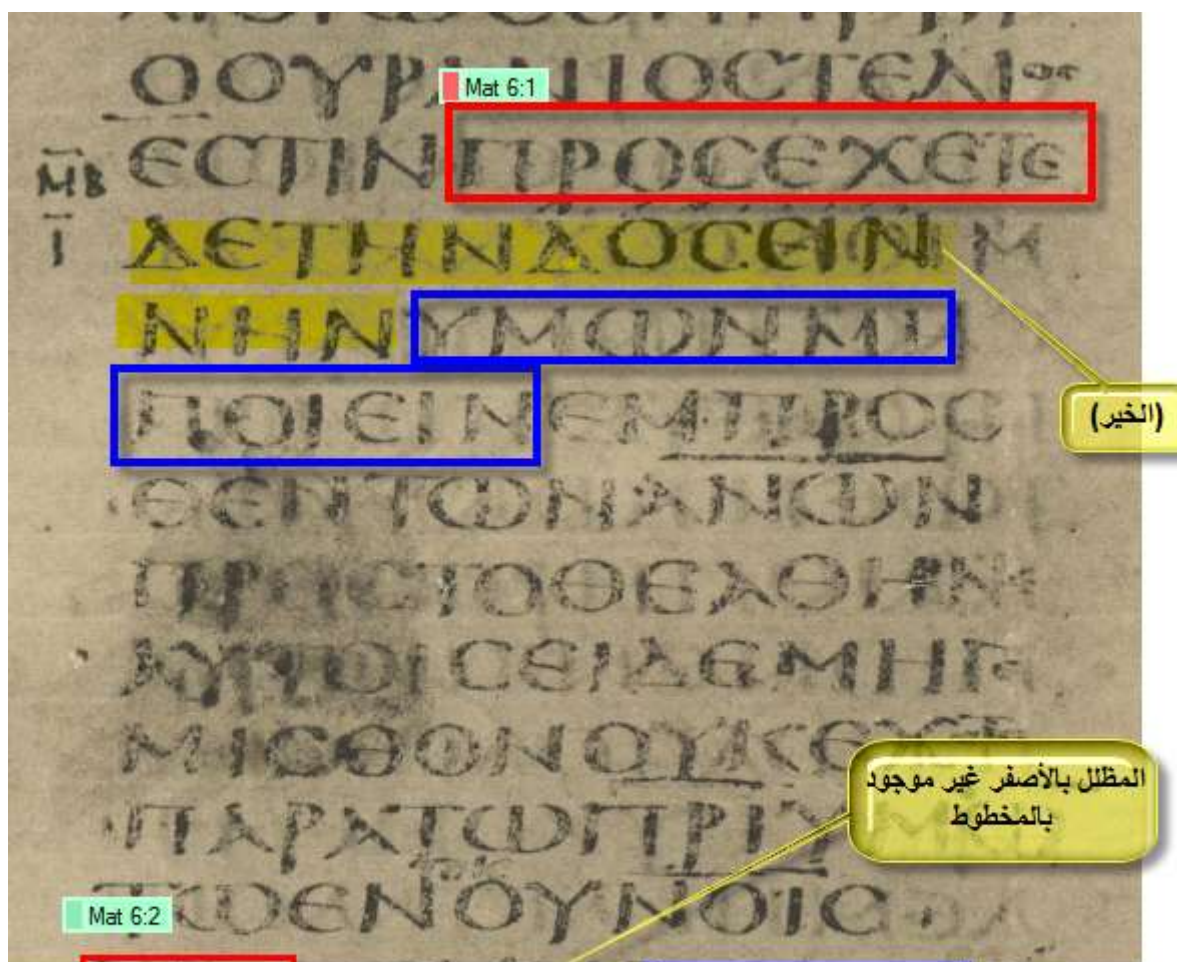
5:47 ΚΑΙ ΕΑΝ ΑΣΠΑΣΘΕ ΤΟΥΣ ΑΔΕΛΦΟΥΣ ΥΜΩΝ ΜΟΝΟΝ ΤΙ
kai ean aspasEsthe tous adelphous humOn monon ti
AND IF-EVER YE-SHOULD-BE-greeting THE brothers OF-YOU(P) ONLY ANY
of-ye what

5:48 ΟΙ ΤΕΛΩΝΑΙ ΟΥΤΩΣ ΠΟΙΟΥΣΙΝ
perisson poiiete ouchi kai oi telonai houtOs poiousin
excessive YE-ARE-DOING NOT(emph.) AND THE tribute-collectors thus ARE-DOING
also

ΕΘΝΙΚΟ
الوثنيون

العشارون
أيضا يصنعون

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : صدقتكم ἐλεημοσύνη السينائية: استبدلت مكانها الخير δικαιοσύνη	١"احْتَرِزُوا مِنْ أَنْ تَصْنَعُوا صَدَقَاتِكُمْ قُدَّامَ النَّاسِ لِكَيْ يَنْظُرُوكُمْ، وَإِلَّا فَلَيْسَ لَكُمْ أَجْرٌ عِنْدَ أَبِيكُمْ الَّذِي فِي السَّمَاوَاتِ.	إياكم أن تعملوا الخير أمام الناس ليشاهدوكم، وإلا فلا أجر لكم عند أبيكم الذي في السموات	But take heed that you do not your righteousness before men,	M-01A Matthew 6:1 Προσεχετε δε την δικαιοσύνην υμων μη ποιειν εμπροσθεν των ΑΝΩΝ προς το θεαθηνε αυτοις ει δε μη γε μισθον ουκ εχετε παρα τω ΠΑΤΕΡΙ υμων τω εν ΟΥΝΟΙΣ	متى 6-1	9
مصطلح (الصدقة) هذا مصطلح سبعيني أما مصطلح (الخير) فهو مرادف الصدقة عند العبرانيين فهو مصطلح مستعمل بكثرة في العهد القديم العبري , فقام النساخ بتغيير اللفظة إلى (الصدقة) لتشابه أسلوب السبعينية اليونانية (التأثر بالسبعينية)					التعليق	



احترزوا	صدقتكم	ان تصنعوها		
6:1 ΠΡΟΣΕΧΕΤΕ	ΤΗΝ ΕΛΕΗΜΟΣΥΝΗΝ	ΥΜΩΝ ΜΗ ΠΟΙΕΙΝ	ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ	
prosechete	tēn eleemosynēn	hymōn mē poiein	emprosthen	
BE-YE-heeding	THE alms	OF-YOU(P) NO TO-BE-DOING	IN-TOWARD-PLACE	
be-ye-heeding!		of-ye	in-front-of	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة "علانية" "φανερῶ" السينائية: غير موجودة	، لِكَيْ تَكُونَ صَدَقَاتِكَ فِي الْخَفَاءِ. فَأَبُوكَ الَّذِي يَرَى فِي الْخَفَاءِ هُوَ يُجَازِيكَ عَلَانِيَةً.	حتى يكون إحسانك في الخفية، وأبوك الذي يرى في الخفية هو يكافئك	that thy charitable deed may be in secret; and thy Father who sees in secret will reward thee.	M-01A Matthew 6:4 ὡς ἡ σου ελεημοσύνη ἐν τῷ κρυπτῷ καὶ ὁ Πατὴρ σου ὁ βλεπὼν ἐν τῷ κρυπτῷ ἀποδώσει σοι	متى 4-6	10
أضاف النساخ لفظة (علانية) من أجل تعظيم قيمة المكافأة واستعمالها كحافز مما لخدمة الطرح الذي يقدمه المؤلف وهو ضرورة إخفاء الصدقة (دعم طرم المؤلف)					التعليق	

6:4 ὡς ἡ σου ἡ ελεημοσύνη ἐν τῷ κρυπτῷ καὶ ὁ
hopOs E sou hE eleEmosunE en tO kruptO kai ho
WHICH-how MAY-BE OF-YOU THE alms IN THE HIDDEN AND THE
so-that hidin

ΠΑΤΗΡ ΣΟΥ ὁ ΒΛΕΠΩΝ ἐν τῷ κρυπτῷ αὐτὸς ἀποδώσει
patEr sou ho blepOn en tO kruptO autos apodOsei
FATHER OF-YOU THE One-lookING IN THE HIDDEN He SHALL-BE-FROM-GIVING
one-observing hiding shall-be-paying

ΣΟΥ ἐν τῷ φανερῷ **في العلانية**
soi en tO phanerO
to-YOU IN THE apparent

6:5 **ΚΑΙ ΟΤΑΝ ΠΡΟΣΕΥΧΗ** ΟΥΚ ἔσται ὡς περ οἱ ὑποκριταί
kai hotan proseuchE ouk esE hOspēr hoi hupokritai
AND when-EVER YOU-MAY-BE-praying NOT YOU-SHALL-BE AS-EVEN THE hypocrites
whenever even-as

العدد 4-6

العدد 5-6

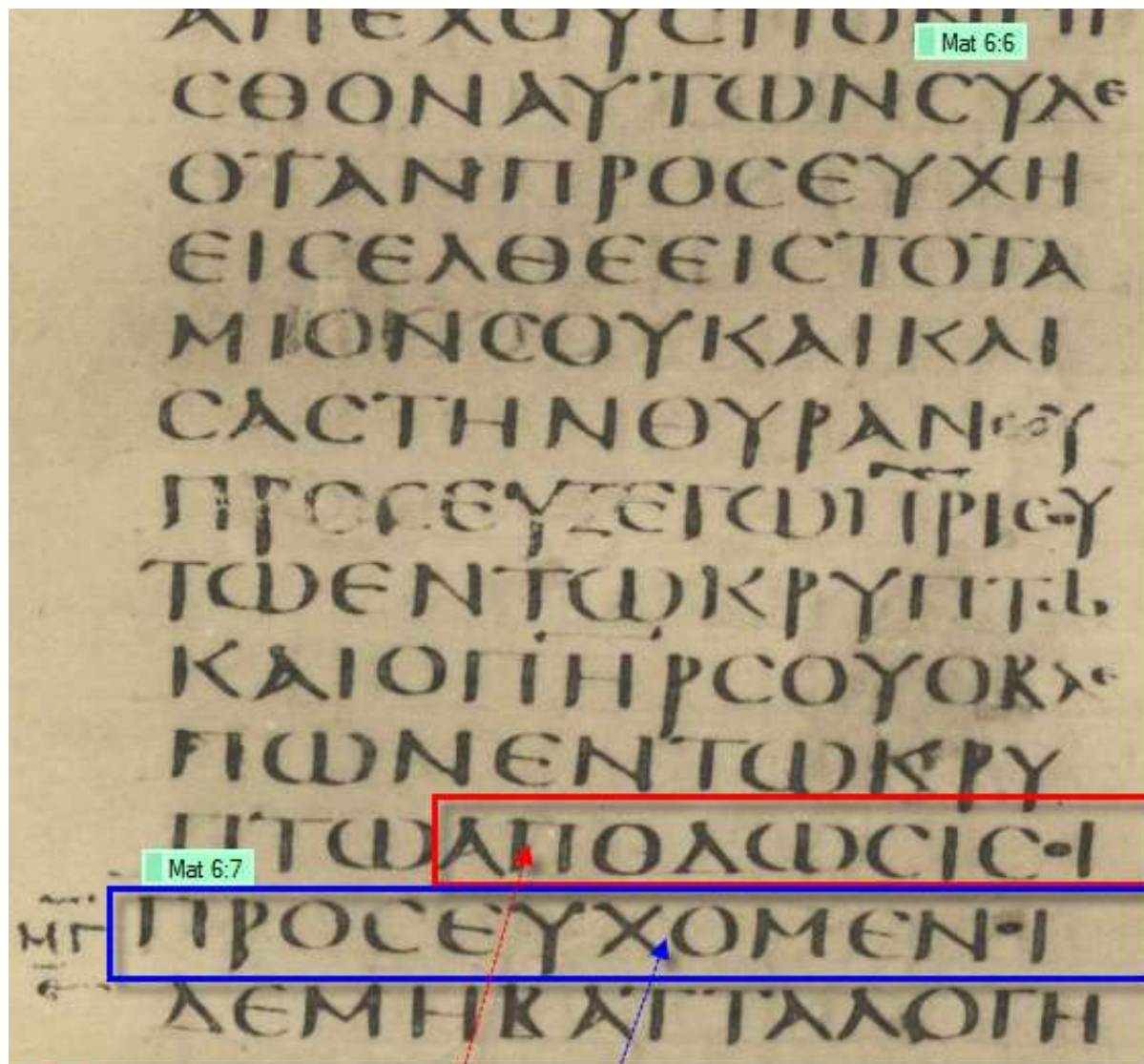
المظلل بالأصفر محذوف

يجازيك

ومتى صليت

في العلانية

م	رقم النص	نص السيناوية باليوناني	نص السيناوية بالإنجليزي	ترجمة نص السيناوية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
11	متى 6-6	^{M-01A} Matthew 6:6 Συ δε οταν προσευχης εισελθε εις το ταμιον σου και κλισας την θυραν * τω ΠΠΙ σου τω εν τω κρυπτω και ο ΠΗΡ σου ο βλεπων εν τω κρυπτω αποδωσι σοι	But thou, when thou prayest, go into thy closet; and having closed thy door, pray to thy Father who is in secret; and thy Father who sees in secret will reward thee.	أما أنت، فإذا صليت فادخل غرفتك وأغلق بابها وصل لأبيك الذي لا تراه عين، وأبوك الذي يرى في الخفية هو يكافئك	٦ وَأَمَّا أَنْتَ فَمَتَى صَلَّيْتَ فَادْخُلْ إِلَى مَخْدَعِكَ وَأَغْلِقْ بَابَكَ، وَصَلِّ إِلَى أَبِيكَ الَّذِي فِي الْخَفَاءِ. فَأَبُوكَ الَّذِي يَرَى فِي الْخَفَاءِ يُجَازِيكَ عَلَانِيَةً.	النسخة العربية : تضيف لفظة " علانية " " φανερω̄" السيناوية: غير موجودة
		أضاف النساخ لفظة (علانية) من أجل تعظيم قيمة المكافأة واستعمالها كحافز مما لخدمة الطرح الذي يقدمه المؤلف وهو ضرورة إخفاء الصدقة (دعم طرح المؤلف)			التعليق	



Mat 6:6

Mat 6:7

يجازيك

وحيثما
تصلون

6:6 CΥ ΔΕ ΟΤΑΝ ΠΡΟΣΕΥΧΗ ΕΙΣΕΛΘΕ ΕΙΣ ΤΟ ΤΑΜΙΕΙΟΝ CΟΥ
 su de hotan proseuchē eiselthe eis to tamieion sou
 YOU YET when-EVER YOU-MAY-BE-praying BE-INTO-COMING INTO THE STOREROOM OF-YOU
 whenever be-you-entering!

ΚΑΙ ΚΛΕΙCΑC ΤΗΝ ΘΥΡΑΝ CΟΥ ΠΡΟΣΕΥΞΑΙ ΤΩ ΠΑΤΡΙ CΟΥ ΤΩ
 kai kleisās tēn thuran sou proseuxai tō patri sou tō
 AND LOCKing THE DOOR OF-YOU pray to-THE FATHER OF-YOU to-THE-One
 pray-you! to-the-one

ΕΝ ΤΩ ΚΡΥΠΤΩ ΚΑΙ Ο ΠΑΤΗΡ CΟΥ Ο ΒΛΕΠΩΝ ΕΝ ΤΩ ΚΡΥΠΤΩ
 en tō kruptō kai ho patēr sou ho blepōn en tō kruptō
 IN THE HIDDEN AND THE FATHER OF-YOU THE One-looking IN THE HIDDEN
 hiding one-observing hiding

ΑΠΟΔΩCΕΙ CΟΙ
 apodōsei soi
 SHALL-BE-FROM-GIVING to-YOU
 shall-be-paying

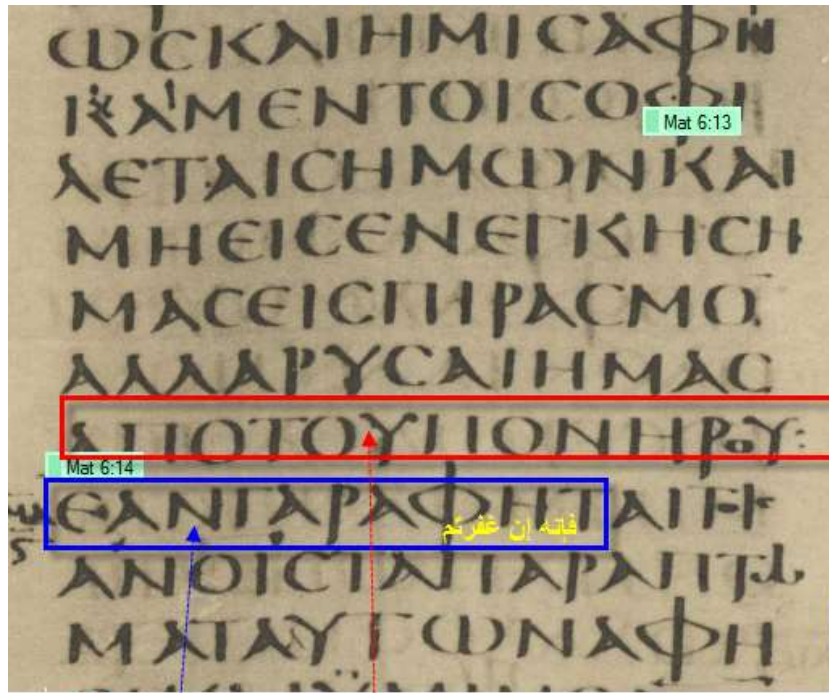
ΕΝ ΤΩ ΦΑΝΕΡΩ
 en tō phanerō
 IN THE apparent

في العلانية

المظلل بالأصفر غير موجود
 في المخطوطة

6:7 ΠΡΟΣΕΥΧΟΜΕΝΟΙ ΔΕ ΜΗ ΒΑΤΤΟΛΟΓΗCΗCΤΕ ΩCΠΕΡ ΟΙ
 proseuchomenoi de mē battologēsēte hōsper hoi
 praying وحيثما تصلون YET NO YE-SHOULD-BE-STUTTER-saying AS-EVEN THE
 ye-should-be-using-useless-repetitions even-as

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: "لأنَّ لَكَ الْمُلْكَ، وَالْقُوَّةَ، وَالْمَجْدَ، إِلَى الْأَبَدِ. آمِينَ." "Οτι σου ἐστιν ἡ βασιλεία καὶ ἡ δύναμις καὶ ἡ δόξα εἰς τοὺς αἰῶνας. Ἀμήν." السينائية: المقطع بالكامل غير موجود</p>	<p>٣ ولا تُدْخِلْنَا فِي تَجْرِبَةٍ، لَكِنْ نَجِّنَا مِنَ الشَّرِّيرِ. لِأَنَّ لَكَ الْمُلْكَ، وَالْقُوَّةَ، وَالْمَجْدَ، إِلَى الْأَبَدِ. آمِينَ.</p>	<p>ولا تدخلنا في التجربة ، لكن نجنا من الشرير</p>	<p>and lead us not into temptation, but deliver us from the evil one.</p>	<p>^{M-01A} Matthew 6:13 Καὶ μὴ εἰσενεγκῆς ἡμᾶς εἰς πειρασμὸν ἀλλὰ ρύσαι ἡμᾶς ἀπο τοῦ πονηροῦ (Matt. 6:13 M-01A)</p>	متى 6-13	12
<p>أضاف النساخ عبارة ("لأنَّ لَكَ الْمُلْكَ، وَالْقُوَّةَ، وَالْمَجْدَ، إِلَى الْأَبَدِ. آمِينَ") من اجل: - أنهم لاحظوا أن الصلاة لم تشمل على تمجيد الإله بالقدر الكافي , فكانت الإضافة ضرورية لتمجيد الإله. - إيجاد خاتمة مناسبة للصلاة (تحسين النص) (إكمال الناقص)</p>					<p>التعليق</p>	



Mat 6:13

Mat 6:14

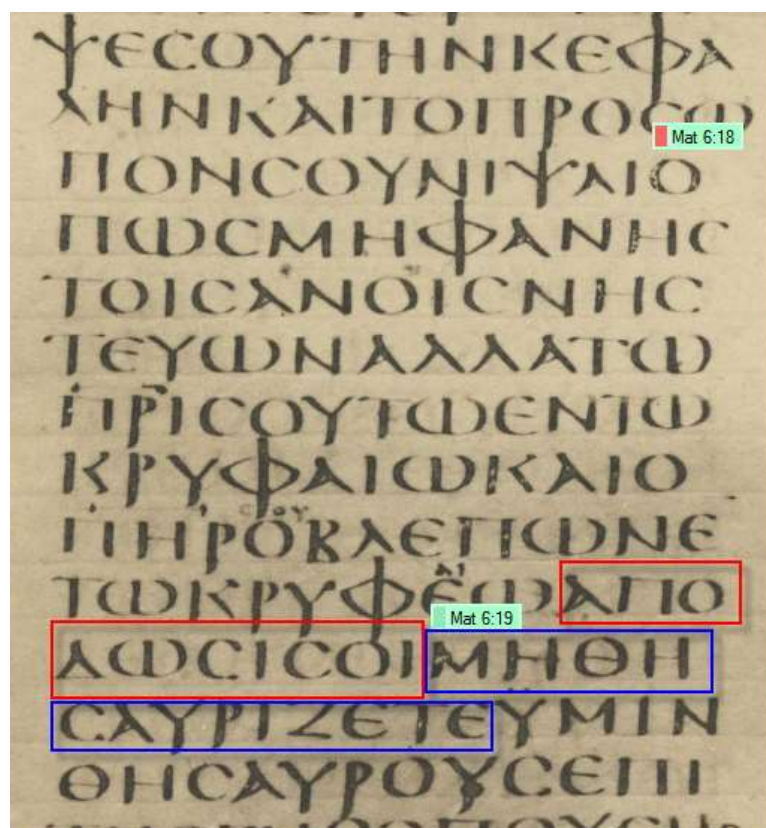
من الشرير

فاتنه ان غفرتم

المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوط

→ 6:13	ΚΑΙ ΜΗ ΕΙΣΕΝΕΓΚΗΣ	ΗΜΑΣ ΕΙΣ ΠΕΙΡΑΣΜΟΝ	ΑΛΛΑ ΡΥΣΑΙ
	kai mE eisenegkEs	hEmas eis peirasmon	alla rusai
	AND NO YOU-MAY-BE-INTO-CARRYING	US INTO trial	but rescue
		you-may-be-bringing-into	rescue-you!
	ΑΠΟ ΤΟΥ ΠΟΝΗΡΟΥ	ΟΤΙ ΣΟΥ ΕΣΤΙΝ Η ΒΑΣΙΛΕΙΑ	ΚΑΙ Η
	hEmas apo tou ponErou	hoti sou estin hE basileia	kai hE
	US FROM THE wicked	that OF-YOU IS THE KINGdom	AND THE
		wicked-one	
	ΔΥΝΑΜΙΣ ΚΑΙ Η ΔΟΞΑ	ΕΙΣ ΤΟΥΣ ΑΙΩΝΑΣ	ΑΜΗΝ
	dunamis kai hE doxa	eis tous aiOnas	amEn
	ABILITY AND THE esteem	INTO THE eons	AMEN
	power	glory	
→ 6:14	ΕΑΝ ΓΑΡ ΑΦΗΤΕ	ΤΟΙΣ ΑΝΘΡΩΠΟΙΣ	ΤΑ ΠΑΡΑΠΤΩΜΑΤΑ
	ean gar aphEte	tois anthrOpois	ta paraptOmata
	IF-EVER for YE-MAY-BE-FROM-LETTING	to-THE humans	THE BESIDE-FALLS
		the	offenses

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
		حتى لا يظهر للناس أنك صائم، بل لأبيك الذي لا تراه عين، وأبوك الذي يرى في الخفية هو يكافئك	that thou appear not to men to fast, but to thy Father who is in secret; and thy Father who sees in secret will reward thee.	M-01A Matthew 6:18 σπως μη φανης τοις ἄνοις νηστευων αλλα τω πατρι σου τω εν τω κρυφαιω και ο πατηρ ο βλεπων εν τω κρυφω αποδωσι σοι	متى 6-18	13
	النسخة العربية: تضيف لفظة "علانية" "φανερῶ" السينائية: غير موجودة					
	أضاف النساخ لفظة (علانية) من أجل تعظيم قيمة المكافأة واستعمالها كحافز مما لخدمة الطرح الذي يقدمه المؤلف وهو ضرورة إخفاء الصدقة (دعم طرم المؤلف)				التعليق	



6:18	ὅπως	μη	φανης	τοις	ἀνθρώποις	νηστεύων	ἀλλὰ	τῷ	πατρὶ	σου
	hopOs	mE	phanEs	tois	anthrOpois	nEsteuOn	alla	tO	patri	sou
	WHICH-how	NO	YOU-MAY-BE-APPEARING	to-THE	humans	fastING	but	to-THE	FATHER	OF-YOU
	so-that									
	τῷ	ἐν	τῷ	κρυπτῷ	καὶ	ὁ	πατήρ	σου	ὁ	βλεπὼν
	tO	en	tO	kruptO	kai	ho	patEr	sou	ho	blepOn
	to-THE-One	IN	THE	HIDDEN	AND	THE	FATHER	OF-YOU	THE	One-lookING
	the one			hiding						one-observing
	ἀποδώσει	σοὶ	ἐν	τῷ	φανερῷ					
	apodOsei	soi	en	tO	phanerO					
	SHALL-BE-FROM-GIVING	to-YOU	IN	THE	apparent					
	shall-be-paying	you								
6:19	μη	ἐσθραρίζετε	ἐπὶ	τῆς	γῆς	ὁποῦ	ἡ	μητέρα	καὶ	τρέφετε
	mE	thEsaurizete	epi	tEs	gEs	hopou	sEs	kai	brOsis	
	NO	YE-BE-PLACING-INTO-MORROW	to-YOU(p)	PLACED-INTO-MORROWS	ON	THE	LAND	THE-?-where	MOTH	AND
		be-ye-hoarding!	to-ye	treasures			earth	where ^e		corrosion

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: "وبما تشربون ك اي ت ي" "π ι η τ ε" السينائية: غير موجود	"لِذَلِكَ أَقُولُ لَكُمْ: لَا تَهْتَمُّوا لِحَيَاتِكُمْ بِمَا تَأْكُلُونَ وَبِمَا تَشْرَبُونَ،	لذلك أقول لكم: لا يهمكم لحياتكم ما تأكلون	For this reason I say to you: Be not anxious for your life what you shall eat, nor for your body what you shall put on. Is not the life more than the food, and the body than the clothing?	M-01A Matthew 6:25 Δια τουτο λεγω υμιν μη μεριμναται τη ψυχη υμων τι φαγηται μηδε τω σωματι τι ενδυσησθε Ουχι η ψυχη πλειον εστι της τροφης και το σωμα του ενδυματος	متى 6-25	14
أضاف النساخ عبارة (وبما تشربون) لأنهم رأوا أنه من الأفضل أن ينهائم عن الاهتمام بالشرب أيضا لأنه من الاهتمامات الحياتية وليس فقط الأكل (نحسين النص)					التعليق	

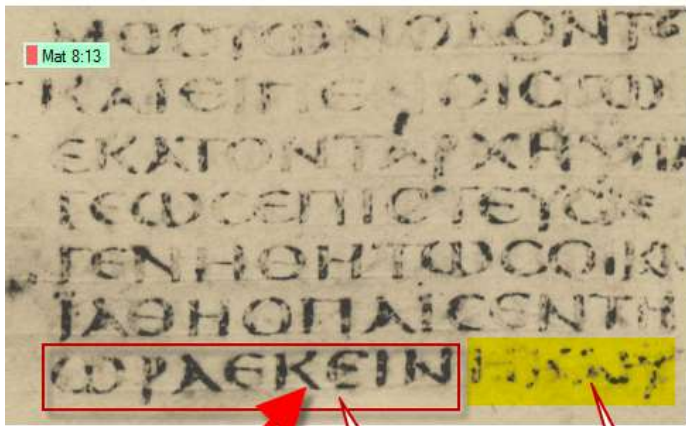


وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف عبارة: "وهبت الرياح" καὶ ἔπνευσαν οἱ ἄνεμοι, السينائية : المقطع غير موجود	٢٧فَنَزَلَ الْمَطْرُ، وَجَاءَتْ الْأَنْهَارُ، وَهَبَّتِ الرِّيحُ، وَصَدَمَتْ ذَلِكَ الْبَيْتَ فَسَقَطَ، وَكَانَ سُقُوطُهُ عَظِيمًا!	فنزل المطر وفاضت السيول على ذلك البيت فسقط، وكان سقوطه عظيما	And the rain descended, and the floods came, and they beat upon that house, and it fell; and great was its fall.	M-01A Matthew 7:27 καὶ κατεβῆ ἡ βροχὴ καὶ ἤλθα ἡ οἱ ποταμοὶ καὶ προσεκοῦσαν τὴ οἰκίαν ἐκινή καὶ ἐπεσεν καὶ ἦν ἡ πτώσις αὐτῆς μεγαλὴ	متى 7-27	15
أضاف النساخ عبارة (وهبت الرياح) لسببين: - مطابقة النص مع نظيره في متى 27-7 حتى يحدث التقاطع بين النصين - أنهم لاحظوا أن المؤلف ذكر المؤثرات الطبيعية التي تسبب سقوط البيوت ونسى أحد اهم المؤثرات وهو هبوب الرياح (تحسين النص)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
				M-01A Matthew 8:13 Και ειπεν ο Ξ̅τω εκατονταρχη Υπαγε ως επιστευσας γενηθητω σοι Και ιαθη ο παις εν τη ωρα εκεινη και υποστρεψας ο εκατο_ταρχος εις τον οικον αυτου εν αυται τη ωρα ευρεν το_παιδα υγιαινοντα	متى 8-13	16
وجه الاختلاف	النسخة العربية: يقف النص عند لفظة " الساعة" السينائية: تضيف المقطع التالي في نهاية النص: (ولما رجع الضابط إلي بيته وجد الخادم في حالة جيدة και υποστρεψας ο εκατο_ταρχος εις τον οικον αυτου εν αυται τη ωρα ευρεν το_παιδα υγιαινοντα)	وقال يسوع للضابط: (اذهب، وليكن لك على قدر إيمانك)). فشفي الخادم في تلك الساعة ولما رجع الضابط إلي بيته وجد الخادم في حالة جيدة	And Jesus said to the centurion: Go; as thou hast believed, be it done for thee. And the servant was restored to health in that hour.			
					التعليق	
						قام النساخ بحذف العبارة (ولما رجع الضابط إلي بيته وجد الخادم في حالة جيدة) لأنه ربما يفهم منها أن الضابط لم يثق في كلام يسوع وذهب ليتأكد من حدوث المعجزة وهو الأمر الذي ينافي تصريح يسوع في 8-10 أن هذا الرجل هو اعظم إيماناً من أي شخص رآه (تحسين النص)





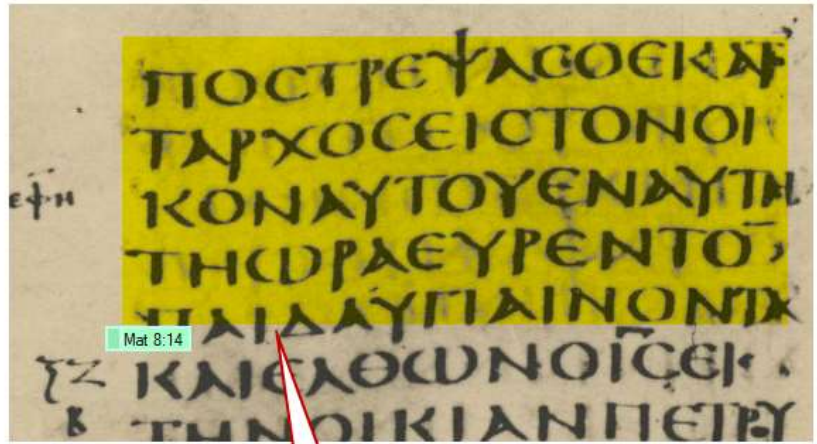
Mat 8:13

ΩΡΑ ΕΚΕΙΝΗ
hOra ekeinē
HOUR that

تلك الساعة

آخر كلمة في النص رقم ١٣
في آخر العمود رقم ٢

أول كلمة في
الإضافة

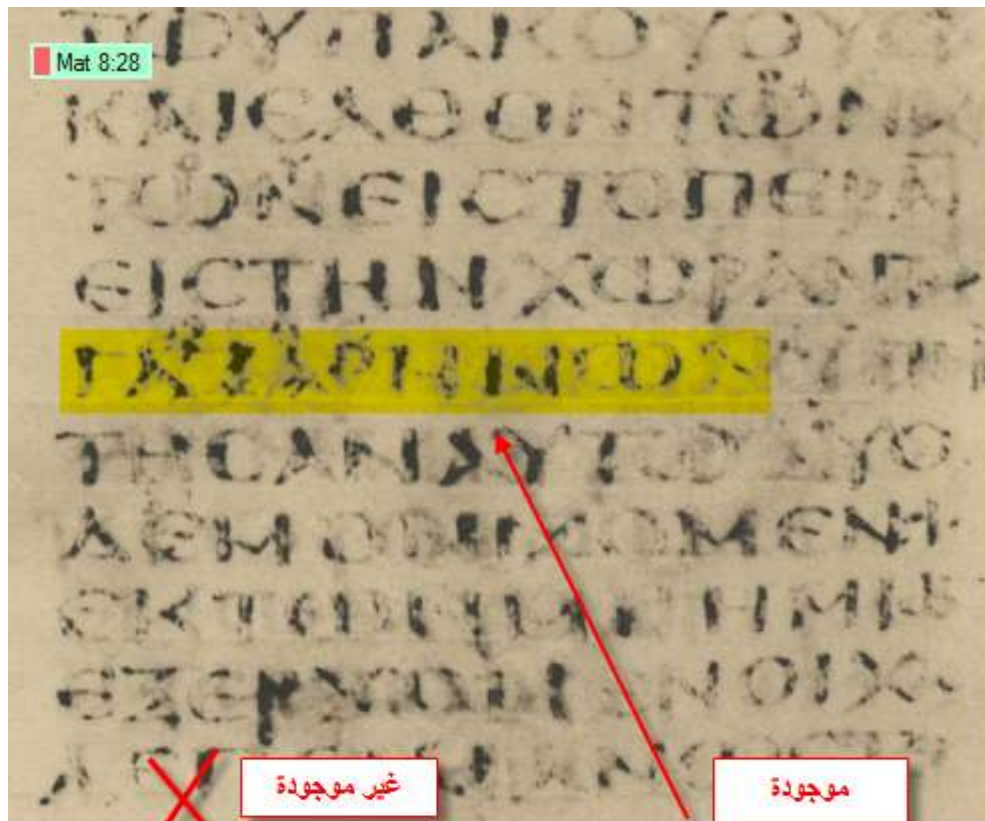


Mat 8:14

باقي الإضافة للنص رقم ١٣ موجودة في
أول العمود رقم ٤ من فوق

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : (الجرجسيين Γεργεσηνῶν) (السينائية : تكتب بدلا منها: (الجدريين Γαζαρηνων)	٢٨ وَلَمَّا جَاءَ إِلَى الْعَبْرِ إِلَى كُورَةَ الْجَرْجَسِيِّينَ، اسْتَقْبَلَهُ مَجْتُونَانِ خَارِجَانِ مِنْ الْقُبُورِ هَائِجَانِ جِدًّا، حَتَّى لَمْ يَكُنْ أَحَدٌ يَقْدِرُ أَنْ يَجْتَازَ مِنْ تِلْكَ الطَّرِيقِ.	ولما وصل يسوع إلى الشاطئ المقابل في ناحية الجدريين استقبله رجلان خرجا من المقابر، وفيهما شياطين. وكانا شرسين جدا، حتى لا يقدر أحد أن يمر من تلك الطريق	And when he had come to the other side, into the country of the Gadarenes, there met him two men possessed with demons, coming out of the tombs, very fierce, so that no one could pass by that way.	M-01A Matthew 8:28 Και ελθοντων αυτων εις το περα εις την χωραν των Γαζαρηνων υπητησαν αυτω δυο δεμονιζομενοι εκ των μνημιων εξερχομενοι χαλεποι λιαν ωστε μη ισχυειν τινα παρελθειν δια της οδου εκινης .	متى 8-28	17
مدينة الجدريين (جدرة GADARA) ليست على شاطئ بحر الجليل إنما هي مدينة في الأردن. أما مدينة الجرجسيين (جرجسة) فإنها تقع على شاطئ الجليل . قام النساخ بتغيير النص من (الجدريين) إلى (الجرجسيين) لأن النصوص التالية تخبرنا أنه عندما كان يسوع في تلك الكورة قام بعمل معجزة وأدت إلى انجراف الخنازير وسقوطها في البحر (8-32), فلا بد أن تكون المدينة التي حدثت فيها المعجزة على شاطئ بحر فقام النساخ بتغيير الكلمة من (الجدريين) إلى (الجرجسيين) لأن المدينة المذكورة في السينائية لا تقع على بحر بخلاف الثانية. (علام المشكلات الجغرافية)					التعليق	

Mat 8:28



غير موجودة

موجودة

ΓΕΡΓΕΣΗΝΩΝ
 gergesEnOn
 GERGESENES

ΓΑΖΑΡΗΝΩΝ

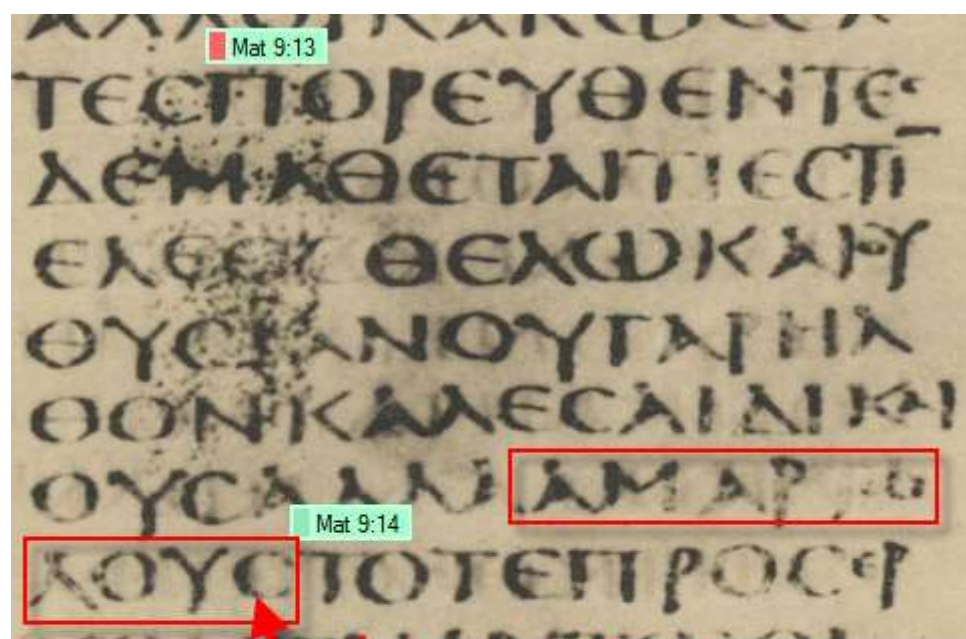
الجدريين

الجرجسيين

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تعجبوا εθαύμασαν السينائية : تكتب بدلا منها: خافوا εφοβηθησαν	فَلَمَّا رَأَى الْجُمُوعُ تَعَجَّبُوا وَمَجَّدُوا اللَّهَ الَّذِي أُعْطِيَ النَّاسَ سُلْطَانًا مِثْلَ هَذَا.	فلما شاهد الناس ما جرى، خافوا ومجدوا الله الذي أعطى البشر مثل هذا السلطان.	And the multitudes saw and were afraid, and glorified God who had given such authority to men.	M-01A Matthew 9:8 Ἰδοντες δε οι οχλοι εφοβηθησαν και εδοξασαν τον ΘΝ τον δοντα εξουσιαν τοιαυτην τοις ΑΝΘΙΣ	متى 8-9	18
قام النساخ بتغيير كلمة (خافوا) إلى (تعجبوا) من أجل وصف معجزات يسوع بوصف لائق, لأن يسوع لا يصنع المعجزات لتخويف الناس (تحسين صورة يسوع)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة (إلي التوبة) السينائية: المقطع غير موجود	٣ فَاذْهَبُوا وَتَعَلَّمُوا مَا هُوَ: إِنِّي أُرِيدُ رَحْمَةً لَا ذَبِيحَةً، لَأَنِّي لَمْ آتِ لِأَدْعُو أَبْرَارًا بَلْ خُطَاةً إِلَى التَّوْبَةِ."	فاذهبوا وتعلموا معنى هذه الآية: أريد رحمة لا ذبيحة. وما جئت لأدعو الصالحين، بل الخاطئين	But go and learn what —I desire mercy and not sacrificell means. For I came not to call righteous men, but sinners.	M-01A Matthew 9:13 Πορευθεντες δε μαθεται τι εστι Ελεος θελω και ου θυσιαν ου γαρ ηλθον καλεσαι δικαιους αλλα αμαρτωλους	متى 9-8	19
لاحظ النساخ أن النص بدون هذه الإضافة (إلي التوبة) ناقص، فإلى أي شئ يدعو يسوع الخطاة؟ لهذا تمت إضافة هذه العبارة في النسخة العربية من أجل علاج هذا الفراغ (تفسير النص)					التعليق	



AMARTΩΛΟΥC
namartōious
missers
sinners

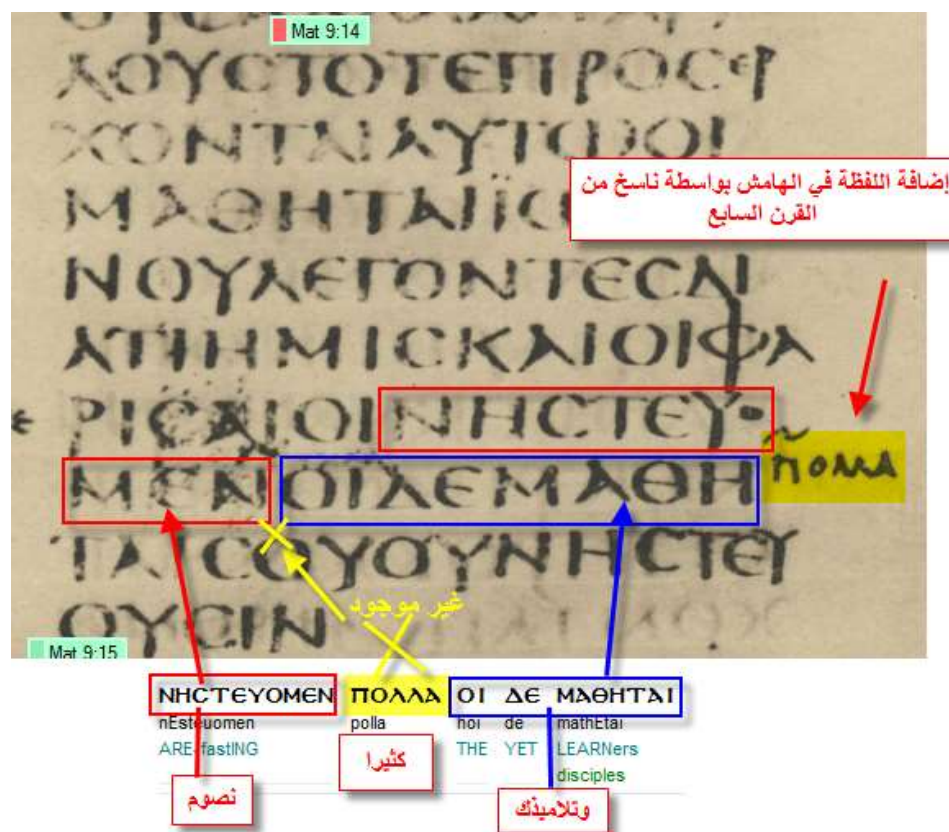
خطاة

EIC METANOIAN
eis metanoian
INTO after-MIND
repentance

للتوبة

هذه الإضافة غير موجودة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة (كثيرا) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٤ حينئذ أتى إليه تلاميذ يُوحَنَّا قائلين: "لِمَاذَا نَصُومُ نَحْنُ وَالْفَرِيسِيُّونَ كَثِيرًا، وَأَمَّا تَلَامِيذُكَ فَلَا يَصُومُونَ؟"	وجاء تلاميذ يوحنا المعمدان إلى يسوع وقالوا له ((لماذا نصوم نحن والفريسيون ، وتلاميذك لا يصومون؟))	Then came to him the disciples of John, saying: Why do we and the Pharisees fast, but thy disciples fast not?	M-01A Matthew 9:14 Τότε προσερχονται αυτω οι μαθηται Ιωαννου λεγοντες Δια τι ημεις και οι Φαρισαιοι νηστευομεν οι δε μαθηται σου ου νηστεουσιν	متى 9-14	20
أضاف النساخ لفظة (كثيرا) من أجل إظهار أن الشئ الذي كان يعييه تلاميذ يوحنا على يسوع وتلاميذه هو التقليل من الصوم وليس عدم الصيام مطلقا، فالصوم شئ جيد ولا بد من أن يسوع وتلاميذه كانوا يقومون به ولو قليلا، هذا ما دار في مخيلة النساخ (تحسين صورة يسوع) (دعم عبادة الصوم)					التعليق	



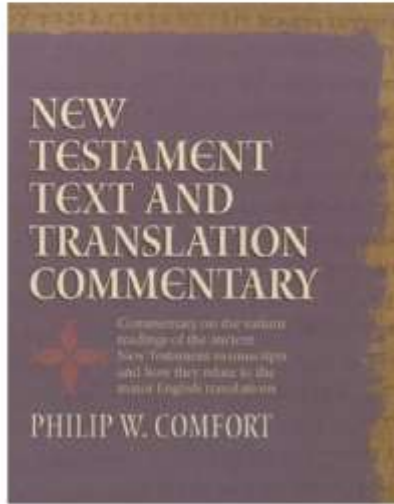
Matthew 9:14

TR NU	οἱ Φαρισαῖοι ἠσθεύομεν (πολλά) "the Pharisees fast often" K ² 0281 W 0233 T ¹ 33 Maj KJV NKJV RSVmg NRSV NAB NLTmg HCSB NET
variant 1	οἱ Φαρισαῖοι ἠσθεύομεν πικρὰ "the Pharisees fast frequently" K ¹ none
variant 2/WH	οἱ Φαρισαῖοι ἠσθεύομεν "the Pharisees fast" K ² 0281 NKJVmg RSV NRSVmg ISV NASB ²⁰⁰¹ NIV ²⁰¹¹ NIV ²⁰¹⁹ NLT ²⁰¹⁹ NIV ²⁰²⁰ NIV ²⁰²¹

المصحح رقم ٢ من القرن السابع هو صاحب إضافة (يصومون كثيرا)

المصحح رقم ١ من القرن الخامس هو صاحب قراءة (يصومون بشكل متكرر)

النسخ الأصلي * هو صاحب قراءة (يصومون)

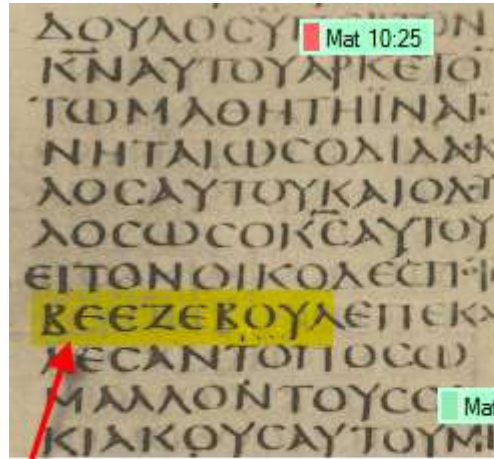


توضيح قراءة النسخ الأصلي والقراءات الأخرى التي تم إضافتها في أزمنة متأخرة للعالم قتيب كومفرت

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية : تنتهي عند (سلموا عليه) السينائية : تضيف عبارة : "قائلين سلاما لهذا البيت"	وإذا دخلتم بيتا فسلموا عليه , قائلين سلاما لهذا البيت	And when you enter a house, salute it.	M-01A Matthew 10:12 Εισερχομενοι δε εις την οικιαν ασπασασθε αυτην λεγο̄τες ειρηνη τω οικω τουτω	متى 10- 12	21
	حذف النساخ عبارة (قائلين سلاما لهذا البيت) لأنهم رأوا أنها عبارة زائدة عن الحاجة , فيكفي الأمر بالتسليم ولاداعي لهذه الزيادة (تحسين النص - إزالة العبارات الغير مفيدة)				التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : بعلزبول Βεελζεβούλ السينائية : تكتب بدلا منها بيزبول Βεεζεβουλ	٢٥ يَكْفِي التَّلْمِيذُ أَنْ يَكُونَ كَمُعَلِّمِهِ، وَالْعَبْدُ كَسَيِّدِهِ. إِنَّ كَأَنُوهَا قَدْ لَقَّبُوا رَبَّ الْبَيْتِ بَعَلْزَبُولَ، فَكَمْ بِالْحَرِيِّ أَهْلَ بَيْتِهِ!	يكفي التلميذ أن يكون مثل معلمه والخادم مثل سيده. إذا كان رب البيت قيل له بيزبول، فكيف أهل بيته؟	It is enough for the disciple that he become as his teacher, and the servant as his lord. If they have surnamed the master of the house Beezebub, how much more those of his household.	M-01A Matthew 10:25 Ἀρκετοῦ τῶ μαθητῆ ἵνα γενηται ὡς ὁ διδασκαλος αὐτοῦ καὶ ὁ δούλος ὡς ὁ ΚΣ̄ αὐτοῦ Εἰ τὸν οικοδοεσποτηῖ Βεεζεβουλ επεκαλεσαντο ποσω μαλλον τοὺς οικιακούς αὐτοῦ	متى 10- 25	22
قام النساخ بتغيير النص من (بيزبول) إلى (بعلزبول) لأن العهد الجديد يذكر الاسم الثاني كثيرا ولم يذكر الاسم الأول (إصلاح الاختلافات)					التعليق	



BEEZEBOYL

بيزبول

~~BEELEZEBOVB~~

beelzeboub

BEELEZEBOUB

بعلزبول

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<p>النسخة العربية : وَالْحِكْمَةُ تَبَرَّرَتْ مِنْ بَنِيهَا Και ἐδικαιώθη ἡ σοφία ἀπὸ τῶν τέκνων αὐτῆς. السينائية : كتبت بدلا منها الحكمة تبررها أعمالها ἐδικεωθη ἡ σοφία ἀπο τῶν ἐργῶν αὐτῆς</p>	<p>١٩ جاء ابن الإنسان يأكل ويشرب، فيقولون: هؤذا إنسان أكل وشرب خمر، محب للعشاريين والخطاة. وَالْحِكْمَةُ تَبَرَّرَتْ مِنْ بَنِيهَا". لكن الحكمة تبررها ((أعمالها))</p>	<p>The Son of man has come eating and drinking, and they say: Behold, a man, a glutton and a winebibber, a friend of publicans and sinners. And yet Wisdom is justified by her works.</p>	<p>M-01A Matthew 11:19 Ἠλθεν ὁ Υἱὸς τοῦ ἈΝΘΡΩΠΟΥ ἐσθίων καὶ πίνων καὶ λεγουσὶν Ἰδοὺ ἈΝΘΡΩΠΟΣ φαγὸς καὶ οἰνοποτῆς φίλος τελωνῶν καὶ ἀμαρτωλῶν Καὶ ἐδικεώθη ἡ σοφία ἀπο τῶν ἐργῶν αὐτῆς</p>	متى 11-19	23
	<p>قام النساخ بتغيير العبارة من (الحكمة تبررها أعمالها) إلى (وَالْحِكْمَةُ تَبَرَّرَتْ مِنْ بَنِيهَا) من أجل مطابقة النص مع نظيره في لوقا 7-35, مما يعطي مصداقية للسفرين حيث يطابق بعضهما بعضا في نقل كلام يسوع . (مطابقة الأناجيل ببعضها) (دعم مصداقية الاسفار)</p>				التعليق	

H3OΦIA AΠO TΩ NEPTΩ NAYTH3

الحكمة تبررها أعمالها

σοφία	ἀπο	τῶν	τέκνων	αὐτῆς
sophia	apo	tōn	teknōn	autēs
WISDOM	FROM	THE	offsprings	OF-her
			children	

غير موجود

وَالْحِكْمَةُ تَبَرَّرَتْ مِنْ بَنِيهَا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	٤٦ وَفِيمَا هُوَ يُكَلِّمُ الْجُمُوعَ إِذَا أُمُّهُ وَإِخْوَتُهُ قَدْ وَقَفُوا خَارِجًا طَالِبِينَ أَنْ يُكَلِّمُوهُ. ٤٧ فَقَالَ لَهُ وَاحِدٌ: "هُوَذَا أُمُّكَ وَإِخْوَتُكَ وَاقِفُونَ خَارِجًا طَالِبِينَ أَنْ يُكَلِّمُوكَ."	محذوف	محذوف	محذوف	متى 12: 46-47	24
	أضاف النساخ المقطع من أجل أنهم لاحظوا أن المؤلف يقول في العدد 48: "فَأَجَابَ وَقَالَ لِلْقَائِلِ لَهُ" فكان لابد من إيجاد شخص يكلم يسوع حتى يصبح لرد يسوع معنى (علام المشكلات)				التعليق	

Matthew 12:46

ETI DE AUTOU LALOUNTOS TOIS THRONOIS IDOU H MHTHP KAI OI ADELFOI AUTOU EICTHKEICAN EXO	STILL YET OF-HIM TALKING to-THE THRONS BE-PERCEIVING THE MOTHER AND THE brothers OF-HIM HAD-STOOD OUT stood outside
--	---

Matthew 12:47

EIPEN DE TIS AUTΩ IDOU H MHTHP COY KAI OI ADELFOI COY EXO ECTHKEICAN ZHTOYNTEC COI	said YET ANY to-Him BE-PERCEIVING THE MOTHER OF-YOU AND THE brothers OF-YOU OUT HAVE-STOOD SEEKING to-YOU
--	---

Matthew 12:48

O DE APOKRITHEIC EIPEN TΩ EIPONTI AUTΩ TIS ESTIN H MHTHP MOY KAI TINEC EISIN OI ADELFOI	he de apokritheic eipen to the eiponti to him tis estin h mhter mou kai tines eisin hoi adelphoi
---	--

Matthew 12:49

O DE APOKRITHEIC	he de apokritheic
------------------	-------------------

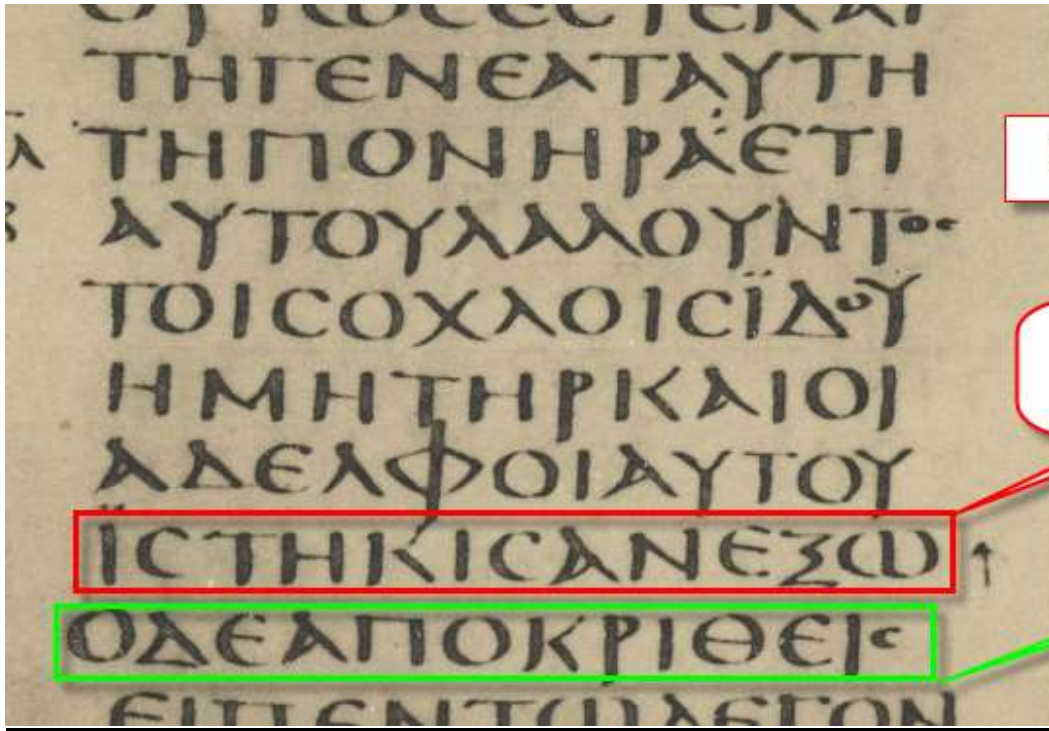
Matthew 12:50

O DE APOKRITHEIC	he de apokritheic
------------------	-------------------

فَأَجَابَ
متى ٤٨:١٢

المقطع المحذوف (آخر العدد ٤٦ + العدد ٤٧ بالكامل) تم كتابته في الهامش بواسطة نسخ متأخر

انظر تكبير الصورة



تكبير الصورة

آخر كلمة في العدد ٦ ٤ في
المخطوطة هي (وقفوا خارجا)

أول كلمة في العدد ٨ ٤ (فأجاب)

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الاصيلي

كتابة النص في الهامش تم بواسطة ناسخ آخر متأخر زمنيا

Matthew 12:47

TR NU

ἰεῖπεν δέ τις αὐτῷ· ἰδοὺ ἡ μήτηρ σου καὶ οἱ ἀδελφοί
σου ἔξω ἑστῆκασιν ζητοῦντες σοι ἡγαθήσαι.]

"And someone said to him, 'Behold, your mother and brothers are outside
wanting to speak with you.'"

Ⓝ¹³ Ⓞ (D) W Z Θ f¹³¹³ (33) Maj syr^{h2} cop^{bo}

KJV NKJV RSVmg NRSV ESVmg NASB NIV TNIV NEB REB NJBmg NAB NLT HCSB
NET

قراءة الإضافة بواسطة ناسخ متأخر
رقمه (١)

variant/WH

omit verse

Ⓝ¹³ B L it^a syr^{ca} cop^{sa}

RSV NRSVmg ESV NIVmg TNIVmg NJB NABmg NLTmg HCSBmg NETmg

قراءة الحذف بواسطة الناسخ الأصلي
ورمزه (*)

NEW TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY

Commentary on the variant
readings of the ancient
New Testament manuscripts
and how they relate to the
major English translations

PHILIP W. COMFORT

نسخة ال UBS 5th

The Greek New Testament, Fifth Revised Edition: Apparatus
Matthew 12:46

KATA MATHAION - Chapter 12
ἡ μήτηρ ... αὐτοῦ Mt 13:55; Mk 6:3; Jn 2:12; Ac 1:14

Matthew 12:47
(C) include verse 47 (with minor variants; see Mk 3:32; Lk 8:20) **N** C D W Z Δ Θ f³ 28 33 157 180 205 565 700 892 1006 1010 1071 1243 1292 1342 1424 1505 Byz [E F G Σ] Lect it^a, ^{msc}, b, c, d, f, ^{ms2}, g1, h, i, q vg syr^p, h cop^{meg}, bo arm eth geo slav Diatessaron Origen^{lat} Chrysostom^{lem}; Chromatius Jerome Augustine // omit verse 47 **N** B L 579 597 l 387 it^{ms1}, k syr^{ac}, s cop^{sa}

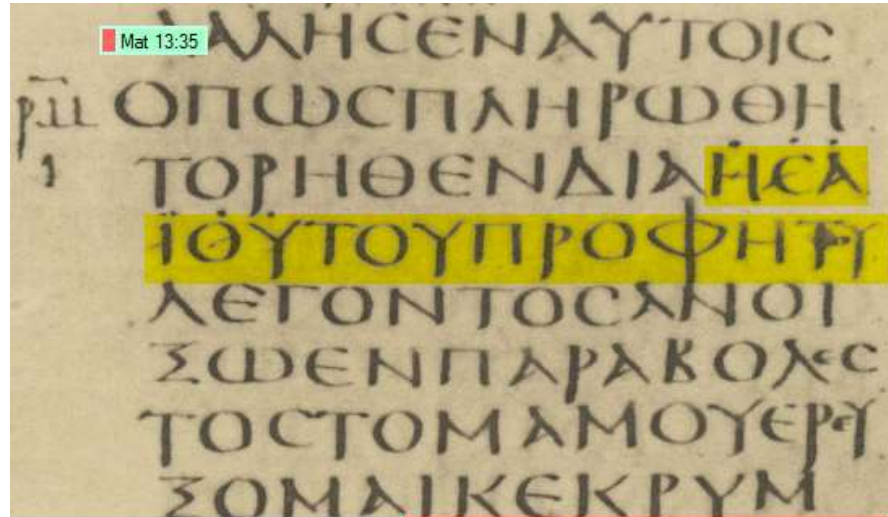
Matthew 13:1-2
Lk 5:1, 3

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي

نسخة UBS 5th النقدية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: قيل بالنبي ῥηθὲν διὰ τοῦ προφήτου السينائية: مكتوب بدلا منها: قيل بإشعيا النبي ῥηθὲν δια Ησαιου του προφητου	لِكَيْ يَتِمَّ مَا قِيلَ بِالنَّبِيِّ الْقَائِلِ: "سَأَفْتَحُ بِأَمْثَالٍ فَمِي، وَأَنْطِقُ بِمَكْتُومَاتٍ مُنْذُ تَأْسِيسِ الْعَالَمِ".	لكي يتم ما قيل بإشعيا النبي: «سأفتح بأمثال فمي وأنطق بمكتومات منذ تأسيس العالم».	that it might be fulfilled that was spoken through the prophet Isaiah, saying: I will open my mouth in parables, I will utter things concealed from the foundation.	M-01A Matthew 13:35 σπως πληρωθη το ρηθεν δια Ησαιου του προφητου λεγοντος Ανοιξω εν παραβολες το στομα μου ερευξομαι κεκρυμμενα απο καταβολης κοσμου	متى 13: 35	25
هذه النبوءة التي تكلم عنها متى موجودة في العهد القديم في مزمو 78-2 . فكيف يشير متى إلى أن الاقتباس في إشعيا؟؟لما لاحظ النساخ هذا الخطأ الذي وقع فيه المؤلف قاموا بتغيير قراءة (إشعيا) إلى (الأنبياء) بدلا منها حتى يعالج هذه المشكلة. (إصلاح الأخطاء)					التعليق	



ΗΣΑΙΟΥ ΤΟΥ ΠΡΟΦΗΤΟΥ

بإشعيا النبي

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : (يوسى Ιωσής) السينائية: مكتوب بدلا منها: (Ιωσηφ يوسف)	هه أليسَ هَذَا ابْنُ النَّجَّارِ؟ أَلَيْسَتْ أُمُّهُ تُدْعَى مَرْيَمَ، وَإِخْوَتُهُ يَعْقُوبُ وَيُوسَى وَسِمْعَانَ وَيَهُوذَا؟	أليس هذا ابن النجار؟ أليست أمه تدعى مريم وإخوته يعقوب ويوسف وسمعان ويهوذا؟	Is not this the son of the carpenter? Is not his mother called ,Mary and his brothers, James, and Joseph, and Simon, and Judah?	M-01A Matthew 13:55 Ουχ ουτος εστιν ο του τεκτονος ΥΣ Ουχ η ΜΗΡ αυτου λεγετε Μαριαμ και οι αδελφοι αυτου Ιακωβος και Ιωαννης και Σιμων και Ιουδας	متى 13: 55	26
قام النساخ بتغيير النص من (يوسف) إلى (يوسى) حتى لا يظن القارئ أن هؤلاء هم إخوة يسوع حقيقة وأن مريم قد أنجبت أبناء آخرين وفقدت بتوليبتها , لأن تسمية أحد الأبناء باسم (يوسف) ربما يعني أن الأب اسمه يوسف وهي العادة اليهودية بتسمية الأبناء بأسماء الآباء, وبالتالي يكون سبب تسمية الابن بهذا الأسم سببه أن ابوه حقيقة هو يوسف النجار (دعم عقيدة البتولية الدائمة)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<p><u>النسخة العربية:</u></p> <p>أضافت مقطع (أو أمه) ἢ τὴν μητέρα αὐτοῦ.</p> <p><u>السينائية:</u></p> <p>المقطع غير موجود</p>	<p>وَأَمَّا أَنْتُمْ فَتَقُولُونَ: مَنْ كَانَ عِنْدَهُ مَا يَسَاعِدُ بِهِ أَبَاهُ أَوْ أُمَّهُ وَقَالَ لَهُمَا: هَذَا تَقْدِمَةٌ لِلَّهِ، فَلَا يَلْزِمُهُ أَنْ يَكْرِمَ أَبَاهُ.</p>	<p>but you say: Whoever shall say to his father or his mother: That, by whatever thou mightest receive aid from me, is a gift, he shall no more honor his father .</p>	<p>M-01A Matthew 15:5 υμῖς δε λεγετε ὅς ἂν εἴπῃ τῷ ΠΑΤΕΡΙ ἢ τῷ ΜΗΤΕΡΙ ΔΩΡΟΝ ὁ εἶεν ἐξ ἐμοῦ ὠφεληθῆς οὐδὲν ἐστὶν οὐ μὴ τιμῆσθαι τὸν ΠΑΤΕΡ αὐτοῦ⁶ καὶ ἠκυρώσατε τὸν νόμον τοῦ ΘΕΟΥ δια τὴν παραδοσὶν ὑμῶν</p>	متى 15: 5	27
					التعليق	
					أضاف النساخ لفظة (أو أمه) لأن أول النص يتكلم عن الاب والام معا, فتمت الإضافة لتدارك الخطأ الذي وقع فيه المؤلف (إصلاح الأخطاء)	

Mat 15:5
 Mat 15:6

TON PATERA AUTOU H THN MHTERA AUTOU 15:6 KAI HKYRWDATE

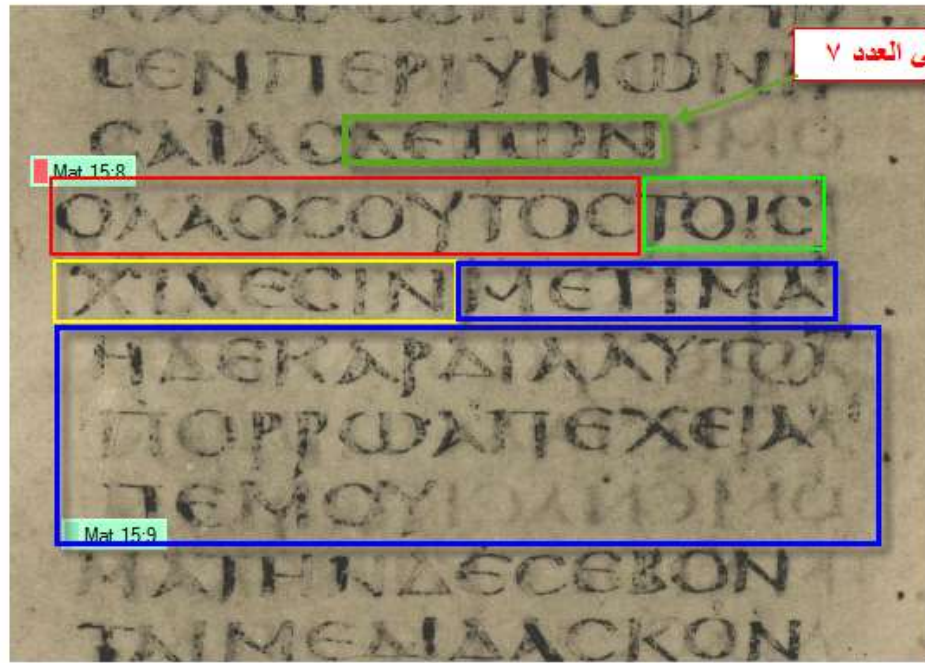
ton patera autou hE tEn mEtera autou kai EkurOsate
 THE FATHER OF-him OR THE MOTHER OF-him AND YE-UN-SANCTION
 ye-invalidate

أَبَاهُ
 متى ١٥-٥

أُمَّهُ
 متى ١٥-٦

فَقَدْ أَبْطَلْتُمْ
 متى ١٥-٦

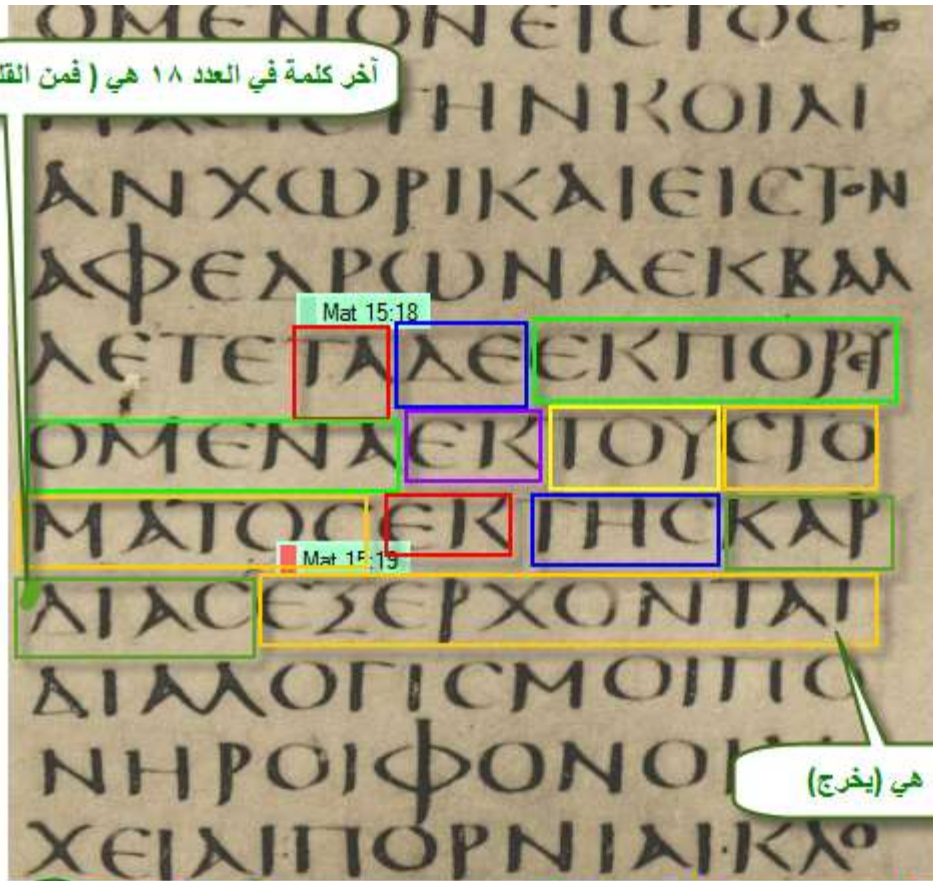
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف عبارة يَقْتَرِبُ إِلَيَّ هَذَا الشَّعْبُ بِفَمِّهِ Ἐγγίζει μοι ὁ λαὸς οὗτος τῷ στόματι αὐτῶν السينائية: المقطع غير موجود	يَقْتَرِبُ إِلَيَّ هَذَا الشَّعْبُ بِفَمِّهِ، وَيُكْرِمُنِي بِشَفَتَيْهِ، وَأَمَّا قَلْبُهُ فَمُبْتَعِدٌ عَنِّي بَعِيدًا	هذا الشعب يكرمني بشفتيه ، وأما قلبه فبعيد عني	Hypocrites, well did Isaiah prophesy of you, saying: This people honors me with their lips, but their heart is far distant from me.	M-01A Matthew 15:8 ὁ λαὸς οὗτος τοὶς χείλεσιν με τιμα ἡ δὲ καρδία αὐτῶν πορρῶ ἀπεχει ἀπ ἐμοῦ	متى 15 : 8	28
أضاف النساخ عبارة (يَقْتَرِبُ إِلَيَّ هَذَا الشَّعْبُ بِفَمِّهِ) من أجل مطابقة الاقتباس هنا مع نظيره في العهد القديم في إشعياء 29-13 لأنهم لاحظوا أن المؤلف اقتبس النص بشكل ناقص (مطابقة الاقتباسات) (إصلاح أخطاء المؤلف)					التعليق	



15:7	ΥΠΟΚΡΙΤΑΙ ΚΑΛΩΣ ΠΡΟΕΦΗΤΕΥΣΕΝ ΠΕΡΙ ΥΜΩΝ ΗΣΑΙΑΣ ΛΕΓΩΝ	hupokritai hypocrites hypocrite	humOn Esaias YOU(r) ISAIAH ye	legOn saying
	المظلل بالأصفر غير موجود (يقترِب إلي بفمه)			
15:8	ΕΓΓΙΖΕΙ ΜΟΙ Ο ΛΑΟΣ ΟΥΤΟΣ ΤΩ ΣΤΟΜΑΤΙ ΑΥΤΩΝ ΚΑΙ ΤΟΙΣ	eggizei moi ho laos houtos IS-NEARING to-ME	to stomati autOn kai to-THE MOUTH OF-them AND	tois to-THE
	يقترِب إلي	هذا الشعب	بفمه	و
	ΧΕΙΛΕΣΙΝ ΜΕ ΤΙΜΑ Η ΔΕ ΚΑΡΔΙΑ ΑΥΤΩΝ ΠΟΡΡΩ ΑΠΕΧΕΙ ΑΠ ΕΜΟΥ	cheilesin LIPS	me tima ME IS-VALUING THE YET	hE de kardia autOn OF-them forward IS-FROM-HAVING FROM ME
	شفتهم	يكرمني	قلبه بعيد عني	at-a-distance is-being-away

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
29	متى 15: 18-19	Τα δε εκπορευομενα εκ του στοματος εκ της καρδιας . εξερχονται διαλογισμοι πονηροι φονοι μοιχειαι πορνιαι κλοπαι ψευδομαρτυρια ι βλασφημια	But the things that come forth from the mouth proceed from the heart; proceed evil thoughts	وأما ما يخرج من الفم، فمن القلب يخرج الأفكار الشريرة: القتل والزنى والفسق والسرقة وشهادة الزور والنميمة.	١٨ وَأَمَّا مَا يَخْرُجُ مِنَ الْفَمِ فَمِنَ الْقَلْبِ يَصْدُرُ، وَذَلِكَ يُنَجِّسُ الْإِنْسَانَ، ١٩ الْأَنْ مِنَ الْقَلْبِ تَخْرُجُ أَفْكَارٌ شَرِّيرَةٌ	النسخة العربية: تضيف هذا المقطع: يَصْدُرُ، وَذَلِكَ يُنَجِّسُ الْإِنْسَانَ، ١٩ الْأَنْ مِنَ الْقَلْبِ ἐξέρχεται, κάκεϊνα κοινοῖ τὸν ἄνθρωπον. Εκ γὰρ τῆς καρδίας السينائية: المقطع غير موجود
	التعليق	أضاف النساخ عبارة (يَصْدُرُ، وَذَلِكَ يُنَجِّسُ الْإِنْسَانَ، ١٩ الْأَنْ مِنَ الْقَلْبِ) لسببين: - التأكيد على التأثير السلبي للكلام الشرير الخارج من القلب والفم حتى أنه ينجس الإنسان - وصف القلبيات بأنها هي المصدر الحقيقي للنجاسة هدفه إلغاء وصايا العهد القديم التي تعتبر الأمور المادية مثل الأكل بأيدي غير مغسولة، حيث أن الإصحاح بالكامل هدفه محاربة وصايا العهد القديم، فبعد هذه الإضافة أصبح النص مع النصوص التي قبله متناغمة في إنكار التمسك بتقاليد العهد القديم (إلغاء العهد القديم) (زراعة التفكير الروحاني)				

آخر كلمة في العدد ١٨ هي (فمن القلب)



أول كلمة في العدد ١٩ هي (يخرج)

15:18	ΤΑ	ΔΕ	ΕΚΠΟΡΕΥΟΜΕΝΑ	ΕΚ	ΤΟΥ	ΣΤΟΜΑΤΟΣ	ΕΚ	ΤΗΣ	ΚΑΡΔΙΑΣ
	ta	de	ekporeuomena	ek	tou	stomatos	ek	tēs	kardias
	THE	YET	OUT-GOINGS	OUT	OF-THE	MOUTH	OUT	OF-THE	HEART
	the-things		going-out	مِنَ الْفَمِ			فَمِنَ الْقَلْبِ		
				مَا يَخْرُجُ					

ΕΞΕΡΧΕΤΑΙ	ΚΑΚΕΙΝΑ	ΚΟΙΝΟΙ	ΤΟΝ	ΑΝΘΡΩΠΟΝ
exerchetai	kakeina	koinoi	ton	anthrōpon
IS-OUT-COMING	AND-those	IS-COMMONING	THE	human
is-coming-out	and-those-things	is-contaminating		

المقطع المظلل بالأصفر محذوف

15:19	ΕΚ	ΓΑΡ	ΤΗΣ	ΚΑΡΔΙΑΣ	ΕΞΕΡΧΟΝΤΑΙ	ΔΙΑΛΟΓΙΣΜΟΙ	ΠΟΝΗΡΟΙ	ΦΟΝΟΙ
	ek	gar	tēs	kardias	exerchontai	dialogismoi	poneroi	phonoι
	OUT	for	OF-THE	HEART	ARE-OUT-COMING	THRU-accounts	wicked	MURDERS
					are-coming-out	reasonings		

ΜΟΙΧΕΙΑΙ	ΠΟΡΝΕΙΑΙ	ΚΛΟΠΑΙ	ΨΕΥΔΟΜΑΡΤΥΡΙΑΙ	ΒΛΑΣΦΗΜΙΑΙ
moicheiai	porneiai	klopai	pseudomarturiai	blasphemiai
ADULTERIES	PROSTITUTIONS	thefts	FALSE-witnesses	HARM-AVERMENTS
			false-testimonies	calumnies

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية : تضيف المقطع : "إِذَا كَانَ الْمَسَاءُ قُلْتُمْ: صَحَوْ لَأَنَّ السَّمَاءَ مُحَمَّرَةٌ. ٣ وَفِي الصَّبَاحِ: مُحَمَّرَةٌ. ٣ وَفِي الصَّبَاحِ: الْيَوْمَ شِتَاءٌ لَأَنَّ السَّمَاءَ مُحَمَّرَةٌ بَعُوسَةً يَا مُرَاؤُونَ! تَعْرِفُونَ أَنَّ تُمَيِّزُوا وَجْهَ السَّمَاءِ، وَأَمَّا عَلَامَاتُ الْأَزْمِنَةِ فَلَا تَسْتَطِيعُونَ! السينائية: النصين بالكامل محذوفين	فأجاب وقال لهم .	2 But he answered and said to them: 3 [no verse]	M-01A Matthew 16:2 Ο δε αποκριθεις ειπεν αυτοις (Matt. 16:2 M-01A) M-01A Matthew 16:3 3 [no verse]	متى 16: 2-3	30
أضاف النساخ المقطع من أجل تقديم لوم للفريسيين على لسان يسوع حتى يكون مبررا لرفض يسوع تحقيق طلبهم , حيث انهم طلبوا منه في العدد (1-16) أن يريهم آية من السماء , فرفض يسوع وقال في النص التالي (4-16): (جِيلٌ شَرِيرٌ فَاسِقٌ يَلْتَمِسُ آيَةً، وَلَا تُعْطَى لَهُ آيَةٌ), فكان المبرر للرفض أنهم يميزون الأمور المادية في السماء ولا يميزون الأمور المتعلقة بعلامات الأزمنة, وبالتالي لن يستطيعوا أن يميزوا الآية السماوية التي طلبوها من يسوع (1-16)					التعليق	



16:2 Ο ΔΕ ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΟΥΪΑΣ ΓΕΝΟΜΕΝΗΣ ΕΓΕΤΕ
 ho de apokritheis eipen autois opsias genomenEs egete
 THE YET answerING He-said to-them OF-evening BECOMING YE-ARE-sayING
 وقال لهم

ΕΥΔΙΑ ΠΥΡΡΑΖΕΙ ΓΑΡ Ο ΟΥΡΑΝΟΣ
 eudia purrazei gar ho ouranos
 WELL-weather IS-FIERYizing for THE heaven
 fair-weather is-coloring-fiery-red sky

أول كلمة في العدد رقم ٤ وهي (جيل)

16:3 ΚΑΙ ΠΡΩΙ ΣΗΜΕΡΟΝ ΧΕΙΜΩΝ ΠΥΡΡΑΖΕΙ ΓΑΡ ΣΤΥΓΝΑΖΩΝ Ο
 kai prOi sEmeron cheimOn purrazei gar stugnazOn ho
 AND to-morning toDAY WINTER IS-FIERYizing for SOMBERING THE
 in-the-morning tempest is-coloring-fiery-red being-somber

ΟΥΡΑΝΟΣ ΥΠΟΚΡΙΤΑΙ ΤΟ ΜΕΝ ΠΡΟΣΩΠΟΝ ΤΟΥ ΟΥΡΑΝΟΥ ΓΙΝΩΣΚΕΤΕ
 ouranos hupokritai to men prosOpon tou ouranou ginOskete
 heaven hypocrites THE INDEED face OF-THE heaven YE-ARE-KNOWING
 sky hypocrites ! sky

المظلل بالأصفر محذوف

ΔΙΑΚΡΙΝΕΙΝ ΤΑ ΔΕ ΣΗΜΕΙΑ ΤΩΝ ΚΑΙΡΩΝ ΟΥ ΔΥΝΑΘΕ
 diakrinein ta de sEmeia tOn kairOn ou dunasthe
 TO-BE-THRU-JUDGING THE YET SIGNS OF-THE SEASONS NOT YE-ARE-ABLE
 to-be-discriminating appointed-times ye-can

16:4 ΓΕΝΕΑ ΠΟΝΗΡΑ ΚΑΙ ΜΟΙΧΑΛΙΣ ΣΗΜΕΙΟΝ ΕΠΙΖΗΤΕΙ ΚΑΙ ΣΗΜΕΙΟΝ ΟΥ
 genea ponEra kai moichalis sEmeion epizEtei kai sEmeion ou
 generation wicked AND ADULTERess SIGN IS-ON-SEEKING AND SIGN NOT
 a generation wicked AND an-adulteress an-adulteress SIGN is-seeking-for

جيل

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص: ٢١ وَأَمَّا هَذَا الْجِنْسُ فَلَا يَخْرُجُ إِلَّا بِالصَّلَاةِ وَالصَّوْمِ." السينائية: النص بالكامل غير موجود	٢١ وَأَمَّا هَذَا الْجِنْسُ فَلَا يَخْرُجُ إِلَّا بِالصَّلَاةِ وَالصَّوْمِ." السينائية: النص بالكامل غير موجود	غير موجود	[no verse]	[no verse]	متى 17: 21	31
تمت إضافة النص من أجل سد الفراغ الروحي في العهد الجديد المتمثل في ندرة النصوص التي تحض على العبادات, فمثل هذا النص يحفز المؤمنين على الصلاة والصيام الذي نادرا ما توجد تحض عليه في العهد الجديد (زراعة العبادات في الكتاب)					التعليق	

Matthew 17:21

WH NU

omit verse

Ⲭ* ⲃ Ⲑ 0281 33 892* it^s syr^o cop^a

NKJVmg RSV NRSV ESV NASBmg NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSBmg NET

variant/TR

add verse

τὸ τοῦτο δὲ τὸ γένος οὐκ ἐκπορεύεται εἰ μὴ ἐν προσευχῇ καὶ νηστείᾳ.

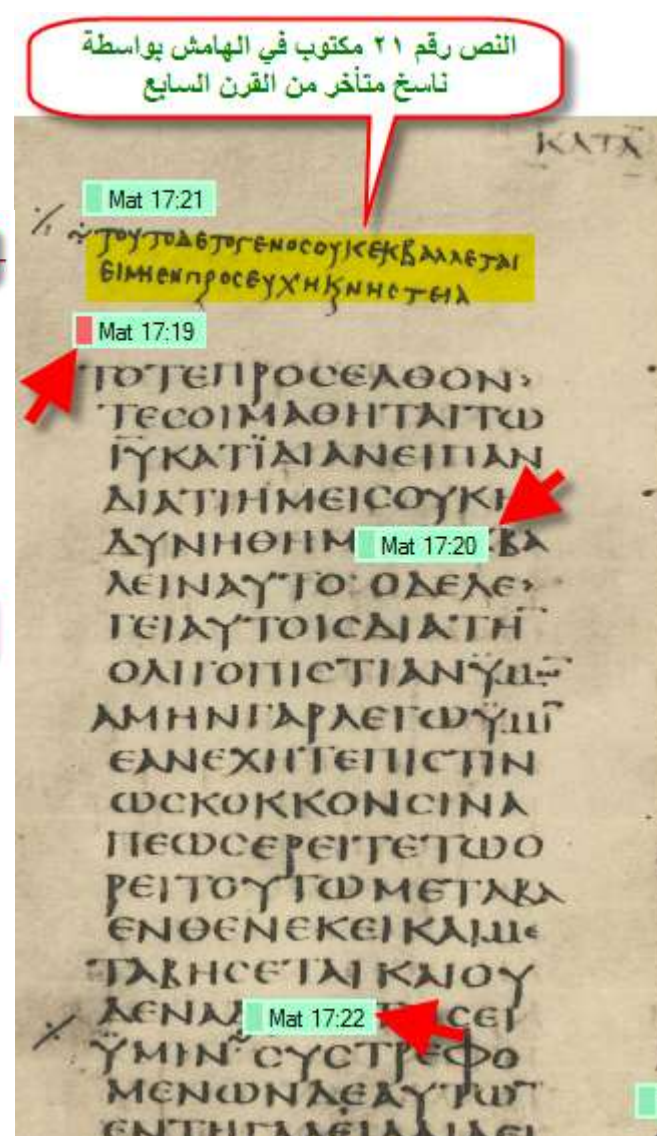
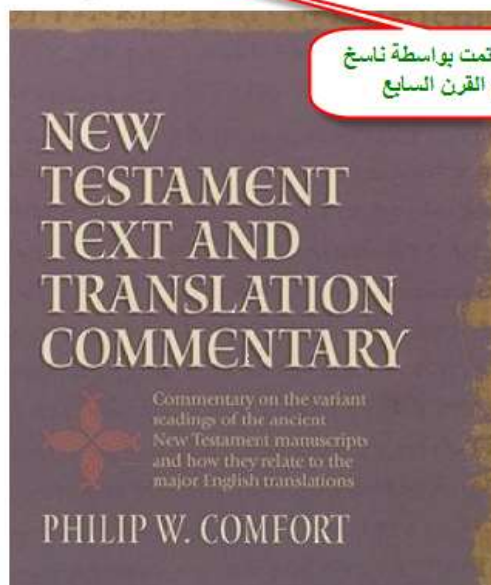
"But this kind does not come out except by prayer and fasting."

Ⲭ² CDLW f^{1,13} Maj (syr^o) Origen

KJV NKJV RSVmg NRSVmg ESVmg NASB NIVmg NEBmg NABmg NLTmg HCSB NETmg

قراءة الحذف بواسطة الناسخ الأصلي

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر في القرن السابع



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية:</u> تضيف النص Ἦλθεν γὰρ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου σῶσαι τὸ ἀπολλῶδες. (Matt. 18:11 ABYZ) <u>السينائية:</u> النص بالكامل محذوف	١١ لَأَنَّ ابْنَ الْإِنْسَانِ قَدْ جَاءَ لِكَيْ يُخَلِّصَ مَا قَدْ هَلَكَ.	محذوف	[no verse]	[no verse]	متى 8: 11	32
أضاف النساخ النص من أجل دعم عقيدة الفداء والصلب (دعم عقيدة الفداء والصلب)					التعليق	

Met 18:10
 ΟΡΑΤΕ ΜΗ ΚΑΤΑΦΡΟΝΗ-
 ΝΗΣΗΤΕ ΕΝΟΣ ΤΩΝ ΜΙΚΡΩΝ ΤΟΥΤΩΝ
 ΛΕΓΩ ΓΑΡ ΥΜΙΝ ΟΤΙ ΟΙ ΑΓΓΕΛΟΙ
 ΤΩΝ ΟΥΡΑΝΩΝ ΟΜΟΙΩΣ
 ΠΑΝΤΟΣ ΒΛΕΠΟΥΣΙ
 ΤΟ ΠΡΟΣΩΠΟΝ ΤΟΥ
 ΠΑΤΡΟΣ ΜΟΥ ΤΟΥ
 ΕΝ ΟΥΡΑΝΟΙΣ

Met 18:12
 ΤΙ ΥΜΙΝ ΔΟΚΕΙ ΕΑΝ
 ΝΗΣΤΑΙ ΤΙΝΙΑΝ

Met 18:10 ΟΡΑΤΕ ΜΗ ΚΑΤΑΦΡΟΝΗΣΗΤΕ ΕΝΟΣ ΤΩΝ ΜΙΚΡΩΝ ΤΟΥΤΩΝ ΛΕΓΩ ΓΑΡ ΥΜΙΝ ΟΤΙ ΟΙ ΑΓΓΕΛΟΙ
 BE-SEEING NO YE-SHOULD-BE-despairING OF-ONE OF-THE LITTLE-ones these I-AM-saying for to-YOU that THE MESSENGERS
 be-ye-seeing | one

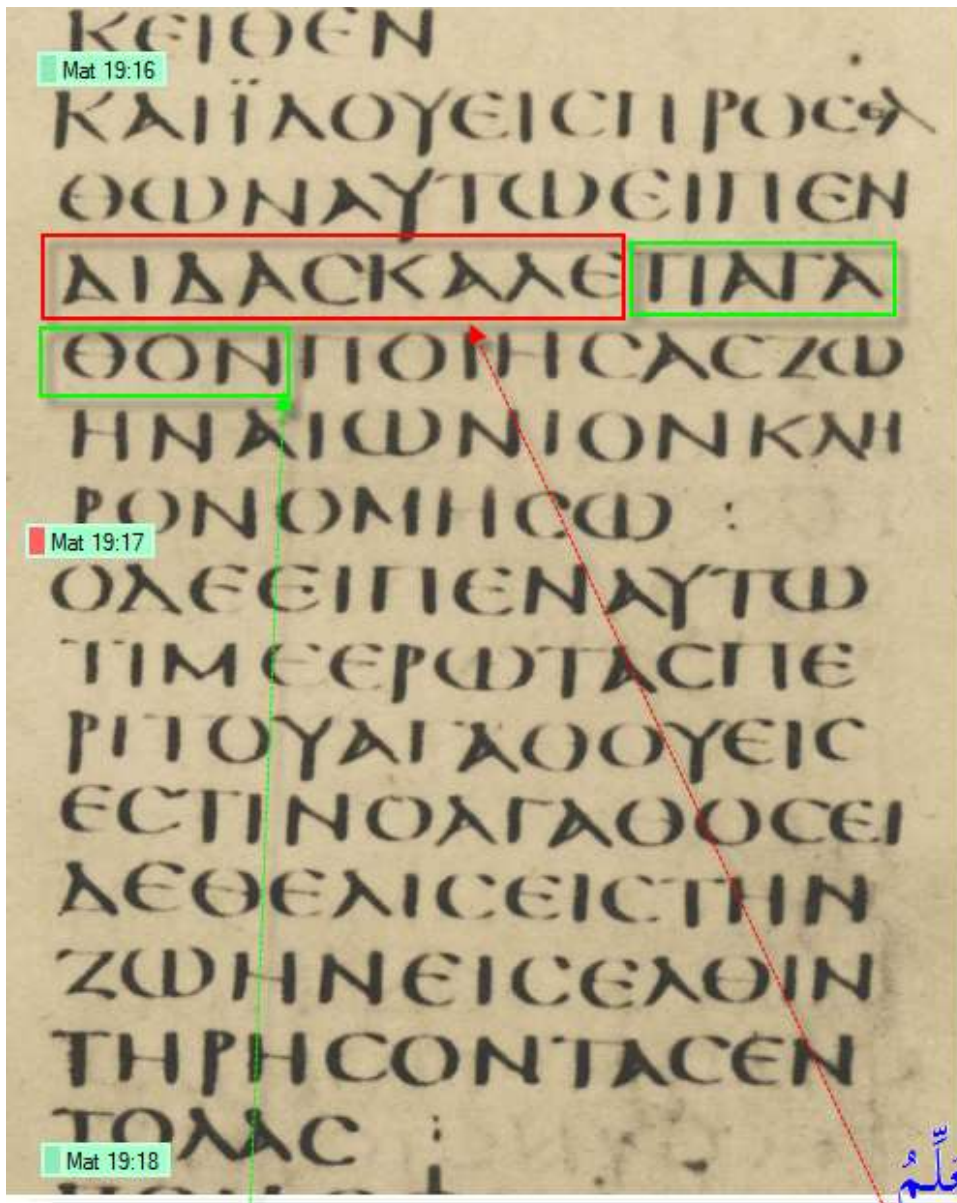
Met 18:11 ΑΥΤΩΝ ΕΝ ΟΥΡΑΝΟΙΣ ΔΙΑ ΠΑΝΤΟΣ ΒΛΕΠΟΥΣΙ ΤΟ ΠΡΟΣΩΠΟΝ ΤΟΥ ΠΑΤΡΟΣ ΜΟΥ ΤΟΥ ΕΝ ΟΥΡΑΝΟΙΣ
 OF-them IN heavens THRU EVERY ARE-lookNG THE face OF-THE FATHER OF-ME THE IN heavens
 during all are-observing the-one

Met 18:11 ΗΛΘΕΝ ΓΑΡ Ο ΥΙΟΣ ΤΟΥ ΑΝΘΡΩΠΟΥ ΣΩΣΑΙ ΤΟ ΑΠΟΛΛΩΔΕΣ
 CAME for THE SON OF-THE human TO-SAVE THE one-HAVING-destroyED
 one-being-lost

Met 18:12 ΤΙ ΥΜΙΝ ΔΟΚΕΙ ΕΑΝ ΓΕΝΗΤΑΙ ΤΙΝΙ ΑΝΘΡΩΠΩ ΕΚΑΤΟΝ ΠΡΟΒΑΤΑ ΚΑΙ ΠΑΝΗΘΗ ΕΝ ΕΞ
 what? to-ye IS-S-EEMING F-EVER &-MAY-BE-BECOMING to-ANY human HUNDRED sheep AND MAY-BE-BEING-strayed ONE OUT
 may-be-being-gone-astroy

المظلل بالأصفر محذوف

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
33	متى 19:16-17	M-01A Matthew 19:16 Και ιδου εις προσελθων αυτω ειπεν Διδασκαλε τι αγαθον ποιησας ζωνη αιωνιον κληρονομησω (Matt. 19:16 M- 01A) M-01A Matthew 19:17 Ο δε ειπεν αυτω Τι με ερωτας περι του αγαθου εις εστιν ο αγαθος Ει δε θελις εις την ζωνη εισελθιν τηρησον τας εντολας (Matt. 19:17 M-01A)	16And behold, one came to him and said: Teacher, what good thing shall I do that I may have eternal life? 17 And he said to him: Why dost thou ask me about the good? One is good. But if thou wilt enter into life, keep the commandments.	وأقبل إليه شاب وقال له: ((أيها المعلم، ماذا أعمل من الصلاح لأنال الحياة الأبدية؟)) فأجابه يسوع: لماذا تسألني عما هو صالح؟ لا صالح إلا واحد. إذا أردت أن تدخل الحياة فاعمل بالوصايا.	١٦ وَإِذَا وَاحِدٌ تَقَدَّمَ وَقَالَ لَهُ: "أَيُّهَا الْمُعَلِّمُ الصَّالِحُ، أَيُّ صَلَاحٍ أَعْمَلُ لِنُكُونُ لِي الْحَيَاةَ الأَبَدِيَّةُ؟" ١٧ فَقَالَ لَهُ: "لِمَاذَا تَدْعُونِي صَالِحًا؟ لَيْسَ أَحَدٌ صَالِحًا إِلَّا وَاحِدٌ وَهُوَ اللهُ. وَلَكِنْ إِنْ أَرَدْتَ أَنْ تَدْخُلَ الْحَيَاةَ فَاحْفَظِ الْوَصَايَا."	النسخة العربية: 1- تضيف لفظة (الصالح ἀγαθός) 2- وتكتب: (لِمَاذَا تَدْعُونِي صَالِحًا؟) 3- وتضيف عبارة (وَهُوَ اللهُ. ὁ θεός) السينائية: 1- تحذف: (الصالح ἀγαθός) 2- وتحذف: (وَهُوَ اللهُ. ὁ θεός) 3- وبدلاً من العبارة الموجودة في النسخة العربية تكتب عبارة أخرى: (لماذا تسألني عما هو صالح)
اضاف النساخ لفظة (الصالح) لأنهم لاحظوا أن المؤلف ينسب الصلاح لشخص واحد فقط، فكان ولا بد أن يكون هو يسوع، فتمت الإضافة للإحاق الوصف الفريد بيسوع.						التعليق
وقاموا بتغيير النص من (لماذا تسألني عما هو صالح) إلى (لماذا تدعونني صالحاً) لسببين: - انهم استغربوا من استنكار يسوع لسؤال الشخص، فلماذا يستنكر يسوع أن يسأل أحد عن الأعمال الصالحة قائلاً (لماذا تسألني عما هو صالح)، فتم تغيير اعتراض يسوع من الاعتراض على السؤال عن الأعمال الصالحة إلى الاعتراض على أن يتم وصفه هو شخصياً بالصلاح (لماذا تدعونني صالحاً). - أن المقطع التالي لهذا المقطع مباشرة لا يجيب بذكر الأشياء الصالحة إنما يجيب بذكر من هو الصالح (ليس احد صالحاً إلا واحد)، فتم تغيير السؤال الاستنكاري من السؤال عن الأشياء الصالحة (لماذا تسألني عما هو صالح) للسؤال عن الأشخاص (لِمَاذَا تَدْعُونِي صَالِحًا؟) لتتناسب الإجابة مع السؤال. وإضافة لفظة (و هو الله) هدفه إنكار ألوهية يسوع، حيث أن يسوع نفى عن نفسه وصف الصلاح وحصره في شخص واحد وهو الله، وهذا نموذج لتمكن الهرطقة من إدخال عقائدهم لنص الكتاب. (تحسين صورة يسوع) (علام المشكلات) (دخول الهرطقات لنص الكتاب)						



Mat 19:16

Mat 19:17

Mat 19:18

19:16	ΚΑΙ	ΙΔΟΥ	ΕΙΣ	ΠΡΟΣΕΛΘΩΝ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΩ	ΔΙΔΑΣΚΑΛΕ	ΑΓΑΘΕ			
	kai	idou	heis	proselthōn	eipen	autō	didaskale	agathe			
	AND	BE-PERCEIVING	ONE	TOWARD-COMING	said	to-Him	TEACHER!	GOOD!			
		to		approaching							
	ΤΙ	ΑΓΑΘΟΝ	ΠΟΙΗΣΩ	ΙΝΑ	ΕΧΩ	ΖΩΗΝ	ΑΙΩΝΙΟΝ				
	ti	agathon	poiēsō	hina	echō	zōēn	aiōnion				
	ANY	GOOD	I-SHALL-BE-DOING	THAT	I-MAY-BE-HAVING	LIFE	eonian				
	what				I-may-be-having						
19:17	Ο	ΔΕ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΩ	ΤΙ	ΜΕ	ΛΕΓΕΙΣ	ΑΓΑΘΟΝ	ΟΥΔΕΙΣ		
	ho	de	eipen	autō	ti	me	legeis	agathon	oudeis		
	THE	YET	He-said	to-him	ANY	ME	YOU-ARE-saying	GOOD	NOT-YET-ONE		
					why?				no-one		
	ΑΓΑΘΟΣ	ΕΙ	ΜΗ	ΕΙΣ	Ο	ΘΕΟΣ	ΕΙ	ΔΕ	ΘΕΛΕΙΣ	ΕΙΣΕΛΘΕΙΝ	ΕΙΣ
	agathos	ei	mē	heis	ho	theos	ei	de	theleis	eiselthein	eis
	GOOD	IF	NO	ONE	the	God (PLACer)	IF	YET	YOU-ARE-WILLING	TO-BE-INTO-COMING	INTO
					هو الله	God				to-be-entering	
	ΤΗΝ	ΖΩΗΝ	ΤΗΡΗΣΟΝ	ΤΑΣ	ΕΝΤΟΛΑΣ						
	tēn	zōēn	tērēson	tas	entolas						
	THE	LIFE	KEEP	THE	directions						
			keep-you!		precepts						

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة امراة ἡ γυναῖκα السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٩ وَكُلُّ مَنْ تَرَكَ بُيُوتًا أَوْ إِخْوَةً أَوْ أَخَوَاتٍ أَوْ أَبًا أَوْ أُمَّ أَوْ امْرَأَةً أَوْ أَوْلَادًا أَوْ حُقُولًا مِنْ أَجْلِ اسْمِي، يَنَالُ مِئَةَ ضِعْفٍ وَيَرِثُ الْحَيَاةَ الأَبَدِيَّةَ	وكل من ترك بيوتا، أو إخوة أو أخوات، أو أباً، أو أماء، أو أبناء، أو حقولا من أجل اسمي، ينال مئة ضعف ويرث الحياة الأبدية	29 And every one that has left brothers, or sisters, or father, or mother, or children, or lands, or houses, for the sake of my name, shall receive many times more and shall inherit eternal life.	M-01A Matthew 19:29 Καὶ πας οστις αφηκεν αδελφους η αδελφας η ΠΑΤΕΡ η ΜΗΤΕΡΑ η γυναικα η τεκνα η αγρους ενεκα του εμου ονοματος εκατονταπλασιο να λημψετε και ζωην αιωνιον κληρονομησι	متى 19:29	34
أضاف النساخ لفظة (امراة) لأنهم لاحظوا أن متى ذكر قائمة كاملة من الأشياء التي يجب على التلميذ أن يتخلى عنها حتى يتمكن من وراثة الحياة الأبدية لكنه نسي أن يضيف الزوجة (أو امراة) (إصلاح الأخطاء)					التعليق	

لفظة أم مكتوبة بالاختصار المقدس حيث يتم كتابة أول حرف وآخر حرف فقط من الكلمة ويوضع فوقها خط فيما يعرف باسم **nomina sacra**

Mat 19:29

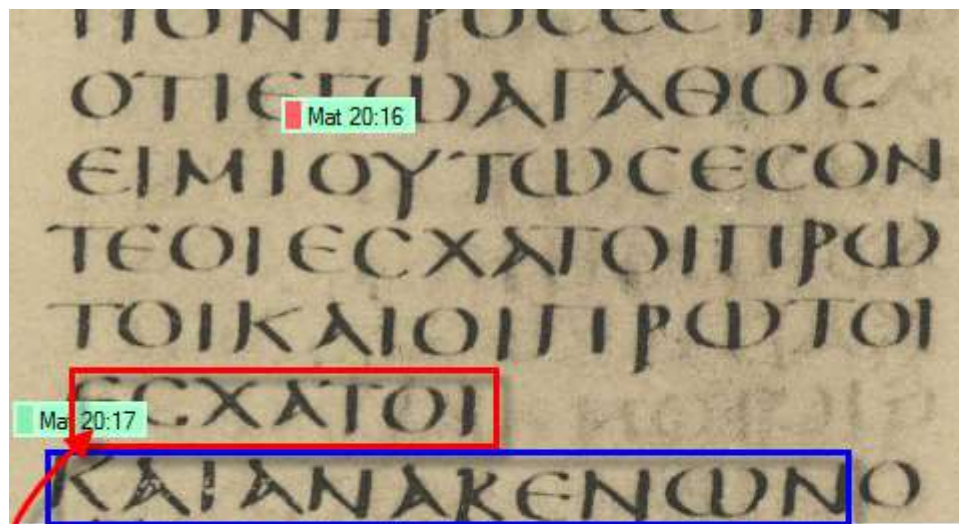
Mat 19:30

محدوفة

ΠΑΤΕΡΑ	Η ΜΗΤΕΡΑ	Η ΓΥΝΑΙΚΑ	Η ΤΕΚΝΑ	Η ΑΓΡΟΥΣ	ΕΝΕΚΕΝ	ΤΟΥ
patera	E mētera	E gunaika	hē tekna	E agrous	heneken	tou
FATHER	OR MOTHER	OR WOMAN	OR offsprings	OR FIELDS	on-account-of	OF-THE
		wife	children			the

أُمَّا أَوْ أَوْلَادًا أَوْ امْرَأَةً

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
35	متى 20:16	M-01A Matthew 20:16 Οὕτως εσονται οι εσχατοι πρωτοι και οι πρωτοι εσχατοι	16 So the last shall be first, and the first last.	وقال يسوع: ((هكذا يصير الآخرون أوليين، والأولون آخريين)) "يُنْتَخَبُونَ" لأن كثيرين يُدْعَوْنَ وَقَلِيلِينَ	١٦ هَكَذَا يَكُونُ الْآخِرُونَ أَوْلِيَيْنَ وَالْأَوْلُونَ آخِرِينَ، لأن كثيرين يُدْعَوْنَ وَقَلِيلِينَ يُنْتَخَبُونَ"	النسخة العربية: تضيف عبارة: (لأن كثيرين يدعون وقليلين ينتخبون πολλοι γὰρ εἰσιν κλητοί, ὀλίγοι δὲ ἐκλεκτοί) السينائية: العبارة غير موجودة
	التعليق	أضاف النساخ عبارة (لأن كثيرين يدعون وقليلين ينتخبون) من أجل مطابقة النص مع نظيره في متى 22-14 , مما يجعل أسلوب المؤلف متجانس في مختلف أجزاء السفر وهو ما يصب في صالح قانونية السفر (دعم قانونية السفر)				



20:16	ΟΥΤΩΣ	ΕΣΟΝΤΑΙ	ΟΙ	ΕΣΧΑΤΟΙ	ΠΡΩΤΟΙ	ΚΑΙ	ΟΙ	ΠΡΩΤΟΙ
	houtOs	esontai	hoi	eschatoi	prOtoi	kai	hoi	prOtoi
	thus	SHALL-BE	THE	LAST	BEFORE-most	AND	THE	BEFORE-most
				last-ones	first-ones			first-ones
	ΕΣΧΑΤΟΙ	ΠΟΛΛΟΙ	ΓΑΡ	ΕΙΣΙΝ	ΚΛΗΤΟΙ	ΟΛΙΓΟΙ	ΔΕ	ΕΚΛΕΚΤΟΙ
	eschatoi	polloi	gar	eisin	klEtoi	oligoi	de	eklektoi
	LAST	MANY	for	ARE	CALLED	FEW	YET	chosen
	last-ones							
20:17	ΚΑΙ	ΑΝΑΒΑΙΝΩΝ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΕΙΣ	ΙΕΡΟΣΟΛΥΜΑ	ΠΑΡΕΛΑΒΕΝ	ΤΟΥΣ
	kai	anabainOn	ho	iEsous	eis	ierosoluma	parelaben	tous
	AND	UP-STEEPING	THE	JESUS	INTO	JERUSALEM	He-BESIDE-GOT	THE
		going-up					he-took-aside	

المظلل بالأصفر
محذوف

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
36	متى 20:22-23	M-01A Matthew 20:22 Αποκριθις δε ο Ι̅ς̅ ειπεν Ουκ οιδατε τι αιτισθε Δυνασθε πειν το ποτηριον ο εγω μελλω πινιν Λεγουσιν αυτω Δυναμεθα M-01A Matthew 20:23 λεγι αυτοις Το με̅ ποτηριον μου πιεσθε Το δε	22 But Jesus answered and said: You know not what you ask. Are you able to drink the cup that I am about to drink? They say to him: We are able. 23 He says to them: My cup indeed you shall drink, but to sit on my right and on my left, it is not mine to give this, but it shall be given to those for whom it	فأجاب يسوع: ((أنتم لا تعرفان ما تطلبان. أتقدران أن تشربا الكأس التي سأشربها؟)) قالوا له: ((نقدر!)) فقال لهما: ((نعم، ستشربان كأسي، وأما الجلوس عن يميني وعن شمالي فلا يحق لي أن	٢٢ فَأَجَابَ يَسُوعُ وَقَالَ: "السُّئِمَا تَعْلَمَانِ مَا تَطْلُبَانِ. أَتَسْتَطِيعَانِ أَنْ تَشْرَبَا الْكَاسَ الَّتِي سَوْفَ أَشْرَبُهَا أَنَا، وَأَنْ تَصْطَبِعَا بِالصَّبِغَةِ الَّتِي أَصْطَبِعُ بِهَا أَنَا؟" قَالَا لَهُ: "نَسْتَطِيعُ." ٢٣ فَقَالَ لَهُمَا: "أَمَّا كَأْسِي فَتَشْرَبَانِيهَا، وَبِالصَّبِغَةِ الَّتِي أَصْطَبِعُ بِهَا أَنَا تَصْطَبِعَانِ. وَأَمَّا الْجُلُوسُ عَنْ يَمِينِي وَعَنْ	وجه الاختلاف <u>النسخة العربية:</u> تضيف مقطعين: 1- في عدد 21: ، وَأَنْ تَصْطَبِعَا بِالصَّبِغَةِ الَّتِي أَصْطَبِعُ بِهَا أَنَا؟" ή τὸ βάπτισμα ὃ ἐγὼ βαπτίζομαι βαπτισθῆναι; Λέγουσιν αὐτῷ, Δυνάμεθα. 2- في عدد 22:

<p>وَبِالصِّيغَةِ الَّتِي أُصْطَبِعُ بِهَا أَنَا تَصْنُطَبِعَانِ καὶ τὸ βάπτισμα ὃ ἐγὼ βαπτίζομαι βαπτισθήσεσθε</p> <p><u>السينائية:</u></p> <p>المقطعين غير موجودين</p>	<p>يَسَارِي فَلَيْسَ لِي أَنْ أُعْطِيَهُ إِلَّا لِلَّذِينَ أَعَدَّ لَهُمْ مِنْ أَبِي".</p>	<p>أعطيه، لأنه للذين هياهم لهم أبي)).</p>	<p>has been prepared, by my Father.</p>	<p>καθισαι εκ δεξιων μου και εξ ευωνυμων ουκ εστιν εμον δουνε αλλ οισ ητοιμασται υπο του ΠΡΣ μου (Matt. 20:23 M- 01A)</p>		
<p>أضاف النساخ المقطعين من أجل مطابقة العبارة التي قالها يسوع هنا مع نظيرها في مرقس (10: 38-39) حتى تتطابق الشهادات في الأناجيل مما يدعم مصداقيتها (مطابقة نصوص الأناجيل بعضها) (دعم مصداقية الأسفار)</p>					<p>التعليق</p>	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة (عسرة الحمل καὶ (δυσβάστακτα السينائية: المقطع غير موجود	يخزمون أحمالا ثقيلة ويلقونها على أكتاف الناس، ولكنهم لا يحركون إصبعاً تعينهم على حملها.	And they bind heavy burdens and lay them on the shoulders of men; but themselves will not move them with one of their fingers.	M-01A Matthew 23:4 Δεσμευουσιν δε φορτια μεγαλα βαρεα και επιτιθεασιν επι τους ωμους των ΑΝΩΝ αυτοι δε τω δακτυλω αυτων ου θελουσιν κινήσει αυτα	متى 23: 4	37
أضاف النساخ عبارة (عسرة الحمل) من أجل إظهار الشريعة بمظهر مشوه مما يقدم مبررا لإلغاءها (إلغاء الشريعة)					التعليق	

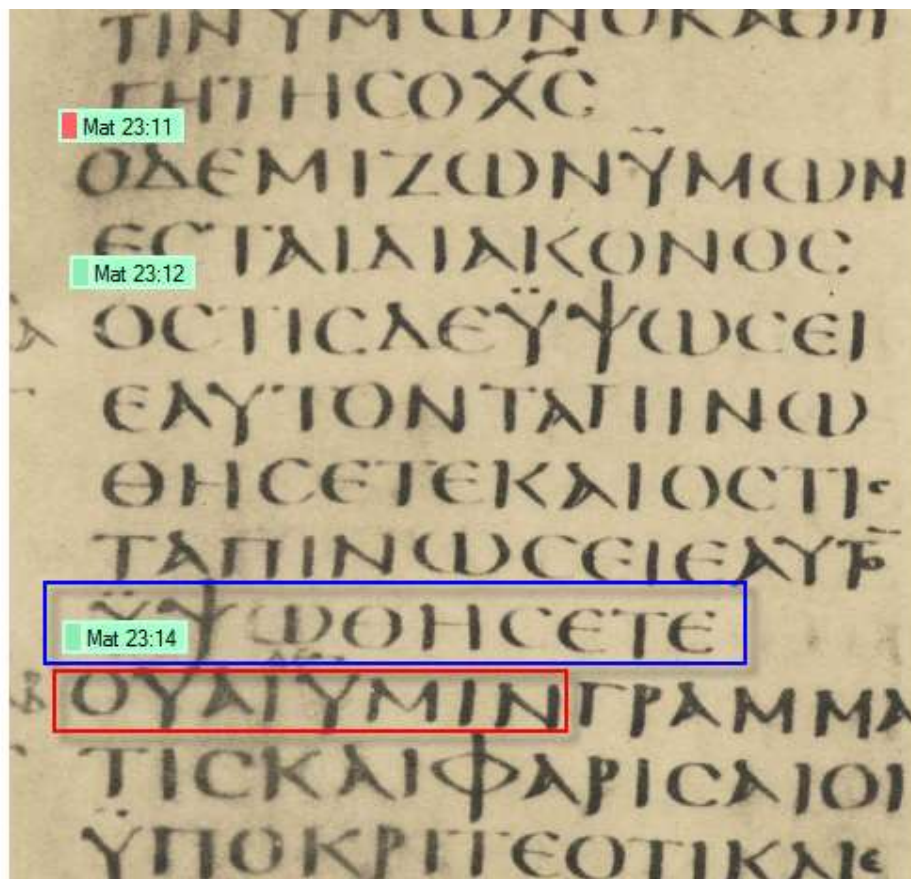
Mat 23:4

Mat 23:5

الممثل بالأصفر محذوف

ΓΑΡ	ΦΟΡΤΙΑ	βαρεα	και	δυσβάστακτα	και	επιτιθεασιν
gar	phortia	barea	kai	dusbastakta	kai	epititheasin
for	loads	HEAVY	AND	ILL-BEARic hard-to-bear	AND	THEY-ARE-ON-PLACING are-placing-on-them

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية : تضيف النص ٤ اَوَيْلُ لَكُمْ أَيُّهَا الْكَتَبَةُ وَالْفَرِّيْسِيُّونَ الْمَرَاؤُونَ! لَأَنْتُمْ تَأْكُلُونَ بُيُوتَ الْأَرَامِلِ، وَلِعَلَّةِ تُطِيلُونَ صَلَوَاتِكُمْ. لِذَلِكَ تَأْخُذُونَ دَبْنُونَةً أَعْظَمَ.</p> <p>Οὐαὶ δὲ ὑμῖν, γραμματεῖς καὶ Φαρισαῖοι ὑποκριταί, ὅτι κατεσθίετε τὰς οἰκίας τῶν χηρῶν, καὶ προφάσει μακρὰ προσευχόμενοι· διὰ τοῦτο λήψεσθε περισσότερον κρίμα.</p> <p>السينائية: النص بالكامل غير موجود</p>	<p>٤ اَوَيْلُ لَكُمْ أَيُّهَا الْكَتَبَةُ وَالْفَرِّيْسِيُّونَ الْمَرَاؤُونَ! لَأَنْتُمْ تَأْكُلُونَ بُيُوتَ الْأَرَامِلِ، وَلِعَلَّةِ تُطِيلُونَ صَلَوَاتِكُمْ. لِذَلِكَ تَأْخُذُونَ دَبْنُونَةً أَعْظَمَ.</p>	[no verse]	[no verse]	[no verse]	متى 23: 14	38
<p>أضاف النساخ النص من أجل: - وصف المتمسكين بالطقوس بالرياء حتى يزرع في النفوس رفضها وبالتالي يمهد لإلغاء طقوس العهد القديم - تشويه صورة الكيانيين الرئيسيين في مجتمه اليهودي (الكتبة) و (الفريسيين) (إلغاء العهد القديم) (تشويه صورة اليهود)</p>					<p>التعليق</p>	



23:12 ΟΣΤΙΣ ΔΕ ΥΨΩΣΕΙ ΕΑΥΤΟΝ ΤΑΠΕΙΝΩΘΗΣΕΤΑΙ ΚΑΙ ΟΣΤΙΣ ΤΑΠΕΙΝΩΣΕΙ
 hostis de hupsOsei heauton tapeinOthEsetai kai hostis tapeinOsei
 WHO-ANY YET SHALL-BE-HEIGHTenING self SHALL-BE-BEING-made-LOW AND WHO-ANY SHALL-BE-making-LOW
 anyone-who shall-be-exalting himself shall-be-being-humbled anyone-who shall-be-humbling

ΕΑΥΤΟΝ ΥΨΩΘΗΣΕΤΑΙ يرتفع
 heauton hupsOthEsetai
 self SHALL-BE-BEING-HEIGHTenED
 himself shall-be-being-exalted

المظلّل بالأصفر محذوف

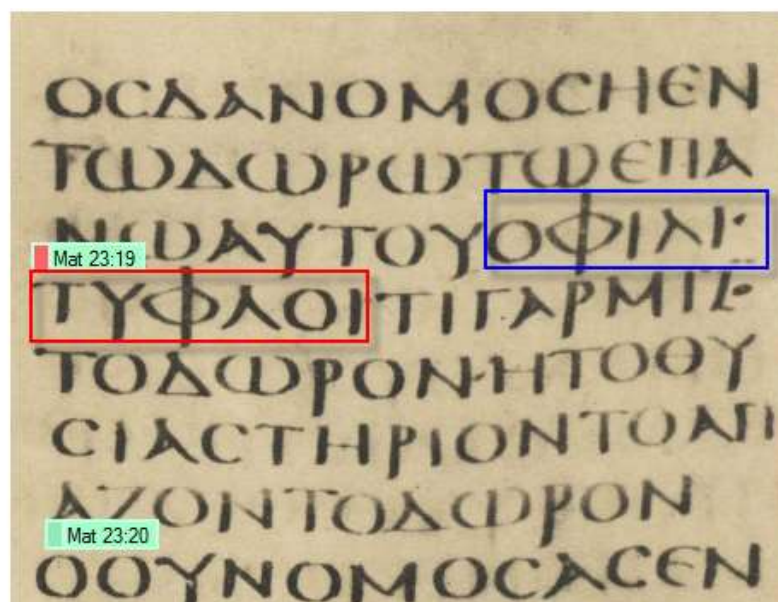
23:13 ΟΥΑΙ ΔΕ ΥΜΙΝ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΚΑΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΥΠΟΚΡΙΤΑΙ ΟΤΙ ΚΛΕΙΕΤΕ ΤΗΝ
 ouai de humin grammateis kai pharisaioi hupokritai hoti kleiete tEn
 WOE YET to-YOU(p) WRITers AND PHARISEES hypocrites that YE-ARE-LOCKING THE
 woe! to-ye scribes! Pharisees! hypocrites!

ΒΑΣΙΛΕΙΑΝ ΤΩΝ ΟΥΡΑΝΩΝ ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΤΩΝ ΑΝΘΡΩΠΩΝ ΥΜΕΙΣ ΓΑΡ ΟΥΚ ΕΙΣΕΡΧΕΣΘΕ
 basileian tOn ouranOn emprosthen tOn anthropon humeis gar ouk eiserchesthe
 KINGdom OF-THE heavens IN-TOWARD-PLACE OF-THE humans YOU(p) for NOT ARE-INTO-COMING
 in-front-of the ye are-entering

ΟΥΔΕ ΤΟΥΣ ΕΙΣΕΡΧΟΜΕΝΟΥΣ ΑΦΙΕΤΕ ΕΙΣΕΛΘΕΙΝ
 oude tous eiserchomenous aphiete eiselthein
 NOT-YET THE ones-INTO-COMING YE-ARE-FROM-LETTING TO-BE-INTO-COMING
 neither ones-entering ye-are-letting to-be-entering

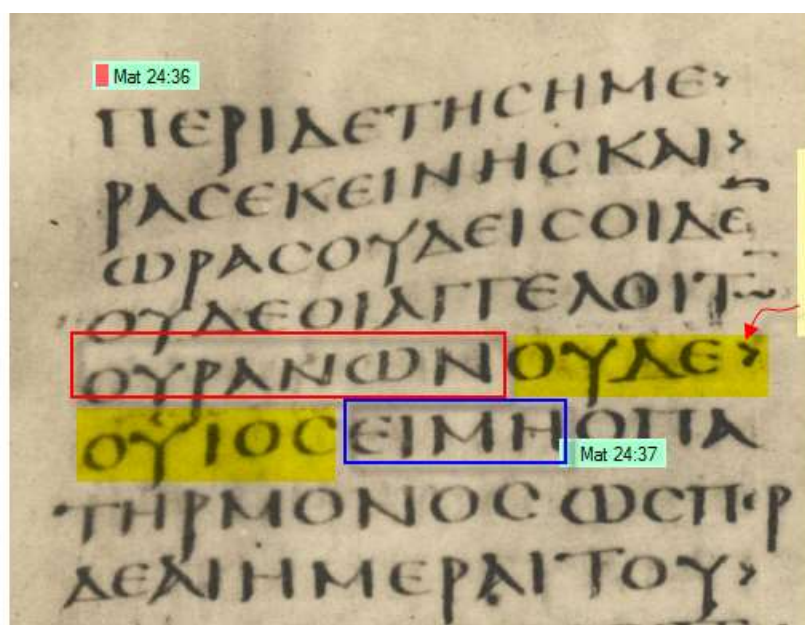
23:14 ΟΥΑΙ ΥΜΙΝ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΚΑΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΥΠΟΚΡΙΤΑΙ ΟΤΙ ΚΑΤΕΣΘΙΕΤΕ ΤΑΣ ΟΙΚΙΑΣ
 ouai humin grammateis kai pharisaioi hupokritai hoti katesthiete tas oikias
 WOE to-YOU(p) WRITers AND PHARISEES hypocrites that YE-ARE-DOWN-EATING THE HOMES
 woe! to-ye scribes! Pharisees! hypocrites! ye-are-devouring houses

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف لفظة (الجهال Mωροι) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٩ أَيُّهَا الْجُهَّالُ وَالْعَمِيَانُ! أَيُّمَا أَعْظَمُ: الْفُرْبَانُ أَمْ الْمَذْبَحُ الَّذِي يُقَدِّسُ الْفُرْبَانَ؟	فأيما أعظم، أيها العميان؟ قربان أم المذبح الذي يقدس القربان؟.	Blind! for which is greater, the gift, or the altar that sanctifies the gift?	M-01A Matthew 23:19 τυφλοι τι γαρ μίσο το δωρον η το θυσιαστηριον το αγιαζον το δωρον	متى 23: 19	39
أضاف النساخ لفظة (الجهال) من أجل مزيد من تشويه صورة الكتبة والفريسيين المتمسكين بطقوس العهد القديم مما يزرع في نفسية القارئ النفور من التمسك بها وبالتالي يمهد لإلغاء العهد القديم (إلغاء العهد القديم)						التعليق



23:18	ΚΑΙ ΟΣ ΕΑΝ ΟΜΟΧ	ΕΝ ΤΩ ΘΥΣΙΑΣΤΗΡΙΩ ΟΥΔΕΝ	ΕΣΤΙΝ ΟΣ Δ ΑΝ
	kai hos ean omosE	en to thusiastEriO	ouden estin hos d an
	AND WHO IF-EVER SHOULD-BE-SWEARING	IN THE SACRIFICE-place altar	NOT-YET-ONE it-IS WHO YET EVER
	ΟΜΟΧ	ΕΝ ΤΩ ΔΩΡΩ	ΤΩ ΕΠΑΝΩ ΑΥΤΟΥ ΟΦΕΙΛΕΙ
	omosE	en to dOrO	to epanO autou ophellei
	SHOULD-BE-SWEARING	IN THE oblation	to-THE ON-UP OF-it IS-OWING
		approach-present the upon it	
23:19	ΜΩΡΟΙ ΚΑΙ ΤΥΦΛΟΙ ΤΙ	ΓΑΡ ΜΕΙΖΟΝ ΤΟ ΔΩΡΟΝ	Η ΤΟ ΘΥΣΙΑΣΤΗΡΙΟΝ ΤΟ
	mOrOI kai tuphloi ti	gar meizon to dOron	E to thusiastEriOn to
	INSIPID-ones AND BLIND-ones ANY	for GREATer THE oblation	OR THE SACRIFICE-place THE
	stupid-ones ! blind-ones ! which ?	approach-present	altar

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	النسخة العربية : بدون لفظة (ولا الابن) السينائية : تضيف لفظة (ولا الابن οὐδὲ ὁ υἱός)	٣٦ " وَأَمَّا ذَلِكَ الْيَوْمُ وَتِلْكَ السَّاعَةُ فَلَا يَعْلَمُ بِهِمَا أَحَدٌ، وَلَا مَلَائِكَةُ السَّمَاوَاتِ، إِلَّا أَبِي وَحْدَهُ	أما ذلك اليوم وتلك الساعة فلا يعرفهما أحد، لا ملائكة السموات ولا الابن، إلا الأب وحده.	But of that day and hour no one knows, neither the angels of the heavens, nor the Son, but the Father only.	M-01A Matthew 24:36 Περι δε της ημερας εκεινης και ωρας ουδεις οιδε ουδε οι αγγελοι τω ουρανων ουδε ο υιος ει μη ο πατηρ μονος	متى 24: 36	40
	حذف النساخ لفظة (ولا الابن) لأن وجودها يؤكد أن أقنوم الابن لا يعلم الساعة وبالتالي ينفي ألوهية الابن, فكان لابد من حذفها من أجل إزالة العوائق أمام تأليه يسوع (دعم عقيدة ألوهية يسوع)					التعليق	



24:36	ΠΕΡΙ	ΔΕ	ΤΗΣ	ΗΜΕΡΑΣ	ΕΚΕΙΝΗΣ	ΚΑΙ	ΤΗΣ	ΩΡΑΣ	ΟΥΔΕΙΣ	ΟΙΔΕΝ	ΟΥΔΕ	ΟΙ
	peri	de	tEs	hEmeras	ekeinEs	kai	tEs	hOras	oudeis	oiden	oude	hoi
	ABOUT	YET	THE	DAY	that	AND	THE	HOUR	NOT-YET-ONE	HAS-PERCEIVED	NOT-YET	THE
									no-one	is-aware	neither	
	ΑΓΓΕΛΟΙ	ΤΩΝ	ΟΥΡΑΝΩΝ	ΕΙ	ΜΗ	Ο	ΠΑΤΗΡ	ΜΟΥ	ΜΟΝΟΣ			
	aggeloi	tOn	ouranOn	ei	me	ho	patEr	mou	monos			
	MESSENGEERS	OF-THE	heavens	IF	NO	THE	FATHER	OF-ME	ONLY			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة (التي يأتي فيها ابن الإنسان. <i>ἐν ἣ ὁ υἱὸς τοῦ ἀνθρώπου ἔρχεται</i> السينائية: المقطع محذوف	٣ فاسهروا إذا لأنكم لا تعرفون اليوم ولا الساعة. التي يأتي فيها ابن الإنسان.	Watch therefore, for you know not the day nor the hour.	M-01A Matthew 25:13 Γρηγορεῖτε οὐν ὅτι οὐκ οἴδατε τῆ ἡμερᾶν οὐδε τῆν ὥραν	متى 25 : 13	41
					التعليق	

أي ساعة تلك وأي يوم ذلك الذي لا يعرفونه؟؟ لاحظ الناسخ أن المقطع يحتاج مزيد توضيح , فأضاف عبارة (التي يأتي فيها ابن الإنسان) حتى يبين ما هي الساعة المقصودة (توضيح النص)

Mat 25:13

ΓΡΗΓΟΡΕΙΤΕ ΟΥΝ ΟΤΙ ΟΥΚ ΟΙΔΑΤΕ ΤΗΝ ΗΜΕΡΑΝ ΟΥΔΕ ΤΗΝ ΩΡΑΝ

Mat 25:14

ὍΣΠΕΡ ΓΑΡ ΑΝΘΡΩΠΩΣ ΑΠΟΔΗΜΩΝ ΕΚΑΛΕΣΕΝ ΤΟΥΣ ΔΙΟΥΣ ΔΟΥΛΟΥΣ ΚΑ

المظلل بالأصفر محذوف

العدد ١٣-٢٥

25:13 ΓΡΗΓΟΡΕΙΤΕ ΟΥΝ ΟΤΙ ΟΥΚ ΟΙΔΑΤΕ ΤΗΝ ΗΜΕΡΑΝ
grEgoreite oun hoti ouk oidate tEn hEmeran
BE-WATCHING THEN that NOT YE-HAVE-PERCEIVED THE DAY
be-ye-watching! ye-are-aware-of

الساعة

ΟΥΔΕ ΤΗΝ ΩΡΑΝ ΕΝ Η Ο ΥΙΟΣ ΤΟΥ ΑΝΘΡΩΠΟΥ

oude tEn hOran en hE ho huioS tou anthrOpu
NOT-YET THE HOUR IN WHICH THE SON OF-THE human
neither

ΕΡΧΕΤΑΙ

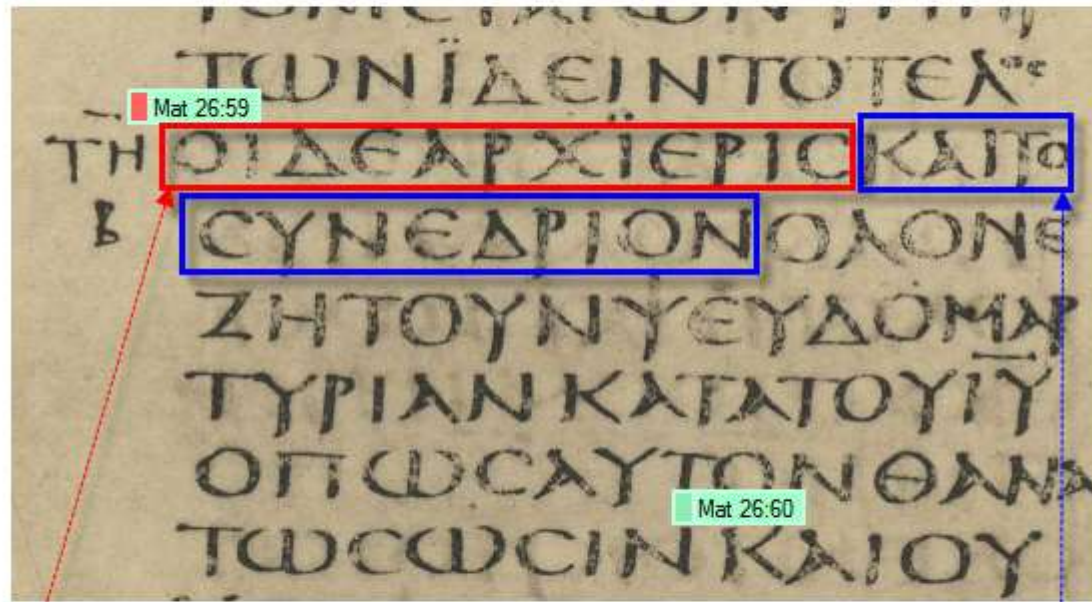
erchetai
IS-COMING

العدد ١٤-٢٥

25:14 ὍΣΠΕΡ ΓΑΡ ΑΝΘΡΩΠΩΣ ΑΠΟΔΗΜΩΝ ΕΚΑΛΕΣΕΝ ΤΟΥΣ

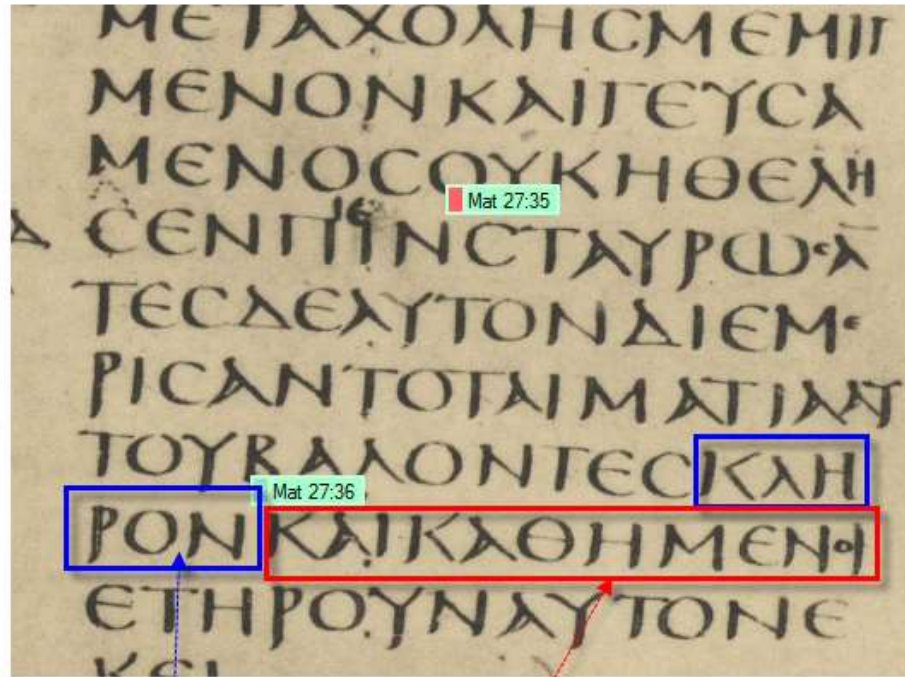
hOspEr gar anthrOpos apodEmOn ekalesen tous
AS-EVEN for human travELLING CALLS THE
even-as he-calls

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة (الشيوخ presbutero السينائية: المقطع محذوف	٥٩. وَكَانَ رُؤَسَاءُ الْكَهَنَةِ وَالشُّيُوخُ وَالْمَجْمَعُ كُلُّهُ يَطْلُبُونَ شَهَادَةَ رُورٍ عَلَى يَسُوعَ لِكَيْ يَقْتُلُوهُ	وكان رؤساء الكهنة وجميع أعضاء المجلس يطلبون شهادة زور على يسوع ليقتلوه.	And the chief priests and the elders, and the whole Sanhedrim, sought false testimony against Jesus, that they might put him to death,	M-01A Matthew 26:59 Οι δε αρχιερις και το συνεδριον ολον εζητου ψευδομαρτυριαν κατα του ΙΥ οπως αυτον θανατωσωσιν	متى 26: 59	43
أضاف النساخ لفظة (والشيوخ) من أجل التأكيد على أن الجميع شهد ضد يسوع, وفي هذا تشويه لصورة اليهود (تشويه صورة اليهود)					التعليق	



	المظلل بالأصفر محذوف		
	والشيوخ		
	رؤساء الكهنة		والمجمع
26:59	ΟΙ ΔΕ ΑΡΧΙΕΡΕΙΣ	ΚΑΙ ΟΙ ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΙ	ΚΑΙ ΤΟ ΣΥΝΕΔΡΙΟΝ ΟΛΟΝ
	hoi de archiereis	kai hoi presbuteroi	kai to sunedrion holon
	THE YET chief-SACRED-ones	AND THE SENIORS	AND THE Sanhedrin WHOLE
	chief-priests	elders	

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
44	متى 27: 35	M-01A Matthew 27:35 Σταυρωσᾱτες δε αυτον διεμερισαντο τα ιματα αυτου βαλοντες κληρον	But when they had crucified him, they divided his garments, casting the lot	فصلبوه واقترعوا على ثيابه واقتسموها.	٣٥ وَلَمَّا صَلَّبُوهُ اقْتَسَمُوا ثِيَابَهُ مُقْتَرِعِينَ عَلَيْهَا، لِكَيْ يَتَمَّ مَا قِيلَ بِالنَّبِيِّ: "اقْتَسَمُوا ثِيَابِي بَيْنَهُمْ، وَعَلَى لِبَاسِي الْقَوْلَا قُرْعَةً".	النسخة العربية: تضيف عبارة: (لِكَيْ يَتَمَّ مَا قِيلَ بِالنَّبِيِّ: "اقْتَسَمُوا ثِيَابِي بَيْنَهُمْ، وَعَلَى لِبَاسِي الْقَوْلَا قُرْعَةً". ἵνα πληρωθῇ τὸ ῥηθὲν ὑπὸ τοῦ προφήτου, διεμερίσαντο τὰ ἱμάτια μου ἑαυτοῖς, καὶ ἐπὶ τὸν ἱματισμὸν (μου ἔβαλον κληρον السينائية: المقطع بالكامل غير موجود
						اضاف النساخ عبارة (لِكَيْ يَتَمَّ مَا قِيلَ بِالنَّبِيِّ: "اقْتَسَمُوا ثِيَابِي بَيْنَهُمْ، وَعَلَى لِبَاسِي الْقَوْلَا قُرْعَةً".) من أجل إصاق نبوءات العهد القديم بيسوع, وإثبات أن العهد القديم قد تنبأ عن حادثة الصلب (دعم عقيدة الفداء والطب) (زراعة النبوءات)



27:35 **ΜΑΤ 27:35** **ΚΛΗΡΟΝ** **ΚΑΙ ΚΑΘΗΜΕΝΟΙ**

staurOsantes de auton diemerisanto ta himatia autou
 impaling YET Him THEY-THRU-PART THE GARMENTS OF-Him
 crucifying they-divide

ΜΑΤ 27:36 **ΚΑΙ ΚΑΘΗΜΕΝΟΙ** **ΕΤΗΡΟΥΝ** **ΑΥΤΟΝ** **ΕΚΕΙ**

kai kathemenoi etEroun auton ekei
 AND sitting THEY-KEPT Him there

ΜΑΤ 27:35 **ΕΒΑΛΟΝ** **ΚΛΗΡΟΝ** **ΙΝΑ** **ΠΛΗΡΩΘΗ** **ΤΟ** **ΡΗΘΕΝ** **ΥΠΟ** **ΤΟΥ** **ΠΡΟΦΗΤΟΥ**

ballontes hina plerOthe to rEthen hupo tou prophEtou
 CASTING LOT THAT MAY-BE-BEING-FILLED THE BEING-declarED by THE BEFORE-AVERer
 may-be-being-fulfilled prophet

ΜΑΤ 27:35 **ΔΙΕΜΕΡΙΣΑΝΤΟ** **ΤΑ** **ΙΜΑΤΙΑ** **ΜΟΥ** **ΕΑΥΤΟΙΣ** **ΚΑΙ** **ΕΠΙ** **ΤΟΝ** **ΙΜΑΤΙΣΜΟΝ** **ΜΟΥ**

diemerisanto ta imatia mou heautois kai epi ton himatismou mou
 THEY-THRU-PART THE GARMENTS OF-ME to-selves AND AMONG OF-GARMENTing OF-ME
 they-divide to-themselves

ΕΒΑΛΟΝ **ΚΛΗΡΟΝ**

ebalon klEron
 THEY-CAST(past) LOT

ΜΑΤ 27:36 **ΚΑΙ** **ΚΑΘΗΜΕΝΟΙ** **ΕΤΗΡΟΥΝ** **ΑΥΤΟΝ** **ΕΚΕΙ**

kai kathemenoi etEroun auton ekei
 AND sitting THEY-KEPT Him there

لَكِنِّي يَتَمَّ مَا قِيلَ بِالنَّبِيِّ: "افْتَسِمُوا
 بِبِئْسَ بَيْنِهِمْ، وَعَلَىٰ لِبَاسِي قُرْعَةً"

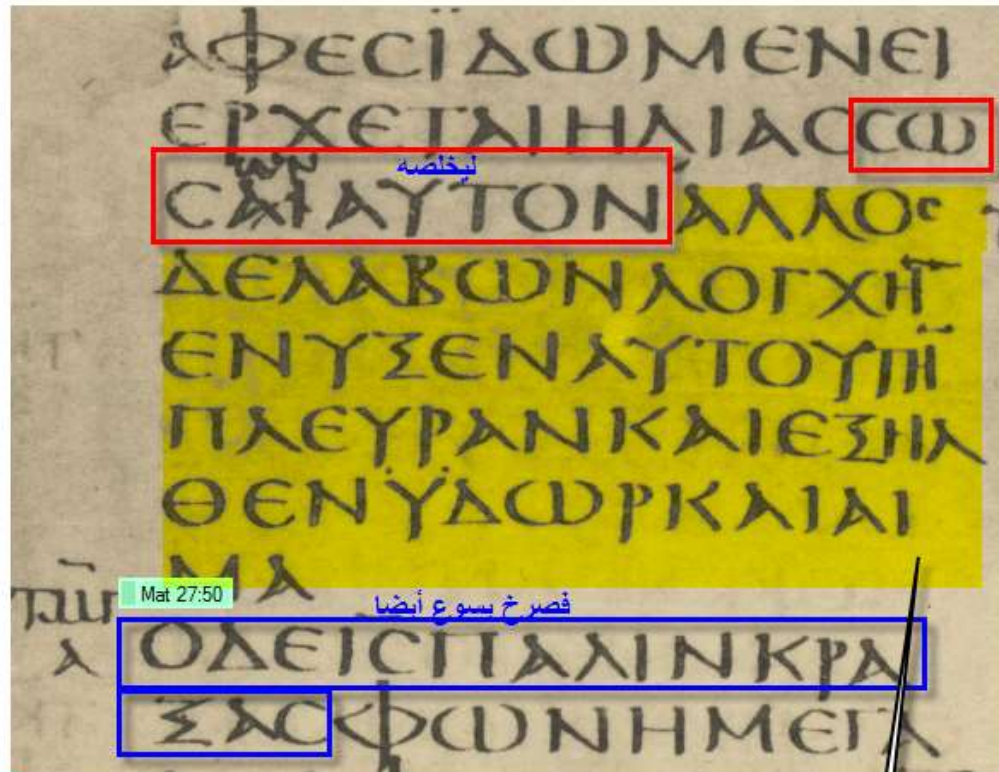
المطلل بالأصفر غير موجود
 بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية : تتوقف عند لفظة (يخلصه) السينائية: تضيف عبارة : (فقام رجل آخر وأخذ الحربة وطعنه في جنبه وللوقت خرج دم وماء αλλος δε λαβων λογχη ενυξεν αυτου τη πλευραν και εξηλθεν (υδωρ και αιμα</p>	<p>٤٩ وَأَمَّا الْبَاقُونَ فَقَالُوا: "اِنَّكَ لِنَرَى هَلْ يَأْتِي اِبِلْيَا يُخَلِّصُهُ!".</p>	<p>فقال له الآخرون: ((انتظر لنرى هل يجيء إيليا ليخلصه!)) ((فقام رجل آخر وأخذ الحربة وطعنه في جنبه وللوقت خرج دم وماء</p>	<p>"Wait and let us see if Elijah is coming to save him". However another man took a lance, and pierced his side ; water ad waan blood flowed from it.</p>	<p>M-01A Matthew 27:49 Οι δε λοιποι ελεγο̄ Αφες ιδωμεν ει ερχεται Ηλιας σασαι αυτον αλλος δε λαβων λογχη̄ ενυξεν αυτου τη̄ πλευραν και εξηλθεν υδωρ και αιμα</p>	متى 27: 49	45
<p>قام النساخ بحذف عبارة (فقام رجل آخر وأخذ الحربة وطعنه في جنبه وللوقت خرج دم وماء) لأن النص الذي بعدها مباشرة (27-50) يقول: " ٥٠ فَصَرَخَ يَسُوعُ أَيْضًا بِصَوْتٍ عَظِيمٍ، وَأَسْلَمَ الرُّوحَ " فالنصان معا يجعلان يسوع قد مات بسبب الطعن بالحربة, حيث أنه بعدما طعن مباشرة صرخ ومات, وهذا يدمر عقيدة الصلب التي تقول بأن المسيح قتل مصلوبا وليس مطعون بالحربة (دعم عقيدة الفداء والصلب)</p>					<p>التعليق</p>	



صورة مصغرة
لنصفحة، العدد رقم
٩ ء مقلل بالأصفر

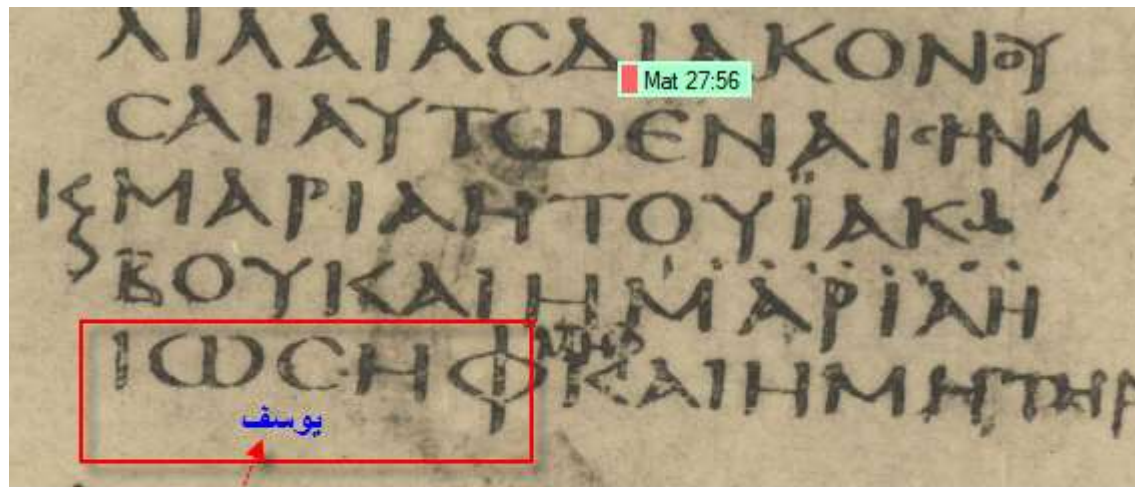
صورة مكبرة



27:49	ΟΙ ΔΕ ΛΟΙΠΟΙ ΕΛΕΓΟΝ ΑΦΕΣ	ΙΔΩΜΕΝ	ΕΙ ΕΡΧΕΤΑΙ ΗΛΙΑΣ
	hoi de loipoi elegon aphes	idomen	ei erchetai Elias
	THE YET rest said FROM-LET	WE-MAY-BE-PERCEIVING	IF IS-COMING ELIAS
		let-off-you!	Elijah
	ليخلصه		
	ΩΣΩΝ ΑΥΤΟΝ		
	soson auton		
	SAVING Him		
	فصرخ يسوع أيضا		
27:50	Ο ΔΕ ΙΗΣΟΥΣ ΠΑΛΙΝ ΚΡΑΣΑΣ	ΦΩΝΗ ΜΕΓΑΛΗ ΑΦΗΚΕΝ ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ	
	ho de iEsous palin kraxas	phOnE megaE aphEken to pneuma	
	THE YET JESUS AGAIN CRYing	to-SOUND GREAT FROM-LETS THE spirit	
		to-voice loud lets-off	

المقطع المقلل بالأصفر هو المقطع الزائد عن النص المستلم

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تكتب يوسي Ιωσή السينائية: تكتب بدلا منها يوسف Ιωσηφ	وَبَيَّنَهُنَّ مَرْيَمَ الْمَجْدَلِيَّةَ، وَمَرْيَمَ أُمَّ يَعْقُوبَ وَيُوسَى، وَأُمَّ ابْنِي زَبْدِي.	فيهن مريم المجدلية، ومريم أم يعقوب ويوسف، وأم ابني زبدي.	among whom was Mary Magdalene, and Mary the mother of James and Joseph, and the mother of the sons of Zebedee.	M-01A Matthew 27:56 εν αις ην Μαρια η του Ιακωβου και η Μαρια η Ιωσηφ και η Μαρια η των υιων Ζεβεδεου	متى 27: 56	46
قام النساخ بتغيير النص من (يوسف) إلى (يوسي) حتى لا يظن القارئ أن هؤلاء هم إخوة يسوع حقيقة وأن مريم قد أنجبت أبناء آخرين وفقدت بتوليتها , لأن تسمية أحد الأبناء بإسم (يوسف) ربما يعني أن الاب اسمه يوسف وهي العادة اليهودية بتسمية الابناء بأسماء الآباء, وبالتالي يكون سبب تسمية الابن بهذا الأسم سببه أن ابوه حقيقة هو يوسف النجار (دعم عقيدة البنولية الدائمة)					التعليق	

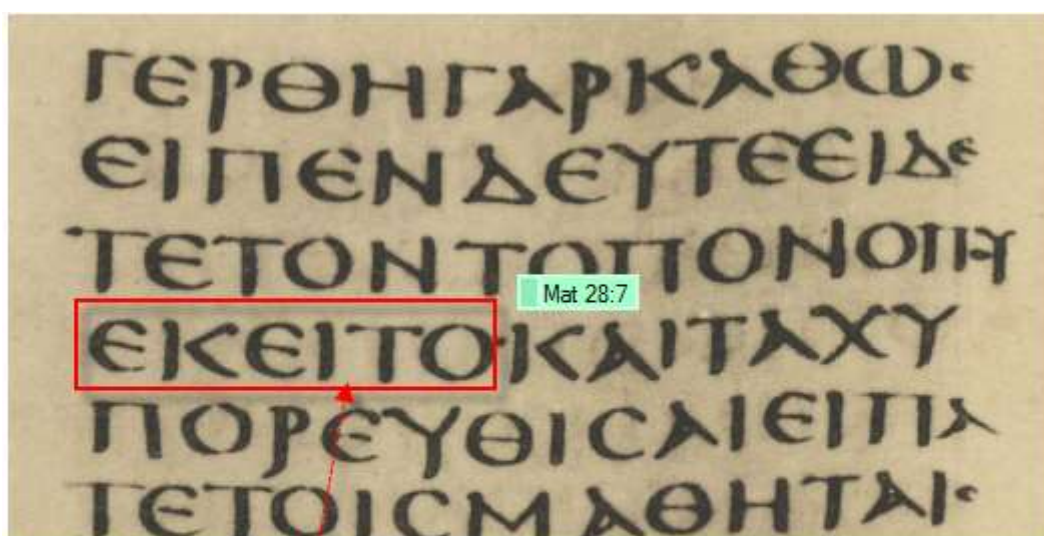


يُوسُفُ
ΙΩΣΗΦ
iOsEph
JOSEPH

ΙΩΣΗ
iOsE
OF-JOSES
يُوسَى

X

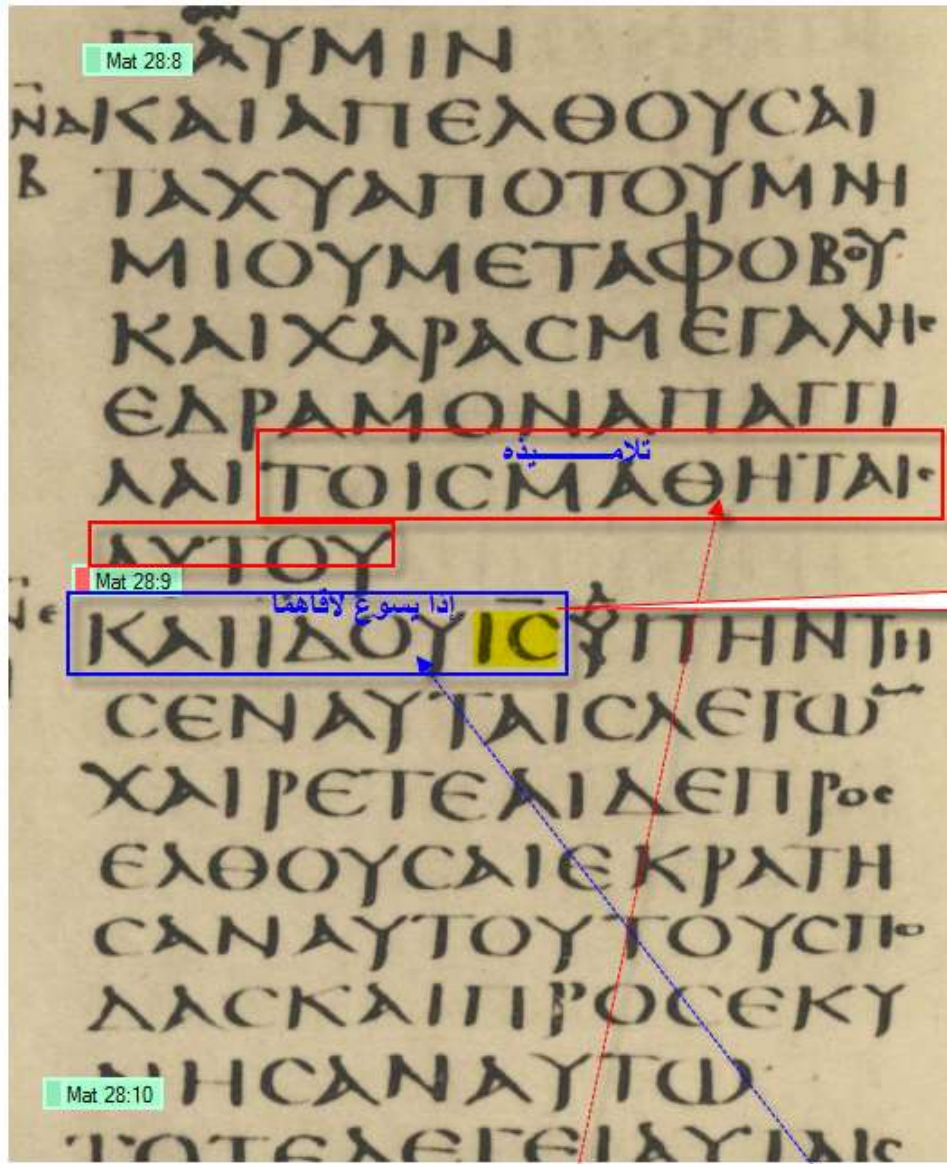
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف لفظة (الرب κύριος) السينائية : اللفظة غير موجودة	لَيْسَ هُوَ هَهُنَا، لِأَنَّهُ قَامَ كَمَا قَالَ! هَلُمَّ انظُرَا الْمَوْضِعَ الَّذِي كَانَ الرَّبُّ مُضْطَجِعًا فِيهِ	ما هو هنا، لأنه قام كما قال. تقدما وانظرا المكان الذي كان موضوعا فيه.	he is not here; for he has risen as he said: Come, see the place where he lay.	M-01A Matthew 28:6 Ουκ εστιν ωδε ηγερθη γαρ καθως ειπεν Δευτε ειδετε τον τοπον οπου εκειτο	متى 28:6	47
اضاف النساخ لفظة (الرب) من أجل إعطاء يسوع أوصاف تدعم ألوهيته وتدعم عقيدة الطبيعة الواحدة حيث أن الموصوف هنا بالنوم هو الرب رغم أن الذي نام هو الناسوت (دعم وحدة الطبيعة) (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	



حيث كان	مضطجعا	الرب	
ΟΠΟΥ	ΕΚΕΙΤΟ	Ο ΚΥΡΙΟΣ	
hopou	ekeito	ho kurios	
THE-?-where	LAY	THE Master	
where ^e		Lord	

المظلل بالأصفر
محذوف

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
48	متى 28: 9	M-01A Matthew 28:9 καὶ ἰδοὺ Ἰησοῦς ὑπὸ ἰσχυρῶν ἑλθὼν καὶ κρατῶν τοὺς πόδας καὶ προσεκύνησαν αὐτὸν	9 And behold, Jesus met them, saying: Hail. And they came and laid hold of his feet, and worshipped him.	إذا يسوع لاقاهما وقال: «سلام لكما». فتقدمنا وأمسكتنا بقدميه وسجدنا له.	٩ وَفِيْمَا هُمَا مُنْطَلِقَتَانِ لِتُخْبِرَا تَلَامِيذَهُ إِذَا يَسُوعُ لَاقَاهُمَا وَقَالَ: «سَلَامٌ لَكُمَا». فَتَقَدَّمْنَا وَأَمْسَكْنَا بِقَدَمَيْهِ وَسَجَدْنَا لَهُ.	النسخة العربية: تضيف عبارة: وَفِيْمَا هُمَا مُنْطَلِقَتَانِ لِتُخْبِرَا تَلَامِيذَهُ ἐπορεύοντο ἀπαγγεῖλαι τοῖς μαθηταῖς αὐτοῦ السينائية: المقطع غير موجود
	التعليق	أضاف النساخ عبارتي (وفيما هما منطلقتان لتخبرا تلاميذه) من أجل أن عدم وجودها يعني أنه بمجرد خروج المرأتين من القبر لقيهما يسوع عند القبر, وهذا مخالف للنص رقم (6-28) الذي يصرح فيه الملاك قائلاً عن يسوع: "لَيْسَ هُوَ هَهُنَا" أي ليس في القبر , فكان لابد من هذه الإضافة من أجل إزالة أي تناقض , فالإضافة تؤكد أن المقابلة حدثت في الطريق بعدما تركنا القبر (علاج المشكلات)				



كلمة يسوع مكتوبة
بالاختصار المقدس
nomina
sacra
حيث يتم كتابة أول حرف
وأخر حرف من الكلمة
وفوقها خط

28:8 ΚΑΙ ΕΞΕΛΘΟΥΣΑΙ ΤΑΧΥ ΑΠΟ ΤΟΥ ΜΝΗΜΕΙΟΥ ΜΕΤΑ ΦΟΒΟΥ ΚΑΙ ΧΑΡΑΣ ΜΕΓΑΛΗΣ
kai exelthousai tachu apo tou mnemeiou meta phobou kai charas megalEs
AND OUT-COMING SWIFTLY FROM THE memorial-vault WITH FEAR AND JOY GREAT
coming-out tomb

ΕΔΡΑΜΟΝ ΑΠΑΓΓΕΙΛΑΙ ΤΟΙΣ ΜΑΘΗΤΑΙΣ ΑΥΤΟΥ
edramon apageilai tois mathetais autou
THEY-RAN TO-FROM-MESSAGE to-THE LEARNers OF-Him
to-report disciples

28:9 ΩΣ ΔΕ ΕΠΟΡΕΥΟΝΤΟ ΑΠΑΓΓΕΙΛΑΙ ΤΟΙΣ ΜΑΘΗΤΑΙΣ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΙΔΟΥ Ο ΙΗΣΟΥΣ
hOs de eporeuonto apageilai tois mathetais autou kai idou ho iEsous
AS YET THEY-WENT TO-FROM-MESSAGE to-THE LEARNers OF-Him AND BE-PERCEIVING THE JESUS
to-report disciples to!

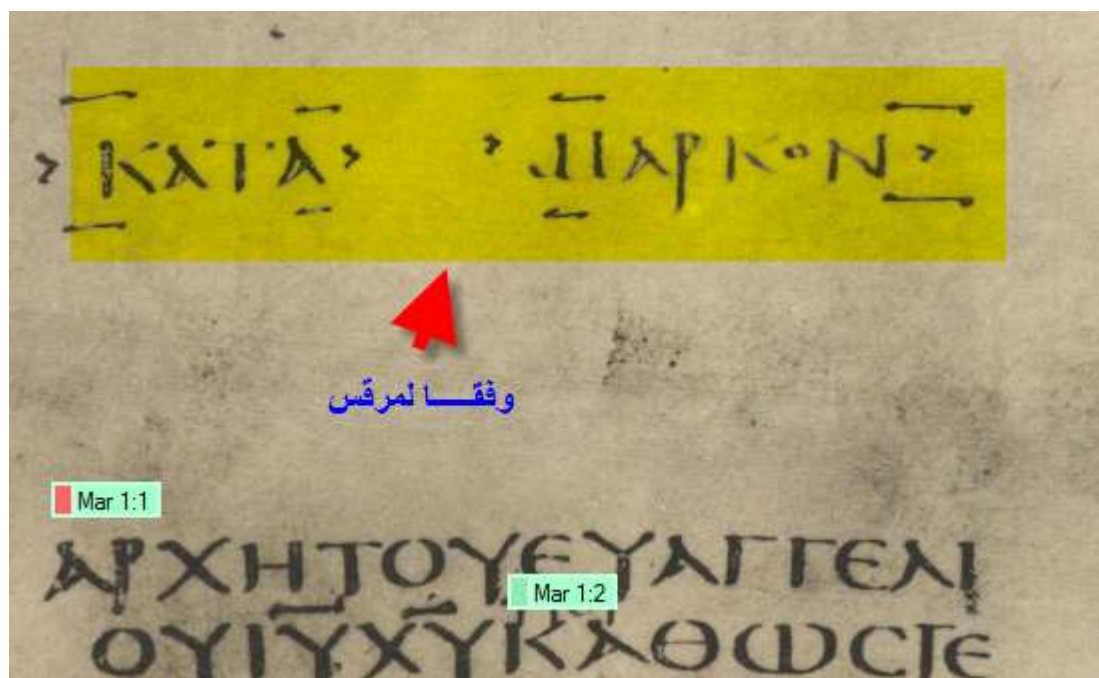
ΑΠΗΝΤΗΣΕΝ ΑΥΤΑΙΣ ΛΕΓΩΝ ΧΑΙΡΕΤΕ ΑΙ ΔΕ ΠΡΟΣΕΛΘΟΥΣΑΙ ΕΚΡΑΤΗΣΑΝ ΑΥΤΟΥ ΤΟΥΣ
apEntEsen autais legOn chairete hai de proselthousai ekratEsan autou tous
FROM-meets to-them saying BE-JOYING THE YET yes-TOWARD-COMING HOLD OF-Him THE
meets them be-ye-rejoicing! approaching they-hold

ΠΟΔΑΣ ΚΑΙ ΠΡΟΣΕΚΥΝΗΣΑΝ ΑΥΤΩ
podas kai prosekunEsan autO
FEET AND THEY-worship to-Him
him.

المقطع المظلل بالأصفر غير
موجود

إنجيل مرقس

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة (εὐαγγε) الإنجيل لίου السينائية: اللفظة غير موجودة	الإنجيل وفقا لمرقس	وفقا لمرقس	According to Mark	Κατὰ Μάρκον	العنوان	1
وصف السفر بأنه (الإنجيل) هدفه دعم قانونيته (دعم القانونية)						تعليق



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة (ابن الله τοῦ θεοῦ): المقطع غير موجود	ابْدْءُ اِنْجِيلِ يَسُوعَ الْمَسِيحِ ابْنِ اللهِ،	1:1 The beginning of the gospel of Jesus Christ,	M-01A Mark 1:1 Αρχη του ευαγγελιου ΙΥ ΧΥ	مرقص 1-1	2
إضافة عبارة (ابن الله) هدفها دعم ألوهية يسوع (دعم ألوهية يسوع)						تعليق

لفظة يسوع المسيح بكتوبة بطريفة الاختصار المقدس ΧΥ ΙΥ

عبارة (ابن الله) مكتوبة بخط صغير فوق السطر بواسطة ناسخ متأخر

المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوطة

يسوع المسيح كما هو مكتوب

المسيح ابن الله

1:1 ΑΡΧΗ ΤΟΥ ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΥΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΥ
archE tou euaggeliou iEsou christou huiou tou theou
ORIGINAL OF-THE WELL-MESSAGE OF-JESUS ANOINTED SON OF-THE God
beginning Christ

1:2 ΩΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΕΝ ΤΟΙΣ ΠΡΟΦΗΤΑΙΣ ΙΔΟΥ ΕΓΩ ΑΠΟΣΤΕΛΛΩ
hOs gegraptai en tois prophEtais idou egO apostellO
AS it-HAS-been-WRITTEN IN THE BEFORE-AVERers BE-PERCEIVING I AM-commissionING
prophets lo! am-dispatching

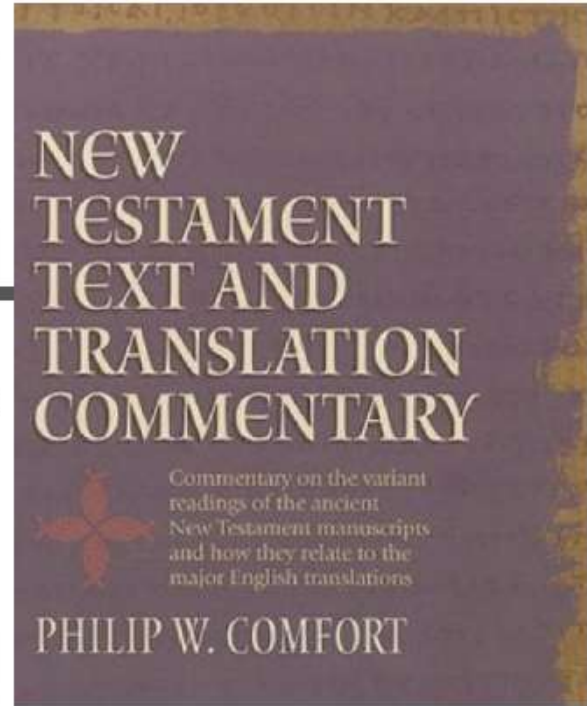
تعليق فليب كومفرت

وتليه نسخة ال 5th UBS

Mark 1:1

TR NU Ἀρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ Χριστοῦ (υἱοῦ θεοῦ)
 "(The) beginning of the gospel of Jesus Christ, Son of God"
 Ⓝ¹ B D L W it syr cop (A f^{1,13} Maj add τοῦ before θεοῦ)
 KJV NKJV RSV NRSV **ESV** NASB NIV TNIVmg NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

قراءة الإضافة تمت بواسطة
 ناسخ متأخر



New Testament Text & Translation Commentary 92

variant 1/WH Αρχὴ τοῦ εὐαγγελίου Ἰησοῦ χριστοῦ
 "(The) beginning of the gospel of Jesus Christ"
 Ⓝ⁺ Θ (28) cop^{ams} Origen
 RSVmg NRSVmg ESVmg NASBmg NIVmg TNIV NEBmg REBmg NJBmg NABmg
 NLTmg HCSBmg NE^{ing}mg
 variant 2 Αρχὴ τοῦ εὐαγγελίου
 "(The) beginning of the Gospel"
 Irenaeus Epiphanius
 none

قراءة الحذف تمت بواسطة
 الناسخ الأصلي

UBS

The Greek New Testament, Fifth Revised Edition: Apparatus

Mark 1:1-7:15

KATA MAPKON Chapter 1

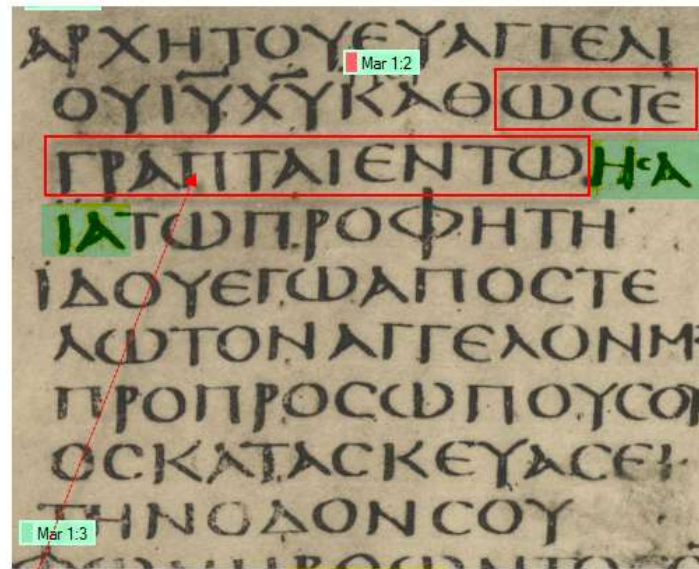
Mark 1:1

{C} Χριστοῦ υἱοῦ θεοῦ Ⓝ¹ B D L W // Χριστοῦ υἱοῦ τοῦ θεοῦ A Δ f³
 33 180 205 565 579 597 700 892 1006 1010 1071 1243 1292 1342 1424 1505
 Byz [E F G^{supp} H Σ] Lect eth geo² slav (υἱοῦ θεοῦ or υἱοῦ τοῦ θεοῦ it^a
 aur, b, c, d, f, ff², l, q, r¹ vg syr^p, h cop^{sa}mss, bo Irenaeus^{lat} 2/3; Ambrose
 Chromatius Jerome^{3/6} Augustine Faustus-Milevis) // Χριστοῦ υἱοῦ
 τοῦ κυρίου 1241 // Χριστοῦ Ⓝ^{**} Θ 28^c syr^{pal} cop^{sa}mss arm geo²
 Origen^{gr}, lat Asterius Serapion Cyril-Jerusalem Severian Hesy-
 chius; Victorinus-Pettau Jerome^{3/6} // omit 28^c (ir^h hucusq^{ue} it^a au-
 gustine) Epiphanius omit also Ἰησοῦ)
 Colon: TR (GNB) EU TOB // NO P: TR GNB BJ TOB

قراءة الإضافة تمت بواسطة
 ناسخ متأخر

قراءة الحذف تمت بواسطة
 الناسخ الأصلي

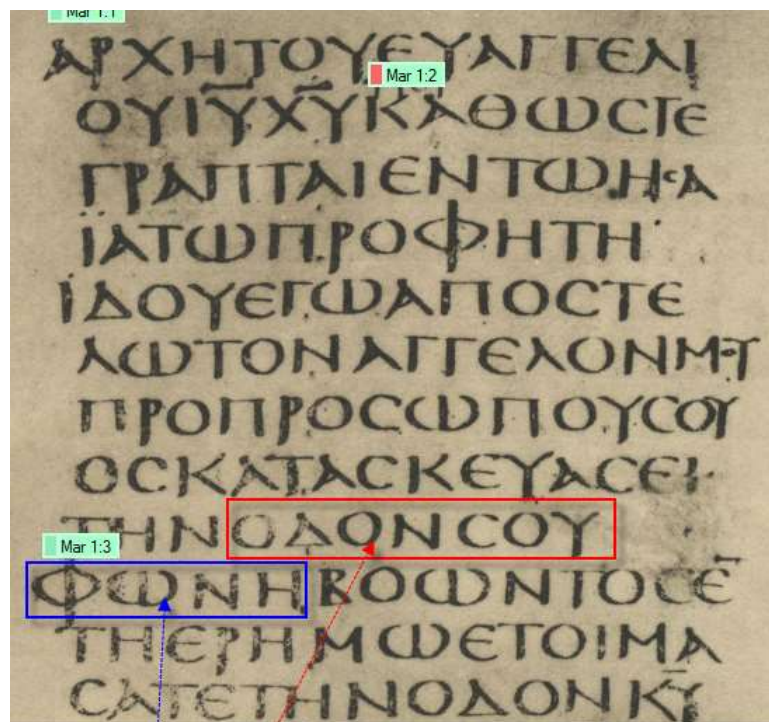
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب " في الأنبياء "ἐν τοῖς προφήταις السينائية: تكتب بدلا منها: " في إشعياء النبي "ἐν τῷ Ησαῖα τῷ προφήτῃ	2 كَمَا هُوَ مَكْتُوبٌ فِي الْأَنْبِيَاءِ: "هَا أَنَا أَرْسِلُ أَمَامَ وَجْهِكَ مَلَكَ، الَّذِي يُهَيِّئُ طَرِيقَكَ قُدَّامَكَ. 3 صَوْتُ صَارِخٍ فِي الْبَرِّيَّةِ: أَعِدُّوا طَرِيقَ الرَّبِّ، اصْنَعُوا سُبُلَهُ مُسْتَقِيمَةً".	بدأت كما كتب النبي إشعيا: ((ها أنا أرسل رسولي قدامك ليهيئ طريقك. صوت صارخ في البرية: هيئوا طريق الرب، واجعلو سبله مستقيمة)).	2 As it is written in Isaiah the prophet: Behold, I send my messenger before thy face, who shall prepare thy way:	M-01A Mark 1:2 καθως γεγραπται εν τῷ Ησαῖα τῷ προφητῃ Ἰδου εγω αποστειλω τον αγγελον μου προ προσωπου σου ος κατασκευασει την οδον σου	مرقص 3-1:2	3
<p>الاقْتباس مأخوذ من مكانين في العهد القديم , النصف الاول : (ها أنا أرسلُ أَمَامَ وَجْهِكَ مَلَكَ، الَّذِي يُهَيِّئُ طَرِيقَكَ) موجود في سفر ملاخي 3-1 والنصف الثاني: (صَوْتُ صَارِخٍ فِي الْبَرِّيَّةِ: أَعِدُّوا طَرِيقَ الرَّبِّ، اصْنَعُوا سُبُلَهُ مُسْتَقِيمَةً".) موجود في إشعياء 40-3 فكيف ينسبهما مرقس جميعا إل مصدر واحد فقط وهو (إشعيا)؟؟ خصوصا أن النصف الاول من الاقتباس موجود في ملاخي وليس النصف الثاني لما شعر النساخ بهذه المشكلة قرروا إزالة لفظة (إشعيا) ووضعوا بدلا منه (الأنبياء) لأن الاقتباس ليس من مصدر واحد . (تصحيح أخطاء الاقتباسات)</p>					تعليق	



النسخة العربية	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني
كما هو مكتوب في -	1:2 ὍΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΕΝ ΤΟΙΣ ΠΡΟΦΗΤΑΙΣ ΙΔΟΥ ΕΓΩ ΑΠΟΣΤΕΛΛΩ	كما هو مكتوب في - الأنبياء	AS il-HAS-been-WRITTEN IN THE BEFORE-AVERers prophets	hOs gegraptai en tois AS il-HAS-been-WRITTEN IN THE BEFORE-AVERers prophets
	ΤΟΝ ΑΓΓΕΛΟΝ ΜΟΥ ΠΡΟ ΠΡΟΣΩΠΟΥ ΣΟΥ ὍΣ ΚΑΤΑΣΚΕΥΑΣΕΙ ΤΗΝ		ton aggelon mou pro prosOpou sou hOs kataskeuasei tEn	TON AGGELON MOY PRO PROSWPOY SOY OΣ KATASKEΥΑΣΕΙ ΤΗΝ
	ΟΔΟΝ ΣΟΥ ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΣΟΥ		hodon sou emprosthen sou	ΟΔΟΝ ΣΟΥ ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΣΟΥ
	WAY OF-YOU IN-TOWARD-PLACE OF-YOU road in-front-of you		AM-commissionING am-dispatching	OS ΚΑΤΑΣΚΕΥΑΣΕΙ ΤΗΝ SHALL-BE-constructING THE

المظلل بالأصفر غير موجود في
المخطوطة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة (قدامك σου εμπροσθέν)	2 كَمَا هُوَ مَكْتُوبٌ فِي الْأَنْبِيَاءِ: "هَا أَنَا أَرْسِلُ أَمَامَ وَجْهِكَ مَلَائِكِي، الَّذِي يُهَيِّئُ طَرِيقَكَ قُدَّامَكَ. ٣ صَوْتُ صَارِخٍ فِي الْبَرِّيَّةِ: أَعِدُّوا طَرِيقَ الرَّبِّ، اصْنَعُوا سُبُلَهُ مُسْتَقِيمَةً."	بدأت كما كتب النبي إشعيا: ((ها أنا أرسل رسولي قدامك ليهيئ طريقك. صوت صارخ في البرية: هيئوا طريق الرب، واجعلوا سبله مستقيمة)).	2 As it is written in Isaiah the prophet: Behold, I send my messenger before thy face, who shall prepare thy way:	M-01A Mark 1:2 καθως γεγραπται εν τω Ησαια τω προφητη Ιδου εγω αποστελω τον αγγελον μου προ προσωπου σου ος κατασκευασει την οδον σου	مرقس 1-2	4
<u>السينائية:</u> تحذف اللفظة					التعليق	
النصف الأول من الاقتباس في العهد القديم موجود في سفر ملاخي 1-3 ويقول: (١ "هأنذا أرسل ملاكي فيهيئ الطريق أمامي). حيث توجد به لفظة (أمامي) , لكن مرقس ذكر الاقتباس بدون هذه اللفظة كما نري في السينائية فأراد الناسخ أن يزيد من دقة اقتباس مرقس فأضاف اللفظة (مطابقة الاقتباسات بين العهدين)						



1:2	ΩΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ	ΕΝ ΤΟΙΣ ΠΡΟΦΗΤΑΙΣ	ΙΔΟΥ	ΕΓΩ	ΑΠΟΣΤΕΛΛΩ
	hOs gegraptai	en tois prophetais	idou	ego	apostello
	AS it-HAS-been-WRITTEN	IN THE BEFORE-AVERs	BE-PERCEIVING	I	AM-commissionING
		prophets	lo!		am-dispatching
	ΤΟΝ ΑΓΓΕΛΟΝ ΜΟΥ ΠΡΟ	ΠΡΟΣΩΠΟΥ ΣΟΥ	ΟΣ ΚΑΤΑΣΚΕΥΑΣΕΙ	ΤΗΝ	
	ton aggelon mou pro	prosOpou sou	hos kataskeuasei	tEn	
	THE MESSENGER OF-ME	BEFORE face	OF-YOU WHO SHALL-BE-constructING	THE	
	ΟΔΟΝ ΣΟΥ	ΕΜΠΡΟΣΘΕΝ ΣΟΥ			
	hodon sou	emprosthen sou			
	WAY OF-YOU	IN-TOWARD-PLACE OF-YOU			
	road	in-front-of you			
1:3	ΦΩΝΗ ΒΟΩΝΤΟΣ	ΕΝ ΤΗ ΕΡΗΜΩ	ΕΤΟΙΜΑΣΑΤΕ	ΤΗΝ ΟΔΟΝ	ΚΥΡΙΟΥ
	phOnE boOntos	en tE erEmO	hetoimasate	tEn hodon	kuriou
	SOUND OF-IMPLORING-one	IN THE DESOLATE	make-READY	THE WAY	OF-Master
	voice of-one-imploring	wilderness	make-ready-ye!	road	of-Lord

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة (لوقت εὐθέως) السينائية: اللفظة محذوفة	٢ وَاللَّوْقَتِ اجْتَمَعَ كَثِيرُونَ حَتَّى لَمْ يَعْذُ يَسْغَ وَلَا مَا حَوْلَ الْبَابِ. فَكَانَ يُحَاطِبُهُمْ بِالْكَلِمَةِ	فتجمع منهم عدد كبير ملاً المكان حتى عند الباب، فو عظمهم بكلام الله.	2 And many came together, so that the house could no longer contain them, nor the space about the door; and he spoke the word to them.	M-01A Mark 2:2 Και συνηχθησαν πολλοι ωστε μηκετι χωριν μηδε τα προς την θυραν και ελαλει αυτοις τον λογον (Mk. 2:2 M-01A)	مرقص 2-2	6
حرص النساخ على إبراز التأثير الكبير لمعجزات يسوع جعل الناسخ يضيف لفظة (لوقت) ليوضح قوة المعجزات وصيت يسوع العالي حتى أن الجموع كانت تجتمع فوراً وبدون تأخير بمجرد قدومه , وهو الشيء الذي لم يكن يحدث لولا قوة تأثير معجزاته فالاجتماع الفوري (لوقت) يظهر ذلك التأثير (دعم المعجزات)					التعليق	

Mar 2:1

ΧΟΝΤΟ ΠΡΟΣ ΑΥΤΗΝ
ΠΑΝΤΟΘΕΝ
ΚΑΙ ΕΙΣΕΛΘΩΝ ΠΑΛΙ
ΕΙΣ ΚΑΦΑΡΝΑΟΥΜ
ΔΙΗΜΕΡΩΝ ΗΚΟΥ
ΣΟΤΙ ΕΝ ΟΙΚΩ

Mar 2:2

ΣΤΙΝ ΚΑΙ ΣΥΝΗΧΘΗ
ΣΑΝ ΠΟΛΛΟΙ ΩΣΤΕ
ΜΗΚΕΤΙ ΧΩΡΙΝ ΜΗ
ΔΕΤΑ ΠΡΟΣ ΤΗΝ ΘΥ

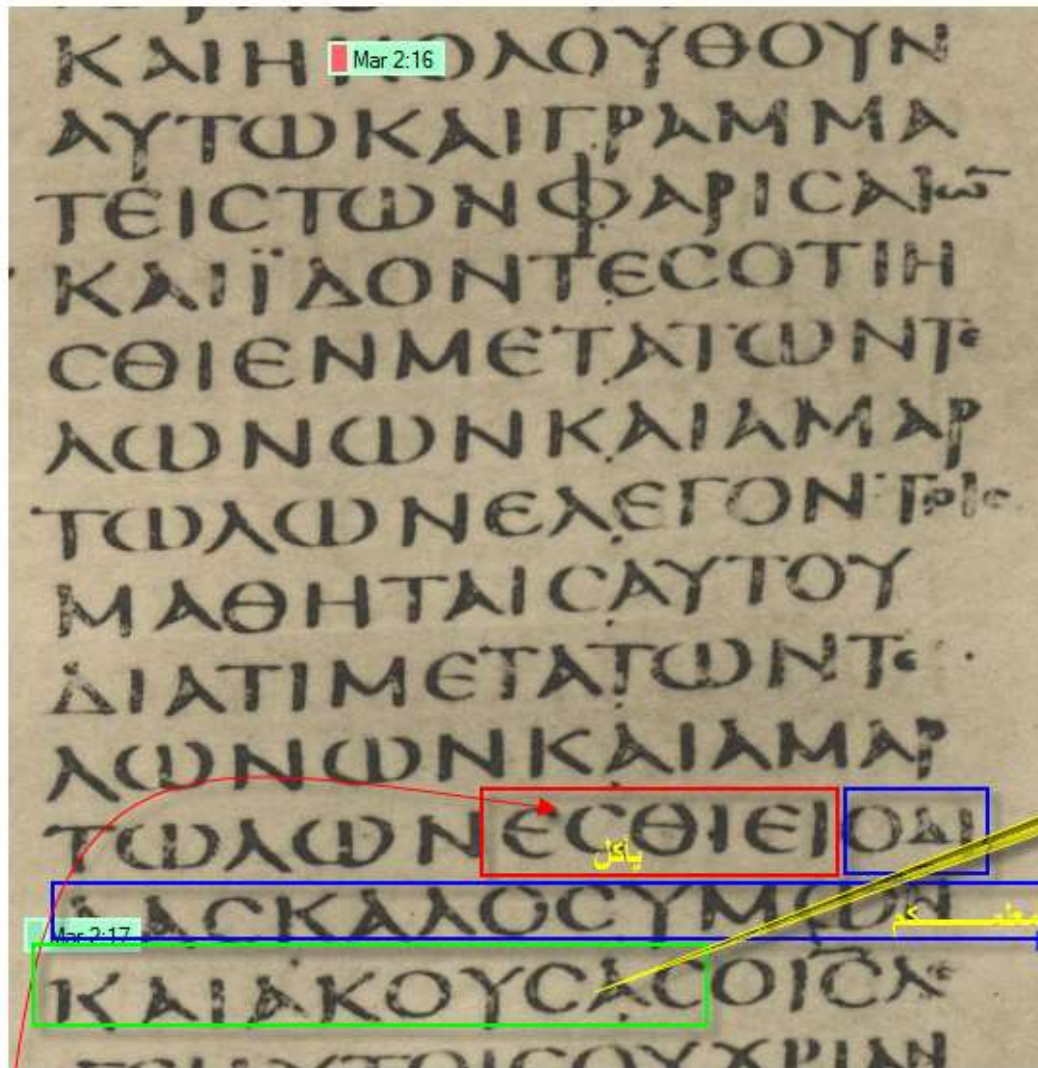
2.1	ΚΑΙ	ΠΑΛΙΝ	ΕΙΣΗΛΘΕΝ	ΕΙΣ	ΚΑΠΕΡΝΑΟΥΜ	ΔΙ	ΗΜΕΡΩΝ	ΚΑΙ	ΗΚΟΥΣΘΗ
	kai	palin	eisElthen	eis	kapernaoum	di	hEmeRon	kai	EkousthE
	AND	AGAIN	he-INTO-CAME	INTO	CAPERNAUM	THRU	DAYS	AND	it-IS-HEARD
			he-entered			during			

ΟΤΙ	ΕΙΣ	ΟΙΚΟΝ	ΕΣΤΙΝ	في بيت
hoti	eis	oikon	estin	
that	INTO	HOME	He-IS	
		house		

2.2	ΚΑΙ	ΕΥΘΕΩΣ	ΣΥΝΗΧΘΗΣΑΝ	ΠΟΛΛΟΙ	ΩΣΤΕ	ΜΗΚΕΤΙ	ΧΩΡΕΙΝ
	kai	eutheOs	sunEchthEсан	polloi	hOste	mEketi	chOrein
	AND	immediately	WERE-TOGETHER-LED	MANY	AS-BESIDES	NO-NOT-STILL	TO-BE-SPACING
			were-gathered		so-that	by-no-means-still	to-be-room

محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة : (ويشرب τίθει) السينائية: اللفظة غير موجودة	٦ وَأَمَّا الْكَتَبَةُ وَالْفَرِيسِيُّونَ فَلَمَّا رَأَوْهُ يَأْكُلُ مَعَ الْعَشَّارِينَ وَالْحَطَّاءِ، قَالُوا لِتَلَامِيذِهِ: "مَا بَالُهُ يَأْكُلُ وَيَشْرَبُ مَعَ الْعَشَّارِينَ وَالْحَطَّاءِ؟	فلما رأى بعض معلمي الشرعية من الفريسيين أنه يأكل مع جباة الضرائب والخطئين، قالوا لتلاميذه: ((معلمكم يأكل مع جباة الضرائب والخطئين!)).	also the scribes of the Pharisees. And seeing that he ate with the publicans and sinners, they said to his disciples: " your teacher eats with sinners and tax collectors"	^{M-01A} Mark 2:16 Και γραμματεῖς των Φαρισαίων και ιδοντες οτι ησθιεν μετα των τελωνων και αμαρτωνων ελεγον τοις μαθηταις αυτου δια τι μετα των τελωνων και αμαρτωνων εσθιει ο διδασκαλος υμων (Mk. 2:16 M-01A)	مرقص 2-16	7
بسبب حرص النساخ على مطابقة القصص المروية في الأناجيل ببعضها قام النساخ بإضافة لفظة (ويشرب) يجعل النص في مرقص يتطابق مع النص الموازي له في لوقا 5-30 والذي تظهر فيه لفظة (تشربون) : (٣٠) فَتَدَمَّرَ كَتَبَتُهُمْ وَالْفَرِيسِيُّونَ عَلَى تَلَامِيذِهِ قَائِلِينَ: "لِمَاذَا تَأْكُلُونَ وَتَشْرَبُونَ مَعَ عَشَّارِينَ وَحَطَّاءٍ؟" (مطابقة الأناجيل ببعضها)					التعليق	



أول كلمة في
العدد ١٧

2:16 ΚΑΙ ΟΙ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΚΑΙ ΟΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΙΔΟΝΤΕΣ ΑΥΤΟΝ
kai hoi grammateis kai hoi pharisaioi idontes auton
AND THE WRITERS AND THE PHARISEES PERCENT

Οὐδὲ ΚΑΛΟΣ ΥΜῶΝ

ΕΣΘΙΟΝΤΑ ΜΕΤΑ ΤΩΝ ΤΕΛΩΝΩΝ ΚΑΙ ΑΜΑΡΤΩΛΩΝ ΕΛΕΓΟΝ ΤΟΙΣ
esthionta meta ton telonon kai hamartolon elegon tois
EATING WITH THE tribute-collectors AND missers said to-THE
sinners

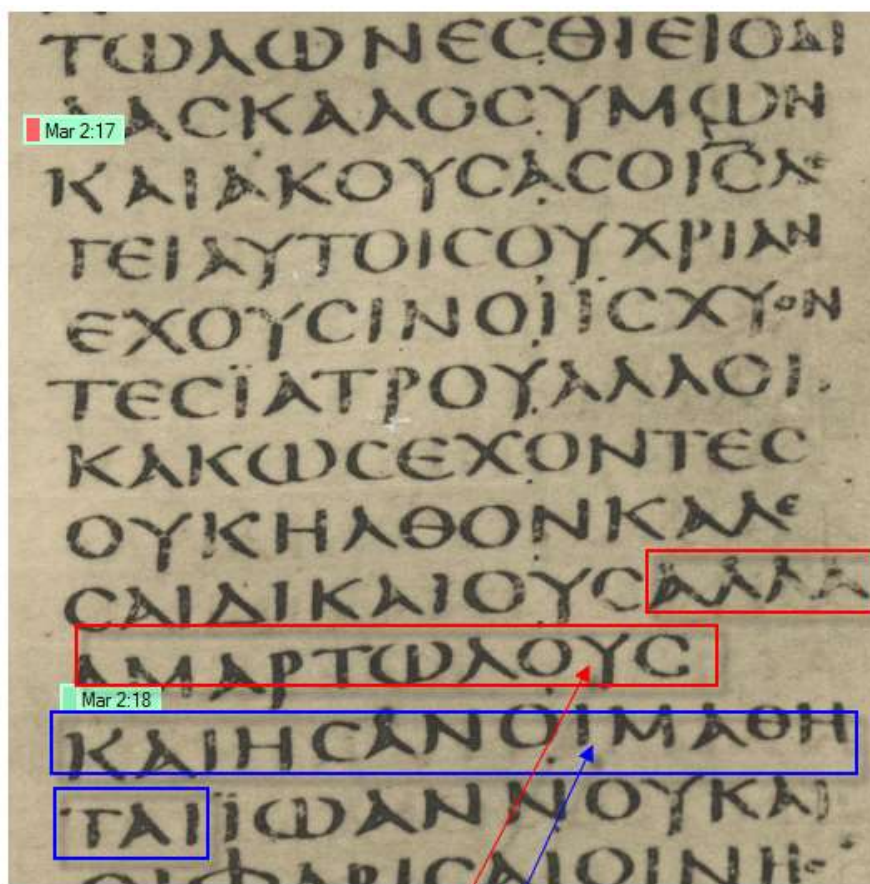
ΜΑΘΗΤΑΙΣ ΑΥΤΟΥ ΤΙ ΟΤΙ ΜΕΤΑ ΤΩΝ ΤΕΛΩΝΩΝ ΚΑΙ ΑΜΑΡΤΩΛΩΝ
mathetais autou ti hoti meta ton telonon kai hamartolon
LEARNERS OF-Him ANY that WITH THE tribute-collectors AND missers
disciples why? sinners

ἐσθίει
esthiei
He-IS-EATING

καὶ πίνει
kai pinei
AND IS-DRINKING

غير موجود
بالمخطوطة

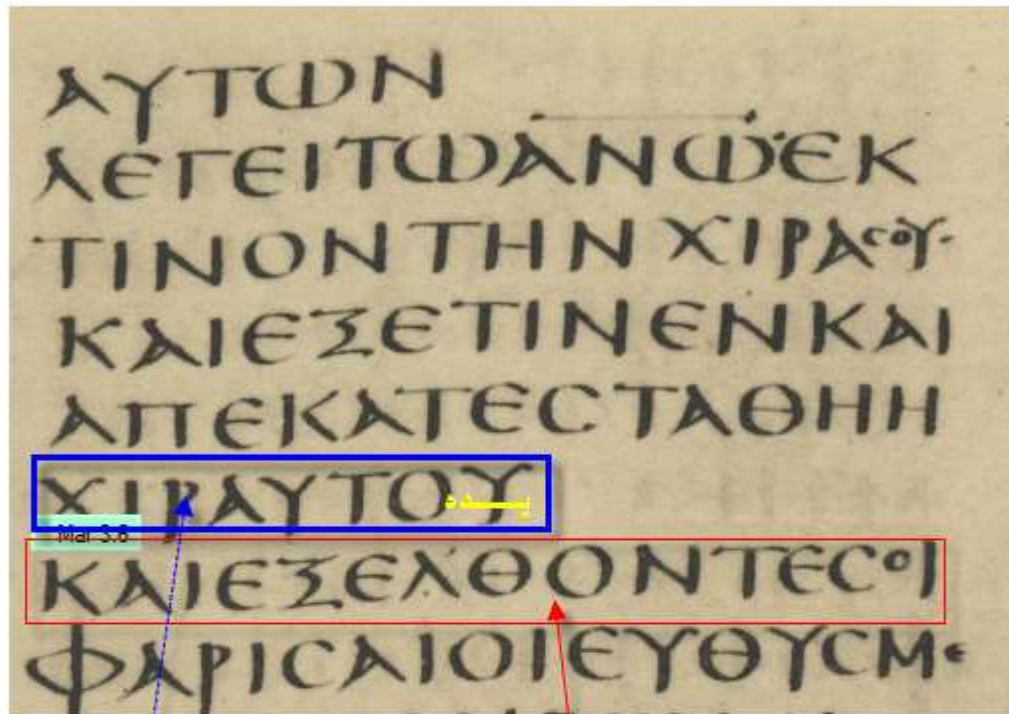
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف: (إلى التوبة εις μετάνοιαν. السينائية: المقطع محذوف	٧ فَلَمَّا سَمِعَ يَسُوعُ قَالَ لَهُمْ: "لَا يَحْتَاجُ الْأَصْحَاءُ إِلَى طَبِيبٍ بَلِ الْمَرْضَى. لَمْ أَتِ لِأَدْعُو أَبْرَارًا بَلِ خَطَاةً إِلَى التَّوْبَةِ".	فسمع يسوع كلامهم، فقال لهم: ((لا يحتاج الأصحاء إلى طبيب، بل المرضى. ما جئت لأدعو الصالحين، بل لأدعو الخاطئين)).	17 And hearing it Jesus says to them: They that are in health have no need of a physician, but they that are sick: I came not to call righteous men, but sinners.	M-01A Mark 2:17 Και ακουσας ο Ιησους λεγει αυτοις Ου χριαν εχουσιν οι ισχυοντες ιατρου αλλ οι κακως εχοντες Ουκ ηλθον καλεσαι δικαιους αλλα αμαρτωλους (Mk. 2:17 M-01A)	مرقس 2-17	8
قام الناسخ بإضافة عبارة (إلى التوبة) لتوضيح إلى أي شئ سيدعو يسوع الخطاة (إضافة من أجل التوضيح)					التعليق	



2:17	ΚΑΙ	ΑΚΟΥΣΑΣ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΛΕΓΕΙ	ΑΥΤΟΙΣ	ΟΥ	ΧΡΕΙΑΝ	ΕΧΟΥΣΙΝ	ΟΙ
	kai	akousas	ho	iEsous	legei	autois	ou	chreian	echousin	hoi
	AND	HEAR.ing	THE	JESUS	IS-say.ING	to-them	NOT	need	ARE-HAVING	THE
	hear.ing-it									
	ΙΣΧΥΟΝΤΕΣ	ΙΑΤΡΟΥ	ΑΛΛ	ΟΙ	ΚΑΚΩΣ	ΕΧΟΝΤΕΣ	ΟΥΚ	ΗΛΘΟΝ		
	ischuontes	iatrou	all	hoi	kaKOs	echontes	ouk	Elthon		
	ones-be.ING-STRONG	OF-HEALer	but	THE-ones	EvILly	HAVING	NOT	I-CAME		
	ones-being-strong	of-physician		the-ones	ness					
	ΚΑΛΕΣΑΙ	ΔΙΚΑΙΟΥΣ	ΑΛΛΑ	ΑΜΑΡΤΩΛΟΥΣ	ΕΙΣ	ΜΕΤΑΝΟΙΑΝ				
	kalesai	dikaious	alla	hamartOlous	eis	metanoian				
	TO-CALL	JUST-ones	but	missers	INTO	after-MIND				
		just-ones		sinners		repentance				
2:18	ΚΑΙ	ΗΨΑΝ	ΟΙ	ΜΑΘΗΤΑΙ	ΙΩΑΝΝΟΥ	ΚΑΙ	ΟΙ	ΤΩΝ	ΦΑΡΙΣΑΙΩΝ	
	kai	Esan	hoi	mathEtai	iOannou	kai	hoi	tOn	pharisaion	
	AND	WERE	THE	LEARNers	OF-JOHN	AND	THE-ones	OF-THE	PHARISEES	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (صحيحة كالأخرى) (ὄγιης ὡς ἡ ἄλλη. السينائية: المقطع غير موجود	هَفَنَظَرَ حَوْلَهُ إِلَيْهِمْ بِغَضَبٍ، حَزِينًا عَلَى غَلَاظَةِ قُلُوبِهِمْ، وَقَالَ لِلرَّجُلِ: "مُدِّ يَدَكَ". فَمَدَّهَا، فَعَادَتْ يَدُهُ صَحِيحَةً كَالْأُخْرَى.	فأجال يسوع نظره فيهم وهو غاضب حزين لقساوة قلوبهم، وقال للرجل: ((مد يدك!)) فمدها فعادت يده.	5 And looking around on them with anger, being grieved at the hardness of their heart, he says to the man: Stretch forth the hand. And he stretched it forth, and his hand was restored	M-01A Mark 3:5 Και περιβλεψαμενος αυτους μετ οργης συνλυπουμενος επι τη παρωσει της καρδι αυτων λεγει τω ΑΝΩ Εκτινον την χιρα σου Και εξετινεν και απεκατεσταθη η χιρ αυτου (Mk. 3:5 M-01A)	مرقص 3-5	9
قام ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية بإضافة عبارة (صحيحة كالأخرى) لإظهار أن يسوع تمكن من شفاء اليد المريضة بشكل كامل (دعم المعجزات)					التعليق	





3:5 ΚΑΙ ΠΕΡΙΒΛΕΨΑΜΕΝΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΜΕΤ' ΟΡΓΗΣ ΣΥΛΛΥΠΟΥΜΕΝΟΣ ΕΠΙ
 kai periblepsamenos autous met orgEs sullupoumenos epi
 AND ABOUT-looking looking-about them WITH INDIGNATION TOGETHER-SORROWING ON
 commiserating

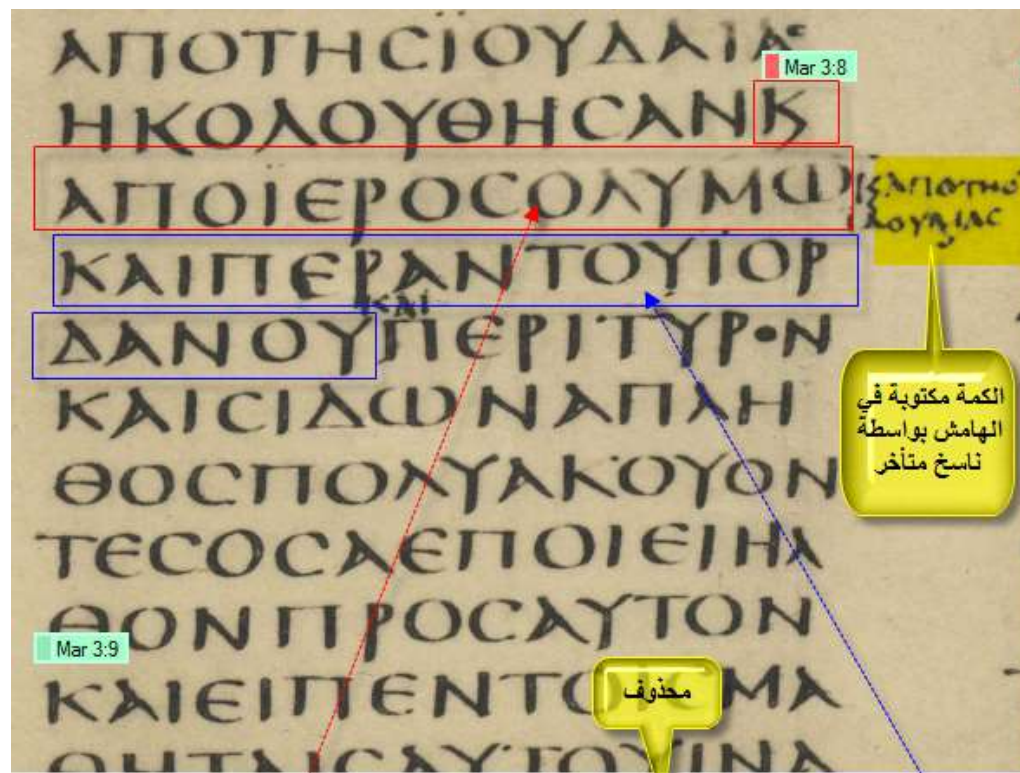
ΤΗ ΠΩΡΩΣΕΙ ΤΗΣ ΚΑΡΔΙΑΣ ΑΥΤΩΝ ΛΕΓΕΙ ΤΩ ΑΝΘΡΩΠΩ
 tE pOrOsei tEs kardias autOn legei to anthrOpO
 THE CALLOUSness OF-THE HEART OF-them He-S-sayING to-THE human

ΕΚΤΕΙΝΟΝ ΤΗΝ ΧΕΙΡΑ COY ΚΑΙ ΕΞΕΤΕΙΝΕΝ ΚΑΙ ΑΠΟΚΑΤΕΣΤΑΘΗ Η
 ekteinon tEn cheira sou kai exeteinen kai apokatestathE hE
 OUT-STRETCH THE HAND OF-YOU AND he-OUT-STRETCHES AND WAS-restorED THE
 stretch-out-you! he-stretches-out

3:5 **بإيد** **صحيحة كالأخرى** **محذوف**
 ΧΕΙΡ ΑΥΤΟΥ ΥΓΙΗΣ ΩΣ Η ΑΛΛΗ
 cheir autou hugies hos hE alla
 HAND OF-him SOUND AS THE other

3:6 **مخرج** ΚΑΙ ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ ΟΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΕΥΘΕΩΣ ΜΕΤΑ ΤΩΝ ΗΡΩΔΙΑΝΩΝ
 kai exelthontes hoi pharisaioi eutheOs meta tOn hErO dianOn
 AND OUT-COMING coming-out THE PHARISEES immediately WITH THE HERODians

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (أومية Ἰδουμαίας السينائية: اللفظة غير موجودة	٧. فَأَنْصَرَفَ يَسُوعُ مَعَ تَلَامِيذِهِ إِلَى الْبَحْرِ، وَتَبِعَهُ جَمْعٌ كَثِيرٌ مِنَ الْجَلِيلِ وَمِنَ الْيَهُودِيَّةِ ^٨ وَمِنَ أُورُشَلِيمَ وَمِنَ أَدُومِيَّةٍ وَمِنَ عَبْرَ الأُرْدُنِّ. وَالَّذِينَ حَوْلَ صُورَ وَصَيْدَاءَ، جَمَعَ كَثِيرٌ، إِذْ سَمِعُوا كَمْ صَنَعَ أَتُوا إِلَيْهِ	ومن أورشليم وعبر الأردن ونواحي صور وصيدا. وهؤلاء سمعوا بأعماله فجاؤوا إليه.	8 And from Jerusalem and from beyond the Jordan and about Tyre and Sidon, a great multitude, hearing what things he did, came to him.	M-01A Mark 3:8 και απο Ιεροσολυμῶν και περαν του Ιορδανου περι Τυρον και Σιδωνα πληθος πολυ ακουοντες οσα εποιει ηλθον προς αυτον (Mk. 3:8 M- 01A)	مرقص 3-8	10
					التعليق	
					أضاف ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية منطقة (أومية) من أجل إظهار كثرة الجموع التي تبعت يسوع , وأنهم من كل مكان بسبب ما سمعوه عن المعجزات (دعم المعجزات)	



3:8	ΚΑΙ ΑΠΟ ΙΕΡΟΣΟΛΥΜΩΝ	ΚΑΙ ΑΠΟ ΤΗΣ ΙΔΟΥΜΑΙΑΣ	ΚΑΙ ΠΕΡΑΝ ΤΟΥ
	kai apo ierosolumOn	kai apo tes idoumaias	kai peran tou
	AND FROM JERUSALEM	AND FROM THE IDUMEA	AND OTHER-SIDE OF-THE
	ΙΟΡΔΑΝΟΥ	ΚΑΙ ΟΙ	ΠΕΡΙ ΤΥΡΟΝ ΚΑΙ ΣΙΔΩΝΑ ΠΛΗΘΟΣ ΠΟΛΥ
	iordanou	kai hoi	peri turon kai sidona plEthos polu
	JORDAN	AND THE-ones	ABOUT TYRE AND SIDON multitude MANY
		the-ones	vast
	ΑΚΟΥΣΑΝΤΕΣ	ΟΣΑ	ΕΠΟΙΕΙ ΗΛΘΟΝ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ
	akousantes	hosa	epoiei Elthon pros auton
	HEARing	as-much-as	He-DID CAME TOWARD Him
	ones-hear ing	how-much	

الكلمة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر

انظر نسخة UBS 5th

οί ... Ἡρωδιανῶν Mt 22:15-16; ^{16:12:19} **قراءة الإضافة بواسطة ناسخ متأخر**

Mark 3:7-8

{C} ἠκολούθησεν· καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας B L 565 slav // ἠκολούθησεν αὐτῷ καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας A (579 Ἰουδαίας a 2nd time for Ἰδουμαίας) (700 892 1010 (1243) Byz^{pt} [G P Σ] l 514 l 950 l 1552* (l 68 l 76 l 673 l 803 l 1223 transpose ἀπὸ τῆς Γαλιλαίας after αὐτῷ) // ἠκολούθησεν αὐτῷ καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας (Θ omit αὐτῷ) f²⁰⁵ (l 552^c) (it^c) (syr⁵) // ἠκολούθησαν αὐτῷ καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας 13 157 180 597 (828 omit καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας ... Ἱεροσολύμων) 1006 1241 1292 1424 (1505 transpose καὶ πέραν τοῦ Ἰορδάνου after Ἰουδαίας) Byz^{pt} [E F H] Lect syr^h (cop^{sa}, bo^{pt}) (eth) // καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας ἠκολούθησαν καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας **N² (N* arm omit καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας)** C (Δ 1071 1342 it^{aur, f, l} vg ἠκολούθησαν αὐτῷ / αὐτόν) // καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων ἠκολούθησαν αὐτῷ καὶ ἀπὸ τῆς Ἰουδαίας καὶ ἀπὸ τῆς Ἰδουμαίας 33 // καὶ τῆς Ἰουδαίας καὶ ἀπὸ Ἱεροσολύμων

قراءة الحذف بواسطة الناسخ الأصلي

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p><u>النسخة العربية:</u></p> <p>أضافت عبارة (شفاء الأمراض) θεραπεύειν τὰς νόσους (<u>السينائية:</u></p> <p>المقطع غير موجود</p>	<p>وَيَكُونُ لَهُمْ سُلْطَانٌ عَلَى شِفَاءِ الْأَمْرَاضِ وَإِخْرَاجِ الشَّيَاطِينِ</p>	<p>ولهم سلطان به يطردون الشياطين.</p>	<p>15 and to have authority to cast out the demons.</p>	<p>^{M-01A} Mark 3:15 καὶ ἔχειν ἐξουσίαν ἐκβαλλεῖν τὰ δαίμονια (Mk. 3:15 M-01A)</p>	<p>مرقص 3-15</p>	<p>11</p>
<p>أضاف النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية عبارة (شفاء الأمراض) من أجل إظهار قدرة يسوع العالية على الشفاء حتى أنه يمنحها لتلاميذه, وكذا قدرة التلاميذ. وهذا يصب في باب (دعم المعجزات) و (دعم ألوهية يسوع)</p>					<p>التعليق</p>	

3:15 ΚΑΙ ΕΧΕΙΝ ΕΞΟΥΣΙΑΝ ΘΕΡΑΠΕΥΕΙΝ ΤΑΣ ΝΟΣΟΥΣ ΚΑΙ
kai echein exousian therapeuein tas nosous kai
AND TO-BE-HAVING authority TO-BE-curlNG THE DISEASES AND

3:16 ΚΑΙ ΕΠΕΘΗΚΕΝ ΤΩ ΣΙΜΩΝΙ ΟΝΟΜΑ ΠΕΤΡΟΝ
kai epethEken tO simOni onoma petron
AND ON-PLACES to-THE SIMON NAME Peter (ROCK)
he-places-on Peter

إخراج
ΕΚΒΑΛΛΕΙΝ
ekballein
TO-BE-OUT-CASTING
to-be-casting-out

سلطان
ΕΞΟΥΣΙΑΝ
exousian
authority

شفاء الأمراض
ΘΕΡΑΠΕΥΕΙΝ ΤΑΣ ΝΟΣΟΥΣ ΚΑΙ
therapeuein tas nosous kai
TO-BE-curlNG THE DISEASES AND

محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: بدون عبارة (وعين الإثنا عشر) السينائية: أضافت مقطع: (وعين الإثنا عشر καὶ ἐποίησεν τοὺς ἰβ)	٦ وَجَعَلَ لِسِمْعَانَ اسْمًا بُطْرُسَ.	وعين الإثنا عشر وهم: سمعان وسماه يسوع بطرس.	16 And he appointed the twelve; and Simon he surnamed Peter.	M-01A Mark 3:16 καὶ ἐποίησεν τοὺς ἰβ καὶ ἐπέθηκεν ὄνομα τῷ Σιμωνι Πετρον (Mk. 3:16 M-01A)	مرقص 3-16	12
لاحظ الناسخ أن مرقص قد ذكر في النص السابق مباشرة (3-14) : ٤ وَأَقَامَ اثْنَيْ عَشَرَ لِيَكُونُوا مَعَهُ، ف رأي أنه لا داعي لتكرار عبارة (وعين الإثنا عشر) بعدها مباشرة . فمن أجل تحسين النص قام بحذف الفقرة لأنه لا داعي لتكرارها (تحسين النص)					التعليق	

المظلل
بالأصفر زائد
عن النص
العربي
"وعين الإثنا
عشر"

Mar 3:15
ΚΑΙ ΕΧΕΙΝ ΕΞΟΥΣΙΑΝ ΘΕΡΑΠΕΥΕΙΝ ΤΑΣ ΝΟΣΟΥΣ ΚΑΙ
ΕΚΒΑΛΛΕΙΝ ΤΑ ΔΑΙΜΟΝΙΑ
ΜΟΝΙΑ ΚΑΙ ΕΠΟΙΗΣΕΝ
ΤΟΥΣ ΙΒ
ΚΑΙ ΕΠΕΘΗΚΕΝ Ο
ΝΟΜΑ Τῷ ΣΙΜΩΝΙ
ΠΕΤΡΟΝ
ΚΑΙ ΑΚΩΒΟΝ
Mar 3:16
Mar 3:17

3:15 ΚΑΙ ΕΧΕΙΝ ΕΞΟΥΣΙΑΝ ΘΕΡΑΠΕΥΕΙΝ ΤΑΣ ΝΟΣΟΥΣ ΚΑΙ
kai echein exousian therapeuein tas nosous kai
AND TO-BE-HAVING authority TO-BE-curing THE DISEASES AND

ΕΚΒΑΛΛΕΙΝ ΤΑ ΔΑΙΜΟΝΙΑ
ekballein ta daimonia
TO-BE-OUT-CASTING THE demons
to-be-casting-out

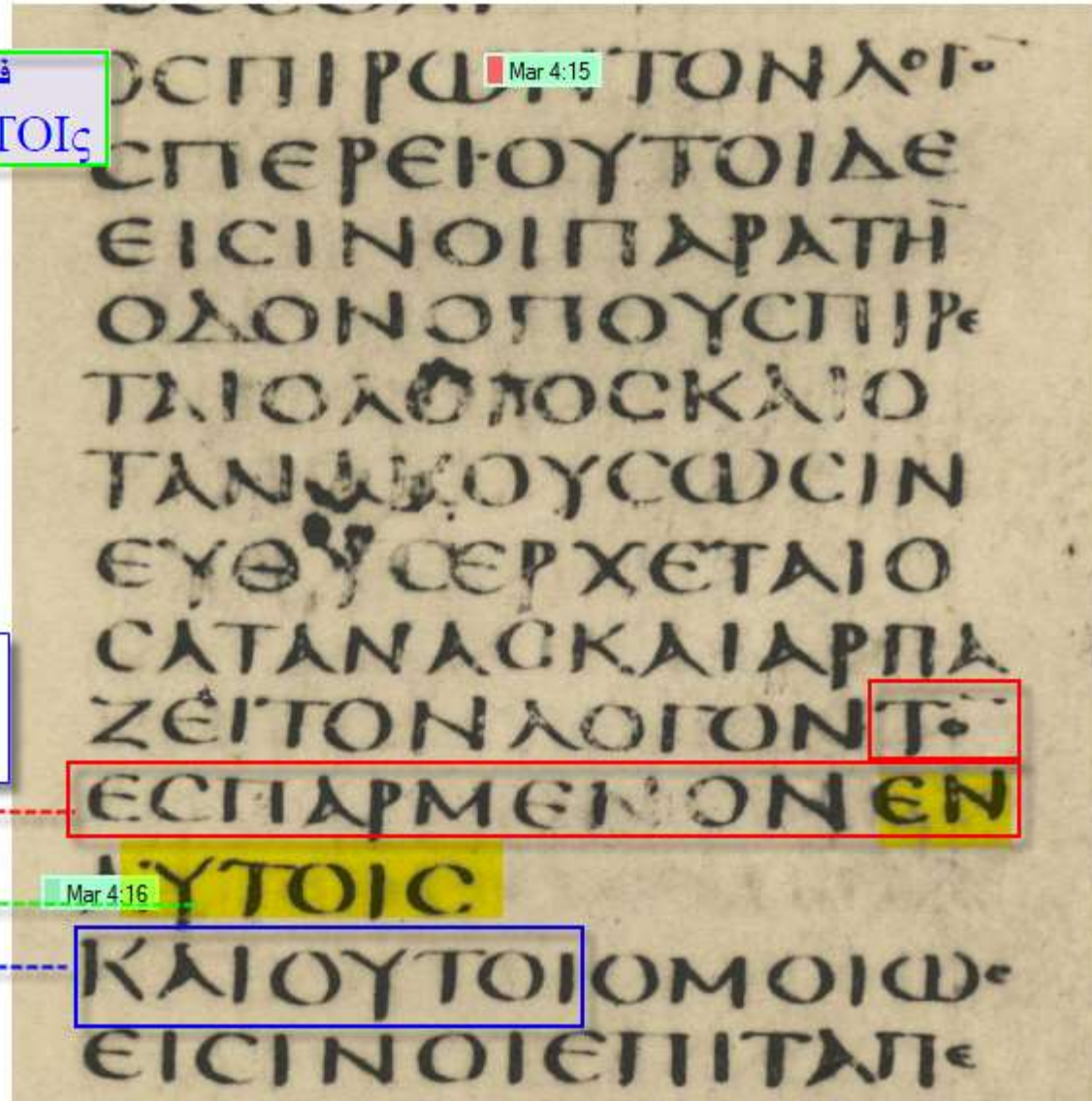
3:16 ΚΑΙ ΕΠΕΘΗΚΕΝ Τῷ ΣΙΜΩΝΙ ΟΝΟΜΑ ΠΕΤΡΟΝ
kai epethEken to simOni onoma petron
AND ON-PLACES to-THE SIMON NAME Peter (ROCK)
he-places-on Peter

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p><u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة (في قلوبهم <i>εν ταῖς</i> <i>καρδίαις αὐτῶν</i>) <u>السينائية:</u> <u>تحذفها</u> وتكتب بدلا منها: (فيهم <i>εν αυτοις</i>)</p>	<p>هـ وَهُؤْلَاءُ هُمْ الَّذِينَ عَلَى الطَّرِيقِ: حَيْثُ تُزْرَعُ الْكَلِمَةُ، وَجَبِينَمَا يَسْمَعُونَ يَأْتِي الشَّيْطَانُ لِلْوَقْتِ وَيَنْزِعُ الْكَلِمَةَ الْمَزْرُوعَةَ فِي قُلُوبِهِمْ.</p>	<p>وهؤلاء هم الذين على الطريق: حيث تزرع الكلمة حينما يسمعون يأتي الشيطان للوقت وينزع الكلمة المزروعة فيهم.</p>	<p>But these are they that are by the way side where the word is sown; and when they hear, Satan immediately comes and takes away the word that is sown in them.</p>	<p>^{M-01A} Mark 4:15 Ουτοι δε εισιν οι παρα τη̄ οδον οπου σπιρεται ο λογος και οταν ακουσωσιν ευθυσ ερχεται ο Σατανας και αρπαζει τον λογον το̄ εσπαρμενον εν αυτοις (Mk. 4:15 M-01A)</p>	مرقص 4-15	13
<p>قام الناسخ بإضافة عبارة (في قلوبهم) من أجل مطابقة النص مع لوقا 8-12 الذي يذكر نفس الموقف ويضيف الكلمة: " ٢١ وَالَّذِينَ عَلَى الطَّرِيقِ هُمْ الَّذِينَ يَسْمَعُونَ، ثُمَّ يَأْتِي إِبْلِيسُ وَيَنْزِعُ الْكَلِمَةَ مِنْ قُلُوبِهِمْ لِئَلَّا يُؤْمِنُوا فَيَخْلُصُوا." (مطابقة الأناجيل بعضها)</p>					التعليق	

فيهم
EN AYTOIC

Mar 4:15

المظلل بالأصفر
محذوف من
المخطوطة



4:15 ΟΥΤΟΙ ΔΕ ΕΙΣΙΝ ΟΙ ΠΑΡΑ ΤΗΝ ΟΔΟΝ ΟΠΟΥ ΣΠΕΙΡΕΤΑΙ Ο
houtoi de eisin hoi para tEn hodon hopou speiretai ho
these YET ARE THE-ones BESIDE THE WAY THE-?-where IS-beNG-SOWN THE
the-ones road where^e

ΛΟΓΟΣ ΚΑΙ ΟΤΑΝ ΑΚΟΥΣΩΣΙΝ ΕΥΘΕΩΣ ΕΡΧΕΤΑΙ Ο
logos kai hotan akousOsin eutheOs erchetai ho
saying AND when-EVER THEY-SHOULD-BE-HEARING immediatly IS-COMING THE
word whenever

ΣΑΤΑΝΑΣ ΚΑΙ ΑΙΡΕΙ ΤΟΝ ΛΟΓΟΝ ΤΟΝ ΕΣΠΑΡΜΕΝΟΝ ΕΝ ΤΑΙΣ
satanas kai airei ton logon ton esparmenon en tais
SATAN (Heb. adversary) AND IS-LIFTING THE saying THE HAVING-been-SOWN IN THE
Satan is-taking-away word

المزروعة في

ΚΑΡΔΙΑΙΣ ΑΥΤΩΝ
kardiais autOn
HEARTS OF-them

قلوبهم

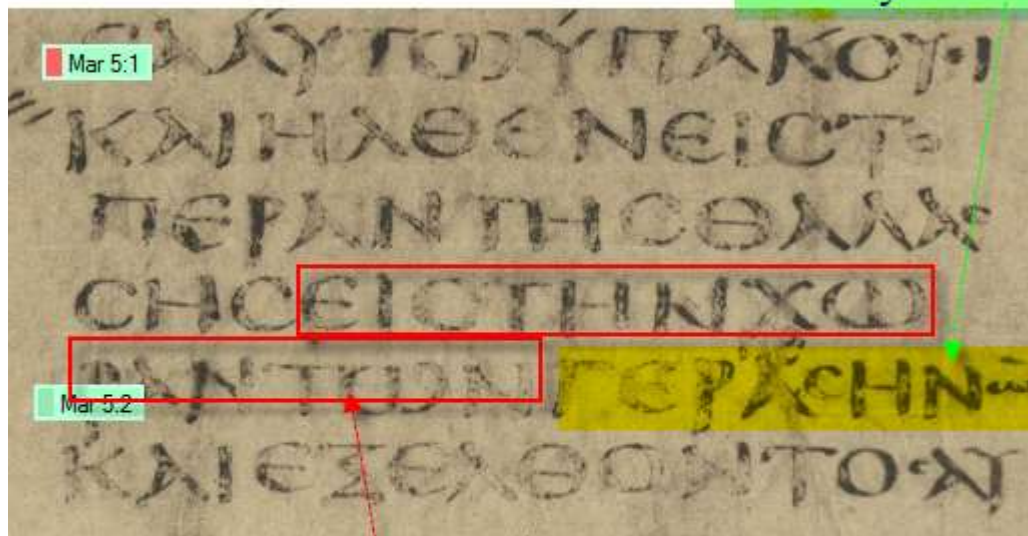
4:16 ΚΑΙ ΟΥΤΟΙ ΕΙΣΙΝ ΟΜΟΙΩΣ ΟΙ ΕΠΙ ΤΑ ΠΕΤΡΩΔΗ
kai houtoi eisin homoiOs hoi epi ta petrOdE
AND these ARE LIKE-AS THE ON THE ROCK-PERCEVEDS
likewise the-ones rocky-places

وهؤلاء

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p><u>النسخة العربية</u> :</p> <p>تكتب:</p> <p>(الجدريين .Γαδαρηῶν.)</p> <p>(<u>السينائية</u> :</p> <p>تكتب بدلا منها:</p> <p>(الجراسيين Γερασῶν.)</p>	<p>وَجَاءُوا إِلَى عِبْرِ الْبَحْرِ إِلَى كُورَةِ الْجَدْرِيِّينَ</p>	<p>وجاءوا إلى عبر البحر إلى كورة الجراسيين</p>	<p>And they came to the other side of the sea to the, country of the Gerasenes.</p>	<p>M-01A Mark 5:1 Καὶ ἦλθον εἰς τὸ περὰν τῆς θαλάσσης εἰς τὴν χωρὰν τῶν Γερασηῶν</p>	مرقص 1-5	14
<p>القصة في مرقص الإصحاح الخامس تخبرنا أن الخنازير سقطت من على الجبل في بحر الجليل, وهذا يلزم أن تكون البلدة التي حدثت فيها المعجزة موجودة مباشرة على شاطئ بحر الجليل , فلاحظ النساخ أن مرقص ذكر اسم بلدة بعيدة جدا عن بحر الجليل (الجراسيين) كما في السينائية , وهذا خطأ جغرافي, فقرروا تغييرها إلي (الجدريين) على اعتبار أنها أقرب لبحر الجليل وعلى اعتبار أن اسم المقاطعة- المحافظة- بالكامل هو (مقاطعة الجدريين) وفقا لبعض الآراء.</p> <p>(علام المشكلات الجغرافية)</p>					<p>التعليق</p>	



الجراسيين
ΓΕΡΑΣΗΝΩ



5:1 ΚΑΙ ΗΛΘΟΝ ΕΙΣ ΤΟ ΠΕΡΑΝ ΤΗΣ
 kai Elthon eis to peran tEs
 AND THEY-CAME INTO THE OTHER-SIDE OF-THE

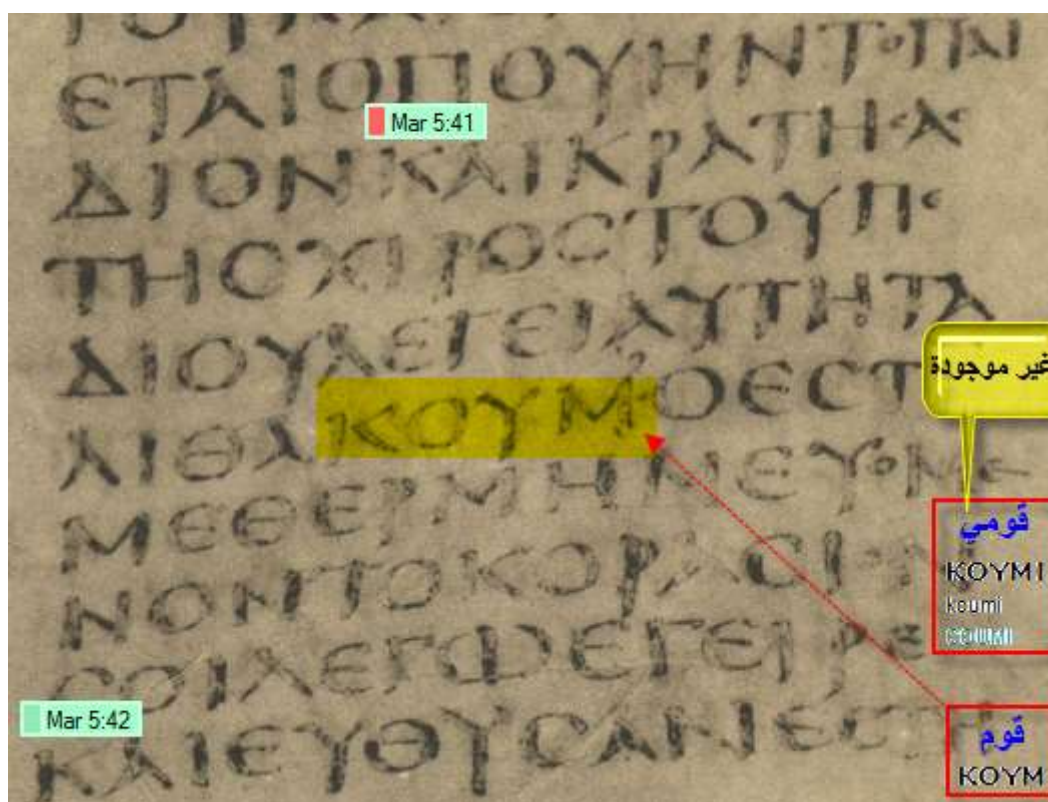
ΕΘΑΛΑΣΣΗΣ ΕΙΣ ΤΗΝ ΧΩΡΑΝ ΤΩΝ ΓΑΔΑΡΗΝΩΝ
 thalassEs eis tEn chOran tOn gadarEnOn
 SEA INTO THE SPACE OF-THE GADARENES
 country

إلى كورة الـ

الجدريين

محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (قومي كوم) السينائية: تكتب بدلا منها: (قوم كوم)	وَأَمْسَكَ بِيَدِ الصَّبِيِّ وَقَالَ لَهَا: «طَلِيثًا، قُومِي!».	وَأَمْسَكَ بِيَدِ الصَّبِيَّةِ وَقَالَ لَهَا: «طَلِيثًا قَوْم.» (الذي تفسيره: يا صبوية لك أقول قومي)	And he took the child by the hand and said to her: Talitha kum, which is translated: Maiden, I say to thee, arise.	M-01A Mark 5:41 Και κρατησας της χιρος του πεδιου λεγει αυτη Ταλιθα κουμ ο εστι μεθερμηνευομενο ν Το κορασιον σοι λεγω εγειρε	مرقص 5-41	15
النص في السينائية استعمل كلمة آرامية مذكرة وهي فعل الأمر (قوم), في حين أن المخاطب هو مؤنث (طليثا) فقام ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية بإضافة حرف يوتا في آخر الكلمة لتحويل اللفظة الآرامية إلي مؤنث (قومي) (تحسين النص)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تكتب: (وكل من αν και) السينائية: تكتب بدلا منها: (وكل مكان αν και) (τοπος	١ اَوَكُلُّ مَنْ لَا يَقْبَلُكُمْ وَلَا يَسْمَعُ لَكُمْ، فَأَخْرُجُوا مِنْ هُنَاكَ وَانْفُضُوا التُّرَابَ الَّذِي تَحْتَ أَرْجُلِكُمْ شَهَادَةً عَلَيْهِمْ.	وكل مكان لا يقبلكم ولا يسمع لكم فاخرجوا من هناك وانفضوا التراب الذي تحت أرجلكم شهادة عليهم.	11 And whatever place shall not have received you nor heard you, when you go out thence, shake off the dust that is under your feet, for a testimony against them.	M-01A Mark 6:11 Και ος αν τοπος μη δεξεται υμας μηδε ακουσωσιν υμων εκπορευομενοι εκειθεν εκτιναξατε τον χουν τον υποκατω των ποδων υμων εις μαρτυριον αυτοις	مرقص 6-11	16
	لاحظ النساخ أن الأماكن لا تسمع , الأشخاص فقط هم من يسمعون , فقرروا تغيير العبارة من (كل مكان لا يسمع) إلي (كل شخص لا يسمع), بحيث تكون أكثر وضوحا. (تحسين النص)			التعليق		

كل مكان
ΚΑΙ ΟΣ ΑΝ ΤΟΠΟΣ

Mar 6:11

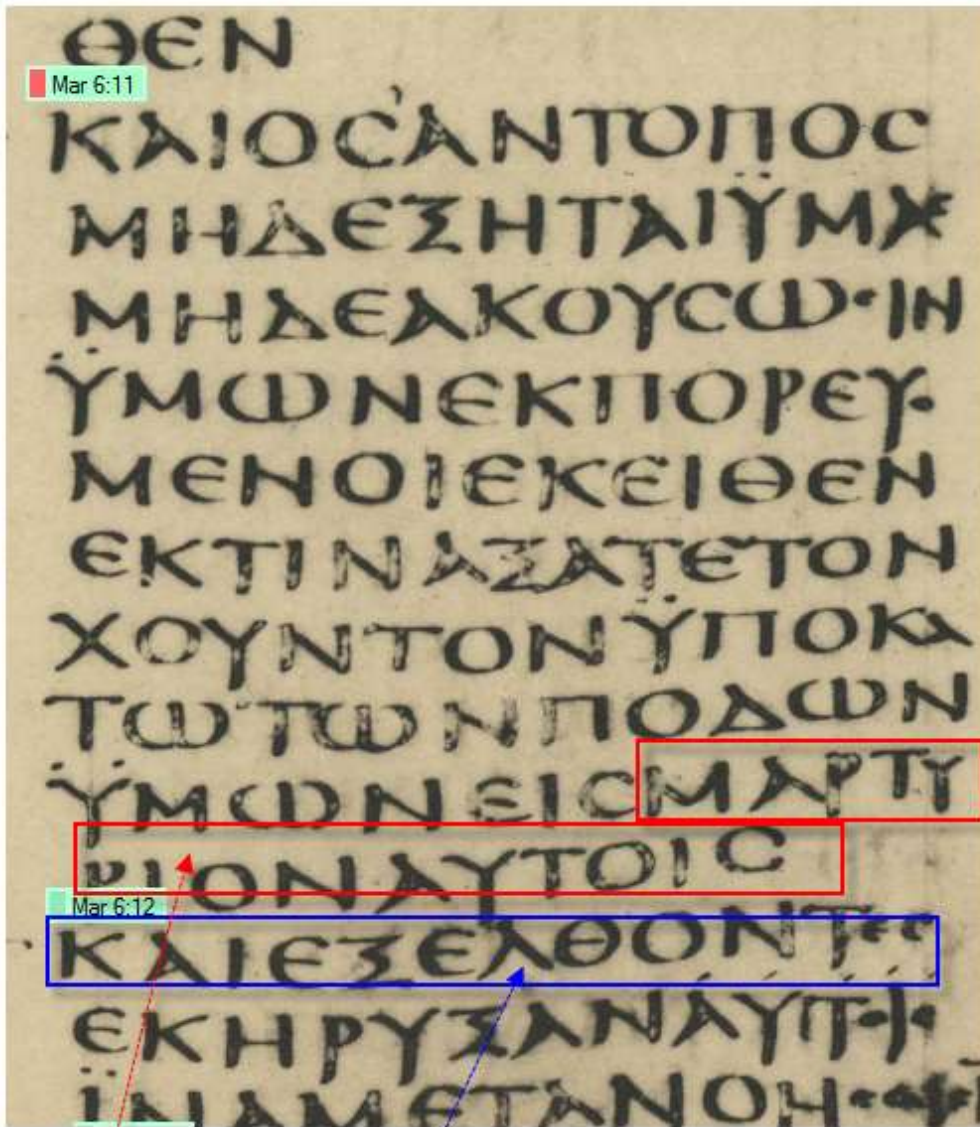
ΘΕΝ
ΚΑΙ ΟΣ ΑΝ ΤΟΠΟΣ
ΜΗ ΔΕΞΗΤΑΙ ΥΜΑ
ΜΗ ΔΕ ΑΚΟΥΣΩ·ΙΝ
ΥΜΩΝ ΕΚΠΟΡΕΥ
ΜΕΝΟΙ ΕΚΕΙΘΕΝ
ΕΚΤΙΝΑΣΑΤΕ ΤΟΝ
ΧΟΥΝΤΟΝ ΥΠΟΚΑ
ΤΩ ΤΩΝ ΠΟΔΩΝ
ΥΜΩΝ ΕΙΣ ΜΑΡΤΥ
ΡΙΟΝ ΑΥΤΟΙΣ
Mar 6:12
ΚΑΙ ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ

غير موجود

كل شخص

6:11 ΚΑΙ ΟΣΟΙ ΑΝ ΜΗ ΔΕΞΩΝΤΑΙ ΥΜΑ
kai hosoi an mE dexOntai humas
AND as-many-as EVER NO SHOULD-BE-RECEIVING YOU(P)
ye

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
17	مرقص 6-11	M-01A Mark 6:11 Και ος αν τοπος μη δεξηται υμας μηδε ακουσωσιν υμων εκπορευομενοι εκειθεν εκτιναξατε τον χουν τον υποκατω των ποδων υμων εις μαρτυριον αυτοις (Mk. 6:11 M-01A)	11 And whatever place shall not have received you nor heard you, when you go out thence, shake off the dust that is under your feet, for a testimony against them.	وكل مكان لا يقبلكم ولا يسمع لكم فاخرجوا من هناك وانفضوا التراب الذي تحت أرجلكم شهادة عليهم.	١ اَوَكُلُّ مَنْ لَا يَقْبَلُكُمْ وَلَا يَسْمَعُ لَكُمْ، فَأَخْرَجُوا مِنْ هُنَاكَ وَأَنْفُضُوا التُّرَابَ الَّذِي تَحْتَ أَرْجُلِكُمْ شَهَادَةً عَلَيْهِمْ. الْحَقُّ أَقُولُ لَكُمْ: سَتَكُونُ لِأَرْضِ سَدُومَ وَعَمُورَةَ يَوْمَ الدِّينِ حَالَةٌ أَكْثَرُ اِحْتِمَالًا مِمَّا لِتِلْكَ الْمَدِينَةِ".	النسخة العربية: تضيف عبارة : (الْحَقُّ أَقُولُ لَكُمْ: سَتَكُونُ لِأَرْضِ سَدُومَ وَعَمُورَةَ يَوْمَ الدِّينِ حَالَةٌ أَكْثَرُ اِحْتِمَالًا مِمَّا لِتِلْكَ الْمَدِينَةِ". ἀμὴν λέγω . ὁμίην, ἀνεκτοτερον ἔσται Σοδόμοις ἢ Γομόρροις ἐν ἡμέρᾳ κρίσεως, ἢ τῇ πόλει ἐκείνῃ) السينائية: المقطع بالكامل غير موجود
أضاف الناسخ هذا المقطع من أجل إظهار عقاب من لا يقبل بشارة المسيح (دعم البشارة) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)						التعليق



Mar 6:11

Mar 6:12

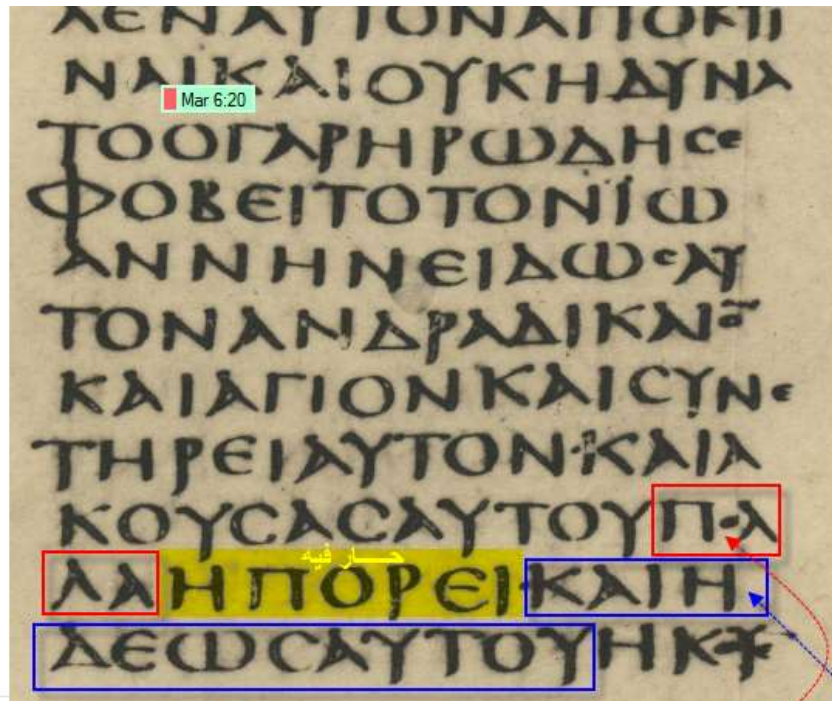
6:11	ΚΑΙ	ΟΣΟΙ	ΑΝ	ΜΗ	ΔΕΞΩΝΤΑΙ	ΥΜΑΣ	ΜΗΔΕ	ΑΚΟΥΣΩΣΙΝ	ΥΜΩΝ	
	kai	hosoi	an	mE	dexOntai	humas	mEde	akousOsin	humOn	
	AND	as-many-as	EVER	NO	SHOULD-BE-RECEIVING	YOU(P)	NO-YET	THEY-SHOULD-BE-HEARING	OF-YOU(P)	
						ye	nor-yet		ye	
	ΕΚΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΙ	ΕΚΕΙΘΕΝ	ΕΚΤΙΝΑΞΑΤΕ	ΤΟΝ	ΧΟΥΝ	ΤΟΝ	ΥΠΟΚΑΤΩ	ΤΩΝ	ΠΟΔΩΝ	ΥΜΩΝ
	ekporeuomenoi	ekeithen	ektinaxate	ton	choun	ton	hupokatO	tOn	podOn	humOn
	OUT-GOING	thence	OUT-QUIVER	THE	SOIL	THE	UNDER-DOWN	OF-THE	FEET	OF-YOU(P)
	going-out		shake-off-ye!				underneath	the		of-ye
	ΕΙΣ	ΜΑΡΤΥΡΙΟΝ	ΑΥΤΟΙΣ	ΑΜΗΝ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ	ΑΝΕΚΤΟΤΕΡΟΝ	ΕΣΤΑΙ	ΣΟΔΟΜΟΙΣ	Η
	eis	marturion	autois	amEn	legO	humin	anektoteron	estai	sodomois	hE
	INTO	witness	to-them	AMEN	I-AM-saying	to-YOU(P)	more-tolerable	it-SHALL-BE	to-SODOM	OR
	testimony			verily		to-ye				
	ΓΟΜΟΡΡΟΙΣ	ΕΝ	ΗΜΕΡΑ	ΚΡΙΣΕΩΣ	Η	ΤΗ	ΠΟΛΕΙ	ΕΚΕΙΝΗ		
	gomorrois	en	hEmera	kriseOs	hE	tE	polei	ekeinE		
	to-GOMORRAH	IN	DAY	OF-JUDging	OR	to-THE	city	that		
										than
6:12	ΚΑΙ	ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ	ΕΚΗΡΥΣΣΟΝ	ΙΝΑ	ΜΕΤΑΝΟΗΣΩΣΙΝ					
	kai	exelthontes	ekErusson	hina	metanoEsOsin					
	AND	OUT-COMING	THEY-PROCLAIMED	THAT	THEY-SHOULD-BE-after-MINDING					
		coming-out	they-heralded		they-should-be-repenting					

شهادة عليهم

فخرجوا

المظلل بالأصفر محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (<i>πολλα ηπορει</i> حار فيه كثيرا) السينائية: المقطع غير موجود	٢٠ لأن هيرودس كان يهابه ويحميه لعلمه أنه رجل بار وقديس، وكان يحفظه. وإذ سمعته، فعل كثيرا، وسمعته بسرور	لأن هيرودس كان يهابه ويحميه لعلمه أنه رجل صالح قديس. وكان يسره أن يستمع إليه، مع أنه حار فيه كثيرا.	20 For Herod feared John, knowing him to be a righteous and holy man, and he kept him in safety, and hearing him he was much perplexed, and heard him with pleasure.	M-01A Mark 6:20 ο γαρ Ηρωδης εφοβειτο τον Ιωαννην ειδως αυτον ανδρα δικαιο και αγιον και συνετηρει αυτον και ακουσας αυτου πολλα ηπορει και ηδεως αυτου ηκουε	مرقص 6-20	18
ربما شعر الناسخ بعدم صلاحية عبارة (مع أنه حار فيه كثيرا) بعدما صرح مرقص في أول النص بأن هيرودس كان عارفا بحال يوحنا معرفة حقيقية، ففي أي شئ حار مع أنه عارف بحاله؟ (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



6:20 Ο ΓΑΡ ΗΡΩΔΗΣ ΕΦΟΒΕΙΤΟ ΤΟΝ ΙΩΑΝΝΗΝ ΕΙΔΩΣ ΑΥΤΟΝ ΑΝΔΡΑ ΔΙΚΑΙΟΝ ΚΑΙ

ho gar hErOdEs ephobeito ton iOannEn eidOs auton andra dikaion kai
THE for HEROD FEARED THE JOHN HAVING-PERCEIVED him MAN JUST AND
being-aware

ΑΓΙΟΝ ΚΑΙ ΣΥΝΕΤΗΡΕΙ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ ΑΚΟΥΣΑΣ ΑΥΤΟΥ ΠΟΛΛΑ ΕΠΟΙΕΙ ΚΑΙ ΗΔΕΩΣ ΑΥΤΟΥ

hagion kai sunetErei auton kai akousas autou polla epoei kai hEdēws autou
HOLY AND TOGETHER-KEPT him AND HEAR.ing OF-him much he-DID AND GRATIFY.ly OF-him
he-preserved

ΗΚΟΥΕΝ

Ekouen
he-HEARD
heard

6:21 ΚΑΙ ΓΕΝΟΜΕΝΗΣ ΗΜΕΡΑΣ ΕΥΚΑΙΡΟΥ ΟΤΕ ΗΡΩΔΗΣ ΤΟΙΣ ΓΕΝΕΣΙΟΙΣ ΑΥΤΟΥ

kai genomenEs hEmeras eukairou hote hErOdEs tois genesiois autou
AND OF-BECOMING DAY WELL-SEASONED when HEROD to-THE birthday-celebrations OF-him

ΚΑΙ ΗΔΕΩΣ ΑΥΤΟΥ ΗΚΟΥΕΝ

and hēdēws autou ēkouēn
AND GRATIFY.ly OF-him HEARD

محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر: (ابنة هيروديا) τῆς θυγατρὸς αὐτῆς τῆς (Ἡρωδιάδος السينائية: تكتب بدلا منها: (ابنته هيرودية θυγατρος αυτου (Ἡρωδιαδος	٢٢ دَخَلَتْ ابْنَةُ هِيرُودِيَّا وَرَقَصَتْ،	فدخلت ابنته هيرودية ورقصت، فأعجبت هيرودس والمدعوين. فقال الملك للفتاة: ((أطلبني ما شئت فأعطيك)).	and the daughter of the same Herodias having come in and danced, she pleased Herod and those that reclined with him at table; and the king said to the maiden: Ask of me whatever thou wilt, and I will give thee.	M-01A Mark 6:22 και ελθουσης της θυγατρος αυτου Ηρωδιαδος και ορχησαμενης ηρεσεν τω Ηρωδη και τοις συνανακειμενοις ο δε βασιλευς ειπε τω κορασιω Αιτησαι με ο εαν θελης και δωσω σοι	مرقص 6-22	19
<p>لاحظ الناسخ وجود تناقض بين هذا النص وبين النص رقم 17, فالنص رقم 17 يعرف هيروديا بأنها: (هيروديا امرأة فيليثس أخيه) وليس ابنة هيرودس, لكن هنا في النص رقم 22 في السينائية يعرفها بأنها ابنة هيرودس, فقرر علاج المشكلة وجعل الراقصة ليست ابنة هيردوس إنما ابنة هيروديا (أم الراقصة اسمها هيروديا), حيث اقحم ذكر أم الراقصة بدون أي مقدمات, وأصبح بذلك لدينا ثلاثة هيرودات: - هيرودس الملك - هيروديا الراقصة - هيروديا أم هيروديا الراقصة كما أنه من المستغرب للغاية أن يعجب الرجل بابنته, وأعجب منه أن يطلب الزواج بها, وأن يكتشف أنه معجب بها أثناء قيامها بالرقص, وأن يعدها بإعطاءها نصف المملكة رغم أنها ابنته, كل هذا يجعل مرقص مخطئا لما وصفها بأنها ابنته, فقام النساخ بعلاج المشكلة</p> <p>(علاج التناقضات) (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>					التعليق	

Mar 6:22

ΚΑΙ ΕΙΣΕΛΘΟΥΣΗΣ ΤΗΣ ΘΥΓΑΤΡΟΥ ΑΥΤΟΥ ΗΡΩΔΙΑΔΟΣ ΚΑΙ ΟΡΧΗΣΑΜΕΝΗΣ ΚΑΙ ΤΟΙΣ ΣΥΝΑΝΑΚΕΙΜΕΝΟΙΣ Ο ΔΕ ΒΑΣΙΛΕΥΣ ΕΙΠΕ ΤΩ ΚΟΡΑΣΙΩ ΑΙΤΗΣΑΙ ΜΕ Ο ΕΑΝ ΘΕΛΗΣ ΚΑΙ ΔΩΣΩ ΣΟΙ

Mar 6:23

غير موجود

ابنة هيروديا

6:22	ΚΑΙ	ΕΙΣΕΛΘΟΥΣΗΣ	ΤΗΣ	ΘΥΓΑΤΡΟΣ	ΑΥΤΗΣ	ΤΗΣ	ΗΡΩΔΙΑΔΟΣ	ΚΑΙ	ΟΡΧΗΣΑΜΕΝΗΣ	ΚΑΙ
	kai	eiselthousēs	tēs	thugatros	autēs	tēs	hErOdiados	kai	orchEsamenēs	ka
	AND	OF-INTO-COMING	OF-THE	DAUGHTER	OF-her	OF-THE	HERODIAS	AND	OF-DANCing	AI

ΤΗΣ ΘΥΓΑΤΡΟΣ ΑΥΤΟΥ ΗΡΩΔΙΑΔΟΣ

ابنة هيروديا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف عبارة : (جدا إلى الغاية) (εθαύμαζον. السينائية: المقطع غير موجود	١ فَصَعِدَ إِلَيْهِمْ إِلَى السَّفِينَةِ فَسَكَنتِ الرِّيحُ، فَبَهَتُوا وَتَعَجَّبُوا فِي أَنْفُسِهِمْ جَدًّا إِلَى الْغَايَةِ	فصعد إليهم إلى السفينة فسكنت الريح فبهتوا وتعجبوا في أنفسهم	And he went up to them into the ship and the wind ceased. And they were greatly astonished in themselves	M-01A Mark 6:51 Και ανεβη προς αυτους εις το πλοιον και εκοπασεν ο ανεμος και λιαν εν εαυτοις εξιστατο	مرقص 6-51	21
قام الناسخ بإضافة عبارة (جدا إلى الغاية) من أجل إظهار شدة تأثير المعجزة على نفوس التلاميذ (دعم المعجزات)					التعليق	

Mar 6:51

ΚΑΙ ΑΝΕΒΗ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΕΙΣ ΤΟ ΠΛΟΙΟΝ ΚΑΙ ΕΚΟΠΑΣΕΝ Ο ΑΝΕΜΟΣ ΚΑΙ ΛΙΑΝ ΕΝ ΕΑΥΤΟΙΣ ΕΞΙΣΤΑΝΤΟ

Mar 6:52

ΤΟΥ ΓΑΡ ΣΥΝΗΚΑΝ

6:51 ΚΑΙ ΑΝΕΒΗ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΕΙΣ ΤΟ
kai anebE pros autous eis to
AND UP-STEPPEd TOWARD them INTO THE
he-stepped-up

ΠΛΟΙΟΝ ΚΑΙ ΕΚΟΠΑΣΕΝ Ο ΑΝΕΜΟΣ ΚΑΙ ΛΙΑΝ
ploion kai ekopasen ho anemos kai lian
FLOATEr AND STRIKES THE WIND AND VERY
ship flags

ΕΚ ΠΕΡΙΣΣΟΥ ΕΝ ΕΑΥΤΟΙΣ ΕΞΙΣΤΑΝΤΟ ΚΑΙ
ek perissou en heautois existanto kai
OUT OF-excessive IN selves THEY-are-OUT-STOOD AND
among themselves they-are-amazed

ΕΘΑΥΜΑΖΟΝ
ethaumazon
MARVELED

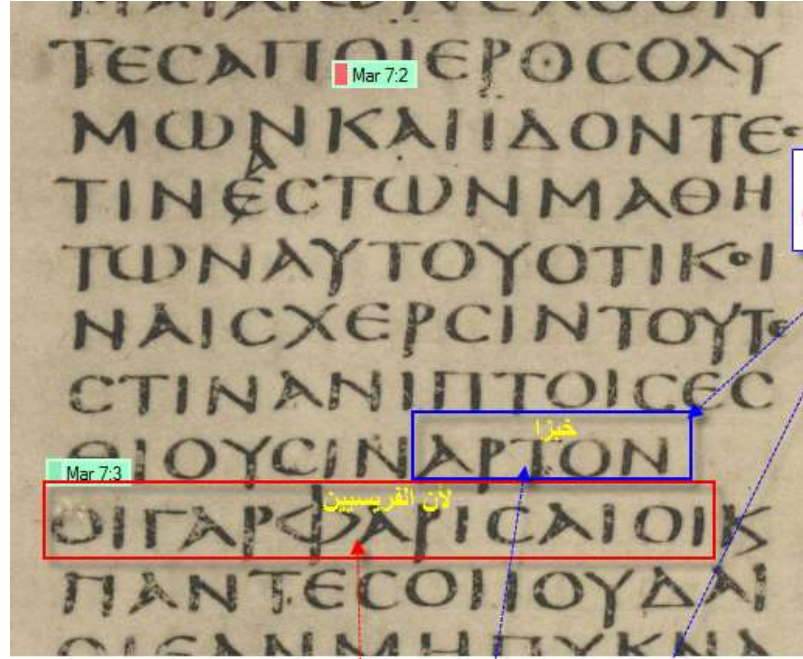
محذوف

لم يفهموا

6:52 ΟΥ ΓΑΡ ΣΥΝΗΚΑΝ ΕΠΙ ΤΟΙΣ ΑΡΤΟΙΣ ΗΝ
ou gar sunEkan epi tois artois En
NOT for THEY-understand ON THE BREADS WAS
bread(P)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
--------------	--	-------------------------------	----------------------------	---------------------------	----------	---

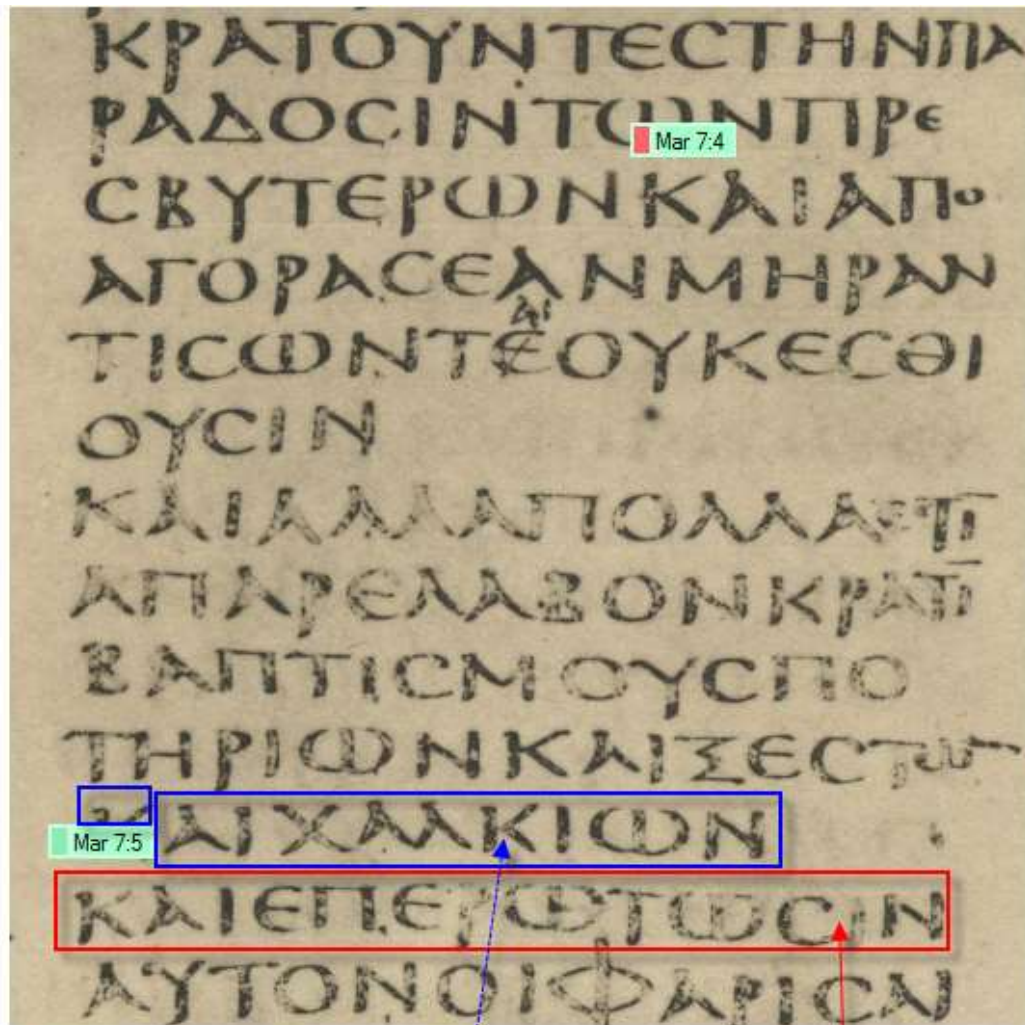
<p>النسخة العربية: تضيف لفظة (لاموا. ἐμέμψαντο.) السينائية: اللفظة محدوفة</p>	<p>٢ وَلَمَّا رَأَوْا بَعْضًا مِنْ تَلَامِيذِهِ يَأْكُلُونَ خُبْزًا بِأَيْدِي دَنَسَةٍ، أَي غَيْرِ مَغْسُولَةٍ، لاموا</p>	<p>ولما رأوا بعضا من تلاميذه يأكلون خبزا بأيدي دنسة أي غير مغسولة</p>	<p>2 And seeing some of his disciples that they ate bread with common, that is, with unwashed hands,</p>	<p>M-01A Mark 7:2 και ιδοντες τινες των μαθητων αυτου οτι κοινας χερσιν τουτ εστιν ανιπτοις εσθιουσιν αρτον</p>	<p>مرقص 2-7</p>	<p>22</p>
<p>الناسخ أضاف للنص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية لفظة (لاموا) لعلاج التوقف المفاجئ للنص عند مرقص . حيث أن النص عند مرقص لا يذكر جواب كلمة (لما) ,, إنما يتوقف بشكل مفاجئ (تحسين النص)</p>						



7:2	ΚΑΙ ΙΔΟΝΤΕΣ	ΤΙΝΑΣ	ΤΩΝ	ΜΑΘΗΤΩΝ
	kai idontes	tinas	tOn	mathEtOn
	AND PERCEIVING	ANY	OF-THE	LEARNers
		some		disciples
<p>ΑΥΤΟΥ ΚΟΙΝΑΙΣ ΧΕΡΣΙΝ ΤΟΥΤ ΕΣΤΙΝ autou koinais chersin tout estin OF-Him to-COMMON HANDS this IS</p>				
<p>ΑΝΙΠΤΟΙΣ ΕΣΘΙΟΝΤΑΣ ΧΙΖΑ ΕΜΕΜΨΑΝΤΟ aniptois esthiontas artous emempsanto to-UNWASHED EATING BREADS THEY-BLAME to-unwashed bread(p)</p>				
7:3	ΟΙ ΓΑΡ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ	ΚΑΙ	ΠΑΝΤΕΣ	ΟΙ
	hoi gar pharisaioi	kai	pantes	hoi
	THE for PHARISEES	AND	ALL	THE

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
--------------	--	-------------------------------	----------------------------	---------------------------	----------	---

<p>النسخة العربية: تضيف لفظة (أسرة) <i>kai</i> (κλινῶν) السينائية: اللفظة محذوفة</p>	<p>٤ وَمِنَ السُّوقِ إِنْ لَمْ يَغْتَسِلُوا لَا يَأْكُلُونَ. وَأَشْيَاءُ أُخْرَى كَثِيرَةً تَسَلَّمُوهَا لِلتَّمَسُّكِ بِهَا، مِنْ غَسَلِ كُؤُسٍ وَأَبَارِيقَ وَأَنْيَّةٍ نُحَاسٍ وَأَسْرَّةٍ.</p>	<p>وإذا عادوا من السوق، لا يأكلون ما لم يغتسلوا. وهناك طقوس أخرى كثيرة تسلموها ليتمسكوا بها، كغسل الكؤوس والأباريق وأوعية النحاس.</p>	<p>4 And when they come from market, unless they immerse themselves, they eat not; and there are many other things that they received to hold, the immersion of cups and pitchers and brazen vessels</p>	<p>M-01A Mark 7:4 και απο αγορας εαν μη ραντισωντε ουκ εσθιουσιν και αλλα πολλα εστι α παρελαβον κρατι βαπτισμους ποτηριων και ξεστο̄ και χαλκιων</p>	<p>مرقص 4-7</p>	<p>23</p>
<p>أضاف الناسخ لفظة (أسرة) من أجل إظهار تشدد الشريعة وهو الهدف الاسمي لبولس من أجل إلغائها (تشوبه صورة الشريعة = دعم فلسفة بولس)</p>					<p>التعليق</p>	



7:4	ΚΑΙ	ΑΠΟ	ΑΓΟΡΑΣ	ΕΑΝ	ΜΗ	
	kai	apo	agoras	ean	me	
	AND	FROM	BUY-place market	IF-EVER	NO	
	ΒΑΠΤΙΣΩΝΤΑΙ	ΟΥΚ	ΕΣΘΙΟΥΣΙΝ	ΚΑΙ		
	baptisontai	ouk	esthiousin	kai		
	THEY-SHOULD-BE-being-BAPTIZED	NOT	THEY-ARE-EATING	AND		
	they-should-be-being-baptized					
	ΑΛΛΑ	ΠΟΛΛΑ	ΕΣΤΙΝ	Α	ΠΑΡΕΛΑΒΟΝ	
	alla	polla	estin	ha	parelabon	
	others	MANY	it-IS	WHICH	THEY-BESIDE-GOT	
	other-things		there-is		they-accepted	
	ΚΡΑΤΕΙΝ	ΒΑΠΤΙΣΜΟΥΣ	ΠΟΤΗΡΙΩΝ	ΚΑΙ		
	kratein	baptismous	poteriōn	kai		
	TO-BE-HOLDING	DIPPINGS	OF-DRINK-cups	AND		
		baptisms	of-cups			
	ΖΕΣΤΩΝ	ΚΑΙ	ΧΑΛΚΙΩΝ	ΚΑΙ	ΚΛΙΝΩΝ	
	xestōn	kai	chalkiōn	kai	klinōn	
	OF-EWERS	AND	OF-COPPERS	AND	OF-couches	
	ewers		copper-vessels			
7:5	ΕΠΕΙΤΑ	ΕΠΕΡΩΤΩΣΙΝ	ΑΥΤΟΝ	ΟΙ		
	epeta	eperōtōsin	auton	hoi		
	ON-THEREAFTER	ARE-inquirING-of	Him	THE		
	thereupon					

المظلل بالأصفر
محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تستعمل لفظة: (غير مغسولة؟) (ἀνίπτοις) السينائية: تستعمل بدلا منها: (نجسة؟ κοιναις)</p>	<p>هَنَّم سَأَلَهُ الْفَرِيسِيُّونَ وَالْكَتَبَةُ: "لِمَاذَا لَا يَسْلُكُ تَلَامِيذُكَ حَسَبَ تَقْلِيدِ الشُّيُوخِ، بَلْ يَأْكُلُونَ خُبْزًا بِأَيْدٍ غَيْرِ مَغْسُولَةٍ؟"</p>	<p>فسأله الفريسيون ومعلمو الشريعة: (لماذا لا يراعي تلاميذك تقاليد القدماء، بل يتناولون الطعام بأيدي نجسة؟))</p>	<p>5 And the Pharisees and the scribes asked him: Why walk not thy disciples according to the tradition of the elders, but eat bread with common hands?</p>	<p>M-01A Mark 7:5 και επερωτωσιν αυτον οι Φαρισαιοι και οι γραμματις Δια τι ου περιπατουσιν οι μαθηται σου κατα την παραδοσι των πρεσβυτερω αλλα κοιναις χερσι εσθιουσιν τον αρτο</p>	مرقص 5-7	24
<p>استعمل ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية لفظة (غير مغسولة) بدلا من (نجسة) لسببين , الأول استعمال لفظة مألوفة بالنسبة لأسماع الناطقين باليونانية بدل لفظة (نجسة) الغير مألوفة , والثاني هو مطابقة النص مع نظيره في إنجيل متى 2-15 (تحسين النص) (مطابقة الأناجيل مع بعضها)</p>					التعليق	



نجسة

KOINAIς

يوجد تعديلات على الكلمة
تمت بواسطة ناسخ متأخر

Mar 7:5

Mar 7:6

7:5	ΕΠΕΙΤΑ	ΕΠΕΡΩΤΩΣΙΝ	ΑΥΤΟΝ	ΟΙ	
	epeita	eperOtOsin	auton	hoi	
	ON-THEREAFTER	ARE-inquirING-of	Him	THE	
	thereupon				
	ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ	ΚΑΙ	ΟΙ	ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ	ΔΙΑ
	pharisaioi	kai	hoi	grammateis	dia
	PHARISEES	AND	THE	WRITers	THRU
				scribes	because-of
	τι				
	ti				what ?
	ΟΙ	ΜΑΘΗΤΑΙ	ΣΟΥ	ΟΥ	ΠΕΡΙΠΑΤΟΥΣΙΝ
	hoi	mathEtai	hou	peripatousin	kata
	THE	LEARNer	YOU	NOT	ARE-ABOUT-TREADING
	disciples	disciples		are-walking	according-to
	ΤΗΝ	ΠΑΡΑΔΟΣΙΝ	ΤΩΝ	ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΩΝ	ΑΛΛΑ
	tEn	paradousin	tOn	presbuterOn	ala
	THE	tradition	OF-THE	SENIORS	but
				elders	
	ΑΝΙΠΤΟΙΣ	ΧΕΡΣΙΝ	ΕΣΘΙΟΥΣΙΝ	ΤΟΝ	ΑΡΤΟΝ
	aniptois	chersin	esthiousin	ton	arton
	to-UN-WASHED	HANDS	THEY-ARE-EATING	THE	BREAD
	to-unwashed		are-eating		

محذوف

بل

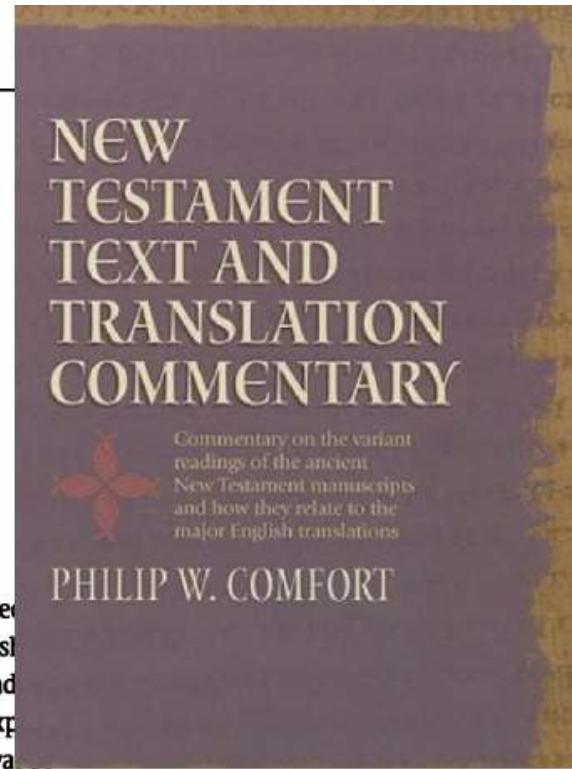
غير مغسولة

أيدي

Mark 7:5

WH NU	<p>κοιναῖς χερσίν "impure hands"</p> <p>Ⲛ* B (D W) Θ f¹ 33 cop RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB (NLT) HCSB</p>	<p>قراءة (غير نجسة) تمت بواسطة الناسخ الأصلي للمسيانية</p>
variant 1/TR	<p>αυπητοις χερσιν "unwashed hands"</p> <p>Ⲛ² A L Maj syi KJV NKJV HCSBmg NET</p>	<p>قراءة (غير مغسولة) تمت بواسطة ناسخ متأخر للمسيانية</p>
variant 2	<p>κοιναις χερσιν και αυπητοις "impure hands, that is, unwashed"</p> <p>ϣ⁴⁵ none</p>	

The first variant is the result of harmonization to a parallel passage, Matt 15:2. The second variant in ϣ⁴⁵ probably does not reflect direct or conscious harmonization; rather, it shows the scribe's desire to help his readers understand Jewish tradition. Thus, he keeps the traditional terminology (κοιναις χερσιν—"common [or, impure] hands") with an added explanatory phrase (και αυπητοις—"that is, unwashed"). This change shows that the scribe of ϣ⁴⁵ was probably influenced by the usual textual construction in Mark, wherein the gospel writer pres-



م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
25	مرقص 7-8	M-01A Mark 7:8 Αφεντες την εντολην του ΘΥ κρατειτε την παραδοσι των ΑΝΩΝ (Mk. 7:8 M-01A)	8 Leaving the commandment of God you hold the tradition of men.	أنتم تهملون وصية الله وتتمسكون بتقاليد البشر	٨ لِأَنَّكُمْ تَرَكْتُمْ وَصِيَّةَ اللَّهِ وَتَتَمَسَّكُونَ بِتَقْلِيدِ النَّاسِ: غَسَلِ الْبَارِيْقِ وَالْكُؤُوسِ، وَأُمُورًا أُخَرَ كَثِيرَةً مِثْلَ هَذِهِ تَفْعَلُونَ.	وجه الاختلاف <u>النسخة العربية:</u> تضيف هذا المقطع: غَسَلِ الْبَارِيْقِ وَالْكُؤُوسِ، وَأُمُورًا أُخَرَ كَثِيرَةً مِثْلَ هَذِهِ تَفْعَلُونَ." βαπτισμούς ξεστῶν και ποτηρίων· και άλλα παρόμοια τοιαῦτα πολλά ποιείτε. <u>السينائية:</u> المقطع غير موجود
سبب الإضافة هو الرغبة في تشويه صورة الشريعة بوصفها بأنها تقاليد بشرية، وإدراج نماذج لهذه التشريعات وفتح الباب أمام دخول بنود تشريعية كثيرة تحت نير هذا الذم , يظهر هذا من عبارة (وأمورا أخر كثيرة) (تشويه صورة الشريعة = دعم فلسفة بولس) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)						التعليق



ΤΕΤΗΝ ΠΑΡΑΔΟΣΙ
 ΤΩΝ ἄντων ^{الناس}

العدد ٩-٧ ثم قال **ΚΑΙ ΕΛΕΓΕΝ ΑΥΤΟΙΣ**
ΚΑΛΩΣ ΘΕΤΕΙΤΕ
ΕΝΤΟΛΗΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ

Mar 7:8
 ΜΕΤΑΒΑΔΟΝΤΕΣ
 ΔΙΑ ΔΟΚΑΛΙΑΣ ΕΝΤΩ
 ΤΩΝ ἄντων
 ΑΦΕΝΤΕΣ ΤΗΝ ΕΝΤΟΛΗΝ
 ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΚΡΑΤΕΙΤΕ

7:8 ΑΦΕΝΤΕΣ ΓΑΡ ΤΗΝ ΕΝΤΟΛΗΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ
 aphen-tes gar tEn entolEn tou theou
 FROM-LETTING for THE direction OF-THE God
 leaving precept

ΚΡΑΤΕΙΤΕ ΤΗΝ ΠΑΡΑΔΟΣΙΝ ΤΩΝ ἄντων
 krateite tEn paradosin tOn anthrOpOn
 YE-ARE-HOLDING THE tradition OF-THE humans

ΒΑΠΤΙΣΜΟΥΣ ΞΕΣΤΩΝ ΚΑΙ ΠΟΤΗΡΙΩΝ ΚΑΙ
 baptismous xestOn kai potEriOn kai
 DIPPings OF-EWERS AND OF-DRINK-cups AND
 baptisms cups

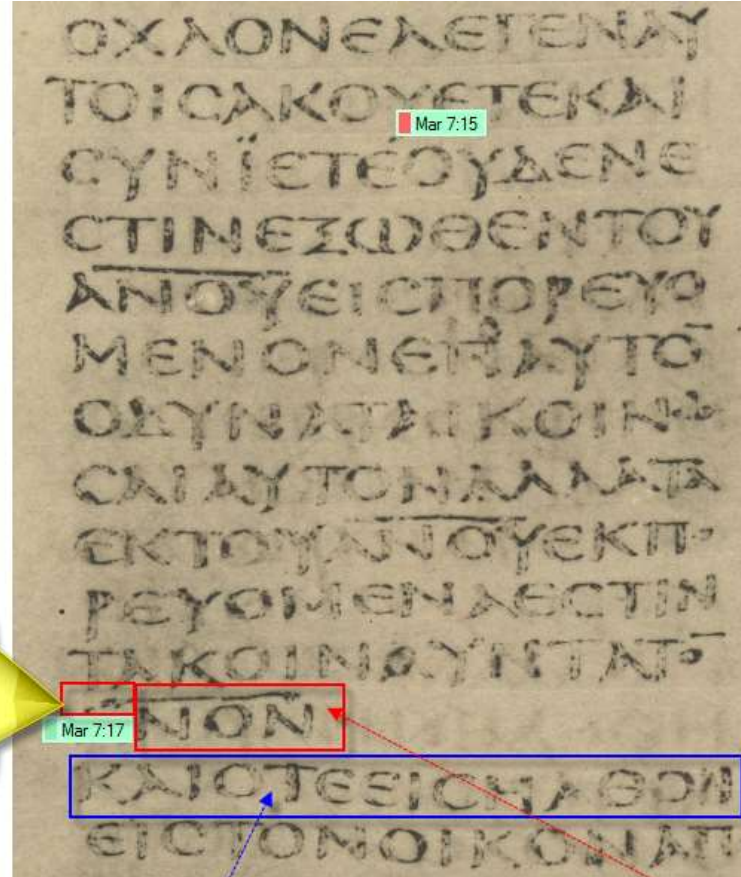
ἌΛΛΑ ΠΑΡΟΜΟΙΑ ΤΟΙΑΥΤΑ ΠΟΛΛΑ ΠΟΙΕΙΤΕ
 alla paromoia toiauta polla poieite
 others BESIDE-LIKE such much YE-ARE-DOING
 other^s like-things

7:9 **ΚΑΙ ΕΛΕΓΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΚΑΛΩΣ ΘΕΤΕΙΤΕ**
 kai elegen autois kalOs atheteite
 AND He said to them IDEALLY YE ARE UNBIASING

الممثل بالأصفر محذوف

كلمة (الناس) في المخطوطة مكتوبة بصيغة الاختصار المقدس : ἄντων

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي محذوف	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص كاملاً السينائية: النص بالكامل غير موجود	١٦ إِنَّ كَانَ لِأَحَدٍ أُذُنَانِ لِلسَّمْعِ، فَلْيَسْمَعْ.	محذوف	16 [no verse]	16 [no verse]	مرقص 7-16	26
إضافة النص هدفها التأكيد على ضرورة ترك تعاليم الشريعة التي سبق الإشارة إليها في النصوص السابقة (تشويه صورة الشريعة = دعم فلسفة بولس) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



كلمة الإنسان مكتوبة بالاختصار المقدس ANON

7:15	ΟΥΔΕΝ	ΕΣΤΙΝ	ΕΞΩΘΕΝ	ΤΟΥ	ΑΝΘΡΩΠΟΥ	ΕΙΣΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΝ	ΕΙΣ	ΑΥΤΟΝ	Ο	ΔΥΝΑΤΑΙ	ΑΥΤΟΝ		
	ouden	estin	exOthen	tou	anthrOpou	eisporeuomenon	eis	auton	ho	dunatai	auton		
	NOT-YET-ONE	IS	OUT-PLACE	OF-THE	human	INTO-GOING	INTO	him	WHICH	IS-ABLE	him		
	nothing	there-is	outside			going-into				can			
	ΚΟΙΝΩΣΑΙ	ΑΛΛΑ	ΤΑ	ΕΚΠΟΡΕΥΟΜΕΝΑ	ΑΠ	ΑΥΤΟΥ	ΕΚΕΙΝΑ	ΕΣΤΙΝ	ΤΑ	ΚΟΙΝΟΥΝΤΑ	ΤΟΝ	ΑΝΘΡΩΠΟΝ	
	koinOesai	alla	ta	ekporeuomena	ap	autou	ekeina	estin	ta	koinounta	ton	anthrOpon	
	TO-COMMON	but	THE	OUT-GOINGS	FROM	him	those	IS	THE	COMMONING	THE	human	
	to-contaminate		the-things	going-out					the(p)	contaminating			
7:16	ΕΙ	ΤΙΣ	ΕΧΕΙ	ΩΤΑ	ΑΚΟΥΕΙΝ	ΑΚΟΥΕΤΩ	<p>إِنَّ كَانَ لِأَحَدٍ أُذُنَانِ لِلسَّمْعِ، فَلْيَسْمَعْ</p>						
	ei	tis	echei	Ota	akouein	akouetO							
	IF	ANY	IS-HAVING	EARS	TO-BE-HEARING	LET-him-BE-HEARING							
		anyone				let-him-be-hearing!							
7:17	ΚΑΙ	ΟΤΕ	ΕΙΣΧΛΑΘΕΝ	ΕΙΣ	ΟΙΚΟΝ	ΑΠΟ	ΤΟΥ	ΟΧΛΟΥ	ΕΠΗΡΩΤΩΝ	ΑΥΤΟΝ	ΟΙ	ΜΑΘΗΤΑΙ	ΑΥΤΟΥ
	kai	hote	eisElthen	eis	oikon	apo	tou	ochlou	epErOtOn	auton	hoi	mathEtai	autou
	AND	when	He-INTO-CAME	INTO	HOME	FROM	THE	THRONG	inquirED-of	Him	THE	LEARNers	OF-Him
			he-entered		house						disciples		

المظلل بالأصفر محذوف

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: " وللوقت εὐθέως " السينائية: اللفظة غير موجودة	٣٥ وللوقت انفتحت أذناه، وأنحلّ رباطُ لسانه، وتكلم مُستقيماً.	فانفتحت أذنا الرجل وانحلت عقدة لسانه، فتكلم بطلاقة.	35 And his ears were opened, and the string of his tongue was loosed, and he spoke plainly.	M-01A Mark 7:35 Και ηνυγησαν αυτου αι ακοαι και ευθως ελυθη ο δεσμος της γλωσσης αυτου και ελαλει ορθως	مرقص 7-35	27
أضاف النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية لفظة (وللوقت) من أجل إظهار سرعة نتيجة المعجزة.					التعليق	
					(دعم المعجزات)	

انفتح
HNHYTHCAN

Mar 7:35

Mar 7:36

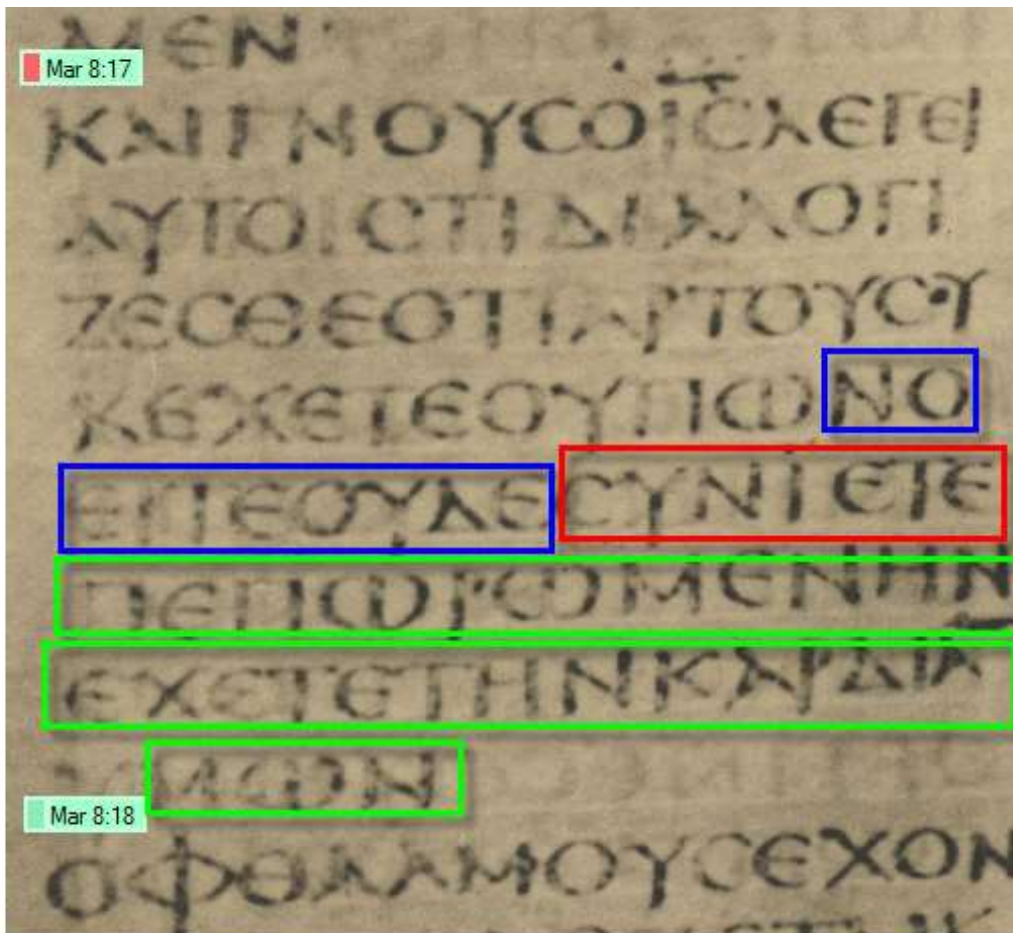
محذوف

و للوقت انفتحت بالكامل

7:35	كاي	εὐθέως	ΔΙΗΝΟΙΧΘΗCΑΝ	ΑΥΤΟΥ	ΑΙ	ΑΚΟΑΙ	ΚΑΙ	ΕΛΥΘΗ
	kai	eutheOs	diEnoichthEсан	autou	hai	akoai	kai	eluthE
	AND	immediately	WERE-THRU-UP-OPENED	OF-him	THE	HEARings	AND	WAS-LOUSED
			were-opened-up			hearing(p)		

Ο	ΔΕCΜΟC	ΤΗC	ΓΛΩCCHC	ΑΥΤΟΥ	ΚΑΙ	ΕΛΑΛΕΙ	ΟΡΘΩC
ho	desmos	tEs	glOssEs	autou	kai	elalei	orthOs
THE	BOND	OF-THE	TONGUE	OF-him	AND	he-TALKED	ERECTly
						he-spoke	correctly

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
28	مرقص 8-17	^{M-01A} Mark 8:17 Και γινους ο Ἰῶ- λεγει αυτοις Τι διαλογιζεσθε οτι αρτους ουκ εχετε Ουπω νοειτε ουδε συνιετε πεπωρωμενην εχετε την καρδια- υμων	17 And perceiving it he said to them: Why reason because you have no bread? Do you not yet perceive, neither understand? Have you your heart yet hardened?	فعرّف يسوع وقال لهم: (لماذا تفكرون أنني قلت هذا لأن لا خبز معكم؟ أما أدركتم بعد وفهمتكم؟ أعميت قلوبكم ؟	١٧ فَعَلِمَ يَسُوعُ وَقَالَ لَهُمْ: "لِمَاذَا تَفَكَّرُونَ أَنْ لَيْسَ عِنْدَكُمْ خُبْزٌ؟ أَلَا تَشْعُرُونَ بَعْدُ وَلَا تَفْهَمُونَ؟ أَحْتَى الآن قُلُوبُكُمْ غَلِيظَةٌ؟	النسخة العربية: تكتب عبارة: أَحْتَى الآن قُلُوبُكُمْ غَلِيظَةٌ؟ السينائية: تكتب بدلا منها: أعميت قلوبكم؟
		<p>العبارة كما هي في النسخة العربية فيها توبيخ واضح للتلاميذ حيث تشير بوضوح إلى غلاظة قلوبهم واستمرارها , بخلاف النص في السينائية الذي لا يثبت على لسان المسيح وجود غلظة قديمة قبل هذا الحدث في قلوبهم, بل ولا يثبت تحقق الغلظة في هذا الحدث إنما يسوقها على سبيل الاستفهام الاستنكاري , فالنص السينائي أخف بكثير في توبيخ التلاميذ من نظيره في النسخة العربية , وهذا يوحي باحتمالية أن يقع خلف النص الذي اعتمدت عليه النسخة العربية أتباع ماركيون الذين كانوا يعتقدون بعدم إيمان التلاميذ ويرفضون كتاباتهم (دخول تحريفات المرابطة للنص)</p>				التعليق



8:17 ΚΑΙ ΓΝΟΥΣ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΟΙΣ ΤΙ ΔΙΑΛΟΓΙΖΕΘΕ
 kai gnous ho IEsous legei autois ti dialogizesthe
 AND KNOWING THE JESUS IS-sayING to-them ANY YE-ARE-THRU-accountING
 knowing-it why? ye-are-reasoning

ΟΤΙ ΑΡΤΟΥΣ ΟΥΚ ΕΧΕΤΕ ΟΥΠΩ ΝΟΕΙΤΕ ΟΥΔΕ
 hoti artous ouk echete oupO noeite oude
 that BREADS NOT YE-ARE-HAVING NOT-as-yet YE-ARE-MINDING NOT-YET
 bread(p) ye-are-apprehending neither

ΕΤΙ ΠΕΠΩΡΩΜΕΝΗΝ ΕΧΕΤΕ ΤΗΝ ΚΑΡΔΙΑΝ
 eti peporomenen echete ten kardian
 YE-ARE-understanding STILL HAVING-been-CALLOUSED YE-ARE-HAVING THE HEART
 are-understanding

ΥΜΩΝ
 humOn
 OF-YOU(p)
 of-ye

محذوفة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَلَا تَقُلْ لِأَحَدٍ فِي الْقَرْيَةِ) Μηδὲ εἴπῃς τινὶ ἐν τῇ κώμῃ.) السينائية: المقطع غير موجود	٢٦ فَأَرْسَلَهُ إِلَى بَيْتِهِ قَائِلًا: "لَا تَدْخُلِ الْقَرْيَةَ، وَلَا تَقُلْ لِأَحَدٍ فِي الْقَرْيَةِ".	فأرسله إلى بيته وقال له: ((لا تدخل القرية)).	26 And he sent him away to his house, saying: Go not into the village.	M-01A Mark 8:26 Και απεστειλεν εις οικον αυτον λεγων Μη εις την κωμην εισελθης (Mk. 8:26 M-01A)	مرقص 8-26	29
الإضافة تهدف إلى مجازاة أسلوب مرقس في فرض السرية على معجزات يسوع حتى لا يتهم بأنه ساحر وحتى يكمل الفداء بدون انتباه الشيطان! (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

Mar 8:26

ΚΑΙ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΑΥΤΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΙΚΟΝ ΑΥΤΟΥ ΛΕΓΩΝ

Mar 8:27

ΚΑΙ ΕΞΗΛΘΕΝ

8:26 ΚΑΙ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΑΥΤΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΙΚΟΝ ΑΥΤΟΥ ΛΕΓΩΝ
kai apesteilen auton eis ton oikon autou legOn
AND He-commissions him INTO THE HOME OF-him sayING
he-dispatches

ΜΗΔΕ ΕΙΣ ΤΗΝ ΚΩΜΗΝ ΕΙΣΕΛΘΗΣ

ΜΗΔΕ ΕΙΠΗΣ

مُدْخُلُ الْقَرْيَةِ وَلَا تَقُلْ

mEde eis ten kOmEn eiseItEs mEde eipEs
NO-YET INTO THE VILLAGE YOU-MAY-BE-INTO-COMING NO-YET YOU-MAY-BE-sayING
neither you-may-be-entering nor you-may-be-telling

ΤΙΝΙ ΕΝ ΤΗ ΚΩΜΗ

لِأَحَدٍ فِي الْقَرْيَةِ

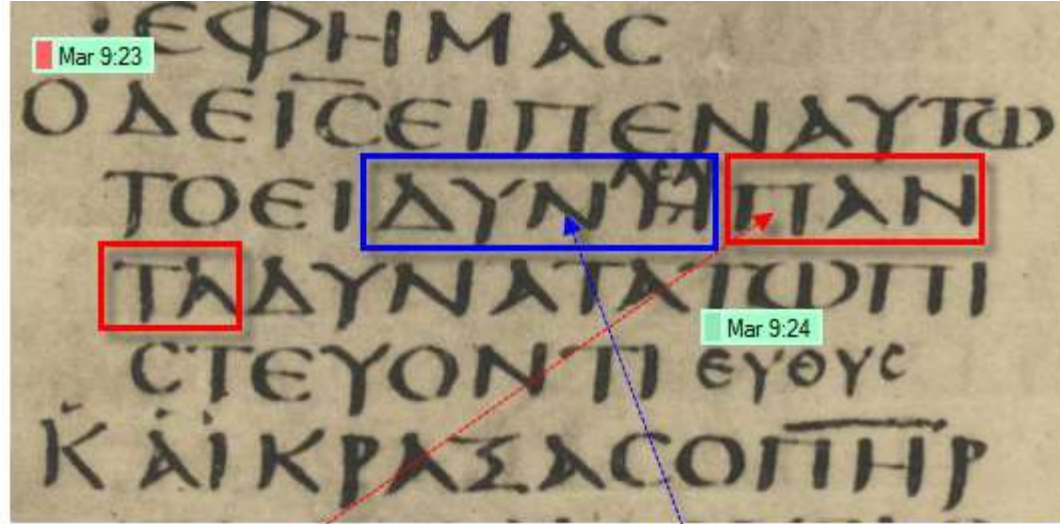
tini en tE kOmE
ANY IN THE VILLAGE

المظلل بالأصفر محذوف

8:27 ΚΑΙ ΕΞΗΛΘΕΝ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ ΟΙ ΜΑΘΗΤΑΙ ΑΥΤΟΥ ΕΙΣ ΤΑΣ

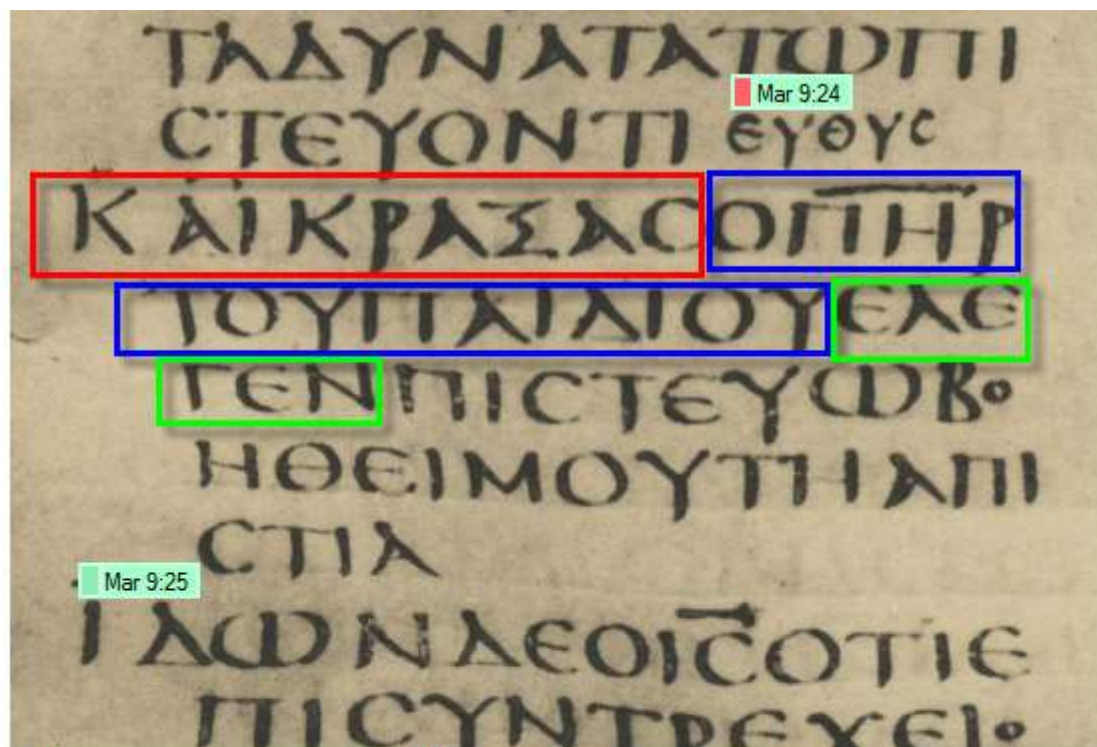
καὶ ἐξῆλθεν ὁ ἰησοῦς καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ εἰς τὰς
AND OUT-CAME THE JESUS AND THE LEARNers OF-Him INTO THE
came-out disciples

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (أن تؤمن (πιστεῖσαι) السينائية: المقطع محذوف	٢٣ فَقَالَ لَهُ يَسُوعُ: "إِنْ كُنْتُ تَسْتَطِيعُ أَنْ تُؤْمِنَ. كُلُّ شَيْءٍ مُسْتَطَاعٌ لِلْمُؤْمِنِ".	فقال له يسوع: ((إذا كنت قادرا ، فكل شيء ممكن للمؤمن)).	23 But Jesus said to him: What is this "If thou canst"? All things are possible to him that believes.	M-01A Mark 9:23 Ο δε Ἰησοῦς εἶπεν αὐτῷ Το εἰ δυναὴ πάντα δυνατὰ τῷ πιστεύοντι	مرقص 9-23	30
الإضافة تهدف إلى مزيد من التوضيح , فعندما يقول يسوع (إذا كنت قادرا) سينشأ سؤال يقول: قادرا على ماذا؟, لهذا قام النساخ بإقحام هذه الإضافة للنص (تمسين النص)					التعليق	



9:23	Ο	ΔΕ	ΙΗΣΟΥΣ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤῷ	ΤΟ	ΕΙ	ΔΥΝΑΤΑΙ	ΠΙΣΤΕΥΣΑΙ
	ho	de	iēsous	eipen	autō	to	ei	dunasai	pisteusai
	THE	YET	JESUS	said	to-him	THE	IF	YOU-ARE-ABLE	TO-BELIEVE
	ΚΛ	ΠΑΝΤΑ	ΔΥΝΑΤΑ	Τῷ	ΠΙΣΤΕΥΟΝΤΙ				
	panta	dunata	tō	pisteuonti					
	ALL	ABLE	to-THE	one-BELIEVING					
		possible		one-believing					
9:24	ΚΑΙ	ΕΥΘΕΩΣ	ΚΡΑΣΑΣ	Ο	ΠΑΤΗΡ	ΤΟΥ	ΠΑΙΔΙΟΥ	ΜΕΤΑ	
	kai	eutheōs	kraxas	ho	patēr	tou	paidiou	meta	
	AND	immediately	CRYing	THE	FATHER	OF-THE	little-boy	WITH	

وجه الاختلاف	النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة (بدموع μετὰ δακρύων السينائية: اللفظة غير موجودة	٤ ٢ فَلَوَقَتِ صَرَخَ أَبُو الْوَلَدِ بِدُمُوعٍ وَقَالَ: "أَوْمَنْ يَا سَيِّدُ، فَاعِنْ عَدَمَ إِيمَانِي".	فصاح الوالد في الحال: (عندي إيمان! ساعدني حتى يزيد)).	24 The father of the child immediately crying out said: I believe; help thou my unbelief.	M-01A Mark 9:24 Και κραξας ο ΠΗΡ του παιδιου ελεγεν Πιστευω βοηθει μου τη απιστια	مرقص 9-24	31
				إضافة لفظة (بدموع) سيرحم هذه الدموع ويحقق المعجزة (تحسين صورة يسوع)	التعليق	



	فَلوَقَتِ صَرَخَ	أبو الولد						
9:24	ΚΑΙ ΕΥΘΕΩΣ ΚΡΑΞΑΣ	Ο ΠΑΤΗΡ ΤΟΥ ΠΑΙΔΙΟΥ	ΜΕΤΑ					
	kai eutheUs kraxas	ho patEr tou paidiou	meta					
	AtD immediately CRYing	THE FATHER OF-THE little-boy	WITH					
	بِدُمُوعٍ	وقال						
	ΔΑΚΡΥΩΝ	ΕΛΕΓΕΝ	ΠΙΣΤΕΥΩ	ΚΥΡΙΕ	ΒΟΗΘΕΙ	ΜΟΥ	ΤΗ	ΑΠΙΣΤΙΑ
	dakruOn	elegen	pisteuO	kurie	boEthei	mou	tE	apistia
	TEARS	said	I-AM-BELIEVING	Master!	BE-helpING	OF-ME	to-THE	UN-BELIEF
	محذوف			Lord!	be-you-helping!			unbelief

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (والصوم) <i>Καὶ νηστεία</i> (السينائية: اللفظة غير موجودة)	٢٩ فَقَالَ لَهُمْ: "هَذَا الْجِنْسُ لَا يُمَكِّنُ أَنْ يَخْرُجَ بِشَيْءٍ إِلَّا بِالصَّلَاةِ وَالصَّوْمِ".	فأجابهم: ((هذا الجنس لا يطرد إلا بالصلاة)).	29 And he said to them: This kind can come out by nothing but by prayer.	M-01A Mark 9:29 Καὶ εἶπεν αὐτοῖς Τοῦτο το γένος ἐν οὐδενὶ δύναται ἐξελθεῖν εἰ μὴ ἐ- προσεύχη	مرقص 9-29	32
أضف ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية لفظة (والصوم) من أجل تعظيم قيمة الصوم في حياة المؤمن, ليساهم في سد الفراغ الروحي في العهد الجديد الذي نادرا جدا ما يحض على عبادة من العبادات (سد الفراغ الروحي بزرع العبادات)					التعليق	

كلمة (والصوم) مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر

Mar 9:29
ΤΟ
ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΟΙΣ
ΤΟΥΤΟ ΤΟ ΓΕΝΟΣ
ΝΙ ΟΥΔΕΝΙ ΔΥΝΑΤΑΙ
ΕΞΕΛΘΕΙΝ ΕΙ ΜΗ
ΠΡΟΣΕΥΧΗ ΚΑΙ ΝΗΣΤΕΙΑ
Mar 9:30
ΚΑΙ ΕΚΕΙΘΕΝ ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ

9:29 ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΤΟΥΤΟ ΤΟ ΓΕΝΟΣ ΕΝ ΟΥΔΕΝΙ ΔΥΝΑΤΑΙ
kai eipen autois touto to genos en oudenι dunatai
AND He-said to-them this THE breed IN to-NOT-YET-ONE IS-ABLE
can

ΕΞΕΛΘΕΙΝ ΕΙ ΜΗ ΕΝ ΠΡΟΣΕΥΧΗ ΚΑΙ ΝΗΣΤΕΙΑ
exelthein ei mE en proseuchE kai nEsteia
TO-BE-OUT-COMING IF NO IN prayer AND fast

9:30 ΚΑΙ ΕΚΕΙΘΕΝ ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ ΠΑΡΕΠΟΡΕΥΟΝΤΟ ΔΙΑ ΤΗΣ
kai ekeithen exelthontes pareporeuonto dia tEs
AND thence OUT-COMING THEY-BESIDE-WENT THRU THE
coming-out they-went-along through

بالصلاة والصوم
محذوف
وخرجوا من هناك

Mark 9:29

WHNU

εἰ μὴ ἐν προσευχῇ

"This kind does not come out except by prayer."

ⲛ* B 0274 it*

NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSBmg NET

variant/TR

ει μη εν προσευχη και νηστεια

"This kind does not come out except by prayer and fasting."

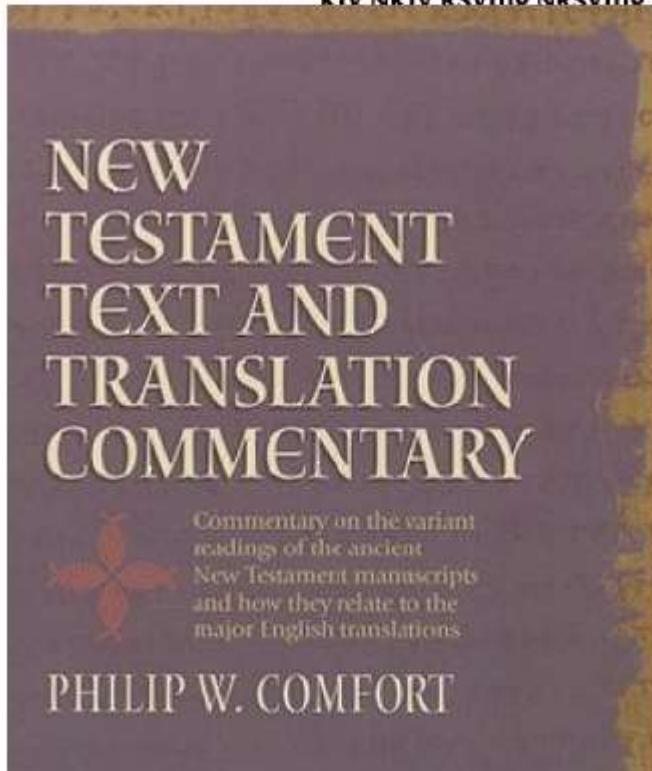
ⲡ^{45vid?} ⲛ² A C D L W Θ Ψ f^{1,13} 33 Maj

KIV NKIV RSVmg NRSVmg ESVmg NASBmg NIVmg TNIVmg NEBmg REBmg

B NETmg

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ
الأصلي

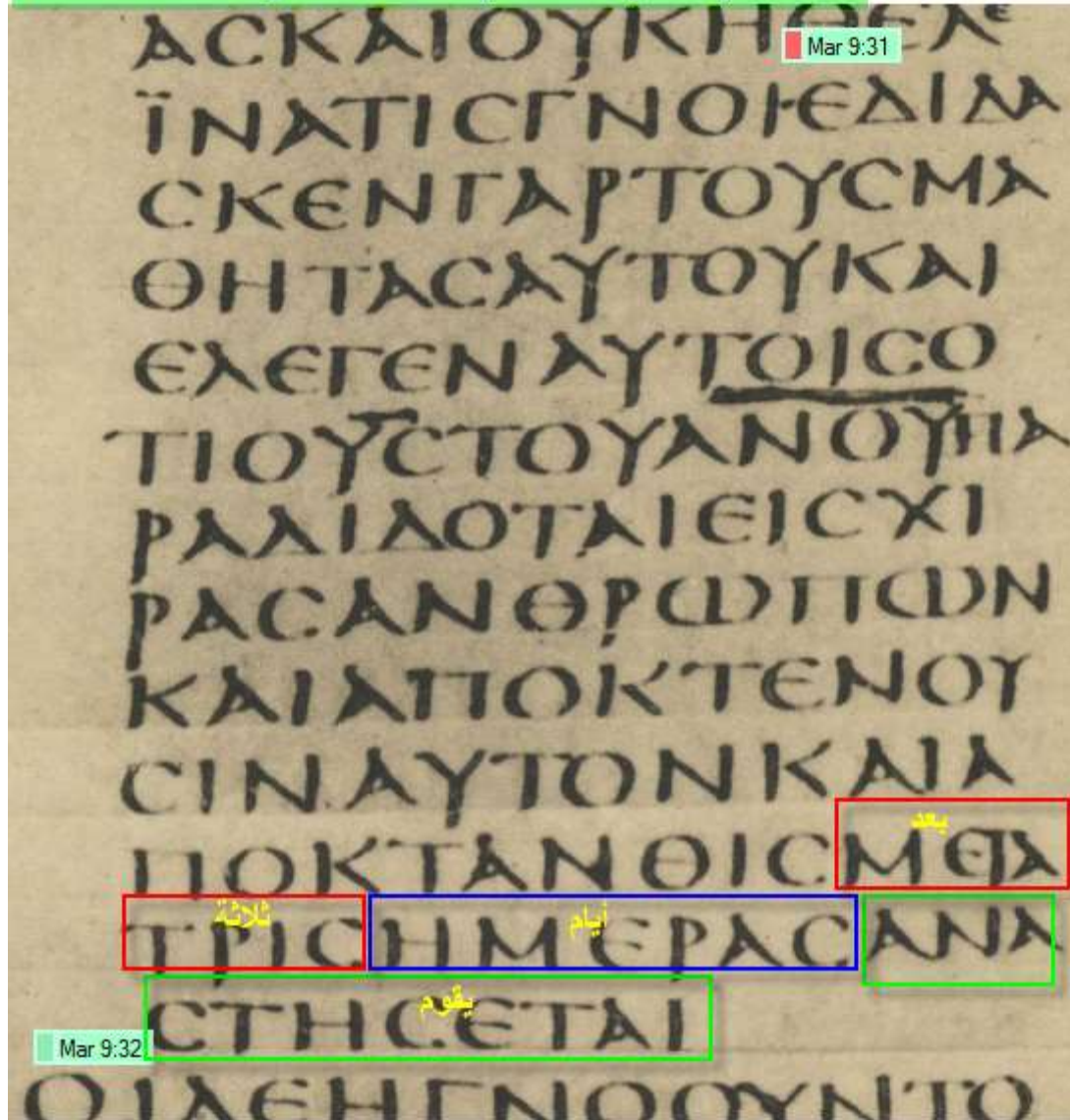
قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر عبارة: (يُؤْمُ فِي الْيَوْمِ الثَّلَاثِ τῆς τρίτης ἡμέρας ἀναστήσεται) السينائية: تكتب بدلا منها : (يقوم بعد ثلاثة أيام μετα τρις ημερας αναστησεται)</p>	<p>٣١ لِأَنَّهُ كَانَ يُعَلِّمُ تَلَامِيذَهُ وَيَقُولُ لَهُمْ: "إِنَّ ابْنَ الْإِنْسَانِ يُسَلَّمُ إِلَى أَيْدِي النَّاسِ فَيَقْتُلُونَهُ. وَبَعْدَ أَنْ يُقْتَلَ يُقَامُ فِي الْيَوْمِ الثَّلَاثِ".</p>	<p>لأنه كان يعلم تلاميذه ويقول لهم إن ابن الإنسان يسلم إلى أيدي الناس فيقتلونه وبعد أن يقتل يقوم بعد ثلاثة أيام</p>	<p>31 For he taught his disciples and said to them that the Son of man is to be delivered into the hands of men, and they will kill him, and when he has been killed he will rise after three days.</p>	<p>^{M-01A} Mark 9:31 Εδιδασκεν γαρ τους μαθητας αυτου και ελεγεν αυτοις οτι Ο ΥΙΟΣ του ΑΝΘΡΩΠΟΥ παραδιδεται εις χιρας ανθρωπων και αποκτενουσιν αυτον και αποκτανθις μετα τρις ημερας αναστησεται</p>	مرقص 9-31	33
<p>المسيح صلب يوم الجمعة , ووفقا لنص السينائية فقد قام من الموت يوم الإثنين , وهذا ينافي ما صرحت به الأناجيل من أنه قام صباح الأحد, لهذا قام ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية بتغيير النص لجعله قام في اليوم الثالث (الأحد) وليس بعد اليوم الثالث (الاثنين) (علام التناقضات = انقاذ المؤلف) (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>					التعليق	

يقوم بعد ثلاثة أيام

META TRIS HMERAS ANASTHSETAI



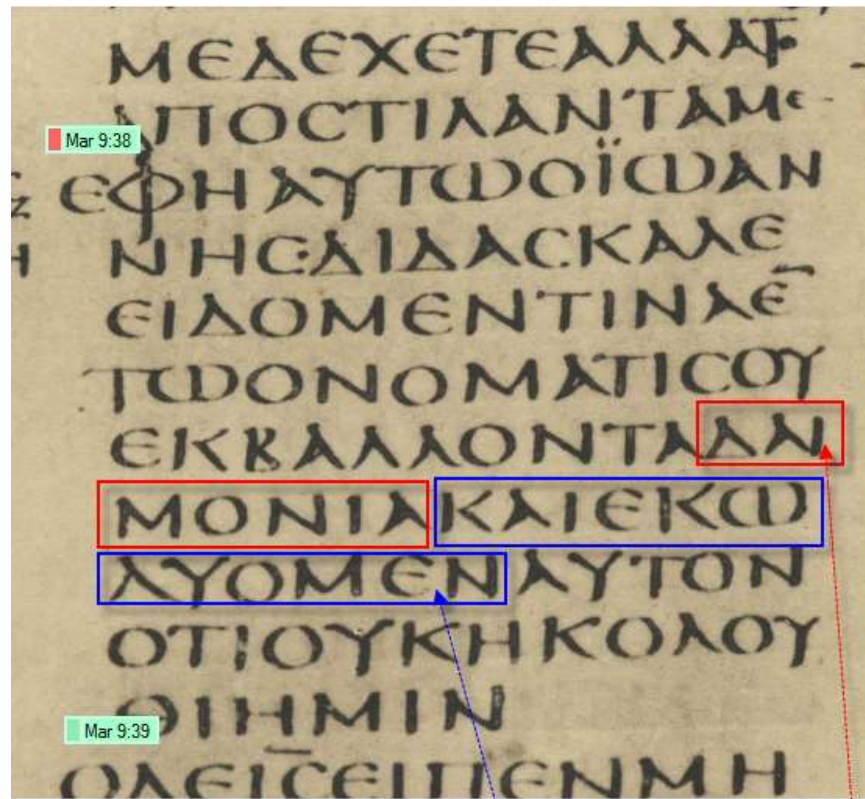
9:31 ΕΔΙΔΑΚΚΕΝ ΓΑΡ ΤΟΥΣ ΜΑΘΗΤΑΣ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΕΛΕΓΕΝ ΑΥΤΟΙΣ
 edidasken gar tous mathetas autou kai elegen autois
 He-TAUGHT for THE LEARNers OF-Him AND said to-them
 disciples

ΟΤΙ Ο ΥΙΟΣ ΤΟΥ ΑΝΘΡΩΠΟΥ ΠΑΡΑΔΙΔΟΤΑΙ ΕΙΣ ΧΕΙΡΑΣ
 hoti ho huios tou anthrOpou paradidotai eis cheiras
 that THE SON OF-THE human IS-being-BESIDE-GIVEN INTO HANDS
 is-being-given-up

ΑΝΘΡΩΠΩΝ ΚΑΙ ΑΠΟΚΤΕΝΟΥΣΙΝ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ ΑΠΟΚΤΑΝΘΕΙΣ
 anthrOpOn kai apoktenousin auton kai apoktantheis
 OF-humans AND THEY-SHALL-BE-FROM-KILLING Him AND BEING-FROM-KILLED
 they-shall-be-killing being-killed

في الثالث اليوم يقوم
 ΤΗ ΤΡΙΤΗ ΗΜΕΡΑ ΑΝΑΣΤΗΣΕΤΑΙ
 tE tritE hEmera anasthsetai
 to-THE third DAY He-SHALL-BE-UP-STANDING
 he-shall-be-rising

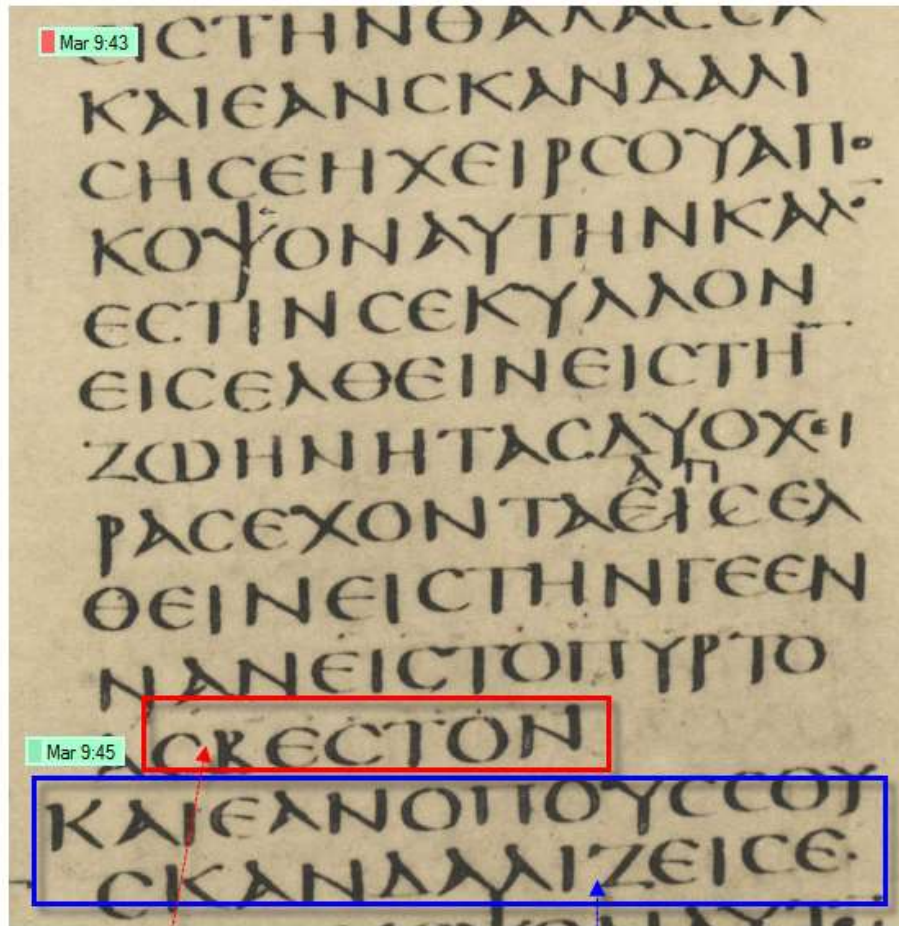
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وهو ليس يتبعنا) ὁς οὐκ ἀκολουθεῖ ἡμῖν (السينائية: المقطع غير موجود	٣٨ فَأَجَابَهُ يُوحَنَّا قَائِلًا: يَا مُعَلِّمُ، رَأَيْنَا وَاحِدًا يُخْرِجُ شَيَاطِينَ بِاسْمِكَ وَهُوَ لَيْسَ يَتَّبَعُنَا، فَمَنْعَاهُ لِأَنَّهُ لَيْسَ يَتَّبَعُنَا".	وقال يوحنا: «يا معلم رأينا واحدا يخرج شياطين باسمك فمنعناه لأنه ليس يتبعنا»	38 John said to him: Teacher, we saw one casting out demons in thy name, and we forbade him, because he follows not us.	M-01A Mark 9:38 εφη αυτω ο Ιωαννης Διδασκαλε ειδομεν τινα ε- τω ονοματι σου εκβαλλοντα δαμονια και εκωλυομεν αυτον οτι ουκ ηκολουθη ημιν	مرقص 9-38	34
ربما يكون سبب إضافة عبارة (وهو ليس يتبعنا) التأكيد على أن سبب منع يوحنا والتلاميذ للرجل لم يكن الحسد , إنما لسبب مقبول وهو أنه ليس يتبع المسيح (تحسين صورة التلاميذ) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



9:38	ἀπεκρίθη	δε	αὐτῷ	ὁ	ἰωάννης	λέγων	διδασκαλε
	answered	YET	to-Him	THE	JOHN	saying	TEACHER!
	ΕΙΔΟΜΕΝ	ΤΙΝΑ	ΕΝ Τῷ	ΟΝΟΜΑΤΙ	ΣΟΥ	ΕΚΒΑΛΛΟΝΤΑ	ΔΑΙΜΟΝΙΑ
	WE-PERCEIVED	ANY	IN	to-THE	NAME	OF-YOU	OUT-CASTING
	someone					casting-out	demons
	ὅς	οὐκ	ἀκολουθεῖ	ἡμῖν	καὶ	ἐκώλυσαμεν	αὐτὸν
	WHO	NOT	IS-followING	to-US	AND	WE-FORBID	him
			us				that
	ὅτι	οὐκ					
	hoti	NOT					
	ἀκολουθεῖ	ἡμῖν					
	he-IS-followING	to-US					
		us					

المظلل بالأصفر غير
موجود في المخطوطة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف النص : حَيْثُ دُوذُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تُطْفَأُ. STE Mark 9:44 ὅπου ὁ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτᾷ, καὶ τὸ πῦρ οὐ σβέννυται (Mk. 9:44 STE) السينائية: النص بالكامل محذوف	٤٤ حَيْثُ دُوذُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تُطْفَأُ.	محذوف	44 [no verse]	44 [no verse]	مرقص 9-44	35
لو كانت قراءة الإضافة هي الصحيحة فربما يكون سببها رغبة النساخ في التأكيد على عقوبة من خالف وصايا المسيح (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



9:43 ΚΑΙ ΕΑΝ ΣΚΑΝΔΑΛΙΖΕΙ ΣΕ Η ΧΕΙΡ ΣΟΥ ΑΠΟΚΟΥΟΝ ΑΥΤΗΝ
 kai ean skandalizE se hE cheir sou apokopson autEn
 AND IF-EVER MAY-BE-SNARING YOU THE HAND OF-YOU FROM-STRIKE her
 strike-off-you !

ΚΑΛΟΝ ΣΟΙ ΕΣΤΙΝ ΚΥΛΛΟΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΖΩΗΝ ΕΙΣΕΛΘΕΙΝ Η ΤΑΣ
 kalon soi estin kullon eis tEn zOEn eiselthein E tas
 IDEAL to-YOU it-IS MAIMED INTO THE LIFE TO-BE-INTO-COMING OR THE
 to-be-entering than

ΔΥΟ ΧΕΙΡΑΣ ΕΧΟΝΤΑ ΑΠΕΛΘΕΙΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΕΕΝΝΑΝ ΕΙΣ ΤΟ
 duo cheiras echonta apelthein eis tEn geennan eis to
 TWO HANDS HAVING TO-BE-FROM-COMING INTO THE GEHENNA INTO THE
 to-be-coming-away

ΠΥΡ ΤΟ ΑΣΒΕΣΤΟΝ
 pur to asbeston
 FIRE THE UN-EXTINGUISHED
 unextinguished

9:44 ΟΠΟΥ Ο ΣΚΩΛΗΣ ΑΥΤΩΝ ΟΥ ΤΕΛΕΥΤΑ ΚΑΙ ΤΟ ΠΥΡ ΟΥ
 hopou ho skOIEx autOn hou teleuta kai to pur hou
 THE-?-where THE WORM OF-them NOT IS-deceasing AND THE FIRE NOT
 where^e

9:45 ΚΑΙ ΕΑΝ Ο ΠΟΥΣ ΣΟΥ ΣΚΑΝΔΑΛΙΖΕΙ ΣΕ ΑΠΟΚΟΥΟΝ ΑΥΤΟΝ
 kai ean ho pous sou skandalizE se apokopson auton
 AND IF-EVER THE FOOT OF-YOU MAY-BE-SNARING YOU FROM-STRIKE it
 strike-off-you ! him

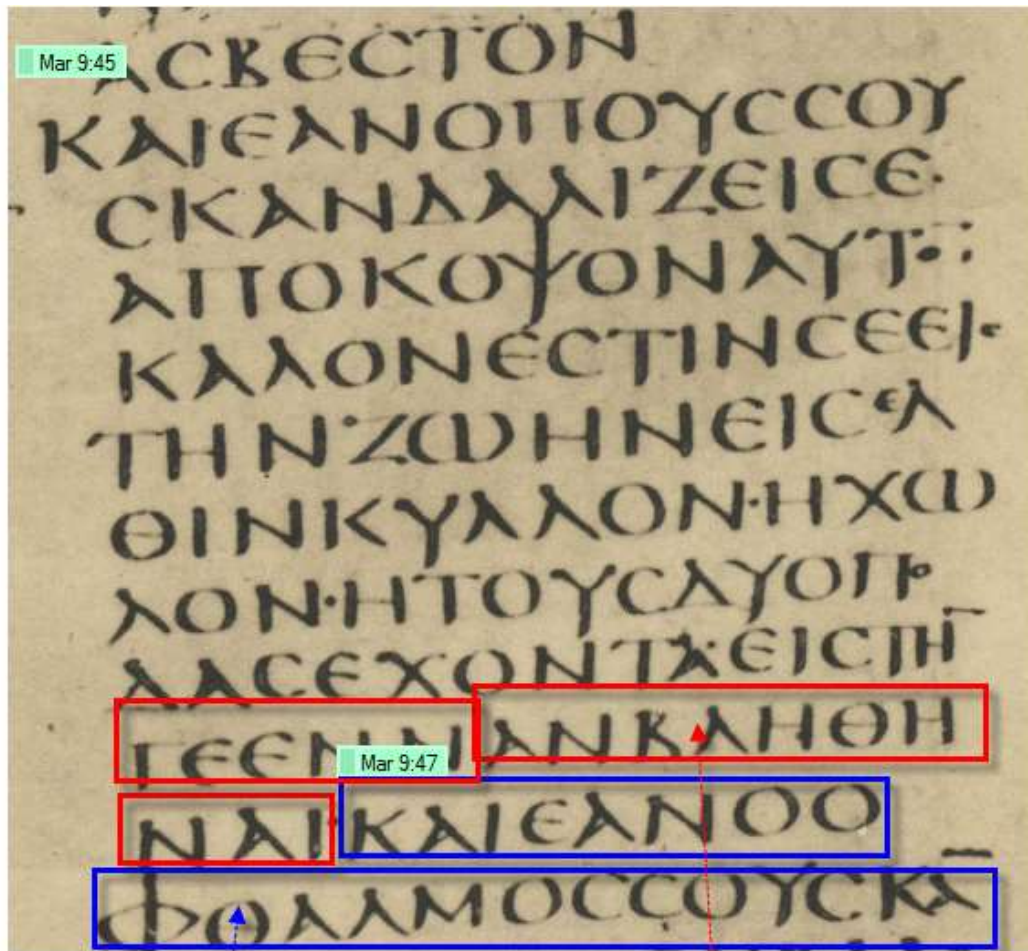
التي لا تطفأ

المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوط

حَيْثُ دُودُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تُطْفَأُ

وان أعثرتك رجلك

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية : تضيف النص : حَيْثُ دُوذُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تُطْفَأُ. STE Mark 9:46 ὅπου ὁ σκώληξ αὐτῶν οὐ τελευτᾷ, καὶ τὸ πῦρ οὐ σβέννυται (Mk. 9:46 STE) السينائية: النص بالكامل محذوف	46 حَيْثُ دُوذُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تُطْفَأُ.	محذوف	46 [no verse]	46 [no verse]	مرقص 9-46	36
لو كانت قراءة الإضافة هي الصحيحة فربما يكون سببها رغبة النساخ في التأكيد على عقوبة من خالف وصايا المسيح (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



9:45 ΚΑΙ ΕΑΝ Ο ΠΟΥΣ ΣΟΥ ΣΚΑΝΔΑΛΙΖΕ ΣΕ ΑΠΟΚΟΥΣΟΝ ΑΥΤΟΝ
 kai ean ho pous sou skandalizE se apokopson auton
 AND IF-EVER THE FOOT OF-YOU MAY-BE-SNARING YOU FROM-STRIKE it
 strike-off-you! him

ΚΑΛΟΝ ΕΣΤΙΝ ΣΟΙ ΕΙΣΕΛΘΕΙΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΖΩΗΝ ΧΩΛΟΝ Η
 kalon estin soi eiselthein eis tEn zOEn chOlOn E
 IDEAL it-IS to-YOU TO-BE-INTO-COMING INTO THE LIFE LAME OR
 to-be-entering than

ΤΟΥΣ ΔΥΟ ΠΟΔΑΣ ΕΧΟΝΤΑ ΒΑΛΕΘΗΝΑΙ ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΕΕΝΝΑΝ ΕΙΣ ΤΟ
 tous duo podas echonta bEthEnai eis tEn geennan eis to
 THE TWO FEET HAVING TO-BE-CAST INTO THE GEHENNA INTO THE

ΠΥΡ ΤΟ ΑΣΒΕΣΤΟΝ فِي النَّارِ الَّتِي لَا تَطْفَأُ
 pur to asbeston
 FIRE THE UN-EXTINGUISHED
 unextinguished

المظلل بالأصفر محذوف

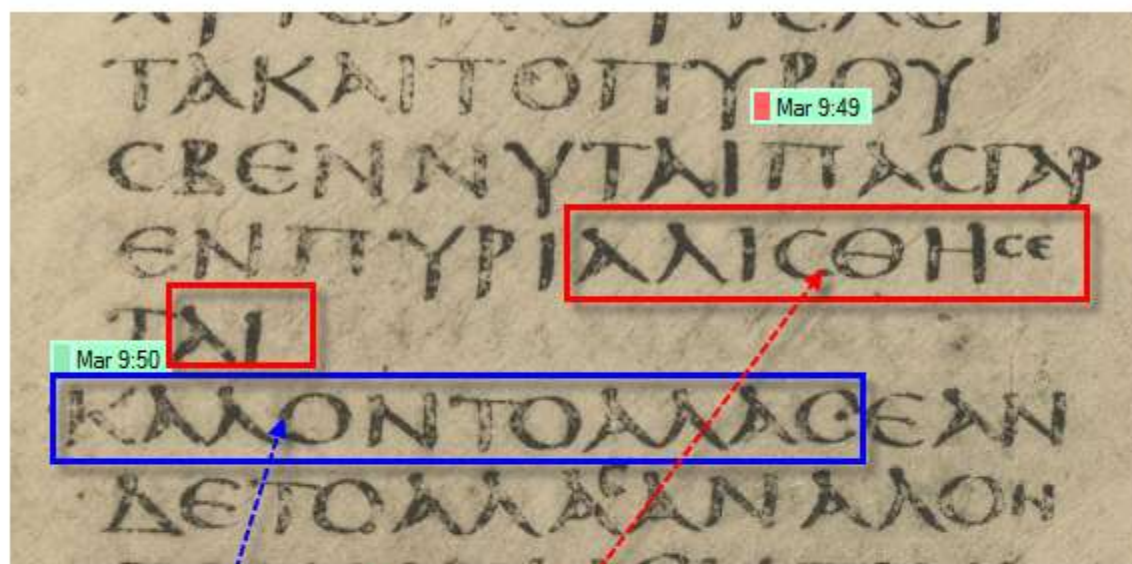
9:46 ΟΠΟΥ Ο ΣΚΩΛΗΣ ΑΥΤΩΝ ΟΥ ΤΕΛΕΥΤΑ ΚΑΙ ΤΟ ΠΥΡ ΟΥ
 hopou ho skOIEx autOn hou teleuta kai to pur hou
 THE-?-where THE WORM OF-them NOT IS-deceasING AND THE FIRE NOT
 where^e

حَيْثُ دُوْدُهُمْ لَا يَمُوتُ وَالنَّارُ لَا تَطْفَأُ

ΣΒΕΝΝΥΤΑΙ
 sbennutai
 IS-beING-EXTINGUISHED
 is-going-out

9:47 ΚΑΙ ΕΑΝ Ο ΟΦΘΑΛΜΟΣ ΣΟΥ ΣΚΑΝΔΑΛΙΖΕ ΣΕ ΕΚΒΑΛΕ
 kai ean ho ophthalmos sou skandalizE se ekbale
 AND IF-EVER THE VIEWer OF-YOU MAY-BE-SNARING YOU BE-OUT-CASTING
 eye be-you-extracting!

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَكُلُّ ذَبِيحَةٍ تُمَلَّحُ بِمِلْحٍ) και πασα θυσία ἀλι (ἀλισθήσεται) السينائية: المقطع بالكامل غير موجود	٤٩ لِأَنَّ كُلَّ وَاحِدٍ يُمَلَّحُ بِبَنَارٍ، وَكُلُّ ذَبِيحَةٍ تُمَلَّحُ بِمِلْحٍ	فكل واحد يملح بنار.	49 For every one shall be salted with fire.	M-01A Mark 9:49 Πας γαρ εν πυρι αλισθησεται (Mk. 9:49 M-01A)	مرقص 9-49	37
هدف النساخ من هذه الإضافة (وَكُلُّ ذَبِيحَةٍ تُمَلَّحُ بِمِلْحٍ) عقد المقارنة بين العهد القديم والجديد، حيث في العهد الجديد يملح الأشخاص بالنار) أي يتم حماية المؤمنين من الفساد بواسطة الروح القدس (يعتبرون النار رمز للروح القدس)، في حين أنه في العهد القديم كانت الحماية من الفساد للمؤمنين تتم بواسطة الذبائح التي تحتاج لتمليح وشوي (إنهاء دور العهد القديم) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

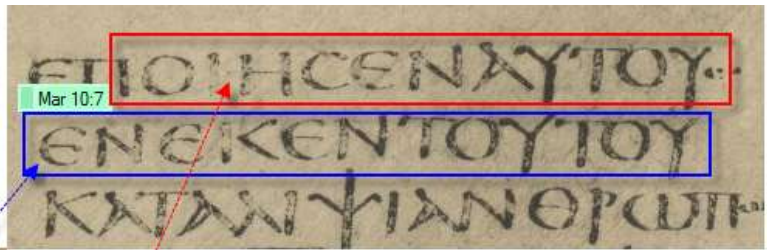


9:49	ΠΑΣ	ΓΑΡ	ΠΥΡΙ	ΑΛΙCΘΗΣΕΤΑΙ	ΚΑΙ	ΠΑCΑ	ΘΥCΙΑ	ΑΛΙ
	pas	gar	puri	halisthEsetai	kai	pasa	thusia	ali
	EVERY	for	to-FIRE	SHALL-BE-BEING-SALTED	AND	EVERY	SACRIFICE	to-SALT
	every-one							
وكُل ذَبِيحَة تُمَلَح بِمِلْح								
الملح								
9:50	ΚΑΛΟΝ	ΤΟ	ΑΛΑC	ΕΑΝ	ΔΕ	ΤΟ	ΑΛΑC	ΑΝΑΛΟΝ
	kalon	to	halas	ean	de	to	halas	analon
	IDEAL	THE	SALT	IF-EVER	YET	THE	SALT	UN-SALT
								MAY-BE-BECOMING
								IN
								savorless
الملح جيد								

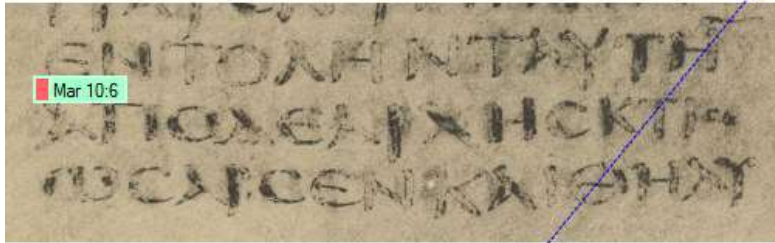
المظلل الأصفر غير موجود في المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة: (الله θεός) <u>السينائية:</u> اللفظة محذوفة	ولكن من بدء الخليفة، ذكرنا وأنتى خلقهما الله	فمن بدء الخليفة جعلهما ذكرنا وأنتى	6 But from the beginning of creation, male and female made he them;	M-01A Mark 10:6 απο δε αρχης κτισεως αρσεν και θηλυ εποιησεν αυτους	مرقص 6-10	38
أضاف النساخ لفظة (الله) من أجل توضيح المعنى (تحسين النص)					التعليق	





Mar 10:7



Mar 10:6

10:6 ΑΠΟ ΔΕ ΑΡΧΗΣ ΚΤΙΣΕΩΣ ΑΡΣΕΝ ΚΑΙ ΘΗΛΥ ΕΠΟΙΗΣΕΝ
 apo de archEs ktiseOs arsen kai thElu epoiEsen
 FROM YET ORIGINAL OF-CREATION MALE AND female makES
 beginning

خلقهما

ΑΥΤΟΥΣ Ο ΘΕΟΣ
 autous ho theos
 them THE God (PLACer)
 God

الممثل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

10:7 ΕΝΕΚΕΝ ΤΟΥΤΟΥ ΚΑΤΑΛΕΙΨΕΙ ΑΝΘΡΩΠΟΣ ΤΟΝ ΠΑΤΕΡΑ
 heneken toutou kataleipsei anthrOpos ton patera
 on-account-of this SHALL-BE-leaving human THE FATHER

من أجل هذا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت عبارة: καὶ يلتصق بامرأته προσκολληθήσεται πρὸς (τὴν γυναῖκα αὐτοῦ السينائية: المقطع غير موجود	ولذلك يترك الرجل أباه وأمه	7 For this cause shall a man leave his father and his mother,	M-01A Mark 10:7 Ἐνεκεν τούτου καταλιπὶ ἀνθρώπῳ τὸν ΠΑΤΕΡΑ αὐτοῦ καὶ τὴν ΜΗΤΕΡΑ αὐτοῦ	مرقص 7-10	39
	أضاف النساخ عبارة (ويلتصق بامرأته) من أجل توضيح النص الذي بعده مباشرة (مرقص 10-8) : "وَيَكُونُ الْاِثْنَانِ جَسَدًا وَاحِدًا" , فمن الذين سيكونان جسدا واحدا؟ فأضاف النساخ العبارة لتوضيح أن المقصود هما الرجل وامرأته وأیضا من أجل مطابقة النص هنا في مرقص مع نظيره في متى الذي يتكلم في نفس الأمر (متى 19-5) : "وَقَالَ: مِنْ أَجْلِ هَذَا يَتْرُكُ الرَّجُلُ أَبَاهُ وَأُمَّهُ وَيَلْتَصِقُ بِامْرَأَتِهِ، وَيَكُونُ الْاِثْنَانِ جَسَدًا وَاحِدًا" (تحسين النص) (مطابقة الأناجيل بعضها ببعض)					التعليق

لفظة أمه مكتوبة
بطريقة الاختصار
المقدس
MPA

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

10:7 ἘΝΕΚΕΝ ΤΟΥΤΟΥ ΚΑΤΑΛΙΠΕΙ ἈΝΘΡΩΠΟΣ ΤΟΝ ΠΑΤΕΡΑ
heneken toutou kataleipsei anthropos ton patera
on-account-of this SHALL-BE-leaving human THE FATHER

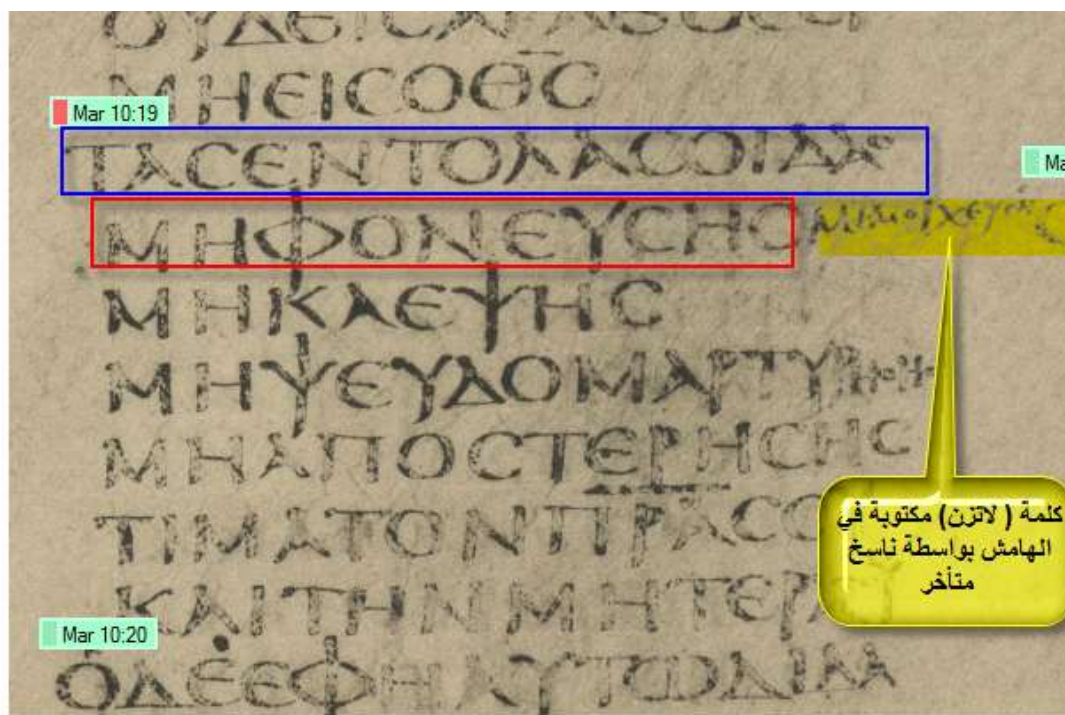
10:7 **ويلتصق بامرأته**
ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΤΗΝ ΜΗΤΕΡΑ ΚΑΙ ΠΡΟΣΚΟΛΛΗΘΗΣΕΤΑΙ ΠΡΟΣ ΤΗΝ
autou kai ten mētera kai proskollēthēsetai pros ten
OF-him AND THE MOTHER AND SHALL-BE-BEING-TOWARD-JOINED TOWARD THE
shall-be-being-joined-to

10:7 **وأمه**
ΓΥΝΑΙΚΑ ΑΥΤΟΥ
gunaika autou
WOMAN OF-him
wife

10:8 ΚΑΙ ἘΣΟΝΤΑΙ Οἱ ΔΥΟ Εἰς ΣΑΡΚΑ ΜΙΑΝ ὩΣΤΕ ΟΥΚΕΤΙ
kai esontai hoi duo eis sarka mian hōste ouketi
AND SHALL-BE THE TWO INTO FLESH ONE AS-BESIDES NOT-STILL
so-that no-longer

10:8 **ويكون الاثنان**

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (لا تزني) السينائية: المقطع محذوف	٩. أَنْتَ تَعْرِفُ الْوَصَايَا: لَا تَزْنِ. لَا تَقْتُلْ. لَا تَسْرِقْ. لَا تَشْهَدْ بِالزُّورِ. لَا تَسْلُبْ. أَكْرَمُ أَبَاكَ وَأُمَّكَ"	أنت تعرف الوصايا: لا تقتل ، لا تسرق، لا تشهد بالزور، لا تظلم، أكرم أباك وأمك).	19 Thou knowest the commandments: Thou shalt not kill, Thou shalt not steal, Thou shalt not bear false testimony. Thou shalt not defraud, Honor thy father and thy mother.	M-01A Mark 10:19 Τας εντολας οιδας Μη φονευσης μη κλεψης μη ψευδομαρτυρησης μη αποστερησης τιμα τον ΠΑΤΕΡΑ σου και την μητερα σου	مرقص 10-19	40
قام الناسخ بإضافة عبارة (لا تزني) لأن الوصايا في العهد القديم فيها عبارة (لا تزني) وقد لاحظ الناسخ نسيان مرقص لكتابة هذه اللفظة (مطابقة الاقتباسات بين العهدين)						التعليق



أنت تعرف الوصايا	لا تزني	ΜΗ
10:19 ΤΑΣ ΕΝΤΟΛΑΣ ΟΙΔΑΣ	ΜΗ ΜΟΙΧΕΥΣΗΣ	ΜΗ
tas entolas oidas	mE moicheusEs	mE
THE directions YOU-HAVE-PERCEIVED	NO YOU-SHOULD-BE-ADULTERING	NO
precepts you-are-acquainted-with	you-should-be-committing-adultery	
لا تقتل ΦΟΝΕΥΣΗΣ	ΜΗ ΚΛΕΥΣΗΣ	ΜΗ ΨΕΥΔΟΜΑΡΤΥΡΗΣΗΣ
phoneusEs	mE klepsEs	mE pseudomarturEsEs
YOU-SHOULD-BE-MURDERING	NO YOU-SHOULD-BE-STEALING	NO YOU-SHOULD-BE-FALSE-witnessING
	المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوطة	you-should-be-testifying-falsely
ΜΗ ΑΠΟΣΤΕΡΗΣΗΣ	ΤΙΜΑ	ΤΟΝ ΠΑΤΕΡΑ ΣΟΥ ΚΑΙ ΤΗΝ
mE aposterEsEs	tima	ton patera sou kai tEn
NO YOU-SHOULD-BE-deprivING	BE-VALUING	THE FATHER OF-YOU AND THE
you-should-be-cheating	be-you-honoring !	
ΜΗΤΕΡΑ		
mEtera		
MOTHER		

Mark 10:19a

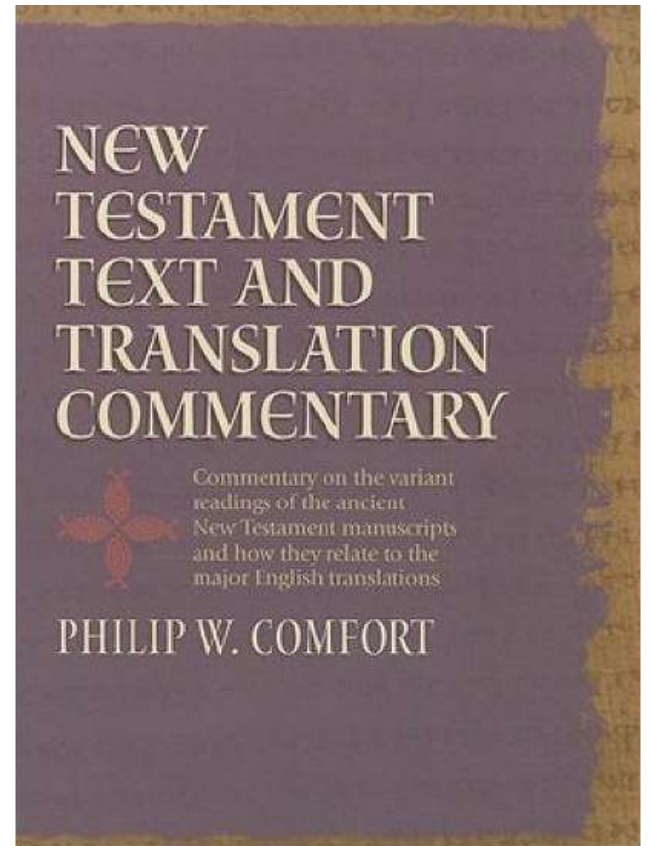
WH NU	μη φονεύσης, μη μοιχεύσης "Do not murder, do not commit adultery." Ⲭ ^a B C Δ Ψ 0274 syr ^p cop RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET
variant 1/TR	μη μοιχευσης, μη φονευσης "Do not commit adultery, do not murder." A W Θ f ¹³ Maj KJV NKJV

قراءة الإضافة تمت بواسطة
ناسخ متأخر

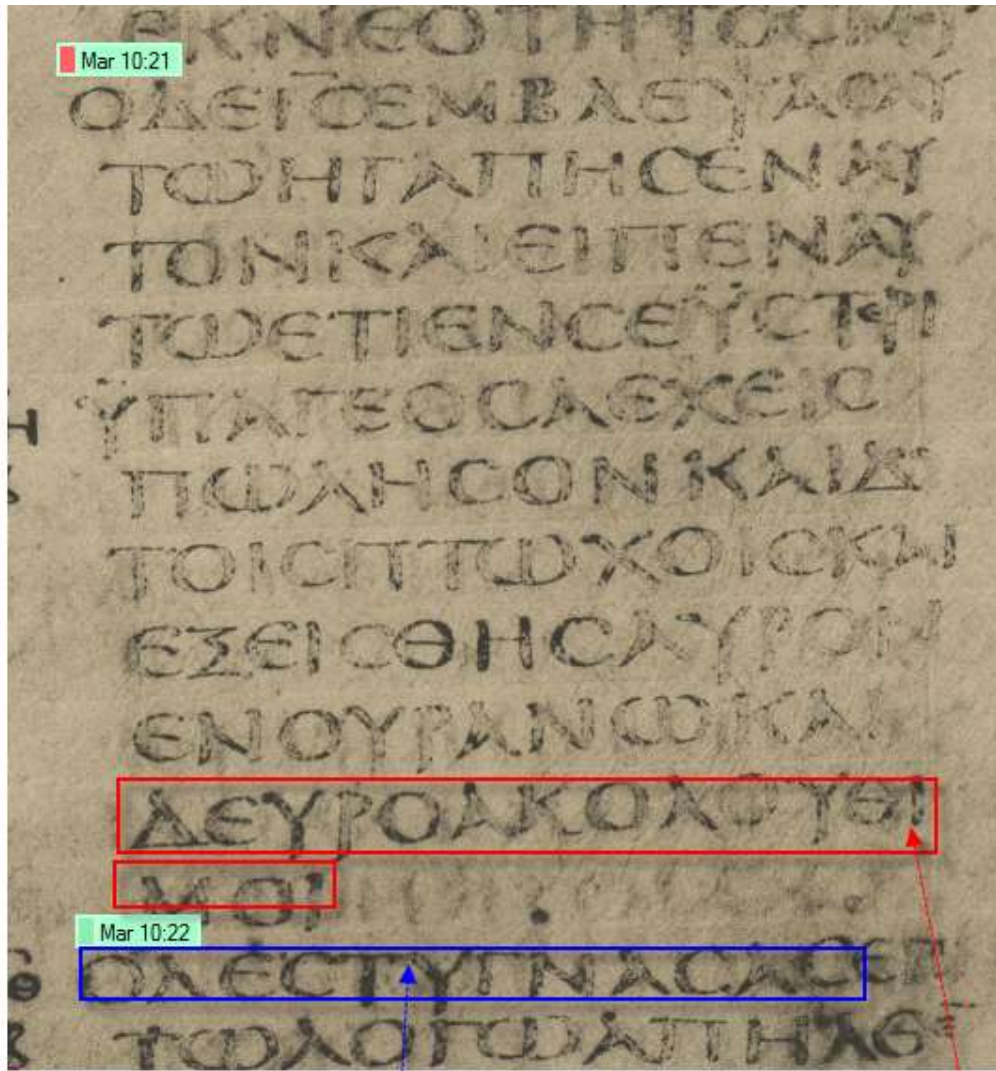
137 MARK

variant 2	μη φονευσης "Do not murder" Ⲭ ^a none
variant 3	μη μοιχευσης "Do not commit adultery." f ¹ none
variant 4	μη μοιχευσης, μη πορνευσης "Do not commit adultery, do not fornicate." D (Γ) it ^a

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (حاملا الصليب ἄρας (τὸν σταυρόν السينائية: المقطع غير موجود	٢١ فَنظَرَ إِلَيْهِ يَسُوعُ وَأَحَبَّهُ، وَقَالَ لَهُ: "يُعَوِّزُكَ شَيْءٌ وَاحِدٌ: اذْهَبْ بِع كُلِّ مَا لَكَ وَأَعْطِ الْفُقَرَاءَ، فَيَكُونَ لَكَ كَنْزٌ فِي السَّمَاءِ، وَتَعَالَ اتَّبِعْنِي حَامِلًا الصَّلِيبَ	فنظر إليه يسوع بمحبة وقال له: ((يعوزك شيء واحد: اذهب بع كل ما تملكه ووزع ثمنه على الفقراء، فيكون لك كنز في السماء، وتعال اتبعني)).	21 And Jesus looking upon him loved him, and said to him: One thing thou lackest: go, sell whatever thou hast, and give to the poor, and thou shalt have treasure in heaven, and come follow me.	M-01A Mark 10:21 Ο δε Ἰ̅ς̅ εμβλεψας αυτω ηγαπησεν αυτον και ειπεν αυτω ετι εν σε υστερι υπαγε οσα εχεις πωλησον καιδος τοις πτωχοις και εξεις θησαυρον εν ουρανω και δευρο ακολουθι μοι	مرقص 10- 21	41
إضافة عبارة (حاملا الصليب) تهدف لإظهار دور الصليب وأهميته (دعم أهمية الصليب)						التعليق



Mar 10:21

10:21 Ο ΔΕ ΙΗΣΟΥΣ ΕΜΒΛΕΨΑΣ ΑΥΤΩ ΗΓΑΠΗΣΕΝ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ
 ho de iEsous emblepsas autO EgapEsen auton kai
 THE YET JESUS IN-looking to-him LOVES him AND
 looking-at

ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΩ ΕΝ COI ΥΣΤΕΡΕΙ ΥΠΑΓΕ ΟΣΑ
 eipen autO hen soi husterei hupage hosa
 said to-him ONE to-YOU IS-WANTING BE-UNDER-LEADING as-much-as
 one-thing is-being-deficient be-you-going-away! whatever

ΕΧΕΙΣ ΠΩΛΗΣΟΝ ΚΑΙ ΔΟΣ ΤΟΙΣ ΠΤΩΧΟΙΣ ΚΑΙ
 echeis pOIeson kai dos tois ptOchois kai
 YOU-ARE-HAVING SELL AND BE-GIVING to-THE POOR AND
 sell-you! be-you-giving! poor-ones

ΕΞΕΙΣ ΘΗΣΑΥΡΟΝ ΕΝ ΟΥΡΑΝΩ ΚΑΙ ΔΕΥΡΟ
 exeis thEsauron en ouranO kai deuro akolouthēi
 YOU-SHALL-BE-HAVING PLACED-INTO-MORROW IN heaven AND HITHER BE-followING
 treasure hither-you! be-you-following!

وتعال اتبعني
 AKOLOUΘEI

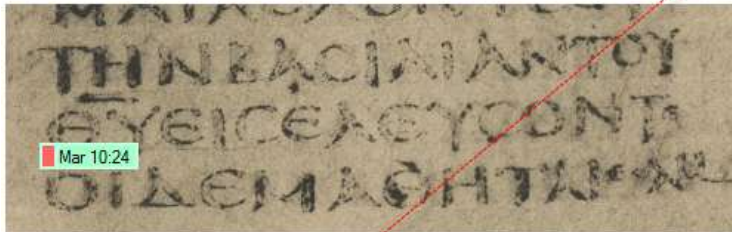
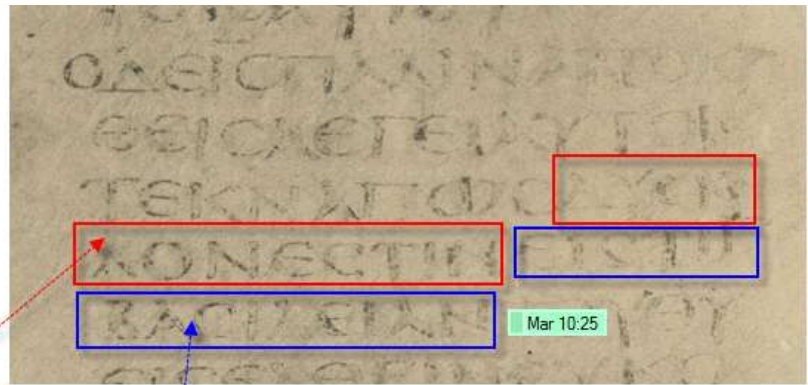
MOI ΑΡΑΣ ΤΟΝ ΣΤΑΥΡΟΝ
 moi aras ton stauron
 to-ME LIFTing THE pale
 me pick/me-up cross

المظلل بالأصفر غير
 موجود بالمخطوطة

10:22 Ο ΔΕ ΣΤΥΓΝΑΣΑΣ ΕΠΙ ΤΩ ΛΟΓΩ ΑΠΗΛΘΕΝ ΛΥΠΟΥΜΕΝΟΣ
 ho de stugnāsas epi tO logO apEithen lupoumenos
 THE YET SOMBERing ON THE saying he-FROM-CAME SORROWING
 being-somber he-came-away

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (المتكلمين على الأموال) τοὺς πεποιθότας ἐπὶ τοῖς (χρήμασιν) السينائية: المقطع محذوف</p>	<p>٢٤ فَتَحَيَّرَ التَّلَامِيذُ مِنْ كَلَامِهِ. فَأَجَابَ يَسُوعُ أَيْضًا وَقَالَ لَهُمْ: "يَا بَنِيَّ، مَا أَعْسَرَ دُخُولَ الْمُتَكَلِّمِينَ عَلَى الْأَمْوَالِ إِلَى مَلَكُوتِ اللَّهِ!</p>	<p>فاستغرب التلاميذ كلامه، فقال لهم ثانية: ((يا أبنائي، ما أصعب الدخول إلى ملكوت الله))</p>	<p>24 And the disciples were amazed at his words. But Jesus again answering says to them: Children, how hard it is to enter into the kingdom of God</p>	<p>^{M-01A} Mark 10:24 Οι δε μαθηται εθαμβουντο επι τοις λογοις αυτου Ο δε Ι̅ς̅ παλιν αποκριθεις λεγει αυτοις Τεκνα πως δυσκολον εστιν εις τη̅ βασιλειαν του Θ̅Υ̅ εισελθειν</p>	<p>مرقص 10- 24</p>	42
<p>الإضافة سببها تخفيف الأثر الناتج عن عبارة ((ما أصعب الدخول إلى ملكوت الله)) فإنها قد تكون عاملا على اليأس وهي العبارة الموجودة في السينائية , فأراد الناسخ حصر الصعوبة في صنف محدد وهم المتكلمين على أموالهم فقط (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p>					<p>التعليق</p>	





10:24 ΟΙ ΔΕ ΜΑΘΗΤΑΙ ΕΘΑΜΒΟΥΝΤΟ ΕΠΙ ΤΟΙΣ ΛΟΓΟΙΣ ΑΥΤΟΥ Ο
 hoi de mathetai ethambounto epi tois logois autou ho
 THE YET LEARNers WERE-AWED ON THE sayings OF-Him THE
 disciples were-awed words

ΔΕ ΙΗΣΟΥΣ ΠΑΛΙΝ ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΟΙΣ ΤΕΚΝΑ ΠΩΣ
 de iEsous palin apokritheis legei autois tekna pOs
 YET JESUS AGAIN answerING IS-sayING to-them offsprings how
 children !

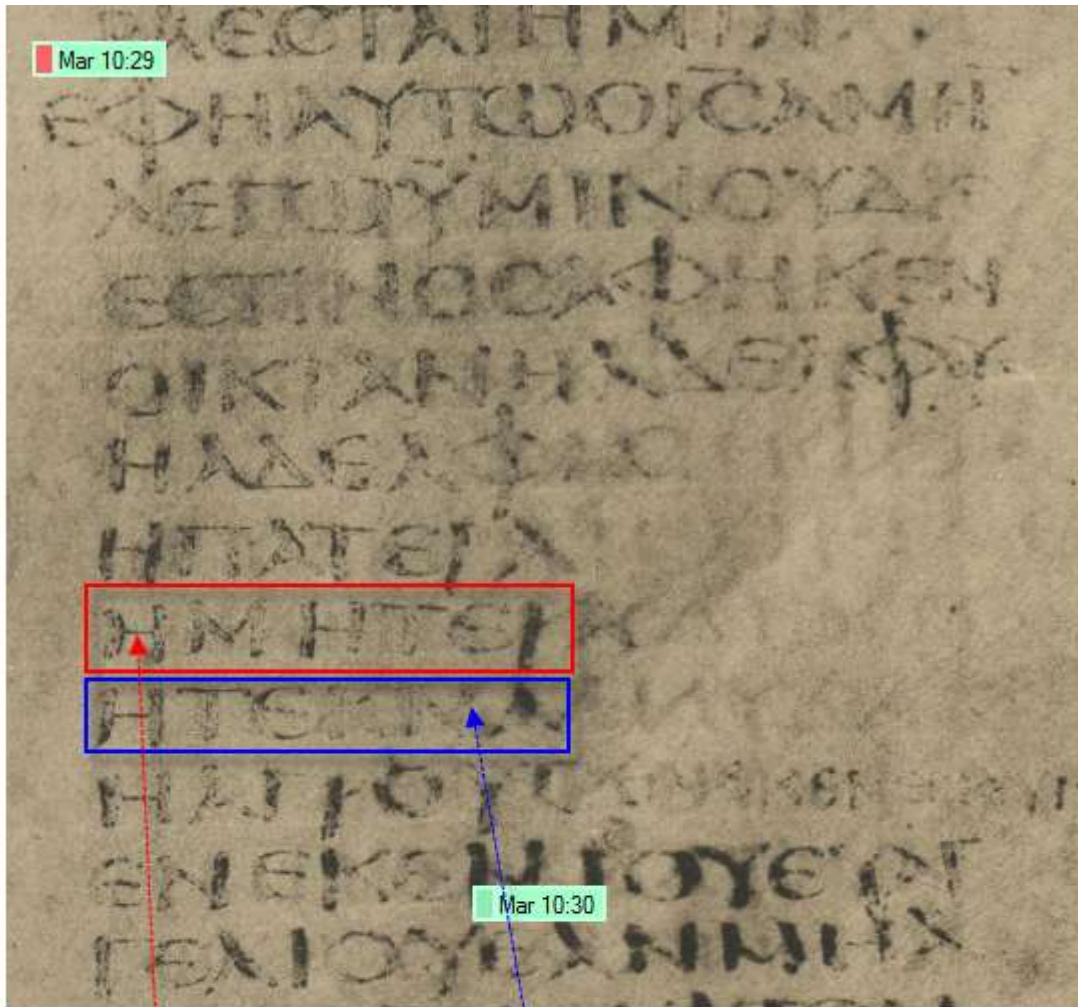
ما أصعب
 ΔΥΣΚΟΛΟΝ ΕΣΤΙΝ ΤΟΥΣ ΠΕΠΟΙΘΟΤΑΣ ΕΠΙ ΤΟΙΣ ΧΡΗΜΑΣΙΝ ΕΙΣ
 duskolon estin tous pepoithotas epi tois chrEmasin eis
 ILL-VICTUALLED it-IS THE ones-HAVING-confidence ON THE moneys INTO
 squeamish ones-having-confidence money(P)

ملكويت
 ΤΗΝ ΒΑΣΙΛΕΙΑΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΕΙΣΕΛΘΕΙΝ
 ten basileian tou theou eiselthein
 THE KINGdom OF-THE God TO-BE-INTO-COMING
 to-be-entering

المظلل بالأصفر غير موجود في
 المخطوط

10:25 ΕΥΚΟΠΩΤΕΡΟΝ ΕΣΤΙΝ ΚΑΜΗΛΟΝ ΔΙΑ ΤΗΣ ΤΡΥΜΑΛΙΑΣ ΤΗΣ
 eukopOteron estin kamElon dia tEs trumalias tEs
 easier it-IS CAMEL THRU THE BORE OF-THE
 through eye

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (امرأة ἡ γυναῖκα) السينائية: اللفظة محذوفة	٢٩ فَأَجَابَ يَسُوعُ وَقَالَ: "الْحَقُّ أَقُولُ لَكُمْ: لَيْسَ أَحَدٌ تَرَكَ بَيْتًا أَوْ إِخْوَةً أَوْ أَخَوَاتٍ أَوْ أَبًا أَوْ أُمَّ أَوْ امْرَأَةً أَوْ أَوْلَادًا أَوْ حُقُولًا، لأَجْلِ وَلأَجْلِ الْإِنْجِيلِ	فأجابه يسوع: ((الحق أقول لكم: ما من أحد ترك بيتا أو إخوة أو أخوات أو أما أو أبا أو أولادا أو حقولا من أجلي ومن أجل البشارة))	29 Jesus replied: Verily I say to you, there is no one that has left house, or brothers, or sisters, or mother, or father, or children, or lands, for my sake and for the sake of the gospel,	M-01A Mark 10:29 εφη αυτω ο ΙΣ Αμη λεγω υμιν ουδισ εστιν ος αφηκεν οικιαν η αδελφους η αδελφας η πατερα η μητερα η τεκνα η αγρους ενεκεν του ευαγγελιου	مرقص 10- 29	43
<p>قام النساخ بإضافة لفظة (امرأة) من أجل مطابقة النص في مرقص مع نظيره في متى 19-29 : "وَكُلُّ مَنْ تَرَكَ بَيْتًا أَوْ إِخْوَةً أَوْ أَخَوَاتٍ أَوْ أَبًا أَوْ أُمَّ أَوْ امْرَأَةً أَوْ أَوْلَادًا أَوْ حُقُولًا مِنْ أَجْلِ اسْمِي، يَأْخُذُ مِثَّةَ ضِعْفٍ وَيَرِثُ الْحَيَاةَ الْأَبَدِيَّةَ." (مطابقة الأناجيل بعضها ببعض)</p>					التعليق	



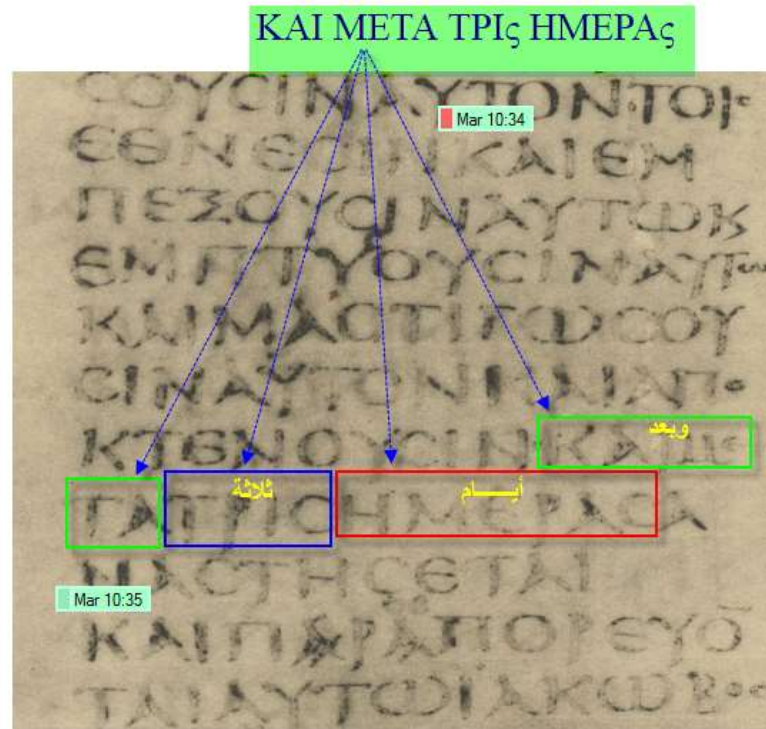
Mar 10:29

Mar 10:30

10:29	ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ	ΔΕ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΕΙΠΕΝ	ΑΜΗΝ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ			
	apokritheis		de	ho iEsous	eipen	amEn	legO	humin			
	answerING		YET	THE JESUS	said	AMEN	I-AM-sayING	to-YOU(P)			
						verily		to-ye			
	ΟΥΔΕΙΣ	ΕΣΤΙΝ	ΟΣ	ΑΦΗΚΕΝ	ΟΙΚΙΑΝ	Η	ΑΔΕΛΦΟΥΣ	Η	ΑΔΕΛΦΑΣ		
	oudeis	estin	hos	aphEken	oikian	E	adelphous	E	adelphas		
	NOT-YET-ONE	IS	WHO	FROM-LETS	HOME	OR	brothers	OR	sisters		
	no-one	there-is		leaves	house						
	Η	ΠΑΤΕΡΑ	Η	ΜΗΤΕΡΑ	Η	ΓΥΝΑΙΚΑ	Η	ΤΕΚΝΑ	Η	ΑΓΡΟΥΣ	ΕΝΕΚΕΝ
	E	patera	hE	mEtera	E	gunaika	E	tekna	E	agrous	heneken
	OR	FATHER	OR	MOTHER	OR	WOMAN	OR	offsprings	OR	FIELDS	on-account-of
				wife		children					
	ΕΜΟΥ	ΚΑΙ	ΤΟΥ	ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ							
	emou	kai	tou	euaggeliou							
	OF-ME	AND	OF-THE	WELL-MESSAGE							
	me	the									

المظلل بالأصفر غير موجود

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر عبارة: وفي اليوم الثالث يقوم και τη τρίτη ημέρα ἀναστήσεται</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: وبعد ثلاثة أيام يقوم και μετα τρις ημερας αναστησεται</p>	<p>٤٣ فَيَهْزَأُونَ بِهِ وَيَجْلِدُونَهُ وَيَقْتُلُونَهُ عَلَيْهِ وَيَقْتُلُونَهُ، وفي اليوم الثالث يقوم".</p>	<p>فيستهزئون به، ويبصقون عليه ويجلدونه ويقتلونه، وبعد ثلاثة أيام يقوم))</p>	<p>34 And they shall mock him, and spit upon him, and scourge him, and put him to death, and after three days he shall rise.</p>	<p>M-01A Mark 10:34 και εμπειξουσιν αυτω και εμπτυουσιν αυτω και μαστιγωσουσιν αυτον και αποκτενουσιν και μετα τρις ημερας αναστησεται</p>	مرقص 10-34	44
<p>قام ناسخ النص اليوناني الذي تعتمد عليه النسخة العربية بتغيير النص الموجود في السينائية لأنه يجعل المسيح قد قام من الموت يوم الاثنين , حيث أننا من الأناجيل أن المسيح صلب يوم الجمعة , في حين أن الأناجيل تخبرنا أنه قام من الموت في صباح يوم الأحد , فكان لابد من تغيير عبارة (بعد ثلاثة أيام) إلي (في اليوم الثالث) (علاج التناقضات) (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>					التعليق	



10:34 ΚΑΙ ΕΜΠΑΙΣΟΥΣΙΝ ΑΥΤΩ ΚΑΙ ΜΑΣΤΙΓΩΣΟΥΣΙΝ ΑΥΤΟΝ
kai empaixousin autō kai mastigōsousin auton
AND THEY-SHALL-BE-IN-sportING to-Him AND THEY-SHALL-BE-scourgING Him
they-shall-be-scoffing-at him

ΚΑΙ ΕΜΠΤΥΟΥΣΙΝ ΑΥΤΩ ΚΑΙ ΑΠΟΚΤΕΝΟΥΣΙΝ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ
kai emptuousin autō kai apoktenousin auton kai
AND THEY-SHALL-BE-IN-SPITTING to-Him AND THEY-SHALL-BE-FROM-KILLING Him AND
shall-be-spitting-in they-shall-be-killing

وفي اليوم الثالث
ΤΗ ΤΡΙΤΗ ΗΜΕΡΑ ΑΝΑΣΤΗΣΕΤΑΙ
tE tritE hEmera anastEsetai
to-THE third DAY He-SHALL-BE-UP-STANDING
he-shall-be-rising

10:35 ΚΑΙ ΠΡΟΣΠΟΡΕΥΟΝΤΑΙ ΑΥΤΩ ΙΑΚΩΒΟΣ ΚΑΙ ΙΩΑΝΝΗΣ ΟΙ
kai prosporeuontai autō iakōbos kai iōannēs hoi
AND ARE-TOWARD-GOING to-Him JACOBUS AND JOHN THE

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: ينتهي النص عند : (أعد لهم) السينائية: تضيف المقطع التالي في آخر النص: (من أبي πατρος μου)	٤٠. وَأَمَّا الْجُلُوسُ عَنْ يَمِينِي وَعَنْ يَسَارِي فَلَيْسَ لِي أَنْ أُعْطِيَهُ إِلَّا لِلَّذِينَ أَعَدَّ لَهُمْ". لهم من أبي	40 but to sit on my right hand or on my left is not mine to give, but it shall be given to those for whom it has been prepared by my father.	M-01A Mark 10:40 το δε καθισαι εκ δεξιων μου η εξ ευωνυμων ουκ εστιν εμον δουναι αλλ οισ ητοιμασται υπο πατρος μου (Mk. 10:40 M-01A)	مرقص 10-40	45
	هذا المقطع (من أبي) في مرقص يوضح أن حجز أماكن في الملكوت هو خاصية من خصائص أقنوم الأب , مما يجعله أعظم في الطبيعة الإلهية من أقنوم الابن والروح القدس. فقرر النساخ حذف العبارة حتى تبقى الأقانيم متساوية (دعم المساواة بين الأقانيم)				التعليق	

من أبي
ΥΠΟ ΤΟΥ ΠΑΤΡΟΣ ΜΟΥ
hupe tou patros mou
by THE FATHER OF-ME

Mar 10:40

المقطع الزائد

Mar 10:41

10:40 ΤΟ ΔΕ ΚΑΘΙΣΑΙ ΕΚ ΔΕΞΙΩΝ ΜΟΥ ΚΑΙ ΕΞ ΕΥΩΝΥΜΩΝ ΜΟΥ
to de kathisai ek dexiōn mou kai ex euōnumōn mou
THE YET TO-be-seated OUT OF-RIGHT OF-right OF-ME AND OUT OF-left OF-ME
of-left

ΟΥΚ ΕΣΤΙΝ ΕΜΟΝ ΔΟΥΝΑΙ ΑΛΛ ΟΙΣ
ouk estin emon dounai all hois
NOT IS MY TO-GIVE but to-WHOM
mine it-shall-be-given-to-them-to-whom

أعد لهم
ΗΤΟΙΜΑΣΤΑΙ
hetoimastai
it-HAS-been-made-READY

ولما سمع
10:41 ΚΑΙ ΑΚΟΥΣΑΝΤΕΣ ΟΙ ΔΕΚΑ ΗΡΞΑΝΤΟ ΑΓΑΝΑΚΤΕΙΝ ΠΕΡΙ
kai akousantes hoi deka Erxanto aganaktein peri
AND HEAR/ing OF-it THE TEN begin TO-BE-resentING ABOUT
hearing-of-it to-be-being-resentful concerning

ΙΑΚΩΒΟΥ ΚΑΙ ΙΩΑΝΝΟΥ
iakōbou kai iōannou
JACOBUS AND JOHN
James

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: أضافت مقطع: (وفرشوها في الطريق καὶ ἐστρώννουν εἰς τὴν (ὁδόν</p> <p>السينائية: المقطع بالكامل غير موجود</p>	<p>٨. وَكَثِيرُونَ فَرَشُوا ثِيَابَهُمْ فِي الطَّرِيقِ. وَأَخْرَوْنَ قَطَعُوا أَغْصَانًا مِنَ الشَّجَرِ وَفَرَشُوهَا فِي الطَّرِيقِ.</p>	<p>وبسط كثير من الناس ثيابهم على الطريق، وقطع آخرون أغصانا من الحقول.</p>	<p>8 And many spread their mantles in the road, but others, bundles of straw, having cut them from the fields.</p>	<p>M-01A Mark 11:8 Καὶ πολλοὶ τὰ ἱμάτια αὐτῶν ἐστρώσαν εἰς τὴν ὁδὸν ἀλλοὶ δὲ στιβαδάς κοψάντες ἐκ τῶν ἀγρῶν</p>	مرقص 8-11	46
<p>أضاف ناسخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية مقطع (وفرشوها في الطريق) لسببين :</p> <ul style="list-style-type: none"> - توضيح الفائدة من قطع الأغصان , إذ أن توقف مرقص عند عبارة (قطعوا أغصانا من الشجر) يثير الاستفهام : ما الفائدة من ذلك ؟ فكانت الإضافة كفيلا بالإجابة - إظهار التأثير الكبير للمعجزات التي صنعها يسوع وهو الشيء الذي جعل الناس تفرش له الأغصان بسبب صيته الذائع <p>(تحسين النص) (دعم المعجزات)</p>						التعليق

Mar 11:8

Mar 11:9

الشجر

المطلل بالأصفر غير موجود في المخطوطة

وفرشوها في الطريق

والذين تقدموا

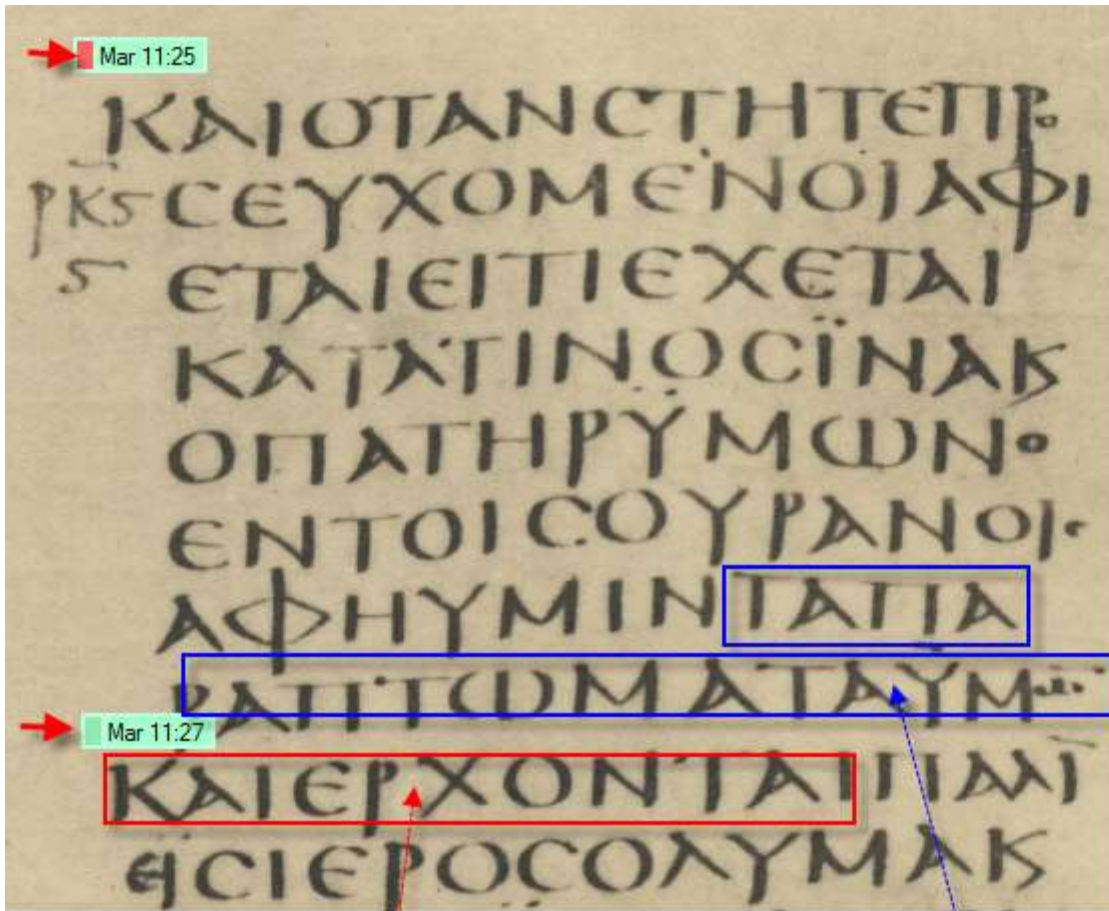
11:8 πολλοὶ δὲ τὰ ἱμάτια αὐτῶν ἐστρώσαν εἰς τὴν ὁδὸν
 polloi de ta himatia autōn estrōsan eis tēn hodon
 MANY YET THE GARMENTS OF-them STREW INTO THE WAY road

ἀλλοὶ δὲ στιβάδας ἐκόπτον ἐκ τῶν ἀγρῶν καὶ
 alloi de stobadas ekopton ek tōn dendrōn kai
 others YET soft-foliages STRUCK OUT OF-THE TREES AND
 chopped

ἐστρώννουν εἰς τὴν ὁδὸν
 estrōnnoun eis tēn hodon
 STREWED INTO THE WAY
 strewed-them road

11:9 καὶ οἱ προάγοντες καὶ οἱ ἀκολουθοῦντες ἐκράζον
 kai hoi proagontes kai hoi akolouthountes ekrazon
 AND THE ones-BEFORE-LEADING AND THE ones-following CRIED
 ones-preceding ones-following

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي محذوف	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص: εἰ δὲ ὑμεῖς οὐκ ἀφίετε, οὐδὲ ὁ πατὴρ ὑμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς ἀφήσει τὰ παραπτώματα ὑμῶν. السينائية: النص بالكامل محذوف	٢٦ وَإِنْ لَمْ تَغْفِرُوا أَنْتُمْ لَأَ يَغْفِرَ أَبُوكُمْ الَّذِي فِي السَّمَاوَاتِ أَيْضًا رَلَاتِكُمْ.	محذوف	26 [no verse]	26 [no verse]	مرقص 11- 26	47
<p>الفقرة (11 : 25 - 27) من إنجيل مرقس تشبه نظيرتها في متى (6 : 15-14) , فقام النساخ بإضافة هذا النص على إنجيل مرقس لسببين :</p> <ul style="list-style-type: none"> - من أجل مطابقة الفقرة في مرقس مع نظيرتها في متى , حيث النص موجود في متى 6-15 - من أجل صناعة صيغة مناسبة للاستعمال في الصلاة , <p>(سد الفراغ الروحي بزرع العبادات) (المطابقة بين الأنجيل وبعضها)</p>					التعليق	



11:25 ΚΑΙ ΟΤΑΝ ΣΤΗΚΗΤΕ ΠΡΟΣΕΥΧΟΜΕΝΟΙ ΑΦΙΕΤΕ ΕΙ
 kai hotan stEkEte proseuchomenoi aphiete ei
 AND when-EVER YE-MAY-BE-STANDING-firm praying BE-FROM-LETTING IF
 whenever ye-may-be-standing

ΤΙ ΕΧΕΤΕ ΚΑΤΑ ΤΙΝΟΣ ΙΝΑ ΚΑΙ Ο ΠΑΤΗΡ ΥΜΩΝ Ο ΕΝ
 ti echete kata tinos hina kai ho patEr humOn ho en
 ANY YE-ARE-HAVING DOWN OF-ANY THAT AND THE FATHER OF-YOU(P) THE IN
 anything against anyone also of-ye the-one

ΤΟΙΣ ΟΥΡΑΝΟΙΣ ΑΦΗ ΥΜΙΝ ΤΑ ΠΑΡΑΠΤΩΜΑΤΑ ΥΜΩΝ
 tois ouranois aphE humin ta paraptOmata humOn
 THE heavens MAY-BE-FROM-LETTING to-YOU(P) THE BESIDE-FALLS OF-YOU(P)
 may-be-forgiving ye offenses of-ye

11:26 ΕΙ ΔΕ ΥΜΕΙΣ ΟΥΚ ΑΦΙΕΤΕ ΟΥΔΕ Ο ΠΑΤΗΡ ΥΜΩΝ Ο
 ei de humeis ouk aphiete oude ho patEr humOn ho
 IF YET YOU(P) NOT ARE-FROM-LETTING NOT-YET THE FATHER OF-YOU(P) THE
 are-forgiving neither

ΕΝ ΤΟΙΣ ΟΥΡΑΝΟΙΣ ΑΦΗΣΕΙ ΤΑ ΠΑΡΑΠΤΩΜΑΤΑ ΥΜΩΝ
 en tois ouranois aphEsei ta paraptOmata humOn
 IN THE heavens SHALL-BE-FROM-LETTING THE BESIDE-FALLS OF-YOU(P)
 shall-be-forgiving offenses

11:27 ΚΑΙ ΕΡΧΟΝΤΑΙ ΠΑΛΙΝ ΕΙΣ ΙΕΡΟΣΟΛΥΜΑ ΚΑΙ ΕΝ ΤΩ
 kai erchontai palin eis ierosoluma kai en to
 AND THEY-ARE-COMING AGAIN INTO JERUSALEM AND IN THE

النص المظلل
 بالأصفر غير موجود
 بالمخطوطة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (فرجموه ليثوبوليسانتس السينائية: اللفظة غير موجودة	فَأرسلَ خادماً آخراً، وهذا ضربوه على رأسه وأهانوه وأرجعوه.	4 And again he sent to them another servant; and they wounded him in the head and dishonored him.	M-01A Mark 12:4 Και παλιν απεστειλεν προς αυτους αλλον κακεινον εκεφαλιωσαν και ητιμασαν (Mk. 12:4 M-01A)	مرقص 4-12	48
أضاف النساخ لفظة (فرجموه) هنا في مرقص لجعل النص يتطابق مع متى (21- 35) حيث تذكر لفظة (فرجموه) : ٣٥ فَأَخَذَ الْكِرَامُونَ عَيْبِدَهُ وَجَلَدُوا بَعْضًا وَقَتَلُوا بَعْضًا وَرَجَمُوا بَعْضًا. (مطابقة الأناجيل بعضها)						التعليق

Mar 12:4

ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΑΛΛΟΝ ΔΟΥΛΟΝ

ΚΑΚΕΙΝΟΝ

Mar 12:5

ΚΕΦΑΛΙΩΣΑΝ ΚΑΙ ΑΠΕΣΤΕΙΛΑΝ

12:4 ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΑΛΛΟΝ ΔΟΥΛΟΝ
kai palin apesteilen pros autous allon doulon
AND AGAIN he-commissions TOWARD them other SLAVE
he-dispatches another

ΚΑΚΕΙΝΟΝ ΛΙΘΟΒΟΛΗΣΑΝΤΕΣ ΕΚΕΦΑΛΙΩΣΑΝ ΚΑΙ ΑΠΕΣΤΕΙΛΑΝ
kakeinon lithobolēsantes ekephalaiōsan kai apesteilan
AND-that-one STONE-CASTING THEY-HEAD AND commission
and-that-one pelting-with-stones they-hit-his-head dispatch-him

HTIMOMENON
Etimomenon
HAVING-UN-VALUED
having-dishonored-him

الممثل بالأصفر
غير موجود
بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
49	مرقص 12-23	^{M-01A} Mark 12:23 Εν τη αναστασει τινος αυτων εσται γυνη Οι γαρ επτα εσχον αυτην γυναικα (Mk. 12:23 M-01A)	23 In the resurrection, of which of them shall she be the wife? For the seven had her as a wife	فلأى واحد منهم تكون زوجة في القيامة ؟ لأنها كانت زوجة للسبعة)).	٢٣ ففي القيامة، متى قاموا، لمن منهم تكون زوجة؟ لأنها كانت زوجة للسبعة".	النسخة العربية: تضيف عبارة (متى قاموا <i>ὅταν ἀναστῶσιν</i>) السينائية: العبارة غير موجودة
		أضف النساخ هذه العبارة (متى قاموا) من أجل زيادة توضيح المعني , فإن الإخوة المذكورين لن يتمكنوا من أن تكون لهم زوجة في القيامة إلا إن قاموا من الموت , فتمت الإضافة من أجل هذا الأمر. (تحسين النص)			التعليق	



ΑΥΤΩΝ ΕΣΤΑΙ ΓΥΝΗ
ΟΙ ΓΑΡ ΕΠΤΑ ΕΣΧΟΝ
ΑΥΤΗΝ ΓΥΝΑΙΚΑ
ΕΦΗ ΑΥΤΟΙΣ ΟΙΣ

Mar 12:24

ΠΑΝΤΩΝ ΚΑΙ Η
ΝΗ ΑΠΕΘΑΝΕΝ
ΤΗ ΑΝΑΤΑΞΕΙ ΤΙΝ

Mar 12:23

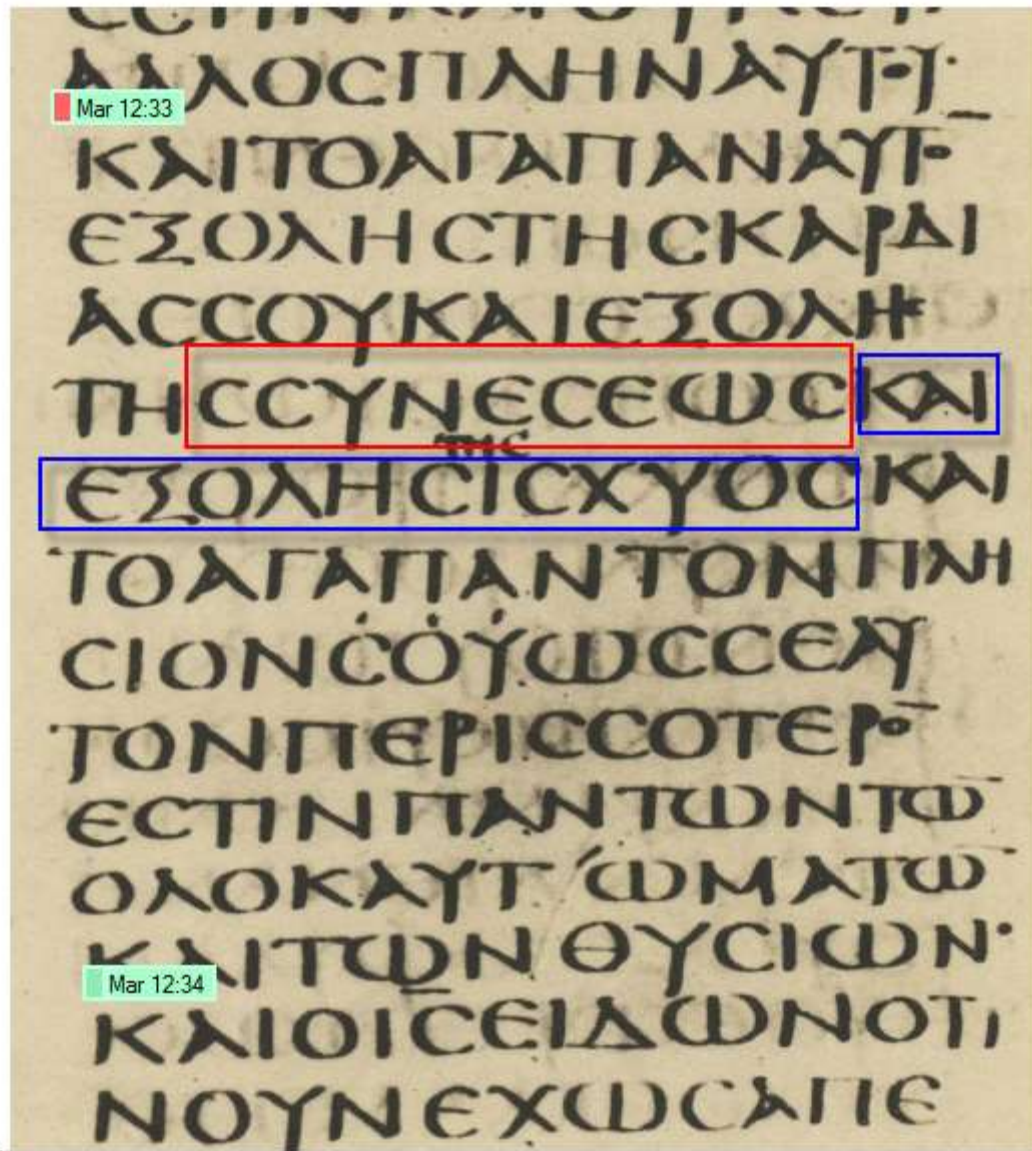
ΑΝΑΤΑΞΕΙ ΤΙΝ

12:23	EN	TH	OYN	ΑΝΑΤΑΞΕΙ	ΟΤΑΝ	ΑΝΑΤΩΣΙΝ	ΤΙΝΟΣ
	en	te	oun	anastasei	hotan	anastosin	tinus
	IN	THE	THEN	UP-STANDING	when-EVER	THEY-MAY-BE-UP-STANDING	OF-ANY
				resurrection	whenever	they-may-be-rising	of-which

ΑΥΤΩΝ	ΕΣΤΑΙ	ΓΥΝΗ	ΟΙ	ΓΑΡ	ΕΠΤΑ	ΕΣΧΟΝ	ΑΥΤΗΝ	ΓΥΝΑΙΚΑ
auton	estai	gunē	hoi	gar	hepta	eschon	autēn	gunaika
OF-them	SHALL-BE	WOMAN	THE	for	SEVEN	have-HAD	her	WOMAN
	she-shall-be	wife						wife

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة : (ومن كل النفس $\epsilon\tilde{\nu}\tilde{\nu}\tilde{\nu}$) ($\omicron\lambda\eta\varsigma\ \tau\eta\varsigma\ \psi\upsilon\chi\eta\varsigma$) السينائية: المقطع محذوف</p>	<p>٣٣ وَمَحَبَّتُهُ مِنْ كُلِّ الْقَلْبِ، وَمِنْ كُلِّ الْفَهْمِ، وَمِنْ كُلِّ الْقُدْرَةِ، النَّفْسِ، وَمِنْ كُلِّ الْقُدْرَةِ، وَمَحَبَّةَ الْقَرِيبِ كَالنَّفْسِ، هِيَ أَفْضَلُ مِنْ جَمِيعِ الْمُحْرَقَاتِ وَالذَّبَائِحِ".</p>	<p>وأن يحبه الإنسان بكل قلبه وكل فكره وكل قدرته، وأن يحب قريبه مثلما يحب نفسه، أفضل من كل الذبائح والقرايين)).</p>	<p>33 And to love him with the whole heart, and with the whole understanding, and with the whole strength, and to love one's neighbor as himself is more than all whole burnt- offerings and sacrifices.</p>	<p>^{M-01A} Mark 12:33 και το αγαπαν αυτο̄ εξ ολης της καρδιας σου και εξ ολης της συνεσεως και εξ ολης ισχυος και το αγαπαν τον πλησιον σου ως σεαυτον περισσοτερο̄ εστιν παντων τω̄ ολοκαυτωματο̄ και των θυσιων</p>	<p>مرقص 12- 33</p>	50
<p>لاحظ النساخ أن مرقص نسي عبارة (ومن كل النفس) , حيث أنه كان قد ذكر في النص السابق لهذا النص ألا وهو (مرقص 12-30) : " وَتُحِبُّ الرَّبَّ إِلَهَكَ مِنْ كُلِّ قَلْبِكَ، وَمِنْ كُلِّ نَفْسِكَ، وَمِنْ كُلِّ فِكْرِكَ، وَمِنْ كُلِّ قُدْرَتِكَ. هَذِهِ هِيَ الْوَصِيَّةُ الْأُولَى." فنذكر هنا في الوصية الأولى ضرورة المحبة من كل النفس , لكنه في العدد 33 نسي ذكرها , فقام النساخ بعمل اللازم (تصحيح أخطاء المؤلف)</p>					<p>التعليق</p>	



12:33 ΚΑΙ ΤΟ ΑΓΑΠΑΝ ΑΥΤΟΝ ΕΞ ΟΛΗΣ ΤΗΣ ΚΑΡΔΙΑΣ ΚΑΙ ΕΞ
 kai to agapan auton ex holEs tEs kardias kai ex
 AND THE TO-BE-LOVING Him OUT OF-WHOLE THE HEART AND OUT

ΟΛΗΣ ΤΗΣ **ΤΗΣ** **ΚΑΙ** ΕΞ ΟΛΗΣ ΤΗΣ ΨΥΧΗΣ **ΚΑΙ** ΕΞ
 holEs tEs suneseOs kai ex holEs tEs psuchEs kai ex
 OF-WHOLE THE understanding AND OUT OF-WHOLE THE soul AND OUT

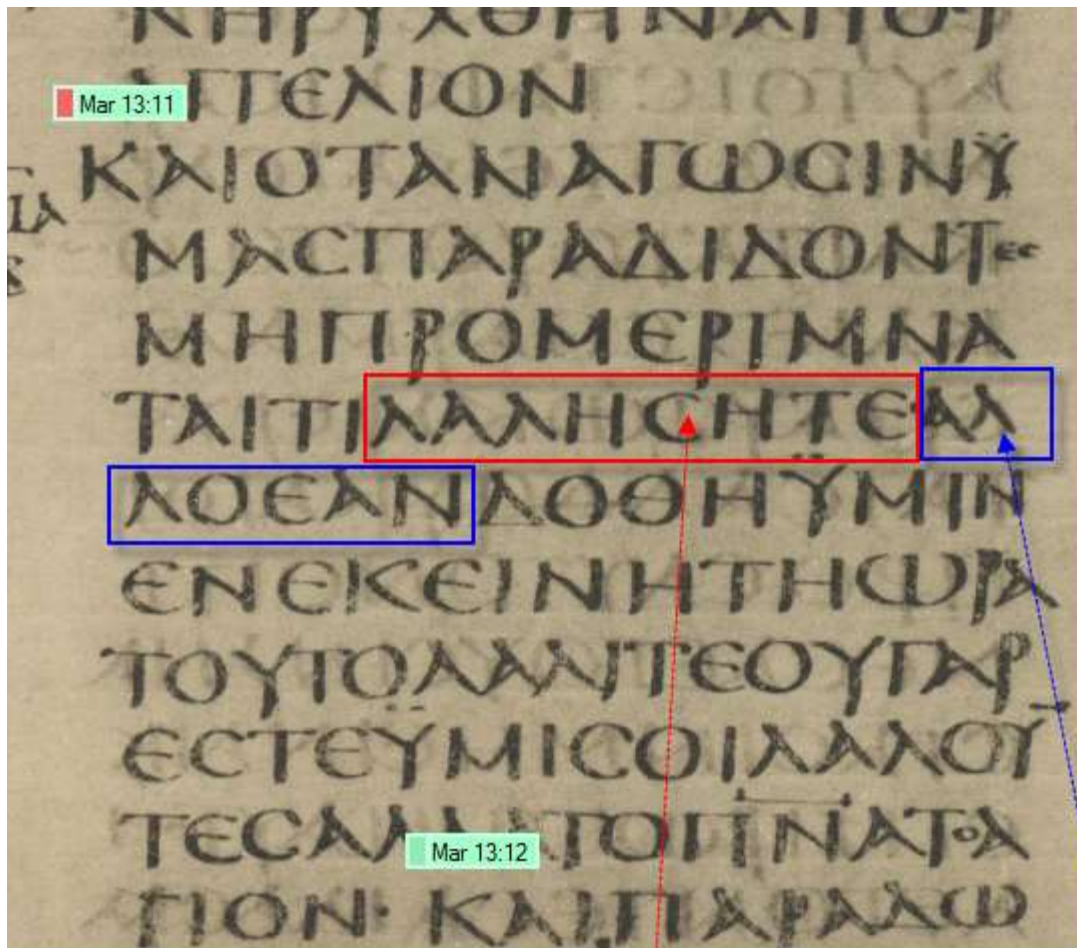
ΟΛΗΣ ΤΗΣ **ΚΑΙ** ΤΟ ΑΓΑΠΑΝ ΤΟΝ ΠΛΗΘΙΟΝ ΩΣ
 holEs tEs ischuos kai to agapan ton plEsion hOs
 OF-WHOLE THE STRENGTH AND THE TO-BE-LOVING THE HIGH-one AS
 associate

ΕΑΥΤΟΝ ΠΛΕΙΟΝ ΕΣΤΙΝ ΠΑΝΤΩΝ ΤΩΝ ΟΛΟΚΑΥΤΩΜΑΤΩΝ ΚΑΙ
 heauton pleion estin pantOn tOn holokautOmatOn kai
 self MORE IS OF-ALL THE WHOLE-BURNS AND
 himself ascent-offerings

ΤΩΝ ΘΥΣΙΩΝ
 tOn thusiOn
 THE SACRIFICES

المطلل بالأصفر غير موجود في المخطوط

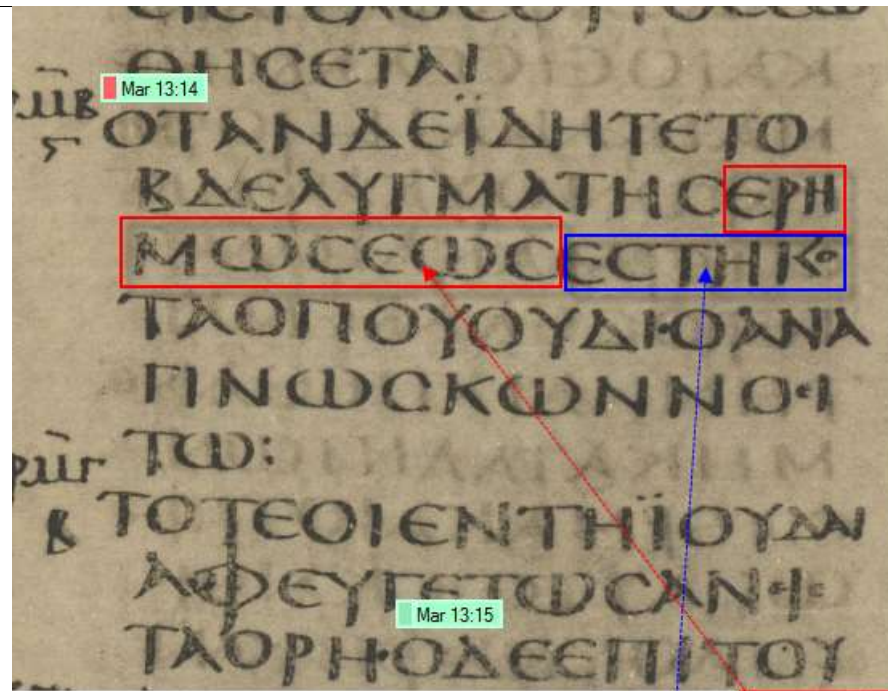
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (ولا تهتموا μηδὲ (μελετᾶτε السينائية: المقطع محذوف	١ اَفَمَتَى سَأَفُوكُمْ لِيَسْلَمُوكُمْ، فَلَا تَعْتَنُوا مِنْ قَبْلُ بِمَا تَتَكَلَّمُونَ وَلَا تَهْتَمُوا، بَلْ مَهْمَا أُعْطِيتُمْ فِي تِلْكَ السَّاعَةِ فَبِذَلِكَ تَكَلَّمُوا. لِأَنَّ لِسْتُمْ أَنْتُمْ الْمُتَكَلِّمِينَ بَلِ الرُّوحِ الْقُدُسِ.	وعندما يأخذونكم ليسلموكم لا تعتنوا من قبل كيف تتكلمون، بل تكلّموا بما يوحى إليكم في حينه، لأن الروح القدس هو المتكلم لا أنتم.	11 And when they lead you delivering you up, be not anxious beforehand what you shall speak; but whatever shall be given you in that hour, this speak; for you are not the speakers, but the Holy Spirit.	^{M-01A} Mark 13:11 Και οταν αγωσιν υμας παραδιδοντες μη προμεριμναται τι λαλησητε αλλ ο εαν δοθη υμιν εν εκεινη τη ωρα τουτο λαλιτε ου γαρ εστε υμις οι λαλου_τες αλλα το ΠΙΝΑ_το αγιον (Mk. 13:11 M- 01A)	مرقص 13-11	51
أضاف الناسخ عبارة (ولا تهتموا) لسببين:- 1- مطابقة النص هنا مع نظيره في لوقا (21-14): (٤ اَفْضَعُوا فِي قُلُوبِكُمْ أَنْ لَا تَهْتَمُوا مِنْ قَبْلُ لِكَيْ تَحْتَجُّوا) 2- التأكيد على المعنى الذي أراد مرقس توصيله على لسان يسوع وهو (عدم القلق) (مطابفة الأناجيل بعضها) (تحسين النص)					التعليق	



13:11	ΟΤΑΝ	ΔΕ	ΑΓΑΓΩΣΙΝ	ΥΜΑΣ	ΠΑΡΑΔΙΔΟΝΤΕΣ	ΜΗ
	hotan	de	agagOsin	humas	paradidontes	mE
	when-EVER	YET	THEY-MAY-BE-FROM-LEADING	YOU(P)	BESIDE-GIVING	NO
	whenever		they-may-be-leading-off	ye	giving-over-ye	
	ΠΡΟΜΕΡΙΜΝΑΤΕ	ΤΙ	ΛΑΛΗΧΗΤΕ	ΜΗΔΕ	ΜΕΛΕΤΑΤΕ	ΑΛΛ Ο
	promerimnate	ti	laEsEte	mEde	meletate	all ho
	BE-YE-beING-BEFORE-anxious	ANY	YE-SHOULD-BE-TALKING	NO-YET	BE-YE-meditatING	but WHICH
	be-ye-worrying-beforehand!	what?	ye-should-be-speaking	neither	be-ye-meditating	
	ΕΑΝ	ΔΟΘΗ	ΥΜΙΝ	ΕΝ	ΕΚΕΙΝΗ	ΤΗ
	ean	dothE	humin	en	ekeinE	tE
	IF-EVER	MAY-BE-BEING-GIVEN	to-YOU(P)	IN	that	THE
			to-ye			HOUR
						touto
						lalesEte
						YE-LE-TALKING
						be-ye-speaking!
	ΟΥ	ΓΑΡ	ΕΣΤΕ	ΥΜΕΙΣ	ΟΙ	ΛΑΛΟΥΝΤΕΣ
	ou	gar	este	humais	hoi	lalountes
	NOT	for	ARE	YOU(P)	THE	ones-TALKING
				ye		ones-speaking
						ΑΛΛΑ
						alla
						to
						pneuma
						THE
						spirit

المظلل بالأصفر محذوف
THE

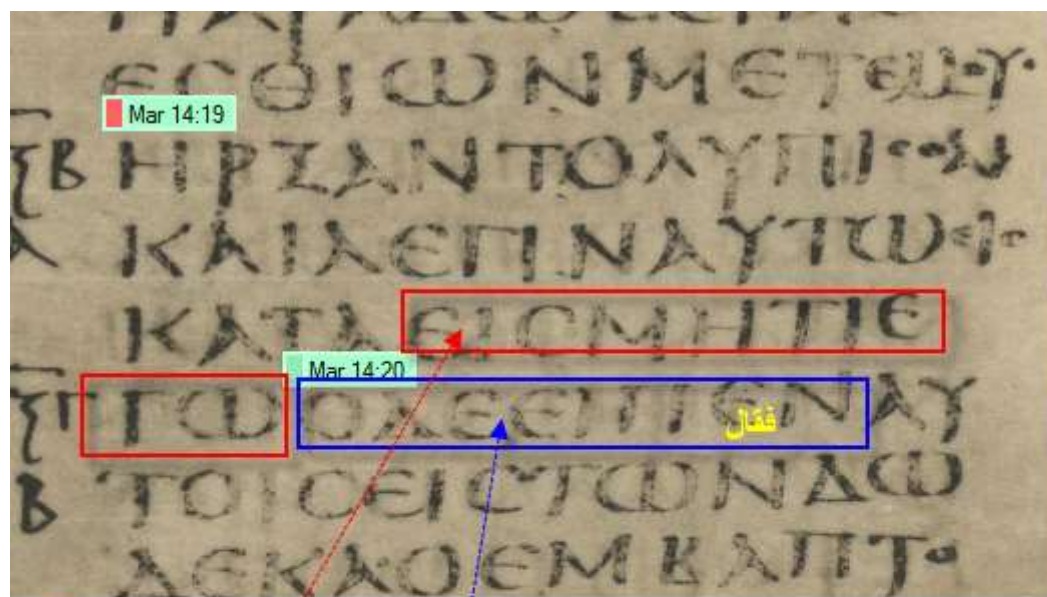
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (التي قال عنها دانيال τὸ ῥηθὲν ὑπὸ τῷ προφήτῳ Δανιὴλ) السينائية: العبارة محذوفة	٤ اَفَمَتَى نَظَرْتُمْ "رَجَسَةَ الْحَرَابِ" الَّتِي قَالَتْ عَنْهَا دَانِيَالُ النَّبِيُّ، قَائِمَةً حَيْثُ لَا يَنْبَغِي. -لِيَفْهَمَ الْقَارِئُ- فَحَيِّنْ لِيَهْرَبِ الَّذِينَ فِي الْيَهُودِيَّةِ إِلَى الْجِبَالِ	وإذا رأيتم ((نجاسة الخراب)) قائمة حيث يجب أن لا تكون، (إفهم هذا أيها القارئ)، فليهرب إلى الجبال من كان في اليهودية.	14 But when you see the abomination of desolation standing where it ought not (let the reader understand), then let those in Judea flee to the mountains:	M-01A Mark 13:14 Όταν δε ἴδητε τὸ βδελύγμα τῆς ερημώσεως ἐστηκότα οὗ οὐ διὸ ἀναγινώσκων νοεῖτω τότε οἱ ἐν τῇ Ἰουδαίᾳ φευγέτωσαν εἰς τὰ ὄρη (Mk. 13:14 M-01A)	مرقص 13-14	55
أضاف النساخ هذه العبارة (التي قال عنها دانيال النبي) على كلام مرقص لسببين :					التعليق	
1- التنبيه على موضع الاقتباس في العهد القديم						
2- مطابقة النص هنا في مرقص مع نظيره في متى (24-15): ١٥ "فَمَتَى نَظَرْتُمْ "رَجَسَةَ الْحَرَابِ" الَّتِي قَالَتْ عَنْهَا دَانِيَالُ النَّبِيُّ قَائِمَةً فِي الْمَكَانِ الْمُقَدَّسِ -لِيَفْهَمَ الْقَارِئُ- (دعم الاقتباسات) (مطابقة الأناجيل بعضها)						



13:14	ΌΤΑΝ	ΔΕ	ΙΔΗΤΕ	ΤΟ	ΒΔΕΛΥΓΜΑ	ΤΗΣ	ΕΡΗΜΩΣΕΩΣ
	hotan	de	idEte	to	bdelugma	tEs	erEmOseUs
	when-EVER	YET	YE-MAY-BE-PERCEIVING	THE	ABOMINATION	OF-THE	DESOLATING
	whenever						desolation
	ΤΟ	ΡΗΘΕΝ	ΥΠΟ	ΔΑΝΙΗΛ	ΤΟΥ	ΠΡΟΦΗΤΟΥ	ΕΣΤΩΣ
	to	rEthen	hupo	daniEl	tou	prophEtou	hestOs
	THE	BEING-declarED	by	DANIEL	THE	BEFORE-AVERer	HAVING-STOOD
				prophet			standing
	ΟΥ	ΔΕΙ	Ο	ΑΝΑΓΙΝΩΣΚΩΝ	ΝΟΕΙΤΩ	ΤΟΤΕ	ΟΙ
	ou	dei	ho	anaginOskOn	noeitO	tote	hoi
	NOT	it-IS-BINDING	THE	one-readING	LET-BE-MINDING	then	THE-ones
		it-must		one-reading	let-him-be-apprehending		the-ones
	ΙΟΥΔΑΙΑ	ΦΕΥΓΕΤΩΣΑΝ	ΕΙΣ	ΤΑ	ΟΡΗ		
	ioudaia	pheugEtOsan	eis	ta	orE		
	JUDEA	LET-BE-FLEEING	INTO	THE	mountains		
		let-them-be-fleeing!					

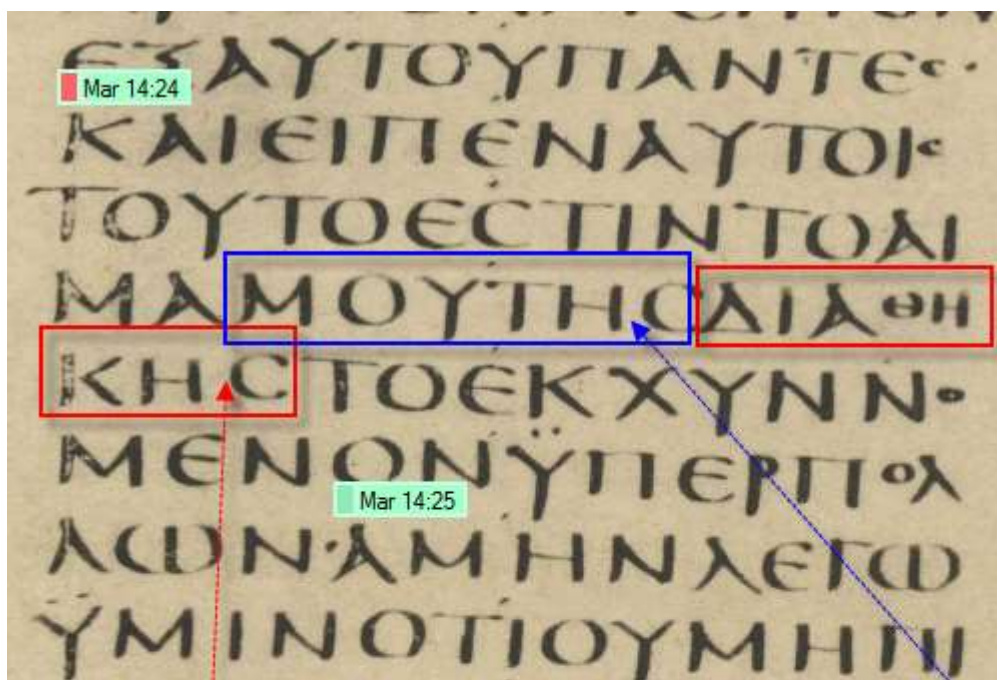
المقطع المظلل بالأصفر غير موجود في المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَأَخْرُ: "هَلْ أَنَا؟" καὶ ἄλλος, μήτι ἐγώ; السينائية: المقطع غير موجود	٩ فَأَبْتَدَأُوا يَحْزَنُونَ، وَيَقُولُونَ لَهُ وَاحِدًا فَوَاحِدًا: "هَلْ أَنَا؟" وَأَخْرُ: "هَلْ أَنَا؟"	فحزن التلاميذ وأخذوا يسألونه، واحدا فواحدا: (هل أنا هو؟).	19 They began to be sad and to say to him one by one: Is it I?	M ^{01A} Mark 14:19 ἤρξαντο λυπισθαι καὶ λεγειν αυτω εις κατα εις Μητι εγω (Mk. 14:19 M- 01A)	مرقص 14-19	56
أضاف النساخ عبارة (وَأَخْرُ هل أنا؟) من أجل التأكيد على المعنى الذي أراد مرقص تقديمه وهو الاضطراب الذي حدث للتلاميذ حتى يادر كل واحد منهم بالسؤال. (تمسكين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



14:19	ΟΙ ΔΕ ΗΡΞΑΝΤΟ ΛΥΠΕΙΘΑΙ ΚΑΙ ΛΕΓΕΙΝ ΑΥΤΩ ΕΙΣ	hoi de Erxanto lupeisthai kai legein autō heis
	THE YET THEY-begin TO-BE-SORROWING AND TO-BE-saying to-Him ONE	to-be-being-sorrowful
	ΚΑΘ ΕΙΣ ΜΗΤΙ ΕΓΩ ΚΑΙ ΑΛΛΟΣ ΜΗΤΙ ΕΓΩ	kath heis mEti egō kai allos mEti egō
	according-to ONE NO-ANY I AND other NO-ANY I	downby not ? another not ?
14:20	Ο ΔΕ ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΟΙΣ ΕΙΣ ΕΚ ΤΩΝ ΔΩΔΕΚΑ Ο	ho de apokritheis eipen autois heis ek tōn dōdeka ho
	THE YET answering He-said to-them ONE OUT OF-THE TWO-TEN THE	twelve

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الجديد τῆς καινῆς) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٤ وَقَالَ لَهُمْ: "هَذَا هُوَ دَمِي الَّذِي لِلْعَهْدِ الْجَدِيدِ، الَّذِي يُسْفِكُ مِنْ أَجْلِ كَثِيرِينَ"	وقال لهم: ((هذا هو دمي، دم العهد الذي يسفك من أجل أناس كثيرين	24 And he said to them: This is my blood of the covenant, which is poured out for many.	M-01A Mark 14:24 Και ειπεν αυτοις Τουτο εστιν το αιμα μου της διαθηκης το εκχυννομενον υπερ πολλων	مرقص 14-24	57
أضاف الناسخ لفظة (الجديد) من أجل: 1- خلق دعم كتابي للعبارة الشائعة على ألسنة المسيحيين (العهد الجديد), 2- دعم فلسفة بولس القائمة على إلغاء الشريعة وذلك عن طريق "عهد جديد" (تشويه سمعة الشريعة=دعم فلسفة بولس) (زراعة التعبيرات الشائعة)					التعليق	



14:24	ΚΑΙ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΟΙΣ	ΤΟΥΤΟ	ΕΣΤΙΝ	ΤΟ	ΑΙΜΑ	ΜΟΥ	ΤΟ	ΤΗΣ
	kai	eipen	autois	touto	estin	to	haima	mou	to	tēs
	AND	He-said	to-them	this	IS	THE	BLOOD	OF-ME	THE	OF-THE
	الجديد	العهد								الذي لل
	ΚΑΙΝΗΣ	ΔΙΑΘΗΚΗΣ	ΤΟ	ΠΕΡΙ	ΠΟΛΛΩΝ	ΕΚΧΥΝΟΜΕΝΟΝ				
	kainEs	diathEkEs	to	peri	pollOn	ekchunomenon				
	NEW	covenant	THE	ABOUT	MANY	being-OUT-POURED				
			concerning			being-shed				
14:25	ΑΜΗΝ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ	ΟΤΙ	ΟΥΚΕΤΙ	ΟΥ	ΜΗ	ΠΙΩ	ΕΚ	
	amEn	legO	humin	hoti	ouketi	ou	mE	piO	ek	
	AMEN	I-AM-sayING	to-YOU(p)	that	NOT-STILL	NOT	NO	I-MAY-BE-DRINKING	OUT	
	verity		to-ye		no ^t -longer					

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (في في هذه الليلة ἐν ἐμοὶ ἐν τῇ νυκτὶ ταύτῃ السينائية: المقطع غير موجود	٢٧. وَقَالَ لَهُمْ يَسُوعُ: "إِنَّ كُلَّكُمْ تَشْكُونَ فِي فِي هَذِهِ اللَّيْلَةِ، لِأَنَّهُ مَكْتُوبٌ: أَيْ أَضْرِبُ الرَّاعِي فَتَتَبَدَّدُ الْخِرَافُ	فقال لهم يسوع: ((كلكم ستشكون، لأن الكتاب يقول: سأضرب الراعي، فتتبدد الخراف)).	27 And Jesus says to them: You all shall be offended; for it is written: I will smite the shepherd, and the sheep shall be scattered.	M-01A Mark 14:27 Και λεγει αυτοις ο Ι̅Σ̅ οτι Παντες σκα̅δαλισθησεσθ αι οτι γεγραπται Παταξω τον ποιμενα και τα προβατα διασκορπισθησον ται	مرفص 14- 27	58
أضاف النساخ عبارة (في في هذه الليلة) من أجل: 1- توضيح المعني , حيث أنه بدون هذه الإضافة سينشأ سؤال : في أي شئ سيشكون, فالإضافة بمثابة إجابة 2- جعل النبوءة تنطبق على المسيح والتلاميذ, حيث تقول النبوءة بتبدد الخراف عن الراعي (طرفين راعي وخراف) , فكانت الإضافة بمثابة الرابط بين (يسوع – التلاميذ) كالتطرفين اللذين تنطبق ليهما النبوءة (تشكون "خراف" – في"راعي) (تحسين النص) (دعم النبوءات)					التعليق	

Mar 14:27

ROCTΩΝ ΕΛΛΙΩΝ
ΗΚΑΙ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΟΙΣ
ΟΙΣ ΟΤΙ ΠΑΝΤΕΣ
ΔΑΛΙΣΘΗΣΕΘΑΙ
ΟΤΙ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΠΑ
ΤΑΣΩ ΤΟΝ ΠΟΙΜΕΝΑ
ΚΑΙ ΤΑ ΠΡΟΒΑΤΑ ΔΙ
ΑΣΚΟΡΠΙΣΘΗΣΟΝ
ΤΑΙ ΑΛΛΑ ΜΕΤΑ ΤΟ
ΓΕΡΘΗ ΜΕΠΡ

Mar 14:28

14:27 ΚΑΙ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΟΙΣ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΟΤΙ ΠΑΝΤΕΣ
kai legei autois ho IEsous hoti pantes
AND IS-sayING to-them OF JESUS that ALL

تشكون
σκανδαλισθησεσθε
skandalisthEsethe
YE-SHALL-BE-BEING-SNARED

في في هذه الليلة
ἐν ἐμοὶ ἐν τῇ νυκτὶ
en emoi en tE nukti
IN ME IN THE NIGHT

لأنه
ταυτη οτι
tautE hoti
this that

المقتل غير موجود
بالمخطوط

مكتوب
ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΠΑΤΑΣΩ ΤΟΝ ΠΟΙΜΕΝΑ ΚΑΙ ΔΙΑΣΚΟΡΠΙΣΘΗΣΕΤΑΙ
gegraptai pataxO ton poimena kai diaskorpisthEsetai
HAS-been-WRITTEN I-SHALL-BE-SMITING THE SHEPHERD AND SHALL-BE-BEING-THRU-SCATTERED
it-has-been-written shall-be-being-scattered

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: " مرتين ἡ δὶς "	٣٠ فَقَالَ لَهُ يَسُوعُ: "الْحَقُّ أَقُولُ لَكَ: إِنَّكَ الْيَوْمَ فِي هَذِهِ اللَّيْلَةِ، قَبْلَ أَنْ يَصِيحَ الدِّيكُ مَرَّتَيْنِ، تُنْكِرُنِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ."	فأجابه يسوع: ((الحق أقول لك يا بطرس: اليوم، في هذه الليلة، قبل أن يصيح الديك، تنكرني ثلاث مرات)).	30 And Jesus says to him: Verily I say to thee that thou, this day, on this night, before a cock shall have crowed, thou shalt deny me three times.	M-01A Mark 14:30 Και λεγει αυτω ο Ἰς Ἀμην λεγω σοι οτι σημερον ταυτη τη νυκτι πριν αλεκτορα φωνησαι τρις με απαρνησει	مرقص 14-30	59
السينائية: اللفظة غير موجودة					التعليق	

سبب إضافة النساخ للفظة (مرتين) هو من أجل إظهار أن يسوع قد تنبأ بكل شيء بدقة عالية حتى أنه تنبأ ليس فقط بإنكار بطرس إنما تنبأ أيضا بوقت إنكاره وأعطاه علامة ستقع قبل الإنكار, مما يدعم قدرة يسوع كإله متجسد حسب رؤية النساخ (دعم ألوية بسوء)

Mar 14:30

ΚΑΙ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΩ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΑΜΗΝ ΛΕΓΩ ΣΟΙ ΟΤΙ ΣΗΜΕΡΟΝ ΕΝ ΤΗ ΝΥΚΤΙ ΤΑΥΤΗ ΠΡΙΝ Η ΔΙΣ ΑΛΕΚΤΟΡΑ ΦΩΝΗΣΑΙ ΤΡΙΣ ΑΠΑΡΝΗΣΗ ΜΕ

Mar 14:31

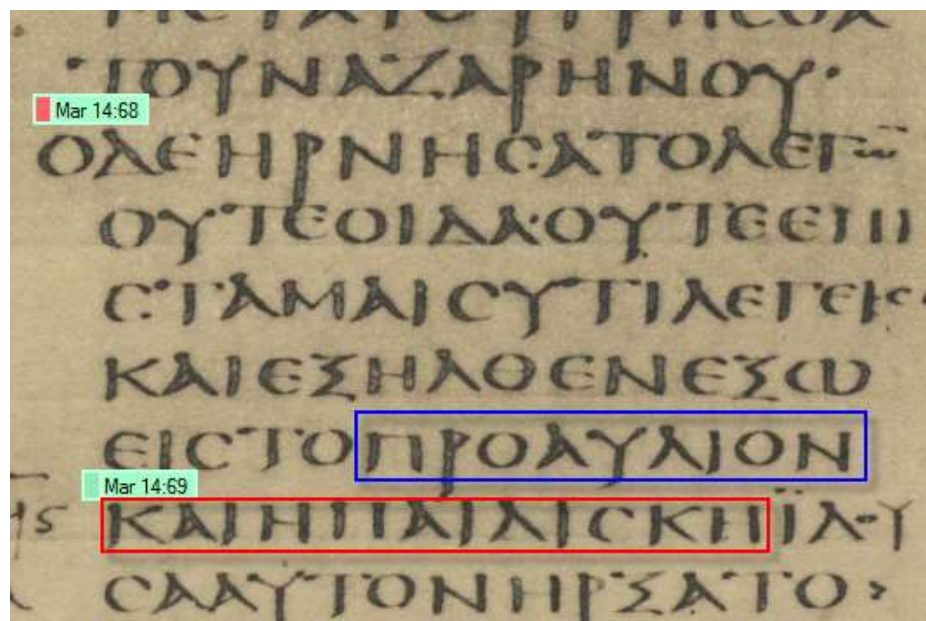
14:30 ΚΑΙ ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΩ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΑΜΗΝ ΛΕΓΩ ΣΟΙ ΟΤΙ
kai legei autO ho iEsous amEn legO soi hoti
AND IS-sayING to-him THE JESUS AMEN I-AM-sayING to-YOU that

ΣΗΜΕΡΟΝ ΕΝ ΤΗ ΝΥΚΤΙ ΤΑΥΤΗ ΠΡΙΝ Η ΔΙΣ ΑΛΕΚΤΟΡΑ
sEmeron en tE nukti tautE prin E dis alektora
toDAY IN THE NIGHT this ERE OR twice UN-LAYer
than cock

ΦΩΝΗΣΑΙ ΤΡΙΣ ΑΠΑΡΝΗΣΗ ΜΕ
phOnEsai tris aparnEsE me
TO-SOUND THRice YOU-SHALL-BE-renouncING ME
to-crow

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (فصاح الديك ἀλέκτωρ (ἐφώνησεν السينائية: العبارة غير موجودة	٦٨ فَأَنْكَرَ قَائِلًا: "لَسْتُ أَدْرِي وَلَا أَفْهَمُ مَا تَقُولِينَ!" وَحَرَجَ خَارِجًا إِلَى الدَّهْلِيْزِ، فَصَاحَ الدِّبْكُ.	فأنكر قائلاً: «لست أدري ولا أفهم ما تقولين!» وخرج خارجا إلى الدهليز	68 But he denied, saying: I neither know nor understand what thou sayest. And he went forth without into the entrance	M-01A Mark 14:68 Ο δε ηρνησατο λεγω̄ ουτε οίδα ουτε επισταμαι συ τι λεγεις Και εξηλθεν εξω εις το προαυλιον	مرقص 14- 68	60
أضاف النساخ هذه اللفظة من أجل :- 1- تحقيق النبوءة التي قالها يسوع بصياح الديك مرتين وهذا يظهر قدرة يسوع التنبؤية كإله متجسد 2- مطابقة النص مع نظيره في متى (26-74) (دعم ألوهية يسوع) (مطابقة الأناجيل بعضها)					التعليق	



14:68	Ο ΔΕ ΗΡΝΗΣΑΤΟ ΛΕΓΩΝ ΟΥΚ ΟΙΔΑ	ΟΥΔΕ ΕΠΙΣΤΑΜΑΙ
	ho de ErnEsato legOn ouk oida	oude epistamai
	THE YET he-disowns sayING NOT I-HAVE-PERCEIVED NOT-YET I-AM-adeptING	neither I am being-adept-in
	he-denies I-am-aware	
	ΤΙ ΣΥ ΛΕΓΕΙΣ ΚΑΙ ΕΞΗΛΘΕΝ ΕΞΩ ΕΙΣ ΤΟ ΠΡΟΑΥΛΙΟΝ ΚΑΙ	
	ti su legeis kai exEithen exO eis to proaulion kai	
	ANY YOU ARE-saying AND he-OUT-CAME OUT INTO THE BEFORE-COURT AND	
	what you-are-saying he-came-out outside forecourt	
	ΑΛΕΚΤΩΡ ΕΦΩΝΗΣΕΝ	
	alektOr ephOnEsen	
	UN-LAYer SOUNDS	
	cock crows	
	ΚΑΙ Η ΠΑΙΔΙΣΚΗ	
	kai hE paidiskE	
	AND THE maid PERCEIVING him AGAIN begins TO-BE-sayING	

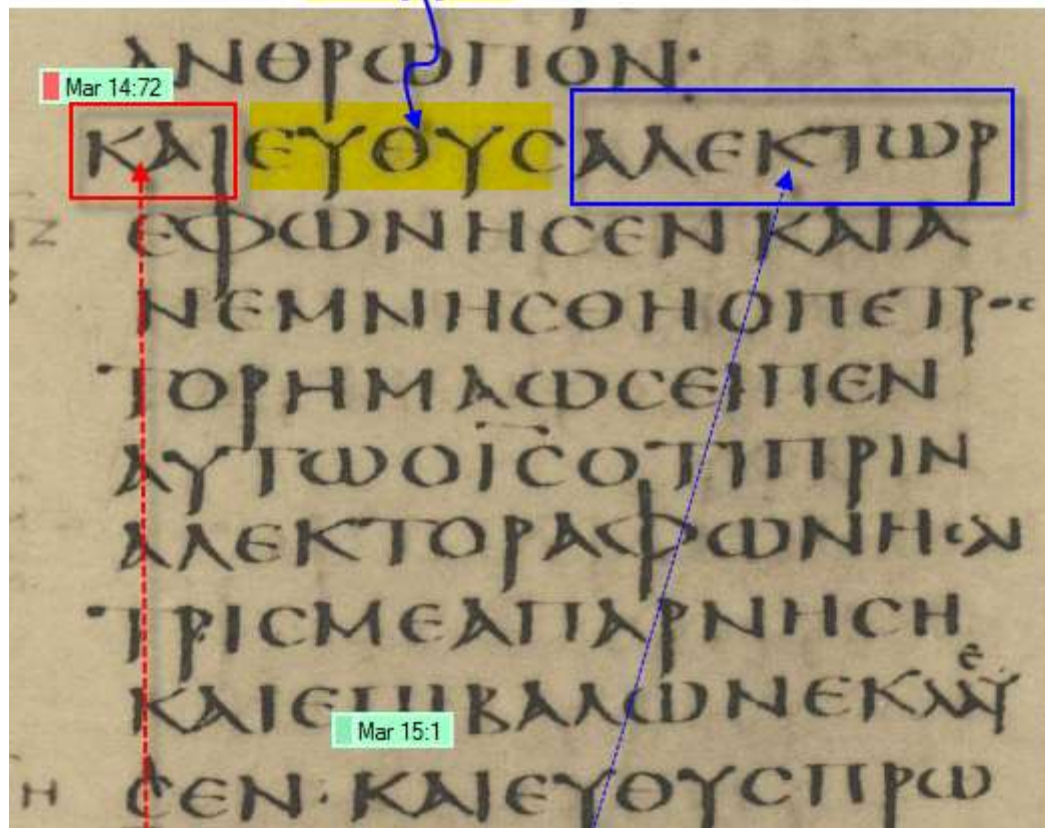
المظلل بالأصفر
غير موجود
بالمخطوط

فالجارية

فصاح الديك

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: "مرتين δευτέρου" السينائية: اللفظة غير موجودة	٧٢ وَصَاحَ الدِّبْكُ ثَانِيَةً، فَتَذَكَّرَ بُطْرُسُ الْقَوْلَ الَّذِي قَالَ لَهُ يَسُوعُ: "إِنَّكَ قَبْلَ أَنْ يَصِيحَ الدِّبْكُ مَرَّتَيْنِ، تُنْكِرُنِي ثَلَاثَ مَرَّاتٍ". فَلَمَّا تَفَكَّرَ بِهِ بَكَى.	وللوقت صاح الديك فتذكر بطرس القول الذي قاله له يسوع: «إنك قبل أن يصيح الديك مرتين تنكرني ثلاث مرات». فلما تفكر به بكى.	72 And immediately a cock crew. And Peter remembered the word as Jesus spoke to him: Before a cock shall have crowed twice, thou shalt deny me three times. And when he thought on it he wept.	^{M-01A} Mark 14:72 Και ευθυσ αλεκτωρ εφωνησεν Και ανεμνησθη ο Πετρος το ρημα ως ειπεν αυτω ο Ι̅ς̅ οτι Πριν αλεκτορα φωνησαι τρις με απαρνηση Και επιβαλων εκλαυσεν	مرقص 14- 72	61
أضاف النساخ هذه اللفظة من أجل تحقيق النبوءة التي تنبأ بها يسوع وهي صياح الديك مرتان قيل إنكار بطرس. وهذا يظهر قدرة يسوع التنبؤية كإله متجسد (دعم ألوهية يسوع)						التعليق

ΕΥΘΥΣ
وللوقت



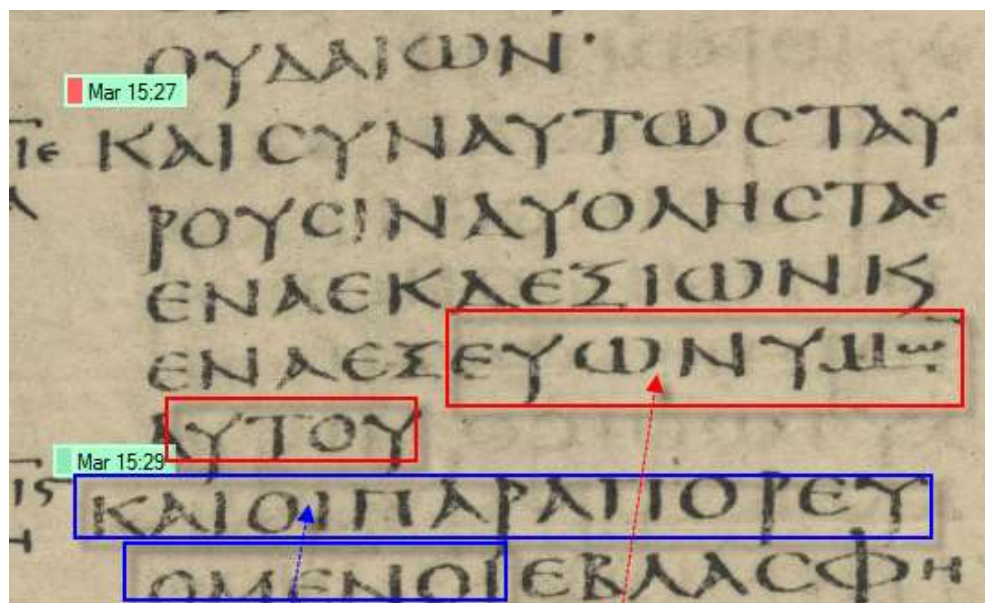
14:72	ΚΑΙ	ΕΚ	ΔΕΥΤΕΡΟΥ	ΑΛΕΚΤΩΡ	ΕΦΩΝΗΣΕΝ	ΚΑΙ	ΑΝΕΜΝΗΣΘΗ	Ο
	kai	ek	deuterou	alektor	ephOnEsen	kai	anemnEsthE	ho
	AND	OUT	OF-second	UN-LAYer	SOUNDS	AND	IS-UP-REMINDED	THE
			of-second-time	cock	crows		recollects	

ΠΕΤΡΟΣ	ΤΟΥ	ΡΗΜΑΤΟΣ	ΟΥ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΩ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΟΤΙ
petros	tau	rhmatos	hou	eipen	autO	ho	iEsous	hoti
Peter	OF-DECLARATION	OF-WHICH	which	said	to-him	THE	JESUS	that

ΠΡΙΝ	ΑΛΕΚΤΟΡΑ	ΦΩΝΗΣΑΙ	ΔΙΣ	ΑΠΑΡΝΗΣΗ	ΜΕ	ΤΡΙΣ	ΚΑΙ
prin	alektoRa	phOnEsai	dis	aparnEsE	me	tris	kai
ERE	UN-LAYer	TO-SOUND	twice	YOU-SHALL-BE-renouncing	ME	THRice	AND
	cock	to-crow					

ΕΠΙΒΑΛΩΝ	ΕΚΛΑΙΕΝ
epibalOn	eklaien
ON CASTING	he LAMENTED

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص فَتَمَّ الْكِتَابُ الْقَائِلُ: "وَأُحْصِيَ مَعَ أَثْمَةٍ" και ἐπληρώθη ἡ γραφή ἢ λέγουσα, Καὶ μετὰ ἀνόμων ἐλογίσθη. السينائية: النص بالكامل محذوف	٢٨ فَتَمَّ الْكِتَابُ الْقَائِلُ: "وَأُحْصِيَ مَعَ أَثْمَةٍ".	غير موجود	28 [no verse]	28 [no verse]	مرقص 15-28	62
أضاف النساخ هذا النص من أجل صناعة نبوءات وإصاقتها بيسوع , لإظهار أن العهد القديم قد تنبأ عما حدث ليسوع بالتفصيل (اختراع نبوءات عن يسوع)					التعليق	



15:27 ΚΑΙ ΣΥΝ ΑΥΤΩ ΣΤΑΥΡΟΥΣΙΝ ΔΥΟ ΛΗΣΤΑΣ ΕΝΑ ΕΚ ΔΕΣΙΩΝ ΚΑΙ ΕΝΑ ΕΞ ΕΥΩΝΥΜΩΝ ΑΥΤΟΥ

kai sun autō staurousin duo lēstas hena ek dexiōn kai hena ex euōnymōn autou

AND TOGETHER to-Him THEY-ARE-impaling TWO ROBBERS ONE OUT togetherwith him they-are-crucifying

15:28 ΚΑΙ ΕΠΛΗΡΩΘΗ Η ΓΡΑΦΗ Η ΛΕΓΟΥΣΑ ΚΑΙ ΜΕΤΑ ΑΝΟΜΩΝ

kai eplērōthē hē graphē hē legousa kai meta anomōn

AND WAS-FILLED THE WRITING THE SAYING AND WITH UN-LAWWeds lawless-ones

15:29 ΚΑΙ ΟΙ ΠΑΡΑΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΙ ΕΒΛΑΣΦΗΜΟΥΝ ΑΥΤΟΝ

kai hoi paraporeuomenoi eblasphēmoun auton

AND THE-ones BESIDE-GOING HARM-AVERRED Him the ones-going-by blasphemed

ΕΛΟΓΙΣΘΗ

elogisthē

He-IS-accountED

he-is-reckoned

فَتَمَّ الْكِتَابُ الْقَائِلُ: "وَأُحْصِيَ مَعَ أَثْمَةٍ"

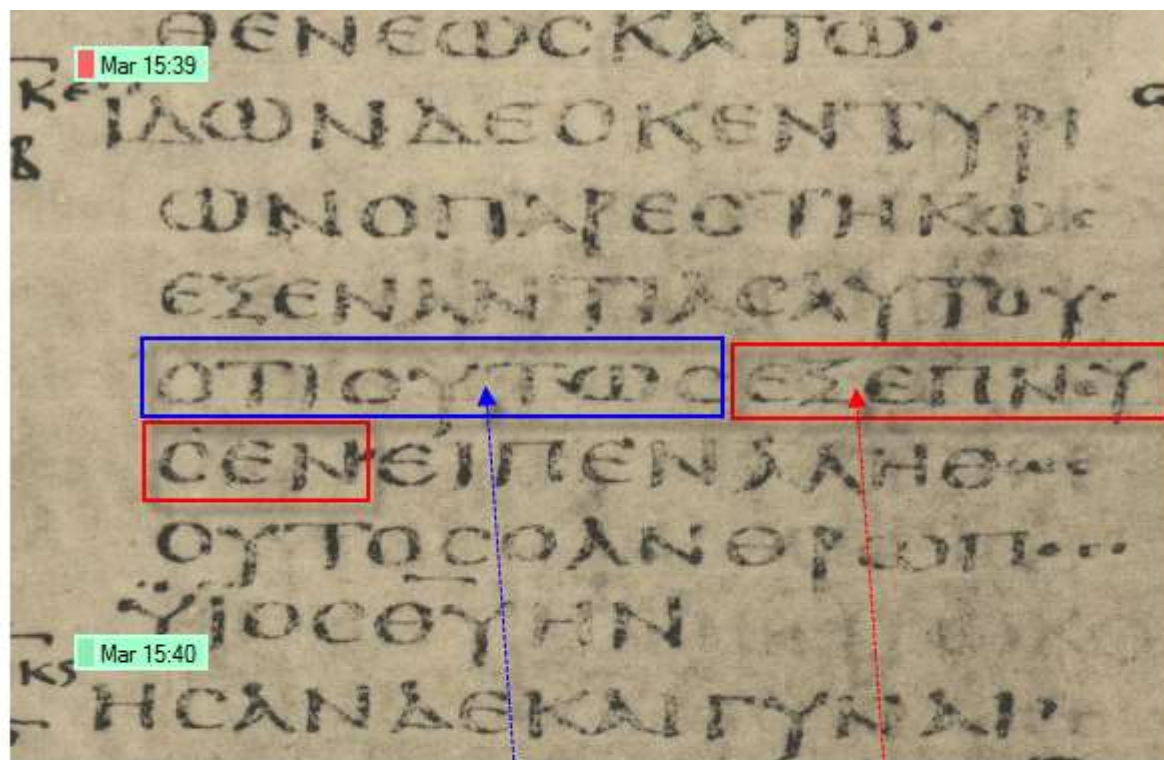
15:29 ΚΑΙ ΟΙ ΠΑΡΑΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΙ ΕΒΛΑΣΦΗΜΟΥΝ ΑΥΤΟΝ

kai hoi paraporeuomenoi eblasphēmoun auton

AND THE-ones BESIDE-GOING HARM-AVERRED Him the ones-going-by blasphemed

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوطة

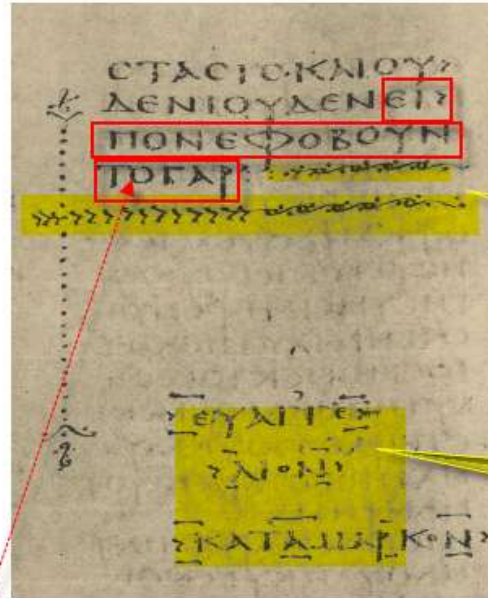
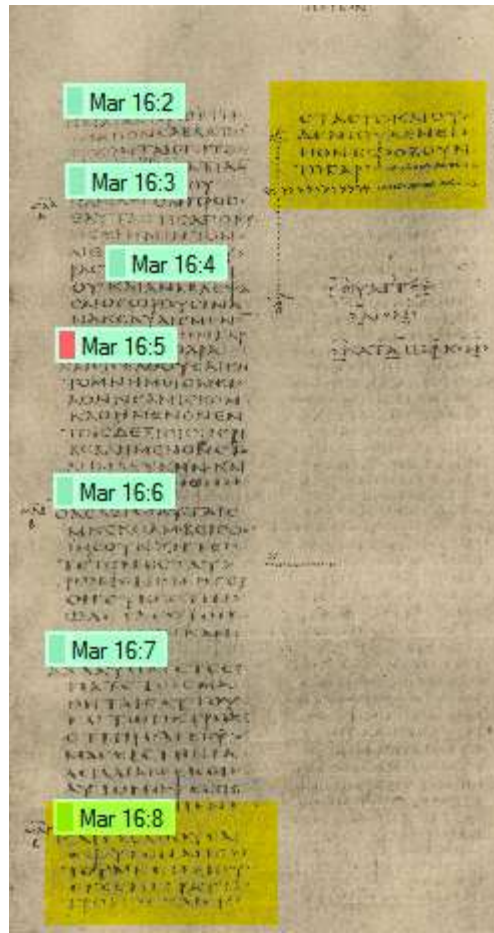
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (κράξας صرخ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٣٩ وَلَمَّا رَأَى قَائِدُ الْمِئَةِ الْوَاقِفُ مُقَابِلَهُ أَنَّهُ صَرَخَ هَكَذَا وَأَسْلَمَ الرُّوحَ،	ولما رأى قائد المئة الواقف مقابله أنه أسلم الروح قال: «حقا كان هذا الإنسان ابن الله!».	39 And the centurion that stood by opposite to him, seeing that he thus expired, said: Truly this man was the Son of God.	M-01A Mark 15:39 Ἰδὼν δὲ ὁ κεντυριὼν ὁ παρεστηκὼς ἐξ ἐναντίας αὐτοῦ ὅτι οὕτως ἐξεπνεύσεν εἶπεν Ἀληθῶς οὗτος ὁ ἄνθρωπος υἱὸς Θεοῦ ἦν	مرقص 15- 39	63
أضاف النساخ لفظة (صرخ) هنا من أجل مطابقة النص مع نظيره في متى (27- 50): ٥٠ فَصَرَخَ يَسُوعُ أَيْضًا بِصَوْتٍ عَظِيمٍ، وَأَسْلَمَ الرُّوحَ (مطابقة الأناجيل ببعضها)					التعليق	



15:39	ΙΔΩΝ	ΔΕ	Ο	ΚΕΝΤΥΡΙΩΝ	Ο	ΠΑΡΕΣΤΗΚΩΣ	ΕΞ
	idOn	de	ho	kenturiOn	ho	parestEkOs	ex
	PERCEIVING	YET	THE	CENTURION	THE	one-HAVING-BESIDE-STOOD	OUT
						one-standing-by	
	ΕΝΑΝΤΙΑΣ	ΑΥΤΟΥ	ΟΤΙ	ΟΥΤΩΣ	ΚΡΑΞΑΣ	ΕΞΕΠΝΕΥΣΕΝ	ΕΙΠΕΝ
	enantias	autou	hoti	houtOs	kraxas	exepneusen	eipen
	OF-IN-INSTEAD	OF-Him	that	thus	CRYing	He-ExpirES	said
	of-opposite-of	him					
	ΑΛΗΘΩΣ	Ο	ΑΝΘΡΩΠΟΣ	ΟΥΤΟΣ	ΥΙΟΣ	ΗΝ	ΘΕΟΥ
	alEthOs	ho	anthrOpos	houtos	huios	En	theou
	TRUly	THE	human	this	SON	WAS	OF-God

المظلل بالأصفر
محذوف

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشانعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
64	مرقص 16: 20-9	[no verse]	[no verse]	محذوف	<p>٩ وَبَعْدَمَا قَامَ بَاكِرًا فِي أَوَّلِ الْأَسْبُوعِ ظَهَرَ أَوَّلًا لِمَرْيَمَ الْمَجْدَلِيَّةِ، الَّتِي كَانَتْ قَدْ أَخْرَجَ مِنْهَا سَبْعَةَ شَيَاطِينٍ. ١٠ فَذَهَبَتْ هَذِهِ وَأَخْبَرَتِ الَّذِينَ كَانُوا مَعَهُ وَهُمْ يَبْخُورُونَ وَيَبْكُونَ. ١١ فَلَمَّا سَمِعَ أَوْلَئِكَ أَنَّهُ حَيٌّ، وَقَدْ نَظَرْتُهُ، لَمْ يُصَدِّقُوا. ١٢ وَبَعْدَ ذَلِكَ ظَهَرَ بِهَيْئَةٍ أُخْرَى لِاثْنَتَيْنِ مِنْهُمَ، وَهُمَا يَمْشِيَانِ مُنْطَلِقَيْنِ إِلَى الْبَرِّيَّةِ. ١٣ وَذَهَبَ هَذَانِ وَأَخْبَرَا الْبَاقِينَ، فَلَمْ يُصَدِّقُوا وَلَا هَذَيْنِ. ١٤ أَخِيرًا ظَهَرَ لِلْأَحَدِ عَشَرَ وَهُم مُتَكِنُونَ، وَوَبَّخَ عَدَمَ إِيمَانِهِمْ وَفَسَاوَةَ قُلُوبِهِمْ، لِأَنَّهُمْ لَمْ يُصَدِّقُوا الَّذِينَ نَظَرُوهُ قَدْ قَامَ. ١٥ وَقَالَ لَهُمْ: "اذْهَبُوا إِلَى الْعَالَمِ أَجْمَعِ وَكُرِّزُوا بِالْإِنْجِيلِ لِلْخَلِيقَةِ كُلِّهَا. ١٦ مَنْ آمَنَ وَاعْتَمَدَ خَلَّصَ، وَمَنْ لَمْ يُؤْمِنْ يُذَنِّبُ. ١٧ وَهَذِهِ آيَاتُ تَتَّبِعُ الْمُؤْمِنِينَ: يُخْرِجُونَ الشَّيَاطِينَ بِاسْمِي، وَيَتَكَلَّمُونَ بِالسِّنَةِ جَدِيدَةٍ. ١٨ يَحْمِلُونَ حَيَاتٍ، وَإِنْ شَرِبُوا شَيْئًا مُمِيتًا لَا يَضُرُّهُمْ، وَيَضَعُونَ أَيْدِيَهُمْ عَلَى الْمَرْضَى فَيَبْرَأُونَ." ١٩ ثُمَّ إِنَّ الرَّبَّ بَعْدَمَا كَلَّمَهُمْ ارْتَفَعَ إِلَى السَّمَاءِ، وَجَلَسَ عَنْ يَمِينِ اللَّهِ. ٢٠ وَأَمَّا هُمْ فَخَرَجُوا وَكُرِّزُوا فِي كُلِّ مَكَانٍ، وَالرَّبُّ يَعْمَلُ مَعَهُمْ وَيُثَبِّتُ الْكَلَامَ بِالآيَاتِ النَّاطِقَةِ. أَمِينَ.</p>	<p>النسخة العربية: تضيف 11 نص ابتداءا من العدد 9 إلى العدد 20</p> <p>السينائية: جميع النصوص ال 11 محذوفين</p>
<p>أضاف النساخ هذه النصوص (11 نص) من أجل صناعة نهاية مناسبة لإنجيل مرقص, حيث أن النهاية التي ينتهي عندها إنجيل مرقص (العدد 8) هي نهاية مفاجئة حيث لا يذكر مرقص أي شيء عن أحداث ما بعد القيامة وهي الأحداث الهامة للغاية في العقيدة المسيحية , بل يتوقف مرقص عند هروب المريمات خائفات (العدد 8), فقرروا صناعة نهاية مناسبة.(عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p>						<p>التعليق</p>



قام ناسخ
السينائية برسم
خط بعد العدد ٨
لتوضيح أن
الإنجيل قد
انتهي

كتب الناسخ عبارة
مفادها:
(نهاية إنجيل
مرفص)

16:8 ΚΑΙ ΕΞΕΛΘΟΥΣΑΙ ΤΑΧΥ ΕΦΥΓΟΝ ΑΠΟ ΤΟΥ ΜΝΗΜΕΙΟΥ ΕΙΧΕΝ
 kai exelthousai tachu ephugon apo tou mnemeiou eichen
 AND OUT-COMING SWIFTLY THEY-FLED FROM THE memorial-vault it-HAD
 coming-out tomb

ΔΕ ΑΥΤΑΣ ΤΡΟΜΟΣ ΚΑΙ ΕΚΣΤΑΣΙΣ ΚΑΙ ΟΥΔΕΝΙ ΟΥΔΕΝ
 de autas tromos kai ekstasis kai ouden ouden
 YET them TREMBLING AND OUT-STANDING AND to-NOT-YET-ONE NOT-YET-ONE
 amazement to-anyone nothing

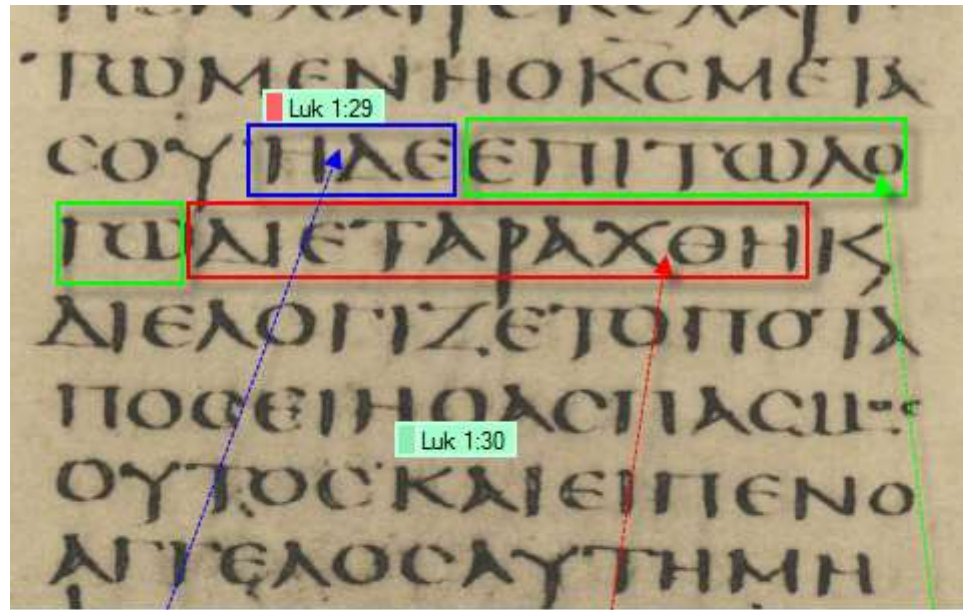
من خائفات
 ΕΙΠΟΝ ΕΦΟΒΟΥΝΤΟ ΓΑΡ
 eipon ephobounto gar
 THEY-said THEY-FEARED for

إنجيل لوقا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الانجيل εὐαγγελίου) السينائية: اللفظة محذوفة	الإنجيل وفقا للوقا	وفقا للوقا	According to Luke	KATA ΛΟΥΚΑΝ	العنوان	1
إضافة اللفظة (الإنجيل) هدفها دعم قانونية السفر (دعم القانونية)					التعليق	



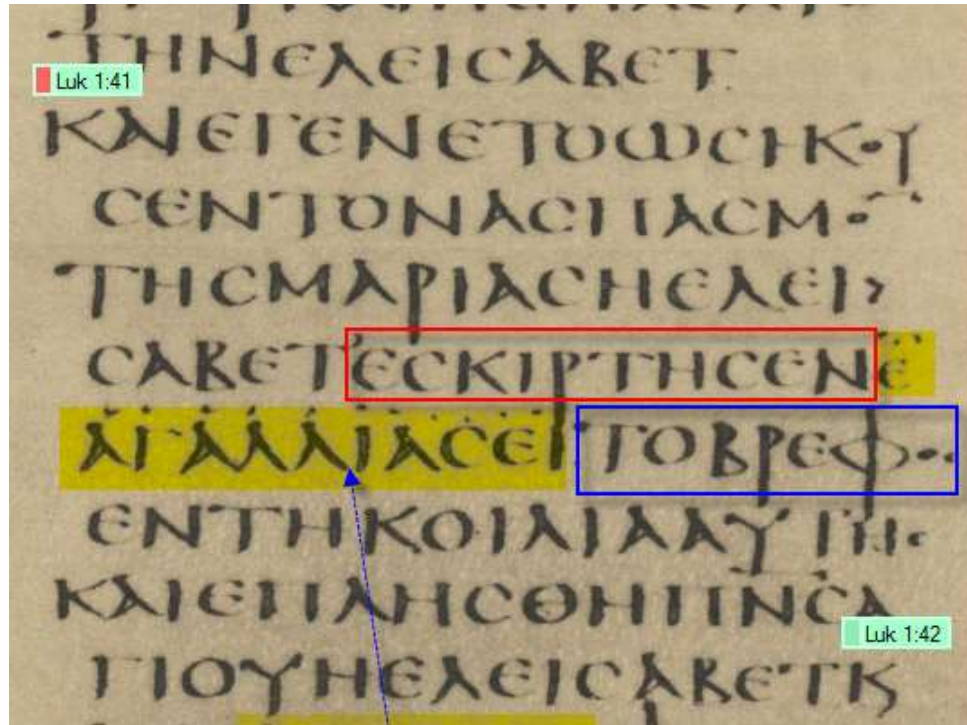
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (رأته <i>idoussa</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٩ فَلَمَّا رَأَتْهُ اضْطَرَبَتْ مِنْ كَلَامِهِ، وَفَكَرَّتْ: "مَا عَسَى أَنْ تَكُونَ هَذِهِ النَّجِيَّةُ!"	فاضطربت من كلامه وفكرت ما عسى أن تكون هذه التحية!	29 But she was troubled at the word, and was reasoning what manner of salutation this could be.	M-01A Luke 1:29 Η δε επι τω λογω διεταραχθη και διελογιζετο ποταπος ειη ο ασπασμος ουτος (Lk. 1:29 M-01A)	لوقا 1-29	3
ربما يكون سبب إضافة النسخة للفظة (رأته) هو إعطاء معلومة تساعد في الإجابة على السؤال التالي: كيف عرفت مريم أن هذا ملاك وليس شيطان حتى تثق في كلامه؟ فرؤية الملاك بالعين هي أحد الأشياء التي مكنتها من معرفة شخصيته. (تحسين النص)					التعليق	



1:29	فَلَمَّا	رَأَتْهُ	اضطربت	من كلامه	ΕΠΙ ΤΩ ΛΟΓΩ	ΑΥΤΟΥ	ΚΑΙ	
hE	de	idoussa	dietarachthE	epi	tO	logO	autou	kai
THE	YET	PERCEIVING	she-WAS-THRU-DISTURBED	ON	THE	saying	OF-him	AND
			she-was-agitated			word		

ΔΙΕΛΟΓΙΖΕΤΟ	ΠΟΤΑΠΟΣ	ΕΙΗ	Ο	ΑΣΠΑΣΜΟΣ	ΟΥΤΟΣ
dielogizeto	potapos	eiE	ho	aspasmos	houtos
THRU-accountED	?-where-FROM	MAY-BE	THE	greeting	this
reasoned	what-manner-of			salutation	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب العبارة كالتالي: (ارتكض الجنين في بطنها)</p> <p>السينائية: تضيف لفظة (فرحا <i>εγαλλιασει</i>) في آخر الجملة</p>	<p>١٤ قَلَمًا سَمِعَتْ أَلِصَابَاتُ سَلَامَ مَرْيَمَ ارْتَكُضَ الْجَنِينُ فِي بَطْنِهَا، وَأَمْتَلَأَتْ أَلِصَابَاتُ مِنَ الرُّوحِ الْقُدُسِ</p>	<p>فلما سمعت أليصابات سلام مريم ارتكض الجنين في بطنها فرحا وامتلأت أليصابات من الروح القدس.</p>	<p>41 And it came to pass when Elizebeth heard the salutation of Mary, the babe in her womb leaped with joy. And Elizebeth was filled with the Holy Spirit</p>	<p>^{M-01A} Luke 1:41 Και εγενετο ως ηκουσεν τον ασπασμο̄ της Μαρίας η Ελειαβετ εσκιρτησεν ε̄ αγαλλιασει το βρεφος εν τη κοιλια αυτης και επλησθη ΠΝΣ̄ αγιου η Ελειαβετ (Lk. 1:41 M-01A)</p>	لوقا 1-41	4
<p>قام النساخ بحذف لفظة (فرحا) ربما لشعورهم بأن مثل هذه التفاصيل من لوقا هي بمثابة مبالغة, فيكفي أن تحبل أليصابات العاقر ولا داعي لهذه المبالغات من نوعية فرح الجنين ونحوه. (تجسين النص)</p>					التعليق	



Ε ΑΓΑΛΛΙΑΣΕΙ

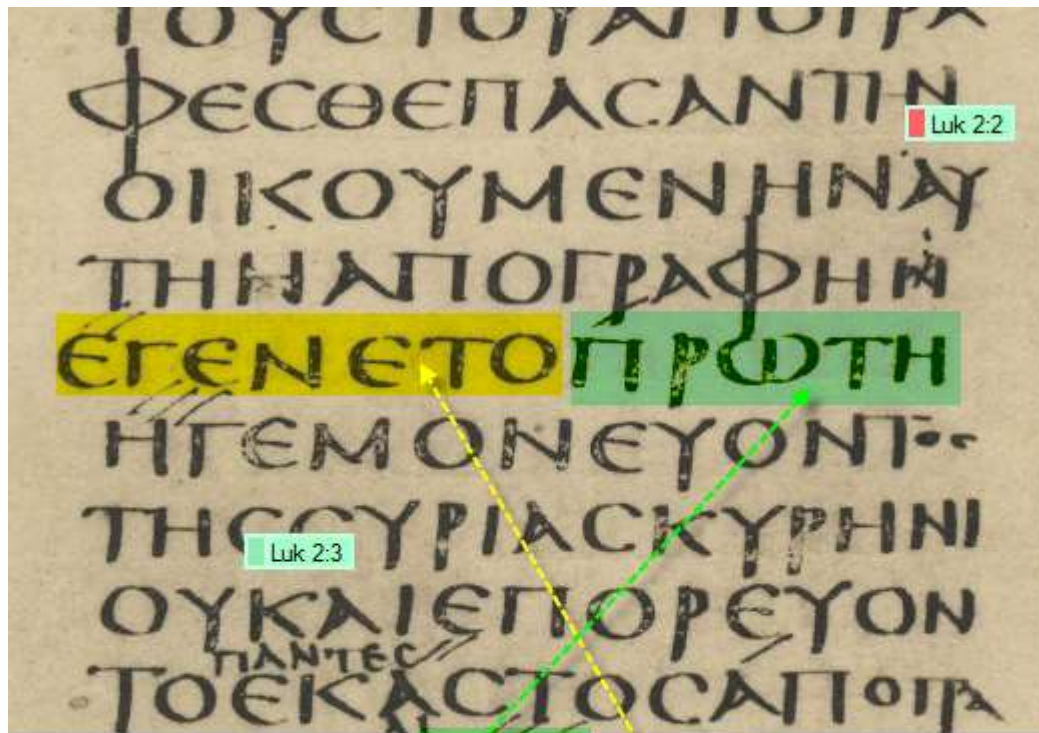
فرحا

141 ΚΑΙ ΕΓΕΝΕΤΟ ΩΣ ΗΚΟΥΣΕΝ Η ΕΛΙΣΑΒΕΤ ΤΟΝ ΑΣΠΑΣΜΟΝ
kai egeneto hOs Ekousen hE elisabet ton aspasmon
AND it-BECAME AS HEARS THE ELIZABETH THE greeting
it-occurred salutation

ΤΗΣ ΜΑΡΙΑΣ ΕΣΚΙΡΤΗΣΕΝ ΤΟ ΒΡΕΦΟΣ ΕΝ ΤΗ ΚΟΙΛΙΑ ΑΥΤΗΣ ΚΑΙ
tEs marias eskirtēsēn to brephos en tE koilia autEs kai
OF-THE MARY JUMPS THE BABE IN THE CAVITY OF-her AND
womb

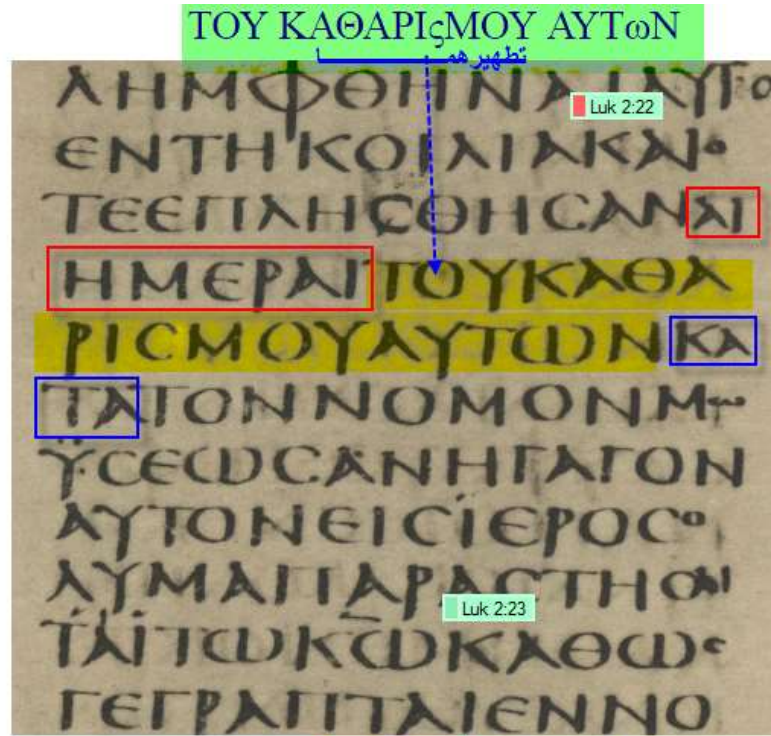
ΕΠΛΗΣΘΗ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΑΓΙΟΥ Η ΕΛΙΣΑΒΕΤ
epiEsthE pneumatos hagiou hE elisabet

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
5	لوقا 2-2	M-01A Luke 2:2 Αὐτὴν ἀπογραφὴν ἐγένετο πρώτη ἡγεμονευόντος τῆς Συρίας Κυρηνίου (Lk. 2:2 M-01A)	"This registration occurred before Quirinius was governor of Syria"	هذا الاككتاب حدث قبل أن يكون كيرينوس والي سورية	٢ وَ هَذَا الْاَكْتَتَابُ الْأَوَّلُ جَرَى إِذْ كَانَ كِيرِينِيُوسُ وَالِي سُوْرِيَّةَ	وجه الاختلاف النسخة العربية: تصف الاككتاب بأنه حدث في زمن كيرينوس السينائية: تصف الاككتاب بأنه حدث قبل كيرينوس ملاحظة: النص في السينائية هو بنفس ألفاظ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية , لكن الاختلاف فقط في ترتيب الكلمات وهو الأمر الذي أدى لاختلاف المعني الاول = πρώτη ἐγένετο = الاككتاب (النسخة العربية) قبل = ἐγένετο πρώτη (السينائية)
	التعليق	<p>التناقض الواضح في المعنى يشير إلى حدوث تحريف متعمد أو خطأ عفوي في ترتيب الألفاظ , قراءة السينائية تتناغم مع إنجيل متى , حيث يصرح إنجيل متى بأن المسيح ولد في زمن هيرودس أي قبل سنة (4 قبل الميلاد*) , وهذا النص في لوقا وفقا للسينائية يوضح أن مريم كانت حبلية في زمن هذا الاككتاب الذي حدث قبل ولاية كيرينوس لأن كيرينوس تولى سنة (6 م). بخلاف لو كان الاككتاب حدث في زمن كيرينوس كما هو الحال حاليا فهذا يجعل هناك تناقض , هل ولد المسيح زمن هيرودس كما يخبرنا متى (أي قبل سنة 4 قبل الميلاد) أم ولد في زمن ولاية كيرينوس (أي سنة 6 ميلادي)؟؟</p> <p>قراءة السينائية تحل الإشكال .</p> <p>لذلك فالقراءة المنتشرة في النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية سببها خطأ عفوي انتشر في المخطوطات , لكن المشكلة أنه انتشر تقريبا في جميع المخطوطات , وهذا يؤثر على موثوقية النص , فالكتاب الذي ينتشر الخطأ العفوي في 99% من مخطوطاته هو عاجز عن حماية نفسه من التحريفات المتعمدة .</p> <p>* هناك شبه اتفاق بين العلماء على أن تاريخ الميلاد الصحيح للمسيح ليس التقويم الحالي إنما قبله بأربعة أو ست سنوات</p> <p>(خطورة الخطأ العفوي)</p>				



2:2	ΑΥΤΗ Η	ΑΠΟΓΡΑΦΗ	ΠΡΩΤΗ	ΕΓΕΝΕΤΟ	ΗΓΕΜΟΝΕΥΟΝΤΟΣ	ΤΗΣ	
	hautE	hE	apographE	proTE	egeneto	hEdemoneuontos	tEs
	this	THE	FROM-WRITing	BEFORE-most	BECAME	OF-LEADershipING	OF-THE
		registration	first	occurred	of-being-governor		
	ΚΥΡΙΑΣ	ΚΥΡΗΝΙΟΥ	أول قبل	جری			
	surias	kurEniou					
	SYRIA	OF-QUIRINIUS					
		Quirinius					

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: "تطهيرها του καθαρισμού αὐτοῦ" السينائية: تكتب بدلا منها: "تطهيرها τοῦ καθαρισμοῦ αὐτῶν"	٢٢ وَلَمَّا تَمَّتْ أَيَّامُ تَطْهِيرِهَا، حَسَبَ شَرِيعَةَ مُوسَى، صَعِدُوا بِهِ إِلَى أورشليمَ لِيَقْدِمُوهُ لِلرَّبِّ	ولما تمت أيام تطهيرها حسب شريعة موسى صعدوا به إلى أورشليم ليقدموه للرب.	22 And when the days of their purification had been completed, according to the law of Moses, they brought him up to Jerusalem to present him to the Lord,	M-01A Luke 2:22 Και οτε επλησθησαν αι ημεραι του καθαρισμου αυτων κατα τον νομον Μωυσεως ανηγαγον αυτον εις Ιεροσολυμα παραστησεται τω ΚΩ	لوقا 2-22	6
<p>قام النساخ بتغيير النص من (تطهيرها) إلى (تطهيرها) لسببين :</p> <p>1- إزالة يسوع من قائمة المحتاجين إلى التطهير , فالإله المتجسد لا يليق به أن يخضع لأيام تطهير</p> <p>2- انقاذ لوقا من تهمة الجهل بالشريعة, فالشريعة لا تقول بوجود أيام تطهير للمولود, بل أيام التطهير هي للأم فقط</p> <p>(انقاذ المؤلف = علاج التناقضات) (دعم ألوهية يسوع)</p>					التعليق	



2:22	ΚΑΙ	ΟΤΕ	ΕΠΛΗΣΘΗΣΑΝ	ΑΙ	ΗΜΕΡΑΙ	ΤΟΥ	ΚΑΘΑΡΙΣΜΟΥ	ΑΥΤΗΣ
	kai	hote	epEsthEsan	hai	hEmerai	tou	katharismou	autEs
	AND	when	ARE-FILLED	THE	DAYS	OF-THE	cleansing	OF-her
			are-fulfilled					
	ΚΑΤΑ	ΤΟΝ	ΝΟΜΟΝ	ΜΩϋΣΕΩΣ	ΑΝΗΓΑΓΟΝ	ΑΥΤΟΝ	ΕΙΣ	ΙΕΡΟΣΟΛΥΜΑ
	kata	ton	nomon	mOseOs	anEgagon	auton	eis	ierosolyma
	according-to	THE	LAW	OF-MOSES	THEY-UP-LED	Him	INTO	JERUSALEM
					they-brought-up			
	ΠΑΡΑΣΤΗΣΑΙ	ΤΩ	ΚΥΡΙΩ					
	parastEsai	to	kuriO					
	TO BE-FRONT	AT-THE	HEAD					

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: " يوسف ^{Ιωσηφ} السينائية: تذكر بدلا منها: " ^{ο πατηρ} أبوه	٣٣ وَكَانَ يُوسُفُ وَأُمُّهُ يَتَعَجَّبَانِ مِمَّا قِيلَ فِيهِ.	وكان أبوه وأمه يتعجبان مما قيل فيه	33 And his father and his mother were wondering at the things spoken concerning him.	M-01A Luke 2:33 Και ην ο πατηρ αυτου και η μητηρ αυτου θαυμαζοντες επι τοις λαλουμενοις περι αυτου	لوقا 2-33	7
<p>قام النساخ بتغيير لفظة (أبوه) إلى (يوسف) لأن اللفظة الأولى تشير إلى حدوث زواج بين يوسف ومريم وهو الشيء الذي يكرهه أصحاب هرطقة (الزاهدين) التي ترفض العلاقات الجنسية بإطلاق , وأيضا ربما يفهم منها البعض وجود علاقة جنسية بينهما تنهي عذريتها , وربما يفهم منها أن يسوع ليس ابنا عذريا إنما ابن يوسف .</p> <p>(دخول تحريفات الهراطقة للنص) (دعم البتولية والميلاد العذري)</p>					التعليق	

Ο ΠΑΤΗΡ ΑΥΤΟΥ
أبوه

Luk 2:33

Luk 2:34

2:33	ΚΑΙ ΗΝ	ΙΩΣΗΦ	ΚΑΙ Η	ΜΗΤΗΡ	ΑΥΤΟΥ	ΘΑΥΜΑΖΟΝΤΕΣ	ΕΠΙ
	kai En	iOsEph	kai hE	mEtEr	autou	thaumazontes	epi
	AND WAS	JOSEPH	AND THE	MOTHER	OF-Him	MARVELING	ON

ΤΟΙΣ	ΛΑΛΟΥΜΕΝΟΙΣ	ΠΕΡΙ	ΑΥΤΟΥ
tois	laloumenois	peri	autou
THE	being-TALKED	ABOUT	Him
	being-spoken	concerning	

غير موجود في المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
--------------	---	----------------------------	-------------------------	------------------------	----------	---

<p>النسخة العربية: تكتب لفظة: (نحو ٥)</p> <p>السينائية: (حتى ٥)</p>	<p>٣٧ وَهِيَ أَرْمَلَةٌ نَحْوَ أَرْبَعٍ وَثَمَانِينَ سَنَةً، لَا تُفَارِقُ الْهَيْكَل، عَابِدَةٌ بِأَصْوَامٍ وَطَلِبَاتٍ لَيْلًا وَنَهَارًا.</p>	<p>وهي أرملة حتى أربع وثمانين سنة لا تفارق الهيكل عابدة بأصوام وطلبات ليلا ونهارا.</p>	<p>37 and she was a widow till eighty-four years, who departed not from the temple, serving day and night with fastings and prayers.</p>	<p>M-01A Luke 2:37 και αυτη χηρα εως ετων εβδομηκοντα τεσσαρων η ουκ αφιστατο εκ του ιερου νηστιας και δεησι λατρευουσα νυκτα και ημεραν (Lk. 2:37 M-01A)</p>	<p>لوقا 2-37</p>	<p>8</p>
<p>النص في السينائية يجعل هذه المرأة الزاهدة قد فارقت الزهد , حيث يصفها بأنها ظلت أرملة إلي سن ال 84, وهذا يوحي بأنها بعد سن ال 84 لم تعد أرملة بل تزوجت وبالتالي لم تعد زاهدة ! بما يخالف الهدف من ذكرها. فقام النساخ بتغييرها إلي (نحو) حتى تفتح الباب أمام استمرارية الزهد بما يجعل للمثال الذي ذكره لوقا قيمة (إنقاذ المؤلف) (تحسين النص)</p>					<p>التعليق</p>	



عجس

ΧΗΡΑΣ ὄσων ὀγδοηκοντατεσσάρων ἡ οὐκ
ἔλθοι ἐκ τοῦ ἱεροῦ νηστειᾶς καὶ δεήσεων
λατρεύουσα

Luk 2:38

ΜΕΤΑΝ ΔΡΟΣΕΤΗ
ΖΑΠΟΤΗΣΙΑΡΘΕΝΙ
ΑΣΑΥΤΗΣ ΚΑΙ ΑΥΤΗ

Luk 2:37

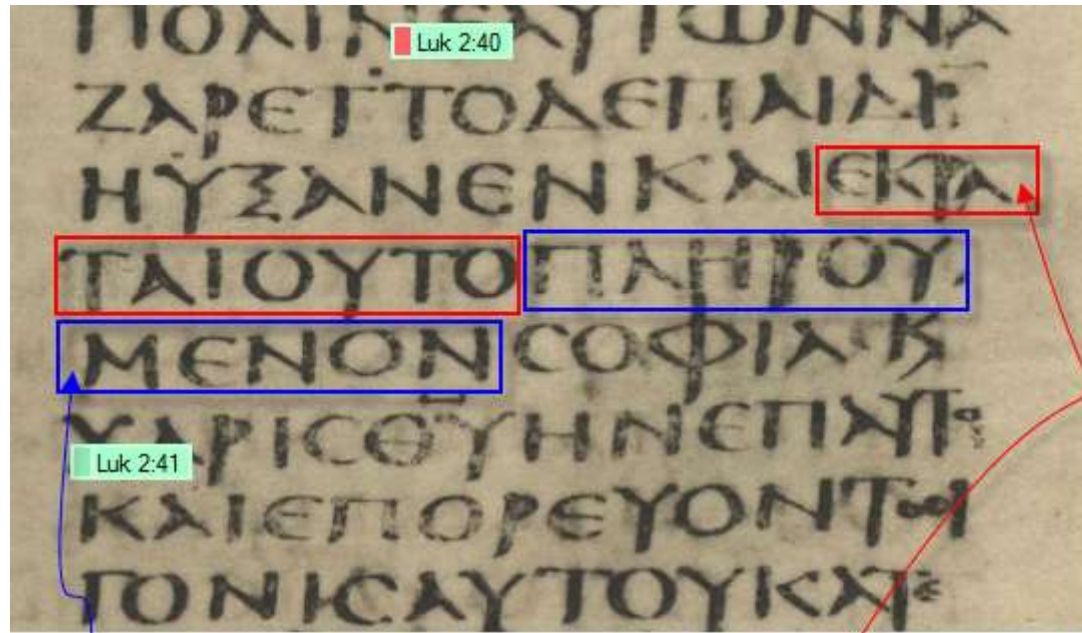
غير موجود في المخطوط

2:37 ΚΑΙ ΑΥΤΗ ΧΗΡΑΣ ὄσων ὀγδοηκοντατεσσάρων ἡ οὐκ
kai autē chēras hōs etōn ogdoēkōntatēssarōn hē ouk
AND she WIDOW AS OF-YEARS EIGHTY-FOUR WHO NOT

ἀφίστατο ἀπο τοῦ ἱεροῦ νηστειᾶς καὶ δεήσεων
aphistato apo tou hierou nēsteias kai deēsēs
FROM-STOOD FROM THE SACRED-place to-fasts AND to-petitions
withdraws sanctuary petitions

λατρεύουσα νύκτα καὶ ἡμέραν
latreuousa nykta kai hēmeran

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (بالروح πνεύματι) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤٠ وَكَانَ الصَّبِيُّ يَنْمُو وَيَتَّقَى بِالرُّوحِ، مُمْتَلِئًا حِكْمَةً، وَكَانَتْ نِعْمَةُ اللَّهِ عَلَيْهِ.	وكان الطفل يسوع ينمو ويتقوى ويمتلئ بالحكمة، وكانت نعمة الله عليه	40 And the child grew and became strong, being filled with wisdom, and the grace of God was upon him.	M-01A Luke 2:40 Το δε παιδιο̄ ηϋξανεν και εκραταιουτο πληρουμενον σοφιας και χαρις ΘΥ ην επ αυτο (Lk. 2:40 M-01A)	لوقا 2-40	10
أضاف النساخ هذه اللفظة (الروح) لسببين: 1- دعم الجانب الروحي ليسوع 2- مطابقة هذا النص مع نظيره في لوقا (1-80) (إظهار الجانب الروحي ليسوع) (مطابقة الأناجيل ببعضها)					التعليق	



2:40	ΤΟ ΔΕ ΠΑΙΔΙΟΝ ΗΥΞΑΝΕΝ ΚΑΙ	ΕΚΡΑΤΑΙΟΥΤΟ	ΠΝΕΥΜΑΤΙ
	to de paidion Euxanen kai	ekrataiouto	pneumati
	THE YET little-boy GROWS-UP AND	was-staunch	to-spirit

ΠΛΗΡΟΥΜΕΝΟΝ	ΣΟΦΙΑΣ	ΚΑΙ	ΧΑΡΙΣ	ΘΕΟΥ	ΗΝ	ΕΠ	ΑΥΤΟ
plroumenon	sophias	kai	charis	theou	En	ep	auto
being-filled	of-wisdom	and	grace	of-God	was	on	it
							him

المظلل بالأصفر
محذوف من
المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (يوسف وأمه) (ή μητήρ αυτού) السينائية: تكتب بدلا منها: (والداه) (οι γονις αυτού)	٤٣ وَبَعْدَمَا أَكْمَلُوا الْأَيَّامَ بَقِيَ عِنْدَ رُجُوعِهَا الصَّبِيُّ يَسُوعُ فِي أُورُشَلِيمَ، وَيُوسُفُ وَأُمُّهُ لَمْ يَعْلَمَا	وبعدما انقضت أيام العيد وأخذوا طريق العودة، بقي الصبي يسوع في أورشليم، والداه لا يعلمان.	43 and having completed the days, on their return the child Jesus remained in Jerusalem, and his parents knew it not.	M-01A Luke 2:43 και τελωσαντων τας ημερας εν τω υποστρεφειν αυτους υπεμεινεν ο παις εν Ιερουσαλημ και ουκ εγνωσαν οι γονις αυτου	لوقا 2-43	11
قام النساخ بتغيير النص من (والداه) إلي (يوسف وأمه) لسببين: 1- التأكيد على الميلاد العذري ليسوع من خلال إبعاد وصف الأبوة عن يوسف حتى لا يتوهم أنه أبوه من صلبه 2- نفي وجود احتمال لعلاقة جنسية بين يوسف ومريم, بما يدعم هرطقة الزاهدين التي تكره الجنس ولو كان في الزواج, ويضمن بقاء مريم عذراء حتى بعد الزواج (دعم الميلاد العذري) (دعم ديمومة البتولية) (تمكن تحريفات الهراطقة من الدخول للنص)					التعليق	

ΟΙ ΓΟΝΙΣ ΑΥΤΟΥ
والداه

Luk 2:43

Luk 2:44

ΟΙ ΓΟΝΙΣ ΑΥΤΟΥ

ΟΙ ΓΟΝΙΣ ΑΥΤΟΥ

2:43 ΚΑΙ ΤΕΛΕΙΩΣΑΝΤΩΝ ΤΑΣ ΗΜΕΡΑΣ ΕΝ ΤΩ ΥΠΟΣΤΡΕΦΕΙΝ
kai teleiOsantOn tas hEmeras en to hupostrephein
AND OF-maturing THE DAYS IN THE TO-BE-reTURNING
of-finishing

ΑΥΤΟΥΣ ΥΠΕΜΕΙΝΕΝ ΙΗΣΟΥΣ Ο ΠΑΙΣ ΕΝ ΙΕΡΟΥΣΑΛΗΜ ΚΑΙ ΟΥΚ
autous hupemeinen iEsous ho pais en ierusalEm kai ouk
them UNDER-REMAINS JESUS THE boy IN JERUSALEM AND NOT
remains-behind

2:44 ΝΟΜΙΣΑΝΤΕΣ ΔΕ ΑΥΤΟΝ ΕΝ ΤΗ ΚΥΝΟΔΙΑ ΕΙΝΑΙ ΗΛΘΟΝ
nomisantes de auton en tE sunodia einai Elthon
inferring YET Him IN THE TOGETHER-WAY TO-BE THEY-CAME

يُوسُفُ وَأُمُّهُ

المظلل محذوف من المخطوط

وإذ ظنناه

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب العبارة: (بْن عَمِينَادَاب، بْن أَرَام، بْن حَصْرُونَ του Ἀμιναδάβ του Ἀράμ, του Ἑσρώμ)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (بن آدم، بن أدمي، بن عرني، بن حصرون του Αδαμ του Αδμιν του Αρνει του Εσρωμ)</p>	<p>بْن عَمِينَادَاب، بْن أَرَام، بْن حَصْرُونَ، بْن فَارِص، بْن يَهُودَا،</p>	<p>بن آدم، بن أدمي، بن عرني، بن حصرون، بن فارص، بن يهوذا، . ترجمة : الرهينة اليسوعية</p>	<p>33 son of Adam, son of Admin, son of Ami, son of Hezron, son of Pharez, son of Judah,</p>	<p>^{M-01A} Luke 3:33 του Αδαμ του Αδμιν του Αρνει του Εσρωμ του Φαρες του Ιουδα (Lk. 3:33 M-01A)</p>	لوقا 3-33	12
<p>نسب المسيح في السينائية فيه اسمان مختلفان عن النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية :</p> <p>(آدم) (السينائية) بدلا من (عميناداب) (النسخة العربية) (أدمي) (السينائية) بدلا من (أرام) (النسخة العربية) وأیضا يوجد في السينائية اسم زائد وهو (عرني)</p> <p>قام نساخ النص اليوناني الذي اعتمدت عليه النسخة العربية بهذه التغييرات لأنهم لاحظوا عدم وجود هذه الأسماء التي ذكرها لوقا في العهد القديم، فنحشون ليس ابن آدم في العهد القديم، مما يعني أن لوقا أخطأ (علام التناقضات) (انقاذ المؤلف)</p>					التعليق	



Luk 3:33

نحشون

آدم

أدمي

عربي

حصرون

Luk 3:34

قام ناسخ متأخر زمنيا
 بإضافة حروف كلمة
 (عميناداب) في
 الهامش

3:32 ΤΟΥ ΙΕΣΣΑΙ ΤΟΥ ΩΒΗΔ ΤΟΥ ΒΟΟΖ ΤΟΥ ΣΑΛΜΩΝ ΤΟΥ
 tou iessai tou ObEd tou booz tou salmOn tou
 OF-THE JESSE OF-THE OBED OF-THE BOOZ OF-THE SALMON OF-THE
 Boaz

نحشون
 ΝΑΑΣΣΩΝ
 naassOn
 NAASSON

المظلل بالأصفر غير موجود
 بالمخطوط

3:33 ΤΟΥ ΑΜΙΝΑΔΑΒ ΤΟΥ ΑΡΑΜ ΤΟΥ ΕΣΡΩΜ ΤΟΥ ΦΑΡΕΣ ΤΟΥ
 tou aminadab tou aram tou hesrOm tou phares tou
 OF-THE AMINADAB OF-THE ARAM OF-THE ESROM OF-THE PHARES OF-THE

عميناداب

آرام

بن حصرون

ΙΟΥΔΑ
 iouda
 JUDA
 Judah

3:34 ΤΟΥ ΙΑΚΩΒ ΤΟΥ ΙΣΑΑΚ ΤΟΥ ΑΒΡΑΑΜ ΤΟΥ ΘΑΡΑ ΤΟΥ ΝΑΧΩΡ
 tou iakOb tou isaak tou abraam tou thara tou nachOr
 OF-THE JACOB OF-THE ISAAC OF-THE ABRAHAM OF-THE THARA OF-THE NACHOR
 Tera Nahor

Luke 3:23-38

Who reads genealogies? Evidently, not the scribe of W, who omitted this section entirely! Perhaps he thought he was producing a reader's Bible; therefore, trying to serve his readers' best interest, he omitted a passage that would not be read orally to a congregation. The scribe of D was also at work with Luke's genealogy. He conformed Luke 3:23-31 to Matt 1:6-16—in reverse order!

Other harmonizations to Matthew's genealogy are present in various manuscripts. In Luke 3:32, several manuscripts (K² A D L Θ Ψ 0102 33 Maj—so TR) read Σαλμων ("Salmon"), har-

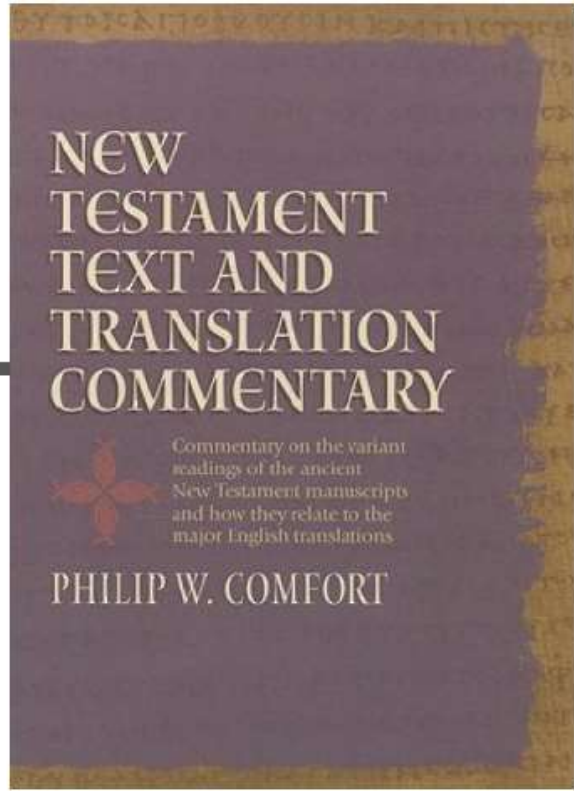
177 LUKE

قراءة (عميناداب)
تمت بواسطة ناسخ
متأخر

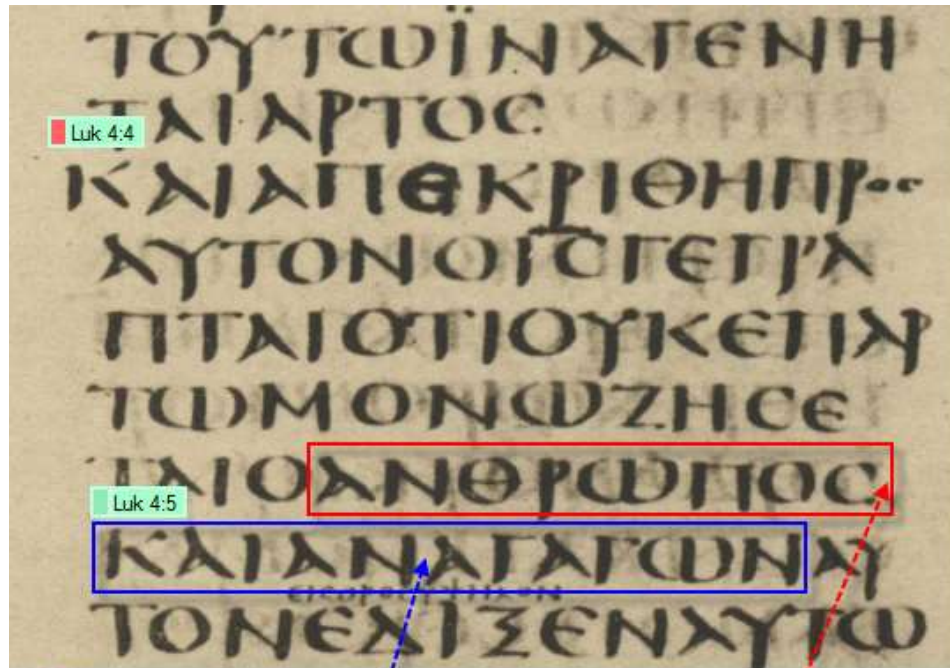
قراءة (أدم) تمت
بواسطة الناسخ
الأصلي

monized from *ματθαίου*, as opposed to Σαλα ("Sala"), found in the earliest manuscripts, \mathfrak{P}^a K² B (so WHNT).

In Luke 3:33 there are many variations on the reading του Αμινδαβ του Αδμιν του Αρνι ("[the son] of Amminadab, [the son] of Admin, [the son] of Arni"), supported by $\mathfrak{P}^{4\text{vid}}$ K² L¹³ cop^{be}. The critical apparatus of NA²⁷ indicates that $\mathfrak{P}^{4\text{vid}}$ (along with K² 1241) reads του Αδαμ του Αδμιν του Αρνι, ("[the son] of Adam, [the son] of Admin, [the son] of Arni"). This is a possible reconstruction of \mathfrak{P}^a , but the first reading is also possible—the only letter that clearly shows for the first name is the initial *alpha*, whether for Αμινδαβ or Αδαμ. Codex B omits του Αμινδαβ. The manuscripts A D 33 565 read του Αμινδαβ του Αραμ ("[the son] of Amminidab, [the son] of Ram"—see Matt 1:4). Other manuscripts (Δ Ψ 700 it^{be}) replace Αρνι with Ιωραμ ("Joram"). Codex A omits του Φαρεις ("[the son] of Phares").



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: " بَلْ بِكُلِّ كَلِمَةٍ مِنَ اللَّهِ <i>ἀλλ' ἐπὶ παντὶ ῥήματι Θεοῦ</i> السينائية: العبارة غير موجودة	٤. فَأَجَابَهُ يَسُوعُ قَائِلًا: "مَكْتُوبٌ: أَنْ لَيْسَ بِالْخُبْزِ وَحْدَهُ يَحْيَا الْإِنْسَانُ، بَلْ بِكُلِّ كَلِمَةٍ مِنَ اللَّهِ ."	فأجابه يسوع: ((يقول الكتاب: ما بالخبز وحده يحيى الإنسان)).	4 And Jesus answered to him: It is written that not by bread alone shall man live.	M-01A Luke 4:4 Καὶ ἀποκρίθη πρὸς αὐτὸν ὁ Ἰησοῦς λέγων ὅτι οὐκ ἐπ' ἄρτῳ μόνῳ ζῆσεται ὁ ἄνθρωπος (Lk. 4:4 M-01A)	لوقا 4-4	13
أضاف النساخ عبارة (بل بكل كلمة من الله) لسببين:					التعليق	
<ul style="list-style-type: none"> - إيجاد الإجابة على السؤال التالي: إن لم يكن الخبز وحده كافيا فما هو الشيء الآخر الذي يحيى به الإنسان؟ - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى (4-4) (تحسين النص) (مطابقة الأناجيل ببعضها) 						



4:4 ΚΑΙ ΑΠΕΚΡΙΘΗ ΙΗΣΟΥΣ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ ΛΕΓΩΝ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΟΤΙ
kai apekrithE iEsous pros auton legOn gegraptai hoti
AND answerED JESUS TOWARD him sayiNG it-HAS-been-WRITTEN that

ΟΥΚ ΕΠ' ΑΡΤΩ ΜΟΝΩ ΖΗΣΕΤΑΙ Ο **ΑΝΘΡΩΠΟΣ** **ΑΛΛ' ΕΠΙ ΠΑΝΤΙ**
ouk ep artO monO zEsetai ho anthrOpos all epi panti
NOT ON BREAD ONLY SHALL-BE-LIVING THE human but ON EVERY
alone

كلمة من الله
PHMATI THEOU
rEmati theou
declaration OF-God

المطلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

4:5 **ثُمَّ أَسْعَدَهَا** ΚΑΙ ΑΝΑΓΑΓΩΝ ΑΥΤΟΝ Ο ΔΙΑΒΟΛΟΣ ΕΙΣ ΟΡΟΣ ΥΨΗΛΟΝ
kai anagagOn auton ho diabolos eis oros hupsElon
AND UP-LEADING Him THE THRU-CASTer INTO mountain HIGH
leading-up Adversary

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (إبليس إلى جبل عال) ὁ διάβολος εἰς ὄρος ὑψηλόν) السينائية: العبارة غير موجودة	هَنَّمْ أَصْعَدَهُ إِبْلِيسُ إِلَى جَبَلٍ عَالٍ وَأَرَاهُ جَمِيعَ مَمَالِكِ الْمَسْكُونَةِ فِي لَحْظَةٍ مِنَ الزَّمَانِ	وأصعده إبليس إلى جبل مرتفع وأراه في لحظة من الزمن جميع ممالك العالم	5 And having led him up, he showed him all the kingdoms of the world in a moment of time.	M-01A Luke 4:5 Καὶ ἀναγαγὼν αὐτὸν ἐδείξεν αὐτῷ πᾶσας τὰς βασιλείας τῆς οἰκουμένης ἐν στιγμῇ χρόνου (Lk. 4:5 M-01A)	لوقا 4-5	14
أضاف النساخ عبارة (إبليس إلى جبل عال) لسببين: - الإجابة على سؤالين: من الذي أصعده؟ و إلى أي شئ أصعده؟ - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى (4-8) (تحسين النص) (مطابقة الأناجيل مع بعضها)					التعليق	

Luk 4:5

ΚΑΙ ΑΝΑΓΑΓΩΝ ΑΥΤΟΝ

ΕΔΕΙΞΕΝ ΑΥΤΩ

ΠΑΣΑΣ ΤΑΣ ΒΑΣΙΛΕΙΑΣ

ΤΗΣ ΟΙΚΟΥΜΕΝΗΣ

ΕΝ ΣΤΙΓΜΗ ΧΡΟΝΟΥ

Luk 4:6

المظلل بالأصفر غير موجود

وَأَصْعَدَهُ

إِبْلِيسُ إِلَى جَبَلٍ عَالٍ

4:5 ΚΑΙ ΑΝΑΓΑΓΩΝ ΑΥΤΟΝ Ο ΔΙΑΒΟΛΟΣ ΕΙΣ ΟΡΟΣ ΥΨΗΛΟΝ

kai anagagōn auton ho diabolos eis oros hupsēlon

AND UP-LEADING Him THE THRU-CASTer INTO mountain HIGH

leading-up Adversary

وَأَرَاهُ

ΕΔΕΙΞΕΝ ΑΥΤΩ ΠΑΣΑΣ ΤΑΣ ΒΑΣΙΛΕΙΑΣ ΤΗΣ ΟΙΚΟΥΜΕΝΗΣ ΕΝ

edeixen autō pasas tas basileias tēs oikoumenēs en

he-SHOWS to-Him ALL THE KINGdoms OF-THE OF-beING-HOMED IN

him inhabited-earth

ΣΤΙΓΜΗ ΧΡΟΝΟΥ

stigmē chronou

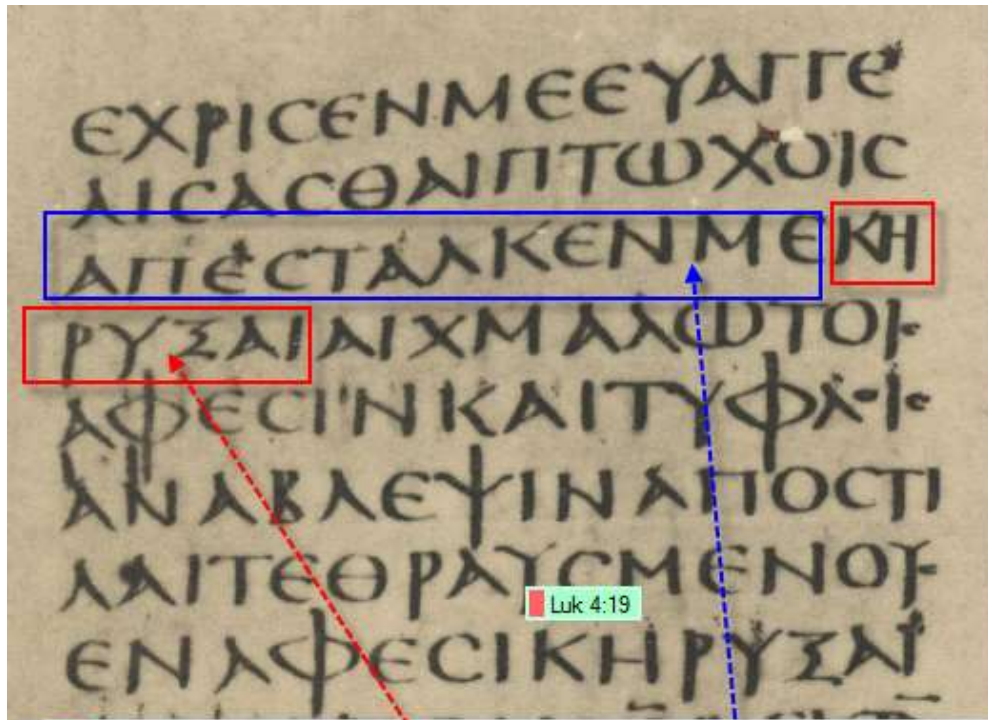
PRICK OF-TIME

instant

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: " اذهب يا شيطان" "Υπαγε ὀπίσω μου, Σατανᾶ." السينائية: العبارة غير موجودة	" ۸. فَأَجَابَهُ يَسُوعُ وَقَالَ: "اذهب يا شيطان! إِنَّهُ مَكْتُوبٌ: لِلرَّبِّ إِلَهَكَ تَسْجُدُ وَأِيَّاهُ وَحْدَهُ تَعْبُدُ"	فأجابه يسوع: ((يقول الكتاب: للرب إلهك تسجد، وإياه وحده تعبد)).	8 And Jesus answered and said to him: It is written: Thou shalt worship the Lord thy God, and him only shalt thou serve,	M-01A Luke 4:8 Καὶ ἀποκριθεὶς ὁ Ἰησοῦς εἶπε αὐτῷ γεγραπταὶ κῆντον θεῶν σου προσκυνησεὶς καὶ αὐτῷ μόνῳ λατρευσεὶς (Lk. 4:8 M-01A)	لوقا 4-8	15
أضاف النساخ عبارة (اذهب يا شيطان) لسببين: - إظهار الجانب الروحي القوي ليسوع حيث يواجه عروض الشيطان بالرفض القاطع ويزجر الشيطان - مطابقة النص مع نظيره في متى (10-4)(مطابقة الأنجيل مع بعضها)(دعم الجانب الروحي لبسوع)					التعليق	

4:8	ΚΑΙ	ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ	ΑΥΤῷ	ΕΙΠΕΝ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΥΠΑΓΕ
kai	apokritheis	autō	eipen	to	iēsous	hupage	
AND	answerING	to-him	said	THE	JESUS	BE-YOU-UNDER-LEADING	be-you-going-away!
	ΕΝΙ	ΙΑ	ΣΗ	ΣΑ	ΤΑ	ΝΑ	ΓΕ
opisO	mou	satana	gegraptai	gar	proskunEseis	kyrion	
BEHIND	OF-ME	SATAN	it-HAS-been-WRITTEN	for	YOU-SHALL-BE-worship	Master	
	me	Satan!				Lord	
	ΤΟΝ	ΘΕΟΝ	ΣΟΥ	ΚΑΙ	ΑΥΤῷ	ΜΟΝῷ	ΛΑΤΡΕΥΣΕΙΣ
ton	theon	sou	kai	autō	monō	latreuseis	
THE	God	OF-YOU	AND	to-Him	ONLY	YOU-SHALL-BE-offerING-Divine-service	you-shall-be-offering-divine-service

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط



4:18	ΠΝΕΥΜΑ	ΚΥΡΙΟΥ	ΕΠ	ΕΜΕ	ΟΥ	ΕΝΕΚΕΝ	ΕΧΡΙΣΕΝ ΜΕ
	pneuma	kuriou	ep	eme	hou	heneken	echrisen me
	spirit	OF-Master	ON	ME	OF-WHICH	on-account of	He-ANOINTS ME
		of-Lord			which		
	ΕΥΑΓΓΕΛΙΖΕΘΑΙ	ΠΤΩΧΟΙΣ	ΑΠΕΣΤΑΛΚΕΝ	ΜΕ	ΙΑΣΑΣΘΑΙ	ΤΟΥΣ	
	euaggelizesthai	ptOchois	apestalken	me	iasasthai	tous	
	TO-BE-WELL-MESSAGizing	to-POOR-ones	He-HAS-commissionED	ME	TO-BE-HEALING	THE	
	to-be-bringing-the-well-message	to-poor-ones					
	ΚΥΝΤΕΤΡΙΜΜΕΝΟΥΣ	ΤΗΝ ΚΑΡΔΙΑΝ	ΚΗΡΥΞΑΙ	ΑΙΧΜΑΛΩΤΟΙΣ			
	suntetrimmenous	tEn kardian	keruxai	aichmalotois			
	ones-HAVING-been-crushed	THE HEART	TO-PROCLAIM	to-captives			
	ones-having-been-crushed		to-herald				
	ΑΦΕΣΙΝ	ΚΑΙ ΤΥΦΛΟΙΣ	ΑΝΑΒΛΕΨΙΝ	ΑΠΟΣΤΕΙΛΑΙ			
	aphesin	kai tuphlois	anablepsin	apostellai			
	FROM-LETting	AND to-BLIND-ones	UP-looking	TO-commis			
	pardon	to-blind-ones	receiving-of-sight	to-dispatcl			
	ΤΕΘΡΑΥΣΜΕΝΟΥΣ	ΕΝ ΑΦΕΣΕΙ					
	te-thrausmenous	en aphesei					

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (الجليل της Γαλιλαίας)	٤٤ فَكَانَ يَكْرُرُ فِي مَجَامِعِ الْجَلِيلِ.	ومضى يبشر في مجامع اليهودية.	44 And he preached in the synagogues of Judea.	M-01A Luke 4:44 Και ην κηρυσσων εις τας συναγωγας της Ιουδαιας (Lk. 4:44 M-01A)	لوقا 4-44	17
السينائية: تكتب بدلا منها: (اليهودية της Ιουδαιας)					التعليق	
قام النساخ بتغيير النص الذي كتبه لوقا من (اليهودية) إلي (الجليل) لي جعلوه مطابقا لنظيره في إنجيل متى (4-23) (مطابقة الأناجيل بعضها)						

Luk 4:44

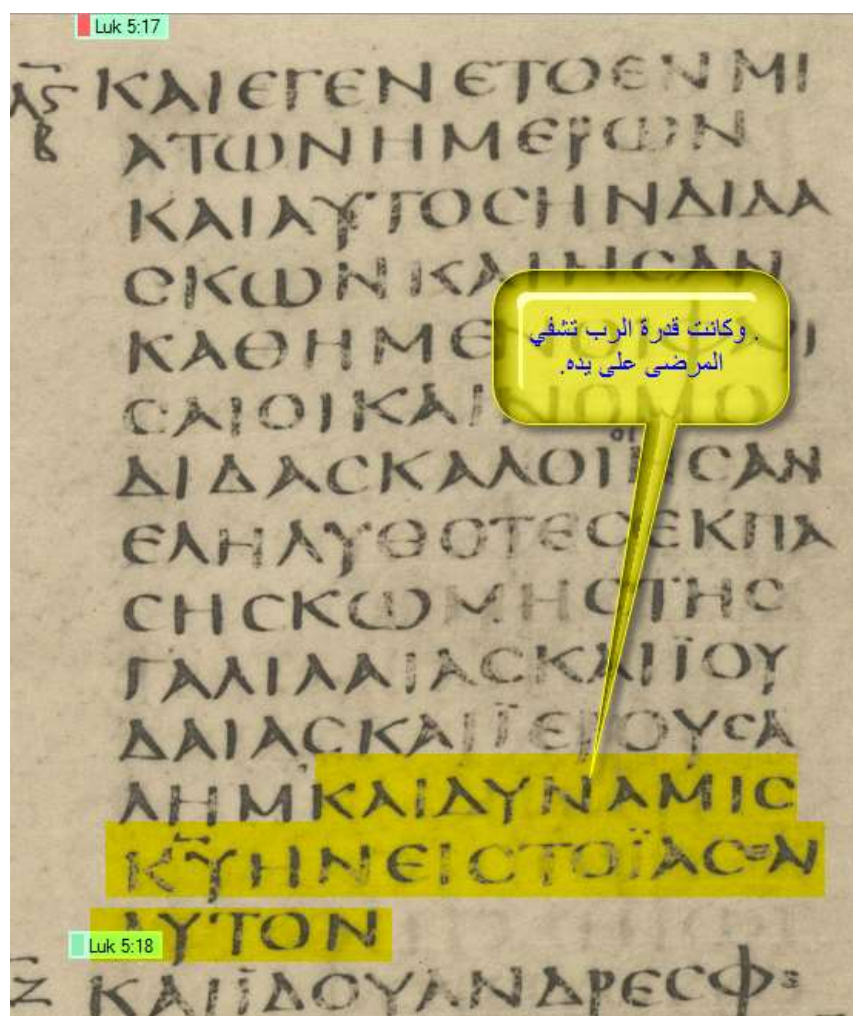
της ΙΟΥΔΑΙΑς
اليهودية

الجليل

غير موجود بالمخطوط

4:44	ΚΑΙ ΗΝ	ΚΗΡΥΣΣΩΝ	ΕΝ	ΤΑΙΣ	ΜΑΓΑΛΕΥΣΑΙΣ	ΤΗΣ	ΓΑΛΙΛΑΙΑΣ
	kai	En	kEruSSOn	en	tais	sunagOgais	tEs galilaias
	AND	He-WAS	PROCLAIMING	IN	THE	TOGETHER-LEADS	OF-THE GALILEE
			heralding			synagogues	
5:1	ΕΓΕΝΕΤΟ ΔΕ	ΕΝ	ΤΩ	ΤΟΝ	ΟΧΛΟΝ	ΕΠΙΚΕΙΘΑΙ	ΑΥΤΩ
	egeneto	de	en	to	ton	ochlon	epikeisthai
	BECAME	YET	IN	THE	THE	THRONG	TO-BE-ON-LYING
	it-occurred						to-be-being-importune

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر عبارة: " كانت قوة الرب لشفائهم καὶ δύναμις κυρίου ἦν εἰς τὸ ἰᾶσθαι αὐτούς. "</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: " كانت قدرة الرب تشفي المرضى على يده και δυναμις KY ἦν εἰς το ιασθαι αυτον "</p>	<p>١٧. وَفِي أَحَدِ الْأَيَّامِ كَانَ يُعَلِّمُ، وَكَانَ فَرِيسِيُّونَ وَمُعَلِّمُونَ لِلنَّامُوسِ جَالِسِينَ وَهُمْ قَدْ أَتَوْا مِنْ كُلِّ قَرْيَةٍ مِنَ الْجَلِيلِ وَالْيَهُودِيَّةِ وَأُورُشَلِيمَ. وَكَانَتْ قُوَّةُ الرَّبِّ لِشِفَائِهِمْ.</p>	<p>وكان في أحد الأيام يعلم، وبين الحضور بعض الفريسيين ومعلمي الشريعة جاؤوا من جميع قرى الجليل واليهودية ومن أورشليم. وكانت قدرة الرب تشفي المرضى على يده.</p>	<p>17 And it came to pass on one of the days that he was teaching, and there were sitting Pharisees and teachers of the law, who had come out of every village of Galilee and Judea, and from Jerusalem; and the power of the Lord was healing with his hands.</p>	<p>M-01A Luke 5:17 Και εγενετο εν μα των ημερων και αυτος ην διδασκων και ησαν καθημενοι Φαρισαιοι και νομοδιδασκαλοι ησαν εληλυθοτες εκ πασης κομης της Γαλιλαιας και Ιουδαιας και Ιερουσαλημ και δυναμις KY ἦν εἰς το ιασθαι αυτον (Lk. 5:17 M-01A)</p>	لوقا 5-17	18
<p>النص كما في السينائية (قدرة الرب تشفي المرضى على يده). يجعل هناك فارق بين الرب وبين يسوع فالأول يستعمل الثاني كآلة للشفاء, لهذا قام النساخ بتغيير النص إلي (كانت قوة الرب لشفائهم) لطمس هذا الفارق. (دعم الألووية)</p>					التعليق	



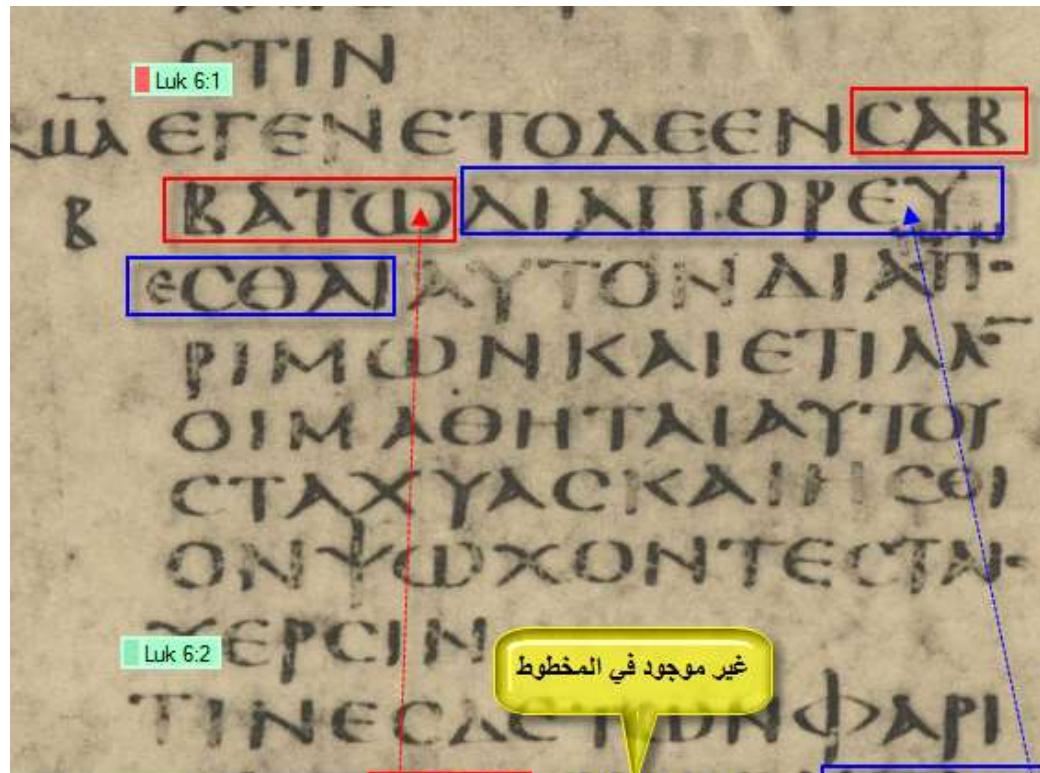
م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
19	لوقا 5-38	M-01A Luke 5:38 Αλλα οινον νεον εις ασκους καινους βαλλουσιν (Lk. 5:38 M-01A)	38 but new wine must be put into new bottles.	بل توضع الخمر الجديدة في أوعية جديدة	٣٨ بَلْ يَجْعَلُونَ خَمْرًا جَدِيدَةً فِي زَقَاقِ جَدِيدَةٍ، فَتُحْفَظُ جَمِيعًا.	وجه الاختلاف النسخة العربية: تضيف عبارة: (فتحفظ جميعا και ἀμφότεροι συντηροῦνται.) السينائية: المقطع غير موجود
	التعليق	هذا النص هو مثال رمزي ويقصد به ضرورة تغيير الشريعة والعبادات اليهودية بشئ آخر جديد. فالزقاق هي الأشخاص والخمر هي الأفكار والشرائع، ومن أجل دعم هذه الفلسفة التي هي فلسفة بولس بالأساس قام النساخ بإضافة عبارة (فتحفظ جميعا) للتأكيد على أن إلغاء الشريعة ضروري لحفظ الأشخاص كضرورة وجود زقاق جديدة لحفظ الخمر الجديدة. كما أنها محاولة معتادة من النساخ لمطابقة النص هنا مع نظيره في متى (9-17) (إلغاء الشريعة = دعم فلسفة بولس) (مطابقة الأناجيل بعضها)				

BAΛΛΟΥΣΙΝ
زقاق

المزلل بالأصفر غير موجود في المخطوط

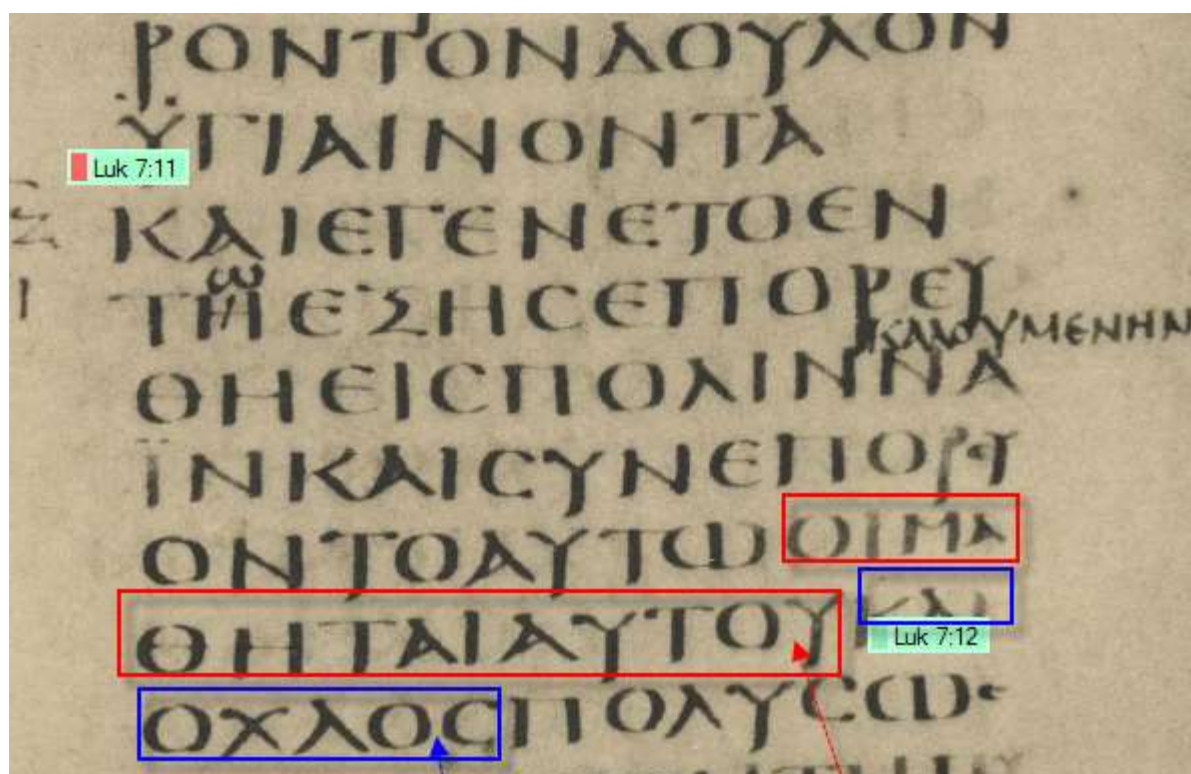
5:38	ΑΛΛΑ	ΟΙΝΟΝ	ΝΕΟΝ	ΕΙΣ	ΑΣΚΟΥΣ	ΚΑΙΝΟΥΣ	ΒΑΛΤΕΟΝ	ΚΑΙ
	alla	oinon	neon	eis	askous	kainous	blEteon	kai
	but	WINE	YOUNG	INTO	BOTTLES (of-skin)	NEW	CASTable	AND
			fresh		wine-skins		is-drained	
	فتحفظ جميعا							
	ΑΜΦΟΤΕΡΟΙ	ΣΥΝΤΗΡΟΥΝΤΑΙ						
	amphoterai	suntErountai						
	both	ARE-bEING-TOGETHER-KEPT						
	are-being-preserved							
5:39	ΚΑΙ	ΟΥΔΕΙΣ	ΠΙΩΝ	ΠΑΛΑΙΟΝ	ΕΥΘΕΩΣ	ΘΕΛΕΙ	ΝΕΟΝ	ΛΕΓΕΙ
	kai	oudeis	piOn	palaion	eutheOs	thelei	neon	legei
	AND	NOT-YET-ONE	DRINKING	OLD	immediately	IS-WILLING	YOUNG	he-IS-saying
		no-one					fresh	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (الثاني بعد الأول) δευτεροπρωτω) السينائية: العبارة غير موجودة	أَوْ فِي السَّبْتِ الثَّانِي بَعْدَ الْأُولِ اجْتَاَزَ بَيْنَ الرُّزُوعِ وَكَانَ تَلَامِيذُهُ يَقْطِفُونَ السَّنَابِلَ وَيَأْكُلُونَ وَهُمْ يَفْرُكُونَهَا بِأَيْدِيهِمْ	وفي السبت اجتاز بين الزروع. وكان تلاميذه يقطفون السنابل ويأكلون وهم يفركونها بأيديهم.	6:1 And it came to pass, on the sabbath, that he went through the fields of grain, and his disciples pulled the ears of grain and ate, rubbing them in their hands.	M-01A Luke 6:1 Εγενετο δε εν σαββατω διαπορευεσθαι αυτον δια σποριμων και επιλοοι μαθηται αυτου σταχυας και ησθιον ψωχοντες ταις χερσιν (Lk. 6:1 M-01A)	لوقا 6-1	20
أضاف النساخ عبارة (الثاني بعد الأول) حيث أن السبت الثاني هو الوقت الذي تتضح فيه السنابل وتصبح صالحة للفرك والأكل, خادمين بذلك الطرح الذي قدمه لوقا (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



6:1	ΕΓΕΝΕΤΟ	ΔΕ	ΕΝ	سبت	الثاني بعد الأول	اجتاز		
egeneto	de	en	sabbatō	deuteroprōtō	diaporeuesthai			
BECAME	YET	IN	SABBATH	second-BEFORE-most	TO-BE-THRU-GOING			
it-occurred				second-first	to-be-going-through			
ΑΥΤΟΝ	ΔΙΑ	ΤΩΝ	CΠΟΡΙΜΩΝ	ΚΑΙ	ΕΤΙΛΛΟΝ	ΟΙ	ΜΑΘΗΤΑΙ	ΑΥΤΟΥ
auton	dia	tōn	sporimōn	kai	etillon	hoi	mathetai	autou
Him	THRU	THE	SOWings	AND	PLUCKED	THE	LEARNers	OF-Him
	through						disciples	
ΤΟΥC	CΤΑΧΥΑC	ΚΑΙ	ΗCΘΙΟΝ	ΨΩΧΟΝΤΕC	ΤΑΙC	ΧΕΡCΙΝ		
tous	stachuas	kai	Esthion	psOchontes	tais	chersin		
THE	EARS-(of-plants)	AND	ATE	STROKE-HAVING	to-THE	HANDS		
	ears-of-grain			rubbing-together-them				

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (كثيرون من ikanoi) السينائية: اللفظة غير موجودة	١١ وَفِي الْيَوْمِ التَّالِيِ ذَهَبَ إِلَى مَدِينَةٍ تُدْعَى نَائِينَ، وَذَهَبَ مَعَهُ كَثِيرُونَ مِنْ تَلَامِيذِهِ وَجَمْعٌ كَثِيرٌ.	وفي اليوم التالي ذهب إلى مدينة تدعى نايين وذهب معه تلاميذه وجمع كثير.	11 And it came to pass on the following day he went to a city called Nain; and there went with him his disciples and a great multitude.	M-01A Luke 7:11 Και εγενετο εν τη εξης επορευθη εις πολιν Ναιν και συνεπορευοντο αυτω οι μαθηται αυτου και οχλος πολυς	لوقا 7-11	22
	أضاف النساخ لفظة (كثيرون) من أجل إظهار كثرة الشهود على المعجزات التي صنعها يسوع , وإظهار مدى نجاح البشارة حيث أدت لكثرة التلاميذ (دعم المعجزات)				التعليق	



7:11	ΚΑΙ	ΕΓΕΝΕΤΟ	ΕΝ	ΤΗ	ΕΞΗΣ	ΕΠΟΡΕΥΕΤΟ	ΕΙΣ	ΠΟΛΙΝ
	kai	egeneto	en	te	hexEs	eporeueto	eis	polin
	AND	it-BECAME	IN	THE	next	He-WENT	INTO	city
		it-occurred						
	ΚΑΛΟΥΜΕΝΗΝ	ΝΑΙΝ	ΚΑΙ	ΣΥΝΕΠΟΡΕΥΟΝΤΟ	ΑΥΤΩ	ΟΙ	ΜΑΘΗΤΑΙ	
	kaloumenEn	nain	kai	suneporeuonto	autO	hoi	mathEtai	
	beING-CALLED	NAIN	AND	TOGETHER-WENT	to-Him	THE	LEARNers	
				went-with	him		disciples	
	ΑΥΤΟΥ	ΙΚΑΝΟΙ	ΚΑΙ	ΟΧΛΟΣ	ΠΟΛΥΣ			
	autou	hikanoi	kai	ochlos	polus			
	OF-Him	enough	AND	THRONG	MANY			
		considerable			vast			

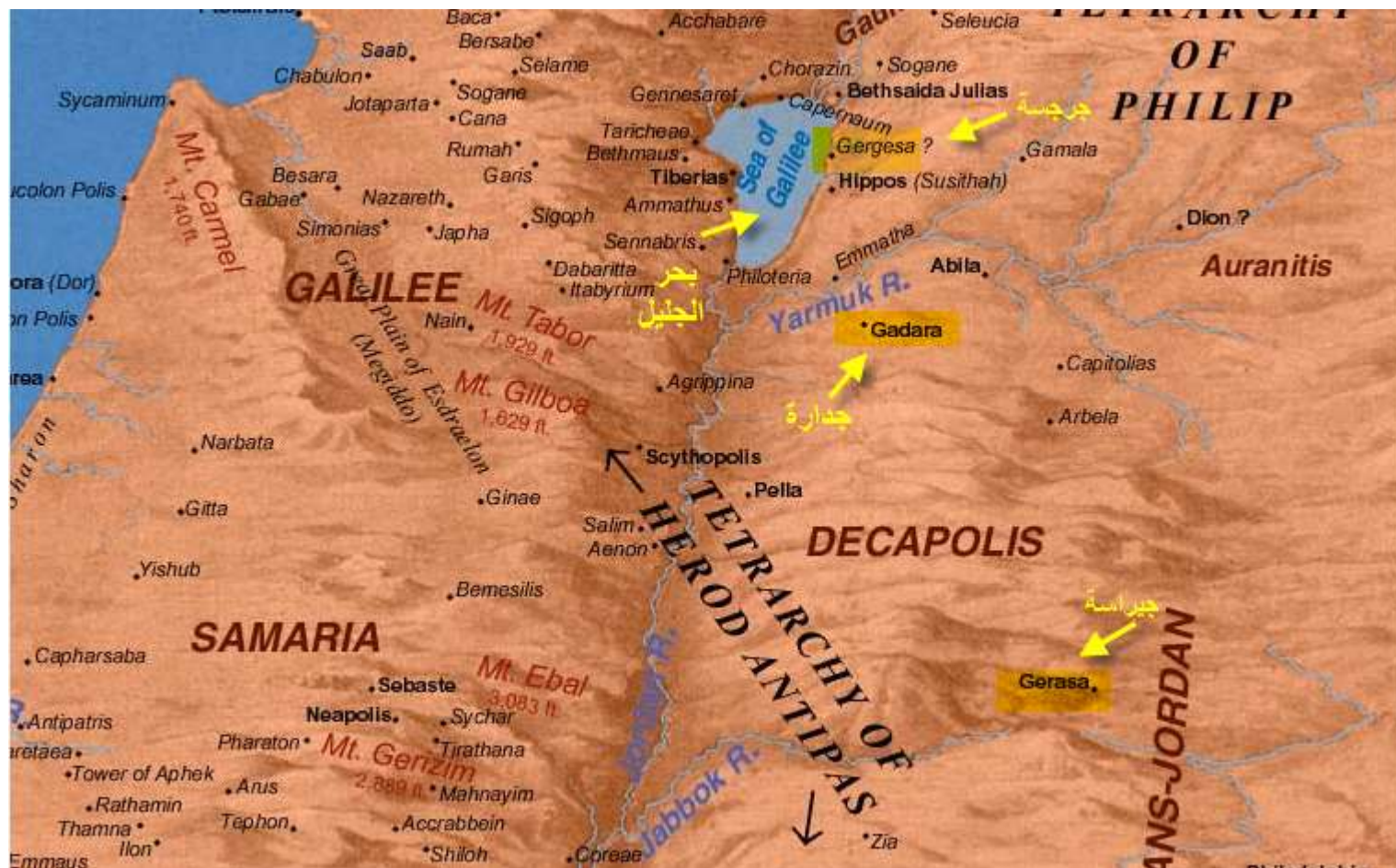
تلاميذه

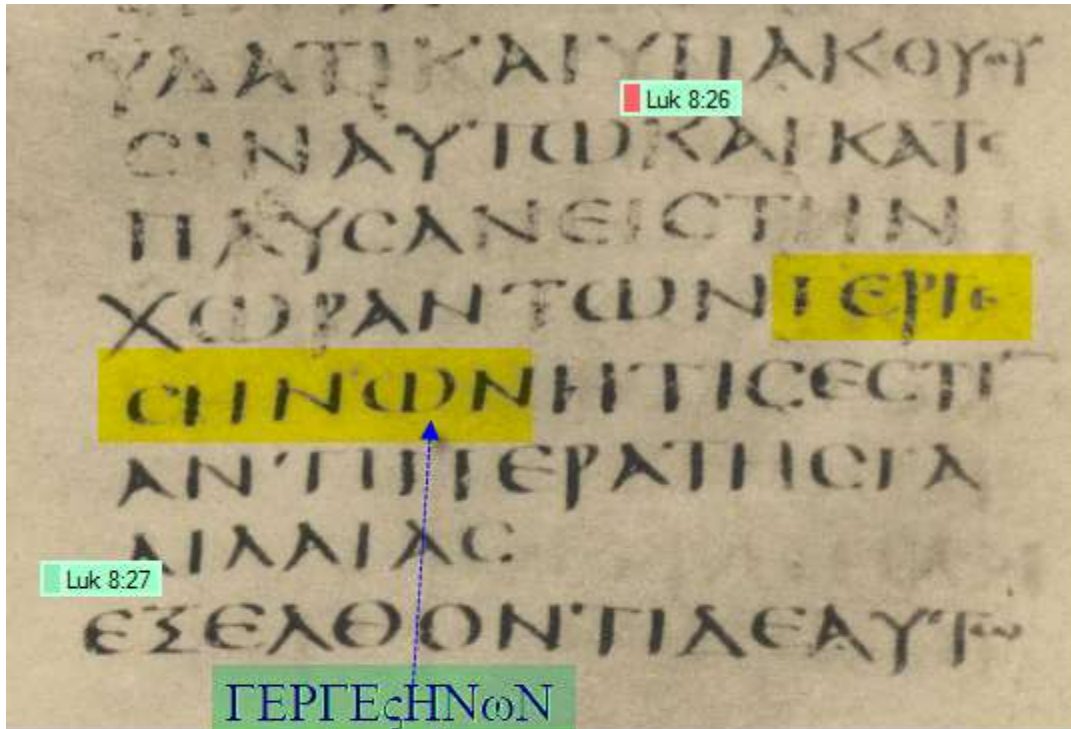
كثيرون

وجمع

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر لفظة: (الجدرين Γαδαρηῶν) (السينائية: تذكر بدلا منها: (الجرجسيين Γεργεσηῶν)</p>	<p>٢٦ وَسَارُوا إِلَى كُورَةِ الْجَدْرِيِّينَ الَّتِي هِيَ مُقَابِلَ الْجَلِيلِ.</p>	<p>وساروا إلى كورة الجرجسيين التي هي مقابل الجليل</p>	<p>26 And they sailed down to the country of the Gergesenes, which is opposite to Galilee.</p>	<p>M-01A Luke 8:26 Και κατεπλυσαν εις την χωραν των Γεργεσηνων ητις εστι αντιπερα της Γαλιλαιας (Lk. 8:26 M-01A)</p>	لوقا 8-26	23
<p>اسم البلدة كما في السينائية يوافق جغرافية فلسطين ويجعل القصة خالية من التناقضات بخلاف اسم البلدة في النسخة العربية الذي يجعل لوقا مخطئا والقصة مكذوبة , لأنه وفقا للأحداث فإن القصة وقعت في بلدة على حافة بحر الجليل ولا يوجد بلدة على بحر الجليل اسمها (الجدرين) , لكن هناك بلدة اسمها (الجرجسيين) (مشكلة جغرافية في النص الشائع)</p>					التعليق	



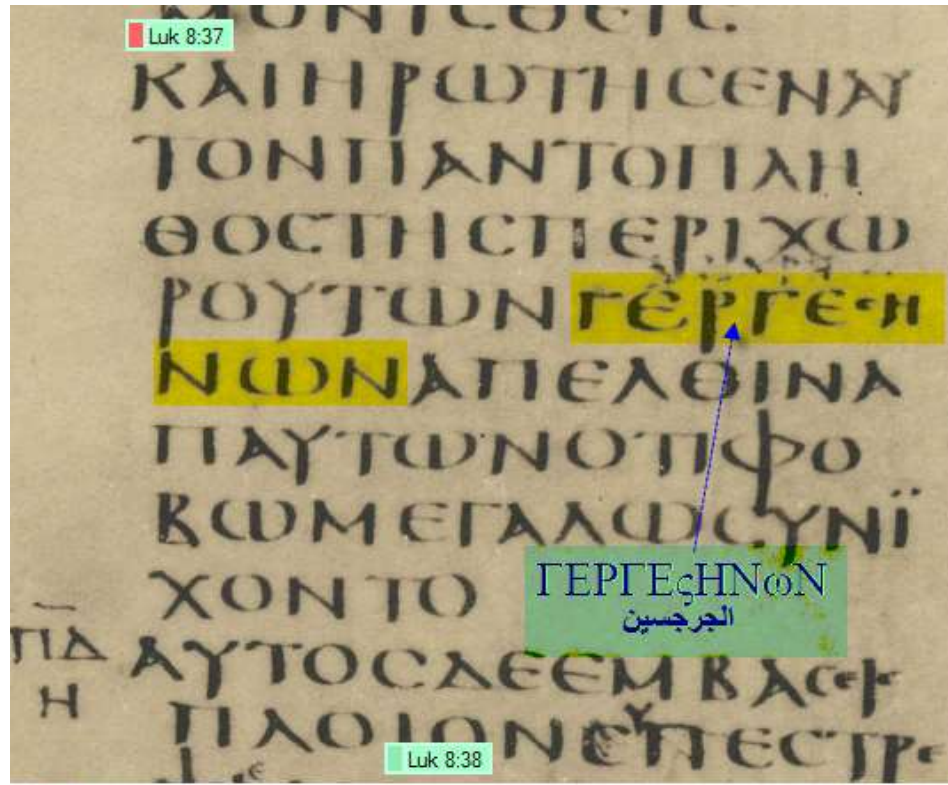


ΓΕΡΓΕΣΙΝΩΝ

الجرسين

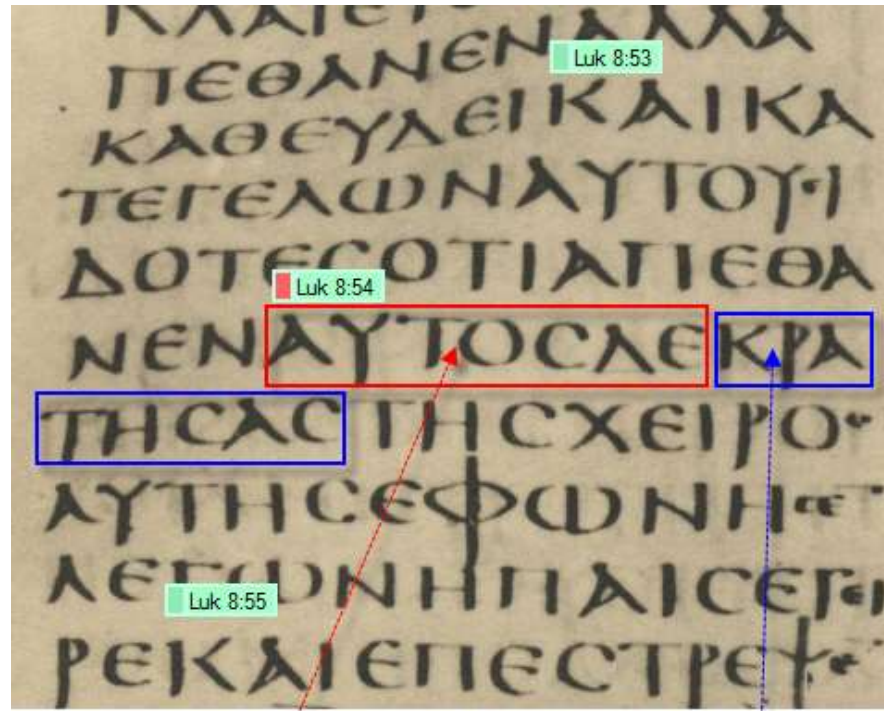
<p>8:26</p> <p>kai</p> <p>AND</p>	<p>κατεπλευσαν</p> <p>THEY-DOWN-FLOAT</p> <p>they-sail-down</p>	<p>eis</p> <p>INTO</p>	<p>tEn</p> <p>THE</p>	<p>chOran</p> <p>SPACE</p> <p>country</p>	<p>tOn</p> <p>OF-THE</p>	<p>gadarEnOn</p> <p>GADARENES</p>	<p>hTis</p> <p>WHICH-ANY</p> <p>which-any</p>
<p>الجدريين</p>							
<p>estin</p> <p>IS</p>	<p>antiperan</p> <p>INSTEAD-OTHER-SIDE</p> <p>across-from</p>	<p>tEs</p> <p>OF-THE</p> <p>the</p>	<p>galilaiaS</p> <p>GALILEE</p>	<p>المظلل غير موجود في المخطوط</p>			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (الجدريين Γαδαρηνῶν) السينائية: (الجرجسيين Γεργεσηνων)	٣٧ فَطَلَبَ إِلَيْهِ كُلُّ جُمُهورِ كُورَةَ الْجَدْرِيِّينَ أَنْ يَذْهَبَ عَنْهُمْ، لِأَنَّهُ اعْتَرَاهُمْ خَوْفٌ عَظِيمٌ. فَدَخَلَ السَّفِينَةَ وَرَجَعَ.	فطلب إليه أهل ناحية الجرجسيين كلهم أن يبتعد عنهم، لأنهم كانوا في خوف شديد. فركب القارب ورجع من هناك.	37 And all the multitude of the surrounding country of the Gergesenes asked him to depart from them; for they were seized with great fear; and he entered a ship and returned.	M-01A Luke 8:37 Και ηρωτησεν αυτον παν το πληθος της περιχωρου των Γεργεσηνων απελθιν απ αυτων οτι φοβω μεγαλω συνιχοντο αυτος δε εμβας εις πλοιοιον επεστρεψαν	لوقا 8-37	24
اسم البلدة كما في السينائية يوافق جغرافية فلسطين ويجعل القصة خالية من التناقضات بخلاف اسم البلدة في النسخة العربية الذي يجعل لوقا مخطئا والقصة مكذوبة , لأنه وفقا للأحداث فإن القصة وقعت في بلدة على حافة بحر الجليل ولا يوجد بلدة على بحر الجليل اسمها (الجدريين) , لكن هناك بلدة اسمها (الجرجسيين) (مشكلة جغرافية في النص الشائع)					التعليق	



8:37	ΚΑΙ	ΗΡΩΤΗΣΑΝ	ΑΥΤΟΝ	ΑΠΑΝ	ΤΟ	ΠΛΗΘΟΣ	ΤΗΣ	ΠΕΡΙΧΩΡΟΥ
	kai	ErOtEsan	auton	hapan	to	plEthos	tEs	perichOrou
	AND	ask	Him	EVERy (emph.)	THE	multitude	OF-THE	ABOUT-SPACE
				ليس في المخطوط				country-about
	ΤΩΝ	ΓΑΔΑΡΗΝΩΝ	ΑΠΕΛΘΕΙΝ	ΑΠ	ΑΥΤΩΝ	ΟΤΙ	ΦΟΒΩ	ΜΕΓΑΛΩ
	tOn	gadarEnOn	apelthein	ap	autOn	hoti	phobO	megalO
	OF-THE	GADARENES	TO-BE-FROM-COMING	FROM	them	that	to-FEAR	GREAT
			to-be-coming-away					
	ΣΥΝΕΙΧΟΝΤΟ	ΑΥΤΟΣ	ΔΕ	ΕΜΒΑΣ	ΕΙΣ	ΤΟ	ΠΛΟΙΟΝ	ΥΠΕΣΤΡΕΨΕΝ
	suneichonto	autos	de	embas	eis	to	ploion	hupestrepSen
	THEY-were-pressED	He	YET	IN-STEPPing	INTO	THE	FLOATer	reTURNs
				stepping-in			ship	

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
25	لوقا 8-54	^{M-01A} Luke 8:54 Αυτος δε κρατησας της χειρος αυτης εφωνησε λεγων Η παις εγειρε (Lk. 8:54 M-01A)	54 And taking her by the hand, he called, saying: Child, awake.	ولكنه أخذ بيد الصبية وصاح بها. ((يا صبية، قومي!)).	٤ ه فَأَخْرَجَ الْجَمِيعَ خَارِجًا، وَأَمْسَكَ بِيَدِهَا وَنَادَى قَائِلًا: "يَا صَبِيَّةُ، قُومِي!"	النسخة العربية: أضافت العبارة: (فأخرج الجميع خارجا) εκβαλὼν ἔξω πάντας, και السينائية: العبارة غير موجودة
	التعليق	أضاف النساخ عبارة (فأخرج الجميع خارجا) لسببين : - لاحظوا أن النص التالي لهذا النص ألا وهو لوقا (8-56) يقول: "قُبْهَتْ وَالدَاهَا. فَأَوْصَاهُمَا أَنْ لَا يَقُولَا لِأَحَدٍ عَمَّا كَانَ." وهنا كان سينشأ سؤال : كيف يوصيهما بأن لا يخبرا أحد في حين ان الجميع كانوا واقفين يشاهدون الأحداث كما هو واضح في النصوص 52, 53 ؟؟؟ فأراد النساخ علاج هذا التناقض الذي تسبب فيه لوقا - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى (25-9) (علام التناقضات)(انقاذ المؤلف)(مطابقة الأناجيل ببعضها)				



8:53	ΚΑΙ ΚΑΤΕΓΕΛΩΝ	ΑΥΤΟΥ	ΕΙΔΟΤΕΣ	ΟΤΙ	ΑΠΕΘΑΝΕΝ
	kai kategelōn	autou	eidotes	hoti	apethanen
	AND THEY-DOWN-LAUGHED	OF-Him	HAVING-PERCEIVED	that	she-FROM-DIED
	they-ridiculed	him	being-aware		she-died
8:54	ΑΥΤΟΣ ΔΕ	ΕΚΒΑΛΩΝ	ΕΙΣ	ΠΑΝΤΑΣ	ΚΑΙ ΚΡΑΤΗΣΑΣ
	autos de	ekbalōn	eis	pantas	kai kratēsas
	He	YET OUT-CASTING	INTO	ALL	AND HOLDING
		cast-out	out		
					ΤΗΣ
					tēs
					the
					ΧΕΙΡΟΣ
					cheiros
					HAND
					ΑΥΤΗΣ
					autēs
					OF-her
					ΕΦΩΝΗΣΕΝ
					ephōnēsen
					SOUNDS
					shouts
					ΛΕΓΩΝ
					legōn
					sayING
					ΤΗ
					hē
					THE
					ΠΑΙΣ
					pais
					the
					ΕΓΕΙΡΟΥ
					egeirou
					BE-BAING-ROUSED
					be-you-being-roused!
8:55	ΚΑΙ ΕΠΕΣΤΡΕΨΕΝ	ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ	ΑΥΤΗΣ	ΚΑΙ	ΑΝΕΣΤΗ
	kai epestrepse	to pneuma	autēs	kai	anestē
	AND ON-TURNS	THE spirit	OF-her	AND	she-UP-STOOD

غير موجود في المخطوط

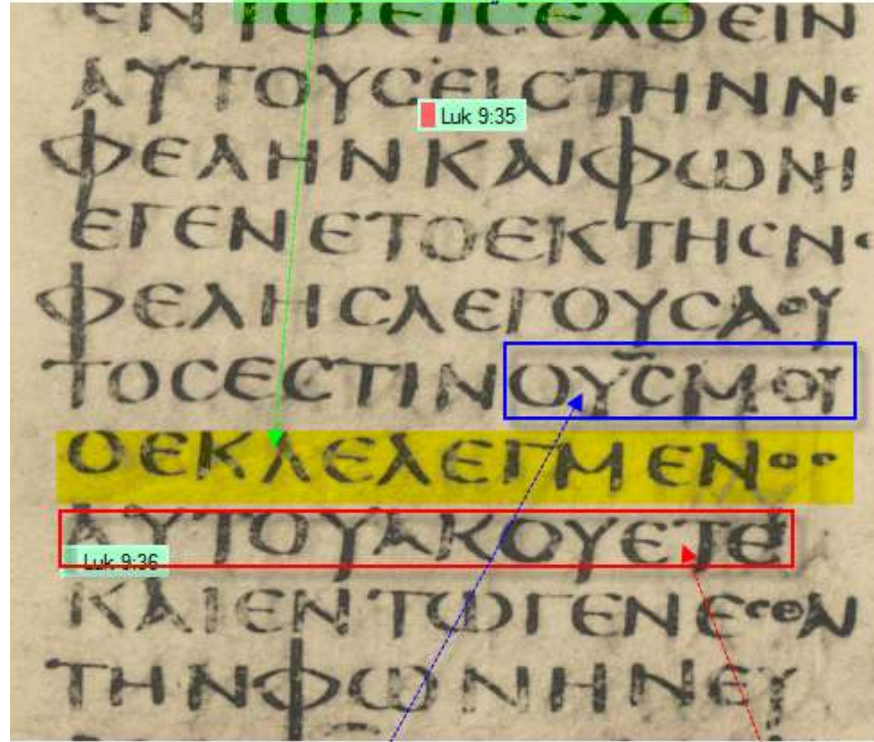
م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
26	لوقا 9-10	M-01A Luke 9:10 Και υποστρεψαντες οι αποστολοι διηγησαντο αυτω α εποησεν Και παραλαβων αυτους υπεχωρησεν κατ ιδιαν εις τοπον ερημον	0 And the apostles returned and told him all things that they had done. And he took them with him and withdrew privately to a desert place.	ولما رجع الرسل أخبروا يسوع بكل ما عملوه، فأخذهم واعتزل بهم إلى موضع خلاء	١٠. وَأَلَمَّا رَجَعَ الرَّسُلُ أَخْبَرُوهُ بِجَمِيعِ مَا فَعَلُوا، فَأَخَذَهُمْ وَأَنْصَرَفَ مُنْقَرِدًا إِلَى مَوْضِعٍ خَلَاءٍ لِمَدِينَةٍ تُسَمَّى بَيْتَ صَيْدَا. εις τόπον ἔρημον πόλεως καλουμένης Βηθσαϊδά	النسخة العربية: تضيف عبارة: (إلى موضع خلاء لمدينة تسمى بيت صيدا) εις τόπον ἔρημον πόλεως καλουμένης Βηθσαϊδά السينائية: العبارة غير موجودة
						التعليق

هذه قراءة غريبة (موضع خلاء لمدينة تسمى بيت صيدا) , فهل يمكن أن نصف مدينة بأن لها موضع خلاء ؟ خصوصا والترجمة الدقيقة ليست موضع خلاء إنما : (إلى صحراء أو إلى برية ἔρημον) فهل المدينة لها صحراء؟ المدينة لها بساتين ولها حقول , لكن ليس لها صحراء!

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
27	لوقا 9-35	M-01A Luke 9:35 Και φωνη εγενετο εκ της νεφελης λεγουσα Ουτος εστιν ο Υ̅Σ̅ μου ο εκλελεγμενος αυτου ακουετε (Lk. 9:35 M-01A)	35 And a voice came from the cloud, saying: This is my Son, the elect; hear him.	وقال صوت من السحابة: ((هذا هو ابني الذي اخترته، فله اسمعوا!)).	٣٥ وَصَارَ صَوْتٌ مِّنَ السَّحَابَةِ قَائِلًا: "هَذَا هُوَ ابْنِي الْحَبِيبُ. لَهُ اسْمَعُوا".	النسخة العربية: تذكر لفظة: (الحبيب ὁ ἀγαπητὸς) السينائية: تكتب بدلا منها: (الذي اخترته ο εκλελεγμενος)
		<p>التعليق</p> <p>قام النساخ بتغيير النص من (ابني الذي اخترته) إلى (ابني الحبيب) لسببين:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - كون الابن مختارا فهذا ينفي أنه ابن الإله منذ الأزل , بل تم اختياره في وقت المعمودية كإبن وهذا يهدم ألوهية أقنوم الابن, فتم إزالة هذه القراءة لكونها عائق أمام تأليه الابن - قراءة (ابني الذي اخترته) تصلح كدليل يستدل به البنويين وهم فرقة من الهرطقة كانت تؤمن بأن المسيح ليس ابن الله منذ الأزل إنما ابن الله بالتبني , وقد تبناه في وقت متأخر أي يوم المعمودية, فأخفاء هذه القراءة يحرمهم من استعمالها (دعم ألوهية المسيح) (طمس أدلة الهرطقة) 				

Ο ΕΚΚΛΕΛΕΓΜΕΝΟΣ

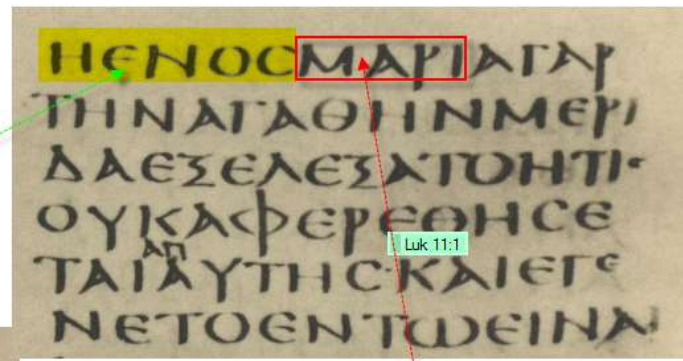
الذي اختارته



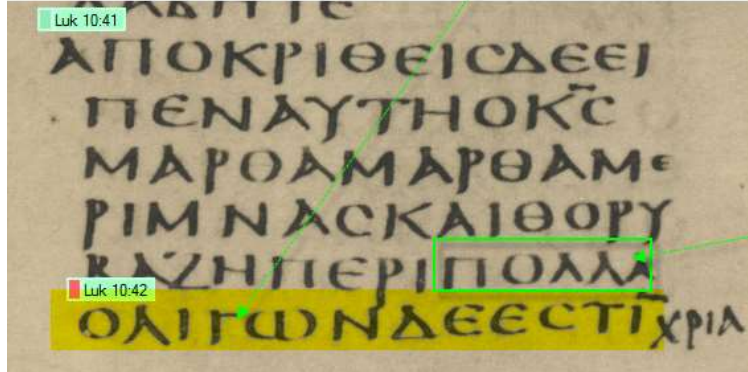
9:35	ΚΑΙ	ΦΩΝΗ	ΕΓΕΝΕΤΟ	ΕΚ	ΤΗΣ	ΝΕΦΕΛΗΣ	ΛΕΓΟΥΣΑ	ΟΥΤΟΣ	
	kai	phOnE	egeneto	ek	tEs	nephelEs	legousa	houtos	
	AND	SOUND	BECAME	OUT	OF-THE	CLOUD	sayING	this	
			voice						
	ΕΣΤΙΝ	Ο	ΥΙΟΣ	ΜΟΥ	Ο	ΑΓΑΠΗΤΟΣ	ΑΥΤΟΥ	ΑΚΟΥΕΤΕ	
	estin	ho	huios	mou	ho	agapEtos	autou	akouete	
	IS	THE	SON	OF-ME	THE	BE-L	F-Him	BE-HEARING	
								be-ye-hearing!	
9:36	ΚΑΙ	ΕΝ	ΤΩ	ΓΕΝΕΘΑΙ	ΤΗΝ	ΦΩΝΗΝ	ΕΥΡΕΘΗ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ
	kai	en	tO	genesthai	tEn	phOnEn	heurethE	ho	iEsous
	AND	IN	THE	TO-BE-BECOMING	THE	SOUND	WAS-FOUND	THE	JESUS

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
28	لوقا 9-54	M-01A Luke 9:54 Ιδοντες δε οι μαθηται Ιακωβος και Ιωαννης ειπαν ΚΕ θελεις ειπωμεν πυρ καταβηναι απο του ουρανου και αναλωσαι αυτους	54 And the disciples James and John, seeing it, said: Lord, wilt thou that we command fire to come down from heaven, and consume them?	فلما رأى ذلك تلميذاه يعقوب ويوحنا قالوا: ((يا سيد، أتريد أن نأمر النار فتنزل من السماء وتأكلهم؟)).	٤ هفَلَمَّا رَأَى ذَلِكَ تَلْمِيذَاهُ يَعْقُوبُ وَيُوحَنَّا، قَالَا: "يَا رَبُّ، أَتُرِيدُ أَنْ نُقُولَ أَنْ تَنْزِلَ نَارٌ مِنَ السَّمَاءِ فَتُفْنِنَهُمْ، كَمَا فَعَلَ إِبِلْيَا أَيْضًا؟"	وجه الاختلاف النسخة العربية: تذكر عبارة: (كما فعل إيليا أيضا؟ ὡς και Ἰλιὰς ἐποίησεν) السينائية: العبارة غير موجودة
						أضاف النساخ عبارة (كما فعل إيليا أيضا) لأنهم أرادوا تقديم تفسير يجيب على السؤال التالي: لماذا طرح يعقوب ويوحنا هذه العبارة تحديدا؟؟ لماذا اقترحوا أن تنزل نار من السماء تحديدا؟؟ لماذا لم يقترحوا عقابا آخر؟ فلما وجدوا التفسير في العهد القديم في سفر الملوك الثاني (1: 10-12) أن إيليا أنزل نار من السماء لحرق مخالفيه، فأعجبهم الأمر كتفسير مقبول، فقاموا بكتابة عبارة (كما فعل إيليا أيضا) (تمسكين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: كتبت عبارة: (وَلَكِنَّ الْحَاجَةَ إِلَى وَاحِدٍ. (·: εὐὸς δὲ ἐστὶν χρεία· السينائية: تكتب بدلا منها: (مع أن الحاجة إلى أشياء قليلة أو شيء واحد (ολιγῶν δε ἐστὶ ἡ ἐνοσ)</p>	<p>١٤ فَأَجَابَ يَسُوعُ وَقَالَ لَهَا: "مَرَّتَا، مَرَّتَا، أَنْتِ تَهْتَمِينَ وَتَضْطَرِّبِينَ لِأَجْلِ أُمُورٍ كَثِيرَةٍ، ٢٤ وَلَكِنَّ الْحَاجَةَ إِلَى وَاحِدٍ. فَأَخْتَارَتْ مَرْيَمُ النَّصِيبَ الصَّالِحَ الَّذِي لَنْ يُنْزَعَ مِنْهَا".</p>	<p>فأجابها الرب: ((مرتا، مرتا، أنت تقلقين وتهتمين بأمر كثيرة، مع أن الحاجة إلى أشياء قليلة أو شيء واحد. فمريم اختارت النصيب الأفضل، ولن ينزعه أحد منها)).</p>	<p>But the Lord 41 answered and said to her: Martha, Martha, thou art anxious and troubled ;about many things 42 but few things are needed—or [only] one; for Mary has chosen the good part, which shall not be taken away from her.</p>	<p>^{M-01A} Luke 10:40 Η δε Μαρθα περιεσπατο περι πολλην διακονιαν επιστασα δε ειπεν ΚΕ̅ σου μελι σοι οτι η αδελφη μου μονην με κατελιπεν διακονιν ειπε ουν αυτη ινα μοι συναντιλαβητε</p>	لوقا 10-42	30
<p>النص في السينائية يمكن أن يفهم منه أن يسوع يتكلم عن مائدة الطعام المنشغلة مارثا بتحضيرها، كأنه يريد أن يقول لها بعدما طلبت منه أن تساعد أختها في الأعمال المنزلية: (يكفي أن تعدي أصناف قليلة من الطعام أو صنف واحد، ووقتها لن تحتاجي للمساعدة)، فكأن النساخ لم يحبوا أن يكون رد يسوع بهذه الطريقة إنما فضلوا أن يكون رده: هناك شيء واحد فقط هو ما يجب أن تهتم به وهو الخلاص والفداء، فكانت عبارة (لكن الحاجة إلى واحد) مناسبة لإيصال هذا المعنى. (تحسين النص) (دعم عقيدة الفداء)</p>					التعليق	



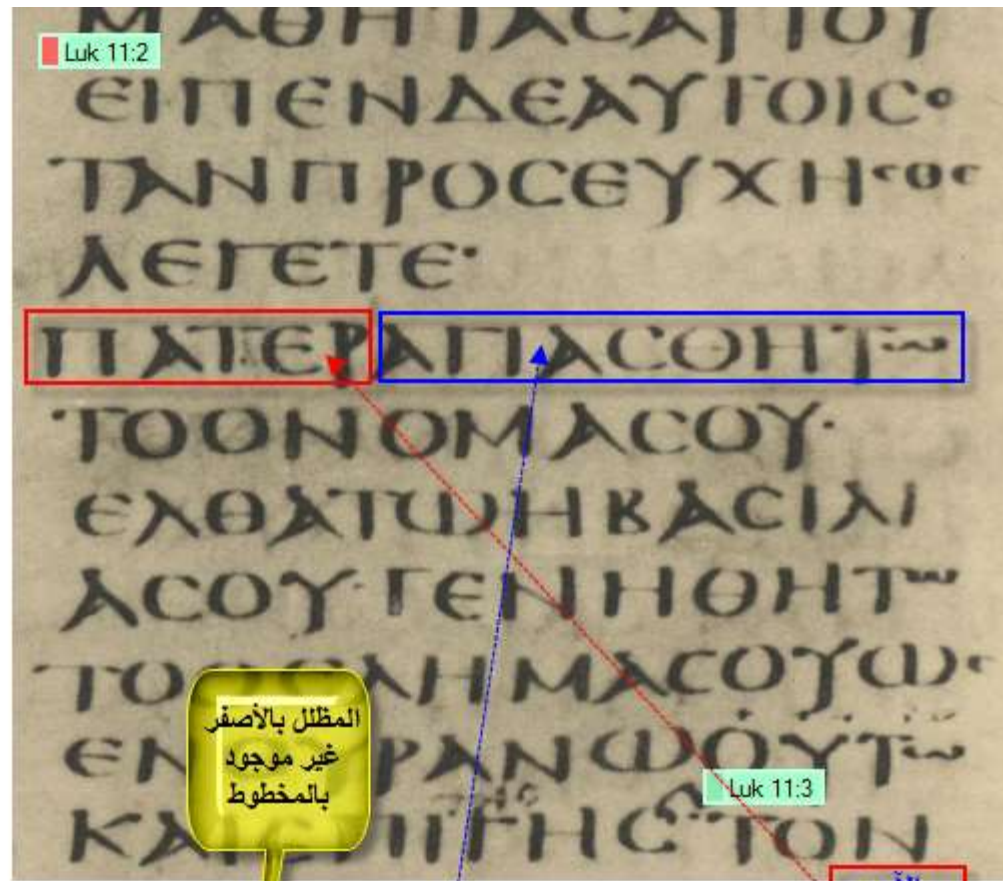
ΟΛΙΓΩΝ ΔΕ ΕΣΤΙ Η ΕΝΟΣ
 الحاجة إلى أشياء قليلة أو شيء واحد



10:41	ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ ΔΕ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΗ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΜΑΡΘΑ ΜΑΡΘΑ	apokritheis de eipen autē ho iēsous martha martha	answering YET said to-her THE JESUS Martha! Martha!
	ΜΕΡΙΜΝΑΣ ΚΑΙ ΤΥΡΒΑΖΗ ΠΕΡΙ ΠΟΛΛΑ	merimnas kai turbazē peri polla	YOU-ARE-being-anxious-AND YOU-ARE-being-turbid ABOUT MANY many-things
10:42	ΕΝΟΣ ΔΕ ΕΣΤΙΝ ΧΡΙΑ ΜΑΡΙΑ ΔΕ ΤΗΝ ΑΓΑΘΗΝ ΜΕΡΙΔΑ	henos de estin chreia maria de tēn agathēn merida	OF-ONE YET IS need MARY YET THE GOOD PART

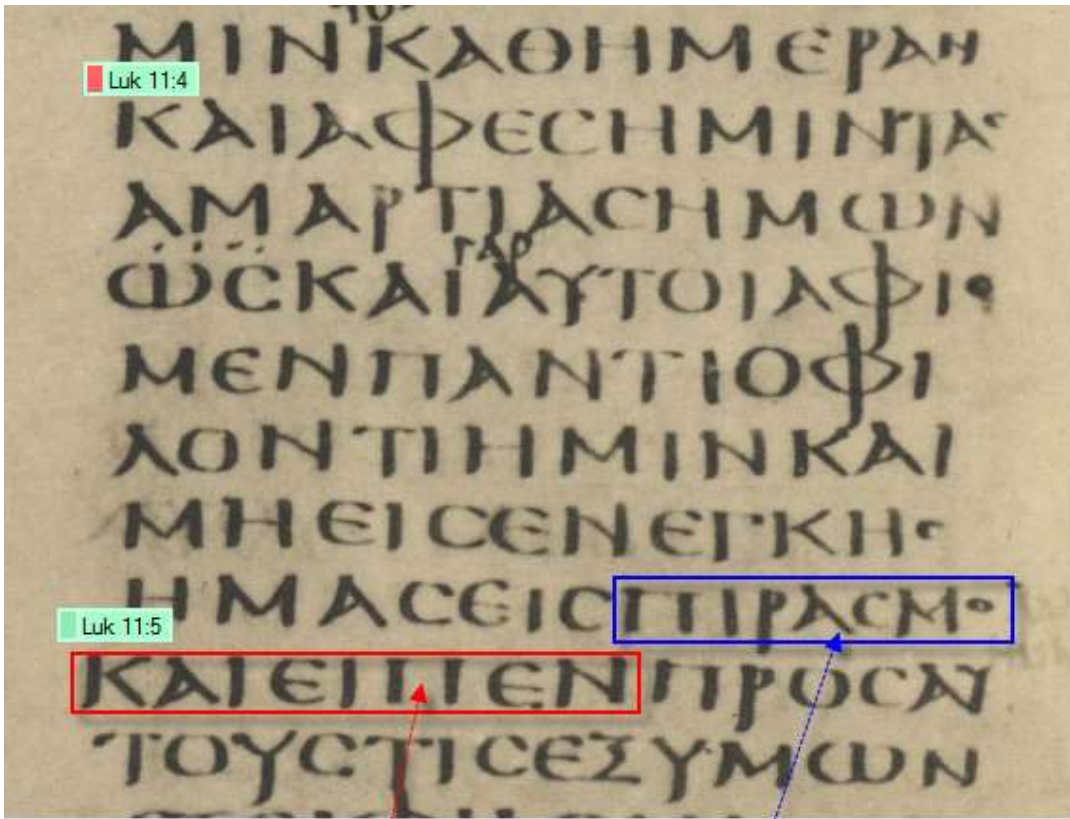
ΕΞΕΛΕΞΑΤΟ ΗΤΙ ΟΥΚ ΑΦΑΙΡΕΘΗΣΕΤΑΙ ΑΠ ΑΥΤΗΣ

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
31	لوقا 11-2	M-01A Luke 11:2 Εἶπεν δε αυτοῖς Ὅταν προσευχησθε λεγετε Πατερ αγιασθητω το ονομα σου ελθατω η βασιλια σου Γενηθητω το θελημα σου ως εν ουρανῳ ουτω και επι γης	2 And he said to them: Whenever you pray, say: Father, thy name be hallowed: thy kingdom come:	فقال لهم يسوع: ((متى صليتم فقولوا: أيها الأب ليتقدس اسمك ليأت ملكوتك.	٢ فَقَالَ لَهُمْ: "مَتَى صَلَّيْتُمْ فَقُولُوا: أَبَانَا الَّذِي فِي السَّمَاوَاتِ، لِيَتَقَدَّسَ اسْمُكَ،	وجه الاختلاف النسخة العربية: تضيف عبارة: (الذي في السماوات ἡμῶν ὁ ἐν τοῖς οὐρανοῖς) السينائية: العبارة غير موجودة
<p>لم يرد النساخ أن يكون نص الصلاة عند لوقا ناقص عما هو عليه عند متى، لأن هذا النص سيستعمل في الكنائس باستمرار في الصلاة , فقاموا بإضافة عبارة (الذي في السماوات) ليطابقوا النص هنا مع نظيره في متى(6-9)(مطابقة الأناجيل ببعضها)</p>						التعليق



11:2	ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΑΥΤΟΙΣ	ΟΤΑΝ	ΠΡΟΣΕΥΧΗΣΘΕ	ΛΕΓΕΤΕ	ΠΑΤΕΡ
	eipen de autois	hotan	proseuchesthe	letege	pater
	He-said YET to-them	when-EVER	YE-MAY-BE-praying	BE-saying	FATHER!
		whenever		be-ye-saying!	
	الذي في السموات		ليتقدس		
	ΗΜΩΝ Ο ΕΝ ΤΟΙΣ ΟΥΡΑΝΟΙΣ	ΑΓΙΑΣΘΗΤΩ	ΤΟ ΟΝΟΜΑ ΣΟΥ		
	hEmOn ho en tois ouranois	hagiasthEtO	to onoma sou		
	OF-US THE IN THE heavens	LET-BE-BEING-HOLYized	THE NAME OF-YOU		
		let-it-be-being-hallowed!			

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
32	لوقا 11-4	^{M-01A} Luke 11:4 Και αφες ημιν τας αμαρτίας ημων ως και αυτοι αφιμεν παντι οφιλοντι ημιν Και μη εισενεγκης ημας εις πιασμο ^ο (Lk. 11:4 M-01A)	4 and forgive us our sins, for we also forgive every one indebted to us; and lead us not into temptation.	واغفر لنا خطايانا، لأننا نغفر لكل من يذنب إلينا. ولا تدخلنا في التجربة	وَاعْفُرْ لَنَا خَطَايَانَا لِأَنَّنا نَحْنُ أَيْضًا نَعْفُرُ لِكُلِّ مَنْ يُذْنِبُ إِلَيْنَا، وَلَا تُدْخِلْنَا فِي تَجْرِبَةٍ لَكِنْ نَجِّنَا مِنْ الشَّرِّيرِ."	النسخة العربية: تضيف عبارة: (لكن نجنا من الشرير ἀλλὰ ρύσαι ἡμᾶς ἀπὸ τοῦ πονηροῦ) السينائية: العبارة غير موجودة
						لم يرد النساخ أن يكون نص الصلاة عند لوقا ناقص عما هو عليه عند متى، لأن هذا النص سيستعمل في الكنائس باستمرار في الصلاة، فقاموا بإضافة عبارة (لكن نجنا من الشرير) ليطباقوا النص هنا مع نظيره في متى (6-13) (مطابقة الأناجيل بعضها)



Luk 11:4

Luk 11:5

11:4	ΚΑΙ	ΑΦΕΣ	ΗΜΙΝ	ΤΑΣ	ΑΜΑΡΤΙΑΣ	ΗΜΩΝ	ΚΑΙ	ΓΑΡ	ΑΥΤΟΙ
	kai	aphes	hEmin	tas	hamartias	hEmOn	kai	gar	autoi
	AND	FROM-LET	to-US	THE	misses	OF-US	AND	for	SAME
		pardon-you!	us		sins		also		ourselves
	ΑΦΙΕΜΕΝ	ΠΑΝΤΙ	ΟΦΕΙΛΟΝΤΙ	ΗΜΙΝ	ΚΑΙ	ΜΗ			
	aphiemen	panti	opheilonti	hEmin	kai	mE			
	WE-ARE-FROM-LETTING	to-EVERY	one-OWING	to-US	AND	NO			
	we-are-pardoning	every	one-owing	us					
	ΕΙΣΕΝΕΓΚΗΣ	ΗΜΑΣ	ΕΙΣ	ΠΕΙΡΑΣΜΟΝ	ΑΛΛΑ	ΡΥΣΑΙ	ΗΜΑΣ	ΑΠΟ	
	eisenegkEs	hEmas	eis	peirasmon	alla	rusai	hEmas	apo	
	YOU-MAY-BE-INTO-CARRYING	US	INTO	trial	but	rescue-YOU	US	FROM	
	you-may-be-bringing-into					rescue-you!			
	ΤΟΥ ΠΟΝΗΡΟΥ								
	του	ponErou							
	THE	wicked-one							
		wicked-one							
11:5	ΚΑΙ	ΕΙΠΕΝ	ΠΡΟΣ	ΑΥΤΟΥΣ	ΤΙΣ	ΕΣ	ΥΜΩΝ	ΕΞΕΙ	ΦΙΛΟΝ
	kai	eipen	pros	autous	tis	ex	humOn	exei	philon
	AND	He-said	TOWARD	them	ANY	OUT	OF-YOU(P)	SHALL-BE-HAVING	FOND-one
					who?		of-ye		friend

تجربة

لكن نجتنا من الشرير

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

ثم قال

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (يفرق) (σκορπίζει) السينائية: تذكر بدلا منها: (يفرقني) (σκορπίζει με)	٢٣ مَنْ لَيْسَ مَعِيَ فَهُوَ عَلَيَّ، وَمَنْ لَا يَجْمَعُ مَعِيَ فَهُوَ يُفَرِّقُ	من لا يكون معي فهو علي، ومن لا يجمع معي فهو يفرقني	23 He that is not with me is against me, and he that gathers not with me scatters me.	M-01A Luke 11:23 Ο μη ὢν μετ' ἐμοῦ κατ' ἐμοῦ ἐστὶν καὶ ὁ μη συναγωγῶν μετ' ἐμοῦ σκορπίζει με (Lk. 11:23 M-01A)	لوقا 11-23	33
لاحظ النساخ أن تعبير لوقا (يفرقني) لا معني له, فالذي يمكن فهمه هو تفريق الخراف, أما تفريق يسوع نفسه فما معناها؟ لهذا قاموا بحذف الضمير لتصبح القراءة (يفرق) وهي اللفظة التي يمكن أن يفهم منها: "يفرق الخراف" (تحسين النص)- (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	

Luk 11:23

Luk 11:24

11:23	Ο	ΜΗ	ὢΝ	ΜΕΤ	ΕΜΟΥ	ΚΑΤ	ΕΜΟΥ	ΕΣΤΙΝ	ΚΑΙ	Ο	ΜΗ
	ho	mE	On	met	emou	kat	emou	estin	kai	ho	mE
	THE-one	NO	BEING	WITH	ME	DOWN	OF-ME	IS	AND	THE-one	NO
	the-one					against	me			the-one	
	ΚΥΝΑΓΩΝ	ΜΕΤ	ΕΜΟΥ	ΣΚΟΡΠΙΖΕΙ							
	sunagOn	met	emou	skorpizei							
	TOGETHER-LEADING	WITH	ME	IS-SCATTERING							
	assembling										
11:24	ὍΤΑΝ	ΤΟ	ΑΚΑΘΑΡΤΟΝ	ΠΝΕΥΜΑ	ΕΞΕΛΘΗ	ΑΠΟ	ΤΟΥ				
	notan	to	akatharton	pneuma	exelthE	apo	tu				
	when-EVER	THE	UN-clean	spirit	MAY-BE-OUT-COMING	FROM	THE				
	whenever		unclean		may-be-coming-out						

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (أَيُّهَا الْكَتَبَةُ وَالْفَرِيسِيُّونَ الْمُرَاؤُونَ καὶ φαρισαῖοι, ὕποκριτὰ) السينائية: العبارة غير موجودة	الويل لكم أنتم مثل القبور المجهولة، يمشي الناس عليها وهم لا يعرفون	44 Alas for you, for you are as graves that appear not, and the men that walk over them know it not.	^{M-01A} Luke 11:44 Ουαι υμιν οτι εστε ως τα μνημα τα αδηλα και οι ανθρωποι οι περιπατουντες επανω ουκ οιδασι (Lk. 11:44 M-01A)	لوقا 11-44	34
<p>أضاف النساخ عبارة (أيها الكتبة والفريسيون المرأؤون) لسببين:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - توبيخ المتمسكين بالشريعة , مما يخدم طرح بولس القائل بضرورة إلغاء الشريعة - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى(23-27) <p>(إلغاء الشريعة = دعم فلسفة بولس) (مطابقة الأناجيل بعضها)</p>					التعليق	

Luk 11:44

ΟΥΑΙ ΥΜΙΝ ΟΤΙ

ΕΣΤΕ ΩΣ ΤΑ ΜΝΗΜΑ

ΤΑ ΑΔΗΛΑ ΚΑΙ ΟΙ

ΑΝΘΡΩΠΟΙ ΟΙ

ΠΕΡΙΠΑΤΟΥΝΤΕΣ

ΕΠΑΝΩ ΟΥΚ ΟΙΔΑΣΙΝ

Luk 11:45

ΑΙΤΗΣΑΝ ΤΟΝ

ΙΗΣΟΥΣ

ΛΕΓΕΙΝ

ΤΟΥΣ

ΝΟΜΙΚΟΥΣ

11:44 ΟΥΑΙ ΥΜΙΝ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΚΑΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΥΠΟΚΡΙΤΑΙ ΟΤΙ

ouai humin grammateis kai pharisaioi hupokritai hoti

WOE to-YOU(P) WRITERS AND PHARISEES hypocrites that

woe! to-ye scribes! Pharisees! hypocrites!

ΕΣΤΕ ΩΣ ΤΑ ΜΝΗΜΕΙΑ ΤΑ ΑΔΗΛΑ ΚΑΙ ΟΙ ΑΝΘΡΩΠΟΙ ΟΙ

este hOs ta mnEmeia ta adEla kai hoi anthrOpOi hoi

YE-ARE AS THE memorial-vaults THE UN-EVIDENT AND THE humans THE

tombs obscure

ΠΕΡΙΠΑΤΟΥΝΤΕΣ ΕΠΑΝΩ ΟΥΚ ΟΙΔΑΣΙΝ

peripatountes epanO ouk oidasin

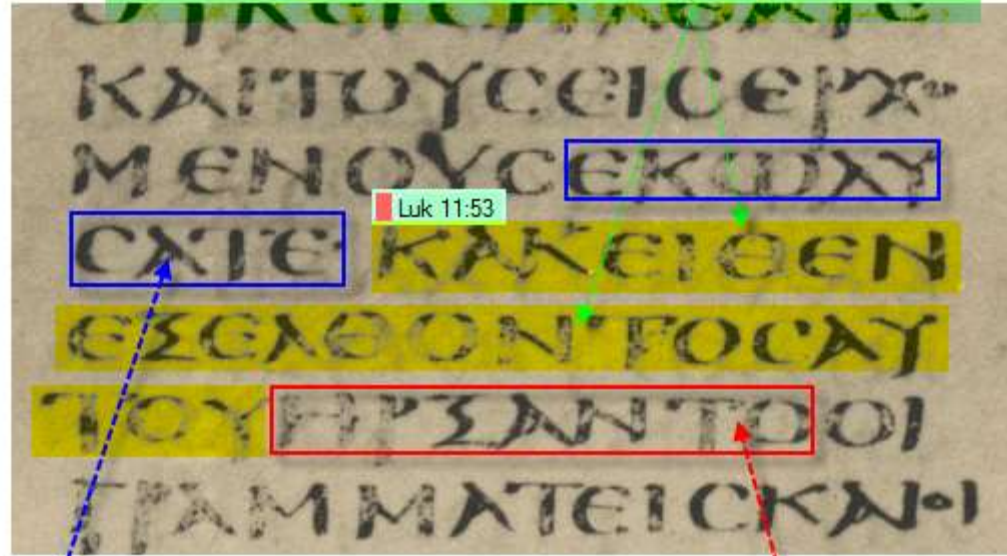
ones-ABOUT-TREADING ON-UP NOT THEY-HAVE-PERCEIVED

المظلل بالأصفر محذوف من المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر عبارة: (وفيما هو يكلمهم بهذا λέγοντος δὲ αὐτοῦ ταῦτα πρὸς αὐτοὺς) السينائية: تكتب بدلا منها: (وعندما غادر المكان Κακειθεν ἐξελθοντος αυτου)</p>	<p>وَفِيْمَا هُوَ يَكْلِمُهُمْ بِهَذَا، ابْتَدَأَ الْكُتْبَةُ وَالْفَرِيسِيُّونَ يَحْنُقُونَ جِدًّا، وَيُصَادِرُونَهُ عَلَى أُمُورٍ كَثِيرَةٍ</p>	<p>وعندما غادر المكان ,ابتدأ الكتبة والفريسيون يحنقون جدا ويصادرونه على أمور كثيرة.</p>	<p>53 And when he had gone out thence the scribes and the Pharisees began to be very angry, and to press him to speak of many things,</p>	<p>M-01A Luke 11:53 Κακειθεν ἐξελθοντος αὐτοῦ ἤρξαντο οἱ γραμματεῖς καὶ οἱ Φαρισαῖοι δίνως ἐνεχίν καὶ ἀποστοματίζειν αὐτὸν περὶ πλειονῶν</p>	لوقا 11-53	35
<p>لاحظ النساخ أن النص الذي بعد هذا النص (11-54) يقول : ٤ وَهُمْ يُرَاقِبُونَهُ طَالِبِينَ أَنْ يَصْطَادُوا شَيْئًا مِنْ فَمِهِ لِكَيْ يَشْتَكُوا عَلَيْهِ. فكيف سيراقبونه ويتصيدون أخطاء فمه بعد أن غادر المكان ؟ ثم لماذا لم يغضب الكتبة والفريسيون إلا بعد مغادرته للمكان ؟ لماذا تأخر غضبهم رغم أن ما كان يكلمهم به هو كلام يسبب الغضب الفوري وليس الغضب المتأخر؟ فقام النساخ بتعديل ما كتبه لوقا من (وعندما غادر المكان) إلى (وفيما هو يكلمهم بهذا) (جعل الأمور أكثر منطقية)(انقاذ المؤلف)</p>					التعليق	

ΚΑΚΕΙΘΕΝ ΕΞΕΛΘΟΝΤΟΣ ΑΥΤΟΥ

وعندما غادر المكان



11:52 ΟΥΔΑΙ ΥΜΙΝ ΤΟΙΣ ΝΟΜΙΚΟΙΣ ΟΤΙ ΗΡΑΤΕ ΤΗΝ ΚΛΕΙΔΑ ΤΗΣ
 ouai humin tois nomikois hoti Erate tEn kleida tEs
 WOE to-YOU(P) THE LAWers that YE-LIFT THE LOCKer OF-THE
 woe! to-ye lawyers ye-take-away key

ΓΝΩΣΕΩΣ ΑΥΤΟΙ ΟΥΚ ΕΙΣΗΛΘΕΤΕ ΚΑΙ ΤΟΥΣ ΕΙΣΕΡΧΟΜΕΝΟΥΣ
 gnOseOs autoi ouk eisElthete kai tous eiserchomenous
 KNOWledge SAME NOT YE-INTO-CAME AND THE ones-INTO-COMING
 yourselves ye-entered ones-entering

منعتموهم
ΕΚΩΛΥΣΑΤΕ
 ekOlusate
 YE-FORBID
 ye-prevent

المظلل بالأصفر غير موجود
 بالمخطوط

11:53 **ΛΕΓΟΝΤΟΣ ΔΕ ΑΥΤΟΥ ΤΑΥΤΑ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ ΗΡΞΑΝΤΟ** ΟΙ
 legontos de autou tauta pros autous Erxanto hoi
 saying YET OF-Him these TOWARD them begin THE
 these-things

وفيما هو يكلمهم بهذا

ابتداء

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	54 وَهُمْ يَرَاقِبُونَهُ طَالِبِينَ أَنْ يَصْطَادُوا شَيْئًا مِنْ فَمِهِ لِكَيْ يَشْتَكُوا عَلَيْهِ.	وهم يراقبونه طالبين أن يصطادوا شيئاً من فمه	54 lying in wait to catch something I from his mouth.	M-01A Luke 11:54 ενεδρευοντες θηρυσαι τι εκ του στοματος αυτου	لوقا 11-54	36
النسخة العربية: تضيف عبارة: (لكي يشتكوا عليه ἵνα κατηγορήσωσιν αὐτοῦ) السينائية: العبارة غير موجودة						
أضاف النساخ عبارة (لكي يشتكوا عليه) لسببين:- - لاحظوا أن لوقا نسي أن يذكر الهدف من قيام الكتبة والفريسيين بتلك المراقبة, فقرروا كتابتها. - إظهار الكتبة والفريسيين (أصحاب الشريعة) بصورة قبيحة مما يصب في خانة تشويه الشريعة بتشويه أصحابها. (تحسين النص) (تشويه صورة الشريعة) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

11:54	ΕΝΕΔΡΕΥΟΝΤΕΣ	ΑΥΤΟΝ	ΚΑΙ	ΖΗΤΟΥΝΤΕΣ	ΤΙ
	enedreuontes	auton	kai	zhtountes	thEreasai ti
	ambushING	Him	AND	SEEKING	TO-WILD-BEAST (hunt) ANY
					to-pounce-upon something
	ΕΚ ΤΟΥ	ΣΤΟΜΑΤΟΣ	ΑΥΤΟΥ	ΙΝΑ	ΚΑΤΗΓΟΡΗΣΩΣΙΝ
	ek tou	stomatos	autou	hina	katEgorEsOsin
	OUT OF-THE	MOUTH	OF-Him	THAT	THEY-SHOULD-BE-accusING
					OF-Him
					him
12:1	ΕΝ ΟΙΚΕΤΙΣΥ	ΕΠΙΣΥΝΑΧΘΕΙΣΩΝ	ΤΩΝ	ΜΥΡΙΑΔΩΝ	ΤΟΥ
	en hois	episunachtheisOn	tOn	muriadOn	tou
	IN	WHICH	OF-BEING-ON-TOGETHER-LED	OF-THE	MYRIADS
			of-being-assembled		OF-THE
					THRONG
					tens-of-thousands

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (خرابا ἔρημος)	٣٥ هُوَذَا بَيْنَكُمْ يُتْرَكُ لَكُمْ خَرَابًا!	هوذا بينكم يترك لكم	35 Behold, your house is left to you. I say to you that you shall not see me till the time come when you shall say: Blessed is he that comes in the name of the Lord.	M-01A Luke 13:35 Ἴδου ἀφίεται ὑμῖν ὁ οἶκος ὑμῶν λέγω ὑμῖν οὐ μὴ ἴδητέ με ἕως ἀν εἴπητε Εὐλογημένος ὁ ἐρχόμενος ἐν ὀνόματι ΚΥ	لوقا 13-35	37
السينائية: اللفظة غير موجودة						
<p>أضاف النساخ لفظة (خرابا) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - خراب اورشليم هو رمز يقصد به انتهاء عهد الشريعة الموسوية , وهي أحد أهم الركائز التي كان ينادي بها بولس - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى (23-38) (إلغاء الشريعة) (مطابقة الأناجيل بعضها) 						التعليق

Luk 13:35

ΣΑΤΑΙ ἸΔΟΥ ΑΦΙΕΤΑΙ
ΥΜΙΝ Ο ΟΙΚΟΣ ΥΜΩΝ
ΛΕΓΩ ΥΜΙΝ ΟΥ ΜΗ
ΙΔΗΤΕ ΜΕ ΕΩΣ ΑΝ
ΠΗΤΕ ΕΥΛΟΓΗΜΕΝΟΣ
Ο ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ ΕΝ
ΝΟΜΑΤΙ ΚΥ
Luk 14:1
ΚΑΙ ΕΓΕΝΕΤΟ ΕΝΤΕ

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

بينكم

خرابا الحق

13:35	ΙΔΟΥ	ΑΦΙΕΤΑΙ	ΥΜΙΝ	Ο	ΟΙΚΟΣ	ΥΜΩΝ	ΕΡΗΜΟΣ	ΑΜΗΝ
	idou	aphietai	humin	ho	oikos	humon	erEmos	amEn
	BE-PERCEIVING	IS-being-FROM-LET	to-YOU(P)	THE	HOME	OF-YOU(P)	DESOLATE	AMEN
	lo !	is-being-left	to-ye		house	of-ye		verity

اقول

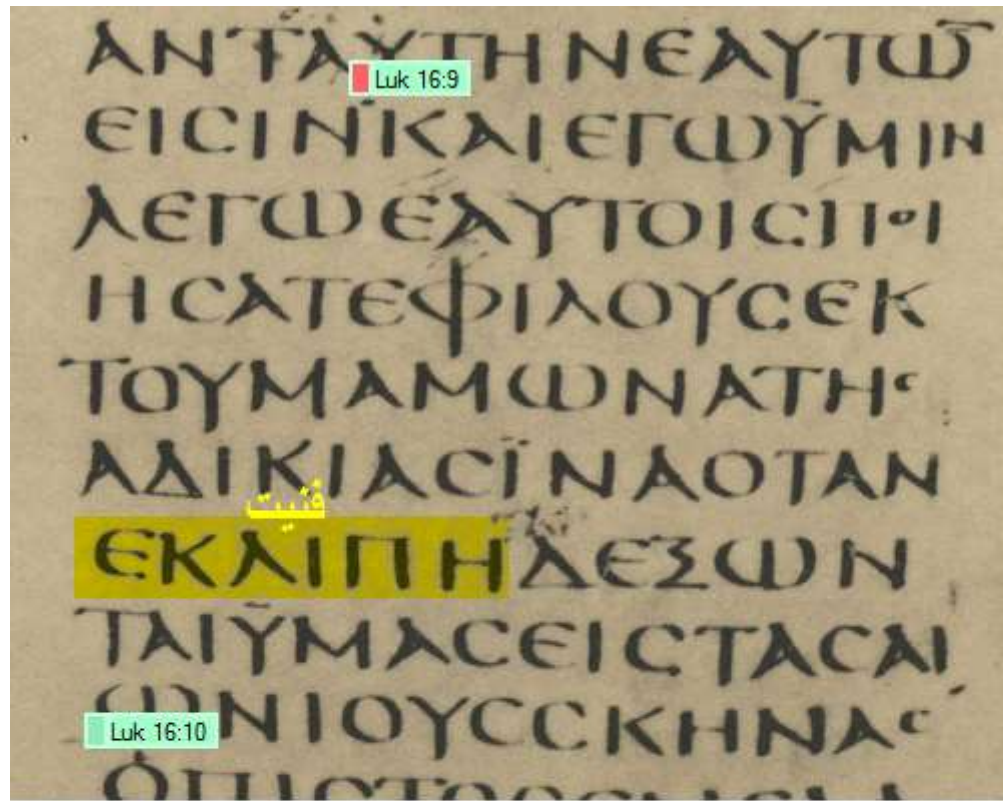
ΔΕ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ	ΟΤΙ	ΟΥ	ΜΗ	ΜΕ	ΙΔΗΤΕ	ΕΩΣ	ΑΝ
de	legō	humin	hoti	ou	mē	me	idEte	heOs	an
YET	I-AM-saying	to-YOU(P)	that	NOT	NO	ME	YE-MAY-BE-PERCEIVING	TILL	EVER
		to-ye							

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر عبارة: (أن يملأ بطنه γεμίσαι τὴν κοιλίαν αὐτοῦ) السينائية: تكتب بدلا منها: (أن يرضى نفسه χορτασθῆναι εκ)	١٦. وَكَانَ يَشْتَهِي أَنْ يَمْلَأَ بَطْنَهُ مِنَ الْخَرْنُوبِ الَّذِي كَانَتْ الْخَنَازِيرُ تَأْكُلُهُ، فَلَمْ يُعْطِهِ أَحَدٌ.	وكان يشتهي أن يرضى نفسه من الخرنوب الذي كانت الخنازير تأكله فلم يعطه أحد.. ترجمة: الفانديك	16 and he desired to satisfy himself with the pods that the swine did eat; and no one gave to him.	M-01A Luke 15:16 Και επεθυμει χορτασθῆναι εκ των κερατιων ων ησθιον οι χοιροι και ουδεις εδιδου αυτω (Lk. 15:16 M-01A)	لوقا 15-16	38
هل الخرنوب الذي تأكله الخنازير يرضى النفس؟ بالتأكيد لا، كيف يمكن أن ترضى نفسك من خلال خرنوب الخنازير؟ الجواب: من خلال أكلها. لهذا ومن أجل الإجابة على هذين السؤالين قام النساخ بتغيير النص الذي كتبه لوقا من (يشتهي أن يرضى نفسه) إلي (يشتهي أن يملأ بطنه) (تمسين النص) (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	

ΧΟΡΤΑΣΘΗΝΑΙ
أن يرضى نفسه

15:16	ΚΑΙ	ΕΠΕΘΥΜΕΙ	ΓΕΜΙΣΑΙ	ΤΗΝ	ΚΟΙΛΙΑΝ	ΑΥΤΟΥ	ΑΠΟ	ΤΩΝ
	kai	epethumei	gemisai	tEn	koilian	autou	apo	tOn
	AND	he-ON-FELT	TO-REPLETize	THE	CAMER	OF him	FROM	THE
		he-yearned	to-cram		btw			
								محذوف من المخطوط
	ΚΕΡΑΤΙΩΝ	ΩΝ	ΗΣΘΙΟΝ	ΟΙ	ΧΟΙΡΟΙ	ΚΑΙ	ΟΥΔΕΙΣ	ΕΔΙΔΟΥ
	keratiOn	hOn	Esthion	hoi	choiroi	kai	oudeis	edidou
	little-carob-pods	OF-WHICH	ATE	THE	HOGS	AND	NOT-YET-ONE	GAVE
		which					no-one	

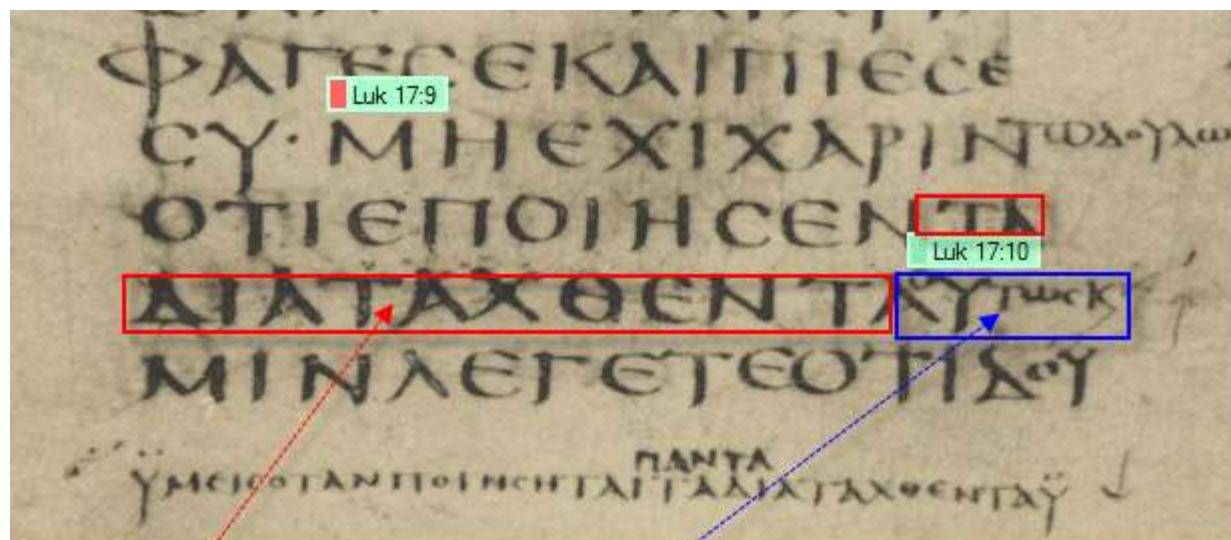
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (فنيتم <i>ἐκλίπητε</i>) السينائية: تكتب بدلا منها: (فنييت <i>εκλιπη</i>)	٩ وَأَنَا أَقُولُ لَكُمْ: اصْنَعُوا لَكُمْ أَصْدِقَاءَ بِمَالِ الظُّلْمِ، حَتَّى إِذَا فَنِيْتُمْ يَقْبَلُونَكُمْ فِي المِظَالِ الأَبَدِيَّةِ	وَأَنَا أَقُولُ لَكُمْ: اصنعوا لكم أصدقاء بمال الظلم حتى إذا فنييت يقبلونكم في المظال الأبدية	9 And I say to you: Make to yourselves friends of the mammon of unrighteousness, that when it fails they may receive you into the eternal habitations.	M-01A Luke 16:9 Και εγω υμιν λεγω εαυτοις Ποιησατε φιλους εκ του μαμωνα της αδικιας ινα οταν εκλιπη δεξωνται υμας εις τας αιωνιους σκηνας	لوقا 9-16	39
النص الذي كتبه لوقا - كما في السينائية- يجعل قبول المؤمنين في الملكوت معتمدا على فناء مال الظلم, وهذان أمران لا يوجد منطق يربطهما ببعض , فما علاقة فناء مال الظالم بدخولي الملكوت؟ لهذا قام النساخ بتغيير النص من (فنييت) أي أموال الظلم إلي (فنيتم) يعني فنيتم أنتم . (جعل الأمور أكثر منطقية) (تحسين النص)					التعليق	



16:9	ΚΑΓΩ	ΥΜΙΝ	ΛΕΓΩ	ΠΟΙΗΣΑΤΕ	ΕΑΥΤΟΙΣ	ΦΙΛΟΥΣ	ΕΚ	ΤΟΥ
	kagO	humin	legO	poiEsate	heautois	philous	ek	tou
	AND-I	to-YOU(P)	AM-saying	make-YE	to-selves	FOND-ones	OUT	OF-THE
		to-ye		make-ye!	to-yourselfes	friends		
	ΜΑΜΩΝΑ	ΤΗΣ	ΑΔΙΚΙΑΣ	ΙΝΑ	ΟΤΑΝ	ΕΚΛΙΠΗΤΕ		
	mamOna	tEs	adikias	hina	hotan	eklipEte		
	MAMMON	OF-THE	UN-JUSTness	THAT	when-EVER	YE-MAY-BE-OUT-LACKING		
			injustice		whenever	ye-may-be-defaulting		
	ΔΕΞΩΝΤΑΙ	ΥΜΑΣ	ΕΙΣ	ΤΑΣ	ΑΙΩΝΙΟΥΣ	ΣΚΗΝΑΣ		
	dexOntai	humas	eis	tas	aiOnious	skEnas		
	THEY-SHOULD-BE-RECEIVING	YOU(P)	INTO	THE	eonian	BOOTHs		
		ye				tabernacles		

غير موجود
بالمخطوط

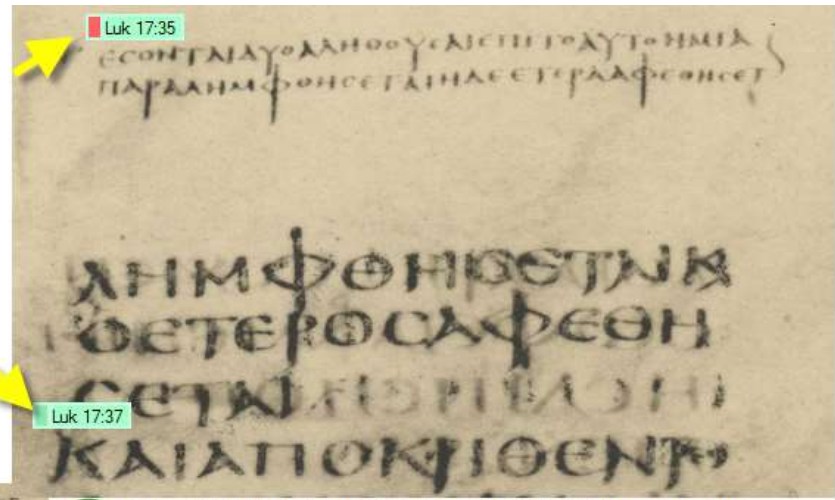
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (لا أظن) السينائية: العبارة غير موجودة	فَهَلْ لِذَلِكَ الْعَبْدُ فَضْلًا لِأَنَّهُ فَعَلَ مَا أُمِرَ بِهِ؟ لَا أَظُنُّ.	فهل لذلك العبد فضل لأنه فعل ما أمر به؟	9 Does he thank the servant because he did the things that were commanded?	M-01A Luke 17:9 Μη εχι χαριν οτι εποιησεν τα διαταχθεντα (Lk. 17:9 M-01A)	لوقا 9-17	40
أضاف النساخ عبارة (لا أظن) من أجل التأكيد على المعنى الذي قصده يسوع من استفهامه ألا وهو: أنه لا فضل له, فقيام يسوع بالتصريح بذلك هو أقوى في الدلالة. (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



17:9	ΜΗ	ΧΑΡΙΝ	ΕΧΕΙ	ΤΩ	ΔΟΥΛΩ	ΕΚΕΙΝΩ	ΟΤΙ	ΕΠΟΙΗΣΕΝ
	mE	charin	echei	to	doulo	ekeinO	hoti	epoiEsen
	NO	grace	IS-HAVING	to-THE	SLAVE	that	that	he-DOES
		thanks					seeing-that	
	ΤΑ	ΔΙΑΤΑΧΘΕΝΤΑ	ΑΥΤΩ	ΟΥ	ΔΟΚΩ			
	ta	diatachthenta	autO	hou	dokO			
	THE	BEING-prescribed	to-him	NOT	I-AM-SEEMING			
		the-things			I-am-presuming			
17:10	ΟΥΤΩΣ	ΚΑΙ	ΥΜΕΙΣ	ΟΤΑΝ	ΠΟΙΗΣΕΤΕ	ΠΑΝΤΑ	ΤΑ	
	houtos	kai	humeis	hotan	poiEsEte	panta	ta	
	thus	AND	YOU(P)	when-EVER	YE-SHOULD-BE-DOING	ALL	THE	
		also	us	whenever			the-things	

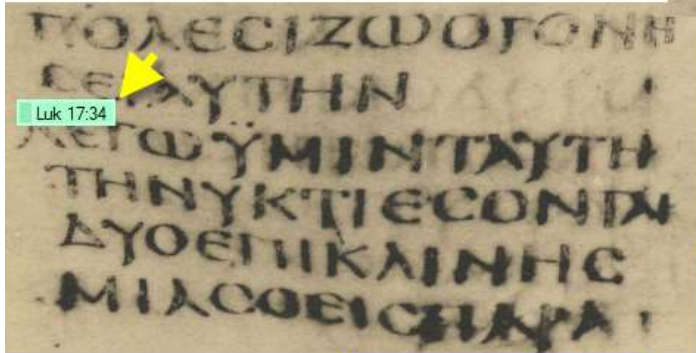
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت النص كاملا: ٣٦ يَكُونُ اثْنَانِ فِي الْحَقْلِ، فَيُؤَخَذُ الْوَاحِدُ وَيُتْرَكُ الْآخَرَ." السينائية: النص بالكامل غير موجود	محذوف	محذوف	محذوف	لوقا 17-36	41
<p>لاحظ النساخ أن لوقا ذكر مثال لامرأتين (17-35): " ٣٥ تَكُونُ اثْنَتَانِ تَطْحَنَانِ مَعًا، فَيُؤَخَذُ الْوَاحِدُ وَتُتْرَكُ الْآخَرَى ". وذكر مثال لرجل وامرأة (17-34): " أَقُولُ لَكُمْ: إِنَّهُ فِي تِلْكَ اللَّيْلَةِ يَكُونُ اثْنَانِ عَلَى فِرَاشٍ وَاحِدٍ، فَيُؤَخَذُ الْوَاحِدُ وَيُتْرَكُ الْآخَرَ" لكنه نسي أن يذكر مثال لرجلين , فقام النساخ بإضافة النص لسد ذلك الفراغ, وأيضا لمطابقة النص مع نظيره في متى (-24 40), وأيضا لتوكيد المعنى الذي أراد يسوع إيصاله.</p> <p>(تحسين النص) - (مطابقة الأناجيل ببعضها) - (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p> <p>ملاحظة: هذا النص من النصوص التي اتفقت النصوص المطبوعة الثلاثة المتصارعة على حذفه (النص النقدي اليوناني + النص المستلم + نص الأغلبية) إنما وصلت للنسخة العربية من خلال نسخة الملك جيمس التي أخذتها من النص اللاتيني للفولجاتا وليس اليوناني</p>						التعليق





Luk 17:35

Luk 17:37



Luk 17:34

17:35 ΔΥΟ ΕΣΟΝΤΑΙ ΑΛΗΘΟΥΣΑΙ ΕΠΙ ΤΟ ΑΥΤΟ Η ΜΙΑ
duo esontai alEthousai epi to auto hE mia
TWO SHALL-BE GRINDING ON THE SAME THE ONE
women-grinding same-place

ΠΑΡΑΛΗΦΘΗΣΕΤΑΙ ΚΑΙ Η ΕΤΕΡΑ ΑΦΕΘΗΣΕΤΑΙ
paraEphthEsetai kai hE hetera aphetEsetai
SHALL-BE-BEING-BESIDE-GOTTEN AND THE DIFFERENT SHALL-BE-BEING-FROM-LET
shall-be-being-taken-along different-one(!) shall-be-being-left

17:36 ΔΥΟ ΕΣΟΝΤΑΙ ΕΝ ΤΩ ΑΓΡΩ Ο ΕΙΣ ΠΑΡΑΛΗΦΘΗΣΕΤΑΙ ΚΑΙ
duo esontai en to agrO ho eis paraEphthEsetai kai
TWO SHALL-BE IN THE FIELD THE ONE SHALL-BE-BESIDE-GOTTEN AND
shall-be-being-taken-along

Ο ΕΤΕΡΟΣ ΑΦΕΘΗΣΕΤΑΙ
ho heteros aphetEsetai
THE DIFFERENT SHALL-BE-BEING-FROM-LET
different-one shall-be-being-pardoned

17:37 ΚΑΙ ΑΠΟΚΡΙΘΕΝΤΕΣ ΛΕΓΟΥΣΙΝ ΑΥΤΩ ΠΟΥ ΚΥΡΙΕ Ο ΔΕ
kai apokrithentes legousin autO pou kurie ho de
AND answerING THEY-ARE-saying to-Him ?-where Master! THE YET
where? Lord!

النص رقم ٣٦ غير موجود في
المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (ويشتررون Kai αγοράζοντας السينائية: اللفظة غير موجودة	وَلَمَّا دَخَلَ الْهَيْكَلَ ابْتَدَأَ يُخْرِجُ الَّذِينَ كَانُوا يَبِيعُونَ وَيَشْتَرُونَ فِيهِ	ولما دخل الهيكل ابتداءً يخرج الذين كانوا يبيعون فيه.	45 And entering into the temple he began to cast out those that sold,	M-01A Luke 19:45 Και εισελθων εις το ιερον ηρξατο εκβαλλειν τους πωλουντας (Lk. 19:45 M-01A)	لوقا 19-45	42
لاحظ النساخ أن يسوع نسي أن يخرج الذين كانوا يشترون واكتفى بإخراج الذين كانوا يبيعون فقط، وهو تصرف غريب من شخص يغار على هيكل الرب، فقاموا بإضافة اللفظة (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

Luk 19:45
ΚΑΙ ΕΙΣΕΛΘΩΝ ΕΙΣ ΤΟ ΙΕΡΟΝ ΗΡΞΑΤΟ ΕΚΒΑΛΛΕΙΝ ΤΟΥΣ ΠΩΛΟΥΝΤΑΣ ΕΝ ΑΥΤΩ ΚΑΙ ΑΓΟΡΑΖΟΝΤΑΣ

Luk 19:46
ΛΕΓΩΝ ΑΥΤΟΙΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ Ο ΟΙΚΟΣ ΜΟΥ ΟΙΚΟΣ

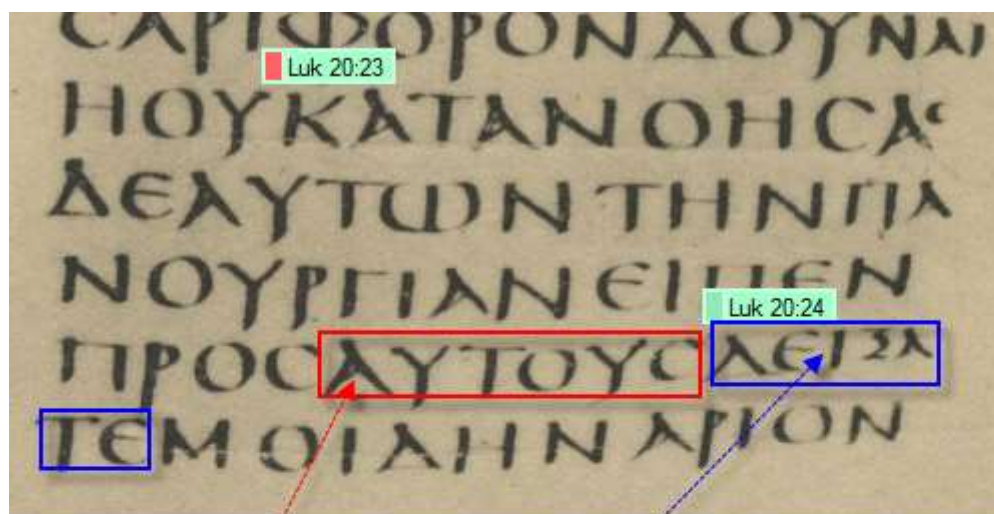
19:45 ΚΑΙ ΕΙΣΕΛΘΩΝ ΕΙΣ ΤΟ ΙΕΡΟΝ ΗΡΞΑΤΟ ΕΚΒΑΛΛΕΙΝ ΤΟΥΣ
kai eiselthōn eis to hieron Erxato ekballein tous
AND INTO-COMING INTO THE SACRED-place He-begins TO-BE-OUT-CASTING THE
entering sanctuary to-be-casting-out

ΠΩΛΟΥΝΤΑΣ EN ΑΥΤΩ ΚΑΙ ΑΓΟΡΑΖΟΝΤΑΣ
pōlountas en autō kai agorazontas
ones-SELLING IN it AND ones-BUYING
ones-selling ones-buying

19:46 ΛΕΓΩΝ ΑΥΤΟΙΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ Ο ΟΙΚΟΣ ΜΟΥ ΟΙΚΟΣ
legōn autois gegraptai ho oikos mou oikos
sayING to-them it-HAS-been-WRITTEN THE HOME OF-ME HOME
house house

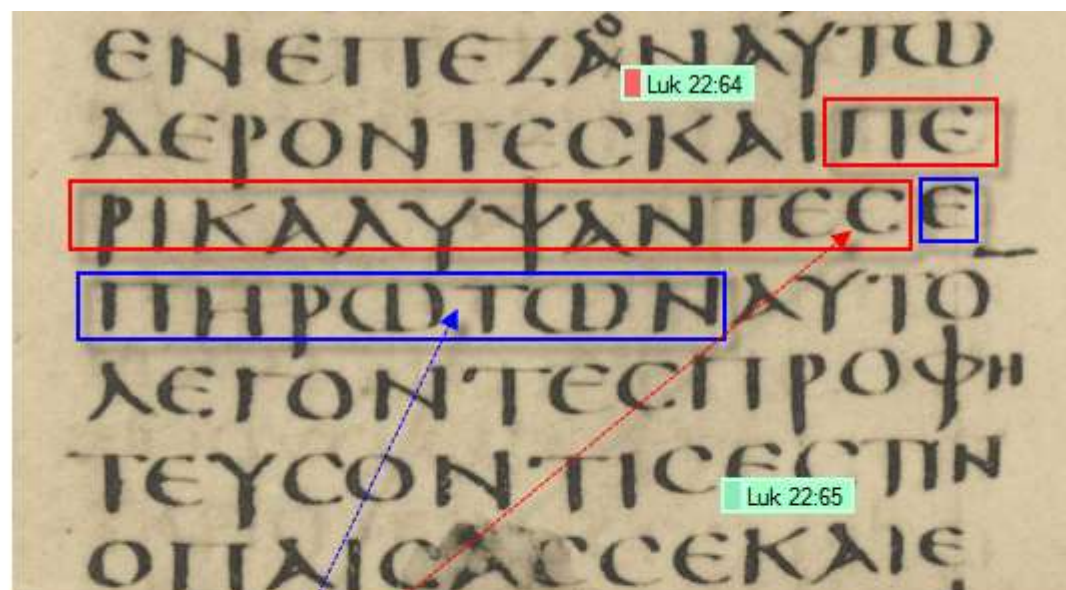
محذوف من
المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (لِمَاذَا تُجَرِّبُونَنِي؟ τί μέ πειράζετε) السينائية: العبارة غير موجودة	٢٣ فَشَعَرَ بِمَكْرِهِمْ وَقَالَ لَهُمْ: "لِمَاذَا تُجَرِّبُونَنِي؟"	فأدرك يسوع مكرهم، فقال لهم	23 But perceiving their craftiness, he said to them:	M-01A Luke 20:23 Κατανοήσας δε αυτων την πανουργιαν ειπεν προς αυτους (Lk. 20:23 M-01A)	لوقا 20-23	43
لاحظ النساخ أن لوقا ذكر أن يسوع "فَشَعَرَ بِمَكْرِهِمْ" لكنهم استغربوا من عدم توبيخه لهم ولم يروه مناسباً ان يبدأ بالإجابة مباشرة (أرُونِي دِينَارًا). قبل أن يوبخهم على مكرهم . كما أنهم لم يجدوا في كلام لوقا شيئاً صريحاً بأن يسوع قد انتبه لمكرهم فأضافوا (لماذا تجربونني) (تحسين النص) _ (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



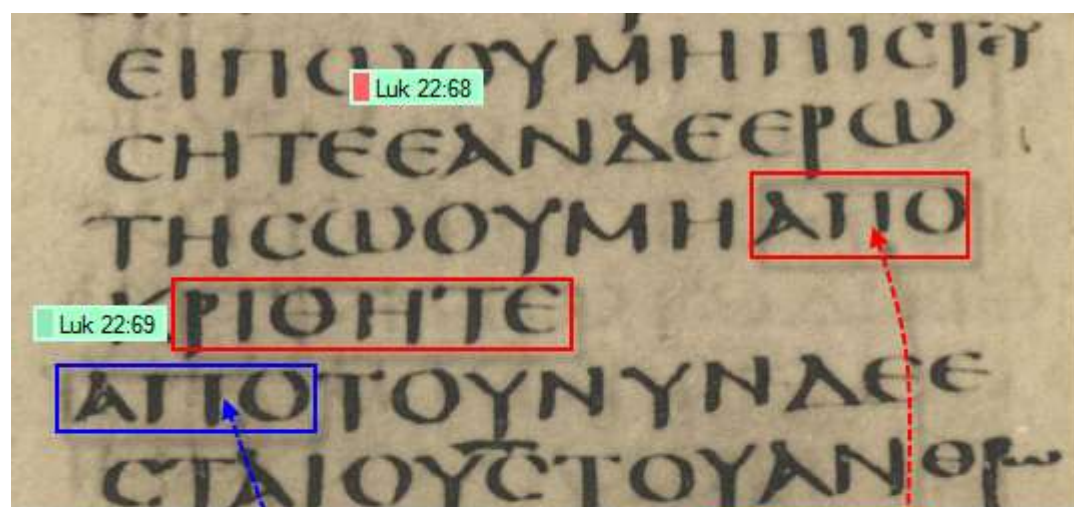
20:23	ΚΑΤΑΝΟΗΣΑΣ	ΔΕ	ΑΥΤΩΝ	ΤΗΝ	ΠΑΝΟΥΡΓΙΑΝ	ΕΙΠΕΝ	ΠΡΟΣ
	katanoEsas	de	autOn	iEn	panourgian	eipen	pros
	DOWN-MINDing	YET	OF-them	THE	cleverness	He-said	TOWARD
	considering				craftiness		
	لَهُمْ	لِمَاذَا	تَجْرِبُونَنِي				
	ΑΥΤΟΥΣ	ΤΙ	ΜΕ	ΠΕΙΡΑΖΕΤΕ			
	autous	ti	me	peirazete			
	them	ANY	ME	YE-ARE-tryING			
		why?					
20:24	ΕΠΙΔΕΙΞΑΤΕ	ΜΟΙ	ΔΗΝΑΡΙΟΝ	ΤΙΝΟΣ	ΕΧΕΙ	ΕΙΚΟΝΑ	ΚΑΙ
	epideixate	moi	dEnarion	tinOs	echei	eikona	kai
	ON-SHOW	to-ME	DENARIUS	OF-ANY	it-IS-HAVING	image	AND
	exhibit-va l	me		nf-whom			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وكانوا يضربون وجهه) αὐτὸν ἔτυπον αὐτοῦ τὸ πρόσωπον, και) السينائية: العبارة غير موجودة	64 وَغَطُّوهُ وَكَانُوا يَضْرِبُونَ وَجْهَهُ وَيَسْأَلُونَهُ قَائِلِينَ: "تَنْبَأ! مَنْ هُوَ الَّذِي ضَرَبَكَ؟"	ويغطون وجهه ويسألونه: ((من ضربك؟ تنبأ!))	64 and having blindfolded him, they asked, saying: Prophesy: who is he that struck thee?	M-01A Luke 22:64 Και περικαλυψαντες επιρωτων αυτο λεγοντες Προφητευσον τις εστιν ο παισας σε (Lk. 22:64 M-01A)	لوقا 22-64	45
أضاف النساخ عبارة (وكانوا يضربون وجهه) لسببين:- - إظهار المعاناة التي كان يلاقيها يسوع في سبيل إتمام الفداء - مطابقة النص هنا مع نظيره في متى (26-67) (دعم عقيدة الفداء) (مطابقة الأناجيل بعضها)					التعليق	



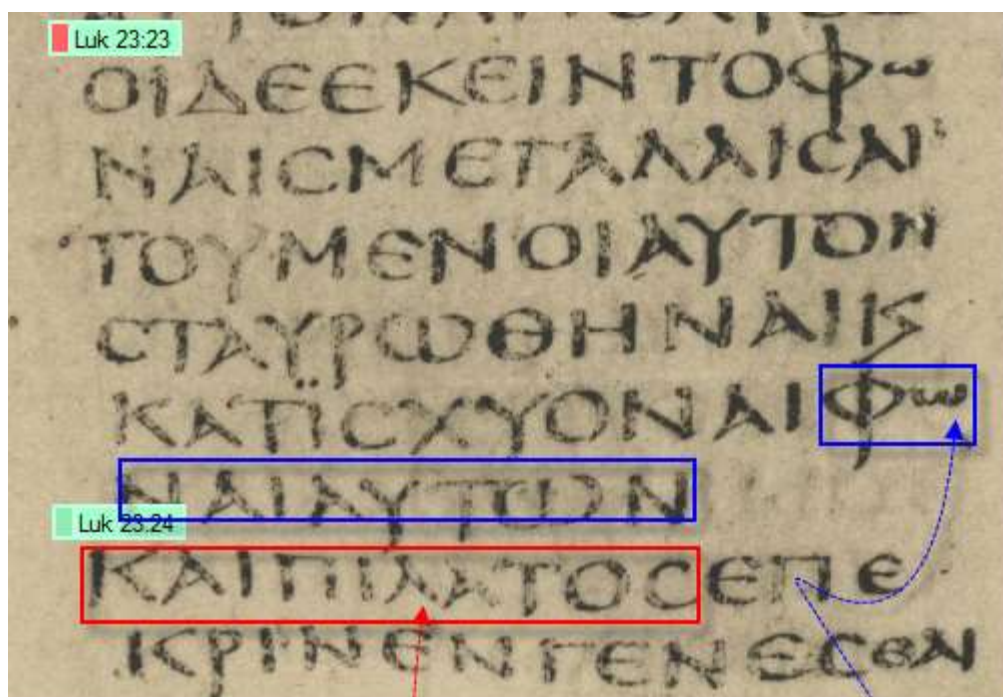
22:64	ΚΑΙ	ΠΕΡΙΚΑΛΥΨΑΝΤΕΣ	ΑΥΤΟΝ	ΕΤΥΠΤΟΝ	ΑΥΤΟΥ	ΤΟ	
	kai	perikalupsantes	auton	etupton	autou	to	
	AND	ABOUT-COVERING	Him	THEY-BEAT(past)	OF-Him	THE	
		covering-about					
	ΠΡΟΣΩΠΟΝ	ΚΑΙ	ΕΠΗΡΩΤΩΝ	ΑΥΤΟΝ	ΛΕΓΟΝΤΕΣ	ΠΡΟΦΗΤΕΥΣΟΝ	
	prosOpon	kai	epErOtOn	auton	legontes	propheteuson	
	face	AND	inquirED-of	Him	sayING	BEFORE-AVER	
						prophesy-you !	
	ΤΙΣ	ΕΣΤΙΝ	Ο	ΠΑΙΣΑΣ	ΣΕ		
	tis	estin	ho	paisas	se		
	ANY	IS	THE	one-HITTING	YOU		
	who ?			one-hitting			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (ولا تطلقوني) (μoι, ἢ ἀπολύσητε.) السينائية: العبارة غير موجودة	68 وَإِنْ سَأَلْتُ لَأُجِيبُونَنِي وَلَا تُطَلِّقُونَنِي	وإن سألتكم لا تجيبون.	68 and if I ask, you will not answer.	M-01A Luke 22:68 εαν δε ερωτησω ου μη αποκριθητε (Lk. 22:68 M-01A)	لوقا 22-68	46
أضاف النساخ عبارة (ولا تطلقوني) من أجل تخفيف الاستغراب الذي سينشأ عند البعض من العبارة الأولى ليسوع (وإن سألت لا تجيبون) فكيف للخاضع للتحقيق ان يحقق مع المحققين؟ كيف للسجين أن يحقق مع ساجنيه؟؟ فتمت إضافة عبارة (ولا تطلقوني) لإظهار أن يسوع كان أسيرا متهما خاضعا للتحقيق... (تحسين النص) (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



Luk 22:68	ΕΑΝ ΔΕ ΚΑΙ ΕΡΩΤΗΣΩ ΟΥ ΜΗ ΑΠΟΚΡΙΘΗΤΕ ΜΟΙ Η Ή	تجيبون
ean de kai eroteso ou me apokrithete moi hē	IF-EVER YET AND I-SHOULD-BE-asking NOT NO YE-MAY-BE-answering to-ME OR	
	also	
Luk 22:69	ΑΠΟ ΤΟΥ ΝΥΝ ΕΣΤΑΙ Ο ΥΙΟΣ ΤΟΥ ΑΝΘΡΩΠΟΥ ΚΑΘΗΜΕΝΟΣ	لا تطلقوني
apou tou nun estai ho huios tou anthrōpou kathēmenos	FROM THE NOW SHALL-BE THE SON OF-THE human sitting	محدوف من المخطوط
		فتمت

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (وأصوات رؤساء الكهنة <i>καὶ τῶν ἀρχιερέων.</i>) السينائية: العبارة غير موجودة	٢٣ فَكَانُوا يَلْجُونَ بِأَصْوَاتٍ عَظِيمَةٍ طَالِبِينَ أَنْ يُصَلَّبَ. فَقَوَّيْتُ أَصْوَاتَهُمْ وَأَصْوَاتَ رُؤَسَاءِ الْكَهَنَةِ.	23 But they were urgent with loud cries, demanding that he should be crucified; and their cries prevailed.	M-01A Luke 23:23 Οἱ δε εκειντο φωναις μεγαλαις αιτουμενοι αυτον σταυρωθηναι και κατισχυον αι φωναι αυτων	لوقا 23-23	47
	أضاف النساخ عبارة (وأصوات رؤساء الكهنة) من أجل إدانة رؤساء الكهنة وتحميلهم مسئولية صلب المسيح (معاداة رؤساء اليهود) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)				التعليق	



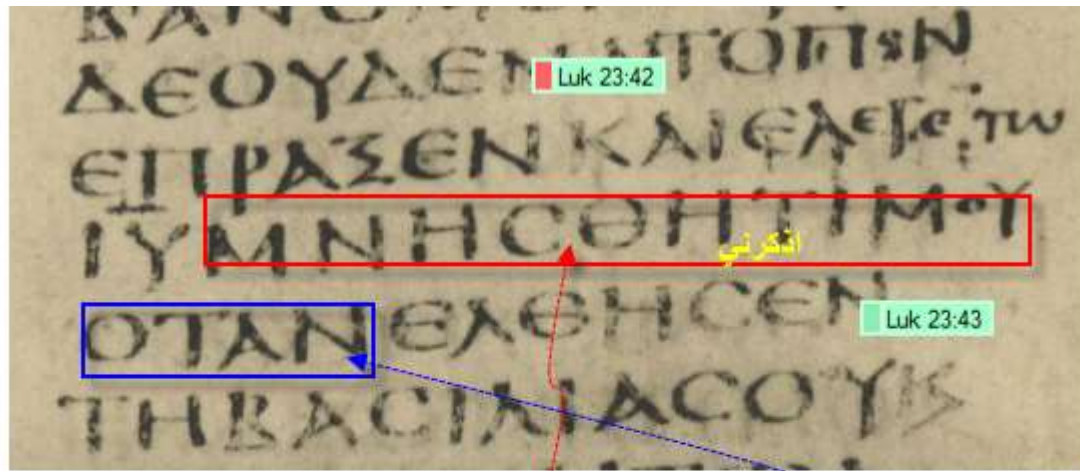
23:23	ΟΙ	ΔΕ	ΕΠΕΚΕΙΝΤΟ	ΦΩΝΑΙΣ	ΜΕΓΑΛΑΙΣ	ΑΙΤΟΥΜΕΝΟΙ
	hoi	de	epekeinto	phOnais	megalais	aitoumenoi
	THE-ones	YET	ON-LAY	to-SOUNDS	GREAT	REQUESTING
	the		they-impertuned	to-voices	loud	
	ΑΥΤΟΝ	ΣΤΑΥΡΩΘΗΝΑΙ	ΚΑΙ	ΚΑΤΙΣΧΥΟΝ	ΑΙ	ΦΩΝΑΙ ΑΥΤΩΝ ΚΑΙ
	auton	staurOthEnai	kai	katischuon	hai	phOnai autOn kai
	Him	TO-BE-impalED	AND	DOWN-STRONGED	THE	SOUNDS OF-them AND
		to-be-crucified		prevailed		voices
	ΤΩΝ	ΑΡΧΙΕΡΕΩΝ				
	tOn	archiereOn				
	OF-THE	chief-SACRED-ones				
		chief-priests				
23:24	Ο	ΔΕ	ΠΙΛΑΤΟΣ	ΕΠΕΚΡΙΝΕΝ	ΓΕΝΕΘΑΙ	ΤΟ ΑΙΤΗΜΑ ΑΥΤΩΝ
	no	de	pilatos	epekrienen	genesthai	to aitEma autOn
	THE	YET	PILATE	ON-JUDGES	TO-BE-BECOMING	THE REQUEST-effect OF-them

وأصوات رؤساء الكهنة
ΤΩΝ ΑΡΧΙΕΡΕΩΝ

غير موجود بالمخطوط

وبيلاطس

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (يارب Κύριε) السينائية: تكتب بدلا منها: (يا يسوع Ἰησوع)	٤٢ ثُمَّ قَالَ لِيَسُوعُ: "أَذْكُرُنِي يَا رَبُّ مَتَى جِئْتُ فِي مَلَكُوتِكَ".	وقال: ((أذكرني يا يسوع، متى جئت في ملكوتك)).	42 And he said: Jesus, remember me when thou comest in thy kingdom.	M-01A Luke 23:42 Και ελεγε Ἰησους Μνησθητι μου οταν ελθης εν τη βασιλια σου (Lk. 23:42 M-01A)	لوقا 23-42	48
<p>قام النساخ بتغيير لفظة (يا يسوع) إلي (يارب) لسببين:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - دعم ألوهية يسوع , بما تحتويه لفظة (يارب) من دلالات الملك والرياسة . - تخفيف حدة عبارة (يا يسوع) فلا يليق بتلميذ ليسوع أن ينادي هكذا بدون لقب تعظيم وتوقير (دعم ألوهية المسيح) (تحسين صورة التلاميذ) 					التعليق	



23:42	ΚΑΙ	ΕΛΕΓΕΝ	ΤΩ	ΙΗΣΟΥ	ΜΝΗΣΘΗΤΙ	ΜΟΥ	ΚΥΡΙΕ	ΟΤΑΝ
	kai	elegen	to	iEsou	mnEsthEti	mou	kurie	hotan
	AND	he-said	to-THE	JESUS	BE-BEING-REMINDED	OF-ME	Master	when-EVER
					be-you-being-reminded!		Lord	whenever
	ΕΛΘΗΣ	ΕΝ	ΤΗ	ΒΑΣΙΛΕΙΑ	COY			
	elthEs	en	te	basileia	sou			
	YOU-MAY-BE-COMING	IN	THE	KINGdom	OF-YOU			

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (أظلمت ἔσκοτίσθη) السينائية: تكتب بدلا منها: (احتجبت ἐκλιποντος)	٤٥ وَأظلمتِ الشَّمْسُ، وَأَنشَقَّ حِجَابُ الْهَيْكَلٍ مِنْ وَسَطِهِ	واحتجبت الشمس وانشق حجاب الهيكل من الوسط	45 the sun having failed; and the veil of the temple was rent in the midst	M-01A Luke 23:45 του ηλιου εκλιποντος εσχισθη δε το καταπετασμα του ναου μεσον (Lk. 23:45 M-01A)	لوقا 23-45	49
قام النساخ بتغيير لفظة (احتجبت) إلي (أظلمت) حتى لا يفهم من اللفظة الأولى ان الذي حدث هو مجرد كسوف لأن هذا ربما يفسر على أنه ظاهرة طبيعية وليس معجزة . (دعم المعجزات)					التعليق	

Luk 23:45

Luk 23:46

احتجبت

أظلمت

الشمس

غير موجود

23:45	καὶ	ἐσκοτίσθη	ὁ ἥλιος	καὶ	ἐσχίσθη	τὸ	καταπέτασμα
	kai	eskotisthE	ho hEllos	kai	eschisthE	to	katapetasma
	AND	IS-DARKenED	THE SUN	AND	IS-SPLIT	THE	DOWN-EXPANDer
					is-rent		curtain

TOY	ΝΑΟΥ	ΜΕΣΟΝ
tou	naou	meson
OF-THE	TEMPLE	MIDst
		in-the-middle

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (ومعهن أناس καί τινες σὺν αὐταῖς.) السينائية: العبارة غير موجودة	وجئن عند فجر الأحد إلى القبر وهن يحملن الطيب الذي هيأه. أَعَدَّنَهُ، وَمَعَهُنَّ أُنَاسٌ	24:1 But on the first of the week, very early in the morning, they came to the sepulcher, bringing the spices that they had prepared.	M-01A Luke 24:1 Τη δε μια των σαββατων ορθου βαθεως επι το μνημιον ηλθον φερουσαι α ητοιμασαν αρωματα	لوقا 1-24	50
					التعليق	

لاحظ النساخ أن مرقص ذكر في (1-16) أن اللاوتي أتين للقبر وأعددن الحنوط هن :
"وَبَعْدَمَا مَضَى السَّبْتُ، اسْتَرْت مَرْيَمَ الْمَجْدَلِيَّةَ وَمَرْيَمَ أُمَّ يَعْقُوبَ وَسَالُومَةَ، حَنُوطًا لِيَأْتِيَنَّ وَيُدْهَنَهُ"

وبالتالي فهموا من نص لوقا (1-24) أن النسوة اللاتي ذهبن بالحنوط هن هؤلاء الثلاثة،
لكنهم لاحظوا في لوقا (10-24): "وَكَانَتْ مَرْيَمُ الْمَجْدَلِيَّةُ وَيُونَا وَمَرْيَمُ أُمَّ يَعْقُوبَ وَالْبَاقِيَاتُ مَعَهُنَّ، اللَّوَاتِي قُلْنَ هَذَا لِلرُّسُلِ"
لاحظوا أن هناك نسوة أخريات غير الثلاثة كما هو واضح من عبارة (باقيات معهن).

فقاموا بإضافة عبارة (ومعهن أناس) في لوقا (1-24) ليتسق كلام لوقا مع بعضه حتى لا يفهم البعض من لوقا (1-24) أن
الذاهبات ثلاثة فقط – من خلال تفسير النص في ضوء مرقص (1-16) - وهو الفهم الذي سوف يتناقض مع لوقا (10-24)
(**علاج التناقضات - جعل الأمور أكثر منطقية**)

Luk 24:1

ΤΗ ΔΕ ΜΙΑ ΤΩΝ ΣΑΒΒΑΤΩΝ ΟΡΘΟΥ ΒΑΘΕΩΣ ΗΛΘΟΝ ΕΠΙ ΤΟ ΜΝΗΜΑ ΦΕΡΟΥΣΑΙ ἧ ΗΤΟΙΜΑΣΑΝ **ΑΡΩΜΑΤΑ** **ΚΑΙ** **ΤΙΝΕΣ** **ΣΥΝ** **ΑΥΤΑΙΣ**

Luk 24:2

ΕΥΡΟΝ ΔΕ ΤΟΝ ΛΙΘΟΝ ΑΠΟΚΕΚΥΛΙΣΜΕΝΟΝ ΑΠΟ ΤΟΥ

24:1 TH DE MIA TON SABBATON ORTHOU BATHEOS HLTHON EPI
tE de mia tOn sabbatOn orthrou batheos Eithon epi
to-THE YET ONE OF-THE SABBATHS OF-EARLY OF-DEEP THEY-CAME ON
one-day deep

TO MNHMA ΦΕΡΟΥΣΑΙ ἧ ΗΤΟΙΜΑΣΑΝ **ΑΡΩΜΑΤΑ** **ΚΑΙ**
to mnEma pherousai ha hEtoimasan arOmata kai
THE memorial-tomb CARRYING WHICH THEY-make-READY SPICES AND
tomb bringing which(P)

24:1 TINEC CYN AYTΑIC
tines sun autais
ANY TOGETHER to-them
certain-others(f) together with them

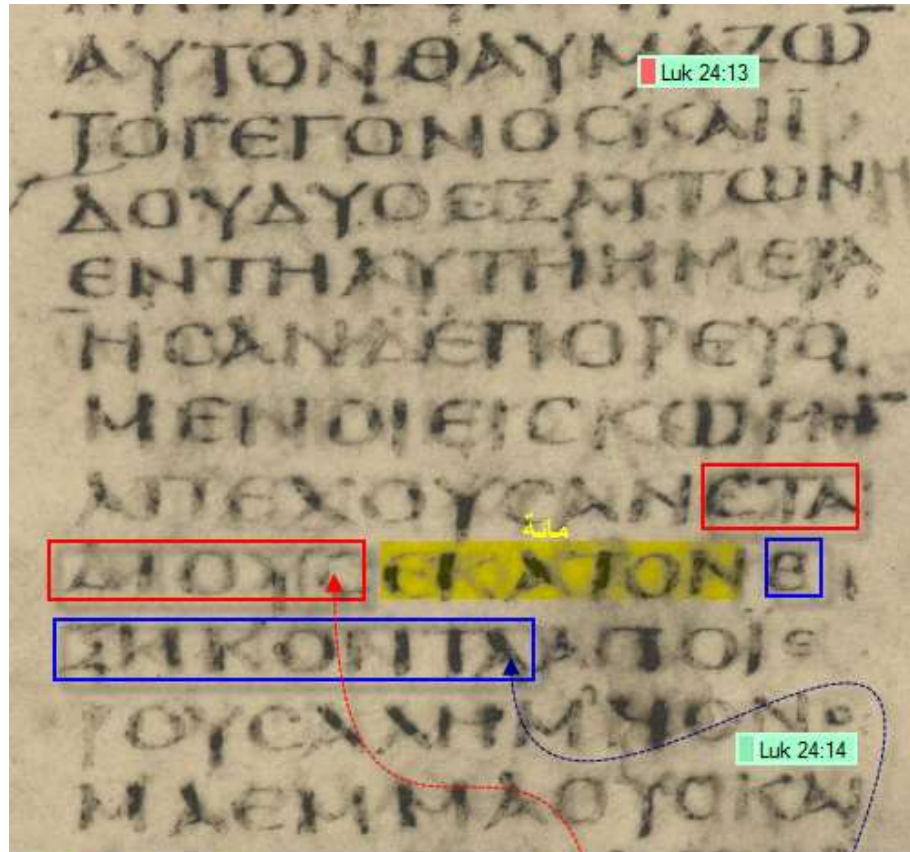
24:2 EYRON ΔΕ ΤΟΝ ΛΙΘΟΝ ΑΠΟΚΕΚΥΛΙΣΜΕΝΟΝ ΑΠΟ ΤΟΥ
heuron de ton lithon apokekulismenon apo tou
THEY-FOUND YET THE STONE HAVING-been-FROM-ROLLED FROM THE
having-been-rolled-away

الممثل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

معهن أناس

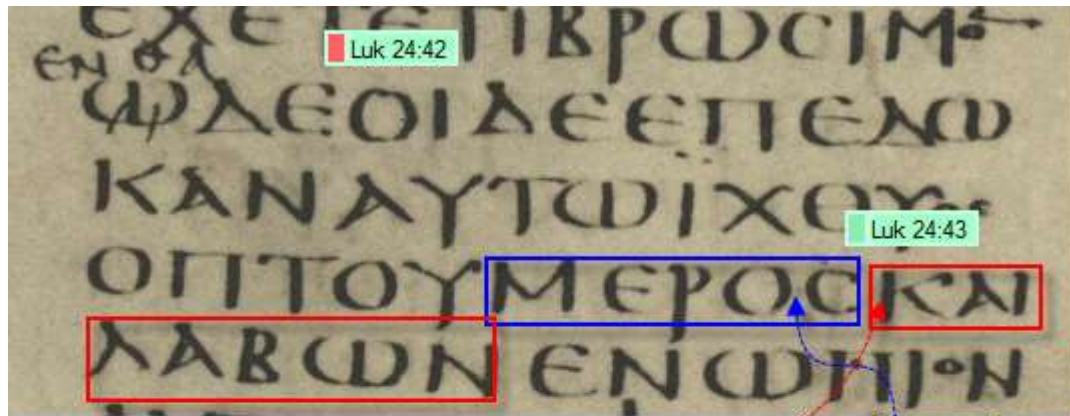
فوجدن

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب : (ستون غلوة (σταδίους ἑξήκοντα) السينائية: تكتب بدلا منها: (مائة وستون غلوة (σταδίους ἑκατον ἑξήκοντα)	١٣ وَإِذَا اثْنَانِ مِنْهُمَا كَانَا مُنْطَلِقَيْنِ فِي ذَلِكَ الْيَوْمِ إِلَى قَرْيَةٍ بَعِيدَةٍ عَنْ أُورُشَلِيمَ سِتِّينَ غَلْوَةً، اسْمُهَا "عَمَّوَأْسُ".	وفي اليوم نفسه، كان اثنان من التلاميذ في طريقهما إلى قرية اسمها عمواس، على مسافة مائة وستين غلوة من أورشليم..	13 And behold, two of them were going on the same day to a village named Emmaus, distant from Jerusalem one hundred and sixty furlongs;	M-01A Luke 24:13 Και ιδου δυο εξ αυτων εν τη αυτη ημερα ησαν δε πορευομενοι εις κωμη_ απεχουσαν σταδίους εκατον εξηκοντα απο Ιερουσαλημ η ονομα Εμμαους	لوقا 13-24	51
قام النساخ بتغيير النص من (مائة وستون غلوة = 29,5 كيلو متر) إلي (ستون غلوة = 11 كيلومتر) لأنه من المستحيل أن يتمكن التلميذان من الخروج من أورشليم إلي عمواس التي تبعد عنها بمسافة 29,5 كيلو مشيا على الأقدام ثم يرجعون لأورشليم في نفس الليلة كما تخبرنا القصة. فتم تقصير المسافة لعلاج هذا الأمر (1 غلوة=185 متر تقريبا)					التعليق	
(علاج التناقضات - جعل الأمور أكثر منطقية)						



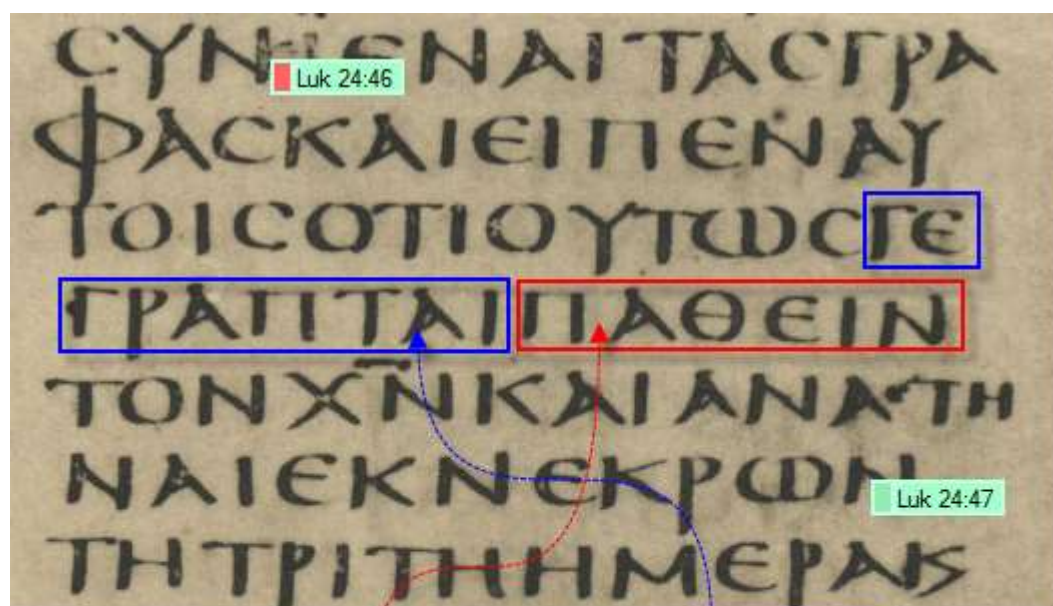
24:13	ΚΑΙ	ΙΔΟΥ	ΔΥΟ	ΕΞ	ΑΥΤΩΝ	ΗΣΑΝ	ΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΙ	ΕΝ	ΑΥΤΗ
	kai	idou	duo	ex	autōn	Esan	poreuomenoi	en	autē
	AND	BE-PERCEIVING	TWO	OUT	OF-them	WERE	GOING	IN	SAME
		lo!							
	ΤΗ	ΗΜΕΡΑ	ΕΙΣ	ΚΩΜΗΝ	ΑΠΕΧΟΥΣΑΝ	ΣΤΑΔΙΟΥΣ	ΕΞΗΚΟΝΤΑ	ΑΠΟ	
	tē	hēmera	eis	kōmēn	apechousan	stadiou	hexēkonta	apo	
	THE	DAY	INTO	VILLAGE	FROM-HAVING	stadia	SIX-TY	FROM	
				being-away			sixty		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وشيناً من شهد عسل και από μελισσίου κηρίου.) السينائية: العبارة غير موجودة	٤٢ فَأَوَّلُوهُ جُزْءًا مِنْ سَمَكٍ مَشْوِيِّ، وَشَيْنًا مِنْ شَهْدٍ عَسَلٍ.	فناولوه قطعة سمك مشوي،.	42 And they gave him a piece of broiled fish	M-01A Luke 24:42 Οι δε επεδωκαν αυτω ιχθυος οπτου μερος (Lk. 24:42 M-01A)	لوقا 24-42	52
أضاف النساخ عبارة (وشيناً من شهد عسل) لأن العسل كان يستعمل في طقس الأفخارستيا وكذلك المعمودية في الكنيسة، فأرادوا أن يجعلوا لهذا التصرف أساساً كتابياً (زراعة دعم للطقوس الكنسية)					التعليق	



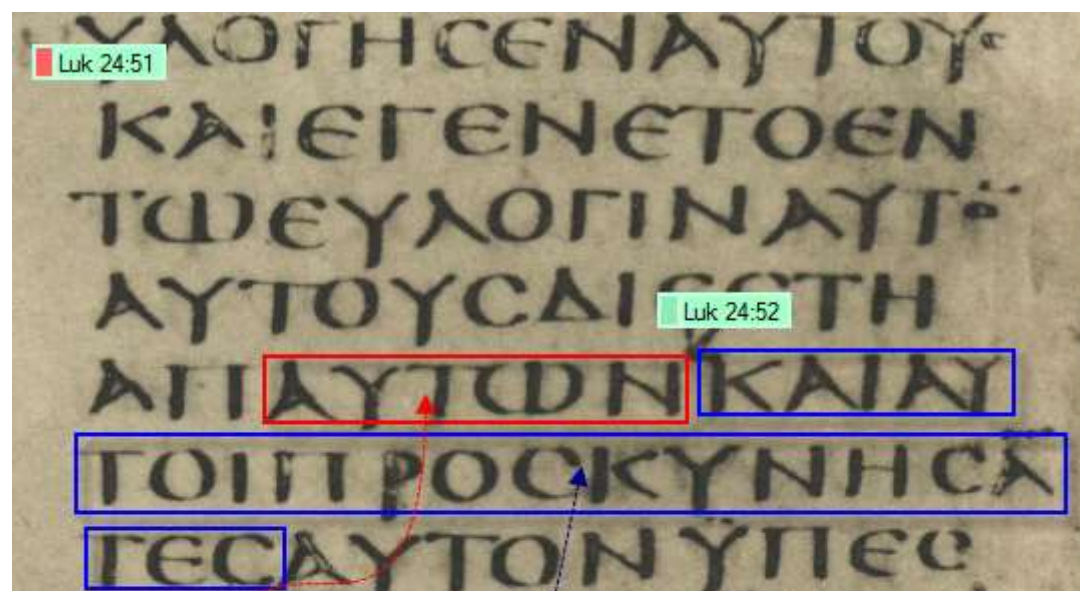
24:42	ΟΙ	ΔΕ	ΕΠΕΔΩΚΑΝ	ΑΥΤΩ	ΙΧΘΥΟΣ	ΟΠΤΟΥ	ΜΕΡΟΣ	ΚΑΙ	ΑΠΟ
	hoi	de	epedOkan	autO	ichthuos	optou	meros	kai	apo
	THE-ones	YET	ON-GIVE	to-Him	OF-FISH	BROILed	PART	AND	FROM
	the		they-hand	him					
	<p>من شهد عسل</p> <p>ΜΕΛΙΣΣΙΟΥ ΚΗΡΙΟΥ</p> <p>melissiou kEriou</p> <p>HONEY OF-honeycomb</p> <p>comb</p>								
24:43	ΚΑΙ	ΛΑΒΩΝ	ΕΝΩΠΙΟΝ	ΑΥΤΩΝ	ΕΦΑΓΕΝ				
	kai	labOn	enOpion	autOn	ephagen				
	AND	GETTING	IN-VIEW	OF-them	He-ATE				
		taking-it	sight-of-before	them					

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وهكذا كان ينبغي καὶ οὕτως ἔδει) السينائية: العبارة غير موجودة	٤٦ وَقَالَ لَهُمْ: "هَكَذَا هُوَ مَكْتُوبٌ، وَهَكَذَا كَانَ يَنْبَغِي أَنَّ الْمَسِيحَ يَتَأَلَّمُ وَيَقُومُ مِنْ الْأَمْوَاتِ فِي الْيَوْمِ الثَّالِثِ	وقال لهم: ((هذا ما جاء فيها، وهو أن المسيح يتألم ويقوم من بين الأموات في اليوم الثالث.	6 and he said to them: Thus it is written, that the Christ should suffer and rise from the dead on the third day	M-01A Luke 24:46 καὶ εἶπεν αὐτοῖς ὅτι οὕτως γεγραπταὶ παθεῖν τὸν Χριστὸν καὶ ἀναστῆναι ἐκ νεκρῶν τῆς τρίτης ἡμέρας (Lk. 24:46 M-01A)	لوقا 24-46	53
أضاف النساخ عبارة (وهكذا كان ينبغي) من أجل التأكيد على ضرورة الفداء والصلب. (دعم عقيدة الفداء والصلب)					التعليق	



24:46	ΚΑΙ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΟΙΣ	ΟΤΙ	ΟΥΤΩΣ	ΜΕΚΤΟΒ	ΚΑΙ	ΟΥΤΩΣ
	kai	eipen	autois	hoti	houtos	gegraptai	kai	houtos
	AND	He-said	to-them	that	thus	it-HAS-been-WRITTEN	AND	thus
كان ينبغي	ΕΔΕΙ	ΠΑΘΕΙΝ	ΤΟΝ	ΧΡΙΣΤΟΝ	ΚΑΙ	ΑΝΑΣΤΗΝΑΙ	ΕΚ	ΤΩΝ
	edei	pathein	ton	christon	kai	anastEnai	ek	ton
	it-WAS-BINDING	TO-BE-EMOTIONING	THE	ANOINTED	AND	TO-UP-STAND	OUT	THE
		to-be-suffering	Christ			to-rise		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وأصعد إلى السماء καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν) السينائية: العبارة غير موجودة	١ وَفِيمَا هُوَ يُبَارِكُهُمْ، انْفَرَدَ عَنْهُمْ وَأَصْعَدَ إِلَى السَّمَاءِ.	وبينما هو يباركهم، انفصل عنهم	51 And it came to pass, as he blessed them, he was separated from them.	M-01A Luke 24:51 Καὶ ἐγένετο ἐν τῷ εὐλογεῖν αὐτὸν αὐτοὺς διεστή ἀπ αὐτῶν	لوقا 24-51	54
أضاف النساخ عبارة (وأصعد إلى السماء) لسببين:- - أنهم لاحظوا أن لفظة (انفرد عنهم) التي ذكرها لوقا لا تدل على أنه صعد للسماء, وهم يعلمون بأن خاتمة القصة يجب ان تنتهي بصعوده إلى السماء كما في (أعمال الرسل 1-9) - لأنهم يعتبرون هذا الصعود هو علامة على ألوهية يسوع الذي قهر الموت وصعد للسماء (تحسين النص) (مطابقة الأناجيل ببعضها) (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	



24:51	ΚΑΙ ΕΓΕΝΕΤΟ ΕΝ Τῷ ΕΥΛΟΓΕΙΝ ΑΥΤΟΝ ΑΥΤΟΥΣ ΔΙΕΣΤΗ	kai egeneto en to eulogein auton autous diestE	AND it-BECAME IN THE TO-BE-blessING Him them He-THRU-STOOD it-occurred he-put-an-interval
	ΑΠ αὐτῶν ΚΑΙ ΑΝΕΦΕΡΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΥΡΑΝΟΝ	ap autOn kai anephereto eis ton ouranon	FROM them AND He-was-UP-CARRIED INTO THE heaven
	المظلّل بالأصفر محذوف		
24:52	ΚΑΙ Αὐτοὶ προσκύνῃσάντες αὐτὸν ὑπεστρέψαν εἰς	kai autoi proskunesantes auton hupestrepsan eis	AND they worshiping Him reTURN INTO



المقطع موجود في الهامش
بواسطة ناسخ متأخر منيا

قراءة الإضافة تمت بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ
الاصلي

Luke 24:51

TR(WH)NU

διέστη ἀπ' αὐτῶν καὶ ἀνεφέρετο εἰς τὸν οὐρανόν
"he departed from them and was taken up into heaven"

ⲓⲱⲛⲥⲀⲖⲔⲠⲘⲔⲟⲩⲛⲟⲩⲛ

KJV NKJV RSVmg NRSV ESV NASB NIV TNIV NEBmg REBmg NJB NAB NLT HCSB
NET

variant

διέστη απ αυτων
"he departed from them"

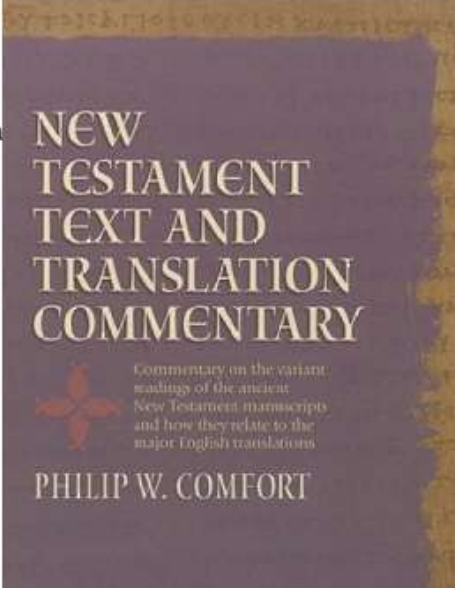
ⲕⲁⲓⲉⲓⲧⲓⲧⲉⲣⲉⲧⲟⲩⲛⲟⲩⲛ

RSV NRSVmg NEB REB NJBmg NLTm

Luk 24:50

Luk 24:51

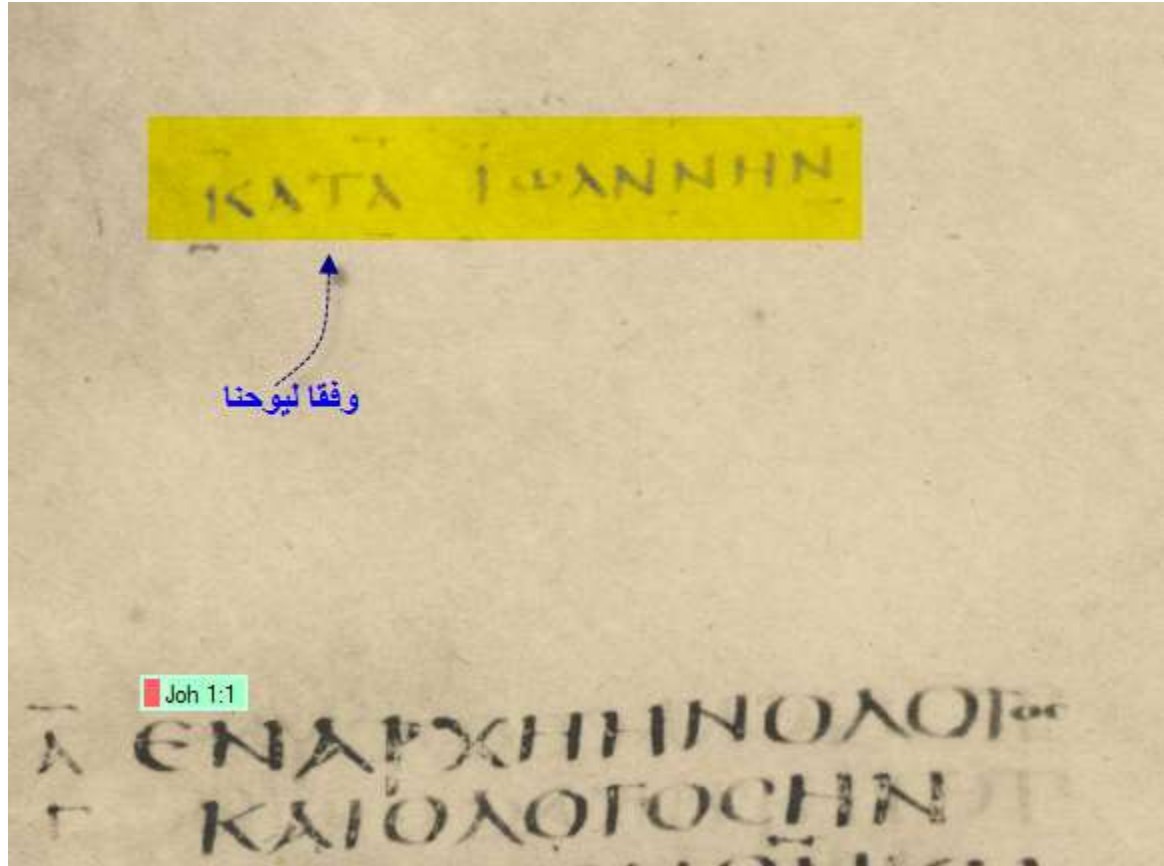
Luk 24:52



انجيل

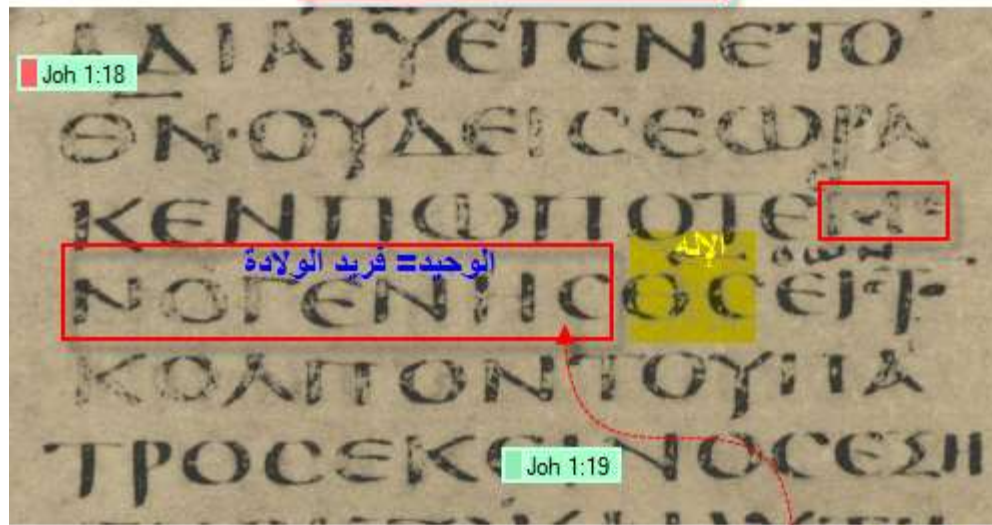
يوحنا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
<u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة: (إنجيل Ευαγγέλιο) <u>السينائية:</u> اللفظة غير موجودة	الإنجيل وفقا ليوحنا	وفقا ليوحنا	According to john	KaTa Iωaυuπιu	العنوان
أضاف النساخ لفظة (الإنجيل) من أجل دعم قانونية السفر (دعم القانونية)					التعليق



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
النسخة العربية: تكتب لفظة: (الابن الوحيد ὁ μονογενὴς υἱός) السينائية: تكتب بدلا منها: (الإله فريد الولادة μονογενὴς ΘΣ)	١٨ اللهُ لَمْ يَرَهُ أَحَدٌ قَطُّ. الْأَبْنُ الْوَحِيدُ الَّذِي هُوَ فِي حِضْنِ الْآبِ هُوَ حَبْرٌ.	الله لم يره أحد قط. الإله فريد الولادة الذي هو في حضن الأب هو خبر	18 No one has seen God at any time; only begotten God, who is in the bosom of the Father, he has made him known.	^{M-01A} John 1:18 ΘΝ ουδεις εωρακεν ποποτε μονογενης ΘΣ εις το κολπον του πατρος εκεινος εξηγησατο (Jn. 1:18 M-01A)	يو1-18
لو اعتبرنا أن (الإله فريد الولادة) كان يوحنا يقصد به المسيح فإن هذا يعني أن تغيير النص من هذه الصيغة إلي الصيغة الأخرى (الابن الوحيد) فيه طمس لدليل من أدلة ألوهية يسوع , وهذا يصب في صالح الهرطقات التي لم تكن تؤله المسيح. مما يعني أن القراءة الثانية تقف خلفها يد هرطوقية.					التعليق
وأيضا فإن قيام النساخ بكتابة عبارة (الابن الوحيد الذي في حضن الأب) جعلهم يستفيدون منها في إثبات وحدة الطبيعة بين الأقتومين الأب والابن وهم بهذا يهدمون هرطقة الأريوسية القائلة بالتدني وأن الابن أقل من الأب في الطبيعة					
كما أن النساخ شعروا بثقل من عبارة (الإله الذي في حضن الأب) حيث أن الأب كثيرا ما يشار إليه بأنه (الله الأب) فلم يستسيغوا عبارة كهذه حيث سيصبح معناها (الإله الذي في حضن الإله) !					
(تذليل الصعوبات العقديّة) (طمس أدلة الهرطقة) (دخول تعريفات الهرطقة للنص)					

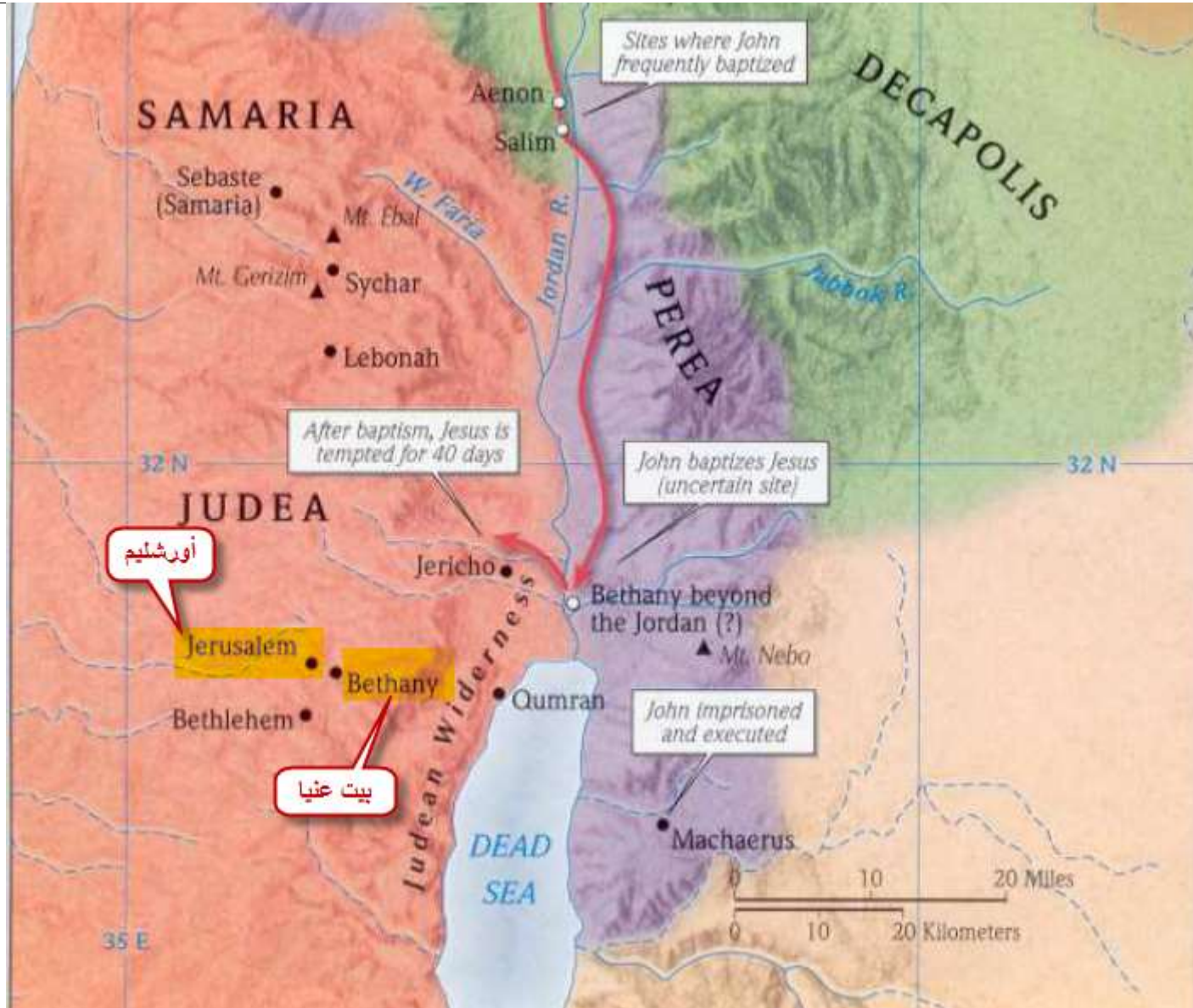
ΜΟΝΟΓΕΝΗΣ ΘΣ
الإله فريد الولادة

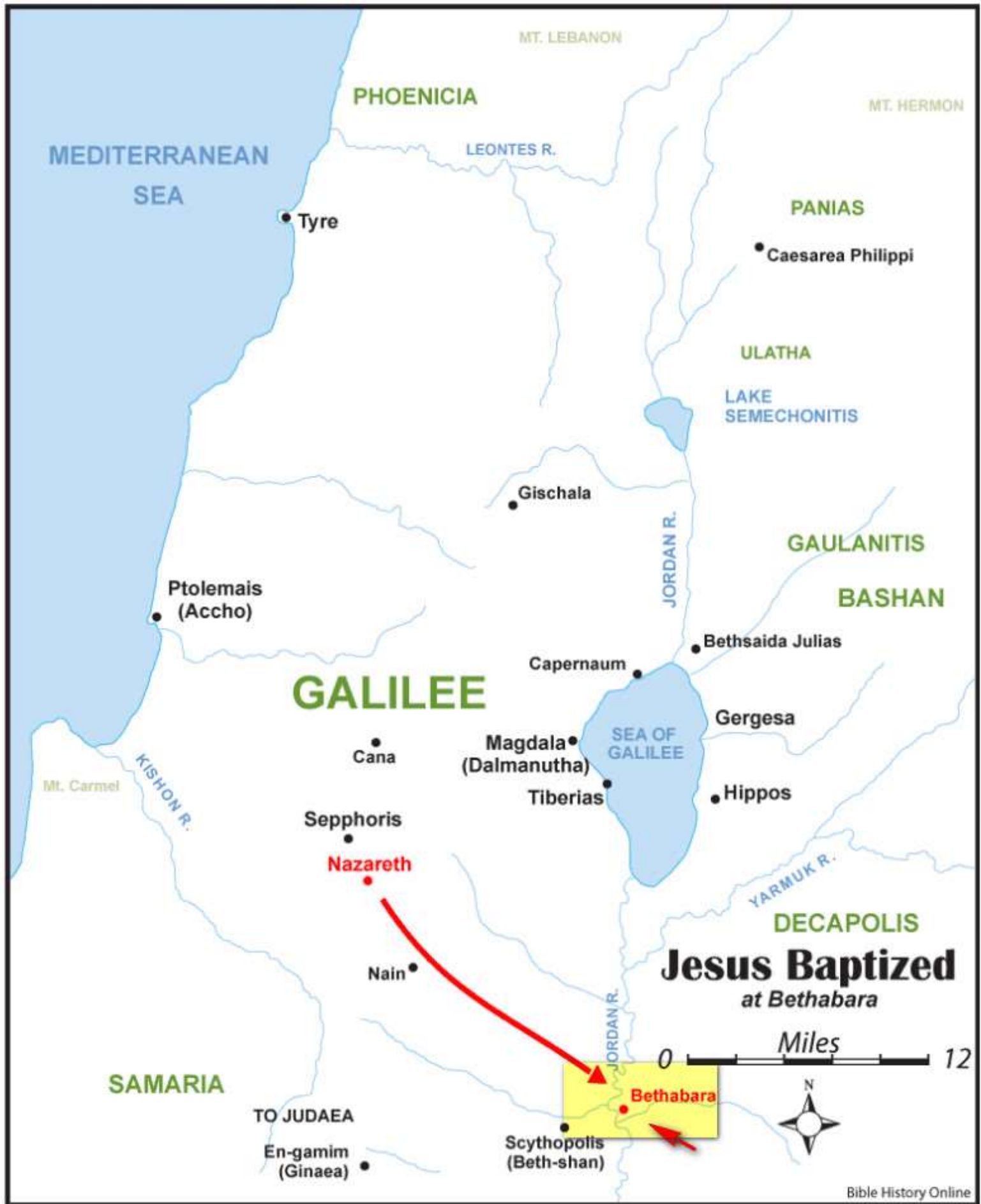


1:18	ΘΕΟΝ	ΟΥΔΕΙΣ	ΕΩΡΑΚΕΝ	ΠΩΠΟΤΕ	Ο	الوحيد MONOGENΗΣ	الابن ΥΙΟΣ	Ο
	theon	oudeis	heOraken	pOpote	ho	monogenEs	huios	ho
	God	NOT-YET-ONE	HAS-SEEN	?-AS-?-when	THE	ONLY-generated	SON	THE
		no-one		ever		only-begotten		
	ΩΝ	ΕΙΣ	ΤΟΝ	ΚΟΛΠΟΝ	ΤΟΥ	ΠΑΤΡΟΣ	ΕΚΕΙΝΟΣ	ΕΞΗΓΗΣΑΤΟ
	On	eis	ton	kolpon	tou	patros	ekeinos	exEgEsato
	One-BEING	INTO	THE	BOSOM	OF-THE	FATHER	that-One	unfolds
	one-being						that-one	unfolds-him

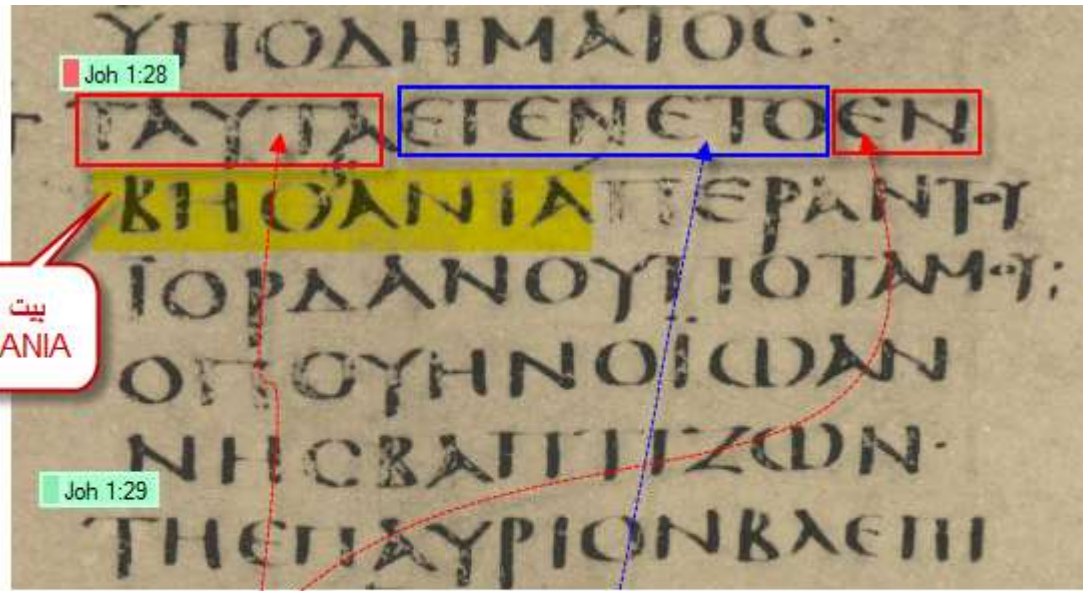
ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
النسخة العربية: تذكر لفظة: (بيت عبرة Βηθαβαρά) السينائية: تكتب بدلا منها: (بيت عنيا Βηθανια)	٢٨ هَذَا كَانَ فِي بَيْتِ عَبْرَةَ فِي عَبْرِ الْأُرْدُنِّ حَيْثُ كَانَ يُوحَنَّا يُعَمِّدُ.	جرى هذا كله في بيت عنيا، عبر نهر الأردن، حيث كان يوحنا يعمد	28 These things were done in Bethany beyond the Jordan, where John was baptizing.	M-01A John 1:28 Ταυτα εγενετο εν Βηθανια περαν του Ιορδανου ποταμου οπου ην ο Ιωαννης βαπτιζων (Jn. 1:28 M-01A)	يوحنا 1-28
نحن نعلم أن التعميد جرى في نهر الاردن كما يقول النص (عبر نهر الأردن = عبر الأردن) أي على الحدود الأردنية الفلسطينية، لكن المشكلة أنه لا توجد بلدة اسمها (بيت عنيا) في هذا المكان، والمكان الذي يحمل اسم (بيت عنيا) يقع قريبا من أورشليم على بعد بضعة كيلو مترات قليلة منها، ويبعد مسافة كبيرة للغاية عن (عبر الأردن = نهر الأردن)، وهذا يعني أن يوحنا أخطأ، لهذا قام النساخ بتغيير النص من (بيت عنيا) إلي (بيت عبرة) التي كان يشاع بين عوام المسيحيين أن المسيح قد تعمد فيها، ووجدت هذه الشائعة طريقها للنص (علام المشكلات الجغرافية) (انقاذ المؤلف)					التعليق



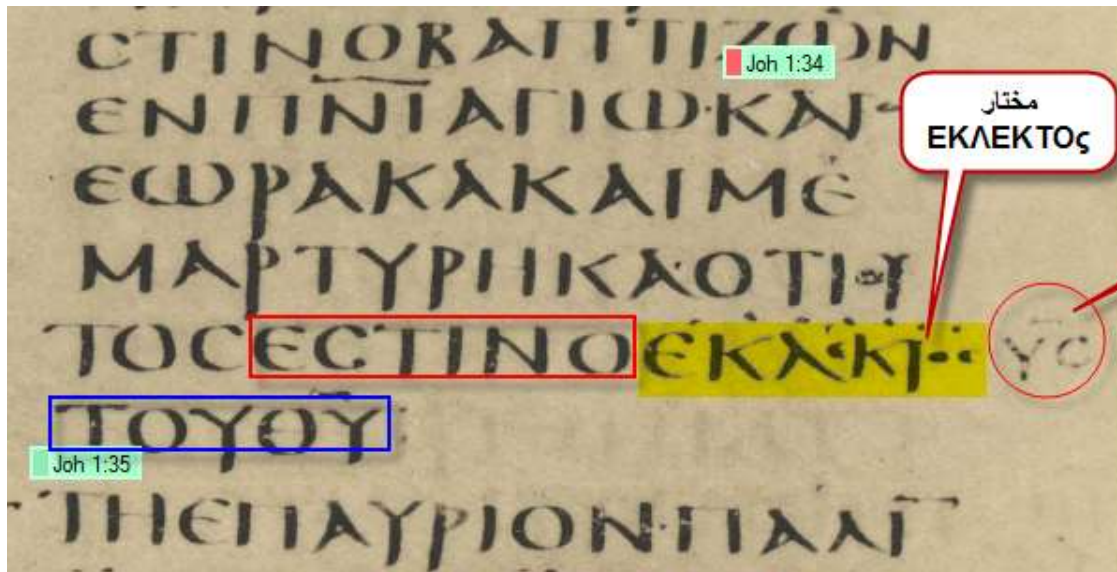


Bible History Online



1:28	هذا في	بيت عتية	كان	ΠΕΡΑΝ	ΤΟΥ	ΙΟΡΔΑΝΟΥ
tauta	en	bEthabara	egeneto	peran	tou	iordanou
these	IN	BETHABARA	BECAME	OTHER-SIDE	OF-THE	JORDAN
these-things		ليس في المخطوط	occurred			
ΟΠΟΥ ΗΝ ΙΩΑΝΝΗΣ ΒΑΠΤΙΖΩΝ						

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
النسخة العربية: تكتب: (ابن الله ó υἱὸς τοῦ θεοῦ (السينائية: تكتب بدلا منها: (مختار الله (εκλεκτος του ΘΥ	٣٤ وَأَنَا قَدْ رَأَيْتُ وَشَهِدْتُ أَنَّ هَذَا هُوَ ابْنُ اللَّهِ".	وأنا رأيت وشهدت أنه هو مختار الله	34 And I have seen, and I have testified that this is the chosen of God.	M-01A John 1:34 Καγω εωρακα και μεμαρτυρηκα οτι ουτος εστιν ο εκλεκτος του ΘΥ (Jn. 1:34 M-01A)	يو1-34
قام النساخ بتغيير قراءة (مختار الله) إلي (ابن الله) لثلاثة أسباب:					التعليق
<p>1- لأن قراءة (مختار الله) تدعم عقيدة هرطقة البنويين adoptionism الذين لا يعتبرون المسيح ابن الله منذ الأزل, إنما يعتبرون الأب قد تبناه واختاره ابنا يوم المعمودية , فقرر النساخ حرمان البنويين من استعمال النص.</p> <p>2- قيامهم بكتابة قراءة (ابن الله) لأنها تدعم ألوهية يسوع وفقا للنظرة المسيحية,</p> <p>3- قراءة (ابن الله) تعطي يسوع دعما قويا حينما يشهد له يوحنا المعمدان بذلك الأمر (طمس أدلة الهراطقة) (دعم ألوهية يسوع)</p>					



1:34	ΚΑΓΩ	ΕΩΡΑΚΑ	ΚΑΙ	ΜΕΜΑΡΤΥΡΗΚΑ	ΟΤΙ	ΟΥΤΟΣ	Ε	ΤΙΝ	Ο	Υ	Ι	Ο
	kagO	heOraka	kai	memarturEka	hoti	houtos	estin	ho	huios			
	AND-I	HAVE-SEEN	AND	HAVE-witnessED	that	This	IS	THE	SON			
				have-testified		this-one						

1:34
 ΤΟΥ ΘΕΟΥ
 tou theou
 OF-THE God

ليس بالمخطوط

John 1:34

TR WH NU

ὁ υἱὸς τοῦ θεοῦ

"the Son of God"

ⱱ⁶⁶ ⱱ⁷⁵ ⱱ¹²⁰ ⱱ² A B C W Δ Θ Ψ 083

KJV NKJV RSV NRSV ESV NASB NIV TNIVmg NEBmg REBmg NIBmg NAB NI Tmg

HCSB NETmg

variant 1

ὁ εκλεκτος του θεου

"the chosen one of God"

ⱱ^{5vid} ⱱ^{106vid} ⱱ² it^a syr^{cs}

NRSVmg TNIV NEB REB

variant 2

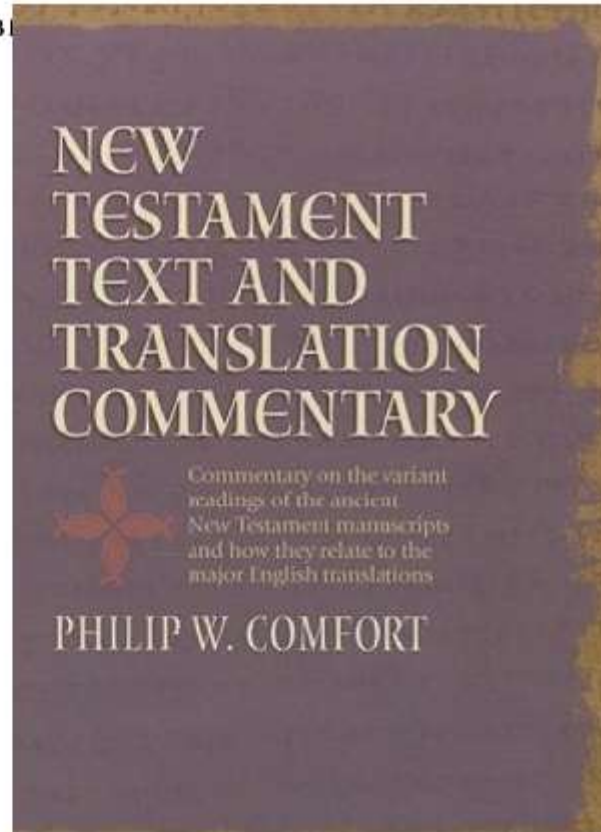
"chosen son of God"

it^a syr^{pal} cop^{sa}

NETmg

قراءة ابن الله تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا

قراءة مختار الله تمت
بواسطة الناسخ الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
النسخة العربية: تكتب النص بدون الإضافة السينائية: تضيف عبارة: (لأن خمر العرس قد فرغت τι συνετελεσθη ο οινος του γαμου)	وَلَمَّا فَرَغَتِ الْخَمْرُ، قَالَتْ أُمُّ يَسُوعَ لَهُ: "لَيْسَ لَهُمْ خَمْرٌ".	ونفدت الخمر، لأن خمر العرس قد فرغت، فقالت له أمه: ((ما بقي عندهم خمر))..	3 And they had no wine, because the wine of the marriage feast had failed. Then said the mother of Jesus to him: They have no wine	M-01A John 2:3 Και οινον ουχ ει [[χον ο] τι συνετελεσθη ο οινος του γαμου ειτα λεγει η μητηρ του ΙΥ προς αυτον Οινος ουκ εστιν	يو 2-3
قام النساخ بحذف عبارة (لأن خمر العرس قد فرغت) لأنهم شعروا بأنها بلا فائدة وأن الجملة التي قالتها مريم تكفي (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من التدخلات)					التعليق

تضيف السينائية عبارة :
لأن خمر العرس قد فرغت

ΤΙ ΣΥΝΕΤΕΛΕΣΘΗ Ο ΟΙΝΟΣ ΤΟΥ ΓΑΜΟΥ
ΕΙΤΑ

2:3 KAI ΥΣΤΕΡΗCΑΝΤΟC ΟΙΝΟΥ ΛΕΓΕΙ Η ΜΗΤΗΡ ΤΟΥ ΙΗCΟΥ
kai husterEsantos oinou legei hE mEtEr tou iEsou
AND OF-WANTing WINE IS-sayING THE MOTHER OF-THE JESUS
of-being-deficient of-wine

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص
النسخة العربية: تضيف لفظة: (وتلاميذه καὶ οἱ μαθηταὶ αὐτοῦ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢ وَبَعَدَ هَذَا انْحَدَرَ إِلَى كَفَرْنَاهُومَ، هُوَ وَأُمُّهُ وَإِخْوَتُهُ وَتَلَامِيذُهُ، وَأَقَامُوا هُنَاكَ أَيَّامًا لَيْسَتْ كَثِيرَةً	وبعد هذا انحدر إلى كفرناحوم هو وأمه وإخوته وأقاموا هناك أياما ليست كثيرة.	12 After this he went down to Capernaum, he and his mother and his brothers, and they remained there not many days.	^{M-01A} John 2:12 Μετα τουτο κατεβη εις Καφαρναουμ αυτος και η μητηρ αυτου και οι αδελφοι αυτου και εκει εμιναν ου πολλας ημερας	يو 2-12
قام النساخ بإضافة لفظة (وتلاميذه) لأنهم لاحظوا وجود التلاميذ في العرس مع يسوع (2-2): "وَدُعِيَ أَيْضًا يَسُوعُ وَتَلَامِيذُهُ إِلَى الْعُرْسِ"، فرأوا أنه من المنطقي أنه عندما يخرج يسوع من العرس إلى كفرناحوم أن يكون معه تلاميذه وإلا لماذا تركوه إذن (جعل الأمور أكثر منطقية - تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق

Joh 2:12

ΜΕΤΑ ΤΟΥΤΟ ΚΑΤΕΒΗ
ΕΙΣ ΚΑΠΕΡΝΑΟΥΜ ΑΥΤΟΣ ΚΑΙ Η
ΜΗΤΗΡ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΟΙ
ΑΔΕΛΦΟΙ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΟΙ
ΜΑΘΗΤΑΙ ΑΥΤΟΥ

Joh 2:13

ΕΜΙΝΑΝ ΟΥ ΠΟΛΛΑΣ
ΗΜΕΡΑΣ:

ΕΓΓΥΣ ΔΕ ΗΝ ΤΟ ΙΑΪ

2:12 ΜΕΤΑ ΤΟΥΤΟ ΚΑΤΕΒΗ ΕΙΣ ΚΑΠΕΡΝΑΟΥΜ ΑΥΤΟΣ ΚΑΙ Η
meta touto katebE eis kapernaoum autos kai hE
after this He-DOWN-STEPped INTO CAPERNAUM He AND THE
he-descended

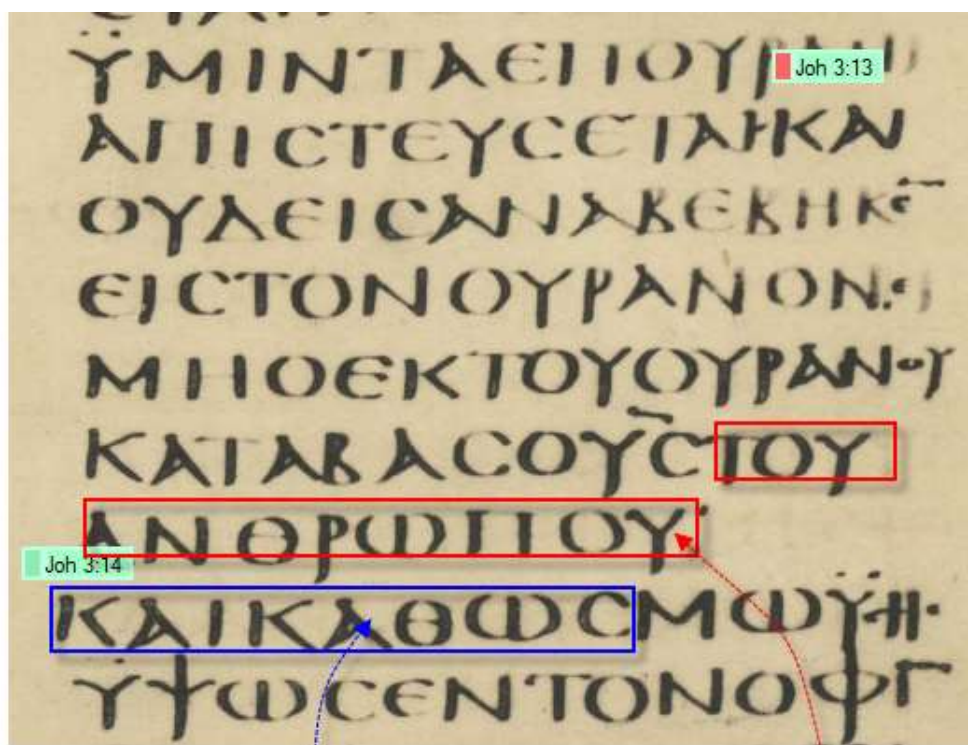
ΜΗΤΗΡ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΟΙ ΑΔΕΛΦΟΙ ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ ΟΙ ΜΑΘΗΤΑΙ ΑΥΤΟΥ
mEtEr autou kai hoi adelphoi autou kai hoi mathEtai autou
MOTHER OF-Him AND THE brothers OF-Him AND THE LEARNers OF-Him
disciples

وَهناك
ΚΑΙ ΕΚΕΙ ΕΜΙΝΑΝ ΟΥ ΠΟΛΛΑΣ ΗΜΕΡΑΣ
kai ekei eminan ou pollas hEmeras
AND there THEY-REMAIN NOT MANY DAYS

وتلاميذه
ΚΑΙ ΟΙ ΜΑΘΗΤΑΙ ΑΥΤΟΥ
kai hoi mathEtai autou
AND THE LEARNers OF-Him
disciples

غير موجود بالمخطوط

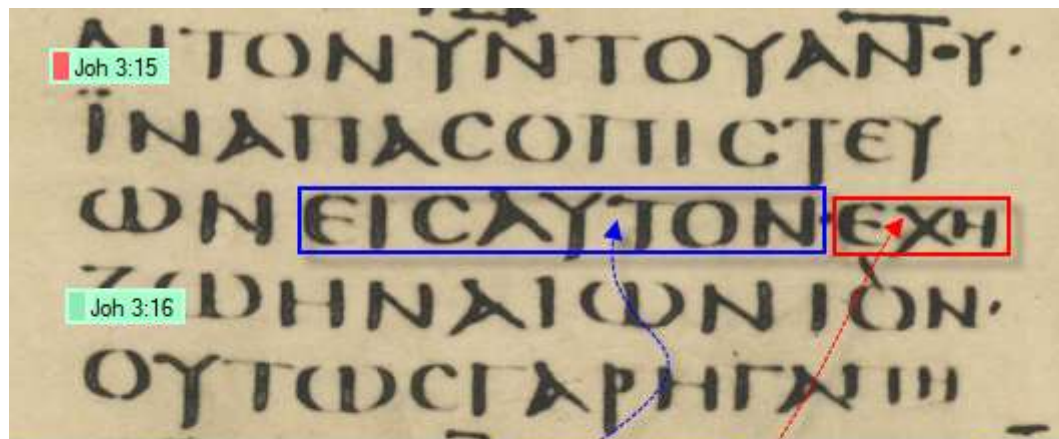
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (الذي هو في السماء) (ὁ ὢν ἐν τῷ οὐρανῷ) السينائية: العبارة غير موجودة	السَّمَاوِيَّاتِ؟ ١٣ وَلَيْسَ أَحَدٌ صَعِدَ إِلَى السَّمَاءِ إِلَّا الَّذِي نَزَلَ مِنَ السَّمَاءِ، ابْنُ الْإِنْسَانِ الَّذِي هُوَ فِي السَّمَاءِ.	وليس أحد صعد إلى السماء إلا الذي نزل من السماء ابن الإنسان	13 And no one has ascended into heaven but he that came down from heaven, the Son of man	M-01A John 3:13 Και ουδεις αναβηκε̅ εις τον ουρανον ει μη ο εκ του ουρανου καταβας ο ΥΣ του ανθρωπου (Jn. 3:13 M-01A)	يو-3-13	7
أضاف النساخ عبارة (الذي هو في السماء) من أجل: - التأكيد على ألوهية يسوع , حيث أنه وهو في الارض إلا أنه موجود في نفس الوقت في السماء - إقصاء العقيدة القائلة بأن الإله موجود في السماء فقط , فوجوده في السماء والأرض معا يعني وجوده في كل مكان (دعم ألوهية يسوع) (طمس العقائد المخالفة)					التعليق	



3:13	ΚΑΙ ΟΥΔΕΙΣ	ΑΝΑΒΕΒΗΚΕΝ	ΕΙΣ	ΤΟΝ ΟΥΡΑΝΟΝ	ΕΙ ΜΗ Ο	ΕΚ
	kai oudeis	anabebEken	eis	ton ouranon	ei mE ho	ek
	AND NOT-YET-ONE	HAS-UP-STEPPED	INTO	THE heaven	IF NO THE	OUT
	no-one	has-ascended			the-one	
	ΤΟΥ ΟΥΡΑΝΟΥ	ΚΑΤΑΒΑΣ	Ο ΥΙΟΣ	ΤΟΥ ΑΝΘΡΩΠΟΥ	Ο	ὢΝ ΕΝ
	tou ouranou	katabas	ho huios	tou anthrOpou	ho On	en
	OF-THE heaven	DOWN-STEPPing	THE SON	OF-THE human	THE-One	BEING IN
		descending			the-one	
	ΤΩ ΟΥΡΑΝΩ					
	to ourano					
	THE heaven					
3:14	ΚΑΙ ΚΑΘΩC	ΜΩCΗC	ΥΨΩCΕΝ	ΤΟΝ ΟΦΙΝ	ΕΝ ΤΗ ΕΡΗΜΩ	
	kai kathOs	mOsEs	hupsOsen	ton ophin	en tE erEmO	
	AND according-AS	MOSES	HEIGHTens	THE serpent	IN THE DESOLATE	

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

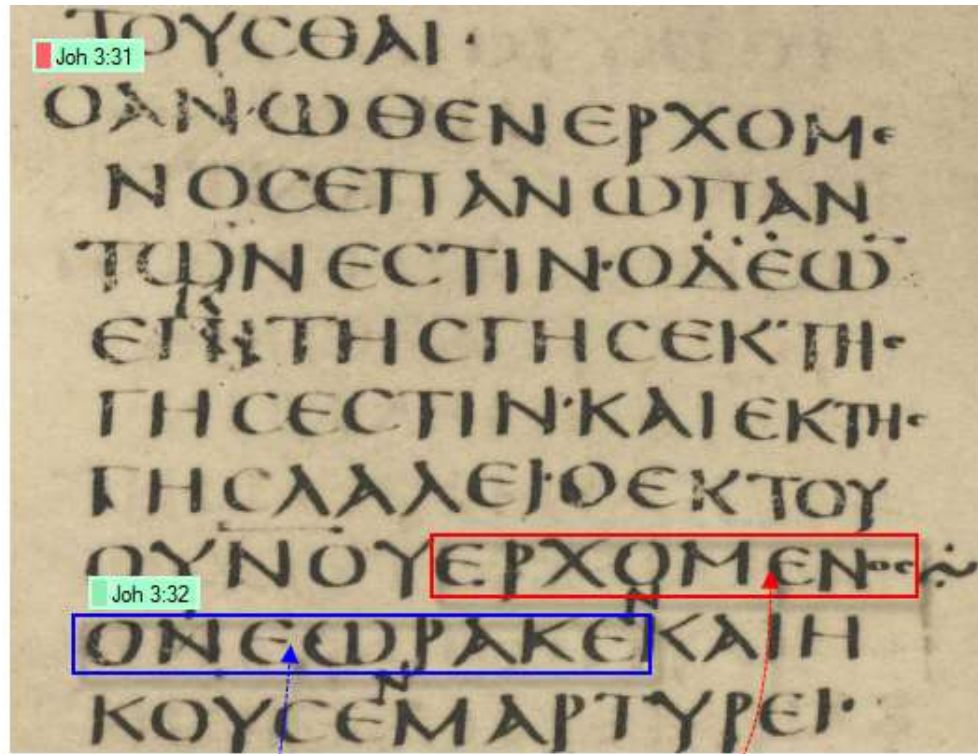
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (لكي لا يهلك) (μη ἀπόληται ἀλλ') السينائية: العبارة غير موجودة	لِكَيْ لَا يَهْلِكَ كُلُّ مَنْ يُؤْمِنُ بِهِ بَلْ تَكُونُ لَهُ الْحَيَاةُ الْأَبَدِيَّةُ.	لكي يكون لكل من يؤمن به الحياة الأبدية	15 that every one that believes in him may have life eternal.	M-01A John 3:15 ἵνα πᾶς ὁ πιστεύων εἰς αὐτὸν ἐχῆ ζῶναι αἰώνιον (Jn. 3:15 M-01A)	يو3-15	8
أضاف النساخ عبارة (لكي لا يهلك) للتأكيد على أهمية الفداء والصلب الذي ذكره في النص السابق (3-15). (دعم عقيدة الفداء والصلب)					التعليق	



3:15	ἵνα	πᾶς	ὁ	πιστεύων	εἰς	αὐτὸν	μη	ἀπολήται	
	hina	pas	ho	pisteuOn	eis	auton	mE	apolEtai	
	THAT	EVERY	THE	one-BELIEVING	INTO	Him	NO	SHOULD-BE-belIEG-destroyED	
				one-believing				should-be-perishing	
	ἀλλ'	ἐχῆ	ζῶναι	αἰώνιον					
	all	echE	zOEn	aiOnion					
	but	MAY-BE-HAVING	LIFE	eonian					
3:16	οὕτως	γὰρ	ἠγάπησεν	ὁ	θεὸς	τὸν	κόσμον	ὥστε	τὸν
	houtOs	gar	EgapEsen	ho	theos	ton	kosmon	hOste	ton
	thus	for	LOVES	THE	God	THE	SYSTEM	AS-BESIDES	THE
							world	so-that	

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (هو فوق الجميع ἐπάνω πάντων ἐστί.) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٣١ الَّذِي يَأْتِي مِنْ فَوْقْ هُوَ فَوْقَ الْجَمِيعِ، وَالَّذِي مِنْ الْأَرْضِ هُوَ أَرْضِيٌّ، وَمَنْ الْأَرْضِ يَتَكَلَّمُ. الَّذِي يَأْتِي مِنَ السَّمَاءِ هُوَ فَوْقَ الْجَمِيعِ، ٣٢ وَمَا رَأَهُ وَسَمِعَهُ بِهِ يَشْهَدُ، وَشَهَادَتُهُ لَيْسَ أَحَدٌ يَقْبَلُهَا.</p>	<p>الذي يأتي من فوق هو فوق الجميع والذي من الأرض هو أرضي ومن الأرض يتكلم. الذي يأتي من السماء يشهد بما رآه وسمعه، وشهادته ليس أحد يقبلها</p>	<p>31 He that comes from above is over all: he that is of the earth is of the earth and speaks of the earth. He that comes from heaven 32 testifies of what he has seen and heard, and his testimony no one receives.</p>	<p>M-01A John 3:31 Ο ανωθεν ερχομενος επανω παντων εστιν Ο δε ω̄ επι της γης εκ της γης εστιν και εκ της γης λαλει ο εκ του ΟΥΝΟΥ ερχομενος M-01A John 3:32 ον εωρακε και ηκουσε μαρτυρει και την μαρτυριαν αυτου ουδεις λαμβάνει (Jn. 3:32 M-01A)</p>	يو: 3: 31-32	9
أضاف النساخ عبارة (هو فوق الجميع) من أجل دعم ألوهية يسوع، فالذي فوق الجميع هو الإله. (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	



Joh 3:31

Joh 3:32

3:31	Ο	ΑΝΩΘΕΝ	ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ	ΕΠΑΝΩ	ΠΑΝΤΩΝ	ΕΣΤΙΝ	Ο	ΩΝ
	ho	anOthen	erchomenos	epanO	pantOn	estin	ho	On
	THE-One	UP-PLACE	COMING	ON-UP	OF-ALL	IS	THE	one-BEING
	the-one	from-above		over	all			one-being
	ΕΚ	ΤΗΣ	ΓΗΣ	ΕΚ	ΤΗΣ	ΓΗΣ	ΕΣΤΙΝ	ΚΑΙ
	ek	tEs	gEs	ek	tEs	gEs	estin	kai
	OUT	OF-THE	LAND	OUT	OF-THE	LAND	IS	AND
		earth			earth	is-speaking		
	ΕΚ	ΤΗΣ	ΓΗΣ	ΛΑΛΕΙ				
	ek	tEs	gEs	lalei				
	OUT	OF-THE	LAND	IS-TALKING				
		earth						
	Ο	ΕΚ	ΤΟΥ	ΟΥΡΑΝΟΥ	ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ	ΕΠΑΝΩ	ΠΑΝΤΩΝ	ΕΣΤΙΝ
	ho	ek	tou	ouranou	erchomenos	epanO	pantOn	estin
	THE-One	OUT	OF-THE	heaven	COMING	ON-UP	OF-ALL	IS
	the-one					over	all	
3:32	ΚΑΙ	Ο	ΕΩΡΑΚΕΝ	ΚΑΙ	ΗΚΟΥΣΕΝ	ΤΟΥΤΟ	ΜΑΡΤΥΡΕΙ	ΚΑΙ
	kai	ho	heOraken	kai	Ekousen	touto	marturei	kai
	AND	WHICH	He-HAS-SEEN	AND	HEARS	this	He-IS-witnessING	AND
							he-is-testifying	THE

الذي يأتي

هو فوق الجميع

ليس بالمخطوط

وماراه

John 3:31-32

TR WH NU

ὁ ἐκ τοῦ οὐρανοῦ ἐρχόμενος [ἐπάνω πάντων ἐστίν]·
 32 ὃ ἑώρακεν καὶ ἤκουσεν τοῦτο μαρτυρεῖ
 "the one coming from heaven is above all. 32 What he sees and hears this he
 testifies."

قراءة الإضافة تمت
 بواسطة ناسخ متأخر
 زمنيا

Ⓟ^{36vid} (Ⓟ^{66*} omits ἐρχομενος) Ⓟ^{66c2} Ⓝ² B L W³ Ψ 083 086 33 f¹³ Maj syr^{h4s}
 copb/A/A Θ 005 add καὶ at beginning of 3:32

KJV NKJV RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEBmg REBmg NJBmg NAB NLT HCSB
 NET

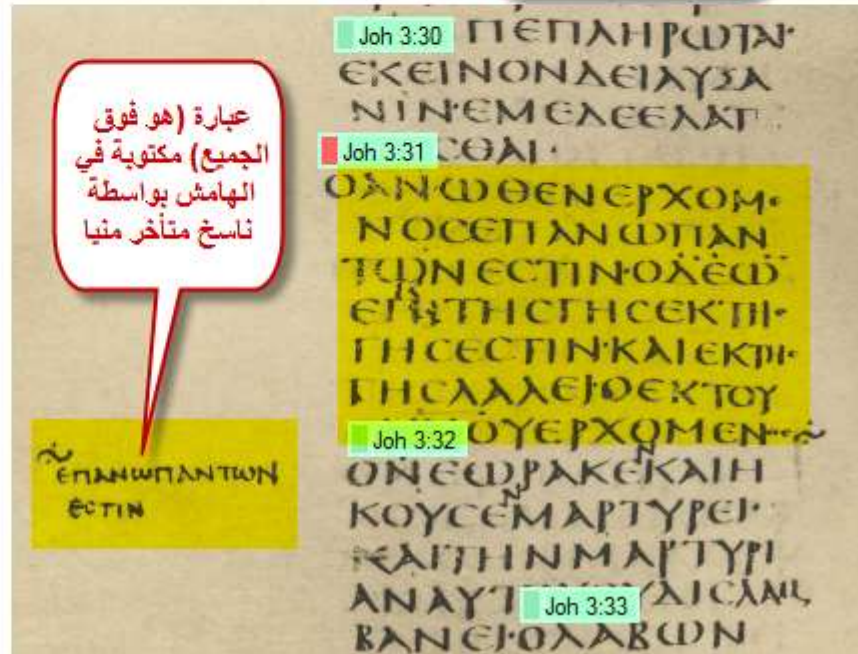
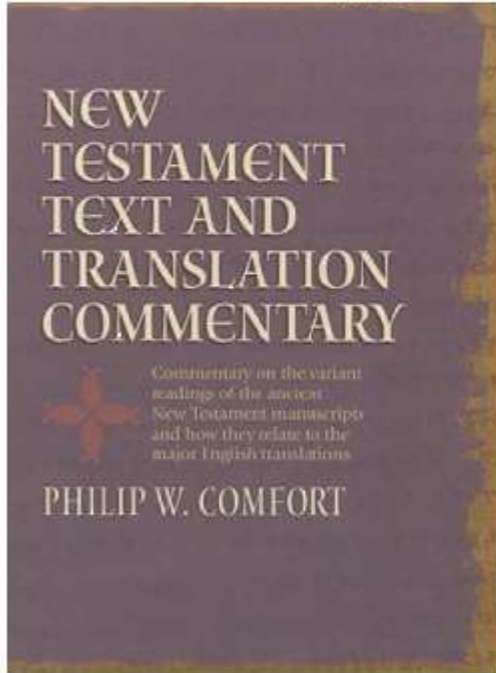
ο εκ του ουρανου ερχομενος 32ο εωρακεν και ηκουσεν
 τουτο μαρτυρει.

"the one coming from heaven 32 testifies that which he has seen and heard."

Ⓟ⁷⁵ it syr^c cop^{sa} Origen (Ⓝ^{*} D f¹ omit τοῦτο)

NEB REB NJB NLTmg NETmg

قراءة الحذف تمت
 بواسطة الناسخ الأصلي



عبارة (هو فوق
 الجميع) مكتوبة في
 الهامش بواسطة
 ناسخ متأخر منيا

ΕΠΑΝΩ ΠΑΝΤΩΝ
 ΕΣΤΙΝ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر عبارة: (الرب ὁ Κύριος) السينائية: تكتب بدلا منها: (يسوع Ἰησους)	أَقْلَمًا عَلِمَ الرَّبُّ أَنَّ الْفَرِيسِيِّينَ سَمِعُوا أَنَّ يَسُوعَ يُصَيِّرُ وَيُعَمِّدُ تَلَامِيذَ أَكْثَرَ مِنْ يُوْحَنَّا،	فلما علم يسوع أن الفرسيين سمعوا أن يسوع يصير ويعمد تلاميذ أكثر من يوحنا.	4:1 When therefore Jesus knew that the Pharisees had heard that Jesus was making and baptizing more disciples than John.	^{M-01A} John 4:1 Ὡς οὐκ εἶδεν ὁ Ἰησους ὅτι ἠκούσαν οἱ Φαρισαῖοι ὅτι Ἰησους ποιοῦν καὶ βαπτίζει ἢ Ἰωάννης (Jn. 4:1 M-01A)	يو 4-1	10
قام النساخ بتغيير النص من لفظة (يسوع) إلى لفظة (الرب) لسببين: - دعم ألوهية يسوع - إزالة الثقل الذي ينشأ من تكرار لفظة يسوع مرتان (تحسين النص)					التعليق	

نقطة (يسوع)
مكتوبة بطريقة
الاختصار المقدس
ΙΗΣ

Joh 4:1

ΩC OYN ΕΓΝΩ Ο ΚΥΡΙΟΣ ΟΤΙ ΗΚΟΥCΑΝ ΟΙ ΦΑΡΙCΑΙΟΙ ΟΤΙ

Joh 4:2

4:1 ΩC OYN ΕΓΝΩ Ο ΚΥΡΙΟΣ ΟΤΙ ΗΚΟΥCΑΝ ΟΙ ΦΑΡΙCΑΙΟΙ ΟΤΙ
hOs oun egnO ho kurios hoti Ekousan hoi pharisaioi hoti
AS THEN KNEW THE Master that HEAR THE PHARISEES that

محذوف من المخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
11	يو-4-9	M-01A John 4:9 Λεγει αυτω η γυνη η Σαμαριτις Πως συ Ιουδαιος ων παρ εμου πιν αιτις γυναικος Σαμαριτιδος ουσης (Jn. 4:9 M-01A)	9 The woman, who was a Samaritan, says to him: How dost thou, being a Jew, ask drink of me, who am a woman of Samaria?	فقلت له المرأة السامرية: «كيف تطلب مني لتشرب وأنت يهودي وأنا امرأة سامرية؟»	٩ فَقَالَتْ لَهُ الْمَرْأَةُ السَّامِرِيَّةُ: "كَيْفَ تَطْلُبُ مِنِّي لِتَشْرَبَ، وَأَنْتَ يَهُودِيٌّ وَأَنَا امْرَأَةٌ سَامِرِيَّةٌ؟" لِأَنَّ الْيَهُودَ لَا يُعَامِلُونَ السَّامِرِيِّينَ.	وجه الاختلاف النسخة العربية: تضيف عبارة: (لأن اليهود لا يعاملون السامريين Ου γαρ συγχρονται Ιουδαιοι Σαμαρειταις) السينائية: العبارة غير موجودة
						التعليق أضاف النساخ عبارة (لأن اليهود لا يعاملون السامريين) لسببين: 1- لتوضيح سبب استنكار المرأة واستفهامها 2- إظهار ثورة المسيحية على تقليد اليهود من خلال رفض يسوع لتصرفاتهم، بما يصب في صالح الفلسفة العامة التي أسسها بولس وهي إلغاء الشريعة (تحسين النص) (إلغاء الشريعة)

Joh 4:9

ΑΓΟΡΑΣΩΣΙΝ ΛΕΓΕΙ ΟΥΝ
ΑΥΤΩ Η ΓΥΝΗ Η ΣΑ
ΜΑΡΙΤΙΣ ΤΙ ΤΩΣΣΥ
ΔΙΟΣ ΩΝ ΠΑΡ ΕΜΟΥ
ΠΙΝΑΙΤΙΣ ΓΥΝΑΙΚΟΣ

Joh 4:10

ΑΠΕΚΡΙΘΗ ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ
ΑΥΤΗ ΕΙ ΗΔΕΙΣ ΤΗΝ

4:9 ΛΕΓΕΙ ΟΥΝ ΑΥΤΩ Η ΓΥΝΗ Η ΣΑΜΑΡΕΙΤΙΣ ΠΩΣ ΣΥ
legei oun auto he gunE he samareitis pOs su
IS-sayNG THEN to-Him THE WOMAN THE SAMARitan how YOU
how?

ΙΟΥΔΑΙΟΣ ΩΝ ΠΑΡ ΕΜΟΥ ΠΙΝ ΑΙΤΕΙΣ ΟΥΣΗΣ
ioudaios On par emou pin aiteis ousEs
JUDA-an BEING BESIDE ME TO-BE-DRINKING ARE-REQUESTING OF-BEING
Jew

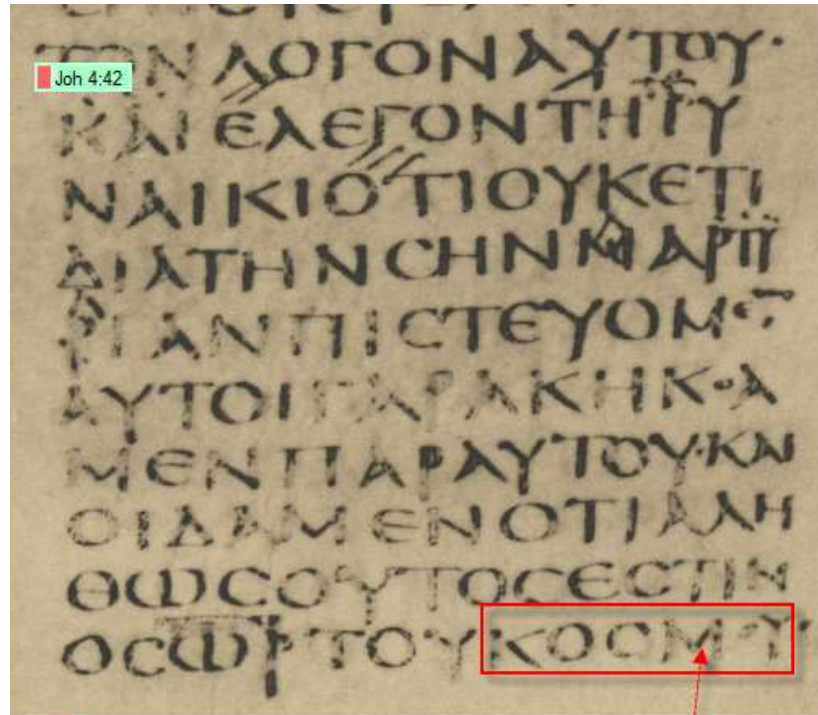
ΓΥΝΑΙΚΟΣ ΣΑΜΑΡΕΙΤΙΔΟΣ ΟΥ ΓΑΡ ΣΥΓΧΡΩΝΤΑΙ ΙΟΥΔΑΙΟΙ
gunaikos samareitidos ou gar sugchrontai ioudaioi
WOMAN SAMARitan NOT for ARE-TOGETHER-USING JUDA-ans
are-being-beholden-to Jews

السامريين
ΣΑΜΑΡΕΙΤΑΙΣ
samareitais
to-SAMARitans

المظلل غير موجود بالمخطوط

4:10 ΑΠΕΚΡΙΘΗ ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΗ ΕΙ ΗΔΕΙΣ ΤΗΝ
apekrithE IEsous kai eipen autE ei Edeis tEn
answerED JESUS AND said to-her IF YOU-HAD-PERCEIVED THE

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (المسيح. ὁ Χριστός.) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤٢ وَقَالُوا لِلْمَرْأَةِ: «إِنَّا لَسْنَا بَعْدُ بِسَبَبِ كَلَامِكَ نُؤْمِنُ، لِأَنَّنا نَحْنُ قَدْ سَمِعْنَا وَنَعْلَمُ أَنَّ هَذَا هُوَ بِالْحَقِيقَةِ الْمَسِيحُ مُخْلِصُ الْعَالَمِ»	وقالوا للمرأة: «إننا لسنا بعد بسبب كلامك نؤمن لأننا نحن قد سمعنا ونعلم أن هذا هو بالحقيقة مخلص العالم».	42 and said to the woman: We no longer believe because of thy saying; for we ourselves have heard, and know that this is in truth the Saviour of the world	M-01A John 4:42 και ελεγον τη γυναικι οτι ουκετι δια την στην μαρτυριαν πιστευομε αυτοι γαρ ακηκοαμεν παρ αυτου και οιδαμεν οτι αληθως ουτος εστιν ο ΣΩΤΗΡ του κοσμου	يو4-42	12
	أضاف النساخ لفظة (المسيح) على لسان السامريين من أجل إثبات ان جميع اليهود اعترفوا بمسيانيته بما فيهم السامريين. (دعم مسيانية يسوع)				التعليق	



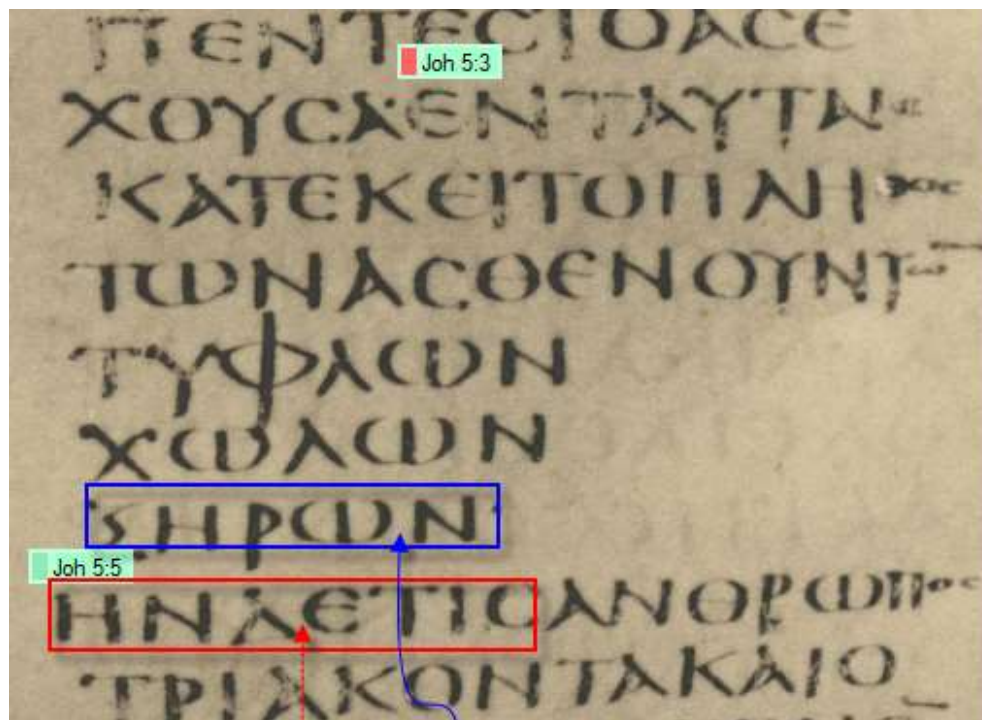
4:42	TH	TE	ΓΥΝΑΙΚΙ	ΕΛΕΓΟΝ	ΟΤΙ	ΟΥΚΕΤΙ	ΔΙΑ	ΤΗΝ	CHN
	tē	te	gunaiki	elegon	hoti	ouketi	dia	tēn	sēn
	to-THE	BESIDES	WOMAN	THEY-said	that	NOT-STILL	THRU	THE	YOU
						no-longer	because-of		your
	ΛΑΛΙΑΝ	ΠΙΣΤΕΥΟΜΕΝ	ΑΥΤΟΙ	ΓΑΡ	ΑΚΗΚΟΑΜΕΝ	ΚΑΙ	ΟΙΔΑΜΕΝ		
	lalian	pisteuomen	autoi	gar	akEkoamen	kai	oidamen		
	TALK	WE-ARE-BELIEVING	SAME	for	WE-HAVE-HEARD	AND	WE-HAVE-PERCEIVED		
	speaking		ourselves		we-have-heard-him		we-are-aware		
	ΟΤΙ	ΟΥΤΟΣ	ΕΣΤΙΝ	ΑΛΗΘΩΣ	Ο	ΣΩΤΗΡ	ΤΟΥ	ΚΟΣΜΟΥ	Ο
	hoti	houtos	estin	alEthOs	ho	sOter	tou	kosmou	ho
	that	this	IS	TRUly	THE	SAVIOUR	OF-THE	SYSTEM	THE
								world	

المسيح
ΧΡΙΣΤΟΣ
christos
ANointed
Christ

غير موجود
بالمخطوط



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف المقطع كاملاً: يَتَوَقَّعُونَ تَحْرِيكَ الْمَاءِ. ٤ لِأَنَّ مَلَكَأَ كَانَ يَنْزِلُ أَحْيَانًا فِي الْبِرْكَةِ وَيُحَرِّكُ الْمَاءِ. فَمَنْ نَزَلَ أَوَّلًا بَعْدَ تَحْرِيكِ الْمَاءِ كَانَ يَبْرَأُ مِنْ أَيِّ مَرَضٍ اعْتَرَاهُ.</p> <p>ἐκδεχομένων τὴν τοῦ ὑδατος κίνησιν. (Jn. 5:3 SCR) SCR John 5:4 ἄγγελος γὰρ κατὰ καιρὸν κατέβαινεν ἐν τῇ κολυμβήθρᾳ, καὶ ἐτάρασσε τὸ ὕδωρ· ὁ οὖν πρῶτος ἐμβὰς μετὰ τὴν ταραχὴν τοῦ ὑδατος, ὑγιῆς ἐγένετο, ὃ δὴ ποτε κατείχετο νοσήματι. (Jn. 5:4 SCR) السينائية: المقطع بالكامل غير موجود</p>	<p>٣ فِي هَذِهِ كَانَ مُضْطَجِعًا جُمْهُورٌ كَثِيرٌ مِنْ مَرَضَى وَعُمَى وَعُرْجٍ وَعَسْمٍ، يَتَوَقَّعُونَ تَحْرِيكَ الْمَاءِ. ٤ لِأَنَّ مَلَكَأَ كَانَ يَنْزِلُ أَحْيَانًا فِي الْبِرْكَةِ وَيُحَرِّكُ الْمَاءِ. فَمَنْ نَزَلَ أَوَّلًا بَعْدَ تَحْرِيكِ الْمَاءِ كَانَ يَبْرَأُ مِنْ أَيِّ مَرَضٍ اعْتَرَاهُ.</p>	<p>3. في هذه كان مضطجعا جمهور كثير من مرضى و عمي وعرج و عسم . 4. محذوف</p>	<p>3 In these lay a multitude of sick persons, blind, lame, withered. 4 [no verse]</p>	<p>M-01A John 5:3 Ἐν ταυταῖς κατεκειτο πληθος των ασθενουντων τυφλων χωλων ξηρων (Jn. 5:3 M- 01A)</p> <p>M-01A John 5:4 [no verse]</p>	يو 5: 3-4	14
<p>أضاف النساخ هذا المقطع من أجل تقديم مبرر لسبب اجتماع العرج والعمي والعسم في هذا المكان, فهل اجتمعوا في هذا المكان مصادفة؟ بالتأكيد لا, فكان المقطع هو الرد المناسب, القصة بالكامل كانت ستصبح محل شك لو لم يتم تفسير الأمر (جعل الأمور أكثر منطقية) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات) (انقاذ المؤلف)</p>					<p>التعليق</p>	



Joh 5:3

Joh 5:5

5:3 ΕΝ ΤΑΥΤΑΙΣ ΚΑΤΕΚΕΙΤΟ ΠΛΗΘΟΣ ΠΟΛΥ ΤΩΝ ΑΣΘΕΝΟΥΝΤΩΝ
 en tautais katekeito plethos polu ton asthenounton
 IN these was-DOWN-LAID multitude MANY OF-THE ones-beING-UN-FIRM
 was-laid-down vast ones-being-in firm

ΤΥΦΛΩΝ ΧΩΛΩΝ ΣΗΡΩΝ ΕΚΔΕΧΟΜΕΝΩΝ ΤΗΝ ΤΟΥ ΥΔΑΤΟΣ
 tuphlon cholon xeron ekdechomenon tēn tou hudatos
 OF-BLIND OF-LAME OF-DRY OF-OUT-RECEIVING THE OF-THE water
 of-blind-ones lame-ones withered-ones waiting-for

يتوقعون تحريك الماء

عسم

المطلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

KINHCIN
 kinEsin
 STIRRING

لأن ملاكاً كان ينزل أحياناً في البركة ويحرك الماء.

5:4 ΑΓΓΕΛΟΣ ΓΑΡ ΚΑΤΑ ΚΑΙΡΟΝ ΚΑΤΕΒΑΙΝΕΝ ΕΝ ΤΗ ΚΟΛΥΜΒΗΘΡΑ
 aggelos gar kata kairon katebainen en tē kolumbēthra
 MESSENGER for according-to SEASON DOWN-STEPPED IN THE SWIMMING-pool
 #cat-certain descended pool

ΚΑΙ ΕΤΑΡΑΣΣΕΝ ΤΟ ΥΔΩΡ Ο ΟΥΝ ΠΡΩΤΟΣ ΕΜΒΑΣ ΜΕΤΑ ΤΗΝ
 kai etarassen to hudor ho oun protos embas meta tēn
 AND DISTURBED THE water THE THEN BEFORE-most ON-STEPPING after THE
 فمن نزل أولاً بعد تحريك الماء كان يبراً من

ΤΑΡΑΧΗΝ ΤΟΥ ΥΔΑΤΟΣ ΥΓΙΗΣ ΕΓΙΝΕΤΟ Ω ΔΗΠΟΤΕ
 tarachēn tou hudatos huiēs egineto hō dēpote
 DISTURBance OF-THE water SOUND BECAME to-WHICH BIND-?-THE-BESIDES
 whatsoever

ΚΑΤΕΙΧΕΤΟ ΝΟΣΗΜΑΤΙ ΑΪ ΜΡΥΣ ΑΕΤΡΑΗ.
 kateicheto nosēmati ai mys aetraē.
 he-was-DOWN-HAD DISEASE he-was-held

5:5 ΗΝ ΔΕ ΤΙΣ ΑΝΘΡΩΠΟΣ ΕΚΕΙ ΤΡΙΑΚΟΝΤΑ ΚΑΙ ΟΚΤΩ ΕΤΗ
 en de tis anthrōpos ekei triakonta kai oktō etē
 WAS YET ANY human there THREE-TY AND EIGHT YEARS
 certain thirty

وكان هناك

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (ويطلبون أن يقتلوه και ἐζήτουν αὐτὸν ἀποκτεῖναι) السينائية: العبارة غير موجودة	٦ وَلِهَذَا كَانَ الْيَهُودُ يَطْرُدُونَ يَسُوعَ، وَيَطْلُبُونَ أَنْ يَقْتُلُوهُ، لِأَنَّهُ عَمِلَ هَذَا فِي سَبْتٍ.	ولهذا كان اليهود يطردون يسوع لأنه عمل هذا في سبت	16 And for this reason the Jews persecuted Jesus, because he did these things on the sabbath.	M-01A John 5:16 Και δια τουτο εδιωκον οι Ιουδαιοι τον ΙΝ οτι ταυτα εποιη εν σαββατω (Jn. 5:16 M-01A)	يو5-16	15
<p>أضاف النساخ عبارة (ويطلبون أن يقتلوه) لسببين:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - علاج الخطأ الذي وقع فيه يوحنا لأنه ليس في شريعة اليهود أن من صنع شيئاً في السبت يطرد إنما يقتل كما في الخروج (15-31) - تشويه صورة اليهود وإظهار شدة معاداتهم للمسيح. <p>(تشويه صورة اليهود) (انقاذ المؤلف) (تصحيح الأخطاء)</p>					التعليق	

Joh 5:16

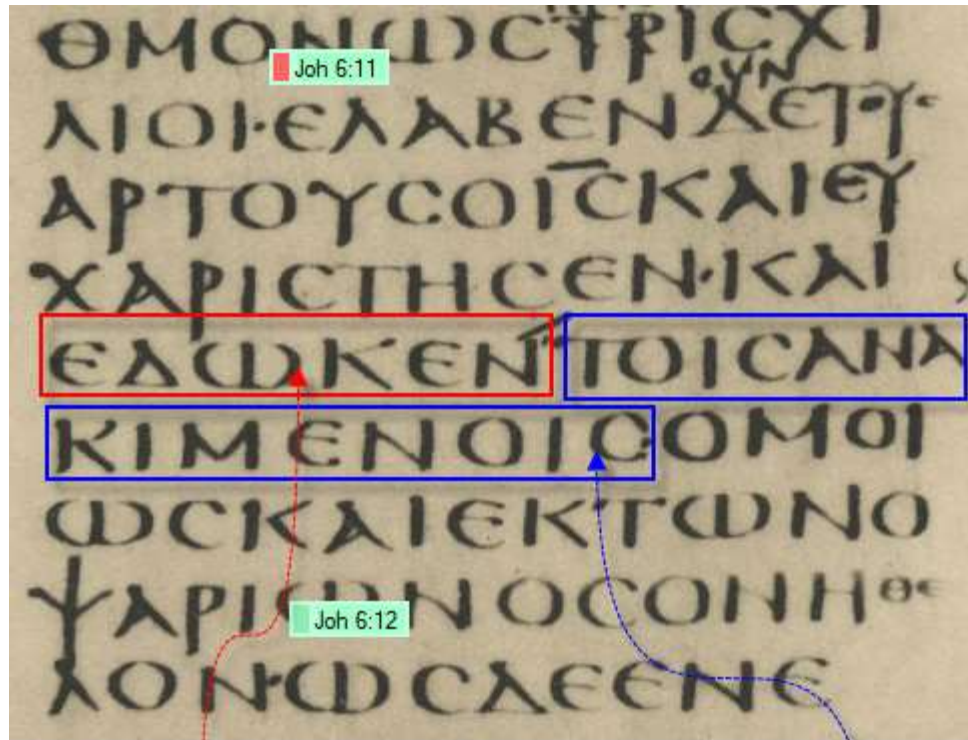
Joh 5:17

كلمة يسوع مكتوبة بطريقة الاختصار المقدس **ΙΝ**

5:16	ΚΑΙ ΔΙΑ	ΤΟΥΤΟ ΕΔΙΩΚΟΝ	ΤΟΝ ΙΗΣΟΥΣ	ΟΙ ΙΟΥΔΑΙΟΙ	ΚΑΙ
	kai dia	touto ediOkon	ton iEsoun	hoi ioudaioi	kai
	AND THRU	this CHASED	THE JESUS	THE JUDA-ans	AND
	because-of	persecuted		Jews	
	ΕΖΗΤΟΥΝ ΑΥΤΟΝ ΑΠΟΚΤΕΙΝΑΙ	ΟΤΙ ΤΑΥΤΑ	ΕΠΟΙΕΙ	ΕΝ ΣΑΒΒΑΤΩ	
	ezEtoun auton apokteinai	hoti tauta	epoiei	en sabbatO	
	SOUGHT Him TO-FROM-KILL	that these	He-DID	IN SABBATH	
		these-things			

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (التلاميذ، والتلاميذ أعطوا) τοῖς μαθηταῖς, οἱ δὲ μαθηταὶ) السينائية: العبارة غير موجودة	١١ وَأَخَذَ يَسُوعُ الْأَرْغَفَةَ وَشَكَرَ، وَوَزَعَ عَلَى التَّلَامِيذِ، وَالتَّلَامِيذُ أَعْطَوْا الْمُتَمَكِّنِينَ. وَكَذَلِكَ مِنَ السَّمَكَيْنِ بِقَدْرِ مَا شَاءُوا.	وأخذ يسوع الأربعة وشكر ووزع على التلاميذ المتكئين. وكذلك من السمكتين بقدر ما شاعوا	11 Jesus therefore took the loaves, and gave thanks, and gave to those that reclined; in like manner also of the fishes as much as they wished.	M-01A John 6:11 Ἐλαβεν δε τους αρτους ο Ἰησους και ευχαριστησεν και εδωκεν τοις ανακειμενοις ομοιος και εκ των οψαριων οσον ηθελον	يو-6-11	16
	لاحظ النساخ أن يوحنا كتب كلاما مناقضا لما كتبه متى في (14-19) حيث ذكر متى أن يسوع أعطى الأربعة على التلاميذ والتلاميذ هم من وزعوا على الناس المتكئين، لكن يوحنا ذكر هنا أن يسوع هو الذي أعطى بنفسه مباشرة الأربعة للمتكئين فأضاف النساخ عبارة (التلاميذ ، والتلاميذ أعطوا) لجعل النصين متماثلين ويختفي التناقض (علام التناقضات - إنقاذ المؤلف)				التعليق	



6:11	ΕΛΑΒΕΝ	ΔΕ	ΤΟΥΣ	ΑΡΤΟΥΣ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΚΑΙ	ΕΥΧΑΡΙΣΤΗΣΑΣ
	elaben	de	tous	artous	ho	iEsous	kai	eucharistEsas
	GOT	YET	THE	BREADS	THE	JESUS	AND	thank.ing
	took			bread(P)				giv.ing-thanks
	ΔΙΕΔΩΚΕΝ	ΤΟΙΣ	ΜΑΘΗΤΑΙΣ	ΟΙ	ΔΕ	ΜΑΘΗΤΑΙ	ΤΟΙΣ	ΑΝΑΚΕΙΜΕΝΟΙΣ
	diedOken	tois	mathEtais	hoi	de	mathEtai	tois	anakeimenois
	He-THRU-GIVES	to-THE	LEARNers	THE	YET	LEARNers	to-THE	ones-UP-LYING
	he-distributes-if		disciples			disciples		ones-lying-back
	ΟΜΟΙΩΣ	ΚΑΙ	ΕΚ	ΤΩΝ	ΟΨΑΡΙΩΝ	ΟΣΟΝ	ΗΘΕΛΟΝ	
	homoiOs	kai	ek	tOn	opsariOn	hoson	Ethelon	
	LIKE-AS	AND	OUT	OF-THE	PROVISIONS	as-much-as	THEY-WILLED	
	likewise	also			food-fishes			

محذوف من المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (وأمة και την μητέρα) السينائية: الكلمة غير موجودة	٤٢ وَقَالُوا: "أَلَيْسَ هَذَا هُوَ يَسُوعَ بْنَ يُوسُفَ، الَّذِي نَحْنُ عَارِفُونَ بِأَبِيهِ وَأُمِّهِ؟ فَكَيْفَ يَقُولُ هَذَا: إِنِّي نَزَلْتُ مِنَ السَّمَاءِ؟"	وقالوا: «أليس هذا هو يسوع بن يوسف الذي نحن عارفون بأبيه. فكيف يقول هذا: إني نزلت من السماء؟»	42 and they said: Is not this Jesus the son of Joseph, whose father we know? How now says this man: I have come down from heaven?	M-01A John 6:42 Και ελεγον Ουχ ουτος εστιν Ι̅Σ̅ ο Υ̅Σ̅ Ιωσηφ ου ημης οίδαμεν και τον πατερα Πως ουν ουτος λεγει εγω Εκ του ουρανου καταβηκα	يو6-42	17
أضاف النساخ لفظة (وأمة) لأن اليهود لا يعرفون أباه فقط إنما أباه وأمه (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	

6:42	ΚΑΙ	ΕΛΕΓΟΝ	ΟΥΧ	ΟΥΤΟΣ	ΕΣΤΙΝ	ΙΗΣΟΥΣ	Ο	ΥΙΟΣ	ΙΩΣΗΦ
	kai	elegon	ouch	houtos	estin	iEsous	ho	huios	iOsEph
	AND	THEY-said	NOT	this	IS	JESUS	THE	SON	of-JOSEPH of-Joseph

ΟΥ	ΗΜΕΙΣ	ΟΙΔΑΜΕΝ	ΤΟΝ	ΠΑΤΕΡΑ	ΚΑΙ	ΤΗΝ	ΜΗΤΕΡΑ	ΠΩΣ
hou	hEmeis	oidamen	ton	patera	kai	tEn	mEtera	pos
OF-WHOM	WE	HAVE-PERCEIVED	THE	FATHER	AND	THE	MOTHER	how
		are-acquainted-with						

ΟΥΝ	ΛΕΓΕΙ	ΟΥΤΟΣ	ΟΤΙ	ΕΚ	ΤΟΥ	ΟΥΡΑΝΟΥ	ΚΑΤΑΒΕΒΗΚΑ
oun	legei	houtos	hoti	ek	tou	ouranou	katabebEka
THEN	IS-sayING	this-One	that	OUT	OF-THE	heaven	I-HAVE-DOWN-STEPPED
		this-one					I-have-descended

المظلل غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (بي εἰς ἐμέ) السينائية: غير موجودة	٤٧ الْحَقُّ الْحَقُّ أَقُولُ لَكُمْ: مَنْ يُؤْمِنُ بِي فَلَهُ حَيَاةٌ أَبَدِيَّةٌ.	الحق الحق أقول لكم: من يؤمن فله حياة أبدية.	47 Verily, verily, I say to you, he that believes has life eternal.	M-01A John 6:47 Αμην αμην λεγω υμιν οτι ο πιστευων εχει ζωην αιωνιον	يو-6-47	18
قام النساخ بإضافة لفظة (بي) لجعل يسوع هو محور الإيمان (دعم الإيمان بيسوع)					التعليق	

Joh 6:47

ΑΜΗΝ ΑΜΗΝ ΛΕΓΩ ΥΜΙΝ Ο ΠΙΣΤΕΥΩΝ ΕΧΕΙ ΖΩΗΝ ΑΙΩΝΙΟΝ

Joh 6:48

6:47	ΑΜΗΝ	ΑΜΗΝ	ΛΕΓΩ	ΥΜΙΝ	Ο	ΠΙΣΤΕΥΩΝ	ΕΙΣ	ΕΜΕ	ΕΧΕΙ
	amEn	amEn	legO	humin	ho	pisteuOn	eis	eme	echei
	AMEN	AMEN	I-AM-sayING	to-YOU(P)	THE	one-BELIEVING	INTO	E	IS-HAVING
	verily	verily		to-ye		one-believing			

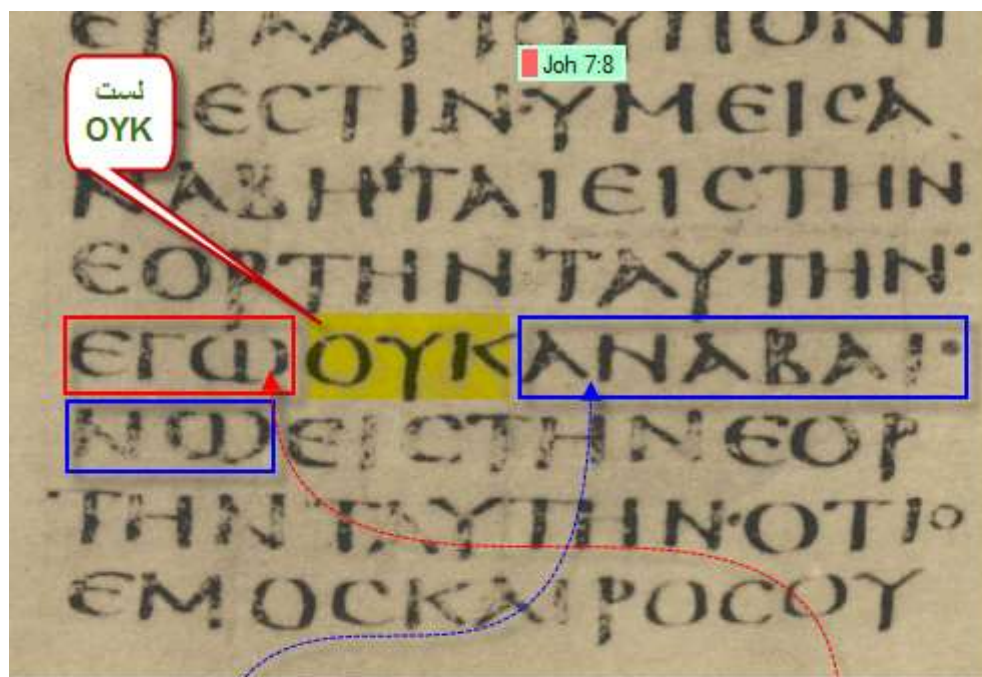
ZΩΗΝ ΑΙΩΝΙΟΝ

zOEn aiOnion

LIFE eonian

غير موجود بالمخطوط

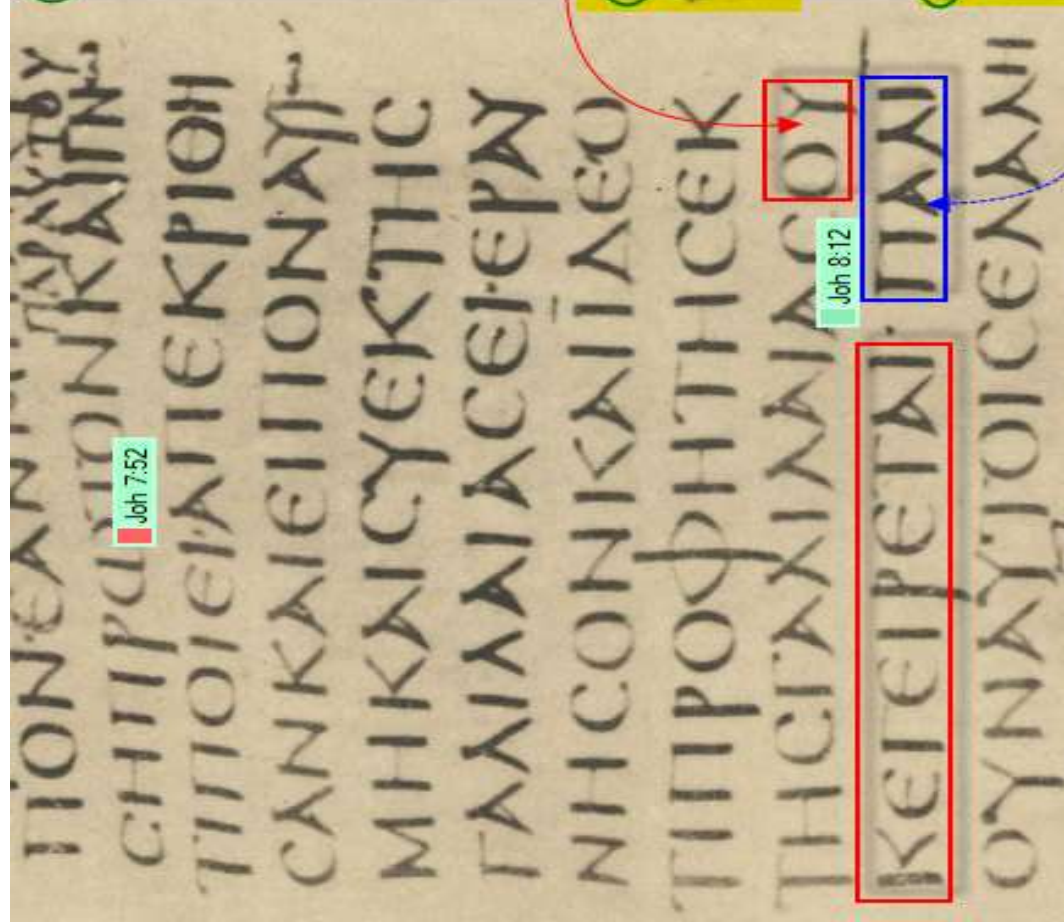
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (بعد οὐπω) السينائية: اللفظة غير موجودة	٨ اصْعَدُوا أَنْتُمْ إِلَى هَذَا الْعِيدِ. أَنَا لَسْتُ أَصْعَدُ بَعْدُ إِلَى هَذَا الْعِيدِ، لِأَنَّ وَقْتِي لَمْ يَكْمَلْ بَعْدُ."	اصعدوا أنتم إلى هذا العيد. أنا لست أصعد إلى هذا العيد لأن وقتي لم يكمل بعد»	8 Do you go up to the feast: I go not up to this feast, because my time has not yet fully come.	M-01A John 7:8 Υμεις αναβηται εις την εορτην ταυτην εγω ουκ αναβαινω εις την εορτην ταυτην οτι εμος καιρος ουπω πεπληρωται	يو7-8	20
أضاف النساخ لفظة (بعد) لأن نص (يوحنا7-10) يصرح بأن يسوع صعد للعيد, في حين انه هنا في النص (7-8) يصرح بأنه لن يصعد للعيد (تحسبن صورة يسوع) (دعم الألوجية بطمس نواقضها)					التعليق	



78	ΥΜΕΙΣ	ΑΝΑΒΗΤΕ	ΕΙΣ	ΤΗΝ	ΕΟΡΤΗΝ	ΤΑΥΤΗΝ	ΕΓΩ	ΟΥΠΩ		
	humeis	anabete	eis	tEn	heortEn	tautEn	egO	oupO		
	YOU(p)	UP-STEP	INTO	THE	FESTIVAL	this	I	NOT-as-yet		
	ve	go-up-ye!								
	ΑΝΑΒΑΙΝΩ	ΕΙΣ	ΤΗΝ	ΕΟΡΤΗΝ	ΤΑΥΤΗΝ	ΟΤΙ	Ο	ΚΑΙΡΟΣ	Ο	ΕΜΟΣ
	anabainO	eis	tEn	heortEn	tautEn	hoti	ho	kairos	ho	emos
	AM-UP-STEPPING	INTO	THE	FESTIVAL	this	that	THE	SEASON	THE	MY
	am-going-up									

المطلل غير موجود بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
21	يو: 7: 53-8: 11	12 نص محذوفين	12 نص محذوفين	12 نص محذوفين	٥٣ فَمَضَى كُلُّ وَاحِدٍ إِلَى بَيْتِهِ. ١ أَمَّا يَسُوعُ فَمَضَى إِلَى جَبَلِ الزَّيْتُونِ. ٢ ثُمَّ حَضَرَ أَيْضًا إِلَى الْهَيْكَلِ فِي الصُّبْحِ، وَجَاءَ إِلَيْهِ جَمِيعُ الشَّعْبِ فَجَلَسَ يُعَلِّمُهُمْ. ٣ وَقَدَّمَ إِلَيْهِ الْكُتَّابَةُ وَالْفَرِّيسِيُّونَ امْرَأَةً أَمْسَكَتْ فِي زَنَا. وَلَمَّا أَقَامُوهَا فِي الْوَسْطِ قَالُوا لَهُ: "يَا مُعَلِّمُ، هَذِهِ الْمَرْأَةُ أَمْسَكْتَ وَهِيَ تَزْنِي فِي ذَاتِ الْفِعْلِ، ٥ وَمُوسَى فِي النَّامُوسِ أَوْصَانَا أَنْ مِثْلَ هَذِهِ تُرْجَمُ. فَمَادَا تَقُولُ أَنْتَ؟" ٦ قَالُوا هَذَا لِيُجَرَّبُوهُ، لِكَيْ يَكُونَ لَهُمْ مَا يَشْتَكُونَ بِهِ عَلَيْهِ. وَأَمَّا يَسُوعُ فَانْحَنَى إِلَى أَسْفَلِ وَكَانَ يَكْتُبُ بِإصْبَعِهِ عَلَى الْأَرْضِ. ٧ وَلَمَّا اسْتَمَرُّوا يَسْأَلُونَهُ، انْتَصَبَ وَقَالَ لَهُمْ: "مَنْ كَانَ مِنْكُمْ بِلاَ حَاطِيَةٍ فَلْيَزِمِهَا أَوَّلًا بِحَجَرٍ!" ٨ ثُمَّ انْحَنَى أَيْضًا إِلَى أَسْفَلِ وَكَانَ يَكْتُبُ عَلَى الْأَرْضِ. ٩ وَأَمَّا هُمْ فَلَمَّا سَمِعُوا وَكَانَتْ ضَمَائِرُهُمْ تُبْكِيهِمْ، خَرَجُوا وَاحِدًا فَوَاحِدًا، مُبْتَدئينَ مِنَ الشُّيُوخِ إِلَى الْآخِرِينَ. وَبَقِيَ يَسُوعُ وَحْدَهُ وَالْمَرْأَةُ وَاقِفَةٌ فِي الْوَسْطِ. ١٠ فَلَمَّا انْتَصَبَ يَسُوعُ وَلَمْ يَنْظُرْ أَحَدًا سِوَى الْمَرْأَةِ، قَالَ لَهَا: "يَا امْرَأَةُ، أَيْنَ هُمُ أَوْلَادُكَ الْمُشْتَكُونَ عَلَيْكَ؟ أَمَا دَانِكَ أَحَدٌ؟" ١١ فَقَالَتْ: "لَا أَحَدٌ، يَا سَيِّدُ!". فَقَالَ لَهَا يَسُوعُ: "وَلَا أَنَا أُدِينُكَ. اذْهَبِي وَلَا تُحْطِي أَيْضًا!"	النسخة العربية: تضيف ال12 نص السينائية: جميع النصوص ال12 غير موجودين من (53-7) إلى (8-11)
<p>أضاف النساخ قصة المرأة الزانية (12 نص) من أجل إثبات قيام يسوع بإلغاء الشريعة , وهي الفلسفة الأهم التي كان بولس يسعى لنشرها (إلغاء الشريعة) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p>						التعليق



7:52 ΑΠΕΚΡΙΘΗΣΑΝ ΚΑΙ ΕΙΠΟΝ ΑΥΤΩ ΜΗ ΚΑΙ ΣΥ ΕΚ ΤΗΣ
 apekrithEsan kai eipon auto mE kai su ek tEs
 THEY-answered AND said to-him NO AND YOU OUT OF-THE
 also

ΓΑΛΙΛΑΙΑΣ ΕΙ ΕΡΕΥΝΗΣΟΝ ΚΑΙ ΙΔΕ ΟΤΙ ΠΡΟΦΗΤΗΣ ΕΚ
 gallilias ei ereunEsou kai ide noti prophEtEs ek
 GALLILEE ARE SEARCH-YOU AND BE-PERCEIVING that BEFORE-AVERer OUT
 search-you! be-you-perceiving! prophet

ΤΗΣ ΓΑΛΙΛΑΙΑΣ ΟΥΚ ΕΓΓΕΡΤΑΙ
 tEs gallilias ouk eggerTai
 OF-THE GALILEE NOT HAS-been-ROUSED

7:53 ΚΑΙ ΕΠΟΡΕΥΘΗ ΕΚΑΣΤΟΣ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΙΚΟΝ ΑΥΤΟΥ
 kai eporeuthE hekastos eis ton oikon autou
 AND went EACH INTO THE HOME OF-him
 each-man

المظلل بالأصفر من ٧: ٥٣ إلى ٨: ١١ مخدوفين

8:11 Η ΔΕ ΕΙΠΕΝ ΟΥΔΕΙΣ ΚΥΡΙΕ ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΑΥΤΗ Ο ΙΗΣΟΥΣ
 hE de eipen oudEis kurie eipen de autE ho iEsous
 THE YET she-said NOT-YET-ONE Master! said YET to-her THE JESUS
 no-one Lord!

ΟΥΔΕ ΕΓΩ ΣΕ ΚΑΤΑΚΡΙΝΩ ΠΟΡΕΥΟΥ ΚΑΙ ΜΗΚΕΤΙ ΑΜΑΡΤΑΝΕ
 oude egO se katakrino poreuou kai meketi hamartane
 NOT-YET I YOU AM-DOWN-JUDGING YOU-BE-GOING AND NO-NOT-STILL BE-missing
 neither am-condemning be-you-going! by-no-means-longer be-you-sinning!

8:12 ΠΑΛΙΝ ΟΥΝ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΑΥΤΟΙΣ ΕΛΑΛΗΣΕΝ ΛΕΓΩΝ ΕΓΩ ΕΙΜΙ
 palin ousen ho iEsous autois elalEsen legOn egO eimi
 AGAIN THEN THE JESUS to-them TALKS sayiNG I AM
 speaks

ΤΙΟΝΕΑΥΤΟΥ
ΣΗΤΡΑΤΟΝΚΑΙΓΝ-
ΤΙΠΟΙΕΙΛΤΕΚΡΙΘΗ
ΣΑΝΚΑΙΕΙΠΟΝΑΥ-
ΜΗΚΑΙΣΥΕΚΤΗΣ
ΓΑΛΙΛΑΙΑΣΕΙΕΡΑΥ-
ΝΗΣΟΝΚΑΙΙΔΕΟ
ΤΙΠΡΟΦΗΤΗΣΕΚ
ΤΗΣΓΑΛΙΛΑΙΑΣΟΥ
ΚΕΓΕΙΡΕΤΑΙ ΠΑΛΙ
ΟΥΝΑΥΤΟΙΣΕΛΛΗ

Joh 7:52

Joh 8:12

لم يقيم

أجسدا

7:52 ΑΠΕΚΡΙΘΗΣΑΝ ΚΑΙ ΕΙΠΟΝ ΑΥΤΩ ΜΗ ΚΑΙ ΣΥ ΕΚ ΤΗΣ
 apekrithesan kai epon auto me kai su ek tes
 THEY-answered AND said to-him NO AND YOU OUT OF-THE

ΓΑΛΙΛΑΙΑΣ ΕΙ ΕΡΕΥΝΗΣΟΝ ΚΑΙ ΙΔΕ ΟΤΙ ΠΡΟΦΗΤΗΣ ΕΚ
 galilias ei ereunhsou kai ide hoti propheta ek
 GALILEE ARE SEARCH-YOU AND BE-PERCIVING that BEFORE-AVERE OUT
 search-you? be-you-perceiving? prophet

ΤΗΣ ΓΑΛΙΛΑΙΑΣ ΟΥΚ ΕΓΗΓΕΡΤΑΙ
 tes galilias ouk egertai
 OF-THE GALILEE NOT HAS-been-ROUSED

المظلل بالاصفر ليس
 بالمخطوط

7:53 ΚΑΙ ΕΠΟΡΕΥΘΗ ΕΚΑΣΤΟΣ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΙΚΟΝ ΑΥΤΟΥ
 kai eporouthē hekastos eis ton oikon autou
 AND went EACH INTO THE HOME OF-him
 each-him

8:1 ΙΗΣΟΥΣ ΔΕ ΕΠΟΡΕΥΘΗ ΕΙΣ ΤΟ ΟΡΟΣ ΤΩΝ ΕΛΑΙΩΝ
 Esous de eporouthē eis to oros ton elaiōn
 JESUS YET WAS-GONE INTO THE mountain OF-THE OLIVES
 went

8:2 ΟΡΘΡΟΥ ΔΕ ΠΑΛΙΝ ΠΑΡΕΓΕΝΕΤΟ ΕΙΣ ΤΟ ΙΕΡΟΝ ΚΑΙ ΠΑΣ Ο
 orthrou de palin paragēnēto eis to hieron kai pas ho
 OF-EARLY YET AGAIN He-RESIDE-BECAME INTO THE SACRED-place AND EVERY THE
 be-came-along sanctuary entire

ΛΛΟΣ ΗΡΧΕΤΟ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ ΚΑΘΙΣΑΣ ΕΔΙΔΑΣΚΕΝ ΑΥΤΟΥΣ
 laos ercheto pros auton kai kathisās edidaskēn autous
 PEOPLE CAME TOWARD him AND seating He-TAUGHT them
 being-seated

8:3 ΛΟΓΟΥΣΙΝ ΔΕ ΟΙ ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΚΑΙ ΟΙ ΦΑΡΙΣΑΙΟΙ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ
 logousin de hoi grammateis kai hoi phariseoi pros auton
 ARE-LEADING YET THE WRITERS AND THE PHARISEES TOWARD him
 scribes

ΓΥΝΑΙΚΑ ΕΝ ΜΟΙΧΕΙΑ ΚΑΤΕΙΛΗΜΜΕΝΗ ΚΑΙ ΣΤΗΣΑΝΤΕΣ ΑΥΤΗΝ
 gynaika en moicheia kateilēmmēnē kai stēsantes autēn
 WOMAN IN ADULTERY HAVING-been-DOWN-GOTTEN AND STANDING her
 having-been-overtaken

ΕΝ ΜΕΣΩ
 en mesō
 IN MID

8:4 ΛΕΓΟΥΣΙΝ ΑΥΤΩ ΔΙΔΑΣΚΑΛΕ ΑΥΤΗ Η ΓΥΝΗ ΚΑΤΕΙΛΗΦΘΗ
 legousin auto didaskale autē hē gynē kateilēphthē
 THEY-ARE-say(ING) to-him TEACHER! she THE WOMAN WAS-DOWN-GOTTEN
 was-overtaken

ΕΠΑΥΤΟΦΩΡΩ ΜΟΙΧΕΥΟΜΕΝΗ
 epautophōrō moicheuomenē
 ON-SAME-DETECT ADULTERING
 was-detected committing-adultery

8:5 ΕΝ ΔΕ ΤΩ ΝΟΜΩ ΜΩΣΗΣ ΗΜΙΝ ΕΝΕΤΕΙΛΑΤΟ ΤΑΣ ΤΟΙΟΥΤΑΣ
 en de tō nomō mōsēs hēmin eneteilato tas toiousas
 IN YET THE LAW MOSES to-US directs THE such
 such(PL)

ΛΙΘΟΒΟΛΕΙΘΑΙ ΣΥ ΟΥΝ ΤΙ ΛΕΓΕΙΣ
 lithoboleithai su oun ti legēs
 TO-BE-STONE-CASTING YOU THEN ANY ARE-say(ING)
 to-be-putting-into-stones what? you-are-say(ing)

8:6 ΤΟΥΤΟ ΔΕ ΕΛΕΓΟΝ ΠΕΙΡΑΖΟΝΤΕΣ ΑΥΤΟΝ ΙΝΑ ΕΧΩΣΙΝ
 touto de elegon peirazontes auton ina echōsin
 this YET THEY-said try(ING) him THAT THEY-MAY-BE-HAVING

ΚΑΤΗΓΟΡΕΙΝ ΑΥΤΟΥ Ο ΔΕ ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΤΩ ΚΥΨΑΣ ΤΩ ΔΑΚΤΥΛΩ
 katēgorein autou ho de Esous katō kypsas tō daktulō
 TO-BE-accus(ING) OF-him THE YET JESUS DOWN BENDING to-THE FINGER
 him slooping

ΕΓΡΑΦΕΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΗΝ ΜΗ ΠΡΟΣΠΟΙΟΥΜΕΝΟΣ
 egraphēn eis tēn gēn mē prospoioumēnos
 WROTE INTO THE LAND NO OF-AND-TOWARD-DONE
 earth doing-as-though-he-heard-from

8:7 ΩΣ ΔΕ ΕΠΕΜΕΝΟΝ ΕΡΩΤΩΝΤΕΣ ΑΥΤΟΝ ΑΝΚΥΨΑΣ ΕΙΠΕΝ
 ōs de epēmenon erōtontes auton ankypsas eipēn
 AS YET THEY-ON-REMAINED ask(ING) him UP-BEND(ING) He-said
 unbending

ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΥΣ Ο ΑΝΑΜΑΡΤΗΤΟΣ ΥΜΩΝ ΠΡΩΤΟΣ ΤΟΝ ΛΙΘΟΝ ΕΠ
 pros autous o anamartētos umōn prōtos ton lithon ep
 TOWARD them THE one-with-no-sin OF-YOU(PL) BEFORE-most THE STONE ON
 a/you one a/you first

ΑΥΤΗ ΒΛΑΨΕΤΩ
 autē blaψētō
 her LET-BE-CASTING
 let-him-be-casting!

8:8 ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΚΑΤΩ ΚΥΨΑΣ ΕΓΡΑΦΕΝ ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΗΝ

kai palin katO kupsas egraphen eis tEn gEn
AND AGAIN DOWN BENDING He-WROTE INTO THE LAND
stooping earth

8:9 ΟΙ ΔΕ ΑΚΟΥΣΑΝΤΕΣ ΚΑΙ ΥΠΟ ΤΗΣ ΣΥΝΕΙΔΗΣΕΩΣ

hoi de akousantes kai hupo tEs suneidEseOs
THE YET ones-HEARing AND by THE conscience
hearing-it

ΕΛΕΓΧΟΜΕΝΟΙ ΕΞΗΡΧΟΝΤΟ ΕΙΣ ΚΑΘ ΕΙΣ ΑΡΞΑΜΕΝΟΙ ΑΠΟ ΤΩΝ

elegchomenoi exErchonto heis kath heis arxamenoι apo tOn
beING-EXPOSED THEY-OUT-CAME ONE according-to ONE beginning FROM THE
they-came-out aCby

ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΩΝ ΕΩΣ ΤΩΝ ΕΣΧΑΤΩΝ ΚΑΙ ΚΑΤΕΛΕΙΦΘΗ ΜΟΝΟΣ Ο

presbuterOn heOs tOn eschatOn kai kateleiphthE monos ho
SENIORS TILL THE LAST AND WAS-left ONLY THE
elders last-ones alone

ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ Η ΓΥΝΗ ΕΝ ΜΕΣΩ ΕΣΤΩΣΑ

iEsous kai hE gunE en mesO estOsa
JESUS AND THE WOMAN IN MIDst HAVING-STOOD
standing

8:10 ΑΝΑΚΥΨΑΣ ΔΕ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ ΜΗΔΕΝΑ ΘΕΑΣΑΜΕΝΟΣ ΠΛΗΝ

anakupsas de ho iEsous kai mEdena theasamenos plEn
UP-BENDING YET THE JESUS AND NO-YET-ONE gazing MOREly
unbending no-one except

ΤΗΣ ΓΥΝΑΙΚΟΣ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΗ Η ΓΥΝΗ ΠΟΥ ΕΙΣΙΝ ΕΚΕΙΝΟΙ ΟΙ

tEs gunaikos eipen autE hE gunE pou eisin ekeinoi hoi
OF-THE WOMAN He-said to-her THE WOMAN ?-where ARE those THE
the where ?

ΚΑΤΗΓΟΡΟΙ ΣΟΥ ΟΥΔΕΙΣ ΣΕ ΚΑΤΕΚΡΙΝΕΝ

katEgoroi sou oudeis se katekrinen
accusers OF-YOU NOT-YET-ONE YOU DOWN-JUDGES
no-one condemns

8:11 Η ΔΕ ΕΙΠΕΝ ΟΥΔΕΙΣ ΚΥΡΙΕ ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΑΥΤΗ Ο ΙΗΣΟΥΣ

hE de eipen oudeis kurie eipen de autE ho iEsous
THE YET she-said NOT-YET-ONE Master! said YET to-her THE JESUS
no-one Lord!

ΟΥΔΕ ΕΓΩ ΣΕ ΚΑΤΑΚΡΙΝΩ ΠΟΡΕΥΟΥ ΚΑΙ ΜΗΚΕΤΙ ΑΜΑΡΤΑΝΕ

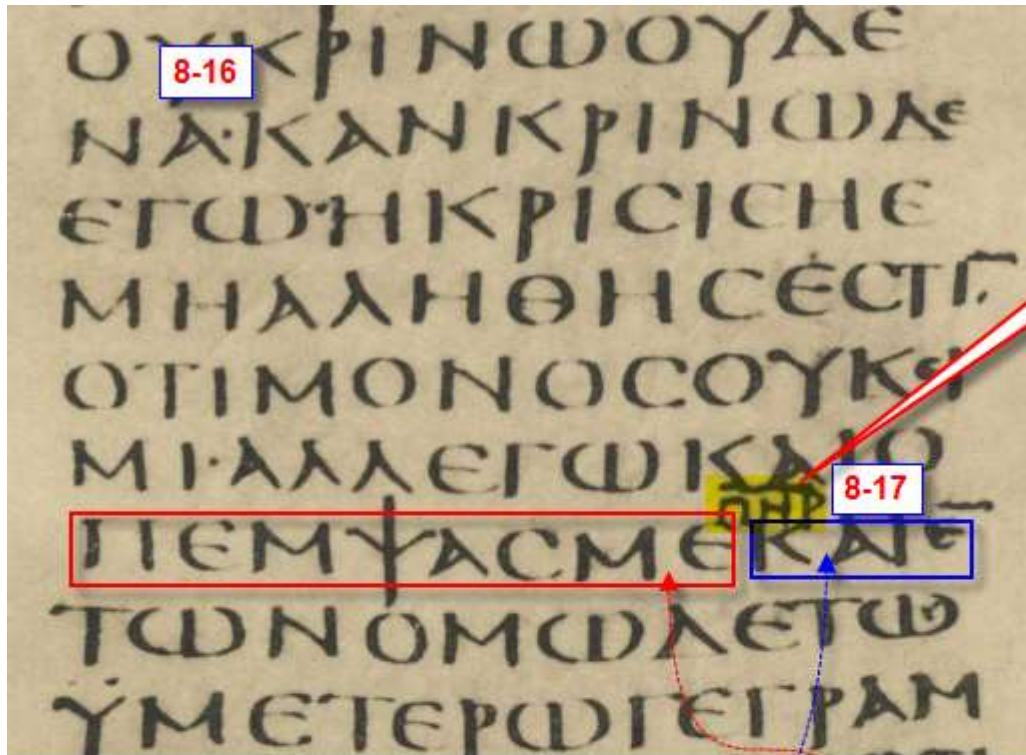
oude egO se katakrinO poreuou kai mEketi hamartane
NOT-YET I YOU AM-DOWN-JUDGING YOU-BE-GOING AND NO-NOT-STILL BE-missING
neither am-condemning be-you-going! by-no-means-longer be-you-sinning!

8:12 ΠΑΛΙΝ ΟΥΝ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΑΥΤΟΙΣ ΕΛΑΛΗΣΕΝ ΛΕΓΩΝ ΕΓΩ ΕΙΜΙ

palin oun ho iEsous autois elalEsen legOn egO eimi
AGAIN THEN THE JESUS to-them TALKS sayING I AM
speaks

أيضا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (الأب πατήρ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٦ وَإِنْ كُنْتُ أَنَا أَدِينُ فَدِينُونَنِي حَقًّا، لِأَنِّي لَسْتُ وَحْدِي، بَلْ أَنَا وَالْأَبُ الَّذِي أَرْسَلَنِي	وإن كنت أنا أدين فدينونتي حق لأنني لست وحددي بل أنا و الذي أرسلني.	16 And even if I judge, my judgment is true, because I am not alone, but I and he that sent me.	M-01A John 8:16 Καν κρινω δε εγω η κρισις η εμη αληθης εστι_ οτι μονος ουκ εμι αλλ εγω και ο πεμψας με (Jn. 8:16 M-01A)	يو8-16	22
أضاف النساخ لفظة (الأب) لأن التأكيد على وجود علاقة إرسال بين يسوع والأب يعطي يسوع شرعية مسيانية					التعليق	
					(دعم مسيانية يسوع)	



8:16 ΚΑΙ ΕΑΝ ΚΡΙΝΩ ΔΕ ΕΓΩ Η ΚΡΙΣΙΣ Η ΕΜΗ ΑΛΗΘΗΣ
kai ean krinō de egō hē krisis hē emē alēthēs
AND IF-EVER I-SHOULD-BE-JUDGING YET I THE JUDGING THE MY TRUE
should-be-judging

ΕΣΤΙΝ ΟΤΙ ΜΟΝΟΣ ΟΥΚ ΕΙΜΙ ΑΛΛ ΕΓΩ ΚΑΙ Ο ΠΕΜΨΑΣ ΜΕ
estin hoti monos ouk eimi all egō kai ho pempsas me
IS that ONLY NOT I-AM but I AND THE One-SENDING ME
alone one-sending

الأب
ΠΑΤΗΡ
patēr
FATHER

محذوف من المخطوط

8:17 ΚΑΙ ΕΝ ΤΩ ΝΟΜΩ ΔΕ ΤΩ ΥΜΕΤΕΡΩ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΟΤΙ ΔΥΟ
kai en tō nomō de tō humeterō gegraptai hoti duo
AND IN THE LAW YET THE YOUR-more HAS-been-WRITTEN that TWO
also of-yours it-has-been-written

John 8:16

TR WH NU

μόνος οὐκ εἶμι, ἀλλ ἐγὼ καὶ ὁ πέμψας με πατήρ
"I am not alone—but I and the Father having sent me"

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

0339 0366 0375 **κ*** B L T W 070 f^{1,13} 33 it syr^{phal} cop

KJV NKJV RSVmg NRSV ESV NASB NIV TNIV NAB NLT HCSB NET

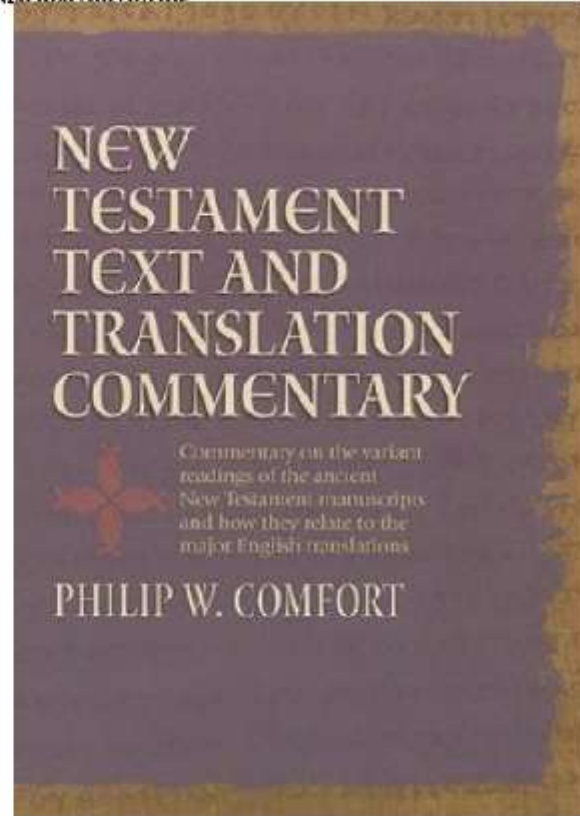
variant

μόνος ουκ ειμι, αλλ εγω και ο πεμψας με
"I am not alone—but I and the one having sent me"

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي

κ* D it^d syr^{ca}

RSV NRSVmg NFB FFB NIB NLTmg



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (أما الابن فيبقى إلى الأبد) $\delta\ \upsilon\acute{o}\varsigma\ \mu\acute{\epsilon}\nu\epsilon\iota\ \epsilon\iota\varsigma\ \tau\acute{o}\nu\ \alpha\acute{\iota}\omega\nu\alpha$ السينائية: العبارة غير موجودة	٣٥ وَالْعَبْدُ لَا يَبْقَى فِي الْبَيْتِ إِلَى الْأَبَدِ، أَمَّا الْابْنُ فَيَبْقَى إِلَى الْأَبَدِ.	والعبد لا يبقى في البيت إلى الأبد	35 But the servant abides not in the house forever	M-01A John 8:35 Ο δε δούλος ου μενει εν τη οικια εις τον αιωνα (Jn. 8:35 M-01A)	يو8-35	23
أضاف النساخ عبارة (أما الابن فيبقى إلى الأبد) لإثبات ألوهية أقنوم الابن بإلحاق وصف الأبدية به. وكذلك لإيجاد المقابل للعبد الخاطئ ألا وهو الابن صاحب البيت مما يساهم بشكل أفضل في توصيل المعني. (دعم ألوهية يسوع) (تحسين النص)					التعليق	

Joh 8:35

ΤΗ ΣΑΜ ΑΡΤΙΑ ΕΟΔΕ
ΔΟΥΛΟ ΟΥ ΜΕΝΕΙ
ΕΝ ΤΗ ΟΙΚΙΑ ΕΙΣ ΤΟΝ
ΑΙΩΝΑ ΕΛΠΟΥΝ
ΟΥΣ ΥΜΑΣ ΕΛΕΥΘΕΡΟ

Joh 8:36

8:35 Ο ΔΕ ΔΟΥΛΟΣ ΟΥ ΜΕΝΕΙ ΕΝ ΤΗ ΟΙΚΙΑ ΕΙΣ ΤΟΝ ΑΙΩΝΑ Ο
ho de doulos ou menei en te oikia eis ton aiOna ho
THE YET SLAVE NOT IS-REMAINING IN THE HOME INTO THE eon THE
house

8:36 ΑΜΑ ΑΙΩΝΑ ΕΛΠΟΥΝ
huios menei eis ton aiOna
SON IS-REMAINING INTO THE eon

8:36 ΕΑΝ ΟΥΝ Ο ΥΙΟΣ ΥΜΑΣ ΕΛΕΥΘΕΡΩΣΕ ΟΝΤΩΣ ΕΛΕΥΘΕΡΟΙ
ean oun ho huios humas eleutherosE ontOs eleutheroi
IF-EVER THEN THE SON YOU(P) SHOULD-BE-FREEING BEINGly FREE
ye should-be-making-free really

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

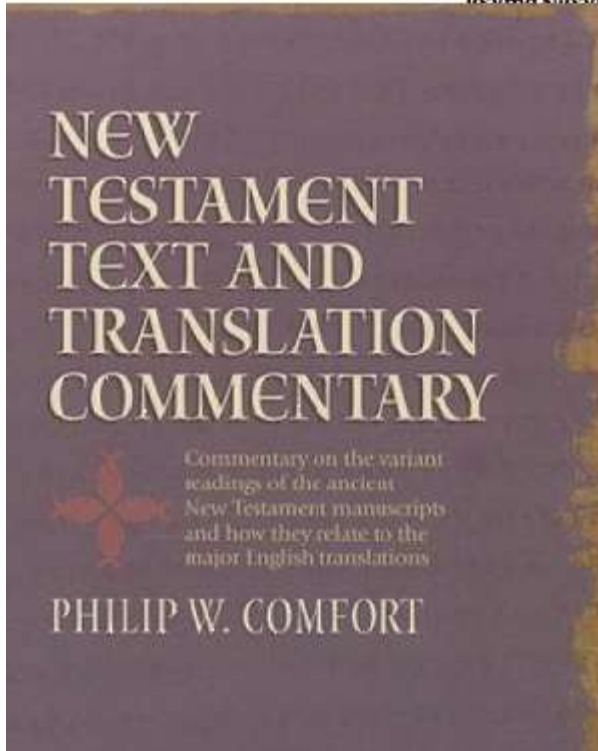
John 8:57

قراءة (فهل رأيت إبراهيم) تمت
بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

πεντήκοντα ἔτη οὐπω ἔχεις καὶ Ἀβραὰμ ἑώρακας;
"You are not yet fifty years old, and you have seen Abraham?"
Ⓜ⁶⁶ Ⓝ² A (B) CD L (W) Δ (Θ) Ψ f^{1,13} it syr^{ph,pat}
all

قراءة (فهل رأك إبراهيم) تمت
بواسطة الناسخ الأصلي

..... JOHN
πεντακοντα ετη ουπω εχεις και Αβρααμ εωρακεν σε;
"You are not yet fifty years old, and Abraham has seen you?"
Ⓜ⁷⁵ Ⓝ⁰⁷⁰ syr^{sa,ach2}
RSVmg NRSVmg ESVmg NEBmg NLTmg HCSBmg



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تذكر عبارة: (أعمل أعمال الذي أرسلني ἐμὲ δεῖ ἐργάζεσθαι ... τοῦ πέμψαντός με) السينائية: (نعمل أعمال الذي أرسلنا Ἡμᾶς δεῖ ἐργάζεσθαι ... τοῦ πέμψαντός ἡμᾶς)	يَنْبَغِي أَنْ نَعْمَلَ أَعْمَالَ الَّذِي أَرْسَلَنِي مَا دَامَ نَهَارًا. يَأْتِي لَيْلٌ حِينَ لَا يَسْتَطِيعُ أَحَدٌ أَنْ يَعْمَلَ.	4 We must work the works of him that sent us while it is day: there comes night, when no man can work.	M-01A John 9:4 Ἡμᾶς δεῖ ἐργάζεσθαι τα ἔργα τοῦ πέμψαντός ἡμᾶς ὡς ἡμερὰ ἐστὶν ἐρχεται νύξ ὅτε οὐδὲς δύναται ἐργάζεσθαι (Jn. 9:4 M-01A)	يو9-4	26
<p>قام النساخ بتغيير عبارة (نعمل أعمال الذي أرسلنا) إلي (أعمل أعمال الذي أرسلني) لأنهم استغربوا من أن يشارك أحد يسوع في الإرسالية الأبائية الخاصة , فالإرسالية للابن من الأب هي إرسالية مميزة, كما أنهم استغربوا من أن يكون لدى أحد غير يسوع القدرة على القيام بأعمال الأب, حيث أن هذه قدرة إلهية , فلا يستطيع أن يعمل أعمال الأب إلا الابن .</p> <p>(دعم ألووية يسوع)</p>						التعليق

ἩΜΑΣ ΔΕΙ ΕΡΓΑΖΕΣΘΑΙ... ΤΟΥ ΠΕΜΨΑΝΤΟΣ ἩΜΑΣ

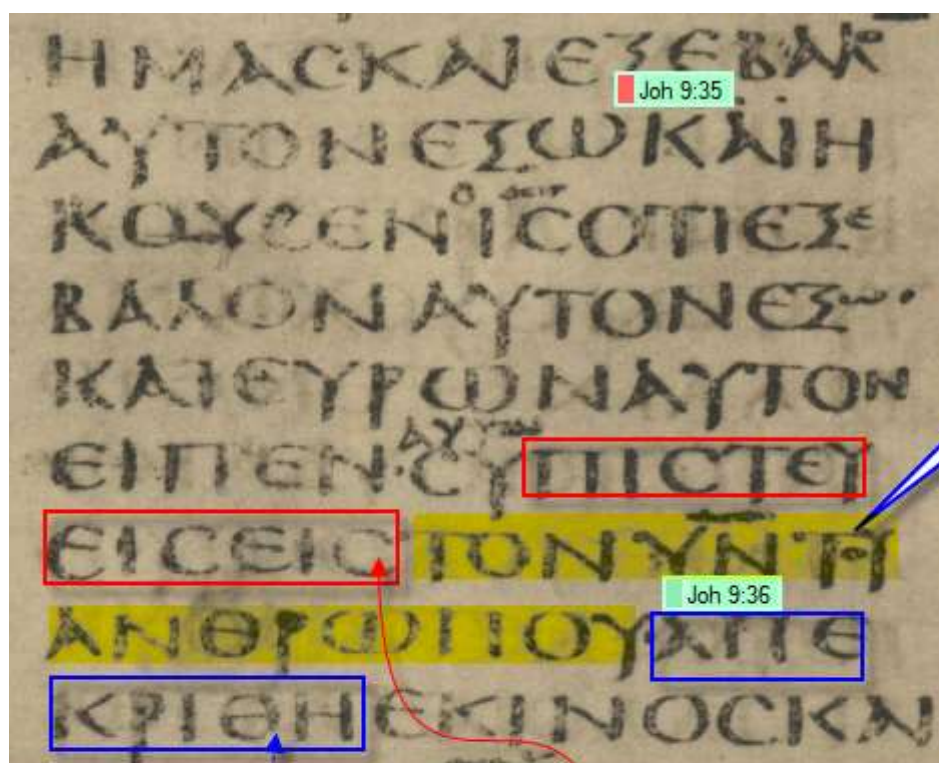
يَنْبَغِي أَنْ نَعْمَلَ أَعْمَالَ الَّذِي أَرْسَلَنَا

غير موجود بالمخطوط

	يَنْبَغِي أَنْ أَعْمَلَ				الذي أرسلني			
9:4	ΕΜΕ ΔΕΙ	ΕΡΓΑΖΕΣΘΑΙ	ΤΑ ΕΡΓΑ	ΤΟΥ ΠΕΜΨΑΝΤΟΣ	ΜΕ	ΕΩΣ		
	eme dei	ergazesthai	ta erga	tou pempantos	me	heOs		
	ME	IS-BINDING	TO-BE-working	THE works	OF-THE	One-SENDing	ME	TILL
		it-is-binding		one-sending		while		

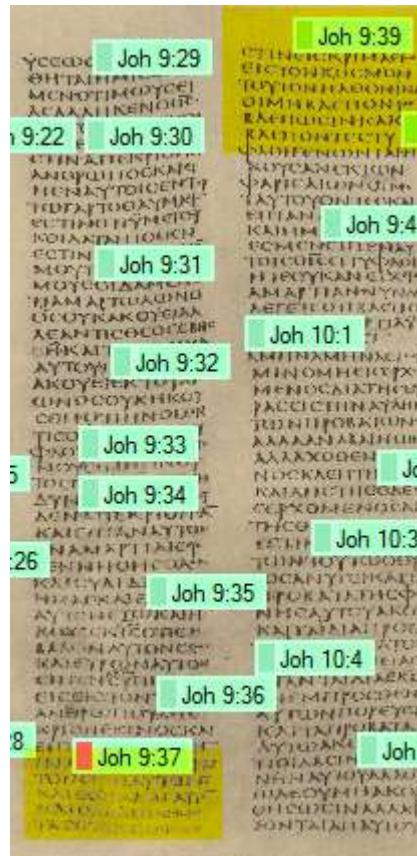
	ἩΜΕΡΑ	ΕΣΤΙΝ	ΕΡΧΕΤΑΙ	ΝΥΞ	ΟΤΕ	ΟΥΔΕΙΣ	ΔΥΝΑΤΑΙ	ΕΡΓΑΖΕΣΘΑΙ
	hEmera	estin	erchetai	nux	hote	oudeis	dunatai	ergazesthai
	DAY	IS	IS-COMING	NIGHT	when	NOT-YET-ONE	IS-ABLE	TO-BE-working
		it-is				no-one	can	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر عبارة: (بابن الله) (τὸν υἱὸν τοῦ Θεοῦ) السينائية: تذكر بدلا منها (بابن الإنسان) (τον Υἱὸν του ανθρωπου)	٣٥ فَسَمِعَ يَسُوعُ أَنَّهُمْ أَخْرَجُوهُ خَارِجًا، فَوَجَدَهُ وَقَالَ لَهُ: «أَتُؤْمِنُ بِابْنِ اللَّهِ؟»	فسمع يسوع أنهم أخرجوه خارجا فوجده وقال له: «أتؤمن بابن الإنسان؟»	35 Jesus heard that they had cast him out, and he found him and said: Dost thou believe on the Son of man?	M-01A John 9:35 Και ηκουσεν Ἰησοῦς ὅτι ἐξεβαλον αὐτον ἐξω και εἶπεν Σὺ πιστεῦεις εἰς τον υἱὸν του ανθρωπου (Jn. 9:35 M-01A)	يو9-35	27
قام النساخ بتغيير لفظة (ابن الإنسان) إلى (ابن الله) لإثبات البنوة الإلهية ليسوع (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	



9:35	ΗΚΟΥΣΕΝ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΟΤΙ	ΕΞΕΒΑΛΟΝ	ΑΥΤΟΝ	ΕΞΩ	ΚΑΙ
	Ekousen	ho	iēsous	hoti	exebalon	auton	exō	kai
	HEARS	THE	JESUS	that	THEY-OUT-CAST(past)	him	OUT	AND
					they cast-out (past)		outside	
	ΕΥΡΩΝ	ΑΥΤΟΝ	ΕΙΠΕΝ	ΑΥΤΩ	ΣΥ	ΠΙΣΤΕΥΕΙΣ	ΕΙΣ	ΤΟΝ
	heurōn	auton	eipen	autō	su	pisteueis	eis	ton
	FINDING	him	He-said	to-him	YOU	ARE-BELIEVING	INTO	THE
								SON
								OF-THE
	ΘΕΟΥ							
	theou							
	God							
9:36	ΑΠΕΚΡΙΘΗ	ΕΚΕΙΝΟΣ	ΚΑΙ	ΕΙΠΕΝ	ΤΙΣ	ΕΣΤΙΝ	ΚΥΡΙΕ	ΙΝΑ
	apekrithē	ekeinos	kai	eipen	tis	estin	kurie	hina
	answerED	that-one	AND	said	ANY	He-IS	Master!	THAT
		that-one			who?		Lord!	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية:</u> تضيف مقطع: (فقال أو من يا سيد وسجد له, فقال يسوع SCR John 9:38 ὁ δὲ ἔφη, Πιστεύω, Κύριε· καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ. καὶ εἶπεν ὁ Ἰησοῦς) <u>السينائية:</u> المقطع غير موجود	٣٨ فَقَالَ: "أَوْ مِنْ يَا سَيِّدُ!". وَسَجَدَ لَهُ. ٣٩ فَقَالَ يَسُوعُ	[محذوف]	[no verse]	[no verse]	يو9: 38-39	28
قام النساخ بإضافة مقطع (فقال أو من يا سيد وسجد له, فقال يسوع) من أجل إثبات ألوهية يسوع حيث أنه قبل السجود (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	



Joh 9:39
 ΕΙΣ ΤΟΝ ΚΟΣΜΟΝ
 ΤΟΥΤΟΝ ΗΛΘΟΝ ΙΝΑ
 ΟΙ ΜΗ ΒΛΕΠΟΝΤΕΣ
 ΒΛΕΠΩΣΙΝ· ΚΑΙ ΟΙ

Joh 9:37
 ΤΟΝ ΕΩΝ ΑΥΤΩ
 ΚΑΙ ΕΩΡΑΚΑΣ
 ΚΑΙ Ο ΑΛΛΩΝ ΜΕ
 ΤΑ ΟΥΣ

9:37 ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΑΥΤΩ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΚΑΙ ΕΩΡΑΚΑΣ ΑΥΤΟΝ ΚΑΙ Ο
 eipen de auto ho IEsous kai heOrakas auton kai ho
 said YET to-him THE JESUS AND YOU-HAVE-SEEN Him AND THE
 also
 ΑΛΛΩΝ ΜΕΤΑ ΟΥ ΕΚΕΙΝΟΣ ΕΣΤΙΝ
 alOn meta sou ekeinos estin
 One-TALKING WITH YOU that-One IS
 one-speaking that-one it-is
 9:38 Ο ΔΕ ΕΦΗ ΠΙΣΤΕΥΩ ΚΥΡΙΕ ΚΑΙ ΠΡΟΣΕΚΥΝΗΣΕΝ ΑΥΤΩ
 ho de ephE pisteuO kurie kai prosekunEsen autO
 THE YET AVERRed I-AM-BELIEVING Master! AND he-worships to-Him
 he-averred Lord! him
 9:39 ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΕΙΣ ΚΡΙΜΑ ΕΓΩ ΕΙΣ ΤΟΝ ΚΟΣΜΟΝ
 kai eipen ho IEsous eis krima egO eis ton kosmon
 AND said THE JESUS INTO JUDGment I INTO THE SYSTEM
 world

المظلل بالاصفر غير
 موجود بالمخطوط

هو هو

فقال اؤمن يا سيد وسجد له

فقال يسوع

لدينونة

Joh 9:39
 ΕΙΣ ΤΟΝ ΚΟΣΜΟΝ
 ΤΟΥΤΟΝ ΗΛΘΟΝ ΙΝΑ
 ΟΙ ΜΗ ΒΛΕΠΟΝΤΕΣ
 ΒΛΕΠΩΣΙΝ· ΚΑΙ ΟΙ
 ΒΛΕΠΟΝΤΕΣ ΤΥ
 ΦΛΟΙΓΕΝΩΝΤΑ Η
 ΚΟΥΣ ΑΝΕΚΤΩΝ
 ΦΑΡΙΣΑΙΩΝ ΟΙ Μ
 ΤΑΥΤΟΥ ΟΝΤΕΣ ΚΑ
 ΕΙΠΑΝ ΑΥΤΩ ΜΗ
 ΚΑΙ ΗΜΕΙ ΤΥΦΛ
 ΕΣΜΕΝ ΕΙΠΕΝ ΑΥ
 ΤΟΙΣ ΟΥΣ ΕΙ ΤΥΦΛ
 ΗΤΕ ΟΥΚ ΑΝ ΕΙΧΕ
 ΑΜΑΡΤΙΑΝ ΨΥΧ
 ΛΕΓΕΤΕ ΟΤΙ ΒΛΕΠ
 ΟΜΕΝ Η ΑΜΑΡΤΙΑ
 Ν ΜΕΝΕΙ
 ΑΜΗΝ ΑΜΗΝ ΛΕΓ

Joh 9:38
 Ο ΔΕ ΦΗ ΠΙΣΤΕΥΩ ΚΥΡΙΕ ΚΑΙ ΠΡΟΣΕΚΥΝΗΣΕΝ ΑΥΤΩ
 ΕΙΠΕΝ

Joh 9:40
 ΟΙΣ ΕΙ ΤΥΦΛΟΙ ΗΤΕ ΟΥΚ ΑΝ ΕΙΧΕ ΑΜΑΡΤΙΑΝ ΨΥΧΗΝ

Joh 9:41
 ΚΑΙ ΗΜΕΙ ΤΥΦΛΟΙ ΕΣΜΕΝ ΕΙΠΕΝ ΑΥΤΩ

Joh 10:1
 ΑΜΗΝ ΑΜΗΝ ΛΕΓ

النص رقم 38 مكتوب
 في الهامش بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا

John 9:38-39a

TR WH NU

ὁ δὲ ἔφη· πιστεύω, κύριε· καὶ προσεκύνησεν αὐτῷ.
39 Καὶ εἶπεν ὁ Ἰησοῦς·

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ زمنيا

"And he said, 'I believe, Lord.' And he worshiped him. 39 And Jesus said,"

Ⓟ⁴⁶ Ⓝ² A B D L Δ Θ Ψ Maj

all

omit

Ⓟ⁷⁵ Ⓝ^{*} W It^a cop^{ms} ch² MS

TNIVmg NLTmg NETmg

variant

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

NEW TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY

Commentary on the variant readings of the ancient New Testament manuscripts and how they relate to the major English translations

PHILIP W. COMFORT

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (ليس αἶρει) السينائية: (لم ηρεν)	١٨ لَيْسَ أَحَدٌ يَأْخُذُهَا مِنِّي، بَلْ أَضَعُهَا أَنَا مِنْ دَاتِي.	لم يأخذها أحد مني بل أضعها أنا من ذاتي.	18 No one took it from me,	M-01A John 10:18 Ουδεις ηρεν αυτην απ εμου	يو 10-18	29
قام النساخ بتغيير لفظة (لم) إلى (ليس) لأن الأولى تتكلم عن الماضي , في حين أنه كان ينبغي على يسوع أن يتكلم عن القتل المستقبلي , كان ينبغي عليه أن يبين أن الصلب الذي ينتظره سيقع برضاه وليس رغما عنه حتى لا يتعارض الصلب مع ألهيته , فقام النساخ بتعديل الأمر. (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

Joh 10:18

ΜΟΥ ἸΝΑ ΠΑΛΛΗΝ
ΛΑΒΩ ΑΥΤΗΝ ΟΥ
ΔΙΟΙΡΕΙ ΑΥΤΗΝ
ΕΜΟΥ ΑΛΛΕΓΩ
ΤΙΘΗΜΙ ΑΥΤΗΝ Α
ΠΕΜΠΟΥ ΕΣΟΙ

لم HPEN

غير موجود بالمخطوط

10:18	ΟΥΔΕΙΣ	ΑΙΡΕΙ	ΑΥΤΗΝ	ΑΠ	ΕΜΟΥ	ΑΛΛ	ΕΓΩ	ΤΙΘΗΜΙ
	oudeis	airei	autEn	ap	emou	all	egO	tithEmi
	NOT-YET-ONE	IS-LIFTING	her	FROM	ME	but	I	AM-PLACING
	no-one	is-taking-away	herjt					am-laying-down

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت ضمير مخاطب: (ناموسكم τῷ νόμῳ ὑμῶν) السينائية: الضمير غير موجود	٣٤ أَجَابَهُمْ يَسُوعُ: «أَلَيْسَ مَكْتُوبًا فِي نَامُوسِكُمْ: أَنَا قُلْتُ إِنَّكُمْ آلِهَةٌ؟»	أجابهم يسوع: «أليس مكتوباً في الناموس: أنا قلت إنكم آلهة؟»	34 Jesus answered them: Is it not written in the law, I said: You are gods?	M-01A John 10:34 Απεκριθη αυτοις ο Ι̅ς Ουκ εστιν γεγραμμενον εν τῷ νόμῳ οτι ειπα Θεοι εστε	يو 10-34	30
قام النساخ بتغيير اللفظة من (الناموس) إلي (ناموسكم) من أجل توضيح أن يسوع لا يتمسك بالناموس ولا يعظمه, بل يستعمل لهجة توحى برغبته في رفض الناموس حين نسب الناموس لأعداءه اليهود ولم ينسبه لنفسه فلم يقل مثلاً: (مكتوب في ناموسنا) بل (ناموسكم أنتم) بما يصب في خدمة فلسفة بولس القائمة على إلغاء الشريعة. (إلغاء الشريعة) (تشويه صورة الشريعة)					التعليق	

Joh 10:34

ΑΠΕΚΡΙΘΗ ΑΥΤΟΙΣ ΟΙ ΟΥΚ ΕΣΤΙΝ ΓΕΓΡΑΜΜΕΝΟΝ ΕΝ Τῷ ΝΟΜῶ ΟΤΙ ΕΙΠΑ ΘΕΟΙ ΕΣΤΕ

Joh 10:35

ΠΑΘΕΟΙ ΕΣΤΕ ΕΙ ΚΕΙΝΟΥΣ ΕΙΠΕΝ

10:34 ΑΠΕΚΡΙΘΗ ΑΥΤΟΙΣ Ο ΙΗΣΟΥΣ ΟΥΚ ΕΣΤΙΝ ΓΕΓΡΑΜΜΕΝΟΝ ΕΝ

apekrithE autois ho iEsous ouk estin gegrammenon en

answerED to-them THE JESUS NOT IS HAVING-been-WRITTEN IN

them it-is

ناموس

Τῷ ΝΟΜῶ ΥΜῶΝ

to nomO humOn

THE LAW OF-YOU(P)

غير موجود بالمخطوط

ضمير المخاطب (كم)

ΕΓΩ ΕΙΠΑ ΘΕΟΙ ΕΣΤΕ

egO eipa theoi este

YE-ARE

John 10:34

TR WH NU

οὐκ ἔστιν γεγραμμένον ἐν τῷ

"Is it not written in your law?"

ⲡ⁶⁶ ⲡ⁷⁵ ⲛ² A B L W T¹⁰²² 33 cop Maj

all

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

variant

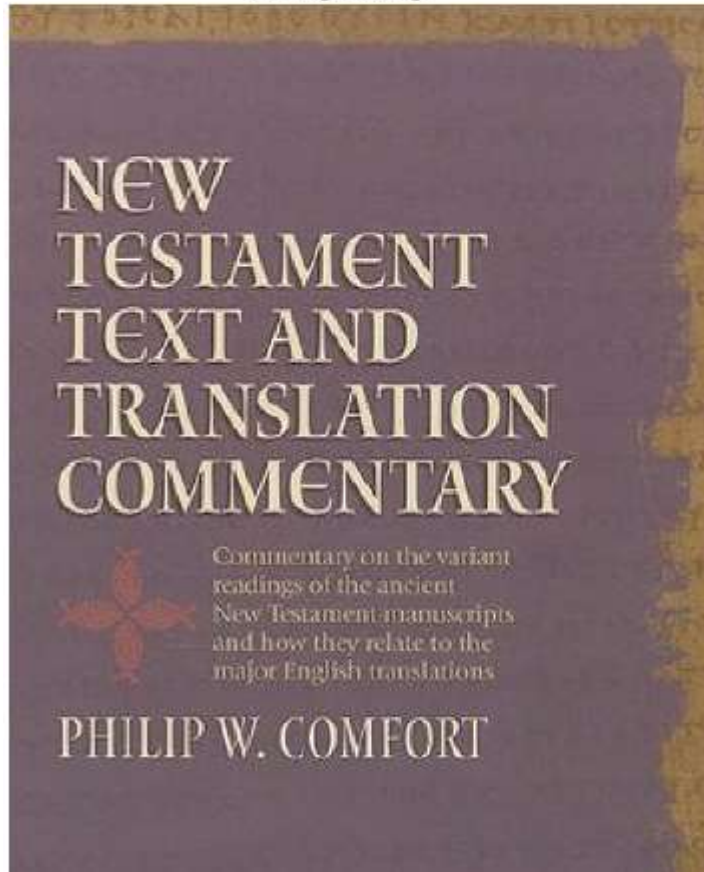
οὐκ ἐστὶν γεγραμμένον ἐν τῷ νόμῳ

"Is it not written in the law?"

ⲡ⁴⁵ ⲛ^{*} B O it

NRSVmg HCSBmg

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ



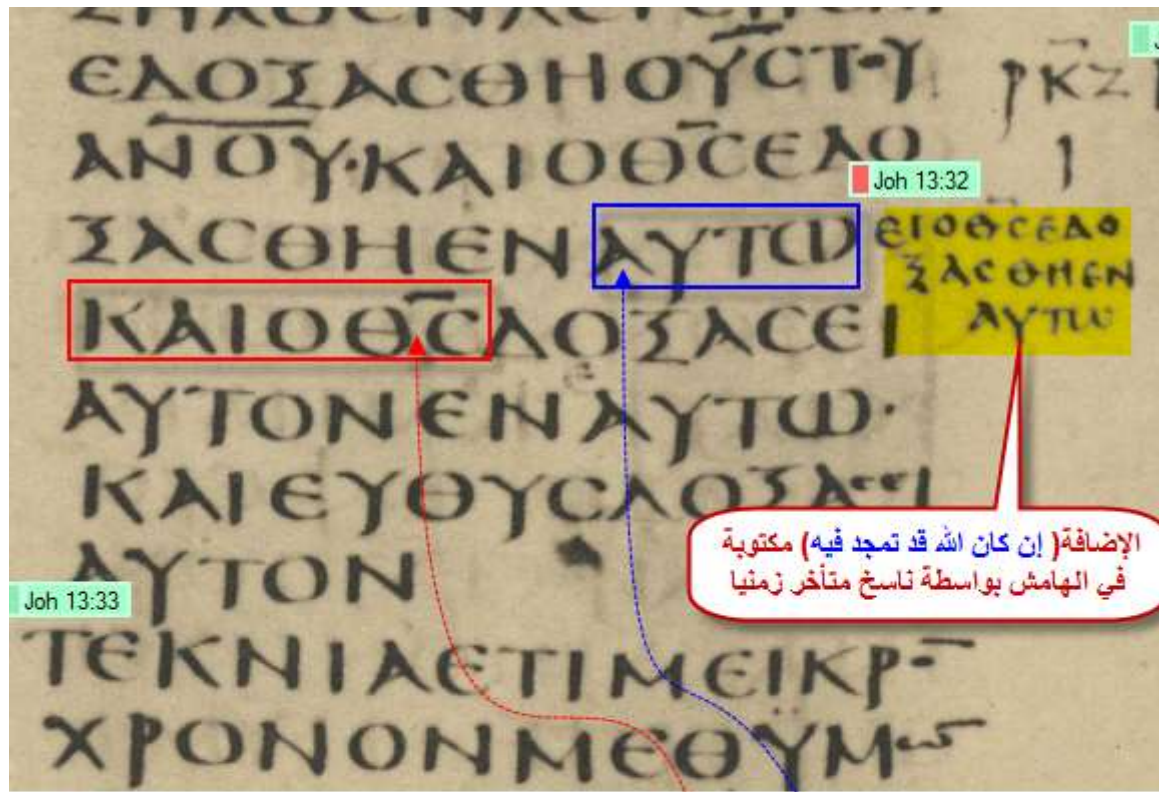
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: (فحين كان العشاء= الترجمة الأوضح: وأثناء العشاء καὶ δείπνου γεινομένου) السينائية: تكتب بدلا منها: (وبعد العشاء Καὶ δείπνου γεινομένου)	٢ فَحِينَ كَانَ الْعَشَاءُ، وَقَدْ أَلْقَى الشَّيْطَانُ فِي قَلْبِ يَهُوذَا سِمْعَانَ الْإِسْخَرْيُوطِيَّ أَنْ يُسَلِّمَهُ	وبعد العشاء مع تلاميذه. وكان إبليس وسوس إلى يهوذا بن سمعان الأسخريوطي أن يسلم يسوع.	2 And when supper had ended, as the devil had already put into the heart of Judas Iscariot, son of Simon, to betray him.	M-01A John 13:2 Καὶ δείπνου γεινομένου του διαβολου ἤδη βεβληκotos εις τη καρδιαν ινα παραδοι αυτον Ιουδας Σιμωνος Ισκαριωτης	يو 2-13	31
قام النساخ بتغيير النص من (وبعد العشاء) إلى (فحين كان العشاء=أثناء العشاء) لأنهم لاحظوا من يوحنا (13: 26) و يوحنا (13: 30) أن العشاء مازال مستمرا, وبالتالي كيف يقول يوحنا في بداية الإصحاح(13: 2) أن العشاء قد انتهى ؟ فكان التغيير ضروري (علام التناقضات)(إنقاذ المؤلف)					التعليق	



فحين = أثناء							
13:2	ΚΑΙ	ΔΕΙΠΝΟΥ	ΓΕΝΟΜΕΝΟΥ	ΤΟΥ	ΔΙΑΒΟΛΟΥ	ΗΔΗ	ΒΕΒΛΗΚΟΤΟΣ
	kai	deipnou	genomenou	tou	diabolou	EdE	beblEkotos
	AND	OF-DINner	BECOMING	OF-THE	THRU-CASTer	ALREADY	HAVING-CAST
					Adversary		

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (إن كان الله قد تمجد فيه εἰ ὁ Θεὸς ἐδοξάσθη ἐν αὐτῷ, καὶ) السينائية: المقطع غير موجود	٣٢ إِنَّ كَانَ اللهُ قَدْ تَمَجَّدَ فِيهِ، فَإِنَّ اللهُ سَيَمَجِّدُهُ فِي ذَاتِهِ، وَيَمَجِّدُهُ سَرِيعًا.	فإن الله سيمجده في ذاته، وبعد قليل سيمجده	God also will glorify him in himself, and he will immediately glorify him.	M-01A John 13:32 καὶ ὁ Θεὸς δοξάσει αὐτὸν ἐν αὐτῷ καὶ εὐθὺς δοξάσει αὐτὸν (Jn. 13:32 M-01A)	يو 13-32	32
أضاف النساخ عبارة (إن كان الله قد تمجد فيه) من أجل إثبات أن الله قد مجد يسوع في ذاته سريعاً أي إثبات تحقق التمجيد , لأنه بدون هذه العبارة سيصبح النص : " إن الله سيمجده في ذاته " مما يعني أن ذلك التمجيد لم يقع بعد , وهذا ينافي ألوهية يسوع من جهة , ويقلل من شأنه من جهة أخرى , فقام النساخ الذين يعتبرون ممجد بالفعل في ذاته من الله بإضافة عبارة تفيد تحقق الأمر عن طريق الربط بين (فإن الله سيمجده في ذاته) وبين شيء قد وقع بالفعل (الله تمجد فيه) جاعلين الثاني سبباً لأول. (تحسين صورة يسوع)					التعليق	



13:31	ΟΤΕ	ΟΥΝ	ΕΞΗΛΘΕΝ	ΛΕΓΕΙ	Ο	ΙΗΣΟΥΣ	ΝΥΝ	ΕΔΟΞΑΣΘΗ	Ο	
	hote	oun	exelthen	legei	ho	iēsous	nun	edoxasthē	ho	
	when	THEN	he-OUT-CAME	IS-sayING	THE	JESUS	NOW	IS-esteemizED	THE	
								is-glorified		
	ΥΙΟΣ	ΤΟΥ	ΑΝΘΡΩΠΟΥ	ΚΑΙ	Ο	ΘΕΟΣ	ΕΔΟΞΑΣΘΗ	ΕΝ	ΑΥΤΩ	
	huios	tou	anthrōpou	kai	ho	theos	edoxasthē	en	autō	
	SON	OF-THE	human	AND	THE	God	IS-esteemizED	IN	Him	
							is-glorified			
13:32	ΕΙ	Ο	ΘΕΟΣ	ΕΔΟΞΑΣΘΗ	ΕΝ	ΑΥΤΩ	ΚΑΙ	Ο	ΘΕΟΣ	ΔΟΞΑΣΕΙ
	ei	ho	theos	edoxasthē	en	autō	kai	ho	theos	doxasei
	IF	THE	God	IS-esteemED	IN	Him	AND	THE	God	SHALL-BE-esteemING
				is-glorified			also			shall-be-glorifying

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

فيه

إن كان الله قد تمجد فيه

فإن الله

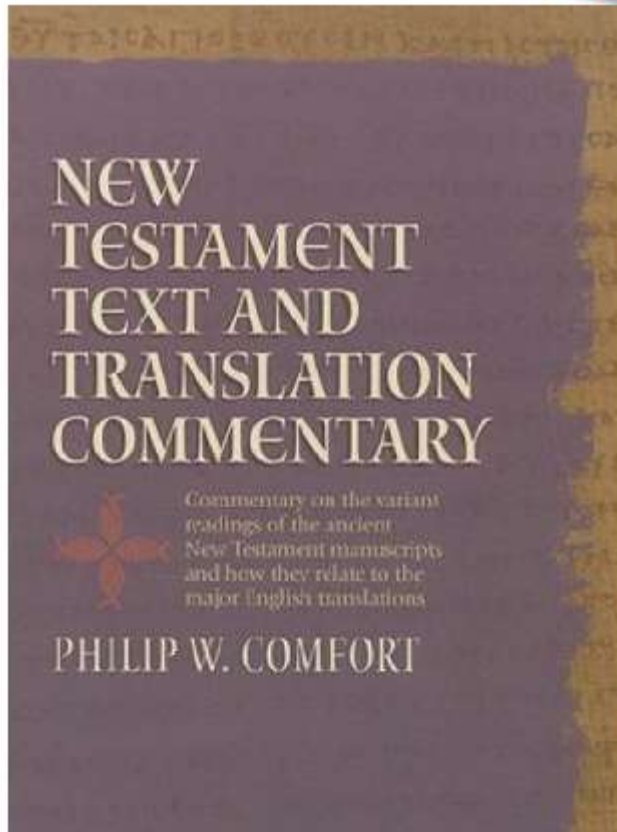
John 13:32

TR NU [εἰ ὁ θεὸς ἐδοξάσθη ἐν αὐτῷ]
"if God is glorified in him"
~~Ⲛ³ A C¹ Δ G P T¹ 33 Maj it syr^p cop^{sa} Origen~~
all

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا

variant/WH omit phrase
ⲡ⁶⁶ Ⲛ^{*} B C* D L W syr^{ac} cop^{ach}
NRSVmg NIVmg ISVmg NEBmg REBmg NJBmg NLTmg HCSBmg

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (تعلمون.... و) (καὶ οἶδατε) السينائية: العبارة غير موجودة	4 وَتَعْلَمُونَ حَيْثُ أَنَا أَذْهَبُ وَتَعْلَمُونَ الطَّرِيقَ".	أنتم تعرفون الطريق إلى حيث أنا ذاهب)..	4 And whither I go you know the way.	M-01A John 14:4 Καὶ οπου εγω υπαγω οιδατε τη οδον (Jn. 14:4 M-01A)	يو 4-14	33
<p>لاحظ النساخ أن التلاميذ قالوا في العدد (5 :14) : قَالَ لَهُ ثُومًا: "يَا سَيِّدُ، لَسْنَا نَعْلَمُ أَيْنَ تَذْهَبُ، فَكَيْفَ نَقْدِرُ أَنْ نَعْرِفَ الطَّرِيقَ؟" هنا أشاروا إلى عدم معرفتهم بشيئين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - عدم معرفة أين يذهب يسوع - عدم معرفة الطريق <p>ثم لاحظوا أن يسوع في العدد (4 :14) أشار لمعرفة التلاميذ للطريق فقط , فأضاف النساخ (معرفة مكان الذهاب) حتى يكتمل التقاطع بين النصين (4 :14) و (5 :14) (تحسين النص)</p>					التعليق	

Joh 14:4
 14:4 ΚΑΙ ΟΠΟΥ ΕΓΩ ΥΠΑΓΩ ΟΙΔΑΤΕ ΚΑΙ ΤΗΝ ΟΔΟΝ
 kai hopou egO hupagO oidate kai ten odon
 AND THE-2 where I AM-UNDER-LEADING YE-HAVE-PERCEIVED AND THE WAY
 where^e am-going-away ye-are-aware

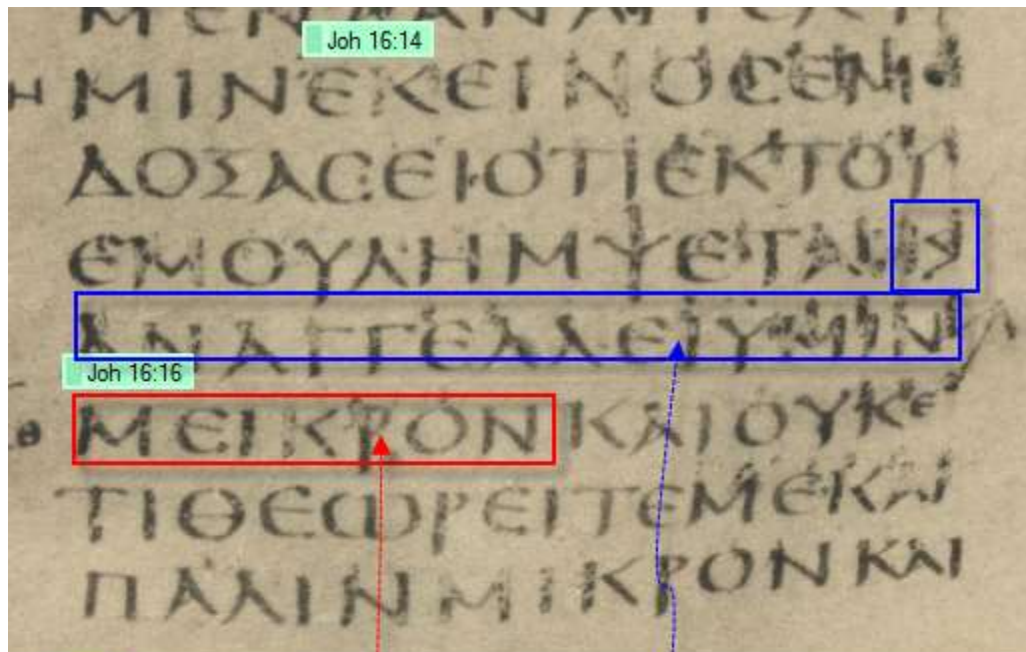
تعلمون
 ΟΙΔΑΤΕ
 oidate
 YE-HAVE-PERCEIVED
 ye-are-aware-of

غير موجود بالمخطوط

Joh 14:5
 14:5 ΛΕΓΕΙ ΑΥΤΩ ΘΩΜΑΣ ΚΥΡΙΕ ΟΥΚ ΟΙΔΑΜΕΝ ΠΟΥ
 legei autO thOmas kurie ouk oidamen pou
 IS-saying to-Him THOMAS Master! NOT WE-HAVE-PERCEIVED ?-where

قال

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص: كُلُّ مَا لِلآبِ هُوَ لِي. لِهَذَا قُلْتُ إِنَّهُ يَأْخُذُ مِمَّا لِي وَيُخْبِرُكُمْ SCR John 16:15 πάντα ὅσα ἔχει ὁ πατήρ ἐμά ἐστι· διὰ τοῦτο εἶπον, ὅτι ἐκ τοῦ ἐμοῦ λήψεται, καὶ ἀναγγελεῖ ὑμῖν. (Jn. 16:15 SCR) السينائية: النص بالكامل غير موجود	١٥ كُلُّ مَا لِلآبِ هُوَ لِي. لِهَذَا قُلْتُ إِنَّهُ يَأْخُذُ مِمَّا لِي وَيُخْبِرُكُمْ	[محنوف]	[no verse]	[no verse]	يو15-16	34
أضاف النساخ النص من أجل إثبات ألوهية يسوع من خلال عبارة (كل ما للآب فهو لي) (دعم ألوهية يسوع) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	



16:14 ΕΚΕΙΝΟΣ ΕΜΕ ΔΟΣΑΣΕΙ ΟΤΙ ΕΚ ΤΟΥ ΕΜΟΥ
 ekeinos eme doxasei hoti ek tou emou
 that ME SHALL-BE-esteemizing that OUT OF-THE ME
 that-one shall-be-glorifying seeing-that mine

ΛΗΨΕΤΑΙ ΚΑΙ ΑΝΑΓΓΕΛΕΙ ΥΜΙΝ
 lēpsetai kai anaggelei humin
 it-SHALL-BE-GETTING AND SHALL-BE-UP-MESSAGING to-YOU(P)
 shall-be-informing ye

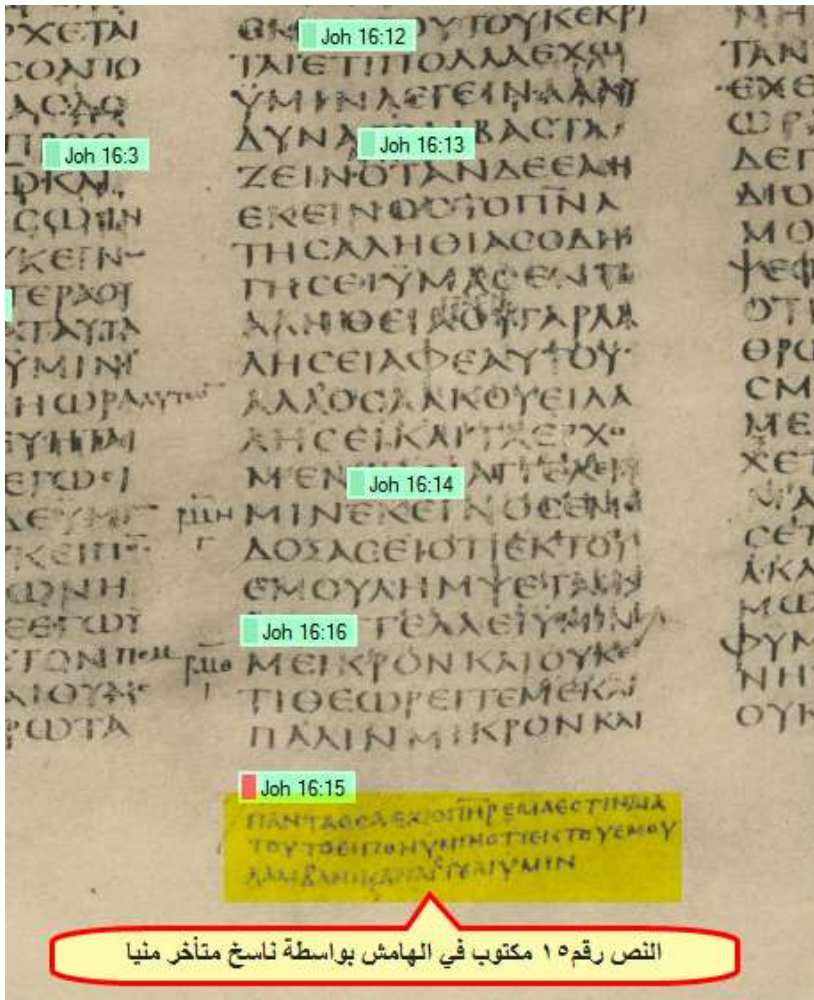
16:15 ΠΑΝΤΑ ΟΣΑ ΕΧΕΙ Ο ΠΑΤΗΡ ΕΜΑ ΕΣΤΙΝ ΔΙΑ ΤΟΥΤΟ
 panta hosa echei ho patēr ema estin dia touto
 ALL as-much-as IS-HAVING THE FATHER MY IS THRU this
 whatever mine(P) because-of

ΕΙΠΟΝ ΟΤΙ ΕΚ ΤΟΥ ΕΜΟΥ ΛΗΨΕΤΑΙ ΚΑΙ ΑΝΑΓΓΕΛΕΙ
 eipon hoti ek tou emou lēpsetai kai anaggelei
 I-said that OUT OF-THE ME it-SHALL-BE-GETTING AND SHALL-BE-UP-MESSAGING
 mine shall-be-informing

ΥΜΙΝ
 humin
 to-YOU(P)
 ye

المظلل بالأصفر غير موجود
 بالمخطوط

16:16 ΜΙΚΡΟΝ ΚΑΙ ΟΥ ΘΕΩΡΕΙΤΕ ΜΕ ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΜΙΚΡΟΝ ΚΑΙ
 mikron kai hou theOreite me kai palin mikron kai
 LITTLE AND NOT YE-ARE-beholdING ME AND AGAIN LITTLE AND



النص رقم ١٥ مكتوب في الهامش بواسطة ناسخ متأخر منيا

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي، وفقا للجهاز النقدي الشهير
NA28
 والجهاز النقدي الشهير
CNNTS

NA28 Apparatus Expand

John 16:15 (• 15) [Intro](#) - [key](#) - [mss list](#)
 Eusebian section/canon number: 149 [x](#) [\[all\]](#)

Var. unit #0: (omitted words)

□ πάντα ὅσα ἔχει ὁ πατήρ ἐμὰ ἐστίν· διὰ τοῦτο εἶπον
 ὅτι ἐκ τοῦ ἐμοῦ λαμβάνει καὶ ἀναγγελεῖ ὑμῖν.¹
 (full text)

(omit) 966 N* sams b^{omss}

CNNTS Apparatus Expand Search

Joh 16:15 variation unit #13.0 [Joh 16:15-13.0]

παντα ὅσα εχει ο πατηρ εμα εστιν δια τουτου
ΕΙΠΟΝ οτι εκ του εμου λαμβανει και
 αναγγελεει υμιν

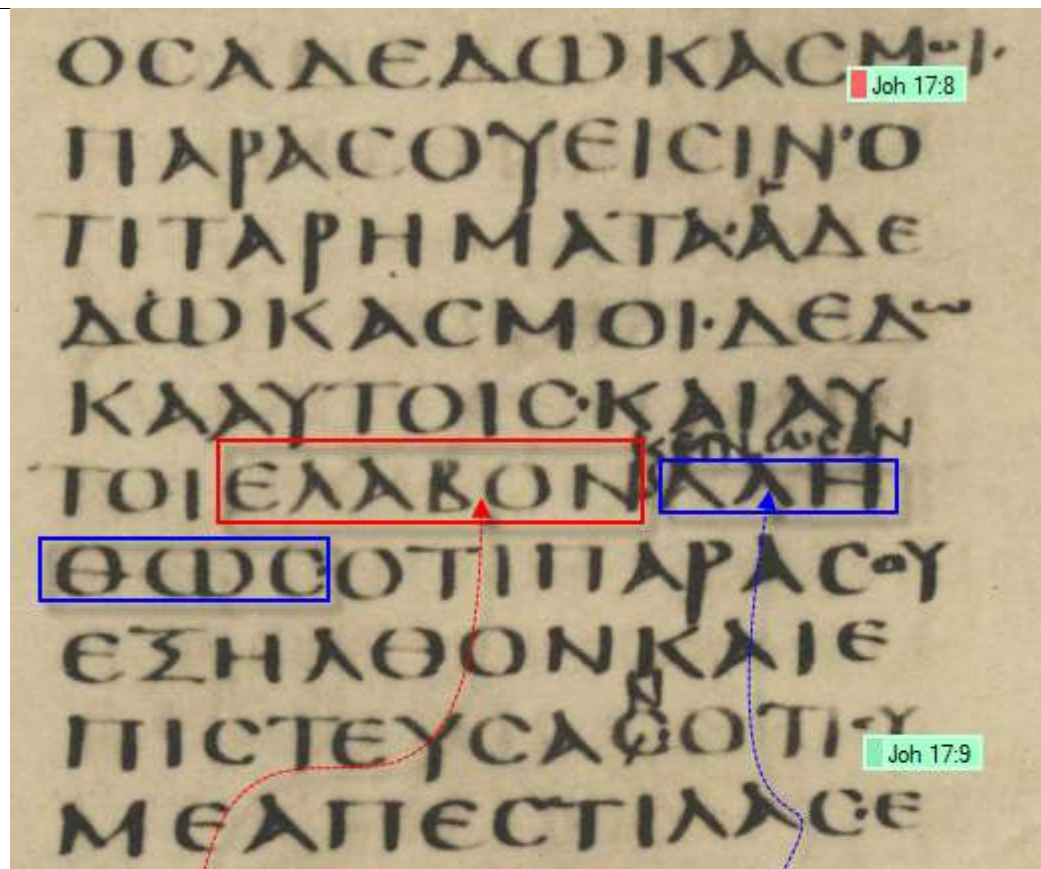
ΕΙΠΟΝ S⁰ 966^{vid} A B D05 E07 G011 H013 K017 M021 S U
 W^{supp} Y Δ Λ Π Ψ Ω 1 2 10 13 21 28 33 35 60 69 83 124 157
 178 229 263 346 382 399 461 480 489 544 565 579 669 700 703
 726 788 825 927 943 944 1005 1006 1023 1113 1186 1190 1191
 1195 1200 1201 1217 1220 1222 1232 1235 1238 1242 1247
 1251 1313 1319 1322 1341 1342 1346 1355 1424 1470 1476
 1478 1492 1514 1582 2322 2372 2382 2399 f¹ f¹³ MT SBL TR
 b c ff² g¹ k >>>

+ υμιν A 2 N^c L019 N^Θ 47 56 58 118 1071 1203 a e f q >>>

OM 99 H 966 N* >>>

I	II	III	IV	V	No Category
3 c.	966				

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (و علموا και ἔγνωσαν) السينائية: العبارة غير موجودة	8 لَأَنَّ الْكَلَامَ الَّذِي أَعْطَيْتَنِي قَدْ أَعْطَيْتُهُمْ، وَهُمْ قَبِلُوا وَعَلِمُوا يَقِينًا أَنِّي خَرَجْتُ مِنْ عِنْدِكَ، وَأَمَّنُوا أَنَّكَ أَنْتَ أَرْسَلْتَنِي	8 for the words that thou gavest me I have given them, and they have received them in truth that I came forth from thee, and have believed that thou didst send me.	M-01A John 17:8 οτι τα ρηματα α δεδωκας μοι δεδωκα αυτοις και αυτοι ελαβον αληθως οτι παρα σου εξηλθον και επιστευσας οτι συ με απεστιλας	يو 8-17	35
<p>أضاف النساخ لفظة (و علموا) لسببين :</p> <ul style="list-style-type: none"> - توضيح أن التلاميذ لم يقبلوا المسيح بغير علم إنما بناء على علم يقيني - توضيح أن خروج المسيح من عند الآب (ألهيته) هو حقيقة قائمة على علم يقيني <p>(دعم ألوهية يسوع) (دعم الإيمان)</p>					التعليق	



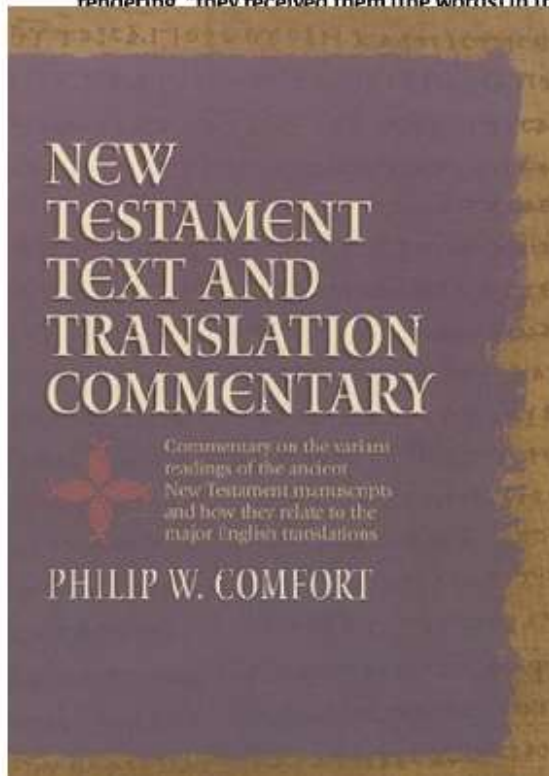
17:8	ΟΤΙ	ΤΑ	ΡΗΜΑΤΑ	Α	ΔΕΔΩΚΑΣ	ΜΟΙ	ΔΕΔΩΚΑ	ΑΥΤΟΙΣ	ΚΑΙ
	hoti	ta	rEmata	ha	dedOkas	moi	dedOka	autois	kai
	that	THE	declarations	WHICH	YOU-HAVE-GMVN	to-ME	I-HAVE-GMVN	to-them	AND
						me	them		
	ΑΥΤΟΙ	ΕΛΑΒΟΝ	ΚΑΙ	ΕΓΝΩΣΑΝ	ΑΛΗΘΩΣ	ΟΤΙ	ΠΑΡΑ	ΣΟΥ	ΕΞΗΛΘΟΝ
	autoi	elabon	kai	egnOsan	alEthUs	hoti	para	sou	exElthon
	they	GOT	AND	THEY-KNOW	TRUTh	that	BESIDE	YOU	I-OUT-CAME
		took-them		know					I-came-out
	ΚΑΙ	ΕΠΙΣΤΕΥΣΑΝ	ΟΤΙ	ΣΥ	ΜΕ	ΑΠΕΣΤΕΙΛΑΣ			
	kai	episteusan	hoti	su	me	apesteilas			
	AND	THEY-BELIEVE	that	YOU	ME	commission			

محذوف من المخطوط

John 17:8

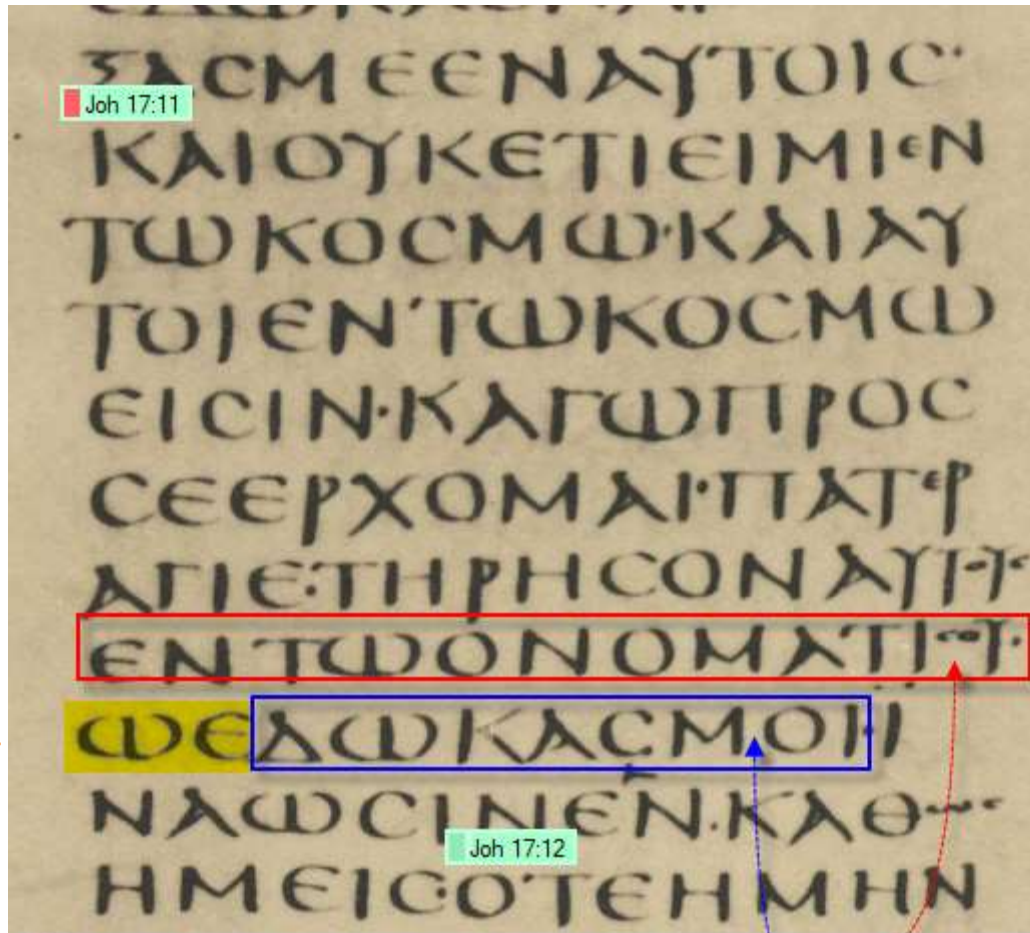
Excellent testimony (p^{66vid} p^{66vid} B C) supports the inclusion of the
("and knew") in the expression, "they received them [the words] and
from you." These two words, however, are absent from **N* A D W it^{ae} cop^{ach2bo}**, producing the
rendering, "they received them [the words] in truth that I came from you." Some scholars have
("and knew") were dropped because scribes thought
(7, 293). But 6:69 affirms that the disciples
ly One, so this argument seems unconvincing.

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي



قراءة (وعلموا) كتبت في الهامش بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا
ΚΑΙ ΕΓΝΩΣΑΝ

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
36	يو 11-17	M-01A John 17:11 Και ουκει εμι εν τω κοσμο και αυτοι εν τω κοσμο εισιν καγω προς σε ερχομαι Πατερ αγιε τηρησον αυτους εν τω ονοματι σου ω εδωκας μοι ινα ωσιν εν καθως ημεις	11 And I am no longer in the world, and these are in the world, and I come to thee. Holy Father, keep them in your name that thou hast given me, that they may be one, as we.	لن أبقى في العالم أما هم فبقاؤون في العالم، وأنا ذاهب إليك. أيها الأب القدوس، احفظهم باسمك الذي أعطيتني، حتى يكونوا واحدا مثلما أنت وأنا واحد	١ ١ وَلَسْتُ أَنَا بَعْدُ فِي الْعَالَمِ، وَأَمَّا هَؤُلَاءِ فَهُمْ فِي الْعَالَمِ، وَأَنَا آتِي إِلَيْكَ. أَيُّهَا الْأَبُ الْقُدُّوسُ، احْفَظْهُمْ فِي اسْمِكَ الَّذِي أَعْطَيْتَنِي، لِيَكُونُوا وَاحِدًا كَمَا نَحْنُ	النسخة العربية: تكتب عبارة: (اسمك الذي أعطيتني ἐν τῷ ὀνόματί σου, οὗτος δὲ δώκας μοι) السينائية: تكتب بدلا منها: (اسمك الذي أعطيتني ἐν τῷ ὀνόματι σου ὦ ἐδωκας μοι)
	التعليق	<p>قام النساخ بتغيير النص من (احفظهم في اسمك الذي أعطيتني) إلى (احفظهم في اسمك الذي أعطيتني) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - طمس فكرة أن يسوع له اسم الأب , فالابن ليس هو الأب فكيف يكون له اسمه؟ - إثبات أن المؤمنين ملك للابن بما يدعم مكانته الإلهية <p>(دعم عقيدة التمايز الأثنومي) (دعم ألوهية يسوع)</p>				



الذي

17:11 ΚΑΙ ΟΥΚ ΕΤΙ ΕΙΜΙ ΕΝ ΤΩ ΚΟΣΜΩ ΚΑΙ ΟΥΤΟΙ ΕΝ ΤΩ
 kai ouk eti eimi en to kosmō kai houtoi en to
 AND NOT STILL I-AM IN THE SYSTEM AND these IN THE
 not longer world these-men

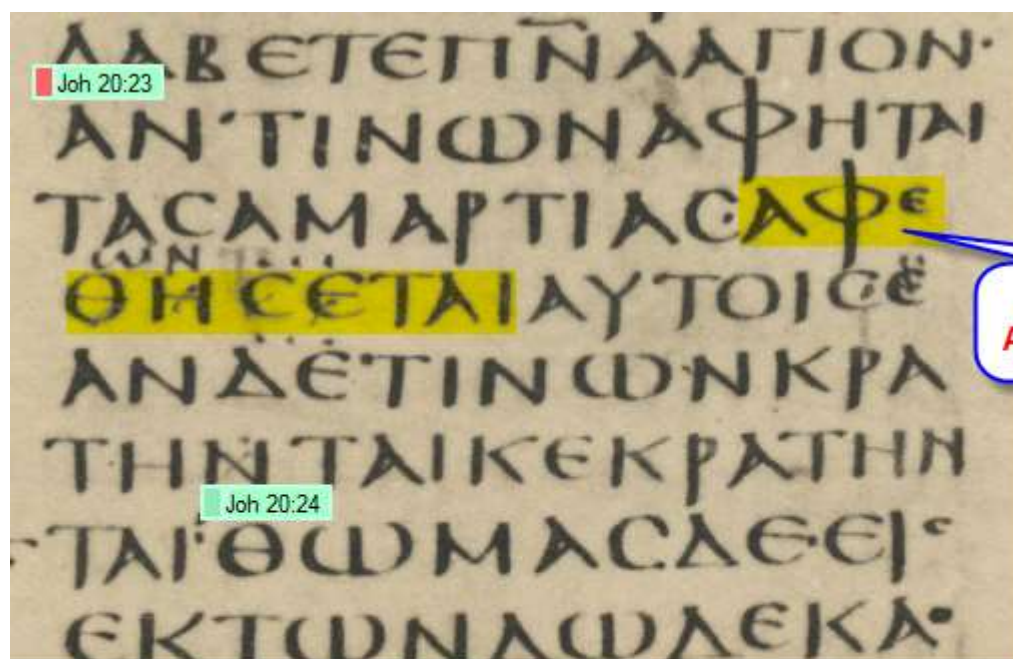
ΚΟΣΜΩ ΕΙΣΙΝ ΚΑΙ ΕΓΩ ΠΡΟΣ ΣΕ ΕΡΧΟΜΑΙ ΠΑΤΕΡ ΑΓΙΕ
 kosmō eisin kai egō pros se erchomai pater hagiē
 SYSTEM ARE AND I TOWARD YOU AM-COMING FATHER! HOLY!
 world

ΤΗΡΗΘΝ ΑΥΤΟΥΣ ΕΝ ΤΩ ΟΝΟΜΑΤΙ ΟΥΣ ΔΕΔΩΚΑΣ ΜΟΙ
 tērēthn autous en tō onomati sou ous dedōkas moi
 KEEP them IN THE NAME OF-YOU WHOM YOU-HAVE-GIVEN to-ME
 keep-you!

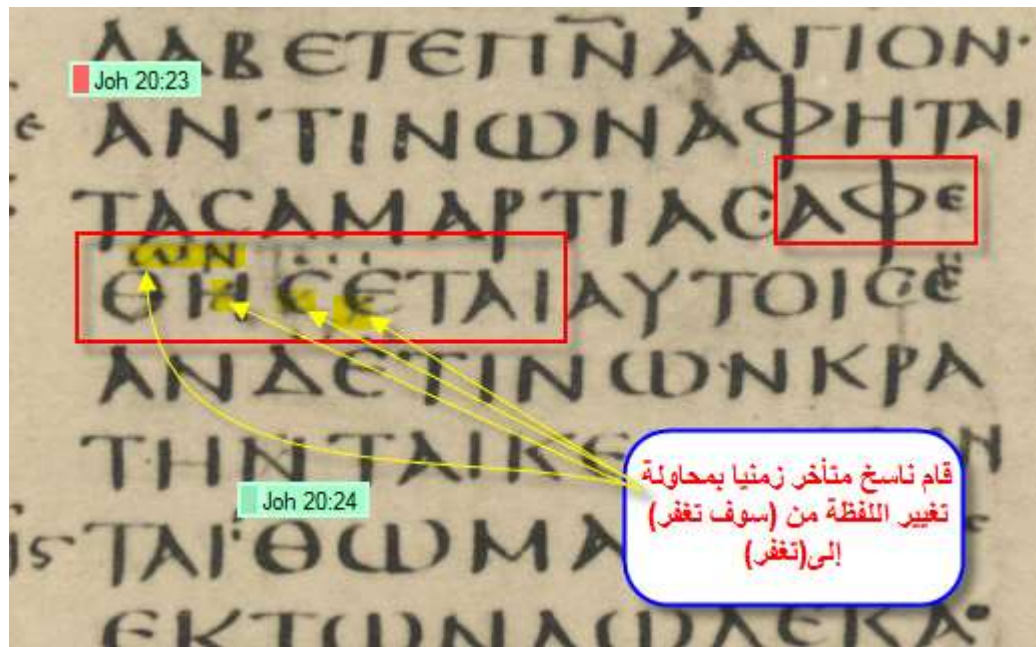
ΙΝΑ ΩΣΙΝ ΕΝ ΚΑΘΩΣ ΗΜΕΙΣ
 hina osin hen kathōs hēmeis
 THAT THEY-MAY-BE ONE according-AS WE
 we-are

محذوف من المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (تغفر <i>ἀφίενται</i>) السينائية: تكتب بدلا منها: (سوف تغفر <i>αφεθησεται</i>)	٢٣ مَنْ غَفَرْتُمْ خَطَايَاهُ تُغْفَرُ لَهُ، وَمَنْ أَمْسَكْتُمْ خَطَايَاهُ أُمْسِكْتُ	من غفرتم له خطاياه سوف تغفر له، ومن منعتم عنه الغفران يمنع عنه)).	23 Whosoever sins you forgive, they will be forgiven them; whosoever sins you retain, they are retained.	M-01A John 20:23 Αν τινων αφηται τας αμαρτιας αφεθησεται αυτοις εαν δε τινων κρατηνται κεκρατηνται	يو 20-23	37
قام النساخ بتغيير النص من (سوف تغفر) إلى (تغفر) من أجل التأكيد على تحقق المغفرة (دعم سر الاعتراف)					التعليق	

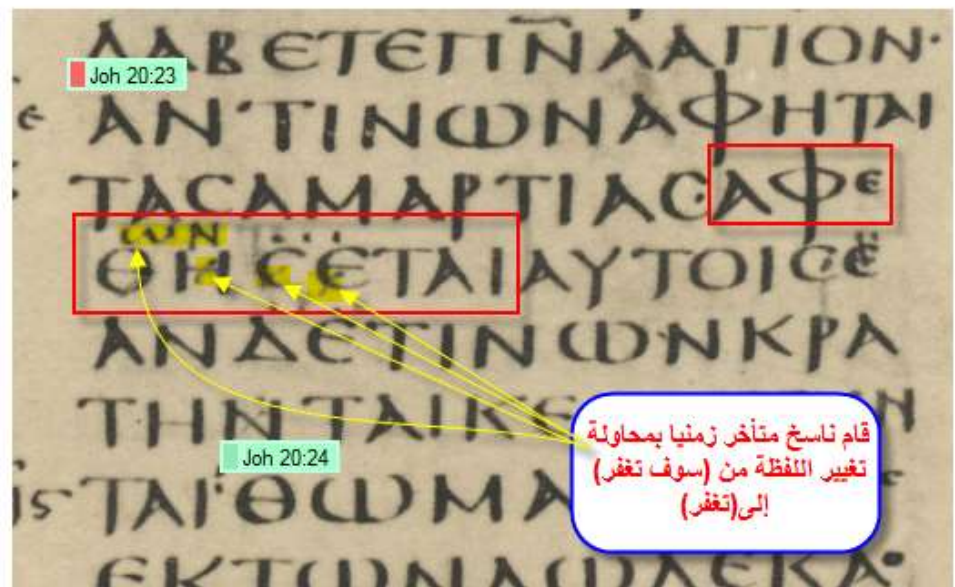
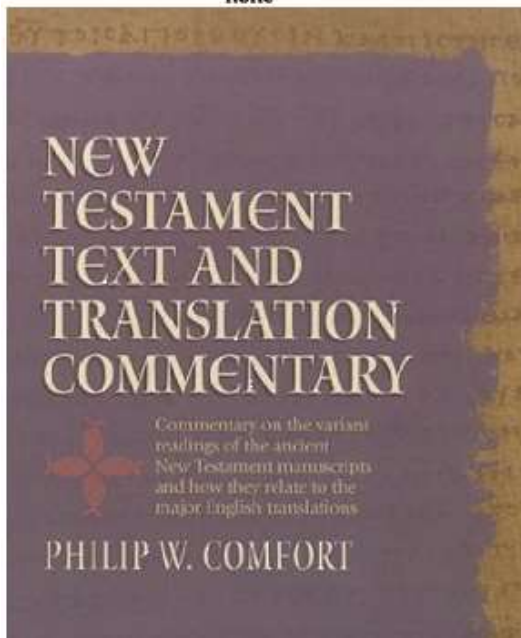


20:23	ΑΝ	ΤΙΝΩΝ	ΑΦΗΤΕ	ΤΑΣ	ΑΜΑΡΤΙΑΣ
	an	tinOn	aphEte	tas	hamartias
	EVER	OF-ANY	YE-MAY-BE-FROM-LETTING	THE	misses
		of-anyone(P)	ye-may-be-forgiving		sins
	ΑΦΙΕΝΤΑΙ	ΑΥΤΟΙΣ	ΑΝ	ΤΙΝΩΝ	ΚΡΑΤΗΤΕ
	aphientai	autois	an	tinOn	kratEte
	THEY-ARE-being-FROM-LET	to-them	EVER	OF-ANY	YE-MAY-BE-HOLDING
	they-are-being-forgiven	them		of-anyone(P)	



John 20:23

WH NU	τὰς ἁμαρτίας ἀφέωνται "the sins have been forgiven" N² (B ¹ Ψ ἀφίονται) Δ D (f1) f1,13 33 ^{vid} NASB NAB	<div style="border: 1px solid blue; border-radius: 15px; padding: 5px; width: fit-content; margin: auto;"> <p style="margin: 0;">قراءة (سوف تغفر) تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا</p> </div>
variant 1/TR	τὰς ἀμαρτίας ἀφίενται "the sins are forgiven" B ² W Δ Θ 078 KJV NKJV RSV NRSV ESV NIV TNIV NEB REB NJB NLT HCSB NET	
variant 2	τὰς ἀμαρτίας ἀφεθησεται "the sins will be forgiven" N[*] cop none	<div style="border: 1px solid blue; border-radius: 15px; padding: 5px; width: fit-content; margin: auto;"> <p style="margin: 0;">قراءة (سوف تغفر) تمت بواسطة الناسخ الأصلي</p> </div>



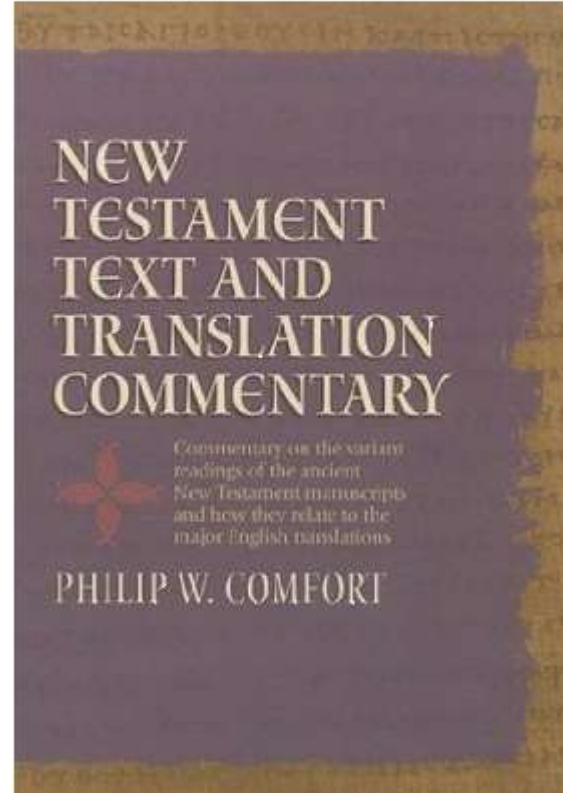
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (فماذا لك τί πρὸς σε) السينائية: العبارة غير موجودة	٢٣ فذاع هذا القول بين الإخوة: إن ذلك التلميذ لا يموت. ولكن لم يقل له يسوع إنه لا يموت، بل قال له: ((لو شئت أن يبقى حتى آجي، فمأذا لك؟"	فشاع بين الأخوة أن هذا التلميذ لا يموت، مع أن يسوع ما قال لبطرس إنه لا يموت، بل قال له: ((لو شئت أن يبقى إلى أن آجي))	23 Therefore went this saying, forth among the brethren, that that disciple should not die; and yet Jesus did not say to him: Thou shalt not die, but: If I will that he remain till I come	M-01A John 21:23 Ἐξηλθεν οὖν αὐτός ὁ λόγος εἰς τοὺς ἀδελφούς ὅτι ὁ μαθητὴς ἐκεῖνος οὐκ ἀποθνήσκει οὐκ εἶπεν δὲ αὐτῷ ὁ Ἰησοῦς ὅτι οὐκ ἀποθνήσκει ἀλλ' ἔαν αὐτὸν θελω μένειν ἕως ἐρχομαι	يو 21-23	38
أضاف النساخ عبارة (فماذا لك) حتى يعالجوا النقص في عبارة يوحنا الذي ذكر الشرط ولم يذكر جوابه (إن كنت أشاء....) (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

John 21:23

A few manuscripts (N^{*} C^{2vid} it^{ae} syr^e) omit the phrase τι προς σε ("what [is that] to you?"). Perhaps it was added later to conform the statement in 21:23 to 21:22. However, since the inclusion of the phrase is well attested (P^{109vid} N¹ A B C* W Θ Ψ f¹³ 33 Maj), it should be considered original.

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا



أعمال الرسائل

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (والطلبية = الدعاء) (και τη δεήσει) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٤ هؤلاء كلهم كانوا يواظبون بنفس واحد على الصلاة والطلبية مع النساء، ومريم أم يسوع، ومع إخوته.	وكانوا يواظبون كلهم على الصلاة بقلب واحد، مع بعض النساء ومريم أم يسوع وإخوته	14 These all continued with one accord in prayer, with the women, and Mary the mother of Jesus, and with his brothers.	M-01A Acts 1:14 Ουτοι παντες ησαομοθυμαδον προσκαρτερουντες ομοθυμαδοτη προσευχη συγυναιξιν και Μαρια τη μητρι του ΙΥ και τοις αδελφοις αυτου	أع14-14	1
أضاف النساخ لفظة (والطلبية = الدعاء) من إظهار جانب العبادة في حياة الرسل لسد الفراغ الروحي التعلق بالعبادات في العهد الجديد , حيث لا يوجد أمر بالعبادة , ومن هنا تأتي هذه الإشارات لسد هذا الفراغ (سد الفراغ الروحي بزراعة العبادات)					التعليق	

Act 1:14

Act 1:15

غير موجود في المخطوط

1:14 ΟΥΤΟΙ ΠΑΝΤΕΣ ΗΣΑΝ ΠΡΟΣΚΑΡΤΕΡΟΥΝΤΕΣ ΟΜΟΘΥΜΑΔΟΝ ΤΗ

houtoi pantes Esan proskarterountes homothumadon te
these ALL WERE perseverING LIKE-FEEL to-THE
with-one-accord

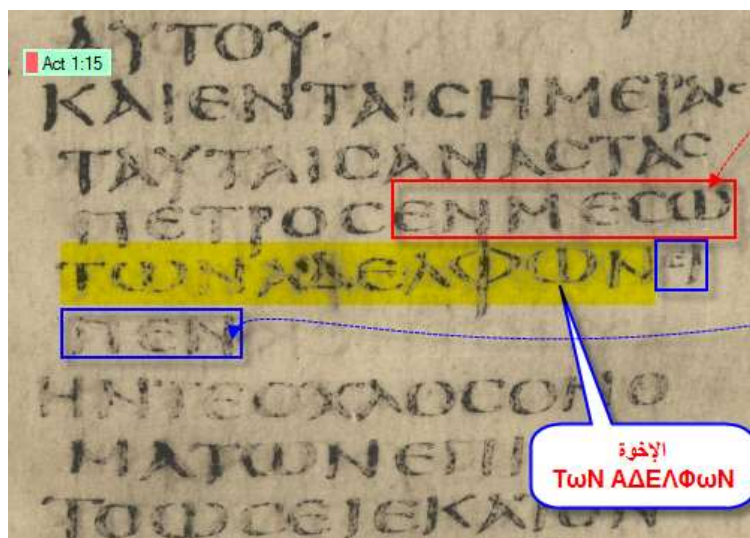
1:15 ΤΗ ΠΡΟΣΕΥΧΗ ΚΑΙ ΤΗ ΔΕΗΣΕΙ ΚΥΝ ΓΥΝΑΙΞΙΝ ΚΑΙ ΜΑΡΙΑ ΤΗ

proseuchē kai tē deēsei sun gunaixin kai maria tē
prayer AND to-THE petition TOGETHER to-WOMEN AND MARY THE
togetherwith the-women

ΜΗΤΡΙ ΤΟΥ ΙΗΣΟΥ ΚΑΙ ΚΥΝ ΤΟΙΣ ΑΔΕΛΦΟΙΣ ΑΥΤΟΥ

mEtri tou iEsou kai sun tois adelphois autou
MOTHER OF-THE JESUS AND TOGETHER to-THE brothers OF-Him
togetherwith the

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب لفظة: (التلاميذ τῶν μαθητῶν) السينائية: تكتب بدلا منها: (الإخوة τῶν ἀδελφῶν)	و فِي تَلْكَ الْأَيَّامِ قَامَ بُطْرُسُ فِي وَسْطِ التَّلَامِيذِ، وَكَانَ عِدَّةُ أَسْمَاءٍ مَعًا نَحْوَ مِئَةٍ وَعِشْرِينَ.	15 And in these days Peter rose up in the midst of the brethren and said (and there was a multitude of names together, about a hundred and twenty):	M-01A Acts 1:15 Και εν ταις ημεραις ταυταις αναστας Πετρος εν μεσω των αδελφων ειπεν ην τε οχλος ονοματων επι το αυτο ωσει εκατον εικοσι	أع15-15	2
قام النساخ بتغيير الكلمة من (الإخوة) إلى (التلاميذ) حتى لا يفهم أن الإخوة المقصودين هم إخوة يسوع الذين ذكرهم النص السابق مباشرة لهذا النص (أع1-14) (تمسكين النص)					التعليق	

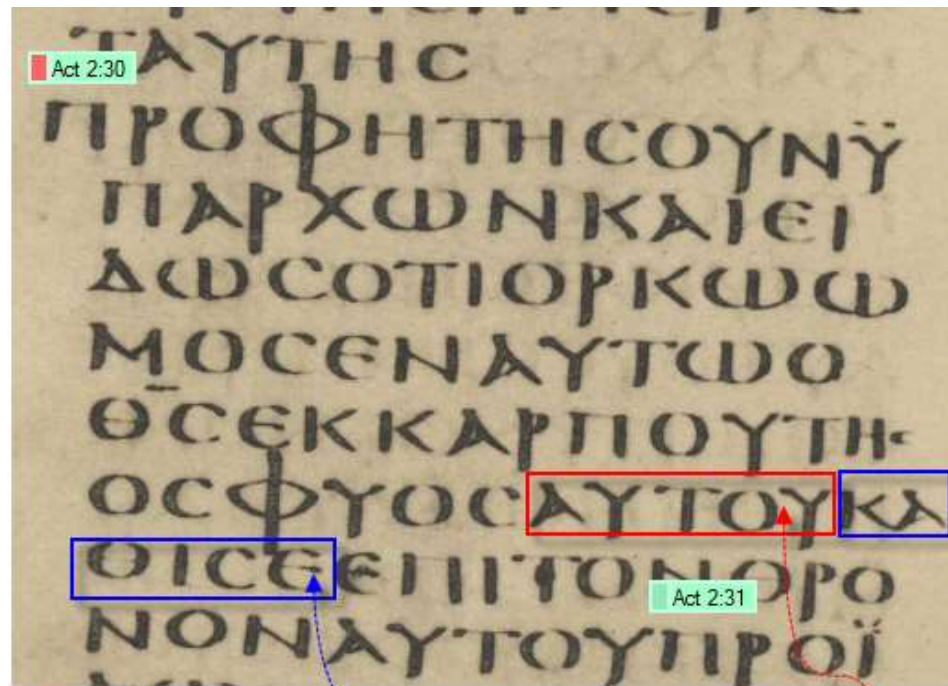


1:15	ΚΑΙ	ΕΝ	ΤΑΙΣ	ΗΜΕΡΑΙΣ	ΤΑΥΤΑΙΣ	ΑΝΑΣΤΑΣ	ΠΕΤΡΟΣ	ΕΝ	ΜΕΣΩ
	kai	en	tais	hEmerais	tautais	anastas	petros	en	mesO
	AND	IN	THE	DAYS	these	UP-STAND ^{ing}	Peter	IN	MIDst
						rising			
التلاميذ	قال								
ΤΩΝ ΜΑΘΗΤΩΝ	ΕΙΠΕΝ	ΗΝ	ΤΕ	ΟΧΛΟΣ	ΟΝΟΜΑΤΩΝ	ΕΠΙ	ΤΟ		
tOn mathEtOn	eipen	En	te	ochlos	onomatOn	epi	to		
OF-THE LEARNers	said	WAS	BESIDES	THROG	OF-NAMES	ON	THE		
disciples		there-was							
ΑΥΤΟ	ΩΣ	ΕΚΑΤΟΝ	ΕΙΚΟΣΙ						
auto	hOs	hundred	twenty						
SAME	AS	HUNDRED	TWENTY						
same-place	about								

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (يهود Ioudaioi) السينائية: اللفظة غير موجودة	وَكَانَ يَهُودٌ رَجَالٌ اتَّقِيَاءُ مِنْ كُلِّ أُمَّةٍ تَحْتَ السَّمَاءِ سَاكِنِينَ فِي أُورُشَلِيمَ	وكان في اورشليم أناس أتقياء جاؤوا من كل أمة تحت السماء.	5 And there were dwelling in Jerusalem devout men, from every nation under heaven;	M-01A Acts 2:5 Ἦσαν δε εις ἸΗΛΑΜ κατοικουντες ᾱδρες ευλαβεις απο παντος εθνους των υπο τον ουρανον	أع2-5	3
أضاف النساخ لفظة (يهود) لسببين: - تقديم تفسير لسبب اجتماع أناس من كل الأمم مجتمعين في اورشليم , فلم يكن أمامهم سوى إضافة لفظة (يهود) حيث أنه من المعروف اجتماع يهود الشتات في اورشليم للأعياد سنويا - لاحظ النساخ أن بطرس في العدد(2-14) بدأ خطابه للجمع الغير بعبارة: (أيها الرجال اليهود) فكانت هذه الإضافة لتوضيح هوية المجتمعين حتى يحدث التقاطع بين العديدين(2-5) و(2-14) (جعل الأمور أكثر منطقية) (تحسين النص)					التعليق	

2:5	Ἦσαν	δε	ἐν	Ἱερουσαλὴμ	Κατοικοῦντες	Ἰουδαῖοι	ἄνδρες
	Esan	de	en	ierousalEm	katoikountes	ioudaioi	andres
	WERE	YET	IN	JERUSALEM	DOWN-HOMING	JUDA-ans	MEN
	there-were				dwelling	Jews	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (يقيم المسيح حسب الجسد τὸ κατὰ σάρκα ἀναστήσειν τὸν Χριστόν) السينائية: العبارة غير موجودة	فإذ كان نبيا وعلم أن الله حلف له بقسم أنه من ثمرة صلبه يقيم واحدا ليجلس على كرسيه.	30 Therefore, being a prophet, and knowing that God had sworn with an oath to him that he would set of the fruit of his loins upon his throne	M-01A Acts 2:30 Προφητης ουν υπαρχων και ειδως οτι ορκω ωμοσεν αυτω ο θεος εκ καρπου της οσφυος αυτου καθισε επι τον θρονον αυτου	أع2-30	4
<p>أضاف النساخ عبارة (يقيم المسيح حسب الجسد) لعدة أسباب:</p> <ul style="list-style-type: none"> - إثبات أن يسوع هو المسيح المنتظر - إرساء فكرة الناسوت واللاهوت التي تسهل تأليه المسيح دون أن تكون النصوص الدالة على بشريته عائقا. - فتح الباب أمام البنوة الإلهية للمسيح من الأب, حيث ان نبوته لداود هي حسب الجسد فقط <p>(دعم ألوهية يسوع) (ترسيخ فكرة الناسوت واللاهوت) (دعم مسيانية يسوع) (دعم البنوة الإلهية لیسوع)</p>					التعليق	



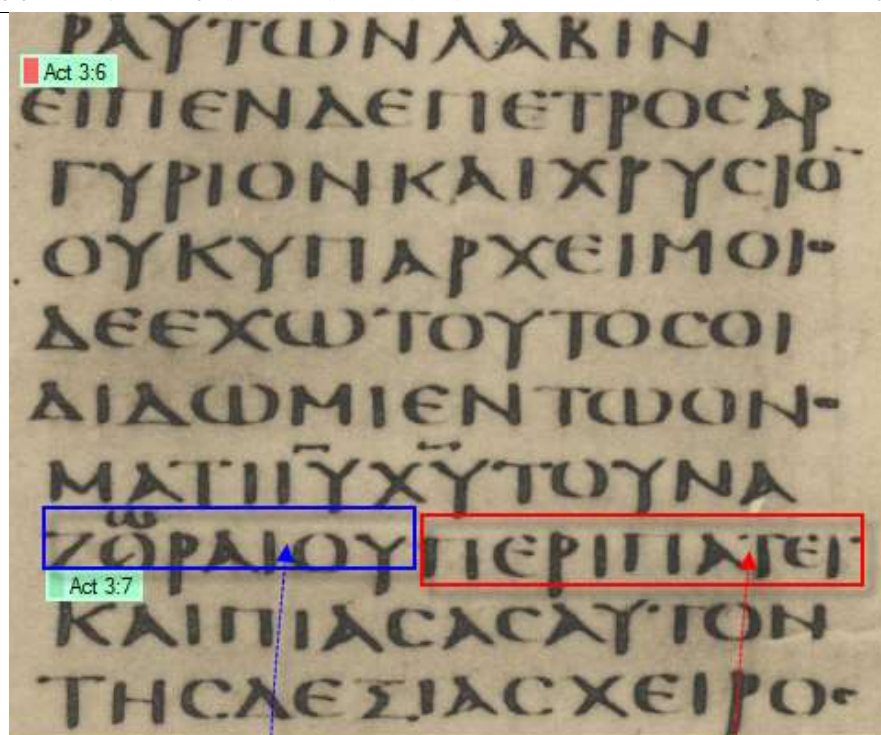
2:30	ΠΡΟΦΗΤΗΣ	ΟΥΝ	ΥΠΑΡΧΩΝ	ΚΑΙ	ΕΙΔΩΣ	ΟΤΙ	ΟΡΚΩ	
	prophEtEs	oun	huparchOn	kai	eidOs	hoti	horkO	
	BEFORE-AVERer	THEN	belongING	AND	HAVING-PERCEIVED	that	to-OATH	
	prophet		being-inherently					
	ΩΜΟCΕΝ	ΑΥΤΩ	Ο	ΘΕΟC	ΕΚ	ΚΑΡΠΟΥ	ΤΗΣ	ΟCΦΥΟC
	Omosen	auto	ho	theos	ek	karpou	tEs	osphuoc
	SWEARS	to-him	THE	God	OUT OF-FRUIT	OF-THE	LOIN	OF-him
								ΑΥΤΟΥ
								TO
	ΚΑΤΑ	CΑΡΚΑ	ΑΝΑCΤΗCΕΙΝ	ΤΟΝ	ΧΡΙCΤΟΝ	ΚΑΘΙCΑΙ	ΕΠΙ	ΤΟΥ
	kata	sarka	anastEsein	ton	christon	kathisai	epi	tou
	according-to	FLESH	TO-BE-UP-STANDING (fut.)	THE	ANOINTED	TO-be-seated	ON	OF-THE
			to-be-raising (fut.)		Christ			the

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

أن يقيم المسيح حسب الجسد

يجلس

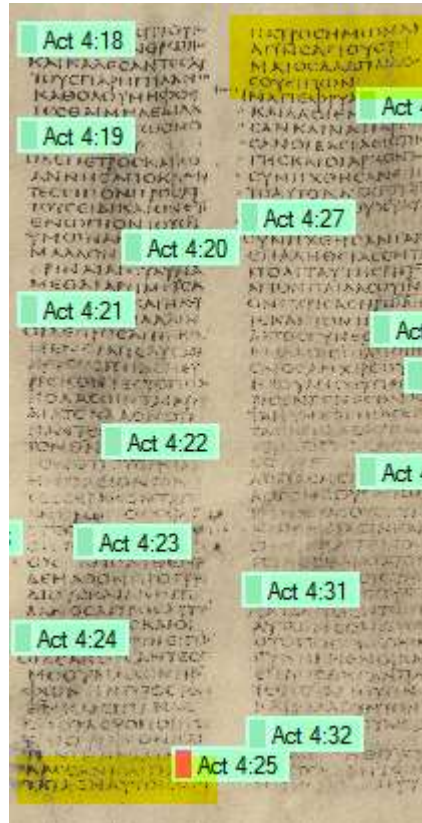
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (قم εγειραι) السينائية: اللفظة غير موجودة	٦ فَقَالَ بُطْرُسُ: "لَيْسَ لِي فِضَّةٌ وَلَا ذَهَبٌ، وَلَكِنْ الَّذِي لِي فَأَيَّاهُ أُعْطِيكَ: بِاسْمِ يَسُوعَ الْمَسِيحِ النَّاصِرِيِّ قُمْ وَامْشِ!"	فقال بطرس: «ليس لي فضة ولا ذهب ولكن الذي لي فاياه أعطيك: باسم يسوع المسيح الناصري امش».	6 But Peter said: Silver and gold have I not; but what I have, this I give thee: in the name of Jesus Christ the Nazarene, walk.	M-01A Acts 3:6 Εἶπεν δε Πέτρος Ἀργυριον και χρυσιο̅ ουκ υπαρχει μοι ο δε εχω τουτο σοι διδωμι Εν τω ονοματι Ἰη̅χ̅υ̅ του Ναζοραίου περιπατει (Acts 3:6 M-01A)	أع3-6	6
أضاف النساخ لفظة (قم) لسببين: - لأنهم لاحظوا في العددين (7, 8) أن بطرس أقام الأعرج, فأضافوا القيام في النص رقم 6 لتتقاطع النصوص الثلاثة - إعطاء المعجزة زخما أكبر, حيث أنه بدون(القيام) من الممكن بعد المعجزة أن يمشي الرجل لكن بشكل فيه عرج أو انحناء , فإضافة (القيام) تفيد تمام الاستقامة أثناء المشي أي المشي الطبيعي (تحسين النص)(دعم المعجزات)					التعليق	



3:6	ΕΙΠΕΝ	ΔΕ	ΠΕΤΡΟΣ	ΑΡΓΥΡΙΟΝ	ΚΑΙ	ΧΡΥΣΙΟΝ	ΟΥΧ	ΥΠΑΡΧΕΙ	ΜΟΙ
	eipen	de	petros	argurion	kai	chrusion	ouch	huparchei	moi
	said	YET	Peter	SILVER	AND	GOLD	NOT	IS-belongING	to-ME
				silver-coin		gold (dim)			
	Ο	ΔΕ	ΕΧΩ	ΤΟΥΤΟ	ΣΟΙ	ΔΙΔΩΜΙ	ΕΝ	ΤΩ	ΟΝΟΜΑΤΙ
	ho	de	echō	touto	soi	didōmi	en	tō	onomati
	WHICH	YET	I-AM-HAVING	this	to-YOU	I-AM-GIVING	IN	THE	NAME
									OF-JESUS
	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΤΟΥ	ΝΑΖΩΡΑΙΟΥ	ΕΓΕΙΡΑΙ	ΚΑΙ	ΠΕΡΙΠΑΤΕΙ			
	christou	tou	nazōraiou	egeirai	kai	peripatei			
	ANOINTED	THE	NAZARENE	be-YOU-ROUSED	AND	BE-ABOUT-TREADING			
	Christ			be-you-roused!		be-you-walking!			

محذوفة من
المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: بدون (من خلال الروح القدس) السينائية: تضيف عبارة: (من خلال الروح القدس.. أبونا του πατρος ημων δια ΠΙΝΣ̄ αγιου)	25 الْقَائِلُ بِفَمِ دَاوُدَ فَتَاكَ: لِمَاذَا ارْتَجَبَتِ الْأُمَمُ وَتَفَكَّرَ الشُّعُوبُ بِالْبَاطِلِ؟	القائل من خلال الروح القدس بفم فتاك, أبونا داود: لماذا ارتجت الأمم وتفكر الشعوب بالباطل؟	25 that through the Holy Spirit by the mouth of our father David thy servant didst say: Why did Gentiles rage and people's desire vain things?	M-01A Acts 4:25 ο του πατρος ημων δια ΠΙΝΣ̄ αγιου στοματος ΔΑΔ̄ παιδος σου ειπων Ινατι εφρναξαν εθνη και λαοι εμελετησαν καινα	أع4-25	7
قام النساخ بحذف عبارة (من خلال الروح القدس.. أبونا) لأنهم استغربوا كيف سيتكلم الله من خلال الروح القدس؟ أليس الله هو نفسه الروح القدس؟ , كان النساخ معتادين أكثر على أن الذي يتكلم من خلال الروح القدس هم الأنبياء وليسوا معتادين على حدوث هذا في حق الإله نفسه (تمسجين النص)					التعليق	



(من خلال الروح القدس)
 ΤΟΥ ΠΑΤΡΟΣ ΗΜΩΝ
 ΔΙΑ ΓΙΝΣ̄ ΑΓΙΟΥ

ΠΑΤΡΟΧΗΜΩΝ ΔΙ
 ΑΠΗΣΑΓΙΟΥΣΤΟ
 ΜΑΤΟΣ ΔΑΔΠΑΙΔΟ
 ΣΟΥ ΕΙΠΩΝ
 ΙΝΑ ΠΙΕΦΡΥΑΣΑΝ ΕΘΗ
 > ΚΑΙ ΛΑΟΙ ΕΜΕΚΕΤΗ
 > ΣΑΝ ΚΑΙΝΑ ΠΑΡΕΤΗ

ΙΝΑ ΣΑΝ ΚΑΙ ΠΑ
 ΤΑ ΕΝ ΑΥΤΟΙΣ

4:24 ΟΙ ΔΕ ΑΚΟΥΣΑΝΤΕΣ ΟΜΟΘΥΜΑΔΟΝ ΗΡΑΝ ΦΩΝΗΝ ΠΡΟΣ ΤΟΝ
 hoi de akousantes homothumadon Eran phOnEn pros ton
 THE-ones YET HEARING LIKE-FEEL with-one-accord LIFT SOUND TOWARD THE

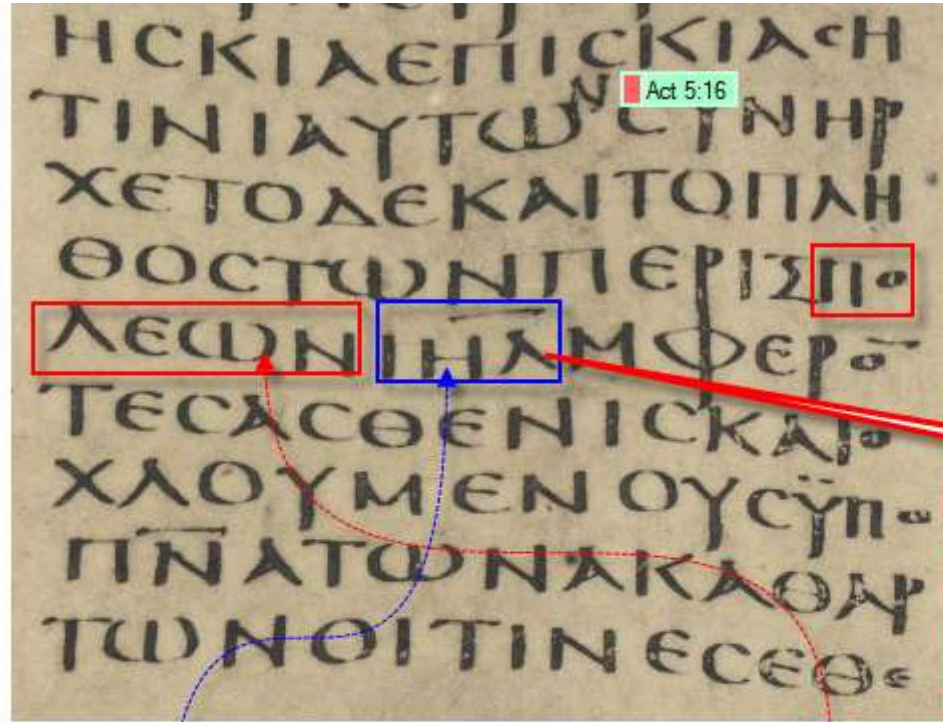
ΘΕΟΝ ΚΑΙ ΕΙΠΟΝ ΔΕΣΠΟΤΑ ΣΥ Ο ΘΕΟΣ Ο ΠΟΙΗΣΑΣ ΤΟΝ
 theon kai eipon despota su ho theos ho poiEsas ton
 God AND said OWNER I YOU THE God THE One-making THE
 one-making

ΟΥΡΑΝΟΝ ΚΑΙ ΤΗΝ ΓΗΝ ΚΑΙ ΤΗΝ ΘΑΛΑΣΣΑΝ ΚΑΙ ΠΑΝΤΑ ΤΑ ΕΝ
 ouranon kai tEn gEn kai tEn thalassan kai panta ta en
 heaven AND THE LAND AND THE SEA AND ALL THE IN

أُولَئِكَ
 αυτοις
 them

4:25 Ο ΔΙΑ ΣΤΟΜΑΤΟΣ ΔΑΒΙΔ ΤΟΥ ΠΑΙΔΟΣ ΣΟΥ ΕΙΠΩΝ ΙΝΑ
 ho dia stomatos dabid tou paidos sou eipOn hina
 WHO THRU MOUTH of DAVID THE boy OF-YOU saying THAT
 the-one through by-mouth of-David

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: ذكرت عبارة: (المدن المحيطة إلى أورشليم τῶν περίξ πόλεων εἰς (Τερουσαλήμ) السينائية: تكتب بدلا منها (حول أورشليم من المدن τῶν περίξ πόλεων ἸΗΛΑΜ)	٦ ۱ واجتمع جُمهُورُ المُدُنِ المُحِيطَةِ إِلَى أُورُشَلِيمَ حَامِلِينَ مَرَضِيَّيْنَ وَمُعَدِّبِينَ مِنْ أَرْوَاحِ نَجَسَةٍ، وَكَانُوا يُبْرَأُونَ جَمِيعُهُمْ.	واجتمع جمهور حول أورشليم من المدن المجاورة تحمل المرضى والذين فيهم أرواح نجسة، فيشفون كلهم	16 And there came together also the multitude of the cities around Jerusalem, bringing the sick and those oppressed by unclean spirits, all of whom were cured	M-01A Acts 5:16 Συνηρχετο δε και το πληθος των περιξ πολεων ἸΗΛΑΜ φερο-τες ασθενεις και οχλουμενους υπο ΠῩΝΑΤΩΝ ακαθαρτων οιτινες εθεραπευοντο απαντες	أع5-16	8
قام النساخ بتغيير النص من (حول أورشليم) إلى (إلى أورشليم) لسببين : - لاستغرابهم من سبب اجتماع الناس حول أورشليم وعدم دخولها, لماذا اجتمعوا حولها ولم يدخلوها؟ - خشيتهم من المبالغة التي تضر الطرح, فربما يفهم من الاجتماع حول أورشليم أن كل أورشليم قد امتلأت بالناس حتى صار الناس يجتمعون خارجها, وهذه مبالغة. (تمسكين النص)- (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



5:16	ΣΥΝΗΡΧΕΤΟ	ΔΕ	ΚΑΙ	ΤΟ	ΠΛΗΘΟΣ	ΤΩΝ	ΠΕΡΙΞ	ΠΟΛΕΩΝ	ΕΙΣ
	sunErcheto	de	kai	to	plEthos	tOn	perix	poleOn	eis
	TOGETHER-CAME	YET	AND	THE	multitude	OF-THE	ABOUT	cities	INTO
	came-together		also						
	ἸΕΡΟΥΣΑΛΗΜ	ΦΕΡΟΝΤΕΣ	Ἀσθενεῖς	καὶ	οχλουμενους	υπο			
	ierousalEm	pherontes	astheneis	kai	ochlumenous	hupo			
	JERUSALEM	CARRYING	UN-FIRM	AND	ones-being-molested	UNDER			
		bringing	infirm-ones		ones-being-molested	by			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (الكهنة τῶν ἱερέων) السينائية: تذكر بدلا منها: (اليهود τῶν Ἰουδαίων)	وَكَاثَتْ كَلِمَةُ اللَّهِ تَنْمُو، وَعَدَدُ التَّلَامِيذِ يَتَكَثَّرُ جَدًّا فِي أُورُشَلِيمَ، وَجُمْهُورٌ كَثِيرٌ مِنَ الْكَهَنَةِ يُطِيعُونَ الْإِيمَانَ	وكان كلام الله ينتشر، وعدد التلاميذ يزداد كثيرا في اورشليم. واستجاب للإيمان كثير من اليهود	7 And the word of God increased, and the number of the disciples was enlarged in Jerusalem greatly, and a great number of the jewish became obedient to the faith.	M-01A Acts 6:7 Καὶ ὁ λόγος τοῦ Θεοῦ ηὐξάνεν καὶ ἐπληθύνετο ὁ ἀριθμὸς τῶν μαθητῶν ἐν Ἱερουσαλὴμ σφοδρὰ πολὺς τε ὄχλος τῶν Ἰουδαίων ὑπήκουον τῇ πίστι	أع7-6	9
قام النساخ بتغيير النص من (اليهود) إلى (الكهنة) لإظهار قوة تأثير البشارة والمعجزات والنبوءات حتى أنها أثرت في طبقة الكهنة أنفسهم (دعم مسيانية يسوع) (إظهار قوة العقيدة المسيحية)					التعليق	

اليهود
τῶν Ἰουδαίων

Act 6:8

6:7	ΚΑΙ	Ο	ΛΟΓΟΣ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ	ΗΥΞΑΝΕΝ	ΚΑΙ	ΕΠΛΗΘΥΝΕΤΟ	Ο
	kai	ho	logos	tou	theou	Euxanen	kai	epIethuneto	ho
	AND	THE	saying	OF-THE	God	GROWS-UP	AND	was-multiplIED	THE
			word			grows		multiplied	
	ΑΡΙΘΜΟΣ	ΤΩΝ	ΜΑΘΗΤΩΝ	ΕΝ	ΙΕΡΟΥΣΑΛΗΜ	ΣΦΟΔΡΑ	ΠΟΛΥΣ	ΤΕ	
	arithmos	tOn	mathEtOn	en	ierousalEm	sphodra	polus	te	
	NUMBER	OF-THE	LEARNers	IN	JERUSALEM	VEHEMENTLY	MANY	BESIDES	
			disciples			tremendously	vast		
	ΟΧΛΟΣ	ΤΩΝ	ΚΗΝΕ	ΥΠΗΚΟΥΟΝ	ΤΗ	ΠΙΣΤΕΙ			
	ochlos	tOn	hierEon	hupEkouon	tE	pistei			
	THRONG	OF-THE	SACRED-ones	obeyED	to-THE	BELIEF			
			priests		the	faith			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضاف النساخ لفظة: (تجديفاً βλάσφημα) السينائية: اللفظة غير موجودة	13 وَأَقَامُوا شُهُودًا كَذِبًا يَقُولُونَ: "هَذَا الرَّجُلُ لَا يَقْفُزُ عَنَّا أَنْ يَتَكَلَّمَ كَلِمًا تَجْدِيفًا ضِدَّ هَذَا الْمَوْضِعِ الْمَقَدَّسِ وَالنَّامُوسِ،	وأحضروا شهود زور يقولون: ((هذا الرجل لا يكف عن الكلام ضد الهيكل المقدس والشريعة..	13 and set up false witnesses who said: This man ceases not to speak words against the holy place and the law;	M-01A Acts 6:13 εστησαν τε μαρτυρας ψευδεις λεγοντες Ο ανθρωπος ουτος ου παυεται λαλων ρηματα κατα του τοπου του αγιου και του νομου	أع6-13	10
أضاف النساخ لفظة (تجديفاً) لأنهم لاحظوا أن التهمة غير مقنعة , فمجرد الكلام لا يكفي كتهمة , لهذا أضافوا لفظة (تجديف) حيث أن الكلام بالزور والتجديف يصلح كتهمة مقنعة. (تحسين النص)						التعليق

Act 6:13

Act 6:14

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

6:13	ΕΣΤΗΣΑΝ	ΤΕ	ΜΑΡΤΥΡΑΣ	ΨΕΥΔΕΙΣ	ΛΕΓΟΝΤΑΣ	Ο
	hestEсан	te	marturas	pseudeis	legontas	ho
	STAND	BESIDES	witnesses	FALSifyers	saying	THE
	they-put-to-the-stand			false	ones-saying	
	ΑΝΘΡΩΠΟΣ	ΟΥΤΟΣ	ΟΥ	ΠΑΥΕΤΑΙ	ΡΗΜΑΤΑ	ΒΛΑΣΦΗΜΑ
	anthrOpos	houtos	ou	pauetai	rEmata	blasphEma
	human	this	NOT	IS-CEASING	declarations	HARM-AVERRing
						blaspheming
						ΛΑΛΩΝ
						lalOn
						TALKING
						speaking

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (له تسمعون) (αὐτοῦ ἀκούσεσθε.) السينائية: العبارة غير موجودة	٣٧. هَذَا هُوَ مُوسَى الَّذِي قَالَ لِبَنِي إِسْرَائِيلَ: نَبِيًّا مِثْلِي سَيَقِيمُ لَكُمْ الرَّبُّ الْهُكْمَ مِنْ إِخْوَتِكُمْ. لَهُ تَسْمَعُونَ.	وهو نفسه الذي قال بني إسرائيل: ((سيقيم الله لكم من بين شعبكم نبيا مثلي)).	37 This is the Moses who said to the sons of Israel: A prophet shall God raise up for you from among your brethren, like me.	M-01A Acts 7:37 Ουτος εστιν ο Μωσης ο ειπας τοις υιοις ΙΗΛ Προφητην υμιν αναστησι ο ΘΣ εκ των αδελφων ως εμε	أع 7-37	11
<p>أضاف النساخ عبارة (له تسمعون) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - حتى يجعلوا اقتباس لوقا أكثر دقة لأن الاقتباس موجود في التثنية (18-15) وفيه عبارة (له تسمعون) - حتى يؤكدوا على ضرورة أن يتبع الجميع المسيح لأن الإله قال على لسان موسى (له تسمعون) <p>(دعم الاقتباسات) (دعم مسيانية يسوع)</p>					التعليق	

Act 7:37

ΟΥΤΟΣ ΕΣΤΙΝ Ο ΜΩΥΣΗΣ Ο ΕΙΠΩΝ ΤΟΙΣ ΥΙΟΙΣ ΙΣΡΑΗΛ ΤΗΝ ΎΜΙΝ ΑΝΑΣΤΗΣΙ ΘΕΟΣ ΕΚ ΤΩΝ ΑΔΕΛΦΩΝ ΩΣ ΕΜΕ ΑΥΤΟΥ ΑΚΟΥΣΕΘΕ

Act 7:38

ΟΥΤΟΣ ΕΣΤΙΝ Ο ΓΕΝΟΜΕΝΟΣ ΕΝ ΤΗ ΕΚΚΛΗΣΙΑ ΕΝ ΤΗ ΕΡΗΜΩ

7:37 houtos estin ho mousēs ho eipōn tois huiōis israēl this IS THE MOSES THE one-saying to-THE SONS of-ISRAEL of-Israel

7:38 houtos estin ho genomenos en tē ekklesia en tē erēmō this IS THE one-BECOMING IN THE OUT-CALLED IN THE DESOLATE one-becoming ecclesia wilderness

إخوتكم له تسمعون ليس بالمخطوط

هذا هو

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (إله Θεῷ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤٦ الَّذِي وَجَدَ نِعْمَةً أَمَامَ اللَّهِ، وَالْتَمَسَ أَنْ يَجِدَ مَسْكَنًا لِإِلَهِ يَعْقُوبَ	ونال داود رضى الله، فسأله أن يبني مسكنا ليعقوب	46 who found favor in the sight of God, and asked that he might find a dwelling for the house of Jacob.	M-01A Acts 7:46 ὃς εὔρεν χάριν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ καὶ εὔρεν σκηνομα τῷ οἴκῳ Ἰακώβ	أع7-46	12
أضاف النساخ لفظة (إله) لأنهم رأوا أنه لا معنى لأن يعد داود مسكنا ليعقوب فأضافوا اللفظة حتى يصبح قد أعد المسكن لإله ليعقوب ليوافق المزامير (132-5) (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	

مسكن
τῷ οἴκῳ

Act 7:47

7:46 ὃς εὔρεν χάριν ἐνώπιον τοῦ Θεοῦ καὶ ἠτήσατο
hos heuren charin enōpion tou theou kai Etēsato
WHO FOUND grace IN-VIEW OF-THE God AND REQUESTS
favor sight-of-before the he-requests

εὔρειν σκηνώμα τῷ Θεῷ Ἰακώβ
heurein skēnōma tō theō iakōb
TO-BE-FINDING BOOTH to-THE God of-JACOB
tabernacle of-Jacob

7:47 σολομών δε ὠκοδόμησεν οἴκον
solomon de okodomēsēn oikon
SOLOMON MET HOME BUILT TO HOME

غير موجود
بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
13	أع8-37	[no verse]	[no verse]	[محنوف]	<p>٣٧ فَقَالَ فِيلِبُّسُ: "إِنْ كُنْتَ تُؤْمِنُ مِنْ كُلِّ قَلْبِكَ بِجُورٍ". فَأَجَابَ وَقَالَ: "أَنَا أومنُ أَنْ يَسُوعَ الْمَسِيحِ هُوَ ابْنُ اللَّهِ".</p>	<p>وجه الاختلاف</p> <p>النسخة العربية: أضافت النص: (فَقَالَ فِيلِبُّسُ: "إِنْ كُنْتَ تُؤْمِنُ مِنْ كُلِّ قَلْبِكَ بِجُورٍ". فَأَجَابَ وَقَالَ: "أَنَا أومنُ أَنْ يَسُوعَ الْمَسِيحِ هُوَ ابْنُ اللَّهِ".</p> <p>SCR Acts 8:37 εἶπε δὲ ὁ Φίλιππος, Εἰ πιστεύεις ἐξ ὅλης τῆς καρδίας, ἔξεστιν. ἀποκριθεὶς δὲ εἶπε, Πιστεύω τὸν τοῦ Θεοῦ εἶναι τὸν Ἰησοῦν Χριστόν.)</p> <p>السينائية: النص بالكامل غير موجود</p>
<p>أضاف النساخ النص لأنهم لاحظوا من النص السابق (36) والنص التالي (38) أن الحبشي قد تعمد مباشرة قبل أن يعلن إيمانه وهذا ينافي التعليم الكتابي والكنسي الذي يشترط الإيمان ثم العماد (مرقص 16-16), كما أن النص يدعم ألوهية يسوع (هو ابن الله) (دعم ألوهية يسوع) (تعديل الكتاب ليوافق الطقوس الكنيسة) (جعل الأمور أكثر منطقيّة)</p>						التعليق

8:36 Ὡς δὲ ἐπορεύοντο κατὰ τὴν ὁδὸν ἠθον ἐπὶ τὶ

hOs de e poreuonto kata tEn hodon Eithon epi ti
AS YET THEY-WENT according-to THE WAY THEY-CAME ON ANY
road some

ΥΔΩΡ ΚΑΙ ΦΗΣΙΝ Ο ΕΥΝΟΥΧΟΣ ΙΔΟΥ ΥΔΩΡ ΤΙ ΚΩΛΕΙ

hudOr kai phEsin ho eunouchos idou hudOr ti kOluei
water AND IS-AVERRING THE EUNUCH BE-PERCEIVING water ANY IS-FORBIDDING
lo! what is-preventing

أعتمد
ME ΒΑΠΤΙΣΘΗΝΑΙ
me baptisthEnai

8:37 ΕΙΠΕΝ ΔΕ Ο ΦΙΛΙΠΠΟΣ ΕΙ ΠΙΣΤΕΥΕΙΣ ΕΞ ΟΛΗΣ ΤΗΣ

eipen de ho philippos ei pisteueis ex hoEs tEs
said YET THE Philip IF YOU-ARE-BELIEVING OUT OF-WHOLE OF-THE
the

فَقَالَ فِيلِبُّسُ: "إِنْ كُنْتَ تُؤْمِنُ مِنْ كُلِّ قَلْبِكَ بِجُورٍ". فَأَجَابَ وَقَالَ: "أَنَا أومنُ أَنْ يَسُوعَ الْمَسِيحِ هُوَ ابْنُ اللَّهِ".

ΚΑΡΔΙΑΣ ΕΞΕΣΤΙΝ ΑΠΟΚΡΙΘΕΙΣ ΔΕ ΕΙΠΕΝ ΠΙΣΤΕΥΩ ΤΟΝ ΥΙΟΝ

kardias exestin apokritheis de eipen pisteuO ton huion
HEART it-IS-answered answering YET he-said I-AM-BELIEVING THE SON

تُؤْمِنُ مِنْ كُلِّ قَلْبِكَ بِجُورٍ". فَأَجَابَ وَقَالَ: "أَنَا أومنُ أَنْ يَسُوعَ الْمَسِيحِ هُوَ ابْنُ اللَّهِ".

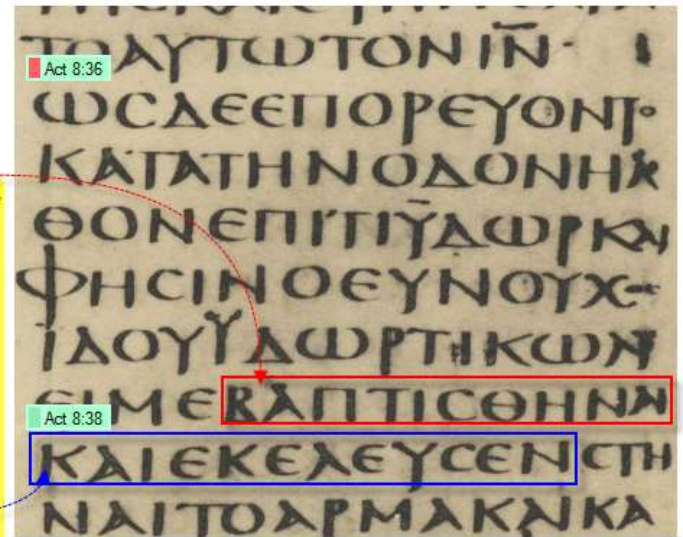
ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΕΙΝΑΙ ΤΟΝ ΙΗΣΟΥΝ ΧΡΙΣΤΟΝ

toU theou einai ton iEsoun christon
OF-THE God TO-BE THE JESUS ANOINTED
Christ

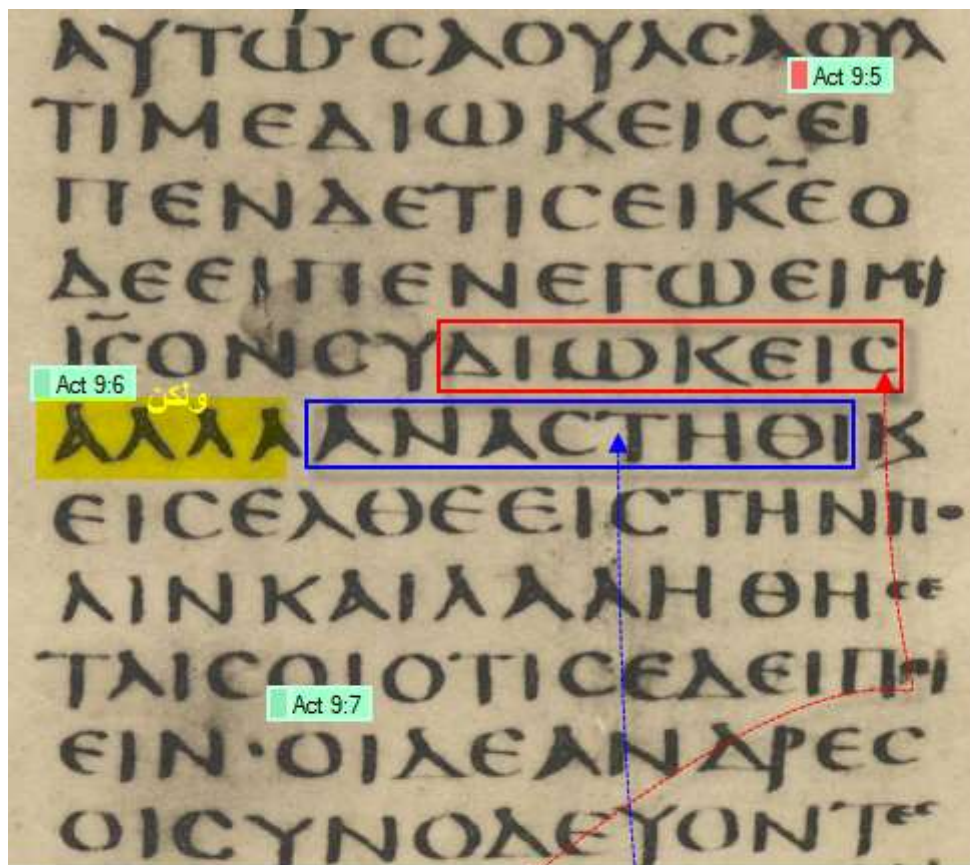
8:38 ΚΑΙ ΕΚΕΛΕΥΣΕΝ

kai ekleusen stEnai to harma kai katebEsan
AND he-ORDERS TO-STAND THE chariot AND THEY-DOWN-STEPPEd
they-descended

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط



م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
14	أع9: 5-6	M-01A Acts 9:5 Εἶπεν δε τις εἰ ΚΕ̅ Ο δε εἶπεν Εγὼ εἰμι Ἰ̅ς̅ ον συ διωκεις (Acts 9:5 M-01A) M-01A Acts 9:6 ἀλλὰ ἀναστηθὶ καὶ εἰσελθε εἰς τὴν πόλιν καὶ λαληθήσεται σοὶ ὁ τί σε δεῖ ποιεῖν	5 And he said: Who art thou, Lord? And he said: I am Jesus whom thou persecuteth! 6 But rise, and go into the city, and it shall be told thee what thou must do.	فقال شاول: ((من أنت، يا رب؟)) فأجابه الصوت: ((أنا يسوع الذي أنت تضطهده. ولكن قم وادخل المدينة، وهناك يقال لك ما يجب أن تعمل))	"هَقَالَ: "مَنْ أَنْتَ يَا سَيِّدُ؟" فَقَالَ الرَّبُّ: "أَنَا يَسُوعُ الَّذِي أَنْتَ تَضْطَهْدُهُ. صَعَبٌ عَلَيْكَ أَنْ تَرْفُسَ مَنَاخِسَ". ٦ فَقَالَ وَهُوَ مُرْتَعِدٌ وَمُتَحَيِّرٌ: "يَا رَبُّ، مَاذَا تُرِيدُ أَنْ أَفْعَلَ؟" فَقَالَ لَهُ الرَّبُّ σκληρόν σοι πρὸς κέντρα λακτίζειν. τρέμων τε καὶ θαμβῶν εἶπε, Κύριε, τί με θέλεις ποιῆσαι; καὶ ὁ Κύριος πρὸς αὐτόν (Acts 9:5-6 SCR) <u>السينائية:</u> العبارة غير موجودة	<u>النسخة العربية:</u> تضيف عبارة: (صَعَبٌ عَلَيْكَ أَنْ تَرْفُسَ مَنَاخِسَ). ٦ فَقَالَ وَهُوَ مُرْتَعِدٌ وَمُتَحَيِّرٌ: "يَا رَبُّ، مَاذَا تُرِيدُ أَنْ أَفْعَلَ؟" فَقَالَ لَهُ الرَّبُّ <u>السينائية:</u> العبارة غير موجودة
		<p>أضاف النساخ المقطع لعدة أسباب:</p> <p>1- إعطاء بولس الشرعية من ناحية أن رسوليته هي قدر إلهي محتوم ومقرر مسبقا (صعب عليك أن ترفس مناخس)</p> <p>2- صناعة مقدمة مناسبة قبل عبارة (فَيَقَالَ لَكَ مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ تَفْعَلَ), هذه المقدمة هي (: "يَا رَبُّ، مَاذَا تُرِيدُ أَنْ أَفْعَلَ؟) , وبهذا تتقاطع الجملتان</p> <p>3- إضافة تفاصيل تجعل الأحداث أكثر منطقية , فليس منطقيا أن يظهر الإله فجأة ثم يدخل في الحوار مباشرة دون أن يصاب بولس بأي خوف , لهذا تمت إضافة (وهو مرتعد متحير)</p> <p>4- دعم ألوهية يسوع , يظهر هذا من عبارة (يا رب , فقال له الرب)</p> <p>(دعم ألوهية يسوع) - (دعم شرعية رسولية بولس) - (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>				التعليق



9:5 ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΤΙΣ ΕΙ ΚΥΡΙΕ Ο ΔΕ ΚΥΡΙΟΣ ΕΙΠΕΝ ΕΓΩ ΕΙΜΙ
 eipen de tis ei kurie ho de kurios eipen egO eimi
 he-said YET ANY YOU-ARE Master! THE YET Master said I AM
 who?

ΙΗΣΟΥΣ ΟΝ ΣΥ ΔΙΩΚΕΙΣ ΣΚΛΗΡΟΝ ΟΙ ΠΡΟΣ ΚΕΝΤΡΑ
 iEsous hon su diOkeis sklEron soi pros kentra
 JESUS WHOM YOU ARE-CHASING HARD to-YOU TOWARD PERCers
 are-persecuting goods

ΛΑΚΤΙΖΕΙΝ
 laktizein
 TO-BE-KICKING
 أَنْ تَرْفُسَ مَنَاخِسَ
 أن ترفس مناخس
 المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

9:6 ΤΡΕΜΩΝ ΤΕ ΚΑΙ ΘΑΜΒΩΝ ΕΙΠΕΝ ΚΥΡΙΕ ΤΙ ΜΕ ΘΕΛΕΙΣ
 tremOn te kai thambOn eipen kurie ti me theleis
 TREMBLING BESIDES AND beING-AWED he-said Master! ANY ME YOU-ARE-WILLING
 Lord! what?

ΠΟΙΗΣΑΙ ΚΑΙ Ο ΚΥΡΙΟΣ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ ΑΝΑΤΗΘΙ ΚΑΙ ΕΙΣΕΛΘΕ
 poiEsai kai ho kurios pros auton anastEthi kai eiselthe
 TO-DO AND THE Master TOWARD him BE-UP-STANDING AND BE-INTO-COMING
 Lord be-you-rising! be-you-entering!

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (في رؤيا εν όράματι) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٠ وَكَانَ فِي دِمَشْقَ تَلْمِيذٌ اسْمُهُ حَنَانِيَا، فَقَالَ لَهُ الرَّبُّ فِي رُؤْيَا: "يَا حَنَانِيَا!". فَقَالَ: "هَأَنْذَا يَا رَبُّ".	وكان في دمشق تلميذ اسمه حنانيا. فناده الرب: ((يا حنانيا!)) أجابه: ((نعم، يا رب!)).	10 But there was in Damascus a disciple named Ananias; and the Lord said to him: Ananias. And he said: Behold me, Lord.	M-01A Acts 9:10 Hn δε τις μαθητης εν Δαμασκω ονοματι Ανανιας και ειπεν προς αυτο εν οραματι ο ΚΣ Ανανια Ο δε ειπεν Ιδου εγω ΚΕ	أع9-10	15
أضاف النساخ لفظة (في رؤيا) لسببين: 1- توضيح الطريقة التي قابل بها الرب حنانيا, هل بالرؤية المباشرة أم رؤيا منامية 2- إظهار مكانة بولس حيث قابله الرب مباشرة بخلاف حنانيا الذي قابله في رؤيا. (تحسين النص)(تحسين صورة بولس)					التعليق	

Act 9:10

Act 9:11

كلمة (الرب) مكتوبة بصيغة الاختصار المقدس ο ΚΣ

9:10 HN ΔΕ ΤΙΣ ΜΑΘΗΤΗΣ ΕΝ ΔΑΜΑΣΚΩ ΟΝΟΜΑΤΙ ΑΝΑΝΙΑΣ ΚΑΙ
En de tis mathEtEs en damaskO onomati hananias kai
WAS YET ANY LEARNer IN DAMASCUS to-NAME ANANIAS AND
there-was certain disciple

9:11 ΕΙΠΕΝ ΠΡΟΣ ΑΥΤΟΝ Ο ΚΥΡΙΟΣ ΕΝ ΟΡΑΜΑΤΙ ΑΝΑΝΙΑ Ο ΔΕ
eipen pros auton ho kurios en horamati hanania ho de
said TOWARD him THE Master IN sight ANANIAS! THE YET
Lord vision

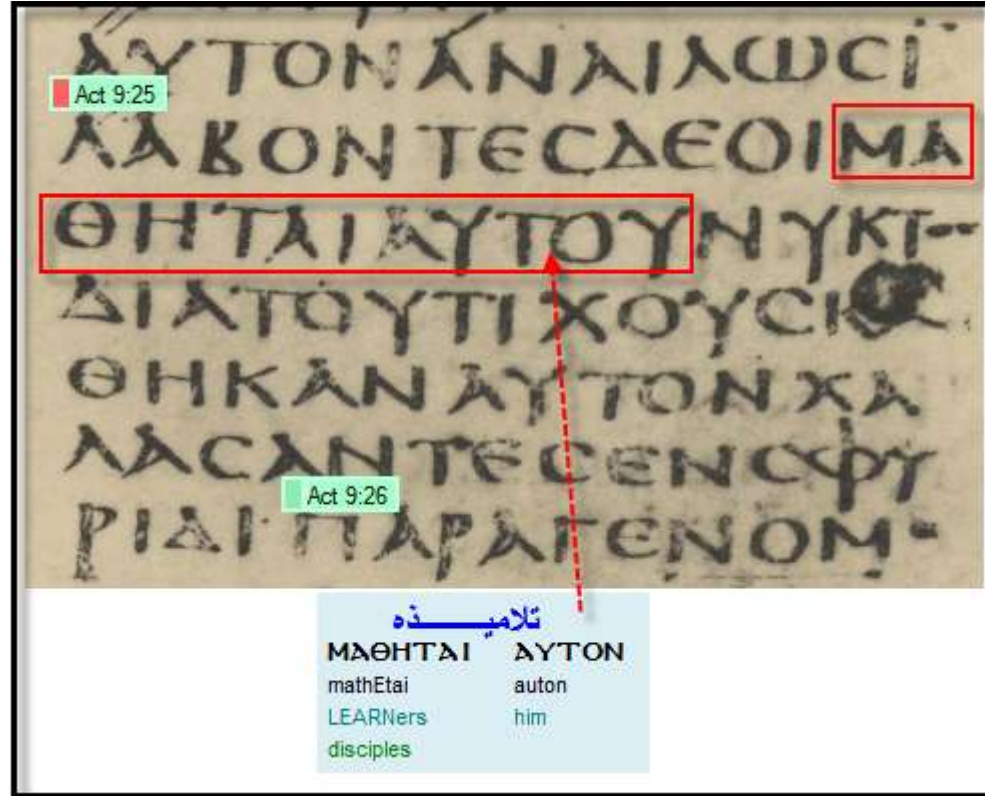
ΕΙΠΕΝ ΙΔΟΥ ΕΓΩ ΚΥΡΙΕ
eipen idou egO kurie
he-said BE-PERCEIVING I Master!
lo! Lord!

الرب

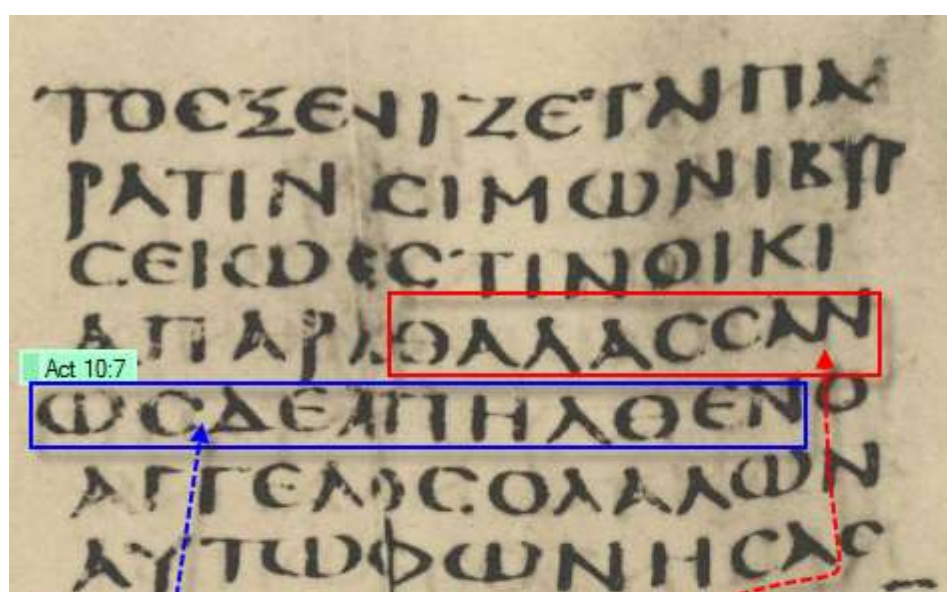
يا حنانيا

المظلل بالاصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (التلاميذ oi μαθηται) السينائية: تكتب بدلا منها: (تلاميذه μαθηται αυτου)	٢٥ فَأَخَذَهُ التَّلَامِيذُ لَيْلًا وَأَنْزَلُوهُ مِنَ السُّورِ مُدَلِّينَ إِيَّاهُ فِي سَلٍّ.	فأخذه تلاميذه ليلا ودلوه من السور في قفة.. ترجمة : الرهينة اليسوعية	25 and his disciples took him. and by night let him down through the wall, lowering him in a basket.	M-01A Acts 9:25 λαβοντες δε οι μαθηται αυτου νυκτος δια του τιχους καθηκαν αυτον χαλασαντες εν σφυριδι	أع9-25	16
قام النساخ بتغيير النص من (تلاميذه) إلى (التلاميذ) لسببين: 1- أنه من الغريب أن يصبح لبولس تلاميذ بهذه السرعة (أيام كثيرة) فالأكثر منطقية أنهم التلاميذ (تلاميذ يسوع) 2- من الأفضل أن يكون الذي ساعدوا بولس هم تلاميذ المسيح حتى ينال بولس شرعية من خلال دعمهم له , وهي الفكرة التي يحرص مؤلف سفر الأعمال بشدة على إظهارها حتى أن النص التالي (9-26) مباشرة يؤكد هذه الفكرة (دعم شرعية رسولية بولس)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (هُوَ يَقُولُ لَكَ مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ تَفْعَلَ οὗτος λαλήσει σοι τί σε δεῖ ποιεῖν.) السينائية: المقطع غير موجود	٦ إِنَّهُ نَازَلَ عِنْدَ سِمَعَانَ رَجُلٍ دَبَّاعٍ بَيْتُهُ عِنْدَ الْبَحْرِ. هُوَ يَقُولُ لَكَ مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ تَفْعَلَ"	فهو نازل عند دباغ اسمه سمعان وبيته على شاطئ البحر	6 he lodges with one Simon, a tanner, who has a house by the sea.	M-01A Acts 10:6 οὗτος ξενίζεται παρα τινι Σιμωνι βυρσει ω εστιν οικια παρα θαλασσαν	أع 10-6	17
أضاف النساخ عبارة (هُوَ يَقُولُ لَكَ مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ تَفْعَلَ) لتقديم سبب منطقي للطلب الذي طلبه الملاك من كرنيليوس في النص السابق (5-10) : وَالْآنَ أُرْسِلُ إِلَى يَاقَا رَجُلًا وَاسْتَدْعُ سِمَعَانَ الْمَلَقَّبَ بِطُرْسَ (جعل الأمور أكثر منطقيّة)					التعليق	



10:6	ΟΥΤΟΣ	ΞΕΝΙΖΕΤΑΙ	ΠΑΡΑ	ΤΙΝΙ	ΣΙΜΩΝΙ	ΒΥΡΣΕΙ	Ω	ΕΣΤΙΝ
	houtos	xenizetai	para	timi	simOni	bursei	hO	estin
	this-one	IS-LODGING	BESIDE	ANY	SIMON	tanner	to-WHOM	IS
	this-one	is-lodging		certain				
	ΟΙΚΙΑ	ΠΑΡΑ	ΘΑΛΑΣΣΑΝ	ΟΥΤΟΣ	ΛΑΛΗΣΕΙ	ΣΟΙ	ΤΙ	ΣΕ
	oikia	para	thalassan	houtos	lalEsei	soi	ti	se
	HOME	BESIDE	SEA	this-one	SHALL-BE-TALKING	to-YOU	ANY	YOU
	house			this-one	shall-be-speaking		what?	must
	ΠΟΙΕΙΝ	ΜΑΔΑ	يَنْبَغِي	أَنْ	تَفْعَلَ			
	poiein							
	TO-BE-DOING							
10:7	ΩΣ	ΔΕ	ΑΠΗΛΘΕΝ	Ο	ΑΓΓΕΛΟΣ	Ο	ΛΑΛΩΝ	ΤΩ
	hos	de	apethen	ho	aggelos	ho	lalOn	to
	AS	YET	FROM-CAME	THE	MESSANGER	THE	one-TALKING	to-THE
			came-away				one-speaking	CORNELIUS

المظلل بالأصفر
غير موجود
بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (والوحوش) και τὰ θηρία (السينائية: اللفظة غير موجودة)	٢ وَكَانَ فِيهَا كُلُّ دَوَابِّ الْأَرْضِ وَالزَّحَّافَاتِ وَطُيُورِ السَّمَاءِ	وكان عليها من جميع دواب الأرض وزحافات وطيور السماء	12 in which were all manner of reptiles of the earth and birds, and creeping things of the earth, and birds of the heaven.	M-01A Acts 10:12 εν ω υπηρχεν πᾱτα τα τετραποδα και ερπετα της γης και πετινα του ουρανου	أع 10-12	18
	أضاف النساخ لفظة (والوحوش) من أجل إظهار أن كل الأطعمة صارت حلالا حتى لحم الوحوش, وهذا يعنى أن الشريعة قد تم إلغاؤها (إلغاء الشريعة - دعم فلسفة بولس)				التعليق	

Act 10:12
 EN Ω ΥΠΗΡΧΕΝ ΠΑΝΤΑ ΤΑ ΤΕΤΡΑΠΟΔΑ ΤΗΣ ΓΗΣ ΚΑΙ ΤΑ
 en hO hupErchen panta ta tetrapoda tEs gEs kai ta
 IN WHICH belongED ALL THE FOUR-FOOTS OF-THE LAND AND THE
 quadrupeds earth

Act 10:13
 ΘΗΡΙΑ ΚΑΙ ΤΑ ΕΡΠΕΤΑ ΚΑΙ ΤΑ ΠΕΤΕΙΝΑ ΤΟΥ
 thEria kai ta herpeta kai ta peteina tou
 WILD-BEASTS AND THE REPTILES AND THE fliers OF-THE
 flying-creatures

المزحلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب عبارة: (كنت صائما ἡμην νηστεύων) السينائية: العبارة غير موجودة	٣٠ فَقَالَ كُورْنِيلْيُوسُ: "مُنْذُ أَرْبَعَةِ أَيَّامٍ إِلَى هَذِهِ السَّاعَةِ كُنْتُ صَائِمًا. وَفِي السَّاعَةِ التَّاسِعَةِ كُنْتُ أَصَلِّي فِي بَيْتِي، وَإِذَا رَجُلٌ قَدْ وَقَفَ أَمَامِي يَلْبَسُ لِابَسًا لَأَمِيعٍ	30 And Cornelius said: Four days ago up to this hour, was I at the ninth praying in my house; and behold, a man stood before me in bright clothing	M-01A Acts 10:30 Και ο Κορνηλιος εφη Απο τεταρτης ημερας μεχρι ταυτης της ωρας ημην τη ενατην προσευχομενος εν τω οικω μου και ιδου ανηρ εστη ενωπιον εμου εν εσθητι λαμπρα	أع 10-30	19
	أضاف النساخ عبارة (كنت صائما) لإظهار الأهمية الروحية للصيام في حياة المؤمن , لسد الفراغ الروحي الناتج عن قلة نصوص العبادات في العهد الجديد (سد الفراغ الروحي بزراعة العبادات)				التعليق	

Act 10:30

ΚΑΙ Ο ΚΟΡΝΗΛΙΟΣ ΕΦΗ ΑΠΟ ΤΕΤΑΡΤΗΣ ΗΜΕΡΑΣ ΜΕΧΡΙ ΤΗΣ ΩΡΑΣ ΗΜΗΝ ΤΗ ΕΝΑΤΗΝ ΠΡΟΣΕΥΧΟΜΕΝΟΣ ΕΝ ΤΩ ΟΙΚΩ ΜΟΥ ΚΑΙ ΙΔΟΥ ΑΝΗΡ ΕΣΤΗ ΕΝΩΠΙΟΝ ΕΜΟΥ ΕΝ ΕΣΘΗΤΙ ΛΑΜΠΡΑ

Act 10:31

10:30 ΚΑΙ Ο ΚΟΡΝΗΛΙΟΣ ΕΦΗ ΑΠΟ ΤΕΤΑΡΤΗΣ ΗΜΕΡΑΣ ΜΕΧΡΙ
kai ho kornElios ephE apo tetartEs hEmeras mechri
AND THE CORNELIUS AVERRed FROM FOURth DAY UNTO

ΤΑΥΤΗΣ ΤΗΣ ΩΡΑΣ ΗΜΗΝ ΝΗΣΤΕΥΩΝ ΚΑΙ ΤΗΝ ΕΝΝΑΤΗΝ ΩΡΑΝ
tautEs tEs hOras EmEn nEsteuOn kai tEn ennatEn hOran
this THE HOUR I-WAS fastING AND THE NINth HOUR

ΠΡΟΣΕΥΧΟΜΕΝΟΣ ΕΝ ΤΩ ΟΙΚΩ ΜΟΥ ΚΑΙ ΙΔΟΥ ΑΝΗΡ ΕΣΤΗ
proseuchomenos en to oikO mou kai idou anEr hestE
prayING IN THE HOME OF-ME CEIVING MAN STOOD

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت عبارة: (فهو متى جاء يكلمك) ὃς παραγενόμενος λαλήσει σοι (السينائية: العبارة غير موجودة)	فأرسل إلى يافا، واستدع سمعان الذي يقال له بطرس، فهو نازل في بيت سمعان الدباغ على شاطئ البحر	32 Send therefore to Joppa, and call for Simon, who is surnamed Peter; he lodges in the house of Simon a tanner, by the sea.	M-01A Acts 10:32 Περμων ουν εις Ιοπην και μετακαλεσαι Σιμωνα ος επικαλειται Πετρος ουτος ξενιζεται εν οικια Σιμωνος βυρσεως παρα θαλασσαν	أع10-32	20
	أضاف النساخ عبارة (فهو متى جاء يكلمك) لأنهم كانوا قد أضافوا في النص رقم (10-6): هُو يَقُولُ لَكَ مَاذَا يَنْبَغِي أَنْ تَفْعَلَ فكان لابد عند تكرار كورنيليوس للقصة أن يضيفوا مجددا هذا المقطع حتى تنفق القصتان. (مطابقة نصوص الأناجيل بعضها) - (جعل الأمور أكثر منطقية)				التعليق	

Act 10:32

Act 10:33

10:32 ΠΕΜΨΟΝ ΟΥΝ ΕΙΣ ΙΟΠΠΗΝ ΚΑΙ ΜΕΤΑΚΑΛΕΣΑΙ ΣΙΜΩΝΑ ΟΣ
pempson oun eis ioppēn kai metakalesai simōna hos
SEND THEN INTO JOPPA AND WITH-CALL SIMON WHO
send-you!

ΕΠΙΚΑΛΕΙΤΑΙ ΠΕΤΡΟΣ ΟΥΤΟΣ ΞΕΝΙΖΕΤΑΙ ΕΝ ΟΙΚΙΑ ΣΙΜΩΝΟΣ
epikaleitai petros houtos xenizetai en oikia simōnos
IS-beING-ON-CALLED Peter this one IS-LODGING IN HOME OF-SIMON
is-being-surnamed this one is-lodging in use

ΒΥΡΣΕΩΣ ΠΑΡΑ ΘΑΛΑΣΣΑΝ ΟΣ ΠΑΡΑΓΕΝΟΜΕΝΟΣ ΛΑΛΗΣΕΙ ΣΟΙ
burseos para thalassan hos paragenomenos esei soi
tanner BESIDE SEA WHO BESIDE-BECOMING SHALL-BE-TALKING to-YOU
coming-along

10:33 ΕΣΑΥΤΗΣ ΟΥΝ ΕΠΕΜΨΑ ΠΡΟΣ ΣΕ ΣΥ ΤΕ
exautēs oun epempsa pros se sy te
forthwith THEN I-SEND TOWARD YOU YOU BESIDES IDEALLY DO

فهو متى جاء يكلمك

المطلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

البحر

فلما

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظه: (الرب τοῦ Κυρίου) السينائية: تذكر بدلا منها: (يسوع المسيح Ἰησοῦ)	٤٨ وَأَمَرَ أَنْ يَعْتَمِدُوا بِاسْمِ الرَّبِّ. حِينَئِذٍ سَأَلُوهُ أَنْ يَمْكُثَ أَيَّامًا.	وأمرهم بأن يتعمدوا باسم يسوع المسيح. فدعوه إلى أن يقيم عندهم بضعة أيام..	48 And he commanded them to be baptized in the name of Jesus Christ. Then they besought him to remain some days,	M-01A Acts 10:48 Προσεταξεν δε αυτοις εν τῷ ονοματι Ἰησοῦ βαπτισθηναι Τότε ηρωτησαν αυτον επιμειναι ημερας τινας	أع 10-48	21
قام النساخ بتغيير لفظه (يسوع المسيح) إلى (الرب) من أجل التأكيد على ألوهية يسوع (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

لفظة (يسوع المسيح)
مكتوبة بطريقة
الاختصار المقدس
ΙΗ ΧΥ

Act 10:48

Act 11:1

المظلل الأصفر غير
موجود بالمخطوط

10:48	ΠΡΟΣΕΤΑΞΕΝ ΤΕ	ΑΥΤΟΥΣ	ΒΑΠΤΙΣΘΗΝΑΙ	ΕΝ	Τῷ	ΟΝΟΜΑΤΙ
	prosetaxen	te	autous	baptisthEnai	en	to onomati
	he-TOWARD-SETS	BESIDES	to-them	TO-BE-DIPizED	IN	THE NAME
	he-bids	them	to-be-baptized			

الرَّبِّ	حِينَئِذٍ	ΗΡΩΤΗΣΑΝ	ΑΥΤΟΝ	ΕΠΙΜΕΙΝΑΙ	ΗΜΕΡΑΣ	ΤΙΝΑΣ
TOY KYRIOY	TOTE	ErOtEsan	auton	epimeinai	hEmeras	tinas
OF-THE Master	then	THEY-ask	him	TO-ON-REMAIN	DAYS	ANY
Lord				to-stay		some

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تذكر عبارة: (غير مرتاب في شيء) μηδεν διακρινόμενον السينائية: تذكر بدلا منها: (دون تمييز) μηδεν διακρινοτα	فأمرني الروح أن أذهب معهم من دون تمييز. فرافقني هؤلاء الإخوة السة إلى قيصرية، فدخلنا بيت كورنيليوس	12 And the Spirit bade me go with them, without making a distinction. And these six brethren also went with me, and we entered the man's house.	M-01A Acts 11:12 Εἶπεν δε το ΠΝΑ μοι συνελθιν αυτοις μηδεν διακρινοτα Ἦλθον δε συν εμοι και οι εξ αδελφοι ουτοι και εισηλθομεν εις τον οικον του ανδρος	أع11-12	22
	قام النساخ بتغيير النص من (دون تمييز) إلى (غير مرتاب في شيء) حتى يجعلوا كلام بطرس مطابق لبعضه البعض , حيث أن بطرس قال نفس الكلام في (20-10) ولم يكن فيه عبارة (دون تمييز) إنما كان فيه (غير مرتاب في شيء) (مطابقة نص الأناجيل بعضها)				التعليق	

Act 11:12

Act 11:13

تمييز
ΔΙΑΚΡΙΝΟΤΑ

غير
ΜΗΔΕΝ

معهم
ΑΥΤΟΙΣ

مرتاب فيه
ΔΙΑΚΡΙΝΟΜΕΝΟΝ

ذهب
ἮΛΘΟΝ

غير موجود
ΟΥΤΟΙΣ

11:12 ΕΙΠΕΝ ΔΕ ΜΟΙ ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ ΣΥΝΕΛΘΕΙΝ ΑΥΤΟΙΣ ΜΗΔΕΝ

eipen de moi to pneuma sunelthein autois mēden
said YET to-ME THE spirit TO-BE-TOGETHER-COMING to-them NO-YET-ONE
to-be-coming-together with-them nothing

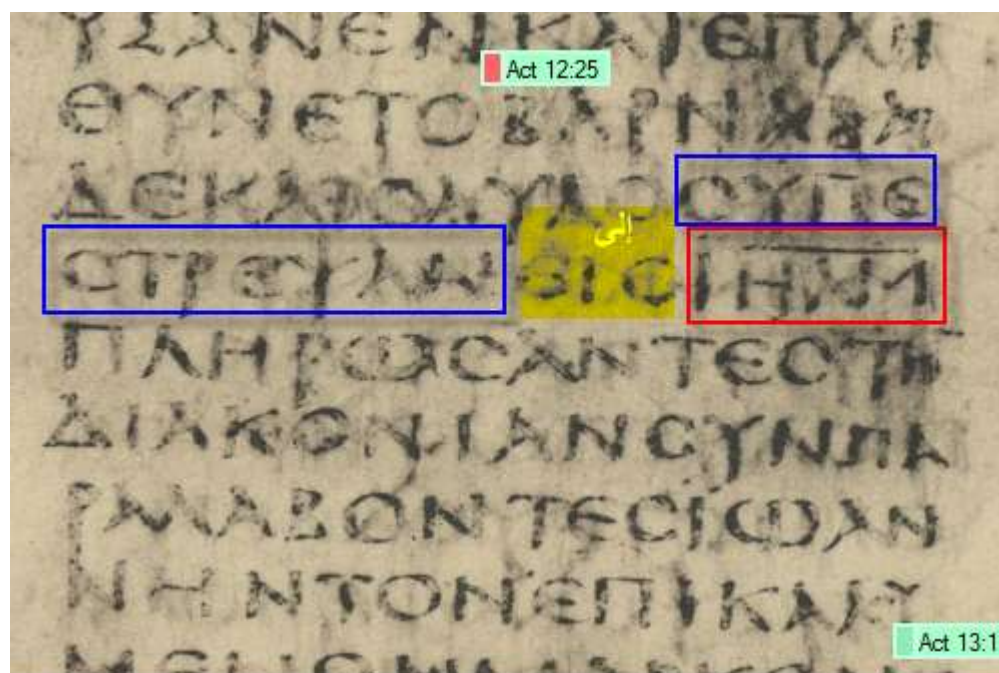
مرتاب فيه ذهب ΔΙΑΚΡΙΝΟΜΕΝΟΝ ἮΛΘΟΝ ΔΕ ΣΥΝ ΕΜΟΙ ΚΑΙ ΟΙ ΕΞ ΑΔΕΛΦΟΙ

diakrinomenon Elthon de sun emoi kai hoi hex adelphoi
THRU-JUDGING CAME YET TOGETHER to-ME AND THE SIX brothers
doubting together with me also

غير موجود بالخطوط ΟΥΤΟΙΣ ἮΛΘΟΜΕΝ ΕΙΣ ΤΟΝ ΟΙΚΟΝ ΤΟΥ ΑΝΔΡΟΣ

houtoi hēthomen eis ton oikon tou andros
these AND WE-INTO-CAME INTO THE HOME OF-THE MAN
we-entered house

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (من عه) السينائية: تكتب بدلا منها: (إلى عه)	٢٥ وَرَجَعَ بَرْنَابَا وَشَاوُلُ مِنْ أُورُشَلِيمَ بَعْدَ مَا كَمَلَا الْخِدْمَةَ	ورجع برنابا وشاول إلى أورشليم بعدما أتما خدمتهما،	25 And Barnabas and Saul returned to Jerusalem	M-01A Acts 12:25 Βαρναβας δε και Σαυλος υπεστρεψαν εις ΙΗΛΜ	أع 12-25	23
قام النساخ بتغيير النص من (إلى) إلى (من) لأن بولس وبرنابا كانوا بالفعل في أورشليم لتوزيع المعونات على الناس في المجاعة (أع 11: 28-30) فوفقا للسينائية يصبح كلام لوقا مؤلف أعمال الرسل غير صحيح. (علام التناقضات) (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



12:25	ΒΑΡΝΑΒΑΣ	ΔΕ	ΚΑΙ	ΣΑΥΛΟΣ	ΥΠΕΣΤΡΕΨΑΝ	ΕΞ	ΙΕΡΟΥΣΑΛΗΜ
	barnabas	de	kai	saulos	hupestrep-san	ex	ierousaEm
	Barnabas	YET	AND	SAUL	reTURN	OUT	of JERUSALEM
							of-Jerusalem
	ΠΛΗΡΩΣΑΝΤΕΣ	ΤΗΝ	ΔΙΑΚΟΝΙΑΝ	ΣΥΜΠΑΡΑΛΑΒΟΝΤΕΣ	ΚΑΙ	ΙΩΑΝΝΗΝ	
	plErOsantes	tEn	diakonian	sumparalabontes	kai	iOannEn	
	FILLing	THE	THRU-SERvice	TOGETHER-BESIDE-GETTING	AND	JOHN	
	completing		dispensing	taking-along-with-them	also		
	ΤΟΝ	ΕΠΙΚΛΗΘΕΝΤΑ	ΜΑΡΚΟΝ				
	ton	epiklEthenta	markon				
	THE	one-BEING-ON-CALLED	MARK				
		one-being-surnamed					

غير موجود في
المخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب عبارة: (لنا نحن أولادهم τοῖς τέκνοις αὐτῶν ἡμῖν) السينائية: تكتب بدلا منها: (لأولادنا τοῖς τέκνοις ἡμῶν)	٣٣ إِنَّ اللَّهَ قَدْ أَكْمَلَ هَذَا لَنَا نَحْنُ أَوْلَادَهُمْ	٣٣ إِنَّ اللَّهَ قَدْ أَكْمَلَ هَذَا لأولادنا	God has fulfilled this to our children by raising up Jesus	M-01A Acts 13:33 Και ημεῖς υμας ευαγγελιζομεθα * πατερας επαγγελιαν γενομενην οτι ταυτη ο ΘΣ εκπεπληρωκεν τοῖς τέκνοις ημων	أع 13-33	24
قام النساخ بتغيير النص من (الله قد أكمل هذا لأولادنا) إلى (قد أكمل هذا لنا نحن أولادهم) لأن الموعد والبشرى قد وقعت في حياة بولس والمستمعين ولم تتأخر لتحدث في زمن أولادهم (جعل الأمور أكثر منطقيّة)					التعليق	

ΠΡΟΣΤΟΧΕΤΕΡΧ
ΕΠΑΓΓΕΛΙΑΝ ΓΕΝΟ
ΜΕΝΗΝ ΟΤΙ ΤΑΥΤΗ
ΟΘΣ ΕΚΠΕΠΛΗΡΩ
ΚΕΝ ΤΟΙΣ ΤΕΚΝΟΙΣ
ΗΜΩΝ ΑΝΑΣΤΗ
ΙΝΩΣ ΚΑΙ ΕΝ ΤΩ
ΨΑΛΜΩ ΤΩ

ليست بالمخطوط

13:33 ΟΤΙ ΤΑΥΤΗΝ Ο ΘΕΟΣ ΕΚΠΕΠΛΗΡΩΚΕΝ ΤΟΙΣ ΤΕΚΝΟΙΣ

hoti tautEn ho theos ekpeplErOken tois teknois
that this THE God HAS-OUT-FILLED to-THE offsprings
has-fully-fulfilled children

هم نحن (نا) ΑΥΤΩΝ ΗΜΙΝ ΑΝΑΣΤΗCΑC ΙΗΣΟΥΝ ΩC ΚΑΙ ΕΝ ΤΩ ΨΑΛΜΩ ΤΩ

autOn hEmin anastEsas iEsoun hOs kai en to psalmO to
OF-them to-US UP-STANDIng JESUS AS AND IN THE psalm THE
raising also

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت عبارة: (اليهود من الجمع, جعل الأمم δὲ ἐκ τῆς συναγωγῆς τῶν Ἰουδαίων... τὰ ἔθνη) السينائية: العبارة غير موجودة	٤٢ وَبَعْدَمَا خَرَجَ الْيَهُودُ مِنَ الْمَجْمَعِ جَعَلَ الْأُمَمَ يَطْلُبُونَ إِلَيْهِمَا أَنْ يُكَلِّمَاهُمْ بِهَذَا الْكَلَامِ فِي السَّبْتِ الْقَادِمِ.	42 But when they had gone out they besought that these words might be spoken to them on the next sabbath.	M-01A Acts 13:42 Ἐξιόντων δὲ αὐτῶν παρεκαλοῦν εἰς τὸ μεταξύ σαββατῶ λαληθῆναι αὐτοῖς τὰ ῥήματα ταῦτα (Acts 13:42 M-01A)	أع 13-42	25
أضف النسخة عبارة (وَبَعْدَمَا خَرَجَ الْيَهُودُ مِنَ الْمَجْمَعِ جَعَلَ الْأُمَمَ يَطْلُبُونَ إِلَيْهِمَا) لعدة أسباب:					التعليق	
<ul style="list-style-type: none"> - علاج التناقض الذي نشأ بين (خروج اليهود من المجمع) و (طلبهم أن يحدثاهم) كيف طلب اليهود ذلك وقد غادروا المكان؟ فتمت إضافة (جعل الأمم يطلبون) لعلاج الأمر وتوضيح أن الطالبين غير المغادرين - توضيح مدى تهافت الناس على بولس ونجاحه في التبشير حتى أن تأثيره امتد للأممين مما يحسن صورته - التأكيد على إلغاء الناموس الذي يجعل الخلاص حكرا على اليهود, فالبشارة شملت الأممين (جعل الأمور أكثر منطقية) - (تحسين صورة بولس) - (إلغاء الشريعة, دعم فلسفة بولس) 						

Act 13:42

ΕΞΙΟΝΤΩΝ ΔΕ ΑΥΤΩΝ

ΠΑΡΕΚΑΛΟΥΝ ΕΙΣ ΤΟ ΜΕΤΑΞΥ ΣΑΒΒΑΤΩΝ

Act 13:43

ΛΑΛΗΘΗΝΑΙ ΑΥΤΟΙΣ ΤΑ ῤΗΜΑΤΑ ΤΑΥΤΑ

ΛΥΘΙΣΧ ΔΕ ΑΥΤΟΙΣ ΤΗΣ ΣΥΝΑΓΩΓΗΣ

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وَبَعْدَمَا خَرَجَ الْيَهُودُ مِنَ الْمَجْمَعِ جَعَلَ الْأُمَمَ يَطْلُبُونَ إِلَيْهِمَا أَنْ يُكَلِّمَاهُمْ بِهَذَا الْكَلَامِ فِي السَّبْتِ الْقَادِمِ.

13:42	ΕΞΙΟΝΤΩΝ ΔΕ	ΕΚ	ΤΗΣ	ΣΥΝΑΓΩΓΗΣ	ΤΩΝ	ΙΟΥΔΑΙΩΝ
	exiontOn	de	ek	tEs	sunagOgEs	tOn ioudaiOn
	OF-OUT-BEING	YET	OUT	OF-THE	TOGETHER-LEAD	OF-THE JUDA-ans
	of-being-out			synagogue		Jews.

ΠΑΡΕΚΑΛΟΥΝ	ΤΑ	ΕΘΝΗ	ΕΙΣ	ΤΟ	ΜΕΤΑΞΥ	ΣΑΒΒΑΤΩΝ	ΛΑΛΗΘΗΝΑΙ
parekaloun	ta	ethnE	eis	to	metaxu	sabbaton	laiEthEnai
BESIDE-CALLED	THE	NATIONS	INTO	THE	between	SABBATH	TO-BE-TALKED
entreated		of-the-nations			intervening		to-be-spoken

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (والإخوة oi áδελφοι και) السينائية: الواو غير موجودة (الإخوة oi áδελφοι)	٢٣ وَكُنْتُوا بِأَيْدِيهِمْ هَكَذَا: "الرُّسُلُ وَالْمَشَائِخُ وَإِخْوَةُ يُهْدُونَ سَلَامًا إِلَى الإخوة الَّذِينَ مِنَ الأُمَّمِ فِي أَنْطَاكِيَّةَ وَسُورِيَّةَ وَكِيْلِيكِيَّةَ	وسلموا إليهم هذه الرسالة: ((من الرسل والشيوخ الإخوة إلى الإخوة المهنددين من غير اليهود في أنطاكية وسورية وكيليكية، سلام))	23 having written by their hand: The apostles and the elder brethren, to the brethren who are of the Gentiles in Antioch and Syria and Cilicia, wish health.	M-01A Acts 15:23 γραψαντες δια χειρος αυτων Οι αποστολοι και οι πρεσβυτεροι αδελφοι τοις κατα την Αντιοχίαν και Συρίαν και Κιλικίαν αδελφοις τοις εξ εθνων χαιρειν	أع 23-15	28
أضاف النساخ حرف العطف (و) لتتغير العبارة من (الشيوخ الإخوة) إلى (الشيوخ و الإخوة) حتى تصبح الرسالة المرسله تمت بواسطة ليس فقط الرسل والشيوخ بل أيضا بواسطة جميع المسيحيين في أورشليم (و الإخوة), فتصبح العقائد الموجودة في الرسالة مدعومة بواسطة كل الكنيسة مثل إلغاء الختان وباقي شريعة موسى , وكذلك إجازة التبشير بين غير اليهود. (إلغاء الشريعة , دعم فلسفة بولس) - (عالمية المسيحية) - (إلغاء حصر الخلاص في اليهود)					التعليق	

Act 15:23

Act 15:24

غير موجود بالمخطوط

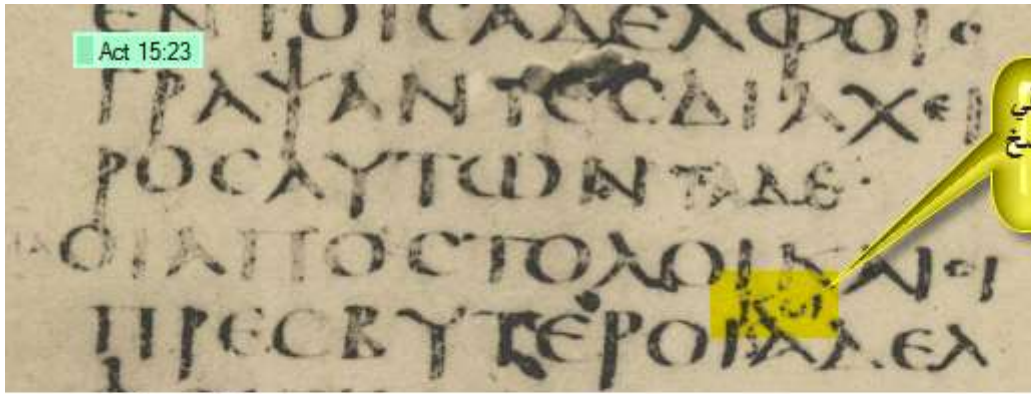
15:23 ΓΡΑΨΑΝΤΕΣ ΔΙΑ ΧΕΙΡΟΣ ΑΥΤΩΝ ΤΑΔΕ ΟΙ ΑΠΟΣΤΟΛΟΙ ΚΑΙ ΟΙ
grapsantes dia cheiros autōn tade hoi apostoloi kai hoi
WRITing THRU HAND OF-them THE-YET THE commissioners AND THE
through now-this apostles

الشيوخ
ΠΡΕΣΒΥΤΕΡΟΙ ΚΑΙ
presbuteroi kai
SENIORS AND
elders

و
και

الإخوة
ΟΙ ΑΔΕΛΦΟΙ
hoi adelphoi
AND THE brothers
brethren

ΤΟΙΣ ΚΑΤΑ ΤΗΝ ΑΝΤΙΟΧΕΙΑΝ ΚΑΙ ΣΥΡΙΑΝ
tois kata tēn antiocheian kai surian
to-THE according-to THE ANTIOCH AND SYRIA



Act 15:23

ΚΑΙ
كلمة (و) مكتوبة في
الهامش بواسطة ناسخ
متأخر زمنيا

Acts 15:23b

ⲛⲩⲩⲛⲩⲛⲩ
قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ
الأصلي

variant 1/TR

οἱ ἀπόστολοι καὶ οἱ πρεσβύτεροι ἀδελφοί
"the apostles and the elders, brothers"

ⲡ³³ ⲡ⁷⁴ Ⲭ* A B C D 33

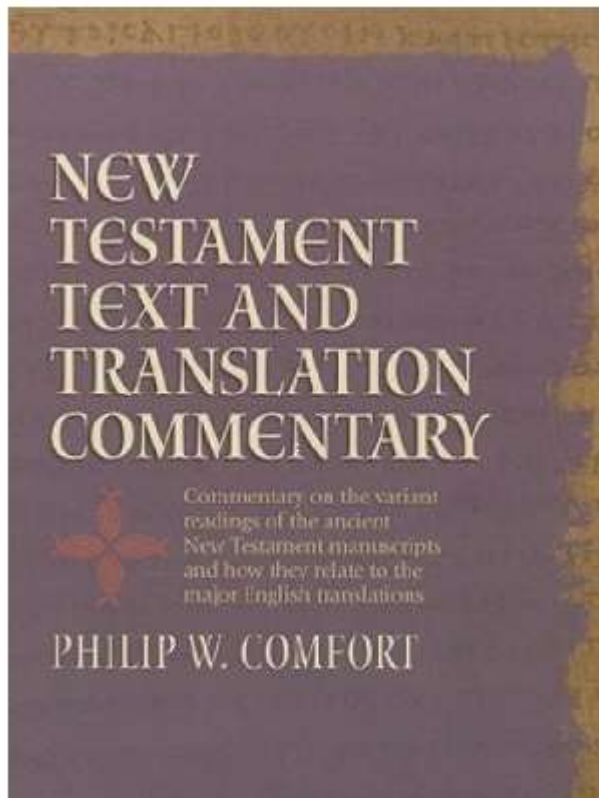
RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB

οἱ ἀποστολοὶ καὶ οἱ πρεσβυτέρου καὶ ἀδελφοί
"the apostles and the elders and the brothers"

Ⲭ² E Ψ 1739 Maj sy¹

KJV NKJV

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ
متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت عبارة: (وَقَائِلِينَ أَنْ تَحْتَنُوا وَتَحْفَظُوا النَّامُوسَ لَـغُونَتَـس پَـرِـتَـمَـنَـسْـثَا كَاـي تَـهَـرَـيْنَ تَـوْنَ نَـوْمَـوْنِ) السَّيْنَايَا: العبارة غير موجودة	٢٤ إِذْ قَدْ سَمِعْنَا أَنَّ أَنَاْسًا خَارْجِيْنَ مِنْ عِنْدِنَا أَزْ عَجُوْكُمْ بِأَقْوَالٍ، مُقْلِبِيْنَ أَنْفُسَكُمْ، وَقَائِلِيْنَ أَنْ تَحْتَنُوا وَتَحْفَظُوا النَّامُوسَ، الَّذِيْنَ نَحْنُ لَمْ نَأْمُرْهُمْ	24 Since we have heard that some have gone out from among ns and troubled you with words, subverting your souls, to whom we gave no commandment;	M-01A Acts 15:24 επι δε ηκουσαμεν οτι τινες εξ υμων εταραξαν υμας λογοις ανασκευαζοτες τας ψυχας υμων οισ ου διεστιλαμεθα	أع15-24	29
	أضاف النساخ عبارة (وَقَائِلِينَ أَنْ تَحْتَنُوا وَتَحْفَظُوا النَّامُوسَ) من أجل التأكيد على ضرورة إلغاء الختان وشرية موسى, وبالتالي فتح الباب أمام فكرة التبشير بين الأممين وأن المسيحية ديانة عالمية وليست محلية لليهود (إلغاء الشريعة, دعم فلسفة بولس) - (دعم عالمية المسيحية)				التعليق	

Act 15:24

Act 15:25

15:24 ΕΠΕΙΔΗ ΗΚΟΥΣΑΜΕΝ ΟΤΙ ΤΙΝΕΣ ΕΞ ΗΜΩΝ ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ ΕΤΑΡΑΞΑΝ ΥΜΑΣ

epeidE Ekousamen hoti tines ex hEmOn exelthontes etaraxan humas
ON-IF-BIND WE-HEAR that ANY OUT OF-US OUT-COMING DISTURB YOU(p)
since-in-fact some men comin-out

ΛΟΓΟΙΣ ΑΝΑΣΚΕΥΑΖΟΝΤΕΣ ΤΑΣ ΨΥΧΑΣ ΥΜΩΝ ΛΕΓΟΝΤΕΣ ΠΕΡΙΤΕΜΝΕΘΑΙ ΚΑΙ

logois anaskeuazontes tas psuchas humOn legontes peritemnesthai kai
to-sayings UP-INSTRUMENTING THE souls OF-YOU(p) sayING TO-BE-being-ABOUT-CUT AND
to-words dismanling of-ye to-be-being-circumcised

وَقَائِلِينَ أَنْ تَحْتَنُوا وَتَحْفَظُوا النَّامُوسَ

وَحْفَظُوا النَّامُوسَ

THREIN TON NOMON OIC OY ΔΙΕΣΤΕΙΛΑΜΕΘΑ

tErein ton nomon hois ou diesteilametha
TO-BE-KEEPING THE LAW to-WHOM NOT WE-THRU-PUT
whom we-gave-assignment

لَمْ نَأْمُرْهُمْ

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف النص: (وَلَكِنْ سِيلاً رَأَى أَنْ يَلْبَثَ هُنَاكَ SCR Acts 15:34 ἔδοξε δὲ τῷ Σίλα ἐπιμείναι αὐτοῦ) السينائية: النص بالكامل غير موجود	٣٤ وَلَكِنْ سِيلاً رَأَى أَنْ يَلْبَثَ هُنَاكَ	[محنوف]	[no verse]	[no verse]	أع15-34	30
أضاف النسخ النص من أجل علاج التناقض بين النص (15-33): "ثُمَّ بَعْدَ مَا صَرَفًا زَمَانًا أَطْلَقًا بِسَلَامٍ مِنَ الْإِخْوَةِ إِلَى الرَّسُلِ" الذي يصرح بانصراف سيلا من إنطاكية , مناقضا النص (15-40): "وَأَمَّا بُولُسُ فَأَخْتَارَ سِيلاً وَخَرَجَ مُسْتَوْدَعًا مِنَ الْإِخْوَةِ إِلَى نِعْمَةَ اللَّهِ." الذي يصرح بأنه إلى وقت رحيل بولس لم يكن سيلا قد غادر إنطاكية بعد. فكانت إضافة النص ضرورية (علاج التناقضات) - (جعل الأمور أكثر منطقية) - (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)					التعليق	

Act 15:33

Act 15:35

أنفسهم

الرسل

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

يولس

وَلَكِنْ سِيلاً رَأَى أَنْ يَلْبَثَ هُنَاكَ

15:33 ΠΟΙΗΣΑΝΤΕΣ ΔΕ ΧΡΟΝΟΝ ΑΠΕΛΥΘΗΣΑΝ ΜΕΤ ΕΙΡΗΝΗΣ ΑΠΟ ΤΩΝ
poiēsantes de chronon apeluthēsan met eirēnēs apo tōn
DOing YET TIME THEY-WERE-FROM-LOOSED WITH PEACE FROM THE
dispending they-were-dismissed

15:34 ΕΔΟΞΕΝ ΔΕ ΤΩ ΣΙΛΑ ΕΠΙΜΕΙΝΑΙ ΑΥΤΟΥ
edoxen de to sila epimeinai autou
it-SEEMS YET to-THE SILAS TO-ON-REMAIN OF-SAME
it-seems-gold to-stay there

15:35 ΠΑΥΛΟΣ ΔΕ ΚΑΙ ΒΑΡΝΑΒΑΣ ΔΙΕΤΡΙΒΟΝ ΕΝ ΑΝΤΙΟΧΕΙΑ ΔΙΔΑΚΚΟΝΤΕΣ ΚΑΙ
paulos de kai barnabas diētribon en antiocheia didaskontes kai
PAUL YET AND Barnabas tarried IN ANTIOCH TEACHING AND

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<p>النسخة العربية: تذكر لفظة: (الروح Πνεῦμα)</p> <p>السينائية: تضيف لفظة: (روح يسوع ΠΝΑ ΙΥ) ملحوظة: كلمة "روح يسوع" مكتوبة بطريقة الاختصار المقدس</p>	<p>فلما اقتربوا من ميسية حاولوا أن يدخلوا بثينية، فما سمح لهم روح يسوع</p>	<p>7 but having come towards Mysia, they attempted to go into Bithynia; and the Spirit of Jesus did not permit them;</p>	<p>M-01A Acts 16:7 ελθοντες δε κατα την Μυσιαν επιραζον εις την Βιθυνιαν πορευθηναι και ουκ ιασεν αυτους το ΠΝΑ ΙΥ.</p>	أع7-16	31
<p>قام النساخ بتغيير النص من (روح يسوع) إلى (الروح) لأن المصطلح الأول غريب على العهد الجديد وعلى مسامع المسيحيين فالتعبير الشائع هو (الروح القدس) (تحسين النص) - (إزالة التعبيرات الغير مألوقة)</p>					التعليق	

Act 16:7

يسوع
ΙΥ
(اللفظة مكتوبة بصيغة الاختصار
المقدس)

روح
ΠΝΑ
(اللفظة مكتوبة بصيغة
الاختصار المقدس)

Act 16:8

16:7	ΕΛΘΟΝΤΕΣ	ΚΑΤΑ	ΤΗΝ	ΜΥΣΙΑΝ	ΕΠΙΡΑΖΟΝ	ΚΑΤΑ	ΤΗΝ	ΒΙΘΥΝΙΑΝ
	elthontes	kata	tEn	musian	epeirazon	kata	tEn	bithunian
	COMING	according-to	THE	MYSIA	THEY-tried	according-to	THE	BITHYNIA

ΠΟΡΕΥΕΣΘΑΙ	ΚΑΙ	ΟΥΚ	ΕΙΑΣΕΝ	ΑΥΤΟΥΣ	ΤΟ	ΠΝΕΥΜΑ
poreuesthai	kai	ouk	eiasen	autous	to	pneuma
TO-BE-GOING	AND	NOT	LEAVES	them	THE	spirit
			lets			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (غير المؤمنين) (ἀπειθοῦντες) السينائية: العبارة غير موجودة	هَفَعَارَ الْيَهُودُ غَيْرُ الْمُؤْمِنِينَ وَاتَّخَذُوا رِجَالًا أَشْرَارًا مِنْ أَهْلِ السُّوقِ	فملاً الحسد قلوب اليهود، فجمعوا من الرعاع رجلاً أشراراً هيجوا الناس وأثاروا الشعب في المدينة.	5 But the Jews taking with them some evil men that were about the markets	SCR Acts 17:5 ζηλώσαντες δὲ οἱ ἀπειθοῦντες Ἰουδαῖοι, καὶ προσλαβόμενοι τῶν ἀγοραίων τινὰς ἀνδρας πονηροῦς	أع 5-17	32
<p>أضاف النساخ عبارة (غير المؤمنين) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - ابعاد التهمة عن القسم المؤمن من اليهود الذي اقتنع ببشارة بولس - تشويه صورة اليهود <p>(تحسين النص) - (تشويه صورة اليهود)</p>					التعليق	

Act 17:5

ΖΗΛΩΣΑΝΤΕΣ ΔΕ ΟΙ ΙΟΥΔΑΙΟΙ ΚΑΙ ΠΡΟΣΛΑΒΟΜΕΝΟΙ ΤΩΝ ΑΓΟΡΑΙΩΝ ΤΙΝΑΣ ΑΝΔΡΑΣ ΠΟΝΗΡΟΥΣ ΚΑΙ ΟΧΛΟΠΟΙΗΣΑΝΤΕΣ ΕΘΟΥΡΥΒΟΥΝ ΤΗΝ ΠΟΛΙΝ ΚΑΙ ΕΠΙΣΤΑΤΕΣ ΤΗ ΟΙΚΙΑ

فقار غير المؤمنين اليهود

17:5 ΖΗΛΩΣΑΝΤΕΣ ΔΕ ΟΙ ΑΠΕΙΘΟΥΝΤΕΣ ΙΟΥΔΑΙΟΙ ΚΑΙ ΠΡΟΣΛΑΒΟΜΕΝΟΙ ΤΩΝ

zEIoSantes de hoi apeithountes ioudaioi kai proslabomenoi tOn

BOILing YET THE UN-PERSUADING JUDA-ans AND TOWARD-GETTING OF-THE

being-jealous being-stubborn Jews taking-to-themselves

ΑΓΟΡΑΙΩΝ ΤΙΝΑΣ ΑΝΔΡΑΣ ΠΟΝΗΡΟΥΣ ΚΑΙ ΟΧΛΟΠΟΙΗΣΑΝΤΕΣ ΕΘΟΥΡΥΒΟΥΝ ΤΗΝ

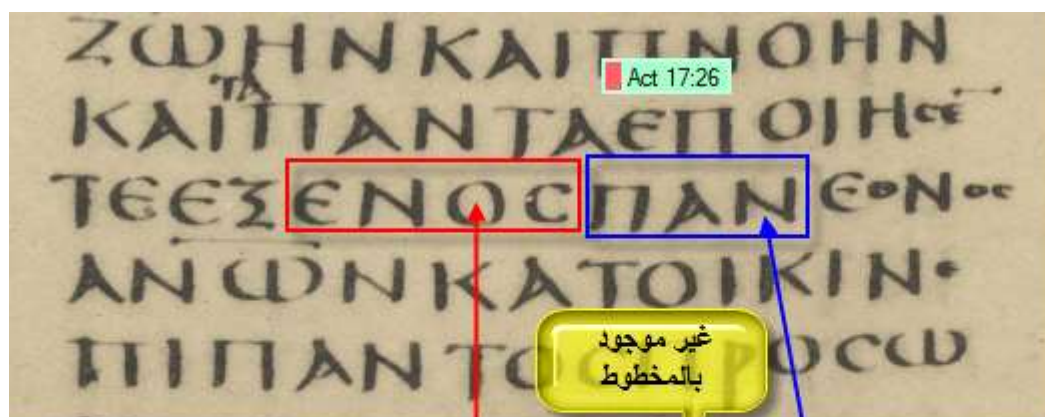
agoraiOn tinas andras ponērouς kai ochlopoiEsantes ethoruboun tEn

BUYS ANY MEN wicked THRONG-making THEY-TUMULTED THE

loafers some making-up-mob made-a-tumult

غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (دم αἵματος) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٦ وَصَنَعَ مِنْ دَمٍ وَاحِدٍ كُلَّ أُمَّةٍ مِنَ النَّاسِ يَسْكُنُونَ عَلَى كُلِّ وَجْهِ الْأَرْضِ	خلق البشر كلهم من واحد، وأسكنهم على وجه الأرض كلها،	26 he also made of one every nation of men to dwell on all the face of the earth	M-01A Acts 17:26 εποιησε̅ τε̅ εξ̅ ενος παν̅ εθνος ΑΝΩ̅Ν̅ κατοικιν̅ επι παντος προσωπου της γης (Acts 17:26 M- 01A)	أع 17-26	33
أضاف النساخ لفظة (دم) من أجل توضيح المادة التي صنع منها الناس, فالنص يقول أن الناس كلهم مصنوعون من واحد, لكنه سكت عن توضيح ما هذا الواحد؟ طين؟ ماء؟ شخص؟ دم؟ فوق اختيارهم على مادة معينة للإجابة على السؤال وتوضيح المعنى (تحسين النص)						التعليق



17:26	ΕΠΟΙΗΣΕΝ	ΤΕ	ΕΞ	ΕΝΟΣ	ΑΙΜΑΤΟΣ	ΠΑΝ	ΕΘΝΟΣ	ΑΝΘΡΩΠΩΝ	ΚΑΤΟΙΚΕΙΝ
	epoiēsen	te	ex	henos	haimatos	pan	ethnos	anthropōn	katoikein
	He-makES	BESIDES	OUT	OF-ONE	BLOOD	EVERY	NATION	OF-humans	TO-BE-DOWN-HOMING to-be-dwelling

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (اليونانيين ὁι Ἕλληνες) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٧ فَأَخَذَ جَمِيعُ الْيُونَانِيِّينَ سُوسْتَانِيَسَ رَئِيسَ الْمَجْمَعِ، وَضَرَبُوهُ قُدَّامَ الْكُرْسِيِّ،	فقبضوا كلهم على سوستانيس رئيس المجمع وضربوه قدام المحكمة، وغالليون لا يبالي	17 But all took Sosthenes, the ruler of the synagogue, and beat him before the tribunal	M-01A Acts 18:17 Επιλαβομενοι δε παντες Σωσθενην τον αρχισυναγωγον ετυπτον εμπροσθε του βηματος και ουδεν τουτων τω Γαλλιωني εμελλε	أع 17-18	34
أضاف النساخ لفظة (اليونانيين) من أجل توضيح من هم الذين قبضوا على سوستانيس (تحسين النص)					التعليق	

Act 18:17

TOYCAΠOTOYBHMATOC·EΠIΛABOMENOI ΔE ΠAHTEC OI EΛΛHNEC CΩCΘEHNH TON APXICYNAΓOΓON

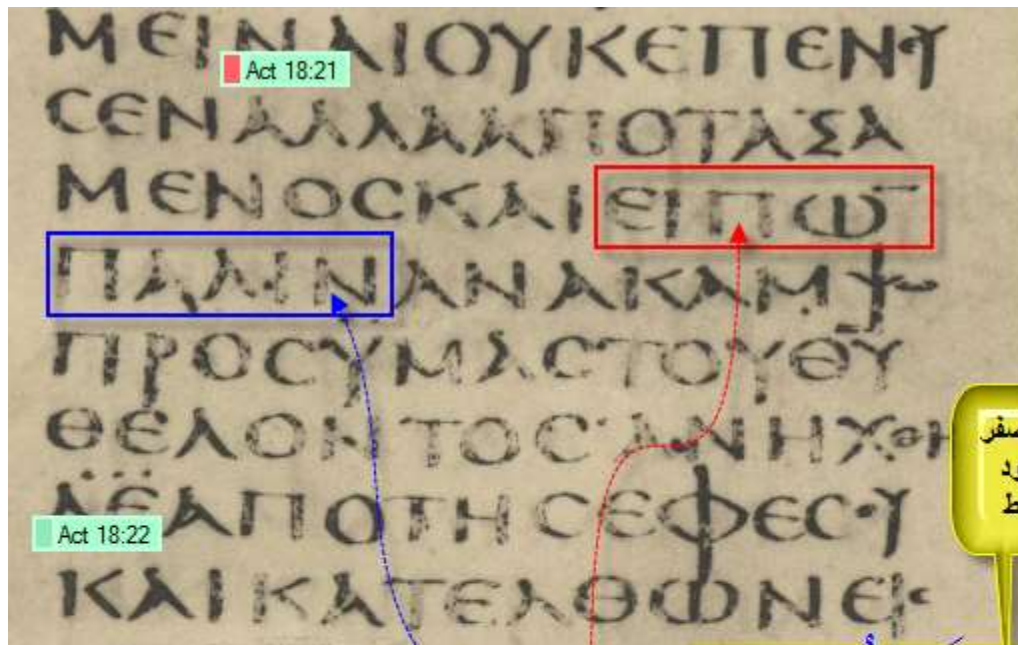
epilabomenoi de pantes hoi hellenes sosthenen ton archisunagogon

ON-GETTING YET ALL THE GREEKS Sosthenes THE chief-of-TOGETHER-LEAD chief-of-synagogue

غير موجود بالمخطوطة

كل اليونانيين سوستانيس

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (يُنْبَغِي عَلَى كُلِّ حَالٍ أَنْ أَعْمَلَ الْعِيدَ الْقَائِمَ فِي أُورُشَلِيمَ. وَلَكِنْ Δεῖ με πάντως τὴν ἐορτὴν τὴν ἐρχομένην ποιῆσαι εἰς Ἱεροσόλυμα) السينائية: المقطع غير موجود</p>	<p>٢١ بَلْ وَدَعَهُمْ قَائِلًا: "يُنْبَغِي عَلَى كُلِّ حَالٍ أَنْ أَعْمَلَ الْعِيدَ الْقَائِمَ فِي أُورُشَلِيمَ. وَلَكِنْ سَأَرْجِعُ إِلَيْكُمْ أَيْضًا إِنْ شَاءَ اللَّهُ". فَأَقْلَعُ مِنْ أَفْسُسَ.</p>	<p>ولكنه قال لهم عندما ودعهم: ((سأعود إليكم إن شاء الله)). وسافر في البحر من أفسس</p>	<p>21 but taking leave and saying: I will return to you again, if God will, he sailed from Ephesus;</p>	<p>M-01A Acts 18:21 αλλα αποταξαμενος και ειπω παλιν ανακαμψω προς υμας του ΘΥ θελοντος Ανηχθη δε απο της Εφεσου (Acts 18:21 M-01A)</p>	أع 18-21	35
<p>أضاف النساخ مقطع (يُنْبَغِي عَلَى كُلِّ حَالٍ أَنْ أَعْمَلَ الْعِيدَ الْقَائِمَ فِي أُورُشَلِيمَ. وَلَكِنْ) لعدة لسبيين: - تقديم تفسير منطقي لسبب المغادرة المفاجئة لبولس لمدينة أفسس - توضيح ما هي الكنيسة التي سلم عليها في العدد (18-22) (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p>					التعليق	



Act 18:21 **ΕΙΠΩ** ΔΕΙ ΜΕ ΠΑΝΤΩΣ ΤΗΝ

Act 18:22 **ΠΑΛΙΝ** ΔΕ

18:21 **ΕΙΠΩ** ΔΕΙ ΜΕ ΠΑΝΤΩΣ ΤΗΝ

all apetaxato autois eipOn dei me pantOs tEn
 but he-FROM-SAYS to-them saying IS-BINDING ME ALL-ly THE
 he-takes-leave I-s-binding absolutely

Act 18:22 **ΠΑΛΙΝ** ΔΕ

heortEn tEn erchomenEn poiEsai eis ierosoluma palin de
 FESTIVAL THE COMING TO-DO INTO JERUSALEM AGAIN YET

ΑΝΑΚΑΜΨΩ ΠΡΟΣ ΥΜΑΣ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΘΕΛΟΝΤΟΣ ΚΑΙ ΑΝΗΧΘΗ

anakampsO pros humas tou theou thelontos kai anEchthE
 I-SHALL-BE-UP-BOWING TOWARD YOU(PL) OF-THE God WILLING AND he-WAS-UP-LED
 I-shall-be-going-back ye he-set-out

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (الرب τοῦ Κυρίου) السينائية: تكتب بدلا منها: (يسوع του Ἰησους)	٢٥ كَانَ هَذَا خَيْرًا فِي طَرِيقِ الرَّبِّ. وَكَانَ وَهُوَ حَارًّا بِالرُّوحِ يَتَكَلَّمُ وَيُعَلِّمُ بِتَدْقِيقٍ مَا يَخْتَصُّ بِالرَّبِّ. عَارِفًا مَعْمُودِيَّةَ يُوْحَنَّا فَقَطُّ	تلقن مذهب الرب، فاندفع يتكلم بحماسة ويعلم تعليما صحيحا ما يختص بيسوع. ولكنه كان لا يعرف إلا معمودية يوحنا	25 He was instructed in the way of the Lord, and, being fervent in spirit, he spoke and taught accurately the things concerning Jesus, knowing only the baptism of John	M-01A Acts 18:25 Ουτος ην κατηχημενος την οδον του ΚΥ̅ και ζεων τω ΙΗΝ̅ω ελαλει και εδιδασκεν ακριβως τα περι του ΙΥ̅ επισταμενος μονον το βαπτισμα Ιωαννου	أع 18-25	36
قام النساخ بتغيير النص من لفظة (يسوع) إلى (الرب) من أجل وصف يسوع بأحد أوصاف الألوهية. (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

Act 18:25

ΕΝΤΑΙΣΓΡΑΦΑΙΣΟΥ
ΤΟΣΗΝΚΑΤΗΧΗΜΕ
ΝΟΣΤΗΝΟΔΟΝΤῆ
ΚΥΚΑΙΖΟΝΤΩΠΙΝΙ
ΨΕΛΛΕΙΚΑΙΕΔΙΔΑ
ΣΚΕΝΑΚΡΙΒΩΣΤΑ
ΠΕΡΙΤΟΥΚΥΡΙΟΥ
ΕΠΙΣΤΑ
ΜΕΝΟΣΜΟΝΟΝΤΟ
ΒΑΠΤΙΣΜΑΙΩΑΝΗ
ΟΥΤΟΣΤΕΗΡΞΑΤΟΙΑ

Act 18:26

18:25 ΟΥΤΟΣ ΗΝ ΚΑΤΗΧΗΜΕΝΟΣ ΤΗΝ ΟΔΟΝ ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ ΚΑΙ
houtos En katEchEmenos tEn hodon tou kuriou kai
this-one WAS HAVING-been-instructED THE WAY OF-THE Master AND
this-one Lord

ΖΕΩΝ ΤΩ ΠΝΕΥΜΑΤΙ ΕΛΛΕΙ ΚΑΙ ΕΔΙΔΑΣΚΕΝ ΑΚΡΙΒΩΣ ΤΑ
zeOn to pneumati elalei kai edidasken akribOs ta
BOILING to-THE spirit he-TALKED AND TAUGHT EXACTly THE
being-fervent he-spoke accurately the-things

ΠΕΡΙ ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ ΕΠΙΣΤΑΜΕΝΟΣ ΜΟΝΟΝ ΤΟ ΒΑΠΤΙΣΜΑ
peri tou kuriou epistamenos monon to baptisma
ABOUT THE Master beING-adept ONLY THE DIPism
concerning Lord being-versed-in baptism

غير موجود بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
37	أع 19-33	M-01A Acts 19:33 Εκ δε του οχλου συνεβιβασαν Αλεξᾱδρον προβαλοντω̄ αυτον των Ιουδαιων Ο δ̄ ουν Αλεξανδρος κατασισας τη̄ χειρα ηλθεν απολογεισθαι τω δημο	33 But out of the crowd they instructed Alexander, the Jews putting him forward, and Alexander, waving his hand, intended to make a defense to the people.	فأرشد الجمع إسكندر ودفعه اليهود إلى الأمام، فأشار بيده يريد أن يخاطب الجموع..	٣٣ فأجتذبوا إسكندر من الجمع، وكان اليهود يدفعونه. فأشار إسكندر بيده يريد أن يحتج للشعب.	وجه الاختلاف النسخة العربية: تذكر لفظة: (فاجتذبوا προεβίβασαν) السينائية: تكتب بدلا منها: (فأرشد συνεβίβασαν)
		إسكندر هو شخص يهودي قدمه اليهود ليتكلم نيابة عن اليهود أمام شعب مدينة أفسس ليشرحوا لهم أنهم كيهود هم مخالفون للنصاري حتى لا يؤاخذهم الأفسسيون الغاضبون من النصاري والذين لا يعرفون الفرق بين اليهود والمسيحيين ويعاملونهم كفرقة واحدة.		التعليق		

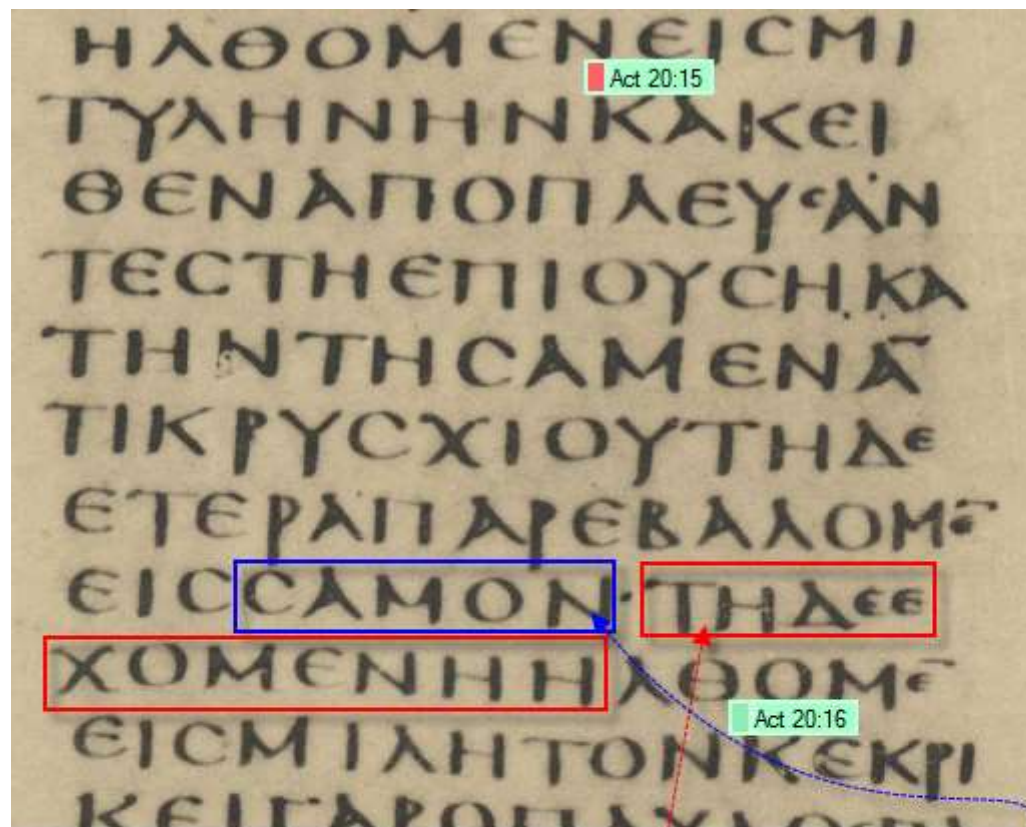
قام النساخ بتغيير النص من (فأرشد) إلى (فاجتذبوا) لأنهم لم يفهموا لماذا يرشد الأفسسيون إسكندر وكيف سيفعلون ذلك, فأروا أنه من الأكثر مناسبة أن يكون الجمع الغاضب قد جذب إسكندر أكثر من كونهم قد أرشدوه
(جعل الأمور أكثر منطقية)

19:33	ΕΚ ΔΕ ΤΟΥ	ΟΧΛΟΥ	ΠΡΟΕΒΙΒΑΣΑΝ	ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΝ
ek de tou	ochlou	proebibasan	alexandron	
OUT YET OF-THE	THRONG	THEY-have-BEFORE-STEPize	ALEXANDER	
		they-egg-on		

ΠΡΟΒΑΛΛΟΝΤΩΝ	ΑΥΤΟΝ	ΤΩΝ	ΙΟΥΔΑΙΩΝ	Ο	ΔΕ	ΑΛΕΞΑΝΔΡΟΣ
proballontOn	auton	tOn	ioudaiOn	ho	de	alexandros
OF-BEFORE-CASTING	him	THE	JUDA-ans	THE	YET	ALEXANDER
of-pushing-forward			Jews			

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
38	أع 19-37	M-01A Acts 19:37 Ηγαγετε γαρ τους ανδρας τουτους ουτε ιεροσυλους ουτε βλασφημοντας την θεον ημων	37 For you have brought these men who are neither robbers of temples nor blasphemers of our goddess.	جنتم بهذين الرجلين، ولا أحد منهما انتهك حرمة أرطاميس إلهتنا أو جدف عليها	٣٧ لأنكم أتيتم بهذين الرجلين، وهما ليسا سارقِي هيَاكل، ولا مُجَدِّفِين عَلَى إلهتكم	<u>النسخة العربية:</u> تذكر لفظة: (إلهتكم. την θεαν ὑμῶν) <u>السينائية:</u> تكتب بدلا منها: (إلهتنا την θεον ημων)
						قام النساخ بتغيير اللفظة من (إلهتنا) إلى (إلهتكم) لأنهم ظنوا أن المتكلم هو إسكندر , وهم يعرفون أن اسكندر يهودي وبالتالي فالإلهة ليس هو إله الأفسسيين وهو الإلهة أرطاميس, وبالتالي يصبح لوقا قد أخطأ أثناء كتابته لهذا النص, فكان التغيير ضروري لعلاج المشكلة (جعل الأمور أكثر منطقية) (إنقاذ المؤلف)





20:15	ΚΑΚΕΙΘΕΝ	ΑΠΟΠΛΕΥΣΑΝΤΕΣ	ΤΗ	ΕΠΙΟΥΣΗ	ΚΑΤΗΝΤΗΣΑΜΕΝ	
	kakeithen	apopleuasantes	TE	epiousE	katEntEsamen	
	AND-thence	FROM	to-THE	ON-BEING	WE-attain	
		sailing-away		ensuing-day	we-arrive-at	
	ΑΝΤΙΚΡΥ	ΧΙΟΥ	ΤΗ	ΔΕ	ΕΤΕΡΑ	ΠΑΡΕΒΑΛΟΜΕΝ
	antikru	chiou	TE	de	hetera	parebalomen
	INSTEAD-SKULL	OF-CHIOS	to-THE	YET	DIFFERENT	WE-BESIDE-CAST
	abreast			different-day	we-put-in	
	ΕΙΣ	ΣΑΜΟΝ	ΚΑΙ			
	eis	samon	kai			
	INTO	SAMOS	AND			
	ΜΕΙΝΑΝΤΕΣ	ΕΝ	ΤΡΩΓΥΛΛΙΩ	ΤΗ	ΕΧΟΜΕΝΗ	ΗΛΘΟΜΕΝ
	meinantes	en	trOgullio	TE	echomenE	EIthomen
	REMAIN ^{ing}	IN	TROGYLLIUM	to-THE	HAVING	WE-CAME
				being-next-day		INTO

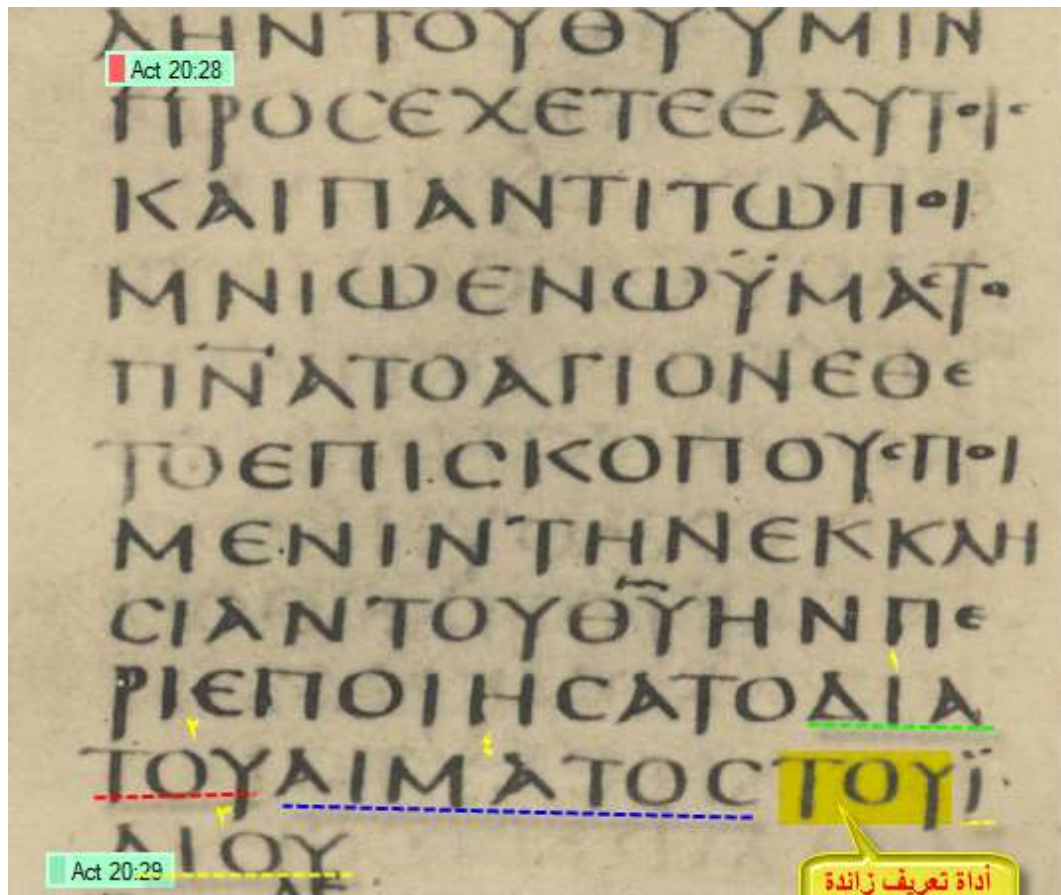
المظلل غير موجود بالمخطوط

ساموس

واقمنا في تروجيليون

وفي اليوم الآخر

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب العبارة: (بدمه) διὰ τοῦ ἰδίου αἵματος) السينائية: تكتب بدلا منها: (بدم ابنه) δια του αιματος του ιδιου)	٢٨ اِحْتَرِزُوا إِذَا لَأَنْفُسِكُمْ وَلِجَمِيعِ الرِّعِيَّةِ الَّتِي أَقَامَكُمْ الرُّوحُ الْقُدُسُ فِيهَا أَسَاقِفَةً، لِتَرْعَوْا كَنِيْسَةَ اللَّهِ الَّتِي أَقْتَنَّاهَا بِدَمِهِ	فاسهروا على أنفسكم وعلى الرعية التي أقامكم الروح القدس فيها أساقفة لترعوا كنيسة الله التي اكتسبها بدم ابنه	Watch out for ¹⁰⁹ yourselves and for all the flock of which ¹¹⁰ the Holy Spirit has made you overseers, ¹¹¹ to shepherd the church of God ¹¹² that he obtained ¹¹³ with the blood of his own Son	M-01A Acts 20:28 Προσεχετε εαυτοις και παντι το ποιμνω εν ω υμας το ΠΙΝΑ το αγιον εθετο επισκοπους ποιμενι την εκκλησιαν του ΘΥ ην περιεποιησατο δια του αιματος του ιδιου	أع28-20	40
<p>تغيير النساخ لترتيب الألفاظ في الجملة اليونانية من (διὰ τοῦ ἰδίου αἵματος) إلى (δια του αιματος του ιδιου) أدى لتغيير النص من (بدمه) إلى (بدم ابنه) راجع كتب التعليقات النقدية والنسخ التالية RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEBmg REBmg NJB NAB NLT HCSB NET</p> <p>قام النساخ بهذا التصرف من أجل:</p> <ul style="list-style-type: none"> - توضيح أن عقيدة الفداء تمت بواسطة أُنوم الابن تحديدا - القضاء على هرطقة مؤلمي الأب الذين يقولون بأن الذي مات هو الأب <p>(دعم عقيدة الفداء) (القضاء على عقائد الهرطقة)</p>					التعليق	



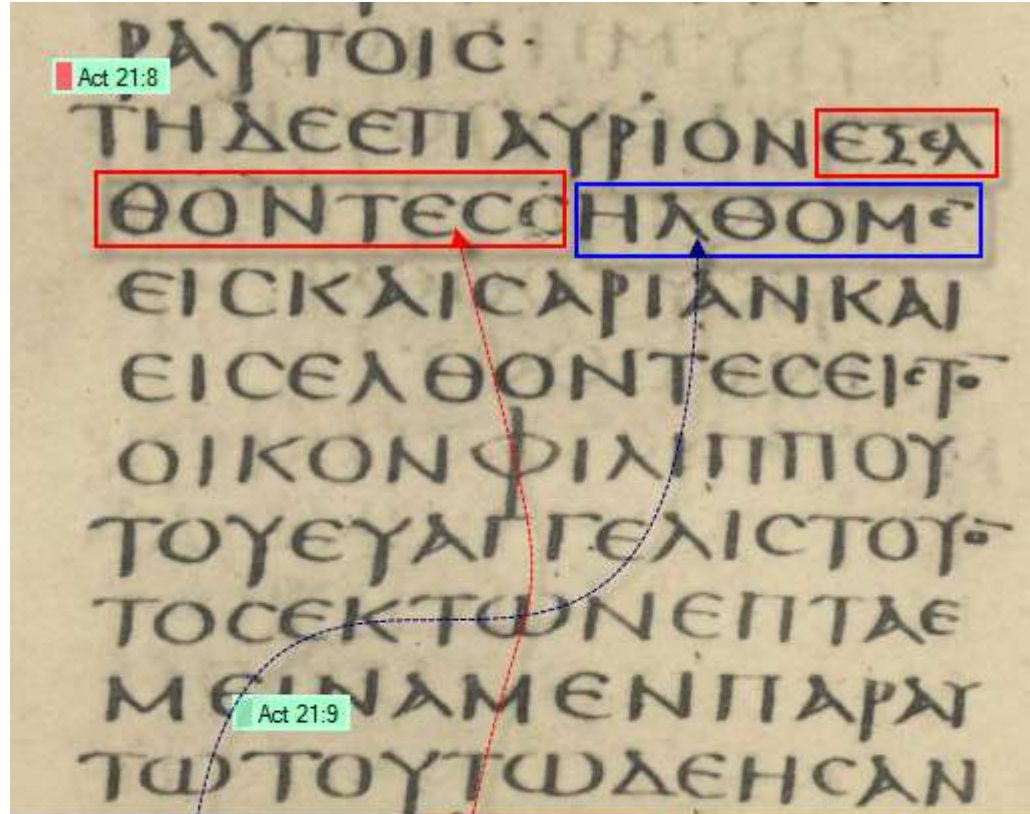
20:28 ΠΡΟΣΕΧΕΤΕ ΟΥΝ ΕΑΥΤΟΙΣ ΚΑΙ ΠΑΝΤΙ ΤΩ ΠΟΙΜΝΙΩ ΕΝ
 prosechete oun heautois kai panti to poimnio en
 BE-YE-heeding THEN to-selves AND to-EVERY THE flocklet IN
 be-ye-heeding! to-yourselfes to-entire among

Ω ΥΜΑΣ ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ ΤΟ ΑΓΙΟΝ ΕΘΕΤΟ ΕΠΙΣΚΟΠΟΥΣ
 ho humas to pneuma to hagion etheto episkopous
 WHICH YOU(p) THE spirit THE HOLY PLACED ON-NOTers
 ye appointed supervisors

ΠΟΙΜΑΙΝΕΙΝ ΤΗΝ ΕΚΚΛΗΣΙΑΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΗΝ ΠΕΡΙΕΠΟΙΗΣΑΤΟ
 poimainein tEn ekklesian tou theou hEn periepoiEsato
 TO-BE-SHEPHERDING THE OUT-CALLED OF-THE God WHICH He-procurES
 ecclesia

ΔΙΑ ΤΟΥ ΙΔΙΟΥ ΑΙΜΑΤΟΣ
 dia tou idiou haimatos
 THRU THE OWN BLOOD
 through

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (نحن رفقاء بولس) <u>السينائية:</u> العبارة غير موجودة	٨. ثُمَّ خَرَجْنَا فِي الْغَدِ نَحْنُ رُفَقَاءَ بُولُسَ وَجِئْنَا إِلَى قَيْصَرِيَّةَ، فَدَخَلْنَا بَيْتَ فِيلُبُّسَ الْمُبَشِّرِ، إِذْ كَانَ وَاحِدًا مِنَ السَّبْعَةِ وَأَقَمْنَا عِنْدَهُ	وسرنا في الغد إلى قيصرية. فدخلنا بيت فيلبس المبشر وهو أحد السبعة ونزلنا عنده	8 But on the morrow we departed and came to Caesarea, and entering the house of Philip the evangelist, who was of the seven, we abode with him.	SCR Acts 21:8 τῆ δὲ ἐπαύριον ἐξελθόντες οἱ περὶ τὸν Παῦλον ἤλθομεν εἰς Καισάρειαν· καὶ εἰσελθόντες εἰς τὸν οἶκον Φιλίππου τοῦ εὐαγγελιστοῦ, τοῦ ὄντος ἐκ τῶν ἐπτά, ἐμείναμεν παρ' αὐτῷ	أع 21-8	41
أضاف النساخ عبارة (نحن رفقاء بولس) من أجل توضيح من هم الذين خرجوا في الغد ثم جاءوا إلى قيصرية (تحسين وتوضيح النص)					التعليق	



21:8	ΤΗ	ΔΕ	ΕΠΑΥΡΙΟΝ	ΕΞΕΛΘΟΝΤΕΣ	ΟΙ	ΠΕΡΙ	ΤΟΝ	ΠΑΥΛΟΝ
	tē	de	epaurion	exelthontes	hoi	peri	ton	paulon
	to-THE	YET	ON-MORROW	OUT-COMING	THE-ones	ABOUT	THE	PAUL
				coming-away	the-ones			
	ΗΛΘΟΜΕΝ	ΕΙΣ	ΚΑΙΣΑΡΕΙΑΝ	ΚΑΙ	ΕΙΣΕΛΘΟΝΤΕΣ	ΕΙΣ	ΤΟΝ	ΟΙΚΟΝ
	Eitthomen	eis	kaisareian	kai	eiselthontes	eis	ton	oikon
	WE-CAME	INTO	CAESAREA	AND	INTO-COMING	INTO	THE	HOME
				entering				house

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (اليهود <i>Ioudaíων</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٠ فَلَمَّا سَمِعُوا كَانُوا يُمَجِّدُونَ الرَّبَّ. وَقَالُوا لَهُ: "أَنْتَ تَرَى أَيُّهَا الْأَخُ كَمْ يُوجَدُ رَبُوءَةَ-أَلُوفٍ- مِنْ الْيَهُودِ الَّذِينَ آمَنُوا، وَهُمْ جَمِيعًا غَيْرُونَ لِلنَّامُوسِ.	فلما سمعوا، مجدوا الله وقالوا لبولس: ((أنت ترى، أيها الأخ، كيف أن آلاف اليهود آمنوا وكلهم متعصبون لشريعة موسى	20 And when they had heard, they glorified God, and said to him: Thou seest, brother, how many myriads of believers there are; and all are zealots for the law	M-01A Acts 21:20 Οι δε ακουσαντες εδοξασαν τον ΚΥΡΙΟΝ ειπαν τε αυτω Θεωρις αδελφε ποσαι μυριαδες εισιν των πεπιστευκοτων και παντες ζηλωται του νομου υπαρχουσιν	أع 20-21	42
<p>أضاف النساخ لفظة (اليهود) من أجل:</p> <ul style="list-style-type: none"> - إظهار قوة تأثير البشارة حتى على اليهود أنفسهم - توضيح من هم الألوف الذين آمنوا (تحسين وتوضيح النص) (إظهار نجاح البشارة) 					التعليق	

Act 21:20

Act 21:21

21:20	ΟΙ ΔΕ ΑΚΟΥΣΑΝΤΕΣ ΕΔΟΞΑΖΟΝ ΤΟΝ ΚΥΡΙΟΝ ΕΙΠΟΝ ΤΕ	hoi de akousantes edoxazon ton kurion eipon te	THE YET ones-HEARING ones-hearing esteemizED glorified THE Master THEY-said BESIDES
	ΑΥΤΩ ΘΕΩΡΕΙΣ ΑΔΕΛΦΕ ΠΟΣΑΙ ΜΥΡΙΑΔΕΣ ΕΙΣΙΝ ΙΟΥΔΑΙΩΝ	autō theOreis adelphe posai myriades eisin ioudaion	to-him YOU-ARE-beholding brother! how-many MYRIADS (10,000) ARE OF- DA-ans ten-thousands there
	ΤΩΝ ΠΕΠΙΣΤΕΥΚΟΤΩΝ ΚΑΙ ΠΑΝΤΕΣ ΖΗΛΩΤΑΙ ΤΟΥ ΝΟΜΟΥ	ton pepisteukoton kai pantes zEIotai tou nomou	THE HAVING-BELIEVED AND ALL BOILers OF-THE LAW zealots

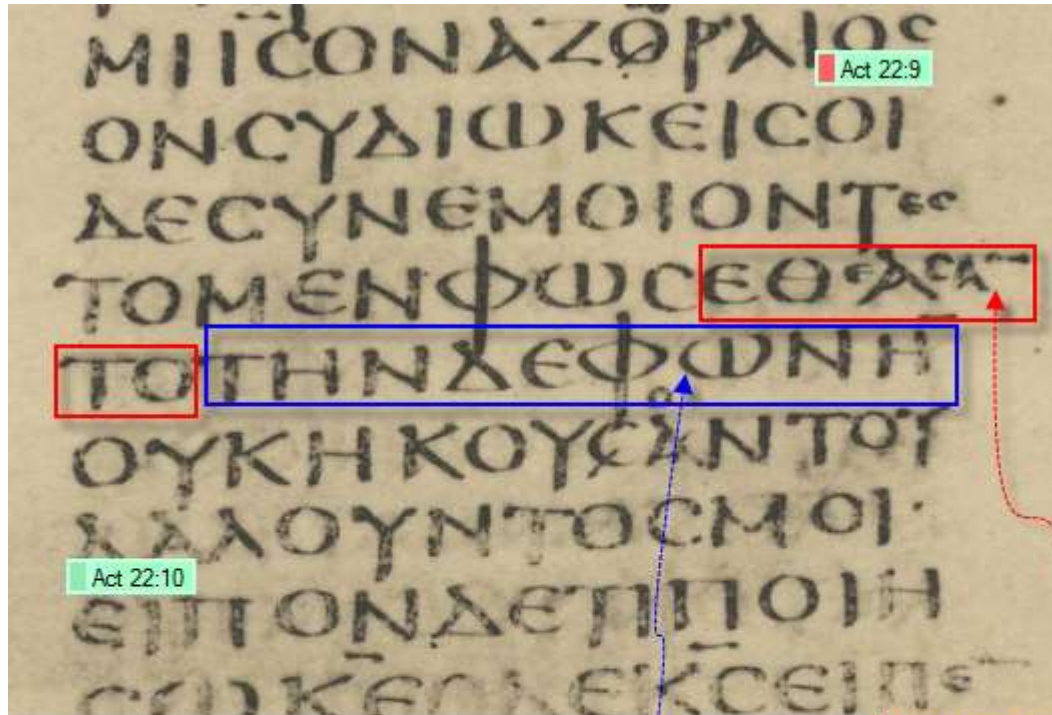
ربوة من

اليهود

الذين آمنوا

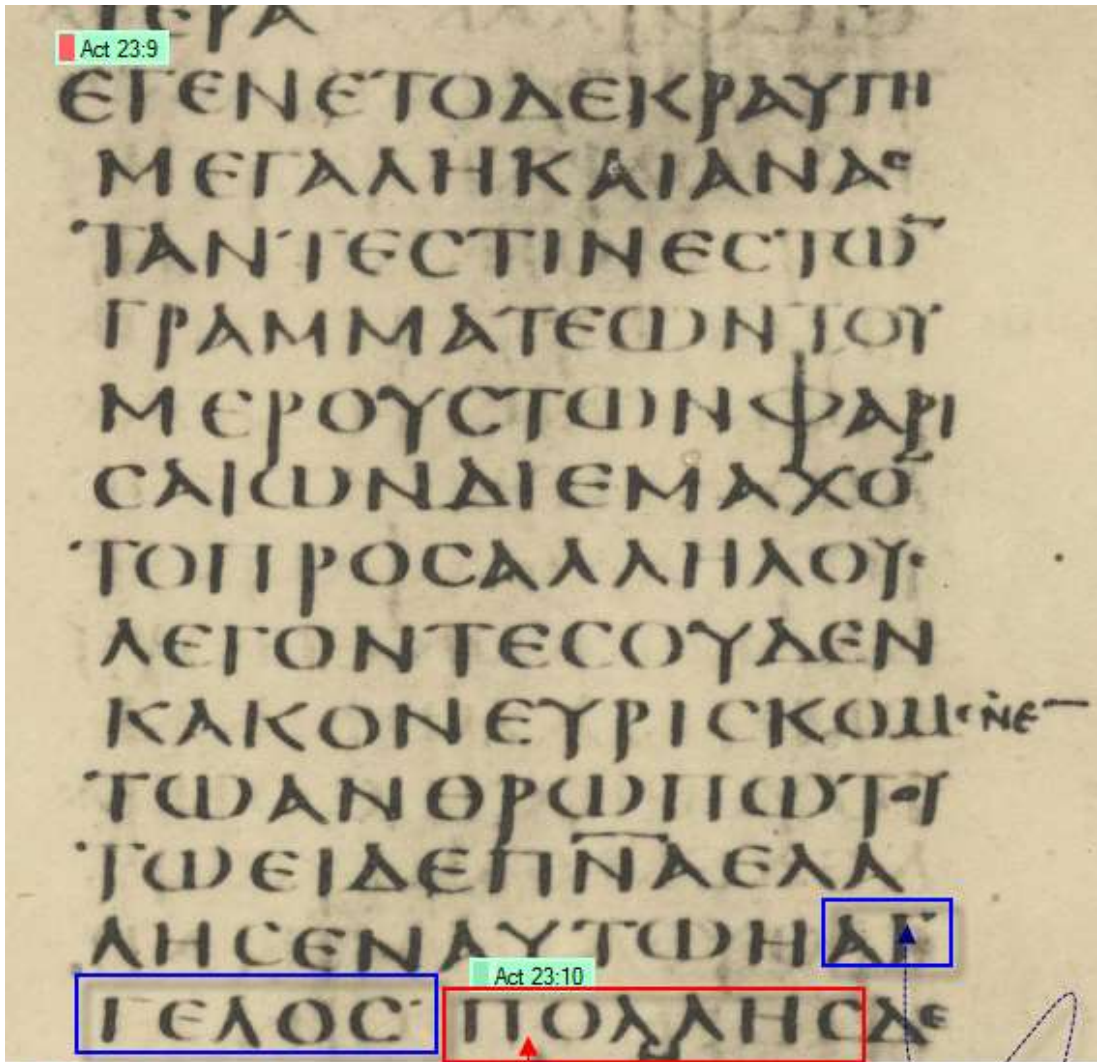
غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (وارتعبا καὶ ἐμφοβοὶ ἐγένοντο) السينائية: اللفظة غير موجودة	٩ وَالَّذِينَ كَانُوا مَعِيَ نَظَرُوا النُّورَ وَارْتَعَبُوا، وَلَكِنَّهُمْ لَمْ يَسْمَعُوا صَوْتِ الَّذِي كَلَّمَنِي	وكان الذين معي يرون النور ولا يسمعون صوت من يخاطبني.	9 And those that were with me saw indeed the light, but understood not the voice of him that spoke to me.	M-01A Acts 22:9 Οἱ δε συν εμοι οντες το μεν φως εθεατο την δε φωνη ουκ ηκουσαν του λαλουντος μοι	أع 9-22	43
أضاف النساخ عبارة (وارتعبا) لسببين: - إثبات وجود شهود عيان للواقعة بدليل أنهم ارتعبوا من شدة المنظر مما يدعم صدق بولس في دعواه - إعطاء الظهور الإلهي ليسوع قدر من الهيبة والعظمة حتى أنه يبث الرعب في النفوس (دعم رسولية بولس) (تحسين النص)					التعليق	



22:9	ΟΙ	ΔΕ	ΣΥΝ	ΕΜΟΙ	ΟΝΤΕΣ	ΤΟ	ΜΕΝ	ΦΩΣ	ΕΘΕΑΣΑΝΤΟ	ΚΑΙ
	hoi	de	sun	emoi	ontes	to	men	phOs	etheasanto	kai
	THE-ones	YET	TOGETHER	to-ME	BEING	THE	INDEED	LIGHT	gaze	AND
	the-ones		together with	me					gaze-at	
	ΕΜΦΟΒΟΙ	ΕΓΕΝΟΝΤΟ	ΤΗΝ ΔΕ ΦΩΝΗΝ	ΟΥΚ	ΗΚΟΥΣΑΝ	ΤΟΥ				
	emphoboi	egenonto	tEn de phOnEn	ouk	Ekousan	tou				
	IN-FEAR	BECAME	THE YET SOUND	NOT	THEY-HEAR	OF-THE				
	affrighted		voice							
	ΛΑΛΟΥΝΤΟΣ	ΜΟΙ								
	lalountos	mni								

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (فلا نحاربن الله μὴ θεομαχῶμεν) السينائية: العبارة غير موجودة	٩فَحَدَّثَ صِيَاخٌ عَظِيمٌ، وَنَهَضَ كَتَبَةُ قِسْمِ الْفَرِيسِيِّينَ وَطَفُّوْا يُحَاصِمُونَ قَائِلِينَ: "لَسْنَا نَجِدُ شَيْئًا رَدِيًّا فِي هَذَا الْإِنْسَانِ! وَإِنْ كَانَ رُوحٌ أَوْ مَلَاكٌ قَدْ كَلَّمَهُ فَلَا نُحَارِبُنَّ الله".	فارتفع الصياح، وقام بعض معلمي الشريعة من الفريسيين وأخذوا يحتجون بشدة قالوا: ((لا نجد جرما على هذا الرجل. ربما كلمه روح أو ملاك)).	9 And there arose a great cry; and some of the scribes of the part of the Pharisees arose and contended, saying: We find no fault in this man; but what if a spirit has spoken to him, or an angel?	M-01A Acts 23:9 Εγενετο δε κραυγη μεγαλη και ανασταντες τινες τω γραμματεων του μερους των Φαρισαιων διεμαχοτο προς αλληλους λεγοντες Ουδεν κακον ευρισκομε τω ανθρωπω τουτω ει δε ΠΙΝΑ ελαλησεν αυτω η αγγελος	أع9-23	44
					التعليق	
					قام النساخ بإضافة عبارة (فلا نحاربن الله) لتوضيح أن الفريسيين قد اهتز موقفهم وأصبحوا يقولون باحتمالية أن يكون بولس رسول من الله، حتى خافوا من إيذائه لئلا يحاربوا الله (دعم رسولية بولس)	



23:9	ΕΓΕΝΕΤΟ ΔΕ ΚΡΑΥΓΗ ΜΕΓΑΛΗ ΚΑΙ ΑΝΑΣΤΑΝΤΕΣ ΟΙ	egeneto de kraugE megalE kai anastantes hoi	BECAME YET clamor GREAT AND UP-STAND ^{ing} THE	occurred	rising
	ΓΡΑΜΜΑΤΕΙΣ ΤΟΥ ΜΕΡΟΥΣ ΤΩΝ ΦΑΡΙΣΑΙΩΝ ΔΙΕΜΑΧΟΝΤΟ	grammateis tou merous ton pharisaiOn diemachonto	WRITERS OF-THE PART OF-THE PHARISEES THRU-FOUGHT	scribes party	fought-it-out
	ΛΕΓΟΝΤΕΣ ΟΥΔΕΝ ΚΑΚΟΝ ΕΥΡΙΣΚΟΜΕΝ ΕΝ ΤΩ ΑΝΘΡΩΠΩ	legontes ouden kakon heuriskomen en to anthrOpO	saying NOT-YET-ONE EVIL WE-ARE-FINDING IN THE human	nothing	
	ΤΟΥΤΩ ΕΙ ΔΕ ΠΝΕΥΜΑ ΕΛΛΗΣΕΝ ΑΥΤΩ Η ΑΓΓΕΛΟΣ ΜΗ	toutO ei de pneuma elalEsen autO E aggelos mE	this IF YET spirit TALKS to-him OR MESSENGER NO		
	ΘΕΟΜΑΧΩΜΕΝ	theomachOmen	WE-MAY-BE-God-FIGHTING		
	23:10	ΠΟΛΛΗΣ ΔΕ ΓΕΝΟΜΕΝΗΣ ΣΤΑΣΕΩΣ ΕΥΛΑΒΗΘΕΙΣ Ο	pollis de genomenEs staseOs eulabEtheis ho	OF-much YET BECOMING STAND ^{ing} BEING-WELL-GOTTEN THE	commotion being-pious

نحاربين الله
ΘΕΟΜΑΧΩΜΕΝ

غير موجود بالمخطوط

كثيرة
ΠΟΛΛΗΣ

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
46	أع 24: 6, 7, 8	M-01A Acts 24:6 ος και το ιερον επιρασεν βεβηλωσαι ον και εκρατησαμεν M-01A Acts 24:7 [محدوف] M-01A Acts 24:8 παρ ου δυνηση αυτος ανακρινας περι παντων τουτων επιγνοναι ων ημεις κατηγορουμεν αυτου	6 who also at tempted to defile the temple: him we also seized, 7 [محدوف] 8 from whom thou thyself canst by examination learn concerning all things of which we accuse him.	ثم حاول أن يدنس الهيكل، فاعتقلناه. وأنت إذا سألته عن جميع هذه الأمور، عرفت كل المعرفة ما نتهمه به.	6 وَفَدَّ شَرَعَ أَنْ يُنَجِّسَ الْهَيْكَلَ أَيْضًا، أَمْسَكَنَاهُ وَأَرَدْنَا أَنْ نَحْكُمَ عَلَيْهِ حَسَبَ نَامُوسِنَا. 7 فَأَقْبَلَ لِيسِيَّاسُ الْأَمِيرُ بِعُنْفٍ شَدِيدٍ وَأَخَذَهُ مِنْ بَيْنِ أَيْدِينَا، 8 وَأَمَرَ الْمُشْتَكِينَ عَلَيْهِ أَنْ يَأْتُوا إِلَيْكَ. وَمِنْهُ يُمْكِنُكَ إِذَا فَحَصْتَ أَنْ تَعْلَمَ جَمِيعَ هَذِهِ الْأُمُورِ الَّتِي نَشْتَكِي بِهَا عَلَيْهِ."	وجه الاختلاف <u>النسخة العربية:</u> تضيف المقطع التالي: (وَأَرَدْنَا أَنْ نَحْكُمَ عَلَيْهِ حَسَبَ نَامُوسِنَا. 7 فَأَقْبَلَ لِيسِيَّاسُ الْأَمِيرُ بِعُنْفٍ شَدِيدٍ وَأَخَذَهُ مِنْ بَيْنِ أَيْدِينَا، 8 وَأَمَرَ الْمُشْتَكِينَ عَلَيْهِ أَنْ يَأْتُوا إِلَيْكَ. καὶ κατὰ τὸν ἡμέτερον νόμον ἠθελήσαμεν κρίνειν. παρελθὼν δὲ Λυσίας ὁ χίλιάρχος μετὰ πολλῆς βίας ἐκ τῶν χειρῶν ἡμῶν ἀπήγαγε, κελεύσας τοὺς κατηγοροὺς αὐτοῦ ἔρχεσθαι ἐπὶ σέ.) <u>السينائية:</u> المقطع بالكامل محدوف
	التعليق	أضاف النساخ هذا المقطع لعدة أسباب: - تقديم سبب يبرر انتقال محاكمة بولس من أمام الأمير ليسيئاس إلى المحاكمة أمام الوالي فيلكس. - إظهار عداوة اليهود لبولس حين قرروا محاكمته حسب ناموسهم (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات) - (جعل الأمور أكثر منطقية) - (تشويه صورة اليهود)				

ΠΡΩΤΟΣΤΑΤΗΝ ΤΗΣ
 ΤΗΣ ΤΩΝ ΝΑΖΩΡΑ
 ΩΝ ΕΡΕΣΕΩΣ ΤΟΙΣ
 ΤΟΙΣ ΕΡΟΝ ΕΠΙΡΑΞΕΝ
 ΒΕΒΗΛΩΣΑΙ ΟΝ ΚΑΙ
 ΕΚΡΑΤΗΣΑΜΕΝ ΠΑ
 ΡΟΥ ΔΥΝΗΣ ΑΥΤΟΥ
 ΑΝΑΚΡΙΝΑΣ ΠΕΡΙ
 ΠΑΝΤΩΝ ΤΟΥΤΩΝ
 ΕΠΙΦΩΝΑΙΩΝ Η
 ΜΕΙΣ ΚΑΤΗΓΟΡΟΥ

Act 24:6

Act 24:8

Act 24:9

24:6 ΟΣ ΚΑΙ ΤΟ ΙΕΡΟΝ ΕΠΕΙΡΑΣΕΝ ΒΕΒΗΛΩΣΑΙ ΟΝ ΚΑΙ
 hos kai to hieron epeirasen bebEIOsai hon kai
 WHO AND THE SACRED-place tries TO-profane WHOM AND
 also sanctuary also

24:7 **أمسكناه**
 ΕΚΡΑΤΗΣΑΜΕΝ ΚΑΙ ΚΑΤΑ ΤΟΝ ΗΜΕΤΕΡΟΝ ΝΟΜΟΝ ΗΘΕΛΗΣΑΜΕΝ
 ekratEsamen kai kata ton Emeteron nomon EthelEsamen
 WE-HOLD AND according-to THE our (emph.) LAW WE-WILL
 we-lay-hold our(emph.)

24:7 **كِرِينِينَ**
 krinein TO-BE-JUDGING
 أَمْسَكْنَاهُ وَأَرَدْنَا أَنْ نَحْكُمَ عَلَيْهِ حَسَبَ نَامُوسِنَا

24:7 ΠΑΡΕΛΘΩΝ ΔΕ ΛΥΣΙΑΣ Ο ΧΙΛΙΑΡΧΟΣ ΜΕΤΑ ΠΟΛΛΗΣ ΒΙΑΣ ΕΚ
 parethOn de lusias ho chiliarchos meta polles bias ek
 BESIDE-COMING YET LYSIAS THE THOUSAND-chief WZH much FORCE OUT
 coming-by captain

24:8 **فَأَقْبَلَ لَيْسِيَّاسُ الْأَمِيرُ بَعْنَفٍ شَدِيدٍ**
 τΩΝ ΧΕΙΡΩΝ ΗΜΩΝ ΑΠΗΓΑΓΕΝ
 tOn cheirOn hEmOn apEgagen
 OF-THE HANDS OF-US FROM-LED led-away
 وَأَخَذَهُ مِنْ بَيْنِ أَيْدِينَا

24:8 ΚΕΛΕΥΣΑΣ ΤΟΥΣ ΚΑΤΗΓΟΡΟΥΣ ΑΥΤΟΥ ΕΡΧΕΣΘΑΙ ΕΠΙ ΣΕ ΠΑΡ
 keleusas tous katEgorous autou erchesthai epi se par
 ORDER.ing THE accusers OF-him TO-BE-COMING ON YOU BESIDE
وَأَمَرَ الْمُشْتَكِينَ عَلَيْهِ أَنْ يَأْتُوا إِلَيْكَ

ΟΥ ΔΥΝΗΣΗ ΑΥΤΟΣ ΑΝΑΚΡΙΝΑΣ ΠΕΡΙ ΠΑΝΤΩΝ ΤΟΥΤΩΝ
 hou dunEsE autos anakrinas peri pantOn toutOn
 OF-WHICH YOU-SHALL-BE-ABLE SAME examining ABOUT ALL OF-these
 whom yourself concerning these-things

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

ومنه

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (ليطلقه ὅπως λύση αὐτόν) السينائية: العبارة غير موجودة	٢٦ وَكَانَ أَيْضًا يَرْجُو أَنْ يُعْطِيَهُ بُولُسُ دَرَاهِمَ لِيُطْلِقَهُ، وَلِذَلِكَ كَانَ يَسْتَحْضِرُهُ مَرَارًا أَكْثَرَ وَيَتَكَلَّمُ مَعَهُ.	وكان فيلكس يرجو أن يعطيه بولس شيئاً من المال، فكان يكثر من استدعائه ومحادثته.	26 hoping also at the same time that money would be given him by Paul: wherefore he called for him more frequently and conversed with him.	M-01A Acts 24:26 αμα και ελπίζων οτι χρηματα δοθησεται αυτω υπο του Παυλου διο και πυκνότερον αυτον μεταπεμπομενος ωμιλει αυτω	أع 24-26	47
أضاف النساخ عبارة (ليطلقه) لأن النص لم يذكر المقابل الذي سيقدمه فليكس إذا حصل على المال (تحسين وتوضيح النص)					التعليق	

Act 24:27

Act 24:26

غير موجود بالمخطوط

24:26 ΑΜΑ ΔΕ ΚΑΙ ΕΛΠΙΖΩΝ ΟΤΙ ΧΡΗΜΑΤΑ ΔΟΘΗΣΕΤΑΙ
hama de kai elpizOn hoti chrEmata dothEsetai
SIMULTANEOUS YET AND EXPECTING that moneys SHALL-BE-BEING-GIVEN
at-the-same-time also money(s)

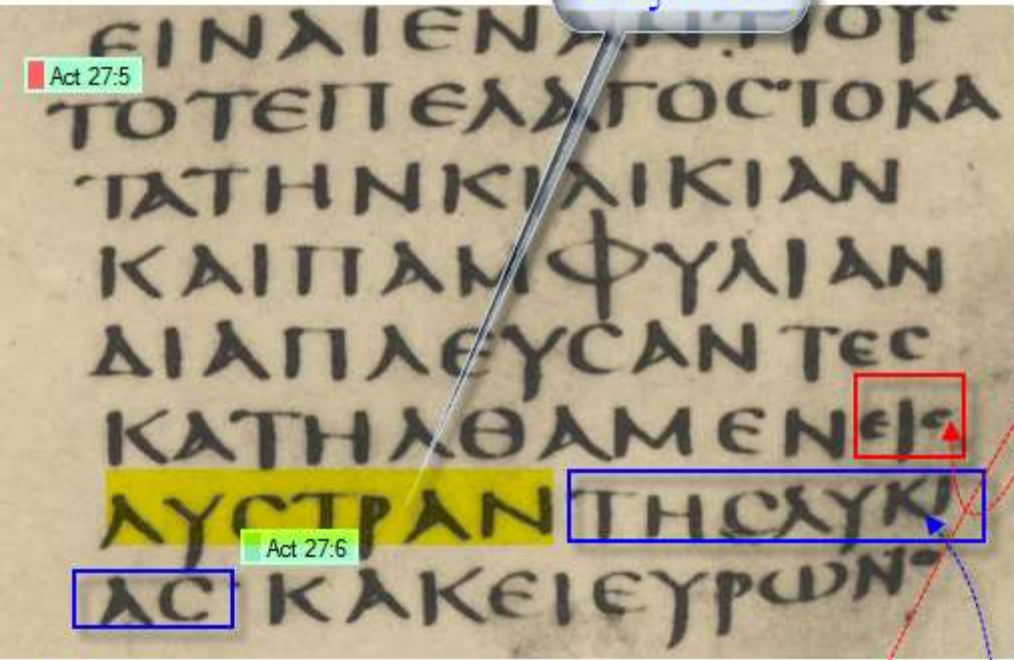
ΑΥΤΩ ΥΠΟ ΤΟΥ ΠΑΥΛΟΥ ὅπως ΛΥΣΗ ΑΥΤΟΝ ΔΙΟ
autO hypo tou paulou hopOs lusE auton dio
to-him by THE PAUL WHICH-how he-SHOULD-BE-LOOSING him THRU-WHICH
him so-that wherefore

ΚΑΙ ΠΥΚΝΟΤΕΡΟΝ ΑΥΤΟΝ ΜΕΤΑΠΕΜΠΟΜΕΝΟΣ ΩΜΙΛΕΙ ΑΥΤΩ
kai puknoteron auton metapempomenos hOmilei autO
AND more-FREQUENT him after-SENDING he-conversED to-him
also more-frequently sending-after

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (Mύρα) ميرا السينائية: تكتب بدلا منها: (Λυστραν) لسترة	هَوَبَعْدَ مَا عَبَرْنَا الْبَحْرَ الَّذِي بِجَانِبِ كِيلِيكِيَّةَ وَبِمَفِيلِيَّةَ، نَزَلْنَا إِلَى مِيرَا لِيكِيَّةَ	وبعدما اجتزنا البحر عند كيليكية وبمفيلية نزلنا إلى لسترة في ليكية.	5 and having sailed through the sea that is opposite to Cilicia and Pamphylia, we came to lystra of Lycia.	M-01A Acts 27:5 To τε πελαγος το κατα την Κιλικιαν και Παμφυλιαν διαπλευσαντες κατηλθαμεν εις Λυστραν της Λυκιας	أع 27-5	48
<p>قام النساخ بتغيير النص من (لسترة) إلى (ميرا) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - لأن لسترة ليست في منطقة (ليكية) إنما تقع في (ليكاونية)* بين منطقة (كليكية) و (بيسيدية) و (بمفيلية) - لأن لسترة ليست مدينة على الساحل يمكن للمسافر في السفينة أن يرسو عليها بخلاف ميرا فهي ميناء ساحلي على شاطئ ميروس وأيضا تقع في نطاق ليكية <p>فكان لابد من التغيير لعلاج الخطأ الذي وقع فيه لوقا (علام التناقضات والأخطاء) (إنقاذ المؤلف)</p> <p>* الموسوعة المسيحية العربية الإلكترونية، لسترة. + smith's bible dictionary</p>					التعليق	



لسترة
 Λυστραν
 ΛΥΣΤΡΑΝ



Act 27:5

Act 27:6

27:5	ΤΟ	ΤΕ	ΠΕΛΑΓΟΣ	ΤΟ	ΚΑΤΑ	ΤΗΝ	ΚΙΛΙΚΙΑΝ	ΚΑΙ
	to	te	pelagos	to	kata	tEn	kilikian	kai
	THE	BESIDES	OCEAN	THE	according-to	THE	CILICIA	AND
					αoff			
	ΠΑΜΦΥΛΙΑΝ	ΔΙΑΠΛΕΥΣΑΝΤΕΣ	ΚΑΤΗΛΘΟΜΕΝ	ΕΙΣ	ΜΥΡΑ	ΤΗΣ		
	pamphulian	diapleusantes	katElthomen	eis	mura	tEs		
	Pamphylia	THRU-FLOATing	WE-DOWN-CAME	INTO	MYRA	OF-THE		
		sailing-through	we-came-down					

ليكية ΛΥΚΙΑΣ lukias LYCIA	إلى ميرة MYRA
------------------------------------	---------------------

ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	النسخة العربية: تضيف عبارة: سَلَّمَ قَائِدُ الْمِئَةِ الْأَسْرَى إِلَى رَئِيسِ الْمُعَسْكَرِ، وَأَمَّا ὁ ἑκατόνταρχος παρέδωκε τοὺς δεσμίους τῷ στρατοπεδάρχη السينائية: المقطع غير موجود	٦ وَلَمَّا أَتَيْنَا إِلَى رُومِيَّةَ سَلَّمَ قَائِدُ الْمِئَةِ الْأَسْرَى إِلَى رَئِيسِ الْمُعَسْكَرِ، وَأَمَّا بُولُسُ فَأُذِنَ لَهُ أَنْ يُقِيمَ وَحْدَهُ مَعَ الْعَسْكَرِيِّ الَّذِي كَانَ يَحْرُسُهُ.	16 But when we had come to Rome, Paul was permitted to dwell by himself with the soldier that guarded him.	M-01A Acts 28:16 Ὅτε δε εἰσηλθομεν εἰς τὴν Ῥωμὴν ἐπετραπή τῷ Παύλῳ μενιν καθ' ἑαυτὸν συν τῷ φυλασσοντι αὐτὸν στρατιωτῇ	أع16-28	49	
	أضاف النساخ هذه العبارة (سَلَّمَ قَائِدُ الْمِئَةِ الْأَسْرَى إِلَى رَئِيسِ الْمُعَسْكَرِ، وَأَمَّا) من أجل توضيح أن القائد كان يعامل بولس معاملة خاصة, مما يؤكد أن بولس بالفعل قد أجرى معجزة تكثير الخبز في السفينة وتنبأ بنجاة الجميع (أعمال 27: 34-37) حتى أنه أثر في القائد نفسه (دعم المعجزات) (دعم رسولية بولس)						التعليق

Act 28:16
 Act 28:17

سَلَّمَ قَائِدُ الْمِئَةِ الْأَسْرَى إِلَى رَئِيسِ الْمُعَسْكَرِ

28:16 ὍΤΕ ΔΕ ΗΛΘΟΜΕΝ ΕΙΣ ῬΩΜΗΝ ὁ ἑκατόνταρχος παρέδωκε τοὺς δεσμίους τῷ στρατοπεδάρχη

when YET WE-CAME INTO ROME THE HUNDRED-chief BESIDE-GIVES THE BOUND-ones to-THE WAR-FOOT-chief prisoners chief-of-the-encampment

τῷ ΔΕ ΠΑΥΛῴ ΕΠΕΤΡΑΠΗ ΜΕΝΕΙΝ

to-THE YET PAUL it-WAS-permitted TO-BE-REMAINING

بُولُسُ

YET PAUL

أُذِنَ لَهُ

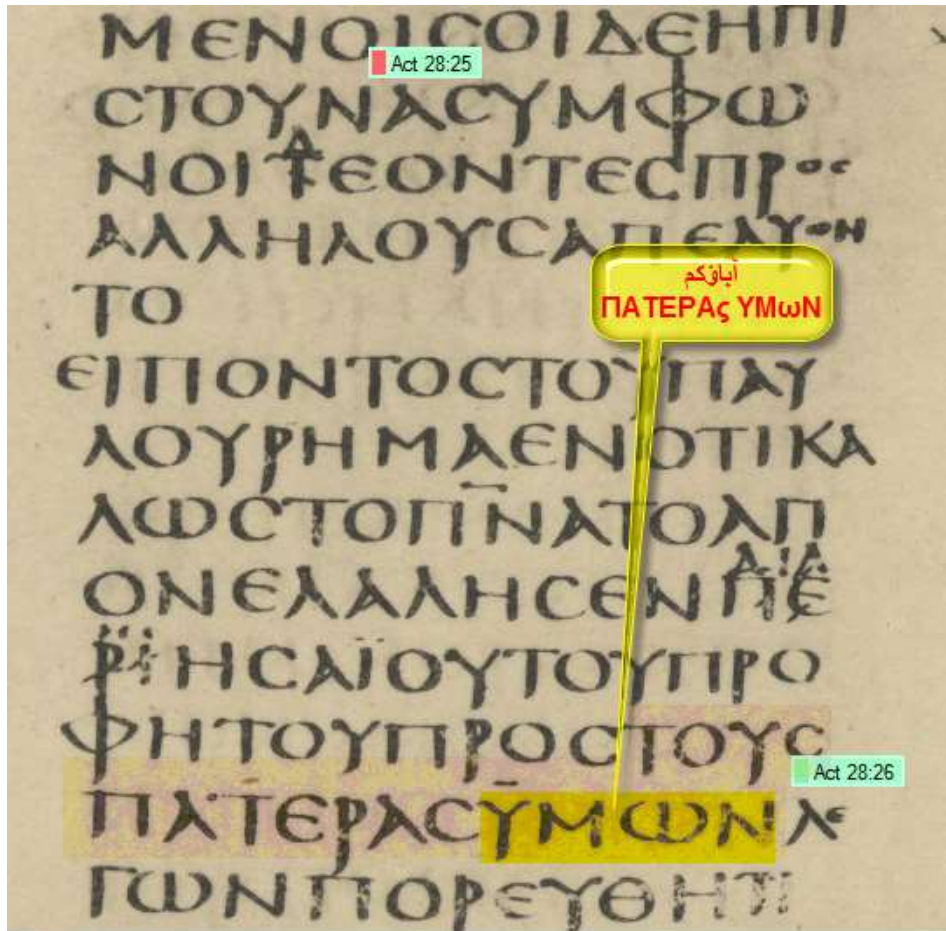
it-WAS-permitted

كَاث' ΕΑΥΤΟΝ ΣΥΝ Τῴ ΦΥΛΑССΟΝΤΙ ΑΥΤΟΝ ΣΤΡΑΤΙΩΤῇ

according-to self TOGETHER to-THE GUARDING him WARrior soldier

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (أبائنا τοὺς πατέρας ἡμῶν) السينائية: تكتب بدلا منها: (أبائكم τοὺς πατερας υμῶν)	٢٥ فَأَنْصَرَفُوا وَهُمْ غَيْرُ مُتَّفِقِينَ بَعْضُهُمْ مَعَ بَعْضٍ، لَمَّا قَالَ بُولُسُ كَلِمَةً وَاجِدَةً: "إِنَّهُ حَسَنًا كَلَّمَ الرُّوحُ الْقُدُسُ آبَاءَنَا بِإِسْعَىاءِ النَّبِيِّ	وقبل أن ينصرفوا من عنده وهم غير متفقين، قال لهم بولس هذه الكلمة: ((صدق الروح القدس في قوله لأبائكم بلسان النبي إسعيا))	25 but not being agreed among themselves, they departed, after Paul had spoken one word: Well did the Holy Spirit speak through Isaiah the prophet to your fathers,	M-01A Acts 28:25 Ἀσυμφωνοὶ τε ὄντες πρὸς ἀλλήλους ἀπελυστο εἰποντος τοῦ Παυλοῦ ῥημα ἐν ὅτι Καλῶς το ΠΙΝἈ̅ το ἀγιον ελαλησεν περὶ Ἡσαιου τοῦ προφητοῦ πρὸς τοὺς πατερας υμῶν	أع 25-28	50
قام النساخ بتغيير اللفظة من (أبائكم) إلى (أبائنا) لأن اللفظة الأخيرة فيها درجة من الاستمالة حيث أنها تجعل بولس متضامنا مع اليهود و يعتبر نفسه فردا منهم فأبأؤهم هم أبأؤه, هذه الاستمالة من بولس لليهود تتفق مع السياق الذي يظهر بولس حريص على ذلك (أعمال 28: 17-24) (تحسين النص)					التعليق	



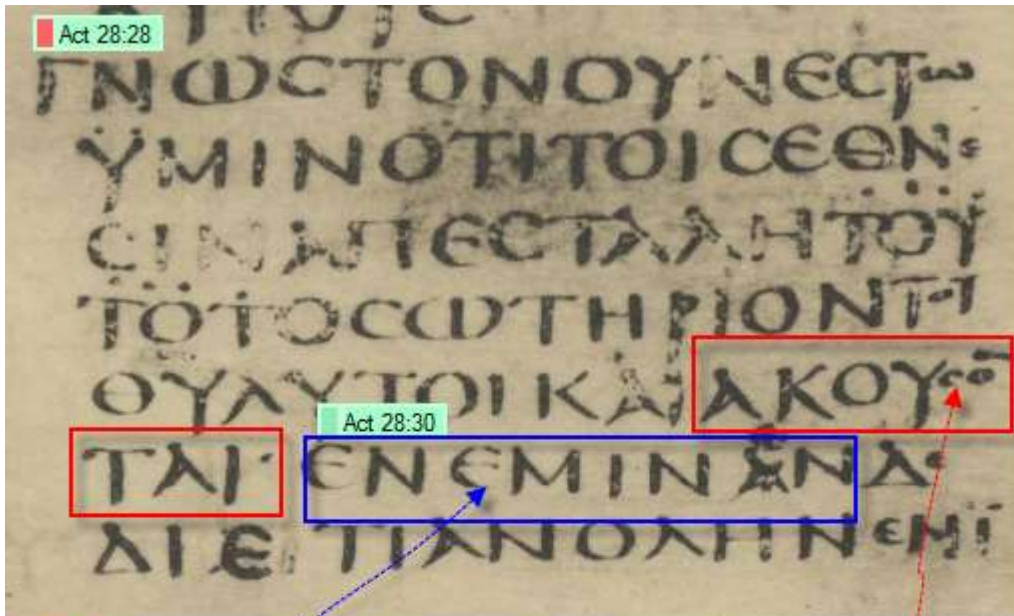
28:25 ΔΣΥΜΦΩΝΟΙ ΔΕ ΟΝΤΕΣ ΠΡΟΣ ΑΛΛΗΛΟΥΣ ΑΠΕΛΥΟΝΤΟ
 asumphOnoi de ontes pros allElous apeluonto
 UN-TOGETHER-SOUNDS YET BEING TOWARD one-another THEY-were-FROM-LOOSED
 disagreements they-were-dismissed

ΕΙΠΟΝΤΟΣ ΤΟΥ ΠΑΥΛΟΥ ΡΗΜΑ ΕΝ ΟΤΙ ΚΑΛΩΣ ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ ΤΟ
 eipontos tou paulou rhma en hoti kalOs to pneuma to
 OF-sayING THE ^{alimani}الممثل بالأصفر
 clarification ONE that IDEALy THE spirit THE
 ليس بالمخطوط

ΑΓΙΟΝ ΕΛΑΛΗΣΕΝ ΔΙΑ ΗΣΑΙΟΥ ΤΟΥ ΠΡΟΦΗΤΟΥ ΠΡΟΣ ΤΟΥΣ
 hagian elaEsen dia Esaiou tou prophEtou pros tous
 HOLY TALKS THRU ISAIAH THE BEFORE-AVERer TOWARD THE
 speaks through prophet

ΠΑΤΕΡΑΣ ΗΜΩΝ
 pateras hEmOn
 FATHERS OF-US
 أبائنا

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
51	أع28-29	[محذوف]	[محذوف]	[محذوف]	٢٩ وَلَمَّا قَالَ هَذَا مَضَى الْيَهُودُ وَلَهُمْ مُبَاحَثَةٌ كَثِيرَةٌ فِيمَا بَيْنَهُمْ	النسخة العربية: تضيف النص: (وَلَمَّا قَالَ هَذَا مَضَى الْيَهُودُ وَلَهُمْ مُبَاحَثَةٌ كَثِيرَةٌ فِيمَا بَيْنَهُمْ καὶ ταῦτα αὐτοῦ εἰπόντος, ἀπήλθον οἱ Ἰουδαῖοι, πολλήν ἔχοντες ἐν ἑαυτοῖς συζήτησιν) السينائية: النص بالكامل غير موجود
		<p>قام النساخ بإضافة النص لعلاج النهاية المفاجئة للحوار, لأنهم لاحظوا أن الكاتب -لوقا- انتقل مباشرة في العدد رقم 29 للكلام عن حياة بولس في السنتين التاليتين للخطبة التي قالها بولس والتي تبدأ من العدد (17-28) إلى (28-28) ناسيا أن يذكر نهاية الخطبة وما الذي فعله اليهود بعد الخطبة وأين ذهبوا, فكان النص رقم 29 ضروريا لحبك نهاية مناسبة</p> <p>(جعل الأمور أكثر منطقية) (تحسين النص) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات)</p>				التعليق



28:28 ΓΝΩΣΤΟΝ ΟΥΝ ΕΣΤΩ ΥΜΙΝ ΟΤΙ ΤΟΙΣ ΕΘΝΕΣΙΝ ΑΠΕΣΤΑΛΗ
 gnOston oun estO humin hoti tois ethnesin apestaE
 KNOWN THEN LET-it-BE to-YOU(P) that to-THE NATIONS WAS-commissioned
 let-it-be! to-ye was-dispatched

ΤΟ ΣΩΤΗΡΙΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΑΥΤΟΙ ΚΑΙ ΑΚΟΥΣΟΝΤΑΙ
 to sOtEriOn tou theou autoi kai akousontai
 THE SAVing OF-THE God they AND SHALL-BE-HEARing
 salvation

سيسمعون

28:29 ΚΑΙ ΤΑΥΤΑ ΑΥΤΟΥ ΕΙΠΟΝΤΟΣ ΑΠΗΛΘΟΝ ΟΙ ΤΟΥΔΑΙΟΙ
 kai tauta autou eipontos apEithon hoi ioudaioi
 AND these OF-him sayING FROM-CAME THE JUDA-ans
 the e-thing came-away Jews

وَلَمَّا قَالَ هَذَا مَضَى الْيَهُودُ
 وَهُمْ مُبَاحَثَةٌ كَثِيرَةٌ فِيمَا بَيْنَهُمْ

ΠΟΛΛΗΝ ΕΧΟΝΤΕΣ ΕΝ ΕΑΥΤΟΙΣ ΣΥΖΗΤΗΣΙΝ
 pollEn echontes en heautois suzEtEsin
 much HAVING IN selves TOGETHER-SEEKing
 among themselves discussing

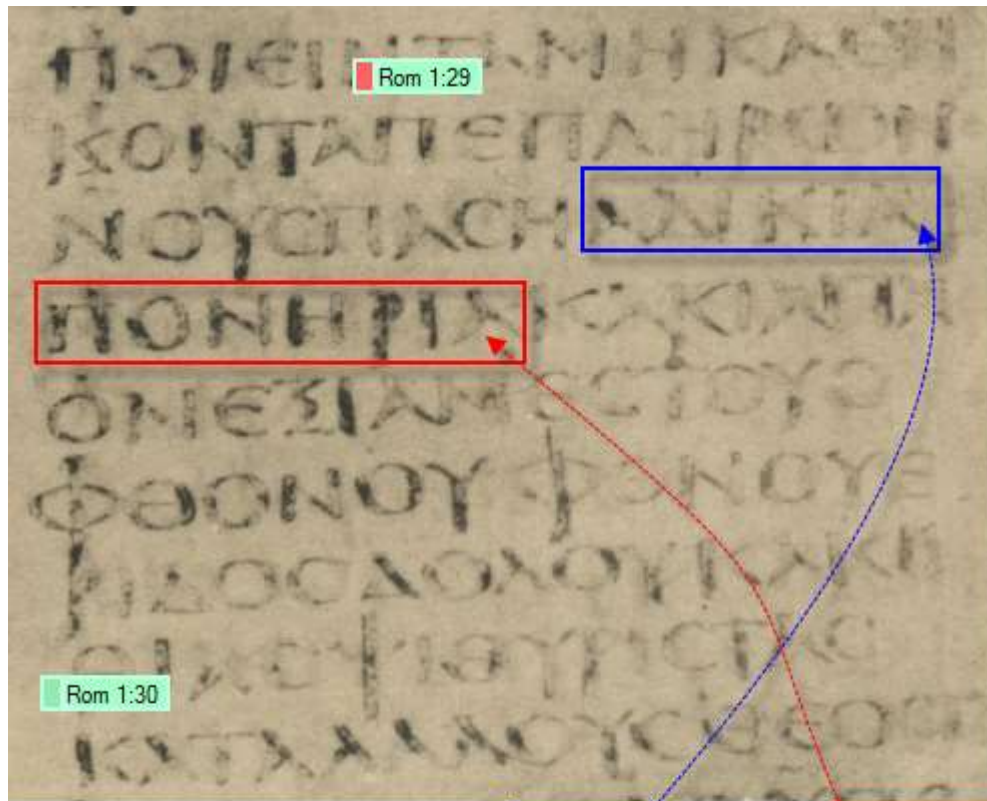
المظلل بالاصفر ليس
 بالمخطوط

28:30 ΕΜΕΙΝΕΝ ΔΕ Ο ΠΑΥΛΟΣ ΔΙΕΤΙΑΝ ΟΛΗΝ ΕΝ ΙΔΙΩ
 emeinen de ho paulos dietian holEn en idiO
 REMAINS YET THE PAUL TWO-YEAR WHOLE IN OWN
 two-years

أقام

رسالة رومانية

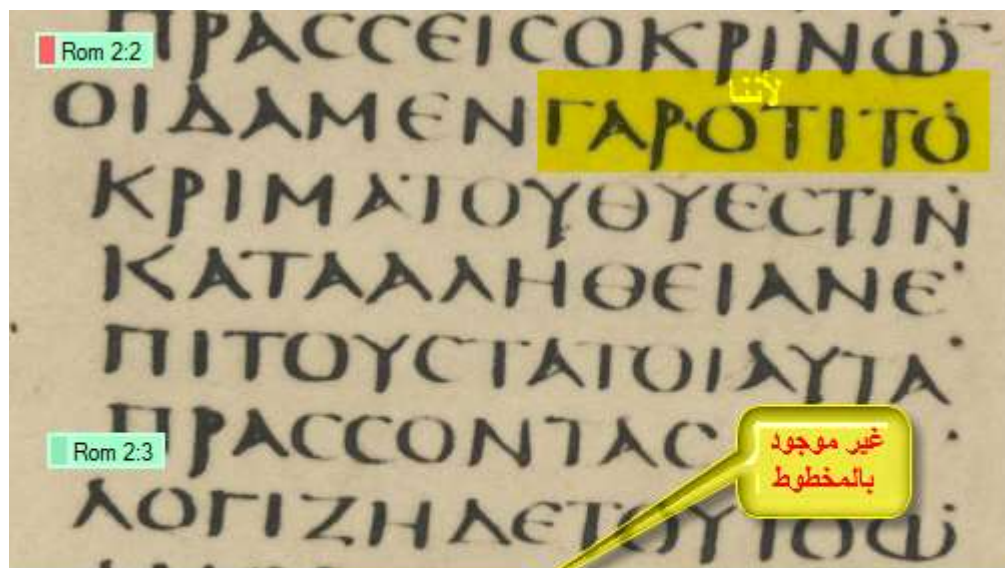
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (وزنا πορνεία) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٩ مَمْلُؤِينَ مِنْ كُلِّ إِثْمٍ وَزْنًا وَشَرٍّ وَطَمَعٍ وَخُبْثٍ، مَشْحُونِينَ حَسَدًا وَقَتْلًا وَخِصَامًا وَمَكْرًا وَسُوءًا	وامتلأوا بأنواع الإثم والشر والطمع والفساد، ففاضت نفوسهم حسدا وقتلا وخصاما ومكرا وفسادا	29 having been filled with all unrighteousness, wickedness malice, covetousness; full of envy murder, strife, deceit, malignity	M-01A Romans 1:29 πεπληρωμενους παση αδικια πονηρια κακια πλεονεξια μεστους φθονου φονου εριδος δολου κακοθηιας ψιθυριστας	روا-29	1
قام النساخ بإضافة لفظة (زنا) لأنهم لاحظوا أن بولس تكلم في النصوص السابقة لهذا النص عن حوادث الزنا لكنه لما جاء إلى هذا النص (1- 29) والذي يلخص فيه مجمل صفات هؤلاء الفاجرين نسي أن يذكر جريمة الزنا التي تكلم عنها (تحسين النص)					التعليق	



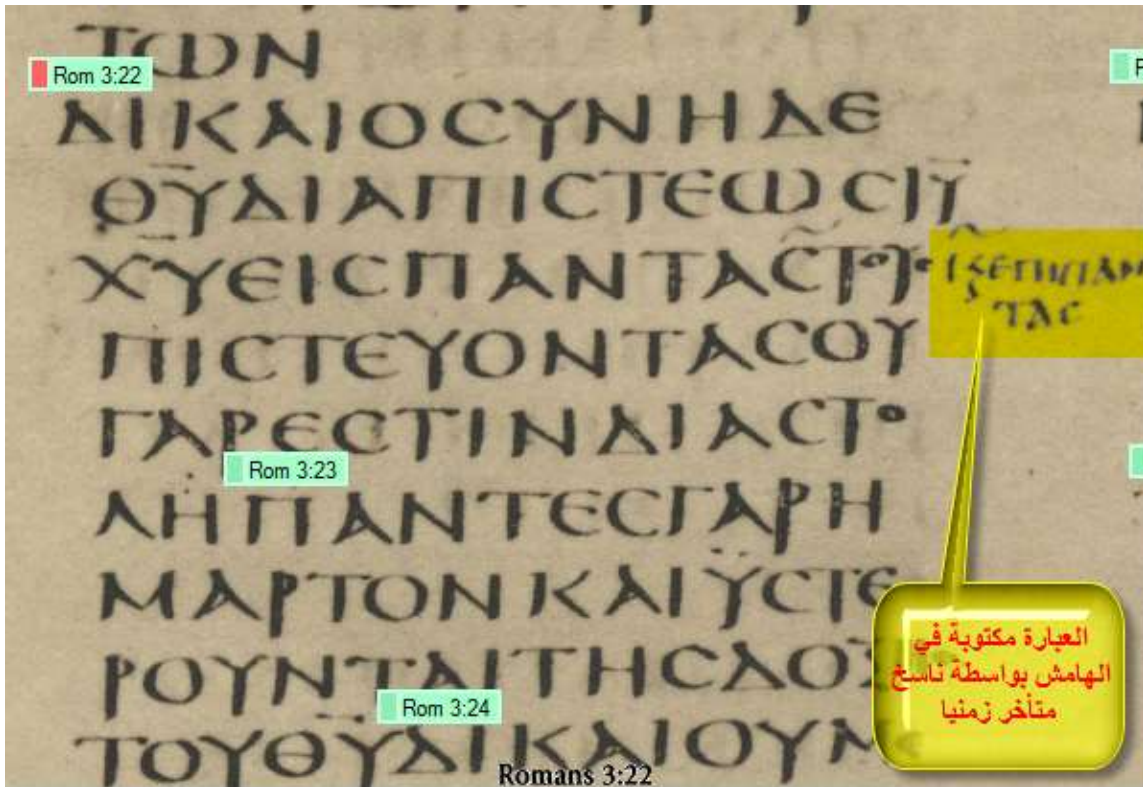
1:29	ΠΕΠΛΗΡΩΜΕΝΟΥΣ	ΠΑΣΗ	ΑΔΙΚΙΑ	ΠΟΡΝΕΙΑ	ΠΟΝΗΡΙΑ
	peplErOmenous	pasE	adikia	porneia	ponEria
	HAVING-been-FILLED	to-EVERY	UN-JUSTness	PROSTITUTION	wickedness
		to-all	injustice		
	ΠΛΕΟΝΕΞΙΑ	ΚΑΚΙΑ	ΜΕΣΤΟΥΣ	ΦΘΟΝΟΥ	ΦΟΝΟΥ
	pleonexia	kakia	mestous	phthonou	phonou
	MORE-HAVing	EVIL	DISTENDED	OF-ENVY	OF-STRIFE
	greed				gule

غير موجود بالخطوط

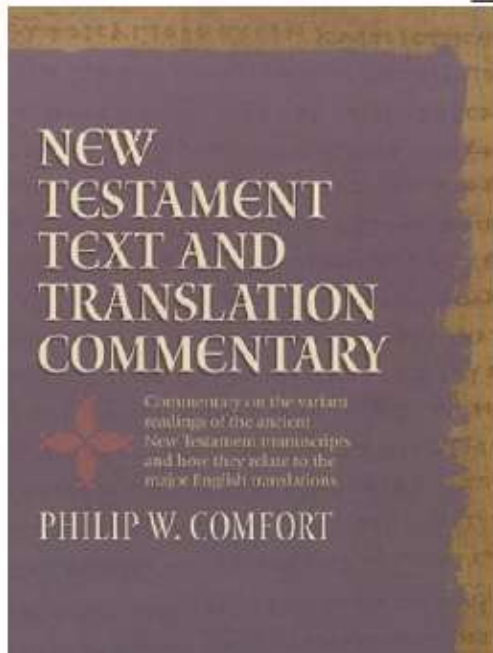
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (ونحن δε ὅτι τὸ السينائية: تكتب بدلا منها: (لأننا γὰρ ὅτι τὸ)	٢ وَنَحْنُ نَعْلَمُ أَنَّ دَيْنُونَةَ اللَّهِ هِيَ حَسَبُ الْحَقِّ عَلَى الَّذِينَ يَفْعَلُونَ مِثْلَ هَذِهِ.	لأننا نعلم أن الله يدين بالعدل من يعمل مثل هذه الأعمال	2 For we know that the judgment of God is according to truth, against those that practice such things	M-01A Romans 2:2 Οἶδαμεν γὰρ ὅτι τὸ κριμα τοῦ ΘΥ ἐστὶν κατὰ ἀληθειαν ἐπὶ τοὺς τὰ τοιαῦτα πρασσοντας	رو2-2	2
قام النساخ بتغيير النص من (لأننا) إلى (ونحن) لأنهم رأوا أن النص رقم(2-2) لا يصلح كتعليل للنص رقم(1-2) وبالتالي لا معنى للفظة (لأننا) التي كتبها المؤلف الأصلي (تجسين النص)(جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



ونحن	ونحن	ونحن	ونحن	ونحن	ونحن	ونحن	ونحن
2:2 ΟΙΔΑΜΕΝ	ΔΕ	ΟΤΙ	ΤΟ	ΚΡΙΜΑ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ	ΕΣΤΙΝ ΚΑΤΑ
oidamen	de	hoti	to	krima	tou	theou	estin kata
WE-HAVE-PERCEIVED	YET	that	THE	JUDGment	OF-THE	God	IS according-to
we-are-aware							

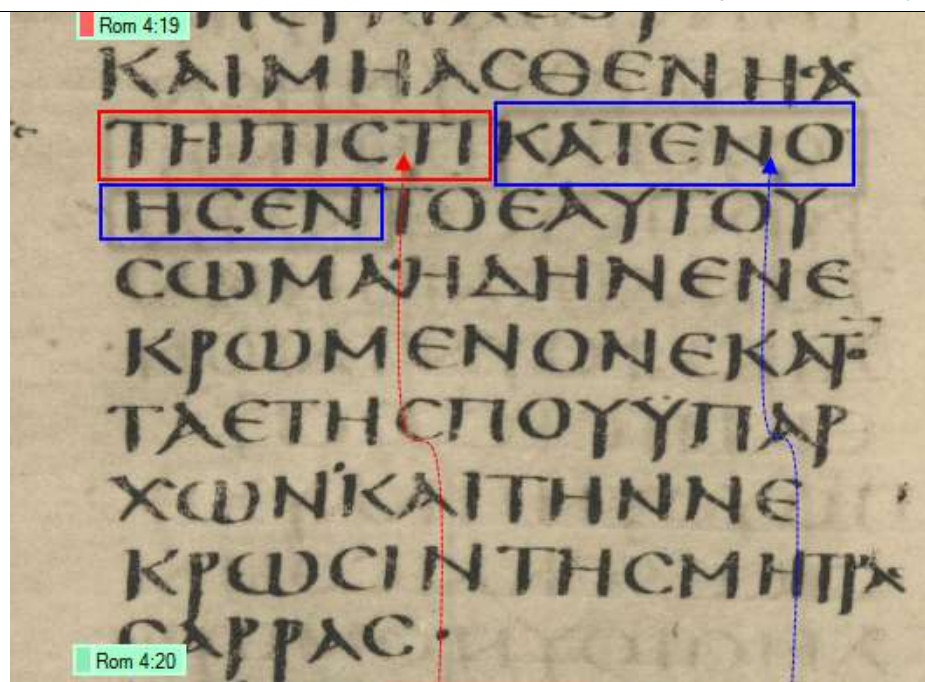


العبارة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



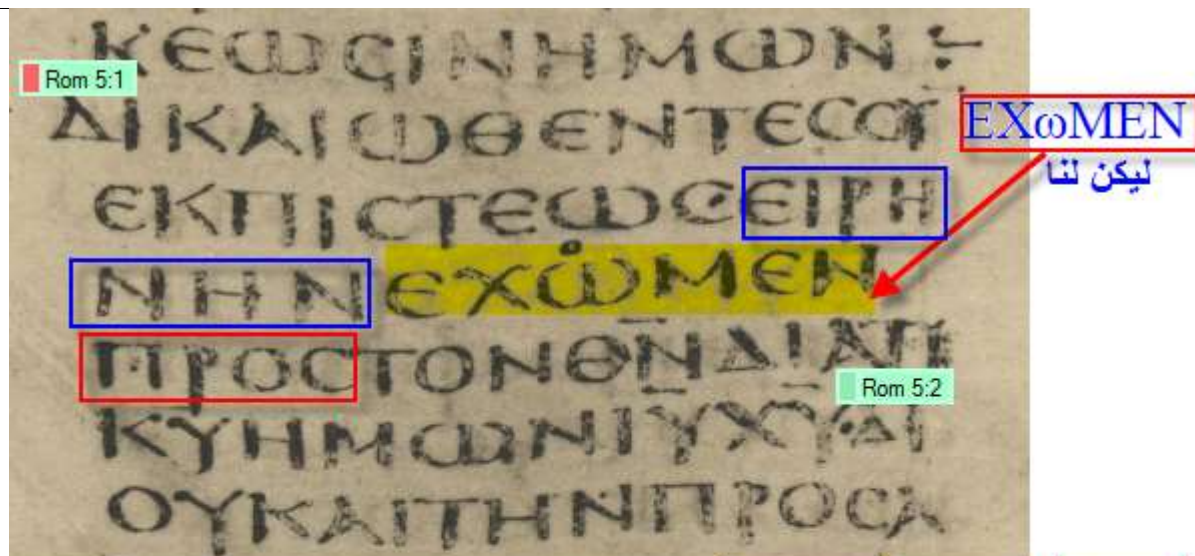
WH NU	πίστεως Ἰησοῦ Χριστοῦ εἰς πάντας τοὺς πιστεύοντας "faith (or, faithfulness) in (or, of) Jesus Christ for all the ones believing" (P ⁴⁰) Ⲛ A (B omits Ἰησοῦ) C Ψ 81 1739 Clement NKJVMg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant 1	πίστεως Ἰησοῦ Χριστοῦ ἐπὶ πάντας τοὺς πιστεύοντας "faith (or, faithfulness) in (or, of) Jesus Christ upon all the ones believing" vg ^{amw} Ambrosiaster Pelagius none	
variant 2/TR	πίστεως Ἰησοῦ Χριστοῦ εἰς πάντας καὶ ἐπὶ πάντας τοὺς πιστεύοντας "faith (or, faithfulness) in (or, of) Jesus Christ for all and upon all the ones believing" Ⲛ ² D F G 33 Maj it KJV NKJV	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	<p>النسخة العربية: تضيف لفظة: (لم) يعتبر κατενόησε οὐ (السينائية: أداة النفي غير موجودة</p>	<p>٩ وَإِذْ لَمْ يَكُنْ ضَعِيفًا فِي الإِيمَانِ لَمْ يَعْتَبِرْ جَسَدَهُ - وَهُوَ قَدْ صَارَ مُمَاتًا، إِذْ كَانَ ابْنٌ نَحْوِ مِئَةِ سَنَةٍ - وَلَا مُمَاتِيَّةٌ مُسْتَوْدَعِ سَارَةَ.</p>	<p>وكان إبراهيم في نحو المئة من العمر، فما ضعف إيمانه حين رأى أن بدنه مات وأن رحم امرأته سارة مات أيضا</p>	<p>19 and not being weak in faith, he considered his own body that had become dead, being about a hundred years old and the deadness of Sarah's womb;</p>	<p>M-01A Romans 4:19 Και μη ασθενήσας τη πιστι κατενόησεν το εαυτου σωμα ηδη νεκρωμενον εκατοτατης που υπαρχων και την νεκρωσιν της μητρας Σαρρας</p>	رو4-19	4
<p>أضاف النساخ أداة النفي (لم) حتى يصبح المعني " إبراهيم بسبب إيمانه العظيم لم يلتفت إلى حالة جسده المتردية والتي تعوقه عن الإنجاب" وهو الموجود في النسخة العربية بدلا من المعنى الموجود في السينائية: " إبراهيم كان إيمانه عظيما حتى مع معرفته بحالة جسده المتردية" , لأن المعني الأول أشد دلالة على عظم إيمانه بما يخدم الطرح الذي يقدمه بولس وهو : "أنه يمكن أن يصل الشخص لأعلى مستويات الإيمان بدون تطبيق الشريعة كالختان ونحوه وخير مثال هو إبراهيم الذي لم يكن فقط مؤمنا بارا قبل الختان بل وصل لأعلي مرافي الإيمان قبل الختان , وبالتالي لا حاجة للشريعة لتنال البر العظيم" (إلغاء الشريعة , دعم فلسفة بولس)</p>						التعليق	



الإيمان	يعتبر
<p>4:19 ΚΑΙ ΜΗ ΑΣΘΕΝΗΣΑΣ ΤΗ ΠΙΣΤΕΙ ΟΥ</p> <p>kai mE asthenEsas tE pistei ou</p> <p>AND NO be:ng-UN-FIRM to-THE BELIEF NOT</p> <p>be:ng-in firm faith</p>	<p>ΚΑΤΕΝΟΗΣΕΝ ΤΟ ΕΑΥΤΟΥ</p> <p>katenoEsen to heautou</p> <p>he-DOWN-MINDS THE OF-self</p> <p>he-considers of=elfhim</p>
<p>ΣΩΜΑ ΗΔΗ ΝΕΚΡΩΜΕΝΟΝ ΕΚΑΤΟΝΤΑΕΤΗΣ ΠΟΥ</p> <p>sOma EdE nenekrOmenon hekatontaetEs pou</p> <p>BODY ALREADY HAVING-been-DEAD HUNDRED-YE where</p> <p>hundred-years somewhere-about</p>	<p>ΥΠΑΡΧΩΝ ΚΑΙ ΤΗΝ ΝΕΚΡΩΣΙΝ ΤΗΣ ΜΗΤΡΑΣ ΣΑΡΡΑΣ</p>

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (لنا εχουμεν) السينائية: تكتب بدلا منها: (ليكن لنا εχουμεν)	أَفَادُ قَدْ تَبَرَّرْنَا بِالْإِيمَانِ لَنَا سَلَامٌ مَعَ اللَّهِ بِرَبِّنَا يَسُوعَ الْمَسِيحِ	فإذ قد تبررنا بالإيمان ليكن لنا سلام مع الله بربنا يسوع المسيح.	5:1 Therefore, being justified by faith, let us have peace with God through our Lord Jesus Christ,	^{M-01A} Romans 5:1 Δικαιωθεντες ου̅ εκ̅ πιστεως̅ ειρηνην̅ εχουμεν̅ προς̅ τον̅ Θ̅Ν̅ δια̅ του̅ Κ̅Υ̅ ημων̅ Ι̅Υ̅ Χ̅Υ̅ (Rom. 5:1 M-01A)	رو 1-5	5
قام النساخ بتغيير النص من (لنا سلام) إلى (ليكن لنا سلام) للتأكيد على أن بولس وتلامذته قد نالوا بالفعل السلام مع الله, وليس السلام هو أمنية يرجو بولس أن تتحقق يوما ما كما ينقله نص السينائية (تحسين النص)					التعليق	



5:1	ΔΙΚΑΙΩΘΕΝΤΕΣ	ΟΥΝ	ΕΚ	ΠΙΣΤΕΩΣ	ΕΙΡΗΝΗΝ	ΕΧΟΜΕΝ	ΠΡΟΣ
	dikaiōthentes	oun	ek	pisteōs	eirēnēn	echomen	pros
	BEING-JUSTIFIED	THEN	OUT	OF-BELIEF	PEACE	WE-ARE-HAVING	TOWARD
				of-faith			
	ΤΟΝ	ΘΕΟΝ	ΔΙΑ	ΤΟΥ	ΚΥΡΙΟΥ	ΗΜΩΝ	ΙΗΣΟΥ
	ton	theon	dia	tou	kuriou	hēmōn	iēsou
	THE	God	THRU	THE	Master	OF-US	JESUS
			through		Lord		Christ
							ΧΡΙΣΤΟΥ
							christou
							ANOINTED
							Christ

ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر عبارة: (تطيعوها في شهواته τὸ ὑπακούειν αὐτῇ ἐν ταῖς ἐπιθυμίαις αὐτοῦ·) السينائية: تكتب بدلا منها: (تطيعوا شهواته το υπακουειν ταις ἐπιθυμιας αὐτου)	١٢ إِذَا لَا تَمْلِكَنَّ الْخَطِيئَةَ فِي جَسَدِكُمْ الْمَائِتِ لِكَيْ تُطِيعُوهَا فِي شَهْوَاتِهِ	إذا لا تملكن الخطية في جسدكم المائت لكي تطيعوا شهواته.	12 Therefore let not sin reign in your mortal body, in order to obey its desires	M-01A Romans 6:12 Μη ουν βασιλευετω η αμαρτια εν τω θνητω υμων σωματι εις το υπακουειν ταις ἐπιθυμιας αὐτου	رو6-12	6
<p>قام النساخ بتغيير النص من (تطيعوا شهواته) إلى (تطيعوها في شهواته) لأنهم لاحظوا أن العديد من المخطوطات (مثل بيزا- F-G- بردية 46.....) وغيرها يوجد فيها النص كالتالي: (تطيعوها) أي تطيعوا الخطية, ولم يعرفوا أي القراءتين هي الصواب هل قراءة السينائية وغيرها أم قراءة بيزا وأخواتها , فقاموا بدمجها معا (تطيعوا شهواته)+(تطيعوها)= تطيعوها في شهواته (دمج القراءات)</p>					التعليق	

Rom 6:12

ΜΗ ΟΥΝ ΒΑΣΙΛΕΥΕΤΩ Η ΑΜΑΡΤΙΑ ΕΝ ΤΩ ΘΝΗΤΩ ΥΜΩΝ
ΕΙΝ ΤΑΙΣ ΕΠΙΘΥΜΙΑΙΣ ΑΥΤΟΥ

Rom 6:13

6:12 ΜΗ ΟΥΝ ΒΑΣΙΛΕΥΕΤΩ Η ΑΜΑΡΤΙΑ ΕΝ ΤΩ ΘΝΗΤΩ ΥΜΩΝ
mE oun basileuetO hE hamartia en to thnEtO humOn
NO THEN LET-BE-reignING THE missing IN THE DYing OF-YOU(P)
le-her-be-reigning! sig mortal of-ye

ΕΙΝ ΤΑΙΣ ΕΠΙΘΥΜΙΑΙΣ ΑΥΤΟΥ
s nat the mptzll liss by the mptzll liss
ΕΠΙΘΥΜΙΑΙΣ ΑΥΤΟΥ
EB DY INTC the TO-BE-obeyING to-her IN the ON-FEELings OF-it
herjt the lusts

لَكَيْ تَطِيعُوهَا فِي شَهْوَاتِهِ

المظلل ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (السَّالِكِينَ لَيْسَ حَسَبَ الْجَسَدِ بَلْ حَسَبَ الرُّوحِ μὴ κατὰ σάρκα περιπατοῦσιν, ἀλλὰ κατὰ πνεῦμα.) السينائية: العبارة بالكامل غير موجودة	إِذَا لَا شَيْءَ مِنَ الدَّيْنُونَةِ الْآنَ عَلَى الَّذِينَ هُمْ فِي الْمَسِيحِ يَسُوعَ، السَّالِكِينَ لَيْسَ حَسَبَ الْجَسَدِ بَلْ حَسَبَ الرُّوحِ	8:1 There is, therefore, now no condemnation to those who are in Christ Jesus.	M-01A Romans 8:1 Ουδεν αρα νυν κατακριμα τοις εν ΧΩΙΥ	رو8-1	7
أضاف النساخ عبارة (السَّالِكِينَ لَيْسَ حَسَبَ الْجَسَدِ بَلْ حَسَبَ الرُّوحِ) من أجل تشويه صورة المتمسكين بالناموس من خلال وصفهم بأنهم جسدانيين , ووصف التاركين له بالروحانيين , مما يدعم فكرة (إلغاء الشريعة) (إلغاء الشريعة , دعم فلسفة بولس)					التعليق	

■ Rom 8:1
 ΟΥΔΕΝ ΑΡΑ ΝΥΝ ΚΑΤΑΚΡΙΜΑ ΤΟΙΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ

■ Rom 8:2
 Ο ΓΑΡ ΝΟΜΟΣ ΤΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΤΗΣ ΖΩΗΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ

■ **لفظة يسوع مكتوبة بطريقة الاختصار المقدس IY**

8:1 ΟΥΔΕΝ ΑΡΑ ΝΥΝ ΚΑΤΑΚΡΙΜΑ ΤΟΙΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ
 ouden ara nun katakrima tois en christo
 NOT-YET-ONE CONSEQUENTLY NOW DOWN-JUDgment to-THE-ones IN ANOINTED
 nothing **السَّالِكِينَ لَيْسَ حَسَبَ الْجَسَدِ بَلْ حَسَبَ الرُّوحِ** to-the-ones Christ

■ **يسوع**
 ΙΗΣΟΥ ΜΗ ΚΑΤΑ ΣΑΡΚΑ ΠΕΡΙΠΑΤΟΥΣΙΝ ΑΛΛΑ ΚΑΤΑ
 iEsou mE kata sarka peripatusin alla kata
 JESUS NO according-to FLESH THEY-ARE-ABOUT-TREADING but according-to
الروح
 ΠΝΕΥΜΑ
 pneuma spirit

■ **المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط**

■ **لأن ناموس**
 8:2 Ο ΓΑΡ ΝΟΜΟΣ ΤΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΤΗΣ ΖΩΗΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ
 ho gar nomos tou pneumatos tEs zOEs en christo
 THE for LAW OF-THE spirit OF-THE LIFE IN ANOINTED Christ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (أعتقني مع هلهوثيروسه) السينائية: تكتب بدلا منها: (أعتقكم هلهوثيروسه)	٢لأن ناموس روح الحياة في المسيح يسوع قد أعتقني من ناموس الخطية والموت.	لأن شريعة الروح الذي يهبنا الحياة في المسيح يسوع أعتقكم من شريعة الخطية والموت.	2 For the law of the Spirit of life in Christ Jesus made thee free from the law of sin and of death.	M-01A Romans 8:2 Ο γαρ νομος του ΠΝΣ της ζωης εν ΧΩΤΥ ηλευθερωσε σε απο του νομου της αμαρτιας και του θανατου	رو8-2	8
قام النساخ بتغيير النص من لفظة (أعتقكم) إلى (أعتقني) لأنهم لاحظوا أن جميع النصوص السابقة (في الإصحاح 7) واللاحقة تتكلم على لسان بولس بصيغة المتكلم فقاموا بتغيير الضمير الوحيد الذي يتكلم بصيغة المخاطب إلي صيغة المتكلم ليتناسب مع كل السياق (تحسين النص)					التعليق	

Rom 8:2

Ο ΓΑΡ ΝΟΜΟΣ ΤΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΤΗΣ ΖΩΗΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ

ΠΙΝΣΤΗΣ ΖΩΗΣ ΕΝ ΧΩΤΥ ΗΛΕΥΘΕΡΩΣΕ

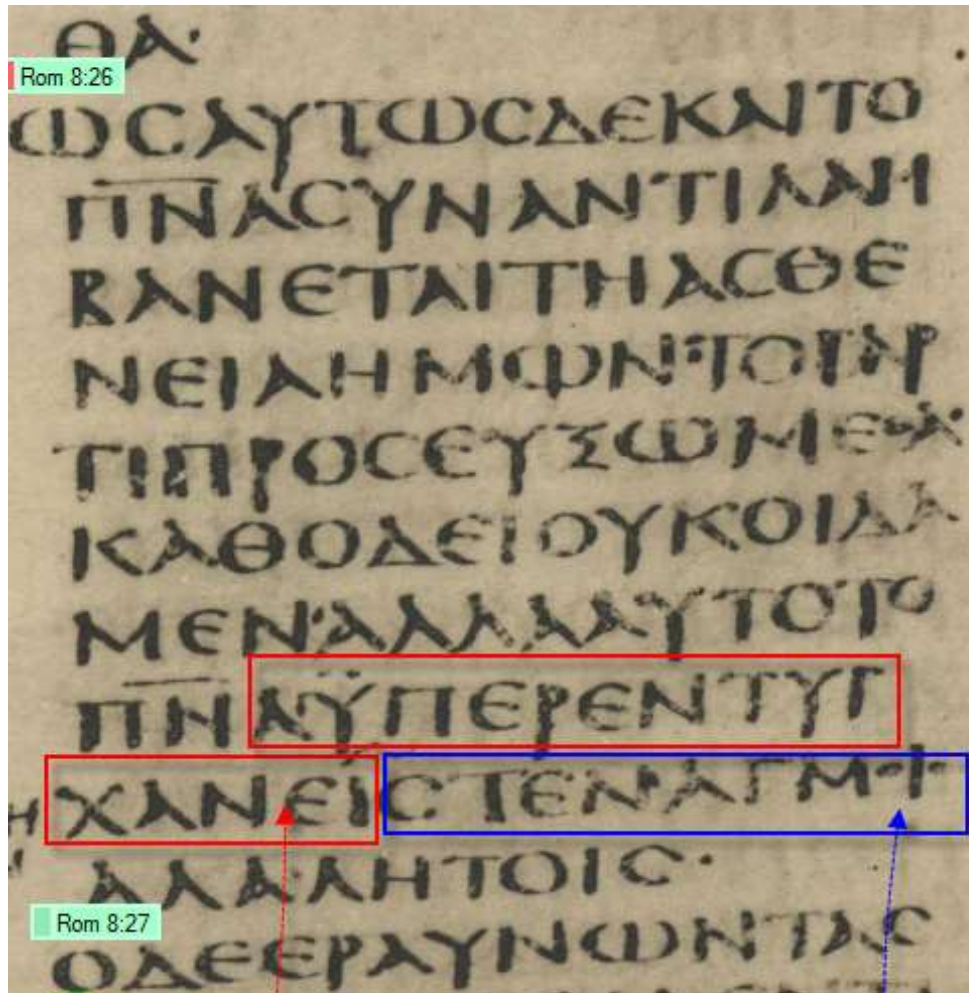
ΑΠΟ ΤΟΥ ΝΟΜΟΥ ΤΗΣ ΑΜΑΡΤΙΑΣ ΚΑΙ ΤΟΥ ΘΑΝΑΤΟΥ

Rom 8:3

8:2	Ο	ΓΑΡ	ΝΟΜΟΣ	ΤΟΥ	ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ	ΤΗΣ	ΖΩΗΣ	ΕΝ	ΧΡΙΣΤΩ
	ho	gar	nomos	tu	pneumatos	tEs	zOEs	en	christO
	THE	for	LAW	OF-THE	spirit	OF-THE	LIFE	IN	ANointed
									Christ
	ΙΗΣΟΥ	ΑΕΤΤΕΚΜ	ΜΕ	ΑΠΟ	ΤΟΥ	ΝΟΜΟΥ	ΤΗΣ	ΑΜΑΡΤΙΑΣ	ΚΑΙ
	iEsou	EleutherOsen	me	apo	tu	nomou	tEs	hamartias	kai
	JESUS	FREES	ME	FROM	THE	LAW	OF-THE	missing	AND
								sin	
	ΤΟΥ	ΘΑΝΑΤΟΥ							
	tu	thanatu							
	OF-THE	DEATH							
	the								

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (لنا ὑπὲρ ἡμῶν) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٦ وَكَذَلِكَ الرُّوحُ أَيْضًا يُعِينُ ضَعْفَاتِنَا، لِأَنَّنا لَسْنَا نَعْلَمُ مَا نُصَلِّي لِأَجْلِهِ كَمَا يُنْبَغِي. وَلَكِنَّ الرُّوحَ نَفْسَهُ يَشْفَعُ فِينَا بِأَنَّاتٍ لَا يُنْطَقُ بِهَا	ويجيء الروح أيضا لنجدة ضعفنا. فنحن لا نعرف كيف نصلي كما يجب، ولكن الروح يشفع عند الله بأنات لا توصف	26 And in like manner the Spirit also helps our weakness. For we know not what we shall pray for as we ought, but the Spirit itself intercedes with groanings unutterable:	M-01A Romans 8:26 Ὡσαυτως δε και το ΠΝΑ συναντιλαμβανεται ι τη ασθενεια ημων το γαρ τι προσευξομεθα καθο δει ουκ οιδαμεν αλλα αυτο το ΠΝΑ υπερευθυγανει στεναγμοις αλαλητοις	رو8-26	9
قام النساخ بإضافة لفظة (لنا) من أجل توضيح من الذين سيشفع فيهم الروح القدس (تمسكين النص)					التعليق	



Rom 8:26

Rom 8:27

8:26 Ὡσαύτως δε και το πνευμα συναντιλαμβάνεται ταῖς
 hOsautOs de kai to pneuma sunantilambanetai tais
 AS-SAMEly YET AND THE spirit IS-TOGETHER-supportING to-THE
 similarly also is-aiding the

ἀσθενείαις ἡμῶν το γάρ τι προσεύσμεθα καθό
 astheneiais hEmOn to gar ti proseuXometha katho
 UN-FIRMnesses OF-US THE for ANY WE-SHOULD-BE-praying according-to-WHICH
 infirmities what? according-to-what

δεῖ οὐκ οἶδμεν ἀλλ αὐτο το πνευμα
 dei ouk oidamen all auto to pneuma
 IS-BINDING NOT WE-HAVE-PERCEIVED but SAME THE spirit
 it must be we are aware itse

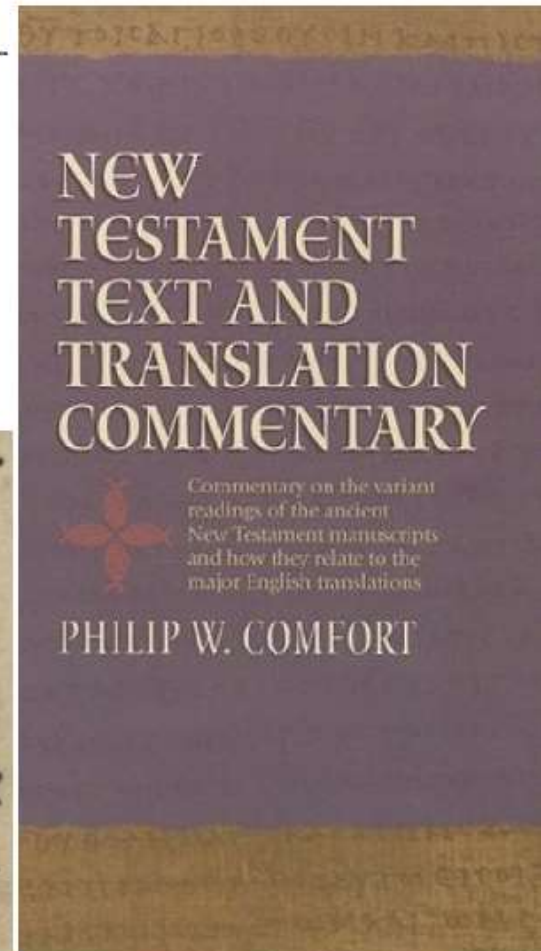
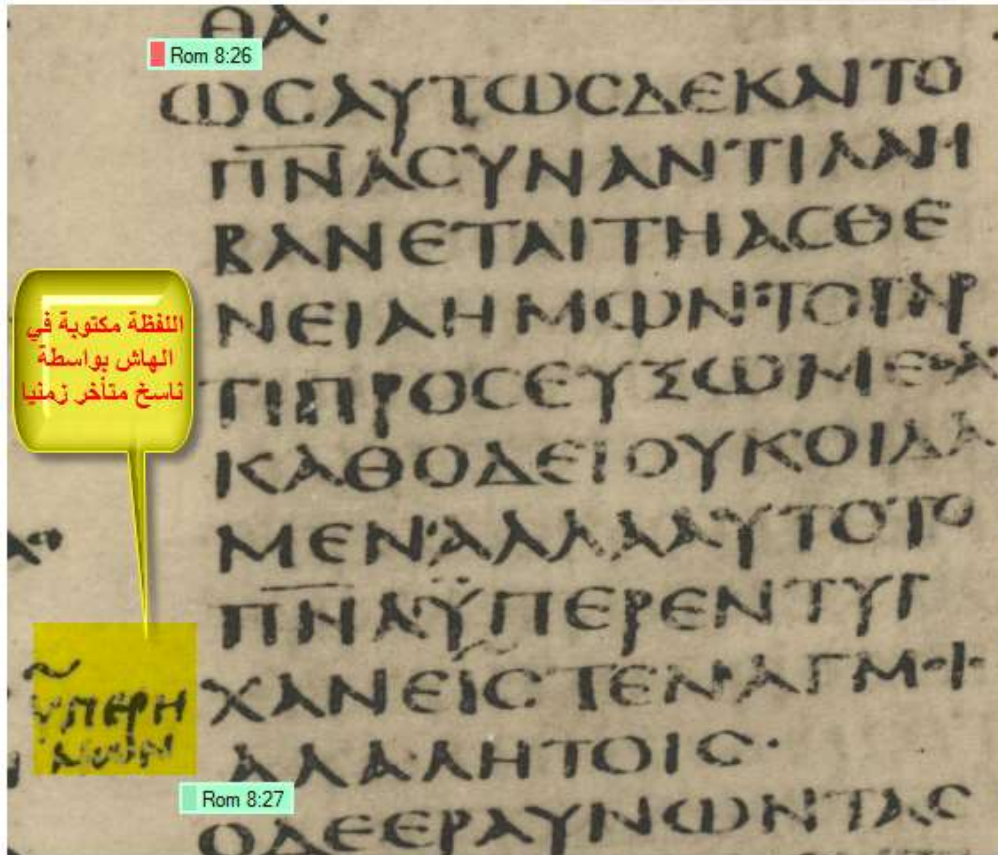
<p>يشفع ΥΠΕΡ ΤΩΝ ΗΜΩΝ huperentugchanei IS-OVER-pleadING is-pleading-for-us</p>	<p>نَا ΥΠΕΡ ΗΜΩΝ huper hEmOn OVER US for_the-sake-of</p>	<p>أنا ΣΤΕΝΑΓΜΟΙΣ stenagmois to-groanings</p>	<p>ΑΛΛΗΤΟΙΣ alalētois UN-TALKED inarticulate</p>
--	--	--	---

المظلّل بالأصفر ليس بالمخطوط

Romans 8:26

WH NU	τὸ πνεῦμα ὑπερεντυγχάνει "the Spirit intercedes" ⲡ ^{27vid} ⲡ ^{46vid} Ⲭ ¹ A B D F G 1739 NKJvmg NRSV HCSBmg	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant/TR	το πνευμα υπερεντυχαι υπερ ημων "the Spirit intercedes on our behalf" Ⲭ ² C Ψ 33 Maj it syr cop KJV NKJV RSV NRSVmg ESV NASB NIV TNIV NEB REB NTB NAB NLT HCSB NET	

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الناموس νόμου) السينائية: اللفظة غير موجودة	٣٢ لِمَاذَا؟ لِأَنَّهُ فَعَلَ ذَلِكَ لَيْسَ بِالْإِيمَانِ، بَلْ كَأَنَّهُ بِأَعْمَالِ النَّامُوسِ. فَاتَّهَمُوا بِحَجَرِ الصَّدْمَةِ	ولماذا؟ لأنهم سعوا إلى هذا البر بالأعمال التي تفرضاها الشريعة لا بالإيمان، فصدموا حجر العثرة	32 Why? because they sought it not by faith, but as by works: for they stumbled at the stone of stumbling.	M-01A Romans 9:32 Δια τι οτι ουκ εκ πιστεως αλλ ως εξ εργαων προσεκοψεν τω λιθω του προσκομματος	رو9-32	10
قام النساخ بإضافة لفظة (الناموس) من أجل توضيح أن الأعمال التي سعى بنو إسرائيل لعملها والتي لم تنجح في إعطاءهم البر هي أعمال الناموس, وبالتالي يصبح العمل بالناموس لا قيمة له, والعبرة بالإيمان بيسوع (إلغاء الشريعة, دعم فلسفة بولس)					التعليق	

Rom 9:32

Rom 9:33

أعمال

غير موجودة في النص

اصطدموا

الشريعة

9:32 ΔΙΑ ΤΙ ΟΤΙ ΟΥΚ ΕΚ ΠΙΣΤΕΩΣ ΑΛΛ ΩΣ ΕΞ ΕΡΓΩΝ

dia ti hoti ouk ek pisteōs all hōs ex ergōn

THRU ANY that NOT OUT OF-BELIEF but AS OUT OF-ACTS

because-of what? seeing-that of-faith

9:32 ΔΙΑ ΤΙ ΟΤΙ ΟΥΚ ΕΚ ΠΙΣΤΕΩΣ ΑΛΛ ΩΣ ΕΞ ΕΡΓΩΝ

nomou prosekopsan gar to litho tou proskommatos

OF-LAW THEY-TOWARD-STRIKE for to-THE STONE OF-THE TOWARD-STRIKE

law they-stumble stumbling

Romans 9:32

WH NU

ἐξ ἔργων

"by works"

ℵ* A B F G 1739 cop

NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB (NLT) HCSB NET

variant/TR

ἐξ ἐργων νομου

"by works of law"

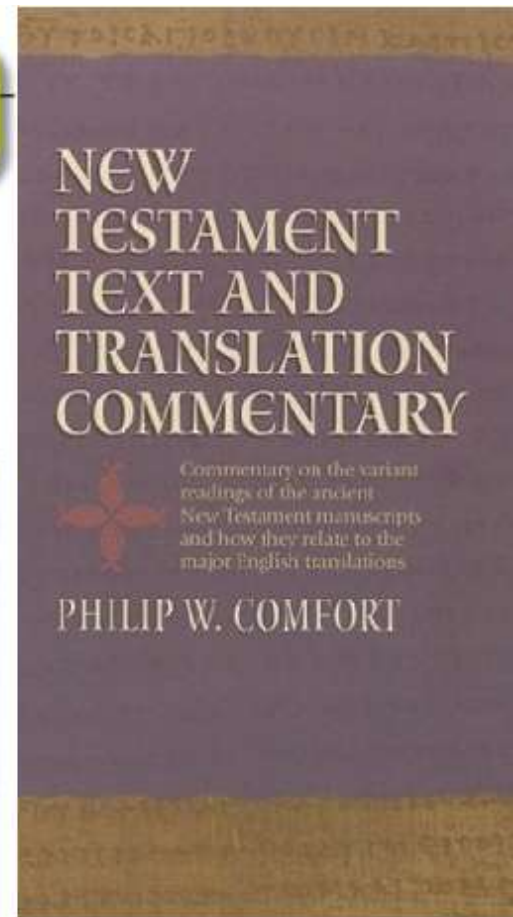
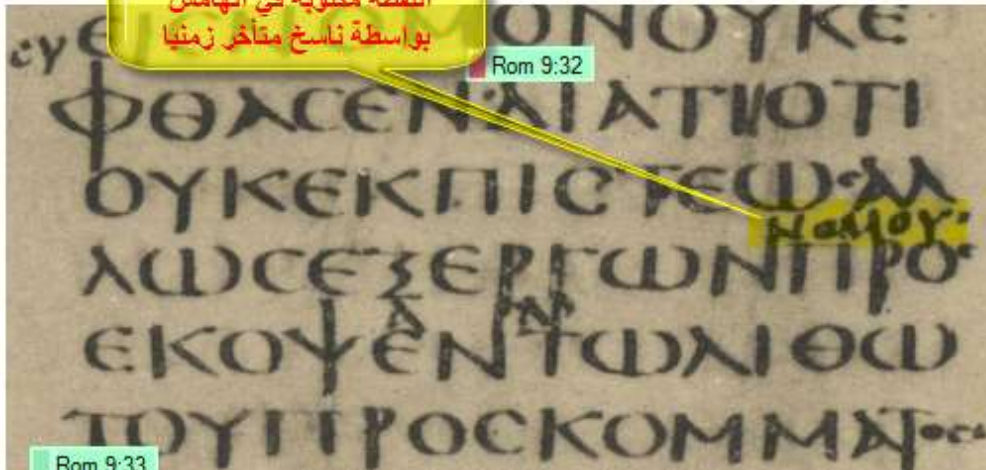
ℵ² D Ψ 33 Maj syr

KJV NKJV HCSBmg NETmg

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ
الاصلي

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر

اللفظة مكتوبة في الهامش
بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب عبارة: (المبشرين بالسلام، των ευαγγελιζομένων ειρήνην) السينائية: العبارة غير موجودة	ه اوكيف يكرزون ان لم يزسلوا؟ كما هو مكتوب: "ما أجمل الأقدام المبشرين بالسلام، المبشرين بالخيرات".	وكيف يبشرهم وما أرسله الله؟ والكتاب يقول: ((ما أجمل خطوات المبشرين بالخيرات))	15 And how shall they preach unless they be sent? As it is written: How beautiful are the feet	M-01A Romans 10:15 Πως δε κηρυξωσιν εαν μη αποσταλωσι Καθως γεγραπται Ως ωρειοι οι ποδες των ευαγγελιζομενων τα αγαθα	رو10-15	11
أضاف النساخ عبارة (المبشرين بالسلام، المبشرين بالخيرات) من أجل جعل الاقتباس يتطابق مع العهد القديم في إشعياء(52-7) : " ٧. ما أجمل على الجبال قدمي المبشر، المُخبر بالسلام، المُبشر بالخير، المُخبر بالخلص، المُقابل لصهيون: "قَدْ مَلَكَ الْهُكُ!". (دعم الاقتباسات)					التعليق	

Rom 10:15

ΥΩΡΙΣΚΗΡΥΣΣΟΝΤΕΣ
ΠΩΣ ΔΕ ΚΗΡΥΣΣΩΣΙΝ
ΑΝ ΜΗ ΑΠΟΣΤΑΛΩΣΙ
ΚΑΘΩΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ
ΩΣ ΩΡΕΟΙ ΟΙ ΠΟΔΕΣ ΤΩΝ
ΕΥΑΓΓΕΛΙΖΟΜΕΝΩΝ
ΤΑ ΑΓΑΘΑ

Rom 10:16

ΑΛΛΟΥ ΠΑΝΤΕΣ ΥΠΗ
ΚΟΥΣ ΑΝ ΕΝ ΤΩ ΕΥΑ

10:15 ΠΩΣ ΔΕ ΚΗΡΥΣΣΟΥΣΙΝ ΕΑΝ ΜΗ ΑΠΟΣΤΑΛΩΣΙΝ
pOs de kEryxousin ean mE apostalOsin
how YET THEY-SHALL-BE-PROCLAIMING IF-EVER NO THEY-SHOULD-BE-BEING-commissionED
how ? they-shall-be-heralding

ΚΑΘΩΣ ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΩΣ ΩΡΑΙΟΙ ΟΙ ΠΟΔΕΣ ΤΩΝ
kathOs gegraptai hOs hOraioi hoi podes tOn
according-AS it-HAS-been-WRITTEN AS beautiful THE FEET OF-THE
how

المبشرين بالسلام

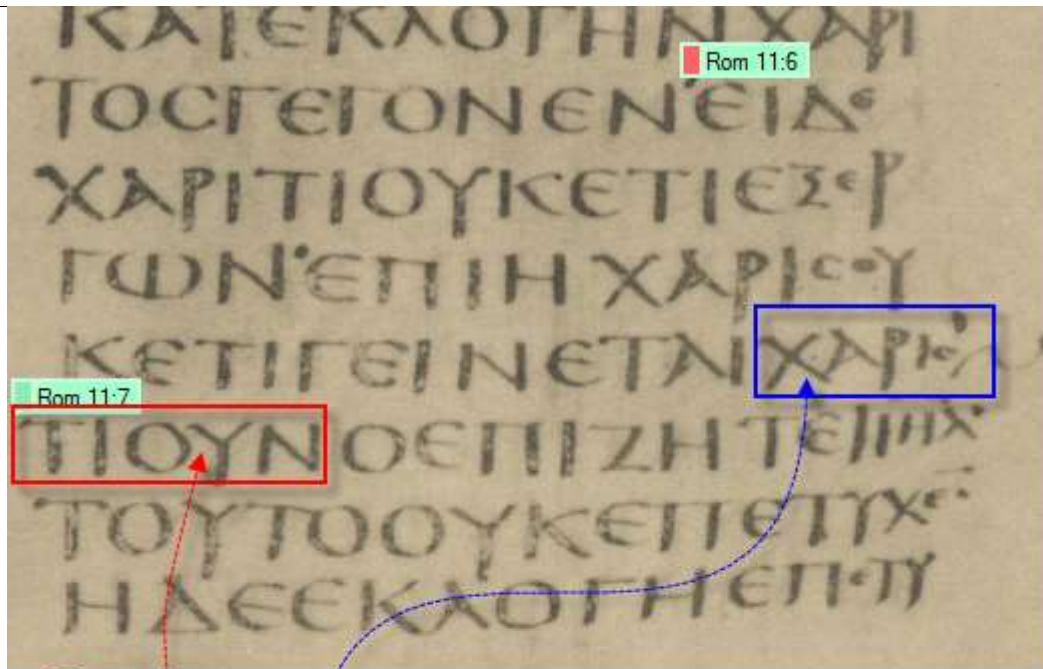
ΕΥΑΓΓΕΛΙΖΟΜΕΝΩΝ ΕΙΡΗΝΗΝ
euaggelizomenOn eirEnEn
ones-WELL-MESSAGIZING PEACE
ones-bringing-a-well-messa of-peace

المبشرين

ΤΩΝ ΕΥΑΓΓΕΛΙΖΟΜΕΝΩΝ ΤΑ ΑΓΑΘΑ
tOn euaggelizomenOn ta agatha
OF-THE ones-WELL-MESSAGIZING THE GOOD
ones-bringing-a-well-message of-the good-things

المظلل بالأصفر غير موجود
بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَإِنْ كَانَ بِالْأَعْمَالِ فَلَيْسَ بَعْدُ نِعْمَةً، وَإِلَّا فَالْعَمَلُ لَا يَكُونُ بَعْدُ عَمَلًا. ει δε ἐξ ἔργων, οὐκέτι ἐστὶ χάρις· ἐπεὶ τὸ ἔργον οὐκέτι ἐστὶν ἔργον)	٦. فَإِنْ كَانَ بِالنِّعْمَةِ فَلَيْسَ بَعْدُ بِالْأَعْمَالِ، وَإِلَّا فَلَيْسَتْ النِّعْمَةُ بَعْدُ نِعْمَةً. وَإِنْ كَانَ بِالْأَعْمَالِ فَلَيْسَ بَعْدُ نِعْمَةً، وَإِلَّا فَالْعَمَلُ لَا يَكُونُ بَعْدُ عَمَلًا.	فإذا كان الاختيار بالنعمة، فما هو إذا بالأعمال، وإلا لما بقيت النعمة نعمة.	6 now if by grace, no longer of works, since grace no longer becomes grace.	M-01A Romans 11:6 Εἰ δε χαριτι ουκετι εξ εργαων επι η χαρις ουκετι γεινεται χαρις	رو 6-11	12
قام النساخ بإضافة عبارة (وَإِنْ كَانَ بِالْأَعْمَالِ فَلَيْسَ بَعْدُ نِعْمَةً، وَإِلَّا فَالْعَمَلُ لَا يَكُونُ بَعْدُ عَمَلًا) من أجل مزيد من التأكيد والتوضيح للفكرة التي يتحدث عنها بولس وهي فكرة: الخلاص بالإيمان وليس بالأعمال وبالتالي لا حاجة للشريعة (إلغاء الشريعة، دعم فلسفة بولس) (دعم عقيدة الخلاص يكون بالإيمان فقط)					التعليق	



Rom 11:6	ΕΙ ΔΕ ΧΑΡΙΤΙ ΟΥΚΕΤΙ ΕΞ ΕΡΓΩΝ ΕΠΕΙ Η ΧΑΡΙΣ ΟΥΚΕΤΙ	ei de chariti ouketi ex ergōn epei hē charis ouketi	IF YET to-grace NOT-STILL OUT OF-ACTS since THE grace NOT-STILL
	ΓΙΝΕΤΑΙ ΧΑΡΙΣ	ginetai charis	IS-BECOMING grace
	ΕΙ ΔΕ ΕΞ ΕΡΓΩΝ ΟΥΚΕΤΙ ΕΣΤΙΝ ΧΑΡΙΣ ΕΠΕΙ	ei de ex ergōn ouketi estin charis epei	IF YET OUT OF-ACTS NOT-STILL it-IS grace since
	ΤΟ ΕΡΓΟΝ ΟΥΚΕΤΙ ΕΣΤΙΝ ΕΡΓΟΝ	to ergon ouketi estin ergon	THE ACT NOT-STILL IS ACT
			work no-longer work
	نعمة		
	وَإِنْ كَانَ بِالْأَعْمَالِ فَلَيْسَ بَعْدُ نِعْمَةً،		
	وَإِلَّا فَالْعَمَلُ لَا يَكُونُ بَعْدُ عَمَلًا		
	المظلل بالاصفر غير موجود بالمخطوط		
Rom 11:7	ΤΙ ΟΥΝ Ο ΕΠΙΖΗΤΕΙ ΙΣΡΑΗΛ ΤΟΥΤΟΥ ΟΥΚ ΕΠΕΤΥΧΕΝ Η	ti oun ho epizētei israēl toutou ouk epetuchen hē	ANY THEN WHICH IS-ON-SEEKING ISRAEL OF-this NOT it-ON-HAPPENED THE
	what ?		is-seeking-for this she-encountered
	فماذا		

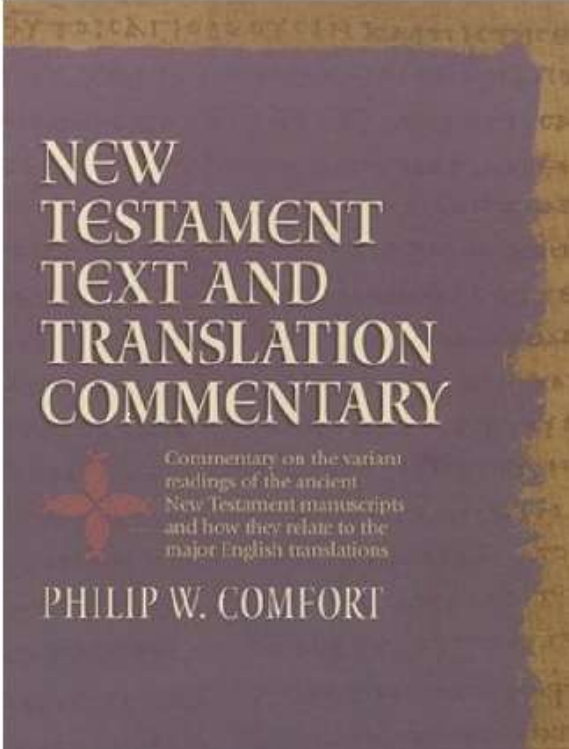
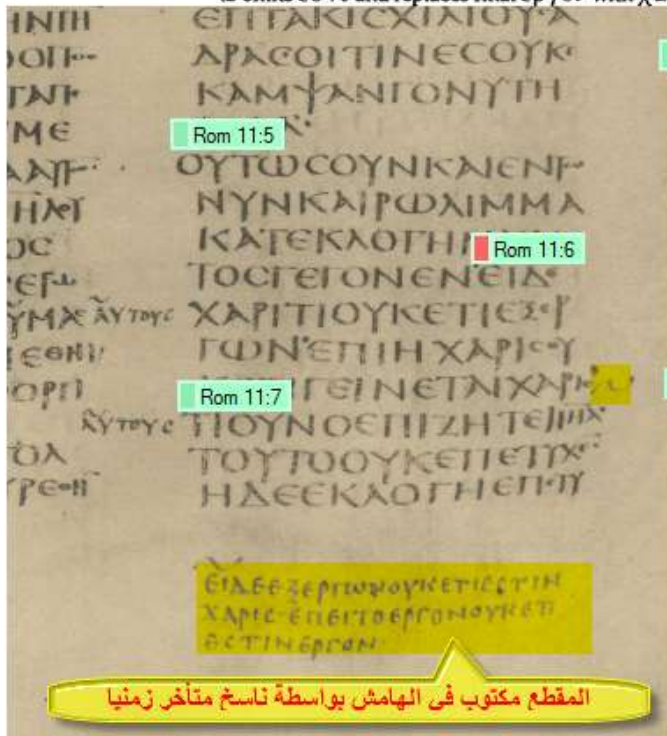
Romans 11:6

WH NU οὐκέτι γίνεται χάρις
 "it [grace] would no longer be grace"
 7⁶ **8*** A C D F G 1739 cop
 NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

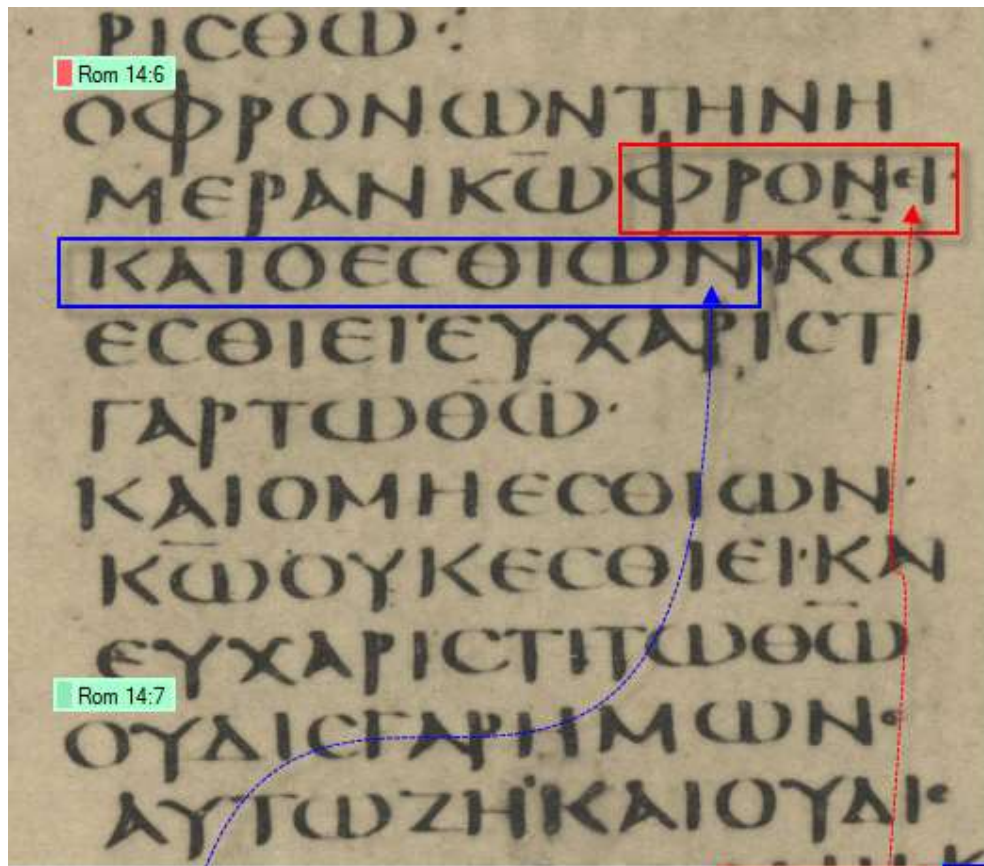
variant/TR ουκετι γίνεται χαρις. ει δε εξ εργαων ουκετι εστι
 χαρις, επει το εργον ουκετι εστιν εργον
 "it [grace] would no longer be grace. But if it is of works, then it is no longer
 grace; otherwise work is no longer work."
 (B omits εστι and replaces final εργον with χαρις) **8**² Ψ 33rd Maj (syr)

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَالَّذِي لَا يَهْتَمُّ بِالْيَوْمِ، فَلِلرَّبِّ لَا يَهْتَمُّ. καὶ ὁ μὴ φρονῶν τὴν ἡμέραν, Κυρίῳ οὐ φρονεῖ) السينائية: العبارة غير موجودة	٦ الَّذِي يَهْتَمُّ بِالْيَوْمِ، فَلِلرَّبِّ يَهْتَمُّ. وَالَّذِي لَا يَهْتَمُّ بِالْيَوْمِ، فَلِلرَّبِّ لَا يَهْتَمُّ. وَالَّذِي يَأْكُلُ، فَلِلرَّبِّ يَأْكُلُ لَأَنَّهُ يَشْكُرُ اللَّهَ. وَالَّذِي لَا يَأْكُلُ فَلِلرَّبِّ لَا يَأْكُلُ وَيَشْكُرُ اللَّهَ.	لأن من يراعي يوما دون بقية الأيام يراعيه إكراما لله، ومن يأكل من كل شيء يأكل إكراما لله لأنه يشكر الله، ومن لا يأكل من كل شيء لا يأكل إكراما لله ويشكر الله.	6 He that regards the day, to the Lord he regards it. And he that eats, to the Lord he eats, for he gives thanks to God; and he that eats not, to the Lord he eats not, and gives thanks to God.	^{M-01A} Romans 14:6 Ο φρονῶν τὴν ἡμέραν ΚΩ φρονεῖ Καὶ ὁ εσθίων ΚΩ εσθίει ευχαριστι γὰρ τῷ ΘΩ καὶ ὁ μὴ εσθίων ΚΩ οὐκ εσθίει καὶ ευχαριστι τῷ ΘΩ	رو 6-14	13
أضاف النساخ عبارة (وَالَّذِي لَا يَهْتَمُّ بِالْيَوْمِ، فَلِلرَّبِّ لَا يَهْتَمُّ) لأنهم لاحظوا أنه في هذا النص (6-14) وفي النص السابق له (14-3) يذكر بولس الشئ ثم يذكر عكسه حيث ذكر في النص (3-14) من يأكل ثم ذكر من لا يأكل، وفي النص (6-14) ذكر أيضا نفس الشئ، فأروا ضرورة إضافة العبارة لكونها عكس عبارة (الذي يهتم باليوم فللرب يهتم) سيرا على طريقة بولس (تحسين النص)					التعليق	



14:6 Ο ΦΡΟΝΩΝ ΤΗΝ ΗΜΕΡΑΝ ΚΥΡΙΩ ΦΡΟΝΕΙ ΚΑΙ Ο

ho phronOn tEn hEmeran kuriO phronei kai ho
 THE one-beING-DISPOSed-to THE DAY to-Master he-IS-beING-DISPOSed AND THE-one
 one-being-disposed-to to-Lord is-being-disposed-to-it the-one

والذي لا يهتم باليوم، فلنرب لا يهتم

ΜΗ ΦΡΟΝΩΝ ΤΗΝ ΗΜΕΡΑΝ ΚΥΡΙΩ ΟΥ ΦΡΟΝΕΙ Ο

mE phronOn tEn hEmeran kuriO hou phronei ho
 NO beING-DISPOSed-to THE DAY to-Master NOT he-IS-beING-DISPOSed THE-one
 to-Lord he-is-being-disposed-to-it the

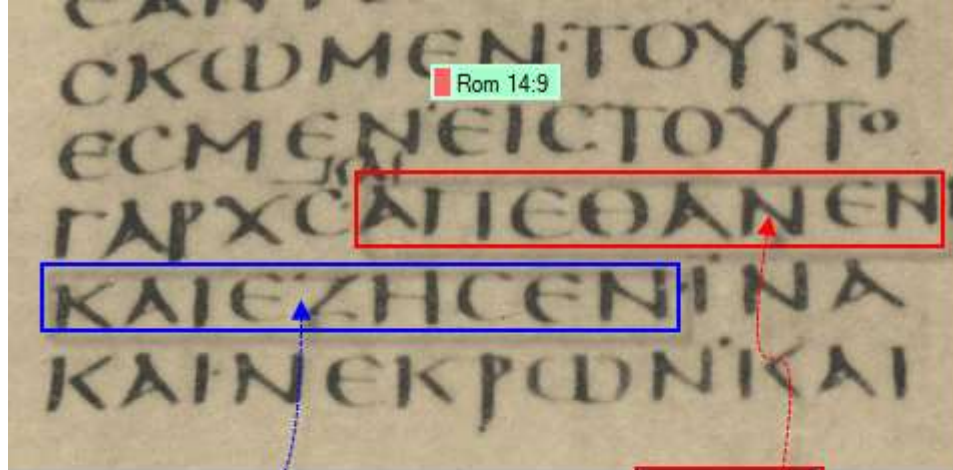
والذي يأكل

ΕΣΘΙΩΝ ΚΥΡΙΩ ΕΣΘΙΕΙ ΕΥΧΑΡΙΣΤΕΙ ΓΑΡ ΤΩ ΘΕΩ ΚΑΙ Ο

esthiOn kuriO esthieie eucharister gar to theO kai ho
 EATING to-Master he-IS-EATING for to-THE God AND THE-one
 one-eating to-Lord is-eating

المظلل بالأصفر ليس بالخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (وقام <i>kai anēstē</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	٩لأنه لهذا مات المسيح وقام وعاش، لكي يسود على الأحياء والأموات.	والمسيح مات وعاش ليكون رب الأحياء والأموات..	9 For, for this purpose Christ died and lived, that he might be Lord both of the dead and the living.	M-01A Romans 14:9 Εἰς τοῦτο γὰρ Χρῖστος ἀπέθανεν καὶ ἐζήσεν ἵνα καὶ νεκρῶν καὶ ζώντων κυριεύσῃ	رو 9-14	14
قام النساخ بإضافة لفظة (وقام) لتوضيح أن الحياة المقصودة هي الحياة الحاصلة بعد القيامة من الموت وليس قبله (دعم عقيدة القيامة من الموت)					التعليق	



14:9	ΕΙΣ	ΤΟΥΤΟ	ΓΑΡ	ΧΡΙΣΤΟΣ	ΚΑΙ	ΑΠΕΘΑΝΕΝ	ΚΑΙ	ΑΝΕΣΤΗ	ΚΑΙ
	eis	touto	gar	christos	kai	apethanen	kai	anestē	kai
	INTO	this	for	ANOINTED	AND	FROM-DIED	AND	UP-STOOD	AND
				Christ		died		rose	
	ΑΝΕΖΗΣΕΝ	ΙΝΑ	ΚΑΙ	ΝΕΚΡῶΝ	ΚΑΙ	ΖΩΝΤῶΝ	ΚΥΡΙΕΥΣῃ		
	anezēsen	hina	kai	nekrōn	kai	zōntōn	kurieusē		
	UP-LIVES	THAT	AND	OF-DEAD-ones	AND	LIVING-ones	He-SHOULD-BE-		
	revives			of-dead-ones		of-ones-living	he-should-be-		

المزطلل بالاصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<u>النسخة العربية:</u> تكتب لفظة: (المسيح $\tau\omicron\upsilon\varsigma$ $\chi\rho\iota\sigma\tau\omicron\upsilon$) <u>السينائية:</u> تكتب بدلا منها: (الله $\Theta\Upsilon$ $\tau\omicron\upsilon$)	١٠. وَأَمَّا أَنْتَ، فَلِمَاذَا تَدِينُ أَخَاكَ؟ أَوْ أَنْتَ أَيْضًا، لِمَاذَا تَزْدَرِي بِأَخِيكَ؟ لِأَنَّنا جَمِيعًا سَنَقِفُ نَقْفَ أَمَامَ كُرْسِيِّ الْمَسِيحِ محكمة الله	10 But why judgest thou thy brother? And why dost thou despise thy brother? For we must all stand before the judgment- seat of God.	^{M-01A} Romans 14:10 $\Sigma\upsilon$ $\delta\epsilon$ $\tau\iota$ $\kappa\rho\iota\nu\epsilon\iota\varsigma$ $\tau\omicron\nu$ $\alpha\delta\epsilon\lambda\phi\omicron\nu$ $\sigma\omicron\upsilon$ η $\kappa\alpha\iota$ $\sigma\upsilon$ $\tau\iota$ $\epsilon\zeta\omicron\upsilon\theta\epsilon\nu\iota\varsigma$ $\tau\omicron$ $\alpha\delta\epsilon\lambda\phi\omicron\nu$ $\sigma\omicron\upsilon$ $\Pi\alpha\nu\tau\epsilon\varsigma$ $\gamma\alpha\rho$ $\pi\alpha\rho\alpha\sigma\tau\eta\sigma\omicron\mu\epsilon\theta\alpha$ $\tau\omega$ $\beta\eta\mu\alpha\tau\iota$ $\tau\omicron\upsilon$ $\Theta\Upsilon$	رو10-14	15
					التعليق	
					قام النساخ بتغيير النص من (الله) إلى (المسيح) من أجل إظهار المسيح بصورة الديان الذي سيدين الناس يوم القيامة مما يصب في صالح ألوهيته (دعم ألوهية المسيح)	

Rom 14:10

ΖΩΝΤΩΝ ΚΥΡΙΕΥΗ·
 ΣΥΔΕΤΙ ΚΡΙΝΕΙΣ ΤΟΝ
 ΑΔΕΛΦΟΝ ΣΟΥ· Η ΚΑΙ
 ΣΥΤΙ ΕΣΟΥΘΕΝΙΣ ΤΟ
 ΑΔΕΛΦΟΝ ΣΟΥ ΠΑΝ
 ΤΕΣ ΓΑΡ ΠΑΡΑΣΤΗΣΟ
 ΜΕΘΑ ΤΩ ΒΗΜΑΤΙ ΤΟΥ
 ΘΥ·

Rom 14:11

ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΓΑΡ ΖΩΕ

TOY ΘΥ (الله)

TOY ΧΡΙΣΤΟΥ (المسيح)

ΚΡΗΣΙ (كرسي)

14:10 CY DE TI KRINEIS TON ADELPHON SOY H KAI CY TI
 su de ti krineis ton adelphon sou E kai su ti
 YOU YET ANY ARE-JUDGING THE brother OF-YOU OR AND YOU ANY
 why? also why?

ΕΣΟΥΘΕΝΕΙΣ ΤΟΝ ΑΔΕΛΦΟΝ ΣΟΥ ΠΑΝΤΕΣ ΓΑΡ
 exoutheneis ton adelphon sou pantes gar
 ARE-scorning THE brother OF-YOU ALL for

ΠΑΡΑΣΤΗΣΟΜΕΘΑ ΤΩ ΒΗΜΑΤΙ ΤΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ
 parastEsometha to bEmati tou christou
 WE-SHALL-BE-being-BESIDE-STOOD to-THE platform OF-THE ANOINTED
 we-shall-be-being-presented to-THE dais OF-THE Christ

14:11 ΓΕΓΡΑΠΤΑΙ ΓΑΡ ΖΩ ΕΓΩ ΛΕΓΕΙ ΚΥΡΙΟΣ Ο
 gegraptai gar zo egO legei kurios hc
 it-HAS-been-WRITTEN for AM-LIVING I IS-sayING Master th
 Lord

لأنه مكتوب

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (أَوْ يَعْتَرُّ أَوْ يَضْعَفُ. ἡ σκανδαλίζεται ἡ ἀσθενεῖ.) السينائية: العبارة غير موجودة	٢١ حَسَنٌ أَنْ لَا تَأْكُلَ لَحْمًا وَلَا تَشْرَبَ خَمْرًا وَلَا شَيْئًا يَصْطُدُّ بِهِ أَخُوكَ أَوْ يَعْتَرُّ أَوْ يَضْعَفُ.	21 it is good not to eat flesh, neither to drink wine, nor anything by which thy brother stumbles	M-01A Romans 14:21 Καλον το μη φαγειν κρεα μηδε πιειν οινον μηδε εν ω ο αδελφος σου λυπειται	رو21-14	16
	أضاف النساخ عبارة (أَوْ يَعْتَرُّ أَوْ يَضْعَفُ) من أجل مزيد من التوضيح للمعني الذي أراده بولس وهو عدم إيذاء الشخص لأخيه (تحسين النص)				التعليق	

ΣΚΟΜΜΑΤΟΣΕΘΙ
 ΟΝΤΙΚΑΛΟΝΤΟΜΗ
 ΦΑΓΕΙΝΚΡΕΑΜΗΔΕ
 ΠΙΕΙΝΟΙΝΟΝΜΗ
 ΔΕΕΝΩΟΑΔΕΛΦΟ
 ΣΟΥΛΥΠΕΙΤΑΙ
 ΣΥΠΙΣΤΙΝΗΝΕΧΕΙ

Rom 14:21

ΛΥΠΕΙΤΑΙ
 يصطدم

Rom 14:22

14:21 ΚΑΛΟΝ ΤΟ ΜΗ ΦΑΓΕΙΝ ΚΡΕΑ ΜΗΔΕ ΠΙΕΙΝ ΟΙΝΟΝ ΜΗΔΕ
 kalon to mE phagein krea mEdE piein oinon mEdE
 IDEAL THE NO TO-BE-EATING MEATS NO-YET TO-BE-DRINKING WINE NO-YET
 meat(s) nor yet

ΕΝ Ω Ο ΑΔΕΛΦΟΣ ΣΟΥ ΠΡΟΣΚΟΠΤΕΙ Η ΣΚΑΝΔΑΛΙΖΕΤΑΙ Η
 en hO ho adelphos sou proskoptei hE skandalizetai hE
 IN WHICH THE brother OF-YOU IS-TOWARD-STRIKING OR IS-beING-SNARED OR
 is-stumbling

ΑΥ
 ΑΣΘΕΝΕΙ
 asthenei
 IS-beING-UN-FIRM
 is-being weakened

ΑΥ
 ΑΣΘΕΝΕΙ
 asthenei
 IS-beING-UN-FIRM
 is-being weakened

14:22 ΣΥ ΠΙΣΤΙΝ ΕΧΕΙΣ ΚΑΤΑ ΣΑΥΤΟΝ ΕΧΕ ΕΝΩΠΙΟΝ
 su pistin echeis kata sauton eche enOpion
 YOU BELIEF YOU-ARE-HAVING according-to YOURself BE-YOU-HAVING IN-VIEW
 faith are-having

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

Romans 14:21

WH NU

ὁ ἀδελφός σου προσκόπτει
 "your brother stumbles"

قراءة الحذف تمت بواسطة
 الناسخ الأصلي

Ⲭ* λυπεται (is hurt) instead of προσκοπτει) A C 048 1739 syr^p cop^{bo}
 NKJvmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NAB NLT HCSB NET

variant/TR

ο αδελφος σου προσκοπτει η σκανδαλιζεται η
 ασθενει

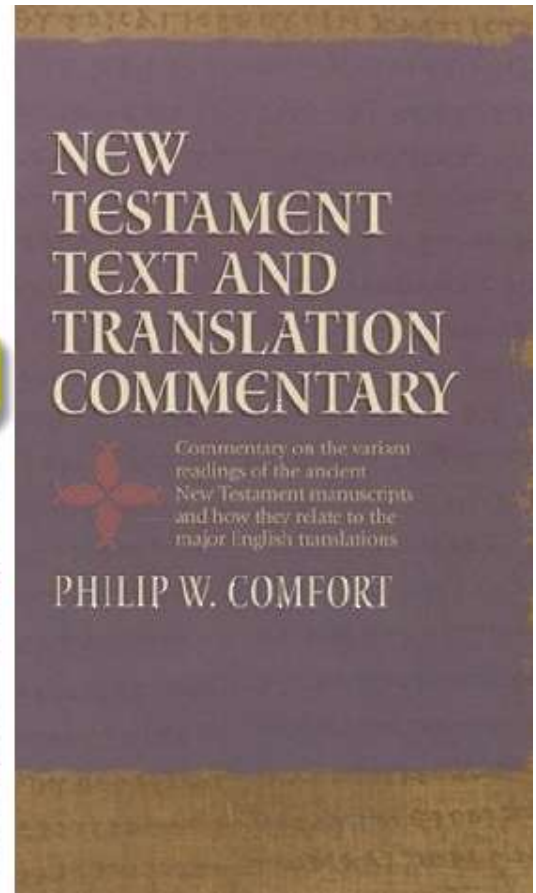
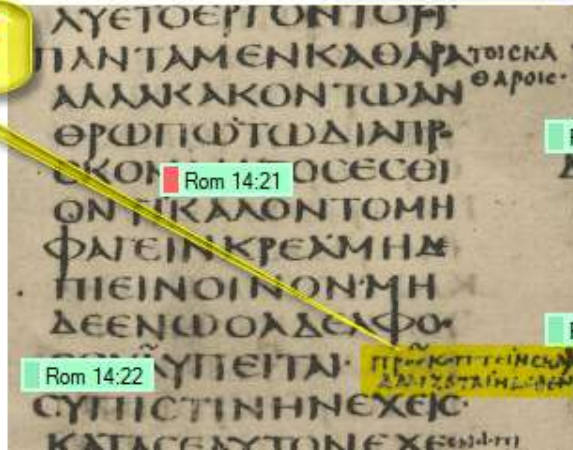
"your brother stumbles or is offended or is made weak"

ⲡ^{46vid} Ⲭ² B D F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z 33 Mai syr^h cop^{sa}

قراءة الإضافة تمت بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا

KJV NKJV ESVmg NJB HCSBmg NETmg

المقطع مكتوب في الهامش
 بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب لفظة: (قبلنا) προσελάβετο ἡμᾶς (السينائية: تكتب بدلا منها: (قبلكم) προσελαβετο (υμας)	٧إذلك أقبلوا بعضكم بعضا لمجد الله كما قبلكم المسيح	7 Wherefore, receive one another, as Christ also received you, to the glory of God.	M-01A Romans 15:7 Διο προσλαμβανεσθαι αλληλους καθως και ο ΧΣ̄ προσελαβετο υμας εις δοξαν του ΘῩ	رو7-15	17
قام النساخ بتغيير النص من (قبلكم) إلى (قبلنا) لجعل بولس قد قبله المسيح (تحسين صورة بولس)					التعليق	

Rom 15:7

ΔΙΟ ΠΡΟΣΛΑΜΒΑΝΕ
CΘΑΙ ΑΛΛΗΛΟΥCΚΑ
ΘΩCΚΑΙ ΟΧΟ̄ ΠΡΟC
ΕΛΑΒΕΤΟ ΥΜΑC ΕΙC
ΔΟΞΑΝ ΤΟΥ ΘΟΥ

Rom 15:8

ΛΕΓΩ ΔΕ ΙΗΣΟΥΝ ΧΡΙCΤΟΝ ΔΙΑΚΟΝΟΝ ΓΕΓΕΝΗCΘΑΙ

15:7 ΔΙΟ ΠΡΟΣΛΑΜΒΑΝΕCΘΕ ΑΛΛΗΛΟΥC ΚΑΘΩC ΚΑΙ Ο
dio proslambanesthe allElois kathOs kai ho
THRU-WHICH BE-YE-TOWARD-GETTING one-another according-AS AND THE
wherefore be-ye-taking-to-yourselves! also

ΧΡΙCΤΟC ΠΡΟCΕΛΑΒΕΤΟ ΗΜΑC ΕΙC ΔΟΞΑΝ ΘΕΟΥ
christos proselabeto hEmas eis doxan theou
ANointed TOWARD-GOT US INTO esteem OF-God
Christ took-to-himself glory

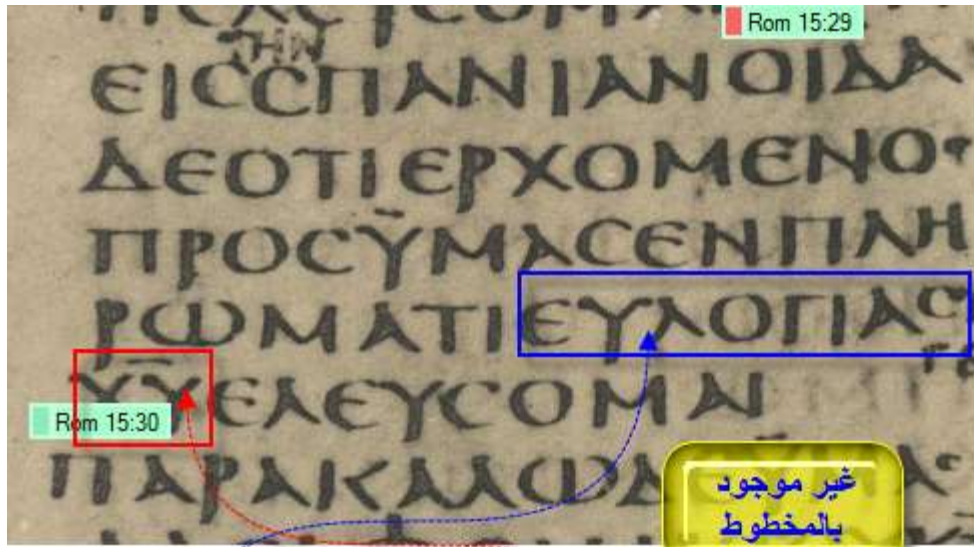
15:8 ΛΕΓΩ ΔΕ ΙΗΣΟΥΝ ΧΡΙCΤΟΝ ΔΙΑΚΟΝΟΝ ΓΕΓΕΝΗCΘΑΙ
legO de iEoun christon diakonon gegenEsthai
I-AM-saying YET JESUS ANointed THRU-SERVitor TO-HAVE-BECOME
Christ servant

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت عبارة: (أتي إليكم) <i>ἐλεύσομαι πρὸς ὑμᾶς</i> السينائية: العبارة غير موجودة	24 فَعِنْدَمَا أَذْهَبُ إِلَى اسبَانِيَا أَتِي إِلَيْكُمْ. لِأَنِّي أَرْجُو أَنْ أَرَاكُمْ فِي مُرُورِي وَتَشَيِّعُونِي إِلَى هُنَاكَ، إِنَّ تَمَلَّأْتُ أَوْلَا مِنْكُمْ جُزْئِيًّا.	فأنا أرجو أن أراكم عند مروري بكم في طريقي إلى إسبانية وأستعين بكم على السفر إليها، بعد أن أنعم ولو قليلا بلقائكم	24 whenever I take my journey into Spain; for I hope, in passing through, to see you, and by you to be sent forward thither, if first I may be in some measure filled with you.	M-01A Romans 15:24 ὡς ἂν πορευομαι εἰς τὴν Σπανίαν ἐλπίζω γὰρ διαπορευομενος θεασασθαι ὑμας καὶ ὑφ' ὑμῶν προπεμφθῆναι ἐκεῖ εἰαν ὑμῶν πρῶτον ἀπομερουσ ἐμπλησθῶ	رو15-24	18
أضاف النساخ عبارة (أتي إليكم) من أجل إظهار تواضع بولس ومحبته العالية, حيث أن النص بدون هذه العبارة يمكن أن يفهم منه ان بولس يطلب من المسيحيين انتظاره على جانبي الطريق ليقوموا بالترحيب به وتشجيعه, وهي الصورة التي تشبه صورة استقبال الرعية للملك, فكان لابد من إضافة العبارة لإظهار رغبة بولس في الذهاب بنفسه إليهم, مما يعكس تواضعه. (تحسين صورة بولس)					التعليق	

المظلل بالأصفر غير موجود بالمخطوط

15:24	ὨΣ ἘΑΝ ΠΟΡΕΥΘΑΙ ΕἰΣ ΤΗΝ ΣΠΑΝΙΑΝ	ἘΛΕΥΣΟΜΑΙ ΠΡΟΣ
	hOs ean poreuOmai eis tEn spanian	eleusomai pros
	AS IF-EVER I-MAY-BE-GOING INTO THE SPAIN	I-SHALL-BE-COMING TOWARD
	ΥΜΑΣ	ΕΛΠΙΖΩ
	humas	elpizO
	YOU(P)	I-AM-EXPECTING
	ΓΑΡ ΔΙΑΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΣ	ΘΕΑΣΑΣΘΑΙ ΥΜΑΣ ΚΑΙ
	gar diaporeuomenos	theasasthai humas kai
	for THRU-GOING	TO-gaze YOU(P) AND
	going-through	to-gaze-upon ye

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
19	رو 15-29	^{M-01A} Romans 15:29 Οἶδα δε οτι ερχομενος προς υμας εν πληρωματι ευλογιας ΧΥ ελευσομαι	29 but I know that in coming to you I shall come in the fullness of the blessing of the gospel of Christ Christ.	وأعلم أني إذا جئت إليكم أجيء بملء بركة المسيح	٢٩ وَأَنَا أَعْلَمُ أَنِّي إِذَا جِئْتُ إِلَيْكُمْ، سَأَجِيءُ فِي مِلْءِ بَرَكَاتِ إِنْجِيلِ الْمَسِيحِ	<u>النسخة العربية:</u> أضافت لفظة: (إنجيل τοῦ εὐαγγελίου) <u>السينائية:</u> اللفظة غير موجودة
		أضاف النساخ لفظة (إنجيل) من أجل جعل زيارة بولس أكثر فائدة , فإنه لن يأتي فقط ببركة المسيح بل سيأتي معها بكامل البشارة (ملء بركة الإنجيل) مما يعني إمامه بكل شئ وأهمية زيارته (تمسين صورة بولس)				التعليق



15:29	ΟΙΔΑ	ΔΕ	ΟΤΙ	ΕΡΧΟΜΕΝΟΣ	ΠΡΟΣ	ΥΜΑΣ	ΕΝ	ΠΛΗΡΩΜΑΤΙ
	oida	de	hoti	erchomenos	pros	humas	en	plErOmati
	I-HAVE-PERCEIVED	YET	that	COMING	TOWARD	YOU(P)	IN	FILLing
	I am aware			in-coming				
	بركة	ال	إنجيل	ال	المسيح			
	ΕΥΛΟΓΙΑΣ	ΤΟΥ	ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ	ΤΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΕΛΕΥΣΟΜΑΙ		
	eulogias	tou	euaggeliou	tou	christou	eleusomai		
	OF-blessedness	OF-THE	WELL-MESSAGE	OF-THE	ANOINTED	I-SHALL-BE-COMING		
	of-blessing				Christ			

Romans 15:29

WH NU

πληρώματι εὐλογίας Χριστοῦ
 "the fullness of Christ's blessing"

ⲑ⁴⁶ Ⲭ* Ⲁ Ⲃ Ⲅ 1 1739 cop
 NKJVTmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

قراءة الحذف تمت
 بواسطة الناسخ
 الأصلي

variant 1

πληροφορία εὐλογίας Χριστοῦ
 "the full assurance of Christ's blessing"

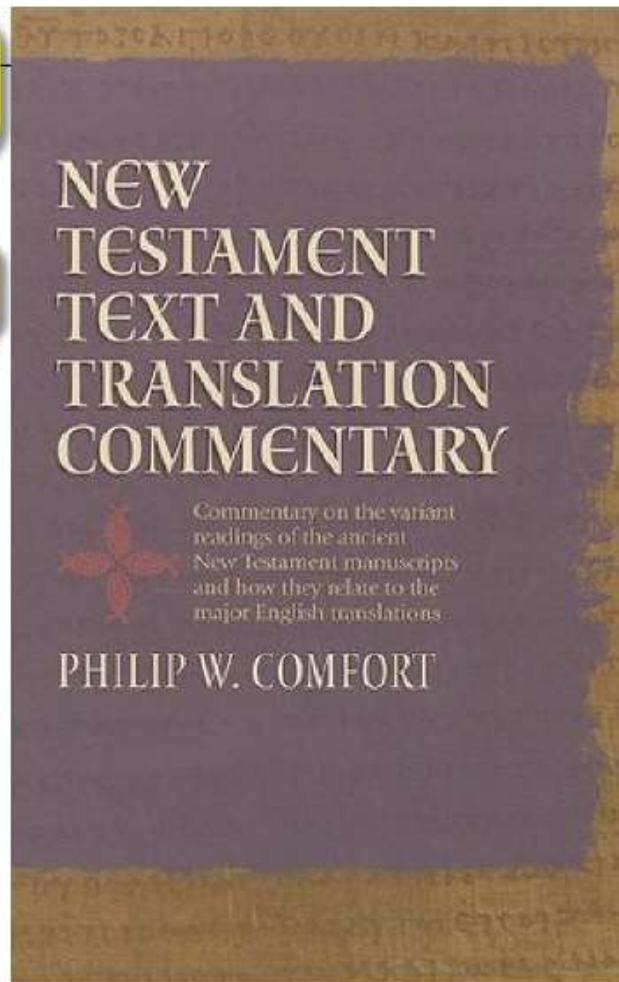
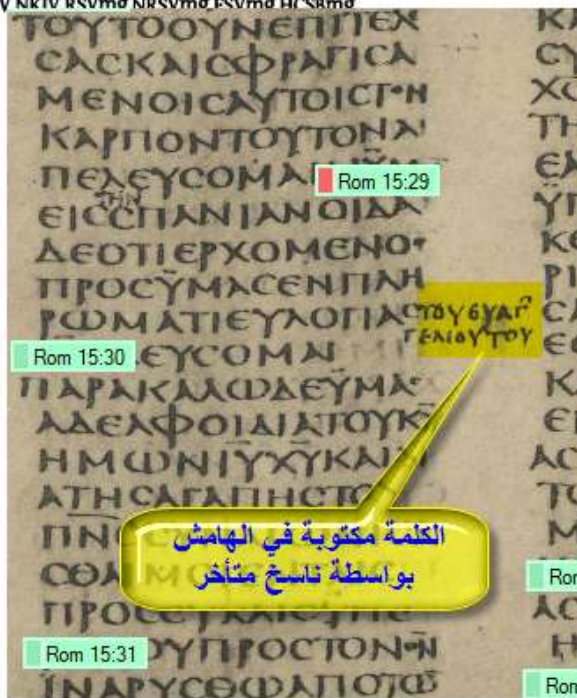
(D*) F G
 none

قراءة الإضافة تمت
 بواسطة ناسخ متأخر

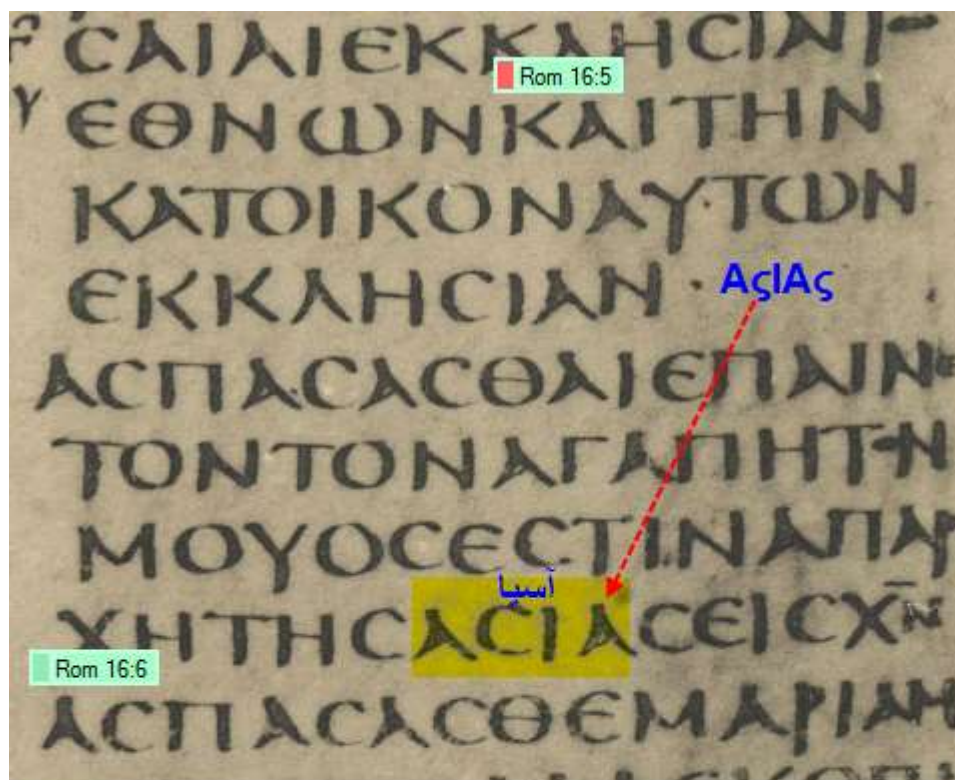
variant 2/TR

πληρωματι εὐλογίας του ευαγγελιου του Χριστου
 "the fullness of the blessing of the gospel of Christ"

Ⲭ² ⲱ Ⲱ 33 Maj syr
 KJV NKIV RSVmo NRSVmo ESVmo HCSBmo



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (أخائية <i>Achaïas</i>) السينائية: تكتب بدلا منها: (آسيا <i>Asia</i>)	هوَ عَلَى الْكَنِيسَةِ الَّتِي فِي بَيْتِهِمَا. سَلِّمُوا عَلَى أَبِيئْتُسَ حَبِيبِي، الَّذِي هُوَ بِأَكُورَةَ أَخَائِيَّةَ لِلْمَسِيحِ	وسلموا أيضا على الكنيسة التي تجتمع في بيتهما. سلموا على الحبيب أبينيتوس، أول من اهتدى في آسية إلى المسيح	5 salute also the church that is in their house. Salute Epenetus, my beloved, who is the firstfruits of Asia to Christ.	M-01A Romans 16:5 καὶ τὴν κατ' οἶκον αὐτῶν ἐκκλησίαν Ἀσπασασθαί. Ἐπαινετὸν τὸν ἀγαπητὸν μου ὅς ἐστιν ἀρχὴ τῆς Ἀσίας εἰς Χριστόν	رو 5-16	20
قام النساخ بتغيير النص من (آسيا) إلى (أخائية) لأنهم استغربوا من فكرة أن يكون أبينيتوس هو أول شخص يهتدي للمسيحية في آسيا! فالداخلين للمسيحية من آسيا قبل أبينيتوس كثيرون بل وقبل بولس نفسه, لذلك تم تغيير النص إلى مدينة في أوربا في اليونان وهي (أخائية) (جعل الأمور أكثر منطقية) (علام التناقضات)					التعليق	



16:5 ΚΑΙ ΤΗΝ ΚΑΤ ΟΙΚΟΝ ΑΥΤΩΝ ΕΚΚΛΗΣΙΑΝ ΑΣΠΑΣΑΣΘΕ
 kai tEn kat oikon autOn ekklesian aspasasthe
 AND THE according-to HOME OF-them OUT-CALLED greet-YE
 house ecclesia greet-ye!

ΕΠΑΙΝΕΤΟΝ ΤΟΝ ΑΓΑΠΗΤΟΝ ΜΟΥ ΟΣ ΕΣΤΙΝ ΑΡΧΗ ΤΗΣ
 epaineton ton agapeton mou hos estin archE tes
 Epanetus (ON-PRAISE) THE beLOVED OF-ME WHO IS first-fruit OF-THE
 Epanetus firstfruit

ΑΧΑΙΑΣ ΕΙΣ ΧΡΙΣΤΟΝ
 achaias eis christon
 ACHAIΑ INTO ANOINTED
 Christ

ليست بالمخطوط



م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
21	رو16-24	[محذوف]	[محذوف]	[محذوف]	٢٤ نِعْمَةٌ رَبَّنَا يَسُوعُ الْمَسِيحِ مَعَ جَمِيعِكُمْ. آمِينَ.	النسخة العربية: تضيف النص: (نِعْمَةٌ رَبَّنَا يَسُوعُ الْمَسِيحِ مَعَ جَمِيعِكُمْ. آمِينَ. Ἡ χάρις τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ μετὰ πάντων ὑμῶν. ἀμήν.) السينائية: النص بالكامل غير موجود
<p>أضاف النساخ النص من أجل:</p> <ul style="list-style-type: none"> - وصف يسوع بصفة ألوهية(ربنا يسوع) - إثبات أن النعمة هي بيد يسوع مما يدعم ألوهيته - إعطاء النعمة لأتباع بولس مما يصب في صالحه - إيجاد نص ختامي للرسالة <p>(دعم ألوهية يسوع) (عجز الكتاب عن حماية نفسه من الإضافات) (تحسين صورة بولس) (تحسين النص)</p>						التعليق

Rom 16:23

ΑΣΠΑΖΕΤΑΙ ΥΜΑΣ ΓΑΙΟΣ Ο ΞΕΝΟΣ ΜΟΥ ΚΑΙ ΤΗΣ ΕΚΚΛΗΣΙΑΣ

ΑΣΠΑΖΕΤΕ ΥΜΑΣ ΕΡΑΣΤΟΣ Ο ΟΙΚΟΝΟΜΟΣ ΤΗΣ ΠΟΛΕΩΣ ΚΑΙ

ΚΟΥΑΡΤΟΣ Ο ΑΔΕΛΦΟΣ

ΤΩ ΔΕ ΔΥΝΑΜΕΝΩ

ΥΜΑΣ ΘΗΡΙΣΑΙ ΚΑΤΑ ΤΟ

16:23

ΑΣΠΑΖΕΤΑΙ ΥΜΑΣ ΓΑΙΟΣ Ο ΞΕΝΟΣ ΜΟΥ ΚΑΙ ΤΗΣ ΕΚΚΛΗΣΙΑΣ
aspazetai humas gaios ho xenos mou kai tEs ekklesias
IS-greetING YOU(P) GAIUS THE LODGer OF-ME AND OF-THE OUT-CALLED ecclesia
ye host

16:23

ΟΛΗΣ ΑΣΠΑΖΕΤΑΙ ΥΜΑΣ ΕΡΑΣΤΟΣ Ο ΟΙΚΟΝΟΜΟΣ ΤΗΣ ΠΟΛΕΩΣ
holEs aspazetai humas erastos ho oikonomos tEs poleOs
WHOLE IS-greetING YOU(P) ERASTUS THE HOME-LAWer OF-THE city
ye administrator

16:23

ΚΑΙ ΚΟΥΑΡΤΟΣ Ο ΑΔΕΛΦΟΣ
kai kouartos ho adelphos
AND QUARTUS THE brother

المظلل بالأصفر
ليس بالمخطوط

16:24

Η ΧΑΡΙΣ ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ ΗΜΩΝ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΜΕΤΑ
hE charis tou kuriou hEmOn iEsou christou meta
THE grace OF-THE Master OF-US JESUS ANOINTED WITH
Lord Christ

16:24

ΠΑΝΤΩΝ ΥΜΩΝ ΑΜΗΝ
pantOn humOn amEn
ALL OF-YOU(P) AMEN

نِعْمَةٌ رَبَّنَا يَسُوعَ الْمَسِيحِ مَعَ جَمِيعِكُمْ
أَمِينَ.

16:25

ΤΩ ΔΕ ΔΥΝΑΜΕΝΩ ΥΜΑΣ ΘΗΡΙΣΑΙ ΚΑΤΑ ΤΟ
to de dunamenO humas stErixai kata to
to-THE YET One-beING-ABLE YOU(P) TO-STAND-fast according-to THE
one-being-able ye to-establish in-accord-with

وللقادر
وَالْقَادِرُ

رس

ال

ة

كورنثوس الأولى

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب لفظة: (شهادة μαρτύριον)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (سر μυστηριον)</p>	<p>وَأَنَا لَمَّا أَتَيْتُ إِلَيْكُمْ أَيُّهَا الإخوة، أَتَيْتُ لَيْسَ بِسُمُو الكَلَامِ أَوْ الْحِكْمَةِ مُنَادِيًا لَكُمْ بِشَهَادَةِ اللَّهِ،</p>	<p>وأنا، عندما جئتم أيها الإخوة، ما جئت ببليغ الكلام أو الحكمة لأبشركم بسر الله</p>	<p>2:1 And I, brethren, on coming to you, came not according to excellence of speech or of wisdom, announcing to you the mystery of God</p>	<p>^{M-01A} 1 Corinthians 2:1 Καγω ελθων προς υμας αδελφοι ηλθον ου καθ υπεροχην λογου η σοφιας καταγγελω υμιν το μυστηριον του ΘΥ</p>	كور (1) 2-1	1
<p>قام النساخ بتغيير النص من (شهادة) إلى (سر) لجعل النص أقرب لأسلوب بولس الذي كثيرا ما يستعمل هذا التعبير (سر)</p>					التعليق	

1Co 2:1

MYSTHPION
سر

1Co 2:2

2:1

ΚΑΓΩ ΕΛΘΩΝ ΠΡΟΣ ΥΜΑΣ ΑΔΕΛΦΟΙ ΗΛΘΟΝ ΟΥ ΚΑΘ
kagO elthOn pros humas adelphoi Ethnon ou kath
AND-I COMING TOWARD YOU(P) brothers CAME NOT according-to
brethren!

ΥΠΕΡΟΧΗΝ ΛΟΓΟΥ Η ΣΟΦΙΑΣ ΚΑΤΑΓΓΕΛΛΩΝ ΥΜΙΝ ΤΟ
huperochEn logou E sophias kataggellOn humin to
superiority OF-saying OR OF-WISDOM DOWN-MESSAGING to-YOU(P) THE
announcing to-ye

شهادة
ΜΑΡΤΥΡΙΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ
marturion tou theou
witness OF-THE God
testimony

ليست بالمخطوط
مناديا لكم

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
2	كور(1) 2-4	M-01A 1 Corinthians 2:4 Και ο λογος μου και το κηρυγμα μου ουκ εν πιθοις σοφιας λογος αλλ εν αποδειξει ΠΙΝΣ και δυναμεως	1 Corinthians 2 1 And I, brethren, on coming to you, came not according to excellence of speech or of wisdom, announcing to you the testimony of God.	وكان كلامي وتبشيري لا يعتمدان على أساليب الحكمة في الإقناع، بل على ما يظهره روح الله وقوته	ءَوَكَلَامِي وَكِرَارَتِي لَمْ يَكُونَا بِكَلَامِ الْحِكْمَةِ الْإِنْسَانِيَّةِ الْمُفْنَعِ، بَلْ بَيَّرْهُانِ الرُّوحِ وَالْقُوَّةِ	النسخة العربية: تكتب لفظة: (الإنسانية ἀνθρωπίνης) السينائية: اللفظة غير موجودة
		<p>أضاف النساخ لفظة (الإنسانية) من أجل:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - تخفيف حدة المعنى لتحسين صورة بولس، حيث أن المعنى بدون هذه اللفظة هو أن بولس يتكلم بدون أي حكمة مطلقاً. - إزالة التعارض والتناقض الذي ربما ينشأ لدي البعض بين هذا النص وبين النص الذي بعده (2-6) الذي يقول: ٦ لَكِنَّا نَتَكَلَّمُ بِحِكْمَةٍ بَيْنَ الْكَامِلِينَ، فتم جعل النص رقم (4) ينفى نوع معين من الحكمة (الحكمة الإنسانية) وليس كل الحكمة <p>(علام التناقضات) (تحسين صورة بولس)</p>				التعليق

1Co 2:4

ΚΑΙ Ο ΛΟΓΟΣ ΜΟΥ ΚΑΙ ΤΟ ΚΗΡΥΓΜΑ ΜΟΥ ΟΥΚ ΕΝ ΠΕΙΘΟΙΣ ΦΙΛΟΣΟΦΙΑΣ ΑΛΛ' ΕΝ ΔΥΝΑΜΕΩΣ

2:4 kai ho logos mou kai to kerygma mou ouk en peithois philosophias alla en dunameos

AND THE saying OF-ME AND THE PROCLAMATION OF-ME NOT IN PERSUASIVES persuasive

ANΘΡΩΠΙΝΗΣ ΣΟΦΙΑΣ ΛΟΓΟΙΣ ΑΛΛ' ΕΝ ΑΠΟΔΕΙΞΕΙ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ

anthropinEs sophias logois alla en apodeixei pneumatos

OF-human WISDOM sayings but IN FROM-SHOW OF-spirit demonstration

ΚΑΙ ΔΥΝΑΜΕΩΣ

kai dunameos

AND OF-ABILITY of-power

المقتنع
peithois
PERSUASIVES
persuasive

الإنسانية
anthropinEs
OF-human

الحكمة
sophias
WISDOM

ليس بالخطوط

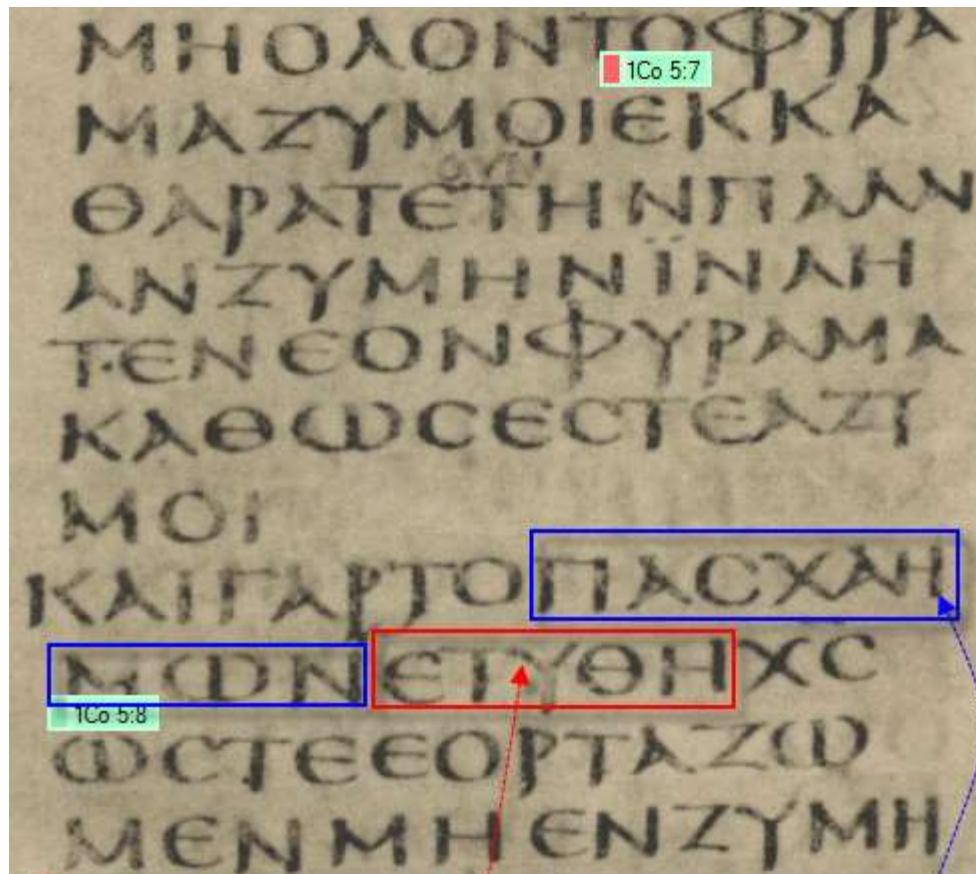
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: نكتب لفظة: (انشقاق) και διχοστασία (السينائية: اللفظة غير موجودة)	٣ لأنكم بعد جسديون. فإنه إذ فيكم حسدٌ وخصامٌ وانشقاقٌ، ألسنتم جسديين وتسلكون مثل بقية البشر؟	فأنتم جسديون بعد، فإذا كان فيكم حسد وخصام، ألا تكونون جسديين وتسلكون مثل بقية البشر؟	3 for you are yet carnal. For whereas there is among you envy and strife, are you not carnal, and do you not walk according to man?	M-01A 1 Corinthians 3:3 ετι γαρ σαρκικοι εστε οπου γαρ εν υμιν ζηλος και ερις ουχι σαρκικοι εστε και κατα ανθρωπον περιπατετε	كور (1) 3-3	3
أضاف النساخ لفظة (انشقاق) من أجل مزيد من التأكيد على المعنى الذي يريد بولس توصيله وهو (فساد الأحوال بين الكورنثيين) (تحسين النص)					التعليق	



3:3	ΕΤΙ	ΓΑΡ	ΣΑΡΚΙΚΟΙ	ΕΣΤΕ	ΟΠΟΥ	ΓΑΡ	ΕΝ	ΥΜΙΝ	ΖΗΛΟΣ	ΚΑΙ
	eti	gar	sarkikoi	este	hopou	gar	en	humin	zElos	kai
	STILL	for	FLESHic	YE-ARE	THE-?-where	for	IN	YOU(P)	BOILIng	AND
			fleshly		where*		among	ye	jealousy	
	ΕΡΙΣ	ΚΑΙ	ΔΙΧΟΣΤΑΣΙΑΙ	ΟΥΧΙ	ΣΑΡΚΙΚΟΙ	ΕΣΤΕ	ΚΑΙ	ΚΑΤΑ		
	eris	kai	dichostasiai	ouchi	sarkikoi	este	kai	kata		
	STRIFE	AND	TWO-STANDS	NOT(emph.)	FLESHic	YE-ARE	AND	according-to		
			dissensions	not(emph.)?	fleshly					
	ΑΝΘΡΩΠΟΝ	ΠΕΡΙΠΑΤΕΙΤΕ								
	anthrOpon	peripateite								
	human	YE-ARE-ABOUT-TREADING								
		are-walking								

ليست بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة ن السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
4	كور (1) 5-7	M-01A 1 Corinthians 5:7 Εκκαθαρατε την παλαιαν ζυμην ινα ητε νεον φουραμα καθως εστε αζυμοι Και γαρ το Πασχα ημων ετυθη ΧΣ	7 Cleanse out the old leaven, that you may be a fresh lump, as you are unleavened; for our passover also has been sacrificed - Christ.	فتطهروا من الخميرة القديمة لتصيروا عجينا جديدا لأنكم فطير لا خمير فيه، فحمل فصحنا ذبح، وهو المسيح	كُلُّهُ؟ إِذَا نَقَّوْا مِنْكُمْ الْخَمِيرَةَ الْعَتِيقَةَ، لِكَيْ تَكُونُوا عَجِينًا جَدِيدًا كَمَا أَنْتُمْ فَطِيرٌ. لِأَنَّ فَصْحَنَا أَيْضًا الْمَسِيحُ قَدْ ذُبِحَ لِأَجْلِنَا.	وجه الاختلاف <u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة: (<i>ὕπερ ἡμῶν</i> لأجلنا) <u>السينائية:</u> اللفظة غير موجودة
						قام النساخ بإضافة لفظة (لأجلنا) لجعل النص أكثر خدمة لعقيدة الفداء و الصلب التي تستلزم أن يموت المسيح لأجل البشر (دعم عقيدة الفداء والصلب)



5:7	ΕΚΚΑΘΑΡΑΤΕ	ΟΥΝ	ΤΗΝ	ΠΑΛΑΙΑΝ	ΖΥΜΗΝ	ΙΝΑ	ΗΤΕ	ΝΕΟΝ
	ekkatharate	oun	tEn	palaian	zumEn	hina	Ete	neon
	OUT-clear		THE	OLD	FERMENT	THAT	YE-MAY-BE	YOUNG
	clean-ou				leaven			fresh
	ΦΥΡΑΜΑ	ΚΑΘΩΣ	ΕΣΤΕ	ΑΖΥΜΟΙ	ΚΑΙ	ΓΑΡ	ΤΟ	ΠΑΣΧΑ
	phurama	kathOs	este	azumoi	kai	gar	to	pascha
	KNEADing	accordi	g-AS	YE-ARE	UN-FERMENTED	AND	for	THE
				unleavened	also			PASSOVER
								OF-US
	ΥΠΕΡ	ΗΜΩΝ	ΕΘΥΘΗ	ΧΡΙΣΤΟΣ				
	huper	hEmOn	ethuthE	christos				
	OVER	US	WAS-SACRIFICED	ANointed				
	for-the-sake-of			Christ				

المظلل بالأصفر
ليس بالمخطوط

فصحنا

لأجلنا

ذبح

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (وفي أرواحكم التي هي لله	هو اشتراكم ودفع الثمن. فمجدوا الله إذا في أجسادكم	for you were bought with a price: now, then, glorify God in your body.	M-01A 1 Corinthians 6:20 ηγορασθητε γαρ τιμης δοξασατε τον ΘΝ εν τω σωματι υμων	كور(1) 6-20	5
	السينائية: العبارة غير موجودة					
	اضاف النساخ عبارة (وفي أرواحكم التي هي لله) ليتماشى النص هنا مع الثنائيات في النصوص السابقة التي تتكلم عن (الجسد) و (الروح) فكان لابد من إضافة شيء يتكلم عن الروح في النص رقم 20 بعد ذكر الجسد				التعليق	

1Co 6:20

1Co 7:1

6:20 ΗΓΟΡΑΣΘΗΤΕ ΓΑΡ ΤΙΜΗΣ ΔΟΞΑΣΑΤΕ ΔΗ ΤΟΝ ΘΕΟΝ ΕΝ

Egorasthete gar timEs doxasate dE ton theon en
YE-ARE-BOUGHT for OF-VALUE esteemize-YE BIND THE God IN
of-price glorify-ye! by-all-means

7:1 ΠΕΡΙ ΔΕ ΩΝ ΕΓΡΑΨΑΤΕ ΜΟΙ ΚΑΛΟΝ ΑΝΘΡΩΠΩ ΓΥΝΑΙΚΟΣ

peri de hOn egrapsate moi kalon anthrOpO gunaikos
ABOUT YET WHICH YE-WRITE to-ME IDEAL to-human OF-WOMAN woman
concerning

في أجسادكم

وفي أرواحكم التي هي لله

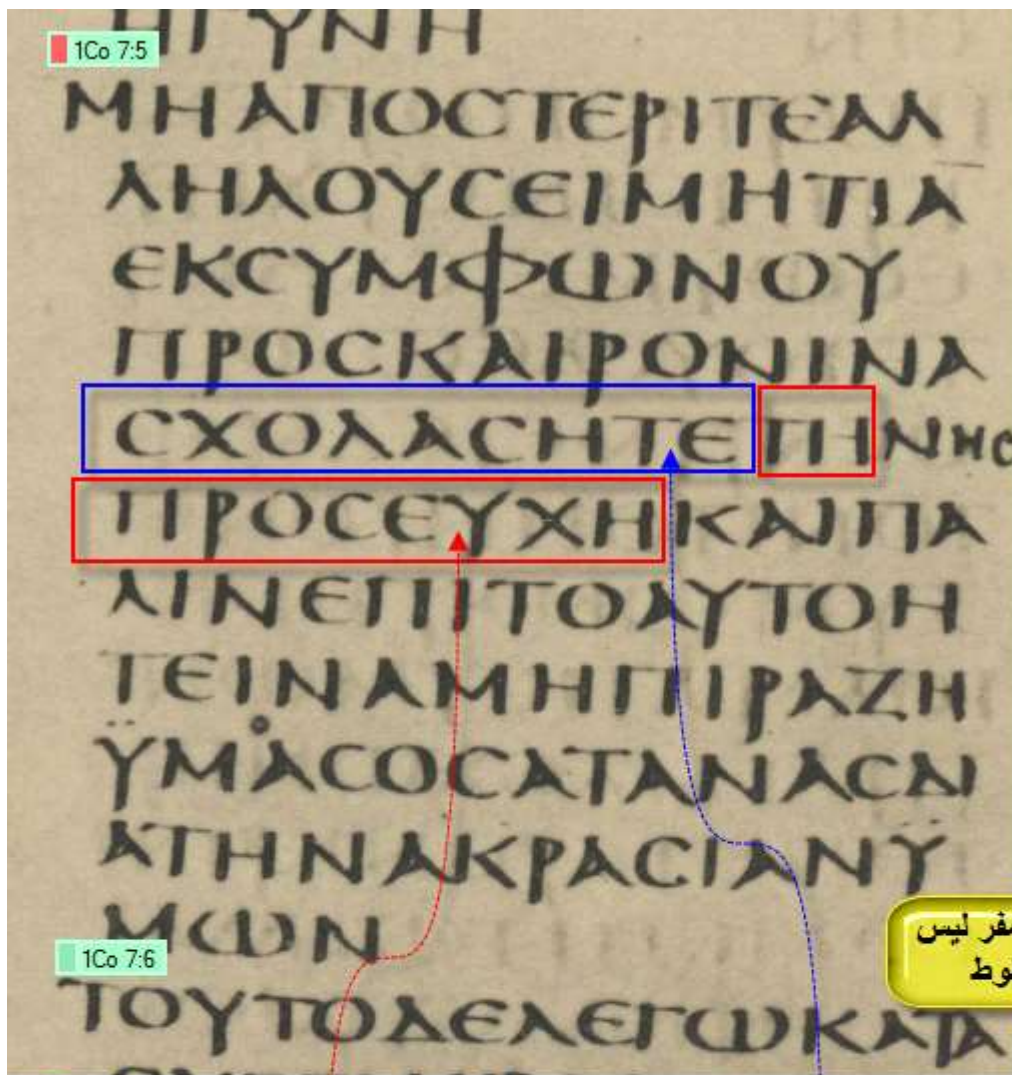
المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

من جهة

ΕΣΤΙΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ

estin tou theou
IS OF-THE God

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (للصوم و νηστεία τῆ) (καὶ) السينائية: اللفظة غير موجودة	هَلَا يَسْتَلْبُ أَحَدُكُمْ الْآخَرَ، إِلَّا أَنْ يَكُونَ عَلَى مُوَافَقَةٍ، إِلَى حِينٍ، لِكَيْ تَتَفَرَّغُوا لِلصَّوْمِ وَالصَّلَاةِ، ثُمَّ تَجْتَمِعُوا أَيْضًا مَعًا لِكَيْ لَا يُجَرِّبَكُمْ الشَّيْطَانُ لِسَبَبِ عَدَمِ تَرَاهُنْكُمْ.	لا يمتنع أحدكما عن الآخر إلا على اتفاق بينكما وإلى حين، حتى تتفرغا للصلاة. ثم عودا إلى الحياة الزوجية العادية لئلا يعوزكم ضبط النفس، فتقعوا في تجربة إبليس.	5 Debar not one another, unless perhaps by consent for a time, that you may give yourselves to prayer; and be together again, lest Satan tempt you on account of your incontinency.	M-01A 1 Corinthians 7:5 Μη αποστεριτε αλληλους ει μητι ᾱ εκ συμφωνου προς καιρον ινα σχολασητε τη προσευχη και παλιν επι το αυτο ητε ινα μη πιραζη υμας ο Σατανας δια την ακρασιαν υμων	كور (1) 7-5	6
أضاف النساخ لفظة (للصوم و) من أجل إيجاد عبادات في العهد الجديد الذي يعاني من شح شديد للغاية في باب العبادات وخصوصا النصوص المحفزة على الصيام، وهو الأمر الذي ترتب عليه فراغ روحي (سد الفراغ الروحي، زراعة العبادات في الكتاب)					التعليق	



1Co 7:5

1Co 7:6

المظلّل بالأصفر ليس
بالمخطوط

7:5	ΜΗ	ΑΠΟΣΤΕΡΕΙΤΕ	ΑΛΛΗΛΟΥΣ	ΕΙ	ΜΗ	ΤΙ	ΑΝ	ΕΚ
	mE	apostereite	allElous	ei	mE	ti	an	ek
	NO	BE-YE-deprIVING	one-another	IF	NO	ANY	EVER	OUT
		be-ye-depriving!				some time		
	ΣΥΜΦΩΝΟΥ	ΠΡΟΣ	ΚΑΙΡΟΝ	ΙΝΑ	ΣΧΟΛΑΣΤΕ	ΤΗ	ΝΗΣΤΕΙΑ	
	sumphOnou	pros	kairon	hina	scholazEte	tE	nEsteia	
	OF-TOGETHER-SOUND	TOWARD	SEASON	THAT	YE-MAY-BE-LEISURING	to-THE	fast	
	of-agreement		period		ye-may-be-having-leisure			
	ΚΑΙ	ΤΗ	ΠΡΟΣΕΥΧΗ	ΚΑΙ	ΠΑΛΙΝ	ΕΠΙ	ΤΟ	ΑΥΤΟ
	kai	tE	proseuchE	kai	palin	epi	to	auto
	AND	to-THE	prayer	AND	AGAIN	ON	THE	SAME
								sunerchEsthe
								YE-MAY-BE-TOGETHER-COMING
								ye-may-be-coming-together
	ΙΝΑ	ΜΗ	ΠΕΙΡΑΖΗ	ΥΜΑΣ	Ο	ΣΑΤΑΝΑΣ	ΔΙΑ	ΤΗΝ
	hina	mE	peirazE	humas	ho	satanas	dia	tEn
	THAT	NO	MAY-BE-tryING	YOU(P)	THE	SATAN (Heb. adversary)	THRU	THE
				ye		Satan	because-of	UN-HOLD
								incontinence

1 Corinthians 7:5

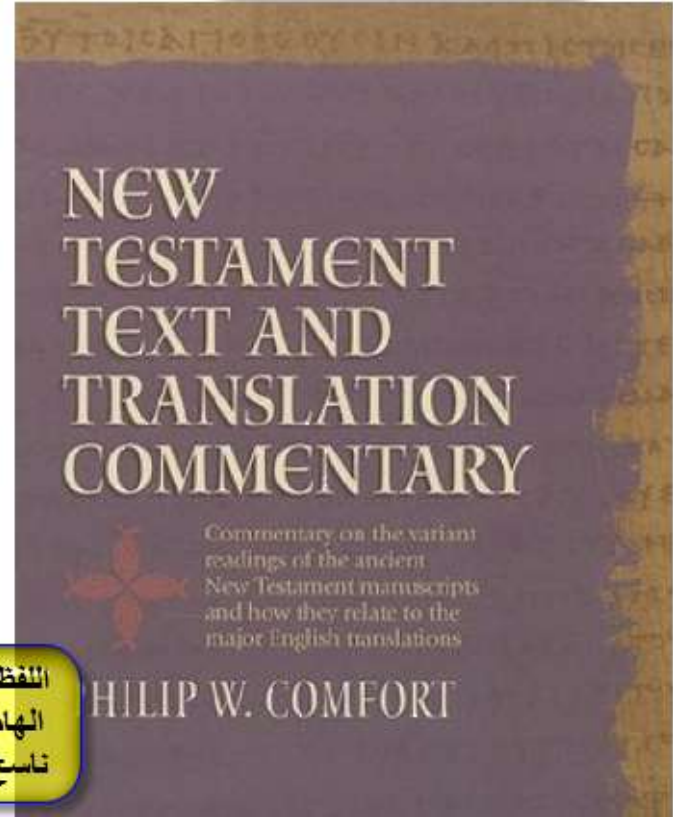
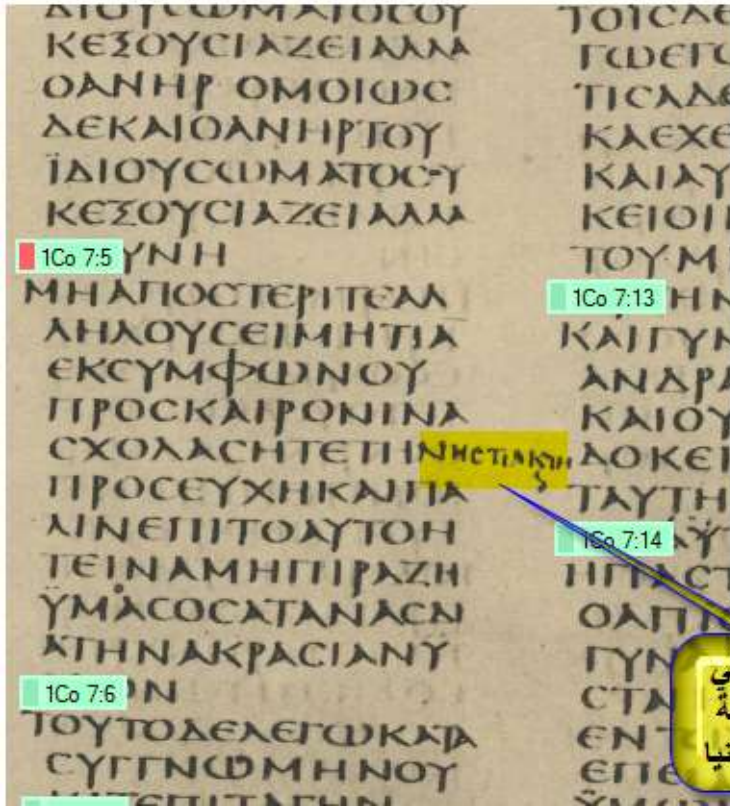
WH NU σχολάσητε τῇ προσευχῇ
 "you may devote yourselves to prayer"
 ρ^{11vid} ρ⁴⁶ ⓧ* ABCDFGΨ 1739 cop
 RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

قراءة الحذف تمت بواسطة
 الناسخ الأصلي

variant/TR σχολασητε τη νηστεια και τη προσευχη
 "you may devote yourselves to fasting and to prayer"

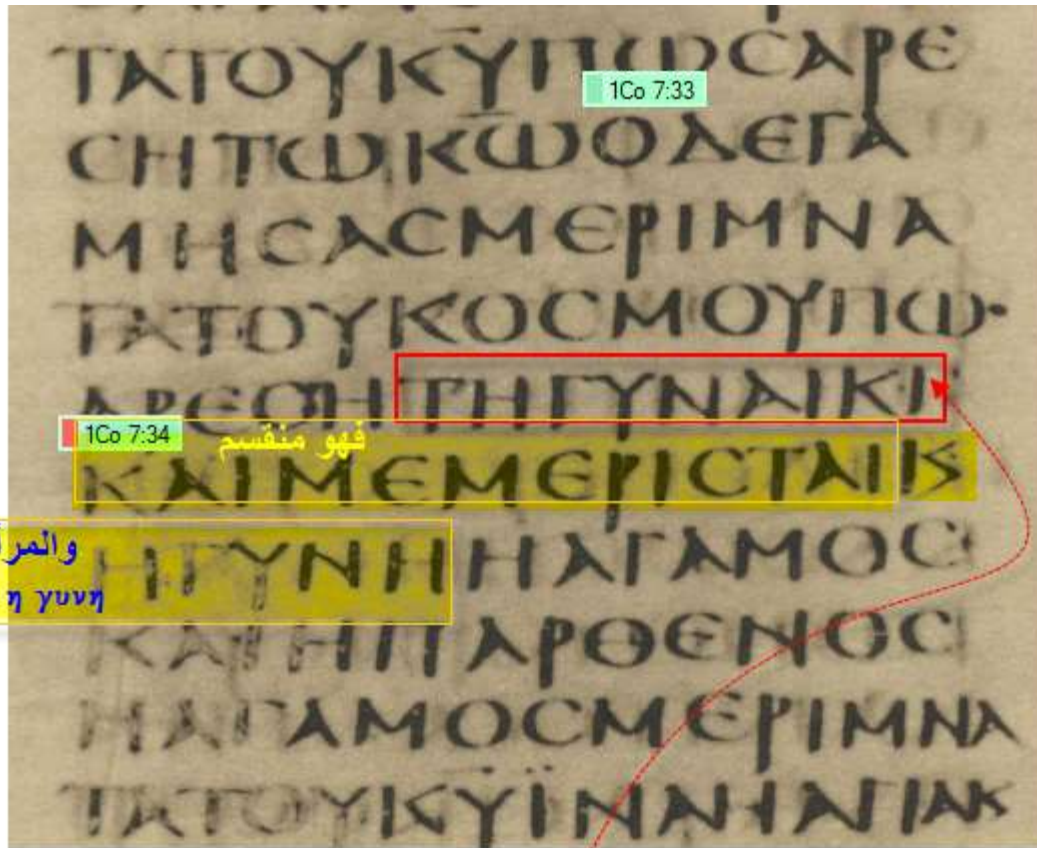
قراءة الإضافة تمت بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا

ⓧ² Mai, syr
 KJV NKJV HCSBmg NETmg



اللفظة مكتوبة في
 الهامش بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (إِنَّ بَيْنَ الزَّوْجَةِ وَالْعَدْرَاءِ فَرْقًا μεμερίσται ἡ γυνή καὶ ἡ παρθένος)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (فهو منقسم Καὶ Μεμερίσται)</p>	<p>33 وَأَمَّا الْمُتَزَوِّجُ فَيَهْتَمُّ فِي مَا لِلْعَالَمِ كَيْفَ يُرْضِي أَمْرَاتَهُ. ٣٤ إِنَّ بَيْنَ الزَّوْجَةِ وَالْعَدْرَاءِ فَرْقًا: غَيْرُ الْمُتَزَوِّجَةِ تَهْتَمُّ فِي مَا لِلرَّبِّ لِتَكُونَ مُقَدَّسَةً جَسَدًا وَرُوحًا. وَأَمَّا الْمُتَزَوِّجَةُ فَتَهْتَمُّ فِي مَا لِلْعَالَمِ كَيْفَ تُرْضِي رَجُلَهَا.</p>	<p>33 والمتزوج يهتم بأمور العالم وكيف يرضي امرأته، 34 فهو منقسم. وكذلك العذراء والمرأة التي لا زوج لها تهتمان بأمر الرب وكيف تتالان القداسة جسدا وروحا، وأما المتزوجة فتهتم بأمور العالم وكيف ترضي زوجها</p>	<p>33 but the married man cares for the things of the world, how he shall please his wife. 34 and he is divided. And the unmarried woman or unmarried virgin is concerned about the things of the Lord.", that she may be holy in both body and spirit; but the married woman cares for the things of the world, how she shall please her husband.</p>	<p>M-01A 1 Corinthians 7:33 ο δε γαμησας μεριμνα τα του κοσμου πως αρεση τη γυναικι M-01A 1 Corinthians 7:34 καὶ Μεμερίσται καὶ ἡ γυνὴ ἡ αγαμος καὶ ἡ παρθενος Ἡ αγαμος μεριμνα τα του ΚΥ ἡ αγια καὶ τω σωματι καὶ τω ΠΝΤ ἡ δε γαμησασα μεριμνα τα του κοσμου πως αρεση τω ανδρι</p>	كور (1) 7-33 34	7
<p>قام النساخ بكتابة عبارة (إِنَّ بَيْنَ الزَّوْجَةِ وَالْعَدْرَاءِ فَرْقًا) من أجل مزيد من التأكيد على فكرة بولس القائلة بأفضلية البتولية وعدم الزواج, ومن أجل دعم بدعة الرهبنة (دعم أفكار بولس) (دعم البتولية) (خلق أرضية لبدعة الرهبنة).</p>					التعليق	



1Co 7:33

1Co 7:34

فهو منقسم

والمرأة
και η γυνη

7:33	Ο	ΔΕ	ΓΑΜΗΣΑΣ	ΜΕΡΙΜΝΑ	ΤΑ	ΤΟΥ	ΚΟΣΜΟΥ	ΠΩΣ
	ho	de	gamEsas	merimna	ta	tou	kosmou	pOs
	THE	YET	one-MARRyIng	IS-beING-anxious	THE	OF-THE	SYSTEM	how
			one-marryIng	is-beIng-solicitous-about	the-things		world	how ?

ΑΡΕΣΕΙ	ΤΗ	ΓΥΝΑΙΚΙ
aresei	tE	gunaiki
he-SHALL-BE-PLEASING	to-THE	WOMAN

امراته

المظلل بالأصفر
ليس بالمخطوط

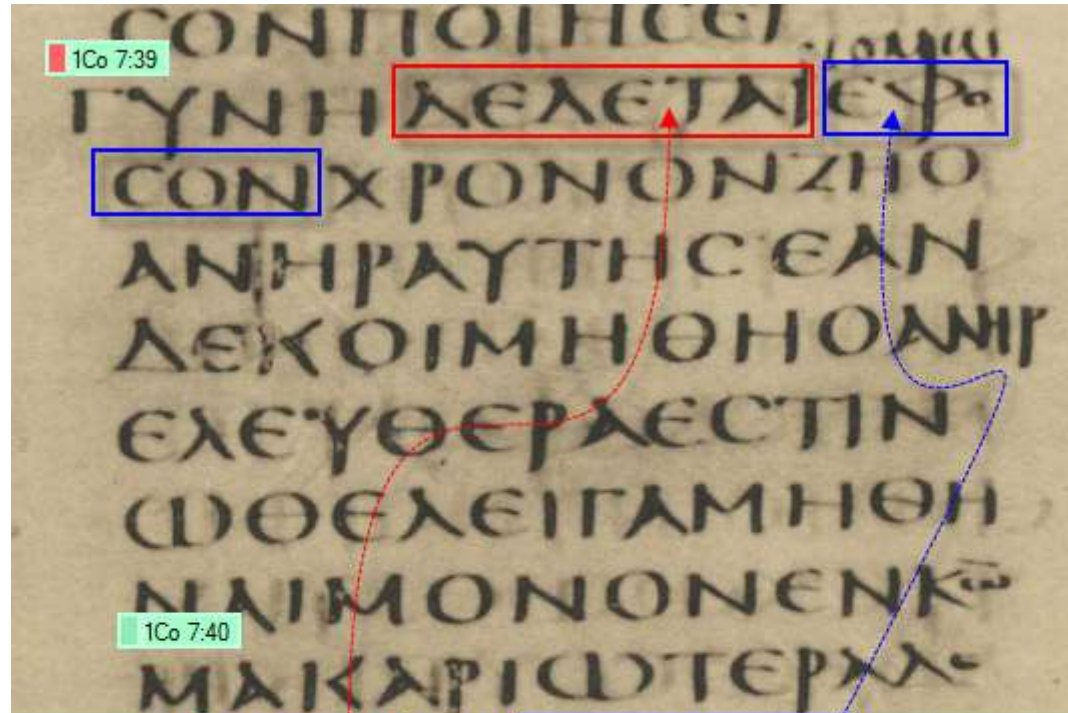
7:34	ΜΕΜΕΡΙΣΤΑΙ	Η	ΓΥΝΗ	ΚΑΙ	Η	ΠΑΡΘΕΝΟΣ	Η	ΑΓΑΜΟΣ
	memeristai	hE	gunE	kai	hE	parthenos	hE	agamos
	HAS-been-PARTED	THE	WOMAN	AND	THE	virgin	THE	UN-MARRIED
	is-parted						unmarried-woman	

انَّ بَيْنَ الزَّوْجَةِ وَالْعَدْرَاءِ فَرْقًا

الغير متزوجة

ΜΕΡΙΜΝΑ	ΤΑ	ΤΟΥ	ΚΥΡΙΟΥ	ΙΝΑ	Η	ΑΓΙΑ	ΚΑΙ
merimna	ta	tou	kuriou	hina	E	hagia	kai
IS-beING-anxious	THE	OF-THE	Master	THAT	she-MAY-BE	HOLY	AND
is-beIng-solicitous-about	the-things		Lord				

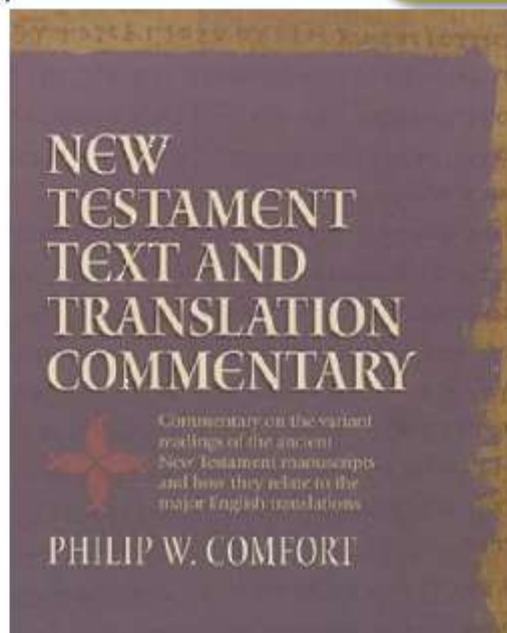
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (بالناموس νόμος) السينائية: اللفظة غير موجودة	٣٩ الْمَرْأَةُ مُرْتَبِطَةٌ بِالنَّامُوسِ مَا دَامَ رَجُلُهَا حَيًّا. وَلَكِنْ إِنْ مَاتَ رَجُلُهَا، فَهِيَ حُرَّةٌ لَكُمْي تَنْزَوِّجَ بِمَنْ تُرِيدُ، فِي الرَّبِّ فَقَطُّ	ترتبط المرأة ما دام زوجها حيا، فإن ماتت حرة تنزوج من تشاء، ولكن زواجا في الرب..	39 A wife is bound as long as her husband lives; but if the husband shall have fallen asleep, she is free to be married to whom she will, only in the Lord.	M-01A 1 Corinthians 7:39 Γυνή δεδεταί εφ' ὅσον χρόνον ζῆ ὁ ἀνὴρ αὐτῆς εἰὰν δε κοιμηθῆ ὁ ἀνὴρ ἐλευθερά ἐστιν ὡς θελεῖ γαμηθῆναι μόνον ἐν ΚΩ	كور (1) :7 :39	8
<p>أضاف النساخ لفظة (الناموس) من أجل:</p> <ul style="list-style-type: none"> - توضيح السبب الذي يجعل المرأة مرتبطة - إظهار الناموس مجددا كمسئول عن الأشياء البغيضة أو الأقل حسنا <p>(توضيح النص) (تشويه صورة الشريعة)</p>					التعليق	



7:39	ΓΥΝΗ	ΔΕΔΕΤΑΙ	الشريعة	ΕΦ	Ο	Ο	ΧΡΟΝΟΝ	ΖΗ	Ο	ΑΝΗΡ
	gunE	dedetai	NOMΩ	eph	hoson	chronon	zE	ho	anEr	
	WOMAN	HAS-been-BOUND	to-LAW	ON	as-much-as	TIME	IS-LIVING	THE	MAN	husband
	wife	is-bound		whatever						
	ΑΥΤΗΣ	ΕΑΝ	ΔΕ	ΚΟΙΜΗΘΗΣ	Ο	ΑΝΗΡ	ΑΥΤΗΣ	ΕΛΕΥΘΕΡΑ		
	autEs	ean	de	koimEthE	to	anEr	autEs	eleuthera		
	OF-her	IF-EVER	YET	MAY-BE-REPOSING	THE	MAN	OF-her	FREE		
				may-be-reposing		husband				

1 Corinthians 9:22

WH NU	ἐγενόμην τοῖς ἀσθενέσιν ἀσθενής "to the weak I became weak" Ⓜ ⁴⁶ Ⓝ*A B 1739 it NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant/TR	εγενομην τοις ασθενεσιν ως ασθενης "to the weak I became as weak" Ⓝ ² C D F G Ψ 33 Maj syr. cop KJV NKJV	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: كتبت لفظة: (τὸν Χριστόν المسيح)	٩ وَلَا تُجَرِّبِ الْمَسِيحَ كَمَا جَرَّبَ أَيْضًا أَنْاسٌ مِنْهُمْ	ولا نجرب الله مثلما جربه بعضهم، فأهلكتهم الحيات	9 Neither let us tempt God, as some of them tempted, and were destroyed by serpents.	M-01A 1 Corinthians 10:9 Μηδε εκπειραζωμεν τον ΚΝ̄ καθως τινες εξεπειρασαν και υπο των οφεων απωλλυντο	كور(1) :10 9	10
السينائية: كتبت بدلا منها: (الله ΚΝ̄ τον)						
قام النساخ بتغيير النص من (الله) إلى (المسيح) من أجل إلحاق أحد أوصاف الألوهية بالمسيح حيث أن العهد الجديد يقول (لا تجرب الرب إلهك) وبالتالي يصبح النهي عن تجريب المسيح هو نهى عن تجريب الله (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

1Co 10:9

1Co 10:10

لفظة (المسيح) غير موجودة بالمخطوط ومكتوب بدلا منها لفظة (الله)

10:9	ΜΗΔΕ	ΕΚΠΕΙΡΑΖΩΜΕΝ	ΤΟΝ ΧΡΙΣΤΟΝ	ΚΑΘΩΣ	ΚΑΙ	ΤΙΝΕΣ
	mEde	ekpeirazOmen	ton christon	kathOs	kai	tines
	NO-YET	WE-MAY-BE-OUT-trying	THE ANOINTED	according-AS	AND	ANY
	nor-yet	We-may-putting-on-trial	Christ		also	some

ΑΥΤΩΝ	ΕΠΕΙΡΑΣΑΝ	ΚΑΙ	ΥΠΟ	ΤΩΝ	ΟΦΕΩΝ	ΑΠΩΛΟΝΤΟ
autOn	epeirasan	kai	hupo	tOn	opheOn	apOlonTo
OF-them	try	AND	by	THE	serpents	were-destroyED
	try-him					perished

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (أَنَّ الْوَثْنَ شَيْءٌ) ὅτι εἰδωλόν τί ἐστιν	فماذا يعني كلامي هذا؟ أيعني أن لذبيحة الوثن قيمة؟ شَيْءٌ، أَوْ إِنَّ مَا دُبِحَ لِلْوَثَنِ شَيْءٌ؟	19 What then do I say? that an idol-sacrifice is anything,	M-01A 1 Corinthians 10:19 Τι ουν φημι Οτι εἰδωλοθυτον ἐστι	كور(1) 10:19	11
	السينائية: العبارة غير موجودة				التعليق	
أضاف النساخ عبارة (أَنَّ الْوَثْنَ شَيْءٌ) من أجل جعل عبارات بولس أكثر معاداة للأوثان, فعباراته ليست فقط تنفي قيمة الذبح للوثن بل تنفي قيمة الوثن نفسه (دعم أفكار بولس) (معاداة الوثنية)						

1Co 10:19

1Co 10:20

أقول

أين الوثن شيء؟

10:19

ΤΙ	ΟΥΝ	ΦΗΜΙ	ΟΤΙ	ΕΙΔΩΛΟΝ	ΤΙ	ΕΣΤΙΝ	Η	ΟΤΙ
ti	oun	phEmi	hoti	eidOlon	ti	estin	E	hoti
ANY	THEN	I-AM-AVERRING	that	idol	ANY	IS	OR	that
what?				anything				

مادّيح للوثن

ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ	ΤΙ	ΕΣΤΙΝ
eidOlothuton	ti	estin
idol-SACRIFICE	ANY	IS
	anything	

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوطة

10:20

ΑΛΛ	ΟΤΙ	Α	ΘΥΕΙ	ΤΑ	ΕΘΝΗ	ΔΑΙΜΟΝΙΟΙΣ	ΘΥΕΙ
all	hoti	ha	thuei	ta	ethnE	daimoniois	thuei
but	that	WHICH	IS-SACRIFICING	THE	NATIONS	to-demons	IS-SACRIFICING
		which(p)					it-is-sacrificing

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (مذبوح لوثن) (ειδωλόθυτο) السينائية: تكتب بدلا منها: (مذبوح كتقدمة ιεροθυτο)	٢٨. وَلَكِنْ إِنْ قَالَ لَكُمْ أَحَدٌ: "هَذَا مَذْبُوحٌ لَوْثَنٍ" فَلَا تَأْكُلُوا مِنْ أَجْلِ ذَلِكَ الَّذِي أَعْلَمَكُمْ، وَالضَّمِيرِ.	ولكن إن قال لكم أحد: ((هذا الطعام من مذبوح كتقدمة))، فلا تأكلوا منه، لأجل من أخبركم ولأجل الضمير.	28 But if anyone say to you. This is offered in sacrifice; eat not for his sake that showed it, and for conscience' sake.	M-01A 1 Corinthians 10:28 Εαν δε τις υμιν ειπη Τουτο ιεροθυτο εσθιετε δι εκεινον τον μηνυσαντα και την συνιδησιν	كور(1) 10:28	12
قام النساخ بتغيير اللفظة من (مذبوح كتقدمة) إلى (مذبوح لوثن) من اجل إيجاد مبرر لعدم الأكل و فبولس في هذا النص ينهي عن أكل ما سماه ب"هذا الطعام، الذبيحة" لكنه لم يذكر العلة، فساعده النساخ وأضافوا العلة ألا وهي انها ذبيحة وثن (جعل الأمور أكثر منطقية) (تحسين النص)					التعليق	

1Co 10:28

ΕΑΝ ΔΕ ΤΙΣ ΥΜΙΝ ΕΙΠΗ ΤΟΥΤΟ ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ

ΕΣΤΙΝ ΜΗ ΕΣΘΙΕΤΕ ΔΙ ΕΚΕΙΝΟΝ ΤΟΝ ΜΗΝΥΣΑΝΤΑ ΚΑΙ ΤΗΝ

1Co 10:29

ΕΑΝ ΔΕ ΤΙΣ ΥΜΙΝ ΕΙΠΗ ΤΟΥΤΟ ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ

ΕΣΤΙΝ ΜΗ ΕΣΘΙΕΤΕ ΔΙ ΕΚΕΙΝΟΝ ΤΟΝ ΜΗΝΥΣΑΝΤΑ ΚΑΙ ΤΗΝ

10:28 ΕΑΝ ΔΕ ΤΙΣ ΥΜΙΝ ΕΙΠΗ ΤΟΥΤΟ ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ

ean de tis humin eipE touto eidOlothuton
IF-EVER YET ANY to-YOU(p) MAY-BE-sayING this idol-SACRIFICE

قال لكم

مذبوح لوثن

ειδωλόθυτον

ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ

eidOlothuton
idol-SACRIFICE

فلا تأكلوا

ΕΣΤΙΝ ΜΗ ΕΣΘΙΕΤΕ

estin mE esthiete
IS NO BE-EATING
be-ye-eating!

ΔΙ

di
THRU
because-of

ΕΚΕΙΝΟΝ ΤΟΝ

ekeinon ton
that THE
that-one

ΜΗΝΥΣΑΝΤΑ

mEnusanta
one-DIVULGing
one-divulging-i

ΚΑΙ ΤΗΝ

kai tEn
AND THE

هذه اللفظة ليست بالمخطوط (مذبوح لوثن ειδωλόθυτο) ومكتوب بدلا منها (مذبوح كتقدمة ιεροθυτο)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (لأنَّ "لِلرَّبِّ الأَرْضَ وَمِلاَهَا" τοῦ γὰρ Κυρίου ἡ γῆ καὶ τὸ πλήρωμα αὐτῆς.) السينائية: العبارة غير موجودة	٢٨ وَلَكِنْ إِنْ قَالَ لَكُمْ أَحَدٌ: ((هَذَا مَذْبُوحٌ لِرَبِّكَ)) فَلَا تَأْكُلُوا مِنْ أَجْلِ ذَلِكَ الَّذِي أَغْلَمَكُمْ، وَالضَّمِيرِ. لِأَنَّ "لِلرَّبِّ الأَرْضَ وَمِلاَهَا"	28 But if any one say to you. This is offered in sacrifice; eat not for his sake that showed it, and for conscience' sake.	M-01A 1 Corinthians 10:28 Εαν δε τις υμιν ειπη Τουτο ιεροθυτο εσ* εσθιετε δι εκεινον τον μηνυσαντα και την συνιδησιν	كور(1) :10 :28	13
	أضاف النساخ عبارة (لأنَّ "لِلرَّبِّ الأَرْضَ وَمِلاَهَا") من أجل تقديم مبرر ل طرح بولس والذي بموجبه أباح بولس للمسيحيين الأكل من اللحوم دون السؤال عن حالة الذبح، رغم وجود احتمالية أن تكون قرابين وثنية، فكان المبرر الذي قدمه النساخ هو أن (للرب الأرض وملاها) أي أن كل هذه اللحوم هي للرب يملكها وبالتالي لا داعي للانزعاج! (دعم أطروحات بولس)(جعل الأمور أكثر منطقية)				التعليق	

1Co 10:28

1Co 10:29

10:28 ΕΑΝ ΔΕ ΤΙΣ ΥΜΙΝ ΕΙΠΗ ΤΟΥΤΟ ΕΙΔΩΛΟΘΥΤΟΝ
ean de tis ymin eipe touto eidolothuton
IF-EVER YET ANY to-YOU(P) MAY-BE-sayING this idol-SACRIFICE
anyone to-ye

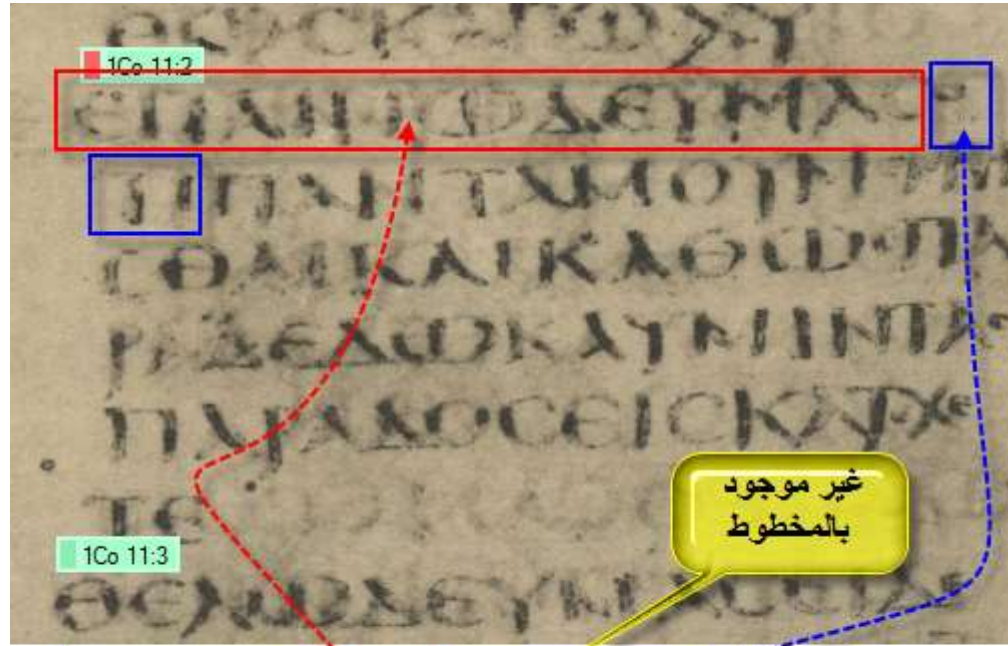
ΕΣΤΙΝ ΜΗ ΕΣΘΙΕΤΕ ΔΙ ΕΚΕΙΝΟΝ ΤΟΝ ΜΗΝΥΣΑΝΤΑ ΚΑΙ ΤΗΝ
estin me esthiete di ekeinon ton mEnusanta kai tEn
IS NO BE-EATING THRU that THE one-DIVULGing AND THE
be-ye-eating! because-of that-one one-divulging-it

الضمير
CYNIDHSCIN ΤΟΥ ΓΑΡ ΚΥΡΙΟΥ Η ΓΗ ΚΑΙ ΤΟ ΠΛΗΡΩΜΑ ΑΥΤΗΣ
suneidEsin tou gar kuriou hE gE kai to plErOma autEs
conscience OF-THE for Master THE LAND AND THE FILLing OF-her
Lord earth of-herit

الضمير
10:29 CYNIDHSCIN ΔΕ ΛΕΓΩ ΟΥΧΙ ΤΗΝ ΕΑΥΤΟΥ ΑΛΛΑ ΤΗΝ ΤΟΥ
suneidEsin de legO ouchi tEn heautou alla tEn tou
conscience YET I-AM-saying NOT(emph.) THE OF-self aut THE OF-THE
of-yourself

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (أَيُّهَا الإخوةُ ἀδελφοί)	٢ فَأَمْدَحُكُمْ أَيُّهَا الإخوةُ عَلَى أَنْتُمْ تَذْكُرُونَنِي فِي كُلِّ شَيْءٍ،	أمدحكم لأنكم تذكروني دوما وتحافظون على التقاليد كما سلمتها إليكم	2 But I praise you that you remember me in all things, and hold fast the traditions as I delivered them to you.	M-01A 1 Corinthians 11:2 Επαινω δε υμας οτι παντα μου μεμνησθαι και καθως παραδεδοκα υμιν τας παραδοσεις κατεχετε	كور(1) 11:2	14
السينائية: اللفظة غير موجودة						
<p>أضاف النساخ لفظة (الإخوة) من أجل:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - تخفيف الإحساس بالتعالي في كلام بولس في النص السابق مباشرة (11-1) و الذي يأمر فيه المسيحيين أن يتبعوه ويتمسكوا بالتعاليم التي أعطاهم لهم , فلفظة (الإخوة) تجعل بولس مساوي للباقيين وليس في مقام أعلى منهم - جعل الكلام أكثر مقاربة لأسلوب بولس الذي يستعمل مثل هذه العبارات في بداية الفقرات <p>(تحسين صورة بولس) (تقريب النص من أسلوب المؤلف)</p>						التعليق



فأمدحكم	الإخوة	على أنكم
11:2 ΕΠΑΙΝΩ ΔΕ ΥΜΑΣ	ΑΔΕΛΦΟΙ	ΟΤΙ ΠΑΝΤΑ ΜΟΥ
epainō de humas	adelphoi	hoti panta mou
I-AM-ON-PRAISING YET YOU(P)	brothers !	that ALL OF-ME
I-am-applauding ye	brethren !	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف الألفاظ التالية: (خُدُوا كُلُّوا (Λάβετε, φαγετε, (المكسور κλώμενον) السينائية: الألفاظ غير موجودة	٢٤ وَشَكَرَ فَكَسَّرَ، وَقَالَ: "خُدُوا كُلُّوا هَذَا هُوَ جَسَدِي الْمَكْسُورُ لِأَجْلِكُمْ. اصْنَعُوا هَذَا لِذِكْرِي".	وشكر وكسره وقال: (هذا هو جسدي، إنه لأجلكم. اعملوا هذا لذكرى))	24 and after giving thanks he broke and said: This is my body which is for you; this do in remembrance of me.	M-01A 1 Corinthians 11:24 και ευχαριστησας εκλασεν και ειπε̄ Τουτο μου εστιν το σωμα το υπερ υμων τουτο ποιεται εις την εμην αναμνησῑ	كور(1) 11: 24	15
أضاف النساخ هذه الألفاظ (خذوا , كلوا) من أجل دعم عقيدة الأفخارستيا (سر التناول) , فوجود أمر وتصريح مباشر من يسوع بأكل الخبز واعتباره جسده فهذا هو سر التناول بكامل أركانه. ونفس الشيء مع لفظة (المكسور) الذي يوجد ربط بين كسر الخبز وكسر جسد المسيح, كما أنه يدعم فكرة الفداء فالمسيح كسر جسده من أجلنا (دعم سر التناول , عقيدة الأفخارستيا) (دعم عقيدة الفداء)					التعليق	



1Co 11:24

1Co 11:25

11:24	ΚΑΙ	ΕΥΧΑΡΙΣΤΗΣΑΣ	ΕΚΛΑΣΕΝ	ΚΑΙ	ΕΙΠΕΝ	ΛΑΒΕΤΕ	ΦΑΓΕΤΕ
	kai	eucharistEsas	eklasen	kai	eipen	labete	phagete
	AND	thank <i>ing</i>	He-BREAKS	AND	said	BE-GETTING	BE-EATING
		giv <i>ing</i> -thanks	breaks-it			be-ye-taking!	be-ye-eating!
	ΤΟΥΤΟ	ΜΟΥ ΕΣΤΙΝ	ΤΟ ΣΩΜΑ	ΤΟ	ΥΠΕΡ	ΥΜΩΝ	ΚΛΑΜΕΝΟΝ
	touto	mou estin	to sOma	to	huper	humOn	klOmenon
	this	OF-ME IS	THE BODY	THE	OVER	YOU(P)	be <i>NG</i> -BROKEN
					for-the-sake-of	ye	
	ΤΟΥΤΟ	ΠΟΙΕΙΤΕ	ΕΙΣ ΤΗΝ	ΕΜΗΝ	ΑΝΑΜΝΗΣΙΝ		
	touto	poieite	eis tEn	emEn	anamnEsin		
	this	YE-BE-DOING	INTO	THE	UP-REMiND <i>ing</i>		
	هذا	be-ye-doing!			recollection		

خذوا كلوا

قال

المكسور

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف الألفاظ التالية: (استحقاق ἀναξίως) (الرب τοῦ Κυρίου) السينائية: الألفاظ غير موجودة	٢٩ لَأَنَّ الَّذِي يَأْكُلُ وَيَشْرَبُ بِدُونِ اسْتِحْقَاقٍ يَأْكُلُ وَيَشْرَبُ دَيْثُونَةً لِنَفْسِهِ، غَيْرَ مُمَيِّزٍ جَسَدَ الرَّبِّ.	لأن من أكل وشرب وهو لا يميز الجسد ، أكل وشرب الحكم على نفسه.	29 for he that eats and drinks condemnation to himself, eats and drinks not discerning the body.	M-01A 1 Corinthians 11:29 Ο γαρ εσθιων και πινων κριμα εαυτω εσθιει και πινι μη διακρινων το σωμα	كور(1) 11: 29	16
<p>معنى النص كما في النسخة العربية: (من يتناول جسد الرب ويشرب دمه بدون أن يحترمه ويقدره وبدون أن يعرف الفارق بين هذا الخبز والخبز العادي فإنه يدين نفسه بالتناول ولا يفيدها) أضاف النساخ لفظة (استحقاق) من أجل التأكيد على أهمية سر التناول الذي يوجب على الشخص أن يتناول باستحقاق (تقدير وتعظيم للخبز الإلهي), وأضافوا لفظة (الرب) من أجل توضيح أي الأجساد هو المقصود في النص . (دعم سر التناول)</p>					التعليق	



ΝΙΜΗΔΙΑΚΡΙΝΩΝ
 ΤΟ ΣΩΜΑ ΑΤΟΥ ΚΥ
 ΔΙΑΤΟΥΤΟ ΕΝ ΥΜΙΝ

1Co 11:30

اللفظتان مكتوبتان في الهامش
 بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

1Co 11:29
 ΤΗΡΙΟΥΤΙΝΕΤΩ
 ΟΓΑΡΕΣΘΙΩΝΚΑΙ
 ΠΙΝΩΝ ΚΡΙΜΑ
 ΤΩΕΣΘΙΕΙΚΑΙΤΙ
 ἄναξιως

المظلل بالأصفر ليس
 بالمخطوط

11:29	Ο	ΓΑΡ	ΕΣΘΙΩΝ	ΚΑΙ	ΠΙΝΩΝ	ἄναξιως	ΚΡΙΜΑ	ΕΑΥΤΩ	ΕΣΘΙΕΙ
	ho	gar	esthiOn	kai	pinOn	anaxiOς	krima	heautO	esthieI
	THE	for	one-EATING	AND	DRINKING	UN-WORTHILY	JUDGment	to-self	IS-EATING
			one-eating			unworthily		to-himself	

ΚΑΙ	ΠΙΝΕΙ	ΜΗ	ΔΙΑΚΡΙΝΩΝ	ΤΟ	ΣΩΜΑ	ΤΟΥ	ΚΥΡΙΟΥ
kai	pinei	mE	diakrinOn	to	sOma	tu	kuriou
AND	IS-DRINKING	NO	THRU-JUDGING	THE	BODY	OF-THE	Master
			discriminating				Lord

1 Corinthians 11:29

WH NU

ὁ γὰρ ἐσθίων καὶ πίνων κρίμα ἑαυτῷ ἐσθίει καὶ πίνει
μὴ διακρίνων τὸ σῶμα

"for the one eating and drinking eats and drinks judgment to himself, not
discerning the body"

ⲡ⁶ Ⲭ* A B C* 33 1739 cop

NKJVTmg RSV NRSV ESV NASB (TNIV) NEB REB NJB NAB (NLT) HCSB NET

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي

variant/TR

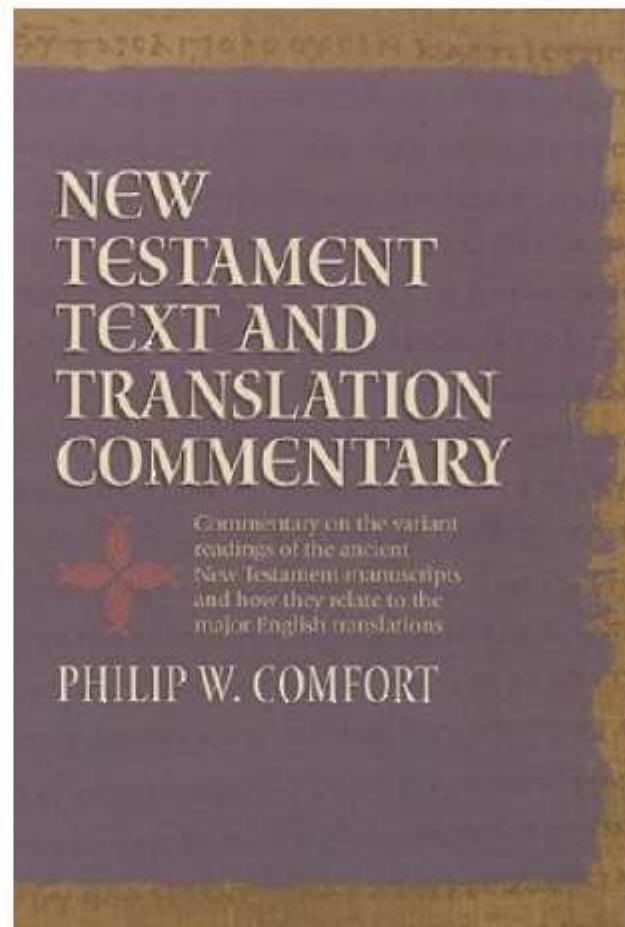
ο γαρ εσθιων και πινων αναξιως κριμα εαυτω εσθιει
και πινει, μη διακρινων το σωμα του κυριου

"for the one eating and drinking unworthily eats and drinks judgment to
himself, not discerning the body of the Lord"

Ⲭ² C² D E G (Ψ) Mai syr

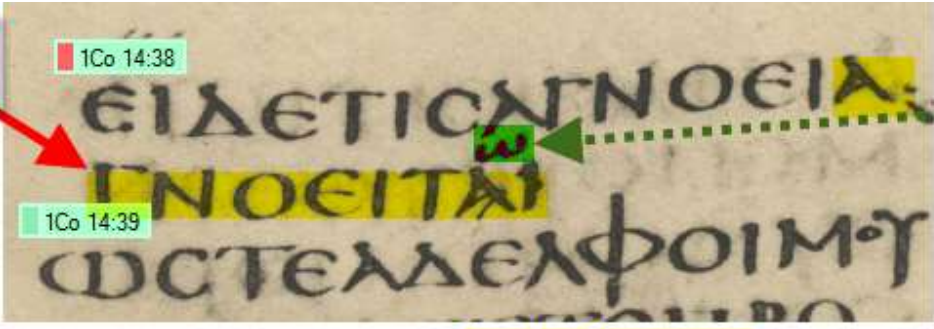
KJV NKJV NIV NLTmg HCSBTmg

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (فليجهل ἀγνοέτω)	٣٨ وَلَكِنْ إِنْ يَجْهَلُ أَحَدٌ، فَلْيَجْهَلْ!	فإن تجاهل ذلك، فتجاهلوه	38 but if one is ignorant, let him be ignorant.	M-01A 1 Corinthians 14:38 Εἰ δε τις αγνοει αγνοεῖται	كور(1) 14 : 38	17
السينائية: تكتب بدلا منها: (فتجاهلوه αγνοεῖται)	قام النساخ بتغيير اللفظة من (فتجاهلوه) إلى (فليجهل) حتى يخففوا من حدة الجملة التي قالها بولس والتي يبدو فيها منافاة للمحبة , حيث يأمر المسيحيين بتجاهل أي شخص يتجاهل منصب بولس كرَسُول. (تحسين صورة بولس)(إخفاء الكراوية من نصوص الكتاب)					التعليق

فتجاهلوه
ΑΓΝΟΕΙΤΑΙ



اللفظة تم تغييرها بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا

14:38	ΕΙ ΔΕ ΤΙΣ ΑΓΝΟΕΙ	AGNOEITΩ
	ei de tis agnoi	agnoeitō
	IF YET ANY IS-UN-KNOWING	LET-him-BE-UN-KNOWING
	anyone is-being-ignorant	let-him-be-being-ignorant!

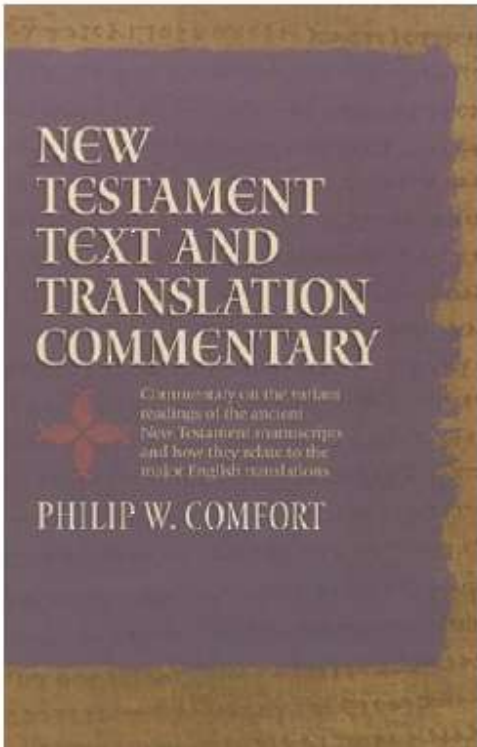
ليس
بالمخطوط

1 Corinthians 14:38

WH NU	εἰ δέ τις ἀγνοεῖ, ἀγνοεῖται	"but if anyone ignores (or, does not recognize) this, he himself is ignored (or, not recognized)"
	Ⓝ* A*vid D (F G) 048 0243 33 1739	
	RSV NRSV ESV NASB NIV NLT NRS NLT NRS NLT NRS NLT NRS NLT	
variant/TR	εἰ δε τις αγνοει, αγνοειτω	"but if anyone ignores this, let him ignore this for if he is ignorant let him be ignorant]"
	ⓓ* Ⓝ* A* B D* Ψ Maj	
	KJV NKJV NASBmg NIVmg TNIVmg NEBmg REBmg NJBmg NLTmg HCSBmg	

قراءة (فتجاهلوه) تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

قراءة (فليجهل) تمت بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (الرب ó Κύριος) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤٧ الإنسانُ الأوَّلُ منَ الأرضِ تُرابيُّ. الإنسانُ الثَّاني الرَّبُّ منَ السَّمَاءِ.	الإنسان الأول من التراب فهو أرضي، والإنسان الآخر من السما	47 The first man is from the earth, earthy; the second man, from heaven.	M-01A 1 Corinthians 15:47 Ο πρωτος ανθρωπος εκ γης χοικος ο δευτερος ανθρωπος εξ ουρανου	كور(1) 15 : 47	18
أضاف النساخ لفظة (الرب) من أجل دعم ألوهية يسوع وإزالة التوهم الذي ربما يفهم من عبارة (الإنسان الثاني) من أن يسوع مجرد إنسان فقط. (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

1Co 15:47

1Co 15:48

15:47 Ο ΠΡΩΤΟΣ ΑΝΘΡΩΠΟΣ ΕΚ ΓΗΣ ΧΟΙΚΟΣ Ο ΔΕΥΤΕΡΟΣ

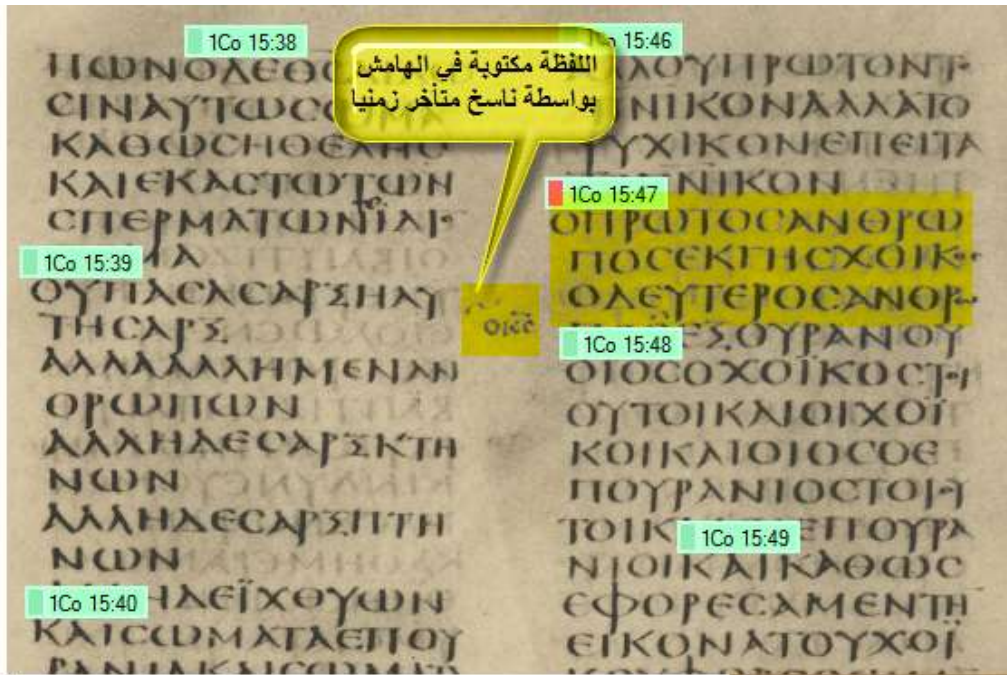
ho prOtos anthrOpos ek gEs choikos ho deuterOs
THE BEFORE-most human OUT OF-LAND SOILish THE second
first of-earth

الإنسان
ΑΝΘΡΩΠΟΣ
anthrOpos
human

الرب
Ο ΚΥΡΙΟΣ
ho kurios
THE Master
Lord

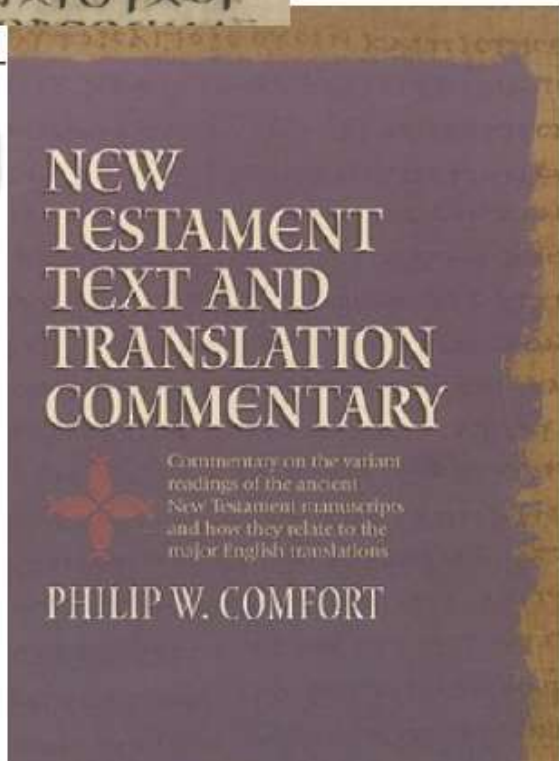
من السماء
ΕΞ ΟΥΡΑΝΟΥ
ex ouranou
OUT OF-heaven

المظلل بالأصفر ليس
بالمخطوط

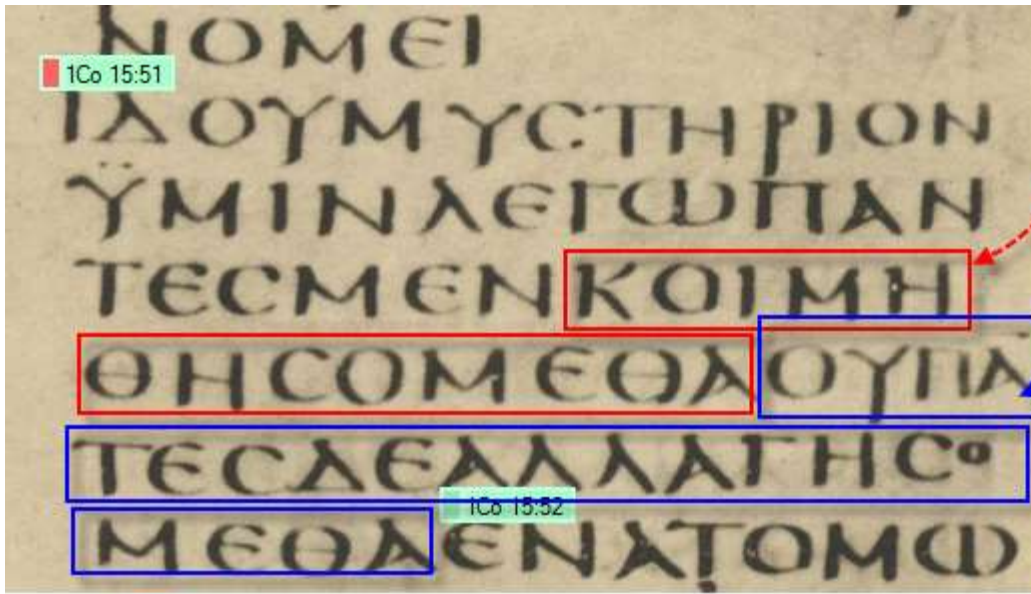


1 Corinthians 15:47

WH NU	ὁ δεύτερος ἄνθρωπος ἐξ οὐρανοῦ "the second man [is] from heaven" N* B C D* 0243 33 1739 cop NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NLT BDB KJB ALB LIT T M/CB LIT
variant 1	ο δευτερος ο κυριος εξ ουρανου "the second, the Lord from heaven" 630 Marcion none
variant 2/TR	ο δευτερος ανθρωπος ο κυριος εξ ουρανου "the second man, the Lord from heaven" N ² A D ¹ Ψ 073 1739 R14 R15 KJV NKJV HCSBmg
variant 3	ο δευτερος ανθρωπος πνευματικος εξ ουρανου "the second man, a spiritual one from heaven" P ⁴⁶ none
variant 4	ο δευτερος ανθρωπος εξ ουρανου ο ουρανιος "the second man, the heavenly one from heaven" F G none



م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
19	كور (1) 15: 51	M-01A 1 Corinthians 15:51 Ἰδοὺ μυστηριον υμιν λεγω παντες μεν κοιμηθησομεθα ου πατες δε αλλαγησομεθα	51 Behold, I tell you a mystery; we all will sleep, but we all will not be changed,	واسمعوا هذا السر: سنرقد كلنا، لكن لن نتغير كلنا	٥١ هُوَذَا سِرٌّ أَقُولُهُ لَكُمْ: لَا نَرُقُدُ كُلَّنَا، وَلَكِنَّا كُلَّنَا نَتَغَيَّرُ	وجه الاختلاف النسخة العربية: تكتب النفي قبل لفظة نرقد: (لا نرقد ου κοιμηθησομεθα) ولفظة (نتغير) بلا نفي السينائية: قامت بالعكس, تكتب النفي قبل لفظة نتغير: (لن نتغير ου πατες δε αλλαγησομεθα) ولفظة (نرقد) بلا نفي
<p>قام النساخ بتغيير العبارة من (سنرقد كلنا، لكن لن نتغير كلنا) إلى عكسها (لَا نَرُقُدُ كُلَّنَا، وَلَكِنَّا كُلَّنَا نَتَغَيَّرُ) من أجل:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - الإشارة إلى قرب عودة المسيح , فالأمر لن يطول وفقا للنص بعد التحريف لدرجة أن بعض الموجودين من المسيحيين في زمن بولس سيكونون مازالوا أحياء لم يموتوا(لا نرقد كلنا). - بث السعادة في نفوس المسيحيين الموجودين حيث أنه يبشرهم جميعا بالملكوت والجسد الممجد(كلنا نتغير) - شعور النساخ بأن النص كما هو في السينائية لا يعكس سرا, فليس من السر في شيء أن يقول بولس(سنموت جميعا)فهذا هو الطبيعي, لكن من السر أن يقول (بعضنا لن يموت), وليس من السر أن يقول (بعضنا لن يتغير) فمن الطبيعي وجود بعض الأشخاص ضعفاء الإيمان , لكنه سر أن يكون الكل مستحق للملكوت(كلنا نتغير) <p>(دعم عقيدة عودة المسيح) (بث السعادة في النفوس) (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>						التعليق



1Co 15:51

نرقد

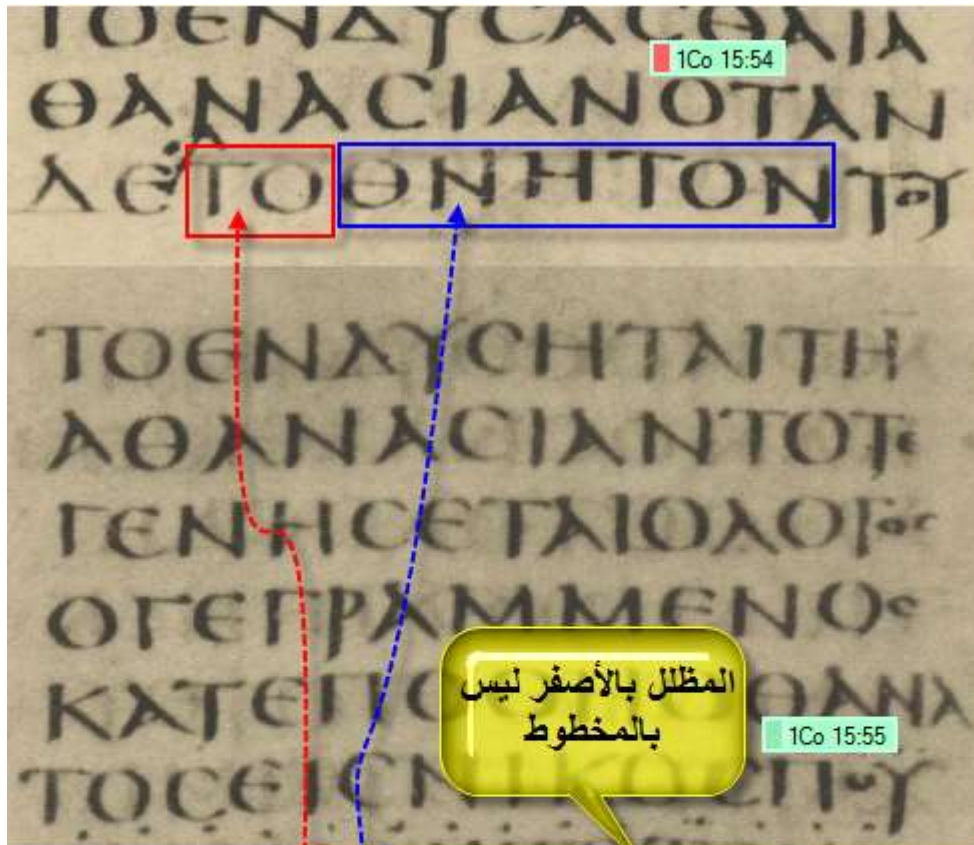
لا نتغير كلنا

1Co 15:52

15:51	ΙΔΟΥ	ΜΥΣΤΗΡΙΟΝ	ΥΜΙΝ	ΛΕΓΩ	ΠΑΝΤΕΣ	ΜΕΝ	ΟΥ
	idou	mustErion	humin	legO	pantes	men	ou
	BE-PERCEIVING	CLOSE-KEEP	to-YOU(p)	I-AM-sayING	ALL	INDEED	NOT
	to!	secret	to-ye	I-am-telling			
	نرقد						
	ΚΟΙΜΗΘΗΣΟΜΕΘΑ	ΠΑΝΤΕΣ	ΔΕ	ΑΛΛΑΓΗΣΟΜΕΘΑ			
	koimEthEsometha	pantes	de	allagEsometha			
	WE-SHALL-BE-BEING-reposED	ALL	YET	WE-SHALL-BE-BEING-CHANGED			
	we-shall-be-being-put-to-repose						

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (لبس هذا الفاسد عدم فساد و τὸ φθαρτὸν τοῦτο ἐνδύσεται ἀφθαρσίαν καὶ) السينائية: العبارة غير موجودة	ومتى لبس هذا المائت ما لا يموت	54 And when this mortal shall have put on immortality	M-01A 1 Corinthians 15:54 Όταν δε το θνητον τουτο ενδύσεται τη αθανασιαν τοτε γενησεται ο λογος ο γεγραμμενος Κατεποθη ο θανατος εις νικος	كور(1) 15 : 54	20
اضاف النساخ عبارة (لبس هذا الفاسد عدم فساد و) من أجل التأكيد على عقيدة الجسد الممجد التي يطرحها بولس وعقيدة القضاء على الموت (دعم عقيدة الطبيعة الممجدة)					التعليق	



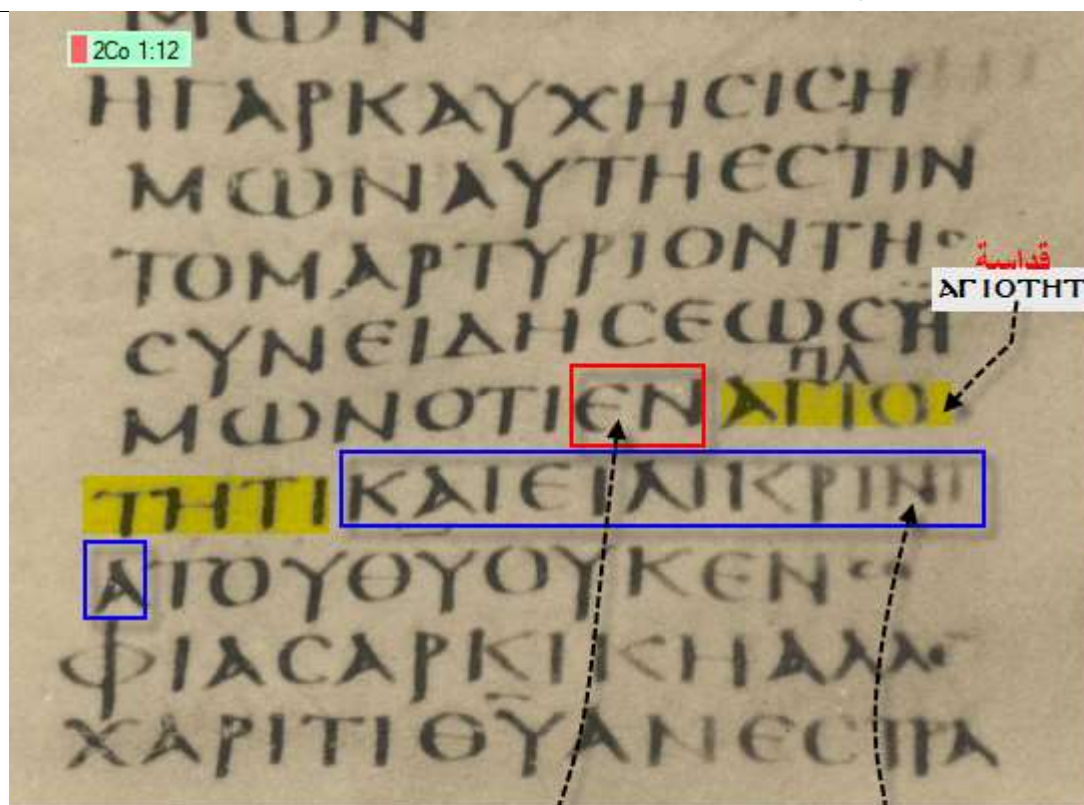


15:54	ΟΤΑΝ	ΔΕ	ΤΟ	ΑΦΘΑΡΤΟΝ	ΤΟΥΤΟ	ΕΝΔΥΧΤΑΙ
	hotan	de	to	aphtharton	touto	endusEtai
	when-EVER	YET	THE	CORRUPTible	this	SHOULD-BE-being-IN-SLIPPED
	whenever					should-be-putting-on

ΑΦΘΑΡΣΙΑΝ	ΚΑΙ	ΤΟ	ΘΝΗΤΟΝ	ΤΟΥΤΟ	ΕΝΔΥΧΤΑΙ
aphtharsian	kai	to	thnEton	touto	endusEtai
UN-CORRUPTION	AND	THE	DYing	this	SHOULD-BE-being-IN-SLIPPED
incorruption			mortal		should-be-putting-on

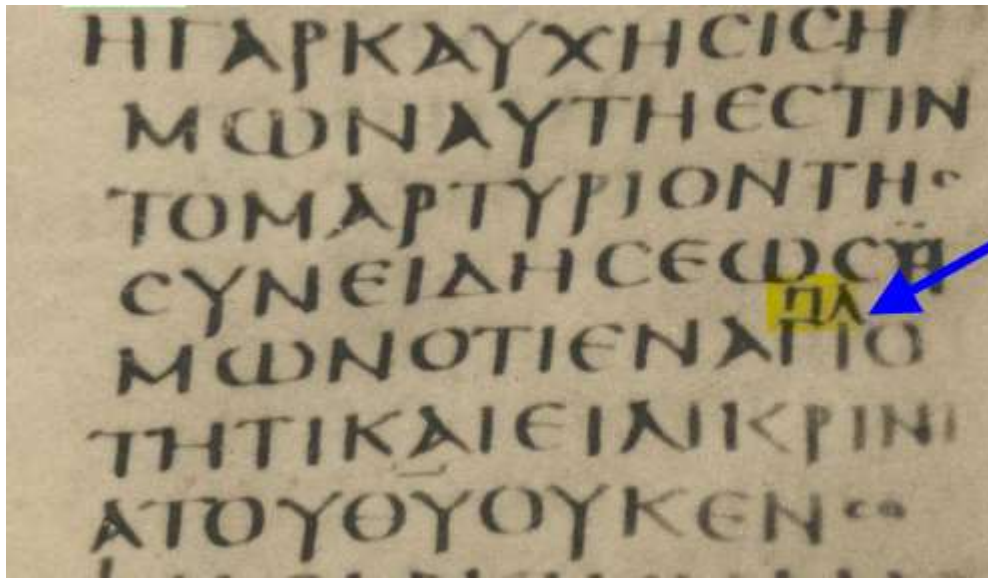
رسالة كورنثوس الثانية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (بساطة <i>ἀπλότητι</i>) السينائية: تكتب بدلا منها: (قداسة <i>αγιοτητι</i>)	١٢ لأن فخرنا هو هذا: شهادة ضميرنا أننا في بساطة وإخلاص لله،	١٢ لأن فخرنا هو هذا: شهادة ضميرنا أننا في قداسة وإخلاص لله	12 For our glorying is this, the testimony of our conscience, that in holiness and godly sincerity,	M-01A 2 Corinthians 1:12 Ἡ γὰρ καυχῆσις ἡμῶν αὐτῆ ἐστὶν τὸ μαρτυρίον τῆς συνειδήσεως ὑμῶν ὅτι ἐν ἀγιοτητι καὶ εὐλικρινία τοῦ ΘΕΟΥ	كور (2) 1:12	1
قام النساخ بتغيير النص من (قداسة) إلى (بساطة) حتى يخفوا من مبالغة بولس في تعظيم نفسه, حيث أنه يصف نفسه بأن له قداسة وإخلاص, بل ويبالغ في التعظيم حيث يجعل هذه القداسة إلهية (قداسة وإخلاص لله) (تحسين صورة بولس) (علاج المشكلات)					التعليق	



1:12	Ἡ	γὰρ	καυχῆσις	ἡμῶν	αὐτῆ	ἐστὶν	τὸ	μαρτυρίον	τῆς
	hE	gar	kauchEsis	hEmOn	hautE	estin	to	marturion	tEs
	THE	for	BOASTing	OF-US	this	IS	THE	witness	OF-THE
								testimony	
	συνειδήσεως	ἡμῶν	ὅτι	ἐν	ἀπλότητι	καὶ	εὐλικρινείᾳ	θεοῦ	
	suneidEseOs	hEmOn	hoti	en	haplotEti	kai	eilikrineia	theou	
	conscience	OF-US	that	IN	UN-COMPOUND	AND	sincerity	God	
					singleness				

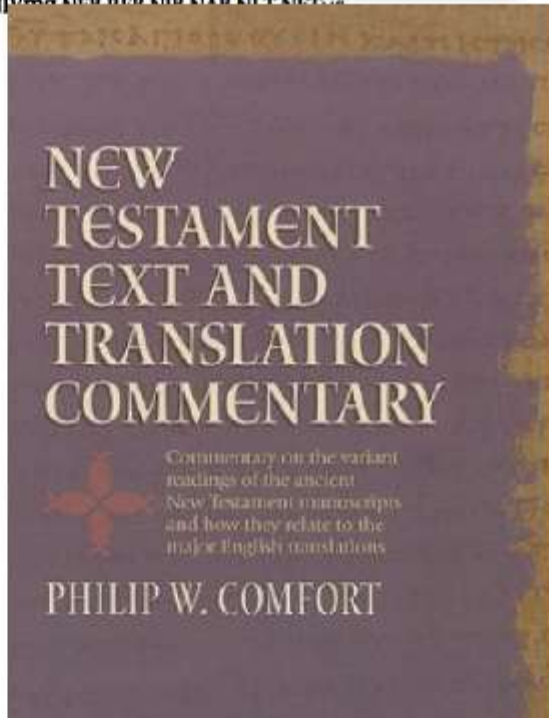
غير موجود بالمخطوط



تم تغيير اللفظة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا من (قداسة) إلى (بساطة)

! Corinthians 1:12

TR NU	<p>ἐν ἀπλότητι καὶ εἰλικρινείᾳ "in simplicity and sincerity" Ⲛ² D F G Maj syi KJV NKJV NRSV ESV TNIV NEBmg REBmg NJBmg NLTmg HCSB NET</p>	<p>قراءة (بساطة) مكتوبة بواسطة ناسخ متأخر زمنيا</p>
variant/WH	<p>ἐν αἰγιότητι καὶ εἰλικρινεῖαι "in sanctity and sincerity" ⲡ⁴ Ⲛ* A B C 33 1739 cop RSV NRSVmg ESVmg NASB NIV TNIVmg NEB DEB NPB NAB NLT NETmg</p>	<p>قراءة (قداسة) مكتوبة بواسطة الناسخ الأصلي</p>



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب لفظة: (يسوع $\delta\iota\alpha$ 'Ιησοῦ) السينائية: تكتب بدلا منها: (مع يسوع $\sigma\upsilon\nu$ ι̅Ϛ̅)	١٤. عَارْفِين أَن اللّٰهَ الَّذِي أَقَامَ الرَّبَّ يَسُوعَ سَيُقِيمُنَا نَحْنُ أَيْضًا بِيسوعَ، وَيُحْضِرُنَا مَعَكُمْ.	14 knowing that 1 he who raised up the Lord Jesus, will also raise us up with Jesus, and present us with you.	M-01A 2 Corinthians 4:14 εἰδοτες οτι ο εγειρας τον ΚΝ̅ ΙΝ̅ και ημας συν ι̅Ϛ̅ εγερει και παραστησει συν υμιν	كور(2) :4 :14	2
<p>قام النساخ بتغيير اللفظة من (مع يسوع) إلى (يسوع) لعدة أسباب:</p> <ul style="list-style-type: none"> - إذا كان الله قد أقام الرب يسوع بالفعل فكيف سيقومه مع المؤمنين مجددا ! - احتياج يسوع لمن يقيمه من الموت كالأخرين هو طاعن في ألوهيته , فتغيير النص يطمس هذه المشكلة - استعمال الرب ليسوع في إقامة المؤمنين من الموت يمكن أن يستعمله المسيحي كدليل على ألوهية يسوع الذي به ستقع الإقامة من الموت ! <p>(دعم ألوهية يسوع , طمس ما يعارض تأليه المسيح) (علام التناقضات)</p>					التعليق	

2Co 4:14

συν
مع

2Co 4:15

أيضا

4:14	ΕΙΔΟΤΕΣ	ΟΤΙ Ο	ΕΓΕΙΡΑΣ	ΤΟΝ	ΚΥΡΙΟΝ	ΙΗΣΟΥΝ	ΚΑΙ ΗΜΑΣ
	eidotes	hoti	ho	egeiras	ton	kurion	iEsoun kai hEmas
	HAVING-PERCEIVED	that	THE	One-ROUSing	THE	Master	JESUS AND US
	being-aware		one-rousing	Lord			also
	ΔΙΑ	ΙΗΣΟΥ	ΕΓΕΡΕΙ	ΚΑΙ	ΠΑΡΑΣΤΗΣΕΙ	ΣΥΝ	ΥΜΙΝ
	dia	iEsou	egerei	kai	parastEsei	sun	humin
	THRU	JESUS	SHALL-BE-ROUSING	AND	SHALL-BE-BESIDE-STANDING	TOGETHER	to-YOU(p)
	through		shall-be-presenting-us		shall-be-presenting-us	together	with ye

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (الكل <i>τὰ πάντα</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٧ إِذَا إِنَّ كَانَ أَحَدٌ فِي الْمَسِيحِ فَهُوَ خَلِيقَةٌ جَدِيدَةٌ: الْأَشْيَاءُ الْعَتِيقَةُ قَدْ مَضَتْ، هُوَذَا الْكُلُّ قَدْ صَارَ جَدِيدًا	وإذا كان أحد في المسيح، فهو خليفة جديدة: زال القديم وها هو الجديد	17 So that if any one is in Christ, he is a new creature: the old things have passed away, behold, they have become new.	M-01A 2 Corinthians 5:17 Ὡστε εἰ τις ἐν Χριστῷ καινὴ κτίσις τὰ ἀρχαία παρηλθεῖ ἰδοὺ γεγονεν καινα	كور (2) 5: 17	3
أضاف النساخ لفظة (الكل) من أجل التأكيد على انتهاء كل شيء قديم شاملين بذلك الناموس الموسوي (إلغاء الشريعة)					التعليق	

2Co 5:17

ὩΣΤΕ Εἰ ΤΙς ἐν Χριστῷ καινὴ κτίσις τὰ ἀρχαία παρηλθεν ἰδοὺ γεγονεν καινὰ τὰ πάντα

2Co 5:18

τὰ δὲ πάντα ἐκ τοῦ θεοῦ τοῦ καταλλάξαντος ἡμᾶς

5:17 ὩΣΤΕ Εἰ ΤΙς ἐν Χριστῷ καινὴ κτίσις τὰ ἀρχαία
hOste ei tis en christO kainE ktisis ta archaia
AS-BESIDES IF ANY IN ANOINTED NEW CREATION THE ORIGINALS
so-that anyone Christ primitive(P)

ΠΑΡΗΛΘΕΝ ἸΔΟΥ ΓΕΓΟΝΕΝ ΚΑΙΝΑ ΤΑ ΠΑΝΤΑ
parElthen idou gegonen kainA ta panta
BESIDE-CAME BE-PERCEIVING IT-HAS-BECOME NEW NEW THE ALL
passed-by lo! has-become new(P)

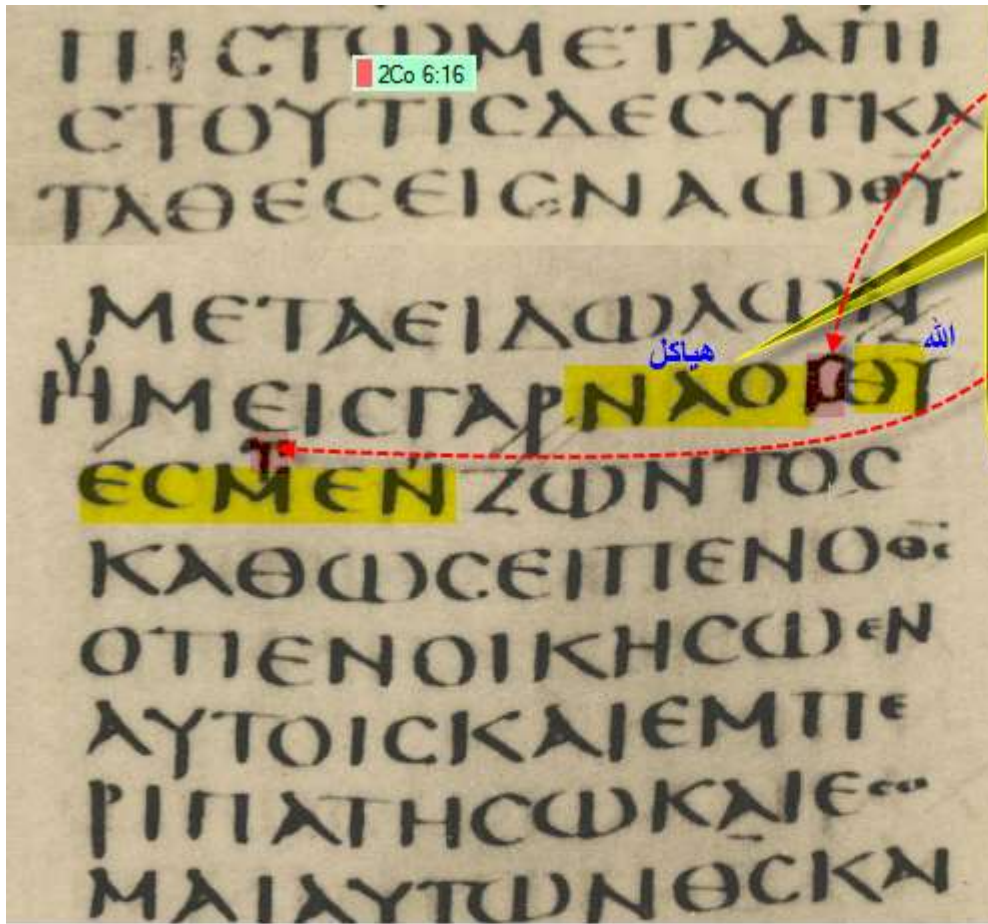
5:18 ΤΑ ΔΕ ΠΑΝΤΑ
ta de panta
THE YET ALL

ἐκ τοῦ θεοῦ τοῦ καταλλάξαντος ἡμᾶς
ek tou theou tou katallaxantos hEmas
OUT OF-THE God THE One-conciliating one-conciliating

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
				M-01A 2 Corinthians 6:16 Τις δε συγκαταθεσεις ναω ΘΥ̅ μετα ειδωλων Ημεις γαρ ναοι ΘΥ̅ εσμεν ζωντος	كور (2) 6: 16	4
	النسخة العربية: تكتب لفظة: (هيكل الله θεοῦ ναός (ΕΣΤΕ السينائية: تكتب بدلا منها: (هيكل الله ΘΥ̅ ναοι (ΕΣΜΕΝ	وأي وفاق بين هيكل الله والأوثان؟ فنحن هيكل الله الحي.	16 And what agreement has the temple of God with idols? For we are the temples of the living God,			
قام النساخ بتغيير النص من (هيكل الله) إلى (هيكل الله) لأن المسيحيين يعتبرون أنفسهم مجتمعين ككنسية واحدة يمثلون هيكل الله الحي, في حين أن النص في صورته (هيكل الله) يجعلهم هيكل متفرقة وليس هيكل واحد, وبالتالي كنائس متفرقة وليس كنيسة واحدة (دعم عقيدة وحدة الكنيسة)					التعليق	





2Co 6:16

تم إقحام حرف السيجما في آخر لفظة (هياكل) بعد حرف الأوميكرون في المساحة الضيقة بين كلمة (هياكل) وكلمة (الله)، ويظهر واضحاً عدم كفاية المساحة للحرف، وتمت عملية الإقحام بواسطة ناسخ متأخر زمنياً، وكذلك تم كتابة حرف التاو في الهامش من أجل تحويل اللفظة من (هياكل) إلى (هياكل)

6:16 TIC ΔΕ ΣΥΓΚΑΤΑΘΕCIC ΝΑΩ ΘΕΟΥ ΜΕΤΑ ΕΙΔΩΛΩΝ ΥΜΕΙC
 tis de sugkathesis naO theou meta eidOIOn humeis
 ANY YET TOGETHER-DOWN-PLACing to-TEMPLE OF-God WITH idols YOU(P)
 what ? concurrence

ΓΑΡ ^{هياكل}ΝΑΟΣ ^{الله}ΘΕΟΥ ΕCΤΕ ΖΩΝΤΟC ΚΑΘΩC ΕΙΠΕΝ Ο ΘΕΟC ΟΤΙ
 gar naos theou este zOntos kathOs eipen ho theos hoti
 for TEMPLE OF-God ARE LIVING according-AS said THE God that

2 Corinthians 6:16

WHNU ἡμεῖς γὰρ ναὸς θεοῦ ἐσμεν ζῶντος
"for we are the temple of the living God"
B D* L P 33 cop
NKJvmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

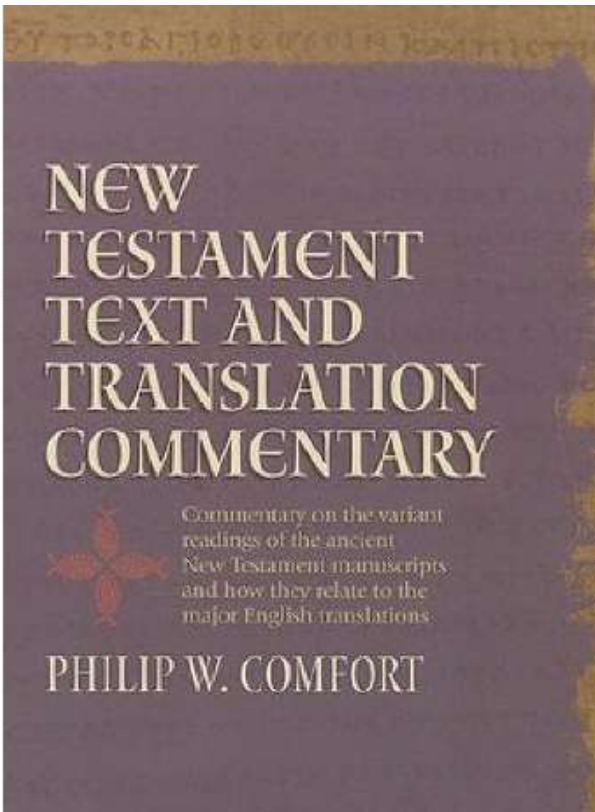
543 2 CORINTHIANS

variant 1/TR ὑμεῖς γὰρ ναὸς θεοῦ ἐστε ζῶντος
"for you are the temple of the living God"
P⁴⁶ (A²) C D¹ F G¹ H¹ (0209) Maj It 87
KJV NKJV HCSBmg

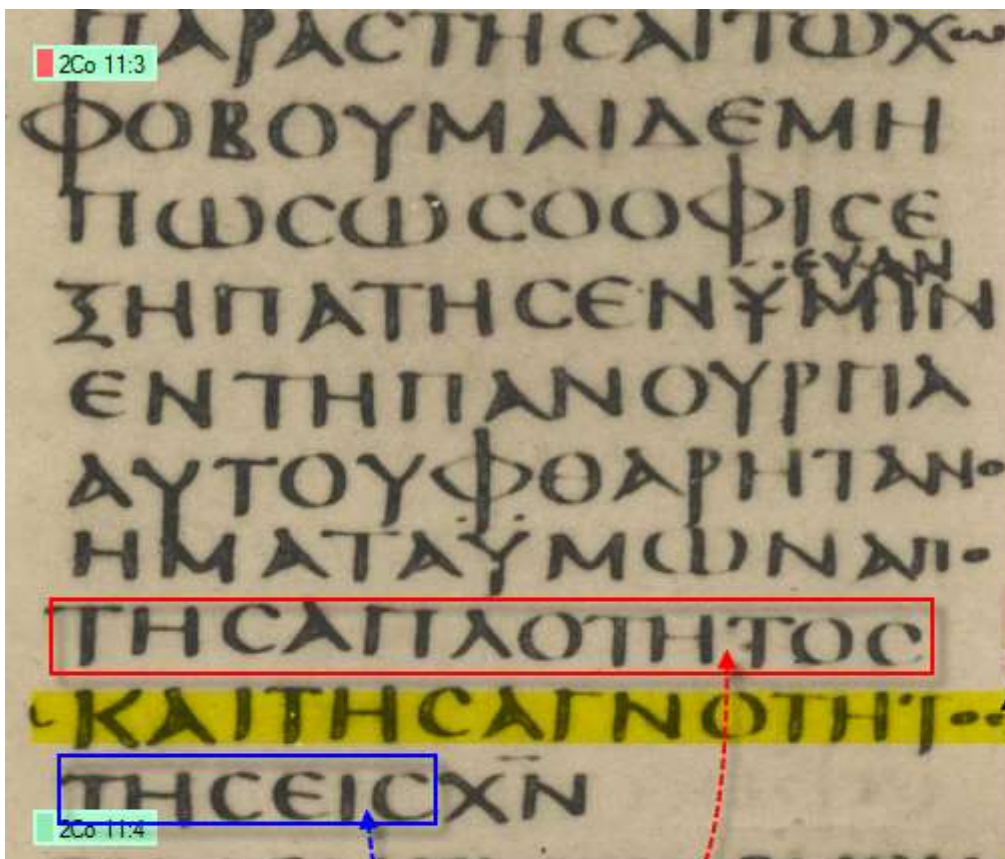
قراءة (هيكل) تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا

variant 2 ἡμεῖς γὰρ ναοὶ θεοῦ ἐστε ζῶντος
"for we are temples of the living God"
N* 0243 1739
none

قراءة (هياكل) تمت بواسطة
الناسخ الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (البساطة ἀπλότητος) السينائية: تضيف لفظة زائدة: (البساطة والنقاء αγνοτητος)	٣. وَلَكِنِّي أَخَافُ أَنَّهُ كَمَا خَدَعَتِ الْحَيَّةُ حَوَاءَ بِمَكْرِهَا، هَكَذَا تُفْسِدُ أَدْهَانُكُمْ عَنِ الْبَسَاطَةِ الَّتِي فِي الْمَسِيحِ.	٣. وَلَكِنِّي أَخَافُ أَنَّهُ كَمَا خَدَعَتِ الْحَيَّةُ حَوَاءَ بِمَكْرِهَا، هَكَذَا تُفْسِدُ أَدْهَانُكُمْ عَنِ الْبَسَاطَةِ وَالنَّقَاةِ الَّتِي فِي الْمَسِيحِ.	3 I fear, however, lest perhaps, as the serpent completely deceived Eve in his craftiness, so your minds should be corrupted from the simplicity and purity that is in Christ.	M-01A 2 Corinthians 11:3 Φοβουμαι δε μη πως ως ο οφης εξηπατησεν υμιν εν τη πανουργια αυτου φθαρη τα νοηματα υμων απο της απλοτητος και της αγνοτητος της εις ΧΝ	كور (2) 11:3	5
لا يوجد مبرر لقيام النساخ بحذف لفظة (النقاء) التي في السينائية, لهذا فغالبا إن سبب هذا الحذف هو خطأ عفوي سببه النهايات المتشابهة بين لفظة (البساطة ἀπλότητος) ولفظة (النقاء αγνοτητος) حيث يشتركان في آخر 6 أحرف فيما يعرف عند النقاد باسم homoeoteleuton, فوقع بصر النساخ على اللفظة الأولى متخيلا أنه يكتب اللفظة الثانية. خطورة هذه الإشكالية في كون قراءة النسخة العربية توجد في أغلب المخطوطات (لكنها متأخرة زمنيا) وهذا يعني أن الخطأ العفوي تمكن من الانتشار والدخول لنص الأغلبية العظمى من مخطوطات العهد الجديد... وبالتالي: (الكتـاب الذي لا يحمي نفسه من دخول الأخطاء العفوية وتوطنها وانتشارها لا يحمي نفسه من التحريفات المتعمدة)					التعليق	
(عندما يكون الخطأ العفوي أخطر في الدلالة من التغيير المتعمد)						



2Co 11:3

2Co 11:4

والتقاوة
ΚΑΙ ΤΗΣ ΑΓΝΟΤΗΤΟΣ

11:3	ΦΟΒΟΥΜΑΙ	ΔΕ	ΜΗ	ΩΣ	Ο	ΟΦΙΣ	ΕΥΑΝ	ΕΞΗΠΑΤΗΣΕΝ	ΕΝ
	phoboumai	de	μη	ωs	ho	ophis	heuan	exEpatEsen	en
	I-AM-FEARING	YET	NO-?AS	AS	THE	serpent	EVE	OUT-SEDUCES	IN
			lest-somewo					deludes	
	ΤΗ	ΠΑΝΟΥΡΓΙΑ	ΑΥΤΟΥ	ΟΥΤΩΣ	ΦΘΑΡΗ		ΤΑ	ΝΟΗΜΑΤΑ	
	te	panourgia	autou	houtos	phtharE		ta	noEmata	
	THE	cleverness	OF-him	thus	SHOULD-BE-BEING-CORRUPTED		THE	MINDS	
		craftiness	of him					apprehensions	
	ΥΜΩΝ	ΑΠΟ	ΤΗΣ	ΑΠΛΟΤΗΤΟΣ	ΤΗΣ	ΕΙΣ	ΤΟΝ	ΧΡΙΣΤΟΝ	
	humon	apo	tes	haplotetos	tes	eis	ton	christon	
	OF-YOU(P)	FROM	THE	UN-COMPOUND	OF-THE	INTO	THE	ANOINTED	
	of-ye			singleness	the			Christ	

البساطة
ΤΗΣ ΑΠΛΟΤΗΤΟΣ
UN-COMPOUND
singleness

التي في
ΤΗΣ ΕΙΣ ΤΟΝ
OF-THE INTO THE

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (لئلا أرتفع) ina μη υπεραίρωμαι) السينائية: العبارة غير موجودة	٧ وَلئلاً أَرْتَفِعَ بِفَرْطِ الإِغْلَانَاتِ، أُعْطِيتُ شَوْكَةً فِي الجَسَدِ، مَلَآكَ الشَّيْطَانِ لِيَأْطِمَنِي، لئلاً أَرْتَفِعَ	ولئلا أنتفخ بالكبرياء من عظمة ما ا تكشف لي، أصبت بشوكة في جسدي وهي كرسول من الشيطان يضربني	7 And, lest I might be exalted above measure through the exceeding greatness of the revelations, there was given me a thorn in the flesh, a message of Satan that he might buffet me	M-01A 2 Corinthians 12:7 Και τη υπερβολη των αποκαλυψεων διο ινα μη υπεραιρωμαι εδοθη μοι σκολοψ τη σαρκι αγγελος Σατανα ινα με κολαφιζη	كور (2) :12 7	6
أضاف النساخ عبارة (لئلا أرتفع) في نهاية النص لمزيد من التأكيد على أن سبب الشوكة ليس غضبا إلهيا على بولس إنما هي في صالحه حيث تمنعه من الكبر والزهو (تحسين صورة بولس)					التعليق	



ΒΛΕΠΕΙΜΕΝΑ ΚΟΥ
 ΕΙΣΕΣΕΜΟΥ ΚΑΙ ΤΗ
 ΥΠΕΡΒΟΛΗ ΤΩΝ
 ΠΟΚΑΛΥΨΕΩΝ

2Co 12:7

ΔΙΟΪΝΑ ΜΗ ΥΠΕΡΑΙ
 ΡΩΜΑΙ ΕΔΟΘΗ ΜΟΙ
 ΣΚΟΛΟΥ ΤΗΣ ΣΑΡΚΙ
 ΑΓΓΕΛΟΣ ΣΑΤΑΝΑ
 ΝΑ ΜΕ ΚΟΛΑΦΙΖΗ
 ΥΠΕΡ ΤΟΥΤΟΥ ΤΡΙΣ

2Co 12:8

12:7	ΚΑΙ ΤΗ	ΥΠΕΡΒΟΛΗ	ΤΩΝ	ΑΠΟΚΑΛΥΨΕΩΝ	ΙΝΑ	ΜΗ	
	kai tE	hyperbolE	tOn	apokalupsEOn	hina mE		
	AND to-THE	OVER-CAST	OF-THE	FROM-COVERings	THAT NO		غير موجود بالمخطوط
	also	transcendence		revelations			
	ΥΠΕΡΑΙΡΩΜΑΙ	ΕΔΟΘΗ	ΜΟΙ	ΣΚΟΛΟΥ	ΤΗ	ΣΑΡΚΙ	ΑΓΓΕΛΟΣ
	uperairOmai	edothE	moi	skolops	tE	sarki	aggelos
	I-MAY-BE-being-OVER-LIFTED	WAS-GIVEN	to-ME	SPLINTER	to-THE	FLESH	MESSANGER
	I-may-be-being-lifted-up	there-was-given					
	ΣΑΤΑΝ	ΙΝΑ	ΜΕ	ΚΟΛΑΦΙΖΗ	ΙΝΑ	ΜΗ	ΥΠΕΡΑΙΡΩΜΑΙ
	satan	hina	me	kolaphizE	hina	mE	uperairOmai
	SATAN	THAT	ME	he-MAY-BE-FROM-CHASTENING	THAT	NO	I-MAY-BE-being-OVER-LIFTED
	of-Satan			he-may-be-buffeting			I-may-be-being-lifted-up
	من جهة			ليطمني			لئلا أرتفع
12:8	ΥΠΕΡ	ΤΟΥΤΟΥ	ΤΡΙΣ	ΤΟΝ	ΚΥΡΙΟΝ	ΠΑΡΕΚΑΛΕΣΑ	ΙΝΑ
	huper	toutou	tris	ton	kurion	parekalesa	hina
	OVER	this	THRice	THE	Master	I-BESIDE-CALL	THAT
	for_the-sake-of				Lord	I-entreat	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (قوتي δύναμις μου)	٩ فَقَالَ لِي: "تَكْفِيكَ نِعْمَتِي، لِأَنَّ قُوَّتِي فِي الضَّعْفِ تُكْمَلُ".	فقال لي: ((تكفيك نعمتي. في الضعف يظهر كمال القوة)).	9 And he said to me: My grace is sufficient for thee; for the power is perfected in weakness.	M-01A 2 Corinthians 12:9 Και ειρηκεν μοι Αρκει σοι η χαρις μου η γαρ δυναμις εν ασθενια τελειται	كور (2) :12 9	7
السينائية: تكتب بدلا منها: (القوة δύναμις)						
قام النساخ بتغيير النص من (القوة) إلى (قوتي) من هو المقصود بظهور قوته هل هو الله أم بولس (توضيح النص)					التعليق	

2Co 12:9
ΚΑΙ ΕΙΡΗΚΕΝ ΜΟΙ ΑΡΚΕΙ ΣΟΙ Η ΧΑΡΙΣ ΜΟΥ Η ΓΑΡ ΔΥΝΑΜΙΣ ΕΝ ΑΣΘΕΝΙΑ ΤΕΛΕΙΟΥΤΑΙ Η ΔΙΣΤΑΟΥΝ ΜΑΛΛΟΝ ΚΑΥΧΗΣΟΜΑΙ ΕΝ ΤΑΙΣ ΑΣΘΕΝΙΑΙΣ ἵνα λεπίσκην ὡς ἠέπε μεν δύναμις

2Co 12:10
12:9 ΚΑΙ ΕΙΡΗΚΕΝ ΜΟΙ ΑΡΚΕΙ ΣΟΙ Η ΧΑΡΙΣ ΜΟΥ Η ΓΑΡ
kai eirEken moi arkei soi hE charis mou hE gar
AND He-HAS-d charis to-YOU THE grace OF-ME THE for
is-being-sufficient

12:10 ΔΥΝΑΜΙΣ ΜΟΥ ΕΝ ΑΣΘΕΝΙΑ ΤΕΛΕΙΟΥΤΑΙ Η ΔΙΣΤΑ ΟΥΝ
dunamis mou en astheneia teleioutai hEdista oun
ABILITY OF-ME IN UN-FIRMness IS-being-maturED most-GRATIFY-ly THEN
power in firmity is-being-perfected with-the-greatest-relish

اللفظة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

ليست بالمخطوط قوتي

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَأَنَا أَفْتَخِرُ كَاυχُومَenos (السينائية: العبارة غير موجودة	١ اَقْدُ صِرْتُ غَيِّبًا وَأَنَا أَفْتَخِرُ. أَنْتُمْ أَلْزَمْتُمُونِي!	ها أنا صرت أحمق، وأنتم أجبرتموني على أن أكون كذلك	11 I have become foolish: you have compelled me.	M-01A 2 Corinthians 12:11 Γεγονα αφρων υμεις με ηναγκασατε εγω	كور(2) 11 :12	8
أضاف النساخ عبارة (وأنا أفخر) والترجمة الأدق لها (بالافتخار) لتوضيح السبب الذي من أجله وصف بولس نفسه بالغباء وهو أنه اضطر لمدح نفسه والتفاخر، وصار المعنى: قد صرت غيبا بسبب هذا التفاخر الذي صدر مني (توضيح النص)					التعليق	

2Co 12:11

ليست بالمخطوط

12:11	ΓΕΓΟΝΑ	ΔΦΡΩΝ	ΚΑΥΧΩΜΕΝΟΣ	ΥΜΕΙΣ	ΜΕ	ΗΝΑΓΚΑΣΑΤΕ
	gegona	aphrOn	kauchOmenos	humeis	me	Enagkasate
	I-HAVE-BECOME	UN-DISPOSED	BOASTING	YOU(P)	ME	necessitate
		imprudent	in-boasting	ye		compel

ΕΓΩ	ΓΑΡ	ΩΦΕΙΛΟΝ	ΥΦ	ΥΜΩΝ	ΣΥΝΙΣΤΑΣΘΑΙ	ΟΥΔΕΝ	ΓΑΡ
egO	gar	Opheilon	huph	humOn	sunistasthai	ouden	gar
I	for	OWED	by	YOU(P)	TO-BE-being-together-stood	NOT-YET-ONE	for
		ought		ye	to-be-being-commended	in-nothing	

رسالة غلاطيّة

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (أتوا ἤλθον) السينائية: تكتب بدلا منها: (أتى ἦλθεν)	١٢ لَأَنَّهُ قَبْلَمَا أَتَى قَوْمٌ مِنْ عِنْدَ يَعْقُوبَ كَانَ يَأْكُلُ مَعَ الْأُمَّمِ، وَلَكِنْ لَمَّا أَتَوْا كَانَ يُؤَخِّرُ وَيُفِرُّ نَفْسَهُ	فقبل أن يجيء قوم من عند يعقوب، كان بطرس يأكل مع غير اليهود. فلما أتى تجنبهم وانفصل عنهم خوفا من دعاة الختان	12 For before some had come from James, he ate with the Gentiles; but when he had come, he withdrew and separated himself, fearing those of the circumcision;	M-01A Galatians 2:12 Προ του γαρ ελθιν τινας απο Ιακωβου μετα των εθνων συνησθιεν οτε δε ηλθεν υπεστειλε και αφωριζεν εαυτο φοβουμενος τους εκ περιτομης	غلاطية 2-12	1
قام النساخ بتغيير اللفظة من (أتى) إلى (أتوا) لأن بولس في أول النص قال (يجيء قوم) فالذين أتوا كانوا مجموعة وليس شخصا واحدا، فقاموا بإصلاح الخطأ الذي وقع فيه بولس (تصحيح الأخطاء) (إنقاذ المؤلف)					التعليق	

2:12	ΠΡΟ	ΤΟΥ	ΓΑΡ	ΕΛΘΕΙΝ	ΤΙΝΑΣ	ΑΠΟ	ΙΑΚΩΒΟΥ	ΜΕΤΑ	ΤΩΝ
	pro	tou	gar	elhein	tinas	apo	iakObou	meta	tOn
	BEFORE	OF-THE	for	TO-BE-COMING	ANY	FROM	JACOBUS	WITH	THE
		the			some		James		
	ΕΘΝΩΝ	ΣΥΝΗΣΘΙΕΝ	ΟΤΕ	ΔΕ	ἤλθον	ΥΠΕΣΤΕΛΛΕΝ	ΚΑΙ	ΑΦΩΡΙΖΕΝ	
	ethnOn	sunEsthien	hote	de	Elthon	hupstellen	kai	aphOrizen	
	NATIONS	he-TOGETHER-ATE	when	YET	THEY-CAME	he-UNDER-PUT	AND	FROM-definED	
		he-ate-together				he-shrank-back		severed	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (حَتَّى لَا تُدْعِنُوا لِلْحَقِّ؟) τῆ ἀληθείᾳ μὴ πείθεσθαι) السينائية: العبارة غير موجودة	أَيُّهَا الْغَلَاطِيُّونَ الْأَغْبِيَاءُ، مَنْ رَفَاكُمْ حَتَّى لَا تُدْعِنُوا لِلْحَقِّ؟ أَنْتُمْ الَّذِينَ أَمَامَ عُيُونِكُمْ قَدْ رُسِمَ يَسُوعُ الْمَسِيحُ بَيْنَكُمْ مَصْلُوبًا	أيها الغلاطيون الأغبياء! من الذي سحركم، أنتم الذين ارتسم المسيح أمام عيونهم مصلوبًا!؟	1 O foolish Galatians, who has bewitched you, before whose eyes Jesus Christ has been set forth as crucified?	M-01A Galatians 3:1 Ὁ ανοητοὶ Γαλαταὶ τις υμᾶς εβασκανεν οἰς κατ ὀφθαλμοὺς Ἰησοῦ Χριστοῦ προεγραφή εσταυρωμενος	غلاطية 1-3	2
أضاف النساخ عبارة (حَتَّى لَا تُدْعِنُوا لِلْحَقِّ؟) لتوضيح نوع السحر الذي قصده بولس، فهو ذلك السحر الذي يجعل الشخص يعاند الحق (حَتَّى لَا تُدْعِنُوا لِلْحَقِّ؟)، وبالتالي هو سحر معنوي وليس حقيقي.					التعليق	
(توضيح النص)						

3:1	Ω	ΑΝΟΗΤΟΙ	ΓΑΛΑΤΑΙ	ΤΙΣ	ΥΜΑΣ	ΕΒΑΣΚΑΝΕΝ	ΤΗ	ΑΛΗΘΕΙΑ	ΜΗ
	o	anoEtoi	galatai	tis	humas	ebaskanen	te	alEtheia	mE
	o	UN-MINDing	GALATIANS	ANY	YOU(P)	BEWITCHES	to-THE	TRUTH	NO
		foolish !	Galatians !	who ?	ye				
		تُدْعِنُوا	أَنْتُمْ	كَات	ΟΦΘΑΛΜΟΥΣ	ΙΗΣΟΥΣ	ΧΡΙΣΤΟΣ		
		πειθεσθαι	οἰς	kat	ophthalmous	iEsous	christos		
		TO-BE-being-PERSUADED	to-WHOM	according-to	VIEWers	JESUS	ANOINTED		
			to-whom(P)		eyes		Christ		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (بينكم εν υμιν) السينائية: اللفظة غير موجودة	أَيُّهَا الْغَلَاطِيُّونَ الْأَعْبِيَاءُ، مَنْ رَقَاكُمْ حَتَّى لَا تُدْعُوا لِلْحَقِّ؟ أَنْتُمْ الَّذِينَ أَمَامَ عُيُونِكُمْ قَدْ رُسِمَ يَسُوعُ الْمَسِيحُ بَيْنَكُمْ مَصْلُوبًا!	أيها الغلاطيون الأغبياء! من الذي سحر عقولكم، أنتم الذين ارتسم المسيح أمام عيونهم مصلوبا؟.	1 O foolish Galatians, who has bewitched you, before whose eyes Jesus Christ has been set forth as crucified?	M-01A Galatians 3:1 Ω ανοητοι Γαλαται τις υμας εβασκανεν οισ κατ οφθαλμους ΙΣ ΧΣ προεγραφη εσταυρωμενος	غلاطية 1-3	3
أضاف النساخ لفظة (بينكم) من أجل أن يؤكدوا على صحة إدانة بولس للغلاطيين , فكيف لهم أن يزيغوا عن الطريق الصحيح رغم أن المسيح قد رسم بينهم وأمام عيونهم مصلوبا. (دعم طرم بولس)					التعليق	

Gal 3:1

Gal 3:2

3:1	Ω	ΑΝΟΗΤΟΙ	ΓΑΛΑΤΑΙ	ΤΙΣ	ΥΜΑΣ	ΕΒΑΣΚΑΝΕΝ	ΤΗ	ΑΛΗΘΕΙΑ	ΜΗ
	O	anoEtoi	galatai	tis	humas	ebaskanen	te	alItheia	mE
	fo!	UN-MINDing	GALATIANS	ANY	YOU(P)	BEWITCHES	to-THE	TRUTH	NO
		foolish !	Galatians !	who ?	ye				
	ΠΕΙΘΕΣΘΑΙ	ΠΡΟΕΓΡΑΦΗ	ΕΝ ΥΜΙΝ	ΕΣΤΑΥΡΩΜΕΝΟΣ	ΟΦΘΑΛΜΟΥΣ	ΙΗΣΟΥΣ	ΧΡΙΣΤΟΣ		
	peithesthai	proographE	en humin	estaurOmenos	ophthalmous	iEsous	christos		
	TO-BE-bEING-PERSUADED to-WhOM according-to	WAS-BEFORE-WRITTen	IN YOU(P)	HAVING-been-impalIED	VIEWers	JESUS	ANOINTED		
	to-whom(P)	was-portrayed	among	having-been-crucified	eyes		Christ		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (نحو المسيح eis Χριστόν) السينائية: العبارة غير موجودة	١٧ وَإِنَّمَا أَقُولُ هَذَا: إِنَّ النَّامُوسَ الَّذِي صَارَ بَعْدَ أَرْبَعِينَ وَثَلَاثِينَ سَنَةً، لَا يُنْسَخُ عَهْدًا قَدْ سَبَقَ فَنَمَكَّنَ مِنْ اللَّهِ نَحْوَ الْمَسِيحِ حَتَّى يُبْطِلَ الْمَوْعِدَ.	وما أريد أن أقوله هو أن الشريعة التي جاءت بعد مرور أربعين وثلاثين سنة لا تقدر أن تنقض عهدا أثبته الله، فتجعل الوعد بطلا.	17 But this I say: A covenant confirmed by God, the law which was four hundred and thirty years after does not annul, so as to make the promise of no effect.	M-01A Galatians 3:17 Τοῦτο δε λεγω διαθηκην προκεκυρωμενην υπο του ΘΥ ο μετα τετρακοσια και τριακοντα ετη γεγονως νομος ουκ ακυροι εις το καταργησαι την επαγγελιαν	غلاطية 3-17	4
أضاف النساخ عبارة (نحو المسيح) لجعل الوعد الذي قطعه الله مع إبراهيم يقصد به المسيح، مما يجعل بالتالي جميع النبوءات التي بعد إبراهيم كلها يقصد بها المسيح (زراعة نبوءات عن المسيح)					التعليق	

Gal 3:17

ΤΟΥΤΟ ΔΕ ΛΕΓΩ ΔΙΑΘΗΚΗΝ ΠΡΟΚΕΚΥΡΩΜΕΝΗΝ ΥΠΟ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΜΕΤΑ ΕΤΗ ΤΕΤΡΑΚΟΣΙΑ ΚΑΙ ΤΡΙΑΚΟΝΤΑ ΚΑΙ ΤΡΙΑΚΟΝΤΑ ΕΤΗ ΓΕΓΟΝΩΣ ΝΟΜΟΣ ΟΥΚ ΑΚΥΡΟΙ ΕΙΣ ΤΟ ΚΑΤΑΡΓΗΣΑΙ ΤΗΝ ΕΠΑΓΓΕΛΙΑΝ

Gal 3:18

ΤΟΥΤΟ ΔΕ ΛΕΓΩ ΔΙΑΘΗΚΗΝ ΠΡΟΚΕΚΥΡΩΜΕΝΗΝ ΥΠΟ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΜΕΤΑ ΕΤΗ ΤΕΤΡΑΚΟΣΙΑ ΚΑΙ ΤΡΙΑΚΟΝΤΑ ΚΑΙ ΤΡΙΑΚΟΝΤΑ ΕΤΗ ΓΕΓΟΝΩΣ ΝΟΜΟΣ ΟΥΚ ΑΚΥΡΟΙ ΕΙΣ ΤΟ ΚΑΤΑΡΓΗΣΑΙ ΤΗΝ ΕΠΑΓΓΕΛΙΑΝ

3:17	ΤΟΥΤΟ	ΔΕ	ΔΙΑΘΗΚΗΝ	ΠΡΟΚΕΚΥΡΩΜΕΝΗΝ	ΥΠΟ	ΤΟΥ
	touto	de	diathEkEn	prokekurOmenEn	hupo	tou
	tōis	YET	M-saying	covenant	HAVING-been-BEFORE-SANCTIONED	by
					THE	
					having-been-ratified-before	
الله	ΕΙΣ	ΧΡΙΣΤΟΝ	Ο	ΜΕΤΑ	ΕΤΗ	ΤΕΤΡΑΚΟΣΙΑ
theou	eis	christon	ho	meta	etE	tetrakosia
God	INTO	ANointed	THE	after	YEARS	FOUR-hundred
	Christ					AND
						THREE-TY
						thirty

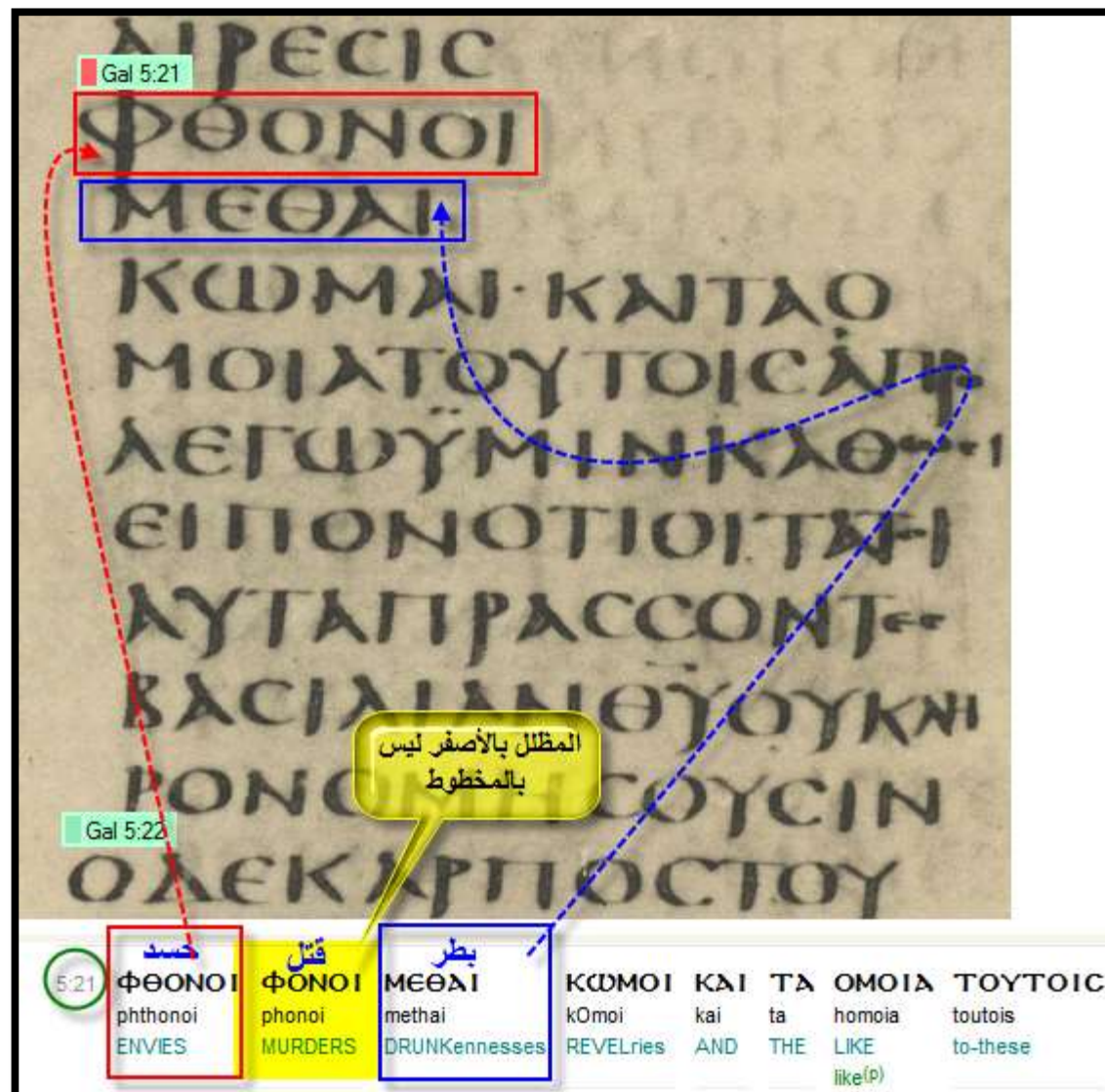
وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (بالمسيح $\delta\iota\alpha$ Χριστοῦ)	إِذَا لَسْتُ بَعْدُ عَبْدًا بَلْ ابْنًا، وَإِنْ كُنْتُ ابْنًا فَوَارِثٌ لِلَّهِ بِالمَسِيحِ.	فما أنت بعد الآن عبد، بل ابن، وإذا كنت ابنا فأنت وارث بفضل الله..	7 So then thou art no longer a servant, but a son; and if a son, an heir also through God.	M-01A Galatians 4:7 Ὡστε ουκετι ει δουλος αλλα υιος ει δε υιος και κληρονομος δια ΘΥ	غلاطية 4-7	5
السينائية: اللفظة غير موجودة	أضاف النساخ لفظة (بالمسيح) للتأكيد على دور المسيح في خلاص البشر, فميراث مجد الله لان يتم إلا بواسطته (دعم عقيدة الفداء والخاص)					التعليق

تم تغيير النص في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا ليصبح (لله بالمسيح) بدلا من (الله)

47	ὩΣΤΕ	ΟΥΚΕΤΙ	ΕΙ	ΔΟΥΛΟΣ	ΑΛΛ	ΥΙΟΣ	ΕΙ	ΔΕ	ΥΙΟΣ	ΚΑΙ
	hOste	ouketi	ei	doulos	all	huios	ei	de	huios	kai
	AS-BESIDES	NOT-STILL	YOU-ARE	SLAVE	but	SON	IF	YET	SON	AND
	so-that	no longer								also

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (قتل φόνοι) السينائية: اللفظة غير موجودة	21 حَسَدٌ قَتْلٌ سَكْرٌ بَطْرٌ،	والحسد والسكر والعريضة وما أشبهه.	21 envyings, drunkenness, revellings, and things like these;	M-01A Galatians 5:21 φθονοι μεθαι κωμαι και τα ομοια τουτοις	غلاطية 5-21	6
<p>أضاف النساخ لفظة (قتل) لعدة أسباب:</p> <ul style="list-style-type: none"> - مطابقة النص هنا مع ما قاله المسيح في مرقص (7-21) - إكمال قائمة أعمال الجسد التي ذكرها بولس في العدد 19, فليس من المنطقي أن يذكر الأمور الجسدية السلبية وينسى أخطرها وهو القتل <p>(مطابقة نصوص الأسفار ببعضها) (جعل الأمور أكثر منطقية)</p>					التعليق	



رسالة أفسس

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<u>النسخة العربية:</u> تضيف لفظة: (في أفسس ἐν Ἐφέσω) <u>السينائية:</u> اللفظة غير موجودة	ابُولُسُ، رَسُولُ يَسُوعَ الْمَسِيحِ بِمَشِيئَةِ اللَّهِ، إِلَى الْقَدِيسِينَ الَّذِينَ فِي أَفْسُسَ ، وَالْمُؤْمِنِينَ فِي الْمَسِيحِ يَسُوعَ	من بولس، رسول المسيح يسوع بمشيئة الله، إلى الإخوة القدسين الموجودين ، المؤمنين في المسيح يسوع	1 Paul, an apostle of Christ Jesus through the will of God, to the saints that are and to the faithful in Christ Jesus.	M-01A Ephesians 1:1 Παυλος αποστολος Ἰη̅ϣ̅ϣ̅ δια θεληματος Θ̅Υ̅ τοις αγιοις τοις ουσι και πιστοις εν Χ̅Ω̅ Ι̅ϣ̅	1-1	1
<p>أضاف النساخ عبارة (في أفسس) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - توضيح الجهة التي تسلمت الرسالة مما يساهم في إثبات قانونيتها - تحسين الوضع اللغوي للنص حيث أن النص بدونها يقول (القدسين الموجودين) . <p>(تحسين النص) (دعم قانونية الاسفار)</p>					التعليق	

Eph 1:1

ΠΑΥΛΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ
ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ
ΔΙΑ ΘΕΛΗΜΑΤΟΣ
ΘΕΟΥ
ΤΟΙΣ ΑΓΙΟΙΣ
ΤΟΙΣ ΟΥΣΙΝ
ΕΝ ΕΦΕΣΩ
ΚΑΙ ΠΙΣΤΟΙΣ
ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ

Eph 1:2

ΠΑΥΛΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΔΙΑ ΘΕΛΗΜΑΤΟΣ ΘΕΟΥ
paulos apostolos iEsou christou dia thelEmatos theou
PAUL commissioner OF-JESUS ANOINTED THRU WILL OF-God
apostle
Christ through

ΤΟΙΣ ΑΓΙΟΙΣ ΤΟΙΣ ΟΥΣΙΝ ΕΝ ΕΦΕΣΩ ΚΑΙ ΠΙΣΤΟΙΣ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ
tois hagiois tois ousin en ephesO kai pistois en christO
to-THE HOLY-ones THE-ones BEING IN EPHESUS AND to-BELIEVing^(p) IN ANOINTED
saints the ones-being to-believers Christ

الموجودين في أفسس والمؤمنين

ليست بالمخطوط

ΙΗΣΟΥ
iEsou
JESUS

Ephesians 1:1b

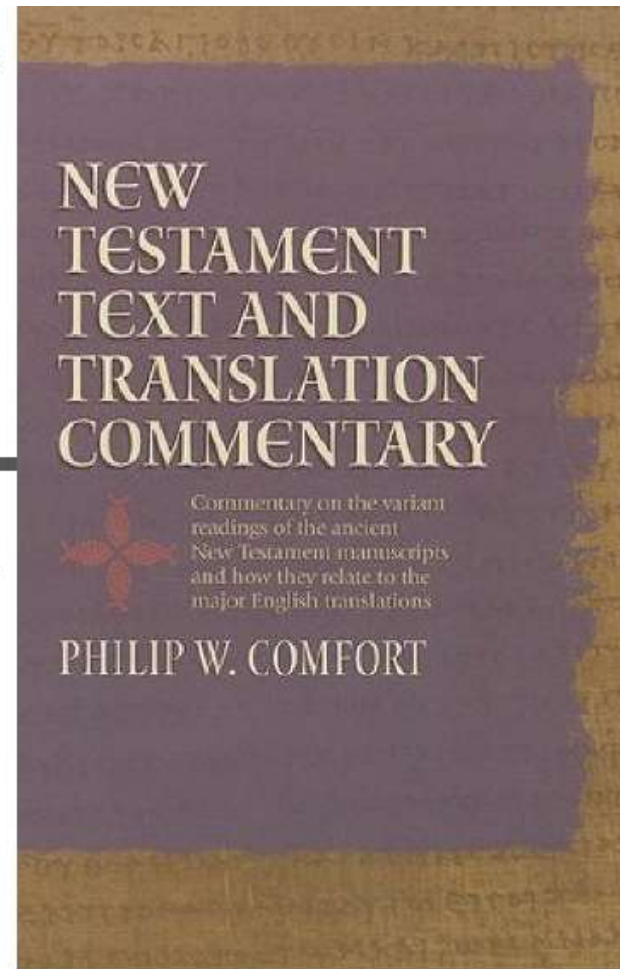
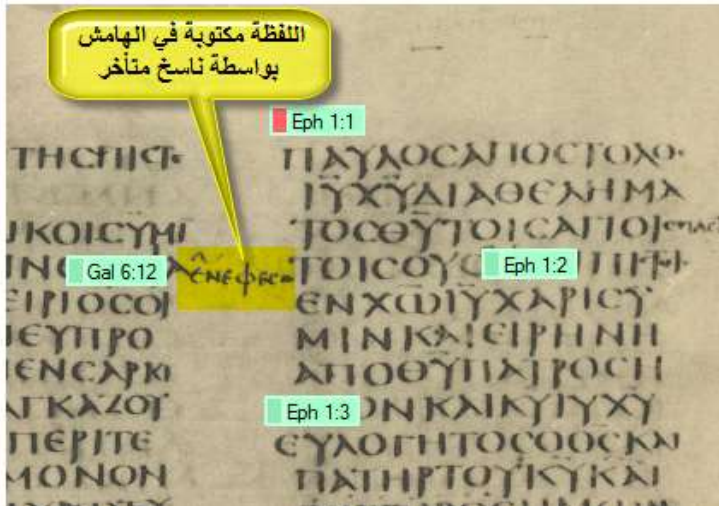
TR WH NU	<p>τοῖς ἁγίοις τοῖς οὖσιν (ἐν Ἐφέσῳ) καὶ πιστοῖς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ</p> <p>"to the saints being in Ephesus and faithful in Christ Jesus"</p> <p>B⁷ D F G Ψ 33 Maj syr cop^{sa}</p> <p>KJV NKJV RSVmg NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJBmg NAB NLT NET</p>
variant 1	<p>τοῖς ἁγίοις πᾶσιν τοῖς οὖσιν ἐν Ἐφέσῳ καὶ πιστοῖς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ</p> <p>"to all the saints being in Ephesus and faithful in Christ Jesus"</p> <p>ℵ²A P it^b cop^{bo}</p> <p>none</p>

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ

New Testament Text & Translation Commentary 578

variant 2	<p>τοῖς ἁγίοις τοῖς οὖσιν καὶ πιστοῖς ἐν Χριστῷ Ἰησοῦ</p> <p>"to the saints being _____ and faithful in Christ Jesus"</p> <p>ℵ⁴⁶ ℵ⁶ B* 1739 Marcion</p> <p>RSV NRSVmg ESVmg NASBmg NIVmg RSV¹⁹⁷¹mg NEB1961 REB1988 NAB1992 NLTmg NETmg</p>
-----------	---

قراءة الحذف تمت بواسطة ناسخ الأصلي





Eph 1:11

لفظة (في) تمت كتابتها في
الهامش بواسطة ناسخ
متأخر زمنيا

قراءة (على) تمت بواسطة الناسخ الأصلي

Ephesians 1:10

Good documentation (P⁴⁶ X* B D L) supports the reading ἐπὶ τοῖς οὐρανοῖς ("the things on the heavens"). Thus, this is the text of WH NU. TR, however, follows the reading with the preposition ἐν ("in"), based on the testimony of X² A F G P Ψ 33 1739 syr^h. This reading was a scribal change motivated by one of two reasons: (1) it sounds odd to speak of things being "on/ upon (ἐπὶ) the heavens"; or (2) the text was conformed to Col 1:20, a parallel passage. The first factor motivated all English translators to make the phrase read, "the things in heaven."

قراءة (في) تمت بواسطة

NEW TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY

Commentary on the variant readings of the ancient New Testament manuscripts and how they relate to the major English translations

PHILIP W. COMFORT

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (محببتكم نحو) كاي تهن آغآپهن السينائية: العبارة غير موجودة	هَذَا أَيْضًا إِذْ قَدْ سَمِعْتُ بِإِيمَانِكُمْ بِالرَّبِّ يَسُوعَ، وَمَحَبَّتِكُمْ نَحْوَ جَمِيعِ الْقَدِيسِينَ،	لذلك، ما إن سمعت بإيمانكم بالرب يسوع وجميع الإخوة القديسين	15 Wherefore I also, having heard of your faith in the Lord Jesus, and all the saints,	M-01A Ephesians 1:15 Δια τουτο καγω ακουσας την καθ υμας πιστιν εν τω ΚΩ ΙΥ και την εις παντας τους αγιους	15-1	3
قام النساخ بإضافة عبارة (محببتكم نحو) لاستغرابهم من كون إيمان الأفسسين ليس بالمسيح فقط بل بالقديسين أيضا, فهل هناك أشخاص غير المسيح يجب الإيمان بهم ؟ فكانت الأحب لهم أن يبقى الإيمان الضروري هو إيمان بشخص واحد فقط وهو المسيح (إزالة الأفكار الغربية)					التعليق	

Eph 1:15
ΔΙΑ ΤΟΥΤΟ ΚΑΓΩ ΑΚΟΥΣΑΣ ΤΗΝ ΚΑΘ
ΥΜΑΣ ΠΙΣΤΙΝ ΕΝ ΤΩ ΚΩ ΙΥ ΚΑΙ ΤΗΝ ΕΙΣ
ΠΑΝΤΑΣ ΤΟΥΣ ΑΓΙΟΥΣ
ΕΙΣ ΠΑΝΤΑΣ ΤΟΥΣ

Eph 1:16
ΔΙΑ ΤΟΥΤΟ ΚΑΓΩ ΑΚΟΥΣΑΣ ΤΗΝ ΚΑΘ ΥΜΑΣ ΠΙΣΤΙΝ ΕΝ ΤΩ ΚΩ ΙΥ ΚΑΙ ΤΗΝ ΕΙΣ ΠΑΝΤΑΣ ΤΟΥΣ ΑΓΙΟΥΣ ΕΙΣ ΠΑΝΤΑΣ ΤΟΥΣ

1:15	ΔΙΑ	ΤΟΥΤΟ	ΚΑΓΩ	ΑΚΟΥΣΑΣ	ΤΗΝ	ΚΑΘ	ΥΜΑΣ	ΠΙΣΤΙΝ	ΕΝ
	dia	touto	kagō	akousas	tēn	kath	humas	pistin	en
	THRU	this	AND-I	HEARING	THE	according-to	YOU(P)	BELIEF	IN
	because-of		also-I				ye	faith	

ΤΩ	ΚΥΡΙΩ	ΙΗΣΟΥ	ΚΑΙ	ΤΗΝ	ΑΓΑΠΗΝ	ΤΗΝ	ΕΙΣ	ΠΑΝΤΑΣ	ΤΟΥΣ
tō	kuriō	iēsou	kai	tēn	agapēn	tēn	eis	pantas	tous
THE	Master	JESUS	AND	THE	LOVE	THE	INTO	ALL	THE
	Lord								

ليست بالمخطوط

محببتكم

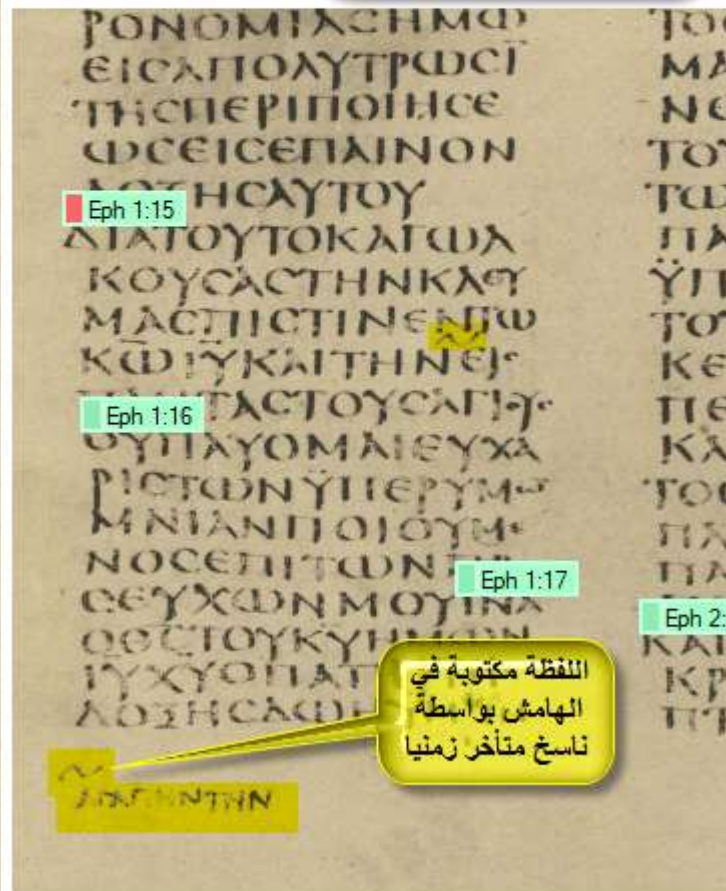
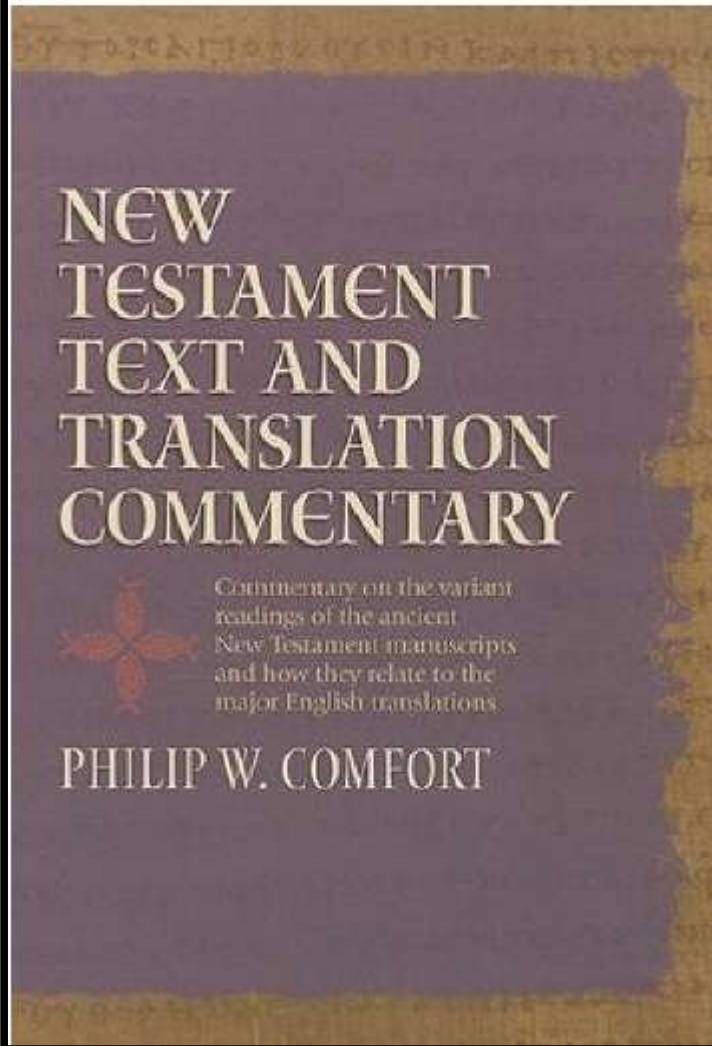
Ephesians 1:15

TR NU ὑμᾶς πίστιν ἐν τῷ κυρίῳ Ἰησοῦ καὶ τὴν ἀγάπην τὴν
 εἰς πάντας τοὺς ἁγίους
 "your faith in the Lord Jesus and love to all the saints"
 Ⓝ² D¹ Ψ Maj syr^b cop^a (D* F G omit second τὴν)
 all

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

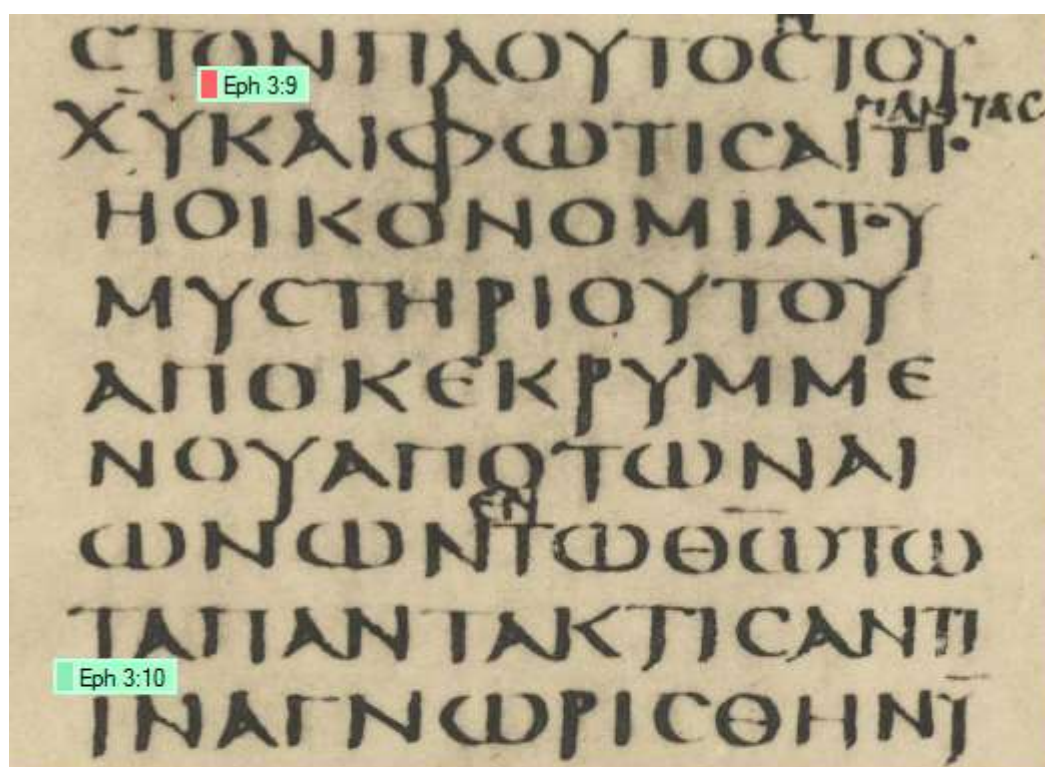
variant/WH υμας πιστιν εν τω κυριω Ιησου και την εις παντας
 τους αγιους
 "your faith (trust) in the Lord Jesus and in all the saints"
 Ⓝ⁴⁶ Ⓝ⁴⁶ A B 33 1739 1881 Jerome
 RSVmg NRSVmg ESVmg NASBmg NIVmg NLTmg NETmg

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي



اللفظة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (بيسوع المسيح) <i>διὰ Ἰησοῦ Χριστοῦ</i>) السينائية: العبارة غير موجودة	ولأبين لجميع الناس تدبير ذلك السر الذي بقي مكتوما طوال العصور في الله خالق كل شيء.	9 to enlighten all men as to what is the dispensation of the mystery that has been hid from the ages in God, who created all things;	M-01A Ephesians 3:9 και φωτισαι τις η οικονομια του μυστηριου του αποκεκρυμμενου απο των αιωνων τω ΘΩ τω τα παντα κτισαντι	9-3	4
	أضاف النساخ عبارة (بيسوع المسيح) من إيجاد دور ليسوع في خلق الكون مما يصب في صالح ألوهيته (دعم ألوهية يسوع)					التعليق



3:9	ΚΑΙ ΦΩΤΙΣΑΙ ΠΑΝΤΑΣ ΤΙΣ Η ΚΟΙΝΩΝΙΑ ΤΟΥ ΜΥΣΤΗΡΙΟΥ	kai phOtisai pantas tis hE koinOnia tou mustEriou	AND TO-enLIGHTen ALL ANY THE communion OF-THE CLOSE-KEEP	what ? fellowship secret
	ΤΟΥ ΑΠΟΚΕΚΡΥΜΜΕΝΟΥ ΑΠΟ ΤΩΝ ΑΙΩΝΩΝ ΕΝ ΤΩ ΘΕΩ ΤΩ	του αποkekrummenou apo tOn aiOnOn en tO theO tO	THE HAVING-been-FROM-HID FROM THE eons IN THE God THE-One	having-been-concealed the-one
	ΤΑ ΠΑΝΤΑ ΚΤΙΣΑΝΤΙ ΔΙΑ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ	ta panta ktisanti dia iEsou christou	THE ALL CREATing THRU JESUS ANOINTED	through Christ
	ΙΝΑ ΓΝΩΡΙΣΘΗ ΝΥΝ ΤΑΙΣ ΑΡΧΑΙΣ ΚΑΙ ΤΑΙΣ ΕΞΟΥΣΙΑΙΣ	hina gnOristhE nun tais archais kai tais exousiais	THAT MAY-BE-BEING-KNOWizED NOW to-THE ORIGINALS AND THE authorities	may-be-being-made-known sovereignties

المظلل بالاصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (ربنا يسوع المسيح τοῦ Κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ) السينائية: العبارة غير موجودة	٤ ἰσῑβῑ ἁῑῑ ἁῑῑ ῑῑῑ لدى أبي ربنا يسوع المسيح	لهذا أحنى ركبتي ساجدا للأب	14 For this cause I bow my knees to the Father	M-01A Ephesians 3:14 Τοῦτου χαριν καμπτω τα γονατα μου προς τον πατερα	14-3	5
أضاف النساخ عبارة (ربنا يسوع المسيح) من أجل إزالة التوهم الذي يمكن أن يفهم من النص, فبولس يسجد للأب فقط! فهل الأب فقط هو الله؟ فأضاف النساخ هذه العبارة من أجل دعم ألوهية يسوع و الأقانيم (دعم ألوهية يسوع) (دعم عقيدة تأليه وتساوي الأقانيم)					التعليق	

Eph 3:14

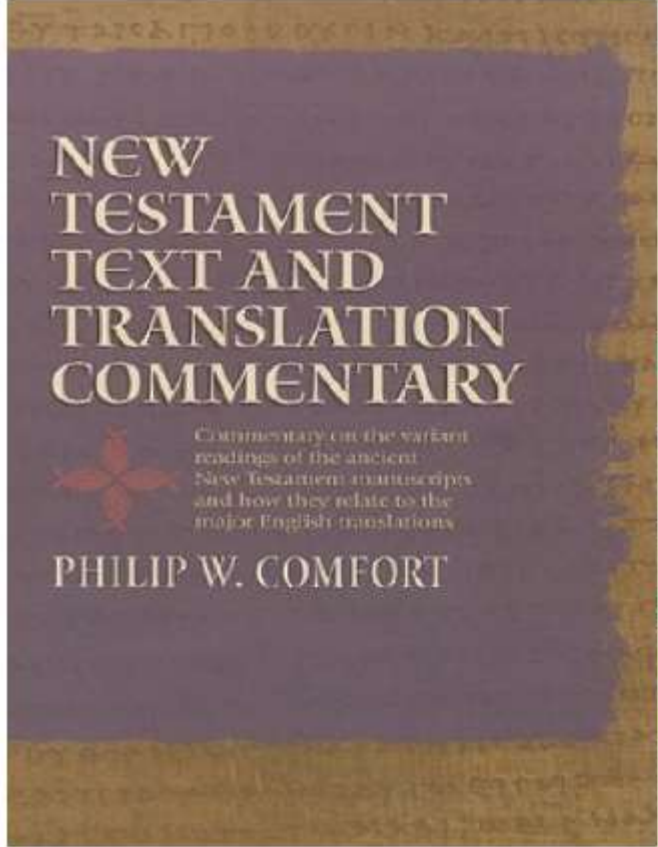
Eph 3:15

3:14	ΤΟΥΤΟΥ ΧΑΡΙΝ ΚΑΜΠΤΩ ΤΑ ΓΟΝΑΤΑ ΜΟΥ ΠΡΟΣ ΤΟΝ	toutou charin kamptō ta gonata mou pros ton	OF-this grace I AM-BOWING THE KNEES OF-ME TOWARD THE
	ΠΑΤΕΡΑ ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ ΗΜΩΝ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ	patera tou kuriou hēmōn iēsou christou	FATHER OF-THE Master OF-US JESUS ANOINTED Christ
3:15	ΕΞ ΟΥ ΠΑΣΑ ΠΑΤΡΙΑ ΕΝ ΟΥΡΑΝΟΙΣ	ex hou pasa patria en ouranois	OUT OF-WHOM EVERY FATHERHOOD IN heavens

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

Ephesians 3:14

WH NU	τὸν πατέρα "the Father" P ⁴⁶ N* A B C P 33 1739 eop NKJVTmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEST ²⁸ OTR NIR NAR NI T HCSB NET	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant/TR	τοῦ πατέρα τοῦ κυρίου ἡμῶν Ἰησοῦ Χριστοῦ "the Father of our Lord Jesus Christ" N ² D F G Ψ 0278 Maj it syr KJV NKJV NLTmg HCSBmg	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



اللفظة مكتوبة في
الهامش بواسطة ناسخ
متأخر زمنيا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تذكر لفظة: (في EV) السينائية: تضيف حرف الواو: (وفي και EV)	١٢١ لَهُ الْمَجْدُ فِي الْكَنِيسَةِ فِي الْمَسِيحِ يَسُوعَ إِلَى جَمِيعِ أَجْيَالِ دَهْرِ الدُّهُورِ. آمِينَ.	له المجد في الكنيسة وفي المسيح يسوع على مدى جميع الأجيال والدهور. آمين.	21 to him be glory in the church and Christ Jesus through all the generations of the age of ages: amen.	M-01A Ephesians 3:21 αὐτῷ ἡ δόξα ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ καὶ ἐν Χριστῷ ἰησοῦ εἰς πάσας τὰς γενεὰς τοῦ αἰῶνος τῶν αἰῶνων Ἀμήν	21-3	6
قام النساخ بإزالة أداة العطف (و) من أجل جعل الكنيسة في يسوع وليست شيئاً مختلفاً عنه مما يدعم مكانة الكنيسة وكونها جسد المسيح ورمزه على الأرض وامتداده وبالتالي يدعم سلطة الكهنة ورجال الدين (دعم سلطة الكنيسة والكهنة)					التعليق	

Eph 3:21

Eph 4:1

في الكنيسة

في المسيح

3:21 αὐτῷ ἡ δόξα ἐν τῇ ἐκκλησίᾳ ἐν Χριστῷ ἰησοῦ εἰς

autO hE doxa en te ekklesia en christo iEsou eis

to-Him THE esteem IN THE OUT-CALLED ecclesia IN ANOINTED JESUS INTO

Christ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (أولا πρωτον) السينائية: اللفظة غير موجودة	٩ وَأَمَّا أَنَّهُ "صَعِدَ"، فَمَا هُوَ إِلَّا إِنَّهُ نَزَلَ أَيْضًا أَوَّلًا إِلَى أَقْسَامِ الْأَرْضِ السُّفْلَى	وما المقصود بقوله ((صعد)) سوى أنه نزل إلى أعماق أعماق الأرض	9 But this: He ascended; what is it but that he also descended into the lower regions of the earth?	M-01A Ephesians 4:9 Το δε Ανεβη τι εστιν ει μη οτι και κατεβη εις τα κατωτερα μερη της γης	9-4	7
أضاف النساخ لفظة (أولا) لأن بولس أراد في هذا النص والنص السابق له أن يجعل النبوءة القائلة: (إِذْ صَعِدَ إِلَى الْعَلَاءِ سَبَى سَبِيًّا) أن يجعلها تنطبق على يسوع , فذكر هنا في هذا النص (4- 9) شيئاً يجعل النبوءة تنطبق على يسوع – حسب رأيه – وهو أنه نزل إلى الأرض السفلى. فلاحظ النساخ عدم التطابق الواضح, كيف لنبوءة تتحدث عن الصعود يكون ما يقابلها في حياة يسوع هو النزول للأرض السفلى! فأضافوا لفظة (أولا) لتخفيف حدة اللامنتظية, فيسوع نزل أولاً ثم صعد بعد ذلك (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	

Eph 4:9

Eph 4:10

نزل

نيسيت بالمخطوطة

4:9	ΤΟ	ΔΕ	ΑΝΕΒΗ	ΤΙ	ΕΣΤΙΝ	ΕΙ	ΜΗ	ΟΤΙ	ΚΑΙ	ΚΑΤΕΒΗ
	to	de	anebE	ti	estin	ei	mE	hoti	kai	katebE
	THE	YET	He-UP-STEPped	ANY	IS	IF	NO	that	AND	He-DOWN-STEPped
			he ascended	what?	it-is				also	he-descended
	ΠΡΩΤΟΝ	ΕΙΣ	ΤΑ	ΚΑΤΩΤΕΡΑ	ΜΕΡΗ	ΤΗΣ	ΓΗΣ			
	prOton	eis	ta	katOtera	merE	tEs	gEs			
	BEFORE-most	INTO	THE	DOWN-more	PARTS	OF-THE	LAND			
	first			lower			earth			

Ephesians 4:9a

WH NU

κατέβη

"he descended"

Ⓜ⁴⁶ Ⓝ* A C* D F G I^{id} 082 33 1739 it cop^{bo}

NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

variant/TR

κατεβη πρωτον

"he descended first"

Ⓝ² B C³ Ψ sy¹

KJV NKJV HCSBmg

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

قراءة الإضافة تمت بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا

ال

NEW
TESTAMENT
TEXT AND
TRANSLATION
COMMENTARY

Commentary on the variant
readings of the ancient
New Testament manuscripts
and how they relate to the
major English translations

PHILIP W. COMFORT

ΑΛ ΜΑΚΑΘΕΙΑΝ
ΛΩΚΕΝΔΟΜ Eph 4:9
ΑΝΘΡΩΠΟΙΣΤΟΛ
ΑΝΕΒΗΤΙΕΣΤΙΝΕΙΜΙ
ΕΠΡΩΤΩΝ ΟΤΙ ΚΑΙ ΚΑΤΕΒΗΕΙ
ΤΑΚΑΤΟ Eph 4:10
ΤΗΣ ΓΗΣ ΟΚΑΤΑΒΑ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة (الله Θεοῦ)	٢١ خَاضِعِينَ بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ فِي خَوْفِ اللَّهِ.	ليخضع بعضكم لبعض بمخافة المسيح.	21 being subject one to another in the fear of Christ.	M-01A Ephesians 5:21 υποτασσομενοι αλληλοις εν φοβω ΧΥ	21-5	8
السينائية: تكتب بدلا منها: (المسيح ΧΥ)						
<p>قام النساخ بتغيير العبارة من (خوف المسيح) إلى (خوف الله) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - جعل العبارة مألوفاً للأذن أكثر, فالعبارة الشائعة في العهدين هي (مخافة الرب) وليس (مخافة المسيح) - عدم الجمع بين الخوف والمسيح في نص واحد, فوفقاً للمسيحيين فهم يعتبرون أنفسهم أبناء للرب وليسوا عبيدا يخافون من سيدهم. (مباربة وصف العبودية وإحياء معتقد البتوة الإلهية للمؤمنين) (جعل العبارات أكثر ألفة للأذان) 					التعليق	

Eph 5:21

Eph 5:22

المسيح
ΧΥ

الله
ΘΕΟΥ

5:21 ΥΠΟΤΑΣΣΟΜΕΝΟΙ ΑΛΛΗΛΟΙΣ ΕΝ ΦΟΒΩ ΘΕΟΥ
hupotassomenoi allElois en phobO theou
beING-UNDER-SET to-one-another IN FEAR OF-God
being-subject

لفظة (الله) ليست بالمخطوط ومكتوب بدلا منها (المسيح)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (مِنْ لَحْمِهِ وَمِنْ عِظَامِهِ) ἐκ τῆς σαρκός αὐτοῦ, καὶ ἐκ τῶν ὀστέων αὐτοῦ) السينائية: العبارة غير موجودة	٣٠ لِأَنَّ أَعْضَاءَ جِسْمِهِ، مِنْ لَحْمِهِ وَمِنْ عِظَامِهِ.	ونحن أعضاء جسد المسيح	30 for we are members of his body	M-01A Ephesians 5:30 οτι μελη εσμεν του σωματος αυτου	30-5	9
<p>قام النساخ بإضافة عبارة (مِنْ لَحْمِهِ وَمِنْ عِظَامِهِ) لسببين:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - لاحظ النساخ أن النص التالي مباشرة (أفسس 5-31) مطابق لما جاء في التكوين 2-24 فأرادوا أن يجعلوا هذا النص (أفسس 5-30) يتطابق مع التكوين (2-23) ليصبح المقطع بالكامل هنا (أفسس 5: 30-31) مطابق للمقطع بالكامل في العهد القديم (تكوين 2: 23-24). - إضافة هذه العبارة يؤكد الوجود المادي الحقيقي لجسد المسيح وهذا على الهرطقة الديوستية التي كانت تقول بالجسد الروحاني ليسوع وينفون أن جسده كان حقيقيا (مبارية الهرطقات) (مطابقة الاقتباسات بين العهدين). 					التعليق	

Eph 5:30

Eph 5:31

جسده

من لحمه

5:30 OTI MEΛH ECMEN TOY CΩMATOC AYTOY EK THC CARKOC
hoti melE esmen tou sOmatos autou ek tEs sarkos
that MEMBERS WE-ARE OF-THE BODY OF-Him OUT OF-THE FLESH

وعظامه

5:31 ANTI TOYTOY KATALEIPEI ANΘPΩΠOC TON PATEPH
anti toutou kataleipsei anthrOpos ton patera
INSTEAD OF-this SHALL-BE-leaving human THE FATHER
corresponding-to this

المزلل بالأصفر ليس بالمخطوط

من أجل

رسالة فيليبس

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
1	فيلبي 3-16	M-01A Philippians 3:16 πλὴν εἰς ὃ ἐφθάσαμεν τῷ αὐτῷ στοιχεῖν	16 but to what we have attained, walk by the same.	أما الآن، فلنتمسك صادقين بما حصلنا عليه.	٦ وَأَمَّا مَا قَدْ أَدْرَكْنَا، فَلْنَسَلُكَ بِحَسَبِ ذَلِكَ الْقَانُونِ عَيْنِهِ، وَنَفْتَكِرُ ذَلِكَ عَيْنَهُ.	وجه الاختلاف: النسخة العربية: تضيف عبارات: (القانون.. ونفتكر ذلك عينه κανόνι, τὸ αὐτο φρονεῖν) السينائية: العبارة غير موجودة
						أضاف النساخ عبارة: (القانون.. ونفتكر ذلك عينه) من أجل حض المسيحيين بالتمسك بما سماه في العدد (3-14): " دعوة الله السماوية أو جعالة دعوة الله "وسماه هنا في هذا العدد ب"القانون". (الدعوة للتمسك بالمسيحية)

التعليق

Phi 3:16

Phi 3:17

3:16 ΠΛΗΝ ΕΙΣ ὃ ΕΦΘΑΣΑΜΕΝ Τῷ Αὐτῷ ΣΤΟΙΧΕΙΝ
 plEn eis ho ephthasamen to autO stoichein
 MORELY INTO WHICH WE-OUTSTRIP to-THE SAME
 moreover we-outstrip-others
القانون **ونفتكر ذلك عينه**
 ΚΑΝΟΝΙ ΤΟ ΑὐΤΟ ΦΡΟΝΕΙΝ
 kanoni to auto phronein
 to-RULE THE SAME TO-BE-beING-DISPOSED

3:17 ΣΥΜΜΙΜΗΤΑΙ ΜΟΥ ΓΙΝΕΘΕ ΑΔΕΛΦΟΙ ΚΑΙ ΣΚΟΠΕΙΤΕ ΤΟΥΣ
 summiEtai mou gineshe adelphoi kai skopeite tous
 TOGETHER-IMITATORS OF-ME BE-YE-BECOMING brothers AND BE-YE-NOTING THE-ones
 imitators-together be-ye-becoming ! brethren ! be-ye-noting ! the-ones

المزلل بالأصفر ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تذكر عبارة: (وَبَاقِي الْعَامِلِينَ مَعِي καὶ τῶν λοιπῶν συνεργῶν μου) السينائية: تكتب بدلا منها: (والعاملين معي وباقي καὶ τῶν συνεργῶν μου καὶ τῶν λοιπῶν)</p>	<p>٣ نَعَمْ أَسْأَلُكَ أَنْتَ أَيْضًا، يَا شَرِيكَي الْمُخْلِصَ، سَاعِدْ هَاتَيْنِ اللَّتَيْنِ جَاهِدَتَا مَعِي فِي الْإِنْجِيلِ، مَعَ أَكْلِيمَنْدَسَ أَيْضًا وَبَاقِي الْعَامِلِينَ مَعِي، الَّذِينَ أَسْمَاؤُهُمْ فِي سِفْرِ الْحَيَاةِ</p>	<p>وأنت، أيها الرفيق الأمين، أريدك أن تساعدهما لأنهما جاهدتا معي في خدمة البشارة، هما وإكليمندس والعاملين معي وباقي الذين أسماؤهم في كتاب الحياة.</p>	<p>3 Yes, I beseech thee also, true yokefellow, aid these women, who aided me in the gospel, with Clement also and my fellowlaborers and the rest of whose names are in the book of life.</p>	<p>^{M-01A} Philippians 4:3 Ναὶ ἐρωτῶ καὶ σε γνησιε συζυγε συλαμβανου αυταις αιτινες εν τω ευαγγελιω συνηθλησαν μοι μετα και Κλημεντος και των συνεργων μου και των λοιπων ων τα ονοματα ε- βιβλω ζωης</p>	فيلبي 3-4	2
<p>قام النساخ بتغيير النص من (والعاملين معي وباقي) إلى (وباقى العاملين معي) لأن النص في السينائية يجعل المرأتين "أفودية" و"سنتيخي" ضمن مساعدي بولس "العاملين معي"، فقاموا بتغيير النص لإخراجهما من ضمن المساعدين لأنهم رأوا أن المرأة لا يصح أن تنال هذا الشرف. (معاداة المرأة)</p>					التعليق	

Phi 4:3

ΦΡΟΝΤΙΝΕΝΚΩ
 ΝΑΙ ΕΡΩΤΩ ΚΑΙ ΣΕ
 ΓΗΝΣΙΕ ΣΥΖΥΓΕ ΣΥ
 ΛΑΜΒΑΝΟΥ ΑΥΤΑΙΣ
 ΑΙΤΙΝΕΣ ΕΝ ΤΩ ΕΥ
 ΑΓΓΕΛΙΩ ΣΥΝΗΘΗ
 ΣΑΝ ΜΟΙ ΜΕΤΑ ΚΑΙ
 ΚΛΗΜΕΝΤΟΣ ΚΑΙ
 ΤΩΝ ΣΥΝΕΡΓΩΝ ΜΟΥ
 ΚΑΙ ΤΩΝ ΛΟΙΠΩΝ
 ΩΝ ΤΑ ΟΝΟΜΑΤΑ
 ΕΙΒΑΘ ΖΩΗΣ
 ΥΠΕΤΕΝ ΚΩ ΠΑΝ

ΚΑΙ ΤΩΝ ΣΥΝΕΡΓΩΝ ΜΟΥ ΚΑΙ ΤΩΝ
 ΚΑΙ ΤΩΝ ΛΟΙΠΩΝ *والعاملين معي وباقي*

Phi 4:4

4:3	ΚΑΙ	ΕΡΩΤΩ	ΚΑΙ	ΣΕ	ΣΥΖΥΓΕ	ΓΗΝΣΙΕ	ΣΥΛΛΑΜΒΑΝΟΥ
	kai	erOtO	kai	se	suzuge	gnEsie	sullambanou
	AND	I-AM-askING	AND	YOU	TOGETHER-YOKE!	genuine	BE-TOGETHER-GETTING
			also		yokefellow!	genuine!	be-you-helping!

ΑΥΤΑΙΣ	ΑΙΤΙΝΕΣ	ΕΝ	ΤΩ	ΕΥΑΓΓΕΛΙΩ	ΣΥΝΗΘΗ	ΣΑΝ	ΜΟΙ	ΜΕΤΑ
autais	haitines	en	tO	euaggeliO	sunEthlEсан	moi	meta	
to-SAME	WHO-ANY	IN	THE	WELL-MESSAGE	TOGETHER-COMPETE	to-ME	WITH	
them (f)	who-any				compete-together	with-me		

وسائر العاملين معي

ΚΑΙ	ΚΛΗΜΕΝΤΟΣ	ΚΑΙ	ΤΩΝ	ΛΟΙΠΩΝ	ΣΥΝΕΡΓΩΝ	ΜΟΥ	ΩΝ	ΤΑ
kai	klEmentos	kai	tOn	loipOn	sunergOn	mou	hOn	ta
AND	CLEMENT	AND	OF-THE	rest	TOGETHER-ACTers	OF-ME	OF-WHOM	THE
also			the	rest ^(p)	fellow-workers	of-me	of-whom ^(p)	

ΟΝΟΜΑΤΑ	ΕΝ	ΒΙΒΛΩ	ΖΩΗΣ
onomata	en	biblO	zOEs
NAMES	IN	SCROLL	OF-LIFE

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (المسيح $\chi\rho\iota\sigma\tau\omega$) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٣ أُسْتَطِيعُ كُلَّ شَيْءٍ فِي الْمَسِيحِ الَّذِي يُقَوِّينِي.	وأنا قادر على تحمل كل شيء بالذي يقويني.	13 I have strength for all things in him that gives me power.	M-01A Philippians 4:13 Παντα ισχυω εν τω ενδυναμουμι με	فيلبي 4-13	3
أضاف النساخ لفظة (المسيح) من أجل إعطاء المسيح أحد صفات الألوهية وهي صفة إعطاء القوة لفعل كل شيء (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

Philippians 4:13

WH NU τῷ ἐνδυναμοῦντι με
"the one empowering me"
Ⲭ* A B D* I 33 1739 it cop

variant/TR τῷ ἐνδυναμοῦντι με, Χριστῷ
"the one empowering me, Christ"
Ⲭ* D² (F G) Ψ Maj syr Jerome
KJV NKJV HCSBmg NETmg

قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ
متأخر زمنيا

NEW
TESTAMENT
TEXT AND
TRANSLATION
COMMENTARY

Commentary on the variant
readings of the ancient
New Testament manuscripts
and how they relate to the
major English translations

PHILIP W. COMFORT

Phi 4:13

ΦΑΝΤΑΪΣΧΥΩΕΝ
ΤΩΕΝΔΥΝΑΜΟΥΝ
ΤΙΜΕΧΩ

Phi 4:14

لفظة المسيح تمت بكتبتها
بخط مختلف أغمق من باقي
الصفحة لأنها تمت بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا

رسالة كولوسي

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (الآب πατρι) السينائية: تكتب: (الله ΘΩ πατρι)	٢ شاكِرِين الآب	شاكِرِين الله الآب	12 giving thanks to Father God.	M-01A Colossians 1:12 ευχαριστουντες τω ΘΩ πατρι	كولوسي 1-12	1
قام النساخ بحذف لفظة (الله) خوفا من أن يستعمله منكري ألوهية الابن كدليل على تفرد الآب بالألوهية. (دعم ألوهية الأبنيم)					التعليق	

Col 1:12

Col 1:13

الله الآب
τω Θω πατρι

1:12	ΕΥΧΑΡΙΣΤΟΥΝΤΕΣ	τω	πατρι	τω	ικανωσαντι	ημας	εις
	eucharistountes	to	patri	to	hikanOsanti	hEmas	eis
	thankING	to-THE	FATHER	THE	One-making-enough	US	INTO
	giving-thanks				one-mak.ing-competent		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (خادما له διάκονος) السينائية: تكتب بدلا منها: (مبشرا ورسولا له κηρυξ και αποστολος)	٢٣ إِنَّ تَبَتَّم عَلَى الْإِيمَانِ، مُتَأَسِّسِينَ وَرَاسِخِينَ وَغَيْرَ مُنْتَقِلِينَ عَنْ رَجَاءِ الْإِنْجِيلِ، الَّذِي سَمِعْتُمُوهُ، الْمَكْرُوزِ بِهِ فِي كُلِّ الْخَلِيقَةِ الَّتِي تَحْتَ السَّمَاءِ، الَّذِي صِرْتُ أَنَا بُولُسُ خَادِمًا لَهُ.	على أن تثبتوا في الإيمان راسخين غير متزعزعين ولا متحولين عن رجاء البشارة التي سمعتم بها وبلغت كل خلقة تحت السماء، وصرت أنا بولس مبشرا ورسولا له.	23 if indeed you continue in faith founded and settled, and not moved away from the hope of the gospel which you heard, which was preached to every creature that is under heaven, of which I Paul became a herald and apostle	M-01A Colossians 1:23 εἰ γὰρ ἐπιμένετε τὴν πίστιν τεθεμελιωμένοι καὶ ἐδραίοι καὶ μὴ μετακινούμενοι ἀπὸ τῆς ἐλπίδος τοῦ εὐαγγελίου οὐ ἠκούσατε τοῦ κηρυχθέντος ἐν πάσῃ κτίσει τῆ ὑπο τοῦ οὐρανοῦ οὐ ἐγενομένη ἐγὼ Παῦλος κηρυξ καὶ ἀποστολὸς	كولوسي 1-23	3
قام النساخ بتغيير النص من (مبشرا ورسولا له) إلى (خادما له) من أجل إظهار بولس بمظهر المتواضع (تحسين صورة بولس)					التعليق	

ΠΙΣΤΙ ΤΕ ΘΕΜΕΛΙΩ
 ΜΕΝΟΙ ΚΑΙ ΕΔΡΑΙ
 ΟΙ ΚΑΙ ΜΗ ΜΕΤΑΚΙ
 ΝΟΥΜΕΝΟΙ ΑΠΟ
 ΤΗΣ ΕΛΠΙΔΟΣ ΤΟΥ
 ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ ΟΥ Η
 ΚΟΥΣΑΤΕ ΤΟΥ ΚΗ
 ΡΥΧΘΕΝΤΟΣ ΕΝ ΠΑ
 ΣΗ ΚΤΙΣΕΙ ΤΗ ΥΠΟ
 ΤΟΝ ΟΥΡΑΝΟΝ ΟΥ
 ΕΓΕΝΟΜΗΝ ΕΓΩ
 ΠΑΥΛΟΣ ΚΗ ΡΥΣΚ
 Η ΠΡΟΣ ΤΟ ΛΟΣ ΔΙΑΚΟΝΟΣ
 ΝΥΝ ΧΑΙΡΩ ΕΝ ΤΟΙΣ

مباشراً ورسمياً
 ΚΗΡΥΞ ΚΑΙ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ

ΠΑΥΛΟΣ ΚΗ ΡΥΣΚ

Col 1:24

1:23	ΕΙΓΕ	ΕΠΙΜΕΝΕΤΕ	ΤΗ	ΠΙΣΤΕΙ	ΤΕΘΕΜΕΛΙΩΜΕΝΟΙ	ΚΑΙ
	eige	epimenete	tE	pistei	tethemeliomenoi	kar
	IF-SURELY	YE-ARE-ON-REMAINING	to-THE	BELIEF	HAVING-been-foundED	AND
	since-surely	ye-are-persisting		faith	grounded	
	ΕΔΡΑΙΟΙ	ΚΑΙ	ΜΗ	ΜΕΤΑΚΙΝΟΥΜΕΝΟΙ	ΑΠΟ	ΤΗΣ
	hedraioi	kai	mE	metakinoumenoi	apo	tEs
	SETTLED	AND	NO	beING-after-STIRRED	FROM	THE
				being-removed		EXPECTATION
	ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΥ	ΟΥ	ΗΚΟΥΣΑΤΕ	ΤΟΥ	ΚΗΡΥΧΘΕΝΤΟΣ	ΕΝ
	euaggeliou	hou	Ekousate	tou	kEruchthentos	en
	WELL-MESSAGE	OF-WHICH	YE-HEAR	THE	one-BEING-PROCLAIMED	IN
		which			being-heralded	EVERY
						THE
						entire
	ΚΤΙΣΕΙ	ΤΗ	ΥΠΟ	ΤΟΝ	ΟΥΡΑΝΟΝ	ΟΥ
	ktisei	tE	hupo	ton	ouranon	hou
	CREATION	THE	UNDER	THE	heaven	OF-WHICH
						BECAME
						I
						ΕΓΕΝΟΜΗΝ
						egenomEn
						egO
						ΠΑΥΛΟΣ
						paulos
						PAUL

لفظة خادم تمت كتابتها
 بواسطة ناسخ متأخر
 زمنياً

بولس
 paulos
 PAUL

خدماً
 ΔΙΑΚΟΝΟΣ
 diakonos
 THRU-SERVitor
 dispenser

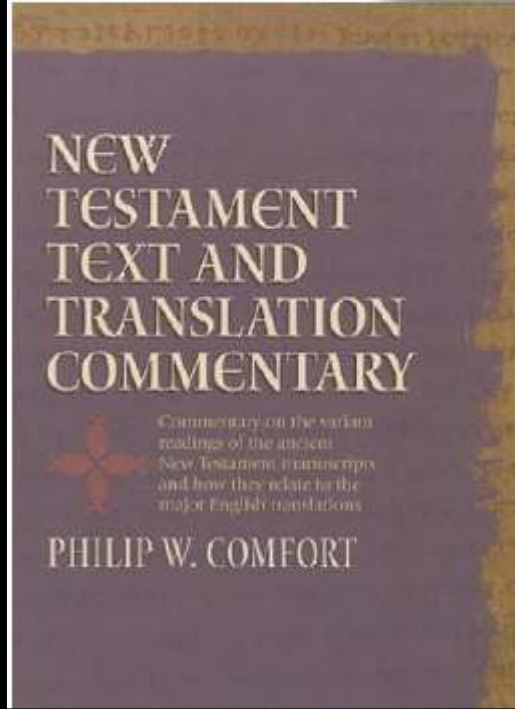
غير موجودة في
 المخطوطة

1:24	ΟC	ΝΥΝ	ΧΑΙΡΩ	ΕΝ	ΤΟΙC	ΠΑΘΗΜΑCΙΝ	ΜΟΥ	ΥΠΕΡ	ΥΜΩΝ
	hos	nun	chairO	en	tois	pathEmasin	mou	huper	humOn
	WHO	NOW	I-AM-JOYING	IN	THE	EMOTIONS	OF-ME	OVER	YOU(s)
			I-am-rejoicing			sufferings		for_the-sake-of	ye

Colossians 1:23

According to most Greek manuscripts, Paul calls himself a "servant" (δ^ιακ^ονο^ς) of the gospel. This title, however, was changed to κ^ηρυ^ξ και αποστολο^ς ("herald and apostle") in \aleph^a P, κ^ηρυ^ξ και αποστολο^ς και διακ^ονο^ς ("herald and apostle and servant") in A syr^{ms}, and διακ^ονο^ς και αποστολο^ς ("servant and apostle") in 81. These changes show the influence of 1 Tim 2:7 and 2 Tim 1:11.

قراءة (مبشرا ورسولا) بدون لفظة (خادما) تمت بواسطة
الناسخ الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: (الأب والمسيح πατρός και τοῦ Χριστοῦ) السينائية: تكتب بدلا منها: (أبو المسيح πατρός ΧΥ)	٢ لِكَيْ تَتَعَزَّى قُلُوبُهُمْ مُقْتَرِنَةً فِي الْمَحَبَّةِ لِكُلِّ غَنَى يَقِينِ الْفَهْمِ، لِمَعْرِفَةِ سِرِّ اللَّهِ الْأَبِ وَالْمَسِيحِ،	لنتقوى قلوبهم وتشتد روابط المحبة بينهم، فيكون لهم كل الغنى الناج عن الفهم التام الذي به يدركون سر الله، أبو المسيح	2 that their hearts may be comforted, they being knit together in love, and for all the riches of the full assurance of understanding, for the acknowledgment of the mystery of God, father of Christ.	M-01A Colossians 2:2 ινα παρακληθωσιν αι καρδιαι αυτων συμβιβασθεντες εν αγαπη και εις παν πλουτος της πληροφοριας της συνεσεως εις επιγνωσιν του μυστηριου του ΘΥ πατρός ΧΥ	كولوسي 2-2	4
قام النساخ بتغيير (أبو المسيح) إلى (الأب والمسيح) حتى لا يكون السر الذي يمتنى بولس لهم ان يعرفوه هو سر الأب فقط , بل الأب والابن المسيح, مما يدعم المساواة بين الاقنيم, كما أنه بهذه الإضافة يشير إلى كل العقائد التي تخص المسيح. (دعم المساواة بين الأقانيم)					التعليق	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (خطايا τῶν ἁμαρτιῶν) السينائية: اللفظة غير موجودة	١ أَوِيهِ أَيْضًا خُتِنْتُمْ خِتَانًا غَيْرَ مَصْنُوعٍ بِيَدٍ، بِخَلْعِ جِسْمِ خَطَايَا الْبَشَرِيَّةِ، بِخِتَانِ الْمَسِيحِ.	وفي المسيح كان ختانكم ختاناً، لا بالأيدي، بل بنزع جسم البشرية، وهذا هو ختان المسيح	11 in whom you were also circumcised with a circumcision made without hands, in the putting off of the body of the flesh, in the circumcision of Christ,	M-01A Colossians 2:11 ἐν ᾧ καὶ περιετιμηθε περιτομῇ ἀχειροποιητῶ ἐν τῇ ἀπεκδύσει τοῦ σώματος τῆς σαρκὸς ἐν τῇ περιτομῇ τοῦ ΧΥ	كولوسي 2-11	5
<p>أضاف النساخ لفظة (خطايا) لسببين:- - الإشارة لدور المسيح في رفع الخطية بالفداء والصلب - إزالة التوهم الذي ربما يحصل عند البعض من جملة (نزع جسم البشرية) لتوضيح أنه ليس نزاعاً مادياً للجسم , إنما نزع معنوي للخطية (دعم معتقد الفداء والصلب) (إزالة التوهم)</p>					التعليق	

Col 2:11

Col 2:12

2:11	ἐν ᾧ	καὶ	περιετιμηθε	περιτομῇ	ἀχειροποιητῶ	ἐν
	en hO	kai	perietmEte	peritomE	acheiropoiEtO	en
	IN WHOM	AND	YE-WERE-ABOUT-CUT	to-ABOUT-CUTting	UN-HAND-made	
		also	ye-were-circumcised	to-circumcision	not-made-by-hands	
	τῇ ἀπεκδύσει	τοῦ	σώματος	τῶν ἁμαρτιῶν	τῆς σαρκός	
	tE apekdusei	tou	sOmatos	tOn hamartiOn	tEs sarkos	
	THE FROM-OUT-SLIPPING	OF-THE	BODY	OF-THE misses	OF-THE FLESH	
	stripping-off			sins		
	ἐν τῇ περιτομῇ	τοῦ	Χριστοῦ			
	en tE peritomE	tou	christou			
	IN THE ABOUT-CUTTING	OF-THE	ANOINTED			
	circumcision		Christ			

المظلل بالأصفر
ليس بالمخطوط

Colossians 2:11

WH NU τοῦ σώματος τῆς σαρκός
 "the body of the flesh"

Ⓜ⁶ Ⓝ * A C D * F G 33 1739

NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NLT NRSV (NLT) NRSV NET

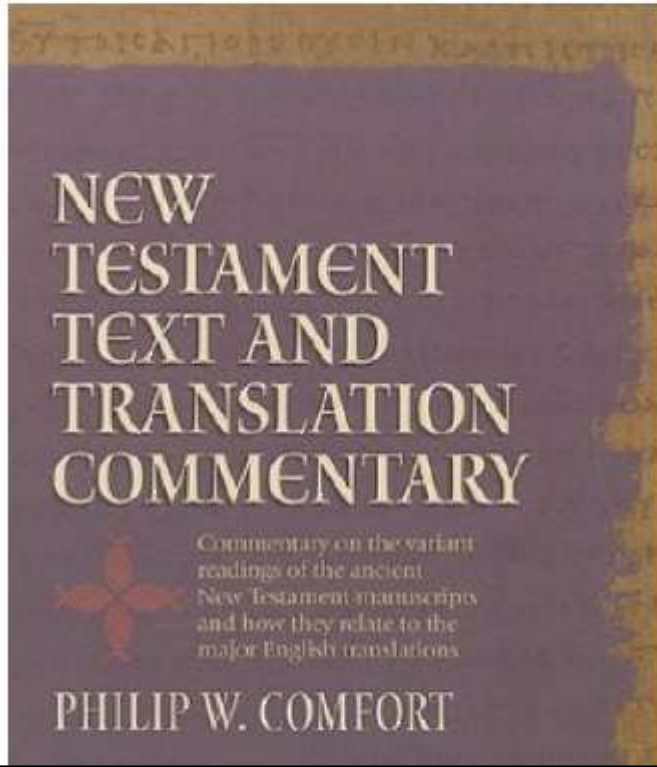
قراءة الحذف تمت بواسطة
 الناسخ الأصلي

variant/TR του σώματος των αμαρτιῶν τῆς σαρκός
 "the body of the sins of the flesh"

Ⓝ² D¹ Ψ Maj

KJV NKJV

قراءة الإضافة تمت بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (المسيح ὁ Χριστός) السينائية: تكتب بدلا منها: (الله ΘΣ ο)	١٣ مُحْتَمِلِينَ بَعْضُكُمْ بَعْضًا، وَمُسَامِحِينَ بَعْضُكُمْ بَعْضًا إِنْ كَانَ لِأَحَدٍ عَلَيَّ أَحَدٌ شَكْوَى. كَمَا غَفَرَ لَكُمْ الْمَسِيحُ هَكَذَا أَنْتُمْ أَيْضًا	احتملوا بعضكم بعضا، وليسامح بعضكم بعضا إذا كانت لأحد شكوى من الآخر. فكما سامحكم الله، سامحوا أنتم أيضا	13 bearing with one another and forgiving one another, if any one have a quarrel with any, as God also forgave you, so also do you;	M-01A Colossians 3:13 ανεχομενοι αλληλων και χαριζομενοι εαυτοις εαν τις προς τινα εχη μομφη̄ καθως και ο ΘΣ̄ εχαρισατο υμιν ουτως και υμεις	كولوسي 3-13	7
قام النساخ بتغيير النص من (الله) إلى (المسيح) حتى يعطوا للمسيح إحدى صفات الألوهية وهي صفة الغفران (تأليه المسيح)					التعليق	

Col 3:13

ΘΣ

الله

أيضا

ليست بالمخطوطة

Col 3:14

3:13	ANEXOMENOI	ΑΛΛΗΛΩΝ	KAI	ΧΑΡΙΖΟΜΕΝΟΙ	ΕΑΥΤΟΙΣ	ΕΑΝ
	anechomenoi	alIElOn	kai	charizomenoi	heautois	ean
	toleratING	OF-one-another	AND	gracING	to-selves	IF-EVER
	bearing-with	one-another		dealing-graciously	among-yourselfs	
	ΤΙΣ	ΠΡΟΣ	ΤΙΝΑ	ΕΧΗ	ΜΟΜΦΗΝ	ΚΑΘΩΣ
	tis	pros	tina	echE	momphEn	kathOs
	ANY	TOWARD	ANY	MAY-BE-HAVING	BLAME	according-AS
	anyone		anyone		complaint	
	ΕΧΑΡΙΣΑΤΟ	ΥΜΙΝ	ΟΥΤΩΣ	ΚΑΙ	ΥΜΕΙΣ	Ο ΧΡΙΣΤΟΣ
	echarisato	humin	houtOs	kai	humeis	ho christos
	gracES	to-YOU(P)	thus	AND	YOU(P)	THE ANOINTED
	deals-graciously-with	ye		also	ye	Christ

رسالة تسالونيكى الأولى

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (إنجيلنا) εὐαγγέλιον ἡμῶ (السينائية: تكتب بدلا منها: (إنجيل إلهنا) εὐαγγέλιον τοῦ ΘΥ̅ ημῶ)	أَنَّ إِنْجِيلَنَا لَمْ يَصِرْ لَكُمْ بِالْكَلامِ فَقَطَّ،	أَنَّ إِنْجِيلَ إلهنا لَمْ يَصِرْ لَكُمْ بِالْكَلامِ فَقَطَّ،	5 because gospel of our God came not to you in word only	M-01A 1 Thessalonians 1:5 οτι το εὐαγγέλιον του ΘΥ̅ ημῶ	تسا (1) 1-5	1
قام النساخ بتغيير النص من (إنجيلنا) إلى (إنجيل إلهنا) لرفضهم فكرة أن تنسب البشارة – الإنجيل – لبولس وليس للإله (تغيير الأفكار المستغربة)					التعليق	

1Th 1:5

TO ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΤΟΥΘΥΗΜ

إنجيل إلهنا
TO ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ ΤΟΥΘΥΗΜ

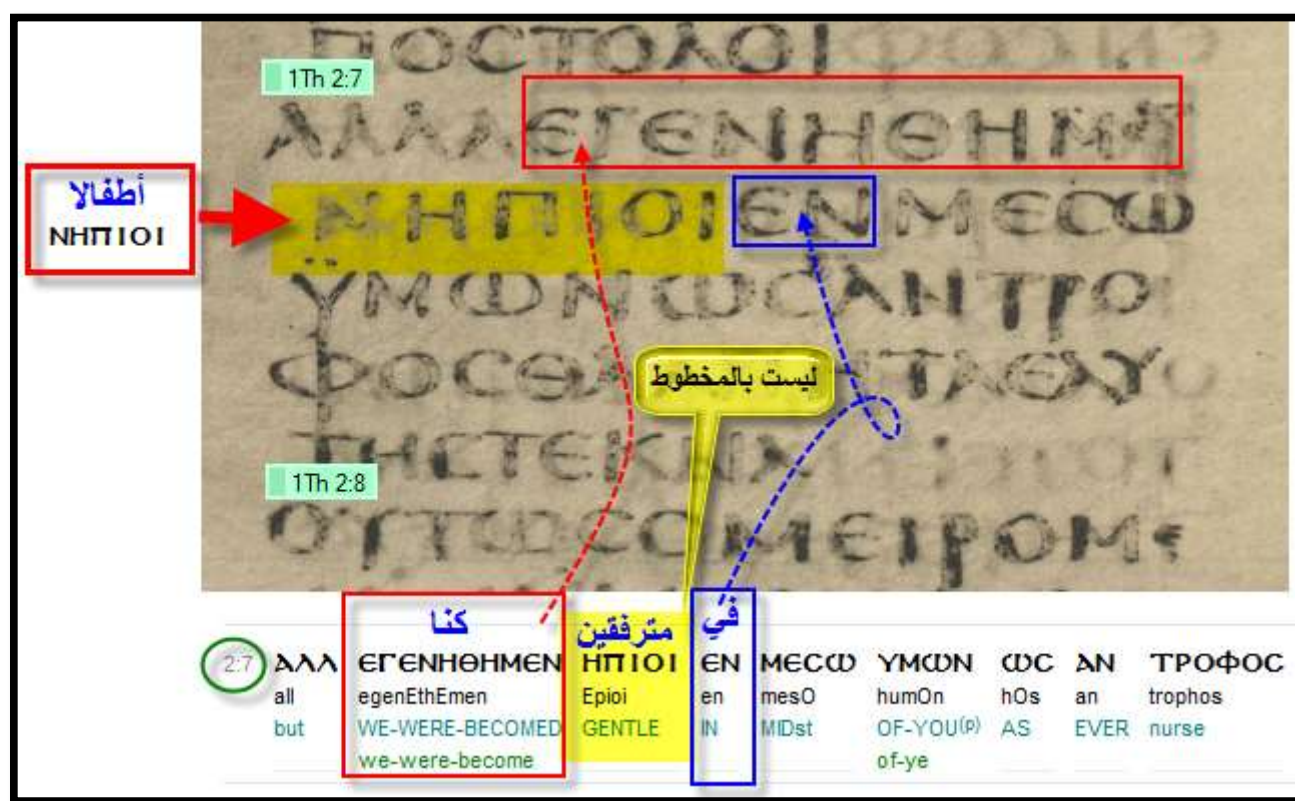
1Th 1:6

انجيلنا	OTI	TO	ΕΥΑΓΓΕΛΙΟΝ	ΗΜΩΝ	ΟΥΚ	ΕΓΕΝΗΘΗ	ΕΙΣ	ΥΜΑC	ΕΝ
hoti	to	euaggelion	hEmOn	ouk	egenEthE	eis	humas	en	
that	THE	WELL-MESSAGE	OF-US	NOT	WAS-BECOMED	INTO	YOU(P)	IN	
					was-become		ye		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (مترققين ἡπιοι)	٧ بَلْ كُنَّا مُتَرَقِّقِينَ فِي وَسْطِكُمْ كَمَا تُرَبِّي الْمُرْضِعَةُ أَوْلَادَهَا	بل كنا أطفالا في وسطكم كما تربي المرضعة أولادها	7 but we were infants in the midst of you, as if a nurse should nourish her own children,	M-01A 1 Thessalonians 2:7 ἀλλὰ ἐγενήθημεν ἡπιοὶ ἐν μέσῳ ὑμῶν ὡς ἀν τροφὸς θάλπητα εαυτῆς τέκνα	تسا (1) 2-7	2
السينائية: تكتب بدلا منها: (أطفالا νηπιοι)					التعليق	

قام النساخ بتغيير النص من (أطفالا) إلى (مترققين) لسببين :

- عدم رضاهم عن وصف بولس لنفسه بأنه طفل
- عدم موافقة هذا الوصف للفكرة التي يريد بولس توصيلها، فالطفل يحتاج لمن يعتني به في حين أن بولس يريد أن يخبرهم بأنه قد اعتنى بهم وليس العكس. (تحسين النص) (تحسين صورة بولس)



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (والعامل معنا) <i>καὶ συνεργὸν ἡμῶν</i> <u>السينائية:</u> العبارة غير موجودة	٢ فَأَرْسَلْنَا تِيمُوثَاوُسَ أَخَانًا، وَخَادِمَ اللَّهِ، وَالْعَامِلَ مَعَنَا فِي إِنْجِيلِ الْمَسِيحِ، حَتَّى يُثَبِّتَكُمْ وَيَعْظَمَكُمْ لِأَجْلِ إِيْمَانِكُمْ	فأرسلنا تيموثاوس أخانا وخادم الله في بشارة المسيح ليثبجكم ويقوي إيمانكم	2 and sent Timothy, our brother, "our brother and servant of God in the gospel of Christ, to establish you and exhort you concerning your faith,	M-01A 1 Thessalonians 3:2 <i>καὶ ἐπεμψαμεν Τιμοθεον τον αδελφοῦ ἡμων και διακονοῦ του ΘΥ εν τω ευαγγελιω του ΧΥ εις το στηριξαι υμας και παρακαλεσαι υπερ της πιστεως υμων</i>	تسا (1) 3-2	3
<p>لاحظ النساخ ان بولس عندما يذكر أسماء أصحابه فإنه كثيرا ما يصفهم بـ (العاملين معي) مثل أرسترخوس ومرقس ويسطس (كولوسي: 4: 10-11) وأكليمنديس (فيلبي 3-4) وتيطس (كورنثوس الثانية 8: 23) وأوربانوس (رومية 16-9) وغيرها، فأوا أن يضيفوا هنا عبارة (والعامل معنا) مع ذكر اسم تيموثاوس حتى يجعلوا أسلوب الرسالة مشابها لأسلوب بولس وهذا يصب في صالح تقنين الرسالة. (دعم بولسية الرسالة = التقنين)</p>					التعليق	

1Th 3:2

ΚΑΙ ΕΠΕΜΨΑΜΕΝ ΤΙΜΟΘΕΟΝ ΤΟΝ ΑΔΕΛΦΟΝ ΗΜΩΝ ΚΑΙ ΔΙΑΚΟΝΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΚΑΙ ΣΥΝΕΡΓΟΝ ΗΜΩΝ ΕΝ ΤΩ ΕΥΑΓΓΕΛΙΩ ΤΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΕΙΣ ΤΟ ΣΤΗΡΙΞΑΙ ΥΜΑΣ ΚΑΙ ΠΑΡΑΚΑΛΗΣΑΙ ΥΜΑΣ

3:2 ΚΑΙ ΕΠΕΜΨΑΜΕΝ ΤΙΜΟΘΕΟΝ ΤΟΝ ΑΔΕΛΦΟΝ ΗΜΩΝ ΚΑΙ
kai epempsamen timotheon ton adelphon hEmOn kai
AND WE-SEND Timothy THE brother OF-US AND

ΔΙΑΚΟΝΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΚΑΙ ΣΥΝΕΡΓΟΝ ΗΜΩΝ ΕΝ ΤΩ ΕΥΑΓΓΕΛΙΩ
diakonon tou theou kai sunergon hEmOn en to euaggeliO
THRU-SERVitor OF-THE God AND TOGETHER-ACTer OF-US IN THE WELL-MESSAGE
servant fellow-worker

ΤΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΕΙΣ ΤΟ ΣΤΗΡΙΞΑΙ ΥΜΑΣ ΚΑΙ ΠΑΡΑΚΑΛΗΣΑΙ ΥΜΑΣ
tou christou eis to stErixai humas kai parakalesai humas
OF-THE ANOINTED INTO THE TO-STAND-fast YOU(P) AND TO-BESIDE-CALL YOU(P)
Christ to-establish ye to-console

الله

والعامل معنا

في

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: العبارة ليست موجودة السينائية: تضيف عبارة: (كما أنتم تمشون καθως και περιπατετε)	أَفَمِنْ تَمَّ أَيُّهَا الإِخْوَةُ نَسْأَلُكُمْ وَنَطْلُبُ إِلَيْكُمْ فِي الرَّبِّ يَسُوعَ، أَنْكُمْ كَمَا تَسَلَّمْتُمْ مِنَّا كَيْفَ يَجِبُ أَنْ تَسْلُكُوا وَتَرْضُوا اللَّهَ، تَزْدَادُونَ أَكْثَرَ.	أَفَمِنْ تَمَّ أَيُّهَا الإِخْوَةُ نَسْأَلُكُمْ وَنَطْلُبُ إِلَيْكُمْ فِي الرَّبِّ يَسُوعَ، أَنْكُمْ كَمَا تَسَلَّمْتُمْ مِنَّا كَيْفَ يَجِبُ أَنْ تَسْلُكُوا وَتَرْضُوا اللَّهِ، كَمَا أَنْتُمْ تَمْشُونَ تَزْدَادُونَ أَكْثَرَ.	1 Finally then, brethren, we beseech you and exhort in the Lord Jesus, that as you received from us how you ought to walk and please God, even as you do walk, that you would abound the more.	M-01A 1 Thessalonians 4:1 Λοιπον ουν αδελφοι ερωτωμεν υμας και παρακαλουμεν εν τω ΚΩ ΙΥ καθως παρελαβετε παρ ημων το πως δει υμας περιπατειν και αρεσκειν ΘΩ καθως και περιπατετε ινα περισσευητε μαλλον	تسا (1) 4-1	4
حذف النسخة عبارة (كما أنتم تمشون) لأنهم لم يجدوا لها معنى معقول (تحسين النص)					التعليق	



1Th 4:1

كما أنتم تمشون
ΚΑΘΩΣ ΚΑΙ ΠΕΡΙΠΑΤΕΙΤΕ

1Th 4:2

4:1	ΤΟ	ΛΟΙΠΟΝ	ΟΥΝ	ΑΔΕΛΦΟΙ	ΕΡΩΤΩΜΕΝ	ΥΜΑΣ	ΚΑΙ
	to	loipon	oun	adelphoi	erOtOmen	humas	kai
	THE	rest	THEY	brothers	WE-ARE-asking	YOU(P)	AND
				brethren!		ye	
	ΠΑΡΑΚΑΛΟΥΜΕΝ	ΕΝ	ΚΥΡΙΩ	ΙΗΣΟΥ	ΚΑΘΩΣ	ΠΑΡΕΛΑΒΕΤΕ	ΠΑΡ
	parakaloumen	en	kuriO	iEsou	kathOs	parelabete	par
	WE-ARE-BESIDE-CALLING	IN	Master	JESUS	according-AS	YE-BESIDE-GOT	BESIDE
	are-entreating		Lord			ye-accepted	
	ΗΜΩΝ	ΤΟ	ΠΩΣ	ΔΕΙ	ΥΜΑΣ	ΠΕΡΙΠΑΤΕΙΝ	ΚΑΙ
	hEmOn	to	pOs	dei	humas	peripatein	kai
	OF-US	THE	how	it-IS-BINDING	YOU(P)	TO-BE-ABOUT-TREADING	AND
	us		must	ye	to-be-walking	TO-BE-PLEASING	
	ΘΕΩ	ΙΝΑ	ΠΕΡΙΣΣΕΥΗΤΕ	ΜΑΛΛΟΝ			
	theO	hina	perisseuEte	mallon			
	to-God	THAT	YE-MAY-BE-exceedING	RATHER			
	God		ye-may-be-superabounding	yet_rathermore			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (القدسين ἁγίους) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٧ أَنَا شِدُّكُمْ بِالرَّبِّ أَنْ تُقْرَأَ هَذِهِ الرَّسَالَةُ عَلَى جَمِيعِ الإخوة القَدِيسِينَ	أناشدكم بالرب أن تقرأوا هذه الرسالة على جميع الإخوة	27 I adjure you by the Lore that the letter be read to all the brethren.	M-01A 1 Thessalonians 5:27 Ὀρκίζω ὑμας τῷ ΚΝ̄ αναγνωσθῆναι τὴν ἐπιστολῆν πασι τοῖς ἀδελφοῖς	تسا (1) 5- 27	5
اضاف النساخ لفظة (القدسين) لسببين: - لأن الرسالة عموما تتكلم عن القداسة فرأوا أنه من المناسب للخاتمة ان تتكلم عن القديسين. - وصف بعض التسالونيكين بأنهم قديسين يعني لهذه الكنيسة سلطة روحية. (تحسين النص) (دعم سلطة كنسية)					التعليق	

1Th 5:27

1Th 5:28

5:27	ΟΡΚΙΖΩ	ΥΜΑΣ	ΤΟΝ ΚΥΡΙΟΝ	ΑΝΑΓΝΩΣΘΗΝΑΙ	ΤΗΝ ΕΠΙΣΤΟΛΗΝ
	horkizō	humas	ton kurion	anagnōsthēnai	tēn epistolēn
	I-AM-OATHING	YOU(P)	THE Master	TO-BE-read	THE letter
	I-am-adjuring	ye	by-the Lord		epistle

القديسين

ΠΑΣΙΝ	ΤΟΙΣ	ΑΓΙΟΙΣ	ΑΔΕΛΦΟΙΣ
pasin	tois	hagiois	adelphois
to-ALL	THE	HOLY	brothers
			الإخوة
			brethren

لفظة القديسين مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

5:28	Η	ΧΑΡΙΣ	ΤΟΥ ΚΥΡΙΟΥ	ΗΜΩΝ	ΙΗΣΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΜΕΘ	ΥΜΩΝ
	hē	charis	του kuriou	hēmōn	iēsou	christou	meth	humōn
	THE	grace	OF-THE Master	OF-US	JESUS	ANOINTED	WITH	YOU(P)
			Lord		Christ			ye

نعمة

تسألونني كي الثانية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (كأله $\omega\varsigma$ Θεόν) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤ الْمُقَاوِمُ وَالْمُرْتَفِعُ عَلَى كُلِّ مَا يُدْعَى إِلَهًا أَوْ مَعْبُودًا، حَتَّى إِنَّهُ يَجْلِسُ فِي هَيْكَلِ اللَّهِ كَأَلِهٍ، مُظْهِرًا نَفْسَهُ أَنَّهُ إِلَهٌ.	والعدو الذي يرفع نفسه فوق كل ما يدعوه الناس إليها أو معبودا، فيجلس في هيكل الله ويحاول أن يثبت أنه إله	4 who opposes and exalts himself against every one that is called God, or an object of worship, so that he sits in the temple of God, openly showing himself that he is God.	M-01A 2 Thessalonians 2:4 ο αντικειμενος επι παν τα λεγομενον ΘΝ η σεβασμα ωστε αυτον εις τον ναον του ΘΥ καθισαι αποδεικνυτα εαυτον οτι εστιν ΘΣ	تسا (2) 2-4	1
أضاف النساخ لفظة (كأله) لمزيد من التوضيح لنوع الخطية التي سيأتي بها إنسان الخلية المذكور في النص السابق (توضيح النص)					التعليق	

2Th 2:4

2Th 2:5

2:4 Ο ΑΝΤΙΚΕΙΜΕΝΟΣ ΚΑΙ ΥΠΕΡΑΙΡΟΜΕΝΟΣ ΕΠΙ ΠΑΝ ΤΟ ΛΕΓΟΜΕΝΟΝ ΘΕΟΝ Η ΣΕΒΑΣΜΑ ΩΣΤΕ ΑΥΤΟΝ ΕΙΣ ΤΟΝ ΝΑΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΩΣ ΘΕΟΝ ΚΑΘΙΣΑΙ ΑΠΟΔΕΙΚΝΥΝΤΑ ΕΑΥΤΟΝ ΟΤΙ ΕΣΤΙΝ ΘΕΟΣ

ho antikeimenos kai uperairomenos epi pan to legomenon theon h sebasma hOste auton eis ton naon tou theou ws theon kathisai apodeiknunta eauton oti estin theos

THE one-opposing AND beING-OVER-LIFTED ON EVERY THE one-opposing lifting-up-himself over all

legomenon theon E sebasma hOste auton eis ton naon beING-said god OR venerated AS-BESIDES him INTO THE TEMPLE object of veneration so-that

OF-THE God AS god TO-be-seated FROM-SHOWING self that demonstrating himself

he-IS God

اللفظة ليست بالمخطوط

تيموثاوس الأولى

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
1	تي(1) 1-1	M-01A 1 Timothy 1:1 Παυλος αποστολος ΧΥΙΥ κατ επαγγελιαν ΘΥΣΡΣ ημω και ΚΥΙΥ ΧΥ της ελπιδος ημων	1 Paul, an apostle of Christ Jesus according to the promise of God our Saviour and Christ Jesus our hope	من بولس رسول المسيح يسوع بوعد الله مخلصنا والمسيح يسوع رجائنا.	ابولس، رسول يسوع المسيح، بحسب أمر الله مخلصنا، ورجائنا المسيح، رجائنا	النسخة العربية: نكتب: (أمر الله (επιταγήν θεου السينائية: نكتب بدلا منها: (وعد الله ΘΥ επαγγελιαν (
	التعليق	قام النساخ بتغيير النص من (بوعد الله) إلى (بأمر الله) لأن الأولى تعني أن يسوع قد وعد وتنبأ بمجيئ بولس كرَسُول وهو الشئ الذي لم يحدث, فكان لابد من التغيير (جعل الأمور أكثر منطقية) (إخفاء المشكلات)				

1Ti 1:1

ΠΑΥΛΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ
ΧΥΙΥ ΚΑΤ ΕΠΑΓΓΕ
ΛΙΑΝ ΘΥΣΡΣ ΗΜΩ
ΚΑΙ ΚΥΙΥ ΧΥ ΤΗΣ
ΠΙΔΟΣ ΗΜΩΝ ΤΙ

1Ti 1:2

1:1

ΠΑΥΛΟΣ	ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ	ΙΗΣΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΚΑΤ	ΕΠΙΤΑΓΗΝ	ΘΕΟΥ
paulos	apostolos	iEsou	christou	kat	epitagEn	theou
PAUL	commissioner	OF-JESUS	ANOINTED	according-to	injunction	OF-God
	apostle		Christ			

1:1

σωτήρος	ημών	και	κυρίου	ιησου	χριστου	της	ελπιδος
sOtEros	hEmOn	kai	kuriou	iEsou	christou	tEs	elpidos
SAViour	OF-US	AND	OF-Master	JESUS	ANOINTED	THE	EXPECTATION
			Lord		Christ		

Callout boxes:
- Red box: بوعد الله (BOU'ED ALLAH) / επαγγελιαν ΘΥ (epaggelian thē)
- Yellow box: ليس بالمخطوط (LIS BI AL-MIKHTUUT)
- Blue box: مخلصنا (MUKHLSINAH)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: نكتب: (الإيمان <i>πίστει</i>)</p> <p>السينائية: نكتب بدلا منها: (المعرفة <i>γνῶσι</i>)</p>	<p>٧الَّتِي جَعَلْتُ أَنَا لَهَا كَارَرًا وَرَسُولًا. الْحَقُّ أَقُولُ فِي الْمَسِيحِ وَلَا أَكْذِبُ، مُعَلِّمًا لِلْأُمَّمِ فِي الْإِيمَانِ وَالْحَقِّ</p>	<p>ولها جعلني الله مبشرا ورسولا أقول الحق ولا أكذب ومعلما لغير اليهود في المعرفة والحق</p>	<p>7 for which I was appointed a preacher and an apostle, I speak the truth, I lie not, a teacher of the Gentiles in knowledge and truth.</p>	<p>^{M-01A} 1 Timothy 2:7 εἰς ὃ ἐτεθην ἐγὼ κηρυξ καὶ ἀποστολὸς ἀληθείαν λέγω ἐν Χριστῷ ὅτι ψευδομαί διδασκαλὸς ἐθνῶν ἐν γνῶσι καὶ ἀληθείᾳ</p>	تي (1) 2-7	2
<p>قام النساخ بتغيير النص من (الإيمان) إلى (المعرفة) لأنهم لاحظوا في النص رقم 2-4 أن الرب يريد تعليم الناس معرفة الحق، فأوا أنه من الأنسب عندما يتكلم النص رقم 2-7 عن تعليم الرب فليكن عن المعرفة والحق ليتقاطع النساخ. (خلق التناغم بين النصوص)</p>					التعليق	

1Ti 2:7
 ΕΙΣΘΕΤΕΘΗ ΝΕΓΩ
 ΚΗΡΥΞ ΚΑΙ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ
 ΛΟΣ ΑΛΗΘΕΙΑΝ ΛΕΓΩ
 ΕΝ ΨΕΥΔΟΜΑΙ ΔΙΔΑΣΚΑΛΟΣ
 ΕΘΝΩΝ ΕΝ ΓΝΩΣΙ ΚΑΙ ΑΛΗΘΕΙΑ

1Ti 2:8
 ΒΟΥΛΟΜΑΙ ΟΥΝ ΠΡΟΣ

27 ΕΙΣ Ο ΕΤΕΘΗΝ ΕΓΩ ΚΗΡΥΞ ΚΑΙ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ ΑΛΗΘΕΙΑΝ
 eis ho etethEn egO kEruX kai apostolos alEtheian
 INTO WHICH WAS-PLACED I PROCLAIMer AND commissioner TRUTH
 was-appointed herald apostle

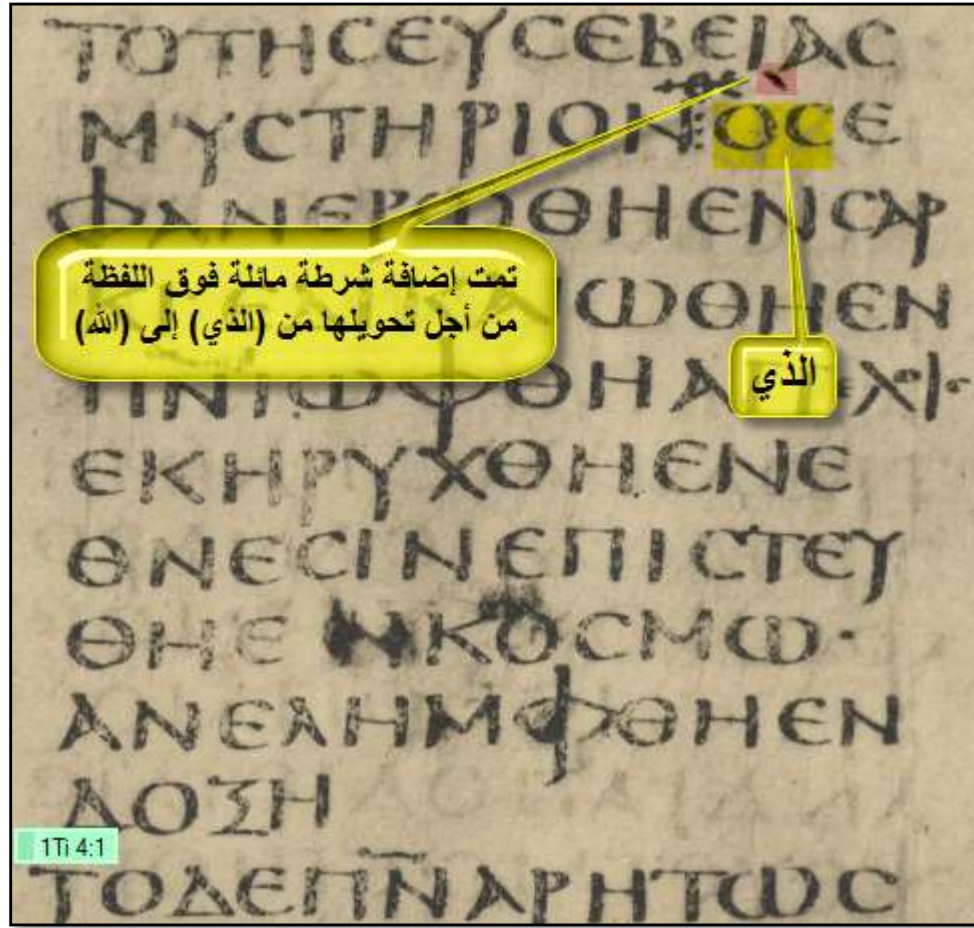
ΛΕΓΩ ΕΝ ΧΡΙΣΤΩ ΟΥ ΨΕΥΔΟΜΑΙ ΔΙΔΑΣΚΑΛΟΣ ΕΘΝΩΝ ΕΝ
 I-am-sayING IN ANOINTED NOT I-AM-FALSIFYING TEACHER OF-NATIONS IN
 I-am-telling Christ I-am-lying

و
 ΠΙΣΤΕΙ ΚΑΙ ΑΛΗΘΕΙΑ
 pistei kai alEtheia
 BELIEF AND TRUTH
 faith

المعرفة
 ΓΝΩΣΙ

في
 ΕΝ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (الله Θεός) السينائية: تكتب بدلا منها: (الذي ος)	٦ وَإِلِإِجْمَاعٍ عَظِيمٍ هُوَ سِرُّ التَّقْوَى: اللهُ ظَهَرَ فِي الْجَسَدِ،	ولا خلاف أن سر التقوى عظيم الذي ظهر في الجسد	16 And confessedly great is the mystery of godliness: He who was manifested in flesh	M-01A 1 Timothy 3:3 μη παροινον μη πληκτην αλλα επιεικη αμαχοῦ αφιλαργυρον	تي(1) 3-16	3
قام النساخ بتغيير النص من (الذي ظهر في الجسد) إلى (الله ظهر في الجسد) من أجل إثبات عقيدة التجسد (دعم عقيدة التجسد)					التعليق	



تمت إضافة شرطة مائلة فوق اللفظة
من أجل تحويلها من (الذي) إلى (الله)

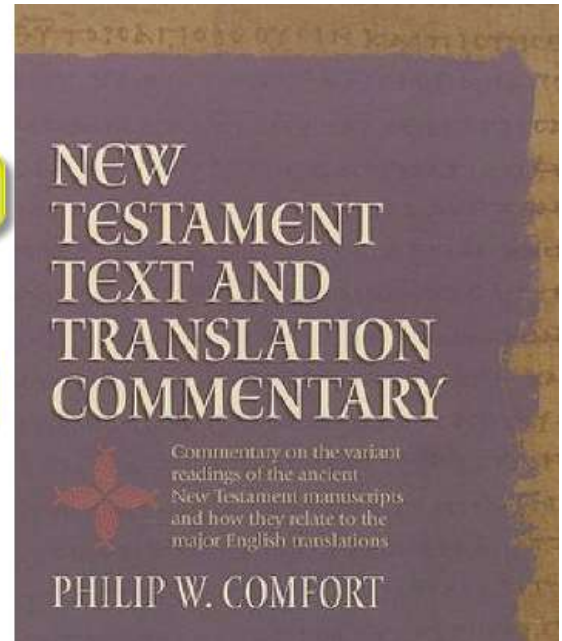
الذي

1 Timothy 3:16

WH NU	ὃς ἐφανερώθη "who was manifested" ⓧ* A* C* F G 33 Didymus ASV NKJvmg RSV NRSV ESV NAB NIV TNIV NER REB NJB NAB NLT HCSB
variant 1	ὃ εφανερωθη "which was manifested" D* ASVmg RSVmg NRSVmg ESVmg NABmg NETmg
variant 2/TR	θεος εφανερωθη "God was manifested" ⓧ* A* C* D* Ψ 1739 Maj KJV ASVmg NKJV RSVmg NRSVmg ESVmg NABmg NIVmg NLTmg HCSBmg NETmg

قراءة (الذي) تمت
بواسطة الناسخ الأصلي

قراءة (الله) تمت
بواسطة ناسخ متأخر



م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
4	تي(1) 4-12	M-01A 1 Timothy 4:12 Μηδεις σου της νεοτητος καταφρονιτω αλλα τυπος γινου τω πιστων εν λογω εν αναστροφη εν αγαπη εν πιστι εν αγνια	12 Let no one despise thy youth, but become a pattern for the believers, in word, in behavior, in love, in faith, in purity.	لا تدع أحدا يستخف بشبابك، بل كن قدوة للمؤمنين في الكلام والتصرف والمحبة والإيمان والعفاف.	١٢ لَا يَسْتَهِنْ أَحَدٌ بِحَدَاتْتِكَ، بَلْ كُنْ قُدْوَةً لِلْمُؤْمِنِينَ فِي الْكَلَامِ، فِي التَّصَرُّفِ، فِي الْمَحَبَّةِ، فِي الرُّوحِ، فِي الْإِيمَانِ، فِي الطَّهَارَةِ.	النسخة العربية: تضيف لفظة: (في الروح εν πνεύματι) السينائية: اللفظة غير موجودة
<p>أضاف النساخ عبارة (في الروح) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - التأكيد على مبدأ الروح الذي اعتبره بولس سمة العهد الجديد في مقابل العهد القديم - استغراب النساخ من تجاهل بولس لمسألة الروحانية في وصيته لتيموثاوس وهي المسألة التي لطالما دندن حولها كثيرا. <p>(تحسين النص) (دعم الروحانية)</p>						التعليق

1Ti 4:12

1Ti 4:13

4:12 ΜΗΔΕΙΣ ΣΟΥ ΤΗΣ ΝΕΟΤΗΤΟΣ ΚΑΤΑΦΡΟΝΕΙΤΟ ΑΛΛΑ ΤΥΠΟΣ

mEdeis sou tEs neotEtos kataphroneitO alla tupos
 NO-YET-ONE OF-YOU TI LET-BE-despisING but type
 no-one

ليسـت بالمـخطوط

ΓΙΝΟΥ ΤΩΝ ΠΙΣΤΩΝ ΕΝ ΛΟΓΩ ΕΝ ΑΝΑΣΤΡΟΦΗ ΕΝ

ginou tOn pistO en logO en anastrophE en
 BE-YOU-BECOMING OF-THE ones-BELIEVing IN saying IN UP-TURNing (behaviour) IN
 be-you-becoming! believing-ones word behavior

المحبة في الروح في الإيمان

ΑΓΑΠΗ ΕΝ ΠΝΕΥΜΑΤΙ ΕΝ ΠΙΣΤΕΙ ΕΝ ΑΓΝΕΙΑ

agapE en pneumatI en pistei en hagneia
 LOVE IN spirit IN BELIEF IN PURity
 faith

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
5	تي (1) 5-4	M-01A 1 Timothy 5:4 Εἰ δε τις χηρα τεκνα ἢ ἐκγονα εχει μαθησανετωσα πρωτον τον ιδιο οικον ευσεβιν και αμοιβας αποδιδοναι τοις προγονοις τουτο γαρ εστιν αποδεκτο ενωπιον του ΘΥ	4 But if any widow has children or grandchildren, let them learn first to show piety at home, and to requite their parents; for this is acceptable in the sight of God.	الرسالة 1Tm / الأولى الى تيموثاوس 4 ع 5 وإذا كان لأرملة بنون أو حفدة، فليتعلموا أولاً أن يعاملوا أهل بيتهم بتقوى وأن يفوا ما عليهم لوالديهم، فهذا مقبول أمام الله	وَلكِنْ إِنْ كَانَتْ أَرْمَلَةٌ لَهَا أَوْلَادٌ أَوْ حَفَدَةٌ، فَلْيَتَعَلَّمُوا أَوَّلًا أَنْ يُوقِرُوا أَهْلَ بَيْتِهِمْ وَيُوفُوا وَالِدِيهِمُ الْمُكافَأَةَ، لِأَنَّ هَذَا صَالِحٌ وَمَقْبُولٌ أَمَامَ اللَّهِ	النسخة العربية: تضيف لفظة: (صالح و καλὸν και) السينائية: اللفظة غير موجودة
		أضاف النسخ لفظة (صالح و) من أجل مطابقة النص هنا مع نظيره في تيموثاوس الأولى (2-3) وبالتالي يتطابق مع أسلوب بولس ويدعم قانونيتها (دعم قانونية الرسالة)				التعليق

1Ti 5:4

ΧΗΡΑΣ· ΕΙΔΕΤΙΣ ΧΗΡΑ
 ΤΕΚΝΑ Η ΕΚΓΟΝΑ ΕΧΕΙ
 ΜΑΝΘΑΝΕΤΩΣΑΝ
 ΠΡΩΤΟΝ ΤΟΝ ΙΔΙΟΝ
 ΟΙΚΟΝ ΕΥΣΕΒΕΙΝ
 ΚΑΙ ΑΜΟΙΒΑΣ
 ΔΙΔΟΝΑΙ ΤΟΙΣ ΠΡΟ-
 ΓΟΝΟΙΣ ΤΟΥΤΟ ΓΑΡ
 ΕΣΤΙΝ ΑΠΟΔΕΚΤΟ
 ΕΝΩΠΙΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ·
 Η ΔΕ ΟΝΤΩΣ ΧΗΡΑ

1Ti 5:5

5:4	ΕΙ	ΔΕ	ΤΙΣ	ΧΗΡΑ	ΤΕΚΝΑ	Η	ΕΚΓΟΝΑ	ΕΧΕΙ	ΜΑΝΘΑΝΕΤΩΣΑΝ
	ei	de	tis	chEra	te'na	E	ekgona	echei	manthanetOsan
	IF	YET	ANY	WIDOW	offsprings children	OR	OUT-parents descendants	IS-HAVING	LET-THEM-BE-UP-LEARNING let-them-be-learning!

ΠΡΩΤΟΝ	ΤΟΝ	ΙΔΙΟΝ	ΟΙΚΟΝ	ΕΥΣΕΒΕΙΝ	ΚΑΙ	ΑΜΟΙΒΑΣ
prOton	ton	idion	oikon	eusebein	kai	amoibas
BEFORE-most	THE	OWN	HOME	TO-BE-being-devout	AND	RECIPROcAtion
first			household	to-be-being-devoted		

ΑΠΟΔΙΔΟΝΑΙ	ΤΟΙΣ	ΠΡΟΓΟΝΟΙΣ	ΤΟΥΤΟ	ΓΑΡ	ΕΣΤΙΝ	ΚΑΛΟΝ	ΚΑΙ
apodidonai	tois	progonois	touto	gar	estin	kalon	kai
TO-BE-FROM-GIVING	to-THE	BEFORE-parents	this	for	IS	IDEAL	AND
to be paying		progenitors					

هذا صالح

ΑΠΟΔΕΚΤΟΝ	ΕΝΩΠΙΟΝ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ
apodekton	enOpion	tou	theou
welcome	IN-VIEW	OF-THE	God
	in-sight-of	the	

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (لمؤمن أو πιστὸς ἢ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٦ إِن كَانَ لِمُؤْمِنٍ أَوْ مُؤْمِنَةٍ أَرَامِلٌ، فَلْيُسَاعِدْهُنَّ	وإذا كان لمؤمنة أرامل، فلتساعدهن	16 If any believing woman has widows, let them relieve them,	M-01A 1 Timothy 5:16 Εἰ τις πιστῆ ἔχει χηρὰς ἐπαρκεῖσθω αὐταῖς καὶ μὴ βαρεῖσθω ἡ ἐκκλησία ἵνα ταῖς ὄντως χηρὰς ἐπαρκεσῆ	تي (6) 5- 16	6
أضاف النساخ لفظة (لمؤمن أو) لأنهم رأوا إنه من الغريب أن يخص بولس النساء فقط بمساعدة الأرامل فتمت الإضافة من أجل جعل الرجال لهم دور في مساعدة الأرامل (إزالة الأفكار الغربية) (تحسين النص)					التعليق	

1Ti 5:16

Εἰ τις πιστῆ ἔχει χηρὰς ἐπαρκεῖσθω αὐταῖς καὶ μὴ βαρεῖσθω ἡ ἐκκλησία ἵνα ταῖς ὄντως χηρὰς ἐπαρκεσῆ

1Ti 5:17

Οἱ κληρικοί ἄρα ὡς ἐπὶ τῆς ψυχῆς ὡς ἐπὶ τῆς ἀρετῆς ὡς ἐπὶ τῆς ἐπιτομῆς ὡς ἐπὶ τῆς ἀκατακτάτου ἰουδαίου ἡλικίου ὡς ἐπὶ τῆς ἀκατακτάτου ἰουδαίου ἡλικίου ὡς ἐπὶ τῆς ἀκατακτάτου ἰουδαίου ἡλικίου

5:16	Εἰ	ΤΙΣ	ΠΙΣΤΟΣ	ἢ	ΠΙΣΤΗ	ἔχει	ΧΗΡΑΣ
	ei	tis	pistos	hE	pistE	echei	chEras
	IF	ANY	BELIEVing ^(m.)	OR	BELIEVing ^(f)	IS-HAVING	WIDOWS
			believing-man		believing-woman		

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الرب Kuriou) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢١ أَنَا شِدُّكَ أَمَامَ اللَّهِ وَالرَّبِّ يَسُوعَ الْمَسِيحِ وَالْمَلَائِكَةَ الْمُخْتَارِينَ	وَأَنَا شِدُّكَ أَمَامَ اللَّهِ وَالْمَلَائِكَةَ الْمُخْتَارِينَ	21 I solemnly charge thee in the sight of God, and Christ Jesus, and the elect angels,	M-01A 1 Timothy 5:21 Διαμαρτυρομαι ενωπιον του ΘΥ και ΧΥΙΥ και των εκλεκτων αγγελων	تي (1) 5-21	7
أضاف النساخ لفظة (الرب) إلى (يسوع المسيح) من أجل وصفه بالألوهية (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

1Ti 5:21

ΔΙΑΜΑΡΤΥΡΟΜΑΙ ΕΝΩΠΙΟΝ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΚΑΙ ΚΥΡΙΟΥ ΙΗΣΟΥ

1Ti 5:22

ΧΕΙΡΑΣ ΤΑ ΧΕΙΡΑΣ

اللفظة ليست بالمخطوط

5:21	ΔΙΑΜΑΡΤΥΡΟΜΑΙ	ΕΝΩΠΙΟΝ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ	ΚΑΙ	ΚΥΡΙΟΥ	ΙΗΣΟΥ
	diamarturomai	enOpion	tou	theou	kai	kuriou	iEsou
	I-AM-THRU-witnessING	IN-VIEW	OF-THE	God	AND	OF-Master	JESUS
	I-am-conjuring	in-the-sight-of	the			Lord	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (تجنب مثل هؤلاء ἀφίστασο ἀπὸ τῶν τοιούτων) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>هَومُنَازَ عَاتُ أَنَاسِ فَاسِدِي الذَّهْنِ وَعَادِمِي الْحَقِّ، يَظُنُّونَ أَنَّ التَّقْوَى تِجَارَةٌ. تَجَنَّبُ مِثْلَ هَؤُلَاءِ.</p>	<p>والمنازعات بين قوم فسدت عقولهم وأضاعوا الحق وحسبوا التقوى سبيلا إلى الربح.</p>	<p>5 wranglings of men corrupt in mind, and destitute of the truth, who suppose that godliness is a source of gain.</p>	<p>^{M-01A} 1 Timothy 6:5 διαπατριβαι διεφθαρμενων ανθρωπω τον νουν και απεστερημενων της αληθειας νομιζο των πορισμον ειναι την ευσεβιαν</p>	تي(1)5-6	8
<p>أضاف النساخ عبارة (تجنب مثل هؤلاء) لأنهم لاحظوا أن بولس لم يذكر أي توجيه أو تعليم بشأن أصحاب المباحثات المتصلة – كما وصفها في النص السابق – فأضافوا النص لينهوا المسيحيين عن مجادلتهم , ولعلاج تفصير بولس. (سد مواضع التفصير)</p>					<p>التعليق</p>	

1Ti 6:5

ΦΗΜΙΑΙ ΥΠΟΝΟΙΑ
 ΠΟΝΗΡΑΙ ΔΙΑΠΑΡΑ
 ΤΡΙΒΑΙ ΔΙΕΦΘΑΡΜΕ
 ΝΩΝ ΑΝΘΡΩΠΩ
 ΤΟΝ ΝΟΥΝ ΚΑΙ ΑΠΕ
 ΣΤΕΡΗΜΕΝΩΝ ΤΗ
 ΑΛΗΘΕΙΑΣ ΝΟΜΙΖ
 ΤΩΝ ΠΟΡΙΣΜΟΝ Ε
 ΙΝΑΙ ΤΗΝ ΕΥΣΕΒΙΑΝ

1Ti 6:6

ΕΣΤΙΝ ΔΕ ΠΟΡΙΣΜΟΣ

6:5	ΠΑΡΑΔΙΑΤΡΙΒΑΙ	ΔΙΕΦΘΑΡΜΕΝΩΝ	ΑΝΘΡΩΠΩΝ	ΤΟΝ	ΝΟΥΝ
	paradiatribai	diephtharmenon	anthropon	ton	noun
	BESIDE-THRU-WEARINGS	OF-HAVING-been-THRU-CORRUPTED	OF-humans	THE	MIND
	altercations	of-decadent			

المظلل بالاصفر ليست بالمخطوط

ΚΑΙ	ΑΠΕΣΤΕΡΗΜΕΝΩΝ	ΤΗΣ	ΑΛΗΘΕΙΑΣ	ΝΟΜΙΖΟΝΤΩΝ	ΤΟΥ	ΠΟΡΙΣΜΟΝ
kai	apesteremenon	tes	altheias	nomizonton	ton	porismon
AND	HAVING-been-deprived	OF-THE	TRUTH	LAWIZING	capital	inferring
	deprived					

ΕΙΝΑΙ	ΤΗΝ	ΕΥΣΕΒΙΑΝ	ΑΦΙΣΤΑΣΟ	ΑΠΟ	ΤΩΝ	ΤΟΙΟΥΤΩΝ
einai	ten	eusebeian	aphistaso	apo	ton	toiouton
TO-BE	THE	devoutness	FROM-STAND-YOU	FROM	THE	such
			withdraw-you!			such(p)

التقوى تجنب مثل هؤلاء

6:6	ΕΣΤΙΝ	ΔΕ	ΠΟΡΙΣΜΟΣ	ΜΕΓΑΣ	Η	ΕΥΣΕΒΕΙΑ	ΜΕΤΑ	ΑΥΤΑΡΚΕΙΑΣ
	estin	de	porisimos	me gas	hE	eusebeia	meta	autarkeias
	it-IS	YET	capital	GREAT	THE	devoutness	WITH	SAME-SUFFICIENCY
	is		تجارة					contentment

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الحي τῶντι) السينائية: اللفظة غير موجودة	١٧ أَوْصِ الْأَغْنِيَاءَ فِي الدَّهْرِ الْحَاضِرِ أَنْ لَا يَسْتَكْبِرُوا، وَلَا يُلقُوا رَجَاءَ هُمْ عَلَى غَيْرِ يَقِينِيَّةٍ الْغِنَى، بَلْ عَلَى اللَّهِ الْحَيِّ الَّذِي يَمْنَحُنَا كُلَّ شَيْءٍ بِغْنَى لِنَتَمَتَّعَ	وعليك أن توصي أغنياء هذه الدنيا بأن لا يتكبروا ولا يتكلموا على الغنى الزائل، بل على الله الذي يفيض علينا بكل ما ننعم به	17 Charge them that are rich in the present age that they be not highminded, nor trust in the uncertainty of riches, but in God who gives us all things richly for enjoyment;	M-01A 1 Timothy 6:17 Τοις πλουσιοις εν τω νυν καιρω παραγγελλε μη υψηλα φρονιν μηδε ηλπικεναι επι πλουτου αδηλοτητι αλλ επι ΘΩ τω παρεχοντι ημιν πα_τα πλουσιως εις απολαυσιν	تي(1) 6-17	9
اضاف النساخ لفظة (الحي) من أجل جعل القسم (الله الحي) ليكون مطابقاً لنظيره في 3-15, 4-10, بحيث يجعل القسم هنا مشابه لأسلوب بولس مما يدعم قانونية الرسالة (دعم قانونية الرسالة)					التعليق	

1Ti 6:17

ΤΟΙΣ ΠΛΟΥΣΙΟΙΣ ΕΝ ΤΩ ΝΥΝ ΑΙΩΝΙ ΠΑΡΑΓΓΕΛΛΕ ΜΗ
 ΤΩΝ ΥΝ ΚΑΙ ΡΩΠΑ
 ΡΑΓΓΕΛΛΕ ΜΗ ΨΗ
 ΛΑΦΡΟΝΙΝ ΜΗΔΕ
 ΗΛΠΙΚΕΝΑΙ ΕΠΙ ΠΛΟΥ
 ΤΟΥ ΑΔΗΛΟΤΗΤΙ
 ΑΛΛ ΕΠΙ ΘΕΩ ΤΩ ΠΑ
 ΡΕΧΟΝΤΙ ΗΜΙΝ ΠΑ
 ΤΑ ΠΛΟΥΣΙΩΣ ΕΙΣ
 ΠΟΛΥΣΙΝ ΑΓΑΘΟ

1Ti 6:18

6:17	ΤΟΙΣ	ΠΛΟΥΣΙΟΙΣ	ΕΝ	ΤΩ	ΝΥΝ	ΑΙΩΝΙ	ΠΑΡΑΓΓΕΛΛΕ	ΜΗ
	tois	plousiois	en	to	nun	aiOni	paraggelle	mE
	to-THE	RICH-ones	IN	THE	NOW	eon	BE-YOU-chargING	NO
	the-ones	rich			current		be-you-charging!	

ΥΨΗΛΟΦΡΟΝΕΙΝ	ΜΗΔΕ	ΗΛΠΙΚΕΝΑΙ	ΕΠΙ	ΠΛΟΥΤΟΥ	ΑΔΗΛΟΤΗΤΙ
hupsElophronein	mEde	Elpikenai	epi	ploutou	adElotEti
TO-BE-beING-HIGH-DISPOSEd	NO-YET	TO-HAVE-EXPECTED	ON	RICHES	UN-EVIDENT
to-be-being-haughty	nor-yet	to-rely-on		of riches	dubiousness

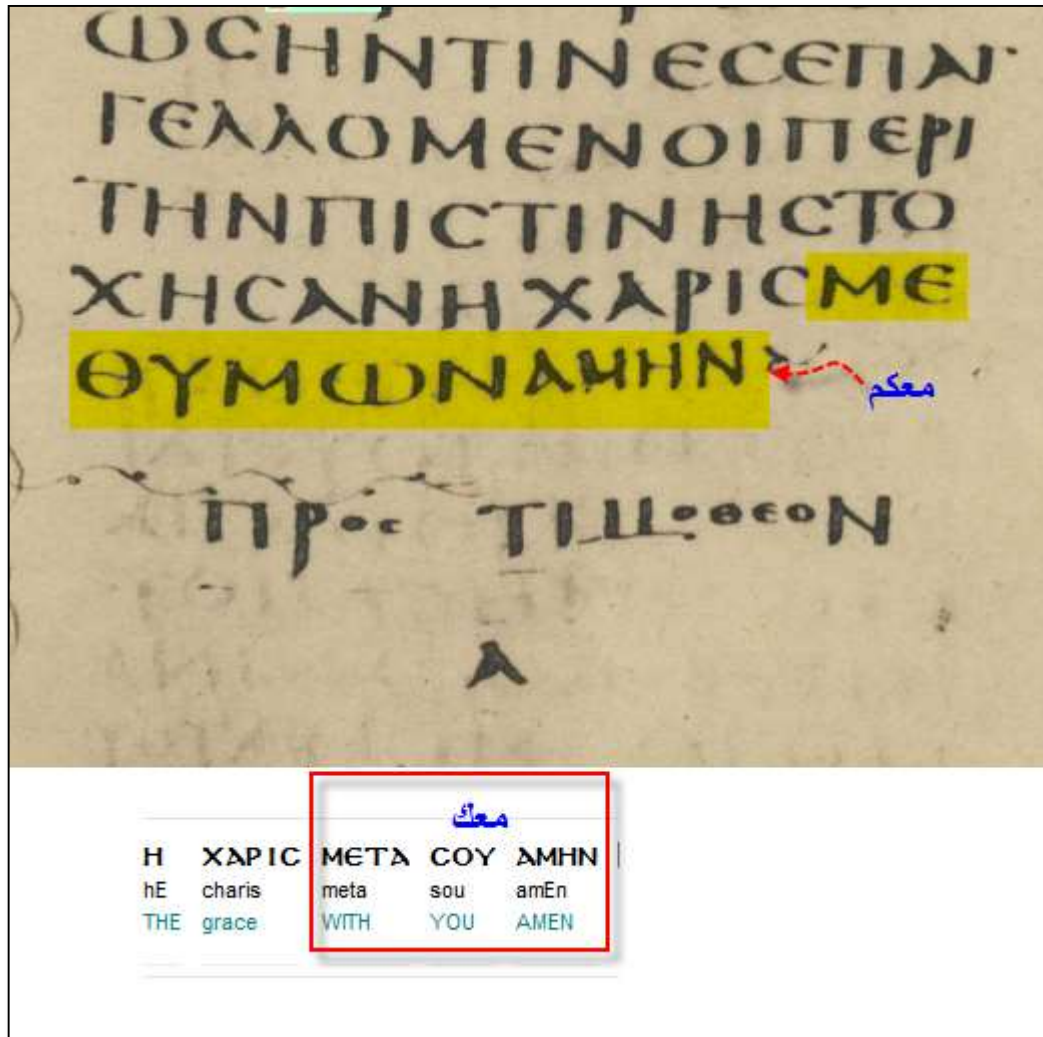
ΑΛΛ	ΕΝ	ΤΩ	ΘΕΩ	ΤΩ	ΖΩΝΤΙ	ΤΩ	ΠΑΡΕΧΟΝΤΙ	ΗΜΙΝ	ΠΛΟΥΣΙΩΣ
all	en	to	theO	to	zOnti	to	parechonti	hEmin	plousiOs
but	IN	THE	God	THE	LIVING	THE	One-tenderING	to-US	RICHly
							one-tendering	us	

ΠΑΝΤΑ	ΕΙΣ	ΑΠΟΛΑΥΣΙΝ
panta	eis	apolausin
ALL	INTO	FROM-ENJOYment
all-things		enjoyment

الذي يمنحنا
 الحي
 الله

ليست
 بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (معك σου μετὰ) السينائية: تكتب بدلا منها: (معكم υμων μεθ)	٢٢ النِّعْمَةُ مَعَكَ . آمِينَ.	وحين اتخذه بعضهم زاغوا عن الإيمان. لتكن النعمة معكم .	22 Grace be with thee.	M-01A 1 Timothy 6:22 ἦν τινες επαγγελλομενοι περι την πιστιν ἠστοχησαν Η χαρις μεθ υμων	تي (1) - 6 22	10
قام النساخ بتغيير النص من (معكم) إلى (معك) لأن الرسالة موجهة من بولس لشخص واحد وهو تيموثاوس (جعل الأمور أكثر منطقية)					التعليق	



تيموثاوس الثانية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت لفظة: (للأمم) $\epsilon\theta\nu\omega\nu$ السينائية: اللفظة غير موجودة	الذي جعلت أنا له كَارِرًا وَرَسُولًا وَمُعَلِّمًا لِلأُمَمِ.	11 to which I was appointed a preacher, and an apostle, and a teacher	M-01A 2 Timothy 1:11 $\epsilon\iota\varsigma\ \omicron\ \epsilon\tau\epsilon\theta\eta\nu\ \epsilon\gamma\omega\ \kappa\eta\rho\nu\zeta\ \kappa\alpha\iota\ \alpha\pi\omicron\sigma\tau\omicron\lambda\omicron\varsigma\ \kappa\alpha\iota\ \delta\iota\delta\alpha\sigma\kappa\alpha\lambda\omicron\varsigma$	تي (2) 1-11	1
أضاف النساخ لفظة (للأمم) من اجل هدم الفكرة اليهودية القائلة بأن الخلاص هو فقط لليهود وبالتالي هدم العهد القديم (إلغاء العهد القديم) (دعم عالمية المسيحية)					التعليق	

2Ti 1:11

2Ti 1:12

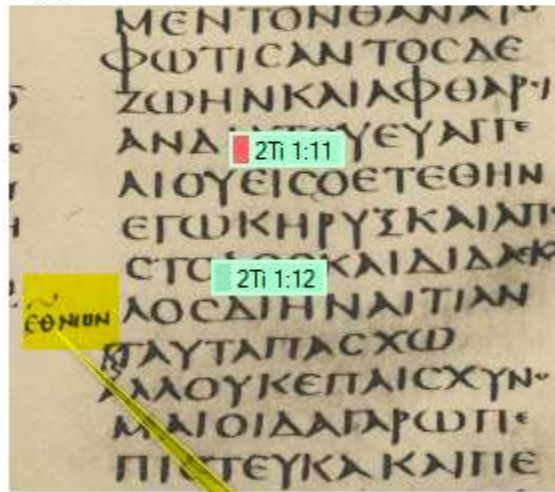
1:11 $\epsilon\iota\varsigma\ \omicron\ \epsilon\tau\epsilon\theta\eta\nu\ \epsilon\gamma\omega\ \kappa\eta\rho\nu\zeta\ \kappa\alpha\iota\ \alpha\pi\omicron\sigma\tau\omicron\lambda\omicron\varsigma\ \kappa\alpha\iota\ \delta\iota\delta\alpha\sigma\kappa\alpha\lambda\omicron\varsigma$
 eis ho etethEn egO kErux kai apostolos kai AND INTO WHICH WAS-PLACED I PROCLAIMer AND commissioner AND was-appointed herald apostle

معلمة نلامم ليست بالمخطوط

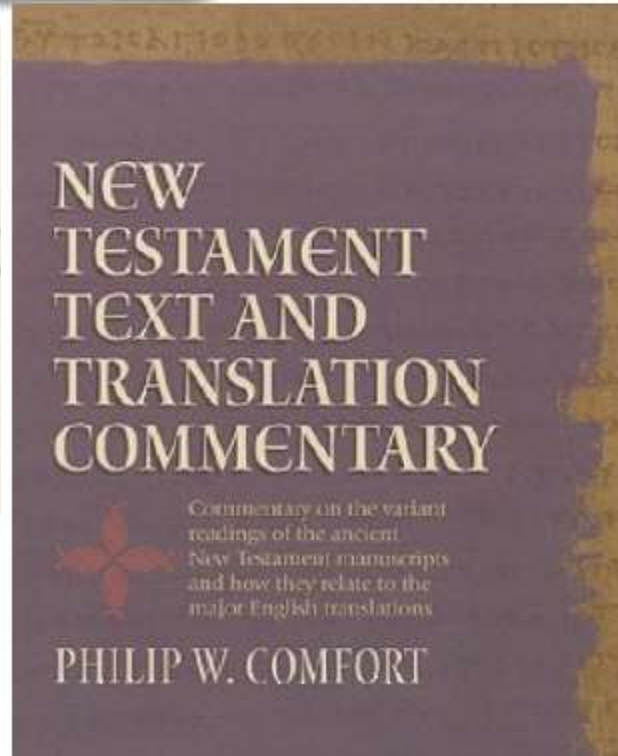
1:12 $\delta\iota\ \eta\nu\ \alpha\iota\tau\iota\alpha\nu\ \kappa\alpha\iota\ \tau\alpha\upsilon\tau\alpha\ \pi\alpha\sigma\chi\omega\ \alpha\lambda\lambda\ \omicron\upsilon\kappa$
 di hEn aitian kai tauta pascho all ouk THRU WHICH cause AND these I-AM-EMOTIONING but NOT because-of also these-things I-am-suffering

2 Timothy 1:11

WH NU	διδάσκαλος "teacher"	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
	<p>Ⓝ*A I</p> <p>NKJVmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET</p>	
variant 1/TR	διδασκαλος εθνων "teacher of [the] Gentiles"	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا
	<p>Ⓝ² C D F G Ψ 1739 Maj it syr cop</p> <p>KJV NKJV NRSV NRSVmg HCSB</p>	
variant 2	διακονος "servant"	
	33	



اللفظة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف أداة التعريف: (الكتب المقدسة τὰ ἱερὰ γράμματα) السينائية: أداة التعريف غير موجودة	١٥. وَأَنْتَ مُنْذُ الطُّفُولِيَّةِ تَعْرِفُ الْكُتُبَ الْمُقَدَّسَةَ، الْقَادِرَةَ أَنْ تُحَكِّمَكَ لِلْخَلَاصِ،	فأنت منذ طفولتك عرفت كتباً مقدسة القادرة على أن تزودك بالحكمة التي تهدي إلى الخلاص في الإيمان بالمسيح يسوع.	15 and that from a child thou hast known holy Scriptures, which are able to make thee wise to salvation,	M-01A Colossians 3:15 Καὶ ἡ εἰρηνὴ τοῦ ΧΥ̅ βραβευετω ἐν ταῖς καρδιαῖς ὑμῶν· εἰς τὴν καὶ ἐκλήθητε ἐν ἐνὶ σωματί καὶ εὐχαριστοὶ γίνεσθε	تي(2) 3-15	3
أضاف النساخ أداة التعريف من أجل جعل النص يتكلم صراحة عن الكتب المقدسة المعروفة(العهد القديم).(تحمسين النص)					التعليق	

2Ti 3:15

2Ti 3:16

ليست بالمخطوطة

3:15	ΚΑΙ	ΟΤΙ	ΑΠΟ	ΒΡΕΦΟΥΣ	ΤΑ	ΙΕΡΑ	ΓΡΑΜΜΑΤΑ	ΟΙΔΑΣ
	kai	hoti	apo	brephous	ta	hiera	grammata	oidas
	AND	that	FROM	BABE	THE	SACRED(P)	WRITings	YOU-HAVE-PERCEIVED
						sacred	scriptures	you-are-acquainted-with

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف أداة التعريف: (الكتاب ἡ γραφή)	٦ اَكْلُ الْكِتَابِ هُوَ مُوحَى بِهِ مِنْ اللَّهِ، وَنَافِعٌ لِلتَّعْلِيمِ وَالتَّوْبِيخِ	٦ اَكْلُ كِتَابٍ هُوَ مُوحَى بِهِ مِنْ اللَّهِ، وَنَافِعٌ لِلتَّعْلِيمِ وَالتَّوْبِيخِ	16 All scripture is by inspiration of God,	M-01A 2 Timothy 3:16 Πασα γραφη θεοπνευστος	تي(2) 3-16	4
السينائية: أداة التعريف غير موجودة						
أضاف المترجمون أداة التعريف من أجل وصف الكتاب المقدس بأنه موحى به من الله (دعم عقيدة وحي الكتاب المقدس)					التعليق	

2Ti 3:16

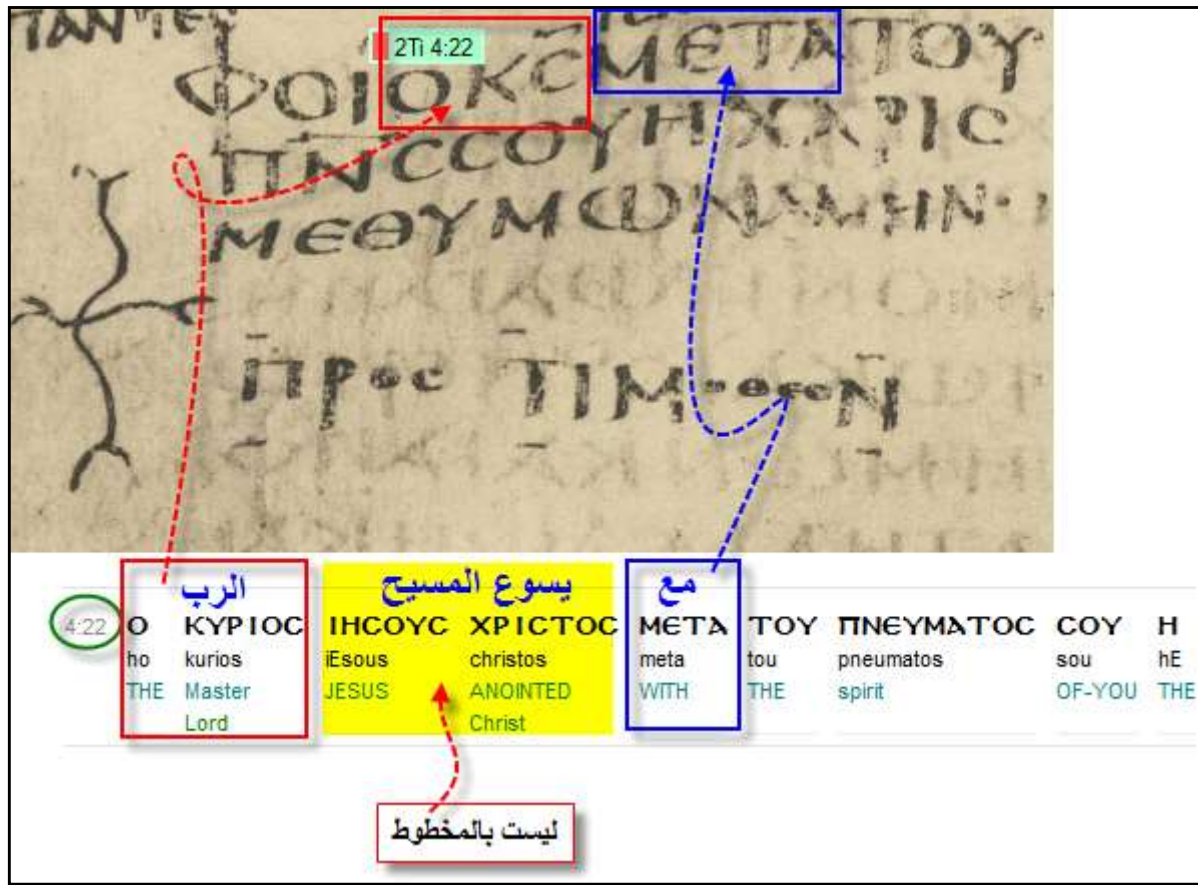
ΠΑΣΑ ΓΡΑΦΗ ΘΕΟ ΠΝΕΥΣΤΟΣ ΚΑΙ ΩΦΕΛΙΜΟΣ ΠΡΟΣ

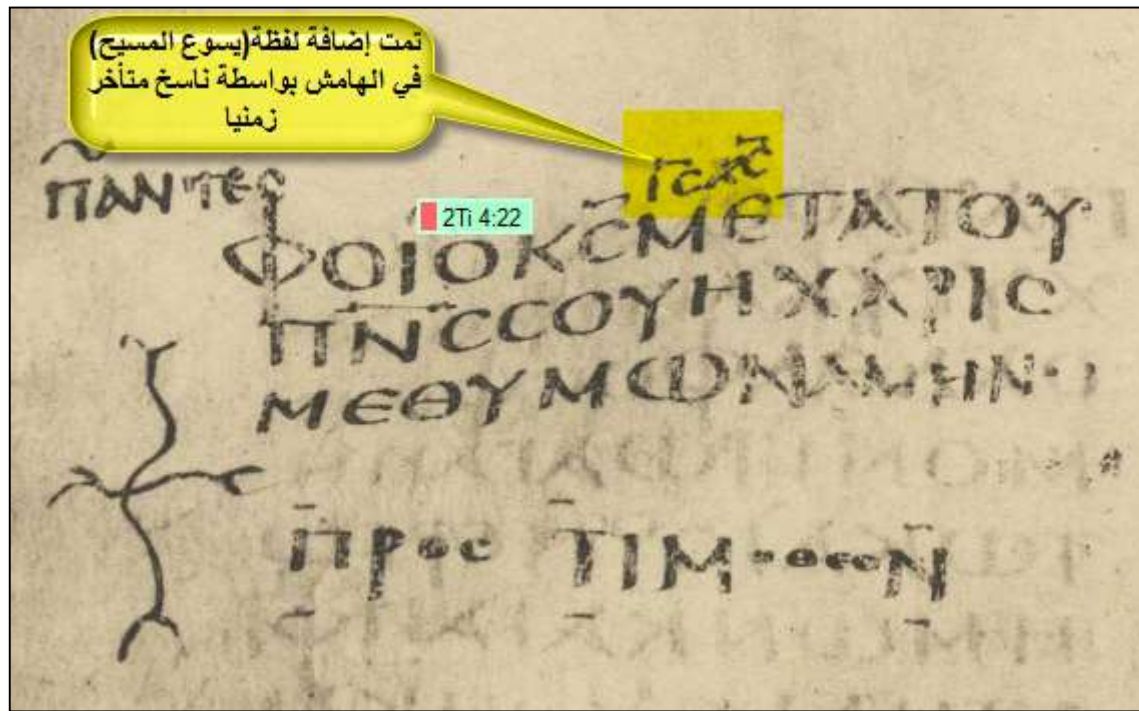
ΦΕΛΙΜΟΣ ΠΡΟΣ

أداة التعريف ليست
موجودة
ἡ

3:16	ΠΑΣΑ	ΓΡΑΦΗ	ΘΕΟΠΝΕΥΣΤΟΣ	ΚΑΙ	ΩΦΕΛΙΜΟΣ	ΠΡΟΣ
	pasa	graphē	theopneustos	kai	Ophelimos	pros
	EVERY	WRITING	God-spirited	AND	beneficial	TOWARD
	all	scripture	inspired-by-God			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (يسوع المسيح ΙΣΧΣ) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٢ الرَّبُّ يَسُوعُ الْمَسِيحُ مَعَ رُوحِكَ. النَّعْمَةُ مَعَكُمْ. أَمِينَ.	ليكن الرب مع روحك ولتكن النعمة معكم.	22 The Lord be with thy spirit. Grace be with you.	M-01A 2 Timothy 4:22 Ο ΚΣ̄ μετα του ΠΝΣ̄ σου Η χαρις μεθ υμων	تي(2) 4-22	5
أضاف النساخ لفظة (يسوع المسيح) بعد لفظة (الرب) من أجل وصف يسوع بالألوهية (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	





2 Timothy 4:22a

WH NU	ὁ κύριος "the Lord"	
	<p>κ* FG 33 1739 cop^a</p> <p>RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT NIVB NIVB NIVB</p>	
variant 1	ο κύριος Ιησους "the Lord Jesus"	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
	A 104 614 NETmg	
variant 2/TR	ο κύριος Ιησου Χριστου "the Lord Jesus Christ"	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا
	κ ² C D Ψ Maj it ^b syr cop ^{bo} KJV NKJV NETmg	

NEW TESTAMENT TEXT AND TRANSLATION COMMENTARY

Commentary on the variant readings of the ancient New Testament manuscripts and how they relate to the major English translations

PHILIP W. COMFORT

رسالة تيطوس

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (ورحمة ελεος) السينائية: اللفظة غير موجودة	4 إلى تيطس، الابن الصريح حسب الإيمان المُشترَك: نِعْمَةٌ وَرَحْمَةٌ وَسَلَامٌ مِنَ اللَّهِ الْآبِ	إلى تيطس ابني الحقيقي في إيماننا المشترك. عليك النعمة والسلام من الله الأب والمسيح يسوع مخلصنا.	4 to Titus, my true son according to the common faith. Grace and peace from God the Father, and Christ Jesus our Saviour.	M-01A Titus 1:4 Τιτω γνησιω τεκνω κατα κοινην πιστι_ χαρις και ειρηνη απο ΘΥ ΠΡΣ και ΧΥΤΥ του ΣΡΣ ημων	تيط 1-4	1
أضاف النساخ لفظة (ورحمة) من أجل محاكاة أسلوب بولس في رسالة تيموثاوس الأولى 1-2 والثانية 1-2, مما يدعم نسبة الرسالة لبولس وبالتالي تأخذ صفة القانونية (دعم قانونية الرسالة)					التعليق	

Tit 1:4

Tit 1:5

ليست بالمخطوط

رحمة
نعمة

سلام

1.4	ΤΙΤΩ	ΓΝΗΣΙΩ	ΤΕΚΝΩ	ΚΑΤΑ	ΚΟΙΝΗΝ	ΠΙΣΤΙΝ	ΧΑΡΙΣ	ΕΛΕΟΣ
	titO	gnEsiO	teknO	kata	koinEn	pistin	charis	eleos
	to-TITUS	genuine	offspring	according-to	COMMON	BELIEF	grace	MERCY
			child			faith		

ΕΙΡΗΝΗ	ΑΠΟ	ΘΕΟΥ	ΠΑΤΡΟΣ	ΚΑΙ	ΚΥΡΙΟΥ	ΙΗΣΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΤΟΥ
eirEnE	apo	theou	patros	kai	kuriou	iEsou	christou	tou
PEACE	FROM	God	FATHER	AND	OF-Master	JESUS	ANOINTED	THE
					Lord		Christ	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الرب Κύριον) السينائية: اللفظة غير موجودة	4 إلى تيطس، الابن الصريح حسب الإيمان المشترك: نعمة ورحمة وسلام من الله الأب والرب يسوع المسيح مخلصنا.	إلى تيطس ابني الحقيقي في إيماننا المشترك. عليك النعمة والسلام من الله الأب والمسيح يسوع مخلصنا	4 to Titus, my true son according to the common faith. Grace and peace from God the Father, and Christ Jesus our Saviour.	M-01A Titus 1:4 Τίτω γνησιω τεκνω κατα κοινήν πίστι- χάρις και ειρηνη απο ΘΥ ΠΡΣ και ΧΥΙΥ του ΣΡΣ ημων	تيط 1-4	2
أضاف النساخ لفظة (الرب) من اجل وصف يسوع بالألوهية (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

Tit 1:4

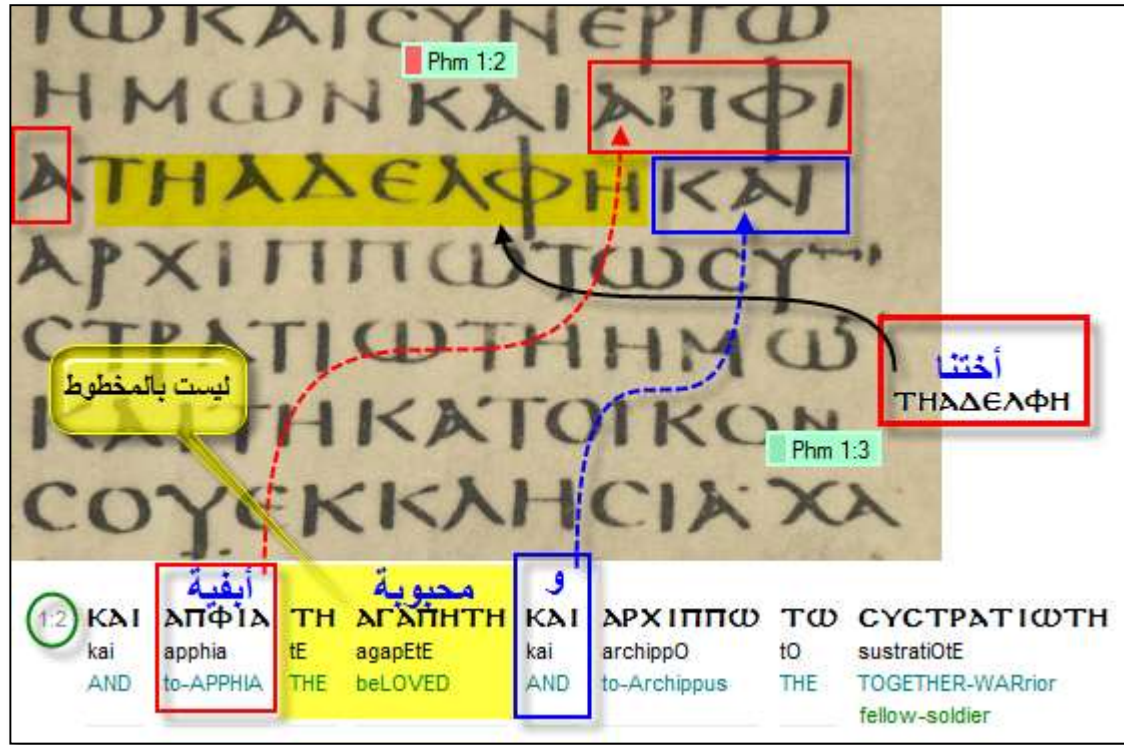
Tit 1:5

ليست بالمخطوط

1:4	ΤΙΤΩ	ΓΝΗΣΙΩ	ΤΕΚΝΩ	ΚΑΤΑ	ΚΟΙΝΗΝ	ΠΙΣΤΙΝ	ΧΑΡΙΣ	ΕΛΕΟΣ
	titO	gnEsiO	teknO	kata	koinEn	πιστιν	charis	eleos
	to-TITUS	genuine	offspring	according-to	COMMON	BELIEF	grace	MERCY
			child			faith		
	ΕΙΡΗΝΗ	ΑΠΟ	ΘΕΟΥ	ΠΑΤΡΟΣ	ΚΑΙ	ΚΥΡΙΟΥ	ΙΗΣΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ
	eirEnE	apo	theou	patros	kai	kuriou	iEsou	christou
	PEACE	FROM	God	FATHER	AND	OF-Master	JESUS	ANOINTED
						Lord		THE
								Christ

رسالة فليمون

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (المحبوبة ἀγαπητή) السينائية: تكتب بدلا منها: (أختنا ἀδελφή)	٢ وَأَلَى أَبِئِيَّةَ الْمَحْبُوبَةِ، وَأَرْخَبُسَ الْمُتَجَدِّدِ مَعَنَا،	وإلى الكنيسة التي تجتمع في بيتك، وإلى أختنا أبفية وإلى رفيقنا في الجهاد أرخبس.	2 and to Apphia the sister, and Archippus our fellowsoldier, and to the church that is in thy house.	M-01A Philemon 1:2 και Αἰφία τη ἀδελφῆ και Ἀρχιπποῦ τοῦ στρατιωτῆ ἡμῶν και τη κατ οικον σου ἐκκλησία	فليم 1-2	1
قام النساخ بتغيير النص من (أختنا) إلى (المحبوبة) من أجل مطابقة مقدمة الرسالة لأسلوب بولس الذي كثيرا ما يستعمل مصطلح المحبوب والمحبوبة مثل فليمون 1, رومية 16-12, أفسس 1-6, كولوسي 3-12, تسالونيكي الأولى 1-4 وغيرها, وهذا يدعم قانونية الرسالة (دعم قانونية الرسالة)					التعليق	



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (فأقبله <i>πρόσλαβοῦ</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	12 الَّذِي رَدَدْتُهُ. فَأَقْبَلُهُ، الَّذِي هُوَ أَحْسَانِي.	أرده إليك، أرد قلبه نفسه	12 whom I sent back to you—him, this one is my very heart"	M-01A Philemon 1:11 τον ποτε σοι αχρηστον νῡνι δε και σοι και εμοι ευχρηστον ον ανεπεμψα 12 σοι αυτον τουτ εστι τα εμα σπλαγγνα	فليم 1-12	2
أضاف النساخ عبارة (فأقبله) لأنهم لاحظوا حرص بولس على دعوة فليمون لقبول أنسيمس فكانت الإضافة لدعم مراد بولس (دعم الفكرة التي يريد بولس توضيحها)					التعليق	

Phm 1:12

Phm 1:13

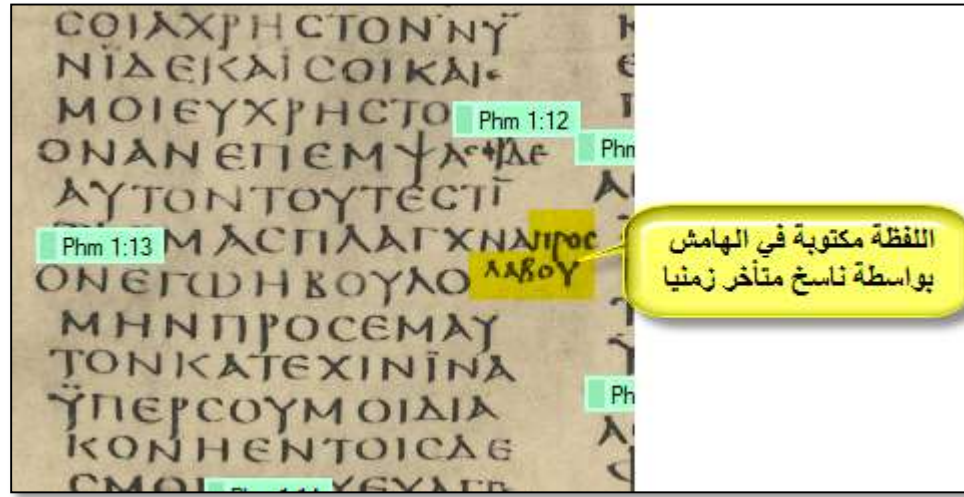
1:12 ON ANEPEMPSA (1:12) CY DE AUTON TOYT ECTIN TA EMA
hon anepempsa (1:12) su de auton tout estin ta ema
WHOM I-UP-SEND YOU YET him this IS THE MY
I send-back

أقبله
σπλαγγνα
splagchna
compassions

أقبله
προσλαβοῦ
proslabou
BE-TOWARD-GETTING
be-you-taking-to-yourself!

المظلل ليس
بالمخطوط

1:13 ὃν ΕΓΩ ΕΒΟΥΛΟΜΗΝ ΠΡΟΣ ΕΜΑΥΤΟΝ ΚΑΤΕΧΕΙΝ ΙΝΑ
hon egO eboulomEn pros emauton katechein hina
WHOM intendED TOWARD MYself TO-BE-DOWN-HAVING THAT
to-be-retaining



Philemon 12

WHNU

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ
الأصلي

ὃν ἀπέπεμψα σοι, αὐτόν, τοῦτ' ἔστιν τὰ ἐμὰ
σπλάγχνα

"whom I sent back to you—him, this one [who] is my very heart"

Ⲛ* A (F G) 33

NKJvmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET

variant 1/TR

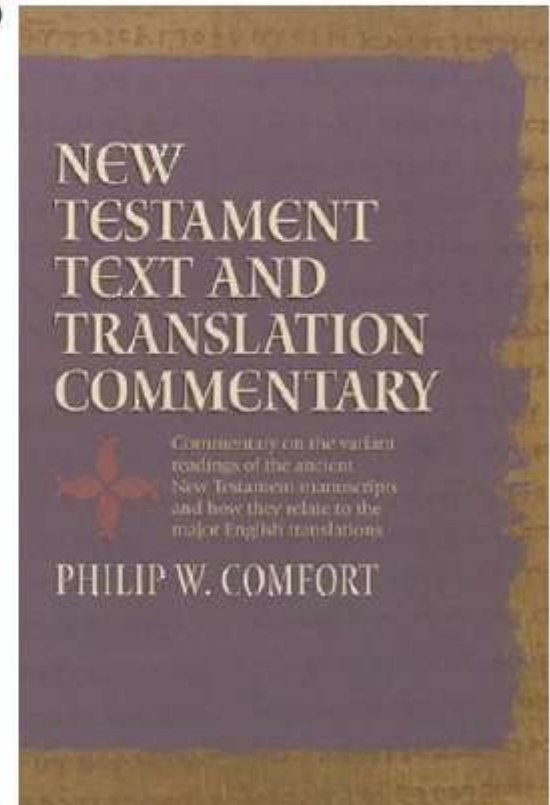
ὃν ἀπέπεμψα. συ δε αὐτον, τοῦτ εστιν τα εμα
σπλαγχνα, προσλαβου

"whom I sent back. Now you receive him, this one [who] is my very heart"

Ⲛ* C² D Maj it (syr) (C* σοι instead of συ δε)

KJV NKJV HCSBmg

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر
زمنيا



رسالة العبرانيين

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (بنفسه δι' εαυτου) السينائية: اللفظة غير موجودة	3الَّذِي، وَهُوَ بِهِاءٌ مَجْدِهِ، وَرَسْمٌ جَوْهَرِهِ، وَحَامِلٌ كُلِّ الْأَشْيَاءِ بِكَلِمَةِ قُدْرَتِهِ، بَعْدَ مَا صَنَعَ بِنَفْسِهِ تَطْهِيرًا لِحَطَايَانَا، جَلَسَ فِي يَمِينِ الْعَظْمَةِ فِي الْأَعَالِي، ٤صَائِرًا	هو بهاء مجد الله وصورة جوهره، يحفظ الكون بقوة كلمته. ولما طهرنا من خطايانا جلس عن يمين إله المجد في العلى	3 who, being the effulgence of his glory and the exact image of his substance, bearing onward also all things by the word of his power, when he had made a cleansing of sins sat down at the right hand of the majesty on high,	M-01A Hebrews 1:3 ος ων απαυγασμα της δοξης και χαρακτηρ της υποστασεως αυτου φερω̄ τε τα παντα τω ρηματι της δυναμεως αυτου καθαρισμο̄ των αμαρτιων ποιησαμενος εκαθισε̄ εν δεξια της μεγαλωσυνης εν υψηλοις	عب-1-3	1
أضاف النساخ لفظة (بنفسه) من أجل التأكيد على عقيدة الفداء التي تسلتزم أن الإله نفسه يقوم بالفداء والكفارة (دعم عقيدة الفداء والصلب)					التعليق	

Heb 1:3

ΟΣΩΝ ΑΠΑΥΓΑΣΜΑ
 ΤΗΣ ΔΟΣΗΣ ΚΑΙ ΧΑΡΑΚΤΗΡ
 ΡΑΚΤΗΡ ΤΗΣ ΣΥΝΟΤΑ
 ΣΕΩΣ ΑΥΤΟΥ ΦΕΡΩ
 ΤΕΤΑ ΠΑΝΤΑ ΤΩ ΡΗ
 ΜΑΤΙ ΤΗΣ ΔΥΝΑΜΕ
 ΩΣ ΑΥΤΟΥ ΚΑΘΑΡΙΣΜΟ
 ΤΩΝ ΑΜΑΡΤΙΩΝ Η
 ΗΣ ΑΜΕΝΟΣ ΕΚΛΕΨ
 ΕΝ ΔΕ ΣΙΑ ΤΗΣ ΜΕΓΑ
 ΛΩΣΥΝ ΕΝΥΨΗ
 ΛΟΙΣ

اللفظة ليست
بالمخطوط

1:3	Ο	ΩΝ	ΑΠΑΥΓΑΣΜΑ	ΤΗΣ	ΔΟΣΗΣ	ΚΑΙ	ΧΑΡΑΚΤΗΡ	ΤΗΣ	
	hos	On	apaugasma	tEs	doxEs	kai	charaktEr	tEs	
	WHO	BEING	FROM-RADIANCE	OF-THE	esteem	AND	CARVing	OF-THE	
			effulgence		glory		emblem		
	ΥΠΟΣΤΑΣΕΩΣ	ΑΥΤΟΥ	ΦΕΡΩΝ	ΤΕ	ΤΑ	ΠΑΝΤΑ	ΤΩ	ΡΗΜΑΤΙ	ΤΗΣ
	hupostaseOs	autou	pherOn	te	ta	panta	to	rEmati	tEs
	UNDER-STANDing	OF-Him	CARRYING	BESIDES	THE	ALL	to-THE	declaration	OF-THE
	assumption		carrying-in						
	ΔΥΝΑΜΕΩΣ	ΑΥΤΟΥ	ΔΙ	ΕΑΥΤΟΥ	ΚΑΘΑΡΙΣΜΟΝ	ΠΟΙΗΣΑΜΕΝΟΣ	ΤΩΝ		
	dunameOs	autou	di	heautou	katharismOn	poiEsamenos	ton		
	ABILITY	OF-Him	THRU	Self	cleansing	making	OF-THE		
	power		through	himself					

قدرته

بنفسه

تطهيرا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (ملكك βασιλείας σου) السينائية: تكتب بدلا منها: (ملكه βασιλείας αυτού)	٨ وَأَمَّا عَنْ الْإِبْنِ: "كُرْسِيِّكَ يَا اللَّهُ إِلَى دَهْرٍ الدُّهُورِ. قَضِيبُ اسْتِقَامَةٍ قَضِيبُ مُلْكِكَ	أما في الابن فقال: (عرشك يا الله ثابت إلى أبد الدهور، وصولجان العدل صولجان ملكه	8 But with respect to the Son: Thy throne, O God, is forever and ever; and: A scepter of rectitude is the scepter of his kingdom.	M-01A Hebrews 1:8 προς δε τον ΥΝΟ θρονος σου ο ΘΣ εις τον αιωνα του αιωνος και η ραβδος της βασιλειας αυτου	عب-1-8	2
<p>قام النساخ بتغيير النص من (ملكه) إلى (ملكك) لسببين:</p> <ul style="list-style-type: none"> - مطابقة الاقتباس هنا مع العهد القديم (مزمو 45: 6-7) - إزالة الاضطراب الحادث في النص، فالكلمة بمضير الغائب (ملكه) تنقل الكلام من صيغة المخاطب للغائب بشكل مفاجئ. <p>(تحسين النص) (مطابقة الاقتباسات مع العهد القديم)</p>					التعليق	

Heb 1:8

ملكه
ΒΑΣΙΛΕΙΑΣ ΑΥΤΟΥ

Heb 1:9

1:8	ΠΡΟΣ	ΔΕ	ΤΟΝ	ΥΙΟΝ	Ο	ΘΡΟΝΟΣ	COY	Ο	ΘΕΟΣ	ΕΙΣ	ΤΟΝ
	pros	de	ton	huion	ho	thronos	sou	ho	theos	eis	ton
	TOWARD	YET	THE	SON	THE	THRONE	OF-YOU	THE	God	INTO	THE
	ΑΙΩΝΑ	ΤΟΥ	ΑΙΩΝΟΣ	ΡΑΒΔΟΣ	ΕΥΘΥΤΗΤΟΣ	Η	ΡΑΒΔΟΣ	ΤΗΣ			
	aiOna	tou	aiOnos	rabdos	euthutEtos	hE	rabdos	tEs			
	eon	OF-THE	eon	ROD	OF-straightness	THE	ROD	OF-THE			
				scepter	of-rectitude		scepter				

ملكك
ΒΑΣΙΛΕΙΑΣ COY
basileias sou
KINGdom OF-YOU

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	النسخة العربية: ليست فيها الإضافة السينائية: تضيف لفظة: (κτὸβ ὡς ματιον)	٢ وَكَرْدَاءٍ تَطْوِيهَا فَتَتَغَيَّرُ. وَلَكِنْ أَنْتَ أَنْتَ، وَسِنُّوكَ لَنْ تَقْفَى."	تطويها طي الرداء فتتغير كتوب ، وأنت أنت لا تنتهي أيامك	12 and as a mantle shalt thou roll them up and as a garment, and they shall be changed, but thou art the same, and thy years shall not fail.	M-01A Hebrews 1:12 και ὡσει περιβολαιον αλλαξεις αυτους ως ματιον και αλλαγησονται συ δε και ο αυτος ει και τα ετη σου ουκ εκλιψουσιν	ع1-12	3
<p>قام النساخ بحذف لفظة (كتوب) لسببين:- - مطابقة الاقتباس هنا مع نظيره في السبعينية في العهد القديم (مزمور 102: 26) حيث لا ينسب التغير للثوب - لاحظوا أنه لا توجد قيمة كبيرة للكلمة، فما قبلها يغني عنها.</p> <p>(مطابقة الاقتباسات مع العهد القديم السبعيني = السبعنة) (تحسين النص)</p>						التعليق	

Heb 1:12

كتوب

Heb 1:13

1:12 ΚΑΙ ὡσει ΠΕΡΙΒΟΛΑΙΟΝ ἑλιξεις αὐτοὺς καὶ
kai hOsei peribolaion helixeis autous kai
AND AS-IF ABOUT-CAST clothing YOU-SHALL-BE-WHIRLING them AND also

τῶν ἐτῶν σου οὐκ ἐκλείψουσιν
ta etE sou ouk ekleipsousin
THEY-SHALL-BE-βΑΝG-CHANGED YOU YET THE SAME ARE AND THE YEARS OF-YOU shall-be-defaulting

Heb 1:13 ΑΛΛΑΓΗΣΟΝΤΑΙ καὶ τὰ ἔτη σου οὐκ ἐκλείψουσιν
allagEsontai su de ho autos ei kai ta etE sou
THEY-SHALL-BE-βΑΝG-CHANGED YOU YET THE SAME ARE AND THE YEARS OF-YOU shall-be-defaulting

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تصيف عبارة: (على رتبة ملكي صادق) κατά την τάξιν (Μελχισεδέκ) السينائية: العبارة غير موجودة	٢١ لأن أولئك بدون قسم قد صاروا كهنة، وأما هذا فبقسم من القائل له: "أقسم الرب ولن يندم، أنك كاهن إلى الأبد على رتبة ملكي صادق".	21 but he with the swearing of an oath by him that said to him: The Lord swore, and will not regret it, Thou art a priest for ever	M-01A Hebrews 7:21 ο δε μετα ορκωμοσιας δια του λεγοντος προς αυτον Ωμοσεν ΚΣ και ου μεταμεληθησεται Συ ιερευς	ع ب 7-21	4
	أضاف النساخ عبارة (على رتبة ملكي صادق) من أجل التأكيد على الشبه بين المسيح وملكى صادق الذي يعتبره بولس زمرا لتغيير الشريعة وإلغاءها كما في الأعداد من 11 إلى 19 مما يجعل مجيئ المسيح هو بمثابة إلغاء إلهي للشريعة (إلغاء الشريعة، دعم فلسفة بولس)					التعليق

Heb 7:21

ο δε μετα ορκωμοσιας δια του λεγοντος προς αυτον ωμοσεν κυριος και ου μεταμεληθησεται συ ιερεις

Heb 7:22

κατα τον αιωνα κατα την τάξιν μελχισεδεκ

κατα τοσούτον κρείττονος

Heb 7:21

ο δε μετα ορκωμοσιας δια του λεγοντος προς αυτον ωμοσεν κυριος και ου μεταμεληθησεται συ ιερεις

ho de meta horkomosias dia tou legontos pros auton omosen kurios kai ou metamelhethesetai sy hierous

THE YET WITH OATH-SWEARING THRU THE sayING one-saying TOWARD Him SWEARS Master AND NOT SHALL-BE-BEING-after-CARED YOU SACRED-One priest كاهن

Heb 7:22

κατα τον αιωνα κατα την τάξιν μελχισεδεκ

kata ton aiOna kata tEn taxin melchisedek

INTO THE eon according-to THE order of MELCHISEDEK of Melchisedek

Heb 7:22

κατα τοσούτον κρείττονος

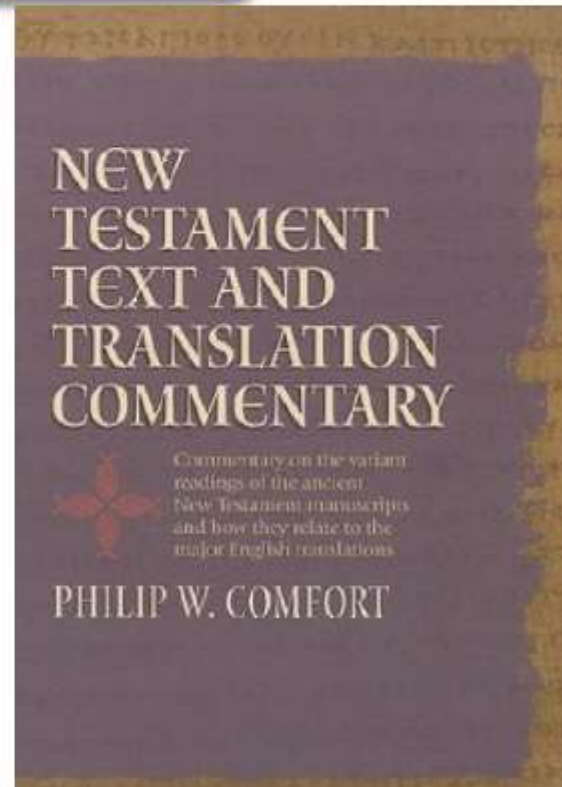
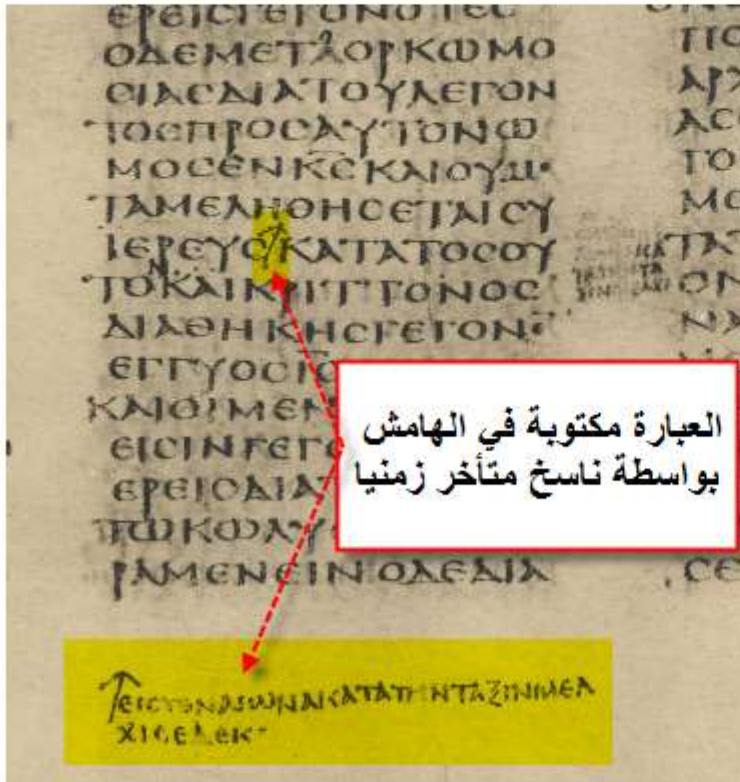
kata tousouton kreittonos

according-to so-much better of-better

المزحل بالاضفر ليس بالمخطوط

Hebrews 7:21

WHNU	σὺ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα "you are a priest forever" P ⁴⁶ (N*) B C 0278 33 It NKJvmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant/TR	συ ἱερεὺς εἰς τὸν αἰῶνα κατὰ τὴν τάξιν Μελχισεδεκ "you are a priest forever according to the order of Melchizedek" K ² A D Ψ 1739 Maj syr KJV NKJV	قراءة الإضافة تمت بواسطة



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: أضافت لفظة: (وتعدياتهم) καὶ τῶν ἀνομιῶν αὐτῶν السينائية: اللفظة غير موجودة	١٢ لَأْتِي أَكُونُ صَفْوَحًا عَنْ أَثَامِهِمْ، وَلَا أَذْكَرُ خَطَايَاهُمْ وَتَعْدِيَاتِهِمْ فِي مَا بَعْدُ".	12 For I will be merciful to their unrighteousness, and their sins will I remember no more.	M-01A Hebrews 8:12 Ὅτι ἰλεῶς εἶσομαι ταῖς ἀδικίαις αὐτῶν καὶ τῶν ἀμαρτιῶν αὐτῶν οὐ μὴ μνησθῶ ἐτι	عب8-12	5
					التعليق	

أضاف النساخ لفظة (وتعدياتهم) من أجل مطابقة النص هنا مع نظيره في العبرانيين 10-17 لجعل أسلوب الكاتب متجانس في كل الرسالة مما يسهم في دعم قانونيتها (دعم قانونية الرسالة)

Heb 8:12

Heb 8:13

8:12 ὍΤΙ ἸΛΕΩΣ ΕΣΟΜΑΙ ΤΑΙΣ ΑΔΙΚΙΑΙΣ ΑΥΤῶΝ ΚΑΙ ΤῶΝ ΑΜΑΡΤΙῶΝ ΑΥΤῶΝ ΟΥ ΜΗ ΜΗΘΕΤΙ ΕΝΤΑΥΤΕΓΕΙΝΗ

8:12	ΟΤΙ	ΙΛΕΩΣ	ΕΣΟΜΑΙ	ΤΑΙΣ	ΑΔΙΚΙΑΙΣ	ΑΥΤῶΝ	ΚΑΙ	ΤῶΝ
	hoti	hileOs	esomai	tais	adikiais	autOn	kai	tOn
	that	PROPIOUS	I-SHALL-BE	to-THE	UN-JUSTnesses	OF-them	AND	OF-THE
					injustices			

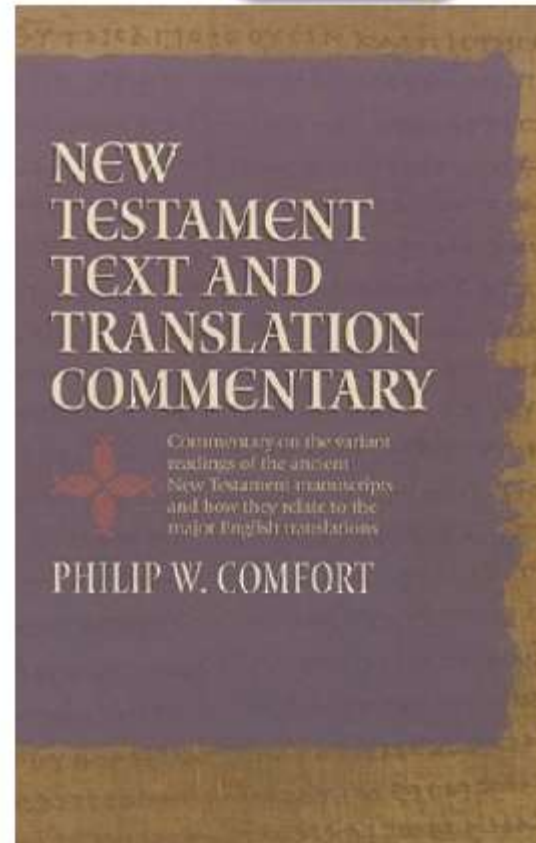
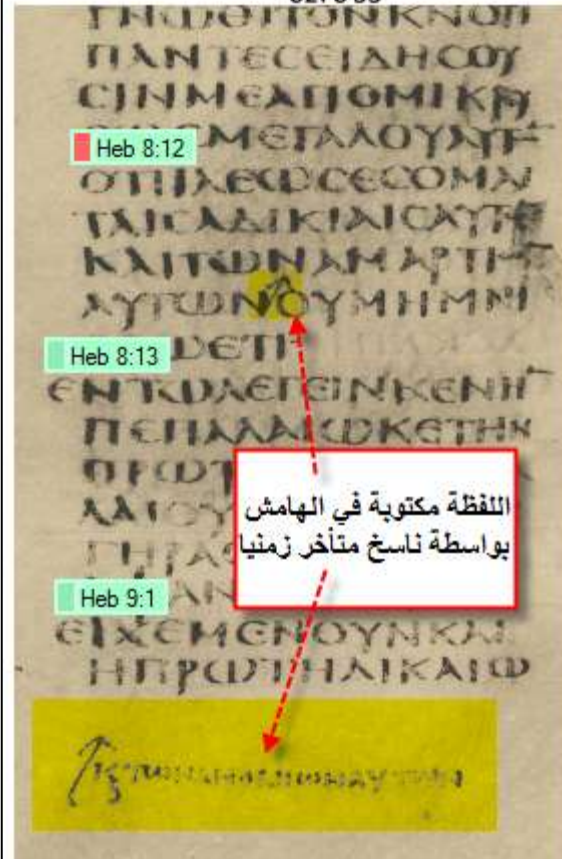
ΑΜΑΡΤΙῶΝ	ΑΥΤῶΝ	ΚΑΙ	ΤῶΝ	ΑΝΟΜΙῶΝ	ΑΥΤῶΝ	ΟΥ	ΜΗ
hamartiOn	autOn	kai	tOn	anomiOn	autOn	ou	mE
misses	خطاياهم	AND	OF-THE	UN-LAWnesses	OF-them	NOT	NO
sins				lawlessnesses			

ΜΗΘΕΤΙ	ΕΤΙ
mnEsthO	eti
I-SHOULD-BE-BEING-REMINDED	STILL

المظلل بالأصفر ليست بالمخطوط

Hebrews 8:12

WH NU	τῶν ἁμαρτιῶν αὐτῶν "their sins" ⲡ ⁴⁶ Ⲭ* B 1739 it syr ^p cop NKJvmg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET	قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي
variant 1/TR	των αμαρτιων αυτων και των ανομιων αυτων "their sins and their lawlessnesses (= iniquities)" Ⲭ ² A D 0285 ^{vd} Maj KJV NKJV HCSB ^{mg}	
variant 2	των ανομιων αυτων "their lawlessnesses" 0278 33	قراءة الإضافة تمت بواسطة ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	<p>الآن الناموس، إذ له ظلّ الخيرات الآتية، لا صوره الأشياء، لا يقدر أبداً بنفس الذبائح كلّ سنة، التي يقدمونها على الدوام، أن يكمل الذين يتقدمون</p>	<p>ولأن الشريعة ظل الخيرات الآتية، لا جوهر الحقائق ذاتها، فلا يقدر بن بتلك الذبائح نفسها التي يستمر تقديمها سنة بعد سنة أن يكمل الذين يتقدمون</p>	<p>1 For the law, having a shadow of the coming good things, not the image itself of the things, they can never with the same sacrifices, which they offer year by year continually, make those that come to them perfect;</p>	<p>M-01A Hebrews 10:1 Σκιαν γαρ εχων ο νομος των μελλοντων αγαθων ουκ αυτην την εικονα των πραγματων κατ ενιαυτοταις αυταις θυσιας αυτων ας προσφερουσιν εις το διηνεκες ουδεποτε δυναται τους προσερχομενους τελιωσαι</p>	ع1-10	6
<p>النسخة العربية: تكتب: (دوناتا) السينائية: تكتب بدلا منها: (دنون)</p>	<p>قام النساخ بتغيير النص من (لا يقدر) إلى (لا يقدر) لأن النص في السينائية ينسب عدم القدرة على تحقيق الكمال للكهنه (لا يقدر) فقاموا بتغييره لينسبوا عدم القدرة للشريعة نفسها مما يوجد مبررا لإلغاءها (إلغاء الشريعة، دعم فلسفة بولس)</p>					التعليق

Heb 10:1

ΕΙΣΩΤΗΡΙΑΝ
 ΣΚΙΑΝ ΓΑΡ ΕΧΩΝ Ο ΝΟΜΟΣ ΤΩΝ ΜΕΛΛΟΝΤΩΝ ΑΓΑΘΩΝ ΟΥΚ ΑΥΤΗΝ ΤΗΝ ΕΙΚΟΝΑ ΤΩΝ ΠΡΑΓΜΑΤΩΝ ΚΑΤ' ΕΝΙΑΥΤΟΝ ΤΑΙΣ ΑΥΤΑΙΣ ΘΥΣΙΑΙΣ ΑΣ ΠΡΟΣΦΕΡΟΥΣΙΝ ΕΙΣ ΤΟ ΔΙΗΝΕΚΕΣ ΟΥΔΕΠΟΤΕ ΔΥΝΑΤΑΙ ΤΟΥΣ ΠΡΟΣΕΡΧΟΜΕΝΟΥΣ ΤΕΛΕΙΩΣΑΙ

Heb 10:2

10:1 SKIAN GAR ECHON O NOMOS TON MELLONTON AGATHON OUK
 skian gar echOn ho nomos tOn mellontOn agathOn ouk
 SHADE for HAVING THE LAW OF-THE beING-ABOUT GOOD(P) NOT
 shadow impending good-things

ΑΥΤΗΝ ΤΗΝ ΕΙΚΟΝΑ ΤΩΝ ΠΡΑΓΜΑΤΩΝ ΚΑΤ' ΕΝΙΑΥΤΟΝ ΤΑΙΣ
 autEn tEn eikona tOn pragmatOn kat eniauton tais
 SAME THE image OF-THE PRACTISES according-to year to-THE
 selfsame matters

ΑΥΤΑΙΣ ΘΥΣΙΑΙΣ ΑΣ ΠΡΟΣΦΕΡΟΥΣΙΝ ΕΙΣ ΤΟ ΔΙΗΝΕΚΕΣ
 autais thusiais has prosperousin eis to diEnekes
 SAME SACRIFICES WHICH THEY-ARE-TOWARD-CARRYING INTO THE THRU-CARRY
 they-are-offering finality

لا يقدر الذين يتقدمون
 ΟΥΔΕΠΟΤΕ ΔΥΝΑΤΑΙ ΤΟΥΣ ΠΡΟΣΕΡΧΟΜΕΝΟΥΣ ΤΕΛΕΙΩΣΑΙ
 oudepote dunatai tous proserchomenous teleiOsai
 NOT-YET-?-when IS-ABLE THE ones-TOWARD-COMING TO-mature
 never it-is-able ones-approaching to-perfect

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (يقول يا رب λέγει κύριος السينائية: العبارة غير موجودة	النَّعْمَةُ؟ ٣٠ فَأَيْنَا نَعْرِفُ الَّذِي قَالَ: "لِي الْإِنْتِقَامُ، أَنَا أَجَازِي، يُقَوِّلُ الرَّبُّ".	فنحن نعرف الذي قال: ((لي الانتقام وأنا الذي يجازي)).	30 For we know him that said: Vengeance is mine, I will repay, and again: The Lord will judge his people.	M-01A Hebrews 10:30 Οἰδαμεν γὰρ τὸν εἰπόντα Ἐμοὶ ἐκδικησεὶς ἐγὼ ἀναποδώσω καὶ πάλιν κρινεὶ ΚΣ τον λαὸν αὐτοῦ	ع10- 30	7
أضاف النساخ عبارة (يقول الرب) من أجل مطابقة الاقتباس هنا مع نظيره في رسالة رومية 12-19 من أجل إيجاد تجانس في الاسلوب بين الرسالة وباقي رسائل بولس مما يدعم قانونيتها (دعم قانونية الرسالة)					التعليق	

Heb 10:30

ΟΙΔΑΜΕΝ ΓΑΡ ΤΟΝ ΕΙΠΟΝΤΑ ΕΜΟΙ ΕΚΔΙΚΗΣΙΣ ΕΓΩ

ΤΑΠΟΔΩΣΩ ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΚΥΡΙΟΣ ΚΡΙΝΕΙ

ΛΑΟΝ ΑΥΤΟΥ

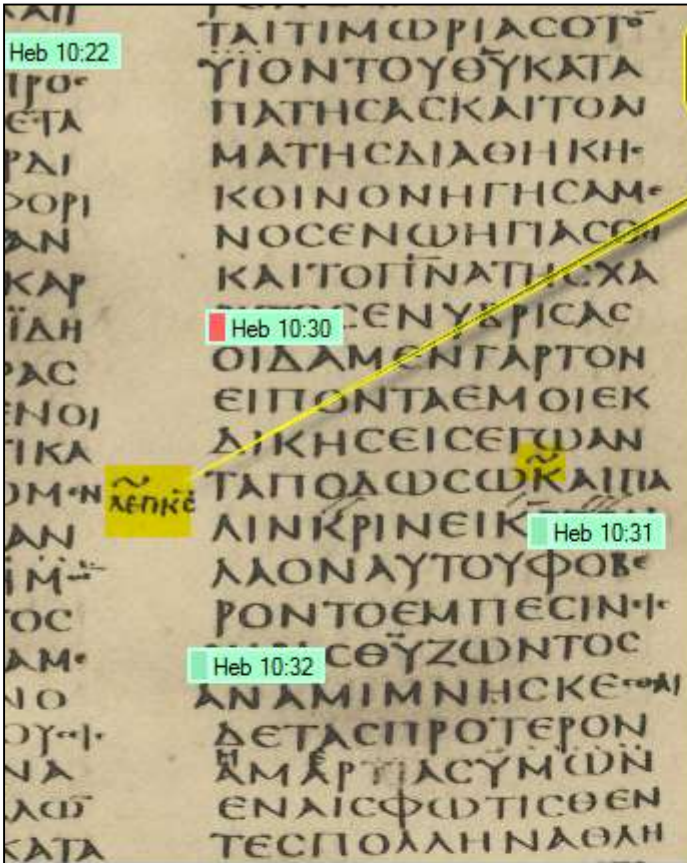
Heb 10:31

10:30 ΟΙΔΑΜΕΝ ΓΑΡ ΤΟΝ ΕΙΠΟΝΤΑ ΕΜΟΙ ΕΚΔΙΚΗΣΙΣ ΕΓΩ
oidamen gar ton eiponta emoi ekdikesis egō
WE-HAVE-PERCEIVED for THE On-sayING to-ME OUT-JUSTING I
we-are-acquainted-with one-saying avenging

ΑΝΤΑΠΟΔΩΣΩ ΛΕΓΕΙ ΚΥΡΙΟΣ ΚΑΙ ΠΑΛΙΝ ΚΥΡΙΟΣ ΚΡΙΝΕΙ
antapodosō legei kurios kai palin kurios krinei
أجازي IS-sayING Master AND AGAIN Master SHALL-BE-JUDGING
Lord Lord

TON ΛΑΟΝ ΑΥΤΟΥ
ton laon autou
THE PEOPLE OF-Him

المطلل بالأصفر
ليس بالمخطوط



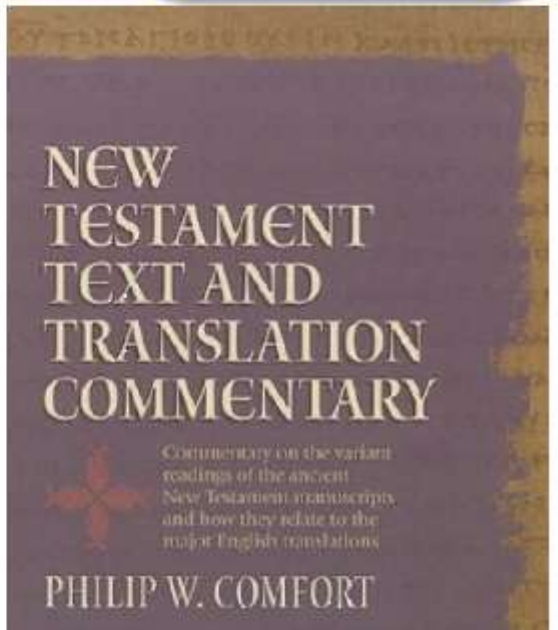
العبارة مكتوبة في الهامش
بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

Hebrews 10:30

WH NU	ἐμοὶ ἐκδίκησις, ἐγὼ ἀνταποδώσω. "Vengeance is mine; I will repay." ϒ ^{13vid} ϒ ⁴⁶ κ * D* P Ψ 33 it syr ^p NKJv mg RSV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB NLT HCSB NET
variant/TR	εμοι εκδικησις, εγω ανταποδωσω, λεγει κυριος. "Vengeance is mine; I will repay,' says the Lord." κ ² A D ² Mai syr KJV NKJV HCSBmg

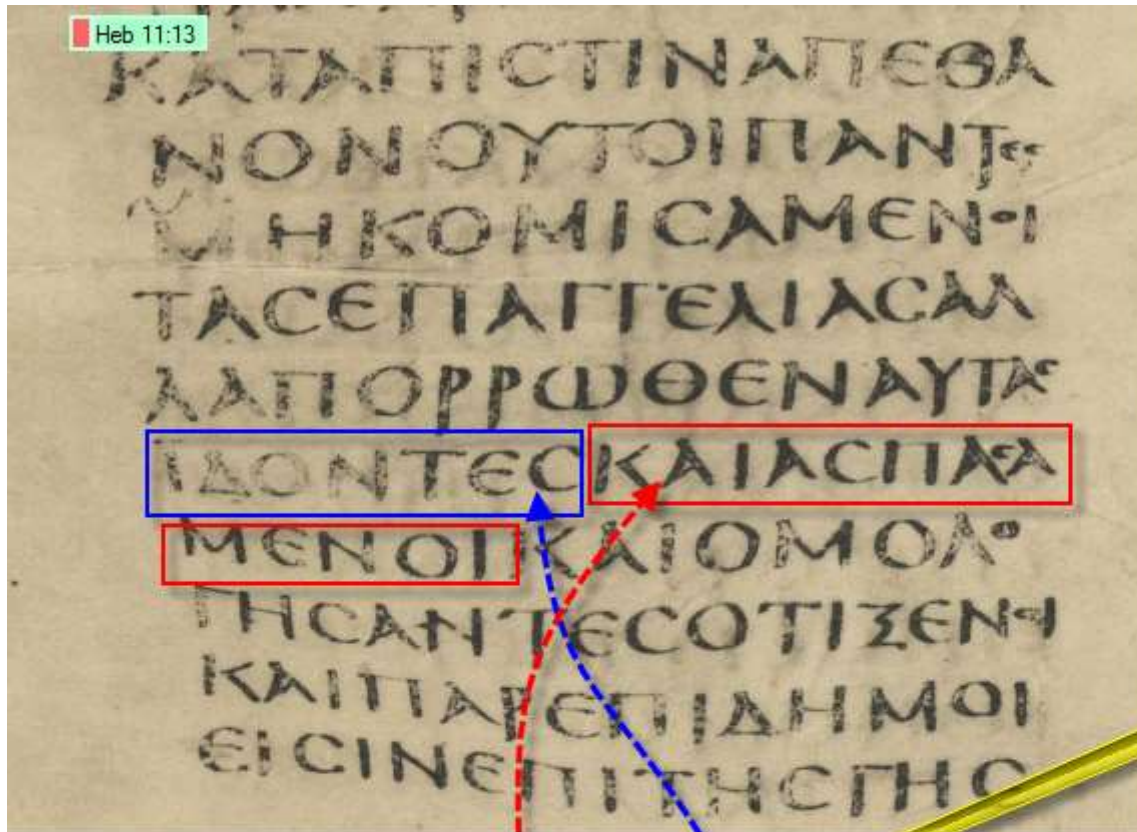
قراءة الحذف تمت بواسطة
الناسخ الأصلي

قراءة الإضافة تمت بواسطة
ناسخ متأخر زمنيا



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (وصدقوها και πεισθέντες) السينائية: اللفظة غير موجودة	٣ في الإيمان مات هؤلاء أجمعون، وهم لم ينالوا المواعيد، بل من بعيد نظروها وصدقوها وحببوا، وأقروا بأنهم غرباء ونزلاء على الأرض.	وفي الإيمان مات هؤلاء كلهم دون أن ينالوا ما وعد الله به، ولكنهم رأوه وحيوه عن بعد. واعترفوا بأنهم غرباء نزلاء في الأرض	13 According to faith died all these, not having received the promises, but having seen them at a distance and saluted them, and confessed that they were strangers and sojourners in the land.	M-01A Hebrews 11:13 Κατα πιστιν απεθανον ουτοι παντες μη κομισαμενοι τας επαγγελιας αλλα πορωθεν αυτας ιδοντες και ασπασαμενοι και ομολογησαντες οτι ξενοι και παρεπιδημοι εισιν επι της γης	عب 11-13	8
أضاف النساخ لفظة (وصدقوها) لأن بولس يتكلم في كل الإصحاح عن الإيمان = التصديق , وتكلم في الأعداد السابقة لهذا العدد عن إيمان إبراهيم وإسحاق ويعقوب وسارة بالوعد الإلهي دون أن يتحقق في حياتهم, لهذا كان مناسباً أن يضيف النساخ لفظة (صدقوها= آمنوا بها) أي بالموعودات الإلهية , لأن بولس ذكر أنهم نظروها وحيوها لكن نسي أن يذكر أهم شيء له علاقة بالموضوع ألا وهو الإيمان بها..... فكان التدخل من النساخ ضرورياً. (تحسين النص) (خدمة الفكرة المطروحة)					التعليق	

Heb 11:13



المظلل بالأصفر
ليس بالمخطوط

11:13	ΚΑΤΑ	ΠΙΣΤΙΝ	ΑΠΕΘΑΝΟΝ	ΟΥΤΟΙ	ΠΑΝΤΕΣ	ΜΗ	ΛΑΒΟΝΤΕΣ
	kata	pistin	apethanon	houtoi	pan-	mE	labontes
	according-to	BELIEF	FROM-DIED	these	ALL	NO	GETTING
		faith	died				obtaining
	ΤΑΣ	ΕΠΑΓΓΕΛΙΑΣ	ΑΛΛΑ	ΠΟΡΡΩΘΕΝ	ΑΥΤΑΣ	ΙΔΟΝΤΕΣ	ΚΑΙ
	tas	epaggelias	alla	porrothen	autas	idontes	kai
	THE	promises	but	forward-PLACE	them	PERCEIVING	AND
				at a distance			
	ΠΕΙΣΘΕΝΤΕΣ	ΚΑΙ	ΑΣΠΑΣΑΜΕΝΟΙ	ΚΑΙ	ΟΜΟΛΟΓΗΣΑΝΤΕΣ	ΟΤΙ	ΞΕΝΟΙ
	peisthentes	kai	aspasamenoι	kai	homologEsantes	hoti	xenoi
	BEING-PERSUADED	AND	greeting	AND	avowing	that	LODGErs
			saluting-them				strangers

صدقوها
ΠΕΙΣΘΕΝΤΕΣ

وحيوها
ΚΑΙ ΑΣΠΑΣΑΜΕΝΟΙ

ونظروها
ΙΔΟΝΤΕΣ ΚΑΙ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (جبل ὄρει) السينائية: العبارة غير موجودة	١٨ لَأَتَّكُم لَمْ تَأْتُوا إِلَى جَبَلِ مَلْمُوسٍ مُضْطَّرِمٍ بِالنَّارِ، وَإِلَى ضَبَابٍ وَظَلَامٍ وَزَوْبَعَةٍ،	وما اقتربتم أنتم من لموس، من نار ملتهبة وظلام وضباب وزوبعة وظلام وظلّام،	18 For you have not come to what can be touched, and to burning fire, and blackness, and thick darkness, and tempest,	M-01A Hebrews 12:18 Ου γαρ προσεληλυθατε ψηλαφωμενω και κεκαυμενω πυρι και γνοφω και ζοφω και θυελλη	ع12- 18	9
أضاف النساخ لفظة (جبل) من أجل: - توضيح ما هو ذلك الملموس - التأكيد على إلغاء الشريعة، فالجبل الملموس يقصد به مثال لأحكام وأحداث العهد القديم، واستنكار بولس لها هدفه إلغاءها (إلغاء الشريعة)					التعليق	

Heb 12:18

Heb 12:19

ليست بالمخطوط

12:18	ΟΥ ΓΑΡ	ΠΡΟΣΕΛΗΛΥΘΑΤΕ	ΨΗΛΑΦΩΜΕΝΩ	ΟΡΕΙ	ΚΑΙ
	ou gar	proseleluthate	psElaphOmenO	orei	kai
	NOT for	YE-HAVE-TOWARD-COME	to-beING-STROKE-TOUCHED	mountain	AND
		ye-have-come-to	to-being-handled		

ΚΕΚΑΥΜΕΝΩ	ΠΥΡΙ	ΚΑΙ	ΓΝΟΦΩ	ΚΑΙ	ΣΚΟΤΩ	ΚΑΙ	ΘΥΕΛΛΗ
kekaumenO	puri	kai	gnophO	kai	skotO	kai	thuellE
to-HAVING-been-BURNED	to-FIRE	AND	MURKINESS	AND	to-DARKness	AND	to-FEEL-WHIRL
			to-murkiness				to-tornado

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (أو ترمى بسهم ἢ βολίδι κατατοξευθήσεται) السينائية: العبارة غير موجودة	كَلِمَةً، ٢٠ لِأَنَّهُمْ لَمْ يَحْتَمِلُوا مَا أَمَرَ بِهِ: "وَإِنْ مَسَّتِ الْجَبَلُ بِبَهِيمَةٍ، تُرْجَمُ أَوْ تُرْمَى بِسَهْمٍ"	لأنهم ما احتملوا هذا الإنذار: ((حتى البهيمة لو لمست الجبل لرجمت))	20 for they did not endure that which was commanded: If even a beast touch the mountain, it shall be stoned	M-01A Hebrews 12:20 ουκ εφερον γάρ το διαστελλομενο̄ Καν θηριον θιγη του ορους λιθοβοληθησεται	ع12- 20	10
أضاف النساخ عبارة (أو ترمى بسهم) من أجل مطابقة الاقتباس مع نظيره في العهد القديم في الخروج 13-19 (مطابقة الاقتباسات بعضها)					التعليق	

Heb 12:20

ΝΑΙ ΑΥΤΟΙΣ ΛΟΓΟΝ
ΟΥΚ ΕΦΕΡΟΝ ΓΑΡ ΤΟ ΔΙΑΣΤΕΛΛΟΜΕΝΟ
ΚΑΝ ΘΗΡΙΟΝ ΘΙΓΗ
ΤΟΥ ΟΡΟΥΣ ΟΥ
ΛΙΘΟΒΟΛΗΘΗΣΕΤΑΙ ΚΑΙ ΟΥ
ΤΩ ΦΟΒΕΡΟΝ ΗΤ

Heb 12:21

12:20 ΟΥΚ ΕΦΕΡΟΝ ΓΑΡ ΤΟ ΔΙΑΣΤΕΛΛΟΜΕΝΟ ΚΑΝ ΘΗΡΙΟΝ
ouk epheron gar to diastellomenon kan thEriou
NOT THEY-CARRIED for THE THRU-PUTTING AND-[IF]-EVER WILD-BEAST
they-carried-out being-assignment and-if-ever

ΘΙΓΗ ΤΟΥ ΟΡΟΥΣ ΛΙΘΟΒΟΛΗΘΗΣΕΤΑΙ Η ΒΟΛΙΔΙ
thigE tou orous lithobolEthEsetai hE bolidi
MAY-BE-IMPINGING OF-THE mountain it-SHALL-BE-BEING-STONE-CAST OR to-dart
may-be-coming-into-contact

ΚΑΤΑΤΟΞΕΥΘΗΣΕΤΑΙ
katatoxeuthEsetai
SHALL-BE-BEING-DOWN-SHOT
shall-be-shot-down

المظلل بالأصفر ليس
بالمخطوط

12:21 ΚΑΙ ΟΥΤΩΣ ΦΟΒΕΡΟΝ ΗΝ ΤΟ ΦΑΝΤΑΖΟΜΕΝΟΝ ΜΩΥΣΕΙ ΕΙΠΕΝ
kai houtos phoberon en to phantazomenon mousei eipen
AND thus FEARful WAS THE APPEARING MOSES said
spectacle

رسالة يعقوب

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
1	يع 3-12	M-01A James 3:12 Μη δυναται αδελφοι μου συκη ελεας ποιησαι η αμπελος συκα Ουτως ουδε αλυκον γλυκυ ποιησαι υδωρ	12 Can a fig-tree, my brethren, produce olives, or a vine, figs? Neither can salt water produce sweet.	أثمر التينة، يا إخوتي، زيتونا أو الكرمة تينا؟ وكذلك النبع المالح لا يخرج ماء عذبا.	١٢ هَلْ تَقْدِرُ يَا إِخْوَتِي تِينَةً أَنْ تَصْنَعَ زَيْتُونًا، أَوْ كَرْمَةً تِينًا؟ وَلَا كَذَلِكَ يَنْبُوغُ يَصْنَعُ مَاءً مَالِحًا وَعَذْبًا!	النسخة العربية: تكتب عبارة: (وَلَا كَذَلِكَ يَنْبُوغُ يَصْنَعُ مَاءً مَالِحًا وَعَذْبًا οὕτως οὐδεμία πηγή άλυκὸν καὶ γλυκὸν ποιῆσαι ὕδωρ) السينائية: تكتب بدلا منها: (وكذلك النبع المالح لا يخرج ماء عذبا ουδε αλυκον γλυκυ ποιησαι υδωρ)
		<p>قام النساخ بتغيير العبارة من (وكذلك النبع المالح لا يخرج ماء عذبا) إلى (وَلَا كَذَلِكَ يَنْبُوغُ يَصْنَعُ مَاءً مَالِحًا وَعَذْبًا) لأن الفكرة التي أراد يعقوب توصيلها ابتداءا من النص رقم 10 هو أنه لا يمكن لمكان واحد أن يخرج منه شيان متناقضان, فنفي في النص رقم 10 إمكانية صدور البركة واللعنة من فم واحد, ونفي في النص رقم 11 إمكانية أن يخرج من عين الماء الواحدة مياه عذبة ومرة في نفس الوقت, فرأى النساخ أن الأفضل للنص رقم 12 لكي يتقاطع مع النصين السابقين أن ينفي هو أيضا صدور شيئين متناقضين من مكان واحد, فقاموا بهذا التغيير. (خدمة الفكرة التي يطرحها المؤلف)</p>				التعليق

Jam 3:12

ΚΥΚΑΙ ΤΟ ΠΙΚΡΟΝ
 ΜΗ ΔΥΝΑΤΑΙ ΑΔΕΛ
 ΦΟΙΜΟΥ ΣΥΚΗ Ε
 ΧΕΑΣΤΟΙ ΗΣΑΙ Η
 ΑΜΠΕΛΟΣ ΣΥΚΑ
 ΟΥΤΩΣ ΟΥΔΕ ΜΙΑ
 ΠΗΓΗ ΑΛΥΚΟΝ ΚΑΙ
 ΓΛΥΚΥ ΠΟΙΗ
 ΣΑΙ ΥΔΩΡ

Jam 3:13

ΤΙΣΣΟΦΟΣ ΚΑΙ ΕΠΙ

3:12 ΜΗ ΔΥΝΑΤΑΙ ΑΔΕΛΦΟΙ ΜΟΥ ΣΥΚΗ ΕΛΛΙΑΣ ΠΟΙΗΣΑΙ Η
 mE dunatai adelphoi mou sukE elaias poiEsai E
 NO IS-ABLE brothers OF-ME FIG-tree OLIVES TO-make OR
 can brethren!

ΑΜΠΕΛΟΣ ΣΥΚΑ ΟΥΤΩΣ ΟΥΔΕ ΜΙΑ ΠΗΓΗ ΑΛΥΚΟΝ ΚΑΙ ΓΛΥΚΥ
 ampelos suka houtOs oudemia pEgE halukon kai gluku
 GRAPE-VINE FIGS thus NOT-YET-ONE SPRING SALTY AND SWEET
 grapevine

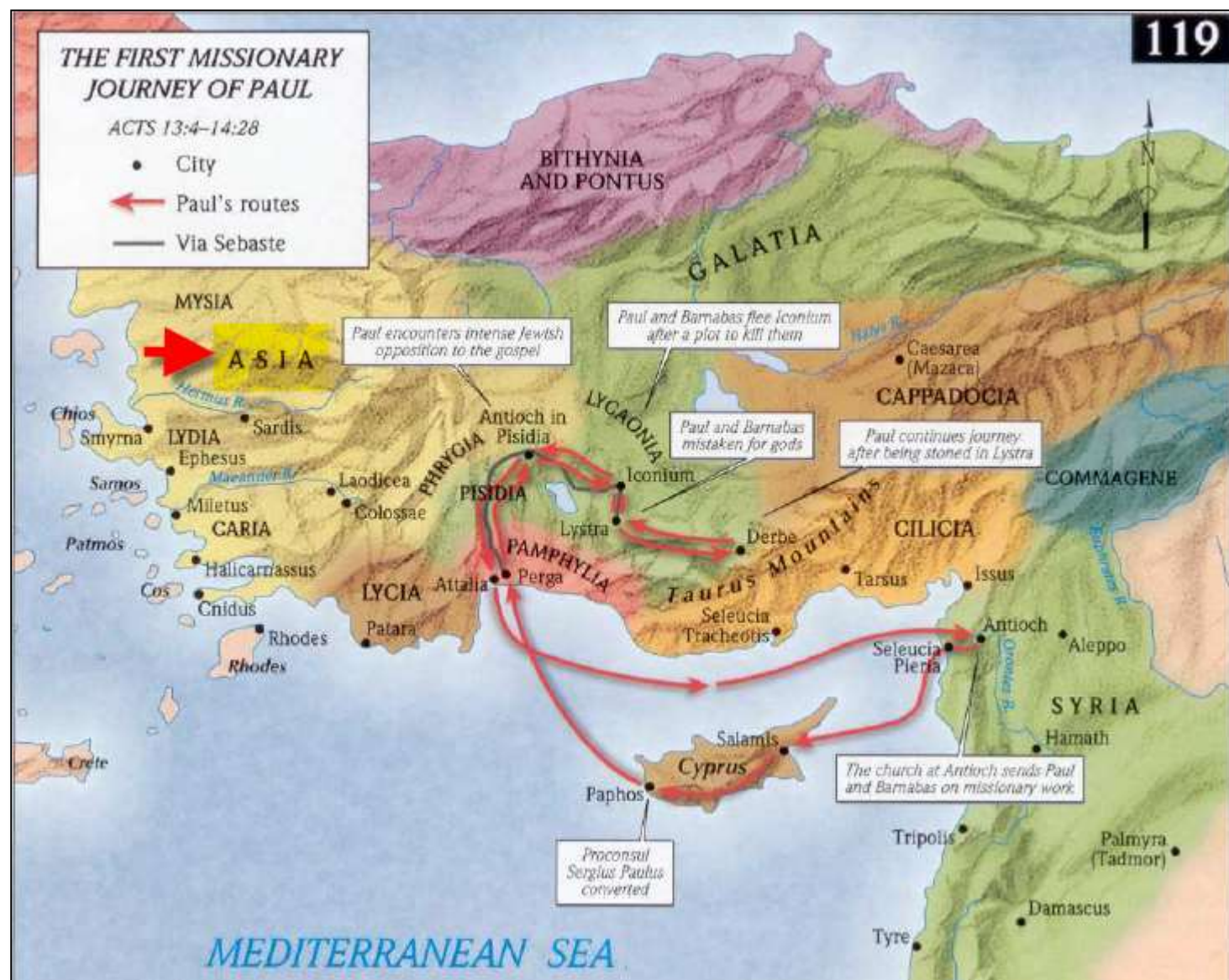
ΟΥΤΩΣ ΟΥΔΕ ΜΙΑ ΠΗΓΗ ΑΛΥΚΟΝ ΚΑΙ ΓΛΥΚΥ
 houtOs oudemia pEgE halukon kai gluku
 thus NOT-YET-ONE SPRING SALTY AND SWEET
 ولا كذلك ينبوع مالح وعذب

ΠΟΙΗΣΑΙ ΥΔΩΡ
 poiEsai hudOr
 TO-make water
 to-do produce يصنع ماء

ليست بالمخطوط

بطرس الأول

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (وأسيا <i>Asia</i>) السينائية: اللفظة غير موجودة	اِبْتُرُسُ، رَسُولُ يَسُوعَ الْمَسِيحِ، إِلَى الْمُتَعَرِّبِينَ مِنْ شَتَاتِ بُنْتُسَ وَغَلَاطِيَةَ وَكَبْدُوكِيَةَ وَأَسِيَّا وَبِيثِينِيَةَ،	من بطرس، رسول يسوع المسيح، إلى المختارين المتغربين المشتتين في بنتس وغلطية وكبدوكية وبيثينية	1 Peter, an apostle of Jesus Christ, to the elect sojourners of the dispersion of Pontus, Galatia, Cappadocia, and Bithynia	M-01A 1 Peter 1:1 Πέτρος ἀποστολὸς ἸϚ ΧϚ ἐκλεκτοῖς καὶ παρεπιδημοῖς διασπορᾶς Ποντοῦ Γαλατικῆς καὶ Καππαδοκείας καὶ Βιθυνίας	بط (1) 1-1	1
أضاف النساخ لفظة (وأسيا) لأنهم لاحظوا أن بطرس نسي أن يذكر المقاطعة المسماة آسيا والموجودة في غرب آسيا الصغرى (تحسين النص)					التعليق	



1Pe 1:1

ΠΕΤΡΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ
 ΙΥΧΥ ΕΚΛΕΚΤΟΙΣ
 ΠΑΡΕΠΙΔΗΜΟΙΣ
 ΔΙΑΣΠΟΡΑΣ ΠΟΝΤΟΥ
 ΓΑΛΑΤΕΙΑΣ ΚΑΠΠΑ
 ΔΟΚΕΙΑΣ ΚΑΙ ΒΙΘΥ
 ΝΙΑΣ ΚΑΤΑ ΤΡΟΓΝ

1Pe 1:2

ΠΕΤΡΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΕΚΛΕΚΤΟΙΣ
 petros apostolos IEsou christou eklektois
 Peter commissioner OF-JESUS ANOINTED to-chosen
 Christ

ΠΑΡΕΠΙΔΗΜΟΙΣ ΔΙΑΣΠΟΡΑΣ ΠΟΝΤΟΥ ΓΑΛΑΤΙΑΣ ΚΑΠΠΑΔΟΚΙΑΣ
 parepidemois diasporas pontou galatias kappadokias
 expatriates OF-THRU-SOWING OF-Pontus GALATIA KAPPADOCIA
 كبادوكية CAPPADOCIA

ΑΣΙΑΣ
 asias ASIA province-of-Asia
 آسيا

ΚΑΙ ΒΙΘΥΝΙΑΣ
 kai bithunias AND BITHYNIA
 وبيثينية

ليست بالمخطوط

1Pe 1:1

ΠΕΤΡΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ
 ΙΥΧΥ ΕΚΛΕΚΤΟΙΣ
 ΠΑΡΕΠΙΔΗΜΟΙΣ
 ΔΙΑΣΠΟΡΑΣ ΠΟΝΤΟΥ
 ΓΑΛΑΤΕΙΑΣ ΚΑΠΠΑ
 ΔΟΚΕΙΑΣ ΚΑΙ ΒΙΘΥ
 ΝΙΑΣ ΚΑΤΑ ΤΡΟΓΝ

1Pe 1:2

ΠΕΤΡΟΣ ΑΠΟΣΤΟΛΟΣ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΕΚΛΕΚΤΟΙΣ
 petros apostolos IEsou christou eklektois
 Peter commissioner OF-JESUS ANOINTED to-chosen
 Christ

1Pe 1:3

1Pe 1:1 variation unit #11.0 [1Pe 1:1-11.0]
 Πέτρος ἀποστολὸς Ἰησοῦ Χριστοῦ ἐκλεκτοῖς
 παρεπιδημοῖς διασπορᾶς Πόντου Γαλατίας
 Καππαδοκίας **Ἀσιας** καὶ Βιθυνίας

Ἀσιας S⁰ - ϕ^{74vid} N^c A B Ψ 049 1 33 35 69 218 489 927 945 999 1243
 1244 1251 1315 1319 1448 1563 1573 1646 1735 1739 1751 1874 2191
 2374 2494 MT SBL TR >>>

ασειας - 1 P ϕ^{72} >>>
 και ασιας A 2 1505 2495 >>>
 OM M 50 N^{*} >>>

I II III IV V No Category
 4 c. N

OM - 90 H 1241 >>>
 lacunae - 99 ϕ^{20} ϕ^{23} ϕ^{54} ϕ^{81} ϕ^{125} C >>>

قراءة الحذف تمت
 بواسطة الناسخ
 الأصلي

اللفظة مكتوبة في
 الهامش بواسطة
 ناسخ متأخر زمنيا

الجهاز النقدي
CNTTS

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (بالروح διὰ Πνεύματος) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٢ طَهَّرُوا نُفُوسَكُمْ فِي طَاعَةِ الْحَقِّ بِالرُّوحِ لِلْمَحَبَّةِ الْأَخَوِيَّةِ	والآن، بعدما طهرتم نفوسكم بإطاعة الحق وصرتم تحبون إخوتكم	22 Having purified your souls in obedience to the truth, to unfeigned love of the brethren,	M-01A 1 Peter 1:22 Τας ψυχας υμων ηγνικότες εν τη υπακοη της αληθιας εις φιλαδελφιαν	بط (1) 1-22	2
أضاف النساخ لفظة (بالروح) لشعورهم بضرورة أن يكون للروح دور في التقديس والطهارة وليس فقط الأعمال (طاعة الحق) (زراعة الروحانية في العهد الجديد)					التعليق	

1Pe 1:22

1Pe 1:23

1:22 ΤΑΣ ΨΥΧΑΣ ΥΜΩΝ ΗΓΝΙΚΟΤΕΣ ΕΝ ΤΗ ΥΠΑΚΟΗ ΤΗΣ
tas psuchas humōn hēgnikōtes en tē hupakoē tēs
THE souls OF-YOU(PL) HAVING-PURIFIED IN THE obedience OF-THE
of-ye

1:23 ΔΙΑ ΠΝΕΥΜΑΤΟΣ ΕΙΣ ΦΙΛΑΔΕΛΦΙΑΝ ΑΝΥΠΟΚΡΙΤΟΝ ΕΚ
dia pneumatos eis philadelphian anupokriton ek
THRU spirit INTO FOND-brotherness UN-hypocritical OUT
through by brotherly-affection unfeigned

الحق **بالروح** **للمحبة الأخوية**

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: أضافت لفظة: (إلى الأبد εις τὸν αἰῶνα) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٣ مَوْلُودِينَ ثَانِيَةً، لَا مِنْ زَّرْعِ يَفْنَى، بَلْ مِنْ مِمَّا لَا يَفْنَى، بِكَلِمَةِ اللَّهِ الْحَيَّةِ الْبَاقِيَةِ إِلَى الْأَبَدِ.	فأنتم ولدتم ولادة ثانية، لا من زرع يفنى، بل من زرع لا يفنى، وهو كلمة الله الحية الباقية.	23 having been begotten again, not of corruptible seed, but of incorruptible, by means of the word of God that lives and abides.	M-01A 1 Peter 1:23 αναγεγεννημενοι ουκ εκ φθορας φθαρτης αλλα αφθαρτου δια λογου ζωντος ΘΥ και μενοντος	بط (1) 1- 23	3
أضاف النساخ لفظة (إلى الأبد) من أجل إعطاء أحد صفات الألوهية للكلمة ألا وهي البقاء للأبد، مما يصب في تأليه المسيح الذي يعتبره المسيحيون هو كلمة الله حقيقة لا مجازاً. (دعم ألوهية المسيح)					التعليق	

1Pe 1:23

ΑΝΑΓΕΓΕΝΝΗΜΕΝΟΙ ΟΥΚ ΕΚ ΣΠΟΡΑΣ ΦΘΑΡΤΗΣ ΑΛΛΑ

anagegennēmenoi ouk ek sporas phthartēs alla
HAVING-been-UP-generatED NOT OUT OF-seed CORRUPTible but
having-been-regenerated

ΑΦΘΑΡΤΟΥ ΔΙΑ ΛΟΓΟΥ ΖΩΝΤΟΣ ΘΕΟΥ ΚΑΙ ΜΕΝΟΝΤΟΣ ΕΙΣ ΤΟΝ

aphthartou dia logou zōntos theou kai menontos eis ton
OF-UN-CORRUPTible THRU saying LIVING OF-God AND REMAINING INTO THE

ΑΙΩΝΑ

aiōna
eon

المظلل بالاصفر ليس
بالمخطوط

1:24 ΔΙΟΤΙ ΠΑΣΑ ΣΑΡΞ ΩΣ ΧΟΡΤΟΣ ΚΑΙ ΠΑΣΑ ΔΟΞΑ ΑΝΘΡΩΠΟΥ

dioti pasa sarx hōs chortos kai pasa doxa anthrōpou
THRU-that EVERY FLESH AS FODDER AND EVERY esteem OF-human
because-that all grass all glory

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تنتهي ب (تنموا به) السينائية: تضيف لفظة: (للخلاص <i>εις σωτηριαν</i>)	2 وَكَأَطْفَالٍ مَوْلُودِينَ الْآنَ، اشْتَهَوْا اللَّبَنَ الْعَقْلِيَّ الْعَدِيمَ الْعِشَّ لِكَيْ تَنْمُوا بِهِ	وارغبوا كالأطفال الرضع في اللبن الروحي الصافي، حتى تنموا به للخلاص	2 as babes just born, earnestly desire the spiritual unadulterated milk, that by it you may grow to salvation	M-01A 1 Peter 2:2 ως αρτιγεννητα βρεφη το λογικον αδολο-γαλα επιποθησατε ινα εν αυτω αυξηθηται εις σωτηριαν	بط (1) 2-2	4
قام النساخ بحذف لفظة (للخلاص) لأنهم لم يفهموا ما معني أن يصف بطرس اشخاص مسيحيين قبلوا الخلاص بأنهم سوف ينمون للخلاص؟ (علام المشكلات)					التعليق	

2:2	ΩΣ	ΑΡΤΙΓΕΝΝΗΤΑ	ΒΡΕΦΗ	ΤΟ	ΛΟΓΙΚΟΝ	ΑΔΟΛΟΝ	ΓΑΛΑ
	hOs	artigenneEta	brephE	to	logikon	adolon	gala
	AS	at-PRESENT-generated	BABES	THE	logical	UN-FRAUDED	MILK
		recently-born				unadulterated	
	ΕΠΙΠΟΘΗΣΑΤΕ	ΙΝΑ	ΕΝ	ΑΥΤΩ	ΑΥΞΗΘΗΤΕ		
	epipothEsate	hina	en	autO	auxEthEte		
	ON-LONG-YE	THAT	IN	it	YE-MAY-BE-BEING-GROWN		
	long-ye-for!				ye-may-be-growing		
2:3	ΕΙΠΕΡ	ΕΓΕΥΣΑΣΘΕ	ΟΤΙ	ΧΡΗΣΤΟΣ	Ο	ΚΥΡΙΟΣ	
	eiper	egeusasthe	hoti	chrEstos	ho	kurios	
	IF-EVEN	YE-TASTE	that	kind	THE	Master	
	if-so-be-that			is-kind		Lord	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (روحية πνευματικὰς) السينائية: اللفظة غير موجودة	كُونُوا أَنْتُمْ أَيْضًا مَبْنِيَيْنَ كِحَجَارَةِ حَيَّةٍ بَيْتًا رُوحِيًّا، كَهَنُوتًا مُقَدَّسًا، لِتَقْدِيمِ ذَبَائِحِ رُوحِيَّةٍ مَقْبُولَةٍ عِنْدَ اللَّهِ بِيسُوعِ الْمَسِيحِ	وأنتم أيضا حجارة حية في بناء مسكن روحي، فكونوا كهنوتًا وقدموا ذبائح يقبلها الله بيسوع المسيح..	5 yourselves also as living stones are builded up, a spiritual house, a holy priesthood, to offer up sacrifices acceptable to God through Jesus Christ;	M-01A 1 Peter 2:5 και αυτοι ως λιθος οντες εποικοδομεισθαι οικος ΠΝΣ ις ιερατευμα αγιον ανενεγκας θυσιας ευπροσδεκτους ΘΩ δια ΙΥ ΧΥ	بط (1) 2-5	5
أضاف النساخ لفظة (روحية) من أجل إزالة أي شبهة قد تخطر على بال القارئ بأن بطرس يأمر بتقديم ذبائح حقيقية، فكانت إضافة اللفظة من أجل إغلاق الباب نهائيا أمام عودة تشريع الذبائح في العهد القديم (إلغاء الشريعة)					التعليق	

1Pe 2:5

ΕΚΛΕΚΤΟΝΕΝΤΙ
ΜΟΝ ΚΑΙ ΑΥΤΟΙ
ΛΙΘΟΙ ΖΩΝΤΕΣ
ΚΟΔΟΜΕΙΣΘΕ
ΚΟΣΤΙΝΙ
ΜΑ ΑΓΙΟΝ
ΚΑΙ ΘΥΣΙΑΣ
ΕΥΠΡΟΣΔΕΚΤΟΥΣ
ΤΩ ΘΕΩ ΔΙΑ
ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ

1Pe 2:6

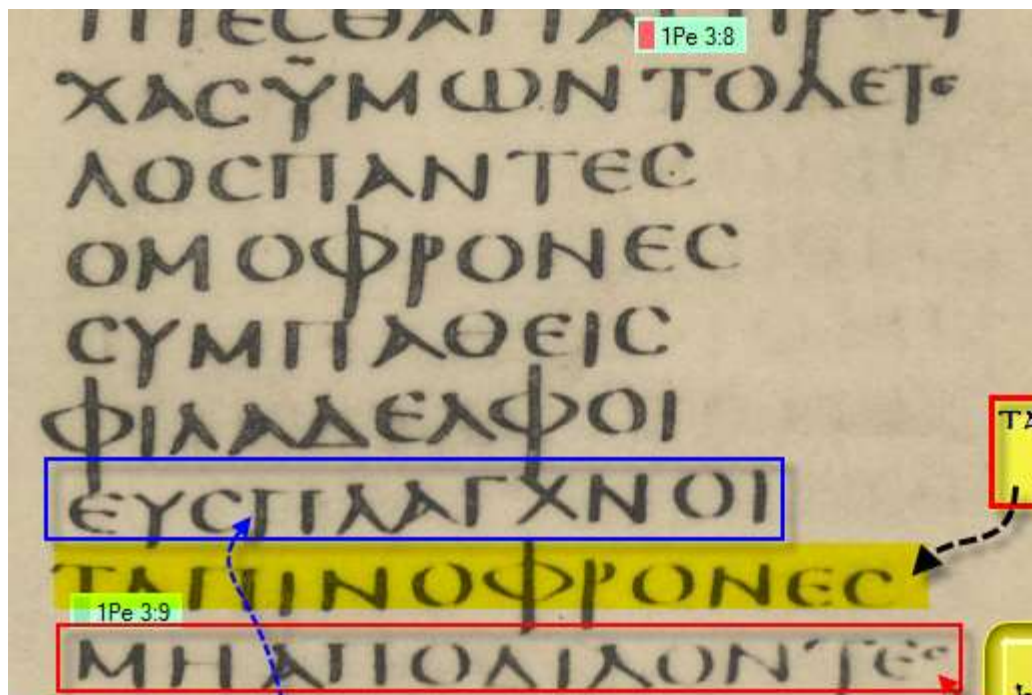
2:5 ΚΑΙ ΑΥΤΟΙ ΩΣ ΛΙΘΟΙ ΖΩΝΤΕΣ ΟΙΚΟΔΟΜΕΙΣΘΕ ΟΙΚΟΣ
kai autoi hos lithoi zontes oikodomeisthe oikos
AND SAME AS STONES LIVING YE-ARE-beING-HOME-BUILD-UP HOME
also sameye e-are-being-built-up house

ΠΝΕΥΜΑΤΙΚΟΣ ΙΕΡΑΤΕΥΜΑ ΑΓΙΟΝ ΑΝΕΝΕΓΚΑΙ ΠΝΕΥΜΑΤΙΚΑΣ
pneumatikos hierateuma hagion anenekkai pneumatikas
spiritual SACRED-effect HOLY TO-UP-CARRY spiritual
ذبائح تقديم روحية

ΘΥΣΙΑΣ ΕΥΠΡΟΣΔΕΚΤΟΥΣ ΤΩ ΘΕΩ ΔΙΑ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ
thusias euprosdektous to theO dia iesou christou
SACRIFICES WELL-TOWARD-RECEIVED to-THE God THRU JESUS ANOINTED
most-acceptable through Christ

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	النسخة العربية: تكتب: (لطفاء φιλόφρονες)	وبعد، فليكن لكم جميعاً وحدة في الرأي وعطف وإخاء ورافة وتواضع	8 Finally, be all of the same mind, sympathetic, loving the brethren, compassionate, humble-minded	M-01A 1 Peter 3:8 Το δε τέλος παντες ομοφρονες συμπαθεις φιλαδελφοι ευσπλαγχοι ταπινοφρονες	بط (1) 3-8	6	
	السينائية: تكتب بدلا منها: (تواضع ταπινοφρονες)	٨ وَالنَّهَائِيَّةُ، كَوْنُوا جَمِيعًا مُتَّحِدِي الرِّأْيِ بِحَسَنٍ وَاجِدٍ، ذَوِي مَحَبَّةٍ أَحْوِيَّةٍ، مُشْفِقِينَ، لُطْفَاءً					
<p>لا يوجد سبب لقيام النساخ بهذا التغيير، وبالتالي فإن سبب المشكلة هو خطأ بصري نسخي سببه النهايات المتشابهة بين اللفظتين: (ταπινοφρονες - φιλόφρονες)، وهذا الخطأ أدى لسقوط اللفظة الأخرى.</p> <p>لكن هذا الخطأ البصري نتائجه خطيرة ومؤثرة على الثقة في نص العهد الجديد لأنه أيا كان مصدر الخطأ فهو مدعوم بعدد ضخم من المخطوطات، فلو كانت القراءة الخاطئة هي قراءة السينائية فهي مدعومة بجميع المخطوطات اليونانية المبكرة زمنياً التي تغطي القرون الستة الأولى وجميع المخطوطات السريانية وجميع المخطوطات القبطية، ولو كانت قراءة النسخة العربية هي الخاطئة فهي مدعومة بالأغلبية العظمى من المخطوطات اليونانية المتأخرة زمنياً.</p> <p>وبالتالي يصبح الخطأ قد تمكن من الدخول والانتشار في عدد ضخم للغاية من المخطوطات يغطي فترة زمنية كبيرة، والكتاب الذي يتمكن الخطأ العفوي من الانتشار في عدد ضخم من مخطوطاته لا يقدر أن يحمي نفسه من التحريف المتعمد. لأن الضمان لحماية الكتاب من التحريف ألا وهو الانتشار لم يتمكن من حماية عدد ضخم ومؤثر من المخطوطات من دخول الخطأ إليها.</p> <p>(الانتشار لم يبقذ الكتاب) (عندما تكون الأخطاء العفوية خطيرة كالتحريف المتعمد)</p>							التعليق



ΤΑΠΙΝΟΦΡΟΝΕΣ
تواضع

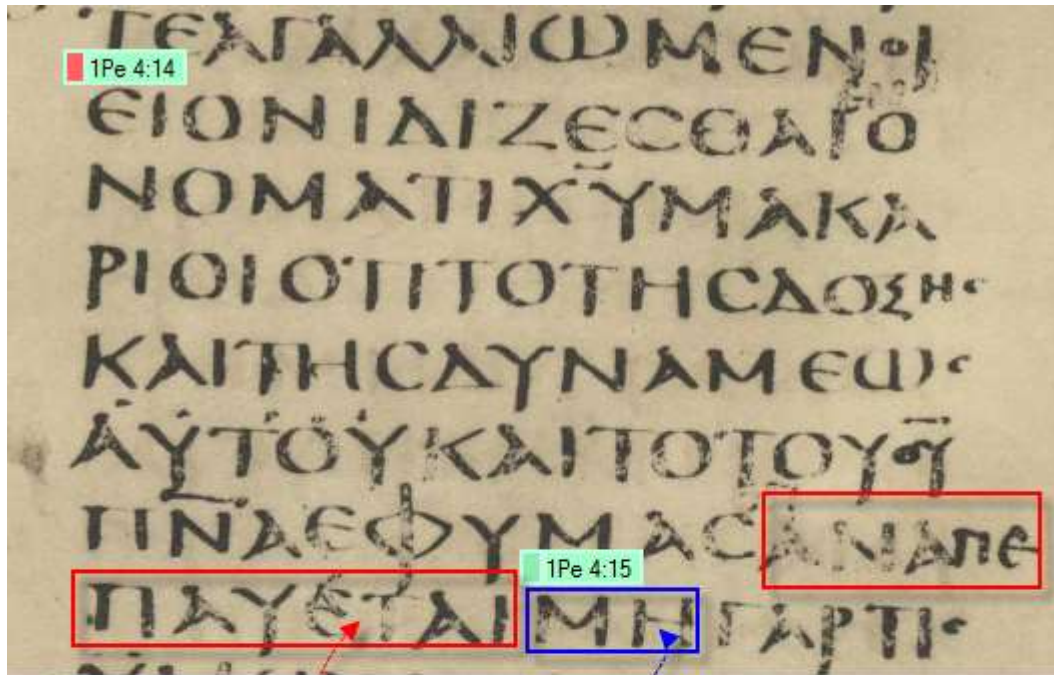
ليست
بالمخطوط

3:8	ΤΟ ΔΕ ΤΕΛΟΣ ΠΑΝΤΕΣ ΟΜΟΦΡΟΝΕΣ ΣΥΜΠΑΘΕΙΣ	
	to de telos pantes homophrones sumpatheis	
	THE YET FINISH ALL LIKE-DISPOSED TOGETHER-EMOTIONED	
	me-ye-of-like-disposition sympathetic	
	ΦΙΛΑΔΕΛΦΟΙ ΕΥΣΠΛΑΓΧΝΟΙ ΦΙΛΟΦΡΟΝΕΣ	
	philadelphoi eusplagchnoi philophrones	
	FOND-brothers WELL-compassioned FOND-DISPOSE	
	fond-of-the-brethren tenderly-compassionate amiable	نطفاء
3:9	ΜΗ ΑΠΟΔΙΔΟΝΤΕΣ ΚΑΚΟΝ ΑΝΤΙ ΚΑΚΟΥ Η ΛΟΙΔΟΡΙΑΝ ΑΝΤΙ	
	me apodidontes kakon anti kakou E loidorian anti	
	NO FROM-GIVING EVIL INSTEAD OF-EVIL OR say-SPEARing INSTEAD	
	ones-rendering	reviling

مشفقين
عطفاء

غير مجازين
نطفاء

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (أَمَّا مِنْ جِهَتِهِمْ فَيُجَدَّفُ عَلَيْهِ، وَأَمَّا مِنْ جِهَتِكُمْ فَيُمَجَّدُ κατὰ μὲν αὐτοὺς βλασφημεῖται, κατὰ δὲ ὕμᾱς δοξάζεται.) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٤ اِنَّ عَيْرْتُمْ بِاسْمِ الْمَسِيحِ، فَطُوبَى لَكُمْ، لِأَنَّ رُوحَ الْمَجْدِ وَاللَّهِ يَجُلُّ عَلَيْكُمْ. أَمَّا مِنْ جِهَتِهِمْ فَيُجَدَّفُ عَلَيْهِ، وَأَمَّا مِنْ جِهَتِكُمْ فَيُمَجَّدُ</p>	<p>14 هنيئاً لكم إذا عيروكم من أجل اسم المسيح، لأن روح المجد، روح الله، يستقر عليكم</p>	<p>14 It you are reproached in the name of Christ, happy are you, because the spirit of glory and of God rests upon you.</p>	<p>M-01A 1 Peter 4:14 Εἰ ονιδίξεσθαι ονοματι ΧΥ μακαριοι οτι το της δοξης και της δυναμεως αυτου και το του ΘΥ ΠΙΝΑ εφ υμας αναπαυεται</p>	بط (1) 4- 14	7
	<p>أضاف النساخ عبارة (أَمَّا مِنْ جِهَتِهِمْ فَيُجَدَّفُ عَلَيْهِ، وَأَمَّا مِنْ جِهَتِكُمْ فَيُمَجَّدُ) من أجل تشجيع المسيحيين على تحمل المعاناة لأن بسبب تحملهم يتمجد المسيح (تشجيع المسيحيين على تحمل المعاناة)</p>				التعليق	



4:14 ΕΙ ΟΝΕΙΔΙΖΕΣΘΕ ΕΝ ΟΝΟΜΑΤΙ ΧΡΙΣΤΟΥ ΜΑΚΑΡΙΟΙ ΟΤΙ
 ei oneidizesthe en onomati christou makarioi hoti
 IF YE-ARE-being-REPROACHED IN NAME OF-ANointed HAPPY that
 of-Christ happy-are-ye

ΤΟ ΤΗΣ ΔΟΣΗΣ ΚΑΙ ΤΟ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΠΝΕΥΜΑ ΕΦ ΥΜΑΣ
 to tes doxes kai to tou theou pneuma eph humas
 THE OF-THE esteem AND THE OF-THE God spirit ON YOU(p)
 glory

ΑΝΑΠΑΥΕΤΑΙ ΚΑΤΑ ΜΕΝ ΑΥΤΟΥΣ ΒΛΑΣΦΗΜΕΙΤΑΙ ΚΑΤΑ ΔΕ
 anapaueitai kata men autous blasphemeitai kata de
 HAS-been-UP-CEASED according-to INDEED them He-IS-being-HARM-AVERRED according-to YET
 has-come-to-rest he-is-being-calumniated

أما من جهنم فيجذف عليه وأما من جهنم فيمجد

ΥΜΑΣ ΔΟΣΑΖΕΤΑΙ
 humas doxazetai
 YOU(p) He-IS-being-esteemizED
 he-is-being-glorified

المظلل بالأصفر ليس
 بالمخطوط

4:15 ΜΗ ΓΑΡ ΤΙΣ ΥΜΩΝ ΠΑΣΧΕΤΩ ΩΣ ΦΟΝΕΥΣ Η ΚΛΕΠΤΗΣ Η
 me gar tis humon paschetō ōs phoneus ē kleptes ē
 NO for ANY OF-YOU(p) LET-BE-EMOTIONING AS MURDERer OR thief OR
 of-ye let-him-be-suffering!

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (كمسيحي ὡς Χριστιανός) السينائية: تكتب بدلا منها: (نافع Χρηστιανος)	١٦ وَلَكِنْ إِنْ كَانَ كَمَسِيحِي، فَلَا يَخْجَلْ، بَلْ يُمَجِّدُ اللَّهَ مِنْ هَذَا الْقَبِيلِ.	ولكنه إذا تألم لأنه نافع (خادم)، فلا يخجل وليمجد الله بهذا الاسم.	16 but if he suffer as a Chrestian, let him not be ashamed, but let him glorify God in this name.	M-01A 1 Peter 4:16 ει δε ως Χρηστιανος μη εσχυνεσθω δοξάζεται δε τον ΘΝ εν τω ονοματι τουτω	بط (1) 4- 16	8
اللفظة كما هي في السينائية تعني الشخص النافع أو المفيد وهو لفظ كان يطلقه اليونان على العبيد * لذلك كره النساخ أن يصف بطرس المسيحيين بلفظ يطلق على العبيد فقاموا بتغييره من (نافع "عبد" Chrestian) إلى (مسيحي Christian)					التعليق	

*"From what can be gathered from certain writings, Gentiles did not understand what **χριστοῦ** ("Christ") meant—viz., "the Anointed One." They thought Jesus was called **χρηστοῦ** meaning "useful one" or "kind one"). Chrestus was a common Greek name, especially for slaves, who were "useful" to their owners (see, for example, Suetonius, *Gaud.* 25.4)." *NEWTESTAMENT TEXT & TRANSLATION COMMENTARY., PHILIP W. COMFORT., pg751*

4.16	ΕΙ	ΔΕ	ΩΣ	ΧΡΗΣΤΙΑΝΟΣ	ΜΗ	ΑΙΣΧΥΝΕΘΩ	ΔΟΞΑΖΕΤΩ	ΔΕ
	ei	de	hOs	christianos	mE	aischunesthO	doxazetO	de
	IF	YET	AS	ANOINTED-ian	NO	LET-him-BE-δδNG-VILED	LET-him-BE-esteemizing	YET
				Christian		let-him-be-δδng-ashamed!	let-him-be-glorifying!	

بطرس الثانية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: بدون الإضافة السينائية: تضيف عبارة: (بأعمالكم الصالحة ينا δια των καλων εργα)	• اِلذِكْ بِالْأَكْثَرِ اجْتَهَدُوا أَيُّهَا الإِخْوَةُ أَنْ تَجْعَلُوا دَعْوَتَكُمْ وَأَخْتِيَارَكُمْ ثَابِتِينَ. لَأَنَّكُمْ إِذَا فَعَلْتُمْ ذَلِكَ، لَنْ تَزَلُّوا أَبَدًا.	فضاعفوا جهدكم، يا إخوتي، في تثبيت دعوة الله واختياره لكم بأعمالكم الصالحة. فإذا فعلتم ذلك لا تسقطون أبدا	10 Wherefore the rather, brethren, be diligent to make your calling and election sure by your good works ; for in doing these things you shall never stumble.	M-01A 2 Peter 1:10 Διο μαλλον αδελφοι σπουδασατε ινα δια των καλων εργων βεβαιαν υμων την κλησιν και εκλογην ποιεισθαι ταυτα γαρ ποιουντες ου μη πτεσητε ποτε	بط (2) - 1 10	1
					التعليق	
					حذف النساخ عبارة (بأعمالكم الصالحة) من أجل طمس الأدلة التي تعادي فلسفة بولس القائلة (ليس من أعمال لكي لا يفتخر أحد) فالأعمال عند بولس غير لازمة للخلاص (دعم عقيدة الخلاص بالإيمان وحده)	

2Pe 1:10

2Pe 1:11

INA DIA TON KALON ERGON
بأعمالكم الصالحة

اجتهدوا

ثابتين

1:10	ΔΙΟ	ΜΑΛΛΟΝ	ΑΔΕΛΦΟΙ	ΣΠΟΥΔΑΣΑΤΕ	ΒΕΒΑΙΑΝ	ΥΜΩΝ	ΤΗΝ
	dio	mallon	adelphoi	spoudasate	bebaian	humOn	tEn
	THRU-WHICH	RATHER	brothers	BE-YE-DILIGENT	confirmed	OF-YOU(P)	THE
	wherefore		brethren!	endeavor-ye!		of-ye	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: بدون الإضافة السينائية: تضيف لفظة: (معاقبون كολαζομενους)	٤ لِأَنَّهُ إِنْ كَانَ اللهُ لَمْ يُشْفِقْ عَلَى مَلَائِكَةٍ قَدْ أَحْطَأُوا، بَلْ فِي سَلْسِلِ الظَّلَامِ طَرَحَهُمْ فِي جَهَنَّمَ، وَسَلَّمَهُمْ مَحْرُوسِينَ لِلْقَضَاءِ،	فما أشفق الله على الملائكة الذين خطئوا، بل طرحهم في الجحيم حيث هم معاقبون محروسون في الظلام إلى يوم القضاء	4 For if God spared not the angels that sinned, but casting them down to Tartarus in chains of darkness delivered them up to being punished while kept for judgment".),	M-01A 2 Peter 2:4 Ἡ γὰρ ὁ Θεὸς ἀγγέλων ἀμαρτησαντῶν οὐκ ἐφείσατο ἀλλὰ σιροῖς ζοφοῖς ταρταρωσας παρεδωκεν εἰς κρίσιν κολαζομενοὺς τηρῖν	بط (2) 2-4	2
					التعليق	

قام النساخ بحذف لفظة (معاقبون) لأنهم استنكروا أن يكون هناك عقاب قبل يوم القضاء (علاج المشكلات)

2Pe 2:4

2Pe 2:5

معاقبون

محروسين

القضاء

2:4	ΕΙ ΓΑΡ Ο	ΘΕΟΣ	ΑΓΓΕΛΩΝ	ΑΜΑΡΤΗΣΑΝΤΩΝ	ΟΥΚ	ΕΦΕΙΣΑΤΟ
	ei gar	ho	theos	aggelōn	hamartēsantōn	ouk ephēsato
	IF	for	THE	God	OF-MESSENGERS	missing
				messengers	sinning	NOT SPARES
	ΑΛΛΑ	ΣΕΙΡΑΙΣ	ΖΟΦΟΥ	ΤΑΡΤΑΡΩΣΑΣ	ΠΑΡΕΔΩΚΕΝ	ΕΙΣ ΚΡΙΣΙΝ
	alla	seirais	zophou	tartarōsas	paredōken	eis krisin
	but	to-CAVERNS	OF-GLOOM	TARTARUSing	BESIDE-GIVES	INTO
			thrusting-into-Tartarus-them	gives-up-them		JUDGING
	ΜΑΡΤΗΡΩΝ	ΤΗΡῖΝ				
	martērōn	tērīn				
	WITNESSES	BEING-KEPT				
	ΤΕΤΗΡΗΜΕΝΟΥΣ					
	tetērēmenous					
	HAVING-been-KEPT					

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (بصور Bosop) السينائية: تكتب بدلا منها: (بعصور Beosop)	٥ اَقْدَ تَرَكَوَا الطَّرِيقَ الْمُسْتَقِيمَ، فَضَلُّوَا، تَابِعِينَ طَرِيقَ بَلْعَامَ بْنِ بَصُورَ الَّذِي أَحَبَّ أَجْرَةَ الْإِثْمِ	تركوا الطريق المستقيم فضلوا وساروا في طريق بلعام بن بعصور الذي أحب أجرة الشر	15 having left the straight way, they have turned aside, following the way of Balaam the son of Beor, who loved the wages of unrighteousness,	M-01A 2 Peter 2:15 καταλειποντες ευθειαν οδον επλανηθησαν εξακολουθησαντες τη οδω του Βαλααμ του Βεωρσορ μισθο- αδικιας ηγαπησε-	بط (2) - 15	3
قام النساخ بتغيير اللفظة من (بعصور) إلى (بصور) لأن الأولى لا معنى لها , أما الثانية فمعناها بالكلدانية = جسد, وهو وصف يليق بسيرة بلعام بن بعور التي وردت عنه في العهد القديم , لهذا قاموا بتغيير اللفظة من الأولى للثانية (تحسين النص)					التعليق	

2Pe 2:15

2Pe 2:16

ΒΕΩΡΟΣΟΡ
بعصور

2:15	ΚΑΤΑΛΙΠΟΝΤΕΣ	ΤΗΝ	ΕΥΘΕΙΑΝ	ΟΔΟΝ	ΕΠΛΑΝΗΘΗΣΑΝ
	katalipontes	tEn	eutheian	hodon	eplanEthEsan
	leaving	THE	WELL-PLACED	WAY	THEY-WERE-STRAYED
			straight	path	they-were-led- astray
	ΕΞΑΚΟΛΟΥΘΗΣΑΝΤΕΣ	ΤΗ	ΟΔΩ	ΤΟΥ	ΒΑΛΑΑΜ
	exakolouthEsantes	tE	hodO	tou	balaam
	OUT-following	to-THE	WAY	OF-THE	BALAAM
	follow ing-out	the	path		
				ΤΟΥ	ΒΟΣΟΡ
				tou	bosor
				OF-THE	BOSOR
					hos
					WHO

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (إلى الأبد εις αἰῶνα τετήρηται) السينائية: العبارة غير موجودة	هؤلاء الناس ينابيع بلا ماء وغيوم تسوقها الرياح العاصفة، ولهم أعد الله أعمق الظلمات. الأبد.	17 These are wells without water, and mists driven by a tempest, for whom the blackness of darkness is reserved.	M-01A 2 Peter 2:17 Ουτοι εισιν πηγαι ανυδροι και ομιγλαι υπο λελαπος ελαυνομεναι οισ ο ζοφος του σκοτους τετηρηται	بط (2) - 17	4
	أضاف النساخ عبارة (إلى الأبد) من أجل التأكيد على الفكرة التي أراد بطرس طرحها ألا وهي عقاب هؤلاء الضالين (خدمة طرم المؤلف)				التعليق	

2Pe 2:17

2Pe 2:18

2:17	ΟΥΤΟΙ	ΕΙΣΙΝ	ΠΗΓΑΙ	ΑΝΥΔΡΟΙ	ΝΕΦΕΛΑΙ	ΥΠΟ	ΛΑΙΛΑΠΟΣ
	houtoi	eisin	pEgai	anudroi	nephelai	hupo	lailapos
	these	ARE	SPRINGS	UN-WET	CLOUDS	by	storm
				waterless			
	ΕΛΑΥΝΟΜΕΝΑΙ	ΟΙΣ	Ο	ΖΟΦΟΣ	ΤΟΥ	ΣΚΟΤΟΥΣ	ΕΙΣ ΑΙΩΝΑ
	elaunomenai	hois	ho	zophos	tou	skotous	eis aiōna
	being-DRIVEN	to-WHOM	THE	GLOOM	OF-THE	DARKness	INTO eon

حفظ
ΤΕΤΗΡΗΤΑΙ
tetErEtai
HAS-been-KEPT

الظلام

الأبد

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (وَأَلْفَ سَنَةٍ كَيْوْمًا وَاحِدًا) (καὶ χίλια)	وَلَكِنْ لَا يَخْفَ عَلَيْكُمْ هَذَا الشَّيْءُ الْوَاحِدُ أَيُّهَا الْأَحِبَّاءُ: أَنَّ يَوْمًا وَاحِدًا عِنْدَ الرَّبِّ كَأَلْفِ سَنَةٍ، وَأَلْفِ سَنَةٍ كَيَوْمٍ وَاحِدٍ	وهناك أمر يجب أن لا تجهلوه أيها الأحباء، وهو أن يوما واحدا من منظور الرب كآلف سنة، كيوم واحد..	8 But be not ignorant of this one thing, beloved, that aday from the Lord's perspective is as a thousand years as one day.	M-01A 2 Peter 3:8 Ἐν δε τουτο μη λανθανετο υμας αγαπητοι οτι μια ημερα παρα ΚΥ ως χιλια ετη ως ημερα μια	بط (2) 3-8	5
السينائية: العبارة غير موجودة					التعليق	
أضاف النساخ عبارة (وَأَلْفَ سَنَةٍ) لأنهم لاحظوا أنه لا معنى لعبارة (كألف سنة كيوم واحد) (تحسين النص)						

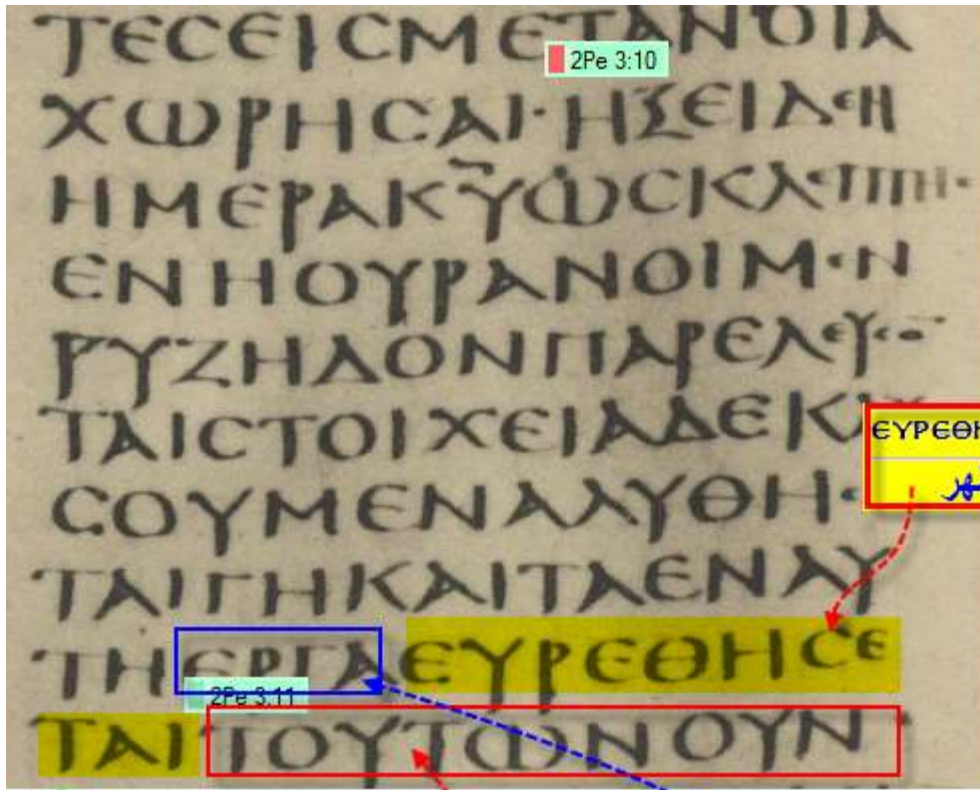
2Pe 3:8

2Pe 3:9

ليست بالمخطوط

3:8	EN DE TOYTO MH LANΘANETΩ	YMAC AGAPHTOI OTI MIA
hen de touto	mE lanthanetO	humas agapEtoi hoti mia
ONE YET this	NO LET-BE-beING-OBLIVIOUS-UP	YOU(P) beLOVED that ONE
	let-it-be-eluding!	ye beloved(P)!

ΗΜΕΡΑ	ΠΑΡΑ	ΚΥΡΙΩ	ΩΣ	ΧΙΛΙΑ	ΕΤΗ	ΚΑΙ	ΧΙΛΙΑ	ΕΤΗ	ΩΣ	ΗΜΕΡΑ
hEmera	para	kuriO	hOs	chilia	etE	kai	chilia	etE	hOs	hEmera
DAY	BESIDE	Master	AS	THOUSAND	YEARS	AND	THOUSAND	YEARS	AS	DAY
		Lord		thousand(P)			thousand(P)			



2Pe 3:10

ΕΥΡΕΘΗCΕΤΑΙ
تظهر

2Pe 3:11
ΤΑΙ ΤΟΥΤΩΝ ΟΥΝ

3:10 ΗΞΕΙ ΔΕ Η ΗΜΕΡΑ ΚΥΡΙΟΥ ΩC ΚΛΕΠΤΗC ΕΝ ΝΥΚΤΙ
hExei de hE hEmera kuriou hOs kleptEs en nukti
SHALL-BE-ARRIVING YET THE DAY OF-Master AS thief IN NIGHT
of-Lord

ΕΝ Η ΟΙ ΟΥΡΑΝΟΙ ΡΟΙΖΗΔΟΝ ΠΑΡΕΛΕΥCΟΝΤΑΙ CΤΟΙΧΕΙΑ ΔΕ
en hE hoi ouranoi roizEdon pareleusontai stoicheia de
IN WHICH THE heavens boomingly with-a-booming-noise SHALL-BE-BESIDE-COMING elements YET
shall-be-passing-by

المصنوعات
ΕΡΓΑ
erga
ACTS
works

ΚΑΥCΟΥΜΕΝΑ ΛΥΘΗCΟΝΤΑΙ ΚΑΙ ΓΗ ΚΑΙ ΤΑ ΕΝ ΑΥΤΗ
kausoumena luthEsontai kai gE kai ta en autE
BURNING AND LAND AND THE IN her
by-combustion shall-be-being-dissolved earth herit

ΚΑΤΑΚΑΗCΕΤΑΙ
katakaEsetai
SHALL-BE-bEING-DOWN-BURNED
shall-be-being-burned-up
تحترق

ليس بالمخطوط

3:11 ΤΟΥΤΩΝ ΟΥΝ ΠΑΝΤΩΝ ΛΥΟΜΕΝΩΝ ΠΟΤΑΠΟΥC ΔΕΙ
toutOn oun pantOn luomenOn potapous dei
OF-these THEN ALL bEING-LOOSED ?-where-FROM IS-BINDING
dissolving to-what-manner-of-persons must

يوحنا الأولى

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (من البدء ἀπ' ἀρχῆς) السينائية: العبارة غير موجودة	أَيُّهَا الإِخْوَةُ، لَسْتُ أَكْتُبُ إِلَيْكُمْ وَصِيَّةَ جَدِيدَةً، بَلْ وَصِيَّةَ قَدِيمَةً كَانَتْ عِنْدَكُمْ مِنَ الْبَدْءِ. الْوَصِيَّةُ الْقَدِيمَةُ هِيَ الْكَلِمَةُ الَّتِي سَمِعْتُمُوهَا مِنَ الْبَدْءِ	لا أكتب إليكم، يا أحبائي، بوصية جديدة، بل بوصية قديمة كانت لكم من البدء. وهذه الوصية القديمة هي الكلام الذي سمعتموه.	7 Beloved, no new commandment write I to you, but an old commandment, which you had from the beginning: the old commandment is the word which you heard.	M-01A 1 John 2:7 Αγαπητοι ουκ εντολην καινην γραφω υμιν αλλ εντολην παλαιαν ην ειχετε απ αρχης η εντολη η παλαια εστιν ο λογος ον ηκουσατε	يو(1) 2-7	1
أضاف النساخ عبارة (من البدء) من أجل التأكيد على المعنى الذي أراد يوحنا توصيله وهو ان الوصية التي يكلمهم عنها ليست جديدة وإنما هي الوصية القديمة (دعم الفكرة التي يقدمها المؤلف)					التعليق	

1Jo 2:7

ΑΓΑΠΗΤΟΙ ΟΥΚ ΕΝΤΟΛΗΝ ΚΑΙΝΗΝ ΓΡΑΦΩ ΥΜΙΝ ΑΛΛ ΕΝΤΟΛΗΝ
ΤΟΛΗΝ ΚΑΙΝΗΝ ΗΝ ΓΡΑ
ΦΩ ΥΜΙΝ ΑΛΛ ΕΝΤΟΛΗΝ
ΠΑΛΑΙΑΝ ΗΝ ΕΙΧΕΤΕ ΑΠ ΑΡΧΗΣ
Η ΕΝΤΟΛΗ Η ΠΑΛΙΑ ΕΣΤΙΝ Ο ΛΟΓΟΣ ΟΝ
Η ΚΟΥΣΑΤΕ ΠΑΛΙΝ ΕΝΤΟΛΗΝ ΚΑΙΝΗΝ

1Jo 2:8

2:7 ΑΔΕΛΦΟΙ ΟΥΚ ΕΝΤΟΛΗΝ ΚΑΙΝΗΝ ΓΡΑΦΩ ΥΜΙΝ ΑΛΛ ΕΝΤΟΛΗΝ
adelphoi ouk entoEn kainEn graphO humin all entoEn
brothers ! NOT direction NEW I-AM-WRITING to-YOU(P) but direction
brethren ! precept

ΠΑΛΙΑΝ ΗΝ ΕΙΧΕΤΕ ΑΠ ΑΡΧΗΣ Η ΕΝΤΟΛΗ Η ΠΑΛΙΑ ΕΣΤΙΝ
palaian hEn eichete ap archEs hE entoIE hE palaia estin
OLD WHICH YE-HAD FROM ORIGINAL THE direction THE OLD IS
beginning precept

Ο ΛΟΓΟΣ ΟΝ ΗΚΟΥΣΑΤΕ ΑΠ ΑΡΧΗΣ
ho logos hon Ekeusate ap archEs
THE saying WHOM YE-HEAR FROM ORIGINAL
word which precept

2:8 ΠΑΛΙΝ ΕΝΤΟΛΗΝ ΚΑΙΝΗΝ ΓΡΑΦΩ ΥΜΙΝ Ο ΕΣΤΙΝ ΑΛΗΘΕΣ
palin entoEn kainEn graphO humin ho estin alEthes
AGAIN direction NEW I-AM-WRITING to-YOU(P) WHICH IS TRUE
precept to-ye

سمعتوها

من البداية

ليست بالمخطوطة

أيضا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	٢٨ وَالآن أَيُّهَا الْأَوْلَادُ، اثْبُتُوا فِيهِ، حَتَّى إِذَا أُظْهِرَ يَكُونُ لَنَا ثِقَةٌ، وَلَا نَحْجُلُ مِنْهُ فِي مَجِيئِهِ.	حتى إذا ظهر المسيح كنا واثقين ولن نخزي في بعدنا عنه عند مجيئه	28 that when he shall be manifested we may have boldness, and not be ashamed away from him in his coming.	M-01A 1 John 2:28 ινα εαν φανερωθη εχωμεν παρρησιαν και μη αισχυθωμεν εν τη παρουσια αυτου απ αυτου	يو(1) 2-28	2
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَالآن أَيُّهَا الْأَوْلَادُ، اثْبُتُوا فِيهِ Και νῦν τεκνία μένετε ἐν αὐτῷ) السينائية: العبارة غير موجودة					
					التعليق	
					أضاف النساخ عبارة (وَالآن أَيُّهَا الْأَوْلَادُ، اثْبُتُوا فِيهِ) من أجل:- - إظهار لغة الأبوة على لسان بطرس الذي يعتبر المسيحيين أبناؤه فيقول لهم " أيها الأولاد" - التأكيد على ضرورة ثبوت المسيحيين في المسيح (اثبتوا فيه) (تحسين صورة بطرس) (التأكيد على المعنى الذي يطرحه المؤلف)	

ΚΑΙ ΟΥΚ ΕΣΤΙΝ ΨΕΥΔΟΣ ΚΑΘΩΣ ΕΔΙΔΑΞΕΝ
ΔΟΚΚΑΙ ΚΑΘΩΣ Ε
ΔΙΔΑΣΕΝ ὙΜΑΣ
ΝΕΤΕΝ ΑΥΤῶ ΙΝΑ
ΕΑΝ ΦΑΝΕΡΩΘΗ

1Jo 2:28

2:27 ΚΑΙ ὙΜΕΙΣ ΤΟ ΧΡΙΣΜΑ ὃ ἘΛΑΒΕΤΕ ΑΠ ΑΥΤΟΥ ΕΝ ὙΜΙΝ
kai humeis to chrisma o elabete ap autou en humin
AND YOU(P) THE ANOINTMENT WHICH YE-GOT FROM Him IN YOU(P)
ye anointing ye-obtained ye

MENEI ΚΑΙ ΟΥ ΧΡΕΙΑΝ ΕΧΕΤΕ ΙΝΑ ΤΙΣ ΔΙΔΑΚΗ ὙΜΑΣ
menei kai ou chreian echete hina tis didaskē humas
IS-REMAINING AND NOT need YE-ARE-HAVING THAT ANY MAY-BE-TEACHING YOU(P)
anyone ye

ΑΛΛ ὩΣ ΤΟ ΑΥΤΟ ΧΡΙΣΜΑ ΔΙΔΑΣΚΕΙ ὙΜΑΣ ΠΕΡΙ ΠΑΝΤῶΝ ΚΑΙ
all hōs to auto chrisma didaskei humas peri pantōn kai
but AS THE SAME ANOINTMENT IS-TEACHING ALL AND
anointing

ΑΛΗΘΕΣ ΕΣΤΙΝ ΚΑΙ ΟΥΚ ΕΣΤΙΝ ΨΕΥΔΟΣ ΚΑΘΩΣ ΕΔΙΔΑΞΕΝ
alēthes estin kai ouk estin pseudos kai kathōs edidaxen
TRUE IS AND NOT IS FALSE AND according-AS TEACHES
lie also

ὙΜΑΣ ΜΕΝΕΙΤΕ ΕΝ ΑΥΤῶ
humas meneite en autō
YOU(P) YE-SHALL-BE-REMAINING IN him
ye

2:28 ΚΑΙ ΝΥΝ ΤΕΚΝΙΑ ΜΕΝΕΤΕ ΕΝ ΑΥΤῶ ΙΝΑ ὍΤΑΝ
kai nun teknia menete en autō hina hotan
AND NOW little-offsprings BE-YE-REMAINING IN SAME THAT when-EVER
little-children ! be-ye-remaining ! him whenever

المزمل بالأصفر ليس بالمخطوط

حتى إذا

في

وَالآن أَيُّهَا الْأَوْلَادُ اثْبُتُوا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف: (في السماء... الأب، وَالْكَلِمَةُ، وَالرُّوحُ الْقُدُسُ. وَهُؤُلَاءِ الثَّلَاثَةُ هُمْ وَاحِدٌ. ٨. وَالَّذِينَ يَشْهَدُونَ فِي الْأَرْضِ هُمْ ثَلَاثَةٌ en τῷ οὐρανῷ, ὁ πατήρ, ὁ λόγος, καὶ τὸ Ἅγιον Πνεῦμα· καὶ οὗτοι οἱ τρεις ἔν εισιν καὶ τρεις εἰσιν οἱ μαρτυροῦντες ἔν τῇ γῆ,)</p> <p>السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٧فإن الذين يشهدون في السماء هم ثلاثة: الأب، وَالْكَلِمَةُ، وَالرُّوحُ الْقُدُسُ. وَهُؤُلَاءِ الثَّلَاثَةُ هُمْ وَاحِدٌ. ٨. وَالَّذِينَ يَشْهَدُونَ فِي الْأَرْضِ هُمْ ثَلَاثَةٌ: الرُّوحُ، وَالْمَاءُ، وَالدَّمُ. وَالثَّلَاثَةُ هُمْ فِي الْوَاحِدِ.</p>	<p>7والذين يشهدون هم ثلاثة 8الروح والماء والدم، وهؤلاء الثلاثة هم في الواحد</p>	<p>7 For they that testify are three, 8 the Spirit, and the water, and the blood, and the three are one</p>	<p>M-01A 1 John 5:7 Οτι οι τρεις εισιν οι μαρτυροῦτες M-01A 1 John 5:8 το ΠΝΑ και το υδωρ και το αιμα και οι τρεις εις το εν εισιν</p>	يو(1) 8-7:5	3
<p>أضاف النساخ هذه العبارة من أجل خدمة عقيدة التثليث , حيث أنه لا يوجد أي نص في العهد الجديد يصرح بأن الاقانيم الثلاثة هم في السماء وهم واحد . وإضافة عبارة (والذين يشهدون في الارض ...) من أجل إيجاد مثال للتثليث (دعم عقيدة التثليث)</p>					<p>التعليق</p>	

1Jo 5:7
 1Jo 5:8
 1Jo 5:9

لفظة الروح
 مكتوبة بطريقة
 الاختصار
 المقدس
**NOMINA
 SACRA**

المظلل بالأصفر ليس
 بالمخطوط

يشهدون

5:7 OTI ΤΡΕΙΣ ΕΙΣΙΝ ΟΙ ΜΑΡΤΥΡΟΥΝΤΕΣ ΕΝ Τῷ ΟΥΡΑΝῶ Ο
 hoti treis eisin hoi martourontes en to ouranō ho
 that THREE ARE THE ones-witnessING IN THE heaven THE
 seeing-that there-are the(P) testifying

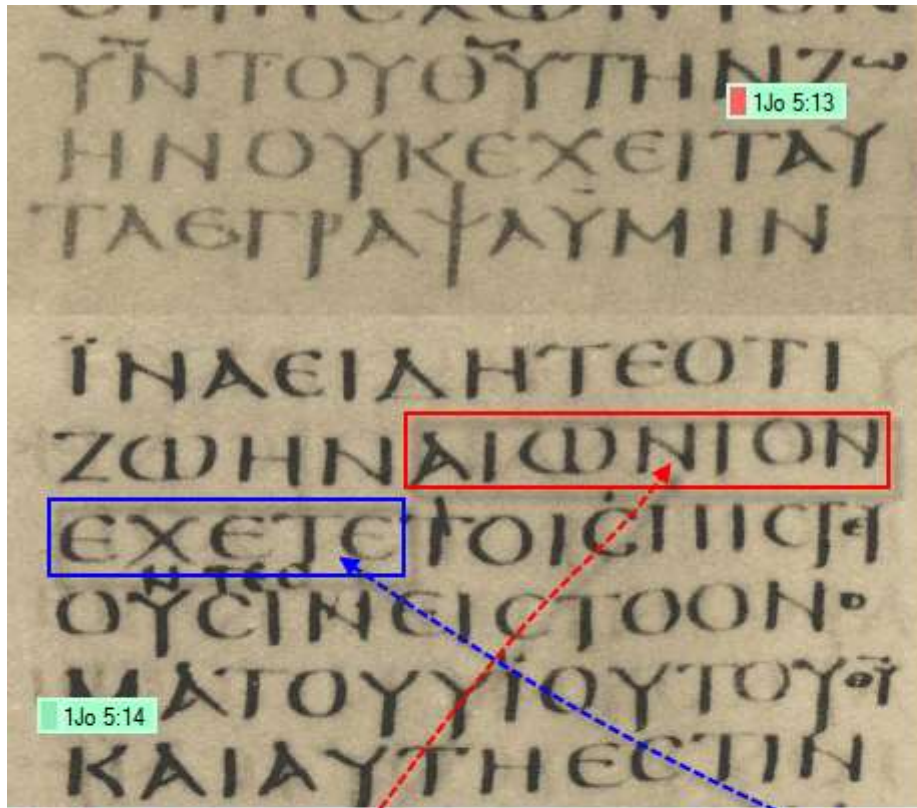
ΠΑΤΗΡ Ο ΛΟΓΟΣ ΚΑΙ ΤΟ ἍΓΙΟΝ ΠΝΕΥΜΑ ΚΑΙ ΟΥΤΟΙ ΟΙ ΤΡΕΙΣ
 patEr ho logos kai to hagion pneuma kai houtoi hoi treis
 FATHER THE saying AND THE HOLY spirit AND these THE THREE
 word

5:8 ΚΑΙ ΤΡΕΙΣ ΕΙΣΙΝ ΟΙ ΜΑΡΤΥΡΟΥΝΤΕΣ ΕΝ ΤΗ ΓΗ ΤΟ ΠΝΕΥΜΑ
 kai treis eisin hoi martourontes en tē gē to pneuma
 AND THREE ARE THE ones-witnessING IN THE LAND THE spirit
 there-are the(P) testifying

في السماء الأب والكلمة والروح القدس وهؤلاء الثلاثة هم
 واحد. والذين يشهدون في الأرض هم ثلاثة

الروح
 TO ΠΝΕΥΜΑ
 to pneuma
 THE spirit

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَلِكَيْ تُؤْمِنُوا بِاسْمِ ابْنِ الله καὶ ἵνα πιστεύητε εἰς τὸ ὄνομα τοῦ υἱοῦ τοῦ Θεοῦ)</p> <p>السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٣ كَتَبْتُ هَذَا إِلَيْكُمْ، أَنْتُمْ الْمُؤْمِنِينَ بِاسْمِ ابْنِ اللهِ، لِكَيْ تَعْلَمُوا أَنَّ لَكُمْ حَيَاةً أَبَدِيَّةً، وَلِكَيْ تُؤْمِنُوا بِاسْمِ ابْنِ اللهِ</p>	<p>أكتب إليكم بهذا لتعرفوا أن الحياة الأبدية لكم، أنتم الذين تؤمنون باسم ابن الله</p>	<p>13 These things have I written to you that you may know that you have eternal life, who believe on the name of the Son of God.</p>	<p>M-01A 1 John 5:13 Ταυτα εγραψα υμιν ινα ειδητε οτι ζων αιωνιον εχετε τοις πιστευουσιν εις το ονομα του υιου του ΘΥ</p>	يو(1) 13:5	4
<p>أضاف النساخ عبارة (وَلِكَيْ تُؤْمِنُوا بِاسْمِ ابْنِ اللهِ) لسببين :- - مطابقة النص هنا مع نظيره في يوحنا 20-31 حيث يتكلم النص في الموضوعين عن سبب كتابة السفر مما يقرب أسلوب الرسالة من أسلوب يوحنا وبالتالي يدعم قانونيتها - التأكيد على ضرورة الاستمرار في الإيمان بابن الله (دعم قانونية الرسالة) (دعم بنوة المسيح لله)</p>					<p>التعليق</p>	



5:13 ΤΑΥΤΑ ΕΓΡΑΨΑ ΥΜΙΝ ΤΟΙΣ ΠΙΣΤΕΥΟΥΣΙΝ ΕΙΣ ΤΟ ΟΝΟΜΑ
 tauta egrapsa humin tois pisteuousin eis to onoma
 these I-WRITE to-YOU(P) THE ones-BELIEVING INTO THE NAME
 these-things to-ye ones-believing

ΤΟΥ ΥΙΟΥ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΙΝΑ ΕΙΔΗΤΕ ΟΤΙ ΖΩΗΝ ΕΧΕΤΕ **نكم**
 tou huiou tou theou hina eidete hoti zOEn echete
 OF-THE SON OF-THE God THAT YE-MAY-BE-PERCEIVING that LIFE YE-ARE-HAVING

أبدية
 ΑΙΩΝΙΟΝ ΚΑΙ ΙΝΑ ΠΙΣΤΕΥΗΤΕ ΕΙΣ ΤΟ ΟΝΟΜΑ ΤΟΥ ΥΙΟΥ ΤΟΥ
 aiOnion kai hina pisteuEte eis to onoma tou huiou tou
 eonian AND THAT YE-MAY-BE-BELIEVING INTO THE NAME OF-THE SON OF-THE

ΘΕΟΥ
 theou
 God

المظلل بالأصفر لي
 بالمخطوط

يوحنا الثانية

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p><u>النسخة العربية:</u> تكتب: (أخذنا ελάβομεν)</p> <p><u>السينائية:</u> تكتب بدلا منها: (أخذت ελαβον)</p>	<p>٤ فَرِحْتُ جِدًّا لِأَنِّي وَجَدْتُ مِنْ أَوْلَادِكَ بَعْضًا سَالِكِينَ فِي الْحَقِّ، كَمَا أَخَذْنَا وَصِيَّةً مِنَ الْآبِ</p>	<p>كم سرني أن أرى بعض أبنائك يسلكون في الحق كما أخذت وصية الأب</p>	<p>4 I rejoiced greatly that I have found of thy children walking in the truth as i received commandment from the Father.</p>	<p>M-01A 2 John 1:4 Εχαρην λιαν οτι ευρηκα εκ των τεκνων σου περιπατοντας εν αληθεια καθως εντολην ελαβον παρα του πατρος</p>	يو(2) 4:1	1
<p>قام النساخ بتغيير النص من (أخذت) إلى (أخذنا) لأنهم استغربوا من مسألة أن يوحنا قد تلقى وحيا من الأب</p>					التعليق	
<p>(إزالة الأفكار الغربية)</p>						

بوحنا الثالثة

لا يوجد

رسالة يهوذا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (المقدسِين ἡγίασμένοις) السينائية:	اِيَهُودًا، عَبْدُ يَسُوعَ الْمَسِيحِ، وَأَخُو يَعْقُوبَ، إِلَى الْمَدْعُوعِينَ الْمُقَدَّسِينَ فِي اللَّهِ	من يهوذا عبد يسوع المسيح وأخي يعقوب إلى الذين دعاهم الله الأب والمحبوبين	1 Jude, a servant of Christ Jesus, but brother of James, to the called that are beloved in God the Father, and kept for Jesus Christ.	M-01A Jude 1:1 Ιουδας ἸϚ ΧϚ δουλος αδελφος δε Ιακωβου τοις εν Θῶ πατρι ἡγαπημενοις και ἸϚ Χῶ	يهو-1-1	1

تكتب بدلا منها: (المحبوبين) ηγαπημενοις	الآبِ، وَالْمَحْفُوظِينَ لِيَسُوعَ الْمَسِيحِ	والمحفوظين ليسوع المسيح.	τετηρημενοις κλητοις		
قام النساخ بتغيير النص من (المحبوبين) إلى (المقدسين) من أجل إلحاق وصف القداسة بالمسيحيين (مدم المسيحيين)				التعليق	

Jud 1:1

ΙΟΥΔΑΣ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ ΔΟΥΛΟΣ
 ΑΔΕΛΦΟΣ ΔΕ ΙΑΚΩΒΟΥ
 ΤΟΙΣ ΕΝ ΘΕΩ ΠΑΤΡΙ ΗΓΙΑΣΜΕΝΟΙΣ
 ΚΑΙ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΩ
 ΤΗΡΗΜΕΝΟΙΣ ΚΑΙ
 ΤΟΙΣ ΕΛΕΟΣΥΜΝΟΙΣ

Jud 1:2

ليست بالمخطوط

HYAΠHMENOIC
المحبوبين

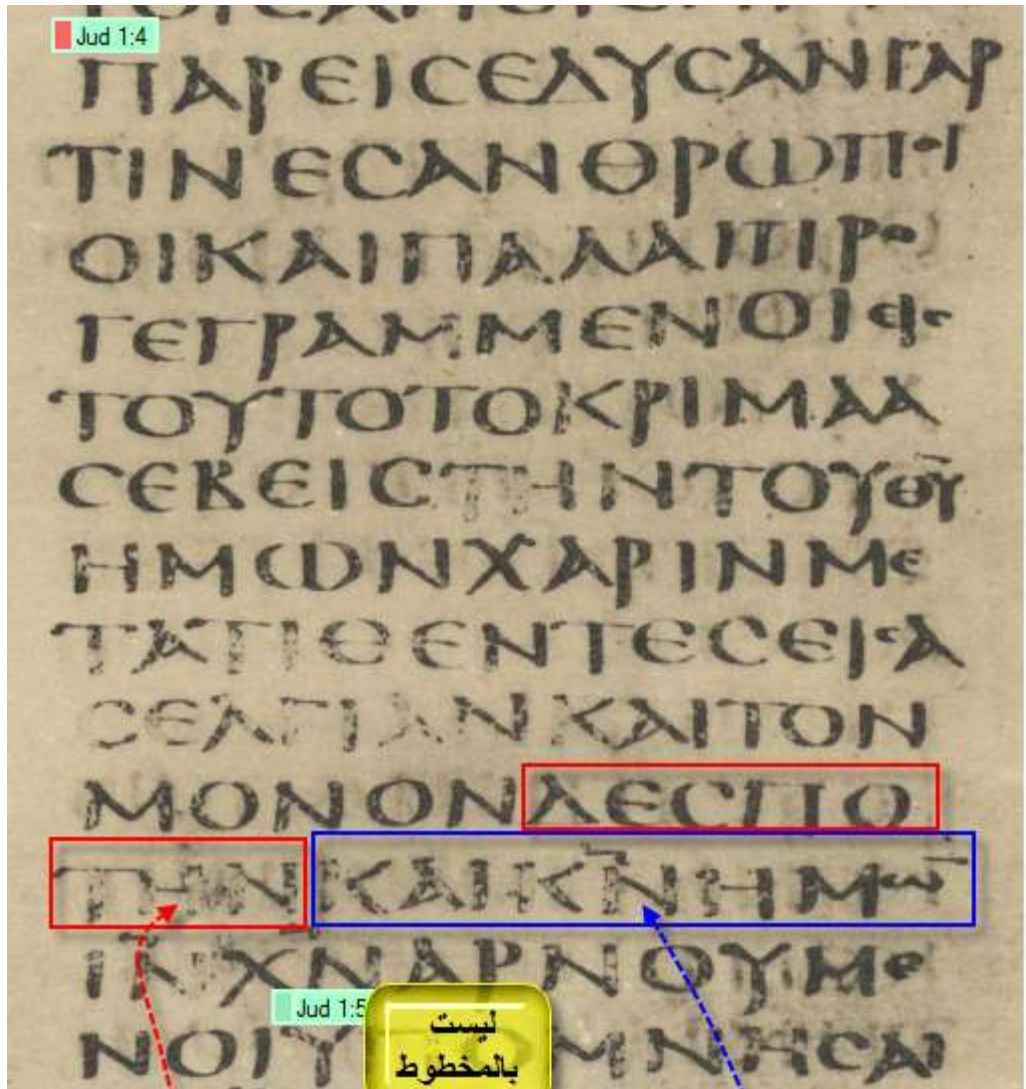
المقدسين

1:1	ΙΟΥΔΑΣ	ΙΗΣΟΥ	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΔΟΥΛΟΣ	ΑΔΕΛΦΟΣ	ΔΕ	ΙΑΚΩΒΟΥ
	ioudas	iEsou	christou	doulos	adelphos	de	iakObou
	JUDAS	OF-JESUS	ANOINTED	SLAVE	brother	YET	OF-JACOBUS
			Christ				of-James
	ΤΟΙΣ	ΕΝ	ΘΕΩ	ΠΑΤΡΙ	ΗΓΙΑΣΜΕΝΟΙΣ	ΚΑΙ	ΙΗΣΟΥ
	tois	en	theO	patri	hEgiasmenois	kai	iEsou
	to-THE-ones	IN	God	FATHER	HAVING-been-HOLYizED	AND	JESUS
	to-the-ones				having-been-hallowed		of-Jesus
							CHRISTO
							ANOINTED
							Christ

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب لفظة: (الله ΘΕΟΝ) السينائية: اللفظة غير موجودة	لأنه دخل خلسة أناس قد كُتِبُوا مُنْذُ الْقَدِيمِ لِهَذِهِ الدَّيْنُونَةِ، فُجَّارٌ، يُحْوَلُونَ نِعْمَةً إِلَيْنَا إِلَى الدَّعَاةِ،	لأن بعض الناس تسللوا إلينا، وهم أشرار يحولون نعمة إلينا إلى فجور وينكرون سيدنا وربنا الواحد يسوع المسيح،	4 For some men have come in by stealth, who have long ago been written of beforehand for this condemnation;	M-01A Jude 1:4 Παρεισεδυσαν γαρ τινες ανθρωποι οι και παλαι προγεγραμμενοι εις τουτο το κριμα ασεβεις την του	4-1	2

	<p>وَيُنْكِرُونَ السَّيِّدَ الْوَحِيدَ: الله وَرَبَّنَا يَسُوعَ الْمَسِيحَ.</p>	<p>و عقابهم مكتوب من قديم الزمان</p>	<p>ungodly men, turning the grace of our God into lasciviousness, and denying our only Master and Lord, Jesus Christ.</p>	<p>ΘΥ ημων χαριν μετατιθεντες εις ασελγαν και τον μονον δεσποτην και ΚΝ ημω ΙΝ ΧΝ αρνουμενοι</p>		
<p>أضاف النساخ لفظة (الله) من أجل وصف يسوع بالألوهية (دعم ألوهية يسوع)</p>						<p>التعليق</p>

Jud 1:4



Jud 1:5

ليست
بالمخطوط

1:4	ΠΑΡΕΙΣΕΔΥΣΑΝ	ΓΑΡ	ΤΙΝΕΣ	ΑΝΘΡΩΠΟΙ	ΟΙ	ΠΑΛΑΙ
	pareisedusan	gar	tines	anthrOpoi	noi	palai
	BESIDE-INTO-SLIP	for	ANY	humans	THE	OLD
	slip-in		some		the(P)	long-ago
	ΠΡΟΓΕΓΡΑΜΜΕΝΟΙ	ΕΙΣ	ΤΟΥΤΟ	ΤΟ	ΚΡΙΜΑ	ΑΣΕΒΕΙΣ
	progegrammendi	eis	touto	to	krima	asebeis
	HAVING-been-BEFORE-WRITTEN	INTO	this	THE	JUDGment	UN-REVERent
	having-been-written-beforehand					irreverent(P)
	ΤΗΝ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ	ΗΜΩΝ	ΧΑΡΙΝ	ΜΕΤΑΤΙΘΕΝΤΕΣ
	tEn	tou	theou	hEmOn	charin	metatithentes
	OF-THE	OF-US	God	OF-US	grace	after-PLACING
						bartering
	ΕΙΣ	ΑΣΕΛΓΕΙΑΝ	ΚΑΙ	ΤΟΝ	ΜΟΝΟΝ	ΔΕΣΠΟΤΗΝ
	eis	aselgeian	kai	ton	monon	despotEn
	INTO	wantonness	AND	THE	ONLY	OWNER
	ΘΕΟΝ	ΚΑΙ	ΚΥΡΙΟΝ	ΗΜΩΝ	ΙΗΣΟΥΝ	ΧΡΙΣΤΟΝ
	theon	kai	kurion	hEmOn	iEsoun	christon
	God	AND	Master	OF-US	JESUS	ANOINTED
			Lord			Christ

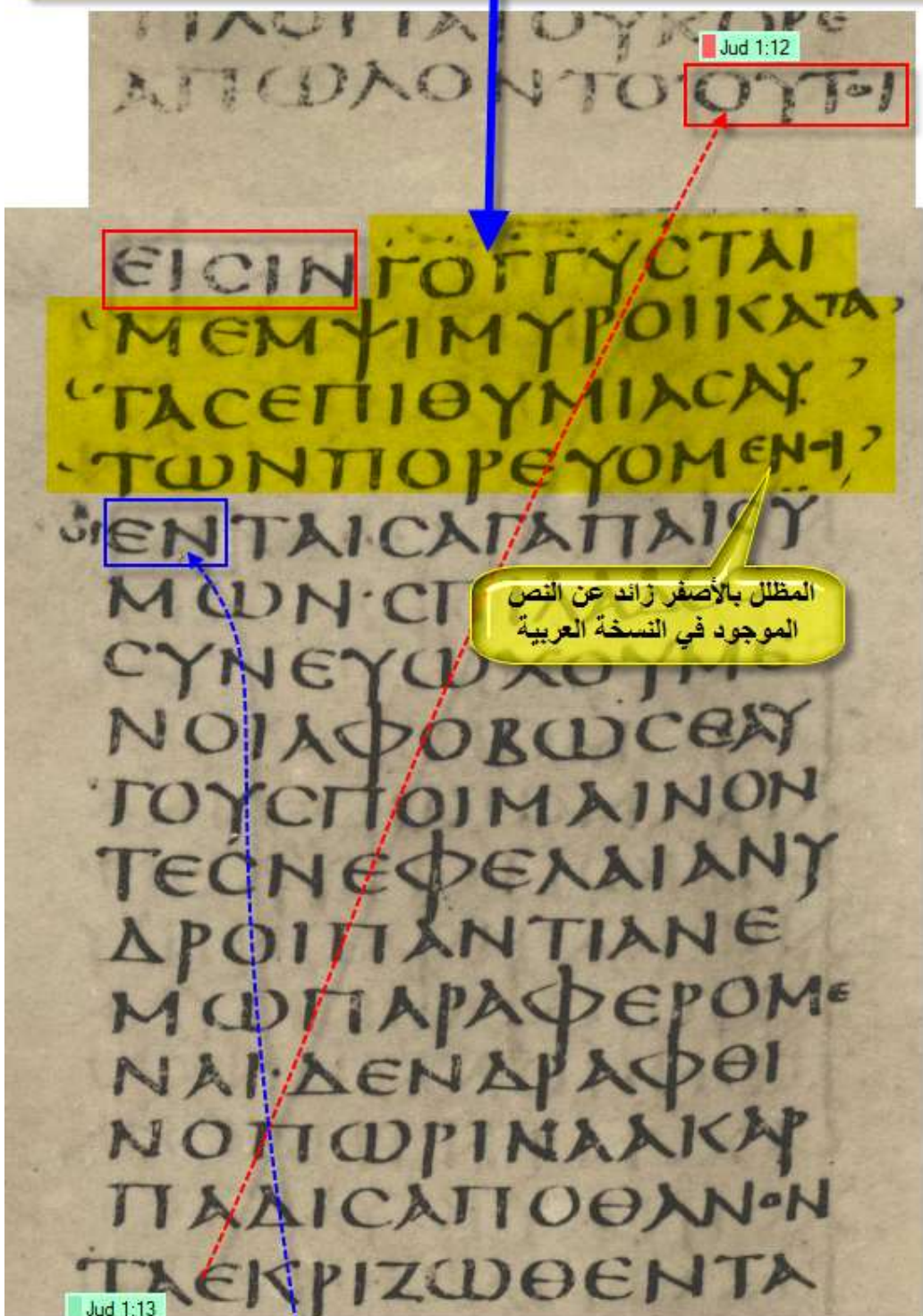
السيد

الله

ورينا

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
3	يهو-12	M-01A Jude 1:12 Ουτοι εισιν γογγυσται μεμψιμυροι κατας επιθυμιας αυτων πορευομενοι εν ταις αγαπαις υμων σπιαδες συνευωχουμενοι αφοβως εαυτους ποιμαινοντες νεφελαι ανυδροι παντι ανεμω παραφερομεναι δενδρα φθινοπωρικα ακαρπα δις αποθανοντα εκριζωθεντα	12 These are grumblers, complainers, ones who live according to their (own) desires".they that are rocks in your love-feasts, feasting with you without fear, feeding themselves; clouds without water, driven rapidly by winds; late autumnal trees without fruit, twice dead, torn up by the roots;	هؤلاء المتذمرين، والشاكين، الذين يعيشون وفقا لرغباتهم الخاصة لطخة عار في ولائمكم الأخوية، يتلذذون معاً بلا حياء، ويشبعون نهمهم. هم غيوم لا ماء فيها تسوقها الرياح. هم أشجار خريفية لا ثمر عليها، ماتت مرتين واقتلعت من أصولها.	١٢ هؤلاء صُخُورٌ فِي وَلَائِمِكُمْ الْمَحَبِّيَّةِ، صَانِعِينَ وَلَائِمَ مَعًا بِلا حَوْفٍ، رَاعِينَ أَنْفُسَهُمْ. غُيُومٌ بِلا مَاءٍ تَحْمِلُهَا الرِّيحُ. أَشْجَارٌ خَرِيفِيَّةٌ بِلا ثَمَرٍ مَيِّتَةٌ مُضَاعَفًا، مُقْتَلَعَةٌ	النسخة العربية: الإضافة غير موجودة السينائية: تضيف عبارة: (المتذمرين، والشاكين، الذين يعيشون وفقا لرغباتهم الخاصة γογγυσται μεμψιμυροι κατας επιθυμιας αυτων πορευομενοι)
ربما يكون سبب قيام النساخ بحذف الفقرة هو أنهم شعروا أن باقي النص كافي لطرح المعنى المقصود وأن الفقرة هي بمثابة تكرار (تحسين النص)						التعليق

ΓΟΓΓΥΣΤΑΙ ΜΕΜΨΙΜΥΡΟΙ ΚΑΤΑΣ ΕΠΙΘΥΜΙΑΣ ΑΥΤΩΝ ΠΟΡΕΥΟΜΕΝΟΙ
 المتذمرين والشاكين الذين يعيشون وفقا لرغباتهم الخاصة



1:12	هؤلاء	في	ΟΥΤΟΙ	ΕΙΣΙΝ	ΕΝ	ΤΑΙΣ	ΑΓΑΠΑΙΣ	ΥΜΩΝ	ΣΠΙΛΑΔΕΣ
	houtoi	eisin	en	tais	agapais	humOn	spilades		
	these	ARE	IN	THE	LOVES	OF-YOU(Pl)	SPOTS		
					love-feasts	of-ye	reefs		

ΣΥΝΕΥΩΧΟΥΜΕΝΟΙ	ΥΜΙΝ	ΑΦΟΒΩΣ	ΕΑΥΤΟΥΣ	ΠΟΙΜΑΙΝΟΝΤΕΣ
----------------	------	--------	---------	--------------

Jud 1:12 variation unit #3.0 [Jud 1:12-3.0]

Ουτοι εισιν οι εν ταις αγαπαϊς υμων σπιλαιοες
συνευωχουμενοι αφοβως εαυτους ποιμεινοντες
νεφελαι ανυδροι υπο ανεμων παραφερομεναι δενδρα
φθινοπωρινα ακαρπα δις αποθανοντα εκριζωθεντα

Ουτοι εισιν S0 - ϣ⁷² A B Ψ 049 1 35 218 223 489 927 945 999 1243
1244 1245 1251 1315 1319 1448 1505 1563 1573 1646 1735 1739 1751
1874 2191 2197cmg 2374 2494 2495 MT SBL TR >>>

+ γογγυσται μεμψιμυροι κατα τας επιθυμιας αυτων
πορευομενοι A 50 N^c >>>

I II III IV V No Category

4 c. N^c >>>

+ γογγυσται μεμψιμυροι κα τας επιθυμιας αυτων
πορευομενοι A 50 E N^a >>>

OM M 51 C* >>>

+ γογγυσται μεμψιμυροι κατα τας επιθυμιας αυτων
πορευομενοι A 52 C^c >>>

OM - 94 E 2197* >>>

lacunae - 99 ϣ⁷⁴ ϣ⁷⁸ 69 1241 2356 >>>

قراءة الإضافة تمت
بواسطة الناسخ الاصيلي

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب عبارة: (قديسيه αυτού αγίας)	وَأَنْبَأَ عَنْهُمْ أَخْنُوخُ سَابِعِ الْأَبَاءِ مِنْ آدَمَ ((انظروا! جاء الرب مع ألوف من ملائكته القديسين.	14 But of these also prophesied Enoch, the seventh from Adam, saying: Behold, the Lord came in his myriads of holy angels"	M-01A Jude 1:14 Προεπροφητευσεν δε και τουτοις εβδομος απο Αδαμ Ενωχ λεγω̄ Ιδου ηλθεν ο̄ ΚΣ̄ εν μυριασιν αγιων αγγελων	يهو-14-14	4
	السينائية: تكتب بدلا منها: (ملائكته القديسين αγιων αγγελων)					
	قام النساخ بتغيير النص من (ربوات قديسيه) إلى (ملائكته القديسين) لأن النص في سفر إخنوخ الأول 1-9 ليس فيه ذكر للملائكة إنما فيه (ربوات قديسيه) (مطابقة الاقتباسات مع بعضها)				التعليق	

Jud 1:14

ΦΗΝΑΤΕΤΗΡΗΤΑ
ΠΡΟΕΠΡΟΦΗΤΕΥ
ΣΕΝ ΔΕ ΚΑΙ ΤΟΥΤΟΙΣ
ΕΒΔΟΜΟΣ ΑΠΟ ΑΔΑΜ
ΔΑΜ' ΕΝΩΧ ΛΕΓΩ̄
ΙΔΟΥ ΗΛΘΕΝ Ο̄ ΚΣ̄ ΕΝ
ΜΥΡΙΑΣΙΝ ΑΓΓΕΛΩΝ
ΑΓΙΑΙΣ ΑΥΤΟΥ
ΚΡΙΣΙΝ ΚΑΤΑ ΠΑΝΤΑ

Jud 1:15

1:14 ΠΡΟΕΦΗΤΕΥΣΕΝ ΔΕ ΚΑΙ ΤΟΥΤΟΙΣ ΕΒΔΟΜΟΣ ΑΠΟ ΑΔΑΜ ΕΝΩΧ
prophEteusen de kai toutois hebdomos apo adam henOch
BEFORE-AVERS YET AND to-these SEVENTH FROM ADAM ENOCH
prophesies also

ΛΕΓΩΝ ΙΔΟΥ ΗΛΘΕΝ ΚΥΡΙΟΣ ΕΝ ΜΥΡΙΑΣΙΝ ΑΓΙΑΙΣ ΑΥΤΟΥ
legOn idou Elthen kurios en MYRIASIN HAGIAIS AUTOU
saying BE-PERCEIVING CAME Master IN MYRIADS HOLIES OF-Him
lo! Lord among ten-thousands holy-ones

1:15 ΠΟΙΗΣΑΙ ΚΡΙΣΙΝ ΚΑΤΑ ΠΑΝΤΩΝ ΚΑΙ ΕΞΕΛΕΓΣΑΙ ΠΑΝΤΑΣ
poiEsai krisin kata pantOn kai exelegxai pantas
TO-DO JUDging DOWN OF-ALL AND TO-OUT-EXPOSE ALL
against all to-utterly-expose

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (الحكيم σοφῶ) السينائية: اللفظة غير موجودة	25 للإله الْحَكِيمُ الْوَحِيدُ مُخْلِصُنَا،	للإله الواحد مخلصنا بيسوع المسيح ربنا،	25 to the only God our Saviour, through Jesus Christ our Lord,	M-01A Jude 1:25 μονοῦ Θεοῦ σωτηρι ἡμῶν δια Ἰησοῦ Χριστοῦ Κυρίου ἡμῶν	يهو-1-25	5
أضاف النساخ لفظة (الحكيم) من أجل مطابقة النص مع نظيره في رومية 16-27 وتيموثاوس الأولى 1-27 مما يجعل أسلوب أسفار العهد الجديد متشابه مما يصب في صالح قانونية الرسالة (دعم قانونية الرسالة)					التعليق	

Jud 1:25

MONOΘEOC O CΩTHPI HMΩN ΔOΞA KAI MEΓAΛΩCYNH

1:25

الوحيد	الحكيم	الإله	ΘΕΩ	σωτηρι	ημων	δοξα	και	μεγαλωσυνη
MONO	COΦΩ	ΘΕΩ	CO	THPI	HMΩN	ΔOΞA	KAI	MEΓAΛΩCYNH
monO	sophO	theO	sO	tEri	hEmOn	doxa	kai	megaLOsunE
to-ONLY	WISE	God	SA	Viour	OF-US	esteem	AND	GREAT-TOGETHERness
						be-glory		majesty

ΚΡΑΤΟC KAI ΕΞΟΥCΙΑ KAI ΝΥΝ KAI ΕΙC ΠΑΝΤΑC ΤΟΥC ΑΙΩΝΑC

kratos kai exousia kai nyn kai eis pantas tous aiOnas

HOLDing AND authority AND NOW AND INTO ALL THE eons

ليست بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: الإضافة غير موجودة السينائية: تضيف عبارة: (بربنا يسوع المسيح δία ΙΥ ΧΥ του ΚΥ ημων)	25 الإله الْحَكِيمُ الْوَحِيدُ مُخْلِصُنَا، لَهُ الْمَجْدُ وَالْعِظْمَةُ وَالْقُدْرَةُ وَالسُّلْطَانُ، الْآنَ وَإِلَى كُلِّ الدُّهُورِ. آمِينَ.	25 الإله الْحَكِيمُ الْوَحِيدُ مُخْلِصُنَا بِرَبِنَا يَسُوعَ المسيحَ ، لَهُ الْمَجْدُ وَالْعِظْمَةُ وَالْقُدْرَةُ وَالسُّلْطَانُ، الْآنَ وَإِلَى كُلِّ الدُّهُورِ. آمِينَ.	25 but to the only God through Jesus Christ our Lord, be glory, greatness, might, and authority before all ages.	M-01A Jude 1:25 μονω ΘΩ σωτηρι ημων δια ΙΥ ΧΥ του ΚΥ ημων ω δοξα μεγαλωσνη κρατος και εξουσια προ παντος του αιωνος και νυν και εις τους αιωνας Αμην	يهو-1-25	6
حذف النساخ عبارة (بربنا يسوع المسيح) لأن النص بهذه الإضافة يجعل يسوع شخص آخر غير الإله الحكيم الوحيد, فهناك في النص شخصان: الأول هو الإله الوحيد الحكيم المخلص والشخص الثاني هو : الأداة التي استعملها هذا الإله الوحيد للخلاص وهو ربهم يسوع المسيح (دعم ألوهية يسوع)					التعليق	

Jud 1:25

ΔΙΑ ΙΥ ΧΥ ΤΟΥ ΚΥ ΗΜΩΝ

بربنا يسوع المسيح

المظلل بالأصفر زائد عن نص النسخة العربية

المجد

مخلصنا

Jud 1:17

Jud 1:18

Jud 1:19

Jud 1:20

Jud 1:21

Jud 1:22

Jud 1:23

Jud 1:24

Jud 1:25

1:25	MONΩ	COΦΩ	ΘΕΩ	σωτηρι	ημων	δοξα	και	μεγαλωσνη
	monO	sophO	theO	sOtEri	hEmOn	doxa	kai	megalOsunE
	to-ONLY	WISE	God	SAViour	OF-US	esteem	AND	GREAT-TOGETHERness
						be-glory		majesty

رؤيا يوحنا

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (أنا هو الألف والياء.الأول والآخر و Ἐγώ εἰμι τὸ Α καὶ τὸ Ω, Ὁ πρῶτος καὶ ὁ ἔσχατος· καὶ) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>١ اقَائِلًا: "أَنَا هُوَ الْأَلْفُ وَالْيَاءُ. الْأَوَّلُ وَالْآخِرُ. وَالَّذِي تَرَاهُ، اكْتُبْ فِي كِتَابِ</p>	<p>١ اقَائِلًا: اكْتُبْ فِي كِتَابِ</p>	<p>11 saying: What thou seest write in a book</p>	<p>M-01A Revelation 1:11 λεγουσης Γραψον εις το βιβλιον πεμψον ταις επτα εκκλησιας εις Εφεσον και εις Περγαμον και εις Θυατειρα και εις Ζμυρναν και εις Φιλαδελφιᾱ και εις Λαοδικιαν</p>	<p>رو١-11</p>	<p>1</p>
<p>أضاف النساخ عبارة (:"أَنَا هُوَ الْأَلْفُ وَالْيَاءُ. الْأَوَّلُ وَالْآخِرُ") من أجل جعل يسوع يصرح بألوهيته بعد القيامة من الموت (دعم ألوهية يسوع)</p>					<p>التعليق</p>	

Rev 1:11

ΛΕΓΟΥΣΑΝ ΤΡΑΧΥΝ

ΕΙΣ ΤΟ ΚΙΒΛΙΟΝ ΤΤΕΜ

ΥΟΝ ΤΑΙΣ ΕΠΤΑ ΕΚΚΗ

ΣΙΑΙΣ ΕΙΣ ΕΦΕΣΟΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΠΕΡΓΑΜΟΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΘΥΑΤΕΙΡΑΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΖΜΥΡΝΑΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΦΙΛΑΔΕΛΦΙΑΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΚΛΑΟΔΙΚΙΑΝ

ΚΑΙ ΕΙΣ ΤΡΕΥΑΒΕ

Rev 1:12

1:11

ΛΕΓΟΥΣΗΣ

egO eimi to ha kai to hO ho prOtos kai

I AM THE Alpha AND THE Omega THE BEFORE-most AND

first

Ο ΕΣΧΑΤΟΣ ΚΑΙ Ο ΒΛΕΠΕΙΣ ΤΟΝ

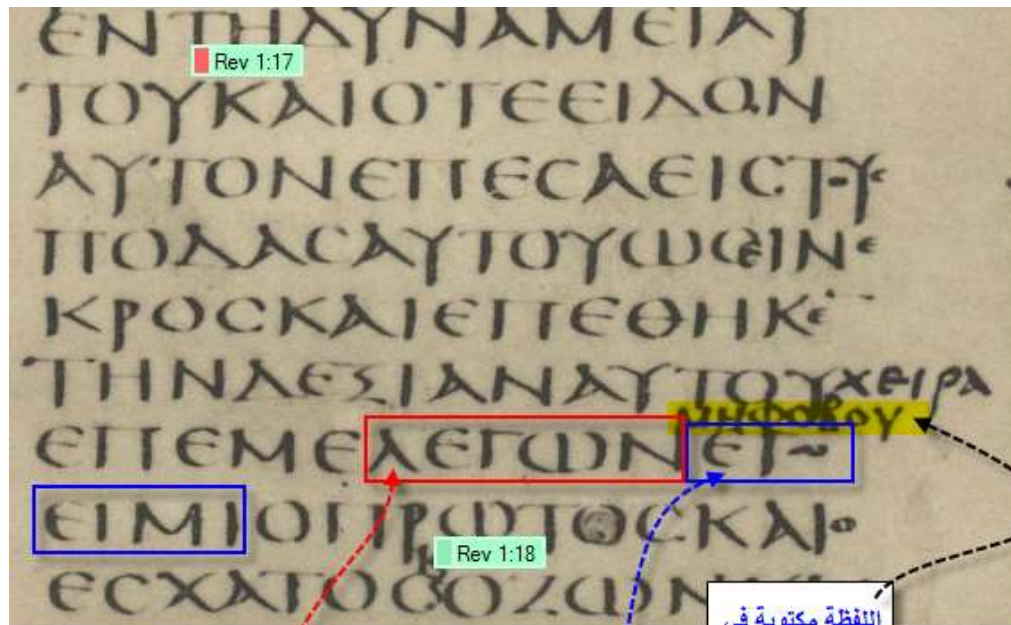
ho eschatos kai ho blepeis grapson eis biblion kai

THE LAST AND WHICH YOU-ARE-looking WRITE INTO SCROLLet AND

you-are-observing write-you!

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
2	رؤى 17-1	M-01A Revelation 1:17 Καὶ ὅτε εἶδον αὐτὸν ἐπεσα εἰς τοὺς ποδας αὐτοῦ ὡς νεκρὸς καὶ ἐπεθηκὲν τὴν δεξιὰν αὐτοῦ ἐπ' ἐμὲ λέγων Ἐγὼ εἰμι ὁ πρῶτος καὶ ὁ ἐσχάτος	17 And when I had seen him, I fell at his feet as dead; and he laid his right hand upon me, saying: I am the First and the Last,	فلما رأيته وقعت عند قدميه كالميت، فلمسني بيده اليمنى وقال: ((أنا الأول والآخر))	١٧ قَلَمًا رَأَيْتُهُ سَقَطْتُ عِنْدَ رِجْلَيْهِ كَمَيْتٍ، فَوَضَعَ يَدَهُ الْيُمْنَى عَلَيَّ قَائِلًا لِي: "لَا تَخَفْ، أَنَا هُوَ الْأَوَّلُ وَالْآخِرُ"	النسخة العربية: أضافت عبارة: (لا تخف · Μη φοβοῦ) السينائية: العبارة غير موجودة
		أضاف النساخ عبارة (لا تخف) لأنهم استغربوا من تجاهل الرب يسوع لخوف يوحنا الشديد الذي وصل لدرجة السقوط كالميت , ورأوا أنه من الأفضل لصورة يسوع أن يكون قد اهتم بالأمر وأراد طمأنة يوحنا (تحسين صورة يسوع)				التعليق



Rev 1:17

Rev 1:18

μὴ φοβοῦ

اللفظة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر زمنيا

1:17	ΚΑΙ	ὅΤΕ	ΕἶΔΟΝ	ΑὐΤΟΝ	ἔΠΕΣΑ	ΠΡΟΣ	Τ	ΑὐΤΟΥ
	kai	hote	eidon	auton	epesa	pros	to	autou
	AND	when	I-PERCEIVED	Him	I-FALL	TOWARD		OF-Him

ὍΣ	ΝΕΚΡΟΣ	ΚΑΙ	ἔΠΕΘΗΚΕΝ	τὴν	ΔΕΞΙΑΝ	ΑὐΤΟΥ	ΧΕΙΡΑ	ἘΠ	ἘΜΕ
hOs	nekros	kai	epethEken	ten	dexian	autou	cheira	ep	eme
AS	DEAD	AND	He-ON-PLACES	THE	RIGHT	OF-Him	HAND	ON	ME
			he-places-on						

ΛΕΓΩΝ	ΜΟΙ	ΜΗ	ΦΟΒΟΥ	ἘΓΩ	ΕἶΜΙ	Ὁ	ΠΡΩΤΟΣ	ΚΑΙ	Ὁ
legOn	moi	mE	phobou	egO	eimi	ho	prOtos	kai	ho
saying	to-ME	NO	BE-YOU-FEARING	I	AM	THE	BEFORE-most	AND	THE
			be-you-fearing !			first			

قائل لي
ΛΕΓΩΝ ΜΟΙ

لا تخف
ΜΗ ΦΟΒΟΥ

أنا
ἘΓΩ ΕἶΜΙ

ἘΣΧΑΤΟΣ
eschatos
LAST

Var. unit #3: (omitted words)

Καὶ ὅτε εἶδον αὐτόν, ἔπεσα ἑπὶ τοὺς πόδας αὐτοῦ ὡς νεκρός, καὶ ἔθηκεν τὴν δεξιὰν αὐτοῦ ἑπ' ἐμὲ λέγων·

μὴ φοβοῦ· ἐγὼ εἶμι ὁ πρῶτος καὶ ὁ ἔσχατος (full text)

(omit) N* 2053-3062

قراءة الحذف تمت بواسطة الناسخ الأصلي

نسخة NA28

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (عن قريب <i>τάχει</i>) السينائية: العبارة غير موجودة	هَذَاذَكَرُ مِنْ أَيْنَ سَقَطْتَ وَتُوبْ، وَاعْمَلِ الْأَعْمَالَ الْأُولَى، وَإِلَّا فَإِنِّي آتِيكَ عَنْ قَرِيبٍ وَأَزْحَرُخُ مَنَارَتَكَ مِنْ مَكَانِهَا، إِنْ لَمْ تَتُوبْ	فاذكر من أين سقطت وتوب وعد إلى أعمالك الماضية، فإن كنت لا تتوب جنتك وأخذت منارتك من مكانها.	5 Remember therefore whence thou hast fallen, and repent and do the first works: else, I am coming to thee, and will move thy candlestick out of its place, unless thou repent.	M-01A Revelation 2:5 Μνημονευε σον ποθε̄ πεπτωκες και μετανοησον και τα πρωτα εργα ποιησο̄ ει δε μη ερχομαι σοι και κινησω τη̄ λυχνιαν σου εκ του τοπου αυτης εᾱ μη μετανοησης	رؤ 2-5	3
أضاف النساخ عبارة (عن قريب) من أجل خدمة الطرح الذي يريده المؤلف ألا وهو تهديد كنيسة أفسس بضرورة العودة إلى المحبة وإلا فإن منارتها ستزول عن قريب (دعم طرم المؤلف)					التعليق	

Rev 2:5

Rev 2:6

2:5	ΜΝΗΜΟΝΕΥΕ	ΟΥΝ ΠΟΘΕΝ	ΕΚΠΕΠΤΩΚΑΣ	ΚΑΙ	ΜΕΤΑΝΟΗΣΟΝ
	mnEmoneue	oun pothen	ekreptOkas	kai	metanoEson
	BE-YOU-rememberING	THEN ?-WHICH-PLACE	YOU-HAVE-OUT-FALLEN	AND	after-MIND
	be-you-remembering!	whence?	you-have-fallen-off		repent-you!
	ΚΑΙ ΤΑ ΠΡΩΤΑ	ΕΡΓΑ ΠΟΙΗΣΟΝ	ΕΙ ΔΕ ΜΗ	ΕΡΧΟΜΑΙ ΣΟΙ	ΤΑΧΥ
	kai ta prOta	erga poiEson	ei de mE	erchomai soi	tachu
	AND THE BEFORE-most	ACTS DO	IF YET NO	I-AM-COMING to-YOU	SWIFTLY
	former	do-you!			
	ΚΑΙ ΚΙΝΗΣΩ	ΤΗΝ ΛΥΧΝΙΑΝ	ΣΟΥ ΕΝ ΤΟΥ ΤΟΠΟΥ	ΑΥΤΗΣ	
	kai kinEsO	tEn luchnian	soy en tou topou	autEs	
	AND SHALL-BE-STIRRING	THE LAMPstand	OF-YOU OF-THE PLACE	OF-her	
	shall-be-moving		of-herit		

النس بالمخطوط

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
4	رؤى 2-13	M-01A Revelation 2:13 Οἶδα που κατοικεῖς οπου ο θρονος του Σατανα	13 I know where thou dwellest, where the throne of Satan is	أنا أعرف أين تسكن، هناك عرش الشيطان.	أنا أعرف أين تسكن، هناك عرش الشيطان.	وجه الاختلاف
						<p>النسخة العربية: تضيف لفظة: (أعمالك و τὰ ἔργα σου) (καὶ السينائية: اللفظة غير موجودة)</p> <p>أضاف النساخ لفظة (أعمالك و) من أجل دعم الفكرة التي يريد المؤلف توصيلها وهي أن الله يعرف حال كنيسة برغامس بشكل كامل, فليس فقط يعرف أين توجد كنيسة برغامس , بل أيضا يعرف كل أعمال هذه الكنيسة. (دعم طرم المؤلف)</p>

أنا أعرف	أعمالك و	أين
2:13 ΟΙΔΑ	ΤΑ ΕΡΓΑ ΣΟΥ ΚΑΙ	ΠΟΥ
oida	ta erga sou kai	pou
I-HAVE-PERCEIVED	THE ACTS OF-YOU AND	?-where
I-am-aware-of		where ?

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (الذي أبغضه ομοιω) السينائية: تكتب بدلا منها: (أيضا ομοιω)	١٥ هَكَذَا عِنْدَكَ أَنْتَ أَيْضًا قَوْمٌ مُتَمَسِكُونَ بِتَعْلِيمِ النُّقُولِ وَالَّذِينَ أُبْغِضُهُ	وأنت عندك من يتبعون تعليم النقول لاويين أيضا	15 So hast thou also in like manner those that hold the teaching of the Nicolaitans.	M-01A Revelation 2:15 Ουτως εχεις και συ κραουντας την διδαχην των Νικολαιτων ομοιος	رؤى-15	5
قام النساخ بكتابة عبارة (الذي أبغضه) من أجل إيجاد إدانة في الكتاب المقدس لهرطقة النيقولاويين المنتشرة في تلك المناطق (زراعة نصوص للقضاء على الهرطقات)					التعليق	

Rev 2:15

Rev 2:16

ΟΜΟΙΩΣ
أيضا

2:15 ΟΥΤΩΣ ΕΧΕΙΣ ΚΑΙ ΣΥ ΚΡΑΤΟΥΝΤΑΣ ΤΗΝ ΔΙΔΑΧΗΝ ΤΩΝ ΝΙΚΟΛΑΙΤΩΝ Ο ΜΙΣΩ

houtOs echais kai su kratountas tEn didachEn tOn
thus YOU-ARE-HAVING AND YOU ones-HOLDING THE TEACHing OF-THE
are-having also ones-holding

NIKOLAITΩΝ Ο ΜΙΣΩ
nikolaitOn ho misO
CONQUER-PEOPLES WHICH I-AM-HATING
Nicolaitans

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (<i>قليل</i> <i>ὀλίγα</i>) السينائية: تكتب بدلا منها: (<i>كثير</i> <i>πολυ</i>)	٢٠ لَكِنْ عِنْدِي عَلَيْكَ قَلِيلٌ : أَنْتَ تُسَيِّبُ الْمَرْأَةَ إِيزَابَلَّ الَّتِي تَقُولُ إِنَّهَا نَبِيَّةٌ،	٢٠ لَكِنْ عِنْدِي عَلَيْكَ كثير : أَنْتَ تُسَيِّبُ الْمَرْأَةَ إِيزَابَلَّ الَّتِي تَقُولُ إِنَّهَا نَبِيَّةٌ،	20 But I have much against thee that thou sufferest your wife Jezebel, who says that she is a prophetess	M-01A Revelation 2:20 Ἀλλ' ἔχω κατα σου πολυ ὅτι Ἰαζαβελ ἡ λεγουσα αυτην προφητειαν ειναι	رؤ-20	6
قام النساخ بتغيير النص من (كثير) إلى (قليل) لأنهم رأوا أن الاعتراضات التي ساقها الرب على هذه الكنيسة ليست كثيرة وإنما هو اعتراض وحيد (جعل النص أكثر منطقية)					التعليق	

Rev 2:20

ΤΙΡΩΤΩΝ ΑΛΛ' ΕΧΩ
ΚΑΤΑ ΣΟΥ ΠΟΛΥ ΟΤΙ
ΑΦΕΙΣ ΤΗΝ ΙΥΝΑΙ
ΚΑΙ ΑΖΑΒΕΛ Η ΛΕΓΟΥ
ΣΑΥΤΗΝ ΤΙΡΟΦΗ

2:20 Ἀλλ' ἔχω
all echO
but I-AM-HAVING

عَلَيْكَ
KATA SOY
kata sou
DOWN OF-YOU
against you

قَلِيلٌ
ΟΛΙΓΑ
oliga
FEW
few-things

أَنْتَ
ΟΤΙ
hoti
that
seeing-that

ΕΑΣ ΤΗΝ
eas tEn
YOU-ARE-LEAVING THE
you-are-letting

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
7	رؤى 21-21	M-01A Revelation 2:21 Καὶ ἔδωκα αὐτῇ χρόνον ἵνα μετανοήσῃ ἐκ τῆς πορνείας ταύτης	21 And I gave her time to repent of her lewdness.	وأمهلتها مدة لتتوب عن زناها	٢١ وَأَعْطَيْتُهَا زَمَانًا لِكَيْ تَتُوبَ عَنْ زَنَاهَا وَلَمْ تَتُبْ .	<u>النسخة العربية:</u> تكتب عبارة: (ولم تتب) <u>السينائية:</u> العبارة غير موجودة
	التعليق	أضاف النساخ عبارة (ولم تتب) من أجل التأكيد على الفكرة التي يطرحها المؤلف وهي إدانة إيزابيل فهي ليس فقط تحرض على الزنا والوثنية بل أيضا أخذت مدة للتوبة فلم تتب (دعم طرم المؤلف)				

القراءة مكتوبة في الهامش بواسطة ناسخ متأخر

Rev 2:21

Rev 2:22

2:21 ΚΑΙ ΕΔΩΚΑ ΑΥΤΗ ΧΡΟΝΟΝ ΙΝΑ ΜΕΤΑΝΟΗΧΗ ΕΚ ΤΗΣ ΠΟΡΝΕΙΑΣ ΑΥΤΗΣ ΚΑΙ ΟΥ ΜΕΤΕΝΟΗΣΕΝ

kai edOka autE chronon hina metanoEsE ek tEs porneias autEs kai hou metenoEsen

AND I-GIVE to-her TIME THAT she-SHOULD-BE-after-MINDING OUT OF-THE she-should-be-repenting

AND NOT she-after-MINDS she-repents

المظلل بالأصفر ليست بالمخطوط

ولم تتب

2:22 ΙΔΟΥ ΕΓΩ ΒΑΛΛΩ ΑΥΤΗΝ ΕΙΣ ΚΛΙΝΗΝ ΚΑΙ ΤΟΥΣ

idou egO ballo autEn eis klinEn kai tous

BE-PERCEIVING I AM-CASTING her INTO couch AND THE

زناها

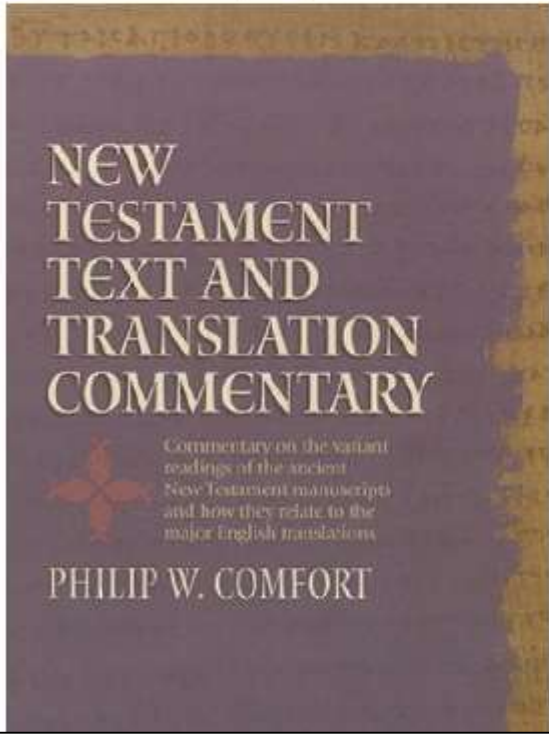
Revelation 2:21

WHNU ἵνα μετανοήσῃ, καὶ οὐ θέλει μετανοῆσαι ἐκ τῆς πορνείας αὐτῆς
"that she might repent, and she did not want to repent of her fornication"
N^o A C Maj 2053 (N^o omits καὶ θέλει μετανοῆσαι, which was then corrected)
SV NRSV ESV NASB NIV TNIV NEB REB NJB NAB (NLT) HCSB NET

variant/TR ἵνα μετανοήσῃ ἐκ τῆς πορνείας αὐτῆς, καὶ οὐ θέλει μετανοῆσαι
ἵνα μετανοήσῃ
that she might repent of her fornication, and she did not want to repent of her fornication

قراءة الإضافة تمت
بواسطة ناسخ متأخر

قراءة الحذف تمت
بواسطة الناسخ
الأصلي



وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	٢٢ هَا أَنَا أَلْقِيهَا فِي فِرَاشٍ، وَالَّذِينَ يَزْنُونَ مَعَهَا فِي ضَيْقَةٍ عَظِيمَةٍ، إِنَّ كَانُوا لَا يَتُوبُونَ عَنْ أَعْمَالِهِمْ.	لذلك سأطرحها على فراش الآلام، وألقي الذين يزنون معها في ضيق شديد، إن كانوا لا يتوبون عن أعمالها.	22 Behold, I cast her into a bed, and those that commit adultery with her into great affliction, unless they repent of her works.	M-01A Revelation 2:22 Ἴδου καὶ αὐτὴν εἰς κλινὴν καὶ τοὺς μοιχεύοντας μετ αὐτῆς εἰς θλίψιν μεγάλην εἰάν μὴ μετανοήσουσιν ἐκ τῶν ἔργων αὐτῆς	رؤى 2-22	8
	<u>النسخة العربية:</u> تكتب: (أعمالهم τῶν ἔργων αὐτῶν) <u>السينائية:</u> (أعمالها τῶν ἔργων αὐτῆς)					
	قام النساخ بتغيير اللفظة من (أعمالها) إلى (أعمالهم) لاستغرابهم من أن يتوب الأتباع من أعمال إيزابل , والأكثر منطقية ان يتوبوا من أعمالهم (جعل الأمور أكثر منطقية)				التعليق	

Rev 2:22

ΕΚ ΤΗΣ ΤΟΥ ΡΗΝΙΑΣΙΑ
ΤΗΣ ΚΙΛΟΥ ΒΑΛΛΩ
ΤΗ ΝΕΙΣ ΚΛΙΝΗΝ ΚΑΙ
ΤΟΥΣ ΜΟΙΧΕΥΟΝ
ΤΑΣ ΜΕΤΑΥΤΗΣ ΕΙΣ
ΘΛΙΨΙΝ ΜΕΓΑΛΗΝ
ΕΑΝ ΜΗ ΜΕΤΑΝΟ
ΗΣΟΥΣΙΝ ΕΚ ΤΩΝ
ΕΡΓΩΝ ΑΥΤΗΣ ΚΑΙ
ΤΑ ΤΕΚΝΑ ΑΥΤΗΣ

عن أعمالها

Rev 2:23

2:22 ἼΔΟΥ ΕΓΩ ΒΑΛΛΩ ΑΥΤΗΝ ΕΙΣ ΚΛΙΝΗΝ ΚΑΙ ΤΟΥΣ
idou egO ballO autEn eis klinEn kai tous
BE-PERCEIVING I AM-CASTING her INTO couch AND THE
lo!

ΜΟΙΧΕΥΟΝΤΑΣ ΜΕΤ ΑΥΤΗΣ ΕΙΣ ΘΛΙΨΙΝ ΜΕΓΑΛΗΝ ΕΑΝ ΜΗ
moicheuontas met autEs eis thlipsin megalEn ean mE
ones-ADULTERING WITH her INTO CONSTRICTION GREAT IF-EVER NO
ones-committing-adultery affliction

عن أعمالهم

ΜΕΤΑΝΟΗΣΩΣΙΝ ΕΚ ΤΩΝ ΕΡΓΩΝ ΑΥΤΩΝ
metanoEsOsin ek tOn ergOn autOn
THEY-SHOULD-BE-after-MINDING OUT OF-THE ACTS OF-them
they-should-be-repenting

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب لفظة: (الله θεου)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (إلهي ΘΥμου)</p>	<p>كُنْ سَاهِرًا وَشَدِيدًا مَا بَقِيَ، الَّذِي هُوَ عَتِيدٌ أَنْ يَمُوتَ، لَأَنِّي لَمْ أَجِدْ أَعْمَالَكَ كَامِلَةً أَمَامَ اللَّهِ.</p>	<p>إسهر وأنعش ما بقي لك من الحياة ما بقي. فأنا لا أجد أعمالك كاملة في نظر إلهي.</p>	<p>2 Become wakeful, and strengthen the things that remain that are about to die. For I have not found thy works fulfilled before my God.</p>	<p>M-01A Revelation 3:2 Γίνου εγρηγορων και στηριξον τα λοιπα α μελλον αποθανιν ου γαρ ευρηκα σου τα εργα πεπληρωμενα ενωπιον του ΘΥ μου</p>	رؤ 2-3	9
<p>قام النساخ بتغيير اللفظة من (إلهي) إلى (الله) لأن المتكلم هو اقنوم الابن يسوع الذي له سبعة أرواح الله , فكيف يقول يسوع "أمام إلهي" في حين أنه هو الله ؟ خصوصا أنه يقول هذه العبارة بعد القيامة والصعود وليس في مرحلة الدور الناسوتي, فكان التغيير ضروري لإزالة العقبات أمام تأليه يسوع (دعم ألوهية يسوع)</p>					التعليق	

ΧΕΙΡΟΤΙΖΗΣΚΑΙΝ
 ΚΡΟΣΕΙΓΙΝΟΥΓΡΗ
 ΓΟΡΩΝΚΑΙΣΤΗΡΙ
 ΣΟΝΤΑΛΟΙΠΑΔΕ
 ΜΕΛΛΟΝΑΠΘΑ
 ΝΙΝΟΥΓΑΡΕΥΡΗΚΑ
 ΣΟΥΤΑΕΡΓΑΤΕΙΛΗ
 ΡΩΜΕΝΑΕΝΩΠΙ
 ΟΝ **ΤΟΥΘΥΜΟΥ** ΜΝΗ
 ΜΟΝΕΥΕΤΩΣΕΙ

Rev 3:2

Rev 3:3

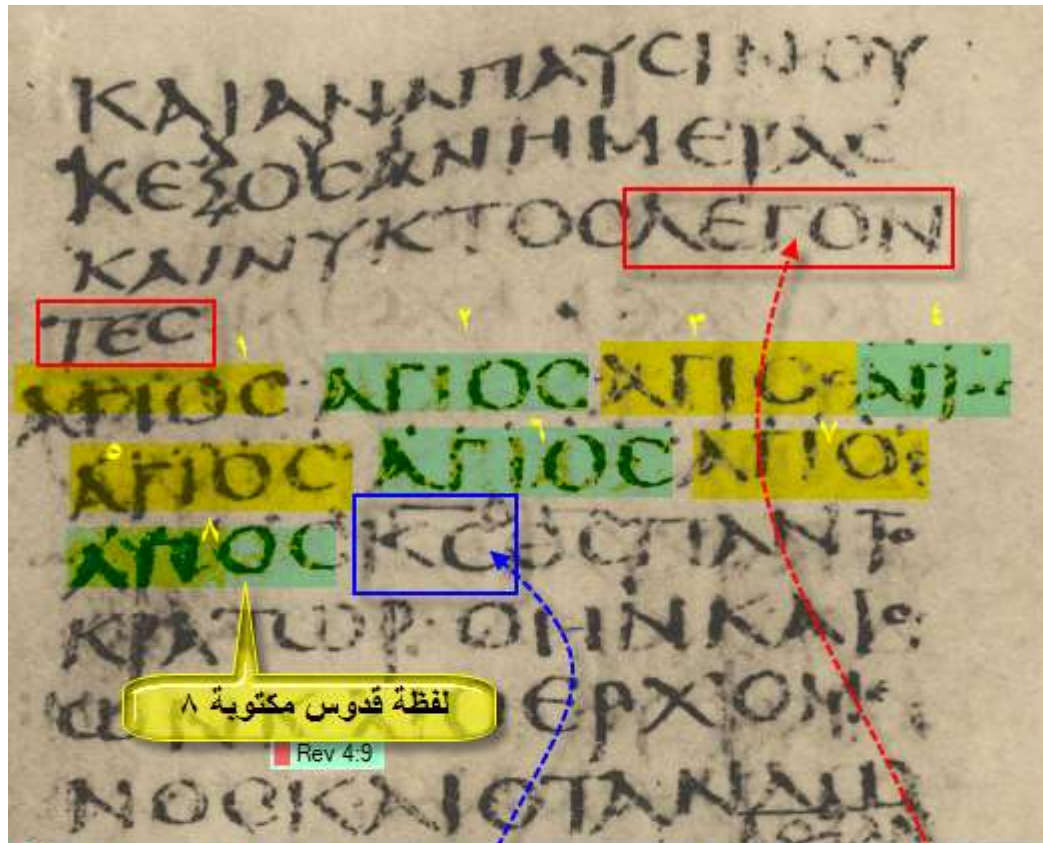
3:2	ΓΙΝΟΥ	ΓΡΗΓΟΡΩΝ	ΚΑΙ	ΣΤΗΡΙΞΟΝ	ΤΑ	ΛΟΙΠΑ	Δ
	ginou	grEgorOn	kai	stErixon	ta	loipa	ha
	BE-BECOMING	watchING	AND	STAND-fast-YOU	THE	rest	WHO
	be-you-becoming !			establish-you !		rest(P)	which(P)

ΜΕΛΛΕΙ	ΑΠΘΑΝΕΙΝ	ΟΥ	ΓΑΡ	ΕΥΡΗΚΑ	ΣΟΥ	ΤΑ	ΕΡΓΑ
mellei	apothanein	ou	gar	heurEka	sou	ta	erga
IS-ABOUTING	TO-BE-FROM-DYING	NOT	for	I-HAVE-FOUND	OF-YOU	THE	ACTS
is-being-about	to-be-dying						

ΠΕΠΛΗΡΩΜΕΝΑ	ΕΝΩΠΙΟΝ	ΤΟΥ	ΘΕΟΥ
peplErOmena	enOpion	tou	theou
HAVING-been-FILLED	IN-VIEW	OF-THE	God
having-been-completed	in-the-sight-of	the	

3:3	ΜΝΗΜΟΝΕΥΕ	ΟΥΝ	ΠΩΣ	ΕΙΛΗΦΑΣ	ΚΑΙ	ΗΚΟΥΣΑΣ	ΚΑΙ
	mnEmoneue	oun	pOs	eiEphas	kai	Ekousas	kai
	BE-rememberING	THEN	how	YOU-HAVE-GOTTEN	AND	YOU-HEAR	AND
	be-you-remembering !			you-have-obtained			

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
10	رؤ4-8	M-01A Revelation 4:8 Καὶ τὰ τεσσερα ζῶα ἐν ἐκαστῷ αὐτῶν εἶχον ἀνα περυγὰς ἐξ κυκλοθεν καὶ εσοθεν γεμουσιν οφθαλμῶν καὶ ἀναπαυσιν οὐχ ἐξοσαν ἡμερὰς καὶ νυκτὸς λεγοντες Ἁγιος ἅγιος ἅγιος ἅγιος ἅγιος ἅγιος ἅγιος ἅγιος ΚΣ̅ ΘΣ̅ παντοκράτωρ ὁ ἦν καὶ ὁ ὢν καὶ ὁ ἐρχομενος .	8 And the four living creatures, each of them having six wings, are full of eyes round about and within, and have no rest day and night, saying: Holy, holy, holy,holy,holy,holy,h oly,holy, is the Lord God, the Almighty, who was, and who is, and who comes.	8ولكل كائن حي من هذه الكائنات الحية الأربعة ستة أجنحة مرصعة بالعيون من حولها ومن داخلها وهي لا تنقطع عن التسبيح ليل نهار : (قدوس، قدوس، قدوس ، قدوس،قدوس،قدوس، قدوس،قدوس الرب الإله القدير كان وكائن ويأتي))	٨ وَالْأَرْبَعَةُ الْحَيَوَانَاتُ لِكُلِّ وَاحِدٍ مِنْهَا سِتَّةُ أَجْنِحَةٍ حَوْلَهَا، وَمِنْ دَاخِلِ مَمْلُوءَةٌ عُيُونًا، وَلَا تَزَالُ نَهَارًا وَلَيْلًا قَائِلَةً: "قُدُّوسٌ، قُدُّوسٌ، قُدُّوسٌ، الرَّبُّ الْإِلَهُ الْقَادِرُ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ، الَّذِي كَانَ وَالْكَائِنُ وَالَّذِي يَأْتِي".	النسخة العربية: تكتب لفظة (قدوس ἅγιος) ثلاثة مرات السينائية: تكتب لفظة (قدوس ἅγιος) ثمانية مرات
<p>قام النساخ باختصار عدد مرات كتابة لفظة (قدوس) من 8 إلى 3 مرات من أجل:-</p> <ul style="list-style-type: none"> - أنهم رأوا أنه لا فائدة من هذه الإطالة - تم تكرارها 3 مرات من أجل خدمة التثليث (تمسبب النص) (دعم عقيدة التثليث) 						التعليق



لفظة قدوس مكتوبة ٨

Rev 4:9

4:8	ΚΑΙ	ΤΕΣΣΑΡΑ	ΖΩΑ	ΕΝ	ΚΑΘ	ΕΑΥΤΟ	ΕΙΧΟΝ	ΑΝΑ	
	kai	tessara	zOa	hen	kath	eauto	eichon	ana	
	AND	FOUR	LIVING-ones	ONE	according-to	self	HAD	UP	
			animals			itself		apiece	
	ΠΤΕΡΥΓΑΣ	ΕΞ	ΚΥΚΛΟΘΕΝ	ΚΑΙ	ΕΣΩΘΕΝ	ΓΕΜΟΝΤΑ	ΟΦΘΑΛΜΩΝ	ΚΑΙ	
	pterugas	hex	kuklothen	kai	esOthen	gemonta	ophthalmOn	kai	
	flyers	SIX	AROUND-PLACE	AND	INTO-PLACE	beING-REPLETE	OF-VIEWers	AND	
	wings		around		inside		of-eyes		
	ΑΝΑΠΑΥΣΙΝ	ΟΥΚ	ΕΧΟΥΣΙΝ	ΗΜΕΡΑΣ	ΚΑΙ	ΝΥΚΤΟΣ	ΛΕΓΟΝΤΑ		
	anapausin	ouk	echousin	hEmeras	kai	nuktos	legonta		
	UP-CEASing	NOT	THEY-ARE-HAVING	OF-DAY	AND	OF-NIGHT	saying		قائلة
	rest			day		night			
	ΑΓΙΟΣ	ΑΓΙΟΣ	ΑΓΙΟΣ	ΚΥΡΙΟΣ	Ο	ΘΕΟΣ	Ο	ΠΑΝΤΟΚΡΑΤΩΡ	Ο
	hagios	hagios	hagios	kyrios	ho	theos	ho	pantokratOr	ho
	HOLY	HOLY	HOLY	Master	THE	God	THE	ALL-HOLDer	THE
				Lord				Almighty	the-one

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (ولا تحت الأرض οὐδὲ ὑποκάτω τῆς γῆς) السينائية: العبارة غير موجودة	٣ فَلَمْ يَسْتَطِعْ أَحَدٌ فِي السَّمَاءِ وَلَا عَلَى الْأَرْضِ وَلَا تَحْتَ الْأَرْضِ أَنْ يَفْتَحَ السِّفْرَ وَلَا أَنْ يَنْظُرَ إِلَيْهِ.	فما قدر أحد في السماء ولا في الأرض ولا تحت الأرض أن يفتح الكتاب وينظر ما فيه.	3 And no one in heaven, neither on the earth, was able to open the book nor to look upon it.	M-01A Revelation 5:3 Καὶ οὐδεὶς ἐδύνατο ἐν τῷ ὈΥΝΩ οὐτε ἐπι τῆς γῆς ἀνοίξει τὸ βιβλίον οὐτε βλεπεῖν αὐτὸ	رؤ 3-5	11
أضاف النساخ عبارة (ولا تحت الأرض) من أجل التأكيد على عجز الكل عن فتح السفر , حتى يصبح الوحيد القادر على ذلك هو يسوع مما يؤكد أنه الوحيد الصالح لإتمام الفداء والصلب وأنه هو الإله حيث تمكن من فعل ما عجز عنه الكل (دعم قدرة يسوع على الفداء والصلب دون غيره) (دعم ألوهية يسوع) (تحسين صورة يسوع)					التعليق	

Rev 5:3
Rev 5:4

لا تحت الأرض

أن يفتح

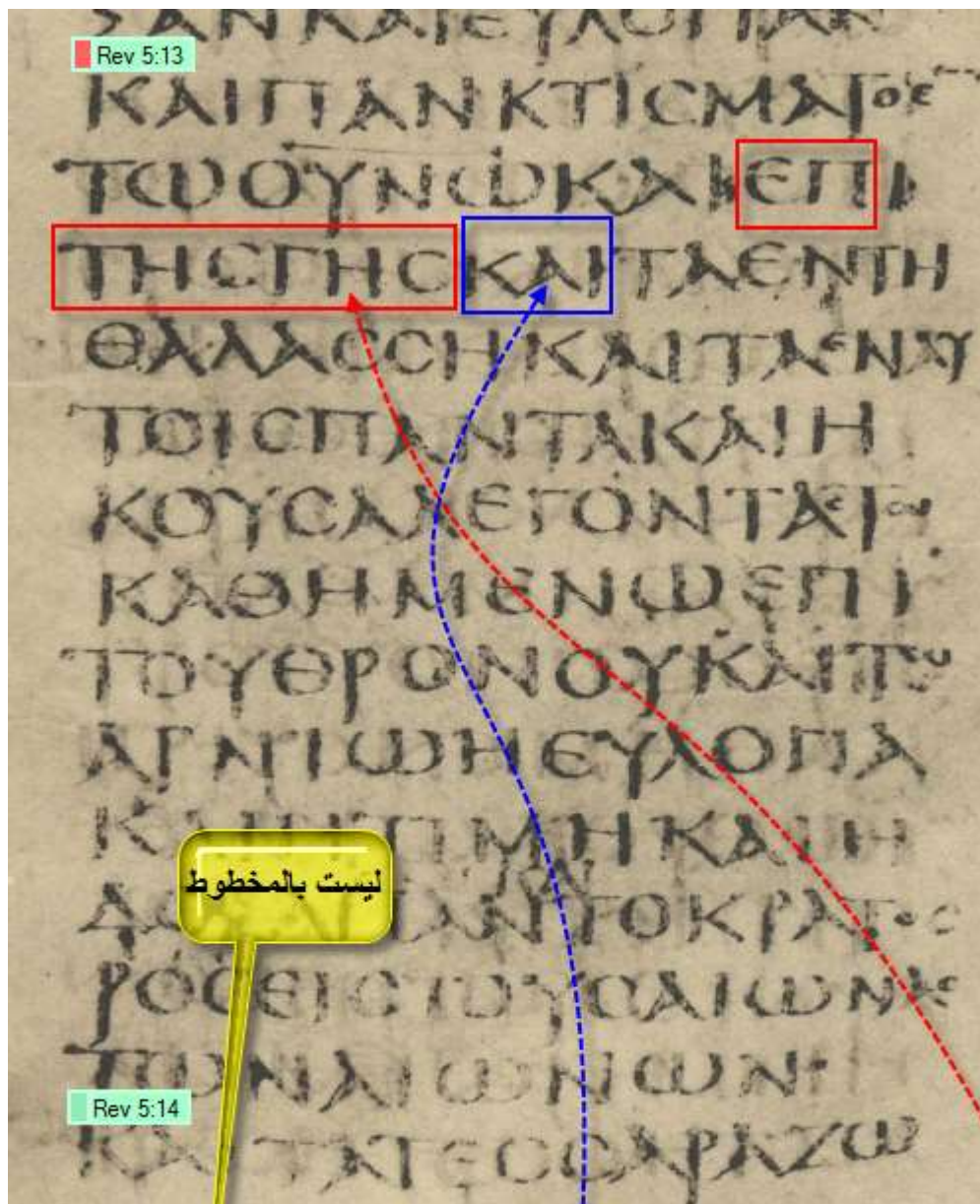
الأرض

ليست بالمخطوط

5:3 ΚΑΙ ΟΥΔΕΙΣ ΗΔΥΝΑΤΟ ΕΝ Τῷ ΟΥΡΑΝῳ ΟΥΔΕ ΕΠΙ ΤΗΣ ΓΗΣ
kai oudeis Edunato en to ourano oude epi tes ges
AND NOT-YET-ONE was-ABLE IN THE heaven NOT-YET ON OF-THE LAND
no-one nor-yet the earth

5:4 ΟΥΔΕ ΥΠΟΚΑΤῶ ΤΗΣ ΓΗΣ ΑΝΟΙΞΑΙ ΤΟ ΒΙΒΛΙΟΝ ΟΥΔΕ ΒΛΕΠΕΙΝ
oude hypokatō tes ges anoixai to biblion oude blepein
NOT-YET UNDER-DOWN OF-THE LAND TO-UP-OPEN THE SCROLLet NOT-YET TO-BE-looking
nor-yet underneath the earth to-open neither to-be-looking-at

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (وتحت الارض καὶ ὑποκάτω τῆς γῆς) السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>١٣ وَكُلُّ خَلِيقَةٍ مِمَّا فِي السَّمَاءِ وَعَلَى الْأَرْضِ وَتَحْتَ الْأَرْضِ، وَمَا عَلَى الْبَحْرِ، كُلُّ مَا فِيهَا، سَمِعْتُهَا قَائِلَةً: "لِلْجَالِسِ عَلَى الْعَرْشِ وَلِلْخُرُوفِ الْبَرَكَةِ وَالْكَرَامَةِ وَالْمَجْدُ وَالسُّلْطَانُ إِلَى أَبَدِ الْأَبَدِينَ"</p>	<p>وسمعت كل خليفة في السما والارض وفي البحر والكون كله تقول: ((للجالس على العرش وللحمل الحمد والإكرام والمجد والجبروت إلى أبد الدهور)).</p>	<p>13 And every created thing that is in heaven, and those that are on the earth, and in the sea, even those in them, all did I hear saying: To him that sits on the throne and to the Lamb be blessing, and honor, and glory, and might, from age to age.</p>	<p>M-01A Revelation 5:13 Καὶ παν κτισμα το εἰ τῶ ὈΥΝΩ και επι της γῆς και τα εν τη θαλασση και τα εν αυτοις παντα και ηκουσα λεγοντας Τῶ καθημενω επι του θρονου και τῶ αρνω η ευλογια και η τιμη και η δοξα παντοκρατορος εις τους αιωνας των αιωνων</p>	رؤى-5-13	13
<p>أضاف النساخ عبارة (وتحت الأرض) من أجل التأكيد على أن تمجيد وتعظيم يسوع قد تم بواسطة كل المخلوقات مما يصب في صالح ألوهيته (دعم ألوهية يسوع)</p>					<p>التعليق</p>	



Rev 5:14

5:13 ΚΑΙ ΠΑΝ ΚΤΙΣΜΑ Ο ΕΣΤΙΝ ΕΝ ΤΩ ΟΥΡΑΝΩ ΚΑΙ ΕΝ ΤΗ
 kai pan ktisma ho estin en to ourano kai en tē
 AND EVERY CREATURE WHICH IS IN THE heaven AND IN THE

الأرض وتحت الأرض و
 ΓΗ ΚΑΙ ΥΠΟΚΑΤΩ ΤΗΣ ΓΗΣ ΚΑΙ ΕΠΙ ΤΗΣ ΘΑΛΑΣΣΗΣ Α
 gē kai hypokatō tēs gēs kai epi tēs thalassēs ha
 LAND AND UNDER-DOWN OF-THE LAND AND ON OF-THE SEA WHICH
 earth underneath the earth AND the which(p)

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب: (غضبه της ὀργῆς αὐτοῦ) السينائية: تكتب بدلا منها: (غضبهما της ὀργῆς αὐτω̄)</p>	<p>١٧ لأنه قد جاء يوم غضبه العظيم. ومن يستطيع الوقوف؟"</p>	<p>جاء يوم غضبهما العظيم، فمن يقوى على الثبات؟</p>	<p>17 for the great day of their wrath has come, and who is able to stand?</p>	<p>M-01A Revelation 6:17 ὅτι ἦλθεν ἡ ἡμέρα ἡ μεγάλη τῆς ὀργῆς αὐτω̄ καὶ τὶς δύναται σταθῆναι</p>	<p>رؤ-6-17</p>	<p>14</p>
<p>قام النساخ بتغيير النص من (غضبهما) إلى (غضبه) لسببين :</p> <ul style="list-style-type: none"> - نسبة يوم الغضب للخروف يثبت المجيء الثاني ليسوع - لفظة (غضبهما) تجعل الجالس على العرش والخروف المذكورين في العدد السابق تجعلهما شخصان مما يعني أن لدينا إلهان , فكان لابد من تغييرها لتجنب مشكلة الشرك <p>(علاج مشكلة الشرك) (إثبات المجيء الثاني)</p>					<p>التعليق</p>	

Rev 6:17

ΓΙΝΗΤΗ ΕΟΡΤΗ ΤΗΣ
ΑΡΝΙΟΥ. ΟΤΙ ΗΛΘΕΝ
Η ΗΜΕΡΑ Η ΜΕΤΑ
ΑΥΤΟΥ ΚΑΙ
ΤΗΣ ΟΡΓΗΣ

6:17 OTI HΛΘEN H HMEPA H MEGALH THC ORGHC AYTOY KAI
hoti Ethen hE hEmera hE megalE tEs orgEs autou kai
that CAME THE DAY THE GREAT OF-THE INDIGNATION OF-Him AND

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
15	رو7:5-8	M-01A Revelation 7:5_8 Εκ φυλης Ιουδα δωδεκα χιλιαδες εσφραγισμενοι εκ φυλης Ρουβην δωδεκα χιλιαδες εκ φυλης Ασηρ δωδεκα χιλιαδες εκ φυλης Νεφθαλι δωδεκα χιλιαδες εκ φυλης Μανασση δωδεκα χιλιαδε εκ φυλης Λευει δωδεκα χειλιαδες εκ φυλης Ισσαχαρ δωδεκα χιλιαδες εκ φυλης Ζαβουλω̄ δωδεκα χιλιαδες εκ φυλης Βενιαμῑ δωδεκα χειλιαδες εκ φυλης Ιωσηφ δωδεκα χειλιαδες εσφραγισμενοι	5 of the tribe of Judah twelve thousand were sealed; of the tribe of Reuben twelve thousand: of the tribe of Gad twelve thousand: 6 of the tribe of Asher twelve thousand; of the tribe of Naphtali twelve thousand; of the tribe of Manasseh twelve thousand; 7 of the tribe of Simeon twelve thousand; of the tribe of Levi twelve thousand; of the tribe of Issachar twelve thousand; 8 of the tribe of Zebulun twelve thousand; of the tribe of Joseph twelve thousand; of the tribe of Benjamin twelve thousand were sealed.	هَمِنْ سِبْطِ يَهُودَا اثْنَا عَشَرَ عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ رَأُوبِينِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ جَادَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ أَشِيرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ نَفْتَالِيِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ مَنَسَّى اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ شَمْعُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ لَأُويِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ يَسَّاكَرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ زَبُولُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ يُوْسُفَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ. مِنْ سِبْطِ بَنِيَامِينَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ.	هَمِنْ سِبْطِ يَهُودَا اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ رَأُوبِينِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ جَادَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ أَشِيرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ نَفْتَالِيِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ مَنَسَّى اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ شَمْعُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ لَأُويِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ لَأُويِ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ يَسَّاكَرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ زَبُولُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ يُوْسُفَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ بَنِيَامِينَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَحْتُومٍ.	وجه الاختلاف النسخة العربية: تكتب لفظة : (مختوم εσφραγισμένοι) تكتبها 12 مرة في الأعداد من 5-7 إلى 8-7 السينائية: تكتب اللفظة مرتان فقط الأولى في النص رقم 5 مع سبط يهوذا والثانية في النص رقم 8 مع سبط بنيامين
						أضاف النساخ لفظة (مختوم) عشر مرات إضافية لأنهم لاحظوا أن المؤلف ألحق الخلاص (الختم) بسبطين فقط وهما يهوذا وبنيامين، فكان لابد من إلحاق الخلاص بباقي الأسباط وتدارك الأمر (جعل الأمور أكثر منطقية)

التعليق

ΝΟΙ ΕΚ ΤΩΝ ΤΩΝ
ΛΗΘΥΙΩΝ ΝΙΣΛΕΚ
ΦΥΛΗΣ ΤΟΥ ΔΑΜΩ
ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ ΕΚ
ΦΥΛΗΣ ΡΟΥΒΗΝΑ
ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΦΥΛΗΣ ΑΣΗΡΑΩΝ
ΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΝΕΦΘΑ
ΛΙΩ ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ

Rev 7:5

Rev 7:6

ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΜΑΝΑΣΣΗ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΛΕΥΕΙ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΕΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΙΣΣΑΧΑΡ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΖΑΒΟΥΛΩΝ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΒΕΝΙΑΜΙ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΕΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΙΩΣΑΦΑ
ΔΩ ΔΕΚΑΧΕΙΛΙΑΚΕΣ
ΕΣ ΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ
ΜΕΤΑ ΤΑΥΤΑ ΔΟΝΚΑ

Rev 7:7

Rev 7:8

Rev 7:9

7:5	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΙΟΥΔΑ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΡΟΥΒΗΝ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ
	ek phulEs iouda	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs roubEn	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs
	OUT OF-tribe JUDA	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe REUBEN	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe
		of-Judah	ones-having-been-sealed	of-Reuben		ones-having-been-sealed	
مختوم							
	ΓΑΔ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ				
	gad	ib chiliades	esphragismenoi				
	GAD	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED				
		of-Gad	ones-having-been-sealed				
7:6	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΑΣΗΡ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΝΕΦΘΑΛΕΙΜ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ
	ek phulEs asEr	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs nephthaleim	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs
	OUT OF-tribe ASER	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe NEPHTHALIM	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe
		of-Asher	ones-having-been-sealed	of-Nephthaim		ones-having-been-sealed	
	ΜΑΝΑΣΣΗ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ				
	manassE	ib chiliades	esphragismenoi				
	MANASSEH	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED				
		of-Manasseh	ones-having-been-sealed				
7:7	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΣΥΜΕΩΝ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΛΕΥΙ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ
	ek phulEs sumeOn	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs leui	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs
	OUT OF-tribe SIMEON	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe LEVI	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe
		of-Simeon	ones-having-been-sealed	of-Levi		ones-having-been-sealed	
	ΙΣΑΧΑΡ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ				
	isachar	ib chiliades	esphragismenoi				
	ISSACHAR	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED				
			ones-having-been-sealed				
7:8	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΖΑΒΟΥΛΩΝ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ ΦΥΛΗΣ ΙΩΣΗΦ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ
	ek phulEs zaboulOn	ib chiliades	esphragismenoi	ek phulEs iOsEph	ib chiliades	esphragismenoi	ek
	OUT OF-tribe ZABULON	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT OF-tribe JOSEPH	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT
		of-Zebulon	ones-having-been-sealed	of-Joseph		ones-having-been-sealed	
	ΦΥΛΗΣ ΒΕΝΙΑΜΙΝ	ΙΒ ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ				
	phulEs beniamin	ib chiliades	esphragismenoi				
	OF-tribe BENJAMIN	12 THOUSANDS	HAVING-been-SEALED				
		of-Benjamin	ones-having-been-sealed				

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	٧ مِنْ سِبْطِ شَمْعُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ لَأَوِي اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ يَسَّاكَرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ	٧ مِنْ سِبْطِ لَأَوِي اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ. مِنْ سِبْطِ يَسَّاكَرَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ	7 of the tribe of Levi twelve thousand; of the tribe of Issachar twelve thousand;	M-01A Revelation 7:7 εκ φυλης Λευει δωδεκα χειλιαδες εκ φυλης Ισσαχαρ δωδεκα χιλιαδες	رؤ 7:7	16
النسخة العربية: تضيف عبارة: (من سِبْطِ شَمْعُونَ اثْنَا عَشَرَ أَلْفَ مَخْتُومٍ εκ φυλης Συμεών ιβ χιλιαδες εσφραγισμένοι) السينائية: العبارة غير موجودة						
	أضاف النساخ عبارة (من سبب شمعون اثنا عشر ألف مختوم) لأنهم لاحظوا أن المؤلف ذكر 11 سبب فقط ونسى سبب شمعون (تصحيح أخطاء المؤلف)				التعليق	

Rev 7:7
Rev 7:8

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

من سبب شمعون اثنا عشر ألف مختوم

7:7	ΕΚ	ΦΥΛΗΣ	ΣΥΜΕΩΝ	ΙΒ	ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ	ΦΥΛΗΣ	ΙΣΑΧΑΡ	ΙΒ
	ek	phulEs	sumeOn	ib	chiliades	esphragismenoi	ek	phulEs	isachar	ib
	OUT	OF-tribe	SIMEON	12	THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT	OF-tribe	ISSACHAR	12
			of-Simeon			ones-having-been-sealed				

ΛΕΥΙ	ΙΒ	ΧΙΛΙΑΔΕΣ	ΕΣΦΡΑΓΙΣΜΕΝΟΙ	ΕΚ	ΦΥΛΗΣ	ΙΣΑΧΑΡ	ΙΒ
levi	ib	chiliades	esphragismenoi	ek	phulEs	isachar	ib
LEVI	12	THOUSANDS	HAVING-been-SEALED	OUT	OF-tribe	ISSACHAR	12
of-Levi			ones-having-been-sealed				

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م	
	10 وَهُمْ يَصْرُخُونَ بِصَوْتٍ عَظِيمٍ قَائِلِينَ: "الْخَلَّاصُ لِإِلَهِنَا الْجَالِسِ عَلَى الْعَرْشِ وَلِلْحَمْلِ إِلَى أَبَدِ الْأَبَدِينَ آمِينَ!".	وهم يصيحون بصوت عظيم: ((النصر لإلهنا الجالس على العرش وللحمل إلى أبد الأبدين آمين!)).	10 and they cry with a loud voice, saying: Salvation to our God who sits on the throne, and to the Lamb into the ages of the ages, amen"	M-01A Revelation 7:10 και κραζουσιν φωνη μεγαλη λεγοντες Η σωτηρια τω ΘΩ ημων επι τω θρονω και τω αρνω εις τους αιωνας των αιωνων αμη	رؤى: 7: 10	17	
	النسخة العربية: ليست فيها الإضافة السينائية: تضيف عبارة: (إلى أبد الأبدين آمين εις τους αιωνας των αιωνων αμη)						
	ربما يكون سبب حذف النساخ للمقطع هو خطأ بصري من نوعية homoeoteleuton سببه النهايات المتشابهة فوقعت عين النساخ على العدد التالي لهذا العدد وهو (10 - 12) والذي ينتهي بنفس النهاية , وهذا الخطأ شديد الخطورة لأنه انتشر في جميع المخطوطات مما ي (عندما تكون خطورة الخطأ العفوي كالتغيير المتعمد)						التعليق

Rev 7:10

ΚΑΙ ΚΡΑΖΟΥΣΙΝ ΦΩΝΗ ΜΕΓΑΛΗ ΛΕΓΟΝΤΕΣ Η ΣΩΤΗΡΙΑ ΤΩ ΘΕΩ ΗΜΩΝ ΤΩ ΚΑΘΗΜΕΝΩ ΕΠΙ ΤΟΥ ΘΡΟΝΟΥ ΚΑΙ ΤΩ ΑΡΝΙΩ ΕΙΣ ΤΟΥΣ ΑΙΩΝΑΣ ΤΩΝ ΑΙΩΝΩΝ ΑΜΗΝ

إلى أبد الأبدين آمين

Rev 7:11

ΚΑΙ ΠΑΝΤΕΣ ΟΙ ΑΓΓΕΛΟΙ ΕΣΤΗΚΕΣΑΝ ΚΥΚΛΩ ΤΟΥ ΘΡΟΝΟΥ

7:10 και κραζοντες φωνη μεγαλη λεγοντες η σωτηρια τω θεω ημων τω καθημενω επι του θρονου και τω αρνω εις τους αιωνας των αιωνων αμη

AND CRYING to-SOUND GREAT saying THE SAVING to-THE salvation

7:11 και παντες οι αγγελοι εστηκεσαν κυκλω του θρονου

AND ALL THE MESSENGERS HAD-STOOD stood around the

وللخروف

وجميع

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: (فتح بئر الهاوية καὶ ἤνοιξεν τὸ φρέαρ τῆς ἀβύσσου)</p> <p>السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>فَفَتَحَ بَيْرَ الْهَائِيَّةِ، فَصَعَدَ دُخَانٌ مِنَ الْبَيْرِ كَدُخَانِ أَثُونٍ عَظِيمٍ،</p>	<p>فتصاعد منها دخان كأنه دخان أتون عظيم،</p>	<p>2 and there arose out of the pit a smoke as the smoke of a great furnace,</p>	<p>M-01A Revelation 9:2 και ανεβη καπνος επι του φρεατος ως καμινος καμινου μεγαλης και εσκοτισθη ο ηλιος και ο αηρ εκ του καπνου</p>	<p>رؤ9: 2</p>	19
<p>أضاف النساخ عبارة (فتح بئر الهاوية) لأنهم رأوا أنه من غير المنطقي أن يخرج دخان عظيم من البئر قبل فتحه (جعل النص أكثر منطقيًا)</p>					<p>التعليق</p>	

Rev 9:1
 ΚΑΙ Ο ΠΕΜΠΤΟΣ ΑΓΓΕΛΟΣ
 ΕΣΑΛΠΙΣΕΝ ΚΑΙ ΕΙΔΟΝ ΑΣΤΕΡΑ
 ΕΚ ΤΟΥ ΟΥΡΑΝΟΥ ΠΕΠΤΩΚΟΤΑ
 ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΗΝ ΚΑΙ ΕΔΟΘΗ ΑΥΤΩ
 Η ΚΛΕΙΣ ΤΟΥ ΦΡΕΑΤΟΣ
 ΤΗΣ ΑΒΥΣΣΟΥ

Rev 9:2
 ΤΗΣ ΑΒΥΣΣΟΥ ΚΑΙ
 ΑΝΕΒΗ ΚΑΠΝΟΣ ΕΚ
 ΤΟΥ ΦΡΕΑΤΟΣ ΩΣ
 ΚΑΠΝΟΣ ΚΑΜΙΝΗΣ
 ΜΕΓΑΛΗΣ ΚΑΙ ΕΣΚΟ
 ΤΙΘΗΝΟΝ ΗΛΙΟΣ ΚΑΙ
 Ο ΑΝΡΕΚΤΟΣ ΚΑΙ ΤΟ

Rev 9:3

9:1 ΚΑΙ Ο ΠΕΜΠΤΟΣ ΑΓΓΕΛΟΣ ΕΣΑΛΠΙΣΕΝ ΚΑΙ ΕΙΔΟΝ ΑΣΤΕΡΑ
 kai ho pemptos aggelos esalpsisen kai eidon astera
 AND I-SENDER TRUMPETS AND I-PERCEIVED GLEAMer star

المظلل ليس بالمخطوط

ΕΚ ΤΟΥ ΟΥΡΑΝΟΥ ΠΕΠΤΩΚΟΤΑ ΕΙΣ ΤΗΝ ΓΗΝ ΚΑΙ ΕΔΟΘΗ ΑΥΤΩ
 ek tou ouranou peptokota eis ten gēn kai edothē autō
 OUT OF-THE heaven HAVING-FALLEN INTO THE LAND AND WAS-GIVEN to-SAME to-him

الهواية

Η ΚΛΕΙΣ ΤΟΥ ΦΡΕΑΤΟΣ ΤΗΣ ΑΒΥΣΣΟΥ
 hē kleis tou phreatos tēs abussou
 THE LOCKer OF-THE WELL OF-THE abyss

ففتح بئر الهواية

9:2 ΚΑΙ ΗΝΟΙΣΕΝ ΤΟ ΦΡΕΑΡ ΤΗΣ ΑΒΥΣΣΟΥ ΚΑΙ ΑΝΕΒΗ ΚΑΠΝΟΣ
 kai enoixen to phrear tēs abussou kai anebē kapnos
 AND he-UP-OPENS THE WELL OF-THE abyss AND UP-STEPPEd smoke fumes

فصعد

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: ليس بها الإضافة السينائية: تضيف لفظة: (اليمنى <i>την δεξιαν</i>)	هو الملاك الذي رأيته واقفاً على البحر وعلى الأرض، رفع يده إلى السماء	والملاك الذي رأيته قائماً على البحر والبر رفع يده اليمنى نحو السماء	5 And the angel that I saw standing on the sea and on the earth, lifted up his right hand to heaven.	M-01A Revelation 10:5 Και ο αγγελος ον ειδον εστωτα επι της θαλασσης και επι της γης ηρεν την χειρα αυτου την δεξιαν εις τον ουρανον	رؤيا 10:5	20
قام النساخ بحذف لفظة (اليمنى) لأن المؤلف استعمل كثيراً هذا المصطلح (يده اليمنى) في حق الإله يسوع مثل الرؤيا 1: 16, 17, 20 فأراد النساخ أن يميزوا بين الإله وبين الملاك (تمييز يسوع عن الباقيين)					التعليق	

Rev 10:5

ΤΗΝ ΔΕΞΙΑΝ
اليمنى

Rev 10:6

10:5	ΚΑΙ	Ο	ΑΓΓΕΛΟΣ	ΟΝ	ΕΙΔΟΝ	ΕΣΤΩΤΑ	ΕΠΙ	ΤΗΣ	ΘΑΛΑΣΣΗΣ
	kai	ho	aggelos	hon	eidon	hestota	epi	tēs	thallasēs
	AND	THE	MESSENGER	WHOM	I-PERCEIVED	HAVING-STOOD	ON	OF-THE	SEA
					standing		the		
	ΚΑΙ	ΕΠΙ	ΤΗΣ	ΓΗΣ	ΗΡΕΝ	ΤΗΝ	ΧΕΙΡΑ	ΑΥΤΟΥ	ΕΙΣ
	kai	epi	tēs	gēs	Eren	tēn	cheira	autou	eis
	AND	ON	OF-THE	LAND	LIFTS	THE	HAND	OF-him	INTO
		the							THE
									TON
									OURANON
									THE
									HEAVEN

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (والبحر وما فيه καὶ τὴν θάλασσαν καὶ τὰ ἐν αὐτῇ) السينائية: العبارة غير موجودة	وَأَقْسَمَ بِالْحَيِّ إِلَىٰ أَبَدِ الْأَبَدِينَ، الَّذِي خَلَقَ السَّمَاءَ وَمَا فِيهَا وَالْأَرْضَ وَمَا فِيهَا وَالْبَحْرَ وَمَا فِيهِ: أَنْ لَا يَكُونَ زَمَانٌ بَعْدُ!	وأقسم بالحي أبد الدهور، الذي خلق السما وما فيها والبر وما فيه ، أنه لا مهلة بعد الآن	6 and swore by him that lives from age to age, who created the heaven and the things that are in it, and the earth and the things that are in it, that time should no longer be,	M-01A Revelation 10:6 καὶ ὠμοσε̅ τῷ ζῶντι εἰς τοὺς αἰῶνας τῶν αἰῶνῶ̅ ὅς ἐκτισεν τὸν Οὐρανὸν καὶ τὰ ἐν αὐτῷ καὶ τὴν γῆν καὶ τὰ ἐν αὐτῇ ὅτι χρόνος οὐκετι ἐστὶν	رؤ 10:6	21
أضاف النساخ عبارة (والبحر وما فيه) لأنهم أرادوا التأكيد على المعنى الذي أراد المؤلف توصيله ألا وهو أن الحي إلى الابد هو خالق لكل شئ بما في ذلك البحر وما فيه (دعم الطرم الذي يقدمه المؤلف)					التعليق	

Rev 10:6

Rev 10:7

10:6 KAI ŌMOSEN EN TŌ ZŌNTI EIC TOYC AIŌNAC TŌN
kai Omosen en tō zōnti eis tous aiōnas tōn
AND SWEARS IN THE one-LIVING INTO THE eons OF-THE

AIŌNŌN OC EKTICEN TON OYRANON KAI TA EN AYTO KAI THN
aiōnōn hos ektisen ton ouranon kai ta en autō kai tēn
eons WHO CREATES THE heaven AND THE IN it AND THE

ΓΗΝ ΚΑΙ ΤΑ ΕΝ ΑΥΤΗ ΚΑΙ ΤΗΝ ΘΑΛΑΣΣΑΝ ΚΑΙ ΤΑ ΕΝ ΑΥΤΗ ΟΤΙ
gEn kai ta en autē kai tēn thalassan kai ta en autē hoti
LAND AND THE IN her AND THE SEA AND THE IN her that

ΧΡΟΝΟΣ ΟΥΚ ΕΣΤΙ ΕΤΙ

ليست بالمخطوط

وما فيها

والبحر وما فيه

ان

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب: (فقال لي لي) (λέγει μοι)	فقالوا لي: ((يجب أن تتنبأ ثانية على كثير من الشعوب والأمم والألسنة والملوك))	11 And they say to me: Thou must again prophesy against many peoples and nations and tongues and kings.	M-01A Revelation 10:11 Και λεγουσιν μοι Δι σε παλιν προφητευσαι επι λαοις και εθνεσιν και γλωσσαις και βασιλευσιν πολλοις	رؤ 10:11	22
	السينائية: تكتب بدلا منها: (فقالوا لي لي) (λεγουσιν μοι)				التعليق	
قام النساخ بتغيير الكلمة من (فقالوا لي) إلى (فقال لي) لأنهم لاحظوا أن صيغة الجمع خاطئة لأن المذكور في النص السابق مباشرة (10-10) هو ملاك واحد فكيف يكتب المؤلف (فقالوا)؟! (علام المشكلات)						

فقال لي	كΑΙ	ΛΕΓΕΙ	ΜΟΙ	ΔΕΙ	ΣΕ	ΠΑΛΙΝ	ΠΡΟΦΗΤΕΥΣΑΙ	ΕΠΙ	ΛΑΟΙΣ
0:11	kai	legei	moi	dei	se	palin	prophEteusai	epi	laois
	AND	he-IS-sayING	to-ME	IS-BINDING	YOU	AGAIN	TO-BEFORE-AVER	ON	PEOPLES
				must			to-prophesy		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف عبارة: (والذي يأتي καὶ ὁ ἐρχόμενος) السينائية: العبارة غير موجودة	17 قائلين: "نشكرك أيها الربُّ الإلهُ القادرُ على كُلِّ شيءٍ، الكائنُ والذي كانَ والذي يأتي، لأنك أخذتَ قُدْرَتَكَ العَظِيمَةَ وَمَلَكْتَ	وقالوا: ((نشكرك أيها الرب الإله القدير الذي هو كائن وكان، لأنك أظهرت جبروتك وملكت.	17 saying: We give thee thanks. Lord God, the Almighty who art and who wast, because thou hast taken thy great power and hast reigned;	M-01A Revelation 11:17 λεγοντες Ευχαριστομεν σοι ΚΣ ο ΘΣ παντοκρατωρ ο ων και ο ην και οτι ειληφας τη δυναμιν σου την μεγαλην και εβασιλευσας	روا 11:17	23
أضاف النساخ عبارة (والذي يأتي) لأن المؤلف أثبت وجود الإله في الماضي والحاضر ونسى أن يثبت وجوده في المستقبل (تصحيح أخطاء المؤلف)					التعليق	

Rev 11:17

Rev 11:18

ليست بالمخطوط

11:17	ΛΕΓΟΝΤΕΣ	ΕΥΧΑΡΙΣΤΟΥΜΕΝ	COI	ΚΥΡΙΕ	Ο	ΘΕΟΣ	Ο
	legontes	eucharistoumen	soi	kurie	ho	theos	ho
	sayllg	WE-ARE-thankng	to-YOU	Master!	THE	God	THE
			you	Lord!			
	ΠΑΝΤΟΚΡΑΤΩΡ	Ο	ΩΝ	ΚΑΙ	Ο	ΗΝ	ΚΑΙ
	pantokratOr	ho	On	kai	ho	En	kai
	ALL-HO Der	THE	BEING	AND	THE	WAS	AND
	Almighty	the-one	one-being	the-one	he-was	the-one	one-coming
	ΟΤΙ	ΕΙΛΗΦΑΣ	ΤΗΝ ΔΥΝΑΜΙΝ	COY	ΤΗΝ	ΜΕΓΑΛΗΝ	ΚΑΙ
	hoti	eilEphas	tEn dunamin	sou	tEn megalEn	kai	
	that	YOU-HAVE-GOTTEN	THE ABILITY	OF-YOU	THE GREAT	AND	
		you-have-taken	power				

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تكتب: (يسوع المسيح του Ἰησοῦ Χριστοῦ.)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (الله ΘΥ του)</p>	<p>١٧ فَعَضِبَ التَّيْنُ عَلَى الْمَرْأَةِ، وَذَهَبَ لِيَصْنَعَ حَرْبًا مَعَ بَاقِي نَسْلِهَا الَّذِينَ يَحْفَظُونَ وَصَايَا اللَّهِ، وَ عِنْدَهُمْ شَهَادَةُ يَسُوعَ الْمَسِيحِ</p>	<p>فغضب التنين على المرأة وذهب يقاتل باقي نسلها الذين يعملون بوصايا الله وعندهم شهادة الله</p>	<p>17 And the dragon was angry with the woman, and went away to make war with the rest of her children, that keep the commandments of God, and that hold the testimony of God.</p>	<p>M-01A Revelation 12:17 Και ωργισθη ο δρακων επι τη γυναικι και απηλθε πολειον ποιησαι μετα των επιλοιπων του σπερματος αυτης των τηρουντων τας εντολας του ΘΥ και εχοντων την μαρτυριαν του ΘΥ</p>	رؤ 12: 17	24
<p>قام النساخ بتغيير النص من (شهادة الله) إلى (شهادة يسوع) لإيجاد دور ليسوع في حماية نسل المرأة من غضب التنين , فنسل المرأة معه شيان (1) وصايا الله (2) شهادة يسوع وهذان الشيطان هما وسيلة نسل المرأة في مواجهة غضب التنين (تحسين صورة يسوع)</p>					<p>التعليق</p>	

METAXW NEIPIKI
 PWN TOYCTEPMA
 TOSAYTHCTWNTI
 POUNTONTACEH
 TOLACTOYOKAI
 XONTUNTHNMAP
 TYPIAN TOYOKAI
 CTADHEPIITHNI

الله

Rev 13:1

12:17 KAI WPHICQH O ΔΡΑΚΩΝ ΕΠΙ ΤΗ ΓΥΝΑΙΚΙ ΚΑΙ ΑΠΗΛΘΕΝ
 kai OrgisthE ho drakOn epi tE gunaiki kai apEitHen
 AND IS-INDIGNANT THE DRAGON ON THE WOMAN AND FROM-CAME
 is-angry came-away

ΠΟΙΗΣΑΙ ΠΟΛΕΜΟΝ ΜΕΤΑ ΤΩΝ ΛΟΙΠΩΝ ΤΟΥ ΣΠΕΡΜΑΤΟΣ ΑΥΤΗΣ
 poiEsai polemon meta tOn loipOn tou spermatos autEs
 TO-DO BATTLE WITH THE rest OF-THE seed OF-her

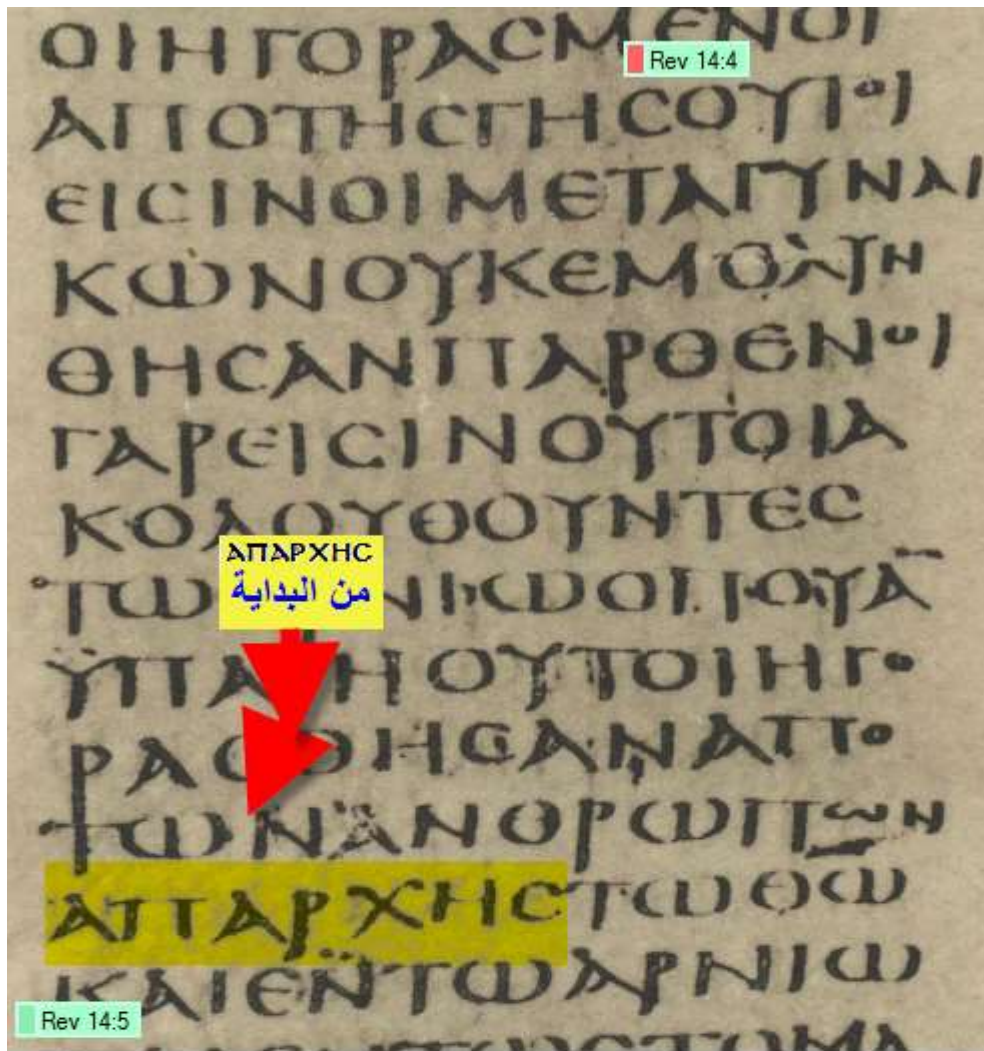
ΤΩΝ ΤΗΡΟΥΝΤΩΝ ΤΑΣ ΕΝΤΟΛΑΣ ΤΟΥ ΘΕΟΥ ΚΑΙ ΕΧΟΝΤΩΝ ΤΗΝ
 tOn tErountOn tas entolas tou theou kai echontOn tEn
 OF-THE ones-KEEPING THE directions OF-THE God AND HAVING THE
 the ones-keeping precepts ones-having

شهادة يسوع المسيح
 ΜΑΡΤΥΡΙΑΝ ΤΟΥ ΙΗΣΟΥ ΧΡΙΣΤΟΥ
 marturian tou iEsou christou
 witness OF-THE JESUS ANOINTED
 testimony Christ

ليست بالمخطوط

13:1 KAI ΕΣΤΑΘΗΝ ΕΠΙ ΤΗΝ ΑΜΜΟΝ ΤΗΣ ΘΑΛΑΣΣΗΣ ΚΑΙ ΕΙΔΟΝ
 kai estathEn epi tEn ammon tEs thalassEs kai eidon
 AND I-WAS-STOOD ON THE SAND OF-THE SEA AND I-PERCEIVED
 I-was-standing

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
25	رؤ 14: 4	M-01A Revelation 14:4 Ουτοι εισιν οι μετα γυναικων ουκ εμολυνθησαν παρθενοι γαρ εισιν Ουτοι ακολουθουντες τω αρνω οπου α-υπαγη Ουτοι ηγορασθησαν απο των ανθρωπων απ αρχης τω ΘΩ και εν τω αρνω	4 These are they that were not defiled with women; for they are virgins; these are they that follow the Lamb wherever he goes; these were redeemed from among men, from the beginning to God and to the Lamb.	هؤلاء هم الذين ما تدنسوا بالنساء، فهم أبكار. هؤلاء هم الذين يتبعون الحمل أينما سار، والذين تم افتداؤهم من بين البشر من البداية لله والحمل	هؤلاء هم الذين لم يتنجسوا مع النساء لأنهم أطهار. هؤلاء هم الذين يتبعون الحروف حينما ذهب. هؤلاء اشتروا من بين الناس باكورة لله وللحروف	<p>النسخة العربية: تكتب لفظة: (باكورة ἀπαρχή)</p> <p>السينائية: تكتب بدلا منها: (من البداية απ αρχης)</p>
		<p>قام النساخ بتغيير النص من (من البداية) إلى (باكورة) لعدة أسباب :-</p> <ul style="list-style-type: none"> - أنهم لم يستوعبوا كيف تم اشتراء القديسين واختيارهم منذ البداية قبل أن يتم خلقهم اصلا، - خوفا من فكرة القضاء والقدر - وصف القديسين بأنهم هم الباكورة يهدف إلى إلغاء الذبائح في العهد القديم، فالإله كان يأخذ الباكورة من الحيوانات كذبيحة، فتم استبدال هذا الطقس بباكورة القديسين 			التعليق	



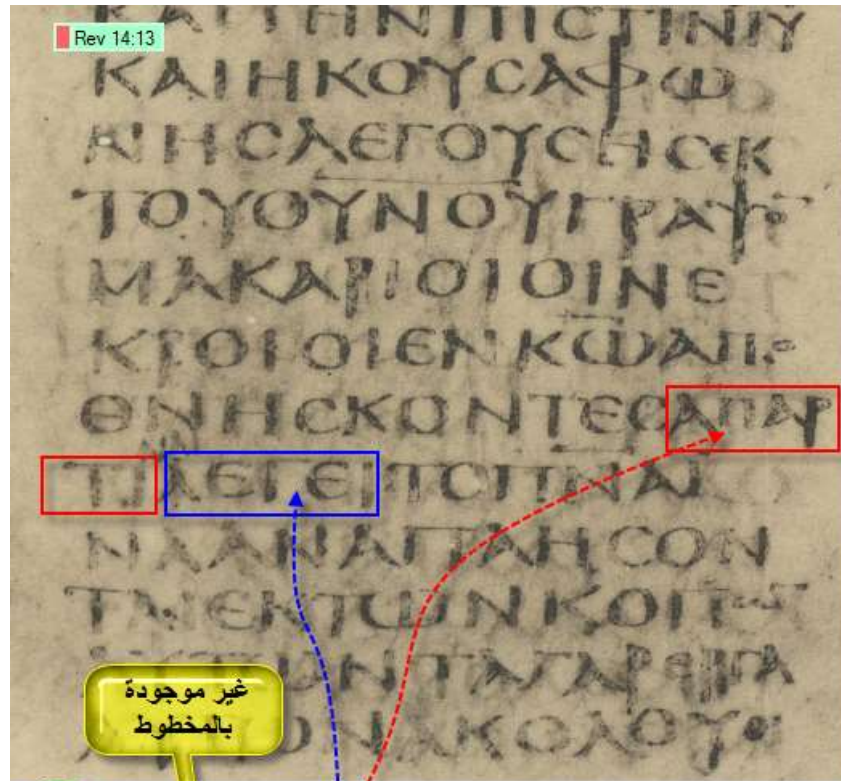
14:4 ΟΥΤΟΙ ΕΙΣΙΝ ΟΙ ΜΕΤΑ ΓΥΝΑΙΚΩΝ ΟΥΚ ΕΜΟΛΥΝΘΗΣΑΝ
 houtoi eisin hoi meta gunaikOn ouk emolunthEsan
 these ARE WHO WITH WOMEN NOT WERE-POLLUTED

ΠΑΡΘΕΝΟΙ ΓΑΡ ΕΙΣΙΝ ΟΥΤΟΙ ΕΙΣΙΝ ΟΙ ΑΚΟΛΟΥΘΟΥΝΤΕΣ ΤΩ
 parthenoi gar eisin houtoi eisin hoi akolouthountes to
 virgins for THEY-ARE these ARE THE ones-followING to-THE
 celibates ones-following the

ΑΡΝΙΩ ΟΠΟΥ ΑΝ ΥΠΑΓΗ ΟΥΤΟΙ ΗΓΟΡΑΣΘΗΣΑΝ ΑΠΟ
 arniO hopou an hupagE houtoi EgorasthEsan apo
 LAMBkin THE-?-where EVER it-MAY-BE-UNDER-LEADING these ARE-BOUGHT FROM
 where^e it-may-be-going-away

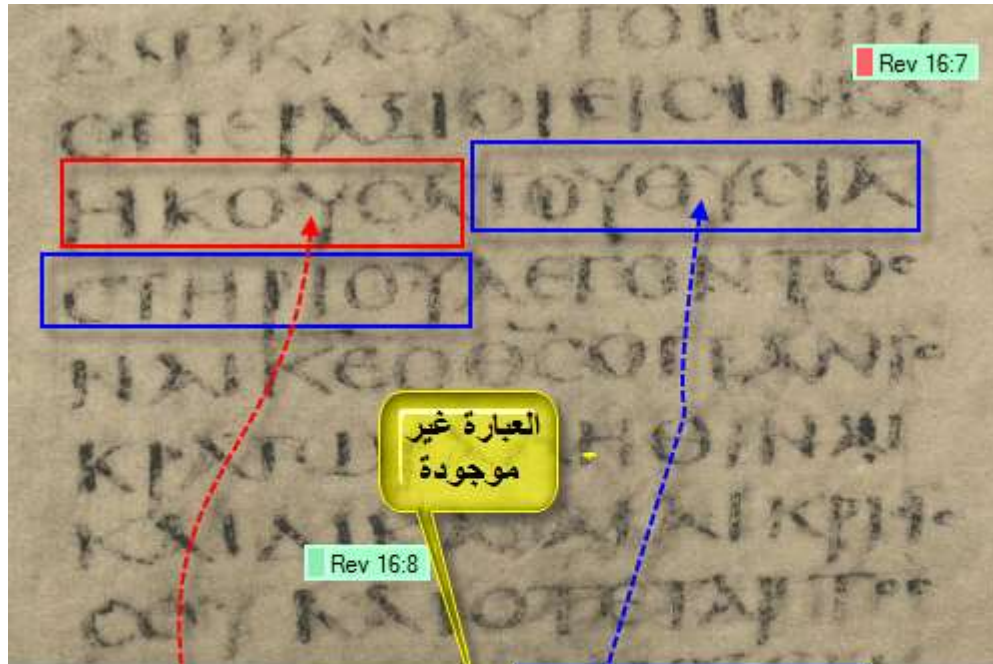
ΤΩΝ ΑΝΘΡΩΠΩΝ ΑΡΧΗΣ ΤΩ ΘΕΩ ΚΑΙ ΤΩ ΑΡΝΙΩ
 tOn anthrOpOn aparchE to theO kai to arniO
 THE humans first-fruit to-THE God AND to-THE LAMBkin
 firstfruit

م	رقم النص	نص السينائية باليوناني	نص السينائية بالإنجليزي	ترجمة نص السينائية بالعربي	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	وجه الاختلاف
26	رؤ 14: 13	M-01A Revelation 14:13 Καὶ ἤκουσα φωνῆς λεγουσῆς ἐκ τοῦ Οὐνοῦ Γραψο̅ Μακαριοι οά νεκροὶ οά ἐν ΚΩ̅ ἀποθνήσκοντες ἀπ ἀρτι λέγει τὸ ΠΙΝΑ̅ ἵνα ἀναπαύσονται ἐκ τῶν κοπω̅ αὐτῶν τὰ γὰρ ἔργα αὐτῶν ἀκολουθεῖ μετ αὐτῶν	13 And I heard a voice from heaven, saying: Write, Blessed are the dead that die in the Lord from this time. says the Spirit, that they may rest from their labors, and their works do follow them.	ثم سمعت صوتاً من السما يقول: ((اكتب: هنينا للأموات الذين يموتون منذ الآن في الرب!)) فيجيب الروح: ((فيستريحون من متاعهم، لأن أعمالهم تتبعهم))	١٣ وَسَمِعْتُ صَوْتًا مِنْ السَّمَاءِ قَائِلًا لِي: "اَكْتُبْ: طُوبَى لِلْأَمْوَاتِ الَّذِينَ يَمُوتُونَ فِي الرَّبِّ مِنْ الآن". "نَعَمْ" يَقُولُ الرُّوحُ: "لِكَيْ يَسْتَرِيحُوا مِنْ أَتْعَابِهِمْ، وَأَعْمَالُهُمْ تَتَّبَعُهُمْ".	النسخة العربية: تضيف لفظة: (نعم vaí) السينائية: اللفظة غير موجودة
<p>أضاف النساخ لفظة (نعم) حتى يثبتوا استجابة الروح للطلب الذي طلبه الصوت السماوي ألا وهو كتابة تطويب الأموات منذ الآن ويقصد بهم المسيحيون , وهذا يضمن الحياة الأبدية المريحة الطوباوية لهم بعد الموت (دعم عقيدة الحياة الأبدية)</p>						التعليق



14:13	ΚΑΙ	ΗΚΟΥΣΑ	ΦΩΝΗΣ	ΕΚ	ΤΟΥ	ΟΥΡΑΝΟΥ	ΛΕΓΟΥΣΗΣ	ΜΟΙ	
	kai	Ekousa	phOnEs	ek	tou	ouranou	legousEs	moi	
	AND	I-HEAR	SOUND	OUT	OF-THE	heaven	sayING	to-ME	
			voice						
	ΓΡΑΨΟΝ	ΜΑΚΑΡΙΟΙ	ΟΙ	ΝΕΚΡΟΙ	ΟΙ	ΕΝ	ΚΥΡΙΩ	ΑΠΟΘΝΗΣΚΟΝΤΕΣ	
	grapson	makarioi	hoi	nekroi	hoi	en	kuriO	apothnEskontes	
	WRITE	HAPPY-are	THE	DEAD	THE	IN	Master	FROM-DYING	
	write you!	happy-are		dead-ones	the-ones		Lord	dying	
	ΑΠΑΡΤΙ	ΝΑΙ	ΛΕΓΕΙ	ΤΟ	ΠΝΕΥΜΑ	ΙΝΑ	ΑΝΑΠΑΥΣΩΝΤΑΙ	ΕΚ	
	aparti	nai	legei	to	pneuma	hina	anapausOntai	ek	
	FROM-at-PRESENT	YEA	IS-sayING	THE	spirit	THAT	THEY-SHOULD-BE-UP-CEASING	OUT	
	from-now-on						they-should-be-resting		

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب: (آخر من <i>ἄλλου ἐκ</i>) السينائية: العبارة غير موجودة	وسمعت المذبح يقول: قائلاً	7 And I heard the altar	M-01A Revelation 16:7 Καὶ ἠκουσα τοῦ θυσιαστηρίου	رؤ 16:7	28
أضاف النساخ عبارة (آخر من) لاستغرابهم من أن يكون المتكلم هو المذبح! (جعل النص أكثر منطقية)					التعليق	



سمعت	آخر من	المذبح
16:7 KAI HKOYCA kai Ekousa AND I-HEAR	ἄλλου EK allou ek OF-other-one OUT another	TOY ΘΥΣΙΑΣΤΗΡΙΟΥ tou thusiastEriou OF-THE SACRIFICE-place altar
		ΛΕΓΟΝΤΟΣ ΝΑΙ legontos nai sayING YEA

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
<p>النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَرَأَيْتُ مِنْ فَمِ التَّيِّبِينَ، وَمِنْ فَمِ الْوَحْشِ، Καὶ εἶδον ἐκ τοῦ στόματος τοῦ δράκοντος καὶ ἐκ τοῦ στόματος τοῦ θηρίου)</p> <p>السينائية: العبارة غير موجودة</p>	<p>٣ وَرَأَيْتُ مِنْ فَمِ التَّيِّبِينَ، وَمِنْ فَمِ الْوَحْشِ، وَمِنْ فَمِ النَّبِيِّ الْكُذَّابِ، ثَلَاثَةَ أَرْوَاحٍ نَجِسَةٍ شَبِيهَةٍ ضَفَادِعَ،</p>	<p>ومن فم النبي الكذاب، ثلاثة أرواح نجسة شبيهة ضفادع</p>	<p>13 and out of the mouth of the false prophet saw three unclean spirits, like frogs .</p>	<p>M-01A Revelation 16:13 Καὶ εδοθη ἐκ τοῦ στόματος τοῦ ψευδοπροφητοῦ ΠΙΝἈΤΑ τρια ακαθαρτα ειωσει βατραχους</p>	رؤ 16 : 13	29
<p>أضاف النساخ عبارة (وَرَأَيْتُ مِنْ فَمِ التَّيِّبِينَ، وَمِنْ فَمِ الْوَحْشِ) لأنهم استغربوا أن تخرج ثلاثة أرواح من فم النبي الكاذب ورأوا أنه من الأفضل أن يكون المقصود هم الشخصيات الشريرة الثلاثة المذكورة في الإصحاحات السابقة (تمسكين النص)</p>					<p>التعليق</p>	

ΕΔΘΘΗ
 خرج

Rev 16:13

Rev 16:14

16:12 ΚΑΙ Ο ΕΚΤΟΣ ΑΓΓΕΛΟΣ ΕΞΕΧΕΕΝ ΤΗΝ ΦΙΑΛΗΝ ΑΥΤΟΥ ΕΠΙ
 kai ho hektos aggelos execheen tEn phialEn autou epi
 AND THE SIXth MESSENGER OUT-POURS THE BOWL OF-him ON
 pours-out

ΤΟΝ ΠΟΤΑΜΟΝ ΤΟΝ ΜΕΓΑΝ ΤΟΝ ΕΥΦΡΑΤΗΝ ΚΑΙ ΕΞΗΡΑΝΘΗ ΤΟ
 ton potamon ton megan ton euphratEn kai exEranthE to
 THE river THE GREAT THE EUHRATES AND IS-DRIED THE
 is-dried-up

ΥΔΩΡ ΑΥΤΟΥ ΙΝΑ ΕΤΟΙΜΑΣΘΗ Η ΟΔΟΣ ΤΩΝ ΒΑΣΙΛΕΩΝ
 hudOr autou hina hetoimasthE hE hodos tOn basileOn
 water OF-it THAT MAY-BE-BEING-made-READY THE WAY OF THE KINGS
 of_himIt

ΤΩΝ ΑΠΟ ΑΝΑΤΟΛΩΝ ΗΛΙΟΥ
 tOn apo anatolOn hEliou
 OF-THE FROM risings OF-SUN

الشمس
 الشمس

المظلل بالأصفر
 ليس بالمخطوط

16:13 ΚΑΙ ΕΙΔΟΝ ΕΚ ΤΟΥ ΣΤΟΜΑΤΟΣ ΤΟΥ ΔΡΑΚΟΝΤΟΣ ΚΑΙ ΕΚ
 kai eidon ek tou stomatos tou drakontos kai ek
 AND I-PERCEIVED OUT OF-THE MOUTH OF-THE DRAGON AND OUT

ورأيت من فم التنين ومن فم الوحش
 ومن فم

ΤΟΥ ΣΤΟΜΑΤΟΣ ΤΟΥ ΘΗΡΙΟΥ ΚΑΙ ΕΚ ΤΟΥ ΣΤΟΜΑΤΟΣ ΤΟΥ
 tou stomatos tou thEriou kai ek tou stomatos tou
 OF-THE MOUTH OF-THE WILD-BEAST AND OUT OF-THE MOUTH OF-THE

ΨΕΥΔΟΠΡΟΦΗΤΟΥ ΠΝΕΥΜΑΤΑ ΤΡΙΑ ΑΚΑΘΑΡΤΑ ΟΜΟΙΑ ΒΑΤΡΑΧΟΙΣ
 pseudoprophEtou pneumata tria akatharta homois batrachois

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (العالم و τῆς γῆς και) السينائية: اللفظة غير موجودة	٤ ۱ فَأَتَتْهُمُ أَرْوَاحُ شَيْطَانِينَ صَانِعَةٌ آيَاتٍ، تَخْرُجُ عَلَى مُلُوكِ الْعَالَمِ وَكُلِّ الْمَسْكُونَةِ	وهي أرواح شيطانية تصنع المعجزات وتذهب إلى ملوك كل المسكونة	14 For they are the spirits of demons that do signs, and they go forth to the kings of the whole world,	M-01A Revelation 16:14 εἰσιν γὰρ ΠῖΝἈΤΑ δαίμονιων ποιοῦντα σημεῖα εκπορευεσθαι εἰς τοὺς βασιλεῖς τῆς οἰκουμένης ὅλης συναγαγεῖν αὐτοὺς εἰς τὸν πόλεμον τῆς ἡμέρας τῆς μεγαλῆς τοῦ ΘΥ τοῦ παντοκράτορος	رؤ 16: 14	30
أضاف النساخ لفظة (العالم) للتأكيد على المعنى الذي يطرحه المؤلف وهو خروج الشياطين ووصولها لكل مكان وكل ملك على الأرض (دعم طرم المؤلف)					التعليق	

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تكتب: (مغموس) (περιεραμμενον السينائية: تكتب بدلا منها: (مرشوش (βεβαμμένον)	13 وَهُوَ مُتَسَرِّبٌ بِثَوْبٍ مَّغْمُوسٍ بِدَمٍ	وهو يلبس ثوبا مرشوشا بالدم	13 And he was clothed with a garment sprinkled in blood; and his name is called The Word of God.	M-01A Revelation 19:13 και περιβεβλημενος ματιον περιεραμμενον αιματι και κεκλητο ονομα αυτου ο λογος του ΘΥ	رؤ 19:13	31
قام النساخ بتغيير اللفظة من (مرشوش) إلى (مغموس) لأن الثانية مأخوذة من الفعل اليوناني (غمس βαπτω) ونطقها: بايتو، وهي اللفظة التي تعني: التعميد أو الغمس والتغطيس، فكان الهدف من كتابتها إثبات المعمودية وأن التعميد بالغمس وليس بالرش وهو الخلاف الدائر بين المسيحيين (دعم عقيدة التعميد)					التعليق	

Rev 19:13

ΠΕΡΙΕΡΑΜΜΕΝΟΝ
مرشوش

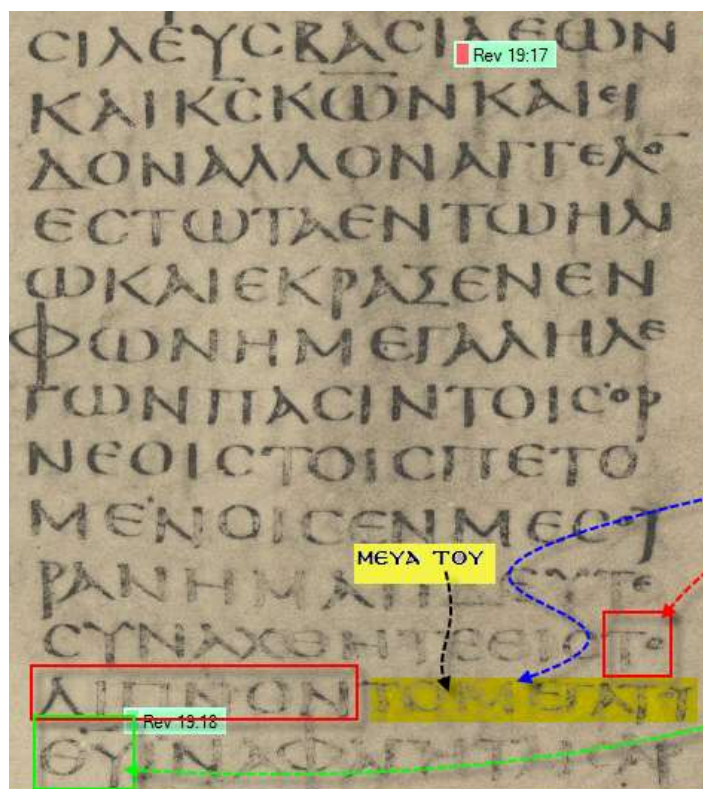
ليست بالمخطوط

19:13 ΚΑΙ ΠΕΡΙΒΕΒΛΗΜΕΝΟΣ ΙΜΑΤΙΟΝ ΒΕΒΑΜΜΕΝΟΝ ΑΙΜΑΤΙ ΚΑΙ

kai peribeblēmenos himation bebammenon haimati kai
AND HAVING-been-ABOUT-CAST GARMENT in-cloak HAVING-been-DIPPED to-BLOOD AND

بثوب
مغموس
بدم

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية (الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	١٧ وَرَأَيْتُ مَلَكًَا وَاحِدًا وَاقِفًا فِي الشَّمْسِ، فَصَرَخَ بِصَوْتٍ عَظِيمٍ قَائِلًا لِجَمِيعِ الطُّيُورِ الطَّائِرَةِ فِي وَسْطِ السَّمَاءِ: "هَلُمَّ اجْتَمِعِي إِلَى عِشَاءِ الإِلَهِ العَظِيمِ	١٧ وَرَأَيْتُ مَلَكًَا وَاحِدًا وَاقِفًا فِي الشَّمْسِ، فَصَرَخَ بِصَوْتٍ عَظِيمٍ قَائِلًا لِجَمِيعِ الطُّيُورِ الطَّائِرَةِ فِي وَسْطِ السَّمَاءِ: "هَلُمَّ اجْتَمِعِي إِلَى العِشَاءِ العَظِيمِ لِلإِلَهِ	17 And I saw an angel standing in the sun; and he cried with a loud voice, saying to all the birds that fly in mid-heaven: Come, gather yourselves to the great supper of God,	M-01A Revelation 19:17 Και ειδον αλλον αγγελο̄ εστωτα εν τω ηλιω και εκραξεν εν φωνη μεγαλη λεγων πασιν τοις ορνεοις τοις πετομενοις εν μεσουρανηματι Δευτε συναχθητε εις το διπνον το μεγα του ΘΥ̅	رؤ 19:17	32
	النسخة العربية: تكتب: (عشاء الإله العظيم το δεῖπνον του μεγάλου θεου) السينائية: تكتب بدلا منها: (العشاء العظيم للإله το διπνον το μεγα του ΘΥ̅					
	قام النساخ بوصف الإله بالعظمة بدلا من النص في السينائية التي تصف العشاء بالعظمة لأنهم رأوا أن الإله أولي بوصف العظمة من العشاء (تمسكين النص)				التعليق	



19:17	ΚΑΙ	ΕΙΔΟΝ	ΕΝΑ	ΑΓΓΕΛΟΝ	ΕΣΤΩΤΑ	ΕΝ	ΤΩ	ΗΛΙΩ	ΚΑΙ
	kai	eidon	hena	aggelon	hestota	en	to	heilō	kai
	AND	I-PERCEIVED	ONE	MESSENGER	HAVING-STOOD	IN	THE	SUN	AND
					standing				
	ΕΚΡΑΞΕΝ	ΦΩΝΗ	ΜΕΓΑΛΗ	ΛΕΓΩΝ	ΠΑΣΙΝ	ΤΟΙΣ	ΟΡΝΕΟΙΣ	ΤΟΙΣ	
	ekraxen	phōnē	megaī	legōn	pasin	tois	orneois	tois	
	he-CRIES	to-SOUND	GREAT	saying	to-ALL	THE	BIRDS	THE	
		to-voice	loud						
	ΠΕΤΩΜΕΝΟΙΣ	ΕΝ	ΜΕΣΟΥΡΑΝΗΜΑΤΙ	ΔΕΥΤΕ	ΚΑΙ	ΣΥΝΑΓΕΘΕ			
	petōmenois	en	mesouranēmati	deute	kai	sunagethe			
	ones-flyING	IN	MID-heaven	HITHER	AND	BE-YE-BEING-TOGETHER-LEE			
	flying			hither-ve!		be-ye-being-gathered!			
	ΕΙΣ	ΤΟ	ΔΕΙΠΝΟΝ	ΤΟΥ	ΜΕΓΑΛΟΥ	ΘΕΟΥ			
	eis	to	deipnon	tou	megalou	theou			
	INTO	THE	DINNER	OF-THE-	GREAT	God			

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف عبارة: (وَأَمَّا بَقِيَّةُ الْأَمْوَاتِ فَلَمْ تَعِشْ حَتَّى تَنبُتِ الْأَلْفُ السَّنَةِ. οἱ δὲ λοιποὶ τῶν νεκρῶν οὐκ ἀνέζησαν ἕως τελεσθῆ τὰ χίλια ἔτη) السينائية: العبارة غير موجودة	5 هَذِهِ هِيَ الْقِيَامَةُ الْأُولَى.	this is the first resurrection	M-01A Revelation 20:5 Αυτῆ ἡ ἀναστασις ἡ πρωτῆ	رؤ 20: 5	33
	اضاف النساخ عبارة (وَأَمَّا بَقِيَّةُ الْأَمْوَاتِ فَلَمْ تَعِشْ حَتَّى تَنبُتِ الْأَلْفُ السَّنَةِ). لأنهم لاحظوا أن النص رقم 4 تكلم عن حال الذين قتلوا من أجل الشهادة مع يسوع ويقصد بهم المسيحيون , لكنه لم يتكلم عن البقية الذين لم يقتلوا ويقصد بهم غير المسيحيين. فكانت الإضافة ضرورية لتدارك هذا الخطأ(علام المشكلات)					التعليق

Rev 20:5

Rev 20:6

ΕΒΑΣΙΛΕΥΣΑΝ	META	ΧΡΙΣΤΟΥ	ΧΙΛΙΑ	ΕΤΗ
ebasileusan	meta	christou	chilia	etE
reign	WITH	ANOINTED	THOUSAND	YEARS
		Christ	thousand(P)	

سنة

20:5 ΟΙ ΔΕ ΛΟΙΠΟΙ ΤΩΝ ΝΕΚΡΩΝ ΟΥΚ ΑΝΕΖΗΣΑΝ ΕΩΣ

hoi de loipoi tOn nekroN ouk anezEсан heOs

THE YET rest OF-THE DEAD NOT UP-LIVE TILL

وَأَمَّا بَقِيَّةُ الْأَمْوَاتِ فَلَمْ تَعِشْ حَتَّى تَنبُتِ الْأَلْفُ سَنَةً

ΤΕΛΕΣΘΗ	ΤΑ ΧΙΛΙΑ	ΕΤΗ	ΑΥΤΗ Η	ΑΝΑΚΤΑCΙC Η
telesthE	ta chilia	etE	hautE	anastasis
SHOULD-BE-BEING-FINISHED	THE THOUSAND	YEARS	this	THE UP-STANDIng
	thousand(P)		this-is	resurrection

هذه

πρωτῆ

prOtE

BEFORE-most

former

المظلل بالأصفر ليس بالمخطوط

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	وَأَنَا يُوحَنَّا رَأَيْتُ الْمَدِينَةَ الْمُقَدَّسَةَ أُورُشَلِيمَ الْجَدِيدَةَ	وَأنا رأيت المدينة المقدسة، أورشليم الجديدة،	2 And I saw the holy city, New Jerusalem,	M-01A Revelation 21:2 Καὶ τὴν πολιν τῆς ἁγίας Ἰερουσαλὴμ κενὴ εἶδον	رؤيا 2:21	34
النسخة العربية: تضيف لفظة: (يوحنا Ἰωάννης) السينائية: اللفظة غير موجودة						
	اضاف النساخ لفظة (يوحنا) من أجل إثبات اسم المؤلف مما يعطي الرسالة صفة القانونية (دعم قانونية الرسالة)				التعليق	

Rev 21:2

Rev 21:3

المظلل بالاصفر ليس
بالمخطوط

و 21:2

كاي kai AND

اَنَا

يوحنا

إِωΑΝΝΗΣ

JOHN

رَأَيْتُ

ΕΙΔΟΝ

PERCEIVED

تِηΝ

En

الْمَدِينَةَ

polin

تِηΝ

tEn

الْمَقْدَسَةَ

hagian

الْجَدِيدَةَ

THE HOLY

الْمَدِينَةَ

ΙΕΡΟΥΣΑΛΗΜ

Jerousalem

JERUSALEM

الْجَدِيدَةَ

ΚΑΙΝΗΝ

kainEn

NEW

الْمَدِينَةَ

ΚΑΤΑΒΑΙΝΟΥΣΑΝ

katabainousan

DOWN-STEPPING

الْمَدِينَةَ

ΑΠΟ

apo

الْمَدِينَةَ

ΤΟΥ

του

الْمَدِينَةَ

ΘΕΟΥ

theou

God

الْمَدِينَةَ

ΕΚ

ek

الْمَدِينَةَ

ΤΟΥ

του

الْمَدِينَةَ

ΟΥΣΑΝ

OF-THE

descending

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
النسخة العربية: تضيف لفظة: (المخلصين) τῶν σωζομένων) السينائية: اللفظة غير موجودة	٢٤ وتَمْشِي شُعُوبُ الْمُخْلِصِينَ بِنُورِهَا	ستمشي الأمم في نورها	24 And the nations shall walk by the light of it;	M-01A Revelation 21:24 Καὶ περιπατησουσιν δ τα εθνη δια του φωτος αυτης	رؤ 21:24	35
أضاف النساخ لفظة (المخلصين) من أجل توضيح أن الذين سيمشون في نور المدينة ليس كل الأمم كما يوحي النص بل فقط المخلصين (حصر الخلاص في المسيحيين)					التعليق	

Rev 21:24

Rev 21:25

شعوب

المخلصين

نور

شمشون

ليست بالمخطوط

21:24

ΚΑΙ ΤΑ ΕΘΝΗ ΤΩΝ ΣΩΖΟΜΕΝΩΝ ΕΝ ΤΩ ΦΩΤΙ ΑΥΤΗΣ

kai ta ethnE tOn sOzomenOn en tO phOti autEs

AND THE NATIONS OF-THE ones-beING-SAVED IN THE LIGHT OF-her

ΠΕΡΙΠΑΤΗΣΟΥΣΙΝ ΚΑΙ ΟΙ ΒΑΣΙΛΕΙΣ ΤΗΣ ΓΗΣ ΦΕΡΟΥΣΙΝ ΤΗΝ

peripatEsousin και hoi βασιλειΣ της gEs pherousin tEn

SHALL-BE-ABOUT-TREADING AND THE LAND ARE-CARRYING THE

shall-be-walking earth

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تضيف لفظة: (καθαρόν صافيا) السينائية: اللفظة غير موجودة	ثم أراني الملاك نهر الحياة كالبلور	1 And he showed me a river of water of life,	M-01A Revelation 22:1 Καὶ ἐδείξεν μοὶ ποταμὸν ὕδατος ζωῆς λαμπρῶν	رؤ 22:1	36
أضاف النساخ لفظة (صافيا) لمزيد من التوضيح للمعنى الذي يطرحه المؤلف وهو شدة نقاء وصفاء النهر (دعم طرم المؤلف)					التعليق	

Rev 22:1

ΚΑΙ ΕΔΕΙΞΕΝ ΜΟΙ

ΠΟΤΑΜΟΝ ΥΔΑΤΟΣ

ΖΩΗΣ ΛΑΜΠΡΟΝ

ΩΣΚΡΥΣΤΑΛΛΟΝ

ΕΚΠΟΡΕΥΣΜΕΝΟΝ

ΕΚΘΡΟΝ ΟΥΤΟΥ

Rev 22:2

ليست بالمخطوط

22:1	ΚΑΙ	ΕΔΕΙΞΕΝ	ΜΟΙ	ΚΑΘΑΡΟΝ	ΠΟΤΑΜΟΝ	ΥΔΑΤΟΣ	ΖΩΗΣ
	kai	edeixen	moi	katharon	potamon	hudatos	zoes
	AND	he-SHOWS	to-ME	clean	river	OF-water	OF-LIFE

وجه الاختلاف	النص في النسخة العربية الشائعة (ترجمة الفانديك)	ترجمة نص السينائية بالعربي	نص السينائية بالإنجليزي	نص السينائية باليوناني	رقم النص	م
	النسخة العربية: تكتب لفظة: (القدسين ἁγίων) السينائية: تكتب بدلا منها: (أرواح ΠΝΑΤΩΝ)	أَتَمَّ قَالَ لِي: "هَذِهِ الْأَقْوَالُ أَمِينَةٌ وَصَادِقَةٌ. وَالرَّبُّ إِلَهُ الْأَنْبِيَاءِ الْقَدِّسِينَ	6 And he said to me: These words are faithful and true; and the Lord God of the spirits of the prophets	M-01A Revelation 22:6 Καὶ εἶπεν μοι Οὗτοι οἱ λόγοι πιστοὶ καὶ ἀληθινοὶ καὶ ὁ ΚΣ̄ ὁ ΘΣ̄ τῶν ΠΝΑΤΩΝ τῶν προφητῶν	رؤ 22:6	37
قام النساخ بتغيير النص من (أرواح الأنبياء) إلى (أنبياءه القديسين) من أجل إيجاد تعبير مألوف, حيث أن هذا التعبير الثاني تكرر في لوقا 1-70, أعمال الرسل 3-21, أفسس 3-5. (تحسين النص)					التعليق	

Rev 22:6

ΑΡΧΑΓΓΕΛΩΝ ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ ΜΟΙ ΟΥΤΟΙ ΟΙ ΛΟΓΟΙ ΠΙΣΤΟΙ ΚΑΙ ΑΛΗΘΙΝΟΙ ΚΑΙ

ΑΝΒΙΑ

ΠΡΟΦΗΤΩΝ

ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΤΟΝ

ΦΗΤΩΝ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΤΟΝ

ΜΕΤΟΝ ΑΓΓΕΛΟΝ

ΑΥΤΟΥ ΔΙΣ ΔΕΙΞΑΙ ΤΟΙΣ

ΔΟΥΛΟΙΣ ΑΥΤΟΥ

Rev 22:1

Rev 22:2

Rev 22:3

Rev 22:4

Rev 22:5

Rev 22:6

Rev 22:7

Rev 22:10

Rev 22:11

Rev 22:12

Rev 22:13

ليست بالمخطوط

22:6	ΚΑΙ ΕΙΠΕΝ ΜΟΙ ΟΥΤΟΙ ΟΙ ΛΟΓΟΙ ΠΙΣΤΟΙ ΚΑΙ ΑΛΗΘΙΝΟΙ ΚΑΙ	kai eipen moi houtoi hoi logoi pistoi kai alEthinoi kai	AND he-said to-ME these THE sayings BELIEVing AND TRUE AND
	ΚΥΡΙΟΣ Ο ΘΕΟΣ ΤΩΝ ΑΓΙΩΝ ΠΡΟΦΗΤΩΝ ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΤΟΝ	kuriOS ho theOS tOn hagiOn prophEtOn apesteilen ton	Master THE God OF-THE HOLY BEFORE-AVERers commissions THE

ΚΥΡΙΟΣ	Ο ΘΕΟΣ	ΤΩΝ ΑΓΙΩΝ	ΠΡΟΦΗΤΩΝ	ΑΠΕΣΤΕΙΛΕΝ ΤΟΝ
kuriOS	ho theOS	tOn hagiOn	prophEtOn	apesteilen ton
Master	THE God	OF-THE HOLY	BEFORE-AVERers	commissions THE
Lord	الله		الأنبياء	
			prophets	

الفصل الخامس أهداف التحريف- وشهادات بالتحريف

رأينا عدة أهداف للتحريف ويمكن تلخيصها فيما يلي:-

- 1- دعم ألوهية يسوع
- 2- طمس النصوص المضادة لألوهية يسوع
- 3- تحسين صورة يسوع
- 4- تحسين صورة بولس
- 5- دعم عقيدة الفداء والصلب
- 6- دعم عقيدة التثليث
- 7- دعم عقيدة القيامة
- 8- دعم عقيدة وحي الكتاب
- 9- إيجاد خاتمة مناسبة للأسفار
- 10- دعم قانونية الأسفار
- 11- مطابقة الاناجيل ببعضها
- 12- مطابقة الاقتباسات ببعضها
- 13- دعم فكرة إلغاء العهد القديم
- 14- زراعة البنوءات عن يسوع
- 15- زراعة العبادات وسد الفراغ الروحي
- 16- تشويه صورة اليهود
- 17- دعم فكرة البتولية الدائمة لمريم
- 18- توضيح النصوص وإيجاد تناغم بينها
- 19- طمس أدلة الهرطقة وعقائدهم

وغيرها من الأهداف

واقدم بين يدي الخاتمة طرف بسيط من شهادات العلماء بخصوص الاختلافات الواقعة والتحريفات الحاصلة في المخطوطات عموماً:

• **إبراهارد نستل :**

" جميع الهراطقة توجهت لهم تهمة بتحريف نص الكتاب المقدس "

"Nearly all the heretics were in turn accused of falsifying the scriptures."²⁸

• **اتهام إيرناوس لماركيون بتزوير نص الكتاب المقدس :**

- 1- أنه قطع أوصل رسائل بولس فأزال منها كل ما يشير إلي أن الله هو خالق العالم
- 2- أزال كل النبوءات المأخوذة من كتب الأنبياء

"dismembered the epistles of Paul, removing all that is said by the apostle respecting that God who made the world, to the effect that He is the Father of our Lord Jesus Christ, and also those passages from the prophetic writings which the apostle quotes, in order to teach us that they announced beforehand the coming of the Lord."²⁹

• **بارت إيرمان :**

" الدراسات الحالية تشير من خلال المخطوطات بأصابع الاتهام للجهة المقابلة . النساخ المنتمين للتقليد الأرثوذكسي كثيراً ما غيروا النصوص من أجل التخلص من استعمال الهراطقة لها في خدمة عقائدهم, وأحياناً من أجل اقناع هؤلاء الهراطقة بالعقائد الأرثوذكسية"

"recent studies have shown that the evidence of our surviving manuscripts points the finger in the opposite direction. Scribes who were associated with the orthodox tradition not infrequently changed their texts, sometimes in order to eliminate the possibility of their "misuse" by Christians affirming heretical beliefs and sometimes to make them more amenable to the doctrines being espoused by Christians of their own persuasion."³⁰

ويقول:

" لا يمكننا القول أن جميع الاختلافات التي تصل لمئات الألوف كانت تغييرات لأهداف عقائدية, لكن التغييرات التي سببها بوضوح أهداف عقائدية تصل لعدة مئات "

²⁸ Eberhard Nestle, Introduction to the Textual Criticism of the Greek New Testament, p.197

²⁹ Irenaeus, Against Heresies 1.27.2

³⁰ Bart Ehrman, Misquoting Jesus, New York: HarperCollins, 2005, p.53

"While no one would claim that theological controversies caused the majority of the hundreds of thousands of textual variants. they clearly engendered several hundred."³¹

ويقول:

"أمثلة لبعض الفقرات التي فيها مشاكل نصية هامة, والقرارات النصية أثرت بشكل كبير في تفسير هذه الفقرات :-

(1) متى 1: 16

(2) متى 1: 18

(3) لوقا 1: 35

(4) مرقص 1: 10

(5) لوقا 3: 22

(6) يوحنا 1: 34

(7) مرقص 15: 34

(8) لوقا 22: 43-44

(9) يوحنا 19: 36

(10) مرقص 1: 1

(11) لوقا 3: 22

(12) يوحنا 1: 34

(13) مرقص 15: 34

(14) يوحنا 19: 36

(15) يوحنا الأولي 4: 3

(16) العبرانيين 1: 8

(17) التحريفات الغير غريبة - عددها 30 مشكلة نصية -

The interpretation of significant passages is sometimes affected by the textual decision just within the gospels, reference can be made to the prologue of John (e.g., 1:18), the birth narratives of Matthew and Luke (e.g., Matt 1:16, 18; Luke 1:35), the baptism accounts (e.g., Mark 1:10; Luke 3:22; John 1:34), and the various passion narratives (e.g., Mark 15:34; Luke 22:43-44; John 19:36).

Moreover, a number of variants affect a range of issues that continue to interest historians and exegeses on the NT, including such questions as whether the gospels could have been used to support either an "adoptionistic" Christology (e.g., Mark 1:1; Luke 3:22; John 1:34) or one that was antidoctetic (e.g., the western non interpolations), whether Luke has a doctrine of atonement (e.g., 1 John 4:3), and whether any of the authors of the NT characterizes Jesus as "God" (e.g., Heb 1:8)³²

• بيكرنج:-

يصرح بأن الاختلافات الهامة تصل إلى 5% من إجمالي الاختلافات بين المخطوطات (أقل عدد قيل للاختلافات بين المخطوطات هو 150 ألف) مما يعني أن كل نص بالعهد الجديد فيه مشكلة هامة :

³¹THE TEXT OF THE NEW TESTAMENT IN CONTEMPORARY RESEARCH., CHAPTER 22 THE TEXT AS WINDOW: NEW TESTAMENT MANUSCRIPTS AND THE SOCIAL HISTORY OF EARLY CHRISTIANITY., Bart D. Ehrman., pg. 365

³² THE TEXT OF THE NEW TESTAMENT IN CONTEMPORARY RESEARCH., CHAPTER 22 THE TEXT AS WINDOW: NEW TESTAMENT MANUSCRIPTS AND THE SOCIAL HISTORY OF EARLY CHRISTIANITY., Bart D. Ehrman., pg. 365,17 الهامش رقم

"I have been accused of inconsistency in that I criticize W-H for treating the NT like any other book and yet myself claim a "normal transmission" for the Majority Text. Not at all; I am referring to a normal transmission of an inspired Text, which W-H denied. I refer to believers copying a text that they believed to be inspired. Further, I also recognize an "abnormal transmission", whereas W-H did not. Fee seriously distorts my position by ignoring my discussion of the abnormal transmission ("A Critique", pp. 404-08) and miss-stating my view of the normal transmission (Ibid., p. 399). I hold that 95% of the variants, the obvious transcriptional errors, belong (for the most part) to the normal transmission, whereas most of the remaining 5%, the 'significant' variants, belong to the abnormal transmission."³³

• **الفيلسوف الوثني كلوسوس في القرن الثاني :-**

"المسيحيين قاموا بتحريف نص الاناجيل ثلاثة مرات أو أكثر وقاموا بتغيير هويتها من اجل التغلب علي الانتقادات التي يواجهونها"³⁴.

• **عدد المشكلات التي ناقشتها لجنة ال UBS في جهازها النقدي = 1437 :**

"The Committee also redefined the various levels in the evaluation of evidence on the basis of their relative degrees of certainty. Thus the evaluation of all the 1437 sets of variants cited in the apparatus have been completely reconsidered"³⁵.

• **دانيال ولاس:**

"لا توجد مخطوطتين متطابقتين , يوجد من 6 : 10 اختلافات في كل إصحاح بين أي مخطوطتين شديديتي القرب من بعضهما "

"no two NT manuscripts agree completely—in fact, there are between six and ten variations per chapter for the closest two manuscripts."³⁶

ويقول تعليقا على طرح بارت إيرمان:

"الأطروحة الرئيسية- لإيرمان- أن النساخ الأرثوذكس حرفوا نص العهد الجديد من أجل أغراضهم الخاصة هي أطروحة صحيحة بكل تأكيد ويمكننا أنا نري ذلك في مئات من المواضع"

"basic thesis that orthodox scribes have altered the New Testament text for their own purposes is one that is certainly true. We can see evidence of this in hundreds of places"³⁷.

³³ THE IDENTITY OF THE NEW TESTAMENT TEXT IV Wilbur N. Pickering, ThM PhD Copyright . 2014,pg68هامش

³⁴ Origen, Against Celsus 2.27

³⁵ The Greek New Testament, fourth revision edition, Stuttgart: Deutsche Bibelgesellschaft, 1994, p.7

³⁶ Inspiration, Preservation, and New Testament Textual Criticism,26-june-2004

<https://bible.org/article/inspiration-preservation-and-new-testament-textual-criticism>

³⁷ Revisiting the Corruption of the New Testament: Manuscript, Patristic, and Apocryphal Evidence ., by Daniel B. Wallace ., pg 43.

• **جوردن في :**

" لا يوجد مخطوطتان يونانيتين متطابقتان , متوسط الاختلافات في أفضل الحالات يتراوح بين 6-10 اختلافات في الإصحاح, لم تنجو مخطوطة واحدة من الفساد"

“No two of the 5340-plus Greek MSS of the NT are exactly alike. In fact the closest relationships between any two MSS in existence—even among the majority—average from six to ten variants per chapter. It is obvious therefore that no MS has escaped corruption.”³⁸

• **أوريجاتوس :**

" الاختلافات الكثيرة بين المخطوطات هي حقيقة معترف بها, وسببها إهمال بعض النساخ أو حماقة البعض الآخر التي حملته على تحريف النص أو الإضافات والحذف الاعتباطي"

“it is a recognized fact that there is much diversity in our copies, whether by the carelessness of certain scribes, or by some culpable rashness in the correction of the text, or by some people making arbitrary additions or omissions in their corrections.”³⁹

• **جيروم :**

" إن هناك اشكال مختلفة من النصوص بقدر ما هناك مخطوطات "

"There are almost as many forms of text as there are manuscripts.”⁴⁰

و في رسالته للبابا دامسوس يصرح بما يلي :

- 1- كثرة الاختلافات الملحوظة في المخطوطات اللاتينية للعهد الجديد
- 2- عدد النصوص المختلفة يساوي عدد المخطوطات المنسوخة نفسها
- 3- من اسباب الاختلافات هي النساخ المهملين
- 4- من اسباب الاختلافات هي المصححين الجهلة
- 5- من أسباب الاختلافات هي التغييرات العمياء بواسطة النساخ النائمين
- 6- المخطوطات اليونانية للوسيان وهيزيكوس لا يمكن الوثوق بها
- 7- التصحيح يجب أن يعتمد علي المخطوطات اليونانية فهي المنبع الأصلي الذي يجب الرجوع إليه لحسم الخلاف.

" لو علقنا إيماننا علي المخطوطات اللاتينية فإنها ستخبرنا , إن هناك عدد من الأشكال المختلفة من النصوص بما يساوي عدد النسخ نفسها , ومن الجهة الأخرى لو أردنا استجلاء الحقيقة عن طريق المقارنة بين المخطوطات فلماذا لا نعود للمخطوطات اليونانية في تصحيح الأخطاء التي حدثت بسبب النساخ المهملين وبسبب التغييرات العمياء بواسطة المصححين الجهلة , وأكثر من ذلك التغييرات التي أدخلت بواسطة هؤلاء الذين لا أدري هل كانوا نائمين أم متيقظين, أنا هنا لا أتكلم عن العهد القديم... يجب أن نعترف بأن

See also.,Darrell L. Bock and Daniel B. Wallace, Dethroning Jesus: Exposing Popular Culture's Quest to Unseat the Biblical Christ, Nashville: Thomas Nelson, 2007, p.60-61.

³⁸ Gordon D. Fee, “Modern Textual Criticism and the Revival of the Textus Receptus,” in Journal of the Evangelical Theological Society 21:1, March 1978, p.23

³⁹ Origen, Comm. Matt. 15.14

⁴⁰ Jerome, Ep. Praef. Evang., to Damasus

مخطوطاتنا اللاتينية مليئة بالاختلافات الملحوظة, وعندما يتفرع التيار لعدة قنوات فإنه يتحتم علينا الرجوع للمنبع الرئيسي , لقد تجنبت المخطوطات التي تحمل اسم لوسيان وهيزيكوس فإنها نقلت بواسطة أشخاص غير أمناء...وهي غير مجدية في تصحيح ترجمات العهد الجديد"

"if we are to pin our faith to the Latin texts, it is for our opponents to tell us which; for there are almost as many forms of texts as there are copies. If, on the other hand, we are to glean the truth from a comparison of many, why not go back to the original Greek and correct the mistakes introduced by inaccurate translators, and the blundering alterations of confident but ignorant critics, and, further, all that has been inserted or changed by copyists more asleep than awake? I am not discussing the Old Testament... We must confess that as we have it in our language it is marked by discrepancies, and now that the stream is distributed into different channels we must go back to the fountainhead. I pass over those manuscripts which are associated with the names of Lucian and Hesychius, and the authority of which is perversely maintained by a handful of disputatious persons. ... it was useless to correct the New, for versions of Scripture."⁴¹

• اغسطينوس :

- 1- الاختلافات لا تنتهي والمترجمين كثيرون جدا.
- 2- بمجرد ما يمتلك احدهم مخطوط يوناني يتخيل أنه يملك معرفة باللغتين اليونانية واللاتينية وبسرعة يقوم بالترجمة بمنتهي الجراءة

نص كلامه نقلا عن العالم ابرهارد نستل :

"(We learn from the great Church Teacher Augustine, who lived in Africa about the same time (354-430), that there was an endless variety and multitude of translators (latinorum interpretum infinita varietas, interpretum numerositas). He tells us that while it was possible to count the number of those who had translated the Bible— i.e. the Old Testament from Hebrew into Greek, the Latin translators were innumerable that in the early age of the Christian faith (primis fidei temporibus), no sooner did anyone gain possession of a Greek Codex, and believe himself to have any knowledge of both languages, than he made bold to translate it (ausus est interpretari). "⁴²

• بروس مترجر :

"المخطوطات المبكرة تحمل الكثير من الاختلافات والقليل منها فقط هو ما بقي محفوظا في النص القانوني "

"The earlier manuscripts present a wide spectrum of variant readings, a few of which are preserved in the later standardized texts."⁴³

• بارت إيرمان :

³⁷ NPNF2-06. Jerome: The Principal Works of St. Jerome, Ep. Praef. Evang., to Damasus, The Four Gospels.,pg 1041-104

⁴² GREEK NEW TESTAMENT BY EBERHARD NESTLE, Ph. and Th.D. MAULBRONN, 1901.pg 108:109

⁴³ The Early Versions of the New Testament, Their Origin, Transmission, and Limitations, p.133

"الاختلافات بين المخطوطات أكبر من عدد كلمات الكتاب المقدس"

"There are more variations among our manuscripts than there are words in the New Testament."

Bart Ehrman, Misquoting Jesus, p.90

● هانز إيتزن يشرح أسباب التحريفات (Kim Haines-Eitzen) :

" أثبتت الدراسات أن العديد من التغييرات حدثت بواسطة النساخ لأهداف معادية لليهود, وأحيانا أهداف معادية للمرأة , وأهداف أبائية , وأهداف عقائدية وإلهية ."

"studies have shown that certain changes made by scribes in the process of copying appear to have been motivated by anti Jewish sentiments; others seem influenced by a certain animosity toward women; others by apologetic concerns; and still others can be explained by theological, especially Christological, concerns. "⁴⁴

● أمبروسيو:

يعتبر نص مرقس ١٣: ٣٢ وَأَمَّا ذَلِكَ الْيَوْمُ وَتِلْكَ السَّاعَةُ فَلَا يَعْلَمُ بِهِمَا أَحَدٌ، وَلَا الْمَلَائِكَةُ الَّذِينَ فِي السَّمَاءِ، وَلَا الْإِبْنُ، إِلَّا الْآبُ، نصا محرفا ويشهد أيضا بتحريف الكتاب المقدس عموما فيقول :
" مكتوب أنه ذلك اليوم وتلك الساعة فلا يعلم بهما أحد، ولا الملائكة الذين في السماء، ولا الابن، إلا الأب . أو كل شيء فإن جميع المخطوطات اليونانية المبكرة ليس فيها لفظة (ولا الابن). لكنه ليس من العجيب أن الذين حرفوا الكتب المقدسة قد حرفوا هذه الفقرة أيضا "

"It is written, they say: —But of that day and that hour no one knows, no, not the angels which are in heaven, neither the Son, but the Father only. First of all the ancient Greek manuscripts do not contain the words, —neither the Son (knows). But it is not to be wondered at if they who have interpolated the sacred Scriptures have also falsified this passage. The reason for which it seems to have been inserted is perfectly plain, so long as it is applied to unfold such blasphemy. "⁴⁵

وخلاصة القول أن نص السينائية يثبت وجود اختلافات كبيرة بين الشواهد المبكرة من جهة والنص الحالي للعهد الجديد من جهة أخرى, تتراوح هذه الاختلافات بين أسفار كاملة مرورا بفقرات ومقاطع ونصوص وانتهاء بكلمات وحروف ...

سبحان ربك رب العزة عما يصفون , وسلام على المرسلين , والحمد لله رب العالمين

<http://shamy2016.blogspot.com.eg/>

⁴⁴ Kim Haines-Eitzen, *Guardians of Letters: Literacy, Power, and the Transmitters of Early Christian Literature*, New York: Oxford University, 2000, p.112

⁴⁵ (NPNF 2.10:691) Chapter XVI. The Arians are condemned by the Holy Spirit through the mouth...